201

Hechan Volume The Gazette of Andia

प्राधिकार से प्रकाशित १७६८/ऽमहर्षे हर्म कराम्

सं• 16]

नई बिस्ली, शनिवार, अप्रैल 19, 1986 (चैत्र 29, 1908)

No. 16] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 19, 1986 (CHAITRA 29, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिलते कि धड़ अलय संस्थान ने कर में रखा जा सके

भाग Ш-खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 मार्च 1986

सं ए ए 12025(ii)/1/84-प्रशा ाा — संघ लोक सेवा श्रायोग के के व संव में अनुभाग श्रीविवारों के पद पर स्थानापन रूप में कार्यरत श्री ए कि शर्मा को जो उसी संवर्ग में लेखा श्रीविवारों के पद पर स्थानापन रूप में प्रतिनियुक्ति श्रीधार पर कार्यरत थे, 10-1-86 (श्रप) से अनुभाग श्रीधकारों के पद पर प्रत्यावतित कर दिया है ।

2. इस कार्यालय के श्रादेश सं० ए० 12025(ii)/1/84— श्रा III दिनांक 10 जनवरी, 1986 का श्रिष्ठित्रमण करते ए संघ लोक सेवा श्रायोग के के० स० से० संवर्ग में धनुभाग श्रिष्ठकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री ए० के० धर्मा के कांगिक एवं प्रशिक्षण विभाग के कां० जां० सं० 5/11/85— गि० एस० I दिनांक 9-9-1985 द्वारा मूचना एवं प्रमारण विलाय के के० स० से० संवर्ग में वर्ष 1984 के लिए धनुभाग श्रिष्ठ शरी ग्रेड (विष्ठिता कोटा) को चयन सूची में सम्मिलिन करने हेनु मनोनीत होने के परिणामस्वरूप उन्हें 3 मार्च, 1986

के पुर्वाह्न से इस कार्यालय के कार्यभार से मुक्त पिया जाता है।
एम० पी० जैन
अधर सचिव (का० प्रशा०)
संघ लोक सेवा आयोग

कार्मिक और प्रशिक्षण प्रशासिक सुधार तथा व लोक शिकारत और पेंशन मंत्रालय (कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग)

केन्द्रीय न्याय वैद्यक विज्ञान प्रयोगणाला केन्द्रीय धन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 11 मार्च 1986

सं० 1-20/82-सी० एफ० एस० एस०/2462--राष्ट्रपति, केन्द्रीय न्याय-वैद्यवा विज्ञान प्रयोगणाला के विष्ठि वैज्ञानिक सहायक, श्री एए० के० प्रसाद (प्रसायत प्राप्त) को 22-1-1986 (प्रविद्ध) से केन्द्रीय प्रलेषण ब्यूपो, नई दिल्ली की केन्द्रीय न्याय-वैद्यक विज्ञानिक श्रीक्षणाती से विष्ठि वैज्ञानिक श्रीक्षणाती से पर वर्ष प्राधार

पर छ: (त) माह या पद के स्थायी रूप से भरने, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

विनां ह 21 मार्च 1986

सं० ए०-19020/8/83-प्रणा० 5---प्रत्यावर्तन होने पर श्री० एस० पी० मिश्र, भा० पु० सेवा (उ० प्र०: रा० पु० सेवा) पुलिस धर्धाक्षक, केन्द्रीय धन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, लखनऊ शाखा की सेवाएं दिनांक 3 फरवरी 1986 धपराह्न से उत्तर प्रदेश सरकार को सींपी जाती हैं।

के० चऋवर्थी उप-निदेशक (प्रणासन) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

केन्द्रीय सतर्कता भायोग

नई दिल्ली, दिनांक 21 मार्च 1986

सं० 1/2/85-अशासन--केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त एतद्-द्वारा इस श्रायोग में श्री कंचल नैन, स्थायी सहायक को श्रनुभाग श्रायकारी के पद पर तदर्थ रूप से विसनमान क० 650-1200 में 18-3-86 (पूर्वाह्व) से तीन माह की श्रवधि के लिए या सगले श्रादेश तक जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

> मनोहर लाल ग्रानर सिंच (प्रशासन) **छ**ते केन्द्रीय सतर्कता स्रायुक्त

गृह मंत्रालय

महानिबेद्यालय, के० रि० प्० बल

नई दिल्ली-110003; दिनांक 21 मार्च 1986

सं० ओ० दो०-1320/78 स्थापना-धे---श्री जी० एस० रायत ने के० रि० पु० बल के नियम 43 (सो) के अन्तर्गत सरकारों सेवा से निवृत होने के फलस्वरूप पुलिस अधीक्षक, पुष केन्द्र के० रि० पु० बल, रामपुर के पद का कार्यभार दिनांक 6-2-1986 (अपराह्म) को त्याग दिया ।

सं० ओ० दो० 1485/80 स्थापना-1--श्री गुरमुख सिंह ने सरकारों सेषा से निश्त होने के फलस्वरूप पुलिस उपश्रधीक्षक, 30बी बटालियन के० रि० पु० वल के पद का कार्यभार दिनांक 28-2-1986 (श्रपराह्म) को त्याग दिया ।

संo डी o एक-29/85-स्थापना-1- संदर्भ इस महा-निवेशालय के समसंख्यक श्रधिसूचना दिनाक 30-10-85 के संदर्भ में/केद्रीन्य रिजर्व पुलिस बल के 4/43 बटा o के सहायक कमाँडेट ए० एम० निधू की सेवायें पंजाब सरहार की सींपरे की तिथि 12-9-85 (पूर्वाह्म) के स्थान पर 10-9-85 (पूर्वाह्म) पढ़ा जाए।

सं० ओ० दो० --2130/86-स्थापना--1---राष्ट्रपति जी ने डाक्टर जितेन्द्र वात्साधन को श्रम्थायी रूप से श्रामामी शादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल इयूटी श्राफिसर ग्रेड-II (डी०एस० पी०/एम्पनी कमाण्डर) के पद पर 3 मार्च 1986 पूर्वाह्म से सहर्प ित्युक्त किया है।

दिनांक 25 मार्च 1986

सं० ओ० दो०--2135/86-स्थापना---राष्ट्रपति जी, ने डाफ्टर शजीत जी० बान्दरे की अस्थायी रूप से श्रागामी श्रादेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल इयूटी श्राफीसर ग्रेड--11 (डीं० एस० पी०/सम्भनी कमांडर) के पद पर 13 मार्च 1986 पूर्वाह्म से सहर्प नियुक्त विधा है।

सं० ओ० दो०-2137/86-स्थापना---राष्ट्रपति जी ने जाक्टर निर्मल कुमार की अस्थायी रूप से आगामी आदेग जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ड्यूटी आफीसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/तम्पनी कमांडर) के पद पर 17 मार्च 1986 पूर्वीन्न से सहर्ष नियुक्त किया है।

श्रशोक राज महीपति सहायक निदेशक (स्थापना)

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय नहीं दिल्ली-110011, दिलांक 25 मार्च 1986

सं 11/10/84-प्रशा 1---राष्ट्रभित, चयन समिति की सिफारिश पर निम्नलिखित प्रधिकारियों को कालम 3 में उनके नामों के भ्रागे दर्शायों गई ताराख से प्रतिनियुक्ति धाधार पर, स्थानांतरण द्वारा, उपनिदेशक अनगणना कार्य के पद पर नियुक्त करते हैं। उनके मुख्यालय कालम---4 में दर्शाए गए हैं:---

संबंधित श्रधिकारी 3(ती।) वर्ष की श्रवधि के लिए श्रथवा श्रमले श्रादेशों तक, जो भी कम हो, प्रतिनियुक्ति पर होंगे :---

ऋ॰ नाम तथा पदनाम सं०	नियुफ्ति की तारीख	कार्यालय जहां तैनात किए गए हैं (मुख्यालय)
1 2	3	4
सर्वश्री 1. श्री एस० राजगोपालन, श्रनुभाग श्रधिकारी (गृह मंत्रालय के केन्द्रीय सचिवालय सेवा काडर)	811986	शास्त्र के महारिज- स्ट्रार का कार्यालय नई दिल्ली ।

1	2	3	4
2.	सर्वश्री श्री प्रेम निर्धानी,	1121986	कार्यालय, निदेशक,
	प्रणासन श्रधिकारी केन्द्रीय सचिवालय सेवा काडर के ग्रेड∽I के		जनगणना कार्य, महाराष्ट्र ।
	म्रधिसगरी		

दिनांक 27 मार्च 1986

सं० 13/12/85-प्रका० 1----नई दिल्ली में भारत के महा-रिजिस्ट्रार के कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी के पद पर कार्यरत श्री ई० रामास्वामी अधिविधाला को आयु प्राप्त करने पर 28 फरनरी, 1986 के अपराह्म में उसी कार्यालय में अनुसंधान अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ा ।

> वी० एस० वर्मा भारत के महारजिस्ट्रार

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग महालेखा जार ा जार्यालय, आन्त्र प्रदेश हैदराबाद, दिनांक 20 मार्च 1986

सर्व प्रमार 1/8-132/85-85/211--श्री बीर सोमना, लेखा रिक्षा अधि धरी, महालेखा शर का हार्यानय (लेखापरीक्षा) आंध्र प्रदेश, हा देहाना दियों र 7-3-86 को हो गया है।

> (ह०) ग्राठनीय वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रणासन)

कार्यालय महालेखाकार (लेखा परीक्षा)-1, बिहार पटना, दिनांक 20 मार्च 1986

ज्ञा० सं० प्रशासल-1 (लेखा परीक्षा)-1-20-5-2002-महालेखा तर (लेखा परीक्षा)-1 बिहार, पटना निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों को दिलांक 14-3-8.6 (पूर्वाह्न) या पदभार
ग्रहण की निथि भे, जो बाद में हो, से अगले आदेश तक रुपए
650-30-740-:5-880-द० रो०-40-1040 के वेतनमान में स्थानापन्न सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी ग्रुप 'ख'
राजग्रदित के पद पर सहर्ष पदोन्नत करते हैं:---

क्र० सं० तथा नाम

सर्वश्री

- ा. राम चन्द्र चौधरी सं०--1
- 2. जनार्दन दुबे
- 3. दिलीप कुमार मोइला
- 4. मो० षाउद
- 5. श्री सैयद अहमद जाग
- 6. लोक नाथ दास

जयन्त चटर्जी उग महालेखा कार (प्रणासन) लेखा परौक्षा, बिहार

महालेखाकार का कार्यालय (लेखा तथा अधिकरण) जम्मू व कश्मीर

श्रीतगर, दिनां रु 14 मार्च 1986

सं० प्रमा० -1 (फ० फण्ड ई०)60 (25)/85-86/6217—महालेखाङार जम्मू व कश्मीर स्थानापन्न अनुभाग अधिजारी श्रीमती बसन्ती दलाल को स्थानापन्न धारिता में 17-2-1986 (पूर्वाह्म) के अगले आदेशों तक वेतनमान रुपए 840-40-1000 द० रो०-40-1200 में लेखा अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं। श्रीमती बसन्ती कौल स्थानापन्न लेखा अधिकारियों के संदर्भ में श्री एम० एल० राजदान के बाद रखी जायेंगी ।

(ह०) अपऽनीय उप महालेखाकार (लेखा तथा प्रधिकरण)

महािलेखाकार (लेखा परीक्षा) का कार्यालय, केरल तिरुवनन्तपुरम, दिनांक 20 मार्च 1986

सं० ६ स्ट० और कैस०/1/10-3/85-86/784— महालेखा तर (लेखापरीक्षा) का कार्यालय केरल तिरुवतन्तपुरम के लेखापरीक्षा अधिकारी श्री वी० जे० जोसफ अधिवर्षिता के कारण 28-2-1986 अपराह्म को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> वी० लक्ष्मीमारायणम महालेखाकार

कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) म० प्र० ग्वालियर, दिनांक 19 मार्च 1986

कमांक/प्रणासन-एक/पि० एफ० जे० एल० ए०/2984---श्री जवाहर अग्रवाल (01/388) अस्थायी लेखा अधिकारी, कार्यालय महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम, मध्यप्रदेश, ग्वालियर, अर्धवापिकी आयु हो जाने पर दिमांक 31-3-1986 को अपराह्म शासकीय सवा ग सेवा निवृत्त किया जाता है।

(ह०) **भपठनीय** वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशा**सन**)

कार्यालय महालेखाकार (लेखापरीक्षा)-I गुजरात अहमदाबाद-380017, दिमांक 1986

महालेखा गार (लेखापरीक्षा)-I गुजरात, अहमदाबाद के निर्णय के अनुसार निम्नलिखित अनुभाग अधिकारी (लेखापरीक्षा) को कार्यालय, महालेखाकार, गुजरात, अहमदाबाद/राजकोट में स्थाना प्रम सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में उनके नाम के सामने बताई गई तारी ख में अगले आवेश मिलने तक नियुक्त किया जाना है:—

- 1. श्री ए० सीनाराम--- 13-2-86 पूर्वीह्न से अहमदाबाद
- 2. श्री ए० बी० नायर--13-2-86 पूर्वाह्न से अहमदाबाद

- 3. श्री के० शशीधरन -12-2-86 पूर्वाह्न से अहमदाबाद
- 4. श्री वी० के० अघारा---12-2-86 पूर्वाह्म से राजकोट

उपरोक्त नियुक्ति अस्थायी है और 1984 की विशेष सिविल आवेदन पत्न सं० 388 से माननीय गुजरात उच्च न्यायालय के निष्कर्ष की अर्त पर की जाती है ।

> (ह०) भ्रपठनीय वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार (ले० एवं हक्०,), पश्चिम बंगाल कलकत्ता, दिभांक 7 मार्च 1986

सं अशा • - I/ 1039 – XXI/ 3363 — महालेखा हार (ले ॰ एवं हुक), पश्चिम बंगाल ने अगले आदेश तक निम्त्रलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों की तदर्थ तथा अस्थायी तौर पर लेखा अधिकारियों के हैसियत में अस्थायो ग्रार स्थानापन्न क्या में 7-3-86 (अश्राह्म) में या इसके बाद जिस दितां क दिनां क दिन

ऋ० स०

नाम

सर्वश्री—

- आणीय कुमार चौधुरी-II (पिचम बगाल सरकार, गृह (पी० ए० आर०) विभाग में प्रति नियुक्ति पर है।)
- 2. देवश्रत बोस
- 3. अनिल कुमार साहा-।।
- 4. श्यामापद प्रामानिक

द्वसं स्पष्ट समक्ष लेशा चाहिए कि लेखा अधिकारी के संवर्ग में पूर्वोक्त प्रोन्तित्यां जब तक कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक मुक्तदमें में निर्णय निलम्बित रहे, तब तक पूर्णतः अस्थायी रूप से हैं ग्रौर भारतीय गणराज्य तथा दूसरों के खिलाफ दायर किए गए 1979 सी० आर० केस सं० 14918 (डब्ल्यू) के अन्तिम फैसले के अधीन हैं।

नए प्रोन्नत अधिकारियों को एक माह के अन्दर विकल्प देना होगा। उनकी प्रोन्नति पर, उनके बेतन, पहले एक० आर० 22सी के अधीन निर्धारित करना चाहिए फ्रांप यदि वे एक माह की निर्धारित अवधि के अन्दर दिनांक 26-9-81 के ग्रो० एम० के पैरा -2 के अनुसार, विकल्प देते हैं तो उनके ग्राधीन, उनकी प्रोन्नति के दिनांक में एफ० आर० 22 (क) (1) के अधीन तथा उसके बाद प्रदायक (फीडर) पद पर, पदवर्ती वेतन वृद्धि के दिनां उसे एफ० धार० 22सी० के अधीन निर्धारित करना चाहिए ।

> डी० मिश्र वरिष्ठ महालेखाकार (प्रशासन)

वाणिज्य मंत्रालय मुख्य नियंत्रक आयात-निर्यात का कार्यालय नर्ष्ट्र दिल्ली, विनांक 17 मार्च 1986 आयात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/708/63-प्रणासन (राज०)/1922-संयुक्त मुख्य नियंत्र हे, आयात-निर्यात के लायीलय, बम्बई में उप मुख्य नियंत्र के आयात-निर्यात की जी० बी० श्रीवास्त्रव निवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेमें पर 28 फरवरी, 1986 के अपराह्म से सरकारो-सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

णंकर चन्द उप मुख्य नियंद्यक, स्रायात-नियात इते मुक्ष्य नियंद्यक, श्रायात-नियोत

वस्त्र श्रायुक्त का कार्यालय बम्बर्श-20, दिनांक 18 मार्च 1986

मं० 37 (5) 86/ई० एस० ही ० 1/1175- - भारत के राष्ट्रपति, श्री तानाजी गोपाल सोनावले को सहायक प्रवर्तन अधिकारी, श्रेणी- II के पद पर 3 मार्च, 1986 के पूर्वीह्न से ग्रान्ते आवशों तक वस्त्र ग्रायुक्त कार्यालय बस्त्रई में सहयं नियुक्त करते हैं।

श्ररुण कुमार, वस्त्र श्रायुक्त

हथकरघा विकास स्रोयुक्त का कार्यांलय नई दिल्ली, दिनांक 18 मार्च 1986

सं० 19001/29/83-डी० सी० एच०/प्रशासत-I--श्री पी० के० दल, भारतीय प्रशामनिक सेवा श्रधिकारी (ग्रमम : 67) ने विकास श्रायुक्त (हस्तशिल्प) के पद पर नियुक्ति होने के परिणामस्वरूप 18-3-1986 के पूर्वाह्न से श्रपर विकास श्रायुक्त हथकरघा के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> रंजना सिह्ना संयुक्त विकास श्रायुक्त (हथकरघा)

इस्पात ग्रौर खान मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण कलकला-700016, दिनाँक 19 मार्च 1986

सं० ए/19011(1-एत० एम० स्नार०)/85 → 19ए--राष्ट्रपतिजी श्री नरेन्द्र मिह्र राना को भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक मर्वेक्षण में 700:40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 ६० के न्यूनतम वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में स्रागामी स्रादेश होने तक, 26-12-1985 के पूर्वाह्र से निय्कत कर रहे हैं।

दिनाँक मार्च 1986

सं० 1934बी/ए-19012 (5-कें० सी०) 185-19बी-भारतीय भूवैभानिक सर्वेक्षण के महानिदेणक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के फोरमैन (यिएट) श्री कृष्णचन्द्र को महायक याँजिक श्रिभयन्ता के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमान्तुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द रो०-40-1200 रु० के वैतनमान के वेतन पर श्रन्थायी क्षमता में श्रागामी श्रादेश होने तक 18-11-85 के पूर्वाल्च से पद्रोश्रति पर नियुक्त कर रहे हैं।

सं 1946बी/ए- 32014(2-ए० जी०)/79-19बी--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक
सर्वेक्षण के निम्नलिखित वरिष्ठ तकनीकी सहायकों (भूऔतिकी)
को सहायक भूभौतिकीविद के पद पर उसी विश्वाग में नियमानुसार
650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-401000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान के वेतन पर
स्थानापन क्षमता में स्नागामी स्नादेश होने तक प्रत्येक के सामने
दशीयी गई तिथि से पदोस्ति पर नियुक्त कर रहे हैं।

1. श्री भ्रार० सत्यनारायण	31-12-85 (पूर्वाह्न)
2. श्रीबीहरिराव	3 1- 1 2-85 (पूर्वाह्न)
3. श्री एस० सिहैया	31-12-85 (पूर्वाह्म)
4. श्री श्रार० एस० श्राचार्य	1−1−86 (पूर्वाह्म)
5. ड ा०एम० के०चौहान	1-1-86 (पूर्वाह्न)
6. श्री जे०ए० नागभूषण राव	1-1-86 (पूर्वाह्न)
7. श्री विजय नारायण सिंह	2- 1-86 (पूर्वाह्न)
	श्रमित कुशारी, निदेशक

भारतीय खान ब्यूरी

(कामिक)

नागपुर, दिनौंक 19 मार्चे 1986

स० ए०-19011(48) | 70-स्था० ए०--राष्ट्रपति श्री के० एल० जॉंगीडा स्थायी उप खान नियंत्रक को भारतीय खान ध्यूरो में क्षेत्रीय खान नियंत्रक के पद पर दिनाँक 13-2-86 के पूर्वाह्म से नियमित रूप से धागामी ग्रादेण तक नियुक्ति प्रदान की गई हैं। सं० ए०-19011((49)80-स्था० ए०--राष्ट्रपति श्री एम० पी० कुसुम स्थायी उपखान नियंत्रक को भारतीय खान ब्यूरो में क्षेत्रीय खान नियंत्रक के पद पर दिनाँक 12-2-86 के पूर्वीह्न से नियमित च्य से श्रागामी श्रावेश नक नियुक्ति प्रदान की गई हैं।

> जी० सी० शर्मा स<mark>हायक प्रशासन ग्रधिकारी</mark> कृते महानियंत्रक

दूरदर्शन महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनौंक 14 भार्च 1986

सं० 6/23/86-एस० 2--महानिदेशक, दूरदर्शन, श्री ए० है० पुरकायस्थ की पद्रोन्नति होने पर श्राकाशवानी, राँची से स्थाना-न्तरण के फलस्वरूप दिनाँक 27-2-1986 (पूविह्न) से दूरदर्शन केन्द्र, गुवाहाटी में प्रशामिनक श्रधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

ति० मु० मुन्दरेग्वरन प्रणामन उपनिदेणक

भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र

कामिक प्रभाग

बम्बई, दिनाँक 25 मार्च 1986

सं० पी०ए/73(18)/ग्रार-4/432—नियंत्रक, भाभा परमाणु प्रनुसंधान केन्द्र डा० गरडे विनायक वेकटेश को निवासी चिकित्सा ग्रधिकारी पद पर भाभा परमाणु प्रनुसंधान केन्द्र के प्रायुविज्ञान प्रभाग में मार्च 14, 1986 (ग्रपराह्न) से तीन वर्ष की ग्रविध तक ग्रस्थावी रूप में नियुक्त करते हैं।

एन० ए ल० वे किटेश्वरन उप स्थापना श्रधिकारी

श्रन्तरिक्ष विभाग

शार केन्द्र

श्री हरिकोटा रेंज 524,124 नेल्लूर जिला (ग्रां० प्र०) भारत

श्री हरिकोटा दिनाक 12, फरवरी 1986

सं० एस० सी० एफ०/पी० जी० ए०/स्थापना 11/15--निर्देशक, शार केन्द्र एतद्र्वारा श्री के० कामेश्वर राव को सहायक
भंडार मधिकारी के रूप में, पद्रोन्नति द्वारा वेतनमान ६० 65030~740-35-880-द० रो०-40-960/-में, णार केन्द्र,
श्रीहरिकोटा में, स्थानापन्न क्षमता के रूप में दिनांक 6-2-86
(पूर्वाह्र) से नियुक्त करता है ।

पी० ए.स० नायर प्रधान, कामिक ग्रौर सामान्य प्रशासन प्रभाग कृते निवेशक

केन्द्रीय जल श्रायोग

नई दिल्ली, दिनौंक 21 मार्च 1986

सं ए 19012/1123/85--स्थापना पाँच--अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग श्री शिवेन्द्र पाठक, पर्यवेक्षक को श्रितिरिक्त सहायक निदेशक/महायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेष्ट में 650-30-740-35-810-द रोज-35-880-40-1000 द रोज-40-1200,- स्पए के वेननमान में 10/10/1985 की पूत्रिक्त से एक वर्ष की अवधि के लिए अथवा पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण अस्थायी तथा तवर्ष आधार पर स्थानापन रूप में निय्वत करते हैं।

दिनांक 24 मार्च 1986

सं० ए-19012/1120/85-स्था० पांच--श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग एतद्द्वारा श्री जी० सी० मणि, वरिष्ठ श्रनु-संधान सहायक को केन्द्रीय जल श्रायोग में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में सहायक श्रमुसंधान श्रधिवारी (रसायन) के रूप में पूर्णतया श्रस्थायी श्रीर नदर्थ श्राधार पर 7 नवम्बर, 1985 की पूर्वाह्न से 6 महीने की श्रवधि के लिए श्रथवा इस पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

मीनाक्षी ग्ररोड़ा ग्रवर सचिव केन्द्रीय जल ग्रायोग

केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 19 मार्च 1986

मं० 3-740/86-मुख्य जात भू० (स्था०)--श्री देवलरण राय को दिनांक 22-1-1986 (पूर्वीह्य) न अगले आदेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायय जलभूविज्ञानी के पद पर जी० सी० एस० समूह-ख (राजपितत) वेतनमान कपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- में अस्थामी तौर पर नियुक्त किया जाता है।

बी० पी० मी० सिह्ना मुख्य जल भृविज्ञानी एवं सदस्य

केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1986

सं० 2/86 फा० सं० 22/2/85-प्रणासन-1(बी)--फ्राध्यक्ष, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, एतद्द्वारा, निम्नलिखित सकनीकी सहायकों/पर्यवेक्षकों को, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में केन्द्रीय विद्युत इंजीनियाँ ग (ग्रुप-बी) सेवा में श्रितिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक श्रीभयन्ता के ग्रेड में, स्थानापक क्षमता में, श्रगले श्रादेश होने तक, प्रस्येक के नाम के सामने दर्णायी गई तारीख से नियुक्त करते हैं:—

(1)) श्रीएस०सी०	मिसल	30-1-1986
-----	--------------	------	-----------

श्रार० शेषाद्रि श्रवर सचिव कृते श्रष्ट्यक्ष

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1926

मं० 33/2/83-ई० सी० 9-राष्ट्रपति सहर्ष संघ लोक्ष्य सेवा श्रायोग के निम्निलिखिन नामितों को उप-वास्यकों के श्रस्थायी पदों पर (सामान्य सिविल सेवा ग्रुप के) केन्द्रीय लोक्ष निर्माण विभाग में रु० 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 के वेतनमान में (अतिरिक्त भत्तों सिहत) सामान्य नियमों एवं शतीं पर प्रत्येक के सामने दर्शायी तिथियों से नियुक्त करते हैं:--

(1)	श्रीपी० के०वर्मा	31-12-85	ग्रपराह्म)
(1)	ज्याचार करण्या	31-12-60	(אויית)

		_	_			
1	(2)	श्रा	राविन्द्रा	कुमार	ठठ्	2-1-1986

इन्हें नियुक्ति तिथियों से 2 वर्ष की श्रविध के लिए परिवीक्षा पर रखा जाता है।

> पृथ्वी पाल सिंह प्रशासन उप-निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 17 मार्च 1986

सं० 5/4/82-६० सी०-1--1983 में हुई संयुक्त इंजी नियरी सेवाएं परीक्षा के परिणामों के द्याधार राष्ट्रपति निम्न-लिखित व्यक्तियों को जो अस्थायी पदों पर सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिवल/विद्युत/यांकिक) के श्रधीन केन्द्रीय इंजीनियरी सेवाएं और केन्द्रीय विद्युत और यांत्रिक इंजीनियरी सेवाएं समूह 'क' में केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में परिवीक्षा पर नियुक्त करते हैं।

सं० नाम (सिविल)	नियुक्ति की तारीख
1. हरभजन सिंह चुघ	16-1-86 (पूर्वाह्न)
2. शलेन्द्र शर्मा	17-9-85 (पूर्वाह्न)
3. ग्राणुतोय के० पाठक	5-6-85 (ग्रपगाह्न)
4. मनोज कुमार शर्मा	13-9 - 85 (पूर्वाह्न)
5. प्रवीन कुमार वर्मा	14-8-85 (पूर्वाह्न)
 के० उन्नीकृष्णा पानीकर 	9-5-85 (पूर्वाह्न)
7. श्रतुल कुमार गर्ग	16-5-85 (पूर्वाह्न)
8. श्रुरुण कुमार झा	31-7-85 (पूर्वाह्न)
9. क्रिफ मोहन खटीक (श्रनु० जाति	r) 10-5-85 (पूर्वाह्न)
10. पुंजया राम पटील (ग्रनु० जाति)	30-10-85 (पूर्वाह्म)
11. हनुभान प्रसाद र्माना (क्रन्० र	रन० जाति) 11⊢9−85 (पूर्वाह्न)
12. प्रेम राज मीना (%.নু০ অন০ আ	ति) 16-8-85 (पूर्वाह्न)
,13. रिबन देउरी (श्रनु० जन० जारि (विद्युत)	त) 10-5-85 (पूर्वाह्स)
1. ग्रनिल कुमार श्राह्जा	31 −5−85 (पूर्वाह्न)
2. सतीश चन्द्र	29-10-85 (पूर्वाह्म)
(यांत्रिक)	
1. रतन लाल (ग्रनु० जाति)	8-7-85 (पूर्वाह्न)
	के० सी० देहरी प्रशासन उपनिदेशक

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंद्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बीठ कोलम्बीया टैक्स-टाईल्स मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में जालन्धर, दिनांक मार्च 1986

सं० जी०/स्डेट/560 — कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन (3) मास के श्रवसान पर बी० को नम्बीया टैक्सटाइल मैंन्युफैक्चरिंग नम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशात न विया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा श्रीर उक्स वभ्पनी विघटित कर वी जाएगी।

"६ स्पनी क्रिशिनियम, 1956 श्रीर शार० जी० रबड़ एण्ड फेन्स प्राइवेट िनिस्टेड के विषय में

जालन्धर, दिनांदः 26 मार्च 1986

सं० जी/स्टेट/10512 ास्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एसद्द्वारा सुचना दी जाती है शिश्वार० जी० रबड़ एन्ड फेस्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम शाज रिक्टिंग से काट दिया गया है और उक्त वस्पनी विघटित हो गयी है.।

"कम्पनी ग्रिधिनियण 1956 और सन सुज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धाः, दिवाः 26 मार्च 1986

सं० जो/स्टेट/3652/10514 कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के धनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि सन सूज प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से बाट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

"कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 श्रौर पोपली चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 26 मार्च 1986

सं० जं /स्टेट/3052/10516 कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के शनुसरण में एसद्बारा सूचना दी जाती है कि पौपली चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटित हो गयी है।

"क्रम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर चाँवी प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में" ।

जालन्धर, दिनाँक 26 मार्च 1986

सं० जी/स्टेंट/2127/10518 कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुपरण में एतब्द्वारा सूचना दो जाता है कि चौंदी प्रोडक्शन प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर में काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

"करणनी अधिनियम, 1956 और श्रीन पेपर मिरुज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में"

वालन्धर, दिनाँक मार्च 26 1986

संज जी/स्टेट/4149/10520 कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुपरण में एनद्दारा सूचनादी जीतो है कि कौन पेपर मिल्ज प्राइवेट जिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भ्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है। "कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर सुपर टिको फूबेस प्राइवेट शिमिटेड के विषय में"

जालन्धर, दिनाँक 26 मार्च 1986

सं जी/स्टेंट/3935/10522— कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि सुपर टिको फूडम प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधित हो गई है।

"कृम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर एम० एम० भास्कर (नार्थ इण्डिया) ट्रेडर्ज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में"

जालन्धर, दिनाँक 26 मार्च 1986

सं० जीं/स्टेट/4141/10524—कस्पनी श्रिधिनियस 1956 के धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना वी जाती है कि एम० एम० भास्कर (नार्थ इण्डिया) ट्रेडर्ज प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विषटिस हो गई है।

कम्पनी ग्रधिनियम , 1956 ग्रीर स्टैण्डर्ड इमपेक्स श्राइवेट लिमिटेड के विषय में''

णालन्धर, विनांक 26 मार्च 1986

सं० जी० स्टेट/560/3760/10526——कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एसद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनाँक से तीन (3) मास के अवसान पर स्टैण्डर्ड इमपेक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

"कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर श्रपेक्स बेयरिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनाँक 26 मार्च 1986

सं० जी/स्टेट/4080/10528---कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 500 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतब्द्वारा वी जाती है कि भ्रवेक्य बेयरिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

"कम्पनी श्रिधिनियम 1956 ग्रौर प्रदीप लिमिटेड के विषय में "

जालन्धर, दिनौंक 26 मार्च 1986

सं० जी/स्टेट/2338/10530—कम्पनी भ्रिधिनियम 1056 की धारा 560 की उपधारा (5) के भ्रनुसरण में एतबृद्वारा सूचना दी जाती है कि प्रदीप लिमिटेड का नाम भ्राज रिजस्टर से काट दिया गया है भ्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

"कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रौर पुन्नकेन फासनरस के विषय में "

जालन्धर, दिनाँक 26 मार्च 1986

सं० जो/स्टेंट/5302/10532 — कम्पनी प्रधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के प्रनुसरण में एतदृहारा सूचना दी जाती है कि पुन्जकेन फासनरस लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रौर उक्त कम्पनी विष्टित हो गयी है।

वी० एम० <mark>जैन</mark> कम्पनी रजिस्ट्रार, पंजाब, हिमाचल प्रदेश <mark>एवं</mark> चण्डीगढ़।

धायकर स्रपीलीय स्रधिकरण बम्बई, दिनौंक 20 मार्च 1986

सं० एफ०-48-ए०डी०/ए०टी०/1986--श्री टी० के० गाँगुली, सहायक पंजीकार, श्रायकर श्रपीलीय श्रधिकरण, कटक पीठ, कटक, मुख्याखय कलकत्ता दिनाँक 28 फरवरी 1986 के अपराह्म से श्रधिवर्षिता की श्रायुप्रात हो जाने के कारण शासकीय सेवा से निवृत हो गए ।

> टी० डी० सुग्ला ग्रध्यक्ष

प्रसम् सार्वं , टी. एन , एस , ------

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-प (1) के अधीन स्वना

भारत सहस्रह

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

श्रजीन रैंग श्रम्तमरे

श्रम्तपर, दिनौंक 12 मिर्च 1986

निर्देश सं० ग्रमृतनर/85-86/70--यन मुझे, जे० प्रसाद, ग्राई० श्रार० एग०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिनकी सं० कृषि भूमि है तथा जो गाँव तपाला तहसील वहाला में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबंद अनुसूत्रों में ग्रीर पूर्ण-रूप से त्रणित है), रिनिस्ट्रोकर्ना ग्रिप्तिकारी के कार्यात्रय, डेरा बाबा तानक में रिजिस्ट्रोकरण ग्रिप्तिन्यम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनाँक जुलाई, 1985,

का प्रकारत स्वास के नांचित बाजार सक्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोचित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (धन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक स्पास किथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उनक बिधिनयम के अभीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उसने बचने में मुविधा के लिए: और/मा
- (भ) एसी बिसी आय या किसी भन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्ट अधिनियम, था धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्याजनार्थ अक्ट किया गया। भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ किया

नशः अस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुनरल मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिभित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 2 —26 GI/86

(1) श्री बाबा सिंह पुत्र श्री स्नासा सिंह गाँव तपाला, डेरा बाबा नानक, तहसील बटाला, जिला--गुरदानपुर।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री विचतर सिंह पुत्र श्री कृपाल सिंह श्री ग्रमरीक सिंह पुत्र श्री वसाखा सिंह गाँव ग्रौर डाकछाना कलाबीर डेरा बाबा नानक, तहसील बटाला, जिला गुरदानपुर। (श्रम्तरिती)
 - (3) जैसा कि क्रम सं० 2 पर है श्रीर किरायेदार अगर कोई है ।

(वह्ब्यक्ति,जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(2) श्रौर कोई

(बह ब्यक्ति, जिनके बारे में स्रधी-हस्ताक्षरी जीनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का ग्रह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति दुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्यंथ किसी अन्य व्यक्ति य्यारा अधोहस्ताक्षरी के पात निचित्त में किए जा सकाने।

स्पष्टिकरण: ----इसभे प्रयुक्त शब्दों बाँड पदों का, को उक्त आयकर किथिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्य होगा को उस कथ्याम में दिया भया है।

मन् स् ची

कुषि भूमि गाँव तथाला, डेरा बाबा नानक तहनील बटाला में जैगािक रिजिन्द्रीकर्ना अधिकारो डेरा बाबा नानक केसेलडीड सं० 592 तिथि 25-7-85 में दर्ज है।

> जे० प्रसाद, श्राई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी पहायक्षप्राथकर आपुक्त (किरोधाण) अर्जन रॅज, अमृतस*ा*

दिनौं ह : 12-3-1986

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयंकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, अंगलूर

बंगलूर, दिनौंक 11 मार्च 1986

नोटिस सं० 47780/85-86--यतः मुझे, आर० भारद्वाज, जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पंश्वाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

ग्रीरिजिसकी सं० 28/1 है, तथा जो हुयिन्स रोड, ।। कास सेंट तामल टौन, बेंगलूर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबस ग्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बॉगत है), रिजस्ट्रीकर्सा ग्रिधकारी के कार्यातय, णिवाजी नवर मैं रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन , दिनाँक 11-7-85,

को गुंधों कत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अंतरण सिचित में वास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के लिए; बार्/या
- (वं) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना बाहिए था. स्थिपाने के स्विभा के सिए;

अत: तब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) औ वधीन, निज्निजिक्ति व्यक्तियों, अधित क्र-- (1) श्रोमती एम० सत्यावित सं० 28/1, हुयिन्स रोड, II क्राय, मेंट तामस टाउन, बेंगलूर---84।

(ग्रन्नरक)

(2) श्रीमती ए० एलिजबेत, सं० 7/1, सवापति लेन, कबेलिरि रोड, कास, बेंगलूर--1

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वे वित सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप ः---

- (क) इस सूचना के राष्प्रप्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिथ या तस्समंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की सुविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीसर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंगारा;
- (च) इत स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारी थ से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूर्च(

(दस्तावेग सं० 1124/85 दिनाँक 11-7-85) सम्पत्ति है, जिनका मं० 28/1, जो हृयिन्म रोड, II काम, सेंट तामस टाउन, बेंगलूर, में स्थित है ।

न्नार० भारयाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, इंगसूर

दिनाँक : 11-3-86

शक्त वार््की_एन_एस_्क्ष-क-----

नातकर नीधनियम, 1961 (1961 का 43) ही भारत 269-म (1) के नधीन बुधना

भारत सरकार

कार्यानय, सङ्गयस जायकर आयुक्त (विरक्षिण) भूजीन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनाँक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० 47825/85-86- स्यतः मुझे, आर० भारद्वाण, बावकर विधिनयन, 1961 (1961 का 43) (विशे इस्वे इसके प्रथात् 'उन्तत अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित् वाचार मुख्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

सौर जिसकी सं० 192 है, तथा जो VI ब्लाक, कोरमंगला एक्सटेंशन, बेंगलूर में स्थित है (सौर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में सौरपूर्ण का मे विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्पालय बेंगलूर दक्षिण तालूक, में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्थीन, दिनाँक 8-7-85,

की पूर्वोक्स सम्परित को जिपत बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफस के लिए जन्तरित की गई है और मूने यह विश्वास करने का कारण है कि बभापवाँक्त सन्मतित का अधिक बाजार मून्य, उसके स्थमान प्रतिफम से, ऐसे क्यमान प्रतिकत का वंदह प्रतिकात से विभिन्न ही और जंतरक (जंतरक) बीड वंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के मिए तय पाया गया प्रतिफम, निम्निनिवित स्व्यंचिय से स्वत् वंतरण मिनिवत में बास्तिविक रूप से कथिक महीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत, उसत बीधीनशम के अधीन कह दीने के अस्तरक के दाबित्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (श) एसी किसी काव या किसी वन वा वस्य वास्तियों की, जिन्ही वास्तीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा वन-कार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा विकास वा वाहिए था, कियाने में जुनिधा की ब्रिय;

नत: नन, उन्हां निर्माणक की पास 209-य के बनुवरण हों, ती, उन्हां निर्माणक की पास 269-ये की व्यवस्त (1) है नवीन - निर्माणकिक क्योचक्यों क्र क्योड़ क्र-फ (1) श्री जी० पी० दुरैराज, श्री जी-पोन्नुस्वामि के पुत्र (लेट) सं० 14, कब्बान रोड, बेंगलूर--1

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती इंदिरा ग्रानन्द केर/ग्राफ श्री मि० वि० रामचन्द्रन, सं० 32/1, रामाकुष्णपा रोष्ट, काक्स टाउन, बेंगलुर⊸-5

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त चंपीत के अर्जन के संबंध में कोई भी आखेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींच सें
 45 दिन की जर्नाभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 कूचना की तामील से 30 दिन की बनिभ, को भी
 कविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाराः
- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीं के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-प्रदूध किसी बन्ध भ्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास चिकित में किए जा सकती।

स्वक्रिक्त द— इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त स्विधिनियम के सभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होना को उस सभ्याय में दिया। वस हैं है

श्रनुसूची

(दस्तावेज सं० 1169,85, दिनां है 8-7-85) संपत्ति है, जिसका सं० 192, जो V) ब्लाक, कोरमंगला एक्सटेंशन, बेंगलूर, में स्थित है ।

> श्रार० भारद्वाज नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक : 12-3-86

प्रारूप बाह्र .टी.एन.एस. 👵 👵

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याचय, सञ्चयक वायकर भाग्रन्त (निर्माण)

ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनाँक 12 मार्च 1986

नोटिस सं० 47787|85-86--यनः ग्रार० भारद्वाज, ज्याकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिंचे इंड्रें स्थके प्रभाष 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), जी पार्च 263-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने जो कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 10/26 सदरन पोरणन है, तथा जो हासपीटल रोड, बोंगलूर में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबढ़ भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रुप में वॉणन है), रिल्ट्रिकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय शिबाजी नगर में रिज्स्ट्रीकरण श्रधिकियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई 1985,

को पूर्वोगत सम्पन्नि के लीवत बाजार मूल्य सं कम के द्रामान मित्रिक्स के लिए बंदिरित की पर् है बीर बुके गई विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार भूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफाल का पन्नह प्रतिकात से अभिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंधिरती (जन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तर्ज के लिए तय याया गया प्रतिकास, निम्मनिधित उद्देश्य से उच्त अंतरण मिखित में वास्त्रिक रूप से कीचल नहीं किया नया है है—

- (क) वस्तरण वे हुइ किया बाव की वाबत , उक्त विभिन्नित के स्थीन कर दोने के सन्तरक के वासित्य में कमी करने का अवसे न्यने में स्थिश के सिए; बार/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भने या जन्य आस्तियाँ काँ, जिल्हें भारतीय सायकार सिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिभिनयम या भनकार सिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सम्मितियों वृंबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था कियाने में स्विभा के निए,

क्षा क्षत्र विविधित की भारा 269-व के व्यक्तरण हों, हों उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अहीन, निस्तिलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री प्राली महमद सैंट
 प्याज सैंट 3. श्रीमती फितमा जाकर
 मं० (1) ग्रौर (2) जो सं० 10 हापिटल रोड,
 बेंगलूर में रहते हैं ग्रौर सं० (3) 52/ए इन्फैंन्ट्री
 रोड, बेंगलूर में रहते हैं।
 (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सुरेका सं० 100, मैन बाजार उटकामण्ड (अन्तरिती)

को बहु सुभुवा चारी करके पृश्नित सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्या करमिता के वर्षत के कम्बन्ध में कोई भी बाधीप :---

- (क) इस स्वता के राजपन में प्रकावन की तारीय के 45 विव की कमींच या तरसंगंधी व्यक्तियाँ पर स्वा की ताशीन से 30 विन की श्योध, जो भी क्योध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तिय व्यक्तियाँ।
- (व) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 विज्ञ के औतर उनस स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ट्रक किसी जन्म स्पविस द्वारा अधीहन्दाक्षरी के पास सिवित में किए वा सकती।

स्थलीकरणः — इसमें प्रमुखत कव्यों और पर्वों का, जो अवत अधिप्रियम के बध्याक 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होंगा जो उक्त वध्याय में दिवस प्रमुखी

ग्रन्सुची

(दस्तावेज मं० 1158/85-86 दिनांक जुलाई 85) सम्पत्ति है, जिसका सं० 10(26) जो हासपिटल रोड, (सदरन पोरणन) बेंगलूर में स्थित है ।

आर० भारद्वाज यक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, बंगलुर

दिनौंक : 12-3-86

प्रकृष बार्चाः टी. एम्. प्रश्च क्रान्यसम्बद्धाः

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) का वारा 269-व (1) के निधीन सुवना

बार्स स्रका≉

कार्याक्षय, सञ्चायक भागकर बार्थ्स (निर्माशक)

श्चर्जन रेंज, बंगलीर

बंगलौर, दिनौंक 12 मार्च 1986

निर्देण मंज्नोटिस नं० 47786/95 86-~यतः मुझे, श्रार० भारद्वाज

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके बरणाओं 'उन्कत अधिनियम' कहा गया ही), की बारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उनित काबार म्स्ब 1,00,000/- या से अधिकार है

श्रीर जिपकी संव 10(26) नाईन पोरान है तथा जो हास्पीयल रोड़ बंगलीर में स्थित है (श्रीर इपने उपाबद अनुसूर्य) में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिनिस्ट्री करण स्थितियम, 1908 (1908 का 16) के श्राप्तेत, जिस्ट्री क्ली श्रीकारी के कार्यालय, शिवाजी नगर में दिनौक जुलाई 1985।

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार भ्रस्य से कम के धरणमास प्रतिफना के लिए अंतरित की गई की और भन्ने

मह विश्वास करने का कारण हो कि यथापर्नोक्त सम्मित्त का कारण हो कि यथापर्नोक्त सम्मित्त का कारण स्थाप मुख्य , उसके सम्मान प्रतिफल सा, एसे दश्यमान वितफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक हो और अन्तरण (अन्तरकार) और अन्तरण के निष्
क्रम पाया । या प्रतिफल निम्निलिशित उद्विष्य से उस्त सन्तरण के सिष्
क्रम पाया । या प्रतिफल निम्निलिशित उद्विष्य से उस्त सन्तरण के सिष्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/भा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या कत्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर जीपनियम, 192% (1922 का 11) या उस्त जीपनियम, यह नन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मिनी स्वारा प्रकट वहीं किया क्या या किया वाना चाहिए था कियाने में सुविधा के किए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उन्धारा (1) **इ कर्ष**तः, निम्नीतिकत व्यक्तियमें, क्षित् :---

- (1) 1. श्री अली मोहम्मद सैट
 - 2. श्री फैयाज सैंट
 - 3. श्रीमतो फातिमा जाफर (1) श्रौर (2) नं० 10, हास्यीटल रोड़ में रहते हैं श्रौर नं० (3), 52,ए इस्फैन्ट्री रोड़, बंगलीर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरोजा उमेश नाहर, नं० 100 मेन बाजार, उटकमन्ड।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

रक्त संपत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पत्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इत स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भें दित-वस्था किसी जन्म क्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जब्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यभा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा पका है।

ग्रनुसूची

(दस्तावेण सं० 1157/85~86 ता० जुलाई 1985) सम्पत्ति है जिसकी सं० 10(26) जो हास्पीटल रोड़ (नार्द्रेन पोरशन), बंगलौर में स्थित है।

> श्रार० भारत्नाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलीर

विनांक: 12-3-1986

प्रकृत बाइं.टी.युव.एव., ------

वाबकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीत स्वका

EUG BYES

कार्यंतव, सहायक बायकर बायकर (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 6 मार्च 1986

निर्देश सं० ए० सो०-3 छ। एक्पू० श्रार-कत्र क्सा 4/85~ 86~-श्रतः मुझे, शेख नईसिटी न

नायकर निभित्रियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परवात् 'उनत अभितियम' कक्षा नया हु"), की बारा 269-ब के नभीन सक्षम प्रभिकारी की, यह विकास करने का कारण हु" कि स्थानर संपत्ति निसका स्थित नाचार ग्रं

1,00,000/- रत. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 14 बी, है तथा जो ए० बी० चक्रवर्ती लेन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बाजत है) रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय हुगली में भार-तीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनाँक 3 जुलाई 1985।

को पूर्वोक्त संपत्ति के जियह बाजार मूल्य से कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्मन्ति का उचित आधार भूल्य, उसके व्ययमान प्रतिपाल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत्रिरीतवाँ) से बीध एसे बंदरूज के तिस् तम शवा यहा प्रीत-क्त विश्वानिक क्यूबेक्स से उसके सम्मरण विकित में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी भन या कला नास्तिकों को, जिन्हों भारतीय बायकार विभिन्नम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिन्नम, या कल क्षिमियन, या कल क्षिमियन, या कल क्ष्य क्षिमियन, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ क्लारिती इंतारा प्रकार नहीं किया जना था वा किया वाना जाहिए था, कियाने ने स्टिशना में जिए;

(1) श्रीमती गीता बासु।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मृदुला मुखर्जी,
श्री प्रतापादिब्त मुखर्जी ।

(ग्रन्तरिती)

को मह सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपरि सं वर्षक के सिव कार्यवाहियां करता हो।

बन्त बन्दरित् के वर्षय को बन्दर में कीई ही आहरे :--

- (क) इस सुचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, को और अविध नाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी कम्य व्यक्ति ह्वाड्य वक्षोइस्ताक्षरी के बाद विकास में किस् वा संकोंगे।

स्वयं करण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त व्यथिनियम के वध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा थो उस वध्याय में विया नवा है।

श्रनुसूची

जमीन--. 052 एकड़ जमीन का साथ मकान। पता--14/बी, ए० बी० चक्रवर्ती लेन, थाना-उत्तरपाड़ा जिला-हुगली।

दलिल सं०- - 1985- 4658।

शख नईमुदीन, मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग- 4, कलकसा

श्वतः ज्ञाव, व्यक्त विधिवयन की भारा 269-व की विष्करण वें, वें, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निस्निशिवत व्यक्तियों, वर्धात् इ—

दिनांक: 6-3-1986

प्रक्ष सर्वा सी ुप्त , एत . -----

शायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाव्क्स (निर्दाक्क)

ग्रर्जन **रेंज-** 4, कलकत्ता

कलकसा, दिनाँक 6 मार्च 1986

निर्देश सं० ए० सी०- 37/ए क्यू० स्नार- 4/कलकत्ता, 85-86--यतः मुझे शेख नईम्हीन

कासकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'अक्ष अभिनियस' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार वृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 73,71 है तथा जो अज चन्द्र गली 1स्ट लेन, उत्तरपाड़ा में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है, रिजस्ट्रीकर्सी श्रधिकारी के कार्यालय हुगली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक 8 जुलाई 1985।

को व्वॉक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान पतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिति मों) को बीध एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निविद्य के शहरीक कर से किथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मे कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था भा या किया जार चाहिए था, छिपारे में सविधा के सिद्

(1) श्रीणांति कुमार साना

(ग्रन्त रक्त)

(2) श्रोमती मीरा बन्दीपाध्याय।

(अन्तरियो)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

श्रनसूची

जभोन- - 4 कठा, 1 छटाँ ह 12 स्के॰ फीट जैमीन के साथ मकान।

पता— 73,71, अज चन्द्र गली फर्स्ट लेन, थाना-चुनुड़ा जिला-हमली।

विज्ञल सं०च- 1985 का 4780।

शेख नईपुहीन, सक्षम प्राथिकारी सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्राजनरेजें - 4, कलकत्ता

अत: श्व, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की, बन्सरण् भा, भा, उस्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के क्रभीत, निस्त्रलिखित व्यक्तियों, अधृति :—

दिनौक: 6-3-1986

प्ररूप भार्द. टी. एन. एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रजीन रेज-४, कलकत्ता भ्रार्जन रंज, भद्रौ मदुरे, निनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० 2 जुलाई 1985--ग्रन: मझे एय० एस० एन०

मृति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,) की 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रत. से अधिक है

न्नीर जिसकी सं. 77, 68-3, 70-2, 74-3 है तथा जो मरुंगै कलत्तुर ग्राम में स्थित है (ग्रैं र इसरो उपाबद्ध ग्रनसूनी में ग्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रिलिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार कट्टपूत्तर (डाक्रमेंट 667/85) में भार-तीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक जलाई 1985।

को पूर्वाक्ति सम्परित को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रसिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उष्दोध्य से उत्रत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाब की बावड, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को काबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) एेसी किसी अाय या किसी धन या अन्य अवस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भचकर अधिनियम,, 1957 (1957 का 🖫) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 2.69-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलिशित व्यक्तियों, अर्थात 🖫 🖚

(1) थामनी सीव नहत्रमान स्रोर दसरे, सन्द्रीपट्ट पून्तर नमक्त शहर।

(अस्तरहरू)

(2) श्री स्नारः पातीयन्डी गींडर स्नीर दूपरे, बीउ नार हत-पट्टी, नमक्ल तालुका।

(भ्रानरितो)

को यह सूचना अपरों करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🎞 —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तासील से 30 बिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पण्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त मधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह1।

बन्स्ची

जमीस (मरुली कुलनुर खेड़ा) संवतंव 77, 68−3, 70-2, 74-3 (9,63 馬爾) し

> एम० एम० एन० यूनि, सक्षम प्राधिकारी नहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग, मद्रै

दिनाँक: 3-3-1986

- **शस्य नार्**ड बीठ <u>एय</u> <u>उत्तर</u>्जान

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० 5/जुलाई/1985——श्रत मुझे, एस० एस० एन० मृति

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उकत अधिनियम' कहां गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मर्वे नं० 669 है तथा जो पुषुपट्टी मैं स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ती श्रिधकारी के जार्यालय, सब रजिस्ट्रार, पोन श्रमरावती (डाक्यु० नं० 20/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियप, 1908 (1908 जा 16) के ग्रिधीन, दिनोंक जुलाई 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यह यभा प्रविक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) सम्मरम सं क्षुष् किसी थाय की वावत, क्या अधिनियम के ब्रुपीण कर दोने के अन्तरक वी दायित्व में क्यी करने या असते वचने में सुविधा के लिए; ब्रीट्र/बा
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कई जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या यन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया बाना चाहिए था, क्रियाने में अखिथा के लिए:

जतः जबः, उक्त अधिःश्यिम की धारा 269-ग के अन्सरण माँ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— 3—26 GI/86 (1) श्री प्रार० युब्बैया ग्रीर दूसरे/पी० पुदुपट्टी पीन श्रमरावसी नालुका ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० राज् प्राचारी, पी० पुदुपट्टी/पीत श्रमरावती तालुका ।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इत सूचना के द्राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं वे 45 विन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इत् स्थान के राजपत्र में प्रकातन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूक् किसी अन्य व्यक्ति स्थारा, मुधेहस्ताक्षरी के वास विश्वित में किए जा स्केंगे।

स्वाहीकरण: इसमें प्रयुक्त क्ष्यों जीत पूर्वों का, को उनके किपित्रम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, बहुी अर्थ हुरोग जो जस अध्याय में दिया गुरा है।

अनुसूची

जमीन श्रीर सकान सर्वे नं० 669, पुदुपट्टी।

एस० एस० एन० मूर्ति, सक्षम प्राधिकारी महायः श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज, मद्दरें

दिनांगः: 3~3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय मदूर, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० 5 जुलाई/1985—अतः भृझे एस० एस० एन० मृति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 49ए है तथा जे बनकरा गली, रामनाड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसुन्ती में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) राजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधनारी के कार्यालय, जे० एस० श्रीपर रामनाड में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीमा, दिनांक जुलाई 1985।

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दिवल्य में कमी करने या उसके क्याने में स्विधा के लिए; और/सा
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना घाहिए था, छिपाने में सिविधा से लिए;

(1) श्रीमती एम० वल्ली महेल श्रम्माल, वनकरा गली रामनाड ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० एस० ग्रब्दुल फरीदा वनकरा गली, रामनाड ।

धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकींगे।

स्यव्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

थपृस्ची

जमीन श्रीर मकान, 49ए बनकरा गली, रामनाड (डाकुमैंट नं० 646/85)।

> एस० एस० एन० मूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) क्रजैन रेंज, मदुरै

भतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकिसित व्यक्तियों, अर्थीन,

दिनांक : 3-3-1986 मोहर : प्ररूप बार्ड .टी .एन .एस .-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-प (1) के वधीन सूचवा

THE STATE

कार्याक्य, बहुयक वावकर आयुक्त (निरक्षिण)

सहायक भ्रायकर उपायुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय भ्रजन रेंज, मदुरै

मद्दरै, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्वेश सं० 8/जुलाई/1985—म्ब्रत: मुझे, एस० एस० एन० मृति

नातकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विके ध्रायो इसको दशकोत् 'उनत निधानयम' कहा गया ही, की धाड़ा 269-च के नधीन चन्नम प्राधिकारों को नह निवनात करने का कारण है कि स्थावर तस्पत्ति, चिसका उचित बाचार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 264 है तथा जो कोडकानल में स्थित है (भौर इनसे उगाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), एति हरी हलां अधिकारी के कार्यालय, सब रिजिस्ट्रार, कोड कानल (डाक्यू० नं० 598/85) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जुलाई

से प्वांचित सम्परित के विश्वत नाकार मृत से कम के स्वानाम प्रतिकास के सिए मंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य स्वतं कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य स्वतं कारणान प्रतिकास से, एते स्थाना प्रतिकास का वन्त्र शिवात से विश्वत से विश्वत है जोड़ अन्तरक (बंतरकों) और बंदरिती (अन्तरितवों) से वीच एवं वृत्वद्रमा से विश्व सक्ष्या पात्र प्रतिकास, निम्नतिवित उव्दिष्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक स्व से स्वीच्य मृत्वी किया नवा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त वीपविषय तो वशीय कर दनें की वन्तरक के दावित्य में जेती करने या उत्तरे त्रवने में सुविधा में विष्कृत वांड/ना
- (क) एसी किसी आय या किसी तन या अन्य जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया थ्या भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए!

कतः अव. जक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुतर्भ में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् ः— (1) दि जेसुट मदुरै प्राविस, दिन्हुगल ।

अस्तरक)

(2) मेसर्स विजयश्री फैननस एंड इन्वेस्टमेंट (प्रा॰) लि॰, 36 श्रारचिकाप मत्तीयास एवेन्यू, मद्रास-28। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यगाहियां करता है।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के दे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोल्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी शृन्य व्यक्तिस इवास अभोहस्ताक्षरी के वास विशेषत में किए या सकेंबे।

स्वच्दीकरणः — इसमें प्रमुक्त सम्बाँ बीर पकों का, जो चच्छ अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं गुर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

वेंकट जमीन-एक एकड़ सर्वे नं० 264, कोडैकानल ।

एस० एस० एन० मूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज मक्दुरै

दिनांक: 3-3-1986

प्ररूप अरहाँ . टी . एन . एस १------

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के अभीन सुद्रा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज, मदुरै मदुरै, दिनांक 3 मार्च 1986

्निर्देश सं० 10 जुलाई/1985—म्ब्रनः मुझे, एस० एस० एन०

भूति

णायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'इक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० टी० एस० तं० 361 है तथा जो आलंगुडी खेड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार, श्रालंगुडि डाकुमैंट नं० 907/85 में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रिष्ठिनियम, 1908 (1908 का 16)के श्रिष्ठीन, दिनांक जुलाई 1985

की पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिकत के तिर् बन्दरिष्ट की पृष्ट हैं बार मून यह निष्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिकत से एसे रहयमान प्रतिकत का पढ़ प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नतिस्ति उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी जान की नावत उथका विश्वित्य के अधीय कर दोने के जन्तरक से खरित्य में कनी करने या उससे वचने में सुविधा के खिए; आंड/या
- (क) द्वी किसी नाय ना किसी वृत्त स्व वाहित सं को, चिन्हों भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियम, या वनकर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्ति रिती द्वास प्रकट नहीं किया वया ना या किया बाना चाहिए था किसाने में नृविका के निए;

(1) श्री मुबारक श्रली धौर दूसरा, धालंगुडी, पुदु कोहें डिस्ट्रिक।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रलमेलू पत्नी श्री एस० गोविन्दराजने श्रालंगुडी, पुदुकोहें डिस्ट्रिकः ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और ५वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अमीन ग्रौर मकान टी०/एस० नं० 361

एस० एस० एन० मूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरें

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी. भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांबः: 3-3-1986

मोहरः

प्रारूप आहे.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, नदुरै मदुरै दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० 11 जुलाई/85--श्रतः मुझै, एस० एस० एन०

मृति शावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसर्वे इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण हैं कि स्थावत संपरित. जिसका उपित बाजार शुस्क 1,06,000/-रत. से बाधिक है

श्रीर जिसकी मं० सर्वे नं० 426 बी श्रीर 452 है तथा जो वेलानै— राम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्य में वर्षित है), रिवस्ट्रोक्त श्रिधाकरी के कार्यालय सब-र्जिस्ट्रार, वेलाने (डाक्न्मेंट सं० 508/85) में भारतीय रजिस्ट्री-वारण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक जुलाई 1985

को पूर्वोदर सम्पत्सि के उमित बाजार मृक्य से कम के अस्यमान परिफल के लिए अन्तरित की गर्क है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बत्ति का उपित बाबाए भूल्य, उसके **ए**यमान प्रतिकल से, ऐसे **एक्स्मान प्रतिक**ल का पंद्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) जीर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एरें अन्तरण के लिए तय पामा गया गतिकस, निम्नसिसित उद्वेश्य से उनत अतरण निवित में भारतिक रूप से कश्यित बहुरी किया गया है र—--

- (क) अन्तरण स हुइ किसी नाम कौ शबस , उच्च मधिनियम के मधीन कर दोने में समारक वार्डियत्व में कमी करने वा शतसे बचने में सुविधा ने विष्: नीष्ट/ना
- (क्ष) ए'सी किसी कार या किसी धन वा अन्य वाहिसाकी को, जिन्ही भारतीय जाय-कर जीवनिवज, 1922 (1922 कर 11) या उक्त अधिनियम, या वय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोधनार्थ सन्तरिती द्वारा वकट मही किया दबा भागा विक्रमा चाना चाहिए भा, विभाने में स्मिमा के सिप्

अक्ष÷ करू, उक्त अधिनियम की भारा 269-अ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बर्भाप, निम्नविश्वित व्यक्तियों, वर्षात् ६---

- (1) श्रीमती एम० चिन्नम्माल/६ कयःलम्ट्टी/बरूर सालूका (अन्तरक)
- (2) श्री एम० कहप्पन्तन सुपुत श्री एमा मुत्तुसामी गौंडर क्कालपट्टी, कहर मालूका । (अन्तरिती)

को बहु बूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के प्रिका कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

सक्त सम्बक्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इक् सूचना के धायमन में प्रकारण की ताड़ीय प्री 45 बिन की अवस्थिया तत्त्वस्थानी व्यक्तिया पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी क्वाभि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेति व्यक्तिकारों में से किसी व्यक्ति दुवाधाः
- (क) इस क्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 किन के भीतर सक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवद्भ क्षित्री बन्य अधिक बुवारा अभोज्ञस्वाकरी वे राज कि चित्र में किए वा बर्कें वे।

स्वद्यीक रण:--इसमें प्रयुक्त सम्यों और पदी का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं बर्भ होगा, जो उस जध्याय में विया प्या है।

मनुसूची

वेक्कन्ट जमीन सर्वे नं० 426वी और 452 (कक्कलपट्टी) ।

एस० एस० एन० मूर्ति, सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुर

दिनांक: 3-3-1986

मोहरः ।

प्रकार कर_{ेंट्र} **डॉ. एक**ु एक _{प्रयासनसम्बद्ध}

भागकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

HING ESTAN

कार्यानय , सङ्घयक भागकार बायुक्त (निज्ञीकार) अर्जन रेंज, मदुरे

मदुरै, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० 13/जुलाई/1985——अनः मुझे, एस० एस० एन० मूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-चं के सधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काइन हैं कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार कृत्य, 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० टी० एस० नं० 766/2सी ब्लाग नं० 18 है तथा जो श्रीरंगम मुनिसिपलिटी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रोर पूर्ण रूप ने विणत है), रजिस्ट्रीग्रत्ता अधिकारी के प्रायित्य सब रिक्ट्रिय श्रीरंगम में प्रकिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1985।

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिषम के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने के कारण है कि यथमपूर्वोक्स संपरित का उचित बाजार मृत्य ह खंके दश्यमान प्रतिष्म सं एोसे दश्यमान प्रतिष्म का पत्नह प्रतिक्रत सं अधिक है और अन्तरक (अंतरकां) जार अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे जन्तरक के लिए त्य पावा वद्या प्रतिष्म विकास विकास के बास्तरिक के बास्तरिक के बास्तरिक के बास्तरिक कर से किथ्य नहीं किया वस है के

- (क) अन्तरम चं हुई किसी नाम की बावस्ता उपय वीपनिवय को बधीय कर वाने की अन्तरक को वामित्य में कमी करने मा उससे वचने की सुविधा के किए; अडि/बा
- (क) ऐसी किसी बार वा किसी धन वा बन्न आस्तिकों को, विन्हें भारतीय बाद-कर विधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) वा उपत विधिनियंत्र, 1957 का 27ों के प्रकार विधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27ों के प्रकार विधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27ों के प्रकार वहीं किया बाबा किया बाबा का बाहिए थर, कियाने में सुविधा के किया)

नंतम सेन, उपन नियमित्रन की भाष 269-न से अनुसरम भी, भी, उसत अभिनियम की भारा 269-म की उपभाषा (1) की अभीन, निम्मनिचित व्यक्तियों, नर्भात्:— (1) श्री के० पदमनाभन ग्राँर दूसरे 6 बट्टर वोतेरत रोड़ तिरूची

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सकुंतला अम्माल पत्नी पेरमाल चेट्टीयार परमाशिवपुरम कालोनी 2रा कास गली, लाल्गुडी तिरूचि ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त बम्ब्सि के बर्बभ के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त कमरित के मुर्चन के सम्बन्ध में कोई भी मार्क्षण :----

- (क) इब तृष्णा के ग्राथमन में प्रकाशन की तार्रीकृतं 45 दिश की वनिश्व मा तत्सम्बन्धी व्यक्तितमों पर सृष्णा की तामील से 30 दिन की बनिश्व, जो भी सृष्णि बाद में समाप्त होती हो, के भीवर प्रवित्त म्यक्तियों में से किसी म्यक्ति दृशकः;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब के 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्परित में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृंबारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिवित में किए वा सकेंचे।

रचक्किरण:—इसमें प्रयुक्त सक्यें और पर्यो का, को उक्त विभिन्नियम, को अध्याय 20-क में प्रि-शायित हैं, नहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय वो विभा नवा है।

प्रमृ सूची

जमीन भौर मकान टी० एस० नं० 766/2सी ब्लाक नं० 18।

> एस० एस० एन० मूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

विनांक: 3-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन मुचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अजुम रेंज, सदुर

मबुरै, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्वेश सं० 16/जुलाई/1985—अतः मुझे, एस० एस० एन० मृति

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का अधिक हैं

ग्रांर जिसकी सं० 22, 23 ग्रांर 24 है तथा जो मातूर ग्राम में स्थित है (ग्रांर इसमें उपाबड अनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रजिस्ट्रार मुलसूर डाकुमेंट नं० 1600/85 में रिजिस्ट्रीकरण अधिभियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिभांक जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रीक्षणल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रथमान प्रतिफल का बल्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (संतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निस्नसिचित उद्देश्य से उक्त बंतरण विश्वत में वास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है क्

- (क) अन्तरच ते हुन्दं किली नाम की बाबस, उथत सभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने मीं सिविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

त्रतः वयः, उक्तः अभिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण भ्रोतः अक्तः अभिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के बंधीनः, निष्नसिक्तिक व्यक्तियों, वर्षातः ८—— (1) श्रीमती अमीरदम्माल ग्रांर दूसरे संा। गली मानूरग्राम कुलतूर तालूका पुठुकाहै।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स एव० एउर्जी बैटरीज (इंडिया) लि०, 109 एन० एच० रोड़, मदास—34।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के विष कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:--

- (क) इस् सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तार्रीस र 45 दिस् की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविभि, खो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींकर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस र 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

जमीन एस० नं० 22, 23 श्रीर 24 ग्राम मातुर ग्राम में ।

एस० एस० एस० मूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

दिनां म : 3-3-1985

महिर:

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.-----

वारकर विभिनियम, 1961 (1961 व्य 43) वी धारा 269-घ के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेल, मद्दरै

मदुरै, दिशांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० 17/जुलाई/1985--अतः मुझे एस० एस० एन० मृति

शायकर शिभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्वें इसके प्रकार 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी मं० मर्वे नं० 2042ए है तथा जो वडसेरी में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्क्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रिजस्ट्रीर, वडसेरी डाकुमेंट नं० 560/85 में रिजस्ट्रीकरण अधि-मियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिमांक जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश् मान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात सं प्रधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) वं बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से के पत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/भा
- (ख) एरे ति किसी आय या किसी धन या अग्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर गीपिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जतः उच्च, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण थे, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निक्षित्रन व्यक्तियों अर्थान्---

- (1) श्रीमती इंग्लिक्टिक्स पहली बहली बड़ारी । (अन्दर्भ रू)
- (2) श्री जेसूदास के०, ग्रबंड स्ट्रीट, वात्तीयार्राधल्ले, यखोरी के० थे० **डि**स्ट्रिक्ट ।

(अन्न रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध मे कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के रक्जपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पास में हितााद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में किये जा सकरें।

स्थव्योकरण: --इसमें प्रयुक्त कावों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

भ्रतसूची

जमीन एस० नं० 2043ए 7 सेंट्स ।

एस० एस० एन० सूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक अध्यक्तर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, सदुरै

दिनांक: 3-3-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, मदुरै

्मदुरै, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० 18/जुलाई/1985—अत्ः मुझे, एस० एस० एन० मूर्ति

शायकर शिश्तियम, 1961 (1961 का 43) (िषते इसमें इसके परवात् 'उक्त शिश्तियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं आरे जिसकी सं० जमीन है तथा जो पुत्त्ररग्राम में स्थित हैं (प्रार इससे उपावद्ध अनुसूची में प्रोर पूर्ण रूप से वणित हैं) रजिस्ट्रीक्तां अधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर०-॥, तिस्वि डाकुमेंट नं० 601/85 में रिलस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 जो 16) के अधीन, दिभाक जुलाई

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृख्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत्त सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावत, खक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दापित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृषिध कंलिए;

(1) श्री ए० वात कृष्णत तिरूचि

(अन्तरक)

(2) श्री रिचिर्ड आरोजियराज 32, बिशाप रोड़, पुत्तुर বিহুলি।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सन्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति हवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास शिविस में किह ना सकरें।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रय्वत शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया ही:

अनुभूची

जमीन (इ.क्मेंट नं० 601/85)।

एस० एस० एन० मूर्ति, सक्षम प्रथिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

दिसीत: 3—3—1986

शक्षण आहे . ती . एन . एह . ---- -------

बायकर व्यथितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) वी बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांक्यः, सहायक द्यायकर आयुक्तः (निरक्षिण) अर्जन रेंज, मदुरै मदुरै, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० 21/जुलाई/1985---अतः मुझे एस० एस० एन० वि

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारक हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रुज से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० आर० एस० नं० 20/1 है तथा जो शिवगिरीग्राम में स्थित है (भ्रौर इसो उपाबड़ अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), पिजस्ट्री उत्ती अधिकारी के कार्यालय, जे० एं० आर-1 पलनी (डाकुमेंट नं० 994/85) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनां उ जुलाई 1985।

को पूर्नोक्त संपत्ति को उपित बाजार बूल्य से कम को ध्रममान पतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपत्ति का उपित बाजार बूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बोध्य से उक्त अन्तरण मिसित में वास्तिकक रूप से किया नहीं किया गया है है----

- (क) जन्तरण संबुद्ध किसी आय की आशत, अकत जीभिनयन के अभीन कर दोने के अन्तरक के सामित्व में कमी करने या उत्तरसे स्वाने में सुनिधा औं शिक्ष; स्वीर/का
- (क) ऐसी किसी वाय का किसी धन या अन्य आस्थिलां का, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1\$57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान्य चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, शिम्नीसित व्यक्ति में क्युंभि :---

- (1) श्री बी० एस० दुरैशाज बेल्लूर चज्ञपट्टी पलनी तालुला। (अन्तरक)
- (2) डाक्ट रआए० शामानायम पेल्यार रोड़, शंमुरापुरम बिल्डिंग सोसाईटी कालोनी पलनी ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के वर्षन के बिए कार्यशाहियां शुरू करता हूं।

जनत् सम्परित् के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी नाओप :--

- (क) इस मुख्या के राजपण में प्रकाशन की ताराच के 45 दिन की सबिध या त्राज्यन्थी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, वो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वापा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स् 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध के किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिए जा सकोंगे।

स्यष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शुक्तों और पदी का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

नमुस्ची

जमीत ग्रीं मं शत आर० एस० नं० 20/1 <mark>शिवगिरीपट्टी</mark> ग्राम ।

> एस० एस० एन० मूति, सक्षम प्राधिकारी रहागड आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, म**दुरै**

दिनां ः 3-3-1986

मंहिर:

धारूप आर्थं .टी . एत . एत . ----------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं की धारा 269 घ (1) को अधीन सचमा

यारत सरकार

कार्यासय, त्रहायक बायकर जाव्यत (पिरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्ररे

मदुरै, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० 26/जुलाई/1985—अतः मुझे, एस० एस० एभ० मूर्ति,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त निधीनयम' कहा गया हैं), की भार 269-च के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यथाप्चें कर संपत्ति का उचित नामार मूच्च, 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

मौर जिसका संव टोव एसव नंव 70 है तथा जो तिल्लैनगर तिरूचि में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रिजस्ट्रीर बोरैयुर डाकुमेंट नंव 2296/85 में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1985

को प्वेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विक्यास करने का कारण है कि यथाप्वेवित संपत्ति का उजित कामर मूक्ब, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के श्रीतवत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एवे अन्तरण के लिए तय पामा गवा श्रीतक्य, निक्निसिंचन उद्योक्षी है उच्य अन्तरण बिल्क को बास्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है ध—

- हुँक) सम्बद्धम् वे हुए किही सम्बद्धाः सम्बद्धः, सम्बद्धः स्वीत्रिष्यः स्वे स्वीय कर योगे से सम्बद्धः से स्वीयरम् से सभी करने या अवसे स्वयं से स्वीयमा से लिए; स्वीर/या
- (क) एति किसी बाद ना किसी वन ना बन्द जारितकों को बिन्दें भारतीय बाद-कर अविनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अविनियम, या चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजभाषी अन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया वा वा किसा जाना चाहिए था, कियाने में स्थिया में किस;

अतः अयः, उक्तः प्रीधनियम की भारा 269-ग को, अन्सरण अते, र्भ, क्ष्वतः नोधनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के भुधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री एम० ए० मोहम्मद हुसैन 7 सीन सुनामुकारा स्ट्रीट तिरूचि ।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० महेन्द्र कुमार एम० वोरा ग्रीर दूसरे, 46, 9ए कास रोड़, तिल्लैनगर, तिरूचि। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

करत सम्मरित को वर्जन के सम्मरूप में कोएं भी नाकोप हु----

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की सारीज स् 45 दिन की जनभि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अनुधि, को भी अनुधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (कं) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवहुध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा जभोहस्ताकारी के बास जिसित में किस का सकेंगे।

धनुषुची

जमीन भौर मकान टी० एस० न० 232/1बी2।

एस० एस० एन० मूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

दिमांक: 3-3-1986

मोहरः

प्रकार नार्वे. टी. एन. एस.----

नावकड निविश्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) को नभीन सूचना

नारहं बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

मद्रै, दिनां रु 3 मार्च 1986

निर्देश सं० 27/जुलाई/1985——अतः मुझे, एस० एस० एन० मृति

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर संस्थित, जिसका उजित बाजार मृज्य 1,06,000/- रु. से निधक है

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 31/8वी स्ट्रीट तिस्लैनगर है तथा जो तिरूचि में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध अनुमुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रिजस्ट्रार वोरैपुर डाकुमेंट नं० 2332/85 में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिनांक जुलाई 1985

की पूर्वोक्ड सम्पत्ति के उचित बाचार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृक्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का मृक्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल की सेंग्र प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकारें) जार जंतरिती (अंतरितयारें) के बीच एसे अंतरण के सिए तय वाबा वया प्रतिफल, निम्नसिखत उद्देश्य से उसत अन्तरण निकति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) बन्धरण वे हुई किकी बाव की बावत, अक्त वीधीनवन के बधीन कर दोने के बन्तरक की दायित्व में कमी करने या उसते बचने में बुविधा के सिए; बीड़/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बच्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आव-कर जीवनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीवनिवस, या धनकर विधीनिवस, या धनकर विधीनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती चुनारा प्रकट नहीं किया क्या बा का विकास क्ष्मिं जाहिए था, जियाने जे स्विका के विकास

बत: बब, उक्त विभिनियम, की भारा 269-ग के बनुबरण में. में उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) हे क्षीन, निम्नीवृद्धित व्यक्तियों, अभीतृ ह— (1) श्री वी० श्रीनिवासन (डी-70सीएन), 8वी स्ट्रीट तिरूलै नगर तिरूचि-18।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आर० धनलक्ष्मी, 10 वडमबोक्की अग्रहारम तुरैपुर तिरूचि ।

(अन्तरिती)

को वह बुध्या शा<u>री</u> वडके पूर्वोक्त कुल्तित के वर्डन के निय कार्यमाहियां काडता हों।।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 किया की श्वीप या सुरक्षिणी कानिएकों प्र सूचना की सामील से 30 दिन की स्वीप, को भी क्वीप बाब में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकित व्यक्तियों में से किसी स्वित्त ब्वास;
- (क) इन्हें सूचना को ह्याच्यून में प्रकारण की शारीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थानत सम्पत्ति में हित्बक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकीये।

स्थक्कीकरणः — इसमें प्रयूजत शब्दों और पदों का, वा उन्त वृधिनियम, के बध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वृद्धी वर्ष होना को उस बध्याय में विका नवा है।

बन्त्ची

जमीन ग्रौर मकान सर्वे न० 31 तिल्लैनगर, तिरूचि ।

एस० एस० एन० मूर्ति, सक्ष्म प्राधिकारी -सहायक आयक्त अयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुरै

दिनां क : 3-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**ण्**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै

मद्रै, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० 28/जुलाई/1985---अतः मुझे, एस० एस० एन० मूर्ति

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें बस्त्रात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रांग जिसकी सं ० टी० एस० नं ० 185 है तथा जो बोरेंगुर में स्थित है (म्रांग इसमे उपाबद्ध अनुसूची में म्रांग पूर्ण रूप से वर्णित है), रिक्ट्रिक्ति अधिवारी के वार्यालय, सब रिजिस्ट्रार/ बोरेंगुर डाकुमेंट न० 2352/85 में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिशांक जुलाई

को पूर्वोक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके धरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (का) अंतरण से हुंई किसी आय क्ली बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अभूसरच में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्रीमती स्रार मीनाम्बाल, 7 आंडल नगर पुरसवाक्कम महास ।

(अन्तरक)

(2) श्री सी० बी० एमिन, 33, गांधी नगर, योगेन्द्रा निवास, विख्गल रोड, निरूचि ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकांशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीत और मरात टी० एस० नं० 185 वोरयुर।

एस० एस० एन० मूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, म**दरी**

दिनांक: 3-3-1986

प्ररूप काई. टी. एन. एस. - - -

मार्थकः विभिन्निम, 1961 (1961 का 43) की पाछ भारा 269-म (1) के वभीन सुमना

बाइट सरका

भार्यमध्यः सहायक मामकर मानुक्तः (निरक्षिक)

अर्जंग रेंज-2, नई दिल्ली

मबुरै, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देण सं० 29 जुलाई/1985—-भनः मुझे, एस० एस० एन० मृति

आग्रेकर त्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स वे अभीन सक्षम प्राणिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00-000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिस्की सं० टी० एस० नं० 58 है तथा जो तिरूचि में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री क्ली अधिकारी के कार्यालय सब रिजस्ट्रार बोरैयुर डाकुमेंट नं० 2388/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1985

को पूर्विक्स सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम को इश्यमान प्रतिकाल को लिए अस्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि अथा पूर्वानित सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके द्रयमान प्रतिफल सं, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-मिचित उद्देश्य से एकत बंतरण कि चित्र में बास्कृष्टिक रूप है किंभित नहीं किया ग्या है ध—

- (क) बन्तरण से शुर्व किसी साथ की वायुत्त, स्थय श्रीपृत्तियम की स्थीन कर बोने के बन्सहरू औ स्वीतरभू में कनी करने या जनसे स्पूर्व में सूर्विधा के सिए; सहिश्वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा चे किया;

बतः अव, उक्त विभिनियमं की भारा 269-ग की अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उधीन, निम्नीसित व्यक्तियों अर्थात् :—— (1) श्रीमती के० केलम्मै अम्माल/25 नार्थ ईस्ट एक्सटेंशन तिल्लैनगर तिरूचि-18।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती ए० एमल्डा, 1/16 बनर अग्रहारम नट्टामपेट्टै, पलूर जयगोंडम तालूका।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन में दिल्य कार्यवाहियाँ करता हूं

उक्त सम्पत्ति को अर्जन की सम्बन्ध में कोई बाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी स्थक्त द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए पा सकोंगे।

स्पष्टीक प्ररण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पत्रा हैं।

मनसर्वी

जमीन भौर मकाम टी० एस० नं० 58 तिरूचि ।

एस० एस० एन० मूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मकुरै

विनांक: 3-3-1986

एक्ष्य बार्च हो .एस्.एस्.-----

नायकर निश्नियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 268-म्(1) के नेपील सुप्रका

श्राप्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मदुरै

मयुरै, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्वेश सं० 32/जुलाई/1985—अतः मुझे, एस० एस० एन० मुर्ति

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० छी-83, 8वी स्ट्रीट है तथा जो तिल्लैमगर में स्थित है (भौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रींप पूर्ण रूप से विज्ञत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब-रजिस्ट्रार/वोर्यपुर डाकुमेंट नं० 2626/85 में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जलाई 1985

का पृथोंक्त सम्पत्ति के उचित वाचार मृज्य से कम के दण्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई

हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रति-कत ते, दृष्टे क्यममान प्रतिफक का पंत्रह प्रतिफक से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अंतरण के किए तय पाया गया प्रतिफक, निम्निसिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में बास्तविक रूप से काधित कहीं किया गवा है:---

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी नाय की बाबत, उक्त विभिनियक के अभीन कर दोने के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या उत्तर अचने में सुविधा के निष: मार्/पः
- (स) एती किसी बाग या किसी भन या अन्य बास्तिओं से भिन्हें भारतीय वायकर वीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करारिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया वाया भा विका वाया भा विद्या थें प्रतिकर्ण के सिष्ट:

नतः अथ, उन्त अधिनियम की धारा 269-१ के अनुसरण वा, मी, उन्त वृधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तिकों, व्यक्ति १०--- (1) श्री एस० अवणाचलमा विल्ली 18-8वी कास तिल्लीनगर विक्वित्र

(अन्तरक)

(2) श्री आर० मनवालन डी-83, 8वी कास पिल्ल नगर तिरूचि ।

(अन्तरिती)

कार्य सङ्ख्या बारी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के वर्णम के सिए कार्यकान्त्रिय करता

जनत प्रभ्यक्ति के सम्बंध में बन्नम्य में मार्क् भी नार्योग :---

- (क) इस स्वृत्त के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 विक की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीक से 30 दिन की जविभ, को भी जविभ वाच में समझ्च होती हो, के मीतर पूर्वोक्स म्बन्धि में से निक्ती व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस त्वना के राजनत में प्रकाशन की तारील ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में द्वित- वंद्ध किसी मन्त्र व्यक्ति क्यांचा अधोद्धक्ताधारी के शह निर्माण हो किए का नकीये।

स्पूक्कित्व ः— इसमे प्रवृक्त सम्बं स्रीर वर्षो का, को उत्पक्ष अधिकृतियम् के सम्भाव 20-क भं परिभाषिक है, सही सर्च द्वीगा को उस स्थास में दिशः। समा है।

ग्रन<u>ु</u>स्ची

जमीत और महात टी० एस० नं० 21 तिरूचि ।

एस० एस० एन० मूर्नि, सन्नम प्राधिकारी सहायह आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मकुरै

दिनां : 3-3-1983

प्रस्य काहे . टी . एन् . एस . -----

जायकार अभिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

नाइत सङ्ग्रंभर

कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्तक)

अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देण सं० 33/जुलाई/1985—अतः मुझे, एस० एस० एन० मर्सि

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिक्षे इस्कें इसकें प्रथात (उक्त अधिनियम कहा गया है), की बादा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वाच र पने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी मं० टी० एस० नं० 17, टाए नं० 30 है तथा जो तिरूचि में स्थित है (भ्रौर इसपे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप मे विणत है), रिकस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, सब रिजस्ट्रार/बोरैयुर डाकुमेंट नं० 2632/85 में भारतीय रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जुलाई 1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को द्रवमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसको द्रवसान प्रतिफल से एसे द्रवसान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और जंतरक (अंतरका) और (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया पथा प्रति-कस, निम्नीनीचत उद्देश्य से उच्छ बन्तर्ण किचित में बास्त-विक रूप में किमत नहीं किया नवा हैं

- (%) अन्तरक संहुई किसी बाय की बाबतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने वी बन्सरक वी वामित्व में कमी अपने या उससे बचने में सुविधा के निष्णु और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में भृतिधा के जिए;

- (1) श्रीमती एस० ईश्वरी अभ्माल, तिकृष्टि । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती बी॰ सेलमनी, बार्ड 'सी' ब्लाकः 30 पुन्र, तिक्चि।

(अन्य रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उच्च संपत्ति के अर्थन में संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की जनधि, जो भी अविध नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अयिध, जो भी की पास शिवास में किए वा सकेंगे।

स्पद्धिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

जमीन बार्ड 'सी'/ब्लाक 30, टी० एस० नं० 17।

एस० एस० एन० मूर्ति, सक्षम प्राधिकारी सहायत आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) अर्जान रेंज, मदुरै

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन - क्लिक्सिकित स्पिक्तियों, अधित हिन्

दिनांक: 3-3-1983

प्रकप कार्या, टी., एवं., एकं., अन्य सम्बद्ध

भायकर बांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मं (1) के नधीन सुखना

साइत बहुकाड

कार्यासन्, सहायक नायकर नायुक्त (निर्द्वीक्रण)

ग्नर्जन रेंज, मदुराई मदुराई, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० 22/जुलाई/85—श्रतः मुझे, एस० एस० एन० मुर्ती,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कि भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पिट्ट, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० टी एस नं० 320/1 है, तथा जो दिन्डुगल में स्थित है (भ्रौर इससे उपायद अनुगूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जे०/एस०/ श्रार० 1 दिन्डुगल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जुलाई 85

करे पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तंपित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निक्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) कलरण से हुई किसी आव की वावत, उपस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व ें असी करते वा उससे वभने के वृत्तिया के किए। और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय भाय-कर अधिनियम, 192? (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ वस्तिरिती इवाच प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, क्लियाने में नहिंदभा ने लिए।

1. श्री बी० एम० सुम्मनी मुज्यनार,पुदुपट्टी पोस्ट/ तेतुपट्टी व राम दिन्दुगल।

(भ्रन्तरक

2. श्री टिम्मन मेकरन 6 नायकर न्यू स्ट्रीट दिन्डुगल। (अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के कर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

जनत बन्दित के बर्चन के संबंध में कोई औं वार्शन ह---

- (क) इस मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टीक रण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विचा गया है।

प्रनुसूची

जमीन और मकान टी० एप० नं० 320/1।

एस० एस० एन० मूर्ती सक्षम प्राधिकारी सहायक स्राधकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, महुराई

तारीख: 10-3-1986

वासक्त विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वास 269-व (1) के वधीन कुषना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज, मदुराई

मवुराई, दिनाँक 3 मार्च 1986

निर्वेग सं० 34/जुलाई/85---श्रतः मुझे, एस० एस० एन० मुर्ती,

नावकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित धाषार मूस्य 1,00,000/- रा. से मिथक हैं

श्रीर जिसकी सं० पोरुलुर ग्राम है, जो पलनी तालूका, महुरई डिस्ट्रीक में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बाँगत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय सब रिजस्ट्रार, कीरन्र डाकुमेंट नं० 594,85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार बृष्ट से कम के अस्वमान ब्रोतफल को सिए अस्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि राधापबोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य' उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के नीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप के किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा खें किए: बीर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय नाम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्ते अधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्क जन्मिन्ति रवारा गमन पहीं रिज्या गया भा रूप किला का साहिए था, कियाने में सर्विधा के निष्ट:

व्यक्त क्षेत्र, उन्तर विधियम की भारा 269-न की वस्त्रारण विद्या की विकास की भारा 269-च की उन्धारा (1) को अभीन, निस्तिवित व्यक्तियों, अर्थात् ह— 1. श्री के० नाचिमुत्तु गौन्डर श्रौर दुसरे/पोरूलुर ग्राम पलनी तालुका।

(ग्रन्तरक)

सैन्ट सुसँमणर चर्च पोरलूर पलनी तालुका। (ग्रन्तरिती)

को यह भूषना बाद्री कारके पूर्वीयत कम्पित के नर्पन के निष् कार्यवाहियां सुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध के कोई भी काक्षेप ५--

- (क) इस सूचना में हाजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में सवान्त होती हो, में भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वास्त
- (च) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिसनद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वाय जभोहस्ताक्षरी के पाज सिवित में किश् जा सकेंगे ।

स्पक्कोकरण :- महसमाँ प्रयुक्त सम्बाँ और पर्धों का, को उपल स्पिशीनका के सभ्यान 20-कं माँ परिस्ताप्तिक हाँ, नहीं सर्थ होता, जो उस सभ्यान माँ दिवा पत्रा हाँ।

वयक्षा

जमीन 8 सर्वे नं० 597, 592/1बी।

एस० एस० एन० मूर्सी सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज; मदुरई-625002

सारीख: 3-3-1986

मोहरः

प्रमुख आर्चु हो हो प्रमुख **स्म**्रम-स्थानका

शायकः वृत्तिवृत्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के शभीन त्वना

THE TRUTT

आवीत्व, तक्ष्मक वायकर वायुक्त (विह्रील्स)

श्रर्जन रेंज, मकुराई मदुराई, दिनाँक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० 35|जुलाई| 85य-श्रतः मुझे, एस० एस० एन० वर्ती,

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इक्सें इक्सें परवात् 'यक्त अभिविषय' नदा गया ही), की पाड़ा 269-व के अथीन, तक्षम प्रीधिकारों को, यह निश्वास करने का कारल है कि स्वाबद क्लोत्, जिसका स्विष्य नावाद स्वयं 1,00,000/- का. से अधिक ही

धौर जिसकी सं० 12 कुश्नरायर तेष्पकुलम स्ट्रीट है, जो मबुरई में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबज श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय जे०/एस०/श्रार०-1, मदुरई डाकुमेंट नं० 3785/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को प्रोंबर सम्मित्त के उपित बाबार बृज्य से कम के जनभाग शिव्यक के निष् बन्तरित की गई है और भूके वह विश्वास करने का कार्य है कि मनापूर्णोंक्त संपरित का अधित बाबार बृज्य, असके जनमान प्रतिकत्त से, एसे अवसान प्रतिकत का बंद्र प्रतिकत के बिधक है और अन्तर्फ (अन्तर्का) और अन्तरिती (अन्त्रितियों) के बीच एसे बन्तरम् के सिष् तब् वासा द्वा प्रतिकत, विक्विजिद्द अध्योक्ष से उच्छ बन्तरम् विविद्ध में वास्त्रीकक रूप से किया वहीं किया वसा है है—

- (क) मुक्तरम् वे ह्वां निवास्ति कान् वर्षे साम्यः व्यव वर्षेत्रीपत्त्व वे ह्वांस्य वाद वर्षे वे कान्यका से दासित्त् में कमी करने वा उससे ब्यने में सुविधा के निए; ब्रोड/का
- (क) एरेरी किसी बाव या किसी धन वा अन्य आस्सियों को, विष्टुं धारतीय बाय-च्छ वृधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उपत अधिनियम, वा धन-च्छ अधिनियम, वा धन-च्छ अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अभिन्यम अन्तरियों ध्वारा प्रचार नहीं दिवस यवा था वा किया जाता जाहिए था कियाने में सुविधा से किया;

चन्द्रः स्वः, वस्तं अधिनियमं की पारा 269-न से समुद्ररण द्रा_ल भी **वस्तं नीपियमं की पारा 269-म को स्पथाद्रा** (१) में स्पीन, निम्नीसीयस **मान्यिनों, सम्पंत् ३**००० श्रीमती सरस्वती बाई / 12 कुश्नरायर तैष्पकुलम स्ट्रीट मक्रेरे।

(मन्तरक)

2. श्री एन० महालिंगम श्रीर दूसरे 11-3-24 सिवकामी नाडार स्ट्रीट श्रक्ष्युकोट्टै।

(भ्रन्तरिती)

को यह कुमना वारी कारने पुगरिक कमिक में गर्जन के जिल कार्यगाहिन एक करता है।

क्क बन्दील में बर्चप में बन्दान में ओह' जी नामंप :---

- (क) इस क्लान की स्थापन की शादीय में अक्शायन की शादीय में 48 किए और क्लीच का बरक्यकारी ज्यानिता कर क्षाया की स्वीच, को भी बन्दीन नाव में स्थाप्य होती हो, के भीतर प्राप्त करिए मों से निक्ती क्षाया होती हो, के भीतर प्राप्त करिए मों से निक्ती क्षाया हुता हा,
- (क) इंड ब्याब के ह्रक्रपण में प्रकारण की तारीक से 45 विश को शीवार उक्त स्थापर सम्मात्म को ित्तवस्थ कियी सम्म करीकत बुवाय मुबोहस्ताकरी के तार सिवित में किए जा तकरेंगे।

स्थानकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्क विभिन्नियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष द्वीगा जो उस अध्याय में विद्या गगा हैं।

धमृसूची

जमीन और मकान 12 कुश्नरायर तेप्पकुलम स्ट्रीट मदुरै।

> एस० एस० एन० मूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज रमवुरै

तारीख: 3-3-1986

मोहरः

प्रकृष नार्द्रौ ुप्त एस . ------

वायनार वीपीनवम, 1961 (1961 क्या 43) की पारा 269-प (1) में स्पीन स्थान

भारत चरकार

कार्यालय, सङ्घयक वामकर बायुक्त (किहाकिक)

श्चर्जन रेंज, मदुरई

मदुरई, विनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० 37/जुलाई/85→-ग्रतः मुझे, ए.स० एस० एन० मूर्ति,

शायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिस इसमें इसमें इसमें एक्कात् 'उन्त स्थिनियम' कहा गया हैं), की धास 269 व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबाद मृख्य 1.00,000 / - रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० व्लाट नं० 240 है, जो के० के० नगर मदुरई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सब रिल्स्ट्रार, तल्लाकुलम डाकुमेंट नं० 2635/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उजित वाजार मूल्य से कम के स्ववान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति कि जीवत सामान मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकत्त से , एवे स्वयमान प्रतिकत्त का पत्त्वह प्रतिवात से अभिक है और अन्तर्क (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्वा) के बीच एवं ज्ञासरका के लिए तब पाना पदा प्रतिकत्त , निस्तिवात से अभिक हो के बाव व्याप्त के लिए तब पाना पदा प्रतिकत्त , निस्तिवात से किया गर्वा के सिंग स्वयं के सिंग से किया में वास्तिक कप से किया नहीं विका गर्वा है है---

- (क) नंतरण से हुए किसी आप की वाबत, उनक निध-अपितियम से नुधीन कर दोने से नक्ष्युक में सुनित्य में क्सी करने वा उनके बुधने में सुनिधा के निस्; वीर/वा
- (क) एको किसी भाग वा किसी भन वा करका जास्तिकों को ज जिल्हें आरतीय जान-कर निश्चित्रसम, 1922 (1922 का 11) या उनत जिल्हें किया, या भन-कर निश्चित्रसम, या भन-कर निश्चित्रसम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती वृतारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना साहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए।

चराई सम्, कन्त सिर्धियम और थाडा 269-ण की सन्तर्भ में, में, अन्त सौंधनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के नवीन, निर्वाधिक्षित स्थानितमों, संधीत् हु---- 1 श्री एम० सिवरामन, महिबालन पट्टी, तिरुपत्तूर तालूका।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती बी० सीता 62 बेसन्ट नगर मद्रास-90। (श्रन्तरिती)

का वह सूचना बारी करने प्रतिकत सम्पत्ति के वर्षन के निष कार्यनाहिनों करता हुं।

सकत सम्मृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुन्ना के ख्राप्य में प्रकाशन की तारीय सैं 45 दिन की जबिंग या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुन्ना की तामील से 30 दिन की अविधि, वा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवास;
- (क) इब स्थान के राजपूत्र में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन के भीतर उन्तु स्थावर सम्मति में दितनबुध किसी गृत्य स्थानत इनाय नभोहस्ताक्षरी के पास सिशित में किए जा सकींचे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त चन्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गरा है।

भ्रनुसूची

खाली जमीन—एक ग्राऊंड प्लाट नं० 240 के० के० नगर, महुरई।

> एस० एस०ए न० मूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरई

तारीख: 3-3-1986

प्ररूप बार्चे टी. एन. एस.-----

नायकर नीधनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

THE WHAT

कार्यालय, सहायक भागकर भागकत (निर्णेक्षण)

ग्नर्जन रेंज, मकुरई महुरई, दिनाँक 3 मार्च 1986

निद्रेंश सं० 42/जुलाई/85--म्प्रतः मुझे, एस० एस० एन०

मूर्ति,

जायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 34/2, 35/2 श्रीर 266/2बी है, जो चिन्तल पट्टी ग्राम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सब रिजस्ट्रार/ग्रोड्डनचत्तीरम डाकुमेंट नं० 575/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वेक्ति सम्मक्ति के जीवत बाबार मृख्य से कम के काबजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करनें का कारण है

कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से कथिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उक्येश्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित हों किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण ते हुई कियों बाय की बावस, उपव जीधिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उदक्षे वृथने में सृथिधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अल्थ आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा से सिए;

अतः वब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अमृतरण भा, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निक्निविक्त व्यक्तियों, संभति हिल्ल श्री मुत्तुसामी नारक्कर एटीमरत्तुपट्टी चितलपट्टी पलनी तालुका।

(भ्रन्तरक)

 श्री एमं करुप्य गींडर श्रीर बूसरे नथकन्नी ग्राम पलनी तालुका।

(भन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के सर्वन के सिए कार्यनाहियां करता हूं।

स्वया संग्रीत को अन्तर्गत को संबंध में कोई भी काकीप ::---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सप्रधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजीकेंच व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियां;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किस जा सकेंगे।

स्वध्योकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

नम्सूची

जमीन, चिन्तत्मपट्टी (सर्वे नं० 34/2, 35/2) नवकन्नी (सर्वे नं० 266/2की)।

एस० एस० एन० मूर्ति नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मक्दरई

तारीख: 3-3-1986

प्रकृत बाहुँ ज विश्व वृत्ता वर्त व स्थापनस्थातक

नामकर निम्हित्रमातः 1961 (1961 का 43) की भारा 269-कु (1) में स्थीन शृक्षमा

SIGN RUNN

कार्यांचय , सहायक नायंक्य आयुक्त (निर्योक्कण) अर्जन रेंज, मनुरह

मदुरई, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्वेश सं० 43|जुलाई| 85--श्रतः मुझे, एस**० ए**स० एन० मृति,

बायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इक्सी इसकी पश्चात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं), की धारा 269-व की व्यीन सक्षम प्राधिकारी को पह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चितका उजिल बाबार जुन्म 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संउटी एस नं 4/1सी है, जो रेलवे फीडर रोड पलनी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबक श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जे एस श्रार -2, पलनी डाकुमेंट नं 861 श्रौर 845/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख जुलाई, 1985.

का पूर्वीक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के वर्षयान प्रतिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुश्ने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित वाजार प्रम्य, उसके वर्ष्यमान प्रतिकत से, एसे वर्ष्यमान प्रतिक्षण का रूच्य, उसके वर्ष्यमान प्रतिकत से, एसे वर्ष्यमान प्रतिक्षण का रूच्य, उसके वर्ष्यमान प्रतिक्षण का रूच्य प्रतिक्षण के विषय के बाद कन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के विषय तथा ग्रांचा क्या प्रतिक्षण, निम्निचित् उच्चेष्य से वस्त कन्तरण कि विषय के वास्तरिक क्या से किया ग्रांचा है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी जान की बायत , बन्त अधि-नियम के अधीन कर दोने की जैतरक की वासित्व में कमी करने या सदन बजाने में स्विधा की शिल्यः क्रीड/वा
- (क) इसी जिसी बाय या किसी भन या क्या शास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना आहिए बा, डिपाने में सृविधा के विष्;

अर्थ: अव, उक्त सीधीनयम की धारा 269-ग को अनुसरण के, बें, उक्त विधिनयम की धारा 269-घ की उपचारा (1) को सधीन, निस्तिविद्या व्यक्तियों । अर्थात् क—

 जीमती चैस्त्रमाल, पत्नी चिन्न गौरहर, अन्ना नगर स्ट्रीट पलनी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री टी० ए० कमालुद्दीन डाक्टर गोपालन स्ट्रीट पसनी।

(मन्तरिती)

की यह सूचना ज़ारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिय् कार्यमाहियां क्ररता हो।

उपय सम्मत्ति ने अर्थन के संबंध में कोई बाखेप :---

- (क) इस स्वना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी स्पत्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, को भी अवधि, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी बन्न व्यक्ति इंबारा अभोहस्ताकारी के पास लिखित में से किए वा सम्रोंगे।

क्रव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, वो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा वो उस अध्याय में दिवस वया हैं।

प्रतसूची

णमीन झौर मकान टी० एस० नं० 4√1सी।

एस० एस० एन० मूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज महुरई

तारीख: 3-3-1986

मोहर३

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागूमत (निरीक्षण) श्रजीन रोज, मदुरई

मदुरई, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० 44/जुलाई/85—म्प्रतः मुझे, एस० एस० एन० मृति,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह अध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

स्नौर जिसकी सं० टी० एस० नं० 57/1बी स्नौर 13 है, जो पलनी टाउन में स्थित है (स्नौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्नौर पूर्ण रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, जेंं।एस०।श्रार०- पलनी डाकुमेंट नं० 855,85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पृथेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विक्वात करने का कारण है कि यथापृथोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके क्षयमान प्रतिफल से, ऐसे क्षयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बालाविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबतं, उक्त आधिनियमं के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या जन्य जात्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, िष्टपाने में सृविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों; अर्थात् :---

- मैंसर्स जयराम थिथेटर, रेलवे फीडर रोड, पलनी। (ग्रम्तरक)
- मसर्म निवा काँग्लक्ष्म के/श्रो जयराम थिथटर रेलवे फीडर रोड, पलनी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अवधि यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्ति में हितबद्ध किसी अन्य भ्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा तकोंगे।

लब्बिकरण:--इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क के परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय के दिया गया है।

मनुस्त्री

जमीन और मकान टी० एस० नं० 57/1बी और टी एस० नं० 13।

> एस० एस० एन०एमूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मकुरई

सारीब: 3-3-1986

मोहरः

प्रारूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) भर्जन रेंज, मदुरई

मदुरई, दिनाँक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० 46/जुलाई/85—स्प्रतः मुझे, एस० एस० एन० मूर्ति,

नामकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) तिक्ये इसमें इसके परपात् 'एक्स् विशिवक' कहा एवा हों), को शास 269-क् में विभीन वस्त्र माधिकारी को कह विकास करूने का कारण हो कि स्थानक विभीका, विकास अधित् वालाद मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

ग्रीर जिसकी सं० टी० एस० नं० 8663/2 है, जो पुहुकोट्टैं में स्थित है (श्रीर इसम उपावद्ध धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय जे० एस० ग्रार०-1, पुदुकोट्टैं डाकुमेंट नं० 1670/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, सारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त संगति से उपिय वाकार मृत्य से का के कारताम् इतिका के निए नंतरित को नई है और मुखे यह विकास करने का सारम है कि स्थाप्यांक्य बंग्यति का उपित वाकार मृत्य उसके कारताम प्रतिकास से, होते कार्यनान प्रविकास का वालाइ इतिकास से निषक है और अम्बद्धन के निष् बन् वाचा वचा इतिकास, निकासिक क्ष्मांक से अम्बद्धन के निष् बन् वाचा वचा इतिकास, निकासिक क्ष्मांक से अम्बद्धन के कार्य बन्दारम सिका के वास्त्यिक कर से अम्बद्धन मुद्दी किया वचा है कार्य-

- (क) बन्तपुष् वं हुए किकों बाव की बाव्य ; क्या विश्वित्वय के बचीर के प्रवेत के बन्दरक के वावित्य के कवी करने वा स्वतं व्यतं ने तृतिया के किए: बीर-/वा
- (व) ऐसी किसी भाग ना किसी पन ना सन्य नास्तिनों को, जिन्हों भारतीय आयुक्तर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या स्वतः निधीनियम, या अयोकनार्थ अंतरिती ध्वारा अकट नहीं किया नया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा वे जिन्ह;

अत: अब, अका मिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री श्रार० एम० एम० मिनाक्शी मुन्द्रम, टी० एस० न ० 3134 ईस्ट सेकेंड स्ट्रीट, पुतुकोंट्टे।
 - (श्रन्तरक)
- श्री पी० यू० शंमुगम जेंरल सक्रेटरी ए० ऐ० ए० ं बी० एम० के० मद्रास-14।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के उम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्थान के चालपण में जानायम की दायीन में 45 विश्व की नवीच या ग्रावंचियां न्यांक्लमां पूर् कृतक कर्र कार्योत के 30 दिन की नवीचा, की की कार्य का में स्थान होती होता के बीकर क्लीका करियामों में विश्व कार्यत कार्यत कार्यतः
- (क) द्रज प्रथम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार सिशिशत में किए जा सकेंगे।

ज्ञानिकक्षण इ---- इतने प्रमुक्त काले और क्यों का, को धनस वींशीनवज्, के सभाव 20-क में गरिशावित ही, बहुदे वर्थ होता को उन्न सभाव में दिया वध ही।

अनुसूची

बाली जमीन टी० एस० नं० 8663।

एस० एस० एन० मूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुख्यत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरई

तारीख: 3-3-1986

मोहरः

प्रसम् सार्वः दी. पुन्ः एस्

कामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन स्पना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज, मदुरई नई दिल्ली, दिनौंक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० 48_j जुलाई $_l$ 85--ग्रतः मुस्रो, एस० एस० एन० मृति,

नायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (श्रिस इसमें इसके परजात् 'खक्त निधिनियम' सद्धा गता ही, की भारा 269-म के मधीन एकाम प्राधिकारी को यह निज्यास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति, विसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रह. से नीधक ही

ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 205/1 श्रौर 206/1 है, जो तिरुच्चि में स्थित है (श्रौर इसमे उपायक अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कार्यांनय जे० एम० श्रार० - Π , तिरुचि डाक्मेंट नं० 1096/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1985

की पूर्वेविश सम्पर्टित के खेंचल बाजार मृत्य ये कम के दश्यमान अतिएक को निए अन्तरित की पर्य है और मुझे यह विश्वास करमें का कारण है कि बजापवाँकत सम्पत्ति का सचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे खबमान प्रतिफल का पंद्रश्च प्रतिशत से अधिक है और बंबरक (बंतरकाँ) और बंतरितीं (अन्तरितियाँ)। के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब बाबा गवा प्रतिफल, निम्नसिवित खब्बोच्च ने उच्च बन्तरण सिसित में कार्यक्तिक एवं से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बाब्द, उपस बाविषयमं वी बावीय बाद बाने की अस्तरक बी वाविष्य की कार्यों कहने का जनते नमने की स्विधा की किए: बीह/बा
- (च) एती किसी नाम या किसी भूम या किसी नास्तिवों को, जिन्हें भारतीय नाम-कर निष्मिकम, 1922 (1922 का 11) या उनत निर्मातियन, या भन-कर नीमिनयन, या भन-कर नीमिनयन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मी क्यारी क्यारा नकट नहीं किया गया या या किया जाना काहिए ना, छिपाने ने स्वित्या के लिए:

चतः त्रवा, उक्त विधानयम की भारा 269-म के बनुतरण की, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन . निम्निटिखित व्यक्तियों , सर्भात् प्रकर्म 6 —26 GI/86

 श्री बी० बी० वेंकीट्टमामी, 87 मेलपुलि वार्ड रोड तिरुचि।

(ग्रन्तरक)

 श्री श्रार० गुनसेकरन 51/1, मैन रोड तिस्वानैकल तिस्वि।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके प्वॉक्त संपरित के वर्धन के जिद् कार्यवाहियां करता हुं।

राक्ट संपत्ति को कर्णत की नंबंध में कोई भी बाबाँप ह-

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारींच थीं
 45 विन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 स्चान की तानील से 30 दिन की जनिथ, जो भी
 जनीय नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्द
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बनारा:
- (ब) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अभोहस्ताकरी के पास सिकित में किए बासकी।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवस के अध्यास 20-क में पीर्भाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास में सवा है आ

अनुभूषी

जमीन ग्रौर मकान टी० एस० नं० 205/1, श्रौर 206/1।

एम० एम० एन० ें मूर्ति सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायक र श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदुरई

तारीख: 3-3-1986

प्रकथ बाद् .टॉ.एन.एस. -----

भाषकर व्यथितियंव, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

भारत संस्कार

फायलिय, सहाय्क जायकर आयुक्त (निर्देशिक) ग्रजैन रेंण, मकुरई

मदुरई, दिनौक 3 मार्च 1986

निर्वेश सं० 51/जुलाई/85 मतः मुझे, एस० एस० एन० मति,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, असका उचित बाचाए मृज्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० डाकुमेंट नं० 1234/85 है, तथा जो तिरुचि में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय जे० एस० धार-III तिरुचि में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुनाई 1985

को पूर्वेकिश सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विवदास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित दाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरित (अंतरितियां) के बीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्नलिख स्था किया नहीं किया गया है :----

- (क) बंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीध-वियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायिखा में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ण) एकी किही आप मा किसी भन या जन्म मास्तियों करे, भिन्हें भारतीय आयकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के निए;

अत: अब, उक्त ओधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--- श्री भ्रार० सिवकामी, 4 सौत तय्यलकारा स्ट्रीट तिरुचि।

(ग्रन्सरक)

श्रीमती एम० ग्रबीदा बीबी 40 जीनत स्ट्रीट तिरुचि 8 ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

जमीन और मकान (डाकुमेंट नं० 1234/85)।

एउ० एस० एन० मूर्ति सक्षम प्राधिकारी महायक श्रामकर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, मक्रुरई

तारीख: 3-3-1986

मोहर 🙄

प्ररूप बाई.टी.एन.एस..-----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरई मदुरई, दिनाँक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० 52/जुलाई/४5→-प्रतः मुङ्गे, एस० एस० एन० मूर्ति,

बावकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का बारण हैं कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० पट्टा नं० 1891 सर्वे नं० 8/3बी है, जो सिंगमपुनरी (डाकुमेंट नं० 626/85) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सब रिजिस्ट्रार, सिंगमपुनरी डाकुमेट नं० 626/85 में भारताय र्याजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दरबजान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काबार मूल्य,, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दर्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया प्रयाप्तिफल निम्नितिवित उद्देश्य से उक्त अंतरण विवित् यें शस्तीक क्य से किथत नहीं किया गया है -

- (क) अन्तर्भ ने हुई कियीं बाव की बाव्य हा क्कर विधिनवम के स्थीन कर देने के अन्तरक के दायिस्त्र में कमी। करने या उससे अथने में सूबिधा के लिए; और/या
- (थ) एरी किसी काम वा किसी धन वा कम्म धारितयों को, जिन्हों मारतीय नाम-कार निधिनयम, 1922 (1922 को 11) यो उक्त निधनयम, या धम-कर विधिनायम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्ति, रिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया थाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वृद्धिया के जिल्हा

बतः वनः, सक्त विविवय की भारा 269-न के बनुकरण में, में, उक्त विभिन्यम् की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—-

- मैंसर्स पान्डीमन श्राटो प्रोडक्ट्स पार्टनर एम० सुत्रमनीयम श्रार दूसरे , सिंगमपनरी। (श्रम्सरक)
- 2. श्रीमती के० सेस्वकुमारी 125 वेस्ट I स्ट्रीट मन्नर गुडी।

(श्रन्सरिती)

को वह त्यना चारी करके पूर्वीक्त समारित के बर्धन के दिवस कार्यवाहियां बुक्त करता हूं ते।

अन्य कम्परित के कर्षन में संबंध में कोर्ड धी आसोप s-

- (क) इस सूचना कें राज्यमा में प्रकातन की तारीच से 45 दिन की बनीच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीच से 30 दिन की नवीच, जो भी नवीच नाम में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति सूवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पाव विविध में किए वा सकवे।

स्यक्ष्मिरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का को अवश्व अधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं वर्ष होगा, जो उस अभ्याय में दिया वया है।

अनुसूची

खाली जमीन 13 1/4 सेंटस सर्वे नं० 3/3बी।

एस० एस० एन० मूर्ति सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, महुरई

तारीख: 3-3-1986

प्रकम् जार्द्र[ा].टी<u>.</u>एन_ःएस_ः------

नायकर नीमनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-न (1) के नमीन सूचना

भारत बरकार

कार्यात्रक, राष्ट्रायक बायकर बायुक्त (निःशीक्षण)

ग्रर्जन रेंज मदुरई

मदुरई, दिनांक 3 मार्च, 1986

निर्देश सं० 53/जुलाई/85—-श्रतः मुझे एस० एस० एन० मुर्ति,

नाशकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त जिसिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- क. से निधक हैं

शौर जिसकी सं० व्लाट नं० 165 है, जो गाँधी नगर, मबुरई में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणिः है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के वार्यालय, सब रिजस्ट्रार, मबुरई में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985 को पूर्वोंका संगतिय के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफन को निस् अन्तरित की गई है और मूर्ग यह विद्यास करने का कारण है कि संथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके बस्यमान प्रतिफन से एसे दश्यमान प्रतिफन का नन्तर श्रीतफन के बीच एसे अन्तर के सिए तय गया प्रतिफन, निम्नलिखित उद्योच से उच्या अन्तर प्रतिफन का निस् प्रतिफन, निम्नलिखित उद्योच से उच्या अन्तर प्रतिफन का निस् विद्या से अन्तर का निस् विद्या से स्थापन का निस् विद्या से अन्तर का निस् विद्या से स्थापन का निस् विद्या स्थापन का निस् विद्या से स्थापन का स्थापन का निस् विद्या स्थापन का निस् विद्या स्थापन का स्थापन का स्थापन का स्थापन का स्थापन का स्थापन का स्थापन स्

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की शबत, सकत बीधिनियम के बधीन कर दोने के बंत एक के शियाल में कमी करने का उसने बचने में सुविधा के सिए; बीद/वा
- (च) इती किसी आय वा किसी अन या शस्य जास्तियों को, चिन्हुं आरतीय जायकर जीभी त्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त शिक्षित्रमा, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के असोचनार्थ अंकरिजी ब्वारा प्रकट नाति किया गया वा या किया वाना चाहिए था, खिनले से सुविधा के जिए:

वाहः वयः, व्यवः विधित्वयः की पादा 200-यः वै वन्वदः विक्रा विक्र विक्र विधित्ययः की पादा 269-व कि उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिणित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 श्रीमती चंद्रा डैंसी श्रम्माल, 11 तन्गीता विनायगर कोविल स्ट्रीट, मदुरई।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एडित किस्बाकरन विकटर 17 चत्तीरम स्ट्रीट दिन्डुगल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप उ---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख को 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति इवारा क्योहस्ताक्षरी के पाबृ तिविश्व में किए जा सकींगे।

स्पथ्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गमा है।

वन्स्पी

जमीन और मकान प्लाट नं० 165 गाँधी नगर, मदुरई।

एस० एस० एन० मूर्ति । सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, मदुरई

तारीख: 3-3-1986

क्षम अवदे ही . युव . युव .

वायकर वरिपतियम् : 1961 (1961 का 43) की वारा 265-व (1) के बचीन स्वदा

RICE MARIE

कार्यामन, सहायक कार्यकर कार्यक (निर्देशका)

ग्रर्जन रेंज, मदुरई मदुरई, दिनाँक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० 54/जुलाई/85~-श्रतः मुझे, एस० एस० एन० मूर्ति,

वावकर सभिनवन, 1961 (1961 का 43) (रिवर्त इतमें इतके क्षणात् 'उवठ विभिनवन' कहा श्वा ही, की धास 269-क के वभीन सभन प्राधिकारी को नह विकास बारने का कारण ही कि स्थावर सम्बत्ति, जित्र-शा उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रू. ते अधिक ही

म्राँर जिसकी सं० प्लाट नं० 165 है, जो गाँधी नगर मदुरई (डाकुमेंट नं० 2475/85) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सब रिजस्ट्रान, तल्लाकुलम में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मान्य में याम के दरसमार्ग प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक सम्पत्ति को उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ने एसे दश्यमान प्रतिफल का कन्त्रह प्रतिश्वास सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अरि अन्तरिती (अन्तरितिवों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल, जिम्निलित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में वास्तविक रूप ने किंग्स महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के स्थीत कः देने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या अववे वक्षते में सुनिया के बिद्द; और/या
- (य) होती किसी काम मा किसी जन मा काम जास्तियों को, जिन्ही भारतीय नामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा जेवत मीधिनियम, वा वनकर मीधिनियम, 1957 (19//का 27) के मर्याजनाओं जन्तरिती ब्लाच प्रकट नहीं किया गया जा मा किया जन्त प्रतिहर को हिल्लाने में बुर्विका के जिल्हे;

कार सम, ज्यस वरियमिक्य की भाषा 266-न के कम्प्रदेश को, भी, अवस मिथिनियम की मार्च 268-न को उपपाद (1) के अधीन _ियमितिश्वस व्यक्तियों हा अभेति ६1. श्रीमती एडिंत किस्बाकरन विकटर, 1'7 चत्तीरम स्ट्रॉट दिन्डुगल।

(भन्तरक)

 श्री एस० राजी नाडार 11 संगीत विनायगर केविल स्ट्रोट महुरई।

(मन्तरिती)

को यह सुचना चारी कारको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के यजनत में अन्ध्रश्त की हारीश स 45 चिन की मनीय ना अस्तर्यक्षी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि। जो भी नव या नां समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ष्ठ व्यक्तियों में से बिस्सी व्यक्ति स्वास्तः
- (व) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा के 45 दिन के भीतर उनत स्थायर सम्पत्ति में हिट्टबहुर किशी अन्य क्यक्ति व्याप मनोहस्ताकरी के शक्त सिचित में किए जा सकें

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

जमीन भ्रौर मकान प्लाट नं० 1651

एस० एस० एन० मूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (हिरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदुरई

तारीख: 3-3-1986

एकन् मार्च्या<u>ं प्रमृत्या स्थल</u>

नायकर निभिनियम : 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म् (1) के न्थीन सुक्रमा

HISO SERIE

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज, मदुरई मदुरई, दिनाँक 3 मार्च, 1986

निर्देश सं० 55/जुलाई/85—म्प्रतः मुझे , एस० एस० एन० मृति,

बायकर धिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षक प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाचार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 1065/55 मिल्लरपुरम है, जो दुटीकोरीन डाकुमेंट नं० 715/85 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबड श्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जे० एस० आर० दुटीकोरिन में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को ब्वॉम्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के जयमान प्रसिफ ल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पल्क् प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बस्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय बाबा जया प्रतिक्का, विम्नीनीचित उच्चदेश से उक्त बन्तर्य निचित् में वास्तीवक रूप के कथित नहीं किया नया है ■—

- (क) अन्यद्रभ वं हुई किसी बाद की वादय त उत्तर विध-नियम की बधीन कहा देने के अन्यक्त के वाहित्य की क्ष्मी कहा वा वास्त्रे वजने में सुविधा के जिए; धार्/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया थाना खाहिए था, खिराने में द्विभा के लिए;

अतः अतः अवतः अधिनियमं कौ भारा 269-व वै अवृत्र्य तै, मैं उक्त अधिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमतो डी० कमला देवराजन, नं० 1065/55 मिल्लरपुरम टुटीकोरिन।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती ऊषा विश्वतायन 1065/55 मिल्लर पुरम टुटीकोरिन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के तिर् कार्यवाहियां करता हूं।

क्क्य बुरुपित के मुर्जन के बुरुपुरुप में कोई भी बाक्यपुंउ→

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जनभि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्स स्मान्तमों में से किसी स्मक्ति ब्वारा;
- (ण) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंगे।

स्मक्कीक रणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उनल जीविनयम के अध्याय 20-क में परिभाविट हैं, बड़ी वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

जमीन और मकान 1065/55 मिल्लर पुरम, टुटीकोरिन।

एस० एस० एन० मूर्ति सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन हरेंज, मदुरई

तारीख: 3-3-1986

प्रस्त बार्द न हुन हुन पुर्व न - ---

क्रमक्त विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के क्वीन क्वना

बारव बरकार

कार्यास्त्र , तक्कावक वावकर वाजुक्त (पिडीक्राक्री

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास-2, दिनाँक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० 42/जुलाई/85---धतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रधाद 'उन्त निधिनियम' नहा नवा ही, की भाषा 269-च के नधीन समय प्राधिकारी को, यह विस्तास करने का कारन है कि स्थानर सन्यति, चित्रका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- छ. से निधक है

श्रोर जिसकी सं० टी० एस० नं० 328/7/2 तोट्टिपालेयम गाँव तिरुप्युर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तिरुपुर लेख सं० 1982/85 में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

- (क) अन्तरण वे हुई कियों बाय की बावत उक्त विश्वियाद के विश्वित कर दोने के वन्तरक के वाजित्व में केमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/का
- (क) खेबी किसी बाय वा किसी थन या बन्य नास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर नीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन- कर व्यविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रकेषनार्थ जन्मीरती बुगरा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया थाना वाहिए था, कियाने में स्विधा में सक्

सतः सव, उक्त सीमीनियम की भारा 269-न की बन्द्रस्थ कों, मीं, उक्त सीमीनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) को अधीन : निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :---- 1. श्रीमती बी० सरस्वति।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० पेरिमसामी।

(भ्रन्तरिती)

को यह बुचवा जारी करके पृथीयक सम्मृति हो वर्षन की निए कार्यवाहियां गुरू करता हो।

बक्त सम्बद्धि के क्यूनि के सम्बन्ध के कोई भी नामीय उन्न

- (क) इस सूचना के राज्यम के प्रकारन की तारीय से 45 दिन की बनिंध या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की ताजीत से 30 दिन की वदींथ, को धी सूनिंध वाद में स्वास्त होती हो, के धीलर पूर्वीकर क्यांबरवाँ में से किसी व्यक्ति द्वास;
- (क) इस सूचना के राज्यनत्र में प्रकाशन की तारीच थे 45 विश्व के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्योकरण: ---- इसमाँ प्रयुक्त घड्यों और अयों का, को उक्त विधिनियम : के वध्याय 20-क माँ परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ववा हो।

अनुसूची

भूमि — तोट्टिपालथम् तिरुप्पुर, तिरुपुरलेखः सं० 1982/

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षीण) स्रजैन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 12-3-1986

मोहरः

प्रसम् बार्ड हो . एम हुए।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 दम 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत बरकार

कार्यातय, तहायक नायकर वायुक्त (निर्[क्रम)

धर्जन रेंज2, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 11 मार्च 1986

निर्द्रोण सं० 46|जुलाई| 85--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कार्यकर जिभिनियम, 1961 (1961 का A3) (जिसे इस्कें इसकें परचात् 'उक्त अभिनियम' बद्धा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्शास करने का कारण है कि स्थायर सम्पन्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं० जी० ए.म० सं० 2/2, है सथा जो बडबल्ली गाँव कोयम्बन् में स्थित है (और इससे उपायड ध्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कोयम्बन् ए ले० सं० 3015 में भारतीय रजिस्ट्री-करण ध्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ध्रधीन, नारीख जलाई 1985

को पूर्वांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूमे यह विश्वास जरने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूक्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से. एसे ध्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-बिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्दारण से हुई कि की बाय की बावक, अपक गाँधीयनम के बनीन कर दोने के तन्तुरक के दादित्य में कहीं करने वा जन्दर्स क्याने में मृतिका के एक्ट्रा बीटर/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बावकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, बा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसिन व्यक्तियों, अर्थात ∉—— 1. श्री एस० श्रीधरन।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती एन० विजयलक्ष्मी।

(भ्रन्तरिती)

को बहु स्वता वारी करके प्याप्त सम्मात्त् भी नवीन की जिल्ल कार्यवाहियां करता हो।

उक्त क्षमित् के वर्षन के राम्प्य में कोई भी बाधेप्:--

- किं हुए पूर्वा के राज्यम में प्रकारण की बारीन हो 45 विश्व की समीच वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 विन की बनीच, जो भी क्यीच बाद में समान्त होती हो, के जीतर प्यक्ति करिक्स में वे विश्वी क्यिक्त कुमाराह
- (स) इक ब्रुपना के राज्यन में त्रकायन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-वस्थ किसी अन्य व्यक्ति ह्यारा, अभोहस्ताक्षरी कें पास सिवित में किये वा सकोंने।

स्वकातिकरण्यः—इतनं प्रवृक्तः वाज्यां और वर्षे का, वा व्यक्तं । वीधीययव वो वाध्याय 20-वा वो प्रशिक्षायिक हुँ, तही अर्थ होगा को प्रश्न वध्याय में विवा वक्षा हैं।

बन्स्ची

भूमि श्रौर मकात--कोयम्बत्तूर तालुक--वडविल्ल गाँव कोयम्बत्तूर लेख सं० 3015/85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारीं र्रें सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 11-3-1986

प्रकार , बार्ड , टी न प्रमुख एस न प्रकार

1. श्री एस० जी० गेंगुस्वामी।

(श्रन्तरक)

भाग्यकार मीं धनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

 मे पर्स केंप्ट लैण्ड होल्डिंग्स प्रायवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरिती)

श्रीरत शरकार

कार्यात्तव, तहावक बावकर वावका (विद्धिक)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

Frat 10 mm 1000

मद्रास, दिनौंक 12 मार्च 1986

निर्वेश सं० 48/जुलाई/ 85---ग्रनः मुझे, श्रीमती एम० साम्वेल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसकी उचित शाधार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० श्रार० एस० सं० 426/1, 499 है, जो कोयम्बत्त्र में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबत श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकत श्रिधकारी के कार्यालय गाँधीपुरम, लेख सं० 3544/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त हीपित्ति का उाचत बाजार मृत्या, उसके स्थामान प्रतिफल से, एसे स्थामान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से विधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिक (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरिच के लिए तब नावा गवा प्रतिकात, विम्निविक उद्विक में उच्त बन्तरक निहित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) जंतरण से हुइ किसी शाम की वाबत, अक्त श्रीभिनियम को जभीन कार दोने के पास्परक के दामित्य में कभी कड़ने वा उत्तरी व्यक्षे में सुविधा की सिए; बॉर/या
- (च) ऐसी किसी भाय या किसी धन या बन्य जास्तियों कां, जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, था धन-कर अधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा खियाने में सुविधा के लिए;

तत: प्रव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक मैं, माँ, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् ह— 7—26 GI/86 को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां सूक करता हूं।

डक्त संपत्ति के कर्चन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस चुपना के राजपून में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाखन की तारीच चं 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपक्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति युवारा अभोहस्ताकारी के पार लिखिस में किए आ सकति।

स्थव्यक्रिकरणः--इसमें प्रयुक्त शावों और पदों का, का उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस सभ्याय में क्षिकर प्रसाह हैं:

नन्स्ची

भूमि--ग्रार० ए.म० सं० 462/1; 449, कोयस्वस्र । गाँधीपुरम, नेख सं० 3544/85।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी पहायक श्रायकर श्रायुक्त) (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, मद्राम

तारीख: 12-3-1986

बच्छ सार्व**्टी ्एन <u>.</u> एक** ुन्याकारणस्य

भागकर करिश्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-त (1) के अभीन स्थान

बारत बरकार

कार्यासय, तहावक बावकार वायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2. मद्रास

मद्रास, दिनांवः 12 मार्च, 1986

निर्देश सं० 80/जुलाई/३५---प्रतः मुझे, श्रामनी एम०

सामुवेल

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की चारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विह्वास करने का कारण हैं कि स्थावर बन्यति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से कीधक हैं

और जिसकों मं० एस० मं० 466/। श्रलगुमले हैं, तथा जो पहलडम् में स्थित है (और इसमे जगबद्ध श्रनुभूकों में और पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रेलिकी श्रिधिकारी के तार्यालय पहलडम/लेख मं० 1331/85 में भारतीय रिजस्ट्रेकिरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रक्षोन, तारीख जुलाई 1985

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्म से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई जीर मूक्ते वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूल्य, उसके क्यमान प्रतिकल से एसे क्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण क्रिक्त मंद्राह्म के किया प्रतिकल स्प से क्रिक्त महाँ क्या पाया प्रतिकल स्प से क्रिक्त महाँ क्या पाया है हैं

- (क) बस्तरण से झूर्य किसी बाय की बावता, स्वयं अधितिबस के बधीन कर दोने के बच्चरण से राजित्य में कमी करने या श्वयं बचने में सुविधा से दिनए; और/बा
- (क) इंसी किसी क्या वा किसी वन वा अन्य वास्तिवों को, चिन्हों नारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्धा अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना चाहिए जा, छिपाने में स्विका के लिए;

कतः कवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के जन्मरण कों, में, उक्त आधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :--- श्रीमलं: संत्र सम्माला।

(ध्रह (स्वर)

2. श्रीमत्। पान्न म्माल्।

(धलारिना)

को सब त्याना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त तम्पत्ति के वर्षांत के तंत्रंथ में कोई भी नाक्षेप :---

- (%) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति इति, जो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित्त में किए जा सर्कोंगे।

स्वच्यकरणः --- इसमे प्रयुक्त सक्यों और पदों का, जो उक्त जीधन निवन के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं जर्थ होगा. को उस अध्याय पें विका गणः

अनुसूची

भूमि--श्रालगुमले गांय--पल्लाष्टम, लेख सं० 1331/85।

श्रीमतो एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रुपति रोज-2, मद्रास

तारीखः 12-3-1986 मोहर∎ प्रकम बाह्री, दी, प्रसे, प्रस्तुत्रव्यक्त

नाथकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सचना

धारत वहनार

कार्थालय, सहायक जायकर आधुक्त (निरीक्तन) श्रजन रेंजन2, मद्राम

मद्रास, विनाव 12 मार्च 1986

निर्देण मं० 93/जुलाई/35---प्यनः मुझे, श्रीमर्ताः एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं टीं एस मं 468/3 है, जो मीन ार रोड पोल्यार्थ में लियत है (और इससे उपाबज अनुसूर्व में भीर पूर्ण कर ने विकार है), रिजर्स्ट्रांकर्ता द्वाधिनारों के कार्याला पोल्यार्थ — लेख सं 1549/85 में भारतीय रिजर्स्ट्रांकरण आधिताम, 1908 (1908 का 16) के ध्रांति, सारीज जुलाई 1985

को पूर्वोक्स सम्पक्ति के उफित बाजार मूल्य से कम के इहसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके वच्च-मान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्प्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निस्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक क्य के कथित नहीं किया गमा है:----

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्स विभिन्नम को बभीन कर दोने के अन्तरक के विभिन्न में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधिनिएए, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रभा भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्ट्रियम के सिए।

का: क्यं, उमत विधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण म, में सकत विधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री वी० रसितम् और दुसरे।

(अस्त⊽का)

2. श्रीमती बल्कीस।

(अन्तर्भागी)

को वह सूचना बारी कर्के पूर्वोक्त सम्मत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहिमां शुरू करता हुं।

अक्त सम्बन्धि के वर्षन के बम्बन्ध में कीई भी वास्त्रेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीक के 45 दिन की अविध मा तस्सम्बन्धी व्यक्तियों कर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, भी भी अविध बाद में समाप्त होती हो, की मीतर पूर्वीक्ष व्यक्तियों में से किसी स्वीवत दुधारा;
- (क) इस स्थान के राजपण मां प्रकाशन को तारीश स 45 दिन के शीसर उस्त स्थावर सम्मक्ति में हिस्तकृष्ण किसी जन्म का किस बुबारा अभोहस्ताकरी के पास स्थापन में किस् जा ससीयें।

स्वकाकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अवस अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होंगा, को उस अभ्याय में चिहा नवा हैं।

भूमि और महान -4ा करें रोड़-पोल्लाब्यी (लेख सं० 1549/85)।

र्श्वति एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज-2, महास

नारीख: 12-3-1986

माहर:

प्रस्प आहे. टी. एन. **एव**ं प्रनार

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ए (1) के अभीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यासय, तहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्राम, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्देश मं० 106/जुलाई/35---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिक्कं इसमें क्रिक्तं परकाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्रविकारी की, यह गिरवास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिस्का उजित नाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

और जिसकी संव टींव एसव संव 14/2ए/1/2 है, तथा जो श्रवनाणि रोड तोडियालनम् पत्लेडम् में स्थित है (और इसमें अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणत है), रजिस्ट्रीयती श्रिधकारी के बार्यालय, निरुप्र, लेख संव 2396/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1985

का पृथिकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्तियह सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षक से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक स्प से कामत कर से मार्सिक स्प से कामत नहीं किया गया है :----

- (क) क्लारण सं हुड़ किसी भाष की बाबत, उक्त मीमिनियम के बधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उत्तर क्लाने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम दें धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रशंकनार्थ अन्तिरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपान में सुविधा के लिए:

बतः अब उक्त विभिनियम की भाषा 269-ग के बनुसरण में, मैं, खक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ब्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रामती टी० एस० बी० धनलक्ष्मी श्रम्मगल श्रन्यो।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० पर्वतवधिनि ।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के विश्व कार्यवाहिया क्षुरु करता हो।

तका सम्पत्ति के कर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिउबय्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

त्वब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जे उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वृंबा हैं॥

प्रनुसूची

भूमि--श्रवनाणि रोड तोष्ट्रिपालयम् पत्नउम्---निरूपुर् लेख सं० 2396/85।

> श्रंभिती एम० सामुबेल -सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 12-3-1986

प्रकृष आहे दी एक् प्रस्तु -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभा

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिलांक 12 मार्च 1986

िर्देश सं० 107/जुलाई/85 ल्ानः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

आर जिसकी संव टीव्यम् संव 705 है, तथा जो अवनाणि रोड तोष्ट्रियाल्यम् निरुप्यः में स्थितः है (और इसमे उपाबद्धः अनुसूची में आर पूर्ण का ने विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्याल्य विरुप्यः लख संव 24/1/85 में भारतीय विरूप्यः विष्यः (1908 का 16) के अधीन, वार्याख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रित्ति के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पद्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- का अन्तरण व हुन्दे किसी नाम की वावत, उक्क अधिनियम के अधीन कर बोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बुजने में सुविधा अं लिए; ब्रीड्र/बा
- (क) एसी किसी आयु या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1987 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए भा, कियाने भें स्विभा के सिए;

जन: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण मा. मी. उपना आधिनियस को धारा 269-घ को उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् ६—— श्रीमती टी० एस० बा० धनलक्ष्मी श्रम्माल और श्रन्यो।

(अन्तरक)

2. श्री सी० नाय्यि मृत्तु।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्मित के अर्जन के सम्मन्त में कोहें भी नामोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की जबभि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामीन से 30 दिन की अविभ, को भी जबभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरणः—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जा उक्त वर्षिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं बर्थ होंगा जो उस अध्याय में विमा स्या है।

ब्रमसची

भूमि--नांद्विपालयम् श्रविनाणि रोड़, तिरूपुर, लेख सं० 2411/85।

> र्श्वामती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महापनः श्राप्यकरः श्राप्यक्षः (निरीक्षण) श्रजन रोज-2, मद्रास

वार्राख: 12-3-1986

महिर:

प्रस्प नार्".टी.एन.एस. ------

THE RESIDENCE OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन

मारत सरकार

न्धार्यालय. सहायक बायकर बायुक्त (निह्नीक्षण)

अर्जंभ रेंजं-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1986 निदेश सं० 110/जुलाई/85--अनः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेख

कायकर क भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा पता है), की भारा 269-च के अभीन सकान प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पद्धित, जिसना अधित वाचार मूस्व 1,00,000/- गा. से अधिक है

ग्रांर जिसकी सं 10 आर्ड, अब : शि रोड, नोट्टिपालयम् है, तथा जो निरुष्णुर में स्थित है (ग्रींप इसोत उपाबड अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप ने विणित है), रिजिस्ट्रीएनी अधिकारी के जार्यालय, लेख सं 2397/85 तिरुपुर में भारतीय रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन, नारीख जुनाई 1985

कां पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उसित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गएँ हैं और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नेंक्स संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बरिधनियज के अधीन कर दोने के अध्ययक को बायित्व को कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; बीक्टिं!
- (क) एनी किसी बाय या किसी धन वा नन्य वास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, वा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या को निए।

तकः इव. उक्त जीशीनयम की भारा 269-ण की जनुसरण हो हो, उक्त गीशीनयम की भारा 269-ते की उपभारा (1) हो क्रीन निम्निपियित स्थानितयों, अर्थाव अ ा. श्रीमती धनलक्ष्मी ग्रांर अन्यों।

(अन्तर्क)

2. श्रीमती ई० देवी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध वें कोई भी नाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की लारी कर्त के 45 विश की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की सामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वस्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सकत अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होंग। को उस वश्याय में दिया गया हैं।

अनुसूखी

भूमि--अलगुमलै गाँथ-पहलडम लेख सं० 1321/85।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (न्दिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 12-3-1986

धक्य बाहा, टी. एक. गृस . -----

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 (व) (1) जे अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, प्रहायक बायकार वायुक्त (निर्देशिक)

अर्जन रेप-2, मद्रास

मद्रास, दिशांक 12 मार्च 1986

निर्देश मं० 111/जुलाई/85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके काशान् 'उकन अधिनियम' कहा गया हैं), की पार 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का जारण हैं कि स्थाबर सम्मति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रहः से अधिक हैं

र्ग्रार जिसकी संव 10 वार्ड है को अवसाणी रोड़, तोहिपालयम् तिरुष्टर टाउन में स्थित है (ग्रांप इसने उपाबद अनुसूची में ग्रांप पूर्ण क्य ने विजन है), रिकस्ट्रीकर्ता इधिनारी के कायित्य, निरुष्टर, लेख संव 2399/85 में भारतीय रिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1985

का पुर्वेदित सम्मत्ति को उचित बाजार मुख्य सं कम के ध्यमान वित्रक के सिए अंतरित की गई ही और मुर्के यह विश्वास धार का का का दिए अंतरित की गई ही और मुर्के यह विश्वास धार का का का दिन का प्रतिक का प्रतिक का का प्रतिक का का प्रतिक का का प्रतिक के का प्रतिक का का प्रतिक के बीच एसे अंतरक की लिए तय पाए विश्वा प्रतिक का निकासिक स्वास एसे अंतरक के लिए तय पाए विश्वा प्रतिका निकासिक स्वास के बीच एसे अंतरक की लिए तय पाए विश्वा प्रतिका निकासिक कर से का विश्वा प्रतिका गया है :---

- (क्रॉ) संतर्ण से हुई किसी बाव की वावष, उक्त अधिराम्बम के अधीन कार वाने की अंतरक के करिष्ट्य मां कथा राज्य मा इससे अध्या में सुविधा के पहर, अधिरा
- (का) शुनि किसी जाव या किसी भन या जन्य शास्तियों जा जिन्हां भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 प्रा. 11) या उक्त अधिनियम, या अनंकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या विकास जाना नारिया था, विकास में स्विभा की सिए;

अत: अभ, उक्ट अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण अर्म, मीं जरूण विधिनियम की धारा 269-ग की व्यथाना (1) ■ अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अधीन :---- श्रीमती धातक्मी भ्रांस स्वी।

(अन्दरकः)

श्रीकै अक्षुल्यामि ।

(जनसंख्ती)

व्ह वह वृक्षण भारी करके श्वापित मध्यत्ति के सर्थत के निय कार्यवाहिया अरहा हो।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी विकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि गाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास

स्पाक्षीकरण: --- इसमे प्रयुक्ध शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

<u>ज्यस्</u>ची

भूमि--10वा वार्ड, अवसाणि रोड, तोट्टिपालयम्, तिरुपुर, तिरूपुर---नेख सं० 2399/85 ।

> श्रीमती एम० क्षामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहाय १ जासका आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रोज-2, मद्रास

नारीख: 12-3-19**8**6

प्ररूप भाष[्]. टी. एन., एस., -----

 श्रीमती टी० एस० बी० धनलक्सी ग्रोर अन्यों। (अस्तरक)

2 थीमती अंस्तिभियासन्।

(अन्तरिती)

भागकर अधिनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा २६९ व (1) के सभीन संबना

माद्रव सहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनां ह 12 मार्च, 1986 निर्देश मं० 112/जुनाई/85---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'अकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विख्वास करने का **कारण है** कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्त्र 1,00,000 / - रः. से अधिक **ह**ै

श्रौर जिसकी संव एएवं संव 705 है, जो तोहिपालयम् अवनाणि रोड, निरुपुर में स्थित है (श्रीर इसने उपाबड़ अनुसूची में भ्रांप पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्री तो अधि-कारी के कार्यालय निरुष्पुर--लेख सं० 2400/85 में भारतीय रजिस्द्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति की उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छाइ अजियात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के जीव एरेंगे अन्तरण के निए तय पाया नवा प्रतिकल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त बन्तरण मिकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 🖫 🛶

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत, उक्त मीमिनियम के अभीन कर वीने के अन्तरक की क्षाबिरण के अपनी करने या तकते वकते के मृतिका के लिए: बरि/या
- (भ) एसी किसी भाष या किसी धन या अन्य आस्तिया का', अन्त् भारतीय जाय-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उका अधिनियम, या धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ग किया पाना चाहिए था दिलाने में सुविधा के निए;

को धहस्यना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सक्त सम्पत्ति के **वर्षन के संबंध में** को**र्ड** भी आक्षेप ए---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीह 45 दिन की अवधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियाँ मचना की तामील से 30 दिन की वयि । जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्यावक क्यक्तियों में से किसी राक्ति दवारा
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उस्त स्थायर सम्पन्ति मा डिनबर्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अश्रोहम्लाक्षरी के एक र सिखित में स्मिए जा सकेंगं ।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उपस अधिनियमें के अध्याय 20-क में **है, बही अर्थ होगा जो** उस *धारणा* में मवा हुँ।

प्रन्यूची

भूमि—-तोद्दिरालयम् अवताणि रोड्, तिरुपुर । तिरुपुर---लेख सं० 2400/85।

> श्रीमती एम० शामुबेः। सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्राम

गतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनररक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए हो उपभारत के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धा

सारी**ख**: 12-3-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आवकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 289 प (1) के जधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्देश मं० 114/जुलाई/85श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल,

हारकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 2.69-इ जे अभीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उपित बाबार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 10 बार्ड है, जो श्रवनािं रोड़, तोट्टिपालयम्, परुलंडम् तिरुपुर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावद श्रन्मुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याजय में तिरुपुर—लेख सं० 2401/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 रा 16) के श्रधीन तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्मिरित के उचित बाजार मृत्य से कम के उत्यमान प्रातिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृथ्य, उसके उत्यमान प्रतिफल है, ए'से उत्यमान प्रतिफल का प्राप्त का प्रतिफल का प्राप्त का उचित बाजार मृथ्य, उसके उत्यमान प्रतिफल का प्राप्त प्रतिक्षत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) के बीच ए'से बन्दरन के निए तम पाम नवा प्रति- कन निक्तिचित उद्देष्य से उस्त बन्दरन निक्तिच में मास्त- विक स्प है कमित नहीं किया नवा है है—

- (क) अन्तरण वं हुई किसी बाब की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बक्त में साबिना के लिए, बरि/वा
- (व) देवी कियी बाब या कियी थन वा बन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय भाव-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत निभिनियम, या धन-कर विभिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, क्रियाने में सुविभा के बिह;

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण
औ, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (१)
अं अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों अधीत ६—
8—26 GI/86

- (1) श्रोटी प्रमण्बी धन लक्ष्मी और अन्यों (ग्रन्सरक)
- 2. श्रीमतीरेनुका देवी।

(ग्रन्सिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्मित्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उन्स सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किस का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त वीधिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ष होगा जो जस अध्याय में दिया वंदा है।

मन्स्ची

भूमि—-10 वार्ज ग्रविनाणि रोष्ट्र सोट्टिपालयम् ग 🚉 पल्लडम । तिरुप्पुर (लेख सं० 2401/85) ।

श्रीमती एम० साम् वेल सक्षम प्राधिवारी महायक श्रायकण ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-2, मब्रास

तारीख: 12-3-1986

भायकर भौभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भाग्र 269-म् (1) श्रे स्पीद सूच्या

HIST TEST

कार्यातव, तहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च, 1986

निर्देश र्थः 116/जुलाई/85---प्रतः मुझे, श्रं/मर्ता एम साम्बेल

नायकर मृश्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें इसके परचात् 'उक्त निधियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थान्द तम्पत्ति, चिसका उचित वाचार नृत्य 1,00,000/-छ। से अधिक हैं

और जिसकी सं 10 वार्ड है, जो श्रवनाशि रोड़, तोट्टिपालय म तिरपुर में स्थित है (और इसने उपाबंध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, तिरुपुर/ लेख सं 2404/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1985 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के क्यमांथ शितका के निए अन्तरित की गई है और मुखे बहु विकास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृस्य, उसके दरयमान श्रीतफ स से ऐसे दर्यमान श्रीतफ स का पंद्रह शिवत से विभक्त है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरित्वाँ) के बीच ऐसे अन्तरक के विष दव पाता पता विकास, निम्नविचित ज्यूबोक से उच्च क्यारण दिविका के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- हिंकी बन्दान के दूर्व किसी जान की बानक, उनक विधित्त्व के बन्दीन कर्ट कोने के बन्दरक के वादित्य में क्यी कर्ड़ वा क्वर्क बन्ते में सुविधा के सिए; और/वा
- (वाँ) श्रेची किसी वास् ना देखनी गृत् ना स्वय नाहिस्त्यों को, जिल्हें भारतीय नाव-कर सीधीनवस्त, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधियस, या धनकर निधितस्त, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंधा था वा किया जाना चाहियेथा. विषयान संस्थिता के विषय;

शत: शव, उक्त विधिनियम की भाग 269-व के बनुसरक भं. मंं, अक्त बिटिनियम की भाग 269-व की उपभाग (1) ६ अधीन, निम्मि**नियक व्यक्तियों अर्था**व ड—

- 1. श्रामता धनलक्ष्मी श्रम्माल और श्रन्यों।
 - (अन्तरक)
- 2. श्री विद्यानासणन ।

(अन्तरिती)

को वह सुम्बा मारी करके पृथानिय सम्पृतिस् ने अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई (३)

इक्क सम्पृतिस् के शर्मन् के सम्मृत्य में कांद्रे भी नाखेप्।--

- (क) इस स्वता को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 जिन की स्वष्टिय वा तत्वाम्यूम्थी व्यक्तियों दर स्थान को तामीच चे 30 दिन की व्यक्ति, को भी व्यक्ति वाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्रावत व्यक्तियों में से किसी स्वतिक हुमाराः
- (थ) इस सूचना के रायपण में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा अथोइस्ताक्ष्टी के पाद सिवित में किए वा सकोंगे।

स्वच्यीकरण:---इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, यो उक्स विधिनियम के वध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, बही वर्ष होगा थो उस अध्यान में दिवा वसा है ॥

अनुसूची

भूमि-10 वार्ड अवनाणि रोड तोहियालयम गाँव तिरुपुर। तिरुपुर-- लेख सं० 2404/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारोख: 12-3-1986

शक्य बाह्र दी, ऐन । एत । -----

नायभार न्यातिनम्, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-म् (1) के न्यीन सूचना

ब्रारक करकार

कार्याक्तय, तहायक जायकर वागुनत (विर्धालक)

श्रर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनौंक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० 115 जुलाई/85--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तात करने का कार्य है कि स्वावर संपर्ति, विश्वका अभित वाबाद भूका 1,00,000/- रा. से विभिक्त हैं

स्रौर जिसकी सं० 10 बार्ड है, जो श्रवनाशि रोड़ तोट्टिपालयम् हैं तिम्बूर में स्थित है (श्रौर इससे श्रनुबंध में द्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तिरुघूर लेख सं० 2403/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ज्लाई 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मृत्य से कम के असमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का समित बाबार बूक्य, ससके क्यमान प्रतिकल से, ऐसे क्यमान प्रतिकल, क्य बंद्रह प्रतिकत से जिथक है बाँद अंतरक (बंतरकों) बाँद अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण से लिए तब पावा गया प्रति-कन्न निभ्नतिवित स्वेदिस से उच्त बंतरण शिवित में बास्तिविक कन से कथित नहीं किया गया है है——

- (क) वश्वरण वे सुद्दे चिकी बाव की बावक क्रक्क सीपियण के व्यक्ति कहा दोने के सम्बद्धक के बाविरण में क्षमी कहने वा उत्तर्ध नजने में सुनिधा के बिए: बीर/वा
- (च) देवी किसी बाव वा किसी पून वा बन्च वाक्तिवाँ की, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिवयम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रकल्पनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट वहीं किया गया था वा किया जाना डाहिए था, जिनाने में स्विभा के जिल्हा;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरण वें., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वें बचीन मिल्लिचित व्यक्तियों, वर्णात् ६1. श्रीमती धनलक्ष्मी श्रम्माल श्रौर श्रन्य।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती ई० सरस्वति।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्परित को अर्थन को संबंध में कोहाँ भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 विन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिथ, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिल्बव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंचे।

स्पष्टिशिकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, भो उस अध्याय में दिया गया है,

ननुसूची

भूमि—-10व। वार्ड , घवनाणि रोड़ तोट्टिपालयम्—-तिरुघूर तिरुघूर लेख सं० 2403/85।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजंन रेंज-2, मद्रास

सारीख: 12-3-1986

धक्य बाद¹्र टी<u>ल</u> एन<u>ल एकल स्वतन्त्रक</u>ार

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

बाह्य बडका

कार्यासय, सहायक मायकर नायुक्त (निर्रीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली मद्रास,दिनांक 3 मार्च 1986

निर्द्रोण सं० 117---जुलाई 85/श्रतः मुघे, श्रीमती एम० सामवेल

नायकर मधिनियम, 1961 (196) का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उन्त निधिनियम' फहा गया हैं), की धाय 269-च के नधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का बाइन है कि स्थानर सम्परित, जिसका उष्ति वाकार न्स्य 1,00,000/- रु. से निधक हैं

श्रौर जिसकी सं० 10 वार्ड, है, जो श्रवनाशि रोड़ ——तिष्ट्र पालयम् तिरूष्र में स्थित है (श्रौर इससे श्रनुबंध में श्रौर पूर्ण रूप वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय तिरुष्र : लेख सं० 2405/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान श्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेश्य से उक्त अन्तरण विचक में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ;——

- (क) बन्तरण से हुद्दै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (वा) ऐसी किसी बाय या भन या अन्य शास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय बायकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उपत विभिनयम, या धनकर जिभिनयम, या धनकर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट नहीं किया नवा वा किया जाना वाहिए था, जिमाने में सुन्या के स्विद्;

चर्तः स्वतः, स्वत्तः विभिनियमं कौ भारा 269-मं स्नै अनुसरण में, मी, स्वतः अधिनियमं की भारा 269-मं की स्पभारा (1) कै अधीर, निस्तिसिक व्यक्तियों, अर्थात् क्र— श्रीमती टी० एस० बी० धनलक्ष्मी श्रम्माल श्रौर श्रन्य।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती जे० लिता, मणिल; श्री जीवनदास की पत्नी ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहियां करता है।

उस्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाए;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच शे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, भी उकत विभिन्नमा, भे अध्याद 20-का में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, भी उस अध्याम में दिया गया है

अनुसूची

भूमि—10 बार्ड, प्रवनाणि रोड़, तोट्टिपालयम् गाँव, टी० एस० सं० 14—तिरूघूर। (लेख सं० 2405/85)।

> श्रीमती एम० सामुवेल, सक्षम प्राधिकारी निरीक्षीय सहायक श्रायकर (ग्रायुक्त) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 12-3-1986

मोहरः

प्ररूप बार्च ्य दी ्र एन्, एस ः ---- =-≉

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक भायकर जायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-2, मद्रास

मदास, दिनांक 12 मार्च 1980

निर्देश मं० 118/जुलाई-85—-यतः; मुझे,श्रीमती एम० सामवेलः

आस्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें हम प्राप्त किया अधिनयम कहा गया है), की धारा 269-स के अधिन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ ए. सं अधिक है

श्रीर जिसकी संव टीवएसव संव 148, तोष्ट्रियालयम अविशाशी रोड़ है. तथा जो निरुच्चर में श्थिम है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का स विणित है), रिज्यद्री तो अधिकारी के कार्यालय, तिरूचूर लेख नंव 2410/85 में रिज्यद्री एरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण ते हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के शिए;

बतः अग, उक्त अधिनियम की भारा 269- न कें अनुसरण में, में, रक्त अधिनियम की भारा 269- न की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित स्यक्तियों. अर्थात् प्र—— 1. श्रीमती टी० बी० धनलक्ष्मी अप्माल

(अन् 'रक)

2 श्री आए० सुन्बरायन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में काई भी वाक्षेप कु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सार्रींख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वतित व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिस में हिसबद् । किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार सिसिस में किए आ सकोंगी।

स्पव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ट्रस है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्राँर मकान—तोट्टिपालयम् अवनाशी रोड़, तिरूचूर; निरूच्चर लेख नं० 2410/85 /

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवन (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 12-3-1986

प्रका बार्ष् 🖫 🛍 पुरन्, एस 🚉 नामाना 🖼

नावकार नीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) ने नधीन त्वना

माइत सहस्राप्

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनां रू 12 मार्च 1986

निर्देश सं० 119/जुलाई 85---यतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० 80, तोड्रियालयम अवनासी रोड़, है, तथा जो तिरूचूर में स्थित है (ब्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रौर पूर्ज रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरूचूर, लेख नं० 2409/85 में रिजस्ट्रीरकरण अधिनियम,

1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1985 की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार कृत्य, उशके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का क्ष्मक, उशके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का क्षमक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिवां) के बीच एसे अंतरक के लिए तय पाया गया किंदिकल मिन्दिसिवाद उश्योक से उसते अंतरक किंदिबा में बास्तिवक रूप से किंदा नहीं किया गया है हि—

- (क) करतरण वं हुन् सिक्षीं नाम की नायतः। अवस् अभिमित्रण को अभीन कर दोने के वरतरण के नामित्रण में कभी कुरने ना वसने नमने में सुनिया को विद्युः बॉड/ना
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तिवाँ को जिन्हों भारतीय वायकार विधिनयमा, 1922 (1922 का 11) या सकत विधिनयमा, या चन-कर विधिनयमा, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया वा वा किशा जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के विद्रा;

- 1. श्रीमती टी० एस० बी० धनलक्ष्मी भौर अन्यों (अन्तरक)
- 2. श्री एम० सुव्वारायन

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के जिल्ला कार्यनाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन से 30 दिन की सविध, को भी सविध नाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कि सी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपर्तित में हितनक्ष किसी कम्म क्यक्ति व्वारा अभोहस्ताकरी के पाव तिवित में किए भा सकर्ग।

स्पद्धीकरण:--इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त जिभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा वो उस् अध्याय में दिवा यवा है।

अनुसूची

भूमि—तोष्ट्रिपालयम पल्लाडम तिरूच्यूर तिरूच्यूरी लेख नं० 2409/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

बतः वय उक्त विधिनयम की भारा 269-ग के वनुस्रण वं, वं, उक्त विधिनयम की भारा 269-त की उपभारा (1) वे वर्षार्थ निस्तिविधि कालिकारी व्यवस्थित के स्ट

तारीख: 12-3-1986

मोहर ।

प्रस्प बार्ष्_य टी, एत_ा एत_ा----

नायकर निपनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-व (1) के नवीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० 120/जुलाई-85—यतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राभिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० अवनाशी तो ट्विमालयम, तिरूच्चूर है, तथा जो टिल्कच्चूर में स्थित है (ग्रीर इसने उपाधन्न अनुमुची में ग्रीर पूर्ण का में विणान है) रिजस्ट्री कि अधिकारी के कार्यालय, तिरूच्चूर लेख नं० 2414/85 में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख जुलाई, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विषयास करने, का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम विश्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीमती टी० एस० धनलक्ष्मी अम्माल

(अन्तर्क)

2. श्री योगदाल कृष्णन्

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वों /त सम्पत्ति, का अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृतित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वासेच ---

- (क) इस त्वण के रावपन में प्रकारन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये था सकेंगे

स्पष्टोफरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्वों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

वनुसूची

म्मि--अयनामी रोड, नोट्टिशलयम, टिक्क्च्यूर, लेख नं० 2414/85 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहाय हुआयुक्त (निरीक्षण)

नारीर . 11-3-1986 मो**हर :** प्रस्थ बाह् . टी. एन. एस. ------

बायकर निर्भागमन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीत क्षता भारत वरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1985

निर्देश मं० 140/जुलाई 85--यत:, मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मद्रास-17 है, तथा जो मद्रास में स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण का से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर लेख नं० 905/85 में रजिस्ट्राकरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के दिश्त बाबार भूक्य से कम के व्यवमान तिफल के लिए बंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके रश्यमान प्रतिक्तल से एसे रश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के दौष एसे अन्तरण के जिए स्व लवा गया प्रतिफल, निम्निसिंखत सब्देश्य से स्वत्त कन्तरण किवित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया थवा है >---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त विभिन्न के वधीन कर देने के करारक की दायित्व में कमी करने या सससे कमने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एंसी किसी बाब वा किसी धन या जन्म वास्तियों को चिन्हें भारतीय वावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के सिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) बे बधीन, जिल्लीकिक व्यक्तिक्यों, बजीत् ड—

- 1. श्री एम० पी० अगन्नाथ राव और दूसरे (अन्तर्य)
- 2. श्री वर्षणात्म श्रीर श्रीमती रमणि वर्धराजन (अन्तरिती)

औा यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मारित के अर्थन के सम्भन्ध म^{ें} को**ई भी आक्षेप** 🖫

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यिंक्ता में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्याश अधेहस्ताक्षरी के पास िनित मा किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा हुँ।

नन्स्ची

भूमि-2 काम स्ट्रीट विाय शायवाचारीयार रोड़ टी० नगर मद्रास-17 टी० भगर, लेख नं. 905/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 22-3-1986

वस्त्व आहे. टी. एन. एस.------

नावकर वीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की धाड़ा 269-म (1) के वधीन स्थना

मारत संस्कर

कार्यासय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरीक्क) अर्जन रेंज-2. मद्रास

मद्राम, दिनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० 141 जुलाई 85--- अतः मुझं, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचत्त् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, धिसका उचित बाधार मुख्य 1.00,000/-स से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 2, 1 कास स्ट्रीट विजयरागवाचारि रोड़ है, जो टी० नगर मद्रास-17 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजीस्ट्रीकर्ता अधिकारी के ायिलिय लेख सं० टो० नगर 904/85 में भारतीय रजीस्ट्रीजरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिलांक जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मुख्य से कम के स्वयमाय प्रतिफल के निए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास ध्रुप्त का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके ब्रुप्यमान प्रतिफल से, एते व्ययमान प्रतिफल का गंबह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अंतरित (जन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नितियों व्यवस्थित में इंग्लिस्त किस्त स्था के किस्त क्या से स्था निम्नित में इंग्लिस्त क्या से कार्तिक रूप में कार्यन नहीं किया गया है है.—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किस्टी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) व्हें अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

- (1) श्री बी० भात्राय अब श्रीर दूसरे
- (अन्तरक)
- (2) श्री० वी० राजेन्द्र प्रसाद ग्रांग दूसरे। (अन्तरिती)

को यह स्वना भारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के भर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

उपल कम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मार्क्य--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थना के राजपन में प्रकाशन की तारीश शे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा जधोहस्ताक्षरी की पाश विश्वित में लिए ने. सक्षरी ।

स्वच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्तों जीर पदों का, वो सक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में संभा परि-भाषित हैं,, वहीं सर्थ होंगा वो उस अध्याय हैं दिया नवा है।

ग्रनुसूची

भूमि—-विजयरागवाचारी रोड, टी० नगर, मद्रास-17, टी० भगर, लेख सं० 904/85 (सं० 2)

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

अक्षत अर्था, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण भें, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) ं अधीर निम्नतिक्षित **अस्तित्तों, स्थाति डिल्ल**

मोहर:

管辖市: 12-3-86

9 -26 GI/86

प्रकार करहाँ , दरी , युन्त , युन्त , नगरना नगरक

बायकर बिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन बुझ्या

RISC USTRI

कार्याजय, सहायक जायकर वायुक्त (निरोजन)

अर्जन रेंज-2, मब्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1986

निदेश सं० 180/जुलाई 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

वायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवी इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-के के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का क्राएण हुँ कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हुँ

श्रौर जिसकी सं० टी० एस० नं० 1068) बार्ड 6, है जो कंडलूर में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है); रिजस्ट्री इर्ता अधिकारी के कार्यालय, कंडलूर लेख सं० 1012/85 में भारतीय रजीस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1985

को वृजींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृयोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृज्य, उसके व्ययमान प्रतिफल को, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण कि बिस् स्थान के बिस् स्थान के लिए त्य गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण कि बिस् से बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उब त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दावित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के मिए; और-/या
- (ख) एसी किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपात में बृश्विका को जिए;

भतः जह. उन्त अभिनियम की भारा 269-व के अनुसरण भ , मैं , जक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) क अभी , जिल्लिखित व्यक्तियरें अभीत ह— (1) श्री वी० चन्द्रशेकरन्।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० सोमस्कन्दन्।

(अन्तरिती)

को यह सुब्ध वादी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्षन की विद् कार्यवाहियां सुक करता हूं।

बक्त बन्दील के बर्धन के बन्दम्भ में कोई भी बाक्षेत् :--

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं व वं 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर् स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के शह सिकित में किए जा सकोंगे।

न्यस्त्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त श्रव्यों और पवां का, वां उच्छ, अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसूची

भूमि भौर मकान-लेख सं० 1012/85 की शेंडुल में दी हुई सम्पत्ति, कडलूर, लेख सं० 1012/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2; मद्रास

दनां ह : 12-3-1986

भक्त बाह्", टी.,एवं. एक 🗈 - --

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 কা 43) ক্রী খায়ে 269-ম (1) ক অধীন ঘূৰকা

भारत सर्वाह कार्यांचय, बहुवक वायकर वायुक्त (निर्देशक) अर्जन रेज-2, मद्राक्ष

मन्नास, विनांक 12 मार्च 1986

निर्देश सं० 189/जुलाई-85—यनः, मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- ए. से अधिक हैं

मार जिसकी स० पेसडम एस० सं० 175/2ए-1.62 एकर्स् है, तथा जो इरेयूर जिदम्बरम में स्थित है (भ्रार इसमें उपाधड़ अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पेडनडम, लेख नं० 781/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय पेडनडम, लेख नं० 781/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूस्य से कम के क्यमान पृतिकस के मिए बन्तरित की गई है बार मूओ यह विश्वास ,रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार (स्व, एक्से दश्यमान प्रतिकस से, एसे दश्यमान प्रतिकस का ऋद्यमान प्रतिकस का क्यारण (स्व, एक्से दश्यमान प्रतिकस का क्यारण (स्व, एक्से दश्यमान प्रतिकस का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार (स्व, एक्से दश्यमान प्रतिकस का कारण है क्यारण के मिए तथ स्वार प्रतिक्त से मिलक है और वन्तरक (अन्तरका) बार अतिरक्त से मिलक है कीर वन्तरक (अन्तरका) बार अतिरक्त से मिलक, निम्न सित्त उच्चेष्ट से उक्त अन्तरक वाचा क्या प्रतिकल, निम्न सित्त उच्चेष्ट से उक्त अन्तरक विच्या क्या प्रतिकल कर से किसल नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शाँद/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, सभीत् :—

1. श्री तंगवेल पिल्लै ग्रौर अन्यों।

(अन्तरक)

2. श्री जी० काशीनाथम

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हो।

बक्त सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में कांद्र वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की साजीत से 30 दिन की व्यक्ति, को भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्त्रके किरण:- - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, वो अवट अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिधाविद्य है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि—पेन्नडम, एरयूर गांव, मं० 175/2-ए, 1.62 एकर्स चिदम्बरम, लेख नं० 781/85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्रास

तारीख : 12-3-1986

प्रकार बाह् . डो. एम., वस्......

नावकर विश्वित्यव, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-प (1) के बंधीन क्यांग

भारत सम्बद्ध

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1986

निवेश सं० 190/जुलाई 1985--अत: मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें (सके प्रभात् 'उनत निधीनयम' कहा नवा हैं), की धाड़ा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर तम्परित, विसका उचित नावारु मूज्य 1.,00,000/- रइ. से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 917/2पलिमपूरम् 4था रोड, 6/29 6/30, 6/31, 6/32, 6/33**\tau** 6/34,6/35, 6/36, 6/37 भवानि गांव में स्थित है (म्र्रीए इसते उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्दी कर्ता अधिकारी के कार्यालय भवानि लेख सं० 1289/ 85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1985

को पूर्वोधत सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के व्यवसान शिवक्षित के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कार्य है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच पूरेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नुसिचित वृद्योग्य से उन्तर अन्तरण सिचित में वास्त्रिक रूप से क्षित वृद्योग्य से उन्तर अन्तरण सिचित में वास्त्रिक रूप से क्षित्त वृद्योग्य से उन्तर अन्तरण सिचित में वास्त्रिक रूप से क्षित्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आकृ या किसी धन का अस्य नास्तियों को, जिल्हों भारतीय वाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत न्यिनियम, या धनुकड अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया व्याधाय किया बाना चाहिए था छिपान में सुनिया ने किसी

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) है अधीन, रिम्निल्लिक व्यक्तिस्यों, अधीत्:— (1) तंगम्माल।

(अन्तरक)

(2) पी० रसम्माल

(अन्तरिती)

को सह सूचना बारी कारने पुत्रों कर बंदरिए से सूर्वत से जिल्ला कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त संपृत्ति के वर्णन के संबंध में कोड़ी भी बाबोब ब---

- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, या भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त स्थित्सयों में से किसी स्थित हुवारा;
- (क) इस तुमान के राजपन में प्रकाशन की तारीश वें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी कम्य स्थावत ब्यारा नभोहस्ताक्षरी के पाक विविद्य में किए का स्कोंचे।

र्म्मिकरणः -इतमे प्रयुक्त सन्दों जीर पदों का, था उपक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में विभा गर्मा सैं≀

अनुसूची

भूमि ग्रौर मकान 6/28, 6/29, 6/30, 6/31, 6/32, 6/33ई 6/34, 6/35 6/36 6/37 816/2, पलनि पुरम् 4 रोड, भवानि गांव लेख सं० 1289/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 12-3-1986

प्रकृषः आष्ट्राः दीः, धृत्ः एसः, = = = =

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत चरकार

कार्यानन , नहायक नायकर नायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1986

निदेण मं० 193/जुलाई 1985—-अतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुबेहा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का धारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका अजित बाजार नृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर िक्षकी सं० ब्राह्मण मोटा अग्रहार्ष्ड रोड, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इरोड लेख सं० 3508/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उजित बाजार मूल्य से कम के क्रायमान श्रीसफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उजित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिकृत से अधिक हैं और अन्तरण के निए त्य पाया ग्या दिक्त , निम्निलिखित उद्योग्य से उक्त बन्तरण लिखिस में स्तिविक कप से किंवत महाँ किंवा बना हैं %—

- ्रेक) सन्तरण से हुन्दें किसी बाव की वावक, स्वयं अभिनिक्ष के सभीन कह दोने के बन्दाइक के दाशित्व में कवी कड़ने वा उसने वंत्रण में कृणिया के सिए; बरि√वा
- (वा) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य वास्तियों का, चिन्नं भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया रूगा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

बत् ब्राब्स, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण वो, यो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) वे बधीन निम्नलिखिक व्यक्तियों, अर्थात् क्र— (1) श्री ए० चिन्न सामि।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती हम्सा सुग्रमणियम्।

(अन्तरिती)

को बहु नुष्या थारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के शिष् कार्यगाहियां करता हुई।

सकत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पूर बूचना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्वितमों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस ब्रुचना के राज्यन में प्रकासन की तारीच तै 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के वास सिन्दिस में किए जा सकते।

स्वक्रिकरण :---इसमें प्रयानत शब्दों और पर्दों का, जो अवस्य अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यस हैं।

जम्सूची

भूमि बाह्मण मीठा अग्रहार इरोड, लेख सं० 3508/85।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक । 12-3-1986

मोहरः

जुलाई 1985

प्रकल कार्ड , दी , एन , एव , -----

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) जी भारा 269-भ (1) के कथीन स्चना

भारत तरकार

कार्याक्तय, राष्ट्रायक कायकार आयुक्त (निरीक्तण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1986

निदेश सं० 199/जुलाई 1985---अतः मुझे श्रीमती एम० सामुदेल

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी मं० गोमंगलम् कोडिगियम उद्युमले है जो तिरूप्पूर
में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
का से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गोमंगलम् लेख सं० 640/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उपित बाजार मूल्य से कम के दृद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पेत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृद्यमान प्रतिफल से, एसे अन्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निसिंखत उद्वारय से उक्त अन्तरण विवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) नन्तरण से हुई किसी भाष की बाबता, उनक निर्धानसम के जभीन कर दोने के जन्तरक के शायित्व में कभी करने वा उसते अचने में सूचिशा के लिए; जरि/या
- (थ) ऐसे किसी नाम मा किसी भन मा नत्म नास्तिनों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के १३०००० असीराज दासरा प्रकार नहां किया एया भा मा किया नाम नाहिए था, छिपाने में सुनिधा में सिक्या

जतः अथ, उक्त जिमिनियम की धारा 269-ण की जन्तरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निजित व्यक्तियों, अधीत है— (1) श्री रासामिगौडर।

(अन्तरक)

(2) श्री षण्मुगवेल गींडर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके प्रॉक्त सन्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

करत सम्मतित के मुर्जन के सम्मन्य में कोई की सम्मन्य ह—-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किसे का सकती।

स्त्रकाकिरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त अभिनियन के कथ्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया नवा हैं।

FRES

भूमि गोमंगलम् उडुमलै कोडिगीयम् गांव तिरूपूर गोमंगलम् लेख सं० 640/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 12-3-1986

मोहरः

_ -========

प्रकल आहे हो एन एवं :------

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

प्राप्टव चरुकार

कार्यांक्य, सहायक नायकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1986

निदेश सं० 207/जुलाई 1985—अतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रणात 'जुक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा

इसके प्रणात् 'अक्त विभिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के वभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृख्य 1,00,000/-रा. से विभक्त हैं

श्रीर जिसकी सं० 189, वी० महन्तुर है जो विलुप्पुरम् में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विलप्पुरम् लेख सं० 1610/85 में भारतीय रजीस्ट्रीवरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान बिफस के लिए बन्सरित की गई है और मुम्से गई विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार बृज्य, अक्षक दरममान प्रतिफल से, एमे दरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिस्ति से बिभक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (जंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए नय पाया पना प्रतिकल निम्निसिश्त उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई जिल्ली जाय की बाबत, उक्त वीधितयम के वधीन कर दोने के अन्तरक के खिरल में कमी करने या उन्नसे बचने में निवधा के जिए; बॉर/था
- (क) एसे किसी नाय या किसी भन या अन्य बारितयां का, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जन्त बिधिनियम, या भन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया भया वा वा किया जाना चाहिए था, फियाने में मृतिधा का किया ।

क्त. कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल को अनुसरक में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपभारा (1) के अधीन, निम्नतिसित स्यक्तियों अर्थात् है—

1. श्री एस० वी० दछना मूर्ति

(अन्तरक)

2. श्री ई० एस० चन्द्रशेखर राध

(अन्तरिती)

को यह सूचना नारी अपके पूर्वोक्त सम्मूरित के नर्जन के दिन्न कार्यगाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी भाषीय :----

- (क) इस स्वां के राजपंत्र से प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की व्यविध या तत्सम्बन्धि स्पिक्तयों पर स्वां की की तारीब से 30 दिन की व्यविध, जो सी अधि अदि से स्पाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतन उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्नाय अभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकोगे।

स्वयद्योकरण :— इसमी प्रयुक्त शक्यों और पर्यो का, जो उक्त विधिनियम के अभ्याय 20-के मी परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय मी विया

अनुसूची

भूमि ग्रीर मंकान वी० मरूतूर विलुप्पुरम् लेख मं० 1610/85

> श्रीमती एम० सामुबेल मक्षम प्राधि कारी यहायाज वायाजः जायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रा**स**

दिनांक: 12/3/1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 मार्च 1986 निदेश सं० 10/जुलाई 1985——अतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी मं० 14 जादर भवास्कान रोड, है जो मद्रास नुम्बाककम् में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप स विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के के कार्यालय थाउजैण्डलाइटस सेख मं० 349/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के

अधीन दिनांक जुलाई 1985

को पूर्वोक्षत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एरयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त शिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) मेसर्स हालिड स्पोर्टस प्रायवेट लि० की मैनेजिय डायरेक्टर जे० ए० ताजुदीन।

(अन्⊀रक)

(2) तासीन जोहन अहमद ग्रीर अन्य पावर एजेंट मैयद अक्तर बाबा।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (६) इस सूचना के राजपत्र ें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-् सब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह^व, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्युची

भूमि श्रीर महान 14 कादर नुवास्काग रोड, नुम्बाधाम् मद्रास थाउजैण्डलाइटस् लेख सं० 349/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 12-3-1986

प्ररूप आर्इं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्राम

मद्रास, दिनां रू 11 मार्च 1986

निदेश मं० 13/ जुलाई 1985----अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट 70 प्रैकाफ्ट्म गार्डन रोड, है जो नुगम्बाक्तम महास में स्थित है (श्रोर इससे श्रनुबद्ध श्रनुमूची में श्रोप पूर्ण घर से वर्णित है), रिष्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय थौसन्डलैट्स् लेख सं० 361/85 में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का

16) के अधीन दिनांक जुलाई 1985 को प्वेंक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इन्नके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रातंफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन किस्कितिक व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मैं मर्स जी० ए० इन्बंस्टमेंटस्।

(अन्तरक)

(2) श्री सन्तालम्।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके प्वेक्सि सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ख्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की ताराख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

प्लैंट 10 प्रेकाफ्ट्स गार्डनरोड, नुंगम्बाक्कम**् मद्रास** पीसन्डलैंट्स लेख म० 361/85

> श्रीमती एम० सामुबेला सक्षम प्राधानरी महागात आयकर आयुक्त (लिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिसा ह: 11-3-1986

प्रकप आहं.ही.एन.एस.-----

प्राप्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- 2, मद्रास मद्रास, दिलांक 11 मार्च 1986 निदेश सं० 30/जुलाई 1985—अनः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० 42 असीस नगर 2 स्ट्रीट कोडम्बाक्कम् टी० एस० 18 जो मद्रास में स्थित हैं (ग्राँर इसने उपाबद्ध अनुसुची में ग्राँर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोडम्बाक्कम् लेख सं० 2211/85 में भारतीय रजीस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई 1985

का प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से काम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यात करने का कारण है कि स्थाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रत्य, उथके रव्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का प्रत्य प्रतिकात से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के निए तय प्रया ग्या प्रतिक का निम्निलिश्ति उद्वर्षिय से उच्च बंतरण सिधित में बास्तिवक क्य से किंचत नहीं किया क्या है डि—

- (कः) अन्तरण संहुद्दै किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर जिधिनियम, 1922 (192,2 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के उधीन, निम्नास्थित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) श्री आए० वेर० केणवराज

(अन्तर्क)

(2) श्री आए० बालाजी और व संतिवासूदेवन् (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी का<u>र</u>के पूर्वोक्त सम्परित् के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाखेंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्तुची

भूमि ग्रांर महान 42 असीम नगर 2 स्ट्रीट मद्रास 24 कोडम्बानहम् लेख सं० 2211/85

> श्रीमति एम० सामुबेहा सक्षम प्राधि शरी सहाय हे आया पर आयुक्त! (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, मद्राम

दिनो न : 11-3-1986

मीहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेंज-2, मद्रास

मब्रास, दिलांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० 36/जुलाई 1985—अतः, मुझे, श्रीमतो एम० सामुबेल,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्ठाँर जिसकी सं० एस० मं० 409/2 गंगे अम्मन कोइल स्ट्रीट पुलियूर गांव है जो मद्रास में स्थित है (ब्रॉप इसमें उपावड अनुसुची में श्रांर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोडम्बाक्कम् लेख सं० 2295/85 में भारतीय रजीस्ट्री करण अधिनिवम 1908 (1908 का 16) जुलाई 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) अब्दुल हुकीम ।

(अन्तरक)

(2) एस० अब्दूल जफार।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर मकान एस० सं० 409/2 ब्लाक सं० 2 गंगै अम्मत कोइल स्ट्रीट पुलियूर गांव मद्रास कोडम्बाक्कम् लेख सं० 2295/85।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 11-3-1986

प्रकप कार्ं्टी ्एन ्एस ्नार्टन

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० 49/जुलाई 1985 अतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

द्यौर निसकी सं० 12/212/4 संगन् गांव में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावड अनुसुची में ग्रींग पूर्ण रूप में बणित है), रिजस्ट्रीनर्ता अधिरानी के बार्यालय गांधीपुरम् लेख सं० 3524/85 में भारतीय रजीन्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन दिनांक जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बर्ष से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनृत्यम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नाधित व्यक्तियों अर्थातः :——

(1) श्रीमती चन्द्रा।

(मन्तरक)

(2) राणि सती द्रस्ट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी क<u>र</u>को पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन की लिए कार्यवाहियां करता हु[†] ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का,, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

भूमि संगनूर गांव गांधीपुरम् लेख सं० 3524/85

एम० साम्बेल → सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मब्रास

दिमांक: 11-3-86

प्रकृष काइ²० टी॰ एन॰ एस०-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) हो स्थीय स्था

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयकर आय्वस (निरीक्षण)

श्चर्जन रोंज, मद्रास मद्राम, दिलांको 11 मार्च 1986 तिदेश सं० 50/जुलाई/85 --शतः मुझे. श्रोमर्ती एम० मुबेल,

माधकर मिश्रिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्समें दशके परचात 'उक्त विश्वित मिश्रितयम' महा गया हैं), की भारा 269 स के ग्रेमीन रक्षम शाधिकारी मार्थित विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नाकार मुख्य 1,00,000/- रह. से ब्रिधिक हैं

और जिसको सं० एस० सं० 67/0, कुण्णन् वर्ण्णे गाँध, तिक्क्षीक्रए है, जो चेंगलपट में प्यित है, (और इसरे उपानड़ धनुसूची में और पूर्ण रूप ने चिंगल है), जिस्ही उर्जा अधिकारी के कार्यालय, तिरुघोर-लेख सं० 1626/85 में भारतीय रजिल्ह्रीकरण अधिनियम, 1903 (1908 का 16) के अवोत, जुलाई, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उदित बाजार सूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर ा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आक्रण मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिध-नियम के बभीन कर धेने के बन्तरक के घायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धीर/था
- (क) एंसी निर्मा नाय या किसी भन या अन्य वास्तिकों को जिल्हों भारतीय आयकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता विधिनियम, या भारतर विभिन्नम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नरा वा किया जाना वाहिए था. कियाने में स्विभा के निर्मा

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. थां एम० जयरामनू

(श्रन्तरक)

2. मेमर्स एम० एम० एफ० ट्रस्ट

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीस सं 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति ब्नारा वभोहस्ताक्षरी के पास निषित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि---एस० सं० 67, कुष्णन् करूणे गांव तिरूधोरूर चेंगलपेट--तिरूघोरूर, लेख सं० 1626/85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक: 11--3-1986

मोहर।

प्रकथ कार्य े टी. एन ् एत् ्--=---

भायकर मधिनियम, 1(161 (1961 का 43) की भारा 269-म के जभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) धर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निवेश सं० 56/जुलाई-85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० मामुबेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः वाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव 409324 काल्कडु--4, लेख संव 886/85 की शैंडूल में दी हुई सम्पत्ति है, जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीरकाली--लेख संव 886/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए बल्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उतके ध्रयमान प्रतिफल से ऐसे उर्यमान प्रतिफल का पंचार प्रतिफल से एसे उत्तरका (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिचित अद्वेष्ट्य से उक्त अन्तरण कि लिखत में बास्त्रीक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाग की गायत, धनत नियम के अभीन कर दोने के संतरक के दायित्व में कमी करने या उसते जनने में सुविधा के किए; मार/या
- (ख) ऐसी किसी आय वा किसी अन या जन्म आदिलायों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना आहिए था, जिपाने में बुविधा के सिष्;

अतः अन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुबरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्मनिवित स्वनिवर्यों, वर्षात् क्ष--- 1. श्री रामनाथ भ्रय्यर और दूसरे

(श्रन्तरक)

2. श्रो रंगनाथन्

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पॉल के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपन मों प्रकाशन की तारीह से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकर म्यांक्तियों मों से विश्ली व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा क्षेत्रहस्ताक्षरी के पाछ सिविक्त में किए का सकेंगे।

स्पव्यक्तिस्पः — इसमें प्रयुक्त भाष्यों और पर्यों का, जो जकत जिमित्यम, श्रें अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसुची]

लेख सं० 886/85 की शेडूल में दी हुई सम्पत्ति शीरकाली लेख सं० 886/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (१नरीणक्ष) श्रजन रेंज-2, मद्रास

तारीख। 11-3-1986

प्ररूप आइ⁴.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्मालय, स**हायक** जायकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेग मं० 58/जुलाई--85---अत: मुझे, श्रीमती ए० वैज

सामुवेल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० धारापुरम उडुमलें मेन रोड़, ईरोड, धारापुरम हैं, जो ईरोड, धारापुरम में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुभूवी में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के बायिलय, धारापुरम-लेख सं० 1974/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अवीन, तारीख जुलाई 1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृद्य, उसके दूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिसित के बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबबा, बक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (मं) एंसी किसी बाय या किसी बन या कवा जास्सियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिल्लाने में सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, तिम्निलिखित क्यिक्तियों, अर्थात्:--- 1. श्री अरंगसामि

(ग्रन्तरक)

2. मसर्स हिन्दुस्तान कोको कम्पनी लिमिटेड। (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ख अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय। गया है।

जनसची

भूमि धारापुरम, धानपायादृणम, सं० 272-ए, ईरोड, धारापुरम, लेख सं० 1974/85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, मद्रास

प्तारीख: 11--3--1986

प्रकृष साह्य . दी . एस . युक्त , ------ -------

मायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के क्यीन स्चना बारत सरकार

कार्यासय सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज--2, मद्रास

मद्राम, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देण सं० 64/जुलाई--85---धतः, मुझे, श्रीमती एम -सामवेल,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इचमें इसके श्रमात् 'उयल अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 289 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार जुल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० लेख सं० 568/85 की गोडुल में दी हुई समात्ति है, जो मद्राम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रतुसुची में और पूर्ण रूप ने वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता **ग्र**धिकारो के कार्यालय, पुदुचत्रम्-- लेख सं० 568/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1903 का 16) के प्रधीन, तारीख ज्लाई, 1985

को पर्थोक्स सम्परित को उचित बाबार मुख्य से कम को क्यमान मितफल को लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्ति संपत्ति का उचित काजार मृज्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रनितशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त जन्तरण सिवित में बास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गवा है E---

- (क) बन्तरम र्डहुई किसी बाब की बाबस, स्वयु बिधनियब के बंधीन कर धोने के बन्तरक बे बारित्य में कमी भरने या उसके बाजने में सुविचा थे विषः बौर/वा
- 🍬) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अभ्य बास्सियों को, जिन्ही भारतीय जाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या अनकर **मां**धनियम, 1957 (1957 का 27) भे प्रयोजनार्थ बन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं विशा गया या वा किया जाना चाहिए था, सिपाने भें सुनिया 💆 सिया

कतः वव, उक्त विधिनियम, की भारा 269-न में वन्कारल में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269- की उपधार (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध---

1. श्री चेंगाडाच मौडाच और उन्हें पुत्र। (अस्तरक)

2. श्री पांदमामि गाडर और उत्ते पुत्र। (श्रन्सरिती)

को यह स्वना धारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति और वर्षन हो विद् कार्यवाहियां करता हुए।

उक्क सम्पत्ति के वर्षन के स्थानन्य में कोई भी नासीय :--

- (क) इस सचना कंराजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बताराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदध किसी अन्य व्यक्त द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम क अध्याय 20-क म परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

लेख मं० 568/85 को भेडून में दी हुई सम्पत्ति, पुदुचनम लेख सं० 568/85।

> एम० साम्बेल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) 📑 श्राजीन रेजिल 2. मद्रास

नारीख: 11--3--1986

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्राम, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० 68/जुलाई $\sim 85\sim -2$ श्रतः मुझे, श्रीमतो एम० सामुबेल,

जायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्चातः 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको जसं० III वार्ड, घाण्डिक्कारतेरू वडमंगलम है तथा जो मद्राम में स्थित हैं (अंट इससे उपाबद्ध प्रनुसूचों में और पूर्ण रूप ने वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, महलाडुसुरै-लेख सं० 741/85 में भारतीय रजिस्ट्रोकरण प्रधित्यम, 1908 (1908 का 16) के , प्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किश्थत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्णु

लत: अब रावस अधिनियम की धारा 269 का का कार्सरण में. मैं, जावन अधिनियम की धारा 269 च की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — 11—26 GI/86 श्रीमती घनम् ग्रम्माल।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती कल्याणि भ्रम्माल।

(श्रन्तः रतो)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकर्गे।

स्पाचित रणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनसची

भूमि और मकान--3 वार्ड, वडमंगलम्, विद्वुक्कारतेरू; मईलाडुसुरै, मईलाडुसुरै-लेख सं० 741/85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 11--3--1986

मोहरः

सामुवेल,

हर्षन होत्_रही एन एक_{्न-----}

बायकर बिधिनियम, 196। (1961 का 43) की थाड़ा 269-ख (1) के बधीन सूचना

BIST TENE

कार्याचन अहायक नामकार भाग्यत (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986 निर्वेश सं० 70/जुलाई-85--अत: मुझे, श्रीमती एम०

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रध्यात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० शातंगुडि, अग्रहारम है, जो महलाडुतुरै में स्थित है (श्रीर इससे उपाबन अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महलाडु-तुरै, लेख सं० 717/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफाश के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त अम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफाल से, एसे ख्रमान प्रतिफाल का पन्त्रह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गुवा प्रतिफास निम्मलिकित उद्वेष्य से उक्त बंतरण सिविस वे शस्तिक क्य से कवित नहीं किया गया है क्षान

- (क) बन्तरण ते हुई किसी नाय की गायत उक्त नीधनियन के नतीन कर दोने के अंतरक के दावित्य में किसी कुछने ना दससे बचने में सुविधा में लिए; जोई/बा
- (क) एते किसी जाम या किसी थन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना दाहिए था फियारे में मुविभा के तिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बर्धीन . निम्नीलिनित करीबत्ताओं , क्यांत अ—

1. श्री एस० जी० कृष्णमूर्तिः अय्यर।

(अन्तरक)

2. श्री एप० जयरामन् ।

(अन्दरिती)

को यह सूचना घररी करके पूर्वीक्त सम्पृत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप धन-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिठ-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्यकी

भूमि ग्रीर मकाम—मझ्लाडुतुरै-मझ्लाडुतुरै, लेख सं० 717/85 ।

एम॰ सामुदेख सक्षम प्राधिकारी[ः] सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−2, मद्रास

न(रीख: 11-3-1986

प्रस्त नाइ"ः, दी । एन ः इस्त्रः-४-५≥±

नावकर न[महिन्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 289-म (1) के अभीन सूचना

भारत बरकार

कार्याचन, तहाकुक काचचर वायुक्त (निर्माशिका)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनां रु 11 मार्च 1986

निर्वेष सं० 73/जुलाई-85--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की भारा 269-स के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी की, बहु विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिलका अधित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० अवनाशि तालुक नाराणपुरम् गांव कृषि खेती है, तथा जो जी० एस० सं० 364, 365, 366 में स्थित है (श्रांर इांने उपाबद्ध अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बन्तूर लेख सं० 3229/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 85

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित शाखार मून्य से कम के करनवान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित शाखार मूरक, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बक्तरितिशों) के बीच। एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रविक्त किन्निविति उक्येक्य से उक्त अन्तरण मिनिवत में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गवा है हि—

- (क) जन्मका वे ह्यारें जिसी बाब की बाबत ; जबक निक्य के अभीत कट बोने के क्यास्क के बाविस्य में कारी कटने या एकचे बलने में कूफिशा के टिबए; क्रीर/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसके अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

शहें तथं, उस्त जीशीयमा की भारा 269-ग के अमुक्तप्य भं, तं, उस्त जीशीनमा की भारा 269-म की उपधास (1) के स्थीतक जिल्लीक्रीयत व्यक्तिक्रिक्त क्रम्म

- 1. श्री एस० बी० कंदस्वामि श्रीर मैनर धर्मेलियम् । (अस्तरक)
- मेसर्स उडुमलपेठ टैक्सटैल्स लिमिटेड।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

- (क) इस स्थान की राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्त्रम्बन्धी स्थित्यों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जसिंध बाद में समाप्त होता हो, को भीवर पूर्वोक्स स्थान को जो से किसी स्थान होता हो,
- (च) इस क्षमा के राजपत्र में प्रकाशन करी हाचीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिलवद्भ किसी जन्म क्षमित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात किसित में किए पा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणं:—इसमें प्रयम्त शब्दों और पर्दों का, जो जनत निधित्तयम्, को अध्याय 20-व्य में विकाशिय हों, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में टिया गया है।

त्रमुची

कृषि खेती—अवसाधि तालुक माराणपुरम गांव, जी० एस० सं० 364, 365, 366, कीयम्बत्तूर, लेख सं० 3229/ 851

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंष-2, मद्रास

तारीख: 11-3-1986

प्रका बाह् दुर्गे पुन पुन

भागकर भार्तियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-व (1) के सभीत सुवना

बारक संस्थात

कार्यांतव, सहायक मायकर वायुक्त (निर्द्वांबन)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० 74/जुलाई~85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

जायकार मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे दस्यों इसके प्रवाद 'स्वस मिधिनयम' कहा गवा हैं), की वारा 269- व को अधीन सक्षम मिथिनाम को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० टी० एस० सं० 932, पुलियकलम् गांव है जो प्रवनीण रोड कोयम्बत्तूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बस्तूर, लेख सं० 3317/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई

का पृथें कत सम्पत्ति के उपित बाबार मृग्य थे कम के अस्यमान प्रतिफल के लिए लन्तिरित की गई है और मृझे वह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्यों क्त संपत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तिरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के निए तथ पाया चया प्रतिक्क का निम्निशिषत उद्देश्य से उक्त बंतरण सिवित में कास्त्रीवृक्ष क्य से किंचत नहीं किया गया है है—

- (क) नन्तरण ते हुए किसी बाव की बाब्द उक्त विश्-दिवान के स्थीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्य में कजी कड़ने वा उन्हों क्या में स्विधा के लिए;
- (क) ऐसी जिसी बाब ना किसी धन ना अन्य बास्तिकों, को, जिन्हों बारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना अनंद अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बुन्दरियों बुनारा प्रकट नहीं किया गया वा मा मा किया जाना खाडिए था, क्रियान में स्विधा न्ये सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

1. श्रीमती बी० अनुराधा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती आर० रजिनी।

(अन्तरिती)

भी वह भूष्या बारी संरक्षे प्यांक्त सच्चरित की अर्थन के ।'नए कार्वचाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितमव्यु किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में मिद्रा जा सकींगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त श्रीभिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

टी० एस० सं० 932, पुलियकुलम् गांव अवनाणि रोड़, कोयम्बत्तूर, कोयम्बत्तूर/लेख सं० 3357/85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायठ आयार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

ता**रीख:** 11-3-1986

मक्त्र मार्च अर्थ हा हा रूप्यान्य व्यवस्था

वावकाय निभिन्नियम ,: 1961 (1961 का 43) की भारा 269-मृ (1) व्हें नभीन वृथमा

शास्त्र चंद्रकात

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (दिनरीज़न)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्राद, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० 81/जुलाई-85---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल.

शायकर जीभीनमम ,1961 (1961 का 43) (जिते इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से मिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० जी० एस० सं० 355 व 356, संगन्र गांव, कोयम्बसूर है, तथा जो मद्रास-6 में स्थित है (भौर इंसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँग पूर्ण रूप से वर्णिक है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम्, लेख सं० 3196/85 में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाबार मूल्य वे कम के करमान प्रतिकल के लिए जन्तरित की वह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाबार नृस्य, उसके करमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का बालाइ प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) कोर बंतरिती (जंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के निए तय पामा रास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबसा, उक्त जीभीनयम के अभीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूबिभा के लिए; जॉर/वा
- (क) ऐसी किसी जांग या किसी भन मा अस्य जारिसकों का, जिन्हों भारतीर प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिकियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविभा के लिए;

1. श्री पी० एस० माधवन्।

(अस्परक)

2. श्री आर० वीरासामि।

(अन्सरिती)

कारे बहु सूचना चाड़ी कड़के पूर्वोक्त सम्पत्ति से अर्जन के सिए कार्यवाहियां सूड़त करता हुते ।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप हः---

- (क) इस स्वना के श्वापत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की नविष या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविष बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारों।
- (क) इस सूचना के एक्प्य में प्रकाशन की सारीथ हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्युक्त शब्दों अंत पर्दों का, को जबसे अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा थो। उस अध्याय में दिया गया ही।

पनुसूची

भूमि श्रीर मकान-संगनूर गांव, जवाहर नगर, कोयम्ब-त्तूर,गांधीपुरम, लेख सं० 3196/8

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

लतः लाउ, अक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, कीं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निकालिचित व्यक्तियों, अभीत् :--

तारीख: 11~3-1986

प्रकार जार्थ_ा श्रीत प्रकार प्रकार सम्बद्धाः

भागकर निर्माणक है (1961 पर 43) की भारा 269-ए (1) में नुष्मा कृत्रना

भारत सरकार

कार्यां वन, सहायक नायक र नायक्त (निरोध्न)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्वोध सं० 82/जुलाई/85—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल.

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की वादा 269-क के अधीन अक्षम प्रधिकारों को यह विश्वाद कर्ने का कारण हैं कि स्राप्त सम्मत्ति, जिसका उचित वाचार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 11/1086, गणपित कोयम्बसूर है, तथा जो मद्राप्त में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लेख सं० 3223/85, गांधी-पुरम, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जनाई, 1985

कों पृथा कर संपत्ति के उचित बाबार स्मय से कन के अस्यसान प्रतिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास क को का कारण है कि स्थाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाबाइ कृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रम से एसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कि वा गया है:—

- (क) अन्तर्ण से हुन् किसी आय की बाबत उपत अधि-निवय के स्वीप कर वार्ष के स्वार्ड के व्यक्ति से कमा करने या उस्ते वचने में बृहिन्या के किसी; कीष्ट्रीया
- (क) प्रेजी किसी नाव वा किसी नन वा नन्न नास्तिमाँ मो, विन्हें भारतीय नावकर निपनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ निपनियम, या चन-चंद्र निपनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ नन्तिरती ब्वास मुक्क नहीं किसा च्या वा वा किया जाना जाहिए वा, कियाने में बुरिन्या में किस:

अतः सतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीलीसन व्यक्तियों, अधीत् — 1. श्री के० श्रीनिवासन

(अन्तरक)

2. श्री टी० आर० मन्जपन् ।

(अन्तरिती)

की पृष्ठ कृषका धारी करके प्वॉक्त सम्बंदित के वर्षन के विष कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

क्ष्म दम्मीत से भूषीन के दम्मान में कोई श्री वार्का ह---

- (क) रह सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीक है 45 विन की स्वीध ना तत्वान्यन्त्री अवित्यां पर ब्रुवना की तानीक है 30 दिन की नविध, यो भी तबीं वह में साम में स्वीप प्रवेशक स्वीपता में से किसी अविद्यु द्वारा;
- (व) वह सूचना के सम्बन्ध में अन्यादम को तारीच के 45 दिन के भीतर उनत स्थानर संपत्ति में दिलनक्ष किसी कन्य मिनल द्वारा अभोहस्ताकारी के पास हैनिचत में किए या तकोंने।

स्वक्षीकरण: इसमें प्रयुक्त सन्दों बीर पड़ों का, को उस्त नियम के नध्याय 20-के में परिभाषित ही, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

भूमि और मकान गणवति ,कोयम्बत्तूर, गांधीपुरम्, लेख सं० 3223/85।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 11-3-1986

प्रक्ष आहुँ दी पुन्न पुन्न क्रान्यक्रमान

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सहकार

कार्यान्य, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मब्रास, दिनांक 11 मार्चे 1986

निर्वेश सं० 85/जुलाई-85---अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (हैंचर्च इस्कें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भाष्टा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह जिस्सास करने का कार्ड हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एस० सं० 442/2, 443/2, 444/2 चिश्रवडम्पट्टि है, तथा जो कोयम्बत्र्य में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौण पूर्ण स्प ने विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीपुण्म्, लेख सं० 3373/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृश्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुख्ये यह विश्वास करने का कारण है कि बंशापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, ऐसे ध्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिधित उद्धेश्य से उक्त बन्तरण निधित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है क----

- (क) अन्तरम से हुई फिकी जाग की बाबत, उक्त मिश्रियम की अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्कसे बचने में सुविधा के लिए; मीर/बा
- (क) एसी किसी जाय वा किसी अन या अन्त जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्क कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना काहिए था, छित्राने में सुविधा के सिए;

सतः अतः उक्त विधिनियम औं शरा 269-ग के अनुसरम में, मी, उत्र शिक्तिस्म की धार 269-च की रमधारा (१) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तिसों, अर्थात् स्चन 1. श्री एस० आर० वालसुन्दरम

(अन्तरक)

2. श्री वरधराज

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी काहुको पूर्वीक्छ सम्पत्ति औं अर्जन क्षे किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सक्तेंगे

स्यव्यक्रिकरेण: इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्क अधिनियम को अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में विया नया केंद्री

भनुसूची

भूमि—चिन्नवडम्पट्टि गांव—कोयम्बत्तूर, गांधीपुरम्, लेख सं० 3373/85।

एम० **धामुबेल** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज-2, मब्रास

नारीच: 11-3-1986

प्रसम् बाह् है हो है पुर्व हुई है स्टब्स्टर

नायकर निर्मित्तयम्, 1961 (1961 का 43) की नाडा 269-म (1) में भूनीन सूचना

भारत सरकात

व्यवस्थित, सहायक आवकाह बायुक्त (शिक्ष्युंक्रण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निवेश सं० 89/जुलाई-85--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीप जिसकी सं० टी० एस० सं० 28 है, तथा जो पोल्लाची टाउन में स्थित है (श्रीप इांसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोल्लाची लेख सं० 1486/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरवमान प्रतिक्रम के लिए अंतरित की गई है और वृक्षें यह विद्याच करने का कारण है कि यूथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, असके क्ष्यमान प्रतिकृत से, एसे क्ष्यमान प्रतिकृत का पल्छ प्रतिकृत से विभक्ष है और मृत्तरक (बन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तब पाना क्या प्रतिकृत, विम्नतिचित क्षूचरेच से क्या मृत्यरण जिल्लाक में वास्त्रिक क्य से क्ष्यित वृक्षी क्षिया व्या है क्ष्यन

- (क) अंतरण को हुए कियों बाय की बावत, अवत आध-पितम में सपीन कर योगे के बलारक के दावित्य में कनी कहने वा कवले बचने में बुदिया के किए; और/या
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन वा जन्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाम-कर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निभिन्यम, वा धन-कर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के वर्तेष्मार्थ भृतिरती स्वास्त प्रकट नहीं किया नवा ना साहिए था, कियाने में सृत्या से किए;

ज्ञाः अब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अमृतरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थाद :--- 1. श्री वी० एषा मरगधशिवम्।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कें पी नरगधम्।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करने पूर्वोक्त क्रम्यत्ति के वर्णन के सिए कर्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन से 30 दिन की अविधि, को भी तबिष वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तिवा के सिक्सी व्यक्ति दवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी कच्च व्यक्ति त्वारा मधोहस्ताक्षरी के शव किसित में किए का सकतें है

स्मच्छीकरण ह—हतमें प्रयुक्त सम्बाँ और पर्वो का, को उक्क आर्थिटिनक के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत अध्यास में दिया पत्रा हैं 16

बगराची

भूमि ग्रौर मकान, पोल्लाची टाउन, टी० एस० सं० 28।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधि कारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2, मद्रास

तारी**ख:** 11-3-1986

धक्का बाहाँ, ही, एसं, एसं, ल्लानकार

बावकार विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत तरकार

कार्बाल्य, सहाबक आयकार आवृत्त (निर्दाक्त) अर्जन रेज-2, मद्रास मद्रास. दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० 90/जुलाई-85--अप: मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

शायकर किंधितियम, 1961 (961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं। के रूपापुर राजारिक जिसाल अधिक हैं। के रूपापुर राजारिक जिसाल अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी मं० गसा पोल्लाच्ची एस० वार्ड ८, है, हथा जो पोल्लाच्ची निक्ष्युर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कप में वर्णित है), रिल्स्ट्री तो अधिकारी के कार्यालय, पोल्लाच्ची, लेख सं० 1487/85 में, भारतीय रिल्स्ट्री एएण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई, 1985

को प्रवेशित नश्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रियफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बचाप्वावत सम्प्रित का उचित बाजार मृत्य, उतके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और बंतरिती (अंतरितयार) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्च स्थ से उक्त अन्तरण सिखित के वास्तिक रूप में स्थित नहीं किया गया है :---

- (का) अन्तरण स धुर्द किसी अध्य की बावर, उक्त अधिमृद्ध के ब्राचित कार दोने को जैस्ट्रक को साधित्व में कामी कारने मा उन्तरे अध्ये में सविधा से लिए; और किस
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1942 का 15) का उपा अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया दा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिगः

- 1. श्रीमती अविचिति ग्रीए एस० एम० हनीफ। (अन्तरक)
- 2. श्री वी० गणपति स्वामि।

(अन्तरितो)

को बहु ब्रूचवा बारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के बर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

तनव सम्वत्ति के अर्थन के एम्प्याप में कोई भी आक्षेत्र :----

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशक की तारीत वं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की धवित्र, जो औ अवधि ता में समान होती हो, के गीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी म्यक्ति हुवाया;
- (व) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-व्यथ किसी क्यक्ति द्वाग, अधोहस्ताक्षरी में गब सिचित में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण: ---इसमें प्रय्यत झळां आर पर्यो का, आ उपव सिंपिनसम् के अञ्चाय 30-क में परिशाणित हैं, वहीं कर्ष होंगा, जा उस अध्याय हो भिया गरा हैं

अनु**स्**ची

्रिन और महान—पोल्गाच्ची गस्पा पोल्लाच्ची एस० वार्ड 4, तिरुपुर, पोल्याच्ची, लेख सं० 1482/85।

> एम० सामुवेल विम प्राधिकारी सङ्ग्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

सारीख: 11-3-1983

प्ररूप आईं,टी.एन.एस.-----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं॰ 91/जुलाई-85--अतः, मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं टीं एस सं 687, जिल्लाम् वीधी है, सथा जो पोल्लाम्बी में स्थित है (श्रांग इसमें उपाबद अनुसूषी में श्रांर पूर्ण रूप से बिंगत है), रिक्स्ट्रीए ती अधि-कारी के कार्यालय, पोल्लाष्ट्वी, लेख सं 1509/88 में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ज 16) के अधीम, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्स सम्मिरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतर्कों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण सं हुड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के संवरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; आर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूविधा के लिए:

बंदात्र जब, उक्त मिनियम, की भारा 269-ग के अन्सरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) में प्रभीन, निम्मलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री पी० बी० वें रुण्णन् ग्राँर दूसरे।

(अन्तरक)

2. श्री एस० रार्मालगम

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के तंबंध क्री कोई भी वासंव 🗠 ~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जे उस अध्याय में दिया। गया है।

मन्त्र्जी

भृमि ग्रौर मकान—टी० एस० सं० 687, चित्तिरम् स्ट्रीट, पोल्नाच्ची, पोल्नाच्ची-लेख सं० 1509/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 11-3-1986

प्र**क्ष्य आर्घ** टी एन एस ्नन्यवस्य 1. श्री टी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के वभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बावकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनां ह 11 मार्च 1986

निदेश मं० 9.4/जुलाई/85---अतः मुक्षे, श्रीमती एम० सामुदेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जित्रकी तं एस में लं 194, 195, 196, 185 है, जो तौंबामुत्तु जिल्प्युर में ल्थित हैं (श्रांः इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प में विणित हैं), रिजिस्ट्री-कर्ता अधि तरी के कार्यालय, पोल्लाच्ची, लेख सं 1553/85 में, भारतीय रिस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तरीख जुलाई, 1985

कर पूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल से बन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्निसित्ति उद्देश से उक्त अन्तरण सिसित्त में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से धूर्य किसी जाय की वायत, उत्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कभी करने या समसे वजने में सुनिभा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी धन या बन्य झास्तियों कारे, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त विधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था स्थिपाने में खे लिए;

1. श्री टी० के० कन्दसामि गौंडर।

(अन्तरक)

2. श्री आर० मुत्तुसामि गौंडर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त संपरित की अर्थन के किए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन संबंध में खोड़ों भी बाक्षोप हु—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (प) इब सुमना कै राज्यम में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्य सम्मत्ति में हितबब्ध किसी जुन्द व्यक्ति इवारा नभाहस्ताक्षरी के पाछ निवित में किए जा सकाने।

स्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, को उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गमा

प्रनुसूची

कृषिखेती, तोण्डमुत्तूर गांव, तिष्णुर, पोल्लाच्ची, लेख सं० 1553/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, महास

नारीख: 11-3-1986

मोहर:

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

प्रकार प्राप्त्री स्वीत् प्रकृत्युवः -----

बार्यक र बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-थ (1) को कथीन सुवना

बाइव श्रास्त्र

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग्य-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986 निदेश सं० 95/जुलाई-85--अनः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर जांभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अभीन संक्षम पामिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० टीं० एस० सं० 10/1853-10-10 185-3/2 है, तथा जो सौरियालयम् कोयम्बत्त्र में स्थित है (भ्रौर इसमें उपाबद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप सं वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, कोयम्बत्त्र, लेख सं० 2865/85 में, भारतीय रिजन्द्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को प्विंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से किय के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्नोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिष्ठात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निसिद्धत उच्चेस्य से उसते अन्तरण कि बिहत में बास्तिक एमें कीभत नहीं किया जना है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त बीधनियम के ज्थीन कर दोन के अन्तरक क शांदित्य में कभी करने वा अबसे वचने में सुधिधा में किए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या कत्य व्रास्तिया को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गय। था या किया जाना चाहिए था, जिनाने में हिया के जिन्हा किया

भरा अब, उस्त अभिनियम की धारा 269-ग के अमृतरण में, में, उस्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. श्री गाम्यम्

(अन्तरक)

2. श्री वी० जगदीश्वरन्

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति से अर्थन के किस कार्यवाहियां करता हुं।

अनत सम्पत्ति को अर्चन को सम्बन्ध में कोई भी जाकोप :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वनिथ कार में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियां में साफित्या व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस सूचना को राजयत में प्रकाशन की तारीस ८ 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी को पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण : इसमें प्रयुक्त कळां और पद्यों का जो उसके अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-श्राचित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है!

अनुसूची

भूमि श्राँर मकान—टी० एस० सं० 10/1853-1-ए० 185-3/2-सौरिपालयम्, कोयम्बत्तूर, लेख सं० 2865/ 85।

> एम० सामुबल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज–2, मब्रास

विनाँक: 11-3-1986

प्रकप बाद् . टी. एस. एस., ----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

शारत कल्कार

कार्यासम, तहामक आयकर भागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्वेश सं० 96/जुलाई-85-अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमं इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

हीर िसकी सं० 19, राजम्माल ले आउट, अनुष्परपालयम् है, जो कोशम्बतूर में स्थित है (और इसते उनायड अनुसुची में और पूर्ण कर ने विणा है), रिजस्ट्रीक्तों अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बतूर लेख सं० 2876/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित वाजार भूज्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास कर्ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके द्रथमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित से अभिक है वीप ऐसे अन्तरक् के निए तय पाया पवा प्रतिफल, निम्मानिकित उद्वेषयों से उक्त अन्तरक जिल्हा कि विक विक क्य से क्वित नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) बल्लाह्रम् वे धूर्यं किसी बाय की बाव्यं, अस्त मिन्त्रियं के ब्रोन कर योगं के अस्तरक के बाविस्त् मों कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौक्र/मा
- (ण) एसी किसी जाब या किसी धन वा जन्मू जास्तियां का जिल्हें भारतीय नाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त न्धिनियम, या वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती क्लास प्रकट न्हीं किया ग्या या का किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुल्लिय के लिए;

वर्षः भवं, उत्तर विधिनवंग कौ वादा 269-न से बनुतरव में, में: उत्तर किथीनवंग की धारा 269-न की उपधारा (1) के वधीर, निम्निविश्व व्यक्तिक्यों हा व्यक्ति है--- 1. डा० जेम्स जे० नायगम्।

(अन्तरक)

2. मेसर्स पोयीर्स द्रेडर्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्धन को किए अर्तन्त्रहरूयां कारणा हुन्।

उन्त सम्पत्ति के मर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र
 स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, शो भी
 अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा;
- (स) इत सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा सर्थाहस्ताक्षरी के पाए निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्मक्कीकरण: --इसमें प्रयुक्त सम्बां और पत्तों का, को उत्तर कि प्रित्य के अध्याद 20 का में परिभाषित हैं, नहीं कर्ष होंगा थी उस कथ्याय में दिया। प्याहै।

न्पसूची

भूमि भौर मकान--राजम्माल ले आउट अनुष्परपालयम् कोयम्बलूर, कोयम्बलूर-लेख सं० 2876/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज−2, मद्रास

तारीख: 11-3-1986

प्रकृष् नाइ . टी. प्त . एस . ------

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सूचना

धारत बरकार

कार्यासम, सङ्घायक गायकर जागुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, मद्रास मद्रास, दिभाए 11 मार्च 1986 निदेश सं० 97/जुलाई-85--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० एस० सं० 483, मेलिसिस्स्वाविष्ठ गाव है, तथा जो कीयम्बत्र में स्थित है (श्रौर इसंग उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीक्ती अधि शरी के कार्यालय, कोयम्बत्त्र, लेख सं० 2903/85 में, भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, कारीख जुलाई, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की नहीं हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मृत्यह प्रतिकत से आधक हो और अंतरक (अंतरकों) और बंत-रती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय वामा गया वित्रक्त, निम्नलिचित उद्वेष्य से उक्त अंतरण सिचित में बास्तिकक रूप से कांभत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधि-निवस के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अधी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मंतरिती ख्नारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः वय, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त विधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (१) के बधीन, विक्निसिवित कमितवों, अर्थात् :— 1. श्री एन० मुस्गेशन।

(अन्तरक)

2. श्री आर० मारप्रन।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिक कार्यवाहिक कार्यवाहिक

उसत सम्पत्ति के शर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति ख्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनु सूची

भूमि—मेलिचित्तयावडि कोयम्बत्तूर, लेख सं० 2903/ 85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मब्रास

तारीख: 11-3-1986

मुक्य आहु . टी . एव , एस , -----

बायकर विभिनियम, १961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्वना

मारत तरकाड

न्तवालायः, गह्नायक आयकर शायकत (निरीक्षण) अर्जेन रेज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986 निदेश सं० 100/जुलाई-85--अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-ख के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वाम तरने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1.00,000/- रह. से अधिक हैं

स्नौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 345678 वार्ड 8, आर० एस० पुरम् हैं जो कोयम्बन् में स्थिन हैं (स्नौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजिस्ट्री र्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बन्स, लेख सं० 3003/85 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985,

को प्रविश्वत संपरित जिसत बाजार मृत्य भे कम के दृष्यमान वित्तिकल के लिए अन्तरित की नर्क हैं और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण हैं कि यथाप्येंबित सम्परित का उचित द्राजार मृज्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया कम प्रतिफल, निस्नसिश्चित उद्देश्य से उक्त अन्तर्क निल्तिक के निष्क से किया नहीं किया नदी हैं —

- (क) जन्तरण से हाई किसी जायकी शबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर दोने के अन्तरक अे वायित्व में कसी करने या उत्तरे वचने में स्विधा ने किए; बीर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या बच्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ता उक्त विधिनियम या धन-कर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया नया भा का किया जावा चरीहर भा, जियाने में सविवा के किया

भरः अत्र , उक्त विधिविषयं की धारः 269-व वी वय्वरण र मी रक्त विधिनियम को धारा 269-व की प्रयंधारा (1) के अभीत, भन्म लिक्ति व्यक्तियों, वर्षात् :--- 1. श्री ए० एम० रामसुब्रमणियम्।

(अन्तरक)

2. श्री तंबिमातन्।

(अन्तरितीः)

की यह तृष्या जारी करके पूर्वोक्त अस्पत्ति के अर्थन के विश् कार्यवाहियां शुरू करता हु।

बक्त बंपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सुमना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विश्व की अविध ना तत्स्व करी व्यक्तियों वर सूचना की गामीस से 30 विन की सविध, को भी बंबिय नाव में समाप्त होती हो, से भीतर प्रशेषत व्यक्ति व्यक्ति में किसी स्पृष्टित व्यक्ति
- (व) वस् व्यंता से राजपन में प्रकारन की दारीय है 45 किन में प्रोटर उपस स्थापर बम्मरित में हितनपूर किनी जन्म न्यापित प्राप्त स्थाहस्ताकड़ी से शस विभिन्न में किए वा बन्ने हैं।

स्यव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, को उनके व्यक्तिकन, में कथ्याय 20-क में परिभाषित है, बही क्षे होता, वो सस अध्याय में विका प्रयाही।

प्रनुसूची

भूमि स्नौर मकाम--आर० एस० पुरम्, वार्ड सं० 8, कोयम्बत्, कोयम्बत्र-लेख सं० 3003/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 11—3—1986

प्रकप थाइ . टी . एन . एस . -----

आवक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986 निदेश सं० 102/जुलाई-85--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकार शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचाल् 'उकर अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 1816/65 1, हिस्सा-1815 व 1822/1 है, तथा जो सौरिपालयम्, कोयम्बत्त्र में स्थित है (ग्रीर इससे उगाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बेस्^र लेब सं० 3021/85 में भारतीय रिजस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985 को पर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्स संपत्ति का आजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल • प्रयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक हैं बार अंतरक (बंतरकाँ) बार अंतरिती (अंतरितियाँ) को बीच एसे अस्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिकान, निम्नौसिखल अव्योषय से उकत अन्सरण सिवित में बास्य विक रूप से कथित नक्षी भिन्नागया 🗗 :----

- (भा) अप्तरण ने हुई किसी आव की शायत, उपत अधिनियंत्र के अधीर कर दोने के अन्तरक के दाँग्रिटन में अभी करने या उत्तरे वसने में सुनिधा के लिए; और/मा
- (च) इसी किसी जाव का किसी भग वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों आस्तीय आध-नार अधिनियम, निर्मा (1922 का 11) वा उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के जिल्ह;

लतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थातः—

1. श्री ए० एन० लक्ष्मणन्।

(अन्तरक)

2. श्रीमती नंदिनी राजेन्द्रन्।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां अपता हूं।

उक्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस त्याना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील सै 45 दिन की मनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तृषना की तामील से 30 दिन की मनिथ, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दृशाश;
- (क) इक स्कूषना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम सिकित में किए जा सकेंगे।

स्पळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि -- सौरियालयम् गांव -- कोयम्बे त्रूर, कोयम्बे त्रूर-लेख सं० 3021/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मब्रास

तारीख: 11-3-1986

एक्य आहै, टी., एन., एस., *******

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269⊭व (1) वीं अभीन सूचना

बारत चरकाड

कार्यानय, सहायक जायकर जायकत (निर्दाक्षण)

श्रजैंन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986 निदेश सं० 103∣जुलाई-85—श्रतः मुझ, श्रीमती एम० साम्रुवेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रहन से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 8/1422/1 1423/1, कृष्णस्वामि मुदलियार है, तथा जो कोयम्बेत्र में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची मैं श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, लेख सं० 3040/85, कोशम्बेत्र में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई, 1985

(1908 का 16) के प्रधीन, तारीख जुलाई, 1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरममान प्रतिफल से, ऐसे दरममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण चे हुंद्द किसी आय की बाबत , उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा अंतियः और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या सन्य कास्सियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 वा 11) या उक्त अधिनियम, या धन-जर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के समाज्य अक्टरिकी दराया पराट नहीं किया गया था वा किया जाता चाहिए था, कियाने में मुविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निमनिकता व्यक्तयों, अर्थात् हिन्स 13—26 GI/86

1. मैसर्स देवी बिल्डर्स

(ग्रन्तरकः)

ः मैसर्स पेट्रोलियम कोग्रापरेटिव लिमिटेड । (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी कड़की पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कड़ता हुई (1)

उक्त सम्परित को मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप ु---

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तार्रीच चें 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, यो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की साइति के 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क भा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया एका है।

नन्स्पी

भूमि झौर मकान—कृष्णस्वामि मुदलियार रोड़, कोयम्बे-सूर, कायम्बत्तर-लेख सं० 3040/85।

> श्रीवती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रज्न रेंज-2, मद्रास

तारीख: 11-3-1986

मोहर

प्ररूप **आर्ड**्टी, एन . एस हु------

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत तरकार

कावलिय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजीत रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० 104/जुलाई-85---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्ठीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 6/1299 न्यू० टी० सं० 6/1415 है, जो कोयम्बस्तूर में स्थित है (घोर इससे उपाबद्ध श्रन् सुची में घोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रिधिनारी के नार्यालय, कोयम्बेस्तूर लेख सं० 3086 व 3087/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के बधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) को अधीन निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्रीमती रुक्मणि।

(ग्रन्तरक)

2. श्री टी० पांडुरगन्।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्मित्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के मुर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🚁

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रशुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

समृस्ची

भूमि कोयम्बसूर टी० एस० सं० 6/1299, न्यू टी० एस० सं० 6/1415, कोयम्बेस्र, शिख सं० 3086/85)।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राप्तन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 11-3-1986

प्ररूप बाह्र टी एन एस .-----

ताथकर विधितियन, 1961 (1961 का 43) की यास 269-व (1) में वर्गीय अस्ता

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आवकर बाव्क्स (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज-2, मब्रास मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986 निदेश स० 105/जुलाई-85-श्वतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके गरंचात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी म० 10 वार्ड-स्रवनाणि रोड़, तोहिपालयम् है. जो तिरुपुर में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुवी में स्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्क्रीजर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुपुर-लेख सं० 2408/85 में, भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई 1986

को प्रांधित संपरित के उचित नाजार भूत्य से कम के जनमाथ शिवकस के सिए जन्तरित की गई है जौर नुको यह निश्वाक्ष करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाबार मृत्य, उसके ज्यमान प्रतिक्रस से, एसे क्यमान प्रतिक्रत का पंक्र प्रतिक्रत से जिपक है बीर बन्तरक (जन्तरकों) भीर जंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रक जिम्मीनिवत उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्र विक्र क्य से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तदुल से हुन्दै किसी बाव की बावत , इक्ट वर्षितियम के बधीन कर दोने के बन्तरक से दावित्व के कभी कर्तने या उत्तसे वचने के सुविधा के सिए; शक्ति/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या खन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना आहिए वा किया में सुविधा के सिद्ध;

गत: अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसिस व्यक्तियों, अर्थास् क्रिक्न श्री टी० बी० धनलक्ष्मी ग्रम्माल श्रौर श्रीमती सुन्दरम्माल।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एम० जगन्नाथन्।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिस की संपंधि का तत्त्रविधी ज्यापितमाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, सो और नक्ष्मि बाद में स्थाप्त होती हो, से भीतड पूर्वोक्स व्यक्तियों में से सिसी व्यक्ति स्वाडा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनक्ष किती नम्ब क्वित क्वाच अभोहस्ताक्षरी के नाक जिल्ला में निक्र का स्कों में।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रमुख्त पाव्यों और पवाँ का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया है।

अनुसूची

भूमि और मकान--10 वार्ड, श्रवनाणि रोड़, तोट्टि-पालयम्, तिरुपुर टाउन, तिरुपुर, लेख स० 2408/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम श्राधिनारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 11-3-1986

प्रथम् बाह् दी यन एस , -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के अभीन सुवना

बार्ड इंडक्स्ड

कार्यातन, बद्दानक वानकर वान्तत (निर्दाक्त)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० 108,ंजुलाई-85--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आप्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसकें पचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वासार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० 10वां वार्ड श्रविनाशी रोड़, तोट्टिपालयम्, है, जो तिरुपुर टाउन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रित्स्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के वार्यालय, तिरुपुर, लेख स० 2412/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को प्रॉधत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के सक्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और भुन्ने बहु विस्थास बुधे पहु विस्थात करने का कारण है कि बंधा प्रवेदित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उस्प्रमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रशिशक से अधिक है और अन्तरित (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिक स्वृद्धिय ने उसत अन्तरण निष्त में बास्तिबक स्ण से किंधत नहीं जिया गया है है——

- (45) बन्तद्रव से हुई किसी नाय को बायत, खनत विक्रियम से वर्षील कह को रहे अन्तरक के बामित्व में कमी करने वा उससे वयने में स्विधा के लिए: मीर/वा
- (ग) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अगिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट हीं किया गया था या किया जाना जाहिए था शियाने में सूर्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीखित व्यक्तियों अर्थात् एक-

- श्री टी० एस० बी० धनलक्ष्मी श्रम्माल ग्रौर श्रन्यों। (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती ई० स्वमणी

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्य बन्दित के क्ष्यन के स्थ्यन्थ में कोई भी वाक्षेत्र ह—-

- (क) इस त्वमा के राज्यन में प्रकाशन की ताड़ीय से 45 दिन की अवधि या तत्त्रभवन्ती व्यक्तियों पर सूचना की ताजीस से 30 दिन की नविष, को भी नविष बाद में तनाच्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में ते किसी जनित दुकारा;
- (थ) इस सूचमा के राज्यक में प्रकाशित की तारीं के 45 दिन के भीतर सकता स्थावर सम्पत्ति में हित-वष्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक विविध में किए जा दकीने ।

स्वकाकरण: इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

भूमि श्रीर मकान—10वां वार्ड, श्रविनाशीरोड़, तोट्टि-पालयम् गांव तिरुपुर टाउन तिरुपुर, लेख सं० 1412/ 85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम शाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैंन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 11-3-1986

प्रक्ष भाष्ट्राही । एनः पृष्ठः, ------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मुधीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० 109/जुलाई-85--श्रतः मुक्षे, श्रीमती एम० साम्बेल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269- का के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 10वां वार्ड, श्रविनाशी रोड़, तोहिपालयम्, है, तथा जो तिरुपूर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिक्षिशारी के कार्यालय, तिरुपुर, लेख स० 2413/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिक्षिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिक्षीन, तारीख जुलाई 1985

का पृथों क्ल सम्पत्ति के उण्यत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्दें हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है

कि यथापूर्वेक्स सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल के पम्ब्रह प्रतिकात से अधिक हैं और बंतरक (अंबरकों) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निनिचत उद्देवय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत किया गया हैं:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती इ्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के अधीतः निम्निशिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---- 1. श्रीमती टी० एस० बी० धनलक्ष्मी श्रम्माल श्रौर श्रन्थों।

(अन्तरक)

2. श्री ए० सी० ध्रहणाचलम्।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बंद्ध किसी व्यक्ति देवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् निष्यत में किए जा सकेंगे।

स्पब्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

यम्बुची

कृषि खेती 10 वार्ड श्रविनामी रोड़, तोट्टिपालयम् गांव टी० एस० सं० 14-2, टी० एस० सं० 14:, तिरुपुर लेख सं० 2413/85।

> श्रीमती एम श्रामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 11-3-1986

प्रारत्य बाह्रीह स्तीह एम ह एस हम्माननार प्रारत

कायकर मीपनियम, 1961 (19**61 का 43) की**

भारा 269-म (1) से संभीत सूचना शारत बहुकार

कार्याशय, सहायक जायकर नाय्क्त (निरीक्तर्ज)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० 113/जुलाई-85--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

नायकार गींभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें खब्दे पत्रवास 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उभित्र वाचार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 705/ तोट्टिपालयम्, भ्रविनाशी रोड़ है, जो तिरुपुर, लेख सं० 2406/85 में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

कां पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे एसे एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- हुँक) अन्तरण से हुइँ कि़बी बाग की बावत, उपक अधिविक्त से अधीन कर दोने से अन्तरक में दादित्य में कशी करने या उससे वचने में सुविभा से सिए; जोर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के उधीन, नियनीयित व्यक्तियों अर्थात् :——

1. श्रीमती टी० एस० धनलक्ष्मी।

(भ्रन्सरक)

2. श्री एस० दुरस्वामि।

(ग्रन्तरिती)

को यह त्यना बारी करने पूर्वीक्त सम्परित के वर्षन ने जिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त तन्त्रित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए या सकी।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नगुसुची

भूमि-तोट्टिपालयम्, टी० एस० सं० 14129/1/1, तिरुपुर लेख सं० 2406/85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 11-3-1986

प्रस्य नाइं<u>..टी..पूर्व..च्य</u>ा

ा श्री बी० रगैथा।

(ग्रन्सरक)

2. श्री के० बालाजी।

(ग्रन्तरिती)

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत तरुकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्तिक) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निवेश सं० 124/जुलाई-85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे धूसकें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 16 व 17 टीचर्स कालोनी, ग्रडयार है, तथा जो मद्रास-20 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, ग्रडयार, लेख सं० 1923/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

(1908 का 16) के अवान, ताराख जुलाइ, 1985 को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के अव्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे अव्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाय की वाबत्, उक्त जिथितियम के अधील कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे जचने में बुक्रियभा के निष्; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर इधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा औ शिए;

कतः वन, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिसिंस क्यक्तियों, अधीत्:—— क्षे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के हिंगए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कु वे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्र में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किस जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरणः - इसमें प्रमुक्त कव्यों और पर्यों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अधी होगा को उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

भूमि टी० एस० सं० 16 व 17, टीचर्स कालोनी, ग्रड्यार, मद्रास-20 ग्रडयार लेख सं० 1923/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निशीक्षण) श्रजन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 11-3-1986

भक्त भाषी,<u>जी.</u>एम. एस _{, न्य}स-न--क्रम

भागकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

1. श्री के० षण्मुगसून्दरम।

(अन्तरक)

2. श्रीमती शोहनास बेगम।

(अन्तरिती)

सारक सरकार

कार्यामय, तहायक जायकार जायुक्त (विराक्षिक)

ग्रजॅन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं ० 153/जुलाई-85-श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर वीधिनसम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके पश्चात् 'उकत मिनियम' कहा गया ही, की धारा 269--व के मधीन-सक्षम प्राधिकारी को यह मियनास करने का कारण है कि स्थायर समंति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से मधिक है

प्रीर जिसकी सं० एस० सं० 18/27, ब्लाक स० 10, टी० एस० सं० 24, है, जो प्रवापट में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास दक्षिण, तेख सं० 2021/85 में, भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985 को पूर्वोक्त संपत्ति के जिया बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकत के लिए अधीरत की नई है और बुमो यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकत से अधिक है और अन्वरक (बन्दस्का) और अन्वरिक्त में वासरीवक से बीच एसे बन्दरण के तिए एवं बावार प्रतिकत में वासरीवक स्म से किया नहीं किया गया प्रतिकत में नास्तीवक स्म से किया नहीं किया गया है अन्वरक किया महास्विक स्म से किया नहीं किया गया है अन्वरक स्मारण

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाद की बायतः, उपक अधिनियतः के अधीन कार देने के अन्तरक वी दानित्व में कसी करने या उसते वचने में सुनिधा ले सिए; और/बा
- (स) ऐसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों कि जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जराः जब , कक्त जीभीतियम की भारा 269-ग के अनुस्थल जो भी , उनत जीभीतियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत , निस्तिलिखत व्यक्तियों , वर्षात् :--- को यह सूचना जाड़ी करके पूर्वीक्त सुम्मेटित के मूर्यन के दिन्यू कार्यवाहियां करता हूं।

बन्ध बन्मीत के नर्जन के संबंध में कैंड भी नामोप ह---

- (क), इस ब्रुक्तम के राज्यक में प्रकाशन की ताड़ीं के 45 दिन की काशि या त्रांत्रमण्यी व्यक्तियों पर स्कूला की राजीम से 30 दिन की स्वप्ति, वो भी समित्र वाद में क्यांच होती हो, के प्रीत्र पूर्वीकर व्यक्तियों में दे कियाँ व्यक्तिय हुवारा;
- (ल) इस सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की ताइनील से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबव्ध किनी कस्य क्यक्ति क्यारा अभोहस्ताकरी के पाठ किनियत में किए का सकेगें।

प्रनुसूची

भूमि ग्रीर मकान—डोर सं० 52, II स्ट्रीट, पोन्पेंट्टै नंदनम्, मदास-35, मद्रास दक्षिण, लेख सं० 2021/85।

श्रीदती एम॰ सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास-6

तारीख: 11-3-1986

प्रकृष कार्त हो, युन, एस, क्लान्स कार्

on the second of 1. श्री दानियपेषमाल ग्रीर दूसरेऽ।

(अन्तरक)

2. श्री श्रारूम्गम

(श्रन्तिरती)

नायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) 🗗 भारा 269-म (१) के बभीन सुमना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्तर आयुक्त (गिरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्राय, दिनां ३ 11 मार्च 1986

निदेश मं० 178/ज्लाई-85--प्रत मुझे, श्रीमती एम०

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके पश्याल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार 1,00,000/- एत. में अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० एस० सं० 45 है, तथा जो पून्दोट्टम् में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध शनुसूची मैं भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णिस है), रजिस्ट्रीःता श्रधिदारी के यार्यालय, विलुप्पू-रम्, लेख सं० 1475/85 मैं, भारतीय रजिस्ट्रीयरण ग्रधि-नियम, 1908 (1908 ा 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

ठा पर्वावत संस्थिति के सीवन बाजार शत्य से कहा है एसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापुर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मृत्य, उसके अरममान प्रतिकल से, एसे अरमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे बन्धरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिख़ित उद्दर्भय से उक्त अन्तरण लिखित में गस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

> (क) बन्तरण से हुइ किसी साथ की शवत, उस्प अधिरिहाम के अभीत का दोन के अस्तरफ अ ार्विपालक का अस्ती । क्राज्यों । सम्राग करण अकी करिया । 71 40 ,00 -

ए भी किसी नाम मा किसी भन या नन्य नास्तियों भोग, जिल्ली भारतीय कार्यकर अधितिसम् । १०१५ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, म फाकर की विकास, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गमा था या विक्या जाना जाहिए भा कियाने में भाषा के चिए:

कत अब, उपल अधिनियम की भारा 269-स **वी अनुसरक** में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन निम्नलिखित व्यक्तियोः, अर्थात :--14 -- 26 GI / 86

का यह स्वाना जारी करके प्रांक्ति सम्पत्ति के अर्जन की लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तकत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अवधि या तत्यम्बल्धी स्ववित्तवों वर सूचना की ताजील से 30 दिन की नविभ, को भी अविवि बाव में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वीक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुकारा;
- (स) इस स्वता के स्वयम में प्रकाशन की दारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्य किमी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पात िर्णासन हो शिए जा मसोधी।

ल्पक्रीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, वा उक्क अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभावित हैं, वली वर्ष होका को उस बध्याक में दिया गया है।

नन्स्ची

भमि---पृन्दोट्टम-विल्प्पृरमः, लेख सं० 1475/851

> श्रीमती एम० साम्बेल मक्षम प्राधिकारी महायह यायहर सापुक्त (निरीक्षण) पर्नत रेंग-2, महाम-4

तारीख: 11~3-1986

श्रुक्त काहर . तो . एम . एस

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन क्षाना

बाउव लडका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनोंक 11 मार्चे 1986

निदेश सं० 179/जुलाई-85—म्प्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) विसं इसमें इसके परवात् 'उनत मिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के मधीन सम्भ प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का उचित् वाचार मूल्य 1,00,000/- स. से अधिक है

धौर जिसकी सं० एस० सं० 189, बी० मुस्तेर है तथा जो विलुष्पुरम मैं स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्द्वीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, विल्लुपुरम, लेख सं० 1610/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

की वृतिकत बन्मीत्त के उचित नामाए मृश्य से कम के समजान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यदाप्तोंकत सम्मित्त का उचित नामार ब्रुच्य, असके स्थ्यमान प्रतिकल से, एोचे स्थ्यमान प्रतिकल का निष्ठ प्रतिक्षत से अधिक है और जंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिक क निम्निसिवित समुद्दिक से जन्म अंतरक मिनित भें बास्टिविक कम से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिक्शिय के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उत्तसे वचने में सुविधा के जिए; सार/या
- (का) ऐसी किसी आर्य या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने धे हविधा के लिए;

गतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसूरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अर्थात :-- 1. श्री एस० वी० दक्षिणामूर्ति।

(ग्रन्तरक)

2. श्री ई० एस० चन्द्रशेवार राव।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

भूमि ग्रौर मकान—वी० मुत्त्र, टी० एस० सं० 189, विल्प्युरम, लेख सं० 1610/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 11-3-1986

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

बायकर बाँभीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास,दिनाँक 11 मार्च 1986

निर्वेण सं० 197/जुलाई 1985--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उथक अभिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अभीन सक्षा प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

भौर जिसकी सं० एस० सं० 156/4, कल्लुकुरिय्य हैं जो कल्लुकुरिय्यी में स्थित हैं (ग्रौर इमसे उपायद्ध अनुसूची भ्रोट पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय'ं डलूर लेख सं० 625/85 में रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनयम, 1908 (2908 का 16) के प्रधीन तारीख जुलाई, 1985

का पूर्वोका संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंतिहत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्तद प्रतिपात से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण किखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत्, उक्त अधिनियम् के अधीन कर बेने के अंतरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/वा
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अकिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः अव, अक्त अभिनियम की धारा 26.9-ग के अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 26.9-म की उपारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियों, वर्षात् ⊈— (1) श्री सुन्दराजन।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री स्वामीनाय मुदलियार।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कस्के पूर्वोक्त सम्पक्ति के सर्वन के विद् कार्यवाहियां करता हुं।

बबत सम्बक्ति के अर्घन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अदिधि या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त म्यक्तियों में से किसी न्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस बुचना के राजपत्र में प्रकाशका की तारिक है 45 किन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में क्किन बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अभोइस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्बब्दोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्ट अधिनियम, के अध्याय 20-क में क्था परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्क अध्याय में विका गया है।

मन्स्ची

भूमि – एस० सं० 156/4, 2.64 दक्षिण, 0.66 सेन्ट । कल्लकुरिय्यी लेख सं० 625/851

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख : 11-3-1986

प्ररूप बार्ष: टी. एन. एस्:-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--2, श्रहमदाबाद

म्रह्मदाबाद, दिनाँक¹⁴ फरवरी 1986

निर्देण सं० पी० ग्रार० नं० 4042—ग्रतः मुझे, पी० डी० खंलडवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं विलिख्या टीं पीं एस० नं 3 में एफ० पीं जं 959, 962 एस० पीं जं 5, गौतम बाग को प्रापरेटिय हाउनिंग सीमाइटी लिमिटेड हैं तथा जो एलिस ब्रिज, स्रहमदााबद में स्थित हैं (स्रौर इनमें उपाबद सन्पूची में स्रौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्री कर्ता स्रिधकारों के कार्यालय, स्रहमदाबाद में रिजस्ट्री करण स्रिधितयम, 1908 (1903 का 16) के श्रधीन तारीखा 12 जलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरितः की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का गंग्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीख ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः जब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त जिधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) इं अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, लभीत् ६श्री रमन लाल छोटा लाल भाह.
 4, गौतम बाग, को० आ० हा० सो०,
 एलिंग ब्रिज, श्रहमदाबाद ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री रमेश चन्द्र कॉिंगजाल शाह, रामजी मन्दिर की पोल, घर नं० 788, हाना पटेन की पोल, रीलिफ रोड, श्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकींगे।

अनुमूची

बिल्डिंग टी० पी० एप० नं० 3 में एफ० पी० नं० 959, 962 एन० पी० नं० 5, गीनम नाग की० आपरेटिव हाउमिंग मोबाइटी लिगिटेड, एलिस क्रिज, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रेणन नं० 7169/85 /12-7-85।

> पी० डी० खंडेलवाल_ सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, श्रहमदाबाद

तारीख: 14~2-19**8**6

प्ररूप . जाइ . टी. एन . एस

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

सर्दत भवकाः

कार्यातमः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज⊶1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 14 फरवरी 1986

निर्देण सं० पी० श्रार० नं० 4043--श्रतः मुझे, पी० खी० खंडेनवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं बिल्डिंग कोचरन सीमा में एफ० पी० नं 300 एप० पी० नं 10, टी० पी० एउ० नं 20, है तथा जो गुलवाई टकरा अहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन नारीख 12 जलाई, 1985

को प्यंक्ति संपत्ति के उपित बाजार मल्य सं कम कं इष्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अस्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एंसी किसी आप या किसी वन या कन्य आस्तिया को जिन्हों भारतीय आयक र आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्क अधिनियम, या वनकर अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपान में सुनिधा से किए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) श्री लन्द्रभाई कालीदाप पटेल, 10, चन्द्र विहार संव्याद्दी, जानकी रेस्टोरेंट ग्रॉप एल० डी० इंजीनियरिंग, कालेज के पीछे, गुलबार टकरा नजदीक, ग्रह्मदाबाद-380015।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गिरीण भाई सोमचन्द णाह, श्रौर श्रीमती भावताबेंन गिरीशनाई णाह, 'उन्नति' संस्कार भारती सोभाइटी, श्रंकुर, नारनपुरा, अहमदाबाद-13।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए न्याकिएहर्या करता हो ।

सकत बीपित के बाजीन के मंत्रीय में काई भी बाक्षेष :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति तथारा
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की शारीस हैं
 45 बिन के भीतर उपस स्थावर सम्परित में हिलाबब्ध किसी मन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार विश्वित में फिए का सकती।

स्पब्बीकरणः—इसमें प्रयुक्त खब्दा और पदों का, जां उत्स्र अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं के होंगा जो उस अध्याय में विका

प्रमुख स्त्री

बिल्डिंग कोचरस सीमा में टी० पी० एप० नं० 20 एफ० पी० नं० 300 एम० पी० नं० 10, एल० डी० इंजीनियरिंग कालेग श्रीर जानकी रेस्टारेंट के पीछे गुलबाई टकरा नजदीक श्रहमदाबाद-15 रिगस्ट्रणन नं० 7180/12-7-1985।

पी० डी० खंडेलबाल ाक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंग-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 14-2-1986

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

जामकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

महमदाबाव, दिनाँक 13 फरवरी 1986

निर्वेश सं० पी० श्रार०नं० 4044-- स्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी संव कोचरसब सीमा में टीव पीव एसवनंव 20, एसव पीव नंव 300 + 305 एसव पीव नंव 10, गुलबाई टकरा नजदीक, महमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप संविध्यत है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, महमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 12 जुलाई, 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए इन्सरित की गई है और मूझे यह विश्वास फरा का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत स अिव है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के [लए] और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अअ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अ, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) अ, अधोन,, निम्निमिदियत व्यक्तियों, अर्थात् कि— (1) श्री चन्द्रभाई कालीदास पटेल, 10, चन्द्र विहार सोसाइटी, जानकी रेस्टोरेंट के पीछे, एल० डी० इंजीनियरिंग कालेज के पीछ, ग्रहमदाबाद-15।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रशोक भाई सोमचन्द शाह, 'उन्नति' संस्कार भारती सोसाइटी, नारनपुरा, ग्रहमदाबाद-15।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह----

- (क) इस राजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तासीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

भन्सची

बिल्डिंग कोचरस सीमा में टी० पी० एस० नं० 20, एस० पी० नं० 300+305 एस० पी० नं० 10, गुलबाई टकरा महमदाबाद रजिस्ट्रेशन नं० 7179/ 12-7-85

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजी रंज-2, भ्रहमदाबाव

तारीख : 13-2-86

क्ष्म बाह् । ब्रीट हुन् । हुन् ।

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) वे अधीन सूचना

सारत स्रकार

कार्याक्षय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1, श्रहमवाबाद ग्रहमदाबाद, दिनौंक 13 फरवरी, 1986 निर्देश सं० पी० भार० नं० 4045—श्रतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्यात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० खुला व्लाट क्षेत्रफल 340.30 वर्ग मीटर-408 वर्ग यार्ड है तथा जो वानता सोमतें नर्शे नं० 157 टी० पी० एस० 21, एफ० पी० 618 में स्थित है (भीर इसमें उपाबज अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 जुलाई 1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इक्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुझै यह विकास करने का कारण है कि यथाप्बोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इक्ष्यमान प्रतिफल से, एसे इक्यमान प्रतिकल का पंग्रह प्रतिस्ता से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के सिए तय पारा गया प्रति-कन निम्नसिचित उद्वेक्य से उक्त बंतरण निकास में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाब की बावत उक्स विधि-नियम के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तर्स वचने में सुविधा के लिए। आदि/या
- (ब) एँसी किसी बाय या किसी धन या बन्य ब्रास्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अंजिनियम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खियाने में मियधा वे किए;

कतः जब, उक्त अभिनियमं की भारा 269-म के अनुसरण में, में, अक्त अभिनियमं की भारा 269-स्य की लपभारा (1) के बभीन, निस्नतिश्वित व्यक्तियों, कर्यात् ह—— श्रीमती मायाबेन देवदत्त दुवे 6, घत्लभाचार्य सोसायटी जीवराज पार्क ग्रहमदाबाद।

(म्रन्तरक)

 श्री सुरबीबेन प्रदीप कुमार शाह दादा साहेब फ्लैंट नं० सी-11, गुजरात युनिवरस्टी के सामने श्रहमदा-बाद।

(म्रन्तरिती)

क्यं बहु सुचना धारी करके प्वाँकत सम्मत्ति से वर्षन् को किए कार्यवाहियां शरु करता हो।

बक्द सम्बाद्ध के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचने की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपण में प्रकाशन की तारीच ₹ 45 विच के भौतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित-क्ष्म किसी अन्य व्यक्ति व्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास जिवित में किए वा चक्रीं।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया हैं।

अनुसूची

खुला प्लोट मलय को० ग्रो० हा० सोसायटी लिमिटड सर्वे नं० 157 टी० पी० एस० नं० 21 एफ० पी० नं० 618 क्षेत्रफल 340.30 वर्ग मीटर प्लीन्थ लेवल तक बाँधकाम किया हुन्ना रजिस्ट्रेशन नं० 6432/4, दिनाँक 10-7-85।

पी०डी०खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 13-2-1986

प्रस्तव बाहाँ शी. एन. ऐस -

गुबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायकत (निरीक्षक) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 17 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4046--श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

कायकर जिम्मिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थानर सम्पन्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० बिल्डिंग भानुचंद्र को० ग्रो० हा० सो० लिमिटड में ब्लाक नं० 9 ग्रौर 10 है तथा जो जीवराज पार्क के सामने पोस्ट—विजलपुर ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 4 जुलाई 1985

को प्रविधित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करा को का का का कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल के पन्द्र प्रसिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उस्त अन्तरण किसित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) जनसरण से हुई किसी जाय की बाबत,, उक्त बिधितियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करा, जिन्हों भारतीय अध्य-या प्रांपनियम, 102 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम देश धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं विकास सकत सा या किया सामा वाहिए १९ (उतार वा १९७५) से किए:

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, रक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- 1. श्रीमती लक्ष्मीबन हसमतराय और गोरधनदास ईन्द राज 6-डी० उषाकिरन, खानपुर, श्रहमदाबाद-380001।

(ग्रन्त्रक)

2. श्री भरत एल० गड ग्रौर जनन एल० शेड फ्लेट नं० बी-1 दलाल अनार्टमेंट धुमकेतु रोड़ पालडी, ग्रहमदाबाद, 380007।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी **साक्षेप** :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सु 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अर्घाध, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट काक्रियों में में किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्डद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के णहा लिखित में किए जा सकोंगे।

ल्लाहानिक्षणः.—समर्गे प्रदूषन कथा और पदों का, जा उब्ह बिधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषिर हो, यहाँ अर्थ हाता के उस अध्याय मा दिक गरा ही।

अनुसूची

बिल्डिंग ब्लो ह नं० 9 स्रौर 10 भानुचंद्रं को० स्रो० हा० सोपायटी लिमिटड में जीवराज पार्क के सामने पोस्ट--वेजलपुर स्रहमदाबाद रिजस्ट्रेशन नं० 6729/4-7-85।

> पो० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारीः सह्यक ग्रायकर ग्रायुक्त (तिरीक्षण) ग्रानंत रोज-1, ग्रहमादाबाद

तारीख: 17-2-1986

प्रकार कार्य हो. हो. हम. हस. -----

भाग्य कर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन सुदना

भारत सरकार

कार्यानयः, सहस्यकः आयकः अम्पकः (भरीक्षणः) श्रर्जन रेज-1 श्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनाँक 17 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० ग्रार्० नं० 4047——प्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

कायकर कि नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त कि विस्तान कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्तास करने का बारण हो कि स्थावर सध्योत्, जिलाक हो बन बासार गुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० जी० एफ० फ्लेट टी० पी० एप० 3 में एफ० पी० 154 है, तथा जो स्रमीबेला श्रहमदाबाद-9 में स्थित है (श्रोर इपड उपावद अनुजूची में श्रोर पूर्ण रूप विणित है), जिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख जुलाई 1985

को पृष्णेंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृश्लेंकत सम्पत्ति का उपित बाजार गृल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एमे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के धीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निकित के बास्तिक क्रय से श्रीचल महीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुए किसी बाव की रावस, खबस बिधिनयम के अधीन कर योगे के बन्तरक बी दाधितम में कमी करने या उससे जधने थीं सुविधा के जिए; और/भन
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या वस्य आस्तियों की जिन्हों भागनीय भायकर अधिनिशंग, 1 122 को हो। भाग कर अधिनिशंग, 1 127 को उत्ते आंधीनयम, 41 मंग-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ५: या किया जाना चाहिए था, स्थिमने में सुविधा द निर्मा

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्नरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के जधीन निम्नतिषित व्यक्तियों, मर्थात् :——

 श्री राजेश णान्तीलाल परीख भागीवार--श्रमीता कोषे(रेशन हाईकोर्ट के सामने, एफ० एफ० श्रमीबेला' श्रहमदाबाद-380014।

(ग्रन्तरक)

 श्री फाधर चोल वस्गीस ट्रस्टी——फघलटक इन्फर-मेंशन निविष सोपायटी अमीबेला' दोपावली सेन्टर के पीछ हाईकोर्ट के सामने अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यक्षाहरण इंदरता हुं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हुन्न

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीत वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त धब्दों और पदों का, वो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगे को उस अध्याय में दिया गया है।

नगृज्यी

जी । एफ फ्लंट टी । पी । एप । 3 में एफ । पी । 154 'श्रमीबेला' में क्षेत्रफल 753 वर्ग फीट हाईकोर्ट के सामने अह्मराजार रजिस्ट्रेगा नं । 5263/नुताई 1985 रजिस्टार श्रोफित में मिला।

> पी० डी० खंडेलवाल लक्षम प्राधिकारी सहाय रु श्रायकर - श्रायुक्त (दिरोक्षण) अर्जन रेजि-1, श्रहमदाबाद

नारीख: 17-2-1986

प्रकल नाही , डी., १व., एव.,-----

नाव्धार विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भास 269-स (1) के नवीन स्थाना

BAL 4345

भागीनम, सहायक नायकर नामुक्त (निरुक्तिक)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनौंक 17 फरवरी, 1986 निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4048—श्रन: मुझे पी० डी० खंडेलवाल

शासकर निश्नितम, 1961 (1961 का 43) (विषये इसमें इसमें इसमें प्रशाद (उक्त मिनियम' महा गया हैं), की धारा 269-स में सभीन दक्षण प्रापिकारी की, वह विश्वास करने का सारण है कि स्थापर सम्मत्ति, विस्का उपित कातार मृस्य 1,00,000/- रु. से मिन हैं

श्रीर जिसकी संव दरीयापुर कान्तीपुर सीभ सर्वे नंव 121 एव-1 पैकी एफ पीव है तथा जो नंव 541 पैकी ए सव पीव नंव 4 जमीत 895 वर्ग यार्ड प्लोट में स्थित है (श्रीर इमने उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 4 ज्लाई 1985

का प्रांकित सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से काम के स्वयमान प्रशिक्त के लिए अन्तरित की नहीं है जरि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुनोंकत सम्पत्ति का उचित अन्वर मृत्य उत्तके स्थ्यमान प्रतिक्षत की एवं स्वयमान प्रतिक्षत का प्रमाह प्रतिकृत अधिक है और अंतरक (अंतर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एवं बंतरण के जिए स्थ प्रमा नया प्रतिकृत, निम्निसित उद्देश्य से उन्त बंदरण कि सित्य से स्था स्था स्था मित्रक क्य से की श्री नहीं किया गया है कि

- (क) बन्धरण ते शुर्ष फिसी थान की बान्स्, जनस् समितिस्त्र के सभीन कर दंगे के अस्टरक की धीयरच में कभी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; बीर/या
- (क) एंसी किसी जास या किसी धन या बम्स वास्तियों को, चिन्हीं भारतीय जानकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वार प्रकट महीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने की समुविधा के सिए;

अल: अवं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री गजीबेन हीमत लाल णाह श्रीर शान्तीबेन बनेचंद 45, धनजी स्ट्रीट पिटार मेन्शन बोम्ब-3।

(भ्रन्तरक)

2. धर्मीष्ठाबेत उर्फ धर्मीबेन भरत कुमार णाह श्रीर रतनबेन विक्रम कुमार णाह 17, गीरधर नगर श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह तुषना चारी करुको पूर्वोक्त संपरित के वर्षन के जिए कार्यवाहिया करुता हूं।

इन्द्र सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप अ---

- (क) इस सूचना के रावपण में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी स्पिन्तमों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्षी भाव में समाप्त होती हो, में भीतर धूवीं कर स्पित्तमों में से किसी स्पिन्त बुवाय;
- (क) इस सुबना के राजपण में प्रकाशन की शारीच सैंप 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवव्य किसी बन्द व्यक्ति द्वारा नभाइस्ताक्षरी के बाक् मा निवित में निग्र ना सकेंगे।

स्वच्य अरण ८---इसमें प्रयुक्त बच्चों और वर्षों का, की उपक श्रीपृतियम के ब्रम्याय 20-क में परिभाषित ही, बहु कर्य होगा थी उस कथ्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

दरीयापुर काजीपुर सीम सर्वे नं० 121-ए०-1 पैकी एफ० पी० नं० 541 पैकी एम० पी० नं० 4 जमीन क्षेत्रफल 895 वर्ग यार्ड रिजस्ट्रेंशन नं० 6750/4-7-851

पी० डी० खंडेलवाल्, सक्षम प्राविकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 17-2-1986

मोहरः

प्रस्य नार्वाः टीः एनः एवः व्यवस्थानस्य

नाय्कर नीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) ने अभीन कृषना

THE SPACE

कार्यास्य, सहायक जायकर नायुक्त (निर्मास्त्र)

श्चर्जन रेंज, ग्रह्मदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 17 फरवरी 1986

निर्देश सं ० पी० श्रार० नं० 4049/85-86--श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस जे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- हैं. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संव वाङज स्कीम टीव पीव एसव 28, एफव पीव नंव 718, सर्वे नंव 511 है तथा जो एसव पीव नंव लाट क्षत्रफल 997.39 वर्ग यार्ड में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भीर पूर्ण क्य मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 24~7~1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधित बाबार मूल्य से का के घरमान प्रितंकल के लिए अंतरित को गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरमान प्रतिफल से एसे धरमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिधत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाम ग्या प्रतिफल, निम्निवित उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित के अस्तिक क्या दे का मिना का है स्

- (क) जंतरण से हुई किसी नाय की वानत उक्त निध-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के स्वीयस्थ में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निध् गौर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारकार्थ अन्तिर्देश का विकास अधिनियम, वा किया अपाय प्रकट नहीं किया स्था का किया जाता जाहिए या, कियाने में श्रीका के सिए;

जतः अब्. उस्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुवरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निस्निव्यक्ति स्योक्कियों, संभौत ः—

- श्री जयंतीभाई बालूभाई पारीख श्रीर 4 श्रन्य, टोकलणाकी चोल जमालपुर, श्रहमदाबाद। (अन्तरक)
- श्रीमती णान्ताबन जयतीलाल पटेल ग्रौर 4 ग्रन्य, 18, कृष्ना हाउसिंग सोसायटी, स्टशन रोड़, ग्रानंद, जिला—खेडा।

(भ्रन्तरिती)

को सह बुधना प्राष्ट्री क्युक्ते पृत्रा विक् स्मृतिस्य के नुधन के निष् कार्यनाहियां सुरू करवा हुं ।

बक्त क्षम्परित के वर्षन के संबंध में कार्य भी नाक्षेप हा---

- (क) इस ब्रुवा के राजपत्र में व्कावन की तारीय हैं

 45 दिन की ब्रिवा ना तत्त्वस्त्रभी व्यक्तियों प्र सुषदा की बाबीस से 30 दिन की स्विधि, का औं व्यक्ति वाद में बनान्त होती हो, के भीतर प्रतिकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनाहा;
- (व) इच्चूचना के स्थापन में प्रकायन की तारिश ध 45 दिन के मीतर बक्त स्थापर सम्बद्धि में दिस्बद्धि किसी मन्य व्यक्ति ब्वारा अभोद्द्साक्षरी के रास सिसित में किए जा स्कोंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पृष्टी का, वो उक्त अधिनयम्, के स्थाय 20-क में परिभावित हैं, बहुी नर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

वाडँज सीम टी० पी० एत० 28, एफ० पी० नं० 718, सर्वे नं० 511, एम० पी० नं० 2, खुला प्लाट, प्लीन्थ लेवल साथ कन्स्ट्रक्शन किया हुन्ना क्षेत्रफल 997.39 वर्ग यार्ड रजिस्ट्रशन नं० 7594/24-7-85।

> पी० डी० खडेलवाल मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजे-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 17-2-1986

महोर:

प्रका अहा । हा . एवं . -----

भायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) कार्र भारा 269-भ (1) के वभीन तृथना

भारत बहुकाई

कार्यास्थ, सङ्गानक वायकर वानुकत (चित्रीकाण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमवाबाद

म्रहमदाबाद, दिनाँक 17 फरवरी 1986 निर्देश मं० पी० म्रार० नं० 4050/85→86~-म्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें दक्षणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिस्की संव विविद्या कालपुर वार्ड नंव 3 में सर्वे नंव 2654-एव, 2658, 2659 है स्था जो ग्रीर 2660 पाकोर नाफा में, पंडानी काला राजा से विश्वत है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण क्या से विश्वत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में, रिजस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधोन, नारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को अधित बाजार मूस्य से कब के क्यामान इतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि उथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूस्य, उसके ध्वममान प्रतिफल सं, ऐसे ध्वममान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक अंतरकां) और अंत-क्ति (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय वाया गया इतिफल, निम्निचित, उद्वेषिय से उक्त अंतरण सिचित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) नंदरक से हुए किसी काम की नामत, समय करिय-विस्ता की अधीन कर दोने से अंदरक की खरिल्ड में कभी करने वा उसवे सभने में सुविशा के सिए; बरि/का
- (क) क्ली किसी बाब या किसी धन वा लम्ब आस्तियाँ को जिन्ही भारतीय आवकर सीधीनवज, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ अधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ बंधिरती द्वारत प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना आहिए था, कियान से सुव्या के चित्र;

बंद्धः अब, उन्त अधिनियम की भारा 269-त के बन्दरण में, मैं, उन्नत अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ्—

- श्री रनछंड़िलाल मोहनलाल खराडी, गोल्डन मारके के नजदीक, स्वस्तीक हाई स्कूल के नजदीक पंजानीयाका खोचा, चानकोर, नाका, श्रहमदाबाद। (ग्रान्तरक)
- श्री चुनीलाल गोमाजी मोडी और श्रनोलमाई गोमाजी मोडी, फुवारा, प्रताप टाकीज के नजदोक, अहमदाबाद।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की बनीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्यना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति व्यक्तिमों
- (क) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 किन की मीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में दितनद्ध किता बन्ध व्यक्ति प्रवास संघाहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए का सकेंगे।

स्पन्धीकरण:----इसमें प्रयुक्त गम्बों और पदों का, को उक्त अधि-ृतियम, के सभ्याम 20-क में परिभाषित हैं, कही कर्य होगा जो उस सभ्याम में दिवा क्या है।

Sec.

बिल्डिंग कालुपुर वार्ड नं० 3 में सर्वे नं० 2654-ए०, 2658, 2659 ग्रीर 2660 चानकोर नाका पंजानोचाका, खांचा ग्रहमदाबाद, रजिस्ट्रणन नं० 4581/जुलाई 1985 सब रजिस्ट्रार ग्रहमवाबाद में प्राप्त हुग्रा।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरोक्षण) म्रजंन रेंज∼1, म्रहमदाबाद

तारीख: 17-2-1986

मोहरः

144 476° 23' 474'

अभिकार मिपिनियम, 1961 (1961 हो ४२) की धारा 269-प (1) के बधीन त्यमा

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंत रेज-1, अडमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनौत 17 फरवरी 1986

निर्देश में० पा० पार० त० 4051/85-86---श्रतः मुझे, पी० डो० खंडेलवाल,

यायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें म्सके पत्रवास 'उना लीधनियम' यहा गया ही, ही भारा 269-चू की मधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सध्यति, जिसका उद्यित समार मृज्य 1,00.000/~ फ. से अधिक **है**

ग्रीर जिसकी मं० ग्रनात्वा गामा, ार्वे नं० 516, 652 ग्रीर 519, एफ० पी० नं० 6, ह तथा जं। जनीत क्षेत्रफण 12280 वर्ग यार्ड मोड के नाथ 628.55 वर्ग यार्ड में र्रिश्त है (ग्रीर इससे उपाधक अनुसूर्च। में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यानय, अहमदावाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,1908 (1903 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-1985

को पूर्वेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मुला से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है जीर मुभ्ते यह विश्वास सरते का कारण है। हेब्द अन्यान्त्य र प्रिलायन अभिन्न भाजाए मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमाग प्रतिपाल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकरें) और अन्त-रिती (अन्तरिविधा) के बीच होते अन्तरण की किए तब पाया गया भीतमान निभ्यमिष्टिस अद्योभरे यो उपत अन्खरण निष्ठित में शास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया नया है :---

- (क) मन्तरम सं शुर्भ मिली माथ की सामत समत मिपिनियम के जबीय कर् देने के अन्तरक स बाजित्य में कथी करने या उससे बचने में सुविधा के सिंध, कार/या
- (क) एँमी किसी जाम या धन या अन्य जास्लियाँ का, जिल्हा बारतीय आय-कर साधान-स, १५०३ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा बन-कर बिविनयून, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था का किया जाना चाहिए था. छिपान में हविमा चे बिहु:

अतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की अभूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निश्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात 🖫 —

- 1. श्रो गठ शानन्दजी कल्यानजी, पब्लिक चेरिटबल दुस्ट, दस्टी--श्री चन्द्रकाँतछोटालाल गाँधी श्रौर दो भ्रन्य, दर्शन बंगली, यरीमल रेलवे कोनिंग के नजदोक, एलिएब्रिज, श्रहमदाबाद। (म्रन्तरक)
- 2. श्री लल्लुभाई खुशालभाई मकवाना, ट्रस्टी---बुजपाल बुजपेल्लम।या को० भ्रा० हा० सोतायटी, शठ कल्यानजी, नरोडा, चाल-1, ग्ररविंद झील के ्राममे, नरोडा, भ्रहमाबाद~380025। (भ्रन्तरिती)

का यह बुक्ता कारी कारचे प्तारिक सम्पन्ति ले वर्षन के निष कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कार्य भी बाक्षण :--

- (क) इस स्पनः 🕉 राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन करे ज्विभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की धामाल से 30 दिन की अवधि, जो भी वयी वाद में समान्त होती हो, के श्रीतर वृक्षेत्र ध्योजतयों में से किसी व्यक्ति बुवासह
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 बिन् 🖻 भीतर उक्त स्वावर सम्मात्त में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा भूगोईस्ताक्ष्री के पास रिक्तित भी बिस्य या संयोगी ।

तरक्योधारण:----इत्ती प्रयोक्त पान्यों और पर्योका, को सक्त अभिनियम क अध्याय 20-क में परिभाणिक हैं, वही अर्थ हांगा को उस अध्याय में दिया नामा है ।

वनस्पी

श्रसारवा सीम सर्वे नं० 516, 652 श्रीर 519-एफ०, पी० नं० 6, जमीन क्षेत्रफल 12280 वर्ग यार्ड शेड के साथ 628.55 वर्ग यार्ड, शेठ ग्रानन्दजी कल्यानजी चाली न० में स्थित है श्रर्रविद झील के सामने नरोड़ा. श्रहमदाबाद रजिस्ट्रेशन नं० 7692/22-7-1985।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

सारीख: 17-2-1986

प्रकार बाह्यं हों पुत्र पुत्र पुत्र प्रकारणावास

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) के नभीन सुपना

भारत बरकार

कार्यां तय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्णालक)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 17 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० श्रार० नं० 4052/85-86--श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

क्षायकर निधिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० जी० एफ० पनैट नं० ई-1, बिरजु को० मा० हा० सोसायटी लिमिटेड हैं तथा जो टी० पी० एस० 21, एफ० पी० नं० 51, श्रंबावाडी श्रहमदाबाद में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मित के चित्रत बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रथमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (को जिल्लरण से हुन्दें किसी जाय की बाबत, उक्त जीध-अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के वाजित्य में कभी करणे वा उत्तसे वक्त में सुनिधा के विका
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या नन्य जास्तियाँ -को चिन्हें भारतीय जायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उनत अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा को सिक्ष; वौर/या

कतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बर्धाः निम्नुजिसित व्यक्तियाँ. अर्थात् ६--- श्री दोपकभाई सुमंतलाल शाह, गीता निवास कैलाग सोतायटी, चित्रकूट प्लैट के सामने, श्राश्रम रोड़, ग्रहमदाबाद।

(श्रन्तरक)

 श्री विभिन्नभाई रमनलाल शाह, 3, नवयुग सोनायटी, श्रवावाडी, श्रहमदाबाद।

(श्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी कारते पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्चन के जिल्लार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बरित के वर्षन के संबंध में काई भी बाधरे ए---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन कर्न तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः---इसमें प्रयुक्त सन्दों सौर पदौं का को उक्त सिपिनयम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस सध्याय में दिया क्या हैं।

अगृज्जी

जी एफ एलैंट नं ई-1, बीसु को ग्रा० हा० सोसायटी सिमिटेड, टी० पी० एस० 21, एफ पी० नं० ग्रंबाबाडी, ग्रहमदाबाद रिजस्ट्रेशन नं० 7599/25-7-85 25-7-1985।

> पी० छी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 17-2-1986

मोहर 🖫

प्ररूप बाई दी एन एस .-----

भागवकर अधिनियम, 196.1 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 17 फरवरी 1986

निर्देश मं० पी० आर० नं० 4053/85—86——यतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जी० एफ० पर्नंट नं० ई-2, बीसू को० आ० हा० सं(सायटी लिसिटेड में है तथा जा टी० पी० एस० नं० 21, एफ० पी० नं० 51, श्रेंबावाडी अहमदाबाद में स्थि। है (श्रींथ इसन उपाबद्ध अनुसूची में श्रींथ पूर्ण क्य में वर्णिन है), र्याजस्ट्री त्ती अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 25-7-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए:

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (†) के सधीन, निम्नीकीबत व्यक्तियी, अर्थात् क्र-व

- 1. श्री कैनाणवेल कान्तिलाल शाह, शाह बालाभाई की पुती, गीवा निवास, कैलाण सोसायटी, चित्रकूट पर्लीट के सामने, आश्रम रोड, अहमदाबाद। (अन्यक्त)
- 2. श्री रमनलाल घोलीदास शाह, अष्टमंगल, 3, नव-युग सोसायटी, श्रंबाबाडी, अहमदाबाद। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन् सुची

जो० एफ० फ्लैंट नं० ई-2, बिसू को० आ० हा० मोसायटी लिमिटेड में टो० पो० एस० 21, एफ० पी० नं० 51, श्रंबावाडी अहमदाबाद, रिजस्ट्रेशन नं० 7600/25-7-1985।

> पी० डी० खंडेचयाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-1, अहमदाबाद

तारीख : 17-2-1986

मोहर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

नाएत भरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनां उ. 17 फरवरी 1986

तिदेश मं० पी० आए० नं० 4054/85-86--अन: मुझे पी० डी० खंडेलवान,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर िसकी सं० छंडायड सीम ए० पी० सी०-3 एफ पी० 559/4-बी० जमीन क्षेत्रफल है, नथा जो 813 वर्ग मीटर, कन्स्ट्रक्शन प्लीन्थ तक संग्रीना स्टोर नजदोक अहमदाबाद में स्थित है (भौर इसा उनाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण का से विधित है) रिजिन्द्री जो अधिकारी के कार्यात्य, अहमजबाद में, रिजिन्द्री रुण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 11-7-1985

कार पूर्वोक्त संपरित के उच्चित बायार गुष्य में बया जो इक्यमान प्रितिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विदेवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इक्यमान प्रतिफल सो, एसे इक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह शितवात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देव्य से उक्त अंतरण लिखित में का विकार है किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बावत शब्द अधिनियम के अभीन कार बोने के अन्तरक में दायिता में कभी कारने या उसमें दानने में सहिनक को त्रिप्ट, और/मा
- (क्ष) एसी किसी अप या किसी धन या अन्य अस्तिवां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या अस-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया 'का चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

१८ अब, उथत अधिनिधम की पारा 269-त के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की पारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मितिसित व्यक्तियों, अभीन क्र-

ा. श्रा चान्त्र भारतार्थ भटेन, प्रमोटण-प्रयोजह, प्रमु भन्दर्ग साक्षाच्या, प्रायम भार्क, साक्षायटी∫् जीक्षपुर टेन्स्स, अहमरायाद्या

(अन्तरक)

2. शीमती ाति बहै। विश्मभरदयाल गुणा, जियरमैन्र€ साती आर्टमेटस आनर्स एमोसियेणन, परसोत्तम सगर, तथा बाडज, अहमदाबाद।

(अन्तरितो)

को यह सुचना जारी करके पूर्वाकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए काम्याहिया करता हु ।

उपल संपत्ति के अर्जन के संबंध के कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क्षे 45 दिन पत अनिध था सत्सम्बन्धी त्यांक्तर्या पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त अधित्तमों भी ये किसी व्यक्ति ब्रवारतः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की सारीखर्म्स 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबब्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पूर्क निखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण : इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदा का, वो उक्क निधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, यही अर्थ है कि को एस अध्याय में दिया गया हैं:

मवसर्वी

छंडायड सीम ए० पी० एस० नं० 3, एफ० पी० नं० 559/4-बी० जमीन क्षेत्रफण 813 वर्ग मीटर प्लीन्थ लेका १३ जन्द्रक्षण क्रिया हुना संग्रीता स्टीर के नजदीह्र वी/एक० टाउन होली एलिसज़िल, अह्पदाव(द, रिजिस्ट्रेशभ नं० 7365/11-7-19853

्षी० डी० खडेनुझा**कः** सक्षम प्राधिकारी हिल्ला आलकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रोज−1, अहमदाबाद,

नारीख: 17-2-1984

प्ररूप कार्ड, टी. एन, एस 🗀 🗝 🖘

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आधुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 19 फरवरी 1986

निदेण सं० पी० आर० नं० 4056/85-86--अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० बंगला नं० 80-वी०, स्वस्तीय को० ओ० हा० सोसायटी में है शथा जो भवरगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर इसने उनाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 9-7-1985

को पृणाँकर सम्पत्ति को उचित बाजार शृष्य ते कम को बहबबान प्रतिफल को लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गृष्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अम्तरिती (अंतरितियाँ) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निश्निसितित उच्च स्य से उच्च अन्तरण निचित्त को बास्तविक रूप से कांधित नहीं किया वया है अ—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी काव की वावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कभी करने या उससे वचने में सृविधा के निष्; बीद/वा
- (क्) एमी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय भाग-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा थे लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अभीन. निम्निचित अयिकतयों, अर्थात् ८—16 —26 GI/86

1. श्री रिविन्द्र ऐच० मेहता, धीए श्री गहेश एप० मेहता, 5-सी०, एस० एच० परितकर मार्ग, शिवाजी पार्क, दादर वेस्ट, बम्बई-28।

(अन्तरक)

 श्री महेश बी० घटेल, 11, नरसिंहनगर सोसायटी, नारतपुरा, अहमदाबाद-13।

(अन्तरिती)

की यह भूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

सक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपंत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिथ या तत्सम्बन्धी व्यवित्रणों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अपिथ, भी भी विविध वाद में समाप्त होती औ, के शीतर पूर्विक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गाति मों जित्रब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त मों किए वा सकोंगे।

स्याधिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उक्स अधिनियम के शध्याय 20-के में परिशाधित है वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में विद्या गमा है।

श्रनुसूची

बंगला नं० 80-बी०, स्वस्ती ं को० आ० हा० सी० सोसायटी में नवरंगपुरा, अहमदाबाद रिल्ट्रियन नं० 4156/ 9-7-1985।

> पी० डी० खंडेनवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) दर्जन रोम-1, जहमदाबाद

तारीख: 19-2-1986

प्ररूप बाहाँ ही एन एस . -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-म (1) से अभीत तुमना

भारत सरकार

कार्यास्य, बहायक भायकर आयुक्त (निज्ञीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 27 फरवरी 1986

निदेण सं० पी० आ४० नं० 4057/85-86--अतः मुझें, पी० डी० खठडेलवाल,

नावकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पण्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं सी० एस० नं 1, जी-4, श्रीकेशन को० अा० हा० अर्राटमेंट है तथा जो सोसायटो लिमिटेड 115, ब्लाक्स जामपुरी एस्टेट जामनगर में स्थित हैं (प्रौर इसने उनाबद्ध अनुभूची में प्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिन्ट्रो जी अधिकारी के कार्यानय, जामजगर में, रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निसिवित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं कया गया है अ

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्व में कभी करने वा उसने वचने में सुविधा दायित्व के निष्; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय जायन्त-कर जिमिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधन से किए:

अतः अव, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग से अन्सरज वों, मीं, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) दे अधीरा. निम्निसिस्त का किस्मित हैं— मैं० ग्रम्बा विजय प्राईवेट लिमिटेड, प्लेस रोड़, सामस लोज, जामनगर।

(अन्तरक)

2. श्री केतन अपार्टमेंट को० आ० हा० सोसायटी, लिमिटेड, जामनगर, के०/आ० श्री एम० बी० वारीया, एडवोकेट, रतनबाई मस्जिद के नजदीक जामनगर।

(अन्तरिसी)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ध---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच वे 4-5 दिन की अविधि या तत्सच्चन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वक्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, वभोह्स्ताक्षरी के पास सिहित में किए जा सकेंचे।

स्वाकरणः इसमें प्रयुक्त सम्बं और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विमा गया ही।

वस्स्वी

श्री केतन अपार्टमेंट को० आ० हा० सोसायटी लिमिटेंड खुला प्लाट जामपुरी एस्टेट में सी० एन० नं० 1-जी०-4 मोटर हाउस, लौ सेस्टर इाउस, मानचेस्टर हाउस, श्रीर बेगमीन्टल हाउस, 115 बनाम्स, जामनगर।

पी० डी० खंडेलवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 27-2-1986 मोहर: त्र्रूष **वार्ष** .टी. एन . एस . -----

बावकर बिंभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक मायकर नायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमवाबाद, दिनौंक 27 फरवरी 1986

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 4058/85-86--श्रतः मुध्के, पी० डी० खंडलवाल,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/~ रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० श्री पारस श्रपार्टमेंट को० श्रा० हा० सो० लिमिटड, जामनगर है तथा जो जामपुरो एस्टट, जामनगर में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रोक्ती श्रिधिकारों के कार्यालय, जामनगर में, रिजिस्ट्रोक्तण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 22-7~1985

को पूर्वित्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान श्रीतफास के सिए अन्त्रित की गई है और मुद्धे यह विश्वास का रवे का कारण है कि यथापृत्तींक्त संपरित का उपित बाजार मूक्य इसके इत्यमान प्रतिकत है, एखे इत्यमान प्रतिकत का पत्त्वह श्रीतश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण सिश्चित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अभ्वरण से हुई किसी बाद की, अवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क्रे दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सूविधा के बिप्; क्रॉर/पा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों बिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा भी सिए;

जतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अर्थान, ेन्स्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

 मै० भ्रंवा विजय प्राईवेट लिमिटड, पैलेस रोड़, ससेक्स लोज, जामनगर।

(ग्रन्तरक)

2. श्री पारस श्रपार्टमेंट को० ग्रा० हा० सोनायटी लिमिट इ, जामपुरो एस्टट, जामनगर, के०,ग्रो० श्री एम० बो० वारोया, एइवोकेट, रतनबाई मस्जिद के नजदीक, जामनगर।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतृर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्च से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितल्द्रथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है :

अमुसूची

श्री पारत ग्रार्टमेंट को० ग्रा० हा० मोतायटी लिमिटड, खुला जमीत क्षत्रफल 10800 वर्ग मीटर जामपुरी एस्टट में स्थित है सी० एस० नं० 1~जी-4, प्लाट नं० 7, ग्रौर 10, जामनगर रिजस्ट्रणन नं० 2139,22-7~1985।

पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीखं! 27-2-1986 मोहरः प्रकार साहें हु हो हु पुरात पुरात व व व व

लाबकर जीर्गनियम, 1961 (1961 का 43) नहीं शहा 269-व (1) को बनीन सूचना

BING TABLE

कार्यालय, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज~1, श्रहमवाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 27 फरवरी 1986

निवेश सं० पी० श्रार० नं० 4059,85-86--श्रतः **मुझ,** पी० डी० खंडेनवाल,

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परभात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाड़ा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्माय करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित नाचार मूस्य 1,00,000/- रा. से संधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० मिल्कत रेलने स्टेशन के नजदीक गाँव बाल व जिला जामनगर है तथा जो मकान जमीन के साथ में स्थित है (ग्रीर इतन जाबिद्ध अनुसूचों में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, जामनगर में, रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 12-7-1985

को बूर्वोवस सम्पक्ति को समित बाजार मृस्य से कम के रहसमान प्रतिफल के लिए अंतरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि मधापुनों कर संपर्तित का उपित नाजार मूल्य, उसके जयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिहर से अधिक हैं हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितियत उस्थेश्य से उन्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से क्षिष्ठ नहीं किया गया है ध---

- (क) सन्तरण ते हुन् जिल्ली साम कर्त कावता सक्त सिंपनियम के संभीन कर योगे के बन्तरक से वादित्य में कमी कड़ने या उत्तरी बजने में श्रीतथा के हैसप् शॉर/था
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या क्या नास्त्रमां कां, जिस्हें भारतीय आय-कर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर निर्धानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-मार्थ नन्सरिती हवाय प्रकट नहीं किया क्या का किया जाता चाहिए ना क्याचे के खिला के खिला.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) अधीन, निम्नितिबत व्यक्तियों अर्थात् अन्त मै० सौराष्ट्र आइल इण्डस्ट्रोज, प्रो०~-प्रो० गारवा सास एण्ड कम्पनी, भागीदार---श्री बाबुलाल गोरधनदास वडरा, पोरबंदर।

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती श्रतसुषाबन प्रवीतचन्द्र ठाकर, प्रो०--किरन प्रकाशन, 4, पटल, कालोनो जामनगर। (श्रन्तरिती)

को बहु सुचना बाटी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षत्र के लिए कार्यवाहियां क्रुक करता हूं।

उक्त सम्पृतित् के कर्जन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप प्र---

- (क) इब स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीं हैं

 45 दिन की जनभि मा तत्सड़बन्धी स्थित्सयों वर
 स्वान की तामील से 30 दिन को कर्लेभ, जो भी
 अनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसाए;
- (च) इस त्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीए वं 45 किन के शीक्षर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित्त क्ष्म किसी अन्य स्थापित द्याश मभाहरताक्षरी के पास सिवित में किए वा ककोंने।

स्थानिकरण --- हसमें प्रमुक्त खब्दों और पदों का, हो उक्त अधिनिक्य के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, यहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गवा हैं।

वगुसूची

मकान रेलवे स्टणन के नजदोक गाँध-बालवा तालुका-जामजोधपुर जिला, जामनगर रजिस्ट्रेशन नं० 783₁ 12-7-1985 S

> पी० डी० खंडलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 27-2-1986

मोहर।

प्रकृत शाह^र. टी. एवं_छ एवं_छ क्लान्स

भायकर भीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

मरित संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

मर्जन रेंज-1, **म**हमवाबाद

महमदाबाद, विनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० घार० नं० 4060_/85-86---- प्रतः मुझे, पी० डी० खंड लवाल,

गामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विभिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार भृष्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० बिल्डिंग शैया में सर्वे नं० 91, एफ० पी० नं० 130-बी०, हैं तथा जो सौराष्ट्र कलाकेन्द्र सोन्नायटी, राजकोट में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, राजकोट में, रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 16~7-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रममान रितफल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षममान प्रतिकत्त से, एसे क्षममान प्रतिकत स्म पंद्रह प्रतियात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंदि रितियों) के बीच एसे बंदिएच के विष्यु तब पावा न्या प्रति-क्ष्म (क्षमाविधिय क्षम्योत्व से क्षम क्षमार्थ विक्षित के बाक्य क्षमा

- (क) न्यहण से हुई कियाँ बाय की वायत । हक्त कृषिनियम को अधीन कर दोने को जन्तरक को वाजित्व में कभी कहने वा चलते बुझने में पुरिष्, के सिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा छवछ अधिनियम, का धनकर वीधिनियम, का धनकर वीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्धरिती वृवारा प्रकट नहीं किया ज्या था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने से बुविधा है तिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अक्तूरण हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीत, निमासिखित व्यक्तियों, अधीत हरू 1. श्री भरतकुमार मगनलाल, पोस्ट, भाटिया, जिला जामनगर ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती चन्द्रकलायत रिसकलाल मेहता, रघुवीर पाकं, 21, भील यण, राजकोट।

(भन्तरिती)

तारे का कृतना आहाँ करने पूर्वोक्त स्वाहित में मुर्चन ते जिल् कार्यवाहियां सूक करता हुं ।।

वस्त क्षम्पीत्व के वर्षय में बम्बस्य वें कोई भी बाक्षेप्र--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीरार पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस तुमान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीवर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए वा सकती।

अनुमूची

विल्डिंग रैया में सर्वे ने० 91, एक० पी० नं० 130-बी०, सौराष्ट्र कलाकेन्द्र सीतायटी राजकोट (गुजरात), रजिस्ट्रेशन नं० 5059/16-7-19855

> पी० डी० खंडलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ऋायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

धाराकार विभिनियम म 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) की अभीन सुचना

भारत जन्मात

कार्यासय, बहायक बायकर वायुक्त (श्रिक्तिक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनौंक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० ग्रार० नं० 4061/85-86--ग्रतः मुझे, पी० डी० खंडलवान,

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे एककें स्थाप परिवाद स्थित स्थाप स्थाप कहा जना हैं), की जारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचिता भाजार मृत्य ;,00,000/-रा. संविधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 2204-बी०, मकान क्षेत्रफल 978 वर्ग मीटर, जैमीन 1078 वर्ग मीटर, है तथा जो बार्ड नं० 7, णाट नं० 304, सर्वे नं० 2844-बी०, किणन-नगर, भावनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूनं। में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भावनगर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधोन, तारीख 9-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अताराध्या) द वाच एस बसरम सं विश्व तम नामा गया शीवन का, निम्मिक्तिस सहस्रोत से देवन सन्तर्भ निश्च में बाइचीडिक

- (क) मन्तरण वं हुई कियो मान की वावत्र जनत प्रश्निवयर को बजीन कह बंधे की बन्तरक को करित्य में क्यी कहने या बबब्र बचने में सुनिक्ष की लाह खड़िया
- (व) एसी किसी शास या किसी वन वा सम्य स्वतिकारों को विनह भारतीय सामकार सिर्धितयस, 1922 (1922 का 11) या अनत सिर्धितयस, 1922 का 11) या अनत सिर्धितयस, या क्य-अर्थ सिर्धितयस, या क्य-अर्थ सिर्धितयस, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ जन्ति रिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या सिर्धित साना साहिए वा, जियाने में सुविधा से क्या

अंतः अव, जनत विभिन्नम की भारा 269-ग के अंगुनस्य तो, ता, तत्रत अभिनित्रम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के वभीना, निकालिश्चिक व्यक्तिस्थाल अभिनित्र कान्य

- 1. श्रीमती विनोदिनी वी० मेहता, प्लाट न'० 2204− ए०, "यात्रिक", वाघवाडी रोड़, भावनगरऽ (श्रन्तरक)
- 2. डा॰ श्रार॰ श्रार॰ वोराडिना, "बटिश बिल्डिग" चन्द्रभुवन के नजदोक, किश्न नगर, भाषनगर। (श्रन्तरिती)

का यह बुचना बारी करके पुर्वोक्त सम्बद्धिः के वर्षन की धिए कार्यनाहियां करता हो।

क्षमह बन्नीय के बर्यन के संबंध में कोई भी नार्यय 🚈

- (क) इस चूचना के राजपण भें प्रकाशन की हारीच शें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर भूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और व्यक्ति वाद में बनाया होती हो, के जीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों भें से किसी व्यक्तित दुवारा;
- (क) इस बुकना में राजनक में अन्यादन की बारीय में 45 दिन के शीसर उज्जल स्थादर संपरित में हितबब्ध निजी बन्द स्थापित ब्वास संशोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकति।

रक्किकरणः ----श्रतमें प्रयुक्त सन्दों और वसों का, जो सकत अभिनियम, को अभ्याय 20-क में वरिशाधिक है, यही कर्थ होगा औ उस्त अध्याय में क्या वसा है।

वनुसूत्री

ण्याद तं 2204-डो . िं ा तेत्रकल 978 वर्ग मीटर प्रौर जोत क्षेत्रकत 1078 वर्ग मोडर वार्ड नं \sim 7, मीट नं \sim 304, तर्वे नं \sim 2844-बी \sim कियन नगर, भाव-नगर, रजिस्ट्रेशन नं \sim 2130/9-7-1985 \sim

पी० डी० खंडेलवास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंजे-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

मोहरः

प्ररूप बार्षं, दर्गं, एन. एसं.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

नार्यात्त्व, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० आए० नं० 4062/85--86----अत मुझे पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपरचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 26%-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूच्य 100.090/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जमीन श्रीप मरान विष्म गगप में डेरी रोड़, है सथा जो ज्याट न० 685, भावनगर में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप में विणत है), पिस्ट्रीनर्सा अधिनारी के नामन्य, भावनगर में, रिजस्ट्रीनर्रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-7-1985।

को पुर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वार करने का कारण है कि प्रधापतींकत सम्पत्ति का उचित बाजार स्रूच्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पावा गथा प्रतिफल, निम्निजिखित उद्योदय से उक्त अन्तरण जिलित में वास्तिबक क्या से कथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की गवत, सक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविभा के सिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनंकर अधिनियम, या धनंकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

जल जब, उकत जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, सकत अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) देशकीय निम्नलिखित, व्यक्तियों, अर्थात् क्र-- 1. श्री जमभादास विभवनदास सोती, सागर भिवास वकट्ट सोसायटी के नजदीक, सुभाष नगर, भाव-नगर।

(अन्तर्क)

2 श्री वी० एन० अनोवाडिया, सत्ताम को० आ० हा० सोसायटी लिमिटेड, प्लाट नं० 685, डेरी रोड़, भावनगर।

(अन्तरिती)

को ग्रह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं खें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकोंगे।

स्यच्दीकरणः----इसमें प्रयुक्त भन्दों और पदों का, वो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्की

जमीत और मकान किया नगर में डेरी रोड़, प्याट नं 685, क्षेत्रफल 959.45 वर्ग मीटर थाँर मकान क्षेत्रफल जी० एफ० थाँर एफ० एफ० 141.26 वर्ग मीटर रजिस्ट्रे-गन नं० 2295/26-7-1985।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयाहर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

सारीख: 28-2-1986

प्रस्त् आहे. टी ु पुरुष पुरुष वारामानाता

नाधकर मधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन स्वा

TIME THE

शार्यात्रयः, सङ्गवनः वायकः अन्यन्तः (निर्द्यक्तेनः)

अर्जंन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986 निदेश सं० पी० आर० नं० 4063/85-86-अतः मुझें, पी० डी० खंडेलवाल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269- व के सधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर संवरित विसका उचित वाबार जूल्ब 1.00.000/-रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० बिल्डिंग भीलवाड़ा चौक में कियन नगर, सी० एस० बार्ड नं० 5 हैं तथा जो मीट नं० 111, सनद नं० 4568 में स्थित हैं (प्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुनी में प्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीवर्ता अधिवारी के कार्यालय, भावनगर में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-7-1985

का पूर्वोक्त सम्मित्त के विकन वाकार भूका के काम के सम्मान प्रतिकास के लिए जन्तरित का नक्षे हैं और मुख्ये यह विकास करने का कारण ही कि स्थापुर्वोक्त कम्मित का स्थित वाकाछ भूका, उसके सम्मान प्रतिकास से, एके स्थमान प्रतिकास का उन्ह्रह प्रतिक्त से अधिक है और संतरक (बंदुडकों) और संतरिती (संतरितियों) के बीच एके बंदरन के निस् श्रम पाना क्वा प्रति-का निम्मितिका स्वाप्तिक से स्था क्वाइन कि क्वा में वाक्तिवास कम से किंचत नहीं किया क्वा है क्ष्म

- (क), नजरण से हुई कियों बाद की बादध कार वरि-नियम भी बचीन कर दोने में नजरूक में शामित में कमी करने ना बन्दों बुजने में सुनिधा में निए; मोडि/ना
- (य) एंसी किसी बाब वा किसी धन या धन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोगनार्थ धन्तरियी क्याय प्रका वहीं किया नया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में विभिधा से सिक्द;

जताः जवा, उनत अभिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, म⁵, उनत अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निकासिक्ति व्यक्तियों, अकात् ध—⊸ श्री पद्मावती मनीलाल मेहता श्रीर 2 अन्य, मुखस्यार—श्री मनीलाल जीवराजभाई मेहता, रूम नं० 34, अमराईवाडी, सी० पी० टांक रोड़, बम्बई-400004।

(अन्तरक)

 श्रीमती इलुबाबेन हयातभाई कुरेशी, बडवा सिदीवाड, भावनगर।

(बन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

वक्त सम्पत्ति के क्षर्यन के बच्चन्थ में कीई भी वाक्षेप:----

- (क) इस स्वता के सक्यम में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि वा तत्त्वकाश्मी व्यक्तियों पर स्वता की तानीम से 30 दिन की जनिय, जो भी अवधि वाच में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकत व्यक्तियों में से किसी अयक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब हैं

 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपृत्ति में हितनबद्ध किसी अन्य अयक्ति वृद्यारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास निवित्त में किए वा सकन्ते।

स्थाधीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, वर्ष स्थल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वर्षा हीं

मकान भीलवाडा चौक में किश्म नगर सी० ऐंस० वार्ड नं० 5, शीट नं० 111, सनद नं० 4568, भावनगर रजिस्ट्रेशन नं० 2223/16-7-1985।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देण मं० पी० आर० नं० 4064/85-86—यन: मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा २69-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी संव आफिए फर्स्ट फ्लोर पर उषाकिरत अपार्ट-मेंट में हैं तथा जो डाव याजिक रोड, राजकोट में स्थित हैं (ग्रीर इसने उनाबद्ध अनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, शारीख 1-7-85 से 15-7-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके स्वयमान प्रतिफल के, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में अधित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--17---26 GI/86

 श्री नाथालाल मूतजीभाई बलानिया, ज्यंति गेस्ट हाउम, कन्क रोड, राजकोट।

(अब्रनिंग्ती)

 श्री थिरमृभाई मृतजीभाई कलानिया, 17—सी, उपालिक आर्टमेंट, सरदारनगर श्रीर साजिक रोड राजकोट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित**बव्ध** किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो खक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आफिस तं० 17-ती, फार्ट फ्लार रूर उपाकिस्स अपार्टमेंट में **स**रदारभगर श्रीष याजिक रोड, राजकोट।

पी० डी० खंडेलवाल

स्अम प्राधिकारी

सहायक आयण्य आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेल--, अहमदाबाद

ना**रीख:** 28-2-1986

मंहर:

श्रक्त बाइं.ंदी. एव. एव. ल----

भायकर मिभिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचमा

भारत सरकाड

कार्याभव, सहायक बावकर बावक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनाँ र 28 फण्यरी 1986 निर्देश सं० पी० आर० नं० 4065/85—86——यतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इबके पश्चात जिसते मिनियम कहा गया ही, की बारा 269-च के मधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित नावार मूल्य 1,00,000/~ रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी संव सर्वे नंव 454/1--2, एमव पीव नंव 2, सी विलिंडग, किण्या नगर में है तथा जो नताबड रोड, राधकोट में स्थित है (श्रीप इस (उपाबद अनुसूची में स्रीर पूर्ण का में वर्णित है), रिजस्ट्रीणती अधिकारी के जायित्य, राजकोट में, रिजस्ट्रीजरण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-7-1985

को पूर्वोक्स सम्मिति को उकित बाजार मूल्य से कम के वस्यमान प्रतिकास के लिए अन्वरित की गई है और मुक्ते यह विस्थास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्स सम्मित का उकित बाजार भूक्य, उसके क्रयमान प्रतिकल से, एसे क्रयमान प्रतिकल के क्ल्ब्ड् प्रतिकत से अधिक है और अंसरक (अंसरकों) और अंसरिती (अंतरितियों) के बीच एने अस्तरण के लिए इब बाबा गवा प्रतिक क्रम निम्नीनिक्त उद्शेष्य में उक्त अस्तरण निवित में बास्तिक क्रम से क्रियत नहीं किया गया है :----

- (क) नंतरण सं हुई किती साम की बावत, उपत विश्वतिस्य के अभीत कर दोने के अन्सरक के वासित्य में अपी करने या उससे सपने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (ज) एती किसी बान वा किसी भन वा बन्य वास्तियों को चिन्हों भारतीय नायकर विभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नयम, वा भन-कर अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अभोजनार्थ अन्तरियों स्वार्ध प्रकट नहीं किया नवा था वा किया नावा वाहिए था, कियाने में सुविधा है जिए।

कता त्रका जिला जीपीनयम की भारा 269-स के अन्सरण ब्री, सी, उक्त अधिनियम की भारा 289-स की उपधारा (३) से सुधीन, सिस्ट्रीकवित क्यक्तियों, अभीतु १५ म (1) श्री प्रमनोक्ताल छगालाल पटेल, की निगर गोमायटी, 2-मी, क्लाबड योड, राजकोट (गजरात)।

(अन्तरक)

(2) मेसर्प सायोता कार्पोरेणात, भागीदार—श्री घनण्याम-भाई त्रंबकलाल पार्रीख और 6 अन्य, गोडल रोड, राजकोट।

(अन्तरिती)

को बहु सुवना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के निष्

उन्त् कमारिए के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस त्याना को राधपण में अकाषण की ठारीचा से 45 दिन की नगीं मा उत्संबंधी व्यक्तियों पर कृषना की दामीस से 30 दिन भी संपर्धि, को बी अविध नाट में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोचस व्यक्तियों में तो निस्ती व्यक्ति पूरारा;
- (क) इस सूचना के राष्प्रक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-श्चिती जन्म स्थावत इंवारा जभोइस्ताशरी के वास सिवित में किए वा सकीचे।

स्थळतेकरणः — इसमें प्रयुक्त बन्धों बरि पर्वो का, वा उक्क बर्मिशयम, के ब्रंथ्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा को उस ध्रव्याय में दिया गया है ।

मन्त्रची

विल्डिंग कीर्तिनगर सोस्पयटी में क्लावंड रोड. राजकोट, सर्वे नं० 454/1-2, एस० पी० नं० 2-सी, रजिस्ट्रेगन नं० 5137/85, दिनांक 18-7-1985।

पी० डी० खाडेंलवाल सक्ष्म प्राधिकारी (सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊸I, अहमदाबाद

नारीख: 28-2-1986

प्रकार बार्र , ही. एवं. एवं . नारनारना

नायकर मीधीनवम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-वः(1) के भवीन सूचवा

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षक)

अर्जात रेंज-1, अहमदाबाद

अहमराबाद, दिगार 28 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० आए० नं० 40.53/85-85---आः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल.

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परवात 'उन्स विभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के वभीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, विश्वका अभित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से विभिक्त है

स्रोर जिसकी सं ावेल्डिंग पार्ड नं 6 में शीट नं 290 स्में ता 3158-यो पैकी प्याद है तथा जो ता 1904-एं. आताभाई चीड़ पर, भावतार में स्थि। है (स्मीर इसो उत्तबद्ध अनुसूची में स्मीर पूर्ण का से विशेष है), प्रतिप्ट्रीकर्ता स्मानाहरी के कार्यालय, भावतार में एजिस्ट्रीकरण अधिभियम, 1908 (1908 हा 16) दें अधीन, शारीख 12-7-1985

को प्रॉक्ट संपण्टि के उपित वाकार भूग्य है कम के अवचान प्रक्रिका के निए जन्तरित की मई है बोर मुझे वह विस्वाध करने का कारण है कि प्रभाप्योंक स्वस्पत्ति का जीवत बाबार मूक्त उसके अवनाम प्रतिकास से, एसे अवचान प्रतिकाल का समझ प्रतिकास से अधिक है और अंसरक (मन्दरकाँ) और अन्तरिती (मन्दरितीयों) के बीध एसे मन्दरण के जिए कम प्रमा बना मृतिकास निम्मितियां उन्हर्यका ने स्वस्त बंदरण विद्या को समझ विकास के समझ की स्वस्त विद्या कर से कारण सुनिकार के समझ की समझ की

- (क) अन्तरण से हुन्दे किसी आस् की जान्त , उनस् अधिनियम की अभीन कर दोने के अन्तरक की शाक्त में कभी करने या उससे अपने में सुनिया भी लिए: शॉह/या
- (थ) एंती किसी अध या किसी भन वा अन्य वास्तियों को, विन्हें भारतीय आवक्त विवित्यन, 1922 (1922 का 11) या उच्च विवित्यन, या भननार अधिरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रस्कार्य अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बना था था किया क्षा पाहिस् भा विवास में सुविद्या में सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, की, अक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, मिस्नलिखित स्पिक्तयों, अर्थातः :--- श्रोनती जां तर्गारि एर्तालाल पटेल, याँ १ श्रीमती शास्ता गाँरी नारतदाल पटेल, प्लाट नं० 16, म्यूतिसियल आरोग्य सोमायटी, सरदारनगर, भावनगर।

(अन्तरका)

2. श्री वालजीमाई नारनमाई पटेल, प्याट नं 1904~ ए०, अताभाई रोड़, भावनगर।

(अन्तरिर्ता)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्चन के लिए कार्ववाहियां सुक करका हो।

बन्द बन्दरित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आयोद अ---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की साबीख से 30 दिन की बर्बाण, को बी वर्बीण बाथ में काएत होती हो, के भीतर पूर्वों बस व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) वृक्ष स्था के राज्यक में प्रकाशन की सार्धि सं 45 वित्र के बीठर उपन स्थावर सम्य ते में हित-वृक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधा स्टासरी के नाम निविद्य में किए वा स्वीधे।

स्वयास्य रणः - इसमें प्रयुक्त सम्बंधित पर्वा का अस्व सम्बंधितयमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, सही वर्ष होंगा सो साम अध्याय भें जिला गया है।

समाम भी

बिल्डिंग, कार्व नं० 6 में शीट नं० 290, बर्ब नं० 3158-बी॰, पीको प्राट नं० 1904-ए०, आगाभाई रोंड़ं, भावनगर।

> पी० डी० खंडेलवाल मक्षम प्राधिकारी महाका आपकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहम बाबाद

सारीख: 28-2-1986

भारत सरकार

कार्थालय . सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्त)

अर्जीन रेज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986 निदेश सं० पी० आ४० नं० 1067/85-86--अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल.

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतने इसके प्रकार 'उक्त निधिनियम' कहा गवा है), की भारा 269-ख के निधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मुख्य 1,00,000/- फ. से निधक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन क्षेत्रफल 885.42 वर्ग मीटर गोंडल रोड़ पर है ाथा जो नोर्थ सारंड मालवीया नगर की राजकोट में स्थित है (श्रीर इलये उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जार्यालय, राजकोट में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 6-7-1985

को प्राेक्त संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के बस्तमान प्रतिफल के लिए अन्तरित ही गई है और मुख्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्राेक्त सस्पति का उचित बाजार मृत्य, उसके बस्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित हों बास्तविक रूप से क्रिकत नहीं पाया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी क्ष्म या अन्य आस्तियों की, जिल्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया या था या किया जाना चाहिए था, डिज्याने से ब्रिया की किया की किया

नत: तव, उन्त निभिनियम की भारा 269-ग ने नमुक्र क भी, मी, उन्त निभिनियम की भारा 269-व की उपभारत (1) के नभीन, निम्नीलियत व्यक्तिस्तों, त्रवीत :---- (अस्त्रकः)

2. श्री महेश कुमार खुशाल चन्द्र मालवीया, महावीर अपार्टमेंट, मोरी टाकीज के नजदीक, राजकोट। (अन्तरिती)

को सह स्थान बारी करके प्वांक्त सम्पत्ति के वर्षण को निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्मत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इब सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश में 45 दिए की जनिभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की जनिभ, जो भी जनिभ बाद में सनाप्त होती हो, से भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवहुंश किसी कम्य व्यक्ति इताय, नभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंगे।

स्माब्दीकरण: -- ५ समें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, वो सक्त विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन क्षेत्रफल 885.42 बगट्ट मीटर गोंडल रोड़ पर नोर्थ सारंड मालबीया नगर की राजकोट, रिकस्ट्रेशन नंब 4755 श्रीर 4756/6-7-1985।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

नारीख: 28-2-1986

प्ररूपः नाहाँ हो। एनः एवः नन-नन

भाषकर निभिन्यन, 1961 (15ज् का 43) की चाड़ा 269-च (1) में मधीन स्चना

मारत संद्रकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनापः 18 फप्तरी 1986

निदेश सं० पी० आ४० नं० 4068/85-86--अत मुझे पी० डी० खंडेलवाल,

भागकार की धनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रसक्ते पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा १69-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीप जिसकी मं० डब्ल्यू० डब्ल्यू० 8, फ्लैंट प्रमलिंडय अतर्टमेंट में एफ० पी० नं० 368-सी०-1, है तथा जी नवरंगपुरा, अहमदाबाद में स्थित है (श्रीप इसमें उपाबद्ध अनुभुवी में श्रीर पूर्ण चप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिक्तरी के जार्यालय, अहमदाबाद में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1903 (1908 का 16) के अश्रीय, नारीख 2-7-1985

को प्वाकत रूपित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक्ष कप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई किसी शाय की बाबस, जक्त अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के पायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) अन्तरक से हुइ किसी आय की बाबस, उक्स की, जिन्हें भारतीय विकास सिमियम, 1922 1929 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवासनात अन्तर सो देशारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः वस्त, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) क अधीन, जिस्मीलिखित व्यक्तियों, स्थिति हिन्स श्री अनीत जसवंत्रभाह लाल णाह, 6-1, श्रीजीवाग फ्लैट, नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरक)

 श्रीमती हंसाबेन शातिलाल शाह,डब्ल्यू० डब्ल्यू० 8, फमलदीय अपार्टमेंट, नवरगपुरा, अहमदाबाद-9। (अन्तरिती)

की यह सृचना जारी करके पृश्लेंबत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों भो भी कविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकरा के पास निवित में किए जा सकेंगे।

न्यक्टीकरणः----इसमा प्रयुक्त शब्दां और पदां का, जा सक्त अधिनियम के अध्याय 20-कं मी परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा और अध्यार में दिया गया है।

अनुसुची

एफ० पी० नं० 386-मी०--1, डब्ल्यू० डब्ल्यू० 8, कमनदीय अपार्टमेंट, पक्ष्मरंगपुरा, अहमदाबाद।

> र्णा० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

नारीख: 18-2-1986

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) को अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेजि-1, अहमदाबाद **श्रह**मदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश स० पी० आर० न० 4069/85-86--आ मुझे, पी० डी० खंडेनवाल,

बाग्कर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) विसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अर्गर जिसकी मं० वार्ड सर्वे नं० 19/1/2 और 20/1/2 एफ़ पी० नं० 38 टी० पी० एस० है तथा जो 15 वीलिंग बनाक नं० मी०, वी० और डी० मूर बिल्लडींग अप, 17266. 15 वर्ग फिट और प्लाट में स्थित है (और इसमे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण क्य ने विणत है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालम, अहमदाबाद में रिपिस्ट्री करण अधिकार, 1908 (1908 के 16) के अधीन, तारीख जलाई, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का धारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल में, एसे स्वयमान प्रतिफल में, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्यह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्यंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे अधने में सृविधा के लिए; बार/या
- (स) एंसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गर्थ था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए:

प्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निक्तिक व्यक्तिसमें, अधीत्:--- श्री कंजुबेत कालात्वाल पटेल की पत्नी ग्रींग 3 अन्य, पत्रपालाल ग्रींग मेसर्स गोपी कापीरेणा, 10, तरेक पार्क, हाईकोर्ट के तजदीक, तथरंगपुरा, अहमदाबाद।

(अन्तरिक)

2. श्री एस० पी० गुष्ता, अस्टिट जन्नरल मॅनेजर, इण्डिस्ट्रियल फाईनान्स कापोरेशन आफ इण्डिया, आर० एफ० सी० भवत, ऐलीसश्रिज, अहमदाबाद— 3800091

(अन्तरिती)

भन्ने यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्स सम्प्रीत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई मी आक्षोप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स' 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहण्हाक्षरी के पास किस में किए जा सकरेगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-का में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

त्रिल्डिंग मुरूर त्रील्ट एरिया 17266.15 वर्ग फिट फाट पर क्षेत्रफत 1177 वर्ग यार्ड वाडल में टी० पी० ऐस० 15, एफ० पो० 38, सर्वे नं० 109/1/2 प्रौर 20/1/ 2, ब्लाक नं० 'सी०' 'वी' प्रौर 'डी' अहमदाबाद रिजस्ट्रेणन नं० 6556/जुलाई 1985 रिजस्ट्रार आफिस मे मिला।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

नारीख: 28-2-1986

त्रकम् आहो, टी. इस. एक. ००५०००

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाछ 269-म (1) के अधीन स्पना

राहरू **भारका**र

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रंज-1, ग्रहमदाबाद
श्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4070/85-86-यतः मुझे, पी० डी० खंडेलयाल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० लालुपुर रेलवे स्टोगन नजदीक सी० एस० नं० 1346, जमीन ग्रीर मकान है, नथा जो क्षेत्रफल 846.99.97 वर्ग मीटर दो एयरकंडोगन्ड प्लान्ट मशीन के साथ में स्थित है (ग्रीर इपसे उपाबढ़ प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रह्मदावाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 18-7-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिशत में अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के सीच एसे अंतरण के लिए तय पाना नमा प्रदिक्त फल निम्नलिखित उद्बेच्य से उक्त अन्तरण निखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुए । किसी बाज को बाबत, कन्त मीपनियम के अभीन कर वाने के बन्तरक के धावित्व मी कभी करने वा वचले बचने में बुविचा के किए; मीर/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी भन या अस्य आस्तिनों का, पिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्या अधिनियम, या भए- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती प्याश प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाजिए कर, कियाने से स्वैद्या से स्वैद्या भी किया जाना चाजिए कर, कियाने से स्वैद्या से स्वैद्या भी

लतः जनः, उन्तः अधिनियम की धारा 269-ण के वन्नस्थ मा, मी. वित्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्तित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री भ्रंबालाल लालभाई जवेगी ग्राँर दो भ्रन्य, श्रलंकार एन्टरप्राईज के भागीदार, णाहीबाग, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) प्रेरना जोष्य श्रीर अवार्टमेंट, श्रीतर्म एमोपिये शन, प्राणिवीद मार्केट, कालूपुर, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

का प्रहास्थाना कारो फररहे पृत्रायाः । तस्यीय के अर्जन के सिष् कार्यवाहिता करता हा।

प्रवत सम्बन्धि के जर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीचा वें 45 दिन की शर्मीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की शर्मीध, की भी अविध बाद में तमाप्त होती हो, ने भीलर प्रविक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाए;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकावन की तारीच वें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति के दितवक्ष विसी अन्य व्यक्ति दशरा क्यांहस्ताक्षरी के पाव विक्तित में किए आ सकींगे।

शन्सूची

मिन्कियत काल्पुर में रेलिने स्टेशन, रेलिनेपुरा के नजदीक मीठ एस० नंज 1346, जिमीन श्रीर मकान क्षेत्रफल 846.99.97 वर्ग मीटर दो एयरकंडीशन्ड (लान्ट श्रीर मंग्रीनरी के गाथ ।

> पी० द्वी० खंडेलयाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

मोहरः

प्रकार अहरी, टी. एन. एस 🖯 वन्यवनननन्त्रकारण

बायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के वर्भीय सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, श्रह्मदाबाद

अहमदाबाद, दिनाँक 28 फरबरी 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4071,85-86→-यतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिन्ने इसकें इसकें प्रकात् 'उन्देत अधिनियम' कहा गर्मा हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाप्वेंकित सम्मित्त का उचित वाचार सूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० पालडी सीम टी० पी० एस० 3, एफ० पी० 805 व 806, पलैंट नं० बी-6, है तथा जो थर्ड फ्लोर, मुजीपकुंज अपार्टमेंट, श्रहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजस्ट्रीक्ती श्रधिकारों के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15-7-1985

का प्वोंक्त सम्मिर्त के उणित बाजार मुसम से कम के द्यमान प्रतिका के निए अन्तरित को गृह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपित्त का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाया नया प्रकि-क्ता, निम्निसिता उच्योंका से समस् अन्तरण कि बित में बास्तिविक क्या से अधिक से साम है अन्य

- (क) अन्तरण संहर्ष किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के बार्मिन्त में कभी अन्तरे । उच्ये क्ष्मिन में बृधिया के किए; सोर/या
- (क) श्रेसी किसी जान वा किसी धन वा कर्य जास्तिवीं को, जिल्हों भारतीय जावकर विधिनवनन, 1922 (1922 का 11) या उनस अधिनियम, या धन-कर विधिनवन, 1957 (1957 का 27) के प्रकोचनार्थ जनसरिती इवारा प्रकट नहीं किया वया भा या किसी प्रकार प्रकार की किया व्या के लिए:

बत्तः भन, उपत वॉभिनियम की भारा 269-म की अमृतर्थ मो, मी उपत मधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) क सभीर निम्मतिनियम नावित्तवों, वर्णात् ॥—— (1) श्री प्रकाश चन्द्रभोगीलाल चुडगर, 7-ए, जवेरी-पार्क को० ग्राप० हा०सोमायटी, भट्टा के नजदोक भालडी, अहमदाबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राजाराम भाईतन्द्रभाई शाह, 23, विश्व-बंधु मोपायटी, पालडी, भट्टा, स्रहमदाबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह त्यना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के तिना कार्यवाहियां करता हों।

बक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ कर स्वना की मामील मं 30 दिन की नवीं थ, जो भी सबिए बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्रम्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

'नवारिकरक':----इसमें प्रयुक्त काक्यों और वर्षों का, को उपस् वर्षिनिषयं के अध्यान 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विवा गया हैं।

नन्स्ची

पालडी मीम टी० पी० एम० 3, एफ० पी० 805 व 806, फ्लैट नं० 6, बीच6, यर्ड फ्लोर, सुजीयकुंज अपार्टमेंट में ग्रहमदाबाद, रजिस्ट्रेशन नं० 7280 दिसींठ 15-7-851

> पी० डी० खंडेलवान मक्षम प्राधिकारी महायक ग्राथकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

नारीख: 28-2-1986

प्रकृप आहे. टी. एन . एस . -----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) नी धारा 269-म (1) के सधीन समता

भारत सरकार

कार्शक्य, सहायक अध्यक्त नाववत (निर्माधक)

ग्रर्जन रेंज⊶ा, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनौंक 28 फरवरी 1986

निर्वेश सं० पी० श्रार्० नं० 4072/85-86--यतः मझे **पी० डी० खंडेलवा**ल.

नायकर मीर्थानयमः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 / - स्तः से अधिक है

धौर जिसकी सं० पालडी टी० पी० एस० 22, एफ० पी० 190, एस० पी० 52, नारायननगर है तथा जो को- श्राप० हा० सो ।।यटी बंगला नं० 52-ए में स्थित है (भीर इसमे उपात्र अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, प्रहमदाबाद में, रजिस्दीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 21-7-1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुल्य से कम को **रा**यमान प्रतिफल रहे लिए अन्सरित की गर्ड है और मझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मच्या, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब पाका बया प्रतिकाल, निम्नालियित उद्वेष्य से उन्त बन्तरन विश्वित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है 🖫

- (क) अपनरण संहाई किसी आग की आवत, अधिनियम के अधीन कर पोने में जीतरक के काथिए में कमी करने या उससे क्यने में सुर्दिया में लिए: चरि/या
- (स) एेगी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) क भ्रयोजनार्थं अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के जिए:

वर्तः वन, राक्त अधिनियम की गाग 269-व के वनसर्व में , में , शक्त गरिपनियम की भारा 269-म की लगभ्यरा (1) 🗝 गणीन - गिक विश्वविद्या **व्यक्तियाँ । अर्थारा ५**००० 18-26 GI/86

(1) श्री शौतागौरी, शंकरलाल लक्ष्मीचन्द पंचाल को विधवा पत्नी, यू-७, अरनाथ सोसायटी, नारायन-नगर के पीछे, पालडी, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री नटवरलाल छोटालाल मेहता, पंकजकुमार छोटालाल मेहता, प्रवीप कुमार छोटा ताल मेहता, हेमंतकुमार नटवरलाल महता, टैगोर थियेटर, पालडी, अहमदाबाद ।

(भ्रन्तरि

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुरे।

दश्य सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में काई भी शास्त्रेय ह---

- (क) इस सुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को 45 दिन की जवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबेंक्त **म्युक्तियों** में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकावन की तारींक से 45 विन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बद्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अभोडस्टराक्षरी के पास बिवित में किए वा तकों मे।

लक्कांकरण:--इसमें प्रयुक्त कको और पदो का, अधिनियम, को अध्यास 20-का में परिभाषित 📲 🖟 नहीं नर्म होगा को उस अध्याय में दिया गवा 🐉।

सप्यू की

पालडी टी० पी० एस० 22. एफ० पी० नं० 190, एस० पी० नं० 52, नारायननगर को० म्राप० हा० सोमायटी, बंगला नं० 52~ए, जमीन क्षेत्रफल 507 वर्ग या**र्ड भ्रोर मकान 8**5 वर्ग यार्ड, रिजस्ट्रेशन सं० 7689₇ दिनांक 21-7-1985।

> पी० डो० बंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॅजॅ~ 1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

मोहरः

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.---- -

आग्रकर कॅपिनियक, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सुचना

MICH STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रजीन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनाँक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 4073/85—86—-ग्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवास,

शियकर मिर्पानयम, 1961 (1961 को 43) जिसे ६समें स्सर्के पश्चात् 'उसत मिर्पानयम' कहा गया है'), की भारा 269-च के भारीन सक्तम मारिकारी की यह विकास कार्य का कार्य का कार्य के साह के स्थापन सम्बद्ध के साह का साह का का साह का साह के साह का साह के साह के साह के सा

ग्रौर जिसकी मं० खूला जमीन क्षेत्रफल 1 एकर 18 गुठा, 7018 वर्ग यार्ड है तथा जो रामिश्वर नगर को० ग्रा० हा० सोसायटी, मानंद में स्थित है (ग्रौर इमसे उपावछ प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी कार्यालय, सानंद में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधियनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 24~7-85

ी पूर्वेवित सम्बन्धि के उपित बाजार मूर्ज से कम के स्वयमान
श्रीतफल के लिए बंतरित की गई है और मुझे वह विद्वाह
करने का कारण है कि यथापूर्वेवित सम्बन्धि का जीचत शाजार
मून्य, उसके सममान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का
मून्य, उसके सममान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का
मून्य, प्रतिकार से अधिक हो और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती
(जन्तरितिकों) के तीज ऐसे सन्तरण के निष्ण तब पावा गया
श्रीक्तस, निम्मतिकित सबुदेश्य से जनत वस्तरण चितिन्द
के नास्तरिक कम से स्वित पहीं निष्णा प्रकार है !!!!

- (क) नंतरण सं हुई किसी शाय की बावका, उनत अधि-विवस में अभीत कर दोने में नंतरक को शायित्व को भनी करने या उसते वचने में तृतिया के शिय्र और/41
- (क) एती किसी बाब या किसी धन वा अन्य कास्तियों की बिन्हें आंरलीय जागकर अधितियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त विधिनयम, गा धन कर अधितियम, गा धन कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जैतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए जा, कियाने में नृविधा के लिए।

कतः जब, उन्कर अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) में सभीन, निम्नसिनित का िक्ते, अधित क्रिक 1. श्री कान्तीलाल हरीलाल जानी, श्रीर कुल मुखत्यार श्रन्य के, सानंद जिला श्रहमधाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री मैलिश वाडीलाल भाह, प्रमोटर—रामेहबर नगर को० भ्रा० हा० सोक्षायटी, सानंद जिला, भ्रहमदाबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के प्राचयन में प्रकाशन की तारीस है 45 बिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर्ड बृष्टना की तामील से 30 दिन की सर्विध, को भी सर्विध नाद में समाप्त होती हो, के मीतर प्रविध व्यक्तियों में से किसी स्थापत स्वारा;
- (क) इब क्षाना के राज्यभ में अकावन की तारीज के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्षारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविश्व के किस का क्षीये।

बन्त्यी

खुला जमीन क्षेत्रफल 1 एकर 18 गृंठा --5868.04 वर्ग मीटर-7018 वर्ग यार्क रामेश्वर नगर को॰ ग्रा॰ हा॰ सोपायटी सानंद ,रिजस्ट्रेणन नं॰ 62/85, दिनौंक 24-7-1985।

पी० डी० खंडेसघाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

रक्ष असुंध की. हुन्। हुन्।

वानकर निश्नियम, 1961 (1961 का 42) की पाडा 269-प (1) चै मधीर गुपना

कार्यात्रक, प्रदानक भावकार नायुक्त (निरुक्षिक)

ध्रजंत रेंज-1, श्रह्मदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनाँक 28 फरधरी 1986 निर्देण सं० पी० श्रार० नं० 4074/85-86---श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इतके पश्चात् 'स्वत अधिनियम' कहा भूमा हैं), की भारत 269-थ के नभीन सक्तम प्राप्तिकारी की यह जिस्ताम कहने का कारण है कि स्थानर तक्तरिता, जिसका उजित गाणार मून्य् 1,00,000/- रहा में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं अपुरा सीम टी अपि एस नं 21 एफ जिस नं 520-2-25, फ्लैंट हैं तथा जो नं वी-5, सेकन्ड फ्लोर ग्रनंता को अप हा सोपायटी में श्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूत्री में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 12-7-1985

को पूर्वोक्त कन्दित के उचित वाचाइ ब्रस्त से कम के व्यवनाय प्रतिपाल के लिए वंबरिक की गई है और मुख्ये यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके व्यवमान प्रतिपाल से, ऐसे व्यवमान प्रतिपाल का पत्यह प्रतिशत से गरिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रक्रिक्त, निक्नहिनवित उद्वेशय से अवत अन्तरण सिवित में वास्वविद्य क्य वे क्षियह महीं किया गया है हुन

- (क) नलहण से हुई फिर्सी नाम की नामक उत्तर निर्मीत्रक से लगीन कर दोने से बल्कहरू से समित्य से क्षमी जारने ना उसने नजने में स्विभा से निष्; सीर/ना
- (क) इंडी किसी बाब ना किसी धन ना नाम नाहिस्तरों की, विन्हें भारतीय बावकर निधिनवर्ग, 1922 (1922 का 11) ना स्वयं निधिनवर्ग, ना धन-कर निधिनवर्ग 1957 (1957 का 27) के प्रवोधवार्थ वृत्युद्धी ब्वारा इच्छ यहाँ विका वना भा सा किया नाम चाहित्र था, किनाने वें बुन्चिया में बिना

अत: अंग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) कें अधीन, रिनम्निजियित व्यक्तियों, अर्थात् क्र--

- श्रीमती सुमीताबेन हनुभाई देसाई, बी-5, श्रनंता अपार्टमेंट, श्रांवापाडी, ग्रहमदाबाद-15।
 - (ग्रन्तरक)
- 2 श्री इन्दुबेन ईप्रवरलाल देसाई, राजेग ईप्रवरलाल देसाई, बी-11, णरद सोसायटी, गुलबाई टेकरा, श्रहमदाबाद ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां सूक करता हुएं क

क्यक कम्पृतिस् के वर्षम् के कम्पृत्म् में काई भी बाक्षेत्र :---

- [क] हव प्रवा के राज्यन में स्वकार की कार्या है 46 विश की व्यथि वा तत्सकारों स्थितकों पर स्थान की तासीस से 30 दिन की कार्य , जो भी कार्य कार्य में स्थाप्त होतीं हो के भीतर प्रविच्च व्यक्तियों में से विश्वी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचभा के राज्यम में प्रकाशन की ताडींच के 45 दिन के मीतर सकत स्थावर सम्प्रीत में क्लिए-वर्भ किसी संस्थ स्थित वृद्यारा, नवोहस्ताकरी के पास सिवित में निर्ण का सकेंग।

स्वक्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त सन्दों और नदों का, जो उक्त जीभीनयम के जभ्माय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं कर्ष होना को उस सम्माय में दिया नया है।

वयसूर्यो

भुद्ररपुरा सीम ,टी॰ पी॰ एस॰ नं॰ 21, एफ॰ पी॰ नं॰ 520-2-25, फ्लैंट नं॰ बी-5, सेकन्ड फ्लोर, प्रनंता को॰ श्रा॰ हा॰ सोसायटी में श्रहमदाबाद , रिंगस्ट्रेशन नं॰ 7229/12-7-1985।

पी० डी० खंडेलंबाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग-1, ग्रहमवाबाद

सारीख: 28-2-1986

इक्स बाइल टॉन एन एक व

श्रावक्ष व्यक्तित्वन, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-५ (1) के स्वीत क्षता

RESERVED TRUE

कार्यासय, सञ्चयक नायकत् धानुवयः (निडीकाण)

श्रर्भन रेंभ−1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986 निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 4075/85—86—श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलावल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं पलैट नं डी-20, मनाली स्रपार्टमेंट, को श्री हा पो लिमिटड, है तथा जो बस्त्रापुर टी पी एस 21, एफ पी 22, 23 स्रोर 24 में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, स्रहमदाबाद में, रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 12-7-1985

मते पृथित सम्पत्ति के उपित गामार मृत्य से कम में ध्यमान श्रीतपास के शिष्ठ अन्यादित की पार्ट हैं और गुनी यह विज्ञास करने का कारण हैं कि अन्यापुनीकत सम्बत्ति का उपित नाजार मृत्य उनक प्राप्तात अतिपाल से, एपि व्यवसान प्रतिपाल का पम्ड प्रतिपाल के विषय हैं और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्यरितियाँ) ने बीच एपि अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल के विषय के विषय प्राप्त के विषय के

- (क) वन्तरक से सुद्ध किसी बाब की बाबत, उक्त विधितियम के वधीन कर दोने के बन्तरक वृं व्यक्तिय के कनी अलुने वा बहुत बचने में बृहियम के लिए; और/ला
- (श) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नत्य नास्तियों को, जिन्हें भारतीय नामकार निधियम 1922 की 11) का उनके निधियम 1922 की 11) का उनके निधियम, वा भन-कर निधियम, 1957 (1957 को 27) के प्रशंकतार्थ अन्तिरंती स्थारा प्रकट नहीं किया यथा वा वा किया जाना नाहिए था, जिनाने में सुद्देशना ने विका

अतः व्यं, अवस श्रांभिनिवम्, की भारा 269=न औ वम्तरुष ्रतः, अवस अधिनियम् की भारा 269-म की अगरात्रा (1) अभीतः विस्तृतिविक व्यक्तियों, वर्षात् :--- 1. श्री विरेन्द्र शांतिलाल दलाल, मनाली श्रपार्टमेंट, वस्तापुर, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरक)

2. श्री भरत कुमार बंसीलाल पंड्या, डी-20, मनास्ती श्रपार्टमेंट, बस्त्रापुर, श्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

कर्म यह सूचना चा<u>रते करके</u> प्रतिक्ष संपर्शिकी अर्थन की निष् कार्यनाहियों करता हो।

काम प्रभारत में अर्थन के सम्बन्ध के कोई भी नाकोर्ध--

- (क) इन्ह स्वार के समयम में प्रकारत की दारीय से
 45 दिन की मनिए भा एत्संजंभी कि किसमें पर
 स्वार की दासील से 30 दिन की बर्दीय को भी
 स्वार्धिय कार में सकत्व होती हो, के नीवर पृथायस
 व्यारकारों को से किसी कानिस दुनाया;
- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकारत की शारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापण मंपित्त में त्रिसत्व किसी काम व्यक्ति द्वारा, मजोश्रन्ताकारी के बास जिलान में किए जा सकतेंगे।

स्पब्दिकरण: — इसमें प्रवृक्त शब्दों और पदों का, आं उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित हाँ, बही अधिहारिक को तन अध्याय में दिया नया हाँ।

बन संची

फ्लैट नं० डी-20, मनाली श्रपार्टमेंट में वस्त्रापुर, भ्रहमदाबाद।

> पी० ङी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, स्रहमदाबाद

सारीख: 28-2-1986

प्रक्रम नाइ टी. एम. एस. -----

भाषकर मिर्शानसम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) में मभीन सुसान

बार्ट बरकाड

कार्यासय , सहायक भावकाः बायुक्त (निर्दाक्रक)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० पी० ग्राए० नं० 4076/85-86-श्रातः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

भायकर निर्धिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के न्रधीन संक्षम प्राणिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका सजित बाजार मंद्रम 1,00,000/- रा. से जिभक हैं

श्रीर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 1 पहला मंजला पर है तथा जो माधववाग शोपिंग सेन्टर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-7-85 को प्रॉक्त सम्भित के उपाब बाहार मृत्व के कम है स्याम

प्रतिफल के लिए बंतरित की नहीं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मिक्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूच्यमान प्रतिफल से, शूसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से किथक है और शतरक (अंतरकों) और अंसरिती (अंतरितियों) के बीच एचे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफन, निम्निसिस उद्देश है उक्त अंतरण जिसित में बास्तिवक रूप में किया नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण ते हुइ किसी नाम की बावता, कवत अधि । विश्वम के जधीन कर दोने के वंतरक को कर्तित्व में कभी करने या अत्रक्षे बचने में सुविधा को सिह; सौंद्र/वा
- (च) द्वेसी किसी आय या कसी भून या अल्प जास्तियों की, जिन्हें शारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भन्ने विश्व विभिन्न का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था कियाने में सुनिधा भी भिए;

अतः अव, अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उपता अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को बुधीग, गिरुनीसीखत व्यक्तितको अर्थीय अस्स 1. श्री मुक्तेश ब्रिजमोहन बंसल, फ्लैट नं० 1, फर्स्ट फ्लोर, ब्रिज बसंत अस्पताल, माधबनाग शोपिंग सेन्टर, पोलिस कमिश्नर श्राफिस के सामने, शाहीनाग, श्रहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्री प्रफुलचन्द्र इन्धरलाल पंचाल, 4-ए०, कामधेनु बिल्डिंग, भवानीपुर, कलकत्ता-700020। (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना भारी करके पृथिक्त सम्पत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हु: ।

उन्त सम्पत्ति के क्षर्यन की सम्बन्ध में क्षोड़ भी बाकीप हन्त-

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी वर्ष वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्वितवों में से किसी स्वित बुवादा;
- (क) इस सूचका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों सार पदां का, वा उक्त मिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिसा समा

श्रनुसूची

फ्लैंट नं० 1, फस्ट फ्लोर पर माधवबाग शोपिंग सेन्टर में श्रहमदाबाद-380004 रजिस्ट्रेशन नं० 7581/ 23-7-1985।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, ग्रहमचाबाद

सारीय: 28-2-1986

मोहरः

बक्य बार्या औं प्रश्च प्रश्चननम्बन्धः

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बचीन ब्ल्या

भारत सहस्रह

श्रावीयन, बहायक बावकर बावुक्त (निरोधान) प्रजन रोज-1, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निवेण सं० पी० ग्रार० नं० 4077/85-86--ग्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसमें इसमें परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० दुकान नं० एस०-6, जी० एफ० कैपिटल कार्माणयल सेन्टर में है तथा जो श्राश्रम रोड़, श्रहमदाबाद में स्थित हैं (और इसके उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में, रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 30-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मिति को स्वित वाकार कृष्य से कम को स्वजान प्रितिक को निए कर्तित की गई है और कुओ वह विकास करने का कारण है कि स्थाप्वीक्त सम्मिति का स्वित वाकार शृस्य, स्वर्क स्वयमन प्रतिकास सं, एोरी स्वयमन प्रतिकाल का प्रमुख प्रोक्षित से प्रभिक है और अंतरक (संतरकों) और संतरित (अन्तरितियों) को बीज एोर्ड अन्तरण के निए तब पाया प्रमुक्तिका, निम्नसिवित स्व्योध्य से उन्त अन्तरण कि निम्नसिवित स्वार्कित सं

- (क) बन्तरूप से हुई फिर्की बाद श्री नावच बच्च वीपनियम के संधीत भर दोने के बन्तरक के दार्थित की कनी करने ना बच्चे नक्षने में द्विचा में शिक्ष क्रीडिंग
- (अ) श्रेडी किसी नाम ना किसी यम ना सम्म नास्तियों को विन्द्रें भारतीय कानकार संधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना सनत संधिनियम, या धन-कार संधिमयम, 1957 (1957 का 27) में प्रवोधनार्थ सन्दरिती दुवारा प्रकट नहीं किया नवा ना ना किसा जाना जाहिए था,, कियाने के मुद्रिका में मिसुन

सतः स्था, उस्त अधिरियम की धारा 269±न के समूबरण हों,: मों, एक्ट वीधीमध्य की धारा 269±न की उपधाय (३) के अधीन, निम्मीयीयत मेस्सिक्टेंट, वर्षात सम्म

- श्रीमती इसुमली जे० ग्रमीन, ग्रिध्यन कुमार जे० पटेल, के०/ग्रा० हरिकिया श्रोफर एन्ड कम्पनी, एलिसब्रिज शोपिंग सेंटर, ग्रहमदाबाद।
- 2. श्री ब्रिजनाल फतेह्लाल शाह, शोप नं० एस०-6, ग्राजण्ड फ्लोर, केपिटल कामिशियल सेन्टर ग्राश्रम रोड़, ग्रहमदाबाद।

(भन्तरिती)

मृत्या कृता जारी कारके प्रशेवत सम्मत्ति के वर्णन के लिए आर्वेशिकों कारका कृति।

क्क कम्परित के कर्पन के बंगेंच में कोई की बाक्षेप ---

- (क) इस प्राप्त के त्रायम में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभि सा तत्स्वनाथी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की नविभ, यो भी व्यक्ति नाद में समाप्त क्षेती हो, के नीतर पूर्वों कर के ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (था) इस स्थान के रायपण में प्रकारन की तारीय से 45 दिन के भीतड अवन स्थानड सम्मत्ति में दित-नव्भ किसी अन्य म्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास मिथित में किए जा सकेने।

क्ष्यक्रीसाहमः :----द्वयं प्रयुक्त सम्बं श्रीर पर्यो का, यो उक्त समितियम, खेलच्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होना यो उस कथ्याय में दिया गवा है।

नगत्त्री

दुकान नं० एस०-6, ग्राउण्ड पलोर कैपिटल कामर्शियल सेन्टर में ग्राक्षम रोड़, श्रहमदाबाद, रजिस्ट्रेशन नं० 7760/ 85, दिनांक 30-7--1985 ।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

न्नहमदाबाद, दिनौंक 28 फरवरी 1986 निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4078— झतः मुझे, पी० क्षी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रोर जिसकी सं० खुला प्लाट क्षेत्रफल 764 वर्ग यार्ड काँची को० ग्रा० हा० सोमायटी है तथा जो प्लाट नं० 1 बोडक देवसीम तालूका दसफोर्ट में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय महमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16)

के श्रधीन दिनौंक 5-7-1985 को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह विरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्निलिस उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में धान्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुइ किली माय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के वायित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्ये अधिस्ता का, जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ध में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधील, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, वर्षात्र है—

- (1) श्री गौराँग जशवंतभाई कस्टीया सरयूनिवास सरकीट हाउस के पीछ शाही धाग ग्रहमदाबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री हेमेन्द्र भाई नारायण दास पटेल 13 घयल सोसायटी नं० 1 सेंट जेवीयर्स धारफूल रोड, नवरंगपुरा श्रहमदाबाद।

(प्रन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जंबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- अव्यक्ति अन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-ही, यहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गंबा है।

अनुसूची

खुला प्लाट क्षेत्रफल 764 वर्ग यार्ड काँची को० ग्रो० हा० सोसायटी प्लाट नं० 1 वोडफदेव सीम तालूका उसफोर्ट रिजस्ट्रेशन नं० 7178/5-7-85।

> पी० डी० खंडेलयाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज- 1, श्रहमदाबाद

दिनांक: 28-2-1986

मोहरः

इक्ष्य बाइं , जी , एवं , एसं ,, नननन नननन नननन

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-व (1) के बभीन सुचना

भारत चंद्रका

अविदयः, नहायक वायकः वाय्कतः (निद्रीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 28 फरवरी 1986 निर्देश सं० पी० भ्रार० नं० 4079—श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

वावकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इकके परचात् 'अवत विधिनवम' कहा गया ही, की भारा 269-च के वधीन सक्षम प्रतिकारी को वह विकास कारने का कारच ही कि स्थानर सम्बद्धि, विश्वका स्वित बाबार मूख्य 1,00,000/- रहे. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० खुला प्लाट क्षेत्रफल 847 वर्ग यार्डं काँची को० श्री० हा० सोसायटी है सथा जो प्लाट नं० 8 बोडक देव सीम ताल्का डनफोर्ट में स्थित है (श्रीर इससे उपावश्च अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण का से वर्णित है), रिजस्ट्रीक ती श्रीधकारी के कार्यालय श्रहमदावाद में राष्ट्रीक रण श्रीधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रीधित दिनौंक 5~7—1985 को पूर्वों बत संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रिष्ठित के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के लेवह प्रतिवात से अधिक है और बंतरकों और वंतरिती (अतिरातियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तथ पाया गया विकास किता का स्वार प्रतिकात से अधिक है और बंतरण के लिए तथ पाया गया विकास किता का स्वार के सार वंतरकों अपर वंतरिती (अतिरातियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तथ पाया गया विकास किता कर से किया नहीं किया गया है :—

- (क) नगरण से हुए किसी बाद की बादया उसके विश्ववन में वर्णीन कर दोने में नन्तरक में दावित्व में क्यों करने या उत्तते वचने में सुविधा में सिए; मॉर/या
- (क्) गुनेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिल्हा भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना जाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

अत: शवं, उक्त जीभनियम की भारा 269-ग के जनुकरण जो, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभादा (1) है जधीन: निम्तीसीखत व्यक्तियाँ, वर्णांच् क्र---

- (1) साधना बहुन वीनुभाई पटेल 17 दर्शन सोसायटी नवरंगपुरा श्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)
- (2) विलीपभाई नारन भाई पटेल 13 घवल सोमायटी नं० 2, सेंट जेवीयर्स हाईश्कुल रोड ग्रहमदाबाद-9

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप 🏗---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सविधि या तत्संबंधी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी विषय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सुमा के राजपण में प्रकावन की तारौंच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोत्रहाक्षरी की पास निवित्त में किए जा सकी।

हपब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बेलिनियम, के अध्याय 20-क में पौरभाषित ही, वहीं लिधे होगा जो उस अध्याय में दिवा गया ही।

अनुसूची

खुला प्लाट क्षेत्रफल 847 वर्ग यार्ड कॉची को० स्रो० हा० सोसायटी में प्लाट नं० 8, बोडकदेव सीम तालुका उसफोर्ड रिजस्ट्रेशन नं. 6809,85,5~7~85

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

दिनौक: 28-2-1986

मोहर ३

प्ररूप आहे. टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-ा, ग्रहमदाबाद ग्रहमदाबाद, दिनौंक 28 फरवरी 1986 निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4080--श्रतः मुझे पी० डी० खंडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 5 एफ एफ० श्री प्रार्थनाथ को० ग्रो० हा० सोपायटी निमिटेड में बिल्डिंग जामनगर में स्थित है (ग्रौर इपमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप मे बिण्त है), र्जिस्ट्रीक्त ग्रिधकारी के कार्यालय जामनगर में रजिस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनाँक 4-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्य तन प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीक एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक एए से किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में पृतिधा के लिए; और/या
- (छ) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियां को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

नतः रुवः, उक्त अधिनियम कः भारा 269-ग के अनुसरण मः, में, उक्त अधिनियम की धारा 259-घ की उपातरा (1) के अभिः, निकर्णनिवित व्यक्तियों, अभीत् ह 9—26 GI/86

- (1) श्रीमती नीमा बी०पंचमलीयाडी०ए०वी० कालेज केपोछे महाबीर सो शायटी के सामने जामनगार । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सुरेण भारथी लक्ष्मण भारथी गोमाई फ्लैंट नं० 5 बिल्डिंग नं० ए, श्री प्राचनाथ को० श्रो० हा० सोपायटी लिमिटेड दतात्रेय मंदीर के नजबीक डी० ए० बा० कालेज के सामने जामनगर। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को अवश्यिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्स बब्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताकरी के पास सिजित में दिनए जा सकतेंगे।

न्यक्रिकरणः---इसमें प्रयाक्ष कर्वों और पर्वों का. जो उपन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

प्लैंट नं० 5 एफ० एफ० श्रो प्राचिनाथ को० श्रो० हा० सोमायटी निर्मिटेड बिल्डिंग नं० ए, जाम नगर रिज्य्ट्रेशन नं० 1666,4-7-85

पी० घी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायका (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

दिनाँक: 28~2~1986

क्रम बार्ड .टी. एन . एस . -----

बायकार विभागियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन स्चना

नारत तरकार

कार्यासक, सहायक आवकार आध्वत (निरीक्स)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

म्रहमदाबाद, दिनाँक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4081 ⊸-ग्रलः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

बावकर निर्मित्यम, 1961 (1961) का 43) (विसे इसमे **इसके परचात् 'उच्यत अधिनियम'** काबा गया ह^{र्म}ः, करि धहरा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्णास करने का **कारण है कि स्थावर संपरिता, जिसका ज**िल्ला काजार मू*रम* 1.00.000/- रुट. से अधिक हैं।

भौर जिसकी सं० मकान सर्वे नं० 15₇2 में बेदी दरवाजा बाहर है तथा जो जामनगर में स्थित है (ग्रौर इपसे उपाबढ़ भनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जामनगर में रजीस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाँक 4 · 7-· 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मध्य से कम के कायजान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और सुके यह विक्लास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उधित बाजार **मूच्या उसके क्यमान प्रतिफल** में एोसे क्यमान प्रतिफल का पन्क्रम् प्रतिचात से अधिक है और अन्तरकः (अन्तरका) जौर बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच गोमें अन्तरण के जिस् क्षय **पाया गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्धो**रम से उद्धार कल्**तर**स मिखित में बास्तविक रूप में कवित तकी विकार नका है ;----

- 🖚) अन्तरण चे हुई किसी जाय की बावल सक्त मिभिमयम के अभीत कार दोने के असारक के स्थित में सभी करने ना शतको अचले में स्विधा हो सिता. और/या
- (च) ऐती किसी नाम वा किसी धन मा जन्म आस्तियाँ को, चिन्हें भारतीय आव-कर अधिनियस, 1922 (1922 को 11) या उपन अधिनियन, या धन्तः **व्यक्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयो**प नार्थकं लारिती बुनारा प्रवाह पड़ीं विकास गया था का किया वाना वाहिए। का फियाने में स्वीकृष्ट 🦂 **Lideli**

वतः वयः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मं, उक्त अधिक्रियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) 🕏 अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

(1) श्री भूपेन्द्र कुष्णलाल जाना श्रनुपम टाकोज के सामने जीमनगर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री युसुफ अली सलमानजी गाँधीकलावद दरवाज मोदोवाङ् जामनगर।

(अन्तारती)

का यह सुचना जारी कारके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन की निक कार्यवाहिया शुरू करता हुई।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ए 4.5 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी शामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जविष बाड में समाध्य होती हो, के भीतर पृथंकित स्तरिक्तके, यो वा भारती जि**क्ति दुशराः**
- (स) धम मुचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीच ए 45 दिन क शांतर एक एथानर नम्हिल में हितयबुध किसी बन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पार

स्पर्धाप्रशः---इसमे प्रयक्त शब्दों और पदौ का, **यो उक्त** अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही बर्ध होता जो यप अध्याप में विमा नया है।

मनुसूची

मजान नर्वे नं० 15/2 एफ-1, में बेदी दरवाजा बाहर जामनगर रिंगस्ट्रेगन नं० 2038/4-7-85

> पी० ष्टी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्नायकत (निरोक्षण) म्रर्जन रेंज-1, महमदाबाद

दिनौंक: 28-2-1986

प्रकर वार्धः औन एवन् **१४**% रूपक्र

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना भारत सरकार

कार्यासन, सहायक कापकर नामुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांच 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4082—यत , मुझे,पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के कधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृत्व 1,00,000/- गा. में जिवक है

ग्रींग जिसकी संव सर्वे नंव 443 प्लाट नंव 5 पर जीव एफव है, तथा जी एफव एफव फ्लायड रोड़ पर राजकोट में स्थित है (ग्रीर इसन उपाबद अनुसूची में ग्रींग पूर्ण रूप से बॉणा है), रिजस्ट्री इती अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजस्ट्री इरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बातार सम्प से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके क्ष्यभान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियाँ) भे बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिसित उद्दोष्य से उन्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरण सं हुं किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में संविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी अथ या किसी धन या अन्य जास्तियां कां, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ए एक्टा राधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, स्थितने में सुविधा के लिए;

अल: अध, अभल अभिभय की भारा 269 ग्य के अनुसरण मी, भी, अलत अधिभियम की भारा 269 भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री पालानी धनपात्र जेठानी सरवार नगर, महीला कालेज क पीछे पालकोट

(अन्तरक)

2. श्री मंहितनाल प्रेम जी भाई मोलंकी 21-ए, कल्याण मगर, मोसायटी जुनागढ़ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्व सम्मत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपर्धि को अर्थन को संबंध में कोई भी बालांग :---

- (क) इस तृषना के राजधन में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पद सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उनक स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाख जिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी उनक अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिना यया है ।

जन्स्ची

म हाप जीव एफव श्रीर एफव एफव कलाय**ड रोड़, नजदीक** सर्वे नंव 443 प्नाट नंव 5 राजकोट, रिजस्ट्रेशन नंव 4899/ 10-7-1985 ।

> पी० डी० खंडेसवास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीखा : 28-2-1986

प्रकप **मार्ड**.टी.एन.**ए**स.------ 1. श्रीमती जान्त्रा

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ज (1) में बचीन सुक्रम

भारत सरकार

काश्रीसयः अहासक आयकर अःग्वतः (निरीक्षण) अर्जनः रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देशं सं० पी० आए० नं० 4083—- अप्तः, मुझे, पी० डी० खंडेलवाल.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं जिमीन नाता मायामे सर्वे नं 81 हैं, तथा जो प्लाट नं 18, वर्ग मीटर 666—792 वर्ग यार्ड ,में स्थित हैं (भौर इसमें उपाबद अनुसूची में भार पूर्ण रूप में विणित हैं), रिजस्ट्रीति अधिकारी के कार्यालय, पाडकोट में रिजस्ट्रीति आधिकारी के आधीकार, तारीख अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीक, तारीख

मा पूर्विक्त सम्पत्ति के जिनत बाजार मृज्य सं कम के व्ययमान शितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का जिन्स बाजार मृज्य, उसके दरयमान प्रतिफल सं, एसे व्ययमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिफल से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरती (अन्तरितियों) के जीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देषय से उकत अन्तरण लिकित व वास्तिक क्य से कायब गहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की आशत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने थे अस्तरजः के दायित्व में कमी करने या उससं बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी बाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियानं में सुविधा के लिए:

नतः नभ, उनत निभित्तमन की धारा 289-त के नमुसरण ने, में, उनत निभित्तम की धारा 269-थ की उपभार (1) के अधीन, निम्नसिसिस व्यक्तियों, नथीत् : ~ श्रीमती ग्रान्ताबेश ग्रान्तिलाल जोशी उदासी आश्रम, रामटे तरी रोड, पौरबंडर।

(अन्तरक')

2. श्रो गंतुभाई फातजी**नाई मरवा**ड़ प्रमुख---राजगोर ब्राद्धण ग्नाती सेवा संघ समस्त---राजकोट---15 विजय प्नाट, राजकोट

(अन्तरितो)

का वह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति से वर्जन के सिष् कार्यवाहियां कारवा ह्राँगू।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपव में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी व्यक्ति व्यक्ति शभोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिकरणः—इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

श्रनुसूची

जमीत भागा मायामे सर्वे नं० 81 प्लाट नं० 18, वर्गमीटर 666-792 वर्ग यार्ड रिजिस्ट्रेयान नं० 4681/4-7-1985।

> पी० डी० खंडेलपाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 28-2-1986

मध्य कार्षः भी प्राप्तः

भाषकर विभिन्नियस, 1961 (1961 वर्ष 43) की शाश 269-व (1) के अभीत स्वासा

भारत संदर्भन

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद
अहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4084—श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल.

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इमर्शे इसके पदवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भार 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्तान करने का जरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- का से अधिक है

श्राँर जिसकी सं०स्थावर मिहत्यत पुराक्षा दश्वार गढ़ में पालीताका है, तथा जो जमीन पर मकाल क्षेत्रफल 2539, 39 वर्ग मीटर में स्थित हैं '(श्राँत इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रांत पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रो क्षि अधिकारी के कार्यालय, पालीकाल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 जुलाई, 1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के पश्यमान लिए प्रतिफल के **अन्त**रित की गर्ड और विद्वास मभे यष्ठ करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल का रंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अंधरक (अंतरका) अभारिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए सय पामा गया प्रतिफल निम्नसिसित उद्देशय से उम्मा बाराल्य रें सचित में वास्तविक अप से क**िं**श्त नहीं किया गया है ध---

- (क) म्न्तरण संह्र्यं किसी मान की बाबध, उक्स अधिनियम् के बधीभ कर बोने के बन्धरक के दायित्व में क्यी करने वा उक्से वचने में दुविका के सिष्; मोर√ना
- (ख) एसी किसी बाय ना किसी धन या कस्य जास्तिम।
 की बिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 की 11) या उपल अधिनियम, या अन-कार आधिनियम, 1957 (1957 की 27)
 भी शयोबनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपार्ग सें
 सुविधा से निए;

जतः जब, उक्त जीभीनयमं की भारा 269-ग के अनुसरण जो, मी, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातं ∴— श्री णिपेन्द्र सिंह जी बहु। सिंह जी गोरील हवा महल पेलेस, पालीताना ।

(अन्त्रकः)

 श्रीमती शारदाबेन चिमनलाल पारस सोसायटी पालीताना ।

(अन्तरिती)

को यह सृष्ता जारी करके पूर्वोक्त सन्मरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षम् के संबंध में कार्य भी माभव :---

- (क) इस त्वना के राजपन में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अवधि या तत्सक्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशीस से 30 दिन की अवधि, जो भी बद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाबस क्वित्यों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकेंगे।

प्यक्तीकरण ---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनियम के जध्याय 20-क में परिभवित हैं, वहीं जर्भ होगा जा उस अध्याय में दिया गंजा है।

श्रनुसूची

स्थावर मिलकयत पुराना वरबार गढ़ में पालीतामा जमीन पर मकान क्षेत्रफल 2539.39 वर्ग मीटर रिजस्ट्रेणन नं० 705/ 25-7-1985

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारी**ज**: 28-2-1986

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ध(1) के अधीर स्थान

भारत सरकार

कार्यातव, सहायक भायकार बाबुक्त (निद्वीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिशांच 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० आ४० नं० 4085---यन:, मुझे, फी० डी० खंडेलवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्न्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- ए. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० स्थायर मिल क्यात पुरामा दएवाए गढ़ में भानी तथा है, तथा जो जमीन पर महान क्षेत्रफत 1658.10 वर्ग मीटर में स्थित है (स्रोर इसमे उत्तवद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण कर के वर्णित है), रिजिन्द्रों कर्ता अधिकारी के जार्यान्य, पालीताना में रिल्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 जुलाई, 1985

का पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रितिफल से, एसे स्वयमान प्रितिफल का पन्त्रह प्रितिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुद किसी आय की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उप्तत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी बुधारा प्रकट नहीं कि वा भया था या किया थाना जाहिए था, ज्याने में शुविधा के विक:

कतः कव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री अबिन्द्र सिट् जी यहानुर सिट् जी गोहील ह्या महल पेलेस, पालीसामा

(अन्तरक)

2. श्री जयसूखत्राल गोवर्धनदास घामी दरबार गेट के पीछे, पालीनाना

(अन्तरिती)

का यह सुमना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के अर्जन के अर्जन के अर्जन के अर्जन के

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति ह्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी सन्य व्यक्ति व्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया गदा है।

बन्स्ची

स्यात्रर मिल्हियन पुराना दरबार गढ़ पालीगाना जमीन पर मकान क्षेत्रफल 1658.10 वर्ग मीटर रिल्स्ट्रेशन नं० 703/ 15-7-1985 ।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीखा : 28-2-1986

प्ररूप आहो. दी. एन. एस. -------

जायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1. अहमदाबाद

अहमदाबाद, दितांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं. पी० अ(२० नं० 4036→-यन:, मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर गंपित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव स्थावर मिल त्या पृथाना दरवार गढ़ में तालीताना है, तथा जो जमीन पर स तन 2526.78 वर्ग मीटर में स्थित है (श्रीर इसी उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से विणत है), रिल्ट्रीकर्ता अक्षितारी के जायित्य, पालीसाना में एक्स्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 15 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाराए (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री शिवेन्द्र सिंह् जी वहादुर सिंह् जी हवा महल पेलेस, पालीवाना ।

(अन्तरक)

 श्री भएन कुमार बेनीलाल दोशी दरबार गढ़ के पीछे, पालीवाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पित्त के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपीत्त में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाएरा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टिकिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर मिल्ह्यित पुरोभा दरबार गढ़ में गालीतामा जमीन पर महान क्षेत्रफल 2526.78 वर्ग मीटर रिजस्ट्रेशन नं० 701/15-7-1985 ।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज-1, अहमदाबाध

मारीख: 28-2-1986

प्रक्य बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार कार्यांचय, तहायक आयंकर आयंक्त (पिरीक्रण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश स. पी० आर० नं० 4087----यतः, मुझे, पी० डी० खंडेनवाल.

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकन अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० स्थावर मिल्वयक्ष पुरामा दरकारगढ़ मे पालीताना है, तथा जो जमीन पर मकान क्षेत्रफल 1484.13 वर्ग मीटर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालीकाना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 जुलाई, 1985

की पर्नोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान श्रीतफल के निए जन्तिरित की गई है और मृक्षे मह विश्वात कश्म का कारण है कि ग्रथाप्योंकत संपत्ति का उचित वाजान कृत्य, उसके क्यमान प्रीतफल से एसे क्ष्ममान प्रीतफल का गन्द्रह प्रीतकत से निधक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्त-रिती (जन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के मिए तय पाग ग्रथा प्रतिफल, निम्निसिक उद्देश से उच्छ अन्तरण जिक्कित में वास्तिकल, निम्निसिक उद्देश से उच्छ अन्तरण जिक्कित में वास्तिकक क्य से क्षिक्त प्रदृष्टिका जवा है है—

- (वा) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर वोगे के बन्तरण स्र वाबिस्ट में लक्षी करने या बससे अध्यमे में मृत्रिक्ट के लिए; और/मा
- (स) होनी किला बाव वा किसी धन वा अन्य बास्तियों का, चिन्हें भारतीय बावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत निधनियम, या धनकर विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचधार्य अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था ना किया वाना चाहिए था, कियाने में सविधा के लिए;

बतः वेथ. उचत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उचत विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धास् :--- 1 श्रीणिवेन्द्र सिह् जी बहादुर सिंह जी गोहील हवा महल, पेलेस. पालीनाना

(अन्तरक)

 श्री कान्ती लाल हीरा लाल भूखड़िया बाजार,पालीताना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर -सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंकर व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक इथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास विस्ति में किए जा सकरी।

स्यष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उद्धाः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियः गया है।

अनुसूची

स्थावर मिल्कियत पुराना दरबार गढ़ में पालीताना जमीन पर मकान क्षेत्रफत 1484.13 वर्ग मीटर रिजस्ट्रेशन नं० 704/ 15-7-1985 ।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 28-2-1986

प्ररूप् बाइं.टी.एन , एस . ------

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, तहायक शायकर शायुक्त (निरोक्स)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिमांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं०पी० आर० न० 4088—सत, मुझें, पी० डी० खडेलवाल.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० स्थावर मिल्कियत पुराना दरबारगढ़ मे पालीताना है, तथा जो जमीन पर मकान क्षेत्रफल 2642.39 वर्ग मीटर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप सं विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालीताना में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 जुला, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत । उक्त अभिगियम, के अभीन कर दोने के अन्तरक के दानित्य में कुनी सरने वा उससे वचने में तृतिभा के सिए; बौट्/वा
- (व) ऐसी किसी आग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयक्तर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अभिनियम, या भगवार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः जन्, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपधारा (1) के अर्थाः, निम्मीसिखित व्यक्तियों, अर्थात ध्र— 20—26 GI/86 श्री शिवेन्द्र सिंह जी बहादुर सिंह जी गोहील हवा महल पेलेस. पालीसाना

(अन्तरक)

2. श्री राजेश कुमार अनन्तराय दोशी पारस सोसायटी पालीताना !

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

इक्त संपृत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोपः—

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तारींस है. 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवहभ किती अन्य ध्यक्ति द्वारा अभोइस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

प्रनुसूची

स्थावर मिलक्यत पुराना वरबारगढ़ मे पालीनाना जमीन पर मकान क्षेत्रफल 2642.39 वर्ग मीटर रिजस्ट्रेशन नं० 706/25-7-1985।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारी**ख** : 28-2-1986

मोहर ।

THE STEE STEE STEEL PERSON

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अधीन सुक्ता

सार्वक क्रकाड कार्यकप्, सहारक नामकर नामुक्त (निरक्तिक)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 28फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० आर०नं० 4089—यतः, मुझें, पी० डी० खन्डेलवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रवाह 'उक्त कृषिनियम' कहा जवा हैं), की कारा 269-क के स्थीप सक्षम शाधिकारी को यह विकास करते का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उद्योग बाधार मूल 1,00,000/- कु से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० स्थावर मिलकयत पुराना दरबारगढ़ में पालीतान-है, तथा जो बिलीज जमीन पर क्षेत्रफल 2550.39 वर्ग मीटर में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालीताना में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15 जुलाई, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिकान से, एसे व्यवनात प्रतिकान का पन्तह प्रतिशत अधिक है और बंतरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण, के जिए त्य गांवा गमा प्रतिकान, निज्ञितियां क्यां क्यां के विष् प्रतिका विकास के विष् विकास की किए त्य गांवा गमा प्रतिकान, निज्ञितिका क्यां की विकास निज्ञित के बाद की करीवत निर्मा की विकास निर्मा की किया निर्म की किया निर्मा की किया निर्म की किया

- (क) करवारन वे हुए किसी बाब की बाबरान उनता अभिनित्रम के सभीन कहा दोने के सन्तरक ने वासित्य के कर्की कहाने वा ब्रह्मचे नक्ष्म में सुनिया के सिक्त अधिन्या
- (थ) प्रेसी विश्वी नाथ ना विश्वी धन ना जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया न्या था ना किया जाना जाहिए था, किनाने में सुविधा से शिष्टु

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण बैं, भैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— श्री रिवन्द्र सिंह जी बहादुर सिंह जी गोहील, हवा महल पेलेस, पालीताना ।

(অক্লেখ্চ)

 श्री वृजनाल नान चन्द शाह पारस सोसायटी पालीनाना ।

(अन्तरिती)

को वह सूचना आरौ करके पृथींका सम्मत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

रहता सम्परित को वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की खबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, भो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाधन की तारीख सं 45 दिव के बीहर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन-क्षुण किसी बन्न क्यक्ति द्वारा, जशहस्ताक्षरों के रास् सिर्धित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : ---- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पर्माणित है, बही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में विया गया है।

ग्र**नुसूची**

स्थावर मिल्कयत पुराना दरबारगढ मे पालीताना बिन्नीज जमीन पर क्षेत्रफल 2550.39 वर्ग मीटर रिजस्ट्रेशन नं० 707/15-7-1985।

पी० डी० खंडेलवाल संसम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 28~2-1986

मोहर ।

प्रकथ जार्च द्वी पुरा पुरा

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

नारत बरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्क)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देण सं० पी० आर० नं० 4090—यतः, मुझें, पी० डी० खंडेलवाल,

बायकर क्षिपियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसफे परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संवस्थावर मिहात्यस पुराना दरबारगढ़ मे पालीताना है, तथा जो जमीन क्षेत्रफल 23.78 वर्ग मीटर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधव अनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जार्यालय, पालीतामा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 15 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुख्ये यह निश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार भूत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तब पाया गवा प्रति-कान निम्नतिचित उद्वेषय से उक्त अंतरण जिचित में बास्तविक कम से क्यित महीं किया नवा है है-स

- (क) नन्तरण संहुई किसी बाव की वावचा, उन्त विधियय में वर्षीय कर दोने से सम्परक थी दावित्य में कमी करने वा उच्छे वर्षा में स्विभा से सिए; माँग्र/धा
- (भ) एसी किसी आय या फिबी धन या अन्य आस्तिनों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः बन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरन में, में, अक्त जीधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलि**बित व्यक्तिओं, वर्धात**्रम⇔ श्री जिलेन्द्र सिंह जी बहादुर सिंह जी गोहील हवा महल पेलेस, पालीनामा ।

(अ≢तरक)

2. श्री रमर्ण(कलाल पंपटलाल दोशी फायड बाजार, पालीताना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के लिख कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन भी संबंध में कोई भी नाक्षेत्र ह---

- (क) इस सूचना के द्वाचपन में प्रकारण की वारीस हैं 45 विन की जनिम या तत्त्व्यन्ती व्यक्तियों पद तृचना की तामील से 30 विन की जनिम, जो भी सर्वाच बाद में समान्त्र होती हो, के भीवर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी क्यनित हुवारा;
- (त) इस स्थान में राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उसत स्थानर सम्परित में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति स्थारा नभोहस्ताक्षरी में थाध विश्वत में किए था सकति।

स्थरकीकरणः — इसमें प्रयुक्त वक्तों और धर्कों का, को कक्त विभिन्नियम दे वध्याम 20-क में वीरभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्यास में विमा गवा ही।

अनुसुची

स्थावर मिक्कियत पुराना दरबारगढ़ मे पालीताना जमीन क्षेत्रफल 23.87 वर्ग मीटर रिजस्ट्रेशन नं० 702/15-7-1985।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

प्रसम् नार्षे ् हों , एन् , एस् ,=======

बायकड स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-भ (1) के स्थीन स्थान

HIGH TENE

कार्याचन, बहायक नामकार मानुक्त (निर्याक्त)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमवाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० आर०नं० 4091—यत:, मुझे, पी० डी० खंडेलवाल.

भागकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रशिकारी को यह निश्नास करने का कारज है' कि स्थानर संविद्ध विश्वक उचित नाजार कृष्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० सी० पी० एस०-1 भेमनगर सर्वे नं० 86, 87, 89 पैकी है, तथा जो 98 217 एस० पी० 29 जमीम क्षेत्रफल 720 वर्ग मीटर में स्थित हैं (भ्रार इससे उपाबद्ध अनुभुची में भ्रार पूर्ण रूप से विजित्त हैं), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त संरक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिपत्त के निए बन्तरित की गई है और मुखे यह विध्वास काले का कारण है कि यंजापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नितिशत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक कम से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती हवारा प्रकट नहीं किया जन्म था या किया जाना वाहिए था छिएनो में मृषिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियमं की धारा 269-भं को उपधारा (1) के सभीत निकालियित व्यक्ति हैं सर्वास्

- श्री भाग व जे० विधेदो फहुना सागर, डो० ग्री० पर रोड़ थर्ड फ्लोर, सी० आर० बम्बई-400019
 - (अन्धर्क)
- श्री गंकर भाई भोलीदार पटेल प्रेसीडेन्ट—मेल्ज अवार्टमेंट श्रोनर्स एसोसिएयम 36, महेसाना सोसायटी नवा याडज अहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह तूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्ध सम्बन्धि के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र ह---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की मविध या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मविध, जो भी मविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्विकतमों में से किसी स्पिक्त द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत निभीनयम के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं भर्थ होगा जो उस सध्याय में विया नवा हैं।

मन्त्रची

खुला प्लाट नं० 211 टी० पी० एस०-1 में सेमनगर, सर्वे नं० 86, 87, 89 पैंकी 98, 217 एस० पी०-29 जमीन क्षेत्रफल 720 वर्ग यार्ड रोजस्ट्रेशन नं० 7403/17-7-1985।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

७ अप आहें, टीं, एन, एस, ----

मायकर लिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

भारत तरकार

कार्याजय, शहायक बानकर वायुक्त (निरीक्रण)

अर्जैन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्वेश सं० पी० आर० नं० 4092—यत , मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अजीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है हि स्थावर रक्ष्मति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्रीफिस नं० 205 क्षेत्रफल 328 वर्ग फीट रिलीफ है, तथा जो शोपिंग सेन्टर में अहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन, नारीख 15 जुलाई, 1985

कां प्वांक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के रायमाम शृतिकात के निष् धंदारित की नहीं हैं और मुझे यह विस्तात करने का कारण हैं कि बचाप्योंक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृस्य , उसके रायमान प्रतिकास से , एमे रायमान प्रतिकास का पन्तर । श्रीतकत में अभिक हैं और बन्तरक (बन्तरकों) और प्रस्तरिती (बम्बरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के बिए तय वाम भवा विद्यास , निम्माब्दिकत राष्ट्रके से उच्छ बन्तरण विद्या ।

- (क) कम्लूपण पे हुई फिली जान की नम्बद्ध, उपत निपित्तम् से स्पीत साप्त होने से सम्बद्ध को सामित्य में साबी कारने ना एससे मानो में सुनिया को सिप्त; सरि/ना
- (क) होती किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनीय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, कियाने में स्विभा के स्थिए।

अस्य अस्य, जनत अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण अन, मैं, उस्त अधिनियम की धारा 269-त की उपभारा (1) को अधीन, नियमित्र कि व्यक्तियों, वर्धात् क्ष्म श्री वरांत भगवानदास मूरेना 60,360 विजयनगर हाइसिंग कालांनी, अहमदाबाद-380013 ।

(अन्त्र्क)

2. डा० विपुल बी० माह नं० 205, सैकन्ड फ्लोर रीलीफ गोपिंग यन्टर सलापोग क्रोस रोड़, अहमदाबाद-380001

(अन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कार्ड भी काक्षेप :---

- (॥) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी स्थितियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थितियों में में किसी स्थित द्वारा:
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं
 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवक्ष किसी कृष्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिवित में किए जा सकेंचे।

स्वक्रीकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उपस विधिनयम के जध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विका क्या हैं।

अनुसूची

श्रोफिस नं० 205 क्षेत्रफल 328 वर्गं फीट रिलीफ शोपिंग सेन्टर में अहमदाबाद रिजिस्ट्रेशन नं० 905/15-7-1985।

पी० डी० खंडेलवास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख 28-2-1986 मोहर प्ररूप वाइ.टी.एन.एस.------

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 4:3) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्शिक्त)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिशांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4093—यतः, मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 100,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी संव प्लैट नंव 3, 2, एव टीव पीव एसव 3 में एफव पीव 423 है तथा जो एसव पीव 4 समरथक्षपा कोव श्रीव हाव मोसायटी अइमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 4-7-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पाद्त का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्त-रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के बन्तरक की वार्यित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- ंश) ऐसी किसी बाध या किसी धण या बस्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय वास-कर अधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती धुवारा प्रकट नहीं किया समा था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने भें स्थिका की किया

भत्तः वया उपत विविधित की बारा 269-म के वयुक्रें वी, मी, उक्त विभिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) वे वशीस, निकासिकित व्यक्तिकों, वर्धात् ४----

- 1. श्री भभन कुमार इरोजान कार मी-15 समरथकूपा फ्लैट लो गार्डन के नजदी व समस्थक्तपा महादेव के पीछे अहमदाबाद[। (अन्तरक)
 - 2. रावजी हीरजी पटेन फ्लैट नं० 3/2/ए समस्थक्नपा फ्लैट लो गार्डन के नजदीक एलिस ब्रिज, अहमदाबाद । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र हुन्न

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं कर्म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्टित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय दें दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

प्लैट नं० 3/2/ए समस्थक्षपा को० ऑ० हा० सोसायटी अहमदाबाद में लो गार्डन के पीछे रिजस्ट्रेशन नं० 6727/4-7-85।

पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारी**ख: 28-2-1**986

भक्ष भाषे . टो . एन . एक्_ट=----

नामक्कर प्रभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के जभीन गुजना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकार आयुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986 निर्देश सं० पी० आर० नं० 4094—-श्रतः, मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-श्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित् बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० डी-4 संगन्ड फ्लोर पर क्षेत्रफल 127 वर्ग यार्ड है, तथा जो टी० पी० एस०-3 एफ० पी० नं० 386-वी मोताली को० मो० हा० सोसायटी में स्थित है (प्रार इसने उपाबद अनुसूची में ग्रांप पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यांग्य, अहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 6 जुलाई, 1985

यो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम की क्षवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पृष्ट्वह प्रतिशत से अधिक है और बंतरिक (अंतरिकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे बन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न्तिवित उद्देश्य से उच्त कम्तुरण कि बिक्ष के बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है हम्म

- (फ) बन्तपुरण से शुर्व किसी बाय की बाब्द_ा उपस् अभिनियम के स्थीत काहु देने के बन्तपुरक की शारिक्ट के सभी लक्कने वा उक्कमें कुन के स्वित्या के लिए: अप्रिया
- (थ) ऐसे किसी नाम या किसी भन वा अभ्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय सायकार सिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वाडा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा भी किएं।

अत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) वं अधीन,, निम्निचित व्यक्तिकाँ अधीन, श्री कौणिए प्रसाद मनीलान जानी डी-4 नवडीय अपार्ट मेंट नवरंगपुरा, टेलीफीन एक्सचेंज के सामने एलिस क्रिज, अहमदाबाद ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रेमला बेन पश्चिस्त दुगड सी-3, नवदीप अवार्टमेंट, नवरंगपुरा टेलीफोन एक्सचेंण के सामने एलिस श्रिज, अहमदावाद ।

(अन्तरिती)

कां यह मूचना जारी करके पूर्वों क्त संपित्त के अर्जन के लिख् कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी स्वितियों पर सूचना की तासीख से 30 दिन की अविधि, जो धी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक स्वितियों में से किसी स्विति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किसी स्पृष्टि वृवारा, नभोहस्ताक्षरी के पाद लिखित में किए जा सकीगी।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्दाका, जां उक्त विभिन्नयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, मही अर्थ होता जा उस अध्याथ में दिया एका औ

नगृस्ची

फ्लैट नं० डी-4 निकन्ड फ्लोर पर क्षेत्रफल 127 वर्ग यार्ड टी०पी०एस-3 एफ०पी०नं० 383-बीसोनालीको० स्रो०हा० सोसायटी नवदीप अपार्टमेंट, नाम से प्रचलित है ।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

सारीख : 28-2-1986

प्रकृत बार्ड्, ही. १४., स्वत् स्टब्स

भाषकर समिनियम, 196 ुं ंु961 का 43) की भारा 269-क (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर वाय्क्त (निर्दाशक)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4095—स्तः, मुझे, पी० डी० खंडेलवाल.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भाष् 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ह"

द्यौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 24 और 25 क्षेत्रफल 3220 वर्ग फीट है, तथा जो राजानी भ्रायल मिल में सर्वे नं० 102/2 केशोद में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुमूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के पार्यालय, केशोद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, धारीख 25 जुलाई, 1985

को प्वांचित संपत्ति के उपित बाकार मूम्य से कम के अवकाल प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उनित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिशव से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अर्पण के सिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नीलिंखन उद्देष हे उसते अन्तरण निम्नीलिंखन उद्देष हे उसते अन्तरण निम्नीलिंखन उद्देष हे उसते अन्तरण

- (क) जन्तरण सं हुई किसी भाव की बावत, अक्टर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कनी करने या उससे अचने में स्नृतिधा के बिद्दा बाँड/वा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी भण या अन्य अस्तियों की, विक्हें भारतीय जायकर किमिन्यम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या भग- कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान में तृषिधा के किया

अतः अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग को अनुकरण भं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री कन्हैया लाल मोहन लाल माखेना दलाल भाजार केशाद, जिला--जुनागढ़।

(अन्तरक)

2. जादवजी कुंबरजी मैनेजिंग डायरेक्टर देवरायल पीपल्स को० घो० बैंक लिमिटेड वेरायल-362265 जिला-जनागढ़।

(अन्तरिती)

की यह सुधना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हुं।

उत्तर सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में की हैं भी बाक्षेप हैं---

- (कं) इस सूचना के द्वाजपत्र में प्रकाशन की तासीस से 45 दिन की अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तिवों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वास में तनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्थना के राजपन में प्रकाशन की तारीय वं 45 दिन को भीतर उसत स्थामः पंपत्ति में हितमब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित ने किए या वकी।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन्यम के अध्याद 20-क में यथा परिमाणित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय भी दिया पत्रा है।

अनुसूची

प्लाटनं० 24 और 25 राजानी भ्रायल मील में क्षेंत्रफल 3220 वर्ग फीट सर्वेनं० 102/2 केणोद ।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारी**ख** : 28-2-1986

ोहरः

प्रकप बाह्र टी., एत., एत., ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अतमदाबाद

अहमदाबाद, दिलांक 28 फरवरी 1986

िर्देश सं० पी० आर० नं० 4096—चन , मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के को अधीन सक्षर पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000 /- रा. म∷ अधिक हैं।

यौर िक्षकी सं० म हान भावतगर शहेर में है, तथा जो भावतगर में स्थित है (र्यार इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से वर्णित है), रितस्ट्रीरली अधि तरी के कार्यालय, भावतगर में रिजिस्ट्रीरूपण अधिक्यिम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, तारीख 15 जुलाई, 1985

को पूर्वोका संपत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास काने का वारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य. उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का अन्तर्ह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तर्रित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य अया स्था शिक्कल, निम्निलिखित उद्देश्य से उकत जन्तरण किस्मिए में वास्तरिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने को अंतरक के दायित्य में अभी करने या उक्कर वजने में सुविधा के लिए; और/या
- ह) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तिओं को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जतः अथः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) क अधीर हिम्सलिखित व्यक्तिकों, अभीत् हर्ने

21-26 GI/86

श्री सुरुतु रतीलाल,
 फुल मुखत्यार—रतीलाल उन्नमशी फिल्लोल बंगलो,
 नवरंगपुरा, अहमदाबाद।

man mentaligit in the large of the Company of the C

(अस्तरक)

2. श्री धीरजलाल बाबूलाल शाहा पीर इल्लाजी शेरी अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदौं का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में विया गना है।

अनुसी

सब-रिजस्ट्रार भावभगर से दस्तावित रिल्स्ट्रिशन किया गया है जिसका रिजस्ट्रेशन नं० 2189/15-7-1985 ।

पी० डी० खंडेलवास सक्षम प्राधि गरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंक रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 28-2-1986

प्ररूप काइँ, टी. एन. एव. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्थना

नारत सरकार

कार्यायन, पहायक गामकार भागमत (निर्याकार) अर्जन रेजिन्स, अहमदाबाद

अहमदाबाद, विपांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० श्रार०नं० ४०९७—यत , मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

नावकर निर्मित्रम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें वरवात् 'उक्त निर्मित्रम' कहा गया हैं),, की श्रारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

- (क) विशंदन वे हुई किसी जाय की बाबस, उक्त विभिन्नियम के अभीत अर कोने के अन्यरक औं वायित्व में कमी अर्थ भा उससे राधन में मृतिका वे निष्; वादि/का
- (वा) एंसी किसी नाय या किसी धन या बस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा सिक्या जाना आहिए था, छिपानं में मुण्लिका के लिए।

लत: अस, असत विधितियम की धारा 269-ग से बन्नरण ने, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मितिकित स्थितियों, वर्धात :--- 1. श्री गीव्धरलाल व्याखोड़भाई मकवाना और अन्य प्रह्माद फ्लोर शेरी नंव 6/16, राजकीट । (अन्वर्क)

ವರು, ರಾಜ್ಯಾಯ ಕರ್ಮ ಪ್ರಕ್ರಾಸ್ (೨ ಕ್ಲರ್ನ್ಸ್ಟ್ ನಿ. ೨೫) ಬ್ರೌಕ್ಟಿಗ ಪ್ರ<mark>ತಿಗಳ ಹಾಗು ಕಾರ್</mark>ಯಕ್ರಿಯ (ಪ್ರಾಕ್ಟರ್ಯ) ನಿರ್ವರಣ್ಣ

2. श्री दाप्तजी भाई रणछोड़भाई मकवाना चामुंड़ा निवासी ाक्ष्मी वाड़ी शेरी नं० 14 के सामने रापकोट । (अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करकी पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्धन के संबंध में कांद्र भी नाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकासन की तारित वे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जबरिय, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (ब) इस मुचना के राजपण में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपति मेक्ष हिनबद्ध किसी बन्य स्याक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकती।

रपम्बिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

ननुसूची

सब रिजस्ट्रार शलकोट से दस्तावेज दिमांक 18-7-85 को को रिलस्ट्री शिया गया है। मूल कीमत ६० ७५०००।

> पी० डी० खंडेलवाल समप्र आधिकारी सहायक अधिकर आधुक्त (धिरीक्षण) अर्जन रोज-I, अ**हमदाबाद**

तारीख : 28~2- 986

मोहर

प्रस्थ बार्ड्: क्षी. एन. एरा. ------

बायकार विभिनिधम, 1981 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के बभीन क्षता

भारत करकार

कार्यालय, सहायक जायकार काशकल (विरोधका)

श्रर्जन रेंज-1, श्रह्मदानाद श्रह्मदानाद, दिनांक 28 फरवरी 1986 निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4098 —श्रत: मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है"), की भाग 269-च के अभीन सक्षम प्रांधिकारी को यह विश्वास करने का भारक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार बृश्व 1,00,000/- का सं अधिक है

और जिसकी संव मकान एटेणन प्लाट पर शोखल वार्ड नंव 7 है। तथा जो जिला पाजकोट में स्थित हैं (अंग इसने एमाध्छ अनुभूची में ग्रींग पूर्ण का ज विशेष है), ग्रींग रिजिस्ट्रीकर्ता प्राधि कारी के कार्यालय गोडल में रिजिस्ट्रीव्यण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के जिला, कारीक 8-7-1985

को पूर्वों कर्त संपरित के उचित वाजार मूल्य से कब के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि युआपूर्वों कर संपर्ति का विश्वास वाजार मूल्य, उसके द्व्यमान प्रतिकल से ए हे क्षमान प्रतिकल का अन्तह श्रीतकत से विभक्ष है और यह कि अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया श्रीतकत, मिक्निलियां के द्वार में उन्त अन्तरण लिखित वो नास्तिया कर से को का मना गया है

- (क) अन्तरक ते हुई किन्ना नाव की बावबा, जक्त वीपनियम को अभीम कर देने के बन्दारक में वापित्य में कमी करने वा उत्तर वचने में सुविधा में सिए; अडि/वा
- (भ) एसी किसी लाय था किसी धन सा बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर किंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्देश द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना चाहिए था कियाने में सुविधा के निए;

 अो जणतंतराय अनोथचंद पुजानी भिक्ति नगर राज-कोट।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती ही रावेन छगनलाल कवैया स्टेशन प्लोट गोंडल।

(भन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हा ।

उन्हर्भ सम्परित को वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र हु---

- (क) इस स्थम के राज्यम में प्रकारण की रार्शिंश हैं
 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पूर
 सूचना की तामील से 30 दिन की शवीच, को भी
 नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोज्ञक
 व्यक्तियों में से सिक्षी व्यक्ति हुवाय;
- (व) इस सूचना के सच्चम में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावद सञ्चरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शाब तिचित में किए जा सर्वोंगे।

स्पच्छीकरण:---इसमाँ प्रयुक्त गब्दों और पूर्वों का, को अवस् अधिनियम के लध्याय 20-क माँ परिशासिकत है, वहीं कर्य होगा, जो उस अध्याय में रिकार गरम की :

नसरी

सब रजिस्टार गोंडल प दस्तावोज रजिस्ट्री किया गया है जिसका रजिस्ट्रेगा नं० 3166/जुलाई 1985 है, मकास स्टेशन प्लोट गोंडल में स्थित है बार्ड नं० 7।

> पी० डी० खंडेलकाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमधाबाद

क्तक्ष क्यं, तंकत व्यक्तिंगमंत्र की भारा 269-म के वमुतरण कों, बी, शक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के वधील, निम्नतिचित व्यक्तियों, वभीत् :---

तारीख: 28-2-1986

मोहरः

- Twane To . The District Commence

प्रकृष वार्षे. हो. एत. एस. -----

भागकर मधितिनम्, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) वे स्थीन क्षमा

शारत सरकार

ध्यपांत्रव, तहायक वायकार बायुन्य (विरक्षिक)

धर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देण सं० पी० श्रार० नं० 4099--श्रन: मुझे, पी० श्री० खंडेलवाल,

बाबकर अभिनिसम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें इसमें देखके देखते 'जनत अधिनियम' कहा गया है, की भार 269-च को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्सि, चित्रका उचित बाधार मूक्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और निसकी सं० ज्योत था हिस्सा जिसला सर्वे नं० 208 पैकी है। तथा जो गांव गाली फायसन सीम रायकोट में स्थित है (और इसने उपाबड़ अनुसूर्वी में और जो पूर्ण रूप से विणय है) एजिल्ड्रेकिनी पिटा होरी के कार्यालय राजकोट में रिजिस्ट्री-करण प्राथितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान, पारीख 15 जुलाई 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहसमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाकार कृत्य, उरके क्षवमान प्रतिकल सं, ए'से दश्यमान प्रतिकल का पंग्रह अतिक्षय से अधिक हैं और बन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एंस अन्तर्भ में निए तय पावा गया अतिकल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाब की बाबक, उक्त वीपीनबम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्थ भी अभी करने या उसस बचने मी सुविशा के लिए; और/शा
- (क) एंडी किसी नाम या किसी धन वा नस्य नास्तिकों की, किस्तु भारतीय नाम-कर निधानिक्य, 1922 ई1922 का 11) वा उत्तत निधानिक्य, वा धन-कर निधानिक्य, 1957 (1957 का 27) के अवीवनार्थ मन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए हर कियाने में सुविधा के किए;

वात: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् क्र--- श्री जयंतीलाल दयाभाई काचा पोस्ट---मालेयास-तालका----राजकीट।

(भन्तरक)

2. श्री नटवरलाल ह्याभाई उकानी और ग्रन्य पुष्पक 15-बी, पंचवटी सीसायटी राजकोट। (भ्रन्तरिती)

को यह चूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन को जिल् कार्यवाहियां करता हुई।

बक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध मा कोई भी आक्रोप :----

- (क) इस ध्यना में राज्यन में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर क्वना की तामील से 30 दिन की जबिभ, जां भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वादा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर सकत स्थाबर स्थादित मा हितबहुध किसी क्या व्यक्ति हुनाए स्थाहस्ताक्षरी की पास स्थाद में किए का सकत्य।

स्थानिक स्थान

वन्युची

सब रिजस्ट्रार राजकोट ने विनांक 15-7-85 को रिजस्ट्री किया गया है। मुल किमत रु० 72000/-।

> पी० डीं० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-86

प्ररूप कार्ष. टी. एन. एस.-----

काथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाका 269-च के अभीन सुचना

भारत सरकार

काम सम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, श्रहभदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 28 फाल्परी 1986

निर्देण सं० पी० श्रार० नं० 41.00----श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ओर जिसकी मं० जमीन और मकान 42-ए० छ्छरंग नगर सोमाथटी है तथा जो राजकाट में स्थित है (और इससे उपाचढ़ जनुसूची में और पूर्ण रूप से प्रणित है) रिजिन्ट्री-कर्ती श्रिधिकारी के कार्यालय, राजकोट में रिजिन्ट्री-एए श्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 17 जुलाई, 1985

को पूर्णेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदास से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के कि एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नितिवित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में आस्तिक हम से सिश्त नहीं किया गया है:—

- (भं) जन्तरण से हुए किसी जाम की मानत उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीर पायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए:

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नतिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् ६ चंदुमाई गुलाब सिंह जी जाला 6, जयराज प्लोट मिक्स निवास राजकोट।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मोहन लाल त्रीभोचनदास जादवानी कोठ.रीया कालोनी नं ० 199 राजकोट।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चा की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से निक्सी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति वृदारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियन के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगृत्वी

सब रिजस्ट्रार राजकोट में दिलांक 17-7-85 को रिजस्ट्री किथा गया है। मूल किमत ६० 195000/-।

> पी०डी० खंडेसचास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

प्रकृत कार्ड ती . एन . एस . -----

भायफर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आवकर आव्यत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंन-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4101--- श्रत: मझे, पी० डी० खंडेलवाल

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से **अ**धिक है

और जिसकी सं० भकात धासका सीम में टी०पी एस०। 22 है। तथा जो एफ० पी० 133 में 140 एलीसकील में स्थित है (आर इससे उपाचत अनुगुची में और पूर्ण कप ने वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्सी शिधवारी के वामीलय अधुमवाया के रिजस्दाकरण अधिविधम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्बक्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमार इतिफल के लिए अन्तरित की गर्क है और मुभ्ने यह विद्यास करनं का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुल्य, उसके क्रयमान प्रविफल सं, इसे क्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात सं अधिक हैं

और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के भीक एंसे अंटरण के ^दलए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिक प्रकृष्णिय से उधत जन्तरण जिल्लित में गास्तिणिक रूप से करियत अक्की किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं**हुर्दकिसी आव की दावत, खक्ल** आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्यिभा के लिए; जौर/या
- (का) एेसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय बायकर अधिमियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, भा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधः के सिए:

ब्रतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपवादा (1) के अधीन निम्मानिश्वित श्रीक्तमाँ , अर्थात :---

 त्रीनतो अर्रावंदाबेन भलाशंकर भट्ट 44-ए० शास्त्र नगर का० आ० हा० सोसायटी नवा शारदा मंदिर के नजवीक श्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जयश्रीबेन दीप कभाई मसर वाला 44 ए० णारदा को० ओ० हा० सोमायटी नवा शारदा मंदिर के नजदीक , श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

नवे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचनाके राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मा हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्साक्षरी के पार लिचित म किए जा सकींगे।

स्वव्यक्तिरण:----इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, आ उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा 🗗 🗈

जन सूची

मकान वासना सीम में टी० पी० एस० नं० 22 एफ० पी० 134 से 140 एलीसब्रोज।

> पी० डो० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रामकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, धहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

प्रकप बार्ड . ही . एन . एस . ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-थ (1) के नेभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जावकर आयुक्त (निरीक्रण)

णर्जन रोज-1, श्रह्मदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनांक 28 फरचरी 1986 निर्देण सं०पी० प्रार० नं० 4102⊶-श्रत: मुझे,पी० डी० खंडेलवाल,

कार्यकर विधितियम 1961 (1961 का 43) (पिसे क्समें हमको प्रथात 'एक्क अधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन स्थाप प्राधिकारी दारें यह विकास कारने का सालग हैं। कि स्थाप सामानि जिल्लामा प्रधान सामानि प्राधान कारने का सालग हैं। कि स्थाप सामानि जिल्लामा प्रधान सामानि प्राधान कारने का सालग हैं। कि स्थाप सामानि जिल्लामा प्रधान सामानि प्राधान हैं।

अोर जिसकी सं जमीन गरतपुर में तालुका इसफोर्ट सर्वे नं 242-1 है तथा जो बनोक नं 259 अहमदादाद 4143 वर्ग मीटर में स्थित हैं (और इसमे उपाबड़ इनुसूची में जीर पूर्ण रूप है। वर्णित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधवारी के कार्यात्रा प्रहमताबाद में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रदीन, तारीख 18 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयास् प्रतिक्रम के निग मंतरित की गई हैं बौर मुक्ते यह विषयास करने का कारण हैं कि प्रभापमंत्रित सम्पत्ति का स्वचित बाबार मत्य, उसके दश्यमान प्रतिक्रल से, एसे दश्यमान प्रतिक्रल का उन्द्रह प्रतिक्षत से अभिक हैं और मंतरक (बंतरकाँ) और बंतरितीं (बंतरितियाँ) के बोच एमें जंतरण के लिए तय पावा गया प्रति-क्रम निकालियत उद्देश्य से उसत जंतरण निवित्त में बास्त-विक्र क्ष्म से क्षित वहाँ किया वया है है—

- (क) अंतरण सं हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कार धीने के अंतरक की तामिल्य में कामी करने प्राप्तिक तकने में सुविधा कारिया, और, म.
- (ख) एसी किसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों अने किसी भारती करिया किसी धन या अन्य आस्तियों अने किसी भारती करिया किसी धन किसी भारती किसी किसी किसी प्राप्त करिया जनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किसा गया का या किया आमा आहिए जी किसी में किया औं सिका;

बत: कव, अक्षा विभिनिषम की भारा 269-ग के जनुमरण रूं, में जक्त अभिनियम की धारा 269-व की अपधारा (1) व्यक्ति जिम्मीलियम व्यक्तिकों, **अभीत क्र** श्रीमती इति जीवाभाई अंबाराम गांव---गेरतपुर ताल्का--- इसफोर्ट।

(अन्तरक)

 श्री वैकुंठलान बसुर्लान बीवेदी (चायस पार्क गरत-पुर को० ऑ० श्राईडीयल कालोनी, भर्नीकगर शहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को वह जुजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यजाहियां करता हाँ।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन को जनाधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाध्य हाती हों, के भीतर प्रकार माकिस्ती हो है किसी प्रवित वृद्धार.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस थे 45 दिन के भीतर उक्त न्यावर सम्पत्ति में हित-बक्भ किसी अन्य व्यक्ति ध्यारा अधोहस्ताकानों के पास निविक्त में किए वा सकते।

स्यक्षीक रण:---इसमें अधारत शब्दों अधि उदों का, जो उनस् निधिनियम के अध्यात 20-क में परिभाषित हैं, वहीं तर्थ होता, जो उस अध्यात श्रे विना नना हैं।

मन्स्ची

सव रिजस्टार प्रहमदाबाद में रिजस्ट्री किया गया है रिजस्ट्रेगन नं 0.16547/18-7-1985।

र्पा० डी० खंडेलघास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर धायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोज-1, श्रहमदाबाद

नारीख: 28-2-1986

प्ररूप आर्च.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

नक्षयालिस, सहायम जावकर जाबुक्त (निरीक्षण)

म्रजंत रेंज-1, श्रहमदाबाद शहमदाबाद, दिलांक 28 फरवरी 1986

निर्देण सं० पी० प्रार० नं० 4103— श्रत: मुझे, पी० डी॰ खंडेलवाल

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'जकत अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. ते अधिक हैं

और जिसकी सं० णोप नं० 2 अहमदाबाद में रेलवेपुरा बोर्ड हैं। तथा जो एफ० पं१० 29 पैकी में स्थित हैं (और इसने उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित हैं) राजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजस्ट्रीय ए अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जलाई, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपनत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्र प्रतिकात से अधिक है बीर अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकात में बाल्तविक रूप से काथित नहीं किया गया है:--

- (क) अस्तरण ते हुई किसी जाब की बाबत उपत अभिनियम के बभीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्ह भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) का उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, कियाने में सुविधा के सिद्;

जतः अस उत्कर स्थिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण पर, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारार (1) के संधीन, निम्नलिखिक स्थितियों, अर्थात् हैं—

 मसर्स चेंद्रता एजेन्स्रांज भागीदार---श्री जशसुखलाल गीरबार लाल गर्ठाया एस० टी० डपो के बाजूमें प्रहमद्युदा भरोडा शेंड श्रहमदाबाद।

(धनारक)

 श्रीमती ह्विकाबन रतीलाल बालकृशन नगर सैजपुर बोधा नरोडा रोड़, श्रहमदाबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी गाक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो अने जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इत स्वना के राजपत्र के प्रकाशन के शारी के 45 दिन के भीतर उक्त क्यावर कांगीता में हितवद्र किसी अन्य व्यक्ति इवाररा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पब्धीक्षरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

सब रिजस्टार श्रहमदाबाद से रिजस्ट्री किया गया है जिसका रिजस्ट्रेशन नं० 4446/29-7-85 हैं।

> पी०डी० खंडेलचाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

मोहरः

म्बन् वार्च , वी , एन , एस , नवता वनस्नात्रका

बारकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के ब्यान सूचना

सारत वडकाड

कार्यासय, सहायक कावकर बावुबक (रिवर्शक्त)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रह्मदाबाद, दिनांक 28 फरचरी, 1985

निर्देश सं० पी० भार०नं० 4104----श्रत: मुझे, पी० डी० खंडेलघाल;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० मकान माडलपुर सोसौमें टी० पी० नं० 3 एफ० पी० हैं नथा जो नं० 558 पेंकी सब प्लोट नं० 1 धड़मदाबार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में अंत्रपूर्ण क्य ने विणित हैं) रिक्स्ट्रीकर्ता ध्रिधवारी के कार्यालय ध्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण प्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 31~7-85

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उत्वित बाबार मुस्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित को गई है और भूओ यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाबार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) औड़ अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्निलीचत उद्देश्य से उकत अन्तरण सिचित के बास्तिक रूप से कीशत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी नाय या किसी नन या नन्य नास्त्यों की, विन्हें भारतीय वाय-कर विभिन्नय, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया काना चाहिए था, छिपाने में बृदिका के निय;

कतः वर्वः उन्तः विभिनियमं की भारतं 269-मं के अनुसरण भी, भी, उन्तः विभिनियमं की भारतं 269-मं की अपभाद्धं (1) में अभीतः निम्मीनिकतं व्यक्तिवर्षी, वर्षाद्यं ह—-

22 --- 26 GI / 86

1: मैसर्स पोपटलाल जयमिह भाई शाह

(अन्तरक)

2: हिल्टन रब्बलस लि० न्यु दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिह् कार्यमाहियां क्रक करता हुं।

इक्क सम्मात्त के वर्षम् वे ब्रम्मस्य में क्देर्य भी मार्थम्ऽः-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच कें 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किय वा तकेंगे।

स्वच्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उत्तव विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिना यस हैं।

ननसूची

सब रजिस्ट्रार प्रहमदाबाद से दिनांक 31-7-85 की रजिस्ट्री किया गया है रजिस्सादेन नं० 7772/31-7-1985।

> पी० डी० खंडलवाल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

मोहरः

प्रस्त वाह्ं, टी. एवं. एसं. ----

नायकर नौभीनयस, 1961 (1961 का 43) नौ भारा 269 व (1) के नभीन स्वना

भारत सरकार कार्यासक, सङ्घावक सायकार मानुक्त (निर्दोक्तण)

ध्रर्जन रेंज-1, ध्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी 1986 निर्देश संु पी० घार० नं० 4105---श्रत: समे

निर्देश सं० पी० श्रार० नं० 4105——श्रत: मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

बायकर अभिनित्तम, 1961 (1961 का 43) (जिन्हें द्वाकें इसकें परवात् 'स्वक्त अभिनित्तम्' कहा गंवा हैं), की कारा 269-स के अभीन सक्षम श्रीभकारी को यह विकास अरमें का कारण है कि स्थावर सम्बक्ति, जितका उणित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

और जिसकी सं जमीन का हिस्सा सर्वे नं 237-1 क्लाक नं 256 है तथा जो मो ग्राय गेरतपुर तालुका—रेसकोर्स श्रहमाबाद में स्थित है (और इससे उपायद प्रनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीध-1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18 जुलाई 1985

कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाना गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेश्य से उक्त अन्तर्ण लिखित में वास्तिवक रूप से कियत महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय क/ बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत. भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाग (1) के अधीन, निग्निसियन कामितयों, अर्थातु हु--- श्रो मफतभाई सोमाभाई (एच० यू० एफ०) गेरत-पुर, ताल्का जसफार्ट अहमदाबाद।

(अन्तर्क)

2. मेसर्स सुर्चाता श्रायल पार्क गेरतपुर कां० आं० हा० सोसायटी प्रयोजक—श्री वैद्युंठलाल चतुर लाल तीवेदा श्रारडायल कालोनी भनीतगर ग्रहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह शुक्रना जादी क्लाउने पूर्वीक्त सम्बद्ध के अर्जन के जिए कार्वविक्रियों सूच्य कारता हुए ।

जनक बकारिक के अर्थन के सम्बन्ध में कोई औ आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पुर स्थान की तानीज से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति कुलारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी कन्य क्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ह लिखित में किए जा सकींगे।

स्पथ्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं जर्थ हक्षेगा जो उस कथ्याय में दिशा गया है।

प्रमुखी

भ्रहमदाबाद सब रजिस्ट्रार श्राफीस दिनांक 18-7-85 को रजिस्ट्री किया गया है।मृल किमत रु० 116160/-

पी० डी० खंडेलवाल
्रूमक्षम प्राधिकारी
सहायक धायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)
धर्जन रेंज-1, धहमदाबाद

नारीख: 28-2-1986

प्ररूप आर्द .टी..एन .एस . ------

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, श्रहमदाबाद

धहमदाबाद, दिनांक 28 फरवर्रः, 1986

निर्देग सं० पी० प्रार० नं० 3106---प्रतामुझो,पी० डी० खंडेलचान

भावन कि भिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिन्न इनके इनके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाणार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव जमीन का हिस्सा सर्वेन व 243-2 व्यक्ति नं 257 है। तथा जो गेरतपुर अहमदाबाद में स्थित हैं (और उससे उपाबह दानुन्दी में और एक रूप रे राणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ध्राधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में राजिस्ट्रीकरण ध्राधिनियम 1908 (1908 दा 16) के अधीन, तारीख 18 जुलाई 1985

का पृथिकत संपत्ति के उिचत बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उिचत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

 श्रीमती शांताबेन प्रमृतलाल मगनलास की विश्ववा औरत गैरतपुर तालुका दसकोई जिला--श्रहमदा-बाद।

(ग्रन्तरक)

2. मेमर्स सुचीत पायलपार्क गेरतपुर को० ओ० हा० सोसायटी प्रयोजक-वैद्युंठलाल चतुरलाल त्रीवेदी ग्राइडीयल कालोनी मनीनगर, ग्रह्मदाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में को**र्ड** भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अपिक्तयों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमलची

सब रिजरूपर प्रहमदाबाद से दस्तावेज दिनांक 18-7-85 को रिजरूप्टी विधा गया है। मृत कीमत ६० 76230/-।

> र्पः की बिल्लाम सक्षम प्राधिकारी सहायक यायकर प्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जनरोज-1, श्रहमदाबाद

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भँ, मँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नजिधित व्यक्तियों, अधीन :---

तारीख: 28-2-1986

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -=----

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी, 1986

निर्नेश सं० पी० श्रार० 4107---श्रत, मुझे, पी० डी० संडेलवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संशम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर संगीत जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं
और जिसकी संव 605/2 है तथा जो चीनाईवाग कांव
ओव हाव सीमायर्टा टोव पीव एसव 3,6 लॉ वालेज के सामने
एसीस बीज शहमदाबाद में स्थित है (ऑव इससे उपाबद्ध
श्रनुभूची से और पूर्ण रूप से घणित है), रिक्ट्रिकर्ती अधिकारी के कार्यालय शहमदाबाद में रिक्ट्रिक्ट्रिकर्ती अधिकारी के कार्यालय शहमदाबाद में रिक्ट्रिक्ट्रिकर्ती अधिकारी के कार्यालय शहमदाबाद में रिक्ट्रिक्ट्रिकर्ती अधिकार्यों की संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ ये है विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, ऐसे द्रियमान प्रतिफल का
मन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिक्रल निक्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
सास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दाने के अंदरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; अदि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिशम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अन, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ बी उपधारा (1) के अधीन निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात १००० उपावेत मनुभाई महेता 621 लीइमा पोल बाला हनुमान गांधी चौक श्रहमदाबाद।

(अन्तरक)

2. रोहर्नाबेन भुकेतु पारेख सेकंड फ्लार सींजी 5/11 चीताई बाग सोसायटी लॉ कालेज के पीछे एलीसब्रीज श्रहमदाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील सं 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पट्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-पित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिमा गया है।

जुताई 1985 में सब रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद दस्तावेज रजिस्ट्री किया है।

> पी० डी० खंडेलघाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-४, श्रहमदाबाद

तारीख। 28-2-1986 मोहर।

म्बन पहर्षाः स्रीत स्पन्न स्पन्नानानाना

साक्ष्यर विभिन्तिस्य, 1961 (1961 का 43), वा धारा 269-म (1) के विभीन सुवता

भारत सरकार

कार्याचन, बहानक नानकर नान्छ (निडीक्स)

श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी, 1986

निर्देण सं० पो० श्रारः० 4108--श्रतः मुझे पी० डी० खंडेनवाल

बावकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे स्वामें ध्यके परचाह, 'ज़क्त मिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के सभीन सक्षम प्रतिकण्यी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार कृत्य 1,00,000/- रुप्त से अधिक है

और जिसकी सं जमीत का हिस्सा जिसका सर्वे नं 17%-3 हैं तथा जो मोजे गांव चांदलोडीया में स्थित हैं (और (और इससे उपाबद्ध श्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) एजिस्ट्रेकिन श्रोधकारों के वार्यालय श्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रेकिरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधान तारीख 11 जुलाई, 1935

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उत्कित बाजार मृत्य से अन के दरममान प्रिक्षिण के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उत्जित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिकित उद्वेदय से उक्त अन्तरण किवा में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) बन्तरण वे हुई किसी भार की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर वेने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के विष्टु; बहु/वा
- (क) एकी किसी नाम ना किसी पन या सन्य नारित्य की को, जिन्हें आरतीय नायकर विकित्यन, 1922 (1922 को 11) या कक्त निर्मिशन, या भन-कर विभिन्नम, 1957 (१७57 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या निर्मा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे निर्मा;

कतः लब, खक्त विधितियम की धारा 269-ग के जनुसरण में, में, उक्त जोभितियम की भारा 269-ज की उपधारा (1) के अभीत, तिम्मीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- श्री ज्ञानी ब्रह्मानी ठाकीर चांदलोडीया श्रहमदाबाद।
 (श्रन्तरक)
- 2. मेसर्स एन० पी॰ पार्क को० औ० हा० सोसायटी 23-ए सेकेंड फ्लोर धजांना कोर्मशीथिल सेन्टर प्राश्रम रोड़ श्रहमदाबाद।

(प्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी न्यिकत वों पर स्थाना की ताजील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत विश्तियों में से किसी स्विक्त ख्वारा;
- (क) इंग् स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बव्ध किसी व्यक्ति ब्वारा, अभोहत्ताक्षरी के पास विवित्त में किए जा ककोंगे।

स्पब्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अभिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

मनुसूची

सब रिजन्द्रार श्रह्मदाबाद में दिनांक्क 11-7-85 को रिजस्ट्री किया है मूल किमत रु० 211915/-।

> पी० डी० बंदेलवाल सक्षम ृिधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (क्रिक्षण) श्रर्जन रेज-1, श्रर्मदाबाद

तारीख : 28-2-1986 मोहर !

THE RIGHT OF THE PARTY OF THE P

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ भारा 269-च (1) के स्थीन सूचना

तारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पो० श्रार० नं० 4109---श्रतः, मुझे पी० डी० खंडेलवाल

नावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया ह"), की धारा 269-च के अभीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावहर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसको सं० जमोन का हिस्सा जिसका सर्वे नं० 172-2 हैं। तथा जो चादलोठीया सीम अहमदाबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमुचो में और पूर्ण रूप से वणित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारों के बायलिय श्रहमदाबाद में रिजर्ड केण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीत, ताराख 11 जुलाई 1985

का' प्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अंतरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्स तम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह पश्च प्रतिपति से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में एस्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अध्यक्तप पं कृषं निवार्त नाम की वावल, उपस मधिनियम में स्पीन कर पंचे के अध्यक्त में वादित्य में कभी करने ना उससे मण्ये में सुनिया के लिए; और/या
- (वा) श्रेती किसी बाव या किथी भन या जन्द गास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विभिनियम या भन-काः विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विकास किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः: अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण अर्जे, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) को अधीन, निम्निर्शियात स्यक्तियों, अर्थात् ॥—— 1 श्रा विश्नुभाई नटवरलाल पटेल 596, मोटोबास नवा बाडज, श्रहमदाबाद।

(भन्तरक)

2. मेसर्स न्यु एन० पी० पार्क को० ओ० हा० सोसायटा 28-ए सेकेंड फ्लीर श्रजंता कीर्मणायल सेन्टर श्राश्रम रोड़, श्रहमदाबाद।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन को लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जनिश या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में तमान्त होती हो, के शील पूर्वित मूर्वित स्थित में से किसी व्यक्तित हुनारा;
- (च) इस स्वना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के मीतर उनत स्थावर संपत्ति में दिवनक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किस जा सकोंगे।

स्पाधीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गुवा है।

जगसूची

सब रजिस्ट्रार श्रहमदाबाद में रजिस्ट्री किया गया है दिनांक 11-7-985 की मूल किमत ६० 204613/-।

> पी० डी०खंडेलघाल सक्षम प्रधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (तिरक्षण) भ्रजन रेज-1, श्रहमदाबाद

नातीख: 28-2-1986 मोहर। प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

लाएकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार कार्यालय, तहासक नावकर जावृक्त (निरोक्तण)

ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमदाबाद बाद दिवांक २० फरवरी 100

ग्रहमवाबाद,दिनांक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० भ्रार० 4110---श्रतः, मुझे पी०, डी० खडेलवाल

कायकर निर्मिय 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्ष्यात् 'उयत अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के निर्मित तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपीत जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से अभिक है

भौर जिसकी सं ० दो मंजिला वाला मकान जी० एफ० एफ० एफ० ग्रीर एम० एफ० है तथा जो विजयनगर ग्रस्पताल रोड़ भूज में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजय है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय ग्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 9 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्द संस्पत्ति को उचित नाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकान को लिए जतिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोकत संपर्तित का उचित बाजार मूक्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, एोसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह शैतिकात पे अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अंतरिती (जन्तरितियाः) के नीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्स निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (वा) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जात्तियाँ की, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के धवांजनार्थ अम्परिती ध्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तुविधा के सिष्टा

- 1. श्री नाथालाल करसन हालाई कुलमुख्तयार—पटेल नाथालाल रावजी सुरजपुर, जिला, कच्छ भुज। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री माधव उल्लास नवलकर कुल मुख्तयार— डा॰ उल्लास श्रीकान्स नवलकर विजयनगर श्रस्पताल रोड, कच्छ, भूज।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भा अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाघर सम्पत्ति में हित- वद्धा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास निकित में किए जा सकोंग।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिसा गया है।

अम् सूची

दो मंजिलवाला मकान जी० एफ०, एफ० एफ० श्रौर एस० एफ० विजय नगर ग्रस्पताल रोड, कच्छ -भुज रजिस्ट्रे-शन नं० 1251/85 दिनांक 9-7-85।

> पी० डी० खंडेलचाल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, ग्रह्म**टाबाद**

जतः जध, उसत मधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उसत मधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत, निम्नसिचित व्यक्तियों, अभीत्:---

तारीख · 28-2-1986 मोहर प्रकप आहे. टी. एन. एक. ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय्, सहायक भारकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजॅन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद दिनांक 28 फरवर्ो, 1986

निर्देश सं० पी० ऋार० 4111— श्रमः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह किवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्ब 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 5/4 हिमालय पार्क भ्राश्रम रोड़ है तथा जो श्रहमदाबाद में स्थित है (भ्रीर इससे उपाधद श्रनुसुची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15 जुलाई 1985

को प्रॉक्त तस्परित के जीवत शाकार मृत्य से काम के अवसाम प्रतिपाल के लिए मन्तरित की नई है और मुझे नह विश्वास करने का कारण है कि नवाप्नोंक्त संपरित का उपित बाबार मृत्य, उसके स्थामान प्रतिपाल से एंसे अध्यमान प्रतिपाल का पंकल प्रतिपाल से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और जंतरिती (अन्तरिशियों) के नीच एसे मन्तरण के निए त्य पाया नया इतिपाल, निम्मानिया उप्योचन से अन्त अन्तरण विश्वित में नास्तिक रूप में कीवत नहीं किया पाता है —

- (क) बन्दरण से हुई किसी नाय की बाबत अन्त निध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी अपरने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; धौर/था
- (क) एसी किसी जान मां किसी धम या मन्य आस्तिनों को ज़िल्हुं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी इकारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

बतः गव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीलिंखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्रीमती प्रभावेन शान्ती लाल शाह 4/3 हिमालय पार्क, श्राश्रम रोड़, श्रहमदाबाद।

(∌न्तरक)

 श्रीमती गायत्री देवी के० कबील 5/4 हिमालय पार्क, श्राश्रम रोड़, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

का यह तुषना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उन्न तज्ञीत के वर्षन के तंत्रिय में कॉर्ड भी आक्षेत्र K---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तायज्ञ से 45 विभ की जबीध मा शत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताज्ञीस से 30 विन की जबीध, जो भी अधीध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के मीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अधोहस्ताक्षरी के पास शिक्ति में किए वा सर्कोंगे।

स्थादिकरण्डः च्यानं प्रयुक्त कव्यों और पवों का, जो उक्त अधि किया, के अध्याय 20 का में परिआधित हैं. वहीं अर्थ होगा को उस मध्याय में दिया गया हैंं।

मनुसूची

सब रजिस्ट्रार ग्रहमदाबाट में दस्तावेज दिनांक 15-7-1985 को फाइल किया है। मूल किमस रु० 1,40,000/-।

> पी० **खी० खंडेबा**ल सक्षम ¶प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)ँ ग्रर्जन रेंज-1, ग्रहमवाबाद

सारीख: 28-2-1986

प्रकप आहें, टी. एत. एस..-----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, श्रहमदाबाख श्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० ग्राप्त० 4112—ग्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जमालपुर बोर्ड 2 सर्वे न० 3015, 3017 3018 श्रीर 3019 हैं नथा जो मकान एफ० एफ० एफ० एफ० एफ० श्रीर जमीन जी० एफ० श्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रीर इसके उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के वार्यालय ग्रहमदाबाद में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणिस वाजार मूल्य से कम के करयमान प्रतिफल के लिए गंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने पन्तह प्रतिकात से अधिक हैं भौर अन्तरक (जन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के लिए तय मृत्य, उसके करयमान प्रतिफल से, एसे ध्ययमान प्रतिफल का पामा गया प्रतिफल निम्नितिश्वत उद्देश्य से उन्तर करन्तरक कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य सिवित में वास्तिबंद क्या से कावित पहुँ कि वा नवा हैं

- '(क) जन्तरण से हुइ किसी आव काँ वावत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के ट्रैलए? और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

1. श्री नरेश कुमार फकीर चव शाह श्रीर 3 ग्रन्थ मांडवीकी पोल, सुरदास शेठ पोल श्रहमदाबाद। (श्रन्तरक)

 श्री महेशकुमार लालभाई सोनी रतन पोल, शेठकी पोल, ग्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की जारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की क्षामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त त्थावर सम्पत्ति में हितसक्ध किसी अन्य व्यक्ति इम्परा अधिहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त ग्रन्थों और पदों का, जो उक्त श्रीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

बम्स्ची

म+ान जी० एफ० एफ० एफ० ग्रौर एस० एफ० जमालपुर बार्ड 2 में सर्वे नं० 3015, 3017 3018 ग्रौर 3019 रजिस्ट्रेशन नं० 7307 ग्रौर 7308 दिनीक 25-7-1985 ।

> पी० डी० खंडेलवाल मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

मारी**ख**: 28-2-1986

प्रकृप बार्ड . टर्ड . एवं . एक . जन्म नगरन

भायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 की भारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यात्रक, बहायक वायकर भागुक्त (निर्दाक्षक)

ध्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद श्रहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० 4113—श्रतः, मुझे पी०, डी० खंडेलवाला

वायकर विभिन्न , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त विभिन्न के कहा गया है), की भारा 269 के विभिन्न सक्षम प्राधिकारी की यह विचनस करने का कार्रक है कि स्थावर सम्मिता, विक्रका उचित वायार मूक्य 1,00,000/- रा. संजिधिक ही

भौर जिसकी सं० 16 सङीली को० थ्रो० हा० सोसायटी सर्वे न० 74 है तथा जो गांव वेजलपुर अहमदाबाद में स्थिस है (भौर इससे उपावड अनुमूची में और पूर्ण हम ने वणित है) रिजस्ट्रीमती अधिकारी के कार्यात्रय श्रहमदाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 15 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से काम के बश्यमान प्रित्यस के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्षे यह तिश्वास अस्त्र का कारण है कि यंजापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित जाजार भूक्य, उसके सम्यान प्रतिपक्त से एने ख्यमान प्रतिपत्त का उन्दर्भ प्रतिचत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) बौर अंतरिती (अंतरितियों) के मीच एसे सम्बर्ध के निष् क्षय नाया बंदा प्रतिपन्त, निम्मलिसित उद्दर्भ में उद्दर्भ धन्तरण सिंगित में कार्त्यस्व स्था से कथित नहीं किया प्रशा है हैं

- (क) नन्तरण वे इंक्ट्रा किसी बाग की नामक क्यक श्रीय-नियम को बचीन कर दोने के शन्तरक के दायित्व में कभी करने या प्रथम बचने में भूतिया को निए कुर/वा
- (क) एसी निक्षी आय या किसी क्षम या बन्य वास्तिकी की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1932 की 11) मा उन्ति असिनियम, या ना- जर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिराती द्वार। प्रकट नहीं किया गया या का किया जाना वाहिए था, क्रियान में सुविभा के निष्ट:

ं भुषः बन, उनत विधिनयम की धारा 269-ण को अनुसूर्यः भैं, भैं, उपत विधिनयम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के नवीन, निस्तिविक व्यक्तिकां हो नवाहिकान 1. श्रीमती शैलेषबेन श्रनुभाई 1 गांधीधाम सोसायदी गण्डार होल के पास लो गार्डन एलीसद्वीज अहमदाबाद।

(ग्रन्तरक्')

2. श्रीमती संयुक्ताबेन जसवंत लाल शाह 263 मामेक-बाग सोसायटी ग्रांबावाड़ी श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिसी)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सर्वात के अर्चन के लिए कार्यवादिया क्रस् करका हुई ।

उन्त सम्पत्ति के वर्षान के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस स्वान के राजप्त में प्रकाशन की तारीबंसे 45 दिन की जनिंभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तारीबंस के 30 दिन की ज्यामि, को भी जनिष् वास में समान्त होती हो, के भीतर प्रकेषक जिस्सों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूत्रण के राजपत्र में मुकासन की तालीब है + 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मित में दितनकृष किसी बाब व्यक्ति कृषारा, अभोद्देशकारी के धंव विवेदत में किस का सकोंने।

ल्पम्बोकरणः — इसमें प्रमुक्त सम्बो और पदों का, जो अवस अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं हैं, नहीं भर्थ होगा को उसे अध्याय में दिका सवा है।

वन्स्ची

सब रजिस्ट्रार धहमदाबाद में दस्ताजेज दिनांक 19-7-1985 को रजिस्ट्री किया है। मूल किमत रु० 1,00,000/-।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधि तरी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-1, ग्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

बक्त बाइं.टी. एन . एन

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-प (1) के अभीत स्वान

भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायकर जायका (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-1. श्रहमदाबाद

श्रह्मदाबाद, दिनाँक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी'० श्रार० ४। 1.4 च - श्रत: मुझे पी० छी० खंडेलवाल

यायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार (उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-भ के अधीन सक्षय अधिकारों का यह विदेशाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी मं० व्लाध 41-ए कर्मचारी नगर को० स्रा० हा० सोशायटी है तथा जो मोज घाटली डीया सहमदाबाद में स्थित स्थित है (स्रोर इन उराबद्ध सनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विभिन्न है) रिजिस्ट्रो तो स्रविधारी के कार्यालय सहमदाबाद में रिजिस्ट्रोकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 12 जुलाई, 1985

करं पूर्वाभक अभ्यति के जीवत शावाल मूल्य सं कम के सम्मान ।
तिफाल के लिए अन्तियत की गई है और मुभी यह विश्वास अन्ति का प्रशास ही कि अभ्यति की गई है और मुभी यह विश्वास अन्ति का प्रशास विश्वास स्वास इल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अविश्वास (अतिप्रतियों) से बीच के एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निसिवित उद्देष्य से उस्त अन्तरण कि सित से अस्ति कर सं किथत नहीं किया गया है :---

- (क) श्रामाण प्रशृह किर्मा अप की बाबस, आवस जिल्हामा के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में स्वामी करूने या उत्तरी बच्छे में स्वीमधा के लिए, मार्ट/का
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तियों को, विन्हें भारतीय भायकर निर्मानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मानयम, या भन-कर निर्मानयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ बन्दरिती धुनारा प्रकट नहीं किया बना था था किया नाना नहिए था, कियाने में सुविशा की विद्या

जत: अभ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसियत व्यक्तियों, तथित :----

 श्री एजनी हान्त कुन्दन लाल वारस ए-11/1 कालोनी पोलीटक्नोक के पास श्रहमदाबाद-15।

(भ्रन्तरक)

2 श्री रमनलाल हरतेनदास पटल एल-11-1 कालोनी पोलोटक्नोक क पाल श्रहमदाबाद-15।

(भन्तरिती)

को वह तुमना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्बन के िनए कार्यवाहियां करता हुँ:

उक्त संपरित के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्रीय:---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संवंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी जबिध नाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रकेशन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (ध) इस सूजना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवबुध किसी जन्म स्थावित द्वारा अभोहस्ताक्षरीं के शक्त निर्मित सा जिल्ला सकती।

स्वध्यक्तिकरण:--इसमी प्रयुक्त शब्दों सीर पदी का, वा उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क भी परिभावित है, बही अर्थ होगा को जस अध्याय में विद्या

जनसूचीं

भव रिजिस्ट्रार श्रह्मदाश्राद से दस्तावेज रिजिस्ट्री किया है दिनाँक 12-7-85 को मुल किमत ६० 90000/-।

> पी० **घी० खंडेलवान** मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

मोहर 🖫

भक्त नार्षं . टी . एव . एस . ------

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यक्रिय, सहायक बायकर बाव्यत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनाँक 28 फरवरी, 1986

निर्वेष सं० पी० श्रार० 4115---श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलयाल

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269--स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित्त कारण मुख्य 1.00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० व्लाट नं० 132-बी एन० यू०-10-बी है तथा जो गाँधीधाम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यांचय श्रंजार में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रयीन, नारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य ते कम के क्ष्ममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे गई विक्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसको दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिग्रत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब बाबा गवा प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वोदय से उचित जन्तरण विकार के सिए तम का प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वोदय से उचित जन्तरण के सिए तम

- (क) नलरण वे हुए किसी बाव की बावत, अवत विधिनियन से अभीन कर दोने के कलरक की दायित्व में कमी करने या उत्तरों वचने में त्विभा के सिह; और/वा
- (व) एसी किसी आय या फिसी भन पा जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 हैं (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मीरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा या किया जाना जाहिए चा, जिनाने में सुविधा के जिल्हा;

अतक अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-त के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-त की खपवारा (1) ■ अभीत, रिम्मलिखित व्यक्तियों, वजीत रू— श्री एम० ए० श्रीचंदानी एस० डो०बी० 159 प्राडीयर।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जे॰ एस॰ कोटाई, बी-132 एन॰ यू॰ 10-बी भाईप्रतानगर गाँधीधाम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन औं किए कार्यवाहियों करता हूं।

सक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास सिचित में किये जा सकनी।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। पदा हैं।

ग्रनुसूची

सब रिजस्ट्रार ग्रहमदाबाद में दस्तावेज दिनाँक जुलाई 1985 में रिजस्ट्री किया है मूल किमत रु० 60000,-।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1. श्रहमदाबाट

तारीख: 28-१/1

प्रक्षं वादं .टी . एन . एस , ----

नायकर निम्नियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्मृता

भारत चुडुनम

कार्याजन, सहायक बायकर बावुक्त (निरासक) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० श्रार० 4116—श्रतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

मानकर निमिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें प्रथमत 'उन्त मिनियम' नहा गया हैं)., की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका श्रीचत बाजार मृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं क्ष्मकान प्लाट नं 543 वार्ड नं 12 सी है तथा जो गाँधीधाम कच्छ में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय गाँधीधाम में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित वाचार मृत्य से कम के अध्यक्षान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का आरण है कि बधापूर्वोक्त संपरित का उचित बाबार मृत्य,, उसके अध्यक्षान प्रतिफल से, एसे अध्यक्षान प्रतिफल के फेड प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (इ.न्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फ.स., निम्मलिखित उद्देश्य से अक्त अध्यरण लिखित में वास्त-विक क्य से कथित नहीं किया नवा है हि—

- (का) सम्बरण वे झुद्द जिल्ली नाम की ्यायड ; व्याप्त निर्धानसम्बद्ध विश्वीत कर दोने के अन्तपुरक की दावित्य में कार्मी कांद्रभे या उत्तस्त व्याप्त में सुविधा की मिए; जॉर/या
- (क) ऐसी किसी नाय मा किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय नाय-कर जिपनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना जाहिए था, किया में सुविधा की सिर्धः

जतः नव, उन्त निर्मितनम की थारा 209-ग के जम्सरण मं, में, उन्त निर्मितम की थारा 269-च की उपधारा (1) है नधीन, निर्मितिक जनिकारों, नथीन ह---

1. श्री महेन्द्र मोहनभाई श्रागेर डी० पी० जेड़० 125-126 गौंधीधाम, कच्छ।

(प्रन्तरक)

2. मसर्स पीयुष ट्रान्पपोर्ट कंपनी 21-ए-15 वजकोटक रोड़ कोन्डाकटर बिल्डिंग फर्स्ट क्लोर कोरवार इस्टेट, बल्लार इस्टेट बोम्बे-38।

(भन्तरिती)

को यक्ष् सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पर्टित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

धनत संपत्ति के बर्चन के संबंध ने कोई भी बाक्षीय :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनभि वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्षीय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्भ किसी अन्य स्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्वयोजरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्स्ची

सब रिजस्ट्रार गाँधीबाम में दश्तावेग दिनां ह 26-7-85 को रिजस्ट्री किया है मुल की मत रु० 75,000/-1

> पी० डी० खंडेल**बा**ल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रॅज, **प्रह**मदाबाद

तारीख: 28-2-1986

प्रकृत बाद . टी. एन. एस. ------

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (i) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर जायम्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाँक 28फरवरी, 1986

निर्देश सं० पी० ग्रार० नं० 4117---श्रतः, मुझे पी० डी० खंडेलवाल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकार किया यह मिर्टा कार्य का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संवगें डाउन वेरावलम यार्ड नंव 1 कृष्णनगर है तथा जो खड़ खड़ एरिया में स्थित है (श्रीर इसते उपाबड़ धनुसूची में और जो एणें का से चिल्ति है) किन्द्री तो श्रीध-कारी के कार्यालय वरावल में रिजस्ट्री करण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान शितफास के लिए अन्तरित को गई है और मभ्ने यह निज्यास करने का कारण है कि यथापुष्टांक्त संपत्ति का उजित बाजार मृह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एसं अन्तरण क लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित में वास्तिविक रूप स कथित नहीं किया गया है के

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत., उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एखा किसी जाय या किसी धन अन्य बारिस्तर्या की विक्र धारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रधायनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया यया था वा किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविधा से की किए;

बत: शर्म, उन्त निधितियम की शहा 269-म से अनुसर्ध में, मी, उन्त नामितियम की भारा 269-म की उपधारा (1) है सभीन, निस्तानियत स्मित्रमाँ, सभित् है—

. 1. श्री महेशकुमार गोविंदलाल संघवी खड़खड़ कृष्ण-नगर वेरावल।

(भ्रन्तरक)

2. श्री राजन्द्र मोहन लाल महेता वेरावल खड़खड़ कृष्णा-नगर, वेरावल।

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्थन के जिए कार्यलाहियां करता हुं।

उन्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई जी वाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (ण) इस सूचना के राजपण को प्रकाशन की तारींच हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनयमः के अध्याय 20-क में परिभाषिक हो, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय टें दिया नवा है।

धनुसूची

गोडाउन वेरावल में वार्ड नं० 1 क्र[ु]णनगर खड़खड़ **एरीया** रजिस्ट्रेशन नं० 1656 श्रीर 1655/दिनाँक 1-7-1985

> पी० डी० खंडेलवास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, श्रह्मदाबाद

नारीख़ै: 28-2-1986

प्रकल बाह्ये. टी. एन्. एस्. म 🖛 🕶

नायकर निर्मानमञ्. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायतिय, सहायक भायकर भागृक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनां क 28 फरवरी, 1986

निर्देश मं० पी० आए० 4118——अतः मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के वभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारन हैं कि स्थावर संपरित जिसका उजित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० जमीन पोरबंदर में है। जिसका क्षेत्रफल 607.2 वर्ग यार्ड है (स्रोप इसमें उपाबद्ध अन्धृपृष्टी में स्रोप पूर्ण कर में वर्णित है). जिस्हीतर्सा अधिन्यम, 1968 दी जार्यालय पोरबंदर में रिजस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1968 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार व्यावसके दश्यमान प्रतिफल से ए'से ध्यमान प्रतिफल का गन्तह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे कन्तरण के लिए द्वय पावा गया प्रति-फन, निम्नुलिखित उद्विस्य से उच्त बन्तरण लिखित में बारतिक कम से अधित नहीं किया गया है है

- ोंक) सन्तरूप संबुद्ध कियों भाष की समात संवत अधि-निवस से अवीन कर दोने से सन्तरक से दासित्न में कभी करने या उससे नमने में सुनिधा के सिए; अडि/वा
- (व) ऐसी किसी बाब वा किसी धन या बन्ध बास्तिवों की, विनहें भारतीय बायकार विधिनियन, 1922 (1922 का 11) वा उस्त विधिनियन, वा चूब-कार संभिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा सा किसा राटा वाहिए था, किसाने में सुविधा वे सिस्ट:

लतः सभ, तथस बॉथनियम की नारा 269-न की अमृतरक में, में, उक्त निधिनियम की भारा 269-न की उपधादा (1) के अधीन, निम्मक्रियिक स्पन्तिकों, नर्भात् क्र-- श्री अफुलचंद्र मगालल, मगालाल मोहधलाल, मंगला-बेग नगाता न लामकाग का पीछे पोरबंदर।

(अरु⊣र्क)

 श्री भागात्मम प्राम्थाम संबद्धा वाघेष्वरी प्लाट पारकंत्रा।

को वह सूचना बारी करके प्वोंक्त स्थालि के वर्धन **से विक्** कार्यवाहियां करता हों।

बन्द सम्परित को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी शाक्षीय:----

- (क) इस मूचना को राजपक्ष में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिष, को भी जन्मि नाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कह प्रकारणों में से कि सी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में श्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हित-ब्यूथ किसी बन्य व्यक्ति वृद्धारा, सभादेस्ताक्षरी के यादा सिविस में किए का स्कति।

स्पष्टिकरणः ——इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित ह1, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ह1।

श्रनुसुची

जमीत पोरबंदर क्षेत्रफल 607.2 वर्ग या**ड** रिजस्ट्रेशन नं० 1897, 1896 और 1898 दिनांक 19-7-1985।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधि ारी सहायक अत्यक्त अत्यक्त (गिरीक्षण) अजह रोष्टा, अहमदाबाद

नारीख: 28-2-1986

वस्य भार्वे हो । एवं । एतं । वन------

नामकर लेभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन सूचना भारत वश्कार

कार्यालय, तहायक आयकर नाम्मत (निरीनण) अर्जभ रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 28 फरवरी, 1986

निर्वेश सं० पी० आए० 4119/1/85-86—अत: मुक्तें, पी० डी० खंडेलवाल,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर कम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 1550/571, 494, 509 है, तथा जो वश्वा बिल्डिंग मटीरीयरुस मरचेन्ट एण्ड बेयर हाऊसिंग में स्थित है (श्रीण इसमे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीजर्ता अधिकारी के कार्यालय अहमदा- बाद में रिजस्ट्री तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17 जुलाई 1985

को पूर्वोत्रत सप्पत्ति को १९ जत बाजार कृत्य से कम के दृष्यकान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विद्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एगे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिक्षी (अंतरिक्तियों) के धीच एसे अग्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिचक कप से किथा नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अत्य आस्तियां को, जिन्हों सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिल्ला अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धारिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

नतः असः, अन्त रूपिनियम की भारा 269- व के अन्मरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) क नभीन, निव्तरिक्ति व्यक्तियों, नवीं क्रिक्त श्री ग्रंबीका वैमिक्स्स भागीदार—श्री महेग एस० देसाई गोलवाला बिल्डिंग, अंतरंगपुरा अहमदाबाद।

(अन्तर हा)

2. में सिट्ट श्री श्रंसीका द्वेडींग कोरपोरेशन ए० सी० महादेविया गोलपाला बिल्डिंग, नवरंगपुरा अहमदा-बाद।

(अन्तरिती)

च्छो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राषपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तृषना की ताथील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेषित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति कृत्या;
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास करित में किस् ना सकोंगे।

स्त्रक्षित्र प्रश्ने प्रश्नेत प्रकार और पदा भा, वा उपत अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, कहीं क्ष्में होगा को उस अध्याय में दिया पदा हैं।

अनुसूची

मकान जो अहमदाबाद में स्थित है जिसका सं० नं० 1550, 551, 494, 509 है। सन रिजस्ट्रार अहमदाबाद में 4177 नंबर गर दिशांक 17-7-85 को रिजिश्टर्ड किया गया है।

> पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

प्रसम्ब काइ . सी. एश्. एस. ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शासकर अधिन सुधना

AUGUST STATES

कार्यामय, सहायक आयकर कार्यकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमदावाद

बहमदाबाद, दिनांक 28 **फ**रवरी, 1986

निर्देश मं० पी० आए० 3120---अव:, मुझे पी० डी० खंडेलवाल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसके परणाएं उत्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्तास करने का कारण हैं कि स्थानर संपरित, जिसका उचित बाण्टर मृत्य 1,00,100/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं सर्वे नं 474-ए 474-2 एफ बी० 89, 90-1, 90-2 चाडी है तथा जो बेज तपुर में स्थित है (श्रीर इसो अखब अपुर्वी में श्रीर पूर्ण कर मे विणित है), रिजिस्ट्रीक्ती अधिकारी के कार्यालय अहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 31 जुलाई, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गृह है और मृक्षे यह विश्वास अरने का अरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार एवं, उसके दश्यमान प्रतिकल से एंगे दश्यमान प्रतिकल का भन्मह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बार अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिस्ति उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक अप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जनसरण ते हुई किसी जाव की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर पोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अस्तिम् और/सा
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यः धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्थिता के लिए;

- 1. श्री भग। गर्मपाणंत्य दुवे बी-5 श्रयेस अपार्टमेट श्रेगस फाउन्डेशान के मलदीक अहमदाबाद-15। (अन्तरक)
- श्री चंदुलाल अमृतलाल भागडीया 39-दीपावली सोतायटी भारायन भगर रोड़, विधाकुंज चार रस्ता के नजदीक पालडी, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह स्वाना आरी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्रक स्थान की तानील के 30 दिन की अवधि, जो ती अवधि बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर प्रोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इक चूचना के राज्यम में प्रकाशन की वारीय वें 45 दिन के भीतर उसत स्थानर सम्पत्ति में हिब-बहुण किसी बन्न व्यक्ति स्वारा, अभोहस्ताकारी के पास मिथित में किस जा तकोंने।

त्थव्यक्तिरण: ----इसमें प्रयुक्त कन्यों जीर पदों का, जो उसक किंकिन निवस को अध्याय 20-क में परिकारकत हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

धन्सूची

वेजनपुर सर्वेनं० 474-1, 4874-2 एफ० वी० 89, 90, 91, 90-2 यादि।

पी० डी० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहाव : आयकर हायुक्त (किरीक्षण) अर्जेट रेंग्र-1, अहमदाबाद

तारीख: 23-2-1986

माहर:

प्रकृत बार्च हो । एन . एस् . ------

भागकर वरिपानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्वाना

भारत संदुष्णार

कार्यांक्य, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेजिन, अहमदाबाद

अहमराबाद, दिनंक 28 फरवरी, 1986

मिंद्रेंग सं० पी० आ४० 4121---आः, मुझे, पी० डी० खंडेलवाल

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी संव सर्वे तं 5285 है तथा जो बिल्डिंग संस्कार को ब्रोठ हा मोस्तयटी वाई तं 1 क्या कतं 5 है तथा जो स्रोदिश नगर में जिया है (श्रीर इसमे उत्तबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण का में बाँगत है), रिजल्ड्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय में बदवान में रिजल्ड्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 जुलाई 1985

को पृथित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रोतफल को लिए बन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पृथितत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्धरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के किए; बांड्र/बा
- (ण) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा खें सिक्

यतः जब, तक्त विभिनिषम की भारा 269-ग के अनुसरम में, भें, उयत आंधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ज्यक्तियाँ, अधित हुन्न

- श्री साल्यचंद वृज्ञताल बोला हीरजी भरसी चाली
 तुरेलपखंड रोड् मलाड बेल्ट बोम्बे।
 - (अन्तरक)
- नीलेषकुमार फुनवंद भाई संघवी जीतेन्द्र रोट्ट, महावीर पार्क के अध्यक्षिम, सूरेन्द्रभगर।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्थन को सिएं कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब क्थ किसी अन्य व्यक्ति इवारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए का सकोंगे।

स्पष्टीकर्ण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

बिल्डिंग संस्कार को० ग्री० हा० सोसायटी में वार्ड नं० १ वर्गाक नं० 5 सर्वे नं० 5285 सूरेब्रद्रनगर बदवान राजिस्द्रे-भन नं० 2593/22-7-85।

> पी० डी० खंडेल बाल सतम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्: (निरीक्षण) अर्जनरेज-1, अतमदाबाद

तारीख: 28-2-1986

प्रारूप आर्द दी एन एस

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अभीन सुबना

भारत प्रस्कार

कार्यालय, सहायक भागकर आध्वकत (निरीक्षण)

अजीन रेंज-1, अहमदाबाद अहमदाबाद, दिनां रु 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० पी० आर० नं० 4122—अतः मुझे, पी० छी० खंडेलवाल.

हालकर श्रीपितियम, 1961 (1961 का 43) किंवी इक्ष्मी इक्ष्मी प्रश्नात् (उन्ता श्रीपितमा नहा गया हैं), की पाक 269-वा के अधीन समय प्रतिकारी को यह विश्वास कड़ने का कड़ने का कड़ने के कड़ने कड़ने

श्रीर जिसकी संज जमीत 3 एकड 39 गूंठा 19239 वर्ग यार्ड है, तथा जो वर्तेज मे जिला भावनगर में स्थित हैं (श्रीर इसके उपाबद अनुभुची में श्रीर पूर्ण ब्ल से वर्णित हैं) रजीस्ट्रीक्ता अधिकारी के कार्यालय भावनगर में रजीस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-7-1985

की पूर्वोक्त सम्परित के समित बाबार मूक्य से कम के क्रममान मृतिकल के जिए क्लारित की वह है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि सक्तन्वोंकत संपन्ति का अवित समार मूक्य, शक्के स्वकाद श्रीकृत से, एचे क्षममूद मौतकल का भूक्य, प्रतिवत्त वे विभिन्न, है और ब्लाइक (बंदरका) बढ़ें कार्रारती (मृत्यिक्ता) से क्षम एचे जलारण के बिन् उन पास पदा प्रति-क्षम निम्निक्ति स्वमुद्देस से उन्तर क्ल्यूरण किविद में वास्तु-मूक कर वे स्वित नहीं किया गया है ?---

- विश्वी भारतरक से हुन् किसी बाब की बावत , सबस जीपनियम के स्पीत कर वोने के अन्तरक के दावित्व में कभी बेकने ना उपने नमने में स्विमा के किए: बीर/वा
- (व) पुनि किसी नाय या किसी धन वा बच्य आसियों को, विन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 है। 1922 का 11) या तक्त अधिनियम, या भन्तर प्रधिनियम, या भन्तर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था का दिवस जाना आहिए वा कियाने वें प्रदिवस के दिवस के दिवस

जिल: धव, दश्स अधिनियम को बारा 269-म के, बगुबरण इ. मे. उस्त वीभीनवम की धाव 269-म की उपधाय (1) है बधीन भिन्निनियस व्यक्तिस्कें अवस्थि ह—-

- (1) श्री अवेरभाई राघवभाई बरतेज जिला भावनगर (अन्तरक)
- (2) श्री मुनशीराम हंसराज रामकीशन हंसराज खन्ना, जिला लुधियाना पंजाब (अन्तरिती)

को यह क्षमा जानी करके प्रांजित सम्मरित के वर्षण के हिनए कार्यशिहियां मुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ;---

- (क) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामीन से 30 दिन की अविश, जो भी अविश बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सम्भ किसी व्यक्ति द्वारा, मश्रोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किया वा सर्केंगे।

स्पष्कित्वा :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्स्यी

जमीन 3 एकर 39 गुंठा 19239 वर्ग यार्ड परतेज में भावनगर रजिस्टेशन नं० 2081/4-7-85 ।

> पी० डी० खंडेलवास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, अहमवाबाद

तारीख: 28-2-86

प्रकृष आहें हो पूर्व पुष्य अन्यनन्त्रक

बाबकर गाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुबना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक कायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनां र 28 फरवरी 1986

निर्देश सं०पी० आर० नं० 4123—-अतः मुझे,पी० डी० खंडेलवाल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके बश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जन्म है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर लिसकी सं मुरेन्द्रनगर बोर्ड 2 सर्वे नं 5 5427 से 5432 है तथा जो जयहिन्द को श्री मों लिमीटेड प्लाट नं 33, ज्यादा जमीन णोगिपारे में स्थित है (ग्री इसके उलाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पुर्ण प्लाम विणित है) रिजिस्ट्री इसी अधिकारी के कार्यालय वधवाल में श्रीजस्ट्री करण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-7-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्व, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्कह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उन्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिबक्त रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के कायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया आना आहिए था, जिपाने में सुविधा से अस्तः

जतः जब, उक्त लिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त लीधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) में अधीन, निम्नलिविस व्यक्तियों, सर्थात् ≟— (1) श्री भोगोजात त्रंबकनात याह् महाजन पाल सुरेन्द्रभगर ।

(अन्तरक)

(2) मोलीकेत जंयतिकाल 33, जयहिन्द सोसायटी भुरेन्द्रनगर

(अन्तर्भार्ताः) ।

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिल-यक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए का सकी गे।

स्वक्तीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत श्रीभृतियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया। गया है।

मर्प्य

सुरेन्द्रनगर बोर्ड 2 सर्वे नं० 5427 से 5432 जयहिन्द को० ग्रो० सोसायटी प्लोट नं० 33 ग्रींटएडीणनच जमीन गोन पादि वधवान रिजस्ट्रेशन नं० 2505/12-7-85 ।

> पी० डी० खंडेतवान सक्षम प्राधिकारी सहायक आयगर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंग-1,अहमदाबाद

तारीख : 28-2-1986

मोहर 🖫

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें का, अहमदाबाद

अहमाबाद, दिशांल 28 फरवरी 1986

निर्देशमं० पी० अ१४० न० ४१२४ --अ१: भुझे पी० डी० खंडेल्वाल

बायक इ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीए जिसकी सं व्याटनोडिया सीन सर्वे नं 307, 312 एफ पी 131, 132 है, एया जी पैकी प्लीट नं 54, जमीन क्षेत्रफा 402 वर्ग याई से स्थित है (श्रीप इसके उताबड़ अनुसूची में श्रीप पूर्ण क्यांत्र वर्णित है) रजीस्ट्री ज्ञां अधि गरी का नार्यालय जहमदाबाद में जी-स्ट्री ज्ञां अधिनयम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 16-7-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में क्षण के दश्यमान आतिकल के लिए अन्तरित की गई आप मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्स सम्पत्ति का लियत बाजार मृत्ये, उसके दश्यमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तम पागा गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथा नहीं फिया गया है अ—

- (क) जन्तरण सं हुइं फिली साम का नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किहा; मीड्र/या
- [क) एसी फिसी नाय या िकसी धन या कन्य आस्सियों केत, किन्हुं भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तारिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

मतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) शर्माष्ठावेत ठाकोरभाई पारेख सरसपुर मोटी सब्लीबाद, शहमदःबाद।

(अन्तर्क)

(2) श्री रमनी अमई महावेबभाई पटेल 98, गोरीराज सांसायटी नं० 2 **घाटलोडिय, रेल्वे क्रास्मि के** नजदीक अहमदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क). इस म्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (था) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिधित में किए जा सकरेंगे।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस कथ्याय के दिवा वना हैं।

धनुसूची

घाटलोडिया सीम सर्वे नं० 307, 312 पाडी एफ० पी० 131, 132 पैकी प्लोट नं० 54 जमीन क्षेत्रफल 402 वर्ग यार्ड

> पी० डो० खंडेलवाल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजॅन रेंज-1, अहमदाबाद

मारीख: 28-2-1986

प्रकर भार्र ,ट्री. एव . एव .: ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

WAY SEALS

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च 1986

निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/ए० आर०/7-85/ अतः मुझे मुनील चौपडा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संज्या 20 एचज, शिवाजी पार्क, है, तथा जो गांव शाधीपुर दिल्ली राज्य, नई स्लिली में स्थित है (भीर इसने उपावछ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है), रिजस्ट्री उसी अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मून्ने यह विश्वास करने का कारल है कि सभाप्रवेक्त संपत्ति का उचित बाजार नृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल के, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्ग) और कम्मिरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के धिलए तय पाना नया प्रतिफल, जिम्मिसिवित उद्देश्य से उद्देश जन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथात नहीं किया गया है:—

- [फि) नन्तरम् चं ह्राइं किसी नाम की बावस्, उसके अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धनकर धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भेतः सम उन्त निधिनियमं को धारा 269-त के सनुसरण में, में, उन्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन हिन्सित व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स

- (1) श्रीमक्षी बिद्यावती चीपड़ा, पत्नी देथ राज निवासी 52/38, श्रोल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) श्री हंस राज गुलाटी सुपुत्र स्वर्गीय देशराज गुलाटी ए-112, वजीरपुर, इन्डस्ट्रीयल एरिया/दिल्ली। (अन्नरिती)

को यह युवना बारी करके पूर्वोक्त कन्नरित से वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना कीं तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हि तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकी ।

स्पष्टांकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हरं व अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असम्ब

प्लाट नं० 20, ब्लाक एच०, तादावी 373 वर्ग गज, शिवाजी, पार्क, मई दिल्ली गांव मादीपुर, विख्ली राज्य, दिल्ली।

> सुनील चौपडा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 10-3-1986

प्रकृष बार्च .टी . एव .एस . -------

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म. (1) की वधीन सुचना

भारत तरकाउ

कार्गालय, तहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, मई दिल्ली मई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य्०/3/एस० आर०-3/ 7-85/2639—--श्रः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उप्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राभिकारी की वह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार भूरण 1,60,000/- रा. से अधिक हैं

• श्रीर जिसकी सं० सी-72 है जया जो शिवाजी पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (ब्रॉर इसने उनाबद्ध अनुसूची में पूर्ण • रून से वर्णित है), रजिस्ट्री इन्हें अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्से यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की:, खिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के धिष्ट;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाराग (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:— (1) श्री प्रितम सिंह सुपुत्र ग्यान सिंह 24/52, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अनःस्क)

(2) श्री सुमाप चद बंसान सुपुत बरराम राम बंसल, सी-72, शिवाजी पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरिसी)

को यह सूचना बारी करके पृथींकत संपरित के वर्षन के तिक् लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ::---

- (क) इब स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन की जबिध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उन्क स्थावर सम्परित में हितवद्वध किसी अन्य स्थात्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियाः गया है।

अनुसूची

आधा अविभाज्य भाग तल खंड (1/2 भाग) प्रापर्टी नं॰सी-27, शिवाजी पार्क, नई दिल्ली।

> सुनील चोलड़ा सक्षम प्राधि परी सहायक आयकर आयुका (किरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

नारीख: 4-3-1986

प्रकम आर्च. टी. एन. एत. -----

कायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सूचना

नारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नर्ड दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/3/एस०आर०-2/ 7-85/2640--अनः मुझे, सुनील चीरड़ा,

सायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिरो इसमें इसके परकाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 769-स के बधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निष्यार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचिन बाबार मुख्य 1,00,000/- र.. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या सी-72, है नथा जो णिवाजी पार्क दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उपावड अनुसूची में पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के जार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जुलाई 1985

की पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ये यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत संपत्ति का उपित वाषार मृन्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एमे स्वयमान प्रतिफल का पन्यह तिकत ने विभिन्न है और अन्तरिक (बन्तरिकों) और अन्तिशित जन्तिरितियों) के बीच एसे जन्तरिण के निए तब पाया वस्म इतिफल, निम्निसित उस्देश्य से उक्त बन्तरिण निकित के बास्तिक स्प से क्रियत नहीं किया क्या है हु-

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोनेके बन्तरक को दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुनिभा को निए; और/खा
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भएनीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्की विभिन्नियम, या अनक्तर अधिनियम, 1957 (10-7 का 27) औ प्रयोजनार्थ जन्तरिसी व्वारा प्रकीट अहीं किया गण था या किया जाना वाहिए था, इक्कपाने में सुनिवर्ध वे विष्

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निष्निखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक (1) आ जिला सिंह सुपुत्र स्थान सिंह 24/52, पाताओं प्राण, भड़े दिल्ली।

(अनारका)

(2) श्री प्रेम चंद बंसल सुपुत्र बरू राम बंसल मी-72, शिवाजी पार्क, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक अभिनियम, के अधीन अध्याय 20-के में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया बसा हैं है

ग्रनुमूची

1/2 अविभाज्य भाग तल खंड (1/2 भाग) प्राप्तर्टी नंजर्मा-72, सिवाजी पार्व, दिल्ली।

णुनील चोत्ज्ञ सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली

नारीख: 4─3─1986

प्रकर नाईं, धी, एन . एस . -----

बावकर विधिनवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के संधीन त्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तक)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 मार्च 1986

निर्देण सं० अई०ए०सी०/एक्यू०/3/एस० आ४०-3/7-85/ 2642—अत: मुझे, गुनील चीपड़ा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्मास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 51/3, है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रींग इससे उनाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), प्रजिल्ही ति (धिवारी के कार्यास्य, नई दिल्ली में भारतीय प्रजिल्ही त्रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनां र जुलाई 1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम कै क्षयमान प्रात्तिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रुच, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल को पत्त्वह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्नितिखित उद्योग्य से उच्त जन्तरण मिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाव की बावत, अचल विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक वी दाविस्त में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; वॉट/वा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन यह अन्य हिन्सित्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से सिए।

(।) श्रीमती पुष्प देवी 89, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कोशल्या खुराना, सुदेश खुराना, एच-56, कीर्नि नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह त्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच कै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, मैं भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित हवास;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्दिश में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाछ निश्चत में किए जा सकरेंगे।

स्वकाकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उनक अधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं कर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिया नेता हैं।

तम सची

प्लाट नं० 51, रोड़ नं० 3, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

मृतील **चौपड़ा** सक्षम प्राधि∃ारी सहायक आयकर आयुक्त (फिरीक्षण) अर्जन **रेंज-3,** दिल्ली, **नई** दिल्ली

नारीख: 10-3-1986

that miles als and and annumerous

मायमर मिपिनिया, 1981 (1981 को 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

भा<u>रत सरकार</u>

कार्यासय, सहायक आयत्मः आधारता (निरीक्षण) अर्जीक रेज-३, पर्व किल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० अई०ए०सी०/एक्यू०/3/एस०आर०-3/7-85/ 2643---अत: मुझे, सुतील चौपड़ा,

कायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हों), की धारा 269-स के 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह धिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिस्ता पाउनर स्वयं 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या 3/बी, है तथा जो मंतर गार्डन, गई दिस्ली में स्थित है (भौर इसन उपाबद अनुम्बी में पूर्ण ख्य से बणित है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गई दिल्ली में रिजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 कि कि अधीन, तारीख जुलाई 1985

जो प्वेंकित संपरित को उभित बाजार मूल्य में बाम के द्रममान प्रतिकल को निए जन्तरित को पड़ हैं जौर माने यह विकास करने का फारण हैं कि संभापनींक्त संपरित का उधित बाजार न्स्क, अनके का का प्रतिकल प्रतिकल में एसे क्यामान प्रतिकल का पन्तह प्रतिकत से अधिक हैं और जन्तरिक (जन्तरिकों) को बीच एसे जन्तरिक के निए तय पाया गया प्रतिककत, निम्मतिलिखत उद्देश से उक्ता अगासण निक्त में प्रतिकल के स्वार की स्वार के कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी बन का सक्त अर्लाइनकी की, जिल्हों भारतीय वायकार शाँकित्यम, 1922 (1922 का 11) या उप्ता मिनियम, 47 वनका बिधिवियम, 47 वनका बिधिवियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना चाहिए था, खिपाने में मिनिया के निष्

करः सकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अमृसरम में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात् ए--- (1) श्रां प्रांत पाल सिंह भ्रोर गुरिन्दर पाल सिंह, निर्मल सिंह भ्राप कुलदीय सिंह सुपुत ठाकुर सिंह निवासी बीएस-15, बेल रोड, हपि नगर, गई दिल्ली।

(अन्तर्भः)

- (2) (1) निर्मल देवी गुप्ता पत्नी सिरी निवास गुप्ता
 - (2) राम चन्द्रश गुण्ता 1178/ः, हरि सिह मा**बवा** स्ट्रीट, अबदुल रहमान रोड़, नई दिल्ली कश्रोल

(अन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पर्याक्त सम्मीत के अर्जन के लिए फार्यवर्गक्ष्य करता हो।

सक्ष सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध हो। कोई भी बाक्षीप 🐃

- (क) इस स्वता के राजध्य में प्रकाशन की जारीय सं 45 दिन की अनिभ मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता को तामील से 30 विन की अविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृत्वों कर सर्वक्रता को के किस क्यारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सबें है।

ज्याक कि रचा: --- इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदाँ का, को उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया विदा है।

प्लाट नं० 3, बनाज बी, तादादी 4252/9, वर्ग गज शंकर भार्डन, गांव-पो० संगीपुर, दिल्ली राज्य, दिल्ली बाईड रेक्ट, नं० 9, किला नं० 6, 7, 14 ।

> भुनील चीनड़ा सन्तम प्राधि गरी सहायक आयक्ष आयुक्त (लिरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 4-3-86

मोहरः

AND AND WILLIAM STORES

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

बारत सरकार

कार्मालय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 4 मार्च 1986

निर्वेश संसे श्राई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० श्रार०-3/7-85/2644--श्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अभिनियम' कहा ग्या धू"), की भारा 269-थ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य 1,00,000/-रा. सं अधिक है

प्रौर जिसकी सं० सी-55, खरारा नं० 4/18 गाँव है तथा जो जवाला हेडूं, दिल्ली में स्थित हे (श्रीर इसके उपाबड़ प्रमुक्ती में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिलस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिलस्ट्रीकरण श्रधिनियम

1908 (1908 का 16) के अधान नारोख जुलाई, 1985 को पूर्वास्त सम्पोत्त के उत्तर बाजार मून्य स कम के स्वयमान प्रतिकास के लिए अन्तरित का गरे हैं और मूम्से यह विम्यान करने का कारण हैं कि संभापनों कर सम्पोत्त का जावत बाजार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिकास के एस स्वयमान प्रतिकास का स्वयमान प्रतिकास का स्वयमान प्रतिकास का स्वयमान प्रतिकास का स्वयम् गरिकार से बादि के बोर बंदरक (बत्र कों) बार बत्र दिति (बंदा दिति को स्वयम के विकास का स्वयम का मान प्रतिकास का प्रतिकास का स्वयम का स्व

किन्ने सम्बद्ध के क्ष्मी किन्नों नाम को महान उक्की क्षीतर नियम के अभीत कर दोने के जेरूपक के प्राधितक प्र कामी कारने का उनक क्षम के सुक्कित को जब्द क्षिक्री मा

(को इसी विश्वी कार्य वा विश्वी के या वन्य वास्तिकों सो, विस्तृ भारतीय जावका अधिनियम, 1922 (1922 को 13) के उनता अधिनियम, शापन-कर जीविभिक्ष, 1957 (1957 को 27) में जनावनाय न्कारता द्वार, अक्षत गढ़ी किया वृद्धा या वा विश्वा वामा वाहिए या, विवास विश्वी को श्रीक्षा

अतः अब, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिस्ति व्यक्तियाँ, अर्थात् ः— (1) श्री राग लाल सुपुत्र मंगत राय एलियास
मंगू राम निवासी 4, मल्का गंज, दिल्ली
2. उमेण कुमार रेलन सुपुत्र नेकी राम नेन,
82. ईस्ट पार्क, एरिया करोल बाग, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री शागुन चन्द गुप्ता, सुपुत्र श्री मुन्शी, नियासी 4, न्यु मुलतान नगर, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त संपर्शित के अर्थन के किए कार्यनाहिया शुक्र करता हो ।

उन्त संपरित को वर्षन को संबंध में कोई जी बाक्षेत्र हु---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा सं 45 दिन की अविध था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पटिनिकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गणा ही।

जन्स्ची

ण्लाट नं॰ सी-35, न्यु मुलतान नगर, दिल्ली, तादाद्री 206-2/3, वर्गगज, खतरा नं॰ 4/8, गाँव ज्वाला हेड़ी, नई दिल्ली :

सुनील कोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनाँक 4-3-1996 मोहर:

तस्य वाद**ं टी प्र**ाप्त व्य

मामकर नांधांनमभ, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-व (1) के नधीन क्षमा

शास्त स्रकार

कामीतय, सहाधक आयक्तर आयक्त (विरोधक)

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी० एक्यू/3/एस० श्रार०-3/7-85/2645---श्रतः मुझ सुनील चौपड़ा श्रायकर क्रिपिनयम, 1961 (1961 का 43) (विसे श्रवणे श्रिके परचात 'उनतं अधिनियम' नहा नवा ही, की पाछ 269-द के अधीन सक्षम ग्रापिकारी को यह विक्यास वारने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, विद्यका उचित वायार मुख

भौर जिसकी सं० उद्भु जेड-448, प्लाट नं० एम० एम० 39, खसरा नं० 2124, 2125 है तथा जो गाँव तिहाड़, नई दिल्ली हरि नगर में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1985

1,00,000/- रॉ. में अधिक हैं

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मृश्रे यह बिश्वास करने कारण है यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं—

- (क) बजारक ने हुई किसी बाय की बाबत, जनत बीचिनवम के ब्यीन कार बोने में बन्सरक के बार्वित्व में कभी कारने ने बनुबे बचने में बृधिया के सित्त; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को , जिन्हों भारतीय आय-कार अभिनियम , 1922 की 1922 की 11) या उन्ति अधिनियम , या अन-कार अधिनियम , 1957 (1957 को 27) के प्रश्लेजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था , छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती भगवान वेबी, पर्त्ना श्री मनी राम, ई-2,260, शास्त्री नगर, दिल्ली-52।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री बाबू राम गुता सुपुद्ध श्री राम स्वरूप गुर्स्ता निवासी 828 सेक्टर नं० 1, श्रार० के० पूरम, नई दिल्लो।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बबत सम्पत्ति के वर्षन के सम्भन्भ गें कोई भी वाक्षेत्र :----

- (क) इक सुचना के राज्यत्र में प्रकाधन की सारीच से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मुचना की सामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी वबिंध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय दुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र माँ प्रकाशन की तारोख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति माँ हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाड सिविश माँ किए का सकोंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उनस आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्त्वी

मकान नं० डब्स्यु० जैंड- 448, प्लाट नं० एम० एस० 39, तादादी 150 वर्गगण, खसरा नं० 2124, 2125, गाँव तिहाड़, दिल्ली राज्य, दिल्रली हरि नगर एकपटेंशन

> मुनील चोपड़ा नक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर फापुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजें–3, नई दिल्ली

दिनाँक : 11-3-1986

त्रक्ष्य आप". टी. स्त क्रिक न विकास

कासकारु वाभिनियम्, 196५ (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के अभीन सवना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाँक 11 मार्च 1986

निर्देण सं० म्राई० ए० सी० एक्यु०। 3।एस० म्रार०-2। 7-85। 2646—म्रतः मुझे, सुनोख चोपड़ा,

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि बारा 269-व के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह विध्वास करने का काइन है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूक्त 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्मौर जिसकी सं० ए~95, मेन रोड़, फतेह नगर है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908(1908 का 16) के श्रीधीन तारीख जुलाई, 1985

की पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उचित बाजार मध्य ये कम के क्ष्यमांक प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे वह विक्वाल करने का कारण है कि पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, जसके दश्यमान प्रतिफल हे, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बजरनकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के शैच एसे जन्तरक (बजरनकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के शैच एसे जन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्निसिशत उद्दिष्य से उक्षत अन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से किथार नहीं किया गया है क्ष्य-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व अभ कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/ना
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की. जिन्ही भारतीय आय-कर किसीनयम, 1922 (1922 का (1) या जुकत जीकीत्रयम के धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुनिधा से सिए;

अतः अब , उन्ते अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में उक्ष्म अधिनगम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :-- (1) श्री एम एप्त० गो नाई, श्रार० डी० गोसाई, ए-95, फतह नगर, नई विल्ली-1

(भ्रन्तरक)

(2) आशा कौर पुत्रो जगजीत सिंह, 4806, गली नं० 44, ब्लाक ई, गली रेहगर, करोल बाग, नई दिल्ली-1

(श्रग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के कर्जन 🥕 जिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्हां सम्पत्ति की कर्बन की सम्बन्ध में कोई भी बाबोप 🚁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि जाद मा समाप्त हाती हा, को भीतर भूत्रीया व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इ. १ मुबना के राज्यत्र भा प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर टक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तप्रद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए शासकेंगे।

स्पध्यीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कर्या और पर्धों का, जो उनत जिथीनयम, के कथ्याय 20-क मां परिभाषित है, बहुरी अर्थ होगा, जो उस कथ्याय मां विका भगा है।

धमुलूची

एक मकान नं० ए-95, जेल रोड़, फतह नगर नई दिल्ली तालादी 150 वर्गगज।

> सुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नाँयरक श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनाँक : 11-3-1986

प्रकल बाहे . टी., एन् . एसं . ------

शायकर अधिनियह, 1961 (185) का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन संखना

भारत सहस्राह

कार्यात्तय, सहायक श्रायक्तर शायुक्त (निरीक्षण) सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∽3, तर्द दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 12 मार्च, 1986 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी० एक्यू/3/एस० ग्रार०-2/ 7-85/2651--ग्रतः मुझे, सुनोत चौपड़ा,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे ध्वर्गे ध्वर्के पश्चात् 'उक्त लिक्षः त्रमं कहा गया नी, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उभित बाजार तृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिलकी सं० ब्लाट नं० 2/34, णिय नगर, है तथा जो नई दिल्ली-1 में स्थित है (ग्रीर इनसे उपाबद्ध श्रनुश्र्चो में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रो हवी श्रधिकारों के कार्यालय नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियस 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख जुलाई, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धृश्यमान प्रतिफाल से एसे धृश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण के, अंत, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिस्तिशिवत स्थानतयाँ, अभित ्---

(1) जायंत कौर पत्नी हरवंस सिंह,
 डब्ल्यु जैड-3,5, शिव नगर,
 नई दिल्ली -1

(म्रन्तरक)

(2) श्री विश्व दस्त शमदे, सुपुत श्री किशन लाल, निवासी डब्ल्यू जक--22बी, शिव नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाधिक करता है।

तबत कम्पत्ति के त्रवंत के सम्बन्ध में कोई भी नाशोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्ब अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नवा ही।

अनुस्ची

प्रापर्टी नं उब्ल्यू जेड़-33, प्लाट नं जी-2/34. 100 वर्ग गज, शिव नगर, नई दिल्ली गाँव निहाइ।

> सुनील चोपड़ा पक्षम प्राधिकारी स**हायक भ्राय**कर <mark>श्रायुक्त (</mark>निरीक्षण) श्र<mark>र्जन रेंज–3, नई दिल्</mark>ली

दिनांक : 12-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिमांक 11 मार्च 1986

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यु०/3-एस० आर०-3/7-85-/2656--अत: मुझे, सुनील घोपड़ा, आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिल्का उधिन बाणार मुख्य 1,00.000/- रा. में अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० जे-3/205 हैं तथा जो राजोरी गार्डन, कई दिल्ली में स्थिन हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण का ने विणित हैं), रजिस्ट्री इर्ला अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्री करण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख जलाई, 1985

(1908 का 16) के अधान ताराख जलाइ, 1985 को मर्जिक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिचक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आए या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 टि 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहां किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने हों स्थिया के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के कर्नूदरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नलि**क्ति व्यक्तियों, अर्थात्** :—— (1) श्री अगर्जात सिंह, सुपुत्र श्रीमति राम कौर, पत्नी हरदयाल सिंह, निश्वासी जै-3/205, राजोरी गार्डन, मई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री भरदारी लाल महाजभ
सुपुत्र गत्तोमल महाजन
श्रीर श्रीमती जनक महाजन
पत्नी श्री सरदारी लाल
जै-3/205, राजोरी गार्डन,
नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक ब्यक्तियों में ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और ध्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-पित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मक्षान नं० प्लाट नं० जे-3/205, एम० जी० 160 वर्ग गज, राजोरो गार्डम, नई दिल्ली । गांव का एरिया, राजौरी गार्डम, नई दिल्ली ।

स्नील चौपड़ा सक्षम प्राधि गरी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिमां ह : 11-3-1986

464 214, 12 14. 12 -- --

श्रथ्यार अभितियज्ञ, 1961 (1961 का 43) की चाडा 269-च (1) के सभीन सूचना

शारत धरकाः

कार्वातक, सहावक जायकर जायक्त (विरक्षिक) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनां रु 4 मार्च 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस० आर०-3/7-85/2641--अत: मुझे, सुनील चौपड़ा, अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें अपले पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ह के अधीन तकान प्राधिकारी को, यह विश्वाल फरने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार म् भ

श्रीर जिसकी सं० सी-72, है तथा जो णिवाजी पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ति है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1985

की पृथित सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान विश्वित सम्मिति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान विश्वित को तार् है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजाए ब्रुख, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतिनियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिकृत कम, निम्निलिशित उद्वेश्य से उक्त बंतरण जितित में वास्त-

- (क) मन्तरण ने शुर्ह किसी जाब की वाबल, उस्त बीध-निवंत के बजीन कर दोने के बजारक के दायित्व में कमी करने वा सबसे बजने में सुविधा के लिए बॉर/बा
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या बन्ए आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा भी मिह:

नक्षः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उन्त अधिनियम को धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्री प्रीनम सिंह गुलाटी,सुपुत्र ग्यान सिंह, निवासी 24/52, पंजाबी बाग, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री ईश्वर चन्द बंसल; सुपुत्र श्री बरुमल , सी-72, शिवाजी पार्क, मई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सूच्यत्ति के कर्जन के किस कार्यवाहियां करता हूं।

अस सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः∞

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का शारीय से 4% दिन की जमिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीब से 30 दिन की अधिभ, अने भी अवधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्राय;
- (क) इस क्वान के राजपत्र में प्रकालन की तारीक से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बब्ध किसी अन्य स्थित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए का सर्कों हो।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पत्रा है।

14 (1) F

प्रथम खण्ड एक द्याधा अविभाज्य शेयर प्रापर्टी नं० सो-72, शिवाजी पार्क, नई दिल्ली।

> सूनील चौपड़ा सक्षम प्राधिारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली

दिनाक : 4-3-1986

मोहर 🖫

प्रकृष बार्च ,ही ,हन् , एक , कार्यक्र नार्यक्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

मार्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायका (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च, 1986

निदेश मं० आई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० आर०-3/ 7--85/2648--अत: मुझे मुनील चोपड़ा नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त मिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका सजित जाबार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० ६६, ब्याफ डी हे तथाजी गांव तिहार, दिल्ली में स्थित है (ग्रांर इपने उपाबद अनुसूची में क्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रशिस्त्रोधनि अधिनारी के कार्यात्य नई दिल्ली में रिजिस्ट्री लिण अधिनियम 1908 (1908 भा 16) के अनीन वारीख ज्लाई 1985

की पूर्वेक्ति संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान **। तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मु**क्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उशके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) बीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-**फ**स, निम्नलि**सित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित** में दास्तर ीक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 🖫

- (को बन्धरूप से हुई किसी बाय की वाक्स, उक्त अभिनियम् छे सभीन कर दर्जनी समारक के वाबित्य में ऋभी काहने या समुखे क्याने में शुविका भे थिए: गर/स
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य अपस्तियों को, चिनक्ष मारतीय वाय-रूप विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जीवनियम, 1957 (1957 का 27) 🛋 त्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथायाकियाजाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

बत: बब, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के अनुसरक कें, मैं, जकत अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ने अन्येल, निक्तिति**चित्र व्यक्तियों, प्रश्रीष 🗝** 26-16 GI/86

(1) एस० डी० भारंग सुपुत एस० एन० नारंग, प्लाट नं० 70 विथल नगर हाउसिह मोसायटी 12, तार्थ साईड, रोड़, जुह धम्बई के-111 हीजखास, एक्त्सेय, नई दिल्ली ।

(2) राज दुलारी पत्नी स्वर्गीय ए० एस वाही एन-34, राजोरी गाईन, भई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुमना बारी करके पुत्रोंक्त सम्परित के शर्वन के रिस्प कार्यवाहियां करता 💅 ।

बच्छ सम्परित के बर्चन में सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप हु--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि,, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीक्त म्यक्तियाँ में से किसी म्यक्ति बुवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोष्टस्ताक्षरी के शास निधित में किए वा संकेंबे।

श्राच्याकरण्यः द्वारा अवस्ता विकास कार वर्षा कार वा उक्त अभिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी अर्थ झारेग को उस अध्यान में दिया गया है।

ग्रमुम्

प्ताट नं० 65, ब्लाक्ट डी० क्वादादी 200 वर्ग गण, अजय एत्कलेव, एरिया निहाड, दिल्ली राज्य दिल्ली।

> सूनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी महासर आयार आयुक्त (निरोक्षण) अर्वत रेंग-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-3~1986

शक्य जार्द्दो<u>्द</u>न**ुएत**्व-काळाळ-००

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन स्थान

भारत सरकार

नार्वाधय, तहायक जायकर आयुक्त (जिरीक्षण) अर्जन रेंज-3. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च, 1986

निदेश सं० आई० ए० सो०/एक्यु०/3/एस० आर०-3/7-85/2650--अं: मुझे सुनील चौपड़ा शायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिम इसमें 'प्रकात 'उता अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्ष प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान संगत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1.00,000/- स. से बिधिक हैं
भीर जिसकी मं० 31/20, 32/25/2, 32/16 है तथा जो गांव नांगलोई , दिल्ली शक्त में स्थित है (और इसते उपाबद्ध अनुभुची में और पूर्ण स्था में बिल्ली में रिजिस्ट्री तिली अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजिस्ट्री तथा अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख ज्लाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उयत अन्तरण निष्कित में बास्तविक रूप भे किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त प्रीधिनियम के सभीन कर दोने के अंतरक के दाबित्थ में कमी करने या उससे बचने में त्विधा के लिए; भार/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा खा या किया जाना खाहिए था, जिल्लाने में सुनिधा के बिए;

अत. अत्र, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में. में. उपत अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (१) ने त्रधीत, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत :----

- (1) संत कमारी अग्रवाल, पत्नी भारत भूषण ग्रीर विजय भृषण सुपुत्र श्री भारत भूषण 1/12, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरण)
- (2) गर्नेश ज्लास्टिक्स 469 वी लार्रेस राष्ट्र, रामपुरा नई दिल्ली द्वारा शिव कुमार गुप्ता ।

(अन्तरिती)

का यह सुचना चारी करके पृशीकत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्ध सन्यत्ति के बर्चन के संबंध में कार्य भी बाक्येप हिल्ल

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तिकों में ते किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य विकत व्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किय वा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्मी

भूमि 1 बीधा श्रीर 8 बिस्बा (2-16) गांव नांगलोई जाट दिल्ली राज्य खरूरा नंज 31/20, 32/25/2, 31/31, 31/16

मुनो १ चीवहा सवस प्राधि वर्ष महास ६ वासका वापना (पिरीक्षण) अर्जन रेज-3, पिरुजी, मई पिरुजी -11000।

दिनां र : 12-3-1986

मंहर :

प्रकप आहें हो एतं एस स्वान्यान्यः आपखर विभिन्नक, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के वभीत त्वा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेम रेज-३, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां है । मार्च , 1986

निर्देग सब आई० ए० सी० एगपूर्/3/एग० अए०-3/ २-85/2652--अनः मझे, सुनीत चेलझे,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' महा गया है) की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाचार मृश्य 1,00,000/- रा. से अधिक ह⁴

स्राप्त जिसकी साँच 11, ब्लाक है तथा जो तंच ई-11 भगवान दास नगर, रोहत है रोड, गई दिल्ली में स्थित है (स्रोट इस (उसवड़ जनुसूची में स्था पूर्ण कर ने बॉलन है) रिजर्स्ट्री तर्गा जिल्ला की निजर्द्री-कृषण अधिनियम 1908 (1908 जा 16) के अवीध तारीख़ जलाई, 1985

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को क्षममान भूतिकल को निए कन्तरित की गई है और मृक्षे वह विकास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का क्षम्य प्रतिक्रत सं मिक्क है और क्रेंस्क (बंदरकों) और बंतरिकी (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के निष्कृतक पाया गया प्रीक्षिक्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) जन्तरण से हुए किसी लाग की बावत , स्वक जिलिनयम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दारिक्ष में कमी करने वा उत्तसे बचने में सुविधा के हैं जरू: बॉर/या
- (७) एति किसी बाग मा किसी भन वा अस्य वास्तिवीं खो, चिन्हें बारतीय बामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त बौधनियम बा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना शाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः अव, उपत अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसद्भः मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निस्तितिका स्थीयतयों, अधारा ॥—— (1) श्री सत्य प्रकाण अग्रवाल, मुपुत्र साध् राम, निवासी सी-72/46, पंजाबी बाग, गर्स दिल्ली।

(अस्तरक)

(2) श्री वेद प्रकाश अग्रवाल, सुपुत्र श्री ज्योति प्रसाद अग्रवाल प्रेम लला परनी वेद प्रकाश, निवासी डी० सी० एम० क्वाटर नं० 33, गनश लाईस, जिसन गंज, नई दिल्ली।

(अन्तरिसी)

को बहु सूपना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्धन की जिल्ला कार्यवाहिनों करता हों।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 शिव की जबभि मा उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीज से 39 दिन की अविभि, जो भी वर्षा वा में समाप्त होती हो, के भीदर पूर्वेदस व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर स्थानित में हिन्द- बब्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा, जभोहस्ताक्षरी वे वास निस्तित में किए वा सकती।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त र ज्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क ने परिभाषक हैं, वहीं अधि होगा को उस अध्याय में विया गया हैं।

मन्स्की

सिगल स्टोरी बिल्डिंग नं० 11, ब्लाक ई (ई-11) भगवान दास नगर, रोहलक रोड, दिल्ली एपिया शहरपुर दिल्ली राज्य दिल्ली, तादादी 220 वर्गगण 1

> सृताम भाषदा उक्षम प्राधिणाणी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--3, दिल्ली

विशास : 4-3-1986 मोहर. प्ररूप आर्ड .टी . एन . एस . -----=

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जीय रिज—3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांग 6 मार्च, 1986

निदेश स० अ।ई० ए० सी० एकपुर/3/7-85/एस० आर०-2/2649—अतः मुझे सुनीत चोपड़ा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी स० खसरा नंव 31/20, 32/2/52, 31/21, स्रोर 32/16 है नथा जो गांव मांगलंहि जह दिल्ली राज्य दिल्ली में स्थित है (स्रोर इसने उपाबद अनुसूची में स्रोर एणं घर से विणित है) रिजिस्ट्री त्रां प्रधि गरी के जार्थात्रय अर्जन रिज-3, नई दिल्ली में रिजिस्ट्री त्रण विधिनयम 1908 (19)8 या 16) के अर्थीन वारीख जुलाई, 1985

को पृथिति सम्पिति के उधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अंत ण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) उन्तरण से हुद्दे किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में त्रिक्श के लिए; और/मा
- (ब) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट अहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा के सिए;

बरिक अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण् बो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) इं अधीन, निम्निसित स्वक्तिं शर्थात ः— (1) सत कुमारा अग्रवात परनी भारत भूषण श्रीर विजय भूषण सूपुद्ध भारत भूषण, 1/12, वेस्ट पटेल नगर, त**ई** दिल्ली ।

(अन्तरका)

(2) ग्रांम कुमारी पत्नी हंस राज, क्षिता पत्नी विनोद बुमार अरोडा, 3 सुमन पत्नी प्रमोद कुमार अरोड़ा, निवासी बी-1/75, अणोक विहार, दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (ख) इस सूधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ स्थित जन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्याक्षरों के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५६ का, जो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसूची

भूमि तादावी । बीघा और 8 विस्वा (2-16) स्थित गाव नांगलोई जट, दिल्ली राज्य, दिल्ली खसरा नं 31/20, 32/25/2, 31/21 और 32/16

सुनील चीपड़ा मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर अध्यक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनोंक : 6-3-1986

प्रकृत् भाष्**ं, हर्ष** <u>, एष</u> ु **रूष** छ=====

मायकर दिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च, 1986 निदेश संव हाईव एवं सीव/एसपुव/3/एसव आएव-3/ 7-85/2653--अन: मुझे मुनील चांबड़ा

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 क्या 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण हैं कि मणापूर्वोक्त तम्पति का उचित बाबार मूल्य 109,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 83/जे-8 है तथा जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसी उरबढ़ अनुसूची में भीर पूर्ण का संवर्णित है) रिशस्ट्री लिजिशि हारी के सामलिय में इ दिल्ली में रिजिस्ट्री हरण अधिनियम 1908 (1908 एट 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान बितिक के लिए जंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकत से, एमे दश्यमान प्रतिकत का बन्द्रह प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (जंतरकों) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गवा प्रतिकत लिए तिम्नलिखित उद्वेष्य से उचित अन्तरण जिवित में बास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त आंधिनवम के अधीन कर देने के जन्तरक के दाबित्य में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के जिए; आंद्र/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, किया स्नैयश के लिए;

भत: तम, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीर, निम्नितिसित व्यक्तियों, अधीर .—— (1) विभावा पानी परनी हस पाल वस्सा जै~8/83, पाजीपी <mark>गार्डन,</mark> नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० जी० एस० वावा, सुपुत्र बाई एस बाबा, 1/60, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पर्शि के कर्णन के सम्बन्ध में करेड़ी भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के नीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास निविद्य में किए जा सकेंगे।

स्वक्टीकरण:---इसमें व्युक्त शब्दों कं, पदों का, ओ उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो सम अध्याय के दिया गया हैं।

श्रन्म् ची

न० ६८, व्याक जै-8 यदारी 169 वर्ग गण, राजोरी गार्जन, नई दिल्ली एरिया नानारपुर दिल्ली ।

> मुर्गाल चोरड़ा सकार प्राधिकारी सहायक आयार आयुक्त (निर्राक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनांक 4-3-1986

माहर:

प्रकृप कार्ड्, टी. एम्. एख

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकाइ

कार्यासय, सहायक कायकर वायक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेश-3, भई दिल्ली नई दिल्ली, दिनार 13 मार्च, 1986

निर्देश सं ० अई० ए० बी०/एकपु०/3/२स० आर०-2/ 7-85/2654--या: मुझे, सुनी: चोरहा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतको परचात् उक्त अधिनियम कहा गया हैं) की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है जिस्सावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रत. से अधिक हैं

यार जिसनी सं ई-जी-12 है तथा जो इन्ह्युरी, नई दिल्ली में स्थित है (यार इसने उपबद्ध अनुपूर्व में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित्त है) रिजिन्द्री तथी अधिकार के वर्धित्य नई दिल्ली में रिजिन्द्री एरण अधिनियम 1908 (1908 रा. 16) के अधीन नारीख ज्लाई, 1985

को पृथिनित सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निवित में बास्त्रिय हथ से कथित नहीं किया नवा है —

- (क) अध्ययम के हुए किसी नाम की नामत, जनत अभिनियम के ज्यीन कर दोने के अच्छारक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- एसी किसी आय या किसी धन रा अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा चन-अर अधिनियम, वा चन-अर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरिते द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भ्रतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्धरण भ्रो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निकाणिनियम अधिनायों, अभीम :--- (1) श्री भगत सिंह स्वरा, सुपुत्र श्री सामृतिमह, ईए-112, इन्द्रप्री, नई दिल्ली।

(अ₹त्रयः)

(2) श्रीमती सूचित्रा मस्कारा, पत्नी श्री तिलत कुमार मश्करा, 26-ए, हनुमान लन, नई दिल्ली ।

(अन्तरिर्दा)

को यह शुचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

चक्त सम्परित् के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप् :---

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकारत की तार्यक के 45 दिन की जन्दीन या तरसम्बन्धी क्वित्यों दर स्थान की तामीन से 30 दिन की जनकि, जो भी सनीय नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराह
- (प) ्स स्पना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेयों।

स्पच्छोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का जो उनस निर्मानियम के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं नर्थ होगा, को उस नध्याय में विका नधा

फी होल्ड 1 प्रापदी नं ५ इर्जा-42, इन्दरपुरी एक्सटेशन, नई दिल्ली तादादी 128 वर्ग गज ।

> मुनील चोहिन सहस्रकारी अधिकारी महस्रकारीय हर आयक्त (हिरीक्षण) अर्जन रिज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110003

हिनार्' । (3—a−193) भार्ष्यः **१**

प्रकम वाह्नां हो एवं प्रवासन

बायकर विधिनियस, 1961 (1961 व्य. 43) वर्ष भारा 269-व (1) के सभीन सुचना

HIST WITE

कार्यात्त्व , सहायक जायकर जायुक्त (निर्योक्षण) अर्जेश रेंच-3, तई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां र 4 मार्च, 1986

निर्वेण सं० आई० ए० मी०/एक्यु०/3/एस० आर०-3/7-85/2655---अन्। मुझे, सुनील चोपड़ा,

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हीं), की भारा 269-च के संभीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मुख्य 1,00,000/- रुट से अधिक है

र्ग्रांग जिसकी सं० 70सी, इला ह े था जो 3 गाँव तातालपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रांग इससे उपायद्ध अनुसूर्वी में ग्रांग पूर्ण रूप में वर्णित है) प्रशिस्ट्री तो अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में प्रलिस्ट्री हरण अधिभियम 1908 (1908 का 16) वे अग्रीन नारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मुस्य से कन के क्याबाध विषय के सिए बंतरित की गई है और मुखे यह विववाध करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार बृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्माह भित्रिकल से अधिक हो और जन्तरक (जन्तरकों) और बंतिरती (जन्तिगितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नोतिधित उथ्देश्य से उक्त जन्तरण जिल्लिक को बास्तिक रूप से कथिन पहीं किया गया है 2---

- (क) ब्रुचरण से हुइ किसी जात की बाबत, क्यत वीधीनवज्ञ के अधीन कार को के बलाहक से दायित्व में कती करने वा उत्तते वचने में सुविधा में जिए; और/वा
- (थ) एरेसें किसी नाम का किसी थन का बन्ध जासिसां कों, जिन्हें भारतीय नामकर निश्चित्रमा, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वावा वाहिए था, जिनाने में कृषिभा के किह:

अक्ष: तम, उन्त निधितियम की भारा 269-ग के अनुबारण की, नी, उन्त अभिनिधम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्मिलिसित स्पनित्यों, निम्मिल् :—

- (1) श्रामांत दशंत कार पत्नी नरेन्द्र सिंह. जे-3/70, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली । (अन्वरस्य)
 - (2) श्री रोणन लाज सुमुख तीर्थ राम, यार शीमनी स्वर्ण कांना पत्नी रोणन लाल जे-5/6, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्ध ग्रमित के नर्पन के संबंध में कोई भी वालीए :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सबधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थीकतयों में सं किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस बूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भौतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हिस- बच्च किसी अन्य स्थानत द्वारा, नधोहस्ताक्षरी के बाब सिविंदत में किए वा सकेंगे!

स्पष्टिकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, भें अध्याय 20-क में परिभाषित इ, बही अर्थ क्षीमा को उस अध्याय में विका गया हु ।

अमुस्ची

हाउस नं० 70-सी, बनाक नं० जै-3, नादादी 160 वर्गगत राजोरी गार्डम, नई दिल्ली । एरिया मानार पुर निल्ली राज्य दिल्ली ।

> मुतील चीपड़ा सदाम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

विभाग : 4-3-1986

प्रकल बार्, डी.हर व्हार व्यक्त

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 289-ए (१) अं अधीन स्थला

भारत करफार

क्यांलय, सहायक जायकर जान्यतः (निरीक्क)

अर्जम रेंज-3, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1986

तिर्देश मं० आई ० ए० मी० /एक्यू०/3/एस० आप०-3/ 7-85/2658--अतः म्झे, सूनील चौपड़ा,

मानकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परकाल् 'उक्त अधिनियम' महानवाहीं, की पाल 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विक्वास करने का **अवरण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका स्रीवतः वादार मुख्य** 1,00,000/- रा. से नाभक ही

भौर जिसकी सं० खसरा नं० 523, 527 ग्रींग 528 है तथा जो गांव मुडेम, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबह अनुसूची में श्रीप्रपूर्ण रूप से वर्णित है) एजिल्ही इनी अधिकारी के कार्यालय ५ई दिल्ली में प्रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अन्नीन नारीख जुलाई, 1985

का पूर्वोंक्स संपरित के अभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरिय की गई है जर कुर्व वह ज़िक्कात करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का खिक्त बाखार मुख्य, यस्के क्यमान प्रतिकल से, होसे क्यमान प्रतिकल का पंका प्रशिक्त के मिथिक ही और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (मकरिकियों) के बीच एसे मन्तरण के मिए इब नावा बड़ा प्रक्रि-जब दिल्लीनीयत स्पृद्धांत्व ते दनत बन्धारन दिव्यव्य वो बाह्यतीयक भग है करियत नहीं विकास मा है है.---

- क्षि) अन्तरम व हर्द कियों बाव की बावत् । तबक मिपियम्ब के बभीन कर दोने के बन्तरक के दाजित्व में कभी बद्धाने वा एवसे बच्चने में ब्रुप्तिया की क्रिय; और/म
- (ख) एंकी कियो नाम या किसी भन या थल्य वास्तियो का, विश्व नाइसीन नामकर नामियन, (1922 का 11) या उन्तर विविध्यक्ष, मा भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) अंधयोजनाथ जन्तरिती दुवास प्रकट नहीं किया यथा ना वा विका वाना वाहिए वा, कियाने में त्रविभा में सिहा

इन्छ अब उक्त नॉपनियम की भारा 2,69-म से सन्सर्थ ै, भी, अभत मींपनियम की पारा 269-व की उपवार्य (1) डे अधीन, निभ्नति**सिक ज्योपत्यों, स्थार**:----

unter engang manggang munggang mang paga permuangang mengangan kenalagan pada dan sa <u>manggan k</u>an (1) श्रीजेनिन्दर सिड सुपूत ग्रबचन सिंह, 3/6, जय देव पार्क, ५ई दिल्ली ।

(अस्पर ह)

(2) श्री हिर्िकृष्ण सुपुत्र मांगे राम, 2. मास्टर अमित अग्रवाल, सुपृत्न नन्द किणोर अभिवाक नन्द किणोर, निवासी 12/22, ईस्ट पंजाबी, मई दिल्ली । (अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के सिबे कार्यनाहियां करता हुं।

बाबस क्षत्रपत्ति को नर्पन को तस्वरूप में काहि वासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर तुषकाको तामील से 30 दिन की वद्धि, **प**े भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस ब्यान के राजपण में प्रकाशन की तासीब वित 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ् **किसी बन्ध व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के**ेपार्थ ∽ लिखिय में किए का सकरी:

ल्बक्टीकरणः ---इक्षमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, वो अक्स अधिनियम, के अध्याय 20-र में परिभाषित है, वही वर्ष होगा को उस कथाब में विका THE R. L.

बनाई हुई प्रोपर्टी, भूमि तादादी 1 बीघा ग्रांल 12 बिस्वा, खसरा नं० 523, 527 528 गांव मंडका विन्ती। म्तीत चोपड़े े

सक्षम प्राधिलारी सहाय र आयजर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनां ह : 13-3-1986

प्रकृप बाई . हो . एन . एवं . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायकत (निरक्षिण)

अर्जंभ रेंज-3, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिशांक 11 मार्च, 1986 निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० आर०-3 7-85/1131-अनः मुझे सुनील चौपड़ा

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

प्राीप जिसकी स० 2524 खसरा नंत है हथा जो 806/ 519 प्लाटून नंत 41 प्रदेप 43, चुमा मंडी, पहाड गंज; सई दिल्ली में स्थित है (श्रीप इससे उपावद अनुमुची में प्रीप पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के फार्यालय मई दिल्ली में रिजस्क्री ग्रंण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई, 1985

को प्शंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के देश्यमान व्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से ऐसे देश्यमान प्रतिफल का पंद्रह शितावत से अधिक है और अंतरक (अंसरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वरेय से किस अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी रूप या किसी भन या केच आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्त जो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्य: अक, अकत आर्थिनयम की भारा 269-व को अन्तरच मों,, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्निविश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---27---266 GI/86 (1) श्रो वेद प्रकाण खोसला, सुपुत्र अमर नाथ खोसला, 2321 वृत नंता ति हुगंन, नई दिल्ली विजय खोसना आर मोमेन्द्र खोसला, धरम प्रकाश खोसला, भिवासी डी-984, न्यू फोंड कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

(2) दर्शन कुमारी सूपुत दौलत राम, निवासी गली नं० 1, मुल्तानी ढसडा, पहाड़गंग ज नई दिल्ली, राजन सूपुत्र दर्शन कुमार निवासी 8944, गली नं० 1 मुल्तानी डांडा, पहागंज, नई दिल्ली शेक्ला कुमारी पत्नी दर्शन कुमार निवासी उपरोलिखित है।

(अन्तरिती)

काँ वह त्यना थारी करके पूर्वोक्त कन्नरित के अर्थन के निव् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त अंपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी क्वित बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर जकत स्थावर संपत्ति में हितकपूत्र विविद्य में किए वा सकींगे।

स्वक्दोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त व्यक्तियम, के वध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ध होगा जो उत्त सध्याद में दिशा पत्रा ही।

क्यून्यी

प्रोपर्टी मकाम नं० 2324 क र । 806/519, ज्याट नं० 41, श्रौर 43, तादादी विकास , जूमा मंडी, पहाड्मज नई दिल्ली ।

> म्नील चौपड़ा सजम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिस्ली

दितांक : 11-3-1986

प्रकल कार्यो, द्वी, एत , एत्, ल - - ----

बायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की बाउ 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 मार्च, 1986

निर्वेश स० अई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० आ२०-3/7-85/1132---अत: मुझे लूनील चौपड़ा

जामकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वशात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० मी-2 है तथा जो मालविया नगर, नई दिस्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भ्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजिस्ट्री इती अधिकारी के कार्यालय नई दिस्ली भें रिजिस्ट्री इरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जुलाई 1985

को प्रोंक्स सम्बंदित के उचित बानार मृत्य से कम के स्थयमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीनत बाजार सृत्य, उसके स्थयमान प्रतिफल से एसे स्थयमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिसित उद्योग्य से उन्त जन्तरण निमित्य से बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है :---

- [क) बन्तरण ते हुइ किती भाग की बाबता, कक्त विभिन्नियंत्र के अभीन कर दोने के बन्तरका के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बाह्य/या
- (क) एसी किसी बाब वा किसी धन वा अन्त आस्तियों को, जिन्हों भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अमोज-नार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविधा के मिए।

सक्ता सक, उनका निर्मित्यन की धारा 269-न के नन्सरण काँ, माँ, उनका निर्मित्यन की धारा 269-च की उपधारा (1) को स्थीर≽, निस्निमित्रन स्थितकों स्थादि क्ष---

- (1) श्रीमति जमका देवी पत्नी जैस्सा राम भिवासी ए--71, इन्दरपुरी, भई दिल्ली। (अनापक)
- (2) जगदीय संह, सुपुत्र देविन्द्र सिंह सूरी बी-263, श्रीखना इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के िए कार्यवाहिया गुरु करता हुं।

क्क्स सम्मत्ति के सर्वात के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🌣 🦟

- (क) इस स्थान के रायपन में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी स्पवित्यों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जविभ, वो भी वविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानताथों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीत्र उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी बन्य व्यक्ति ब्वाय क्योहस्ताक्षरी के पास किसिस में किस् का सकेंगे।

स्वाब्दीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उपत विभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्भ होगा, को उस अभ्याय में दिया गया है।

वनुसूची

प्रोपर्टी नं० सी−9, ताबादी 288 वर्गगण, मालविया नगर, न**र्ह** दिल्ली ।

> सुनील चीपड़ा सक्षम प्राधिनारी सहाया आयारुर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई **दिल्ली**

年ゴエ : 7-3-1986

प्रकृष का<u>र्यं, एत्, एवं, प्रकृत्यान्याय्ययः</u> जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) करी धारा 269-म (1) के अभीत सूचना भारत **बरुका**र

कार्याबन, बहायक जायकर वायुक्त (निर्देक्तिन)

भर्जन रेंज उर

नई दिल्ली, दिनाँक 11 मार्च, 1986 निह्वण सं० आई० ए० सी०/एक्यू-3/एस०आर-3/7-85/ 1133:---अतः मुझे सृतिल खेपड़ा

कायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विते इसवें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया ही, की भाषा 269 व के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण भी कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार भूका 1,00,000/- रा. से अधिक ही

मौर जिसकी सं० 10097 है, तथा जो प्लाट नं० 6,2,डब्ल्यू इ० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (म्रौर इनसे उपाबद्ध मनुसूची में म्रौरजो पूर्ण रूप से विजित है) रिंग्स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्लों में भारतीय म्रायकर मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौं क जुलाई, 1985

को पूर्वेक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रसमान प्रतिफल के लिए जन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके रस्यमान प्रतिफल से एसे रस्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिवात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पाया अमा प्रतिफल, निम्नितियांत उद्देश्य से उक्त जन्तरण की निचित को अधिक नहीं किया गया है द

- (क) बन्दरन से हुन्दे जिस्सी बाद की वासक, समस् स्थितिहरू के संशीत कर दोने के अन्तरक से सावित्य में क्या करने वा बहुने दूसने में सुनिया के किए; नौर/वा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नम्य वास्तियाँ की, जिन्हें भारतीय भाग-कर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम या धन-कर निधिनियम 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ नन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना चाहिए था कियाने जो धावधा के लिए।

कतः अवं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियमं की भारा 269-थं की उपधारा (1) को अभीन, निम्नलिबिद व्यक्तियों, वर्धात् :—

- श्री ज० सी० श्रादशी निवासी बी-6,106, सफदरजंग एन्क्लव, नई दिल्ली।
 - (2) कैलाश नारायण पत्नी एम० नारायण, मार्डन गर्ले होटल, श्राई०श्राई० टी रोड, कैम्प्स, नई दिल्ली।
- (3) श्रीमती राम दुलारी पत्नी भार० एन० सभरवाल, डी-26, भ्रानन्द निकेतन, नई दिल्ली श्रीर
 - (4) सुशीला द्रवी परती छी० पी० चोपड़ा, तिवासी सी-1/59, सफदरजंग डेपवेपमेंट एरिया, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्री मूरली मनी सुपुत्र स्थर्गीय सी० एस० मनी,
 16,10, अब्ह्यू, ई०ए० करोल बाग, नई दिल्ली श्रौर
 श्री कुलब्रीप सोबती,
 एच० यू०एा० 2105, डी० बो० गुन्ता रोड,
 करोल बाग, नई दिल्ली।

की बहु बुधना बारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति के वर्षन् के निष् कार्यनाहिया शुरू करता हुं।

उक्त तुम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पहरीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

वप्तुकी

प्रापर्टी नं० 10097, प्लाट नं० 8/17, तादादी, 280 वर्ग गण खसरा नं० 1974/1164, डब्स्यू० ई० ए० करोल बाग, नई दिल्ली।

सुनील चोपदा सक्षम प्राधिकाः सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, न**ई दिल्ली**

दिनौंक 11-3 -1986 मोहर: प्रकृप बाइं. टी. एन, एस. ------

नागकर निधितिकम, 1961 (1961 का 43) की । धारा 269-त्र (1) के नधीन स्थाना

माहत चरकाह

नामांत्रय, महामक नायकर नाम्बत (निरीक्षण)

महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3,

नई दिल्ली, दिनौंक 3 मार्च, 1986 निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू-3,एस०प्रार०-3/7/85, 11340 ग्रतः मुझे सुनील चोपडा

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनयम' कहा गया हैं), की भार 269- क ने अधीन सज़में पाधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मुख्य 1.00.000/- रह. से अधिक हैं और जिसकी सख्या सीं-48 हैं तथा जो एम॰ डी॰ एस० ई॰ पार्ट-2, नई दिल्ली में स्थित हैं (भीर इस उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण इस में विल्ली हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक ज्लाई, 1985

ं! पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित आजार मूस्य से कम के दबयमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्तें यह निश्नास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नमिचित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिचित में आस्तरिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्धरण संहुदं किसी बाय की बावत, सकत विभिन्नित के विभीन कर दोने के बन्धरक के दायित्व में कमी करने वा उत्तते बच्चने में कृषिधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किया बाग वा किसी धन मा अत्य आस्तियों करी, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोचमार्ज अस्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना वाहिए था, जिन्दा के विवा के जिए।

भतः भव्, उक्त विभिनियम की भाग 269-व के बनुस्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्री बृजमोहत लाल उप्पन, मुपुत्र स्थ० एस० एल० उप्पल, लाजवन्ती उप्पल, पत्नी स्थ० एस० एन० उप्पल, 272, लक्ष्मीबाई नगर, नई विल्ली। सुदेश लाल पन्नी स्थ० सी० ग्रार० कैंग्ट एम०एम० लाल ग्रीर पुत्र व पुत्री मोहित लाल, ग्रीर ग्रासीमा लाल 53, प्रिंस पार्क, श्रोफिसर होटल, नई विल्ली। (ग्रन्तरक)
- श्री रिवन्द्र ग्रलग परनी एस० रिवन्द्र सिंह, निवासी 577, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके प्वांक्क सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

प्रवत्त बन्मित्ति को मर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप १--

- (क) इस भूषना के राजपात्र में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की जबींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वाचींच नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों थे से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (ण) इस ्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर डक्ष्ण स्थावर सम्पत्ति में हितबह्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाच निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त वीधनियम, के अध्याय 23 के में स्था एडि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उद्ध अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

प्रापर्टी नं० सी०-48, 500 वर्ग गर्ग, स्थित एन० डी० एस० ई० पार्ट-2, नई दिल्ली।

> सुनील चोपड़ा सझम प्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनौंक 3-3-1986 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-3,

नई दिल्ली,दिनाँक 11 मार्च, 1986

निह्मश सं० भाई० ए० सी० एक्यू० । 3 एस ० आर०- 3 । 7-85 । 1135 — अतः मुझे सुनील चोपड़ा

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कर्ने का कारण ही कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाचार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

स्रोरिजिसकी सं० एम-56 ए है, तथा जो मालिवया नगर, नई दिस्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपात्रद्ध अनुसूचो में स्रीर जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दि दिस्ली में है भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनाँक जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण भा, भा, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कुं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री दयाल चन्द सुपुत्र श्री किशन लाल, एम-56, बी, मालविया नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री बलदेव प्रकाश कपूर, मुपुत्र श्री मोती लाल कपूर एम-72 ए, मालविया नगर, नई दिल्ली।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रेप ः---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी वन्य क्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पाध निकास में किए का सकेंगे।

स्पष्टाकरणः — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिमाधित. ही, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में विया यस हैं।

वव्सूची

प्रापर्टी नं॰ एम-56ए, प्रापर्टी 100 वर्ग गज। मालिवया नगर, नई दिल्ली।

> मुनील चोपड़ा राजम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली।

दिनौक: 11-3-1986

प्रारूप बाई टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक भ्रायकरण्य्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-3, नई दिस्ली

नई दिल्ली,दिनाँक 3 मार्च, 1986

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,,00,000/-रु. से अधिक हैं

भौरिश्सिकी सं । 1/10 अविभाजित है, भाग है, तथा जो प्रापर्टी नं । के-62, हौजखान, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध अनुभूची में औरजो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याजय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाँक जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान पितफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्क नियम के अभीन कर दोने के अंसरक के दायित्व कें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों के जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

भतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभाग्न (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातः— 1. श्री एन० के० भाटिया, ,पी० के० भाटिया, श्रनिल भाटिया भाटिया, और नुशील भाटिया, जनरल स्टोर श्रीमती राज कुमारी भाटिया, उडल्यू-41, ग्रेटर कैलांश, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. कुमारी माला नारायन सुपृत्री सवीता नारायन 37, श्ररोगी रोड, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे बिख किसी व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

दो बैड का ड्राइंग रूम, तथा डाइनिंग, दो बाथ रूम, एक किचन, प्रथम खंड, सहिन, 1/10, श्रविभाज्य शेयर, भूमि प्रापर्टी नं० के-62, हौजखास, नई विरुत्ती।

> मुनील चोपड़ा, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनाँक : 3-3-1986

प्रकाशाही . दी . एन . एस . -------

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकाण)

श्रजेंनरेंज-3 नई दिल्ली

नई दिल्ली ,दिनाँक 11 मार्च, 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० सी गुएक्यू ० । 3-एस०प्रार०-3 | 7-85 | 1139-प्रतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

्मोर जिसकी -39 एन० डी॰ एस० ई०-2 हैं था जो नई बिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची वें और जो पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई बिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाँक जुलाई, 1985

कर्म पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिवात से अधिक हैं। बार अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित धें बाम्तिविक रूप से अधित करी किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (■) ऐसी किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दृशारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के सिए;

अतः अबः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिनित व्यक्तियों, अर्थात् :--- डी० एल० एफ० यूनिवर्सल लिमिटेड,
 21→22, नरेन्द्रा पलैम,
 पालियामेन्ट, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

मेजर सुवीर शर्मा,
 त्र्यू फ्लैट्स, मार्डन स्कूल,
 नर्ड दिल्ली।

(ग्रन्त रिती)

क्षं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ए--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, ज्ये भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्थ किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

फ्लैट्स नं०पी-39, एन ०डी० एस ई-2, गेरेज, बलाक, नई दिल्ली।

> मुनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली 110002।

दिनाँक 11-3-1986 मोहर: प्रकृप आहा. ती. एन . एक्. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन मुचना

भारत सरकात्र

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

महायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 6 मार्च, 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०,एक्यू-3,एस०श्रार०-3,7-85, 1137—मतः मुझे, मृतील चोपड़ा,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- न के अभीन सक्षम प्राप्तिकारी को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर मंपरित जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00 000/- रु. से अधिक **है**

भौर जिसकी सं० 15,031 (1,2) भौर 932 (न्यू) है, तथा जो 119 वर्ग गज, कूचा भ्रताउद्दीन, पहाड़गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इपसे उपाबद अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनौंक जुलाई, 1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विक्वास करने का कारण है कि यथा प्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिकल, रिम्नलिखित इन्देंच्य से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से कथित वहीं किया गया है

- (क) अभारण से हाड़ किसी शाम की शास्त्र, डावस स्थितियम से स्थीन श्रद दोने से बेंसरक के निश्चन में क्यी भारमें या उक्के दक्षणे में सुविभा के जिए; सीर/वा
- (क) इंश्वी किसी बाव वा किसी बाव वा अस्य वास्तिनी की, विश्व भारतीय वायक र विधिनियस, 1922 (1922 की 11) या उप्तत विधिनियस, या धन-कर विधिनियस, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनीय विस्तिति देशारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया जाना चाहिए था, कियाने जें सविधा के लिए;

अतः अय उद्भुत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः:—

 श्री मनोहरलाल चोगड़ा सुपुत्र श्रो नरसिंह दास,
 13(931) (1/2) 932 (न्यू), कूचा अलाउद्दोन, पहाड़ गंज, नई दिल्ली।

alagari a dumanda, araisa sa sarar a

(ग्रन्तरक)

 श्रोमती कृष्णावतो पत्नो डिण्टो लाल, चौक घी मंडी, पहाड़ गंज, नई दिस्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सुकता पार्ने कारके न्वींक्त सम्मति के वर्षन के प्रिय कार्यनाहियां करता हूं :

कवत सम्पत्ति के अर्थन क सम्बन्ध में करेंद्र भी वासीप :---

- (क) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 किन की जनकि या तत्संबंधी व्यक्तिकों कर सूचना की ताबीच से 30 दिन को जनकि को धी अविव बाद में समाप्त होती हो के जीतर क्वोंक्स ज्यक्तियाँ में किसी व्यक्ति द्वाराः
- (वा) इस बुक्ता की राजव्य को प्रकाशन की तारी भी की 45 विश्व के जीवर उक्त स्थावर सम्मारित में हिसबद्ध कियी जन्म स्थावित वृद्धाय, स्थाहस्ताक्ष्री के पाड़ विद्धित में किए या सकेंचे।

स्पक्रकी रण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कर अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया दिया है।

बनुसूची

प्रापर्टी नं॰ 15/931 (112) और 932 (स्यू) तादादी 119 वर्ग गज, कूचा स्रक्षाउद्दीन, पहाड्गंज, नई दिल्ली।

युनील चोपड़ा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनौंक : 6-3-1986

प्रकृष आहुँ , टी , एव , एस , =======

बायकर बरियनियम, 1931 (1961 का 43) की धार्च 269-व (1) के वधीन स्वना

भागत सर्कार

धार्याजय, महागक भायकार आगुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 7 मार्च, 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० मी० एक्यू-3 एन० प्रार०-3, 7-85, 1143---यतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धाए 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित्र नाजार मुख्य 1.00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिनकी सं० 13 ब्लाक बी है, तथा जो एत डी एम ई, पार्ट-2, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबख श्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाँक ज्लाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कथ के इदयमान प्रतिकल के किए अन्गरित की गर्ं हैं और मूमें यह विश्वाम करने का कारण हैं कि बचाएगों क्त संपत्ति का उचित यावार कृत्य, उसके इदयभान प्रतिकास से, एसे स्वयमान प्रतिकत्त का पंत्रह प्रतिशत से अभिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरिक के विष इय वादा नृता प्रविक्त कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं विषय गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायक, उक्त आर्थिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरण के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिक्षः और/बा
- (स) एसी किसी भाष मा किसी धन वा कम्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) वह प्रभाजनाथ अन्तिरिद्धों क्यारा प्रवन्त वहुँ भिन्न, भया था वा किया बाना अप्रीहरू छा, फिपाने में स्विधा के निरंद्धा

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-१ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :→-- 28---26 GI/86

- श्री राम लाल गर्मी,
 मुपुत्र स्वर्गीय गौरी गंकर,
 निवासी पी-13, एन० ची एत ई-1, नई दिल्ली
 (ग्रन्तरक)
- श्री ग्रनिल कुमार, मुपुत्र सुखदेव
 4₁ 54, सुभाष नगर, नई दिल्ली।
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

खब्द क्षम्परित के बर्जन के सम्बन्द में कोई भी बाओप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विव की वनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्वान की तासील से 30 विन की वनिभ, थो भी वनिभ वाद में नमाप्त होती हो, के भीतर वृज्यों कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्तिस वृज्यों हो।
- (क) इस स्वान के राष्ट्रक में प्रकारक की बारीय से 45 दिन के मोधर उन्तर स्थान्त सम्मत्ति में हितबहुच किसी बन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरों के पास निष्यत में किए मा स्केंमें।

रन्कीकरणः--इडमें प्रमुक्त कृष्यों कींड एको का आहे. की क्या कृष्टिएक्ष्य को अध्यास 20-क में प्रिशादिक ही, पही वर्ध होगा औ उस कृष्याय में दिवा क्या ही।

मन्स्ची

नं ० 13, ब्लाक तादादी, 253, वर्ग गज, एनडी एत ई, पार्ट-2, नई दिल्ली स्थित मुबारकपुर, कोटला, नई दिल्ली।

> मुनोल चोपड़ा, सक्षम श्रधिकारी

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रजन रेंज-3,दिल्ली, नई दिल्ली 110002

दिनाँक 7-3-1986 →

प्रकप कार्द्रे.टी. एन . एस , ::------

भायक र मीधीनवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) से मधीन सूचना

THE TYPE

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च, 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०-3/एस०प्रार-3/7-85/

1146--अतः, मुझें सुनीत चोपड़ा

जायकर अभिनिवस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार (उन्त अधिनियस) कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राध्कितारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित सामार मृक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० एफ-3 है, तथा जो एन डी एस ई-पार्ट-2, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपायद्ध अनुसूचो में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनौंक जुलाई, 1985

की पृथितित सम्पत्ति की उपित बाबार सूम्य वे अन्य के अध्यक्षित्र की पृथित का स्थाप के अध्यक्षित है सिर मूझे यह विश्वति करने का कारण है कि यथापूर्वित्त सम्पत्ति का उपित बाबार मृथ्य, इसके अध्यक्षान प्रतिफल है, एसे अवश्यान प्रतिफल का पेइह प्रतिवात से अधिक है और अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायसं, उन्तर अधिकान के अधीन कर दोने के नंतरक की दायित्व में कानी करने या उन्नसे बचने में सुविधा की किए; जीर/वा
- (ग) एसी किसी नाम या किसी धन या बल्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय नावकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, बा धनकर निधिनियम, बा धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ बंतरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था स्थितों में सुविधा के लिए;

भतः नन, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के बनुस्थम मो, त्री, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभाग्र (11) की अधीन, निमालिखित स्थितियों, अर्थान् ६राजेश कुमार सचदेव सुपुत्र एस० पी० सचदेव
 द्वारा एस० पी० सचवेव, भीर प्रेम प्रभा
 34, हार्जिसग सोसायटी साउथ एक्सटेंशन, पार्ट-1,
 नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2. श्री सहेन्द्र पाल सचदेव सुपुत्र खैराती लाल सचदेव, 1307, फैंज गंज, बहादुरगढ रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

क्षे यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के किए कार्यवाद्विमां करता हो।

उच्छ संपरित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी नामीप:----

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औं अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्लेक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पासं कर लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्तिकरणः --- ६समें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो अक्त वृश्वित्यम के वश्याय 20-क में परिश्वाचित्त है, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गुमा है।

वनुष्यी

प्लैट प्रथम खंड (सामने का भाग) नं० एफ - 3, ताबादी 950 वर्गफीट। एन डी एस ई, पार्ट-II, नई विल्ली।

सुनोल चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांक : 11-3-1986

हका बाहु ही भूग पुरु क्रान्यका

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के अभीन सूचका

शारतं प्रस्कार

कार्यांत्रय, सङ्ग्यक वायकर वाय्यतः (रिप्रक्रीकार्य)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4-मार्च, 1986 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-3/एस०आए०-3/7-85 1147--अत:, मुझे, सुनील चोपड़ा

भायकर अभानयम, 1961 (1961 का 43) (रिषसे इसमें असके पश्यात् 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अभीन सक्षम प्राभिकरी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं बी-7 है, तथा जो एक्ट/65, सफदरजंग, रोड, स्कीम, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई। दल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जलाई, 1985

भा पृत्रांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान वितिक्त के निए अंतरित की गई है और मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्तोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रम से, एसे वश्यमान प्रतिकृत का पन्तह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (जन्त्रकों) और बन्त-दिती (जन्त्रितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाना गया वितिकृति निम्तिक विविद्य से उक्त अन्तरण विविद्य के बस्तिक क्य से क्थित नहीं किया नवा है :---

- (क) अन्तरण वे हुई किथी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कं शांक्षिक में क्षती अपने या उच्चये वचाने में सुनिधा में बिए; बॉर/मा
- (व) श्रेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भास्तीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्देशी द्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया आना आहिए था, छिपाने में सृविधा को सार:

अत: अब, उक्त मीभीनयम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त मीभीनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीन, निम्तिलिकित व्यक्तियों, मर्थात्:—

श्री परमजीत सिंह, प्यारा सिंह, रतवीर िंह कमलसिंह, स्पुत्र स्वात व स्वर्ण सिंह, के-18, ग्रीन पार्क, द्वारा एटर्नी बृजिकिशोर, मधू, गुण्ता, पप्नी नरेण कुमार गुप्ता निवासी 3102, मोहल्ला, दासन, भारखे वालान, हौज खास, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. महेश चन्द गुप्ता, सूपुत्र श्री स्वर्गीय किशन निवासी सी ए-82/1, गौतम नगर, नई विल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त संपत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी बाह्येप ⊱ 🗉

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 विन की सविध या तत्त्वम्बन्धी व्यक्तियों पर कूचना की तामीस से 30 विन की सविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवय स्विधनों में से किसी स्वित्त इपाय;
- (क) इस सुभवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिराबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा संधोद्धस्ताक्षरी के पास निवास में किए या तकीये।

निष्यक्तिरणः---इसमें प्रयुक्त व्यव्यों और नदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित है, तहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में क्यि। यदा है।

जन्स्त्री

बी-7, एक्स्ट/65, तादाची 70 वर्ग मीटर, सफदरजग रोड स्कीम, नई दिल्ली ।

> सुनील चोपड़ा सक्षम अधिकारी हियक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंग रेंज-3; नई दिल्ली

दिनां र : 4-3-1986

मोहर 🖫

प्ररूप थाई. टी. एन., एस.,------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहाबक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3,

नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च, 1986

निदेश सं० आई०ए० सी०/एनयू-3/एस०आ५०-3/7-85/

1148---अतः मुझे सुनील चोपडा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं म नान नं 10009 है, तथा जो 18/2, खब्ह्यू व्हें ए उरोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्राँग इसमें उपाबढ़ अनुसुचों में श्रीर जो पूर्ण रूप ने विणित है) रिजिस्ट्री तर्ग अधि नारी के वार्यालय, नई दिल्ली में र्राजस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित खब्दोंस्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित गहीं किया स्या है:—

- (का) सन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त धरिनियम के बधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

नतः वन, बन्तः विधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण नै, मैं, उन्त विधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— भुशीत सुमार सबदेश, राजीव सचदेवा सुपुत श्री मतमोहन ताल निवासी म नाम नं० 3470, निकलसम रोड, नई दिल्ली।
 हरविन्द्र पाल सिंह, सुरिन्द्र पाल सिंह सूपुत्र श्री गुरबक्य सिंह निवासी 38/43, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री ए० वें ग्रेटेश्वर रात्र सुपुत्र ए० वेंक्टीअपा श्रीर ए० कृष्णाँ मोहन, सूपुत्र ए० वी० राव । तवासी आई-103, अशोश निकेतन, डीं डीं ए० कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तिपती)

को यह सूचनः जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्स भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए आ सकेंगे।

वन्स्यी

मकान नं० 10009, प्लाट नं० 18/2, तादादी 240 वर्ग गज, खसरा नं० 769/767 डब्ल्यू ई.ए., करोल बाग, नई दिल्ली।

> मुनील चोपड़ा सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली 110002

दिनां र 11-3-1986

प्रकार मार्ड .टी . एस . एवं . ------

नाथक र नाधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्वना

भाउत राज्यर

कार्यालय, सहादक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण)

हित्यक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3,

नई दिल्ली, दिलाँ र 12 मार्च, 1986 - निदेश सं० आई० ए० गी०/एक्य-3/एस०आ४०-3/ए-85/

1151 --- अतः मुझे मुनील चौतहर

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस

श्रीण जिसको गाँ० 9/3, श्रीलड अभिनास भारत है ज्या जो अई दिल्लों में स्थित है (श्रीर इस ८ ड एवड़ अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण काम बणित है) अभिन्द्री जो अधि असी के अभीत्रम, अई दिल्ली में रिजिस्द्रीकरण अधिक्रियम, 1968 (1903 1016) रेज्यबीन दिलांक तलाई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जनारण के लिए तथ पाया गया, प्रतिकल, निम्नतिखित उद्देश्य से उचत अन्तरण निश्चि में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जनसरण में हुई किसी बाय की बायस, उक्स जिथिनियम के अधीन कर दोने के बास्तरक के बायित्व में कमी करने या उद्यस्त व्यक्त में सूचिका के सिए; जॉर/या
- (ण) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया हाश वाहिए का, धिनानं में स्विभा के निष्;

अत: अत, उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री एमेण चन्द्र निवासी 9/3, ग्रोल्ड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तर्ह)

श्री स्िण्डर कुमार
 4/28र स्रोल्ड राजिन्दर नगर,
 नट्ट दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त रूपित के बर्चन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

अषत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास शिक्षित में किये वा सकींगे।

क्पव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और प्रवासित है, कि विश्व हों। को उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

9/3, श्रोल्ड राजिनदर नगर, नई दिल्ली।

सुनील चोपड़ / मक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली-110002

दिनां 5 12-3-1986 मोहर प्रकप बादी, टी. एन. एत. ------

भागकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 13 मार्च, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-3/एस०आर०-3/7-85/

1152 - यतः मुझे, सुनील चोपड़ा,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इतर्ने इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं मकान नं 315 है, तथा जो बार्ड 16, व्लाक एसी, खजूर रोड, करोल बाग, नई दिल्लो में स्थित हैं (स्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भ्रार जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जुलाई, 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर बेने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अन्य या किसी धन वा अन्य आस्तिवीं की जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्रवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सूरियभा के विक्:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- लें० क० दलपत सिंह, सूपुत्र श्री रंगी राम निवासी खोरा खेड़ी, फिला करनाल (हरियाणा) (अन्तरक)
 - श्री सूदर्शन कुमार, सूपुत्र श्री पृथ्वी राज श्रौर सरोज कांता, परनी सूदर्शन कुमार,
 315, खजूर रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।
 (अन्तरिती)

को यह पृथना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इतः सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य स्थावित इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पादीकरण:---इसमें प्रमुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुतूची

डबल स्टोरी मकान नं० 315, वार्ड नं० 16, ब्लाक ए सी, खसरा नं० 626/451, खजूर रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।

> सुनील घोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली—110002

दिनांक 13-3-1986 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नायकड निर्मित्यम्, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-मं (1) के मंत्रीन क्यान

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकार बायुक्त (निर्द्रीकाण)

म्रर्जन रेंज-3,

नई दिल्ली, दिनौंक 10 मार्च 1986

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०-3/एस०श्रार-3/7-85/ 1153:--श्रतः मुझे सुनील चोपड़ा

नायकार निधित्तममें, 1961 (1961 का 43) (किसे इस्में इसके पश्चात् 'उक्त निधित्तममें कहा गया है', की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर संस्थित जिसका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- क. ये विधिक हैं

म्रौर जिसकी सं० सी-72 है, तथा जो एन ही एस ई पार्ट-2, नई विल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विल्त है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन विनाँक जुलाई, 1985

को प्रॉक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मूच्य वे कम के जबक्यान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्जेंकत सम्पत्ति का उचित बाबार मूच्य, उसके दक्यमान प्रतिकल से, ऐसे दक्यमान प्रतिकल के जल्ह प्रतिकृत से जिथक है और जन्तरक (जन्तरका) और (जन्तरितया) के बीच ऐसे जन्तरण के लिए तय पाया गया कस निचित्ति उक्देश्य से उक्त जन्तरण जिचित में बास्तविक में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई चिन्नी नाव की बावत, उनक वीधनियम के सभीन कर दोने के सन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बौटु√या
- (क) एसे किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियाँ की, जिन्हुं भारतीय बायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भारतिया जाना शाहर था, जिल्लान में सिक्या के निक्य:

- श्री भ्यान प्रकाश माहेन्द्रा,
 19, अमीन कराकी लहमन,
 121 बी ग्रेड साकूनेकश जेमेवा (स्वीजरलैं•ड)
 (ग्रन्तरक)
- श्री संदीप चौधरी सूपुत्र श्री ए० सी० चौधरी 4/104, सोना अपार्टमेन्ट, कौशस्या पार्क, हौण खास, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की वह सूचना चार्री करचे पूर्वीयत संस्थित से अर्थन से सिव कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

इक्स सम्पत्ति के कर्बन के संबंध में कीई भी जाओप ह----

- (क) इस सूचना के द्रावपत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी स्पित्यों धड़े सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, वो और नविध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति हुनाराह
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्सबृष् किसी बन्य क्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकांगे।

स्वकारिक रण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, थो उक्त विध-निवम के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होता, थी उस क्रभ्याय में दिया गया ही।

जनसङी

सी-72/एन डी एस ई-2 (447.77,100 वर्ग गज), सिंगल स्टोरी ।

सुनील चौपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंध-3; नई दिल्ली

जत: लभ:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जबुतरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्मितिखित व्यक्तियों, अर्थात् ⊯—

दिनाँक 10-3-1986 मोहर:

प्रकृष वार्ष . टी., र्म., एक्.,------

बायकर मॉथनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बचीन बुचना

भारत सरकार कार्वानस, सहायक आयकर आस्वत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3,

नई दिल्ली, दिनाँक 3 मार्च, 1986

निर्देश सं० ब्राई० ए० सी०,ए३ब-३,एन०ब्रार०-३,7-85; 1154:—-ब्रजः मुझे, सुनीत चौपड्डा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं० 7ए/51 है, तथा जो डब्ल्यू ईए, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ध्रौर जो पूर्ण रूप मे विश्वत है) रिजस्ट्री क्रती श्रिधकारी के कार्यालय नई विल्लो में रिजस्ट्री करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाँक जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते गई विद्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके द्रियमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रांत्वात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नीजिक्त उद्योग से उनत अंतरण निम्नीजिक्त के सास्तिया कर में काथित नहीं किया गया है क्ष्य

- (क) श्राप्तप्रस्थ से हुई हैं जबी बान की भागत , सकत महिष्मित्व की स्थीन कड़ दोने के धन्त्रक की वादिरव में कनी कड़ने वा उन्हों क्ष्मि से सुन्धि। के विषय; कहिं/बा
- (च) देशी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियों को, जिन्ही भारतीय शायक र निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, धिन्यान अस्तिया के सिक्षः

जतक जब, उक्त जिपिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत् :—→ श्री झाबरमल स्वामी 61/10, रामजगरोड, करोल बाग, नई दिल्लो।

(ग्रन्तरक)

प्रकाण एन्योनी,
 उए, 60, डब्ल्यू ई ए, करोल बाग,
 नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के जियू कार्यवाहियां करता हो।

हक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोड़ भी नाक्षेप ८

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वें 45 विन की सर्वीध स् तत्सम्बन्धी स्थितताों वर स्वान की ताबील से ⊕0 विन की सर्वीध, को भी बद्धि बाद की कमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थिताओं में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस स्भाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के कर 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वभोहस्ताक्षरी के पाया सिवित में किए का सकत्ये।

स्वच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कच्चों और वर्षों का, वो उक्छ विधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाविष क्षेत्र वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विका न्या है।

धनुषुची

7ए/51, ढक्ल्यू ई.ए., करोल बाग, नई दिल्ली।

सुनील चौपड़ा सक्षम श्रविकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रवीन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनाँक: 3-3-1986

प्र**क्ष्य भार**्टी हो . **एस .,-----**

बाबफर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन स्वना

भारत सुरकार

कार्याचय, शहायक नायकार नायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-७,

नई दिल्ली, दिनाँक 4 मार्च, 1986

निर्देश सं० म्राई०ए०सी०/एक्यू०-3/एस०म्रार०-3/7-85/ 1149--म्रतः मुझे, सुनील चौपड़ा

णायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पहचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया ही, की भाषा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण ही कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार अक्स 1,00,000/-रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं के 62 है, तथा जा ही ज खास, एक्लेव, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण म्हप से विश्वत है) रजिस्ट्रीकर्ती ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) में ग्रीधीन दिनाँक जुलाई, 1985

का पूर्वेक्त सम्मित्त के जीवत बाबार मून्य से कान के द्वामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का जीवत बाबार मून्य, उसके द्वामान प्रतिफल से, एसे द्वायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है करि नंतरक (वंतरकों) नौर वंतरिती (वंतरितियों) के बीच एसे वंतरक वंतरक के सिए तय पासा पदा प्रतिफल निम्नितिबत उद्देश्य से जनत अन्तरक विशिक्ष में वास्तिवक्ष क्य ने कीवृत नहीं किया वदा है है—

- (क) बंतरण संहुइं किती जाय की वायतः, उच्छ वीधनियतः जे लधीन कर दोने के बंतरक के दावित्व में कसी करने वा ग्रंडवं वच्चे में सुविधा के किए; बरि/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी अन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनिवन, 1922 (1922 का 11) या उनत बाँभनिवम, या अनकर अधिनिवन, या अनकर अभिनिवम, या अनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने धे सुविधा के निष्;

अत: जब, उक्त अभिनियम कौ धारा 269-ग के बनुसरण को, की, अक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अर्थात: प्रस्तिनियत स्यक्तियों, अर्थात् ध---29—26 GI/86

- सर्व श्री एत० के० भाटिया, पी० के० भाटिया, सुनील भाटिया, ग्रीनल भाटिया, द्वारा श्री मती राज कुमारी भाटिया, नियासी डक्ल्यू-41, ग्रेटर कैलाण-1, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- श्री पी० एस० कैलासम, निवासी कस्तूरी रोड, रंग रोड, मद्रास-600018।

(ग्रन्तरिती)

को यह शुधना जारी करके पृत्रों कर कमित के वर्षन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राथपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनित या तत्स्म्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी जनित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीत है उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-विश्व किसी जन्म व्यक्तित द्वारा जधोहस्ताक्षरी के शस विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त सक्यों और पतों का, जो उपक प्रिथिनियम के वध्याय 20-क में पहिशासिक हैं, बही वर्ष होगा जो उस अध्याय में विवा स्वा हैं ॥

श्रनुसूची

दो द्रैष्ठ, दो गुसलखाने, ज्राइंग-झाइंनिंग, एक किचन, दूसरा खंड, के-62, होज खान, एन्क्लेब, नई दिल्ली 1/10, श्रविभाज्य शेयर भूमि समेत।

> सुनील चौपड़ा पञ्जन ऋधिकारी महायक ऋषिकर ऋषिक्त (निरीक्षण) ऋजैन रेंज-3, नई विल्ली

दिनाँक: 4-3-1986

मोहरः

प्ररूप बार्च .टी.एन .एस ,------

शासकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा भारा 289-म (1) के अभीन सुमना

नाइव दुरक्त

कार्यासय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेज-3.

नई दिल्ली, दिनाँक 13 मार्च, 1986

निर्वेश सं० प्राई०ए०सी०/एक्य्-3/एम०प्रार०-4/7-85/ 1453 ए--म्रतः मुझे, मुनील चौपड़ा

आपकर जिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 169-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को नह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० ई-2/2, किष्णा नगर है, तथा जो दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपावक्ष सन्सूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन दिनाँक ज्ञाई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के जिनत बाजार मूस्य से कम के द्रश्यान प्रतिकल के लिए अन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिन्द बाजार मूस्य, जसके दश्यमान प्रतिक क से, एसे दश्यमान प्रतिक क सा वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए स्य बाया गया प्रतिक स, निम्नजिविक उद्योदय से उच्च बन्तदुच सिवित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावस, उक्त विक्रित्व के ब्रुधीय कुए दोन के बन्तरक के राधित्व में कभी करने ने उन्ने में बाविया के विद्युः बुद्धिना
- (व) एती किची नाम ना किची भूव ना नाम् नास्ति, वी की, चिन्ही भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तत अधिनियम, धा धय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तिरती ह्यारा प्रकट नहीं किया प्रया धा ना किया धाना चाहिए था, कियाने में सुनिश्धा को सिहर;

कतः जब . उन्त विधिनियम की धारा 269-ग के बम्बरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अधीन, निमालिखित व्यक्तियों, वर्धात :—— श्रो बंसीलाल निक्ता मुपुत श्रा गिरधारो गान निक्ता, बी-2/बा, 165, जनकपुरी, नई दिल्ली ।
 (2) श्री गंगाधार
 डो 108, रिपो नजदोक, गृक्रूरबस्ती, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती भगवती पत्नी श्री धन्ना राम, एन-44, शेख पट्टी बेदन, जिला बेदन (यू० पी०) (ग्रन्तरिती)

को बहु बुवना वारी करके पूर्वोक्त संप्रीत के वर्षन् के जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उत्त संपरित के नर्जन के तंत्रंभ में कोई भी मासीप !--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच क्ष 45 दिन की जविश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बूचना की तामीस से 30 दिन की जविश्व, जो भी जविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास विवित में किए वा वक्त ने।

स्पन्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों बीए पूर्वों का, जो सनस् अधिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा को उद्दे स्थास में दिका गया हैं।

म्रन्स् ची

प्रोप**० नं० ई**-2/2, कृष्णा नगर, दिल्ली-51, एरिया 272, 2/9, वर्ग गज।

सुनोल चौरडा सक्षम प्राविकारी सहायक श्रावकर जागुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेंज-३, नई दिल्ली

दिनाँक: 13-3-1986

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

अगयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां क 11 मार्च 1986

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/3/एस आए-4/7-85/1454—यनः, मुझे, मुनील चोपड़ा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीए जिसकी मं० 496/5-शी/1, खसरा नं० 636/8, तथा जो 2/2/2/3 /3 खेबर नं० 190 खनीनी नं० 386, पटेल चौ ह में स्थित है 'श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में में विगि है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिज्स्ब्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जुलाई, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — 1. श्रीमती भागवन्ती पत्नी स्वर्गीय वजीर चन्द निवासी 496/5-वी/1 भजदीक पोस्ट आफिस सुभाप रोड़, गांधी नगर, दिल्ली द्वारा जनरल एटोरनी प्रेम चन्द सुपुत्र स्वर्गीय शीवल प्रसाद जैम निवासी 496-5-बी सुभाप रोड गांधी नगर, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री प्रकाश चन्द जैन सुपुत्र शीतल प्रसाद जैन ग्रौर पुष्पा जैन परनी श्रकाश चन्द जैन 496-5-बी/1 नजवीक पोस्ट अाफिस गांधी नगर, दिल्लीब31

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वम्स्ची

प्रापर्टी नं. 496/5-बी/1, एरिया तावादी 228 वर्ग गज खसरा नं० 636/613/2/2/2/2/3/3 खेवत नं० 190 खतवानी नं० 386, पटेल चीक, नजवीक पोस्तट आफिस सुभाष रोङ्ग, गांधी नगर, दिल्ली-31।

सूनील चोपड़ा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-3-1986

(अव्रतरक)

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एव. -----

बायकर विभिनित्रम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के क्षीन स्वा

शाहत पहलाह

क्षायांतर, सहायक बायकर बायक्त (विद्रीक्षण)

अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 11 मार्च 1986 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस आर-2/7-85/ 2657—यत:, मुझे, सुनील चोपड़ा,

बालकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रश्वाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के ब्यीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने अप्रत्य हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका स्थित वाबार मृख्य 100.000/- रा. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी सं ए-38, कालोनी कृष्णा पार्क है, तथा जो दिल्ली में स्थित है (स्रौर इसने उताबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णि। है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वेक्ति सम्मित्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वा क करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिकल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त से अभिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और बतरिती (सम्बर्गित्वों) के बीच एसे बन्तरण के बिए तब पाना गवा प्रति-क्य निम्नित्ति उद्गोदन से स्वत्र बन्दरण विश्वास से बास्तिक्य कप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरम् वं शुर्तं विक्षीं बाव की वाव् तुः त्वक विक्रीप्रवृष् के स्थीन् कर दोने के बन्तरक के शिवाय को कभी करने या उससे स्पने में सुविधन के जिसुः और / या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ना वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

क्त: सब उन्त विधिनयम की बास 269-न के अवृत्रक है, है, उन्त विधिनयम की धारा 269-व की स्पथारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- श्रीमती राज रानी चोनड़ा पत्नी स्वगीय सुन्दर दास चोपड़ा 2/62, रमेश नगर, नई दिल्ली ,
- 2. श्री दलीप सिंह मनचन्दा सुपुत स्वगीय गंगा राम डी॰ ए-45, सी, जी-8, एरिया राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य**शीहयां करता हू**ं।

डचत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं
 45 दिम की स्वीप या दरस्यन्थी व्यक्तिसों पृष्ठ
 सूचना की दानील से 30 दिन की नविंध, जो भी
 वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर
 व्यक्तिसार में से किसी व्यक्तित स्वारा;
- (ब) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन का तारीस से 45 दिव के भीतर उक्त स्थावर सम्बक्ति में हित्वव्ध किसी कन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ सिसिस में किए जा सकों है।

स्पानी करण्: इसको प्रमुख्य सकती बीह्र पूढी का है स्वाप्त निर्धानियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही नर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा ग्या है।

श्रनुसूची

प्ताट नं ० ए-38, एरिया 200 वर्ग गज । फ्री होल्ड कालोनी कृष्णा पार्क, दिल्ली ।

स्नील चोपड़ा जक्षम प्राधिकरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 11-3-1986

प्रसप बार्क्, टी., प्रन., प्रस., पर-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन जुजना

HIST TENS

कार्याक्षव , सहायक नायकर नायकत (निडीह्रक)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली नई दिल्ली, दिनांग्र 4 मार्च, 1986 निर्देश मं० आई० ए० मी०/एक्यू०-/3/ए i आए-2/7-85 2659—-याः, मुझे, सुनील चल्डा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परुषात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रांर जिसकी मं० गांव मुंडेला खुर्द है, तथा जो दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है (ग्रांर इसमें उपबाद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप में वर्णि। है), राजिस्ट्री त्रां अधिवारी के वार्यात्म, दिल्ली में राजिस्ट्री तरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीत, वारीख ज्लाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवंकित सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विक्षा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण में, रूं,, उक्त अधिनियम की धारा 259-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों , नुषत् ६—-

 डीग राम अंश रघुबीर सुपुत्र मै० माया राम गांव— मन्डेला खुर्द, दिल्ली

(अन्तरक)

 श्री जनार्धन बनर्जी भूपुत एच० सी० बनर्जी 9-ए, हमयूपुर, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि तादादी 22 बीघा साढ़े चार बिस्सवा खसरा नं० $16/17 \left(4-16\right)$, $16 \left(2-03\right) 18 \left(3-2\right) 25 \left(4-16\right)$ $24 \left(4-12\right) 16/14$ माइन $\left(2-1\right) 27 \left(0-3$ ढे $30 \left(0-4\right)$ गांव मुन्डेला खुर्ब, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

सुनील चोन्डा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख : 4-3-1986

प्रारूप आई..टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां रु 27 फरवरी 1986 निर्देश सं अाई० ए० सी ०/एक्यू ०/1/37-ई ई/7-85/ 1907---यतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मार जिसकी सं ० म्लाट नां ० 114 है, स्था जे. ग्रेटर वं साध-2 नर्ष दिल्ली में स्थित है (म्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में म्रीप पूर्ण रूप में विभिन्न है), में भारतीय आयकर अधिरियम 1561 (1961 का 43) के अधीन तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रममान प्रतिफल से, ऐसे श्रममान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 मेजर गुरचरन सिंह ऋषि राज एम-114, ग्रेटर कैलाण-2 नई दिल्ली

(अन्तर क्र)

2. श्री एम० के० भारगवा एन-121, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

(अन्तिरती)

की यह स्वना शारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्षन के विष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्चिना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

प्रथम खण्ड प्ताटनं० एम-114 ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।क्षेत्रफल 505 वर्गगण।

> आर०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजंन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 27-2ब1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बावकर ब्रिप्तिग्रंग, 1961 (1961 का 43) की बाज 269-व (1) के बचीम ब्याग

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरक्तिक)

अर्जन रेज-1, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां उ 27 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ई ई/7-85/ 1908—सन, मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें इसमें उस्ता विभिन्न कि प्रकार कि प्रकार की धारा 269-व के नधीन सक्षम् प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृज्य, 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 413 है, तथा जो 89, नेहरू फ्लेस, मई दिल्ली में स्थित है (श्रार इसने उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप ने चिंगत है), अर्जन रंग-1 कार्यालय नट्ट दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिपत्ति को निष् बंतरित की गई है और बुक्ते वह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार बूक्य, उसके दश्यमान प्रतिकान से, एसे अवसान प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निय क्य पाया क्या प्रतिकास निकासित उद्देश से उक्त अन्तरण मिलिस में गस्त्विक अप सं किका नहीं किया गया है:---

- (क) नन्तरण यं हुई फिली थान की बाद्य, क्रवर विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरण के विदिश में क्यी करने वा उबके वचने के कृषिधा श्रे दिए; बोह्न/धा
- (च) एसी किसी बान या किसी धन या नम्य नास्तिनों की, जिन्हें भारतीय नाय-कर निधिननम, 1922 (1922 का 11) या उनत नौधनिकम, या धन-कर निधिननम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिलाले में स्विधा के लिए;

त्रतः वदः उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वितृत्वरण में , मी, उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

मास्टर रजत घई यू० जी० मिसस मुनीता घई डो-371,
 डिफोस कालोनी, नई दिल्ली

(अन्बर्ह)

सिम्यलैक्स कं उरीट पाइल्स (इडिया) प्रा० लि० वैकुंठ
 खंड, 82-83, नेहरू पलेस, नई दिल्ली

(अन्।रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

करत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई बास्त्रेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नात में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास सिचित में किए या सकोंगे।

स्वकातिका ध-इसमें प्रयुक्त सन्धां और पदां का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया देवा हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं ० 413, 89, नेहरू फ्लेस, नई दिल्ली एरिया 465 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिष्ठारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जेन रेंज-1, दिल्ली, भई दिल्ली-110002

तारीख: 27-2-1986

मुक्त बाइ े हो पुर पुर पुर कार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंघ-1, दिल्ली नई दिल्ली, दिनांग 27 फरवरी 1986 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकपू०/1/37-ई ई/7-85/ 1909-यतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

शायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(विश्व इसमें इसकें पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 1323,स्कीपर टायर है, तथा जो 39, नेहरू पक्षेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उपाधद्व अनुसूचो में शीर पूर्ग का पे वर्णा। है), अर्जन रंज-1 जार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयाद्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

का पृथांक्त संपत्ति के उणित बाबार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निक्नलिखित उद्देश से उन्त अंतरण लिखित में बासिबक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अच्चरम् वे हुइ किसी अभ की गायला, स्थर विविद्यान के नभीन कर दोने के अंतरक के दासित्व में कभी करने या उससे अभने में सुरवक्षा के लिए; वरि/वा
- (क) एसी किसी बाव वा किसी भव वा बन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या जनक अधिनियम, या जनक अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्लास प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना काहिए था, जियाने में सचिता के लिए।

शतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की शपधारा (1) के अधीन, निम्निस्तित व्यक्तियों, अर्थात हि—

- 1ু श्री तुन संक्षित अवदेशः 130, गोलफ िए, स**ई दिल्ली** (সন্ধেচ)
- 2. श्री नीपा खेलता 4727, कताथ माविट, पिल्ली (अन.रिती)

को यह सूचना बारी करके पृत्रोंक्त सम्मत्ति के वर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मरित के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना को पानपंत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की बनिध या तस्तंतंत्री व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनिध, को भी जनिथ नाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविच्य स्थीनतयों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति के हितबद्ध किसी कना व्यक्ति इवारा अधोहरताक्षरी के पास किसित में किए जा सकेंचे।

स्थष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्वाय 20-क में परिभाषिष हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं ० 1323, स्कीवर टावर, 89, नेहरू पलेस, मई दिल्ली 385 वर्ग फीट ।

> ार० पी० राजेग सक्षम प्राधिकारी महासक आयाहर आयुक्त (दिरीक्षण) अर्जनरेज-1, दिल्ली, एई दिल्ली-110002

नारीख: 27-2-1986

प्रवाह क्षेत्रको हो . **एन . एस . ----**

भाष्ट्र अधिगयम, 1961 (1961 का 43) की भारा २५ ९-६ (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

अर्पालय, महायक आयकर आयक्त (निरीकण)

अर्जन रें च-1, दिल्ली

दिल्ली, दिशां र 27 फरवरी 1986

निरं। स॰ आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ई ई/7-85/ 1910 .. मुझे, आर० पी० राजेश, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनक प्रश्नात (१,८० अंटियर स्टें क्**ट्रा गया है), स्टी भारा** २८८-६ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह वि**रवास करने का** आरण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रत. सं अधिक है र्म्यार ित्मकी मं० फ्लैंट नं० यू० बील-7/2°, घा ाख+बा**है,** "था जो भारा खम्बा रोड़ाई विल्ली में स्थित है। (श्रीर इसोटडाबड अनुभूची में क्यार पूर्ण कर के अभिताह है), अभीता रोजना । सर्वाजया अई िरुनी में भाजीय आगण्य दिधित्यम, 1961 (1961 वा 43) के अबीध आरीख ज्याई, 1985 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मस्य से कम के क्यमान

प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य अपने धन्यभान प्रतिफल सं, एस धन्यभान प्र**तिफल का पन्यह** रितमत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पस्तिक रूप से कथित नहीं किया गंगा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कज़ी करने या उससे यचन में सुविधा के लिए; क्षेत्र की
- (क) इत्यो किया आब या किया भ**न या अन्य अवस्तियाँ** को जिन्हें भारतीय नाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर बाभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ल उत्तरिया नाम चाहिल् था, खिलाने में सविधा की भिन्ना

अक्ष: अत्र , त्रक्त समिनियम की भारा 269-न के बम्बरण के में जबत अधिनियम की भारा 269-व की उपभएरा (1) के अधीन, निम्नलिसत व्यक्तियों, अर्थात् :---30-26 GI/86

ा. स्कीत: सैल्स प्रा० थि० ७२, वारा खम्बा रोड, ५ई दिल्ली ।

(अ≓ रिक्क)

2. श्रीमती मनोरमा क्लान 4259/3, श्रंसारी रोड. नई दिल्ली।

(जन तिली)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्स मञ्जाति के अर्जन के लिए रायेशाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्ज भी अक्ष्य ----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में अकाशन की सारीस सं 45 दिन की अगरीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सुचना की तामील से 30 दिन की अक्षाध, जो जी बब्धि बाद मी समाप्त हाती हा. या भीतर प्रांबन भ्याविसायों में मं किसी न्यक्ति चुनाए
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति सं हितवद्यन **किसी बन्य व्यक्ति द्**यारा अभोहस्ताधरा के णस लिभितमं किए आ सकींगः

जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्भ होगा जो उस अध्यास में दिया नया 🗗 ।

अमुस्ची

फ्लैंट नं० यू० बी-7/32, आरा खम्मा रोड़, 🗯 दिल्ली। क्षेत्रफा 687 वर्गफीट ।

> ाता पी० श्राजेल मक्षत्र त्राधिकारी सहाय प्रभाय प्रभायका (िर्दाक्षण) अर्जभ रेज-1, दिल्ली, धई दिल्ली-110002

क्तरीच : 27-2-1986

महिल् :

श्रक्ष बाइ".टी.एन.एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

माउत चर्डकार

कार्यालय, सहावक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्ज न रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां छ 27 फरवरी 1986

निर्दोण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ई ई/7-85/ 1911-—यनः, मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

प्रोर जिसकी सं० पर्लंट नं० 706-ए, बाप खरबा रोड है, तथा जो नई दिल्ली में रिथा है प्रांप इससे उपायक अनुभूची में प्रांप पूर्ण क्ष्म से विष्यत है), अर्जन रेंग्र-1 कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयानर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

कां पृत्रों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दर्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दर्यमान प्रतिकल से एसे दर्यमान प्रतिकल का पंदह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अंतरण सिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की श्राबत, उक्त अधि-निवस के सभीन कर दोने के बंतरक के श्रायित्व में कभी करने ा उससे अवने में सुविधा के खिए; बौद्ध/शा
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन वा जन्म जास्तिवों की, जिन्हें भारतीय बावक र विधिनवृत्त, 1922 (1922 का 11) वा बक्क अधिनियन, वा धन-कर जिथिनियन, वा धन-कर जिथिनियन, 1957 (1957 का 27) जे प्रकारनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रमट नहीं किया गया वा या किया वामा वाहिए था, क्रियान में मृतिक। वे लिए;

बरा: विवा , उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के विमृत्तरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलंखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. स्कीपर सैल्स प्रा० लि० 22, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली ।

(अन्तर ह)

भाग III--खण्ड 1

2. मास्टर प्रात् घई यूजी बी० के० घई डी-371, डिफेंस कालोनी, मुई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मन्यत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी माओप :---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संप्रतित में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्क जीभनियमं के अध्याय 20-कंगें परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिव-वया है।

वगुसूची

प्लैट नं० 706-ए, 22 बाराखम्बा रोड़, न**ई** दिल्ली। एरिया 500वर्ग फीट।

> आप० पी० पाजेश सक्षम प्राधिकारी सहाय ः आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, मुई दिल्ली-110002

दिनौंक : 27-2-1986

मोहर

प्रक्य बार्ड . टौ . एन . एस् , ------

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1986

निर्देश सं० अर्ह० ए० सी०/एनयू०/1/37-ईई/7-85/ 1911--यतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर व्याधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 अब को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से **अधिक है**

क्रीर जिसकी सं० जी-39, कवाट प्लेस, नई दिल्ली है, तथा जें। नहीं दिल्ली में लिथा है (श्रीर इसने उनाबद अन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणि : है), अर्जन रें %-1 कार्यालय नई विल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वर्ग 43) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्बाह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और जंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल निम्निमिक्त उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित ये शास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- [क] बंतुरुष वे हुई किसी बार की बाबत्, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के काभित्यक्रमें कामी कारने या उससे बच्ने में सुविधा **चे निए; मार**∕भा
- (क) ऐसी किसी जाब या किसी भून या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जायकार जीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या थन-कारु अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती इवारा प्रकट नहीं किया क्या था: या किया जाना चाहिए था, कियाने सें स्विभा 🕏 जिए;

कत: वव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अधीतः :---

1. श्री जे० एस० आए० कैमली ट्रस्ट सी-39, कनाट पलेस, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री वाई० गुलानी और बी० गुलानी बी-22, मोती नगर, भद्दे दिल्ली

(अन्तरिती)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 4.5 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यवित्तमों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीवा में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ल्बन्दीकरणः ---- इसमें प्रयक्त शब्दो और पदों का, यो उक्त मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्थ होगा जो उस मध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्रथम खण्ड (फंट फ्लैट) पवन हाउस, मिडल सर्कल, जी-39, कनाट सर्कस, मई दिल्ली । तादादी 434, 48 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई विल्ली-110002

दारीख: 27-2-1986

इस्य आर्थ. ही. एव. एस . -----

भ्रम्भक र समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रास 269-व (1) के सभीत स्वनः

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर गाम्बर (निर्देशक)

धर्मभ में बन्दा, दिल्ली

भई दिल्ली, विभाव 27 फनवरी 1986

िर्देश साँ० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37-**ई ई/**7-85/ 1912—स्यार, राजे, अस० पी० राजेश,

गामकार अभिक्षियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पहलाद किन्न ती स्विस्त काहा गया ही), और भारा १५०-म के अभीत सक्षम प्राधिकारी जो, यह निष्यास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मन्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

स्रोत जिसको लेक 200 वर्ग फीट युबी-10ई है, तथा जो बारा खम्बा कोड़ाई के कि भे किया है (स्रोत इस त जनबद्ध अनुसूको में सो त्र्रां के विवास है), अबीच के किया कार्याक्य कई दिल्ली में साक्ताय असार अधिक्यम, 1961 (1961 का 43) व अधीय, क्रिक्ट जलाई, 1986

को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विध्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके ध्रयमान प्रतिकल से एसे ध्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (इन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया नवा प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण कि विच में नास्तिक रूप से कश्यित गहीं कि वा गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की शासत, उक्त जीभानिक के अभीन कार दने के अन्तरक का द्रीयतन भा कामी कारने या उससे अभने में सुविधा के सिंध; और/धा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हीं भारतीय जायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए,

अत: यम, उरत अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मा, भी अवस अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीय, निस्मामिकिक स्थाधनाया, अभित् क्ष्र स्कीपर सैल्स प्रा० लिमि० 22, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. मेजर बीठ एम० सिह् ए सी-131/सी शालीमार धार्ग, दिल्ली

(अन्तरितीः)

का यह सूचना चारी करके पृतांकत सम्माप्ति के अजन के जिल्ह कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण:---इसमें प्रयुक्त कच्चो और पदो का, जो उक्क जिथितियम के जभ्याय 20-क में परिभाजित ही, वही अर्थ होगा को अभ्याय में विमा मना है।

धन्स्पी

भनैट उन बैंसमेंट 10-वी 22 बाराज्यस्था रो**ड**, भई दिल्ली। 200 वर्ग फीट।

> आए० पी० राजेश मक्षम प्राधि ! र्रारो सहायक आयजर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

भारी**ख** : 27-2-1986

मोहर ।

प्रक्य गाइं. टी. एम. एक्.-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार.

-कार्यालयः, सहायक बायकर भायक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज-1, दिल्ली

मई दिल्ली, दिनां ह 27 द्वरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/ 1913—–यत, मुझे, भार० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से निधक हैं

श्रीर जिसकी मं० स्पेस नं० 70-ए, घरावल खंड है, स्था जो डा० गोराव दास भवा, 28-बी के० रोड़, पई दिल्ली में स्थिर है (श्रीर डिसा उत्तबद्ध प्रपुद्धी में श्रीर पूर्ण कर संवर्ण । है), वर्ज र रेंज-1 इत्याचिय वई दिल्ली में भारतीय आयाकर अधितियम 1961 (1931 का 43) के अबीप, पारीख जुलाई, 1985

को प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंचन प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल निम्निसित उद्वेष्य से उक्त वन्तरण निचित्न में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या नन्य भास्तिबों को जिन्हीं भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्माने में सुविधा के लिए;

नतः स्व, उन्त अभिनियमं की भारा 269-ग के अभूनरण मैं, मैं, उन्त अभिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के बधोन, निम्नसिन्तिक व्यक्तियों, अभितः:— डा० गोताल दास एस्टेट एण्ड हाउसिंग प्रा० लि० 28, भारा खम्बा रोड़, नई दिल्ली

(अस्तरकः)

भूषण सूपुत्र डी० पी० गुप्ता

(2) 1134 प्रेमगली, बड़ा बाजार, कश्मीरी गेट, दिल्ली 2, 1138 प्रेम गली के गेट दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह तुक्ता बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की जविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वा की तामीस से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ भाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध क्यक्ति इवारा अधेहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

क्याच्याच्याः — इसमें प्रयूक्त कटा और पर्यो का, जो उक्त मीमिनयम्, के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पक्षा हैं।

समयाची

स्पेस नं ० 70-ए, धरातल खंड, डा॰ गोपाल दास भवन 28, भाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली 96.32 वर्ग फीट ।

> आए० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख 27-2-1986 मोहर

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सुमना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक सायकर नायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां र 27 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1-37-ईई/7-85/ 1914-पतः, मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें (सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 120/ए, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग है, ाया जो देवि हा टावर, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबज अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), अर्जन रेंज-1 कार्याच्य अई दिल्ली में भारतीय आयक्तर अधितियम, 1961 (1961 वा 43) वे अबीव, तारीख ज्वाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूख्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाबार •ब्ल्य, उसके **ब्ल्यमान प्रतिफल से एसे ब्ल्यमान** प्रतिफल का पन्द्रहुप्रतिशत से अधिक ह° और अन्तरक (अन्तरकाॅ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिवित उद्देष्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) जनतरण ते हुई किसी जांद की वादत, उस्त न[परियम के नपीन कर दोने के अन्तरण के शरित्य में कमी करने या उत्तरों बचने में सुविधा चे निए; जीर:/वा
- (च) एोसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियाँ:: क्ये, जिन्हें भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियंम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया रका था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में त्विभा के सिए;

ज्हः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरणः में., भै , उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्निनिन्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. प्रगति कंस्ट्रकशा अमानी देविका टावर, चौथा खंड, शीतला हाउस, 73-74, नेहरू पलेस, नई दिस्ली (अन्तर्क)
- 2. श्री ए० सी० सरना श्रीर मित्रस वीना सरना बी-3/27, सफ इंटर्निंग, ए कलेव, नई दिल्ली

(अन्तरितीः)

का यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के न्लए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाओप ए---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की नविभ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दश किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अधोहस्ताक्षरी वे पास लिबित में किए का सकींचे।

स्पन्धीकरण:---इसमे प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टित हैं, वहीं वर्ध होगा, को उस बध्याय में दिया गया 3ª 1

भनुसुची

बनज फ्लैट नं० 120/ए, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग, देविका टाबर, 6 नेहरू भलेस, नई दिल्ली। एरिया 580 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधि ारी सहायक आयकर आयुक्तः (किरीक्षण) अजन रेंज-1, दिल्ली, भई दिल्ली-110002

तारीख 27-2-1986 मोहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1986 निर्देण सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1-/37-ईई/7-85/ 1915---यनः, मुझे, आर०पी० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

धौर जिसकी सं पर्संट नं 481, एस एफ एफ एस है तथा, जो मंदाकिनी एन क्लेब, बेस्ट आफ क्ष्यूनिटी सेंटर, काल काजी में स्थित है (और इसके उराबद्ध अनुसूची में श्रोप पूर्ण कप से विणि।है), अर्जन रेंन-1 कार्यानय नई दिल्ली में भारतीय जाय कर अधिनियम, 1961 (1961 हा 43) के अधीन, नारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूज्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्मप्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मित्रिश के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अमसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्तों, अधीत्:-- 1. श्री कें। वीश एस० गुप्ता एड-9/10, माछल टाउन, दिल्ली

(अन्तर्क)

2. श्रीमती नीलम शारदा ई-21, एन० डी० एस० ई 1, नई दिल्ली

(अन्दरिती)

को यह भूधना जारी करके पृशंकत सम्पत्ति के अर्जन क लए कार्यवाहियां करता हूं।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बर्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर क्वींकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस मृचना के राजपत्र में प्रकारन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्भन्दिकरण:---इसमं प्रय्कत शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

मन्स् ची

फ्लैट नं ० 481, एस० एफ० एस० मंदािकनी एकलेब, वेस्ट आफ कम्यूनिटी, सेक्टर, कालकाजी, भई दिल्ली एरिया।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुवन (भिरीक्षण) अजन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

सारीख : 27-2-1986

प्ररूप आर्ड. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंजः।, धिरुली

मई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37**-ईब**/7-85/ 1916——यन , मुझे, आर० पी० राजे*ण*,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 409, भ्रीया खंड बिल्डिंग है, तथा जो 89, नेहरू फ्लेस, नई फिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुभुची में भ्रौर पूर्ण रूप में विभिन्न है) अर्जन रेंज-1 कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन, ारीख ज्लाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

 या सी प्रमुखाए० ग्रो० सूपुत्र स्वर्गीय ठाका ए० बी० ए० ग्रो० मोइल ब दीमापुर (शागालण्ड)

(अन्तरक)

2. श्री राजीव घई सूपुत्र के० पी० घई डब्स्यू०-77, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों हो,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पच्टीकरण:--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदाँ का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

कार्यात्रिय पर्नैट नं ० 409 भागादी 530 वर्ग फीट । चीथा खड बिल्डिंग नं ० 89, नेहरू न्लेस, मई दिल्ली । श्रंडर कॉस्ट्रक्यन)।

> आप्तः पीर राजेण सक्षमः प्राधि गरी सहाय ह आयाज्य आयुक्तः (भिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, भई दिल्ली-110002

अतः अब उभत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, गैं, उमत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

तारीख 27-2-1986

प्रकृप बाइ .टी.एन.एस.-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांच 27 फरवरी 1988

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1-/37-ई ई/7-85/ 1917---यन:, मुझे, आ४० पी० राजेण,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० स्पेस नं० 68, धरातल खंड है, तथा जो डा० गोपाल दास भवन, 28, बाराखम्बा रोड्, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीरइसने उपावड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्णका से वर्णि। है), अर्जापरेज-1 कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 हा 43) के अधीत, वारीख जलाई, 1985 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाषार मुख्य से कम के करयमान के लिए जन्तिरत करी गइ है नुभते यह विष्यास करन का कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सरवमान प्रतिफल सं, एसे क्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित **उद्दरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथित** नहीं कियागयाहै:---

- (क्क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के इसित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ह) ऐसी किसी बाय गा किसी धन या बन्य अपिनणें का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इं अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित क् श्री गोताल दास एस्टेट एण्ड हाउडिंग प्रा० लि० 28, बाराखस्वा रोड़, नई दिल्ली

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती शिव कुमारी पस्ती दुर्गा प्रसाद,
 - (2) दुर्गा प्रसाद सूपुत्र टी हा राम 1148, प्रेम गली, बड़ा बाजाण, कक्मीरी गेट, दिल्ली

(अन्:िती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हां से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) इस स्वन्त के राज्यन में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हिंद-क्ष्म किसी जन्म स्थानतः ब्लारा नथोहस्ताक्षारी के वास निवित में किए वा सकीने।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगसर्व

स्पेसानं ० 68,तल खंड डा० गोताल दास भवत, 28,बाराखम्बा रोड़, भई दिल्ली (सूतर) लगभग 103, 12 वर्ग फीट ।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधियारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंग्ना, दिल्ली, पई दिल्ली-110002

तारीख 27-2-1986 मोहर प्रकप बाईं.टी.एन.एस.-----

भाष कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक वायकर वायुक्त (निराधान)

अर्जन रेज-1, दिस्ली

भई दिल्ली, दिशांत 27 फरवरी 1986

जिर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ई ई/7-85/ 1918--यन, मुझे, आए०पी० राजेश,

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उयस अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव पनैट नंव 1209-ए मल्टी स्टोरी बिल्डिंग है, तथा जो देखि हा टावर, 6, तेहरू पनेस, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उहाबब अनुभुनी में श्रीर पूर्ण कर में विणित हैं) अर्जात रें ज-1 कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयहर अधिनियम, 1961 (196 का 43) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

मां प्रोंकत संपत्ति के उचित वाधार मून्य से क्षम के कावाम मृतिकम के मिए बन्तरित की पर्द हैं बार मुझे पह विकास करने का कारण है कि स्थाप्नोंकत स्थाति का स्वित कावार मृत्य, उसके स्वमान प्रतिक क के एसे कावमान प्रतिक के कावस प्रतिक से बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिक के निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में बास्तिक रूप से काथत नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण से इन्हों जिस्सी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अस्तरण के बाजित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा और/या
- (क) एती किसी बाय वा किसी भग वा बन्ध बारिसवीं को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए ना, कियाने में सुविधा के सिए।

भतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सन्सरण शें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के सभीन, निम्निलिखित स्पिन्तिना, समीत् हु---

- 1. प्रगति कंस्स्ट्रकशन कस्पनी (देविशा टावर) चाथा खड, गोतिक हाउस, 73-74, नहरू पलेस, नई दिल्ली
 - मास्टर अजेस बटाल, यू/जी बी० बी० बंस र बी-60, ईंग्ट आफ नैलाश, दिल्ली

चअन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकासन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी मन्धि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवास;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आँर पवों का, जो उक्त आयकर आधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, बहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया पत्रा है।

नन्स्ची

बु तड फ्लैंट नं० 1209-ए, मल्टी स्टोरी बिल्डिंग, देविका टावर, 6, नहरू बलेस, नई दिल्ली एरिया 180 वर्ग फीट ।

> आग्ठ पीठ राजेश सक्षम प्राधिकारी महास्यक आसकर जासून: (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

धारीख 27-2-1986 मोहर

प्रकप बाह् .टी. एम. एस . ------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के मधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरघरी 1986

िर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/ 1919----श्रतः मुझे, आर० पं≀० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धूसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ऑर जिसकी सं० फ्लेट नं० 1100, 11था खड है तथा जो 22 कस्तूरबा गांधी मार्ग नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से चिणत हैं) रिजर्स्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजर्स्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 वा 16) के शर्धान, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूस्य से कम को क्ययगान मित्रफल को लिए अम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके क्यमाब प्रतिफल से, एसे क्यमाब प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और संतरक (संतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निस्तित उद्दोष्य से उक्त अन्तरण निम्तित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एथी किसी आय या किसी थन वा सन्य बारिसयों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्च अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा कै किसा

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की भाषा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निचित्र व्यक्तियों, अर्थात् । — श्रं। इन्दरजीत वालिया एण्ड संजीव घालिया ई-44, ग्रैटर कैलाग-1, गई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

2. मेसर्स श्रादर्ण कपूर एण्ड मास्टर श्रानिल कपूर, धा-2] 94 सफदरजंग इंक्लेब, नई दिल्लो।

(अन्तरीती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति भी वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हां।

इन्द्र चंपील के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्थानत बुगारा;
- (क) इस स्वान के राज्यन में प्रकालन की तारीच चैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बब्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास मिचित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

ग्रन् सूची

फ्लैट नं० 1106, 11वां खंड , 22 करमुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली एरिया 542 वर्ग फीट।

> श्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 27-2-1986

मोहर । :

प्रथम कार्य हो , १५ . १५ . ५-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भा<u>रत चर्यक्रत</u> कार्यांकव, सहायक सायकर वाय्क्त (वि<u>र्</u>रीक्षण)

अर्जन रेज-1, मई दिल्ली

नई विल्ली, विनांक 27 फरवरी, 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी:ाएक्यू०)/1/37-ईई/7-85/ 1920---प्रत: मुझे श्रार० पीं० राजेश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी में शापनां 18 है, तथा जी प्रथम खंड नेहरू पर्लेम, नई दिल्ल में रियत हैं (और इसने उपायह अनुभूची में पूर्ण रुख्य में विणित हैं), अर्त्तान रेंज-1 के वार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के शर्धान, तारीख जुलाई, 1985

भी पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के बस्यमान रतिफल के लिए अन्तरित की ग; हुर् विष्वास करने कारण है यह का बधापुर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिकला, निम्नलिखित उद्दूरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) ब्राह्मक वे ह्या कियो बाव की वावस , स्वतः अभिनियम के अभीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) इति किसी मान ना किसी वन ना नान ना स्वाहित्यों को, विन्हें भारतीय नाव-कर समिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनसे अधिनियम, वा वन-कर मिनियम, वा वन-कर मिनियम, वा वन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ सम्विदिती सुवारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरक वें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीग, निम्मलिबित व्यक्तिकों, अर्थीत ■ मैसर्स टंडन मध् 16, कैलाई श्रपार्टमेंट, लाला लाजपत राथ रोड़, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री चितिश कुमार मिलक साविद्धी देवी मिलिक एस०-370, ग्रटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी कर्क पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

ब बच संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास-सिवित में किए था सकति।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध द्वीगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

प्रजुत्त्वी

शाप नं 18, प्रथम खंड दीपक 13 नेहरू पलेश, नई दिल्ली । 218 वर्ग फीट।

> श्रार०पी० राजण मश्रम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रजन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख। 27-2-1986 मोहर। प्रकृप, आद्दं, टी. एन्, एस: ----

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के क्रभीन स्थना

भारत दश्का

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 फर्घरी, 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एष्यू २/ 1/3% ६६/ 7-85/1921-श्रनः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें एक्का प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन राक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि न्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

आं रिजिय है। संव प्रेट तंव 402, 93,हे मकुड टावर, है तथा जो ने रुक प्लेस नई दिल्ला में स्थित है (ऑप इसने उपाबह अनुसूर्यः में जोप पूर्वका ने विणित है), प्रजीत रेज-1, के कार्यालय, नई दिल्ला में भारतीय र्जिस्ट्रीकरण प्राधिनियम, 1961 ((1908 का 16) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान शतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्र प्रसिद्धत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्ः) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया एया प्रतिफन निम्निक्षित्वस उद्देष्य से उक्त अंतरण किसित् म्' बास्तविक रूप से किश्च रहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण वे हुए किशी आय की शब्द, उश्वय अविद्युष्य के अपीत कर वेशे के अस्तरक के वायित्य में कामी करने या उससे क्याने भी सुविक्षा के बिए; बहि/बा
- (क) एली किसी आय या किसी पण गा लम्य बास्सियों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर निधानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पदा पर या किया बाना चाहिए था, छिपाने में वृश्विक के बिए;

नत: सन, उन्त निर्मित्यम की भारा 269-ग की जनुसरम में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अपीक निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बीठ एक्ट साबू नुपुत शंकर लाल साबू रूस नंव 221, 25-ए, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री आरेलेन्द्र सिंह् साहली एड गुरेन्द्र पाल सिंह् सुपृष्ठ दश सिंह् सैनी शिवासी --- काटज नं व्याप्त अभिवराय श्रुपार्टमेंटम सिथिल लाइन्स, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के सिख् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेष ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए या सकेंगे।

अनुसूचीं

फ्लेट नं ० 409, 98,हे मकुंड टाषर नेहरू प्लेस, नई दिल्ली। एरिया 511 वर्ग फीट।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज-1, नई दिल्ली

वारीख: 27-2-1985

प्रक्रम बाह्ये हो , प्रा. प्रा. -----

बायकर बिधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत तहसाड

कार्यासन, सहारक सारकडु बायुक्त (पिट्रीक्रफ)

श्रर्जन रें ज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च, 1986

निदेश सं० श्राई० ए० सी० /एश्य०/1/37ईई/7-85/ 1922---श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेण,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(चित्ते इसकें इसकें परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्व 1,00,000/-रु. से विधिक हैं

ओर जिसकी सं० फ्लेट नं० 34, बलाक नं०

एन है तथा जो ग्रटर कैलाए-1, नई दित्ल में स्थित है (और इससे उपाबंद श्रनुसूची में और पूर्णक्ष से वर्णित है), श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिशिनयम, 1961 (1961 का 43) के श्रर्थीन, तारीख जुलाई, 1985,

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान,
प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बार मुक्के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार
बूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का
बंबह प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (बंतरुकों) और बंतरिती
(बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तक पामा प्रमा
प्रतिफल, निम्निजित उद्देश्य से उस्क बन्तरुण जिल्कित में
बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया नवा है है—

- (क) ननाउम से हुई किसी नाम की बायत, उसा विधिनियम के अधीन कर दोने के इन्तरक थे दावित्व में कमी करने या उससे अधने में नृतिभा में निए; बीड/बा
- (व) एंडी किसी नाय मा किसी भन भा अस्थ नास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त जिभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था, क्रियाचे में सुविधा वै सिक्स।

बढः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण गें, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की तपधारा (1) वे वधीन, निम्निविषित व्यक्तित्वों, वस्ति विस्त

- (1) श्रीमती गांता ज० पटल, 55, हनुमान रोड, नई विस्सी (श्रन्तरक)
- (2) बाली बिल्डर्स झा० लिमि०, 1बी/36 लाजपत नगर नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी अक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी न्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वाषी भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा.
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिस के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्षूष, किसी अन्य स्थित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाजित है, बही अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभुसूची

प्लाट नं० 34, ब्लाक एन० ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली 530.93 धर्ग मोटर।

भ्रार० पी० राजश सक्षम प्राधिकारी सहााक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जनरें ज-1, नई दिल्ली

तारीख । 3-3-1986 मोहर । प्रकम बार्च .टी.एन.एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत चरकार

कार्यांसय, सहायक जायकर बायुक्त (निरोधान)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली; दिनांक 3 मार्च, 1986

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्पू०/1/37-ईई/7-85/ 1923---अन: मुझे आर० पी० राजेश

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मून्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

भीर जिसकी सं 45ए, वसंत विहार है। या जो ाई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसो उपाबद्ध प्यतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विगत है) अर्जीत रेज-1 के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीर कारीख जलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृस्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बंधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाबार मृस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्ति उब्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में बास्तिक रूप से किथा नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे सचने में सुविधा के निए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 195/ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, लियाने में स्विधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, प्रैं, खक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बक्षीण, निम्निबिचित व्यक्तियों, अथित —— 1. श्री मंतोष वर्मा 45ए, वसंत मार्ग, वसंत विहार गई दिल्ली।

(सराग्रह)

2. श्री राज्य वर्बन मुरिया श्रार मेसर्स मधूबती नोरिया 23-सी०, आशुतोय चौधरी एविन्यू कलकत्ता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पक्ति के धर्कन के संबंध में काई भी शासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव सं 45 विन के भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त आधि-नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

प्रोतिहींज 45ए, वर्मन मार्ग, वसंत विहार, नई दिल्ली क्षेत्रफल, 1008 वर्ग गज।

> आए०पी० राजेच सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर अयका (किरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 3-3-1986

प्ररूप नार्वं . दी . एत . एस . ------

भायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक सायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 27 फरवरी, 1986

भिर्देण सं० आई० ए० मी०/एनयू०/1/37-ईई/7-85/ 1924—अर्गः मुझे, आए०पी० राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्राचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रहे से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० रपेस नं० 2, 7वां खंड है तथा जो विजय बिल्डिंग, 17, बाराखम्बा रोड़ भई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इसने उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण का से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भई दिल्ली-1 में भारतीय आयक्तर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन तारीख जुलाई,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से, एसे रूरयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से बाधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्मिनितित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित में बास्तविक क्य से कांभित नहीं किया गया है।

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबता, उसता अधि-नियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सृविभा को लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन वा बन्य शास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए;

श्रतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण भूर, भूर, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (१) वे बधीय : विकासिकास व्यक्तिवर्ग, सम्बद्ध कार् 1. मेसर्स गुजराज रुस्टेट प्रा० िसिटेड 17, बाराखम्बा रोड. ५६ दिल्ली।

(अ₹१८क)

 मेसर्स कपूर मेटन एण्ड ए गड़ड इन्डस्ट्रीज 47, बबर रोड़, भई दिल्ली।

'अन्।रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तायख से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्ववारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्माक्तीकरण:—-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वरस्य

स्पेस नं० 2, 7वां खंड, विजया बिल्डिंग, 17, घाराखम्बा रोड नई दिल्ली (सुपर) 498.59 वर्ग फीट।

> श्रार०पी० राजे भ सक्षम प्राधि गरी सहाय हे आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 27-2-1986

प्रकार कार्यः भी्र एमः एसः ५०० ००००

भविकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भरप 269-थ (1) के अभीन त्यना

धारत सहकार

कार्यासम, सहामक भागकर मानुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां रु 27 फण्बरी, 1986

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एक्य्०/1/37-ईई/7-85/ 1925--अतः मृझे, आर० पी० राजेगा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उन्त क्षिनियंत्र' कहा गया है"), की धारा 269-च के मधीन सकत प्राविकारी को यह विख्यात करने का कारण है कि स्थावर सध्यक्ति जिसका उचित बाजार सुम्ब 1,00,000/-रु. से अधिक ह

श्रीर जिसकी सं० स्पेश नं० 68 है तथा जो तल खंड, विजया बिल्डिंग 17, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसने उशबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन तारीख जुलाई

को पर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुक्य से कब के बरममान प्रक्रिकल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह निश्वास करने का कारण है कि संधापूर्णेक्त संस्पत्ति का अचित बाबार मन्य. समन्द्रे रहयमान प्रतिफल से ए से स्थानन प्रतिकल का पंदर प्रीक्षणंख अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (जन्तिरितियों) के बीच ए'से कम्सरेश के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिंखत सद्देश्य से उन्ते अन्तरण निश्चित दा बारखिक रूप में द्रिथम नहीं किया गया है है---

- (क) बर/रच ते हुई किती बाय की बार ह, सक्त विश्वितिषय के विभीन कर बोने के अस्तरक के श्वियित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; मार/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी भन वा निल्य कारिसवाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोभ्जार्थ अभ्रति क्षेत्र रहीं किया नशांका याकिका जाता शिक्किया. विकास कें स्विधा के बिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत भिम्मनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--32-26 GI/86

ा. मेसर्स गुजरात इस्टेट प्रा० लिमिटेड 17, बारा-खम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जगजीत सिंह भूपूत कनेल विरनजीत सिंह भौर नरजीन सिंह मूपुत्र 9, रोम, रोड़, लाजपत नगर-4, नई दिल्ली-1।

(अन्ध रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट संपरित के बर्जन के लि कार्यवाहियां करता। हा।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपणी में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्मना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

स्पेस नं० ७८, तल खंड, विजया बिल्डिंग, 17, बारा-खम्बा रोह, अई दिल्ली (सुपर) 329.08 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (भिनीक्षण) अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 27-2-1986

मोधरः

प्रसम् मार्षं ,दी . एनं . एस : -----

भावकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) के स्पीन सुम्ता

भारत स्टब्स

कार्यातय, स**हायक आयकर बायुक्त (निऱ्रीक्षण)**

अर्जन रेंच-१, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां र 3 मार्च, 1986

पिर्देश मं० आई० ए० मी०/एस्यू०/1/37-ईई/7-15/ 1926——अभ: मुझे आर० पी० राजेश

सावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विस्ते इत्तर्भे इसके पश्चात् 'उकत अधिकियम' कहा नया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह निक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति.. विसका स्वित बाचार जूका 1,00,000/- रा. ये अधिक हैं

श्रीर िसकी सं० पनेट नं० 13 है तथा जो गौरी अपार्टमेंट 3 श्रीर 4 साउथ इंग्ट्री लेन, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उपवाद अनुसूची में श्रीर पूर्ण का ने विणित है) रिनिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के जायित्य कर्जन रेंच नई क्लिनी में भारतीय आयाहर अधिक्रियम 1961 (1961 का 43) के अधीन दारीख जुनाई 1985

को पूर्वीक्त संपरित को उचित बाजार मूम्य से कम को क्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्स का उचित बाजार बृश्व, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिसत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरम के सिए तब धारा मना प्रति-फक्ष विश्वकितित उद्दर्श के उक्त बन्तरण लिखित में बाल्यकिक क्या के करित यहाँ कि का क्या है है

- (क) सन्तरण से हुई फिक्षी बाव का बावत, उनत गणितिका के नचीव कार दोने के जन्तरक के गामिरण में कामी काएने वा उपसे वजने में सुविधा के लिए। अकिं/का
- कि प्रेसी किसी बाद वा किसी पर या बन्स कास्तियां का, जिन्हें सारतीय वाद-कर स्थितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब जबत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणं हो, भी. उसन अधिनियम की धारा 269-प की सपधारा (1) जो की अधीन, निक्निसित व्यक्तिकारों, अधीन कु---

- 1. मेसर्स कंनाय नाथ एण्ड एसंसिएट्स 1006 कनचभजंगा 18, बाराखस्था रोड़, नई दिल्ली-21, (अन्तरक)
- 2. कुमारी मनेन्द्र मान 76, सुन्दर नगर, नईदिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना पार्टी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

उन्तर रूपिए के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी बाहोप ह---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिथ, को भी जनिय नाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी स्मस्ति इवारा:
- (क) इस ब्यंता के राष्प्रक में प्रकाशन की तारीब हैं 45 दिन के भीतर उन्हां स्थावर सम्पन्ति में हितनकुष् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविद्य में फिए का सकेंगे।

स्वकारणः - नुवर्गे प्रवृत्तः सम्बाँ सृद्धि वृत्तो स्थान स्रो स्वत्य सर्द्धित्वम् । स्रो स्थाय 20-क यो श्रीरत्ताविक द्वीत वृत्ती सूर्व क्षोगा स्रो उत्त सभाव में दिया वृत्ता है।

नगृत्त्वी

आवासीय प्लैंट नं० 123 क्षेत्रफल 1580 वर्ग फीट में हड़ेंस मुस्सि 230 वर्ग फोट । दूसमा खंड 1 खुना एक हार पार्शिका, हाउसिंग स्कीम गौरी अपार्टमेंट 3 क्रींट 4 साज्य इंड लेन, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 3-3-1986

प्ररूप बाह्र . टो. एन. एस. .-----

नायकर निधानयम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के नधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर वायुक्त (निर्धिक्र)

ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 28 फरवरीं 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/1927—न्यन: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

हायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (रैंबसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार अन्य 1.00,000/- रा. से गांधिक है

ग्रौर जिनकी सं० फ्लैंट नं० 817 है, तथा जो 14 कस्तुरबा गाधी मार्ग नर्ष्ट दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय में ग्रर्जन रेंज-1 नर्ष दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वेदिश सम्पत्ति के उचित बाजार भूष्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेदित सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके क्यमान प्रतिफल सं, एस क्यमान प्रविपक्ष का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे कंत्रम के लिए द्वय पास भूगा शांतफल, निम्मीमिश अपूर्वेद्य से स्वत बंतर्ण लिखित में बास्तरिक रूप से कियुत नहीं किया क्या हैं:--

- (क) वंडरूप पंडरूर किसी वाय की बावक, उन्द अभिनियस के अपीन कर दोने के सन्दरक के दायित में कभी श्रदने था अपने बुद्धने में बुद्धिमा के किए; ब्रिक्ट श्रंथ
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या कम्य आस्तियों वर्गकर निधिन्यमं, 1957 (1957 का 27) से अयोजनार्थ नंतिरिती कुवारा प्रकट नहीं किया को, चिन्हें आरतीय नायकर निधिन्यमं, 1922 दि। 22 का 11) या उक्त अधिनियम या नया भा दा किया आवा आहिए था कियाने में स्विमा ने निष्

भरा श्व, स्थर भौभगियम की भारा 269-न के अनुसरण मं, जैं, स्वत अभिभियम की भारा 269-भ की जपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभारा क्षेत्रक कुमारी बितका आरोड़ा और कुमारी गीता आरोड़ा आर० के० आरोड़ा सी-85, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-1।

(भ्रन्तरक)

 श्री स्वराज कौशल एडवोकेट सुपुत्र पं० मदन लाल एण्ड सुषमा स्वराज पत्नी स्वराज कौशल निवासी पी-35, तारा श्रपार्टमेंट, कालकाजी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के लिख कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त बुन्नरित् के अर्थन् के बन्नुन्न में कोई भी बाबोप् ह्यान

- (क) इस सूचना के ट्रावपन में प्रकाशन की तारींस के 45 दिन की नवींथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की नवींथ, जो भी नवींथ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स क्यक्तियों में से किसी ल्यांथत ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति मा दिस-वहुभ किसी बन्य व्यक्ति वृद्धार, नभोहस्ताक्षरी व्यक्ति विद्धार के दिक्का का सकीने !

स्पद्धिरिक्षः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों मीर पद्धें का, जो समत किन किन किन किन में परिभाष्ट्रित हैं, हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस कथ्याय में देखा नया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 817, एरिया 345 वर्ग फीट 14, रस्तुरका गाँधी मार्ग, नई दिल्ली।

> ग्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारी**ख**: 28-2-1986

भोहर 🕄

प्रकृष बाद'्दी, एन. एव .-----

भावतर निध्नियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-व (1) के न्वीन ध्वा

भारत चरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (रिनर्शक्तक)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/1928---ग्रतः मृझे, ग्रार० पी० राजेश,

शायकर मीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (धिक्तं इसमें इसके प्रध्वात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, मह विक्यास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति निसका अधित बाजार नृज्य 1,00,000/- क. से मधिक हैं

ष्रौर जिंसकी मं० श्रपर बैंसमेंट यू०बी०-10 सी है तथा जो 22, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्लो में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रधीन तारीख जुलाई, 1985

का पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित्त बाजार ब्रुच्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिशत से निभक्त है और बंतरक (बंतरका) बार बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब थावा नया ब्रिटफन निम्न्सिसित उद्देश्य से उच्च ब्रुचरक् दिविद कें बास्तिक क्यू से कियत युद्धों किया यहा है अन्तरक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय के वावस, सबस नियम के अधीन कर दोने के अम्तरक के दामित्व में केनी करने या उससे बचने में सूविधा के सिए। अल्ट/शः
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी वन था बन्द नास्तिथीं को, जिन्हें बारतीय वायकर मिर्गियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त मिर्गियम, या धन-कर मिर्गियम, 1957 (1957 का 27) के बसोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया यथा वा शा किया बाना चाहिए वा, कियाने में सुविधा के विध्य

अत: जब जक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के अक्करण के जैं, जक्त विभीनयम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन: निक्निमियिक व्यक्तियों, क्यांत ह≕- 1. मैं सर्स ग्रमरसन एजेन्सो श्रार०-907, न्यू राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(प्रन्तरक)

 श्रीमती कुसुम श्रीर हरीन्द्र सिंह सिकंद 158, मुनिरका विहार, जेएनयू के पीछे नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

कारे वह ब्रुचवा जारी करके पृत्रांक्य वंगरित से वर्चन के विश्र्य कार्यवाहियां करूता हो।

वयस सम्बन्धि के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी कार्बाप ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जनिंभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजील से 30 दिन की जनिंभ, वो भी जनिष वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्नोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्चभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास विविद्य में किए वा सकोंचे।

स्वकाकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उनस् निभागम के निभाग 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्षें होगा को उस कथाय में दिया नवा है।

धनुसू वी

त्राधार वें निरंट नं ० सू० बी० 10सी, 22 बाराखम्बारोड़, नई दिल्ली 200 वर्गफीट।

> श्रार०पी० राजेश सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्लो-110002

तारीख: 28-2-1986

प्रचल वार्षेत्र ही त **१५**० वृद्ध क्रमान

आवक्य वर्षित्वस्य, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के स्पीन अस्ता

बाउर स्ट्रेसंड

नप्रयोगय, बहायक नावकर वायुक्त (निर्शासक)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 28 फरवरी, 1986

निर्द्रेण सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/ 1929⊶-श्रतः मुझे श्रार्०पी० राजेण

नाजकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्चात् 'उक्त निभिन्नम' कहा गवा हों), की चारा 269-ब के नभीन सक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत वाचार न्रव्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

स्रोर जिंतको सं० शाप नं० जी० एस०-3, बिल्डिंग नं० 60 है तथा जो 60 प्राई लार्क, नेहरू पर्लंस, नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपावत श्रनुसूकी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय श्रजेंन रेंज-1 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43)/ 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जुलाई 1985

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रसिश्चत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे वचने में सृतिधा के लिए; आरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के के जिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, विकाशिक विद्यासन्त्री, अधीत् क्ष्म- श्री एत पाल सिंह मुपुत स्वर्गीय भगत सिंह ए-135, डिफेंस कालोनी है, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्रो विरन्द्र साहानो भुपुत्र चंद्रभाग साहनो निवासी जी-30, विजय नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का वह व्यवा बारी करके प्यान्त वंपत्ति से वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हां।

समत संपत्ति के नर्पन के संबंध में कोई भी मानेद्र ---

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की ताबीज से 30 बिन की व्यथि, या भी वर्षाय वाद में स्मान्त होती हो, के भीतर वृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी स्वतित् वृत्राष्ट्र;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वाय अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए या स्केंगे।

स्थव्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त विशिवनम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही वर्ष होया, यो उस् स्थाय में दिया गया।

ON VALUE

गाप नं० जो० एफ ०-5 धरातल खन्ड, तादादी 305 वर्ग फीट विल्डिंग नं० 60, स्काई लार्क, नेहरू पलैस, नई दिल्ली।

> श्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जनरेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

़तारी**ख**: 28-2-1986

मोहर 🛭

प्रकृषः भाष्ट्रं, दी . एव . एषः ुन्य-न्यान्य-

आयकर अधिनियम, 196-1 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहाभवः भायकर वावृक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 28 फरवरी, 1996

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/1930—-श्रतः मझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर जिभितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उक्त अभितियम' कहा गया है), की भाग 269-ख के अभीत सक्षत्र प्राप्तिकारी को यह विश्वतस्य करने का आरण है कि स्थ्यावर सम्पत्ति, चित्रका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- एउ. से विश्वत है

भ्रौर जिनको सं आप नं जी एफ - 1 है जो सन खंड गुरू भ्रंगद भवत, 71 नेहरू पलैस, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपायदा श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रर्जन रेंज नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रधीन, तारीख जुलाई 1985

का पूर्वोक्त सम्मित्त को उचित बाजार भूल्य से कम के बर्यमान प्रतिफल को लिए जन्सरित की गई है और भूको यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, अधके क्रयमान प्रविष्क्र हो, पूरे क्रयमान प्रविष्क्र का पंद्रह प्रतिशत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) को बीच एसे अंतरण को लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निलिखित उव्विष्य से जनत अंतरण निचित में बास्तिकक क्य में काथित नहीं किया गया है:—

- (क), जल्करण वे द्वार्ष जिल्ही जान की वाला, उच्छ करियनिक्स की कंपीन कर योगे के कलारक को करियान की ककी करने वा उच्छे वजने की स्थानक से सिद्ध कींच/वा
- (च) एंसी किसी नाय या किसी भन का अन्य आरिस्तयः को, फिल्ह् भन्नरतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रसोधनार्थ अन्तरिकी क्वाय प्रकट नहीं किया गंदा था या किया जाना चाहिए था, क्रियालों में सुविधा के सिक्;

बंद: बंद, शहर विश्वित्तवन की धारा 269-ण के विश्वस्य मा, मी, अक्त विश्वित्तवन की भारा 269-च की स्थ्याय (1) के अभीत. निम्नसिवित व्यक्तियों, अवस्य ६——

1. मेसर्स दुन अपार्टमेंट प्रा० लिमिटेड डी-370, डिफेंस कालोनी-4 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रोणन लाल सुपुत लाला छदुमल सोन श्रीर सरवसरी श्रणोक कुमार सोन एण्ड सतीश कुमार सोन सुपुत रोणन लाल सोन 9ए, 48 डब्ल्यू० ई०ए० करोल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्ड पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं 1.

उन्ह सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी शक्तेय :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अनिध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्धू किसी अन्य व्यक्ति द्वशरा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, थी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसुची

शाप नं० जी० एफ०-1,तल खंड ,722 वर्गफीट गुरू ग्रंगद भवन, 71, नेहरू पलैंस, नई दिल्ली।

> श्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-2-1986

प्ररूप काइ .टी. एन. एस. ------

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 289 घ (1) के अधीन सूचना

भारत प्रत्कार

कार्यालय, **इहाधक** आयक्षर बायूक्स (निरीक्षण) श्रजन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 फर्चरी 1986

निर्देण मं० प्राई० ए० मी०/एक्यू०/।/37-ईई/7-85'. 1931- - प्रत: मुझे, प्रार० पी० राजेण,

नायकार जीजनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस् इसमें असले परवात् 'उथले अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के गयीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्तास कारने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से सधिक हैं

और जिसकी सं० 89 स्कोयर टायर, 622ए हैं, तथा जो नेहरू पर्लंस, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध प्रनुस्वी में और पूर्ण परूप मे वर्णित हैं) प्रजीन रेंज-1 के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रप्रायक्षर प्रधिनियक 1961 (1961 का 43) के प्रधीन तारीख जुलाई 1985

को भूकोंकत सम्मरित के उचित बाकार मृज्य से कम के ज्ञासका किस्मान के लिए जम्मरित की गई है जीर मृत्रों मह विश्वास करने कम कारण है कि अभाव्योंकत तंपरित का उचित बाकार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, एसे दश्यमान प्रतिकाल का बन्तह प्रतिशत से अधिक है और अम्मरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक की लिए तम प्रया गया प्रतिकाल निम्नसिवित उद्वेदम से उसत अन्तरण निमित्त में वास्तिक रूप से किसत नहीं किया नवा है :---

- (क) अन्तरम से हुई किसी बाव की वावत संवत विध-नियम की वधीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व को कभी करने वा उत्तर्ध वचने में सुविधा के किए; और/वा
- (क) एसी किही खाव या किसी धन वा क्ष्म वास्तिवाँ की, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा क्वत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृकारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व क अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकिक क्यिक्तमों, वक्षी हू~~ 1. श्रीमती सुनीता घई डी-371, डिफोंम कालोनी, नई दिल्ली ।

(प्रन्तरक)

2. श्रीमती राम देवी चौधरी श्रशोक चौधरी एण्ड शार० श्रार० चौधरी जे-4, /23, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्थना बारी करके पृथीकत सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस मुचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, अर्थ भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के शवपत्र में प्रकाशन की तार है। वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकीने।

त्यक्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदी का, जा उच्छा व्याधिनयम, को अध्याय 20-क में परिभाविध हैं, बही वर्ध होगा जा उस अध्याय में दिसा पदा हैं।

प्रतस्वी

89, स्कीपर टाघर, 622ए नेहरू पलैस, नई दिल्ली 500 वर्ग फीट।

> धार०पी० राजेण सक्षद्ध प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) प्रजीत रोज-1, ।दल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-7-1986

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक अध्यकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई (दल्ली) दिनांक 28 फरधरी, 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सीं०/एक्य्०/1/37-ईई/7-85/ 1932---श्रता मुझे, श्रार० पो० राजेश,

बावकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रशात 'उकत बिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलट ने० 1201-बी मल्टी स्टोरिड है, तथा जी 6, नेहरू पलेंस, नई दिल्ली (दिवका टावर) में स्थित है (और इससे उपायब प्रनुस्ची में और पूर्ण रूप ने विणित है) प्रजेत रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय प्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के प्रधीन, नारीख जुनाई 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिमत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितिय उद्देष्य से उक्त अंतरण कि विस में वास्तीक क्य से किंगत नहीं किया गया है हि—

- (क) अंतरन से हुआ किसी नाम की तबस, उनत अभिनियम की अभीन कार दोने की अंतरक वी सामित्व में की कारने या उससे अंतरे में सुविधा के लिए, शीर/या
- (क) क्षे किसी वायं या किसी भन या अन्य वास्तियों की जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना चाहिए था, क्रियान में सुविधा वे सिक्षः

कत: अब, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन निम्नलिकित स्यक्तियों, अर्थात ——

- मनार्ग प्रगता बांस्ट्रकशन कम्पना चाँथा ६ हाउस, 73-74, नेह्रूक पलैस, नहीं दिख्य //
- 2. श्री जगजीत सिंह और श्रीमती पहुपिन्द्र के० डी-305, डिफींस कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिटी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता हुं '!

अवत सम्पत्ति के नर्वन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 1 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिश्यों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा /
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भोतर स्वाप्त स्थापन स्थापन मा जिन्हा है। किसी बन्ध स्थाप्त द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगें।

स्पष्टीक रण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया स्था हैं।

बुकड फ्लैंट नं० 1201-बी, मल्टी स्टोरीड बिल्डिंग, 6, नेद्रुष्ट प्रलैस, नई दिल्ली (देविका टावर) एरिया 500 वर्ग फीट। (लगभग)।

> (आर०पॅ८० राजण) मञ्जम प्राप्ति इतिहास सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, दिल्ला, नई दिल्ला-110002

तारोख: 28-2-1986

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

बारकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर बाब्क्त (विद्रीक्षण)

प्रजंत रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 28 फरवरी 1986

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा .69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिसका उचित बाबार मृक्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसको सं० फ्लैट नं० 715 सुपर विहिट है रथा जो एरिया 500 वर्ग फीट देविका टावर 6 सहरू फ्लैस नई दिल्ली में (ओर इसने उनाबद्ध अनुसूर्वी में और पूर्ण रूप में विगित है) रिजस्ट्रोकटी अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में नारतीय आगरुर प्रविनियम 1961 (1961 का 43) के श्रधीन तारीख जुलाई 1985

की पूर्वों कर सम्मिति के उचित बाजार शूल्य से कम के अवसाय शितफान के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों का सम्मित का उचित बादार मून्य उसके अवसान प्रतिफान हो. ोसे दृश्यमान प्रतिफान का जन्म प्रतिफान निम्नितियों। क बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफान निम्नितियों उद्शब्य से उसते अन्तरण सिविदा में शास्त्रीयक कम से किथत नहीं किया गया है के

- (क) बन्तरण वं हुइं किसी आप की वायस, उत्तर वीधीन्दम् के बधीन कर दोने के अंतरक के सहित्य में कृषी खड़ने वा उद्वर्श वजने में दुनिधा कोलए, और/मा
- (क) ऐसी किसी जाब वा किसी धन या जन्म जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त अधिनियम, वा अन्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के जन्म जन्म अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, जिपान में सविधा किया जाना चाहिए था, जिपान में सविधा किया जाना चाहिए था, जिपान में सविधा

- we see the second

1. श्री राजिन्द्र क्रुपन मेहता गाँघ- पोस्ट श्राफिस रदोर जिला कुरुक्षत (हरियाणा)।

(अन्तरक)

2. मेसर्स उंडा मैनैटिक इंडिया प्रा० लिमिटड यूनिट यूनिट 9 एस० डी० एफ०-1 सीप 2 अंधरी (ई) बम्बई।

(श्रन्तरि ी)

का वह सुचना बाही कड़के पूर्वोक्ट कम्मित के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मिरित के वर्षम् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🏣

- (क) इस सूचना के उत्थापन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति शो बी बविध बाद में समस्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्ति यों में से दिन्ही स्विक्त स्वारा;
- (ब) इस स्थान के एवएवं में प्रकाशन की तारीब से 45 विक् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति वृदारा, वभोहस्ताक्षरी के पाश सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रमुक्त क्षन्यों बौर पदों का, वां सक्स वृधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिय वदा हैं.

वन्स्ची

फ्लैट नं० 715 सुपर बिल्टि एरिया 500 वर्ग फीट देविका टावर 6 नहरू प्लैस नई दिल्ली।

> श्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली नई दिल्ल -110002

नारोख: 28-2-19**मैं** 6

मोहर 🛭

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुधना

शारत सरकार

कार्थालय, सहायक वायकर वायकत (निरक्षिण)

ार्जन रेंज-। नई दिल्ली

नई दिल्लं, दिनांश 28 फरवर्रः 1986

विर्वेष सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/ 1934 - फ्: मूझ अए० पं० राजेष

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्सके पश्चात्। 'उन्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख अ अधीन पक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण कि स्थाबर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संवय्दि नंव 4 लोग्स्टिया ग्राइडिह स्था जी बीन्य कैलाम बालोनी पर्वित्वली में स्थित है (और इस्ते उपायद असुभूनी में और पूर्ण रूप ने विणित है) रिवर्टिन प्रीएट्टी एकी प्रीज्यार के बार्यालय पर्वित्वली में भारतीय आपदार श्रीवित्यम 1931 (1961 या 43) ए प्रधीन तार व जुकाई 1985

का पूर्वोक्त सम्परित के जीवन आवार मूल्य सं कम के स्रयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पदह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष फल निम्नितिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्त-िव रूप सं कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया धर्मा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नरिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 मैसर्स रिलाइंस प्रपार्टमेंट प्रा० लिमिटेड ए०-1/149, इन्दरप्रा, नई दिल्ला।

(अन्तरक)

2. श्रंत गंगा सिंह डी.-59, डिफोंस कालीनी, नई विल्ली। (प्रनातिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि है, वहीं अर्थ हारोगर जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रावासीय यूतिट नं० 4, लोबर/प्रप्पर ग्राउंड, 3 बैड रूप, हीं०/डाइतिंग एण्ड श्रटैंचड वाथ रूम लगभग 1700 वर्ग फीट। कैलाण कालोनी नई दिल्ली।

> न्नार०पा०राजश्र स्थम शिव्हारी सहायक न्नायकर भाग्वत (निरंक्षण) अर्जन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 23-2-1986

प्रस्य बार' टी. एन. एक..---

अप्रवक्तर अभिनिरण, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-व (1) के अधीन स्वना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां रू 28 फरवरी, 1986

निर्देश र्यं० आई० ए० मी०/एका०/1/37-ईई/7-85/ 1935—- ः मुझे, आर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार, जिल्ला अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 100,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्रथम खंड हंसालय है (या जो 15, धारा-खम्बा रोड़, पई दिल्ली में स्थित है (भ्रोर इसके उपाबढ़ अनुसुची में भ्रीर पूर्ण का से विणा है) पार्यालय अर्जन रेंज-1 'नई दिल्ली -1, में भारतीय जायहर प्रधितियम 1981 (1961 का 43) के अधीन, तारीख जलाई, 1985

मो दर्शोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृकींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकों (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया हया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) बन्तरण स हुई किसी बाय की बाबत, उक्स बििमियम के बभीन कर दोने के बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के बिए; बीट्र/बा
- (ख) ध्री किसी आय वा किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हें भारतीय आय-कर आधानयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त आधानयम. या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया कर या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा खे लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण र पे उक्त सीधिनियम की धारा 269-**व की उपधारा (1)** के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- मेमर्स डी० एस० एजेंसी, 70, उदय पार्क, ५ई पिल्ली। (अनः एक)
- 2. मेसर्म दिखोटा ब्रादर्श 412, अरोहंत, 64, अर्मदा-बाद-84 बम्बई-9 । (अन्:रिती)

की यह सूचना जारी करके प्रविक्त सभाभ के बर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में की के भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी कि क्तिया के सूचना की तांगील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हरें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पान विकित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उर्वत अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्म्ची

181 वर्ग फीट प्रथम खंड हसालय 15, वाराख्या रेड़, नई दिल्ली।

> आर०पी० ाजेर सक्षम प्राधि रि सहायक आयकर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिर**खी-**110002

सारोख: 25-1-1986

प्रकृप बाह्र : ही . एन . एस . - - - --

नामकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रें ज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां 5 28 फरवरी, 1986

निर्देश मं० आई० ए० सी०/एम्यू०/1/37-ईई/7-85/ 1936—-अन: मझे आर० पी० राजेश

मायक ग्रांथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्ष्मके प्रचात 'उक्त अधिनियम' जहां गया है कि भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धिः, विश्वका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर निस्ति मं० फ्नैटनं० 1201, 13 टानस्टाय है गथा जो नर्ग, पई दिन्तों में विवाह है (स्रोर इस महुउगबद्ध अनुसूची में मूर्ग का महिल्लों में भारतीय अध्यक्त अधिनियम 1931 (1961 ता 43) के अधीन, नरिख जनाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति-विक रूप से किश्त किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य मों कमी करने या उससे बचने मों सूबिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के खिए;

अतः अधः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्मरण में, मैं. उक्त आधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :—— मेसर्य में किया फूड प्रा० लिमिटेड 804, रोहित हाउस,
 उत्तरटाय मार्ग, भई दिल्ली।

(अस्तर्ह)

मेसर्स उत्तन सिंह दुगाल एण्ड कम्पनी प्रा० लिमि०
 11, मेरिना अरकेड, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचन। की शामील से 30 दिन की अविधि, को भी व्यक्ति बाद से प्रकारत हुनेती हो, के भीतर प्रकारत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजभन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टकीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अन्स्धी

फ्लैट नं ० 1201 तादादी 820 वर्ग फीट । 12वां खंड, मर्ल्टा स्टोरोड, (ग्रंडर कंस्ट्रक्शन) 13, टानस्टाय मार्ग, पर्दे दिल्ली।

आर०पी०राजेष:
सक्षम प्राधिकारीः
सहाय ज आयकर आयुक्तः (िरीक्षण)
अर्जन रोज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

भारीख: 28-2-1986

प्र**पण बाह**ै , टी , एम , ए**न्** ,।

बायकर मांभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के मभीन सुमना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 फ वरी, 1986

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ब्रोप जिसकी संव प्ववीव-5 है, त्या जो कि जिला भाष, 22 वाराखम्बा रोड़ नई दिल्ली में स्थित है (श्रीप इसे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण का के विणा है) प्रजिन्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्याव्यय नई दिल्ली में भाषतीय आयवण अधिकारमा 1961 (1961 का 43) अधीन, तारीख ज्वाई 1985

का प्रवेशिक्ष सम्पत्ति के अभित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तिपत्ति की गर्द हैं और मृद्धे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य. उसके दश्यमान प्रतिफल को वेद्द प्रतिवात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बिताज, निम्नसिखित उद्वोष्य से उसत अन्तरण शिवित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत उक्त अधि-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायि-अ में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; वरि/या
- (ख) एंसी किसी आय रा किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नेहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं अक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) प्रशासनीय निकानियस स्मृतिकारों. अविविकास 1. श्री एस० गुरचन्त्र सिंह 1-ई-13, झडेबालान, भई दिल्ली ।

(अन्तर्क)

2. श्रीमती मंजुला गुष्ता , रामू गुष्ता, कुमारी सोमू चीमनी, विभय चीमनी ग्रीर कुमारी ममता वयवा द्वारा अलीवास निनोमल 3525, कुनव रोड, दिल्ली-6।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की सबिध या तत्सेंबंधी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्रशैक्त व्यक्तियों में से किसी स्पिक्त ब्वाय;
- (थ) इस सुपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकरें।

भ्यक्टीकरणः —- इसमें प्रमुक्त शब्दों त्रीर पर्दों का. को उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होका जो उस अध्याय में विया क्या हैं।

बन्स्ची

प्० बां०-5, स्कीपर भागा, 22 वाराखस्वा रोड्, हई दिल्ली एरिया 1100 वर्ग फीट।

> आर० पी० राजेश मधाम श्रीमितारी महाप्रश्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली,110002

नारीख: 28-2-19**8**6

म ह्* :

प्ररूप आर्च.टी. एम. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी, 1986

निर्देश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/ 1938—अतः मझे आए० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 1606, 16वां खंड है तथा जो 14 करनूरवा गांधी मार्ग नई दिल्ली में ल्थित है (श्रीर इसमें उत्तबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ति है), रिजस्ट्रीकर्ता रिजर्ट्य निश्चित निश्चित की प्राप्तिय अर्जन रेज-1 नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 (1961 दा 43)/भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन प्रारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उच्त अन्तरण लिखित में धास्तिकिः रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्राविधा के लिए; और/या
- (ख) एसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखत व्यक्तियों. अर्थात् :---

- া. (1) श्री सान : भाटिया ए (एच० यू० एफ०)
 - (2) मैसर्स आनन्द ब्रादर्ग (एच० यू० एफ०)।
 - (3) श्री मध्य बन्ना द्वारा शास्तू एजेंसी 105, मधुबन 55, नेहरू पलैस, नई दिल्ली। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती पूपम धवन पत्नी एल० के० धवन डी-79, मालविया नगर, नई दिल्ली। (अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ष्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकरेंगे।

स्पथ्बीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

जनकारी

फ्लैट नं ० 1606, 16वां खंड, 14, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली। शहादी 300 वर्ग फीट।

> आ**र० भी**० राजेश सक्षम प्राप्ति हारी सहायक आयकर आयुक्त (तिरीजग) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली,110002

त्तरोख: 28-2-1986

प्रक्रम भाइ टी. एन पुरस . -----

जामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

प्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 फरवरी, 1986

तिर्देण सं० पाई० ए० सं००एक्यू०1/37-ईई/7-35 1939-:--प्रत: मुझे- पार० पंर० राजेण

क्षायकर बांधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हरू के पहचात 'उकत 'धिनियम' कहा गया है) की भार 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी संव गांध नंव मीव-5, विशाष भद्य है तथा जो नंव 95 तेहरू प्लस नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसी) एमात्रब जनुसूची में और पूर्ण रूप से चिणत हैं) अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में भारतीय जानकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अर्थान नारीख जुलाई 1985

करे पूर्वोत्रत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्श है और मृत्रों यह निश्वास करने का कारण है कि यथापृष्वेत्रत सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण संहद्धं किसी आय की बायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर बोने के अंतरक के दायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एंसी किसी बाय या किनी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अधीत् :--

- श्रं। रसन सिंह 82/2 गीतम नगर, नई दिल्लं। (अन्तरक)
- 2. श्रांभती श्रमत कौर पत्नी भगत सिंह ई-94 ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ला। (अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी अरक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, को भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्योधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्यें होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

ाह नं० जो-5, विशाल भवन, नं० 95, नेहरू प्लेस नई हिल्लो । लगभग एरिया 172 वर्ग फीट ।

> श्रारः पीठ राजेश सक्षम प्राधिकरी सहायक आयकर आयुका (विशिक्षण) श्रर्जन रोज-1, दिल्ली, नधी दिल्ली-110002

तारीख: 28-2-1986

प्रकर बार्षः सी. एतः एषः

नायकार व्यक्तित्वम, 1961 (1961 का 43) की भाग्र 269-म (1) के बभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, अ<mark>धायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)</mark> अजीन रोज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी, 1936

निर्देश म० (सई० ए० सा०/एक्पू०-/1/37-ईई/87-85/ 1940 --प्रतः मुझे प्रार्थ पी० शजेश

अस्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रकार 'जक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-द के अधीन सक्षम शाधिकारी को, यह विद्वास कार्य के कार्य हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

अंदिशियकी सं ७ पनट नं ० 310 है, तथा जो ताडादी 1500 वर्ग फीट। 3 शिवह सामे खंड, ग्रुप हार्मिंग सम्मित्त की दिस्ती में सिका है (ऑद इसमे उपाषद अनुसूत्ती में और पूर्ण का ने प्रणित है) पर्जा हैंज-1, नई दिस्ती में भारतीय प्राथक र प्रजितिम 1931 (1961 का 43) के प्रधीत, तारीख जुलाई 1985

कां पूर्वाक्त सम्पत्ति कं जीवत बाजार मृत्य से काम के द्वायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बच्यमान प्रतिफल से,, एसे बच्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्याँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण मिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुक्ष किसी आय की बाबत, उक्त श्रीभनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के काए: न्येंद/कः
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्था अधिनयम, या अनकार अधिनयम, या अनकार अधिनियम, या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अन्त शाहिए था कियाने में सुविधा चे निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मेसर्स रिषिन्द्रा प्राप्ट्रीस प्रा० लिमि० 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरकः)

2. श्री ध्रमार चन्य घराङ्ग श्रीमती भुगीला देवी 1109 पटेल नगर, जगराच, जिला लुधियाना (पंजाद)। (प्रस्तरिती)

का यह सूचना आरो करके प्राचित सम्मित के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के सर्वन के सम्बन्ध में काई भी नाक्षेष अ--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए का सकी

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं कर्य होना को उस अध्याय में दिया क्या हैं।

मन्स्ची

फ्लैट नं० 310, तादादी 1500 वर्ग फीट । 3 खंड ग्रुप हाअभिंग काम्गलैक्स 2 तिलक मार्ग नई दिल्ली।

> श्वार०पं(० राजेण -सक्षम प्राधिकारी सहाथक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरिंज-1, दिस्ती, नई दिस्ती,110002

तारीख: 28-2-1986

माहर:

प्ररूप आर्ड. हो. एन. एस. -----

अनयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

पर्जार रेजना, नहीं दिल्ली

नई दिल्ली, दिलील 28 फर्झर्ग, 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० सं०/एक्यू०-/1/37-ईई/7/85/ 1941---प्रत: नुझे पार० पं≀० राजेश

भागकर विभिन्नमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभार 'उन्कर विभिन्नमां कहा गया है), को भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित, जिसका उन्नित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

अंद जिसकों सं० प्लेट तं० 309, है पथा जो ग्रुट हाउमिम का म्हलैक्स, 2 जिलक मार्ग नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायत अनुसूची में और पूर्ण कर के पणिश है) अर्जवर्रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयशर क्विनियम 1961 (1961 का 43) के अर्थान, तारीख जुलाई 1985

की पूर्वित्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेदित संपत्ति का उचित याजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल से क्लिए अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के शिए तब भागा गया ग्रातिफल, निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्थ में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' ' का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिल्हे गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधः के लिए;

 में मर्स रिवन्द्रा प्रोपट्रीज लिमि० 2 िलक मार्ग, वर्ष दिल्ला।

(अन्तर्कः)

2. मेनर्न तिट्याला डिस्ट्रंब्यूटर एण्ड मैन्युफेसनरस प्रा० विमिटेड गांच---मेन, जिला परिद्याला, पंजाब। (अन्यरिती)

को मह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थन के लिए कार्यशाही शुरू करता हूं।

उनत सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षेप हुन्त-

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारींच है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों केंद्र स्विक्ता में से किली स्वक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की शादील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में दिन्द-क्वथ किसी जन्म व्यक्ति व्यास मभोहस्ताक्षरी के गढ़ सिवित में किए वा बकेंगे।

श्रमखाकिरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को अक्ट अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगी, को उस अध्याय में दिवेश गया है।

का सची

पर्नेट नं० 309, नादादी 1500 वर्ग फीट। तीसरा खंड पुप हाउसिंग काम्मलैक्स, 2 तिलव्य मार्ग, नई दिल्ली।

> श्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायवा श्राधकार श्रायुक्तः (निरीक्षण) श्रर्जन रॉज-1, दिल्ली, गई दिल्ली-110002

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधान. निम्निसिसित व्यक्तियों, अधित्:--- 34—26GI/86

भारी**ख**: 28-2-1986

मोहर।

प्रस्म बाइं. टी. एन. इत. ----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के वर्षीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बाठ घर आव्यक (निरीक्षण)

प्रजेन रेंग्र-1, गई दिल्ली

ाई टिल्ली, दि तथ 20 फरवरी, 1986

निवकी नेव पंच 303, है तथा जी प्रुपं हाउमिंग बतम्प नेक्स 2 पिलट नार्व, वर्ष दिल्ली में स्थित हैं (और इसी उपा वड़ पन्यूनी में पूर्ण कारी पिलट हैं), प्रजीन रेजिना, नई दिल्ली दिल्ली में मारलेट प्राप्तकर प्रधितिका, 1961 (1961 का 43)/ के प्रवित, प्रारंख जलाई, 1985

का पर्वाकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्त यह दिश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके अद्यामान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पंक्र प्रतिक्ता से विषक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के सिए तब पाया गवा प्रतिक्त कल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित वहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के श्रियत्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा ने विष्णु; थोड/वा
- (या) क्यो किसी आप पा किथी भन वा जन्म आस्थिकों की, जिन्हों भारतीय आयकर मिश्रिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियस, या लनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) अप्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया यथा था किया जाना वाहिए था, कियाने में स्विधा के निए;

अतः अव, उक्त विधिनियंत्र की धारा 269-ग के जन्हरण थे, वे, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे सभीन निम्मीनिकत व्यक्तिया स्थास ≱— 1 मेसर्स रविन्द्रा प्रोपटींस प्रा० लिमि० 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ला।

(जन्तरक)

2. श्री नरेन्द्र पाल सहग्रल 84, जीर बाग, गई दिल्ली। (धनानिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस तृष्या के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर म्यना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्रत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के उपभाग में प्रकाशन की तारील क 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वयक्षीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का. जो उतक जितिवस, के अभ्यास 20-क में परिभाविश हीं, वहीं अर्थ होगा को उस कथा। ये जिल्ला नया है।

मन्स्ची

पर्लेट नं० 308, तादादी 1300 वर्ग फीट । तीसरा खंड ग्रु। हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली ।

> आर.०पी.० राजेण सक्षम प्राधिवारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेज-2, दिल्लो, नई दिल्ली-110002

वा**रीह**: 23-2-1936

प्ररूप जाडै. टी. एन. एस.------

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्वामा

भारत सरकार

कार्यालग्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंंंं-1. नई दिल्ली ्ई ल्लिनी, दिगांक 28 फरवरी, 1986

िर्देश तंत्र आई० ए० सी०/एक्श्०/1/37-ईई/7-85/ 1943—-ৠ: मुझे अपरुपि० पालेश

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिते इतमें इससे उरवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269 थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रीर जिसकी संवपलैंट नंव 307, र एथा जे। यून हाउसिंग काम्यलैंगा, 2 किन्छ मार्ग नई दिल्ली में स्थिए हैं (भ्रीर इसने उपायत्र अनुसूची में भ्रीप पूर्ण रूप ने विणिए हैं) अर्जन रोज-1, नई दिल्ली में भाषतीय आयार अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पृशेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृषेवित सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पेट्ट शितशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त मियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचन में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा खे लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण औ, औं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्तीकृष्टिक व्यक्तिकाली क्यांक् क्र-- मेसर्ग शिक्टा प्रांतरीज प्रां० िमिटेड ३ िश्क मार्ग, नई दिल्ली।

(3<u>7± 7</u>17 77)

 श्रीनती पुढा गाँचल एण्ड अधिक गाँचल द्वारा कण्या इन्जीनियरीम इन्डस्ट्रीज, भागवरी ।

(अनःजिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से विज्ञी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्डीकरणः --इसमें प्रय्वत शब्दा और पदो का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हुन्या जो उस अध्याय में दिया गबा है।

अनुसूची

प्लौट नं ० 307, अदादी 150 वर्ग फीट।तीस्या खंडा युर अद्वीसम् अस्यतीनस्य, नई जिल्ली ११, जिल्लास्या

> शाय० पी० ५,जे १: मध्यम प्राचित्रार्था सहायक जायागर आयुक्त (चित्रीक्षात) अर्जन रे १-३, बल्बई अर्जन रेंग, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

ारीख: 28-2-1986

'क्का क क्रिकेट क्रांच्या क्रांच्या क्रांच्या क्रांच्या क्रांच्या व्याप्त क्रांच्या क्रांच्या व्याप्त क्रांच्या प्रकृत वार्षे हो . हो . हव . हवा . च्या . च्या क्रांच्या व्याप्त क्रांच्या व्याप्त क्रांच्या व्याप्त क्रांच्या

कायकार जिभिनियस, 1961 (19**61 का 43) की** भारा 269-प (1) के जि<mark>भीन त्या</mark>ना

नारव स्रकार

भागीसय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) अर्जन में हैं हैं। नई दिहली

मई दिल्ली, विभाज 18 फरवरी, 19:6

भिर्देश सं० प्राई० ए० मी०/एक्यु०/1/37-ईई/7-85/ 1944—अस: मझे, अप० पी० शकेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/ का से अधिक है

श्रीर जिसकी संव पलैंट नंव 305 है, तथा जो ग्रुप हाएसिंग जाम्पर्लंक्स 2 तिलाउ मार्ग , अई दिल्ली में व्याप है (श्रीप इसो उताबढ़ अनुभुकी में ग्रीप पूर्ण कर से विणित है), अर्जन ने प्रमा, नई दिल्ली में भाषतीय आयोज जिविनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीक, क्षारीक जुलाई 1985

को पूर्वेक्त सम्बक्ति को उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान परिफाल के लिए अन्तरित की गई है कि मूओ वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित दाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रशिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के किए। तथ त्या गया प्रतिफल, जिन्निकिस्त उद्विष्य से उच्च बन्तरण निर्माशिक स्थ से कियत नहीं किया गया है.—

- (क) अन्तरण संहुर किसी बाम की एक्ट. उक्त अभिनियम के अभीत कर योगे के अन्तरक के दायित्व में कमी कारत में उत्तर्स क्यारे में प्रिकिश के सिए; बीर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आय-कर क्रांधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्राचनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भवा था या किया बांगा था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनियम कालितयों, अर्थान :--- सेसर्व प्रविन्द्र प्रो :टोज प्रा० लिमिटेड 2 क्लि र मार्ग, ाई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री महेन्द्र सहाय टी-34, श्रीन पार्ट मैंन, भई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लागीक से 45 दिन की अविधि या तत्सकंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पक्तीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उनक अधिनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका नवा है।

अन्स्ची

पलैट तं० 305, तादादी 150 वर्ग फीट (तीसरा खंड) मूप हाइसिंग हाम्यलैक्स, 2 तिलुक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर०पी०राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-।, दिल्ली, नई दिल्ली-11000

तारीख : 28-2-1986

प्ररूप आहार.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जंन रेंज-1, भई पिल्ली न**ई** दिल्ली, दिनांए 28 फरवरी, 1986

जिर्देण सं० आई० ए० सी० /एक्स्०/१**-ईई**/*377*-85/ 1945—-স্প: मुझे আर० पी० সজিং

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदमात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रोर िसकी संव फ्लैट नंव 304, तथा जो ग्रुप हाउसिन जामक्लैक्स, 2 जिए 5 मार्ग, नई किल्ली में स्थित है (श्रीर इसमे उनाबड़ अनुसूची में श्रीप पूर्ण कर ने विणित है) अर्जिम रेंग्न-1, नई दिल्ली में भाषतीय आयापर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन, भारीक जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वारतिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुंई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

 मेसर्स विन्द्रा प्रायटीम विमिटेड 2 विलक मार्गे, नई दिल्ली।

(ःन्तर्ह)

2 श्री राजेन्द्र डम्सन, 404, दुर्गासियो मंदिए क्सा राम भवन, अमृतसर (पंचाव)।

(अन्तिन्ती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्वन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद मों समाप्त होती हो, के भीनर पर्विकत व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिमित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 304, भादादी 1500 वर्ग फीटा तीसरा खंड प्रुप हाउसिंग भाग्यलंक्स 2 तिलका मार्ग, सई दिल्ली।

> ार०पी० राजेण सत्तप प्राधिमारी सहायक आयकर आयुक: (किरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 28-2-1986

महिर :

प्रस्य बाइ. टी. एन. एस.-----

नारकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन त्वारा

नारत परवाद

कार्यांचय, सहायक जायकर जायूक्त (निर्देशका) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 28 फरवरी, 1986 निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य्०/1/37-ईई/7-85/ 1946——अत: मुझे, आर० पी० राजेण

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रश्नात (उक्त विधिनियम) कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन मध्य पा कारी को यह विश्वास करने का प्राप्त की कि स्थाप पानि कि स्थित उचित बाजार सुम्ब 1,00,000/-रा. से विधिक ही

ग्रीर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 302 है तथा जो ग्रुप हाउसिंग कामप्लैंक्स, 2 तिलक मार्ग, नई विल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ अन्सुची में ग्रीर पूर्ण रूप ले विज्ञात है) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में जारतीय आयक्र अधिक्यिम 1961 (1961 का 43) के अधीन, नारीख जुलाई, 1985

को प्रवेक्त संस्पत्ति के उचित वाचार मृत्य से कम के वश्यकाय प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है जौर मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उपित बाचार भक्य, उसके वश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का जन्तर प्रतिकात में विधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय वाका गया प्रतिफल, निम्नीलिकत उच्चेच्य से उक्क बन्तरण मिकित में वास्तिक कप से किवत नहीं किया गया है हिल्ल

- (क) अंतरण से हुच किसी आय की वास्ता, सकत अभिनिवन के न्थीन कर दोने के वंतरक के शियर में कभी करने या उससे बचने में न्विधा के लिए; बरि√या
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन वा व्यक्त जास्तिकों का, जिन्हों भारतीय भायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उपलब्ध प्रीमिशका, 1947 (1957 वा 27) हे अपन्यार्थ अंतिरिती दवारा एकत नहीं किया गरा या किया बाता वाहिए था, जियाने में सुविधा के निक्;

बर्श: शव, उच्च **अभिनेष्य की** भारा 269-ग के बन्**सरण** कें, जैं, टक्स अभिनियंत्र **की धारा 269-व की उपवारा (†)** र्वे अभीतः जिल्लिकिक व्यक्तिकों वशीत क्रम्म 1. मैसर्स रिवन्द्रा प्रोपर्टीज प्रा० लिमिटेड 2, निल्क मार्ग, भई दिल्ली।

(अन्तर 🗉)

2. श्रीमती कुलदीप संघा और डी० सेघा द्वारा हिण्डि खुल्लर 3/31, रमेशा नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह सुवभा कारी कारके प्रशेषक सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अवत सम्यक्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकासन की तारीब से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की बन्नि को भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति इवारा:
- (क) इस सूचना के राजधन में श्रकावन की तारीय सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वहुध किसी अन्य स्थावन द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिकित में दिये का सक्षीते।

त्वच्चीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्धी और पदों का, जो उभर विधिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं सभी होंगा, जो उस सभ्याय में किया नवा ही।

भ्रनुसूची

प्लैट न० 302, पादादी 1500 वर्ग फीट । दूसरा खण्ड युप हाउसिंग पाम्पलैक्स , 2 तिल ह सार्ग, नई दिल्ली।

> अहार परीर राजेश सबम पाधिश्रारी सहायक आयकर जायुक्त (विरोक्षण) अर्जन रोज-1, विल्ली, नई दिल्ली-110002

नारीख: 28-2-1986

इंक्य आहें. टी. **एव**ं, **एवं**, न्यास्तरण्या

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के सभीन बुक्ता

भारत स्रकाह

कार्यालय बहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जान रेंज-1, नई हिल्ली नई दिल्ली, दिसांक 28 फरवरी 1986

्रिदेश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/7:85/ 1947—अतः म्झे, आर० पी० राजेश

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसकें इसकें परभात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के सभीन संसम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त चिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रॉर जिसकी संव 1500 वर्ग फीट है तथा जो फ्लैंट्र नंव 508, शादादी गुप हाउसिंग राम्पलैंबस—2, दिलक माग में स्थित है (स्रॉर इसने उपाबद्ध अनुसूची में स्रॉर पूर्ण रूप ये विणित्हें), अर्जन रेंज—1, अईदिस्ली में आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) 1908 के अधीन अरीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कान के दरवजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण है रिए तब पाचा नवा प्रतिफल, निस्नसिवित अद्योक्त से उच्छ अन्तर्ण सिवित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा है है—

- (थ) बन्तरण चे हुई फिकी बाव की वाक्स, उनक वर्षि-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक जो दावित्व में कनी करने या उससे बंधने में सुविधा के सिए; बॉफ/वा
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी थम वा वन्य जास्तियों को चिन्हें भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर वीभिनियम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) खे प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया वाना वाहिए था, कियाने से ब्विभा के किया;

(1) मैं० रिवन्द्रा प्रापटी ज प्रा० लिमिटेड । 2' सिलंक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तर्क)

(2) श्री सारदा भायक, डी-41, भूजान सिंह पार्क, नई दिल्ली।

(अम्तरिती)

को नह सूचना कारी कारके पूर्वोक्छ संपष्टि से सर्वत के सिध् कार्ववाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के ग्राचपण में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अवृधि, को भी व्यक्षि बाद में तमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्षियों में से किसी व्यक्ति वृक्षायः;
- (क) इस तुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में निम्म का सकेंगे।

स्वच्यक्तिरण :----६सम्में प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो अक्क जिथित्वस, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होया जो अस मध्याय में विका यवा ही।

नमृक्षयी

पलैट नं० 508, तादादी 1500 वर्ग फीट 15वीं खण्ड ग्रुप हाउसिंग कम्पलैनस, 2, तिलक मार्ग, वर्द दिल्ली।

> आर० पी० राजे श सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

बत:, जब, उक्त विभिनियम की भाग 269-व के जनुकरक जों, मीं, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) १ बभीन, निम्मतिवित व्यक्तियों, वभीत डिल्स

ारीख: 28-2-1986

प्रकप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचनः भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जप रेंग्रेंच-1, पद्दी बिल्ली पद्दी दिल्ली, विकोड़ 28 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/7-85/ 1948---आ: सुक्षे, आए० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उदल अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-श क अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

म्रोर िसकी मं० फ्लैट नं० 601, 2, िल हमार्ग, है एया जो भई दिल्लो में लिया है (प्रीट इस र उराबद अनुसूची में प्रीट पूर्ण का र वर्णित है), अर्जार रेंज-1, भई दिल्ली में आप र अधिनियम, 1981 (1961 का 43) के अपीत हारीख जनाई, 1985

को प्वींवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाम गया प्रतिफल, निम्नितियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लेकिन में वास्तिबक रूप से किथित नहीं कमा गया है देन

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबस, उक्स जिमित्यम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दामित्य में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्य के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी अप या किसी भन या अन्य अस्तियों के जिन्हां भारतीय आभ न्करं अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जानां चाहिए था. डिप्पाने में सुविधा के तिय;

बतः विवा विका कियानिक की भारा 269-म के जनुसरक या, भी तक्त लोधनिकम की भारा 269-म की उपभारा (1) क जधीन निम्नितिखित, व्यक्तियों, वर्धात् —— (1) मै० प्विन्द्रा प्राप्टीण प्राप्ट विमिटेड,2 , रिविष्ट मार्ग, भई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती र्ब० के० सपांवका ई० 303, प्रगति विहार लोदी रोड, नई दिल्ली।

(अनारिती)

कां यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार
- (क) इस सूचर, के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 किं। के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

यगच्या

क्तैड is 301, अश्वी 1500 क्रीफीट 6वां खण्ड, सुप हार्जासक कम्बत्रैक्स, 2, क्षित्रक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेक सक्षम प्राधिकारी सद्भाय इ आयकर अपनुका (निरीक्षण) अर्जीन रेंघ-1, नई दिल्ली

तारीख: 28-2+1986

माहाः

धक्य बाह^र.टी. एत*.* एस .,------

क्रमकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन स्वना

भारत करकान

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अजैन रेंज-1. नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिमांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/7-85/ 1949--अत: मुझें, आर० पी० राजेश,

भाषकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रोर जिसकी सं० पनैट न० 603, युर हाउसिंग कम्पलैक्स, है तथा जो 2, रित ह मार्ग, जई दिल्ली में स्थित है (और इसने उपाबद अनुमुची में श्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय अधिनियम, 1961 (1961 का 43)/1908 के अधीन तारीख ज्लाई, 1985

को प्रशंकत सम्पत्ति को उपित बाजार म्ह्य से कम को श्रूबमान प्रतिफल को जिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास एउने का कारण है कि यथाप्तिकत सम्पत्ति का उपित बाजार म्ह्य उसके रूप्यमान प्रतिफल सो, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिक्षत से अधिक है और जन्तरक (जंतरका) और अंतरिती (जंतरित्या) में बीच एसे जंतरण की लिए तय पामा गया प्रति-फल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त जन्तरण लिचित में वास्तिक क्या से कथित नहीं किया गया है ए—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी माथ की भावत उक्त बीधिनियन के बधीन कर दोने के जन्तरक के दायिक में कमी करने या उन्नस् सचने में सुविधा के नित्रः बीधिनीया
- (व) ऐसी किसी बाब या किसी धन या कत्य कारित्यमें का, जिल्ही भारतीय बायकर व्यधितियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधितियम, या धनकर व्यधितियम, 1957 (1957 का 27) की व्यधितार्थ अन्तरिती ब्वारा पंकट नर्टी किया गया वा किया काना वाहिए वा, स्थिति में गरिवध वे निवः

अत: गण, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गैं. मैं, शक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कै अधीरा निम्नलिकित न्यक्तियों, अर्थात :---35---26 GI/86 (1) मै० श्विन्द्रा प्रापर्टीण प्रा० विभिटेड,2, क्षिण इ मार्ग, भई दिल्ली।

(अन्तरक)

(3) डा० गौरी नाथ साँधी, 28, मोंबी टोला चाँक, लखनक य० पी०)।

(अस्तरिती)

को यह सूचना बा<u>डी करने पूर्वोक्त सम्परित</u> के वर्षन के विश् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त बन्धित के वर्जन के संबंध में कोई भी वासीय है---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वें 45 दिन की समिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षारी के पास तिखिल में किए वा सर्कोंगे ।

स्पातिकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों करि पर्वों का, को उनके काँचिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या गया हैं।

ग्रनस्ची!

क्लैट नं० 603, नादादी 1500 वर्ग फीट, 16वीं खंडग्रप हाउसिंग कम्पलॅक्स, 2 तिलाह मार्ग नई दिल्ली ।

> अंतर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सक्षय हे आयग्य अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

मारीमः : 28-2-1986

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिस्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 **ईई०**/7-85 1950--अन: मुझे, आर० पी० राजेश:,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर ित्सकी म० पर्लंट न० 611, 2, तिलक तथा जो मार्ग नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इसने उत्तबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण का भ प्राणित है), स्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में भीरतीय आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन तरिख जुलाई, 1985

की पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (फ) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबस उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अंतरक को वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; बौर/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हे, मैं उक्त अभिनियम की भारा 269-अ की उपभारा (।) के अभीन, निकालिखित अधिक्तवीं, अधील :---- (1) मैं० रिबन्द्रा प्रापटीं ज प्रा० लिमिटेड, 3, तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री हरीश कृमार अरोड़ा, सी-105, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारा करके पूर्वोक्स सन्धील के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की लारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में दितवस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- प्रसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन<mark>्</mark>गूची

पत्रैट नं० 611, न(दादी 1500 वर्ग फीट 6वीं बण्ड, प्रुर हाल्ला हस्तिनस्त, 2 तिलक्त मार्ग, नई दिल्ली।

> अ(र० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्तः (निरीक्षण्) अर्गेन रेंज∽1, नई दिल्ली-110002

गरीख : 28−2**−**1986

प्रकल बाइ . टी. एवं . एवं . ----

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

बारत सरकाउ

कार्यात्रक, सहावक वाक्कड वाक्कड (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनाह 28 फरनरी 1986

भिक्रेम सं० आई० ए० सी०/एसपू०/1/37-ईई/7-85/ 1951--- अत: मुझे, आए० पी० राजेश,

बाबकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पहजात 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-जा के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्तित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

िरतिही सं २ पर्नेट तं २ 613, 2 ति हि मार्ग हैं, तथा जो नई दिस्त्री में स्थित हैं (और इसने उनाबद्ध अनुसूची भें और पूर्ण रून से विणति हैं), अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अजीत, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त राम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह जिस्त्रास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एते दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिद्यति से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया क्या प्रतिफल निम्नितिस्ति उद्देष्ट से उक्त अंतरण निम्नितिस्त उद्देष्ट से उक्त अंतरण निम्नित्र के शिक्त नहीं किया वहा हैं

- (कः) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के स्थीन निम्निलिखिट व्यक्तियों. अथीत:—

া. मै॰ रिक्ट्रिंग प्रोलटींच प्रा॰ निभि॰, 2, নিলক। मार्ग, দই दिल्ली।

(अन्त्रक)

2. श्री विषयम्मप्रतास बजाप्त, 6, बाबर लेन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह स्वता बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उन्त संपत्ति के वर्षांग के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इत स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिय बाद में स्थापत होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इक सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अध्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

अन्सूची

पलैंट नं ० 613, आदादी 1500 वर्ग फिट (वां खण्ड ग्रुप हाउसिंग काम्पलैंबस, 2 निलंक मार्ग, नई दिल्ली।

> आए० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायम आयहर आयुमत (मिर्नक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

भारी**ख:** 28-2-1986

मोहरः

प्ररूप आइ. दी, एन. एस.-----

नायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) से मिपिन सूचना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक माधकर नाम्यत (निर्क्तिक)

अजंन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांज 28 फरवरी 1986

निदंश सं० अई० ए० सी०/एक्यू०-1/37--ईई/7--85/ 1952--अत: मुझे, आर० पी० राजेग,

बायकर विभिन्नम्, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वनास करने का कारण हैं कि स्थापर समाप्ति, चिसका उधित बाधार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० पर्नंट नं० 503, तादादी 1500 वर्ग फिट है तथा जो 5वां खंड, मुन हाउसिंग सोमायटी काम्प्रलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली में लिया है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में प्रार पूर्ण का से बाँगा है), कार्याच्य, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन, नारीख जुलाई, 1985

- (क) बन्धरण से हुई किसी नाम की बल्ब, १०० वृद्धिनियन की बभीन कर दोने को जन्तरक से दायिएन में क्यी बुदने या उन्नदं बल्लो में सुदिका ने किन्छ, बोल्ड/वा
- (क) ऐसी विस्ती आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्यारा प्रकट नहीं किया नया था वा फिया जाना बाहिए था, छिपान में सुविधा के सिट;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की वारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थातः :--- मै० रविन्द्रा प्रोपटीं प्रा० लिमि०, 2 तिलक मार्ग, भई दिल्ली

(अन्धरकः)

 श्री सारत सिंह नेत्री, बी-37, कैंगाय असर्टमेंट, लाला लागत राय रीड़, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृषीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्धा किसी जन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकरी।

स्पद्धांकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

फनैट नं० 503, सादादी 1500 वर्ग फिट 5वां खंड, ग्रुप हाउसिंग काम्यलैनस, 2 लिक मार्ग, नई दिल्ली

> आर० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली-110002

नारीख: 28-2-1986

प्ररूप बाइ टी. एन. एस. -----

बायभर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/ 1953-अतः मुझे, आ२० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह दिश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रन. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं पलैट नं 501, 2 तिज क मार्ग, है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाध्व अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), नार्यात्य, अर्ज र रे - 1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अर्थात, तारीख जुनाई 1985

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के निए अन्तरित की गई हैं और मुके यह निश्वास करने का कारण हैं कि सथापूर्वों कर सम्मत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसे दश्यमान प्रतिफाल के पन्त्र प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती वन्तरिती (अन्तरितिवाँ) के नीच एसे अन्तरण के निए तम पामा प्रतिफाल, निम्नां निषत उद्देश्य से उन्तर अन्तरण कि निए तम पामा प्रतिफाल, निम्नां निषत उद्देश्य से उन्तर अन्तरण कि निषत में अन्तरण के निष्

- (क) जन्तरण से हुइं किसी जाय की बावत, उत्तर मधिषयम भी अधीन कर बेने के जन्तरक की बावित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के किए। विश्व
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के किए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभिन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मै॰ रिवन्द्रा प्रोपर्टीज प्रा॰ लिमि॰, 2 तिल ह मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्धर्म)

2. कुमार पूप चं: जगांचानी, मैसर्स रीता कुमार शातिवानी, यूनिसेफ हाउस, 73, लोदी ईस्टेट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह स्वता बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के निष्क कार्ययाहिया श्रृक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में रामाप्त होती होते, को भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की भीतर उन्ते स्थावर सम्पत्ति में हित-वहुध किसी व्यक्ति द्वारा, अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किये वा सकरें।

स्पष्टीकरण: -- इसमा अगुन्त राज्यों और प्रयो का, जां उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

भनुसूची

पत्रैद नं० 501, ात्वादी 1500 वर्ग फिट, 5वां खंड, गुर हाउसिंग काम्सलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिनारी सहावार जावनर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेभ रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीच: 28-2-1986

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत संरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 28 फरबरी 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/ 1954--अनः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियमें कहा गया हैं), 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृल्य 1.,00,000 /- रा. से अधिक ह

श्रीर जिसकी पंज पर्नेट संज 411, 2 तिराह मार्ग है, तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रें जं~1, नई दिल्ली में भारतीय आग्रहर अधिनियम, 1961 (1961 के अवीत, नारीख ज्लाई, 1985 का 43)

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के रुप्यमान प्रतिफंश के लिए उन्तरित की गई है और मुझे गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रहरितशन से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उदब देथ से उक्त अन्तरण लिखिस में बास्तिविक्ष रूप स करिया नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय सायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धनकर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए:

1. मैं० रिवन्द्रा प्रोपटिच प्रा० लिमि०, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती बीना गुप्ता, 88 पूर्वी मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. अधिनियमः, के अध्याय 20-क में दरिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुमूची।

फ्लैट नं० 411, नादादी 1500 वर्ग फिट। चौथा खंड, ग्रुप हार्डिसग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> अ(र० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) जर्जन रेंज-1, विस्ली, नई दिल्ली-110002

बत: उब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण 류 , 🗚 , उक्त अभिनियम की धारा 2.69-घ की **उपभारा** (1) **ां क्षप्री**म्, निम्मीलियिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारोख: 28-2-1986

प्रक्रम् नार्षे . दी , पुन् , पुक् , -----

शायकर विचित्तियम, 1961 (1961 को 43) की पारा 269-ज (1) के बचीन सुचना

बाह्य बहुकुर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

भई दिल्ली, दिभांक 28 फन्वरी 1986

निदेश सं० अई० ए० सी०/एक्यूर-1/37--ईई/7--85/ 1955--- अस: मुझे, अस्० पी० अजेश,

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परम्भत् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 301, ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स,
2 िक्कि मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), अर्जन रेज-1, मई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन, दिनांक जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जर मुन्ने वह विश्वास करने का कारण है कि वभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रिश्चत से अभिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्थों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में अम्तिक है भी महानिक है से अम्तिक से अम्तिक है से अम्तिक है से अम्तिक है से अम्तिक से अम्तिक है से अम्तिक से

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त विध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे विधने में सर्विधा की निए, शरि/पा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को भिन्हों भारतीय दावकर बीधीनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधि अम् , या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्याप प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा ने लिए;

अस पत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) रेजपीट निकालिकित करिकाकों, अधिर के— मै० पविन्द्रा प्रोपर्टीज प्रा० लिमि०, 2 विलक मार्ग भई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री एस० प्लिबन्द्र सिंह, बी० ए०/1-ए, अशोक बिहार, नई दिल्ली।

(अन्।रिती)

की यह स्वना जारी करके प्वॉक्त सम्परित के अर्थन के सिप् कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थित्तरों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के पास निष्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित; है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया प्रमाहिं।

नगर की

फ्लैट नं० 301, तादादी 1500 वर्ग फिट। तीसरा खंड, ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स, 3, तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1; नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-2-1986

प्ररूप आहूर् ही. एवं . एवं . ----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सङ्गा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्तक)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली. दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० अई० ए० सी०/एनगू०-1/37-ईई/7-85/ 1956---अत: महो, साम्क पीठ स्केश,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'अका अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन रूथमा प्राधिकारी को यह विश्वाग करने का स्थाय मंदी जिल्ला उचित बाजार मन्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फरैट नं० 103 है, तथा जो 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसके उत्तक्षद्ध क्ल्युची में भीर पूर्ण का ने विणा है), अर्चन रेगा-1. वई रिल्ली में भारतीय अत्यक्त अधिक्षिम, 19 1 (1961 का 20) के अक्षीर, पारीख जुलाई, 1935

को पर्वक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिकत स अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित एद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में बास्तिक हुए से क्षित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 20) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गांव था या किया जाना राहिए था, छिपाने में मुनिजन के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० प्रायम्ब्रा प्रोसर्टीच प्रा० निर्मिटेड, 2 नित्रक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राधिका कपूर, नूतना लाम्बा, ए-23, पंचशील पार्क, नई दिल्ली।

(अम्∄रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी त्रविधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्ध स्वित्यों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पाटीकरण:---इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदौं का, जो जन्म व्यथिनयस, को अध्याय 20-क में परिभाषिष हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया सया है।

अन्स्ची

प्लीट नं० 103, तातादी 1500 वर्ग फिट, प्रथम खंड, बुह हाउसिंग जामलैक्स, 2 तिलाह मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

नारीख: 28-2-1986

TALLER TO THE TALLED

प्रकप बाह् टी., एन., एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन त्वना

पारत बरकार

कार्यासयः सहायक वायकर शायुक्त (निर्देशक) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश स० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/ 1957-अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मृस्य 1,00000/-रुपये से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 107, 2 तिलक नगर, है, तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (प्रौर इससे उपाबब अनुसुची में प्रौर पूर्ण रूप से विणित है), अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिश (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए इय पाया गया प्रतिफल, निम्नोमिचित उद्देश्य से उच्त अन्तर्भे निचित्र वास्तियक स्प से किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण से हुए फिटी बाव की वावत स्वय विध-अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वाधित्व में कमी करने वा उससे व्यव में सुर्तिधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी अप या भन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनने में मुनिधा की निए;

जतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त जिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) में जभीन, गिम्मिसिस व्यक्तिकों, वर्षींद ड── 36 —26 GI/86

 मै० रिवन्द्रा प्रोपटीज लिमिटेड, 2 तिलक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री संदीप सलूजा, सी-591, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

क्रो यह सूचता बारी क<u>र</u>को पृशाँक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई मी वाक्षेप ह---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी म्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की जबिभ, जो भी वविभ दाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किसी म्यक्त ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्तबव्ध किसी बन्ध स्थावत व्याय कथोहस्ताक्षरी के गास सिसित में किए वा सकोंगे।

स्वक्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त कब्यों और पर्यों का, वो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिवा गवा है।

अग्सूची

फ्लैट नं ० 107, तादादी 1500 वर्ग फिट, प्रथम खंड, ग्रंप हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, मई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-2-1986

मोहरः

पंचय आर्थक स्रोत एक. युक्त - म नन्त्र

बार्थाद स्पितिवय, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के स्पीन स्पता

বাহর ব্যক্তার

भावस्थि , सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेंज, 1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० अई० ए० सी०/एक्यू०-1/37/ईई/7-85/ 1958—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त निभानयमं कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित नाजार मुक्त 1,00,000/- रा. से विधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 509 है तथा जो, 3 तिसक नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाधक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), अर्जन रेंज-1; नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरमान प्रतिफल से एसे दूरमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिक निम्मा विद्या उद्देश से उस्त वास्तरण कि विद्या कि विद्या में पास्तरिक का विद्या का विद्या की विद्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा और सिए; बार/या
- (ख) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (१957 का 27) व्यं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया ज्या या किया जाना वाहिए वा, क्रियाने में स्विधा वे सिए;

शतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग औ अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) औं अधीन, निस्कीमधित व्यक्तियों, वर्धात् ह—— 1. मैं० रविन्द्रा प्रोपर्टीज प्रा० लिमिटेड, 2 तिलक नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रमरजीत एस० खुराना, चरनजीत एस० खुराना, 32/57, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को बहु तुचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के शर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त समिति से भूषेन् से सम्बन्ध में कार्य भी वासेन् :----

- (क)। इस सूचना के राज्यक में प्रकान की सारीय के 45 दिन की नवित्र या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पूर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवास;
- (क) इस अपना के राजपत्र को अकावन की तारीन से 45 दिन को भीतर उत्तर स्थावर कम्पत्ति में दिलवद्ध किसी अस्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकोगें।

बगुत्रुची

पलैट नं० 509, तावादी 1500 वर्ग फिट। 5वां खंड, ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजे**श** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

नारी**ख**: 28—2—1986

इसम् बाह्यः ही . एष्टः स्व

नाधकरु न्धितिन्त्र, 1961 (1961 का 43) की पास भारा 269-व (1) के नधीन सुवधा

भारत प्रकार

कार्याक्ष, शहायक भाषकर वायुष्य (निर्याक्ष्म) अजैन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1986

मिवेश सं० आई० ए० सी०/एहयू०/1/७७-ईई/७-१5 1959--अत: मुझे, आए० पी० श्हेर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 111, है तथा जो 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाध्य अनुसुषी में स्रीर पूर्ण रूप से वणित है), अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) के अधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्त, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिखत से विभक्त है और बंतरक (बंतरकों) और बंत-रती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए बय गामा गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में शास्त्रिक रूप से क्षित नहीं किया गया है :——

- (क) बंदर्ज से हुए किसी बार की बानक, उसने बाधिवन्त से सभीन कर दोने के बंदर्ज के बादित्व में कभी करने वा उसने में मुनिया से फिल्; और/मा
- (स) एती किसी नाम मा किसी थन या नन्म नास्तिमी की, जिल्हें भारतीय नामकर नीमिनमा, 1922 (1922 का 11) ना उक्त निर्माणका, बा धन-कर निर्माणका, 1957 (1957 का 27) भी प्रयोजनार्थ संतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः अव, उपत अधिमियन की पारा 269-म वे वयुत्रव में, में, उपत अधिमियन की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मैं० रविन्द्रो प्रोपटोज प्रा० लिमि०, 2 तिलक मार्ग, नहीं दिल्ली।

(अन्तरक)

2. वीस० सागर एण्ड सुरज सागर, के-46, जंगपुरा एक्शटेशन, नई दिल्ली-2।

(अन्तरिती)

कारे वह त्याम भारी कडके पूर्वोक्त सम्मृति से वृष्यं से वृष्यं कार्यवाहियां करता हैं।

उपन नुमारित के प्रचीन से सम्बन्ध में कोई भी बासोप हुन्न

- (क) इस स्थान के शायकन में प्रकाशन की शारीय कें 45 विश् की अविभि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामीस से 30 विन की नविभ, को भी वक्ती वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में दिन को भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में द्वितवर्ष किसी नम्य म्याबित बुवारा, अभोहस्ताक्षरी के पर्क विविद्य में किसी नम्य का सकें नै।

स्थाकरण: ----इसमें प्रमुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, बहु वर्ष होया को उत्त अध्याय के दिवा स्या ही।

फ्लैट नं० 111, तादादी 1500 वर्ग फिट प्रथम खंड, ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-2-1986

प्रकर भार[®]् द्राँ<u>त प्र</u>क्_य पुत्र _व सन्दर्भन्तान्त्रक

बावकड व्यथिनियम्, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के व्योग स्वया

ग्राह्म प्रश्नास

कार्वीचय , उद्दारक नायक्ट नायुक्त ([नर्यक्रण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

न ई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1986

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/1960--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर निर्धानयमं, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसने इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा यस ही, अर्धे भारा 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर स्म्यत्ति, विद्यका उचित् वाचार म्रूब 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिांघी सं० फ्लैंट नं० 214, 2 तिलक मार्ग है, तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (भीर इसमें उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयसान प्रतिकल के सिए अन्तिरत की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियाँ) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथित नहीं किया गया है है——

- (क) जन्तरण सं हुई किया जान की नामस्त, उपर जीवन्त्रिय के वर्षीय कर दोने के जंतरक के बाबिस्य में कभी कारने या उससे वजने में मुक्तिभा के निए; और/या
- (व) देशी कियी बाद वा कियी पन वा बाद वास्तियी की, विन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया वाना वाहिए था, कियाने में सुनिया वी विद्या

जतः। जबः, उत्ततः जीधीनयनं कौं भारा 269-भ के, जन्तरम भैं, भैं, उत्ततं विधिनयमं कौं भारा 269-भ कौं छमभारा (1) में बभीन, निम्नसिचितं ज्यक्तिमाँ, सम्बद्धं म— 1. मैं॰ रिवन्द्र प्रोपर्टीज प्रा॰ लिमि॰, 2 तिलक मार्ग. नई दिल्ली।

(अम्तरक)

2. श्री तारा सिंह, द्वारा सपतपाल पंडित एड कम्पनी गहार बाग, जालंधर शहर (पंजाब)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यकाहियां करता हुई।

क्रमत ब्रुज्यस्यि में बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप क्ष---

- (क) इस सूचना के राजपून में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की सर्वाभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामीन से 30 दिन की न्वीभ, को भी नविभ नाय में तमान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाप्त;
- (स) इस सूचना के स्वप्त्र में प्रकाशन की सार्वित से 45 वित्र के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्य किसी अन्य व्यक्ति द्वार अभोहस्ताक्षरी के नार्वित स्थावत में किए जा सकेंगे।

स्वाकिरण:----इसमें प्रयुक्त सन्तों और पदों का, जो उसर विश्वित्यम, के वश्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

फ्लैट नं० 214, तादादी 1500 वर्ग फिट। दूसरा खंड ग्रुप हार्जीसग काम्पलैंस्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 28-2-1986

:मरोह

इक्ष्य वार्द्रे, दी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1986 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/ 1961--अनः मुझे, आर० प्रो० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
भीर जिसकी सं कि फ्लैंट नं के 210 है तथा जो ग्रुप हाउसिंग
काम्मलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (भीर
इसा उनावड अनुसूची में और पूर्ण क्य में विणा है),
अर्ग रंज-1, पई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,
1961 (1961 का 43) अबीन, वारीख जुलाई 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक हप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृथिधा के के लिए?

 मैं० अविन्द्रा प्रोपर्टीन लिमि०, 1 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तर्क)

2. मिस नूतन गुणा, के०-27-ए, होज खास, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अबिध या तत्संबंधी व्यक्तियें पर अविध बाद में समाप्त हारेती हो, के भीतर पूर्वोक्त त्यिकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिया के भीतर पूर्वीक्त उक्त स्थावर सम्पत्ति में सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनसंब

फ्लैट नं० 210, तादादी 1500 वर्ग फिट, दूसरा खंड ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बिल्ली, नई दिल्ली-110002

लतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण को, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:——

तारीख: 3-3-1986

मोरह ः

NOT HELD AND AND ASSESSMENT

भायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाद्य 269-म (1) के नधीन स्वना ज्ञारत वरकार

कार्यातन, बहारक बारकर बार्यन (दिश्वीकर्ण)

अर्जन रेंज-1, न**ई** दिल्ली न**ई** दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1986 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/ 1962--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

जानकर गणिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परवाध (अस्त विद्यान का नया है), की भाख 269-च के गणीन सकत प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कार्य है कि स्थानर सम्बद्धि, विद्यान अवित गणार मुख्य 100,000/- का. से जिथक है

भीर जिसकी सं पलैट नं 207, ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स है तथा जो 2 तिच क मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम के अस्पनाथ प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई और भक्ते यह विश्वास

करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उतके बश्यमान प्रतिफल से, एसे बश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिसत से अभिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मबा अतिक के, विस्तिविधित क्षूचेस्य है स्वत अन्तरण कि बित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है है——

- ्रीक) अन्यस्य ये शुर्भ निवर्धी वास की वासक_ा क्या वहिन्दीकाल के क्योंन कर योगे के क्यास्थ्य के श्रीकाल को कहीं क्या के क्याचे बात के वे क्यास्था के क्या और/मा
- (व) एची हिन्दी साथ वा कियों पत्र वा तक वास्तिकी को, जिन्दी आरखीन संस्थ-कर करिन्दिक्व , 1922 (1922 का 11) वा उन्तर अधिनिक्य , वा धव-कर निर्माणका , 1957 (1957 का 27) के प्रभोकरार्थ नक्षियों इसरा प्रकट कही दिवा क्या था वा निकास आवा करिक्ट वा, कियाने में बुरिक्स की किया;

बतः प्रम, तक्क वांधनियम की पारा 269-न के अन्तरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:— 1. मैं ॰ राजिन्द्रा प्रोपर्टीज प्रा० लिमि॰, 2 तिलक मार्ग, नई विल्ली।

(अव्रतरक)

2. श्री सभाष चन्द, दिनेश चन्द, कथा ऐंड एलाइड इन्डस्ट्रीज, प्रा० लिमि०, घोटवाली रोड़, नजीबा-बाद (यू० पी०)।

(अन्तरिती)

को यह बुचना जारों करने पूर्वीकर सम्मत्ति से वर्षय में हैक्स कार्यवादियां करका हूं।

प्रमा समिति के सर्वन के प्रवंध के काई औं कार्यक ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पस्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

क्यस्पी

फ्लैट नं २०७७, तादादी 1500 वर्ग फिट, दूसरा खंड, ग्रुप हार्जीसग सोसायटी काम्पलैक्स, २ तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, विल्ली, न**ई** दिल्ली-110002

तारीख: 3-3-1986

प्रकम नाहाँ हो । एन । एस . -----

नावकर निध्नियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से स्थीन स्थान

भारत सरकात

व्यक्तिम्ब, ब्रह्मक वावकर वानुक्त (निर्देशक)

अर्जंन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/1963—अत: स्क्षे, आर० पी० राजेग,

बायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसके इसके पश्चात उक्त निधिनियम कहा गया है) की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विश्वका जीवत बाबार मृन्य 1 रा. से अधिक है

भ्रोर जिसकी मं० पलैंट न० 205 है, तथा जो ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इसने उपाबद्ध अनुसुची में भ्रौर पूर्ण का मे विणित है), अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्परित का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तनिक रूप में किथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तर्थ से हुई किसी बाय की पावत, उकत बिधित्यम् के व्योक कर योगे के बन्तरक के वादित्य में कभी करने वा अन्न के एवने में स्विभा के जिए; ब्योद्ध/मा
- (क) ऐसी किसी काय या किसी धन या जन्य वास्तियों को, जिन्हें आरतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का १1) या उपत अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अपरिती इवाध श्रकट नहीं किया जया था सो किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा के विधि;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थातः :---

1. मैं० राजिन्ब्रा प्रोपर्टीज लिमि० प्रा०, 2 तिलह मार्ग, मई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री जसवीर मनचम्दा, 1539, चर्च रोड़, कम्मीरी गेट, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुै।

उक्त सम्पक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो बस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

फ्लैट नं० 205, तादादी 1500 वर्ग फिट, दूसरा खंड ग्रुप हार्जीहंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 3-3-1986

प्रकृप नार्द् .टी. हन . एस . -------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जंन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/1964—अतः मुझे, आग० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्का प्लैट नं 104 ग्रंप हाउसिंग कम्पलैक्स है तथा जो 2 तिलक मार्ग नई सिहली में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रन् भूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), अर्जन रेंज—1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन, तारीख जुलाई 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन निम्नलिक उप्रवेश्य से अक्त अंतरण सिवित में बास्य-विक कप से कथित महीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसीं जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने क उससे बचने में सुविकः के सिए: बीर/बा
- (अ) एसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए;

सर्थः जब, सक्त अधिनियम की धारा 269-ग को बनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपदाला (1) के बधीन, निम्निसिक्त अधिकारों, अर्थात :---- 1. मैं० रिबन्द्रा प्रोपर्टीत प्रा० लिमि०, 2 दिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. पी० ए ां० बेदी सुपुत्र श्री दरकारा सिंह, बार हरपाल एस० चावला, सुपुत्र पी० एस० चावला, 95, गोल्प लिक, नई दिल्ली-1।

(अन्तरिती)

को बह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मीस के वर्जन के शिष्ट् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (थ) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर छक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वह्नथ किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा, अभोहस्ताकरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरणः— इसमे प्रयुक्त खब्दों और पद्यों का, जो उक्त स्थि-नियम के सभ्यात 20-क में परिभाष्टित हैं, नहीं कर्भ होगा, जो जस सभ्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

फ्लैट नं॰ 104, तादादी, 1500 वर्ग फिट, प्रथम खंड, ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 3-3-1986

इक्स् नार्द्<u>दी, एन्. एच</u>्.------

मायकर निधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की; भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत बरकार

कार्यस्थ, तहायक नायकर वायुक्त (निर्दाक्ति)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांग 3 मार्च 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/ 1965--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्याम करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी मं० फ्लैंट नं० 611, है तथा जो ग्रुप हाउसिंग काम्गलैनस, 2 तिल ह मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणिध है), अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन, नारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिघात से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और जत-रिती (अंतरितियाँ) को बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अंतरण निम्नित में बास्तविक कर से किश्त नहीं किया नमा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत. उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (त) एमी किसी जाय या किसी भन या अन्य ब्रास्तियों को जिन्ह भारतीय काथकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय। या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) जे करीय भारतिकाल व्यक्तियों, जबात हुन्न 37—26 GI/86 मैं० रिवन्द्रा प्रोपर्टील प्रा० लि०, 2 तिलक मार्ग नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री निमल बंसल, बी-336, नई फेंड्स कालोती, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मृति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओब :---

- (क) इस स्थान के हायपत्र में प्रकाशन की तारीय थें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की संबंधि, धो औ संबंधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदस स्वित्यों में से किसी स्वित्य द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दिलबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थळिकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिन्दम के अध्याय 20-क में परिभाविश है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याद में विका नवा है।

जन्स्थी

फ्लैट नं० 614, तादादी 1500 वर्गे फिट, 6वां खंहै, ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्गे, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीखा: 3-3-1**98**6

व्यक्त वार्वा, यो , युव , युव , --------

राम्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-प (1) के वभीन सुचना

भारत संस्कार

भार्यातय, सहायक बायकर बायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां ह 3 मार्च 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/ 1966--अत:, मुझे, आर० पी० गजेश,

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक़े परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्पीर जिसकी संज फ्लैट नंज 607 है, तथा जो ग्रुप हाउसिंग काम्प्रलैक्स, 2 निलंक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उनाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), अर्जेन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाधार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्मजान प्रतिफस तो, एसे दश्यमान प्रतिफस का अस्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण विवित में बास्तिकक रूप से किया महीं किया गया है:—

- (क्क) अन्तरण ते हुई किसी शाय की, बाबत, खक्त अधिनियम के संधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिक्; और/या
- (क) एती किसी आव वा किसी भन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अमारिसी त्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा केंसिक;

नतः अव, उस्त नविनियम स्त्री भारा 269-ग के अनुगरण में, मंं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) कू मुधीन, रिम्निनिशिक व्यक्तिकों, क्योंक क्रान्य 1. मैं० प्रविन्द्रा प्रोपटींच प्रा० लि०, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री उपा भवन दाम, 32/27, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के निष् नार्यवाहियां करता हुं।

रक्त सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इत मूचना के राज्यक में प्रकाशन की रार्यक वे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवोंक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इसस्चमा के राजपण में प्रकाशन की लाटीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितकक्ष किसी कन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के अधि विश्वित में किए वा सकी।

अनुसुची

पलैट नं० 607, तादादी 1500 वर्ग फिट। 6वां खंड, ग्रुप हाउसिंग कामलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

नारीख: 3-3-1986

प्ररूप बाई.टी.एव.एव. -----

नायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के अभीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यासम, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजाँन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां क 3 मार्च 19856

निवेश सं० आई० ए० सी०/एस्यू०/1/37—ईई/7-85/1967—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नायकर निधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतमें इसके परवात् 'उक्त निधीनयम' कहा गया हैं), की भारा 269 के निधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धित, जिलका उपैधत बाजार मृज्य 1,00,000/- रह से निधिक हैं

मौर जिसकी सं० पलैट नं० 606, ग्रुप हाउसिंग काम्पलैवस है, तथा जो 2 तिल र मार्ग, भई दिल्ली में स्थित है (श्रींप इसमें उपाधन्न अनुसूची में श्रींप पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, भई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन, तारीख जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्ल संपत्ति का उचित बाजार भूत्य, उसके क्रयमान प्रतिकल से एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिकृत से निथक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियीं) के बीच एने अन्तरक के किए तब पाया पवा अतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण निजिब्द में बास्त्रिक क्य से कथित नहीं किया पवा है अ—

- (क) बग्वरूज वे हुइ जिल्ली बाय की बाबत, उक्त बिधियम के अधीन कर देने के बन्तरक के खिराल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (क) एसी किसी आब थ। किसी धन वा अच्य जास्तिथों का, जिन्हीं भारतीय जायकर जिथिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, जिन्नाने में स्विधा के निक्;

बत: जंग, उन्त बिधिनियम की धार्य 269-ग के बनुसरण भी, मी, दश्त बिधिनियम की धार्य 269-ग की उपधार्य (1) के प्रधीन, निम्मजिवित व्यक्तियों, वर्षात् क्र— मै० राजिन्द्रा प्रोपटींच प्रा० लि०, 2 तिलंक मार्गे, मई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राजेश मस्होन्ना, राकेश मस्होन्ना, श्री-3/2 (जी० एफ०), **बसं**स विहार, न**ई** विल्ली। (अस्तरिती)

को यह सूचना पोर्टी कर्रेके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिमां तुरू करता हुं।

डक्त संस्पत्ति के वर्षन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वीकर्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ।
- (क) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्सकुर्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वादा, अभोहस्ताक्षरों के वीर्के विकित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमे प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

अनुसुची

फ्लैट नं० 606, तादादी 1500 वर्ग फिट 6वां खंट, ग्रंप हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज∸1, नई दिल्ली–110002

तारीख: 3-3-1986

प्रकृत वार्षं हो प्रवृत्यक

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्वीत स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1986

निवंश सं० आई० ए० सी०/एन्यू०/1/37-ईई/7-85/ 1968--अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर बृधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व ध्यामें इसके प्रश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 507, ग्रुप हाउसिंग कामप्लैक्स है तथा जो 2 तिलक मार्ग, हिंदिस्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजस्ट्रीकत्ता ग्रधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन, तारीख जुलाई, 85

को प्योंकत सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य में कम के पश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रथयमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) हे अभीन, निरमिश्वित व्यक्तिओं अर्थात् - मै० रिवन्द्रा प्रोपर्टीज प्रा० लि०, 2 विवक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

डा० श्रीमती रीता प्रशाद, पांसी प्रशाद, सहागरी एलए,
 4/285ए, विश्वनपुरी, कानपुर।

की बृह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उन्त हम्मीस के वृर्धन के सम्बन्ध में काई भी वासीय :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन क्ष्मी तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्* िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पश्च लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

फ्लैट नं० 507, 1500 वर्ग फिट पांचवा खंड, ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली-110002

तारीख: 3-3-1986

प्रकष् वाद् .टी.एग.एव. ======

कावकर विधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वृधीन स्वना

CHI TOTAL

फार्याचय, सहायक नावकार आयुक्त (विरक्षिक)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37—ईई/7-85/ 1969——अन:, मझे, आरं० पी० राजेश,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० फ्लैट नं० 405, ग्रुप हाउसिंग काम्रलैक्स, है 'स्या जो 2 निलंग मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसेंग उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), अर्जन रेंज—1, नई दिल्ली में भारतीय आयं गर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन, नारीख जुलाई 85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए रीजस्ट्रीकर्ता विलंख के बनुसार जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संभापविभित्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके स्थयमान प्रतिफल से, एसे इस्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से विभिक्त है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के कीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित स्थ्येय से उक्त अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित स्थ्येय से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है "

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ अस्तिरती ब्वाश प्रकट नहीं किया गया था किया पाना चाहिए था, ख्रिपान में स्विधा वे विवा

अतः वव, उक्त विभिनियम कौ धारा 269-न के जनुसरण में, में, उक्त विभिनियम कौ धारा 269-म कौ उपधारा (1) है बचीन, निम्निसिवत स्पृत्तिकों, वर्षात् ध--- मै० रिवन्द्रा प्रोपर्टीज प्रा० लि०, 2 तिलक मार्ग नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती हरपाल कौर, जगजीवन कौर, मनजीत इंबर-पाल सिंह, सुखविन्दर पाल सिंह, 303, प्रसंस भवन, 16, के० जी० मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूनाँक्त सम्पर्टित को वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वृर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के हाजपत्र में प्रकासन की तारीश से 45 दिन की जबीं भागा तत्सम्बन्धी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य स्थावत द्वारा, बधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए का सुकेंचे।

वर्ष्युची

पलैट नं॰ 405, तावादी 1500 वर्ग फिट, 4था खंड, ग्रुप हाउसिंग काम्पलैंक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

मारीख: 3-3-1986

त्रकार सार्वा हो हो । एक व्यक्त स्टब्स

नाथकार जर्भागवस, 1961 (1961 का 43) की शहर 269-क (1) के अभीन क्लेगा

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भावकर जावुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश सं अाई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/1970--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

नामभद निधिषयम, 196. (1931 का 43) (जिसे इसमें इसको परचात् 'उनत निधिनियमें कहा गया हैं), को धार्च 269-थ के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्नास खरने का कारण है कि स्थानर सम्मित्त, चित्तका उचित नामास मुख्य 1,00,000/- रा. सं विधिक है

प्रांर जिसकी सं० फ्लैट न० 314, ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स, है तथा जो 2 तिला ह मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (प्रांर इसमें उपाबद्ध अन्सूर्च, में प्रांश पूर्ण रूप में वर्णित है), अर्जन रेंज—1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिशयम, 1961 (1961 का 43) के अधीन, तारोख जुलाई, 85 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित नावार मूक्य से कम में क्यमान रिफल से तिए मंतरित की नई है और मूमे यह निश्वास करने हकों का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का अधित नावार मूक्य, उसके स्वयमन प्रतिकृत से, एसे अयमान प्रतिकृत का चंग्रह प्रतिकृत से व्यक्त प्रतिकृत से, एसे अयमान प्रतिकृत का चंग्रह प्रतिकृत से व्यक्त प्रतिकृत की किए तय पाया गया अतिकृत , निश्नामिक्त उद्वक्त के उसत अन्तरण सिक्ति में वास्तिक , निश्नामिक्त उद्वक्त के उसत अन्तरण सिक्ति में वास्तिक रूप से किन्तर में किन्त का से किन्त नहीं किन्त नया है है—

- (क) वन्तरूप वे हुई विश्वी नाम की नावत करन निध-निवन की नवींग तार दोने की वन्तरूक को दावित्व में कभी करने वा उदाचे स्थाने तो वृद्धिमा के सिरुः और/मा
- (क) एंसी किसी बाव वा किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय वाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत वृद्धिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना चार्डिए था कियाने में स्विधा के विश्व

अतः सम्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, मैं, धक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

 मै० रिवन्द्रा प्रोपर्टीज प्रा० लि०, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं० तिरुपति सर्विस लि०, 84/105, जी० टी० रोड़, कानपुर (यू०पी०)।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्षक सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्बाइ 🚁

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकारण की सरक्षित हैं
 45 दिन की नवीं या तत्स्म्यन्त्री व्यक्तिमों पढ़
 क्ष्या की तामील से 30 दिन की नवीं में भी
 क्ष्यपि कर में समान्त होती हो, से भीतर पूर्णेक्स
 क्ष्मिक्सी में से किसी न्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के ट्रावपन में त्रकावन की तारीचा से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिवा-वव्य किसी मन्य स्थानत स्थाल अभोक्सावारी के पास जिसित में किए वा सकोंगे।

रक्ष्यक्रिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कव्यों मीर पर्यों का, थी जबक विभिन्नमा, से अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहुते कर्य होता, यो उक्त अध्याय में विका क्या ही।

मन्सूची

फ्लैट नं० 314, तादादी 1500 वर्ग फिट, तिसरा खंड, ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

त।रीख: 3-3-1986

क्षम् आर्द्, टी. एन्. एस्. -------

जाबकार जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म(1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्याजन, तहायक नायकर नायुक्त (विरोधिन)

श्रर्जन रेंज-1. नई दिल्ली

न**ई** दिल्ल[ि], 3 मार्च 1986

निर्केश सं० श्राई० ए० सी०/एवयू०/1/37—ईई/7—85/ 1971——श्रतः मुझे, श्राप्क पी० राजेश,

कावकर विधितिसम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसर्जे इसको प्रकार 'उन्त विधित्यम' सहा गया हैं), की वाद्रा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० पलैट नं० 312, ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स है, तथा जो 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रुजंन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम. 1961 (1961 का 43) के श्रधीन, नारीख जुलाई, 85 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मून्य से कम के स्कमान श्रीराक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते गह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मून्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीज देवें बंदरण के किए इव पावा गया प्रतिफल निम्नितिवित उद्देश्य से उच्च कन्तरण निम्नितिवित ये वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया वया है।

- (क) वजरण वं हुइ' किसी बाद की शबस, उनक विम्नियम के बचीन कर हमें के ज्लाप्टक के बाजिरन में कभी करने या उनसे अचने में सुनिधा के लिए? जॉर/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या कन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय आयकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन्-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया धन्म वाहिये था, कियाने में सुविधा के लिए:

बतः अव, जक्त अधिनियम की भारा 269-म की बन्तरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीय - निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थः क् 1. मैं॰ रिवन्द्रा प्रोपर्टीज प्रा॰ लिमि॰, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

मैं० शिवानी श्रम्रवाल एण्ड एच० के० अग्रवाल,
 42, जनपथ, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को बहु बुचना बाट्रों करके पूर्वोक्त कथाहित के बर्बर से बिश कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उन्तर संपरित के सर्जन के संबंध में आहे भी बाओ। .--

- (क)। इस नुवना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीव वे 45 दिन की बर्बीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अविधि, वो भी बर्बाभ बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वोक्त व्यक्तियों में संकिसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए था सकोंगे।

स्वच्छीकरणः----इससे प्रयुक्त कव्यों और पदों का, वां उन्तु वृध्ि-वियम के ब्ष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होता, वो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

फ्लैंट नं० 312, ताबाद्री 1500 वर्ग फिट, तीसरा खंड, ग्रुप हाउसिंग काम्पर्लीक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> सार० पी० राजेण पक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज∼1, दिल्ली, नई दिल्ली∼110002

तारीख: 3-3-1986

प्रकृष आहें . ही . एन . वस . -----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नामकर नामुक्त (वि<u>र्</u>वीक्रम)

मर्जन रेंज~1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 3 मार्च 1986

निर्वेश सं० प्राई० ए० सीं० एक्यू० 1,37 — ईई 7 — 85 1 31972 — प्रतः मुझे, प्रार० पी० राजेश, बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मन्य

1,00,000∕- छः से विभिक्त हाँ

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 311, है तथा जो ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन, तारीख ज्लाई, 1985

का वृश्वीकत तकाति के जीवत बाजार मृत्य ते अस के दश्यमान अधिक के निष् बस्तीरत की गई है जीर मृत्रे वह विश्वाध करने का कारण है कि स्था पृथीकत तकाति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थममान प्रतिकत हो, ऐसे स्थममान प्रतिकत के पंत्र प्रतिकत से अधिक है जीर अंतरक (अंतरका) और अंतरिकत (जंतरिता) के बीच ऐसे अंतरक के निए तथ पाया गया प्रतिकत, निम्निजित उद्देश्य से उथत अन्तरण निश्चित में वास्त्रिक क्या के कथित नहीं किया गया है र——

- (क) जन्तरण से हुद्दै जिस्सी जाय की वाबत, उक्त जिथितियम के अभीन कर दोने के अभ्यारक के वायित्व में अभी करने वा उससे वचने में सुविधा के सिए; जॉर/या
- (ब) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों करी, जिन्हों भारतीय आयकर जिधिनयज्ञ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियज्ञ, या धनकर जिधिनाम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए;

जनः अवः, सक्तं जीभनियमं की भागं 269-ए की जनसरण मो, मी उक्तं जीभनियमं की भारा 269-ए की उपभारा (४) है जभीतः, निम्मीलांखतं व्यक्तियों, वर्षात् ६1. **मै॰ रविन्द्रा प्रापट**िंज प्रो॰ लि॰, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

2. श्री भ्याम मनोहर शुक्ला, श्रार०-3, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली-1।

(ग्रन्तरिती)

को बहु कुष्ता थाड़ी कडको पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन को सिक्ष कार्यवाहियां करता हो।

समत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क्) तब सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा के 45 दिन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तिमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, को धी सर्वाध माद में समाप्त हारेती हो, के भीतर पूर्वीक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवच्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्थाकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों बार पदों का, वा उपर अभिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याद में दिवा पदा हो।

जन करते

पर्लैट नं० 311, तादादी 1500 वर्ग फिट, 3वाँ ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> श्चार० पी० राजेण पक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्वायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख: 3-3-1986

प्रक्य कार्यु इती.. एन , एक 🗸 🛎 🗷

जावकर निभित्तम्, 1961 (1961 का 43) की वार्ट 269 ज्(1) के नभीन सुपना

माइब बङ्गाह

कार्यासम, सहायक मायकर बायुक्त (निर्दाक्त)

श्रर्जन रेंज-1, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 3 मार्च 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी गुण्क्यू गृ1/37 ईई गृ7-85/ 1973--श्रतः मुझे, स्नार० पी० राजेश,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्चात् 'छक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 209-व के अभीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 209 है तथा जो ग्रुप हाउसिंग कम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपाव अनुसुची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) अर्जन रेंज→1, नई दिल्ली में भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के क्यानान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिधक रूप क्या से किया वहाँ किया प्रा है कि

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जीभीनवश्र के जभीन कर देने के जन्तरक के दासित्व के कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; वॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिलाने में स्विथा के सिए;

सत: वथ, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के बन्धरण को, को, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को उप्धीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५००-38—26 GI/86 (1) मैं रिविन्द्रा प्रापर्टीण प्रा० लिमिटेड, 2, तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्री कपिल वैश सुपुत्र श्री ओ० पी० वैश, ग्रीर मधुलिका वैश, 25, हनुमान रोड, नई दिल्ली।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वितर का बिक्यों में से किसी व्यविस द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीकां से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में विया वया हैं।

अनुसूची

प्रथम खण्ड 209, तादाद 1500 वर्ग फीट 2 खंड ग्रुप हाउसिंग कम्लैपक्स, 2 ,तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायक्त निरीक्षण) ार्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख : 3-3-1986

~~

HER STATE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रैंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाँक 3 मार्च 1986

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/7-85/ 1974 अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात जिन्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उविश्व बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 203, ग्रुप हाउसिंग कम्पलैक्स, है सथा जो 2, तिलक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबब श्रमुस्थी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन, तारीख जुलाई, 1985

की प्रचेशित संपरित के उचित बाबार म्ल्य से कम के दिश्यमान विकास के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्यूह विश्वास से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यूह वित्तित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय नामा यया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उचत अन्तरण लिखित भें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) मन्तरण वे हुई किती शाय की बायत्, उनतः भौधीनयम के अधीन कर दोने के जन्तरक सें बायित्य में कमी करने मा उसते वकते में सुविधा के हिंगर; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या कन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनाथं अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना सरीहार था, जिल्लाने में सुविधा औं लिए;

- (1) मैं०रिवन्द्रा प्रापर्टी गप्रा० लिमिटेड, 2, तिलक मार्ग, नई दिल्ली। (श्वन्तरक)
- (2) श्रीभ्रार० डी० मायुरएण्ड संस (एच० यू०एफ), 315, रानी झांसी रोड, नई दिल्ली। (सन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उच्च कम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी कार्क्ष :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकावन की तारीच से 45 दिन की जनभिया तत्स्त्रीं व्यक्तिकों वर सूचना की तामीस से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभिवाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श काफ्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (व) इत सूचना के खावपण में प्रकाशन की तारींच है
 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्नारा अधोहस्ताक्षरी के
 कुछ सिचित में किए का हकोंचे।

नन्त्रची

पलैट नं ॰ 203, तादादी 1500 वर्ग फीट दूसरा खंड ग्रुप हाउसिंग कम्पलैक्स, 2, तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली

बतः बतः, उक्त विधितियम की धारा 269-ए के बल्तरणः में, में उबत क्रिधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीत, निम्निविखित व्यक्तियों, क्यांस्तु र—

तारीख: 3-3-1986

प्ररूप भार े. टी. एन . एस. ------

नायकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अधीन सुनना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, धम्बई

नई दिल्ली, दिनौंक 3 माचै 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई०/7-85/ 1975---श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश;

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस रें इसके परचात् 'उक्त निधीायम' कहा गया है), की भारा 269-क के न्धीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से निधक है

भीर जिसकी सं० पलैट नं० 201 है तथा जो ग्रुप हाउसिंग कम्पलैंक्स, 2, तिलक नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रायकर सिंधिन्यम, 1961 (1961 का 43) के अधीन तारीख जुलाई, 1985

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसते अधने में सुविधा के तिए; बाँद/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, जन्त अधिनियम की धारा 269-च के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बुधीन, निस्निसिक स्पित्वों के कर्त क्र—

(1) मैं ० रिबन्द्रा प्रापटीं ज प्रा० लिसिटेंड, 2, तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) डा० विनोद वर्मी ग्रीर डा० (मिसेज) श्रार० वर्मा, सी-372, नई सड़क, दिल्ली। डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में से किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही वर्ध होगा, जो उग्र अध्याय में दिका गया है।

वन्स्ची

पलैंट नं० 201, तादावी 1500 वर्ग फिट, दूसरा खंड, ग्रुप हाउसिंग काम्पलैंक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

श्रार० पी० राजैश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण') श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 3-3-1986

मारुप बाहु हो हुन हुन हुन

नायकार मिश्रीन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के सभीन क्षमा

बार्ख दरकार

कार्यातव, बहायक वायकर बायूक्त (विर्वेशक)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1986 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-**ईई/7-8**5/ 1976---अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 113 है, तथा जो मुप हाउसिंग जाम्मलेक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इसमें उपाबद अनुसुची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), -1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) के अधीम, तारीख जुलाई 85 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की नहीं हैं और मुक्ते यह विश्वाद करने का कारण है कि यंजापूर्वोक्त संपति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से विभक्त हैं और अन्तरक (बन्दरकों) और बन्तरित (अन्तरितियां) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब नामा गया प्रतिफल , निम्निसिवत संद्रिय से सकत बन्तरण सिवत में वास्त्विक कम से कियत नहीं किया ववा है अ—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त निष्नियम के अधीन कर दोने के ब्लाइक के दानित्व में कभी करने ना उन्हों नुष्ये में सुनिया में जिल्ला मेंड-/बा
- (व) एसी किसी जाय या किसी धण वा जन्य जास्तिवी की चिन्हीं प्रारतीय जायकर जिपिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

नत्त , इन, उन्त निभिन्न भी भारा 269-न ने नन्तरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क नधीन, निम्मिनिचत व्यक्तियों, वर्षात् ≝— 2. मैं० रविन्द्रा प्रोपर्टीज प्रा० लि०, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 मिसेस उषा राजन, सी-4, लाजपत नगर-3, नई दिल्ली-1।

(अन्तिरिती)

व्यक्ति क्षा काडी कड़के पूर्णीक्य क्ष्युरित् के वर्तन के विद्य कार्यवाहियां कड़का हुन्।

क्ष्मत सम्पृतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुतारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवेदत में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-का में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

फ्लैट नं० 113, तादादी 1500 वर्ग फिट, प्रथम खंड, ग्रुप हाउोंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 3-3-1986

प्रारुप आई.टी.एन.एस.-----

स्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के अधीन सूममा भारत सरकार

भायस्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांठ 3 मार्च 1986 निदेश स० आई० ए० सो०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/ 1977—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर किंपिनस्थ, 1361 (1961 का 43) (जिस् इसमें इसके परचात् 'उक्ट अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 109, है तथा जो ग्रुप हाउसिंग काम्यलैन्स, 2 तिल ह मार्ग, भई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसने अशबद्ध अनुश्रुची में ग्रीर पूर्ण रूप से व्यक्ति है), अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आगक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन, तारीख जुलाई, 85

को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृस्य से कम के स्वयमाः प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विवयस करने का कारण है कि यथाप्वॉक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पंथ्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरच के लिए तय पाया गया प्रतिफल का, जिम्हिलिशत उद्वेष्य से उक्त कन्तरण लिखित में वास्तिका क्या से किया नया है हि—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त जिम्मियम के अभीन कर देने के जंतरक जी शाजित्व में कमी कृ<u>दने</u> वा उससे वचने में कृ<u>ति</u>शा जै सिए; ब्रोड/वा
- (क) प्रेसी किसी बाय या किसी बन या बम्ब बारिस्क्तें को, जिन्हें भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त विभिनियम, या धन-कर विभिनियम, या धन-कर विभिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ जन्तरिती बुवाडा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खिपाने में सुविधा के तिस्;

नतः वन, उन्त विधिनियम, कौ धारा 269-ग कै नम्सरण नों, मों, उन्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को नभीन, निस्तिसिचल व्यक्तियों, जमौत् क्र--- 1. मैं० राजिन्द्रा प्रोपर्टीन प्रा० लि०, 2 तिलाइ मार्गे, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2 श्रीमती अनुराधा दत्त, सी-11, 29/31, प्रोबियल रोड़, दिल्ली यूनियसिटी, दिल्ली।

(अन्तरिती)

की वह सूचना चारी कर्ड़ प्वॉक्त चन्परित के अर्थन के सिद् कार्यनाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति को भर्जन को सम्बन्ध में कोई साक्षेप हि—-

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस के 45 दिन की सविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के धीतर पूर्वोदर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूत्रमा के राज्यम में प्रकाशन की वारीन हैं
 45 विनृष्टे भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबबुध किसी सन्य स्थानत द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए आ सकेंगे।

भिष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदौं का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिशादित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिरः वदा हैं धें

वन्स्यी

फ्लैट नं० 109, तादादी 1500 वर्ग फिट, प्रथम खंड; ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 3-3-1986

प्रकप थाई हो एत एस् ------वायक द्र विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन स्वमा

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश स० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37—ईई/7-85/ 1978—अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उकः अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- ं से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव पलैट नंव 108 है, तथा जो ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), अर्जन रेज-1, नई दिल्ली भारतीय रिजम्ट्रीकरण अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन, नारीख जुलाई, 85

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्दोश्य से उक्त अंतरण लिखित में धास्तिक कप से किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/मा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः भव, उन्त विभिन्यम की भारा 269-ए के अनुसरण में, में, उन्नत विभिन्यम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैं० रिवन्द्रा प्रोपर्टीज प्रा० लि॰, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सूनील पसरीचा, 13 अलीपुर रोड़, दिल्ली--6। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ा

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को क्यां क्यां स्थाप, वो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, को अधित पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

शिष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 108, तादावी 1500 वर्गे फिट, प्रथम खंड, ग्रुप हार्जासग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्गे, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

नारी**ख:** 3-3-1986

प्रारूप आहें, टी. एन. एस्. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भागूनस (पिर्जीमण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/1979-अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

शायकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 26%-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रांर जिसकी मं० पलैट न० 106, ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स, है तथा जो 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रांर इसमें उपाबद्ध अनुसुची में ग्रांर पूर्ण रूप में विणित है), अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन, तारीख जुलाई 85

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उ**चित काजार मृल्य से काम के व्यवनान** प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई **और** मुभें यह विद्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया पया प्रतिफल, निम्निलिचित उब्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वत में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाब की बाबस, उक्स मधिनियम के बधीन कर दोने के बतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; जीर/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बारिस्त्यों की, जिन्हों भारतीय अगयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था. स्थिन में सुविधा के लिए:

अतः अष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अयिक्तमों, अर्थात :--- मै० रिवन्द्रा प्रोपटींच प्रा० लि०, 2 निल र मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रीत् कुमरेजा, द्वारा महाराजा होटल, 1483, एस० पी० मुखर्जी मार्ग, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पृथीकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में काई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदौं का, वो उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 106, तादादी 1500 वर्ग फिट, प्रथम खंड, ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 सिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जिम रेज~1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 3-3-1986

प्रस्त भार^के हों _य प्रस्_{त प्रस्}त कर कर सम्बद्ध

भायकर व्यथिनियम, 1981 (1981 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन स्वता

STATE STATES

कार्याजय, बहायक नायकर नामुक्त (निर्दाक्षक)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांग 3 मार्च 1986 निदेश म० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/ 1980--अन: मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की शाख 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाबार मुख्य 1,09,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 105, है तथा जो ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, मई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसते उपाबद्ध अनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), अर्जन रेंज—1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन, तारीख जुलाई 85 को पर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के राज्यान नियम के लिए बन्तरित की गई है और ग्रुमें यह विश्वास रूप, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पन्नह इतिकाल में शिक्त है और अन्तरित (बन्तरित में शिक्त है और अन्तरित (बन्तरित में शिक्त है और अन्तरित का पन्नह इतिकाल में शिक्त है और अन्तरित (बन्तरित में ग्रीस का प्रतिकाल में शिक्त है और अन्तरित विश्वास प्रतिकाल में शिक्त है और अन्तरित (बन्तरित में ग्रीस का प्रतिकाल में का प्रतिकाल में विश्व प्रतिकाल में विश्व प्रतिकाल में व्यवस्त में स्वास प्रतिकाल में विश्व प्रतिकाल में विश्व प्रतिकाल में व्यवस्त मन्तरित जिल्ला में वास्तिक स्प है किया प्रतिकाल मन्तरित जिल्ला में वास्तिक स्प है किया प्रतिकाल मन्तरित जिल्ला मन्तरित म

- (क) अन्तरण वे हुई किसी शाव की शावत, बजर विधिनियम के वधीय कर दोने में अन्तरक के दावित्य में कभी करने वा प्रत्ये वचने में सुविधा के सिद्धा बड़ि/वा
- (व) एंसी किसी बाव वा किसी वन या बन्य जास्तिकों की जिन्हों जारतीय जासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा स्त्रे लिए।

जत: अब, अबत विधिनियम की भारा 269-ए के बनुसरण इं, तो इन्छ विधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) चे त्थीय, जिस्मीजिखित व्यक्तिकार्ये, व्यक्ति क्रिक्स 1. मै० रिवन्द्रा प्रोपिशि प्रा० लि०, 2 तिलक मार्ग, सर्ह दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री राज कुमार सेठी, जी~18, जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना वारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुई ॥

बनत सम्मरित के बर्चन के संबंध में कोई भी भाषांच ह—

- (क) इस सूचना के राजपूत्र में प्रकाशत की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य स्थावत ब्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विविक्त में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त क्षम्यों नीत वयों का, जा सनव निधिनयम, के नध्याय 20-क में परिधावित इं, वहीं वर्ष होना को उस मध्याय में विद्या नुद्रा है।

वग्यनी

फ्नैट नं॰ 105. तादादी 1500 वर्ग फिट प्रथम खंड, प्रुप हार्जीसग काम्पलैनस, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख: 3-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जेश रेंल्-1, पर्ड दिल्ली नई दिल्ली, दिशांक 4 मार्च 1986 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85 1981--अन: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसक पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत से अधिक हैं श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 102, ग्री हा इसिंग काम्पलैक्स है, तथा जो 2 निलंह मार्ग, नई निक्ली में विधन है (फ्रीर इससे उपाबद अनुसूची में थीं? पूर्ण रूप से विणित है), अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भागतीय किस्द्री जनग अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीत, वारीख ज्लाई 85 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के उदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्दहै और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्तू अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गये हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त जिथिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तरी बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गयम था या किया जाना चाहिए था, छिपाने जें स्विधा के लिए।

अतः प्रव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अकत अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारार (1) के अधी भित्रम्निस्थित व्यक्तियों, अथिह :--- मै० रिवन्द्रा प्राप्तर्टीज प्रा० लि०, 2 तिलक मार्ग, नई विल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती कुमुद गर्ग पत्नी बी० के० गर्ग, किशोर हाउस, अंसदा रोड़, पानीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पर्वोक्त सम्परित के अर्जन के तिए कार्यवाहियां कारता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में सम्बन्धि नेति हों, के भीतर पूर्वींक्त व्यक्तियों में से किसे. व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन को भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास सिविद में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जे उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

अम्सूची

फ्लैंट नं० 102, शादादी 1500 वर्ग फिट प्रथम खंड, ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> कार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

भारीख: 4-3-1986

मोहर:

39-26 GI/86

शायकर अभिनियम, 196, (1961 के 43) की पाछ। 269-च (1) के अभीन मुख्या

ALCO GRAVE

कामलिय, यहायक आमकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जीय रेजि-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिलांक 4 मार्च 1986

निषेश गं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85 1982--अत: मुझे, आए० पी० राजेंग,

भागकर भौभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें १सके पश्चात् 'उक्त किश्रीनयम' कबर गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकाणी का यह नियास काण का कारण है कि स्थायर सम्बद्धाः, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से काचक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 10! है तथा जो ग्रुप हाउसिंग काम्नलैक्स, 2 तिल ह मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में मारतीय भायार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के नेवीन, गारीख जुलाई 85 को प्रॉन्स सम्पास्त के जिल्ला बाजार मल्या से कम के अध्यकान

को प्रशिक्त सम्पर्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान मितफल के जिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रधापूर्वीक्त संपत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल मे, एमे क्रग्यमान प्रतिफल का प्रेम क्रग्यमान प्रतिफल का प्रेम क्रियमान प्रतिफल का प्रेम क्रग्यमान प्रतिफल का प्रेम क्रग्यमान के लिए तम क्रम्सिती (अन्तरिसिमी) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम प्राया गया प्रतिफल, निम्निसिक्त उद्योक्त से उक्त अन्तरण विस्ति में वास्तरिक क्रथ से क्रियत नहीं क्रिया गया है ——

- (क) अन्तरण सं हुई फिसी आय गरे आहत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अबने में सुविधा के सिए; और/बा
- (स) एंसी किसी बाद या किसी अब बा अन्य जारिसयाँ करें, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन एर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती ब्नाय प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए था, खिपाने में स्विधा थे जिए;

अत: ७॥, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें मैं, उक्त अधिनियम की धारा-269-च की उपधारा (1) में अधीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अधीत्।:--- 1. मैं० श्विन्द्रा प्रोत्तर्टीज प्रा० लि०, 2 तिल्हा मार्ग, नर्ष विल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती उर्वशी प्रकाश झा, रुवेरा मानका झा, एल--७-ए, ग्रीन पार्क, कई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके वृत्रीक्स संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस बूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविध मा तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृतीं क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उम्स अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

जन्त जी

फ्लैट नं 101, तादादी 1500 वर्ग फिट, प्रथम खंड, पुप हाउसिंग सोसायटी हाम्पलैम्स, ,2 तिलक मार्ग, नई दिख्ली।

> आए० पी० राजेश सदम प्राप्ति गरी सहायक आयक्तर आयुक्त (तिरीक्षण) अर्जैस रेंज~1, दिल्ली गई दिल्ली~110002

सारीख: 4-3-1986

प्ररूप् आइ. टी. एन. एस . -----

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज~1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

किनेण सं प्राई० ए० सी०/एस्प्र०/1/37--ईई/

निदेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7--85/ 1983—अत: मुहो, आय० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चाद 'उदद पर्रातियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थादर संपत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक हैं और िसकी सं पत्ति सं 102, है तथा जो ग्रुप हाउसिंग काम्पर्लंगस, 2 विश्व मार्ग, वई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीए इसले उजाबद्ध अनुपूर्ण में ग्रीए पूर्ण रूप से विणित हैं), अर्जन

रेंज-1, भई दिल्ली में भाष्तीय आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) के अधीय, वारीख जुवाई 1985

का पूर्वाक्त मपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दरमान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दर्यमान प्रतिकल से, एसे एद्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में दास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—~

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, जकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे दखने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, । धन-कर अधिनियम, । धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 5,) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं । क्या गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैं० अपन्द्रा श्रीपर्टीज प्रा० लि०, 2 तिलक मार्ग नर्षे दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री श्रो० पी० मेहरा, ऐंड सुनीत मेहरा, 6 कांटा, लिटल निब्स रोड़, बम्बई।

(अन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके प्वॉक्स सम्बक्ति क्षेत्र वर्ण वर्ण वर्ण स्थापन क्षेत्र स्थापन क्षेत्र स्थापन क्षेत्र स्थापन क्षेत्र स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थाप

समत सम्परित के वर्षन के सम्पन्य में कोई भी वाहोंच 🕬

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीब के 45 विन् की अवधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीकत स्विन्तयों में से किसी व्यक्ति ब्रायतः;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से बंध दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति इसारा अभोहस्ताक्षरी की पास किसास में किए जो सकीय।

अन्सू औं

फ्लट तं > 602, तादादी 1500 वर्ग फिट; 6वां खंड, प्रुप हाउसिंग जामलैक्स, 2 तिलाह मार्ग, नई दिस्ली।

> आर्० पी० राजेश सञ्म प्राधिकारी सहायक आयडार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंनरेंज—1, दिल्ली, गई दिल्ली—110002

नारी**ख:** 4-3-1986

प्ररूप आर्द्र.टी. एन. एस. ------

नायकार अभिभित्रम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

शामीलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मर्ड दिल्ली

मई दिल्ली, दिमांक 4 मार्च 1986 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/ 1984--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन इसने इसके पश्चात् 'उनत निधिनियम' कहा गया हैं), की पाध 269-- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, चिसका उचित नामार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 604, है तथा जो ग्रुप हाइस्मि 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबब अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयार अधिनियम,

1961 (1961 का 43) के अधीन, तारोख जुलाई 85

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का मेनूह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जंतरण से हुंदे किसी जाब की बाबत, उक्त जिमितियम के अभीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, भें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नजिक्किस व्यक्तियों, वर्षात् :— मैं० प्रतिन्द्रा प्रोस्टींज प्रा० लि०, 2 तिलक मार्गे, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2: श्री इस्तर अध्तर, 2557, बारादरी बल्लीमारान, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां क्रुफ करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस भ
 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों ५२
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त क़ोती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीक क्षे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिहा-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्का अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उन्न अध्याय में विद्या गया है।

पनुसूची

प्लैट नं० 604, तादाक्षी 1500 वर्ग फिट, 6वां ग्रुप हाउसिंग काम्प्लैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सन्तम प्राधिकारी सहायक आयक्कर आयुक्त (विरोक्षण) अर्जन रेज-1, दिल्ली, भई दिल्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

प्रकल बाहर् हो. एव. एस. ------

बाबबाद अधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) को बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक अयकर बायुध (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/7-85/ 1985--अत: मुझे, आए० पी० राजेश,

बायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम श्रीभकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सन्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से निधक है

श्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 609 है, तथा जो ग्रुप हाउसिंग काम्गलैका, 2 निलक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन, तारीख जुलाई, 1985

हो पूर्वेशित सम्मित्त के उचित नाजार मृत्य स कम के दश्यभाम प्रतिकास के लिए नंतरित की गई है जौर मुभ्डे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथान्यांक्त सम्मित्त का उचित नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ते, एते दश्यमान प्रतिफल कर पन्द्रह प्रतिवात से निधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्निसिवित उद्योग्य से उसत मन्तरण निचित में गस्तिकार स्प से किथत नहीं किया गया है:---

- (क्) बन्तरण वे हुई क्रिकी जान की बावत , जल विधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के शामिल्य में कनी करने या उससे वचने में सुविधा वृँ विश्व विद्यार्थ करि/वा
- (क) ऐसी किसी नाग था किन्छ भन था क्रन्य आफ्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अवत अधिनियम था भनकार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ववा वा वा किया जाना चाहिए ना, किनाने ने सुविधा के लिए;

जबः जबः, जनत अभिनियम्, की भारा 269-म के अनुसरण को, मी, उनत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत, ऍंंनिसीकक व्यक्तिकों, अभीत है—— 1. मै॰ रिवन्द्रा प्रोपर्टीण प्रा॰ लि॰, 2 तिलक मार्ग नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री एम० के० शरदा ऐंड आर० ए० शंहरतारायन
 155, पनपपोल्ले नगर, घोचिन, केरल ।

(अन्तरिती)

को वह त्यता वारी करके प्वॉक्ट सम्पत्ति के अर्थन के सिध् कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध मा तरसंबंधी अविकासी पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविध काद मो समाप्ता होती हा, के भीगर पूर्वे कर अविकासों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाचन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बल्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास लिस्बित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरण:--इतमें प्रयुक्त कको और पर्यो का, जो उक्त जिथितियम, के जभ्यात 20-क में परिभाषित हीं कही अर्थ होगा, जो उक्त कथ्यात में दिया वस ही।

धनुसूची

फ्लैट नं० 609, तादादी 1500 वर्ग फिट, 6वां खंड, ग्रुप हासिंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश संक्षम प्राधि हारी सहायक आयक्तर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जेन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिमांक: 4-3-1986

मोहरः

प्रारूप आहें.टी.एन.एस.

कायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन स्चना

भारत प्रकार

कार्यालय, सहायक मायकर आवक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, नई दिल्ली

न्हें दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० प्राई० ए० विरुप्तमू/1 एम्यू०/37 ईई 7/85-1986—-जतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आवकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- र. सं अधिक है

और जिसकी संख्या फर्नेट गं० 514, है तथा जो ग्रुप हार्सिंग काम्पलैंक्स, 3 जित्र मार्ग, एई दिल्ली अर्जन रेंज 1 में स्थित है (और इसके उना द्धा प्रमुखी में पूर्णक्ष से बणित है), कार्यालय नई दिल्लों में भारतीय 'तार्वर शिक्षित्रम 1961 (1961 का 43) के अर्वाभ तार्गल नई दिल्लों जुलाई 1985 को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिरफ्त के लिए अन्तरित की गई ही और

मुक्ते यह विश्यास करने का कारण हैं कि यथा
पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रति-फब से एंसे क्ष्यमान प्रीतफल का पन्द्रह प्रतिशत से अभिक हैं और कंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिलिखत उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया

- (क) अन्तरण ते हुई किसीं जाय की बाबत, उक्त जिमिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; जॉर/का
- (क) एसी किसी जाय का किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना बाहिए था छिपाने में स्विधा के बिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री धनुत्र रचिन्द्रा, फीपटीस प्रा० लिमि० 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली

(धन्तरक)

(2) श्रो निर्मला जन, 18, मेला राम मार्किट, चायडी बजार, दिल्ली।

(अन्तिरिती)

को बहु सूचना चारी करके प्वोंक्त सम्पर्हेत्त नै वर्षन के मिए कार्यवाहियां शुरू करता हो ।

वनत् सम्मन्ति के मर्चन् के सम्दन्ध में कोई भी आर्थन

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील सं 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास सिवित के किस का बचेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, कही अर्थ भिनेता जो उस अध्याय में दिया भया क्ष्णै ।

धन्स्ची

फ्लैट नं० 514 ताहादी 1500 वर्ग फीट 5वां खंड ग्रुप हाउसिंग काप्लैक्स, 2 तिलवा मार्ग, नई दिल्ली

> शार० पी० राजेश सक्षम प्राधि गरी सहायक सामग्रस आयुक्त (तिस्थिण) श्रर्जन रेंज-, दिल्ली, मई दिल्ली

तारीख: 4-3-1986

तक्ष क्रम् स्री ध्रु हुद्ध, ज्यानाव्यक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-व (1) में अधीन गवना

भारत सरकार

ार्धिक्य, प्रज्ञायक शासकार काब्रुक्स (निरीक्सण)

ध्रजँन रॅंज-1, दिस्ली

नहीं दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश मं० झाई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई/7-85/ 1987—स्वतः महो, भार० पी० राजेश ,

शायतात्र अधितिसम्, 1961 (1961 का 43) (भिन्ने इसमें असके एकार जिल्ला अधितिसमा का कमा हाँ), की मान उत्तर-का को उपरित्त कलाम पासिकारी की वह विकास काले का काला है कि समापन स्थासि जिल्ला जीवन साजार सुन्ध 1 (10 000/- रा) से संस्थिक ही

और जिसकी सं० प्लाट नं० 513, है सथा जो ग्रंथ हार रिग काम्पलेक्स 2 तिलक मार्ग नई दिल्ली धर्जन रेज-1 में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुभूची में पूर्णरूप से वर्णित है), कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय भायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के श्रधीन नारीक जलाई 85

को पर्शेकन नयामि के बिचन मालार सम्य में कम के दश्यमान गिनफल के लिए अन्तरित की गई है और सभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पर्थोक्त सम्पत्ति का जीवत नावार मरून, असके दश्यमान प्रतिकल्स में, एमें इत्यमान प्रतिकल्स के प्रमुद्ध प्रतिकात ने अधिक ही और जीवरक (जित्रकों) और जीतरित (बंतरितिवों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तब पाया गया। प्रतिकल्स, निम्नीसित्त नववश्य में उत्तर अन्तरण कि वित्त में वास्तविक कप में कथित उत्तरिता गया वा वा विवास कर में कथित

- (सः) धन्मननः शं वार्षः निकली आवः धर्मः नामनः, वक्रणः व्यक्षित्रसः छे अधीय त्रवः दोने जे ब्राज्यन्यः औं लाधित्यः में लगी करने मा उससे बन्धने में गृदिधाः के लिए: और/मा
- (का) एसी किसी बाय या किसी धन या क्या प्रास्तियों अपे निकारी भारतीय प्राप्त कार उपित्रियों प्राप्तियों कार निकारी प्राप्त कार उपित्रियों प्राप्त कार किया कार कार्या कार्य कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्या कार्य कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्या कार्य कार्

में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) और 'जिन्द्रा अपर्टीस प्रा० लिमि० 2 तिलक मार्ग, मई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रतन लाग जे० भाटिया रूम नं० 8-100, 700, 19 वी स्ट्रीट एन० डब्ल्यू० वाशिगटन, डी० सी 20431 (यू. एस० ए०)

(अन्तरिती)

की यह स्पना जारी करके एकोंकन सक्योंगत की अर्थन के लिए फार्चशाहियों करता हों।

सादन रामरियां की हर्कान की योगांग की महाको भी आसीप :---

- (को) इस अ्वास्त की राज्यण में एकामान की तारीस से 45 दिश की क्ष्मीण था तस्तंत्रेश्री व्यक्तियों पर सूच्या की राजीन के १० दिन भी अविधा, को भी अविधा बाद में राजीन द्वीपी हों. को भीतर प्रविकत्त स्विकारों भी से दिसारी क्षमिक क्षान्त्
 - (का) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बें 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल सिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाचित्रका:---इसमं प्रस्कृत लखा और पर्यों का, यो उत्पन्न अधिनियम के अध्याय 20-क में परिगीयत है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विक गया है।

अनुस्तरी

फ्लैट नं० 513, तादादी 1500 वर्ग फिट 5वाँ खंड ग्रुप हाउनिंग काम्पलैक्स 2 तिलक मार्ग, नई दिल्लो।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राबर श्रायुका (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1 दिल्ली, उर्द निर्ली-110002

तारीख: 4-3-1986

प्ररूप बाह्र दी. एन. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- व के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37 ईई 7-85 1988--- श्रत: मुझे श्रार० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० पर्लंट नं० 511 हैं, तथा जो ग्रुप हाउसिंग काम्यलैक्स 2 शिलक मार्ग, नई दिल्ली श्रजेंन रेंज में स्थित

काम्पलैक्स 2 सिलक मार्ग, नई दिल्ली श्रर्जन रेंज में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध श्रनूसुकी में पूर्णक्य से वर्णित हैं श्रर्जन रेप कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय श्रायवर श्रिवियम 1961 (1961 का 43), के श्रधीन तारीख जुलाई 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उपित बाजार बृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित बाजार अल्प, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ब्रातिफल निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त जन्तरण जिलिका में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है "——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, छक्त कमी करने या उससे बचने में सुविधा को निस्पृत्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में और/या
- (भा) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) रिवन्द्रा प्रोपटंडि प्रा० लि० 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली ।

(प्रन्तरक)

(2) लीना संघवी मिसेस, यामीनी णाह एफा० 11, ईस्ट श्राफ कैलाण, मिस्टर सैलेश कुमार सुपुत, भोतीलाल दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप "---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मस्वन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस सूचना के राजध्य में प्रकाशन की सारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्यव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु^के, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं ० 511, तादादी 1500 वर्ग फीट 5वा खंड मुप हाउसिंग काप्पलेक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

> भागत पं!० राजेक्कान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 4-3-1986

मोहर ।

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-1 दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं अाई । ए० सो । एक्यू । 1/37 ईई/7-85---1989---भ्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश, आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियमः' कहा गया है।, 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000 /- रः. से अधिक है और जिसको सं० फ्लैंट नं० 504, है तथा जो ग्रुप हाउसिंग काम्यलेक्स 2 तिचक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), धर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में भारतीय धायकर प्रधिनिधम 1961 (1961 का 43) के अधीन तारीख ज्लाई 1985 को पूर्वीक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफेल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से एसे रूपयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया

प्रीतफल निम्नलिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्ति में

वास्तविदः, रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सीवधा के लिए;

अतः इसः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनूसरण मैं, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रंग रिजन्द्रा द्रोबटोल डा लिमि० 2 विलक मार्ग नई दिल्लं।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० ए० गिड्वानी विनम गिडवानी डा० एस० के० गिड्वानी एस० 77, पर्वशील पार्ट, नई दिल्ली।

(प्रन्तरितं)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुभूची

फ्लट नं० 504, तादादी 1500 वर्ग फिट 15 वा खंण्ड ग्रंप हाउसिंग काम्ग्लेक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली नई दिल्ली

तारीख: 4-3-86

मोहर:

40-26 GI/86

_ = =

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

बाएकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-ए (1) के अधीन सचना

वारत सहकात

कार्यासय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1.

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च 1986

निदेश सं० आई० ए०सी०/एक्यू-1/37ईई/7-85/1990— अतः मुझे आर० पी० रमेश

जायकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अजित बाबार मूक्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 404 है, तथा जो ग्रुप हाउसिंग काम्प्लैक्स, 2, तिलक मार्ग, नई विल्ली में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध, अन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) नार्यालय. अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन दिनांक जुलाई, 1985

को प्रवेकित सम्परित के उचित बाजार मत्य से कम के क्षयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और म्फें यह विश्वास करने का कारण है कि ग्यापजेंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से एसे दृश्यमान प्रतिफाल का पंक्र प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया जया प्रतिफास, निम्नीसीबत उपदेश्य से उक्त अन्तरण सिशित में नास्तिक रूप से कथित महीं किया थवा है है—

- (क) संतरण ते हुव कियों जाय की बाबत, अवध अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में मृदिधा के लिए: और/मा
- (क) एंसी किसी बाव वा किसी धन वा बन्य बास्तिकों का, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की ध्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, क्रियानों में सविधा के लिए;

चतः वर. उक्त विधिनियस की धारा 269-न से अन्सरक के, मैं उक्त विधिनियस की धारा 269-व की उपधारा (1) के सभीत निम्लिनियस कालिकसर्गे अर्थात ∿ 1 रिवन्त्रा प्रोपटीज प्रा० लिमि०। 2 सिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 कुणना विजय सी-614, न्यू कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

की बह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत ब्रध्यरित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 8---

- (क) इस सुचना के राजपण माँ प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामीस से 30 दिन की जबिश, जो भी धविथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्यू व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवादा;
- (ब) इत स्वना के स्वयन में प्रकाशन की तारींब ते 45 दिन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी बन्य स्थावत बुवारा, अभोहस्ताक्षरी के वाब सिवित में किसे बा सकीये।

स्वाक्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वका हैं।

अनुसूची

फ्लैट सं० 404,तादादी 1500 वर्गे गज, 4 वां खंड ग्रुप हाउसिंग स्कीम, नई दिल्ली 2, तिलक नगर ।

> आर०पी० राजेण सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जैन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक 4-3-1986 मोहर ; प्ररूप आहु .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च, 1986

निर्वेश सं० आई०ए० सी०/एम्यू-1/37ईई/7-85/1991---अतः मुझे आर० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ग्रेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 505 है, तथा जो मुप हाउसिंग स्कीन, 2, निक्क मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (स्रीर इससे उगाबद अनुसूची में प्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन दिनांक जुलाई, 1985

को पूर्वेक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सृष्टिभा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

शतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ल की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्र—-

- 2. श्री रविनद्र प्रोग्टींज प्रा० लिमि०
 - 2, तिन ह मार्ग, मई दिल्ली।

(अन्तरक)

2: जी० आर० साइमत सलिमा बैगम, अहमद झीर मिलो तर डेलिगेट, श्री नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्स्ची

पनैट नं० 505,तादाबी, 1500 वर्ग फीट, 5 वां खंड, मुख्यां हाउसिंग स्कीम, 2 सिजक मार्ग, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सह्यक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक 4-3-1986 मोहर:

प्रस्य आहें, टी. एत, एस त -----

बायफार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269(म) (1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

सङ्ग्रिक आयक्तर आयुका (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1,

मई दिल्ली, दिनां ह 4 मार्च, 1986

भिदेश स० आई० ए० सी०/एनप्-1/37ईई/7-85/1929—अतः मुझे आग० पी० राजेश

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उवत अधिनियम' कहा गया है"), की भार 259-ख के अधीन रक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 502 है, तथा जो सुप हाउसिंग काम्यतैक्स, 2 निनंक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उसबद्ध जनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप ग विणित्र है) कार्यालय अर्जन रेंग-1, नई दिल्ली में मार्ट्याय आयक्ट अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अबीन दिनांक जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाव प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण दिश्वत में वास्तविक रूप से किया नहीं किया बया है:---

- (क) मन्तरण वं हुई किसी बाय की नावत, उक्त मुनिनियम् कं संत्रीन कर दोने के बन्तरक के समित्व में कमी करने या उन्नस बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (स) एसे किसी बाम या किसी भन् या बन्य जास्तियों कर जिन्हों भारतीय जायकर जिन्हों भारतीय जायकर जिन्हों भारतीय जायकर जिन्हों भारतीय जायकर जिन्हों से धन्-कर जिन्हों किया । 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा जे सिए ।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

रिवन्द्रा प्रापटीज प्रा० लिमि०
 रिलक मार्ग , नई दिल्ली ।

(अनारक)

 श्री परमिन्द्र पाल सिंह बरार समिन्द्र पाल सिंह बरार बी-1/41, सफदरजंग, एन्जलैंब, नई दिल्ली। (अन्तरक)

को यह सूचना जारी रूटके पूर्वेक्षि सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाधियां शरू करता हुं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों प्र स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्पिक्तयों में से किसी स्पक्ति दुवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास निखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गंधा है।

अनुस्ची

फ्लैट नं० 502, वादादी 1500 वर्ग फीट, 5 वां खंड, ग्रुव हाउसिंग काम्भलैक्स, 2 जिलक मार्ग भई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सड़ाय ह आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनां म : 4-3-1986

प्रकार बाह्यीत हो त एक प्रवास व्यक्त

थायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के विधीन सुवता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण)

अर्जन रेज-1

नई दिल्ली, दिलां ह 4 मार्च 1986

निवेश सं० आई० ए०मी०/एक्यू-1/37ईई/1993---/7-85/ अतः मुझे आर० पी० गजेश

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी न्हों, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु से अधिक हैं भ्रीर जिसकी संरुष्टीत नंरु 7040

श्रीर जिसही सं० फ्लैट नं० 7040 6 स्था जो युप हाउसिंग कम्बलैक्स, 1 निल ह मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणि। है) कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 जा 43) के अधीन दिलां ह जुलाई, 1985

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्थमान प्रतिक्रस के निए जन्तरित की गई है और मुम्ने वह विवयस करने का कारण है कि वयाप्योंक्त सम्मत्ति का अभित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्तह प्रतिशत से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकार्) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय शवा गया प्रक्रिक्स, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी जाव की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उ न अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से जिए;

नदः अव. उक्त विधिनियम की भारा 269-न के बन्सरन में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) के अधीत, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात:—

- 1. रविन्दा प्रोत्टीज, प्रा० लिमि०
- 2, तिलक मार्ग, भई दिल्ली।

(अन्तरक)

2: हिन्दुस्मन, मोटर्स, लिमि० यूको बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्व क्षेत्र सम्परित के अर्जन के बिए कार्यवाहियां करता हुं।

अकत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी धार्क्ष हु---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूजना की तामीं से 30 दिन की अविध, को भी जबिध बाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितस्यूथ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ष में किये पर सक्ति।

स्वाधिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नाँ का, जो उक्त विभिन्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह अर्थ होगा, जो उस वध्याय में विद्या गया है।

नन्त्वी

प्लैट न॰ 406, तादादी 1500 वर्ग फीट, 4वां खंड, ग्रुग हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 निलक मार्ग नई दिल्ली।

> आय० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक 4-3-1986 मोहर:

प्रकर बाह्य होड ध्रमा प्रवासन्तरमञ्ज

नायकर विभितियम, 1961 (1961 का 43) की 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्याक्षय, रहायक नामकर नायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1 नई दिल्ली, नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च, 1986

भिवेशसं० आई०ए०सी०/एक्यू-1/387ईई/7-85/1994---अतः मुझे आर० पी० राजेश

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्ण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मोर जिसकी सं० 402 है, तथा जो ग्रुप हाउसिंग काम्पनैस्स, 2 तितक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (म्रीर इसते उपाबद अनुसूची में भ्रीर जो पूर्ण कर से विणित है) कार्यालय अर्जन रेंज, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन दिनांक जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त तम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के दूसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिकत से अभिक है और बंतरक (अंतरकार) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ब्रातिफल, निम्निकिषत उद्देश से उसत बन्तरण है बन्तर में प्रतिक के प्रतिक के स्वित के स्वित के स्वार्थ के स्वत बन्तरण है कि बाव के प्रतिक के स्वतिक स

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बावतं, उक्त सीधीनवन के सधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी कर्दने या उबसे वचने में सुविधा ने जिल्हा बीड/या
- [क] एरेनी किसी जाय वा किसी थन वा जन्म आस्तिवाँ की जिन्हों भारतीय आयकर मिश्तियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कुर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की जिए।

बतः स्व, उन्त विधितिषय, की पास 269-मू से अनुसरण हों, वी, स्वत अधिनियम की धारा 269-म की सपधाय (1) औं अधीन, निम्मलिखिस व्यक्तियों, समृद्धि हु--- रिवन्द्रा प्रापर्टीज प्रा० लिमिटेड
 १ तिल हमार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री जी० एस० कम्यप एंड संस, प्रा० लिमि०
 ईस्टर्न एवेन्यू,
 महारानी बाग, नई दिल्ली।

को मह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेष 🌤

- (क) इब स्वाम के हाबपत्र में प्रकाशन की तारीच वें
 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्वान की तामील से 30 दिन को सविध जो भी
 सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्य
 किसी बन्य व्यक्ति द्वारा स्थोहस्ताक्षरी के वास
 विविद्य में किए वा हकोंने।

स्वकातिकरण: ----इसमें प्रयुक्त सन्दों नीर पर्वों का, को उच्छा विधिनियम को वध्याय 20-का में परिभावित ही, नहीं वर्ष होगा जो उस वध्याय में दिया भग ही।

भनुसुची

पलैंड नं० 402, ताबादी 1500 वर्ग फीट, 4वां खंड, गुप हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 तिजक मार्ग, मई विल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मई दिल्ली

दिनांक 4-3-1986 मोहर :

बक्य बार्ड ज दीज स्वज प्रवेजन्यान्य कारकर विभिन्नित्रम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-व (1) के वधीर बुजना

SHAP BEALS

कार्याचन, बहान्क नान्कड नान्नच (निडीक्षण)

अर्जंन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च, 1986

निदेश स० अ(ई०ए० सी०/एक्यू-1/37ईई/7-85/1995—— अत: मुझे आर० पो० राजेश

जावकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिल्हे इसके इसके परवात (उनत अभिनियन) कहा गया ही, की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह निश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति विसका जिल्हा बाबार मूल्य 1,00000/-रा. से अभिक ही

भ्रौर जिसकी सं० 213 है, तथा जो 2, तिलक मार्गे, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इसने उराबद अनुसूची में भ्रौर जो पूर्णे रूप से वर्णा है) कार्यात्रय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन दिनांक जुलाई, 1985

की पूर्वोक्य संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे मह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित माजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया क्या है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की बाक्त, उत्तः विभिन्नियम के सभीन कर दोने कें बन्तरक के दाजित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा पे लिए; बीर/या
- (ख) रसी किसी बाध या किसी भन या अन्य शास्तिकों की, जिन्हों भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया थाना वाहिए था, कियाने में सृविधा के लिए;

नतः सथ, उक्त निर्मानसम् की भारा 269-ग से नन्सरण हो, सें, उक्त निर्मानसम् की भारा 269-थ की उध्भारा (1) हो तथीन, निञ्निसित्तिसा स्थानितयों, सर्थात् ह—-- रिवन्द्रा प्रापर्टीज प्रा० लिमि०
 तिलक मार्ग, नई दिल्ली ।

(असरक)

2. जे० जसवीर सिंह, नरेन्द्र पाल सिंह, दलजीस सिंह सिंवन्द्र सिंह, एच-3/12, मांडल टाउन, दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिख् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि वा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस के 30 दिन की अविधि, को भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स म्यक्तियों में से किसी स्पक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वध किसी जन्म स्थावत ब्वारा नधोहस्ताक्षरी के पाष्ट निवित्त में किए जा सकेंगे।

रवच्दीचरणः---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वों का, जो अवधः अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वचा हैं।

अनुसूची

पर्लंट नं ॰ 213, तादादी 1500 वर्ग फीट, 4वां खंड, ग्रंप हाउसिंग काम्पर्लंग्स, 2 निलंक मार्ग, भई दिल्ली।

> आर० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक 4-3-1986 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांक्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, नई विस्ली

नई दिल्ली, दिनां ह 4 मार्च, 1986

निदेण सं० आई० ए० सी०/एनस्- 1/37ईई/7-85/1996---आ: मुझे आर० पी० राजेश

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विस्तात करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

यौर जिसकी सं० पलैट नं० 211 है, तथा जो ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स, 2, तिलक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (फ्रॉर इससे उगाबद्ध अनुसूची में क्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) कार्यालय अर्जाप रेंग-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन दिनांक जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य से कन के धरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित बद्देश से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कर योगे को अन्तरक को बाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/बा
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए;

बतः वदः, उक्त अधिनियसः की धारा 269-ग के अनुबर्धः में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसिक्त व्यक्तिकों, अधीतः :---- रिवन्दा प्रापटीं जप्रा० लिमि०
 तिचक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

जीवन सिंह वेदी,
 सी-6, महारानी बाग,
 मई विल्ली।

(फ्रन्तरिती)

को यह सुवना चारी करके पूर्णेक्त सम्परित के वर्णन के सि। कार्यवाहिमां करता हुं।

उन्त तन्मित्त के नर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप 🐃

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीच से 15 विन की सविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर तृचना की तामील से 30 विन की सविध, को भी श्विभ वाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्थिति बुवारा;
- (व) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिसित में किए जा सकन।

स्पष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त इन्दों और पदों का खो अक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गवा है।

ननुसूची

फ्लैंड नं० 211, तादादी, 1500 वर्ग फीट, 2 दूसरा खंड गुर हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 तिनक मार्ग, मई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहाय ५ आयकर आयुक्क (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, ५६ दिल्ली

दिनांक : 4-3-1986

वस्त्र नार्वं हो पुष् पुष् , वर्वन्यन्यन्यन्यन्य

बायकर नाँभीनयम, 1961 (1961 का 43) फौ भारा 269-म (1) के मधीन सुचना

नारत चरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 मार्च, 1986

निदेण मं० आई० ए० मी०/एमय-1/37ईई/7-85/1997---अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाल् 'उकत व्यधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000 / - रः. से अधिक हैं।

ग्रौर जिसकी सं० ई-558, ग्रेटर कैलाश-2, 550 वर्ग गज है तथा जो दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाद्यद्व अनुसूची में भ्रार पूर्ण रूप ने वर्णित है) कायलिय, अर्जन रेंज, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 की धारा 43) के अधीन दिनांक जलाई, 1985

फो पर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से इस के इस्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से मधिक ही और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के नीच एसे जन्तरण के लिए तम पाया नमा प्रतिफास, निम्मलिबित चव्यदेश से उत्रत अन्तरण निवित में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ह---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे नचने में सुविधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिल्हे भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन-कर अ**धिनियम**, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मविधा खे निए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--

41 -26 GI/86

1. मोहना।ल माहनी, भुगुव श्री मुलन मल साहनी ग्रीर स्वयं तथा अविभाव रु, छोटी पूली. मिस पुनम साहनी ई-558, ग्रेटर कैनाण-2, नई दिल्ली।

(अन्भरक)

2. येलो हट प्रोपर्टीज प्रा० लिमि० 36, एच० कवाट पलेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपण में प्रकाश्या की तारीन से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वार्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीस 🤏 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुद किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के 🐃 लिखित में किए जा सकोंगे।

लब्दीकरण :--इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उ विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्भ होगा जो उस अध्याय में दिश गय।

सन्**स्थी**

सिगन स्टोरी, विल्डिंग, ई-558, ग्रेटर कैनाश नई दिल्ली नादादी, 550 वर्गगज ।

> आए० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहाय । अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

दिनांग: 4-3-1986

प्रचम नाई. दी. एप . एवं . -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज-1,

नई दिल्ली, दिनाँक 4 मार्च, 1986

निह्मण सं० आई०ए०सी०,एक्यू-1, 47ईई-7-85, 1997ए---श्रनः मुझ श्रार० पी० राजण

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं अपेपर्टी नं 5 है, तथा जो बावर रोड, नई दिल्ली में स्थित है (प्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में फ्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) कार्यालय, नई दिल्ली प्रार्जन रेंज-1, में भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1962 का 43) के प्रधीन दिनौंक जुलाई, 1985

को प्योंक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है जोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मृस्य, उसके स्वयमान प्रतिकान से, एमें स्वयमान प्रतिकान के पन्ताह प्रतिकान से अधिक है और अंतरक (बंतरकाँ) और अंतरिती (बंतिशिश्वाँ) के पीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकान, निम्नीनिवत सद्वदेय से उकत कासरण निकित में वास्तविक रूप से कथित वृद्धी किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाब की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के बण्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्; और/पा
- (का) एेमी किसी भाव का किसी भन वा अस्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय भाय-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था पा किया जाना वाहिए था, छिपाने में मूरिधा के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्थित व्यक्तियों, अधीत:—

 मिसैन राज शल्ला, पत्नी श्री छी। एन० भल्ता,
 बावर रीड, नई दिल्ली, , एंड मैसमें स्तीजा बिल्डमें, एंड फाइन्थर्स, प्रा० लिमिटड, भतीजा हाउम, डा० मुखर्जी नगर, कर्माणयल कम्पलैकन, नियर बल्ला सिनेमा, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती किवता चान्ना पत्नी कंवल चार्ना, बी-137, गुभ्लवराला दाउन, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बालेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध संद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्तरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीतर उच्य स्थावर संपत्ति में हिलबस्थ किसी कन्य व्यक्ति स्वारा कभोहस्ताक्षरी के यास सिकित में किए जा सकेंगे।

स्थळकिरण:—इसमें प्रमुक्त सन्दों और पदों का, जो उनस जीवनियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही नधीं होगा जो उस मध्याय में विका गवा ही।

अनुसूची

700 वर्ग फीट, तल खंध, भाग, प्रापर्टी नं० 5, बाबर रोड, नई दिल्ली।

श्रार० पी० राजेश, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंभ्ना, नई दिल्ली

दिनौंक 4-3-1986 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1,

नई दिल्ली, दिनाँक 4 मार्च, 1986

निर्देण सं० प्राई०ए० सी०/एक्यू-1/37ईई/7-85/1997बी-- श्रतः मुर्झे ग्रार० पी० राजेंण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 208 है, तथा जो 208, ग्रुप हाउ-िर्गित काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुपूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर श्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रधीन जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- रिवन्द्रा प्रोगर्टीज प्रा० निमि०
 तिलक मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्रजय जैन , मिसेस रीता जैन, श्रजय एसीसिएट्स,
 डिलाइट सिनेमा, श्रासफश्रली रोड, नई दिल्ली।
 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पनैट नं २ 208, तारादी, 1500 वर्ग फीट, दूसरा खंड, युा हाउसिंग कमालैक्स, 2 निलक मार्ग नई दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहाधक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रॅंग-1, नई दिल्ली

दिनाँक: 4-3-1986

प्रस्य बाइ.टी.एन.एस.-----

जाथकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर आयुक्त (मिरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1,

नई दिल्ली, दिनाँक 6 मार्च, 1986

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सकम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

म्बीर जिपकी सं 0 1-1638, चितरंजन पार्क, दिल्ली है, तथा जो दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विजन हैं) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली के कार्यालय में भारतीय ग्रायकर ग्रिधियम 1961 (1961 का 43) के ग्रधीन दिनाँक जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नंतरक से हुई किसी बाय ो वावत, उक्त बाध-नियम के व्यान कर देने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; बार/या
- (थं) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नम्ब नास्तिनों की जिन्हीं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थं नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा मा किया वाना चाहिए था, क्रियानों में सुविधा के लिए;

बर्काः गय, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरक् मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थाल् :--- श्री पारीमल कु मार मुखर्जी, श्रीर प्रशांत कुमार मुखर्जी 779, निकलसन, रोड, कश्मीरी गेट, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्री महेण चन्द्र दास श्रौर मंजु दास,
 3759, पहाड़ी घीरज, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाह्मेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना पर की तामील से 30 दिन की व्यक्ति आंभी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यांति हुं।
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्री

1-1638, चिसारंजन पार्क, नई दिल्ली। तादादी एरिया 246 वर्ग गज।

> श्चार० पी० राजेंश सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनाँक: 6-3-1986

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-4.

वस्वई, दिनाँक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं ० । प्राई- 4_l 3 $7 ईक्<math>_l$ 2 1 1 54_l 85- 86-- श्रतः । मृत्ते लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं ज प्लैट नं ० 004, जो सी-इमारत, गगन गिरी नगर, लक्ष्मी नारायण टेम्पल, के पीछे, एक्सार रोड, बोरिवली (प०), अम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबह अनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणत हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाँक 1-7-1985 की पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिप्पल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूश्रे यह विश्वास करने का धारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिप्पल से, एसे दृश्यमान प्रतिप्पल का पंदृह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिप्पल, गिम्मिलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए;
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के मयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण भीं, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. गगन गिरी डवलपमेन्ट, कार्पेरिशन

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती शुभागी एस० हडकर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध मों कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिसित मों किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पनैद नं० 004, जो यो-इपारत, गंगतिगरी नगर, लक्ष्मी नारायण टैम्पल, के पीछ, एक्पार रोड, बोरिवली (प०), सम्बद्दी में स्थित है।

प्रतृपूची जैया कि क० सं० घ्राई-4,37-ईई,21154,85-86 ग्रोर जो पक्षम प्राधिकारी अस्बई द्वारा, दिनौंक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास गक्षम प्राधिकारी सहाय क ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजीन रेंज-4, बम्बई

दिनाँक : 28-2-1986

प्रक्ष बाइ", दौ. एत. एत. ------

शायकश् विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ्69-व (1) के अभीन सुचना

मारव सहकार

कार्यालय, सहायक भाषकर वायुक्त (निरक्षिक) अर्जन रेज-4.

बम्बई, दिनांग 28 फरवरी, 1986

निवेश मं ० ासई- 1/3्रईई/20967/85-86 ---अन: मुझे सक्ष्मण दास

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर िसकी स० फ्लैंट नं० 3 श्रीर4, जो पत साला, सिसा एस० नं० 251, एस नं० 3/ए-4, सी०टी० एस० नं० 919/1 से 5, दिहसर (प०), बम्बई-68 में स्थिप है (श्रीण इसके उपा-बद्ध अनुपुची में श्रीण जो पूर्णस्त्र के विष्ति है) श्रीण जिस म करारतामा आयाज्य अधितियम, 1961 की धारा 269 कथ के अधीर, दिशांच वमाई विया सक्षत प्राधि जारी के जार्यात्त्य में रिजरद्री है दिसांच 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित माजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उधित बाजार क्य उसके स्वयमान प्रितिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रितिफल का उन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बासक, अकत अधिनय के अधित कार दोने के अन्तरक के बाधिस्त में कभी करने या उससे बचने में सुनिभा के लिए; बीड√वा
- (क) धिसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय तायक ए अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्थ जेती एती जुनारा प्रकट नहीं किया स्था भा या किया जाना आहिए था, स्थिपने ये गिलिधा के सिए;

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की एपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तिरों, अधीन श्वृकुत इबललोपर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री एस० डी० मादुस्कर ।

(अन्यस्ति)

को यह सुचना पारी करके प्योंक्स सम्मस्ति को वर्णन के विष् कार्यवाहियां कारला हुएं।

उक्त सन्दर्शिकों नर्जन को संबंध में कोई भी आसोप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान कि तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृदारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में अकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतार उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- के भीतार जक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- के प्रतिभाग जन्म व्यक्ति द्नारा अभोहस्ताक्षरी के ताम रिकाणन में विकास प्रतिस्था ।

स्थप्टोकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पट्ने का, श्रो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, दही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

असम्ची

फ्लैंट नं 3 और J. जो J ली मंजित, सिहारमृहि, एस० नं 261, एस० नं 20/4, मी० टी० एस० नं 0 919/1 में 5, इहसिए (प०), अम्बई-68में स्थित है।

अनुपूर्वी जैसाधि करु मेरु आई-4/37ईई/20967/85-86 आंए जो समय प्राधिकारी धम्बई द्वारा दिसांक 1-7-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> लक्ष्मण दासः सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-4₄ बम्बर्क

दिनांक: 28-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) को अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4,

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1980

सिदेण मङ आई-4/37ईई/20893/85-86—अः मुझे लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/~ ??. में अधिक है

श्रांप जिसकी संव दुराभ नंव 3वी नज़ों, तल माला जिक्षी रणछोड़म इमापन, सीव टीव एमव सव 850/ए-ए-1 विद्यार बम्बई में स्थित है (श्रांप इससे उपाधद अनुभूची में श्रांप जो पूर्ण कृप में विणा है) श्रांप जिस हा उपायतामा आयकण अधिनियम, 1961 की घाण 269 कहा के अधीन बम्धई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में प्रविस्ट्री है दिसांक 1-7-1985

को पृथा बित सम्मिश के उपित वाजार मृत्य से क्य के व्यवसाय प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि बनाप्योंक्त सम्मित का उपित बाजार भूक्य, इसके व्यवमान प्रतिकल से एसे व्यवमान प्रतिकल का जंबह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अम्बरितियाँ) के बीच एते अन्तरण के लिए सब पाया क्ष्म प्रतिकल, निम्निलिधित उद्देश्य से उपत सन्तरण जिलिक में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधोन, निम्हिनिखन व्यक्तियाँ, अर्थात ।--- 1. मैश्रेस ५४-विचय विल्डर्स ।

(अस्टाम् क

2 श्रीमती प्राप्तमुद्धि अक्षिति।

(अस्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्हां संपत्ति के अकर्भन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोद्गस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को अस अध्याय में दिया गया है।

श्रन्युची

दुकान नं० ३वी, जो तत्र माला, जयश्री **रण छोडम, इमारत** सी०टी० एम० नं० ৪50/ए-ए-४, इहिमर, **बस्बई** में स्थित है।

अन् तुनी जैसा कि कन्सं० जाई-4/37ईई/20893/85-86 स्रोर जो सत्ता पाधिकारी धम्बई हारा, दिशांक 1-7-1985 का रिजिस्टर्ड पियांगया है।

> नक्षमण दास सक्षम प्राधिकारी सहाय ः ायका आयुका (निरीक्षण) अर्जन रेजन्य, बस्बई

दिना छ 28-2-1986 मोहर:

प्रकृष वाद्", ट<u>ौ.</u>एन .एव .-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का **५3)** की धारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यांसय, सष्टायक वायकर वायकत (निरक्षिण)

अर्जन रेज-4.

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986 निदेश सं ० श्राई-4/37ईई/20825/85-86-- अतः मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे ध्वमे **इसके पब्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा** 269-व के क्पीन रुक्तम प्राधिकारी की, वह विश्वात करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, विस्तका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रुट. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 35,जो 3री मंजिल, इमारत, अ नंह अपार्टमेंट, सी० टी० एस० नं० 791, दहिसर (प०), बम्बई-68 में स्थित है (ब्रीए इसमे उपाबद्ध अनुमूची में ब्रीए जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 जब के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 1-7-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के वश्यमान प्रतिप्र्ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्सि का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से,, एसे क्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-

एक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के निए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया ह**ै** :---

- - (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मिवधा चे लिए; और∕या
 - (ब) ऐसी ाकसा नाम या किसी भर**ा म**न्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिकिर या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विधा जारत चाहित था. कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-गर के अन्तरण र्म, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) क अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

मैसर्म अनुत कंस्ट्रक्शंस ।

(भंभरक)

2. शीमती स्वर्णी एस० भागका।

(अंधरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुँ।

उक्त संपत्ति को नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय क्ष 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 बिन की अवधि, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सङ्क्रमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त शस्त्रों और पदों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रन्युवा

पर्नेट नं० 35,जो 3री मंजिय, इमारक, अनंध अपार्टमेंट मी० टी० एस० नं० 791, दहिसर (५०), बम्बई-68 में स्थित

अनुभूची जैसा कि ऋ० सं० अ(ई-4/37ईई/20825/85-86 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई क्षाण, विनांक 1-7-1985 को प्रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-४, अम्बर्ड

दिनांक: 28-2-1986

माहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंग-4,

बम्बई, दिलां रु 28 फरवरी, 1986

भिदेश तं > भ ई-4/37ईई/21181/65-86---अतः मुझे लक्ष्मण दास

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 4,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर पिसको सं० पर्नेट नं० 10, जो िएसल्ले अपार्टमेन्ट, ए 10 एम० स्पृत्ते, रोड, दिस्सिए, वश्यई-18 में स्थिए है (स्रोप इससे उपायद प्रमृत्ते) में स्थार जो पूर्ण कर से विण्ति है) स्रोप किसारा एपाएसा कायप एडिएरम, 1961 के धारा १६९ एख के प्राचीत प्रमुद्ध विश्वा सक्षम प्राष्टिक्की के प्राय्विष्य में एक्टिन्टी है दिक्का 1-7-1985

को पर्शेक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिज्ञत स अधिवः है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बंधि एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एटेए किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जत: उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीत, निम्नो पिंचा नाकित्यों, अर्थात :——
42—26 GI/86

1. मैसर्स सिल्वरलाईन, वन्स्ट्रक्शन कंपनी

(अन्तरक)

2. श्रीमती एम० पनेरु लोबो और श्रीबी० लोबो (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त करनी और पर्दो का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ गोग जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

पलैट न्ं 10, जो भिषालने अवार्टमेद्रट, एका० एमा० म्हाले रोड, दहिसर, बम्बई-४8 में स्थित है।

अनुसुची जैसाि क० सं० आई-4/37ईई/21181/85-86 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी यमबई हाला दिलांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> राक्ष्मण दास सक्षम प्राधि ारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, वस्बई

নাক: 28-2-1986

प्रक्र वार्ड . टी . एव . एस . -----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के नभीन सूचना

बारत वरकार

कार्यसम, सहायक जामकर जावुक्त (जिर्दाक्क) ग्रजन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 28 फरवरी 1986

सं० **अई**-4/37/ईई/21091/85-86:---श्रतः मुझे, लक्ष्मण चास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 2, जो, 1ली मंजिल, शिव भोम, प्लाट जिसका एस० नं० 52, एच० नं० 4, रामकुमार ठाकुर रोड भौर एस० वी० रोड, काजंक्शन दहिसर (पूर्व), बम्बई, में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), भीर जिसका करारनामा भायकर भिष्तिसम 1961 की धारा 269 क ख के भधीन बम्बई स्थित, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वीक्स सम्मिस के उचित बाबार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार अस्प, उसके इच्यमान प्रतिफल से एसे इच्यमान प्रतिफल का बन्द्रह-प्रतिशत से विभक है और अंतरक (बंतरकाँ) और बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्योग्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त विधिनियम के स्थीन कर धेने के बन्तरक के दासित्व के कभी करने या उक्कस बचने में सुनिधा ने सिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ह भारतीय वायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

विदः अव. उक्त विविधिष्य की भारा 269-न के बन्सरक वी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात :—- 1. मै० जालन कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(अन्तरक)

 ए० एन० माल्ड फ्रांर श्री डी० के० नानजी माल्डे।

(भ्रन्तरिती)

क्यों बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ट भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीच वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वामीच बाद में सजापत होती हो, के भीतर प्रवेकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्रत स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

शन्स्की

फ्लैट नं० 2, जो, 1ली मंजिल, शिव ओम, प्लाट जिसका एस० नं० 52, एच०नं० 4, रामकुमार ठाकुर रोड और एस० बीठ रोड का जंक्शन, दहिसर (पू), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूचो जैमा कि कि० सं० ग्रई $\sim 4/37$ ईई/21091/85- 86 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनाँक $1-7\sim$ 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज⊶4, बम्ब**र्ड**

विनौंक: 28-2-1986

मोहरः

प्रस्त नार्व हो हो । एवं , एस् , वन्त्र---

बावकड बर्गिविन्स, 1961 (1964 का 43) की धारा 269-व (1) के स्थीन क्या

कामां सथ, सञ्चायक जायक हु जायुक्त (जिरक्षिण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनाँक 28 फरवरी, 1986

सं० ऋई -4/37ईई/21032/85-86:--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विखे इसमें इसके पक्षात् 'उक्त विधिनयम' कहा गया है), की भाष 269-इस के अधीन सक्त प्राधिकारी की, यह विश्वास करने इस कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या पलैट नं० 12, जो, शाँती नाथ दर्शन को-श्राप हाउसिंग सोसायटी लि०, लाकमान्य तिलक रोड, दिहसर (पूं), बम्बई-68 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रीन बम्बई स्थित अजन श्रीधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, सारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्स सपोरत के उपित भाषार मृत्यू से कम के स्थमाय प्रतिफल को मिए बन्दारित की गई है और मुम्ने नह विश्वाच करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्मत्ति का स्वित् वाचार वृत्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एस अस्मान प्रतिफल का वाचार वृत्य उसके स्थमान प्रतिफल का वाचार वृत्य उसके स्थमान प्रतिफल का वाचार वृत्य प्रतिकृत से वाचार प्रतिकृत का वाचार प्रतिकृत प्रतिकृत का वाचार प्रतिकृत प्रतिकृति के स्थम एसं अन्तरक है जिए सूम् पामा मृत्य विकल, विश्वासित उद्यक्त से स्वन्य वृत्यक्ष विविद्य में मास्तिक कप से कथित नहीं किया प्रयाह कि

- (क) बन्तरण स धुइ किसी बाय की पावता, उपत अभिभित्रम के बभीन कर बोने के बन्तरक वी श्रीयरच मा कृती करने या उससे ब्लाने में सुविधा अंश्रिय; बाह्र/भा
- (क) एंडी किसी आप या किसी वन या बन्ध नास्तियां की, जिन्हें भारतीय नाय कर जीविनयम, 1922 (1922 को 11) ना उक्त निभिनयम, या धनुकर अधिनियम, या धनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्तरिर्ति ब्वार्य प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था क्यांने में सुविधा के सिए;

क्षः अथ, उपने विभिनियम की भारा 269-म की व्यवस्था थें, में, उसत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के विभीन, निम्निसियित अभिन्नों वर्षात् ह—;

1. श्रीमती जी० बी० शहा।

(भन्तरक)

2. श्री टी० कें पासव श्रीर श्री कें टी० पासद।

(बन्तरिती)

क्षा बहु शुचना चारी करके पृथाँकत चंपरित के वर्धन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच हैं 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त शांती हो, के भीतर पर्णोक्त व्यक्तियों में से फिल्मी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच चै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध ध्यक्ति. द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यवस्थितरणः ----इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ठवंश अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस रियाय में विया गया है।

प्रनुसूची

् फ्लैट नं० 12, जो, शांती लाल दर्शन को-श्राप हाउसिंग सोतायटी लि०, लोकमान्य तिलक रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई 68 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रई-4/37ईई/21032/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

विनौक: 28-2-1986

माहर

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भागकर व्योधनियम, 1961 (1961 का 43) की

VINE REEL

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रजीत रेंग-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँ ह 28 फरवरा 1986

मं० श्रई-4/37ईई,21022,85→86:--अतः मुझै, लक्ष्मण दाप,

अग्रयात्म क्लंबोन्स ., 1501 (1961 का 43) (जिसे इसमें हुन्य क्ष्मात उपाय क्ष्मात उपाय क्ष्मात उपाय क्ष्मात उपाय क्ष्मात उपाय क्ष्मात क

श्रीर शिनको संख्या पर्लीट नं० 206, जा, 2री मंशिल, ए विंग, श्रीदित्य पार्क सो० एउ० रोड, दिहार (पूर्व), वस्वई- 68 में स्थित हैं (श्रीर इ.सि उपावड प्रनृपूची में श्रीर पूर्ण कर से विंगत हैं), श्रीर जिल्हा उन्तरतामा श्रीमकर श्रीधितियम 1961 का धारा 269 क, ख के श्रधीत वस्वई स्थित सक्षय प्राधिकारी के उद्योगिय में रिजिस्ट्री है कारीख 1→7→1985

की पृत्रोका सम्पत्ति के उत्तित नाजार मृत्य सं कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का जान की कि यक्ष्युक्षेचत स्पाल्त का उत्तित बाजार मृत्य, कर के व्यवसाय प्रतिकार स. एक क्ष्यमान क्रिकल का प्रत्या, कर के व्यवसाय प्रतिकार स. एक क्ष्यमान क्रिकल का प्रत्या, कर के व्यवसाय की कर स. एक क्ष्यमान क्रिकल का प्रतिकार से अविक हो और अत्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरिता) के बांध एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षण निम्नविधित उप्वदेश से उक्त अन्तरण में लिखित नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- ि राजारण में हुए जिस्सी आम की भाजस स्थास प्रिक्षणण जिल्लाहित कर दोने को अन्तरक को स्मायत्व में कमी करने या जनसं नजने को स्थिका १६ पियु: शीक्षणा
- (स) एंसी जिती आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अवः, त्वा श्रेष्ठं।यवः अतं प्रायः 26०वः के अनुमुद्रणः वं, श्री, ६वतं अतिविक्तं क्षति श्रादः 269-म की उपभाशः (।) के अधीन, निम्नलिखित न्यम्तियों), मभृति ध—न ा. मैसर्स गायल बिल्डर्स प्राइवेट लि०।

(श्रन्तरक)

2. श्रो एच० एस० पटेल श्रौर श्रन्य।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करक पृत्राक्त १४५६ तः अंअजन क निष् कार्यनारं सुक्र कारात होते

उक्त सम्पत्ति के अर्थन क सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपार में विकाशन की ताराध्य से 45 दिन की अविध था तत्मकाधी की उत्तर पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) हम सूचना के राज्यक में प्रधायन की तारीज में 45 किए के शीतर ज्ञान न्यापर अम्बीत में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्ति नृकारा अधाहम्ताक्षरों के पाम निर्मित में किए आ क्षांची।

स्थर्ष्याक्षरणः ----इसमें प्रयूचन शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

पलैट नं० 206, जो, 2री मंजिल, ए विंग, ब्राहित्य पार्क, सो० एउ० राड, ४हिन्छ (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि कर संरु श्रई-4/77ईई/21032/85- 86 श्रीर जा सक्षम प्राधिकारी, यम्बई द्वारा दिनौंक 1-7- 1985 की रिनस्टर्ज किया गया है।

लक्षमण चार, क्षम प्राधि तारंद, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरोक्षण), श्रर्जन रेंजेस्4, बस्बई

दिनौंक : 28--2-1986

प्रकथ बार्ड की . एन . वृत्त . ------

कुमारो कुमद सी० चबालिया।

(भ्रन्तरक)

2. श्री भ्रवतार सिंह काल्सो।

(भ्रन्तरिती)

मायकर मधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4. बम्बई

बम्बई, दिनाँक 28 फरबरी 1986 मं० ग्रई-4 37ईई₁ 20952/85-86:- अतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

आयात अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ≇सक व्यचात **'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा** 260-ल के अधीन रुधम प्राप्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 407 जो चौर्या मंत्रिल सो बिग, ताई विकेता, प्लाट नं० 142, एउ० नं० 1, मां० एउ० नं० 803, विलेश एक्सार, कंदारपाडा, दहिसर (प), बम्बई-68 में श्थित है (और इपसे उपाबद अनमूकी में श्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रो है, तारीख 1-7-1985

ऋषे पृथंक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम को **रह**यमान प्रतिपल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अहरिशियों) के बीच ऐसे अंतरण के जिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण हे हेर्ड़ किसी आय की बाब**त, उक्क** भाधनियए क अधीन कर दोने के अन्तरक को धायत्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के सिए: और/या
- (প) ऐसी किपी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ कः, किहा भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ता रती दुनारा प्रकट नहीं किया गया रा मा विया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को ऐसए,

· ː अ.स., उत्तर आधितयमः अति शारा २६५-गं**को अ**नुसर्गि में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात्:--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपंत्रि के अजन के संबंध मा काड़ी भी बार्शप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेंक्त व्यक्तियाँ में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्ट स्थावर संपत्ति में हितब्दध किसी अन्य व्यक्ति दुनारा क्षश्रोहरूनाक्षरी की पास निस्तिस में किए आ सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त अब्दो और पर्दो का, आ: अधिनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स् की

पर्लैट नं० 4.07, जो, 4धीं मंजिल, सी० विग, साई निकेतर प्लाट नं० 142, एन० नं० 1, सो० एप० नं० 803 विलेग एक गार कांतरशाडा दितार (प०) बम्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसूचो जै∏ा कि ऋ०सं० श्रई--4/37ईकी/20952/85-86 श्रीर जो सक्षमं प्राधिकारो, बस्बई द्वारा दिनीं का 1--7-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, ाक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिन[†]क: 28-2-1986

प्रथम बाह्", दी, एन, एस,, -----

नामकर निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचना

बाह्य खुकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरासिक) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 28 फरवरी, 1986

िर्देश सं० ग्राई-4,37,ईई,21016/85-86:---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संप्रतित विसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-उ से अधिक हैं

ग्रौर जिनकी संख्या प्लाट जिसका सी० टी० एस० नं० 689, 689/1, मे 3, विनेज दिहनर, तालुका वोरिवली, वस्वई, में स्थित है (श्रोर इससे उगावद अनुभूवी में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित नजन अधिकारों के कार्यालय में रजिंस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उक्ति वाकार नृत्य हे कम के क्यान प्रतिकास के निष्ण नन्तित की पहाँ हैं और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्परित का खीलत वाकाड भून्य, उसके क्यमंत्र प्रतिकास से, एसे क्यमंत प्रतिकास का उन्द्रह प्रतिकार से विभक्त हैं बार बंदरक (बंदरकाँ) कीर बंदरित (असरितियाँ) से बीच एसे बंदरण के लिए तथ पामा नथा प्रतिकास का निम्निनिष्ठ अस्थित से बन्ता क्या कारण कि कि से कार्थित की विकास के सम्पर्ण कि सिता में वास्तिका क्या से कार्थित नहीं किया कथा है है—

- (क) बन्तरम् सं हुई किसी बाव की बावत करत विभ-रिवस के नपीय कर बोने ही बन्तरक से बाबिएन के कमी करने वा उत्तरी व्यने के सुविधा के निष्; योड/वः
- (स) ऐसी किसी जान वा किसी भन वा बन्न बारिस्तरी को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर बौधनियम, या धन-कर बौधनियम, 1957 (1957 का 27) वे क्योंचनार्थ अन्तरियों द्वारा प्रकट वृद्धी किया नवा भा या किया जाना जाहिए था, कियाने वे स्विधा वे सिए:

नतः नव, उन्त विभिन्नियम की भारा 269-न के अनुसरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, स्थातः :— 1. श्री मनोहर ग्रार० भट्टे।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स एम. के० बिल्डर्स।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

बक्त सम्बद्धि के कर्षत्र के सम्बन्ध में कोई भी बाध्येप:---

- (क) इंड सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 हिन की समीभ या तत्सम्बन्धी म्यानितयों पर सूचना की तानील से 30 दिन की समीभ, जो भी अमीम बाद में समाप्त झाती हो, के भीतर पृत्रों कर स्थितियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वामा के राजपान में प्रकाशन की सारीय है 45 दिन के भीतार उन्दर स्थावर संपत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकार।

स्थाधीक रण: — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उन्तर विभिन्नियम के बच्याय 20-क में परिभाषित है, बढ़ी बर्श होंगा का उस अच्याय में विका प्रया है।

अन्तुची

प्लाट जिनका सो० टो० एउ० नं० 680, 680, 1 से 3, विश्व रहिंदर, तानुका बारिवली, बम्बई में स्थित है। अनुसूचो जैजा कि क सं० अई-4,37ईई/21016/85-86 घौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ल क्ष्मण दास नक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-4, बम्बर्ष

दिनौंक: 28→2-1986

प्रकार बाह्र . टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज -4, बम्बई

बम्बई-दिनौंक 28 फरवरी 1986 ग्राई-- 4₁ 37₁ईई, 20732₁85-86:---- मतः सं० लक्ष्मण दास,

*बायकर अ*धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्ष्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्नौर चिसकी संख्या पलैट नं० 33, जो, 4धी मंजिल, की० विग, प्राकृति इमारत, प्लाट बी, लिकिंग रोड, प्राफ छत्रपति शिवाजी रोड, वहिसर (पूर्व), बम्बई--66 में स्थित है (घौर इसमे उपाबद्ध श्रनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित और जिसका करापनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1~7~1985।

को पुर्वानित सम्पत्ति को उचित बाजार मृश्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है आर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धरयमान प्रतिफल से एोसे धरयमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिकास से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और बन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिकित में बास्तमिक रूप से इधित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की शहरा, उक्त अधिनियम को अधीन कर वोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में यदिक को लिए; कौर∕या
- (ब) एमी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर बिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोध-नार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधन के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) 📦 कभीम, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थाव् 🖫 🗝

1. श्रमीत एसोसियेशन।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीघर यादव दलवी।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचनाकी सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हित्रब्रह्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के पा" लिक्षित में किए आ सर्कों गे।

लक्ष्मीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और गदों का, जो उक्त विधिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो तम अध्याय में दिया पया 👸 ।

धनुसूची

फ्लैंट नं० 33, जो, 4थीं मंजिल, बी-विंग, श्राकृति इमास्त, प्लाट बो, लिंकिंग रोड़, आपक छत्रपति गिवाजी रोड़, वहिसर(पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

भन्सूको जैसाकि ऋ० सं० भई - 4/3 7ईई / 2 07 3 2/85 -86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

विनौक: 28~2~1986

मोहरः

त्र**क**ष क्षा**इं.टी.एन.एस**् जननार-सन्दर्भन

मायकार मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-व (1) के मधीन स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० प्रई→4/37ईई/20791,85-86-- प्रतः मुझ, लक्ष्मण दास,

बायकर विशिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिवियम' काहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या पर्नेष्ट तं० 9, जो, निर्माला निकेतन, मराठा कालांनी, दिहनर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1~7~1985

का प्वांक्त सम्परित के उचित बाजार मुलय से कम के ख्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गर्य हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथाप्वोंक्त संपरित का उचित बाजार मुख्य, उसके ख्यमान प्रतिकत से पृत्ते ख्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रति-क्ष्म, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उच्च ब्रन्तरम् निश्चित में बाम्निकक क्ष्म में स्थित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ब्रांशिक्य में कियी करा अधिकार के किया में किया किया है।
- (क) एती किसी नाव मा किसी धन ना बन्च जास्तियों को, जिल्हों भारतीय जासकर विधिनियनम् , 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर व्योधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोकताथ अन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किना नया हो जा किया और अपने में स्विका की सिए;

अतः १४४, उक्त अधिनिवस की भारा 269-न के अबुबरण कीं, भी उस्त अभिनियस की भारा 269-व की उपभारा (1) के तथीर निक्सीर्याभग व्यक्तियों, संगति :--- 1. श्री सी० के० गोगरी ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमतो के० टी० धरमशी ग्रॉर श्री के. के० धरमशी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त संपर्शित के अर्थन के विशेष्ट कार्यक्रित हों।

जनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कार्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस नुषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत भ 65 दिन की अविधि मा तत्मम्लानों म्यक्तिका एर स्पना की मामीन से 30 दिन की बविधि, भी भी अविधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर प्रवित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताब्द्ध विसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहण्याक्षरी के पास जिल्हा में किए जा सकेंगे।

जनसंची

फ्लैंट नं० 9 जं। निर्मला निकेतन मराठा कालोनी दहसिर (पूर्व) बम्बई-68 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैंगा कि ऋ० सं० ग्रई-4/37ईई/20791/85-86 ग्रीर जो शक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनाँक 1-7-1985 को र्जिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दात मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्त श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 जम्बई

दिनाँक: 28-2-1986

प्रथम सर्व_क दौ_{र स्मिश्न स्थित । । । । ।}

नावकर समिनियम् । 1961 ((1961 का 43) की चाछ 269-व ((1) में सर्वीय क्रका

भाइत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986

सं० श्रई-4/37ईई/20995/85-86-- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. सं अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 308, जो, 3री मंजिल, क्षीनाम श्रपार्टमेंट, एस० नं० 132/5, एक्सार विलेज, बोरिवली (प०) बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनेसूची में पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिशित्यम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985।

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का प्रवह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) ने बीच ऐसे बंतरण के सिए नव पावा गया प्रतिफ फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण वे हुई किसी बास की वासके, स्थव योपनियम से वर्णन कर देने से सम्बद्ध में स्थित में क्यी करने वा प्रवर्त वचने में सुविना में सिक्; स्रोट्टर्ग
- (व) ऐसी किसी जाग या किसी थन वा जन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय सामकर जीवनियम, 1922 (1922 का 11) वा संजत अधिनियम, वा चम- कर जीवनियम, वा चम- कर जीवनियम, वा चम- कर जीवनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रवोजनार्थ सन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वामा या किया जाना वाहिए का, जिनाने में सुविधा के सिद्ध की

प्रगति कन्स्ट्रक्शन कारपोरेशन।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० ग्रार० मेहता ।

(भन्तरिती)

को यह गुणमा बारी फर्के प्रतेकत तस्त्रीत के वर्षम् के जिल् कार्यवाहिन्द्री करता हुई।

रक्त प्रमत्ति के वर्षन में प्रमत्त्व के क्रीक् भी महत्त्व ह---

- (क) इंच ब्याना के रायपण में प्रकाशन की तारीय थी. 45 दिन की श्रमित या तत्त्वस्त्राची व्यक्तियों वर क्याना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, की धीं व्यक्ति गांद में बमाप्त होती हो, से भीतर प्रतिका व्यक्तिमों में दें किसी व्यक्ति कुवाय;
- (क) इब भूचना के यायम में प्रकाशन की तारीय वें 45 विन कें शीतर उक्त स्थापर तस्पत्ति में हितवपृथ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा नभोहस्ताक्षरी के पाथ विश्वित में किस् का सकों ने ।

स्थलनियम् इत्या प्रमानियम् का का अवस्य अपित्राचित्रं के स्थानियम् के स्थान 20-क में प्रशासित्रं हैं, वहीं सर्व होता, को उस स्थान में दिवा क्या हैं।

नन्स्ची

फ्लैंट नं० 308, जो, 3 री मंजिल, श्रीनाथ श्रपार्टमेंट, एस० नं० 132/5, एक्सार विलेज, बोरियली (प०), बम्बई 92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कल्स० श्रर्श-4/37ईई/20995/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रंज-4, बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

प्ररूप आर्घ. टी. एन. एस.-----

अगयकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986 सं० अई-4/47ईई/20996/85-86:--अतः म्झे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- राज्य से अधिक ह

श्रीर जिसकी सख्या फ्लैट नं० 202, जो. 2री मंजिल, श्री नाथ अपार्टमेंट, कंदारपाडा, विरा हनुमान नगर के आशे, दिहसर (प०), बम्बई-68 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबड़ा अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रौर जिसकाकरार नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित दाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बायः की बाबतः उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय क्षायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविधा को लिए:

अन्तः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में,, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) कं रोधी निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैसर्म प्रमात पत्रवदृशन कारपोरेणन।

(अन्धर्म)

2. श्री एच० एम० कामस श्रीर वाई० एच० कासम।

(ग्रन्तरिती)

कों यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए, कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस समाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का. अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

नन्स्वी

फ्लैट नं० 202, जो, 2री मॉजिल, श्रीनाथ अपार्टमेट, कंदार भाष, विरा हुनुमान नगर के आगे, दक्तिसर (प०), में स्थित है।

अनुम्ची जैसा कि क सं० अई-4/37ईई/20996/85-86 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लङ्गण दास. सक्ष म प्राधिः सी, हिषक आयकर आयुक्त (निर्धाक्षण), अर्जन रेंज-4,बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

मं(हर:

शक्त बार्व हो एव एवं । पर-

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-आ (1) के संभीन सूचना

HISE VERNE

कार्यांचय , सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-4, धम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986

मं ० अई-4/37ईई/20800/85-86:--- अत मुझे, लक्ष्मण दे। **स**,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्यां इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विष्टमान करने का कारण है कि स्थावर सम्मृत्सि, विस्का उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 205, जो, 2री मंजिल श्रीन(थ अपार्टमेंट, घंदारपाडा, विरा हनुमान नगर के सामने, दहिसर (प०), बम्बई-68 में स्थित है श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम 1971 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित नाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझा यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त सुम्मित्त का उजित नाजा मूक्य उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वभान प्रतिफल का पन्छह प्रविश्वत से मिक्क है और मन्तरक (मन्तरकार) और मन्तरिती (मन्तरित्यों) से बीच एसे मन्तरक से लिए तय पाना गया इतिफल, निम्निसिंद्य स्वयंक्षों से उक्त मन्तरक किन्दिए में नाम्यविक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (फ) अन्तरण सं हुई किसी बाय की वावत, उक्त अधिनियम् वी बंदीन कहु दोने की बन्तरक औ बाह्यरण में कभी करने दा उससे वचने में सुधिथ। की नित्तर, कीर/या
- (क) एस किसी जाय या किसी धन मा अन्य आस्तरा को, चिन्ही आरतीय बाय-कर बर्धिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्रिधिनियम, मा धन-कर बर्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के असिकार्य बंदिरती ब्वाया प्रकट नहीं किया व्या भा या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अन, उक्त अभिनियम की भारा 269-म को अनुसरण मों, मों, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिष्त व्यक्तियों अधीत् क्ष्मां मैसर्स प्रमति कन्स्ट्रमध कारपोरेशनण

(अन्तर∙ह)

2 श्री जे० डी० टन्ना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी कारके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के कर्जन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हुए ।

उन्त सम्पत्ति के नर्पन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारींच के 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी क्यक्तियों पृष्ठ स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के धीत र प्रवेक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राथ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणं :—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिवर्तित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धषुसूची

फ्लैंट न० 205, जो, 2 री मंजिल, श्रीमाथ अगटमेंट, कदारपात, विरा हनुत्त नगर के आगे, दिहसर (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा जिक क सं० अई-4/37ईई/20800/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वरा जो दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड िया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेण-4,बम्बई

दिनांग: 28-2-1**98**6

प्ररूप आहरं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986

सं० अई-4/37ईई/20801/85-86:-- अतः मुझें, लक्ष्मण दोस,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सख्या फ्लैट नठ० 107' जो, 1ली मीजल. श्री नाथ, अपार्टमेंट, कंदारनापाड़ा, विरा हनुमान नगर केसामने, दिहसर (प), बम्बई-92 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण स्प से विणित हैं), ग्रीर जिसका करार नामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकाकों के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के रूपमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोध्य से उच्त अन्तरण लिखित में भास्तिक रूप से किथन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी अगय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, खक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधास (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. मैसर्स प्रगति कन्स्ट्रवशन कारपोरेशन।

(अन्तरहा)

2. श्री गिरीश कांतीलाल ब्रास ग्रौर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से -45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाबन की गरीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति के हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति स्वारा बधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्याक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त कथां भीर पदों का भा अवेद अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लैट न'० 107, जो, 1ली मंजिल, श्री नाथ अपार्टमेंट, कंदारपाड़ा, विरा हनुमान नगर के आगे, दहिमर (प०). बम्बई-92 में स्थित हैं।

अनुसुची जैं। कि क्र सं० अई-4/37ईई/20801/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

प्ररूप बाइ िटी । एन ३ एक ३ ॥::--:

जाबकर अभिनियस,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जधीन सूचना

भारत तरकार

फार्मास्य, सहायक जायकर बाब्क्त (विद्रासिक)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिसांक 28 फरवरी, 1986 सं० अई-4/37ईई/21116/85-86:- अत मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रांर जिसकी संख्या महात नं० 15, जो, तलमाला, नन्द धाम, भाउसाहब परब रोड, दिह्मर (ए०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रांर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रांर पूर्ण रूप से बिंगत है), श्रांर जिसहा एरारनामा आयकर अधिनियम 1,961 की भाग 239 इ. ख के अबीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985।

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल सा पंत्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कस निकालिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित्त में बास्तविक कम से किंगत नहीं किया नवा है :--

- (क) जन्मरणु में हुई किसी जाम की वावत, उनसं अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के 'ब्रायिस्थ में अभी करने या उससं बचले में यितथा के निए; बार/या
- (च) एसी किसी नाय या फिसी धन या जन्य आस्तिया को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धनकर किधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था जियाने में स्विधा को किए;

बतः वय, उक्त विभिन्निय की बारा 269-न के बनुबर्ध वो, वो, उक्त विभिन्नियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के बुधीन्, निक्नसिक्ति व्यक्तियों के ब्रुपीन्, निक्नसिक्ति व्यक्तियों के ब्रुपीन् 1. श्री पन्ना लाल डी० जोशी।

(अन्तरक)

2. श्री मगनबाई ए सालकी ख्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बार्री करको पूर्वोक्त सम्पतित के वर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उसत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ६ 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की जबीध, जां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितथद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वास अभाहस्ताक्षरी के वास निवित में किए या सकेंगे।

ल्यच्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सबा की

अनुसुधी

दुकान नं० 15, जो तल माला, नन्द धाम, भाउसाहेब परब रोड, दहिसर (प०),बम्बई--68 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि क्र सं० अई-4/37ईई/21116/85– 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिसांक 1-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, मलम प्राधिकारी, सहायक आयकर आकृत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4,बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

माहर:

प्रका बाह्य देते. एव . एव . -----

जायुकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

कार्यास्त्र, सहायक नायकर नायक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-4, सम्बई

बम्बई, दिनाँक 28 फरवरी 1986

सं० अई-4/37ईई/21192/85-86-- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या दुकान नं० 3, जो, धिरण अरार्टमेंट, वामणराव सावंत रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है), श्रीर इससे ज्याबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), श्रीर जिसात करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 फ, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, गारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पांत के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिस्ता से ब्रिक्ट हैं और बन्दरक (बन्दरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया बबा प्रतिफल निम्निसिबस उद्योक्य से उक्त अंतरण निवित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है दन्न

- (क) श्रीक्षाक्ष से हुई किशी नाम की नामस्त समय निधानियम के द्यीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे नचने में स्विधा के किए; श्रीप्रया
- (क) एसी किसी बाब वा किसी भूत वा बन्य जास्तिकों करें, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), था उसत अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वीरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में स्विचा के विद्या

नतत भन उन्त महिनान की भाष 269-ए के जनुसरण को, को, अन्त निर्मात को भारा 269-ए की उपभारा री) के निर्मात किल्ला को कार्या क्षात ह— 1. श्री ठाकार भाई देसाई एण्ड सन्स।

(अन्तरक)

2. श्री निपिन ब्रजलाल सोनी।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बार्डी कम्रके प्रोंक्त संपत्ति के वर्षन भी निध् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के समय में काई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख छं 45 दिन की जनिध या तत्संबंधी क्वित्समों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती डो, के नीतर पूर्णका क्वित्यों में से किसी क्योंक्स द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकी।

स्पक्षीकरणः - इसमें प्रयुक्त भन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ द्वांगा व्यो उस अध्याय में दिया मया है।

भ्रनुसूची

दुकान नं 3, जो, बिरज श्रपार्टमेंट, वामणराव सावंत रोड दहिसरा (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की ऋ०मं० ग्रई- $\frac{1}{3}$ 7ईई $\frac{1}{2}$ 1192 $\frac{1}{8}$ 5-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-4, अम्बई

दिनांक: 28-2-1986

त्ररूप नाइं.टी.एन.एत्. "-----

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). भारा 269-म (1) से अभीन सुमना

बाइव बड्रक्ट्

कार्याख्य, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग-4. बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986

मं० अई-4/37ईई/21999/85-86:-अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर जीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे एतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भाषा 269-ज के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

- (फ) अन्तरम से हुई किसी आम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने की अन्तरक की दाबित्य में कमी अपने वा उत्तर्श वचने में बुविधा के किए; आद्र/बा
- (क) एसी किसी जाव वा किसी भन या जम्म जास्तियों की जिन्हों नारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राचित्तियों अन्तीरितों कुनारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के निर्देश

मतः अस, उक्त जीधीनयम की धारा 269-न को सनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. एम० वेः० जनस्ट्रक्षशन।

(अन्तरक)

2. श्री राजेश्वर रघुराज सिंह।

(अन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके धूबीक्त सम्पत्ति क जवन के सिए कार्यवाहियां काउता हो।

अवत तम्प<u>रिता को मर्जन की त</u>म्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ए----

- (क) इस सुधना के राधकन में प्रकासन की तारीस कें 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियां पर सुधना की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी नवीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इत त्वना के वायभन में प्रकाशन की दारीय है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मास्त में हितयक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगा।

स्परकीकरण:---इसमें प्रवृक्त सब्यों और पर्या का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही कर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गया हैंगा

मन्त्र्य

दुकान नं० 6 जो, तल माला, इमारत नं० 1, सी०, टी० एस० नं० 673, मंत्री टावर, बिट्टल टेम्पल के सामने एल० टी० रोड, दिहसर (प०), बम्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० अई-4/37ईई/21198/85-86 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयारण आयुवा (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बस्बई

दिनांक: 28-2-1986

प्रकृष् नार्के,टी. एन .पास.,------

नायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-मं (1) के अभीन सूचना

नाया सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, अम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 28 फरवरी 1986

मं० अई-4/37ईई/21252/85-86:-- अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या दुकान नं > 5, जो, तलमाला, इमारत नं ० ए, बिर हनुमान नगर, बिलेज एक्सार, सर्वे नं > 132, एच० नं > 2, सी० टी० एस० में 829, दिहसर (प०), बम्बई-68 में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप सं वर्णित हैं), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-7~1985।

को पृशासित सम्परित को उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मृत्रों वह विश्वास करने का कारण है कि यथापृशोंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृत्य , असके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्दह भित्रवत से अधिक है बीर बंतरक (वंतरका) और बंतरिती (अन्तरितीं) के सीच एसे क्यरण के सिए तय पागा नया प्रतिफल, निश्नतिवित उद्योग्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) बनारण से हुई किवी जान की बावछ, उसके विधियय के जबीन कर दोने के बन्दरक की क्षियत में कहीं करने या उसने बचने के सुनिका की निक्ष; और/बा
- (ग) एरेंसी किसी आम या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को निम्ह आरतीय वायकर विभिन्नयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

भतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भाष 269-व की उपभाग्य (1) के अभीन, निम्नीलीवत स्पक्तिकां, अर्थात्:—

- 1. मैरार्स भूपर बिल्डर्स एण्ड डेवलपर्स प्रा० लि०। (अन्तर्क)
- 2. श्री हरीहरी गांधी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्क कुम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्स क्

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों;
- '(ख)' इस सुचमा की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में दरिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस क्ष्वाम में दिला क्वा हैं।

अनुसूची

दुकान नं० 95, जो, यल माला, इमारत नं० ए, विर हनुमान नगर, विलेज एक्सार, एस० नं० 132, एच० नं० 2, मी० टी० एस० नं० 729, दहिसर (प०), वम्बई- 68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कासं० अई-4/37ईई/21252/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलाक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-4, बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

इस्त प्राह्में हों हुए। हुई अध्यानन्य

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के स्थीन स्वना

हारत बरकार

कार्याक्षय_ः सहारक जारकर शान्त्व ([वर्राल्य]

अर्जन रेंज-4, अम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986

निदेश सं० श्रह-4/37ईई/21134/85-86:-अत: मुझे, लक्ष्ण दास;

नायकर निविचिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सकान प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित वाबार मुक्ब 1,00,000/- रह. से मुक्कि हैं

श्रौर जिसकी संख्या बुकान नं० 8, जो, अवधुन नगर, प्लाट नं. ए-1, छत्र ि शिवाजी रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68. ने देया है (श्रोप इसो उपाबद्ध अनुसुची में श्रौर पूर्ण कप से विणि। हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थिम सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 1-7-

को पूर्विक्त सम्मन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्मन्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिसत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अम्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेदिय से उन्त मंदरण सिसित में रूप में किथत नहीं किया गया है:—

- (क) नंबरण वे इ.इ. फिकी नाय की वावस, उक्त विधिन्दम के मधीन कर बोने को वंतरक के वावित्य में कती करने वा उसके वचने में इ. विधा के निष्; जीर/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य नास्तियों की, जिन्ही भारतीय नायकर मुधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या भन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ मंत्रिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा निया भाग जाहिए था, छिनाने में सुविधा भी निया

1. मैं० पिर मोहम्मद बालम।

(अन्तरक)

2. श्री झवेर चन्द जैसा शहा।

(अन्तरिती

का वह सूचना जाडी कडकी प्रवेषित सुन्युत्ति के श्रवंत के जिल्ल कार्यवाहियां करता हुते ()

तनत ब्राप्यरित के वर्षन के बन्यरम् में क्रोई ही बार्बर हुन्न

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की सविध या तत्सविध स्वीपतारों पर स्कार की तारींच से उठ दिन की स्वधि, को भी क्विय वाद में समन्त्र होती हो, को भीत द्र पूर्वोंच्य स्वित्यों में से हिकसी स्वित्य द्वाराहः
- (क) इत सूचना के राजपन में प्रकाशन को बाहीब है 45 विन के भीतर उपत स्थावह सम्पत्ति में हितवबूद किसी जन्म स्थानत ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पात विवित में किए वा बुकेंचे ।

न्यक्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त कन्यों और पद्यों का, को उच्छे अधिनियम - को अध्याय 20-क में परिभावित हैं, नहीं अर्थ होगा को उस नध्याय में विदा क्या हैं।

अनुसूची

दुकान नं० 8, जो, अवधुत नगर, प्लाट न० ए-1; छत्रपति शिवाजी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० अई-4/37ईई/21134/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रुजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अजैन रेज-4,वस्बई

दिनां हः 28-2-1986

प्रकृष ओड्डॉच दीज पुराज पुराज्यकारण

जायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) के जभीन सूचना

प्राप्त चरकार

कार्यासय, सहायक जायकर बावकर (निरासक) अर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्वेश सं अर्ध-4/37-ई ई/21077/85-86—यत: मुझें, लक्ष्मण दास.

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसको परवात् 'उक्स मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 2, जो, मुरारी नन्दयन, सी० टी० एस० नं० 1664-वी (श्रंण) श्रीर 1665-वी (श्रंण), एस० वी० रोड़, दिहसर (पू), बम्बई-68 है, तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपायड अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कायलिय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दृश्यभाग प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, इनके दृश्यमान प्रतिफल को पन्यह इतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितीं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा इतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गिस्तिक हम से अधित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की वावत, उक्त निधानियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उग्रसे बचने में सुधिधा के तिए; अडि/या
- (ख) ऐसे किसी नाय या किसी भन या जन्य आस्तियाँ कां, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 कां 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं विद्या गया का बा किया जाना वाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

नतः, अव, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण हो, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के के अधीन, निम्नीलिखत व्यक्तियों, अर्थात् हुन्न

ा. आर्के बिरुडर्स

(अन्तरक)

2. डा० एस०एण० जैन श्रीर अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह तुमना बारों करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के वर्णन वें लिए कार्ववाहियां बुक्त करता हूं है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाशेष है---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान। की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वें 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविक में किसे जा सकती।

स्थाब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त काव्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिवा वया हैं.

बम्स्**यी**

दुकान नं० 2, जो, मुरारी मन्दभवन, सीर्व्ट ०एस० नं० 1664-बी (ग्रंण) ग्रौर 1665-बी (ग्रंण), एस० वी० रोड़, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि॰ सं॰ आई-4/37-ई ई/21077/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-85 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण द(**स** ांक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) -अर्जन रेंज-4, बम्ब**ई**

तारीख: 28-2-1986

मोहर: :

प्रकृष् आहें .टी. एन. एस . - -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन ऐंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनां रु 28 फरवरी 1986 निर्देश सं० आई-4/37-ई ई/21038/85-86---यतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

भागकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रार जि कि मं व्यक्तित नं हैं 12, जो, तल माला, वर्धमान इंडस्ट्रियल इस्टेट, दिह्मर (पूर्व), बम्ब-ई68 है, तथा जो सम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण इस से विजित्त हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई, 1985 को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुमें यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्वेंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तथ पाग प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण में जिस्त में वास्तिबक रूप से कि विच नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकतः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सर्विधा के लिए; और/या
- (का) एकी किसी खाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीं ५ निम्निसिस्त स्थीक्तयों, अधीत्:-- 1. वर्धमान कन्स्ट्रमशन कम्पनी।

(अन्तरक)

2. विरेश सी० मेहता ग्रार अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सुधना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उच्चत स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी के पास विवित में किए जा सकेंगे।

स्पक्किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाविक है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

भन्सूची.

युनिट ने० 12, जो, तल माला, वर्बमान इंडस्ट्रियल इस्टेट, दहिसर, बम्बई-68 में स्थित हैं ।

अनुसूची जैसा कि कर्ष अंदि-1/37-ई ई/21038/85-86 फ्रींट जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टई किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि जरी सहायत आयक्ष्म (किरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख : 28-2-1986

प्रस्प नाइँछ दी ु एन , एस ूड-ड-डडन

बायकर बर्धिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ को अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक भागकर आगृक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई, 4/37-ई ई/20844/85-86---यनः मुझे लक्ष्मण दासः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 (जिसे इसमें इसके परवास् 'उयस अधिनियम' कहा गया हं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उदिक बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर िसकी सं० दुनान नं० 2, जो, मोहन इगरत, सी० टी० एस० नं० 1664-बी (श्रंण) और 1665-बी (श्रंण), नन्दनवन, एस० वी० रोड़, दिहसर (पूर्ण), बम्बई 68 है, नथा जो जो धमाई में स्थित है (श्रार इससे उपाबद्ध अनुः चि में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बमाई स्थित क्षिम प्राधिक री के कार्यालय रिजस्ट्री है, नारीख 1 जुलाई, 1985 को पूर्वे कि सम्पत्ति के डिचल बाजार मृख्य से का के ध्रममान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते रह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचिब बाजार मृख्य, असके इश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्रमान प्रतिफल के एस्स्ट्रिस प्रतिफल से, एसे ख्रमान प्रतिफल के एस्स्ट्रिस प्रतिफल से, एसे ख्रमान प्रतिफल के प्रस्क इर्यमान प्रतिफल से, एसे ख्रमान प्रतिफल के प्रस्क इर्यमान प्रतिफल से, एसे

भौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरितयों) के भौज एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अबुधेच्य से उपत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

- नहीं किया गया है हु——

 (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर बेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुक्षिण के सिए; बौर/या
 - (स) एसी किसी आय या निजी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त शिंभिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनने में सुविधा हो सिए;

जतः अभा, उक्त अधिनियम की धारा 26०-ग के अनुसरण भी, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) भी अधीन की जन्मिसियों, अधीत् ६—-- 1. श्री मसर्स श्राक बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री श्रीरजलाल खी० जोणी ग्रांर अन्य ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कीड़ भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त स्मिक्तयों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति ये
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध निस्ती अन्य व्यक्तित इवारा अधिहस्ताक्षरी के पास सिविधत में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः ---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त श्रीभनियमः, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

दुआन नं २ 2, जो, मोहन इमारत, सी० टी० एस० नं ० 1664-की (प्रंग) और 1665-की (श्रंक), नन्दनवन, एस० की० रोड़, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुमुची जैसा कि ऋ० सं० आई-4/38-ई ई/20844/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनाक 1-7-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्त्रण दा**स** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

नारीखा: 28-2-1986

मुख्य प्राप्त के वील स्था प्रयोगनननन

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) में सभीन सूचका

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-4/37-ई ई/20873/85-86---यतः मुझे, लक्ष्मण दास.

जानकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसमें एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कार्य हैं कि स्थायर सम्पत्ति, चित्रका उचित बाचार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रांग णिसकी संबद्धान नंद 4 जो तल माला, नीलकंठ, छत्रपती शिवांजी रोड़, दिह्सर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित हैं (प्रांर इससे उपाबद्ध अनुसुची में प्रांर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), प्रांर जिस हा करारतामा आयंकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1 जुलाई, 1985

को प्रॉक्त सम्मत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के स्वयमन प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकृत से बिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीण एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त क्य, तिभ्नतिबृत उद्गदेश से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त क्य, तिभनिवृत्वित उद्गदेश से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त

- (का) शत्त्रप्त वे हुए किसी मान की नायक समझ स्थिन नियम की स्थान कर योगे के स्वाहक को सामित्व की कभी करने ना समझे न्यून की स्थिता को सिने। सर्वे मा/
- (स) एंती किसी नाय या किसी भन या अध्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर जीभिन्यन, 1922 (1922 का 11) या उनत जीभिनयन, या भन-शाए अभिनियन, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तरिती हुगरा प्रकट नहीं किया नृता था या किया आगा आहिए था, कियाने में बृहिन्था की किए।

लतः क्य, जन्त विभिन्नित्र की भारा 269-न की, वनुसरम भी, भी, उन्त विभिन्नित की भारा 269-व की उपभारा (1) के सभीता, निकासिकर व्यक्तिकी, वर्षाय करूर 1. श्री रामकोटैया एल० मोरा ।

६ (अस्त्रक्तं)

2. श्रीमती मेघवाई डी० वेढीया ।

(भ्रन्तरिती)

क्ये यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरितः को अर्जन की जिल्ला कार्यवाहियां करता हो।

अन्त राम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप १---

- (क) इस स्थान की रायपन में प्रकाशन की ताड़ीय वें 45 दिन की सर्वीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की नविध, को ती अपिथ बाद में समाप्त होती हो के भीतर प्वींक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय द्वारा;
- (क) इस त्थान के राथपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बहुप किसी जन्म व्यक्ति इसारा, स्थोहस्ताकड़ी वी साथ सिवित में किए या सकेंगे।

त्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रवृक्त कव्यों बीट धर्यों का ,- को उनक विधिनियम के बच्चाय 20-क वें परिभावित ही, यहीं वर्ष होता को उत्त बच्चाय में दिया गया ही।

नगरा ची

दुरान नं० 4, जो, तल माला, नीलकठ, दहिसर (पूर्व) छत्रपती शिवााी रोड, धम्बई-68 में स्थित है ।

अनुसूची ोसाकिक ० सं० आई-4/37-ईई/20873/85-86 भ्रार जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बईद्वारादिनांक 1-7-1985 का रिजस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीखा : 2**8-2-1**986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986 निर्देश स० आई-4/37-ई ई/20903/85-86----यत:, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संज्यु हान नंव 5, जो, तल माला मंत्री टावर, सीव टीव एसव नंव 673, एलव टीव रोड़, विठ्ठल टेम्पल के सामनें, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 है, तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, इसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री एम० के० कन्स्ट्रक्शन

(अन्तर्क)

2. श्री हीरा स्टोअर्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्स भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोक्षरण: --इममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क मे परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय। गया है।

अनुमुखो

दुकान नं० 5, जो, तल माला, मंत्री टावर, सी० टी० एस० नं० 673, एल० टी० रोड़, विट्ठल टैम्पल के सामने, दहिसर (प०), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० मं० आई-4/37-ई ई/20903/ 85-86 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-95 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

नारीखा : 28-2-1986

महित्र ३

THE RIGHT WAS THE STATEMENT

बाधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुधना

PIST TERMS

कार्यासर, सहायक बायकर बायुक्त (निर्वेक्क)

अर्जन रेंज-4, धम्बई धम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986 निर्देश सं० आई-4/37-ई ई/21266/85-86---यतः मुर्से, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख़ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मृत्य 1,00,000/- रुपये व अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० दुकान नं० 2, जो, प्लाट नं० 18, सी० टी० एस० नं० 897, श्रंबर, एल० टी० रोइ, दिहसर (प०), घम्बई-68 है, तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रार इसमे उपाबस अनुसूची में श्रार पूर्ण का से विणित है) श्रौर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 ज्लाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उणित बाजार मूल्य से कम को स्थ्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसको स्थ्यमान प्रतिफल को, एसे व्यवमान प्रतिफल का पत्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्ण के निए तय पाया भवा प्रतिफल, निम्नलिखित उज्वेरिय से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जंतरण से हुई किसीं नाय की बाबस, उक्त बहुविनक के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) एंची किसी अाव या किसी थन वा अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर जीशीनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जिशिनयम, या थन-कर जीशीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट यहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा भे किए।

जराः जब, उक्त निधिनियम की भारा 269-स में जनसरण जें, में, उक्त निधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (१) के अभीन, निम्निनिचिष्ठ व्यक्तियों अभीत है—— 1. मैसर्स डिल(इट इटरप्रायमेज

(अन्तरक)

2. श्री यशवंत जी० जोशी श्रीर अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुई 1.

उन्त सम्परित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई थीं वालंप हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकने।

स्पन्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिशः गणा हैं।

-

दुकान नं० 2, जो, प्लाट नं० 18, सी०टी० एस० नं० 897, श्रंबर, एल० टी० रोड़, दहिसर (प०), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-4/37-ईई/21266/85-86 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, धम्बई द्वारा दिनांक 1-7-85 को रजिस्टई किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी हि।यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, धम्बई

तारी**ख** : 28-2**-**1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 च (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-4/37ईई/21232/85-86—यतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के स्थीन सक्तम प्राधिकारों को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संबद्धनानं 7, जो, गिरनार इमारत, वायव आरव तावडे मार्ग, दिहसर (पूर्व), बम्बई है, तथा जो धम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाधब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विगत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिक्यम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गई है और भूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्थमान प्रतिफल से, एोसे स्थमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तन्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उव्वदेश से उक्त अंतरण सिखित में बास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है है—

- (क) बंबरण से हुइ किसी बाब की बाबता, बक्त अधिनियंत्र के अभीत कर बोने के अन्तरक को बाबिस्थ में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा की सिए; बॉर/मा
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ववा वा का किया वाना वाहिए वा, किया में सुविधा के जिला।

नत: अंग, अक्त ऑिथनियम की धारा 269-ा कै अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ा— 1. मैस्स बालाजी इन्वेस्टमेंट कार्पोरेशन

(अन्तरक)

2, श्रीमती छाया आर० आनटर

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वीक्त सम्पृतिक के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

वन्त बर्म्सात के अर्वन के संबंध में कोई भी जातीर है---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की सबिध या तत्संबंधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अर्धाह्स्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन सुर्द्धाः

दुकान नं ० ७, जो, गिरभार इमारत, वाय० आर० सावडे मार्ग, दहिसर (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-4/37-ई ई/21232/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिफस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन् रेज-4, बम्बई

तारीख: 28-2-1986

प्रक्ष बाह् , दौ . एत . एस ,-------

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

नारवं तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986 निर्देश सं ० आई-4/37-**१**ई/21328/85-86---यत:, मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसके परवात् 'उक्त मीधीनयम', कहा गया ही, की पारा 269-श को सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/- रा. से धाधक है

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, जो, तल माला, सुमंगल अपार्टमेंट, एस० नं ० 62, टी० एस० 1720, एक्सांगर विलेज, बोरिवली (प०), बम्बई-92 है, तथा जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में फ्रोर पूर्ण रूपा से वर्णित है) फ्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन, श्रम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय में रिएस्ट्री है, कारीख 1 जुलाई, 1985

का पर्थोक्त सम्पत्ति के जीवद बाजार मध्य से कम के क्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित क**ी ग**र्क**है और मुक्ते यह विश्वास** करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्सरक (अन्सरकारें) और मन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के स्प्रितय वाया गया प्रतिफल, निम्नीसवित उद्देवय से उक्त अन्तरण सिचित में गास्तविक रूप हो कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा को निए; बरि/या
- (क) एेसी किसी बाय या किसी धम या अन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) **क**ें त्रणं शार्भ यंत्रीरनी दवारा प्रकट । मही विद्यार गरा था या किया जाना शाहिए था, डिम्पाने में सविधा चे लिए:

दत: अब,, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्मरण चें, म[⊭] श्ववत करींभनियम की भार‼ 2,69-व की उपभारा (1) निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---क्रे अपनी 45-26 GI/86

मैसर्स निकेता युभिक

(असारक)

श्री गिरीण सुबराय पै

(अन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के नर्जन की जिला कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कांई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या शहसम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचना की तामील से 30 दिन की वर्षांध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसा स्पक्ति इवारा;
- (क) इस स्वता के प्राथमन में प्रकाशन को तारीय के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-वद्य किसी अन्य व्यक्ति दुवारी अक्षेह्स्ताक्षरी 🗳 पास लिसित में किए जा सर्कोंगे।

ल्पच्यीकरण:---इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जॉ उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित **है, वही अर्थ ह**ोगा - इस नध्याय मे⁻ विका गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं 1, जो, तल माला, सूमंगल अपार्टमेंट, एस । नं० 62, टी० एस० 1720, एक्सार विभुज, बोरिवली (५०), वम्बई-92 में स्थित है।

अनस्ची जैसा कि ऋ० सं० आई-4/37-ई ई/21328/85-86 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 28-2-1986

मोहर 🖫

प्ररूप आहुँ. टपि. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरोक्षण) अर्जन रेंज-4. अम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-4/37-ई ई/21015/85-86---यत:, मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00.000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिस की सं० दुनान नं० 28, जो, तल माला, इमाप्त नं० 3, सुपेरतगर, एस० वी० रोड़, कोरा केन्द्र के सामने, बोरिवली (प०), बम्बई-92 हैं, तथा जो बम्बई में स्थित हैं, (भौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भ्रांप पूर्णका करारामा आयार अधि यम 1901 की धारा 269 त, ख के अधीन बम्बई स्थि। सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिस्ट्री है, तारीख 1 जुनाई, 1985

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास रने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार लय, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, रिस्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आयकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्त) एसी किसी आय या किसी धभ या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय अप्य-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम; 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

वतः भव उक्त विधिनयम की धारा 269-य के अनुसरण प्रो. भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (६) के विधीतः जिस्तितिक्त व्यक्तित्यों, संघीत कुल्ल 1. मैसर्स सुमेर डवल्पमेंट्स

(अन्तरक)

 श्री जगजीवा दास एम० जवेरी भ्रीर श्रीमती आर.० जे० जवेरी

(अन्त ∀िती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सांपर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्णे।

स्वाचीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

दु हात नं ० 28, जो, तल माला, इमारत नं ० 3, सुमेर नगर, एस० बी० रोड़, कोरा केन्द्र के सामने, बोरिवली (प०), अम्बई-92 में स्थित है ।

अनुसूची जैसां कि कि शिं आई-4/37-ई ई/21015/85-86 फ्रोर जो साक्षम प्राधि हारी, बम्बई ब्रारा दिसांक 1-7-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दाां साक्षम प्राधिकारी साह्ययक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बर्ड

वा**रीख: 28-2-198**6

शक्त वार्ष . द्वी . द्व , एक्

आयकर अभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की की भारा 269 म (1) के अभीन सूचना

भारत बरकार

कार्याश्रवः, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अंतरेंज-4, बम्बई

बम्ब दि क28 फरवरी 1986

निर्देज सं० आई-4/37-ई ई/21210/85-86--- यतः, मुझे लक्ष्मण द।स.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उनता अधिनियम' कहा'नया ह"), की भारा 269-ख में स्भीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही नि. स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृत्य t,00,000/- रु. से अधिक हैं°

भ्रीर जिसकी सं० प्लैट नं० 311, जो, ती ारी मंजिल, रमेश अपार्टमेंट, कस्तूर पार्क, शिम्पोली रोड़, बोरियली (५०), बम्बई-92 है, तथा जो बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इसल उपाबद्ध ग्रनुभूची में क्रौर पूर्णेक तेवर्णित है) क्रीर िसकः करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 239 ा,ख के अधीन बम्याई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रिक्स्ट्री है, तारीख 1 जुलाई, 1986

को श्वींकत संस्थित के उक्ति बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफास को लिए बंस्रित की गर्द है और मूझ यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाबार न्ज्य, उसके दश्यमान प्रतिपत्त से, एसे दश्यमान प्रतिपत्न का पन्त्रह अविश्वत से अधिक है और अन्वरक (बन्तरको) और अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरच के लिए तय वामा नया प्रति-श्रव विम्नलिबित उद्देश्य ते उन्त धन्तरश निवित में बान्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नंतरन से हुई किसी नान की नाक्त, उक्त विभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उत्तरे वचने में सुविधा के बिए; भीर/या
- (क) प्रेची किसी बाद का किसी धन वा क्य कास्तियाँ को; जिन्ह भारतीय भागकर मसिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्ता समिविषयं, वा धन-कर विभिन्यमं. 1957 (1957 का 27) ने प्रधाननार्थं जन्तरियी प्रवादा प्रकट नहीं किया गया था या किया कानर काहिए था, कियाने में नंबिक्षा के सिए ।

बताः वयः, समय विभिनियम की भारा 269-म के ननुपरन मा, मा, उक्त मुभिनियम की भारा 269-व की उपभाव (1) क, अधीन, निम्नसिक्तित व्यक्तियों, अर्थात्:--

मैसर्स एमेश धनस्द्रवसन ।

(अन्तर ह)

2. श्रीमती एलिझावेथ याँमस ग्रीर अन्य

(अन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके प्योंक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हु---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी व्यक्तियाँ पर स्थनाकी तामीस से 30 दिन की बविभ, वो भी मबिभ बाव में समाप्त हांती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (च) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अभोष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः-—इसमें प्रयुक्त शब्दों शीर पदों का, जो खक्त अधिनियम, के अध्याप 20-क में यथा परिवर्श थत है, बही कर्थ होगा में उस अध्याय में क्रिक ग्था 🗗 🖹

श<u>्र</u>मुमुची

पत्रैट नं० 311, जो, तीस री मंजिल, रमेश अपार्टमेंट, वस्तूर पार्क, शिम्पोली रोड, बोण्विली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुदूची जैसा कि फ ॰ पं॰ अई-4/37-ई ई/2 1210/85-86 श्रीर जो सन्नम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

सारीख: 28-2-1986

प्रकृत नार्व । हों। पुन् पुन् -----

नायक्ष निधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन कुना

गार्व परकार .

कार्यालय, सहायक भायकार नायका (निहासन) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-4/37-ई ई/20774/85-86—यतः, मुझे, लक्ष्मण वास,

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 702, जो, 7वी मंजिल, सूमेर नगर, एस० बी० रोड़, कोरा केन्द्र भौर गोकुल धाम के सामने, बोरिवली (प), बम्बई-92 है, तथा जो बम्बई में स्थित है (भ्रार इांसे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण क्य से विणित है) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई, 1985

की पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय एया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित्त में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मों कभी करने या उससे इजने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, कन्सरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन,, निम्निषित्तिः व्यक्तियों, अर्थात् हिन्स ा. श्रीमती पी० एच० भाटिया

(अन्तरक)

2. श्री जी० जे० ठमकर ग्रीर श्रीमती एम० जी० ठमकर (अन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निष् कार्यनाहियां करता हूं।

उन्द सम्बद्धि के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचनाक राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपरित में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हा में किए का सकोंगे।

स्पक्कीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनते अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमुसुची

प्लैंट नं० 702, जो, सातवी मंजिल, सूमेर नगर, एस० वी रोड़, कोरा केन्द्र श्रीर गोकुल धाम के सामने, बोरिवली (पं), बम्बई-92 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क० सं० आई-4/37-ई ई/20774/85-86 श्रीर जो ांक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बस्बई

तारीख : 28-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

नायकर सभितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सभीन स्वता

नारत प्रस्कर

कार्बास्य, तहायक बायकर बायुक्त (जिर्दाक्रक) अर्जन रेज-४, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-4/37-ई ई/21224/85-85—यतः मुझे, लक्ष्मण दास.

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार अस्व 1,00,000/- छ. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव फ्लैंट नंव 104, जो, पहली मंजिल,दर्शन, एकव पीव नंव 723, टीव पीव एसव स्कीम 3, एसव बोव रोड़, बोरिवली (प), धम्बई-92 हैं, तथा जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इस से उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के सार्याच्या में रिजिस्टी है, किरीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का श्रीचित शाजार इंग्ल, उसके दश्यमान प्रतिफल को एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्छत् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरिक के सिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित स्वृद्दिय से स्वत्य अन्तरिक लिखित में वास्तविक रूप से किस्ति नहीं किया गया है है—

- (क) बन्धरण ते हुई किथी शाम की धावत, उकत विधिनियन के बधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्व में कमी कारने या उसके बचने में प्रविधा के हैंसए। बॉर वा/
- (क) एसी किसी बाव या किसी बन या जन्म आस्तियाँ की, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जानां चाहिए था, छिपाने ये स्विभा के लिख;

जतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण नै, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—- 1. श्री दर्शन इंटरप्रायजेस

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुजाता बी० करकेरा ग्रांश अन्य

(अन्सरिती)

को यह शूचना ब्राष्ट्री कड़के पूर्वोक्त ब्रंचरित के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुई।

सक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेत्र हुनन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, को भी जबिश वाद में सवाया होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (थं) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब थं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा नभोहस्ताक्षरी के गक्त निवित में किए वा सकीगे।

स्पक्ष्यंकरणः--इसमे प्रमुक्त श्रम्यां शीर पदां का, को उक्त विभिनियस की अध्याय 20-क में परिशाधित ही, वहीं अर्थ होगा है जब अध्याय में दिया बना है।

मन्त्रकी

पलैट नं 104, जो, पहली मंजिल, दर्शन, एफ० पी० नं 0723, टी० पी० एस० स्कीम 3, एस० वी० रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं आई-4/37-ई ई/21224/85-86 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां क 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी रेह्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, **यम्बई**

तारीख: 28-2-1986

प्रकम बार्च टी पुर , पुर प्रमानकारकारक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांचन, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दाक्षण)

मर्जन रेंज-4, बम्बई

वस्य ६, दिनांक 28 फरवरी 1986 निदेश सं० ग्राई-3/37-ईई/20884/85-86-ग्रात: मुझे, लक्षमण दास,

लायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पर्वात् 'उन्त मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के निधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अवित बाजार मूक्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 601, जो, छठी मंजिल, पारस नाथ अपार्टमेंट, एस० वी० रोड़, बोरियली (प0), बम्बई-92 हैं, तथा जा बस्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारतामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में राजस्ट्रो है, तारीख 1 जुलाई 85 को पूर्वे!क्त सम्परित के उभित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल लिए जन्तरित की गई है विश्वास करने का कारण यह हैं कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से,, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिसत वे अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंबरण के सिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नसिक्ति उदुरोध्य से उक्त अंतरण सिन्बित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 ८----

- (क) वंदरण है हुई किसी जान की नावत, उक्त अधिनियम के सभीन कर देनें के अंदरक के दासित्य में कमी करते या उससे वचने में सृतिभा के सिए; और/सा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन वा अन्य नास्तियों की जिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 192-2 (1922 का 11) या उत्त स्थिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्ध जन्तरिसी युवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

बक्क बन्न, उक्त बीभीनयम की भारा 269-ग के बन्वरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री एम० डी० मिस्त्री श्रदर्नी श्रॉफ के० डो० मिस्त्री (श्रन्तरक)
- 2. श्री पी० पी० मेहता और बीके के० मेधाबो (धन्तरिती)

को मह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए व र्यवाहियां करता हो।

स्वत सम्बन्धि के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) एवं जुनना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर कुनना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी नविध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से तिस्ती व्यक्ति ह्यारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 601, जो, छठी मंजिल, पारसनाथ भपार्टमेंट, एस० बी० रोड़, बोरिवलं। (प), बम्बई-92 में स्थित है। प्रनुसूची जैसा कि क०सं० भाई-4/37-ई ई/20884/85 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है.।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 28-2-1986

मोह्य ।

अक्ष बाइं.टी.एन.एस.,------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) के अधीन सुचना

माइत चरकार

भागभिय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्क) भागभिय रेज-4, सम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 28 फरचरी 1986

निर्देश सं० भाई-4/37-ई ई/20849/85-86-यत:, मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 101, जो, पहली मंजिल, शिषम, एफ० पी० नं० 646, टी० पी० एस० 3, सर्वे नं० 17, एच० नं० 6-ए (अंश), सी० टी० एस० नं० 40(अंश), शिम्पोली रोड़, बोरिजली (पो, बम्बई-92 हैं, तथा जो बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूवी में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा प्रायक्षर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वे ति सम्पारत के जियत साजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जौर मुफ्ते यह विद्याम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपति का उचित बाजार मूल्य उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्षयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नोलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरक निविद्य में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया जवा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी काय की, बाधत, स्वक्त अधिनियम के अधीन कर. देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वमें में सुविधा के लिए: बीर/वा
- (व) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः आ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण ं. मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निविश्वित स्योक्तयों, अर्थात् :---- ा. श्री ए० बी० एन० कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(ग्रन्सरक)

2. श्री डी० एन० गेठ

(प्रन्तिः)

को बहु सूचना कारी करको पूर्वोक्त संयक्ति के वर्षम के तिरु कार्यवाहियां सूक्त करता हुं:

क्षमदा संपत्ति की अर्थान की संबंध में कोई भी शाक्षम :----

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी अयिक्तयों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (वां) इस स्कान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी जन्म स्थावत द्वारा स्थोहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए वा सकतें।

स्यव्यक्तिरणः—स्समें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, स्रो स्थल स्थितियक, की संभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही कर्य होगा को उस संभ्याय में दिया गया हैं।

वनसूची

पलैंट नं 101, जो, पहली मंजिल, शिवम इमारत, एफ । पी । नं 646, टी । पी । एस । 3, सर्वे नं । 18, एच । नं । 6-ए (अंग), सी । टी । एस । नं । 40 (अंग), शिम्पोली रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं ।

श्रनुत्रुची जैसा कि क० सं० श्राई-4/37-ई ई/20849/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख : 28-2-1986

मोहर ।

प्रचल भाषील सीत एवं त्र एवं . -----

काबधार मधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-च (1) को मधीन सूचना

TIST TRUE

कार्यास्य, सहायक नायकर नायका (निर्दाक्रण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरपरी 1986

निर्देश सं० भई-4/37-ई ई/21129/85-86---यत:, मुझे, लक्ष्मण दास,

शासकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं), जो कि शास 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० भूमि का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 128, एच० नं० 1 (अंश), सी० टी० एस० नं० 536, बिलेज एमसार, बोरियली, बम्बई-103 तथा जो बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर ध्रधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के मधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्म्झ हैं, सारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूच्य से कम के दस्यभाव शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुख्ये मह क्लियास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित वाजार मूच्य, उसके दस्यभान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का वन्त्रह् पतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाद की बावत, सकत जीभीनयम के अभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्य में कमी करने मा उक्को अभने में सेविधा के लिए; सीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन वा जन्य जास्तिकों को, जिल्हों भारतीय जाय-कर जभिनियम, 1922 (1922 को 11) यो उक्त अभिनियम, या भनेकर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोज-नार्थ कर्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था कियाने में सुनिभा के लिए;

कत: कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुतरक में, केंद्र अधिनयम की धारा 269-च की उपधार (1) के अधीन, निस्तिसिक व्यक्तियों कथाँत :--- 1. मैसर्स श्राकांका इंटरप्रायजेस

(ध्रन्तरक)

2. मैसर्म जागृति इंटरप्रायजेग

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त सन्पत्ति को नर्बन को संबंध में कोई भी वाक्षेप ह-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख पं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थिक्तयों पर स्थान की तामील से 30 दिन की संबंधि, जो भी संबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेश व्यक्तियों में से किसी स्थित बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किती जन्म स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण:--- इसमें प्रयूक्त क्षावा और पर्वा का, को उक्त किनियम के कभ्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं कर्य होगा, को उस कथ्याय में किन्छ गया है।

प्रनुसूची

भूमि का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 128, एच० नं० 1 (अंग), मी० टी० एस० नं० 536, विलेज एक्सार, बोरिवली, बस्बई-103 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० आई-4/37-ई ई/21129/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रोज-4, बस्बई

तारीख : 28-2-1986

प्रकृत जाहाँ . जी . एम . एस . -----

गायकर अधिनियम, 1961 ∮1961 का 43) की पारा 269-म (1) वं गंभीन स्वना

शारत करकार

नक्ष्मांसम् महत्त्रमः मामका भागवन्त (निप्रीक्षण)

शर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिशांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० शई-4/37-ईई/2074!/85-86--गतः, मुझे. लक्ष्मण दास,

भागकर अधिनियम, 1961 [1961 का 43] (जिसे इसमें इसके पश्चात् (उक्त अधिनियम) अहा गया हुं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि का हिस्सा, िसका फाट न० 2, सी० टी० एस० नं० 1301/13, विलेज वॉकिट्ली (प), यम्बी-67 है, तथा जो बम्बई में स्थित हैं (और इससे प्रावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और विस्था करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 का ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षत प्राधिकारी के वार्यास्य बम्बई में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्बद्धि के उपित बाजार मून्य से कम के असमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की नवं हैं और मूक्ते यह विश्वास अस्ते का कारण है कि यथापूर्वोवस सम्बद्धि को उपित बाजार अस्ते का कारण है कि यथापूर्वोवस सम्बद्धि को उपित बाजार अस्ते स्थान प्रतिफल का बन्द्ध प्रतिशत से अधिक हैं नीर बंता के (बंद्रका) बीर अंतरिका (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तर्य के लिए इस पात्रा गया बना प्रतिकान निम्नतियत सब्देश से उन्त बंतरण विश्व के बारक के बारक की बार के बारक कर से अधिक कहाँ विकार गया हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उनतं भीधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भें, उनते अधिनियम की धारा 269-घ और उपधारा (1) के अधीन, निकासिसित व्यक्तियों, अधीर :--- 1. भैसर्स धारती बिल्डर्स ।

(श्रन्तरकः)

मैसर्भ रोश बिल्डर्स ।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के जिला कार्यवाष्ट्रियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति है अर्चन के संबंध में कोई भी वाक्रय---

- (क) इस स्वना के राषपण में प्रकासन की तारीस से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तारील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और कदों का, जो उक्त विभिनियम के हैं शाय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष हैं या को उस अभ्यास में किया गया है!

बग्रुकी

भूमि का हिस्सा, जिसका प्लाट नं० 2, सी० टी० एस० नं० 1301/13, विलेज, कांदिवसी, कांदिवसी (प), बम्बर्ड-77 में स्थित हैं।

श्रनुसूर्चा जैसा विः क० सं० श्रई-4/37-ईई/20741/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड स्थिम गया है ।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज-4, बस्पई

हारीख : 28-2-1986

मोहर

पृष्ण बार्'.टी.एन.एस.-----

कारकार संचितिका, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के सभीत स्वता

भारत चरकार

कार्याचन, सहस्यक भावकर सायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 28 दिसम्बर 1986

निदेश सं० ग्राई-4/37-ईई/20841/85-86---ग्रत: मु**री**, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, विज्ञका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी स० द्रकान न० 5 है तथा जो तल माला, मां कुपा, रोधानी पार्क, णिमोली रोड, बोरीवली (प०), बम्बई में स्थित है (फ्रींर इससे उणाबत बनुसूची में फ्रींर पूर्ण स्प से विकत है), फ्रींर जिसता वर्णारनामा शास्त्र रहि (१) 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीखा जुलाई, 1985 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उपित बाबार मृच्य से कब से स्वकान बतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुने यह विक्वास करणे करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार कुन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे वस्थमान प्रतिफल का बन्यह प्रशिवत से बीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब बाया प्रतिफल, जिम्नसिकत उद्ववस्थ से उक्त जन्तरण विश्वता समरण विकत में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया प्रतिफल, जिम्नसिकत उद्ववस्थ से उक्त जन्तरण विश्वता स्वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अभ्तरच से हुई किसी शाव की, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविका के किए; और/वा
- (स) इसी किसी बाब या किसी धम या जन्य बास्तियों को बिन्हें भारतीय नायकर निधनिनम, 1922 (1922 का 11) या सनत अधिनियम, या धरा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ जन्तरिती इनारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः कम, उन्त अमिनियम कौ भारा 269-ग के अनुगरण को, को, उन्त अभिनियम कौ भारा 269-म की उपभारा (1) को अभीग, जिल्लीकिकिक व्यक्तियों, अभीके क्रिक (1) श्री रघुवंशी डेवलपर्स ।

(श्रन्तगक)

(2) श्री जी० पी० नवलकर।

(ग्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मूच करता हुं।

खबत सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जचिष बाद में तमान्त होती हो, के भीतर वृशेंकित व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसत्वना के राजपण में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन को भीतार उक्त स्थावर संपत्ति में हिसजद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहत्ताक्षरण के पाँच सिसिस में किए का सकान।

स्वाचीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कन्यों और वर्षों का, वा अनत अधिनियस, के बध्याय 20-क में परिश्रासित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस बध्याय में विस्त वर्षा ही:

अनुसूची

दुकान न० 5, जो तलमाला, माँ कृपा, रोधानी पार्क, शिम्पोली रोड, बोरियली (प०) बच्चई में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० म० श्रई०-4/37 ईई/20841/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा रिकस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास् मक्षम प्राधिकाः सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-4, बस्बई

तारी**ख : 28-2-198**6

ब्ल् बार्'. टी. एर् एर्.......

(1) मैं० सुर्यं बिल्डर्सं ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री हेमन्त ग्रात्माराम राउत ।

(ग्रन्तरिती)

नायकार जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की भाव 269-क (1) के अभीत सुचना

भारत सहकात

क्रमानियः सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्रण)

अज्ञानकाज-4, बम्बई

बुस्बई, दिनांच 28 फरवरी 1986

निर्देश ते वह ०-4/37 इइ/21184/85-86-अतः
मुझे, स्थाणं टास
बायकर बीधीनयम, 1961 1961 का 43) (बिब इबचे इसके परमाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ब के बधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करते का काम

1,00,000/- रु. से अधिक 🔼

स्रोर जिसका स० पलट न० 2 है तथा जो तल माला, मु दशन, एक्सार रोड, बोरिवली (पॅ०), क्यूबई-92 में स्थित है (स्पेर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण स्प से वर्णित है) स्रोर जिसका करारनामा स्रायकर स्रधिनियम, 1961 की धारय 269 क ख के स्रधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याल में रजिस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि समाप्नांक्त संपत्ति का उचित बाबार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का क्ष्यह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के नीच ऐसे अन्तरण के निए तब पाया गया प्रतिक कम निक्नीलियत उद्देश से उस्त बन्तरण विविध में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- को अन्तरण सं शुर्ह फिधी आय की बासत, उबस अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के सुविद्यानों कनी करने या उससे, अचने में, सुविधा से लिए; बीड्/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या करवा बास्तियों का), जिन्हें सारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उनते विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किसा गया भा या किया बाना चाहिए था, छिपाने में युविधा किए;

क्त वीधनिवय की धारा 269-ग की बन्द्ररण निवस की धारा 269-व की उपधारा (१) व्यक्तियाँ, वर्णाम् :--- का मृह सूचना आदी काउके पूर्वोक्य संपरित औं अर्थन के किथ कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप क्रिक

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस स्वीत की राज्यत में प्रकाशन की तार्थि से 45 विन के मीलेंट जेक्क स्थावर सम्मति में हिंत- बंदेश किसी बन्ध व्यक्ति इंकस विशेष्ट स्थावर से मार्थि के पास लिखित में किस बा सकी थे।

वन्त्र्यो

पलैटन० 2 है तथा जो तल माला, सुर्य दर्शन, एक्सार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। ग्रन्सूची जैसा कि क० स2 ग्रई०-4/37 ईई/27184/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1 जुलाई, 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकार ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4. बम्बई

तारीख: 28-2-1986

भारत सरकार

कार्यां स्य, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं ॰ ग्र**ई2-4**/37 ईई/21025/85-86--- ग्रतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर बिश्वियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूस्य 1.00,000/-रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० ए-3 है तथा जो तल माला, एस न ० 99, एच० नं ० 3, सी०टी० एस० न ० 1509 मौर 1512 लक्कीस्टार क्यार्टमेंट, शांति ग्राश्रम एक्सार रोड, बोरीवली (प०) बस्बई-103 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिविन्यम, 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बस्बई स्थित सञ्जाम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए जन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण मिचित में बास्तिवक इप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) व्यंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साहित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के किए; ब्रॉट/बा
- (%) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए:

असः अब । उक्त जीधीनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जे. में उक्त जिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीम निकासिक्विक व्यक्तियों, अथीत अस्स (1) मै० एम० जे० गणाता एण्ड कम्पनी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीटी० एस० शिवा रामा कृष्णनृ।

(ग्रन्तरिती)

न्धे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप रा

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को औ अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना क्रे. राजपण में अकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विज्ञित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का., को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्की

फ्लट नं० ए-3 है तथा जो तल माला, एस० न० 99, एच० न० 3, सी० टी० एस० नं० 1509 ग्रौर 1512, लक्की स्टार, ग्रुपार्टमेंट, गांनि ग्राक्षम एक्सार रोड, बोरीवली (प०), बम्बई-103 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई०-4/37 ईई2/21025/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिन 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मा

मक्षाः

सहायक ग्रायकर ग्रायुक ग्रर्जन रे

तारीख: 28-2-1986

मोहर !

प्रकल श्रही, टी. एन. एस.,-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकः आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं॰ ग्रई:--4/37 ईई/20925/85-86---ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकाणी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 404 है नथा जो चौथी मंजिल इमारत नं० 1, सुमेर नगर, एस० बी० रोड, बोरीवली (प) बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण क्य से विणित है), ग्रीर जिएता तरारनामा श्राय कर श्रीमिन नियम, 1961 की धारा 269 ज ख के श्रवीन बम्बई स्थित मञ्जन प्राधि तरी के कार्यानय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 198

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिश्वित उद्वेदम से अक्त अन्तरण लिश्वित में वास्तिवक रूप से कियत नहीं किया गया है "—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) इसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिक्षों, अधित्:--- (1) श्री जे० जे० सोनी श्रीर प्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीएन० एच० सोनी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनः की तामील से 30 दिन की अविभ, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यीयलयों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं० 404 है तथा जो चौथी मंजिल, इमारत नं०1, सुमेर नगर, एस० बी० रोड, बोरीवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि अप सं० आईं --4/37-ईई/20925/ 85-86 पौरो । प्रामधिकारी, बस्बई द्वारा विनांक 1-7-1985 को रिकस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास क्षेत्रम आधिकारी अहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ऋजैन रेंज-4, **बस्बर्ध**

तारीख : 28-2-1986

मोहर

प्रकप आहे. टी. एन. एस.-----

प्रस्त का वर्षक का 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थान

भारत सरकार

ज्याचार्य , संहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं2 श्रर्ष-4/37-ईई/21151/85-86---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,06,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० पलैट नं० 201, जो, 2री मंजिल, बंदना, एक्मार रोड़, बीरियली (प), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्य रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 ह, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में एजिस्ट्रो है, तरीख 1 जुलाई, 1985

को पृथिता मेन्याँ क से हिंदिय राजार गुत्य ने काम के स्वयं धान रिद्यं का को किए अन्त्रिति की गई हैं ही सीर मुन्ते यह विषयाय कारने का कारण हैं कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का खिलत राजार सूरक, उसकी सम्बन्धा अतिकार से, होने स्ववदान प्रतिकार का पंत्रह प्रतिवाद के अधिक हैं बीर अतरक (अंतर्की) और अंतरिशी (अन्तरितियाँ) के दीन एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिकास, निम्नतिवित स्वृथित्य से स्ता कन्तरण जिल्लिक में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने की अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/मा
- (क्का) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों क्रा, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भार-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना चाहिए था, खिपाने में सुविभ्य के लिए;

कतः जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप्धारा (1) के विधीन, निम्नलिक्तः अधिकत्यों, अर्थोत् :--- मैनर्स विकास कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती डी० के० वजारीया।

(ग्रन्तरिती)

क य**ह भूजना वारो करके पृथांक्त सम्परित के वर्जन के हिए।** नार्थवाहियां करता हो।

उद्युत प्रस्पारिक के बर्चन के सम्बन्न में कोई भी वास्तेष:--

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि मा तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियाँ में सं किसी स्यक्ति बुवारा;
- (य) इस स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारीय से 4.5 कि के भीवर उद्यत स्थावर संपालित में हितबद्ध कि की क्या व्यक्ति द्वारा नभोहस्साक्षरी की पास निष्टित में किए था सकी थे।

स्पन्न किरणः -- इसमें प्रभूकत अन्दों बीद इसी कर, भी उबस अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याभ के दिया गया हैं!

वनसर्वी

प्लैट नं० 201, जो, 2री मंजिल, वंदना, एक्सार रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क० सं० अई-4/37-ईई/21151/85 86 और जो सप्तम प्राधिकारों के बस्बई द्वारा दि⊤ैंऽ 1-7-1985 को रजिस्टडं किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनाँक: 28-2-1986

प्रकम बाद' ही एक एक . ----

ಜ್ಯುಟ್ ಎಡ್,ಖ್ಯಾಪ್ನ ಲವರ್, ಇರ್ರಾ<mark>ಚಚ</mark>್ಚು ಚ

नायकार समिनियम, 1961 (1961 का 43) रूप भारा 269-म (1) में अभीत मुख्या

भारत सरकार

कार्याजय, सहामक जायकर आमृक्त (निश्रीकर) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनाँक 28 फरवरी, 1986

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/20094/85-86---- मुर्झे,

मायकार मिथिनिगम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रकात 'उसत मिथिनमम' सम्म नवा हैं), की पाच 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका संचत बाजार मून्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

स्रोर जिसकी सं ० फ्लट नं ० 101, जो, 1ली मंजिल, इसारत-मुमेर नगर, एस० बी० रोड़, कोरा केंद्र के सामले, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (स्रोर इस से उपायद्ध प्रनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है)/स्रोर जिसका करारनामा प्राय-कर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269फ, ख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पिति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए या, छिपाने में स्विधा के लिए;

बन्दः सब, उच्छ विधिनियम की भारा 269-व को वन्तरण की, भी उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) को अपोन, निक्नीविधित व्यक्तिवीं, वर्णाव है---- 1. श्री नरेंद्र के० सोधा श्रीर श्रन्य।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मंजू चक्रवर्ती।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृवाँकत सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्य-वाहियां करता हूं :

उनत सपरित के अर्थन के संबंध में काक्षे भी आक्षेपतः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के शास लिकित में विष्णु शासकारी।

रपष्टिमेकरण:--इसमें प्रयुक्त कार्न्दों और पदों का, जो उक्त बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा जस सभ्याय में विया गया है।

अनुसूची

परीय नं । 101, जो, 1नो मंतिर, इ-विग, इमारत मुमेर नगर, एम० वी० रोड़, कोरा कोंद्र के सामने बोरियली (प), अम्बाई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-4/37-ईई/20094/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दान स्थम प्राधिकारो सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

दिनाँक: 28-2-1986

प्रकृष नाहाँ, दी , एन , एस

ायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २६७ व्य (1) के क्रभीन सम्बन

भारत सरकार

कामिका, प्रशासक जामकर जागृष्य (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-4, सम्बर्द

बम्बई, दिनाँक 28 फरवरी, 1986

निदेण सं० अई-4/37-ईई/20920/85-86---धनः मुझे, नक्ष्मण दास

गण्कर श्रीधिनिष्ठम. 1961 (1961 का 43) (जिंग हैं जो सक्के पश्चात् 'उकत अधिनिषम' छहा गण्ड हैं), की पाल 269-स के लधीन सक्कष्ट श्रीधिकारी को बहु विक्वास करने का आरण हैं दि स्थावर संस्थीत, जिसका उन्तिक ब्रालार भूत्य 1,00,000√- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संबद्धकान नंव 3, जो, तल माला, सुनील, 653, शिम्पोली रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इसते उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण कप में विणत है) श्रीर जिसका करारनामा धायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रवीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है। नारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वेक्त सम्परित सं उनिश बाबार मुख्य से कम की दक्समान नितायक को लिए जन्ति की मर्द है और पक्षे यह विश्वास

नरने का कारण है कि संधानुनोंकर सम्परित का उचित बाजार नृस्य, उसके क्रवमान प्रतिकत से, एते क्रवमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिवास से अभिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिक्त (बन्तरिहिनों) के बीच एसे अम्बचन के जिए तम पाना गर्म प्रतिकत, निम्तिनिश्चित उद्वोद्य से उत्तर अन्तरण निश्चित में बास्तविक का है कींचल नहीं किया गया है क्रान्त

- (क) बन्तरण से हुए किसी आय की शवत उसत अधि-निवस के अधीन कर बोने के सन्तरक को शिवस में असी करने या उसमा अवने भी मुख्या ने (न्या करि/मा
- (क) हुन्धी किसी नाम या किती भन या अन्य आसिसी करी, विष्ट्री भारतीय नायकर विभिनियम, 1922 की 11) या उक्त अधिनियम या धन कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया जा का किला आजा नाहिए था. कियार या स्विधा है जिला

अतः अव, उथत अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, में, सभा अधिनियम की धारा 269-व की स्वभारा (1) के रथीए, निम्हीर्शका व्यक्तियमें, अर्थात :---

1. श्री ए० पो० कुलकर्णी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जी० डी० ग्रहणा ग्रौर श्री पी० डी० ग्रहुजा। (श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाही करका हुं।

उक्त सम्परित की वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जामंप :---

- (क) इस सूचना को नाजपत्र मा प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की वर्षीय का तत्त्रक्रमणी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की वर्षीय, जो भी वर्षीय नाच में जनाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वीक्ष व्यक्तिस्थों में से किसी व्यक्ति वृत्तारा;
- (श) इस स्थात क पायपक का एकाक्षर का राध के 45 दिश के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में दित-स्था किसी काम व्यक्ति व्यास अभोत्साकारी के पास सिवित में किस का का मर्कें में।

स्वक्यीक कर्णः जन्मसमाँ प्रमुक्त सन्धा और पर्धो का, यो अवस व्यक्तियम से सम्बाद 20-क माँ परिसाधित हुँ, वहीं कर्ण स्वीमा स्वीटस सम्बाद में सिका मना हैं।

अनुसुची

दुकान नं2 3, जो, तल माला, मुनील 653, णिम्पोली रोड़, बोरिंद रोड़, बोरिंबर्ला (प), बम्बई-92 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी क2 सं2 अई-4/37-ईई/20930/85-86 और जो पक्षम बाधि कारी, बम्तुई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनाँक: 28-2-1986

प्रकल : बार्च : टी : एस : एस : - - - -

नायकर निपनियम, 1961 (1961 का 43) की जाइ 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसयः महायक भाषकर जाधकतः (पिरीधण) श्रजेन रोज-4, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 28 फरवरी, 1986

निर्देण सं० ग्रई-4/37-ईई/20853/85-86--- स्रतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि धावर समाति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० सी०-7, जो, 2री मंजिल, रोसा-रिग्रो अनार्टमेंट, आई० मी० कालोनी, एक्सार, बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है (ग्रीर इनसे उपायह अनुसूची में ग्रीर पूर्ण का ने विगत है) ग्रीर जिनका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थिन नक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दशमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिका से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया णवा के अफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिचित में पास्तीनक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बायत, उबत ग्रीपियाय की बधीन पर पीने की बन्तरक बी प्रियाय में कमी करने या उन्से बणने में सुविधा की लिए; बॉर/या
- (घ, असी किसी अस या किसी धन या अस्य आस्तियों करे, जिल्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1972 (४972 का 11) या उच्च अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वान प्रकट नहीं किया गुणा धा या किया जाना बाहिए था छिपाने में मुविधा क निया

स्तुः वह उभत् विधिनियम की धारा 269-ग से असमस्य मं, गैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) निम्मलिखिस व्यक्तियों प्रथित :---

47-26 GI/86

1. श्री नारी मताई।

(श्रन्तरक)

2. श्री क्लेश्नर डिकुन्हा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के निरः कार्यवाहियां करता हूं।

उपस् सन्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 वित्र की अवधि भा तत्सक्त की अवधि पर गृथना की तामील में 30 दिन की अवधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष प्रविक्षात में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारांश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्मत्ति में हित-धद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंचें!

स्थळीकरण:---इसमों पयुक्त शब्दों और पटां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क या परिभाषित हो, क्रेसी कर्ष होगा, को उस अध्याप में दिया गया हो।

ग्रन्भूची

प्लेष्ट नं सी०-7, जो, 2री मंजिल, रोसारिक्रो प्रपीर्ट-मेंडम, क्राई० सी० कालीनी, एक्पार बोरिवली (प), बम्बई-400103 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० ग्रई-4/37-ईई/20853/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी के कायदेलय, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टिंड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी पहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रंज-4, बम्बई

दिनौंक: 28-2-1986

प्रकृष कार्यः, टी. एन. एवं ------

1. डा० बी० के० जन:

(अन्तरकः)

2. श्रीमती जे० कदम।

(ग्रन्तरिती)

नाधकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन स्वन

भारत सरकाड

कार्वासय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० ग्राई-4/37-ईई/21147/85-86→-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाचार स्स्थ 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 3, जो, डी-29 योगी नगर, एक्सार रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूकी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं),श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 1 जलाई, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिसित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप में किथत नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आभिनाती को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, १००० कर अधिनियम, १००० कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के किए;

अतः ना, उक्त वाँधनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अधीत —

को यह मूचना जारी करफें पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

क्रमत संपत्ति के वर्षम के संबंध में करेड़ी भी आसी ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध और में राजपत होती हो के भातर वर्षिक स्विक्तियों में से कि भी क्यों नित्त त्यारा,
- (क) इस मूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्सक्तरी के पास लिखित के किस का किस का सकता

स्वष्टिमिकरण: --- इस में प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उसत अधिकर अधिनियम की अध्याय 20 के में परिभाषित है, बही अर्थ हांगा, जो जस को विया गया है।

श्रनुसूची

हुकान नं० 3, जो, डी-29 योगी नगर, एक्पार रोड़, बोरियर्ला (प), बम्बई-400092 में स्थित है।

श्रनुसूची जैनाकी ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/21147/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारों , बम्बई द्वारा विनौक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> सक्ष्मण दास ाक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्तर आह्युक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बर्ध

दिनाँक: 28-2-1986

भक्त वार्च .की .एन .कुक _{रा} -----

सावधार वाचिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के विधीन स्वना

शारत सरुकार

कायांलय, यहायक आयक्तर काय्क्त (निरीक्षण) अर्ज्य रेंगिन्य, जम्तई

बस्पर्ध, दिनां र 28 फरवरी, 1986

िर्देश सं० सई-4/37-ईई/21130/85-86---अतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर वर्शिनियम, 1961 (1961 का 43) (कित स्वयं इसके वश्यात् 'तकत अधिनियम' कास गया हो), की वारा 269-थ 'हे अधीन शक्या साविकारी को यह विकास कारने का शरण हो कि स्थावन गम्मांस, निस्का उपनित नाजार मुख्य 1,00,600/- रा. से अधिक ही

श्रीप शिवकी ग्रंथमिट सं २ 78 श्रीर 79, तो इमान्य गं 3 5वी मंजिल, बोरिवली कैकाश को-आप० हाउसिंग सोसायटी किए, ए० बी० ग्रंड, बोरिवली (५०), धम्बई-92 में स्थित है (श्रीप इसने उपाध्य अनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप से विणित है) श्रीप धिसान उपाध्यासा अस प अधिनियम 1961 की धारा 2090, ख के अधीत, धम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में राजिसी है, धारीख 1 जुलाई 1985

को वृष्टिय सम्पत्ति को याजार मृत्य ते कम के द्रवसान प्रशिक्ष को लिए क्लारिसी की पर्ध बार मृत्ये यह विश्वास क्षत्रते का कारण हैं कि अध्याप्त्रीवर सम्पत्ति का जिल्ल वाष्ट्रार मृत्य , असके द्रवसान प्रतिक्ष से, एते क्लामल प्रतिक्ष का प्रमुख प्राप्तिकार से जिल्ल का प्रमुख प्राप्तिकार से जिल्ल हैं जीर जन्तरक (अन्तरका) और जन्मिया (क्लारिसी (क्लारिसी) के बीच ए से क्लारिसी (क्लारिसी किए तम निम्म का स्वाप्तिक के से किए नहीं किया गया है :--

(क्ष) अक्षरण से हुन्द फिसी नाम की बावर, उच्चा विभागिया को अधीन कर योगे की वश्यरक की सामित्य में अभी करने वा सबसे वचने में स्विचा ८ १००७, वॉस्/मा

एकः जिन्हीं नाथ था किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्देश अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा जाना चाहिए था कियान में सुनिधा के निष्टः

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बचीन, निकाधिक व्यक्तिं, अभीव म- 1. श्री एफ० ए० बुमाला श्रीर अन्य।

(अन्तरका)

2. श्री बी० जे० तारापोर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के तस्वत्थ में कोई शक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की वर्षीय या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की बद्धीय, को भी नवीथ बाद में जनस्य होती हो, के नीतर प्रवेषिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वायः;
- (क) इस सूचना के उध्यम में प्रकाशन की सारीबा तें 45 दिन के भीतर उपल स्वावर सम्मत्ति में हितकक्ष किन्दी सम्भ स्वाचित द्वारा अधोहस्ताकरों के पास सिवित में चित्र वा सर्वोंने।

ल्यक्किय्यः :— इसमें प्रयुक्त कर्यों बॉर पर्धों क्षा, कां क्यत विभिन्नियम के बध्यावं 20-क में परिधायित है, मही वर्ध होया, थो उन अध्याय में दिया सवा है।

अनुसूची

प्लैंट नं० 78 श्रौर 79, जो इमारत नं० 4, 5वी मंजिल, बोरिवली कैलाश को०-अप० हाउसिंग सोसायटी लि०, एस० वी० रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसुची जैसाकी ऋ० सं० अई-4/37-ईई/21130/85-86 धौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनां कः 28-2-1986

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्पई, जिल्लाक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अर्थ-4/37-ईई/21276/85-86-अतः मुझे, लक्षमण दास

अध्यक्तर अधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चलात 'उपत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के प्रबंधित सक्ष्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वाप्त संपत्ति। जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ग्रीप िसकी सं ० व्लेट नं० 401, जं।, ली-विंग 4थी मुधिल, सुमेर नगर, एस० वी० रोड़, बोरिजली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीप इसमे उपावह अनुसुवी में ग्रीप पूर्ण रूप से विंगत है)/ग्रीप फिसका कराप्तामा आयकर अधिक्यम 1961 की धाला 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में पिरस्ट्री है। तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वाक्स संस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान एतिफल के लिए अतिरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिफल को एंसे दश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिदास से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अन्तिरित्यः) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निगनिलिंखत उद्यंष्य से उकत अन्तरण निश्चित में वास्तिवक अप से कोशर नहीं किया गया है :——

- (क) अंक्षरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) पंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अर्थ अधिनियम, या धन- अर्थ अर्थिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मा. मा, जनत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ; अर्थात् :—— 1. श्रीमती जे०पी० पुरोहित ।

(अन्तरक)

2. श्री एम० डी० श्राफ ग्रीर अन्य।

(अन्:रिती)

को यह सूचना आरी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अर्थि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , को भीतर प्रवीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन सची

फ्लंट नं० 401, जो, बी-विंग, 4थी मंजिल, सूमें र नगर, ए12 वि० रोड, बोरिवली (५), बम्बई-92 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/2127 (/85-80 धीर जो सक्षम प्राधि जरी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ाक्ष्मण दा**स** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्कर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-4, बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

प्ररूप नार्^क, टी. एन*,* एस.-----

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बजीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (भिरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई वम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986 निर्देश मे० अई-4/37-ईई/20732/85-86--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. स अधिक है

स्रीत जिसकी सं2 फ्लट नं० डी-202, जो, 2री माजिल, 256/257, शिव छाया, एक्सार निक्षामुद्दीन रोड़, बोरियली (प), बम्बई-92 में स्थित है (फ्रांर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है)/फ्रांर िसका एरारिनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, अप्बई स्थित धाम प्राधि हारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है नारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्ष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और एके यह थिस्वास करने का कारण है

कि यथा पुर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफक्ष सं, एसे दृश्यमान प्रतिफक्ष के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) की अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य सं उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्यरण से हुइ किसी गाम की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (स) एंसी किसी बाय या किसी धन का करण बास्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर ब्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर ब्रिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविध के किए।

जतः जल, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीज, निम्निखिल व्यक्तियों, अर्थात् क्र— 1. मेसर्स हर्वा इंटरप्रायजीस।

(अन्तरकः)

2. श्री बी० पी० वैद्य ग्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह स्वना पारी करके प्दोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ब कत संपति के सर्वन के संबंध में कांड भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राचपण में प्रकाशन की तारीं ब 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी ज्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30-दिन की अविधि, को औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

ह्पण्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया ग्या गया है।

नन्स्यो

फ्लेट नं० डी-202, जो, 2री मिजिल, 256/257, शिव छाया एक्सार निझामुद्दीन रोड़, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर संर अई-4/37-ईई/20732/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्ब**र्ड**

दिनांक: 28-2-1986

अक्ष्य वार्षं हो . एवं . एवं . नामानामानामा

असमकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यास्य, भ्रहायक नामकर वायुक्त (विरक्षिण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, विनांत 28 फरवरी 1986 निर्देण सं० अई-4/37-ईई/20764/85-86--अतः मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसुमें इसके वण्यात 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संब्दु जार नंव 7,जो, तल माला, पुष्ता अपार्ट-मेंट, साईपाथ नगर, एक्सार विलेज, बोरिवली (८), इम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इसले उपाबद्व अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से बॉणन है)/श्रीर रेक प्रारंजना आयागर अधि-नियम 1951 की धारा 2697, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि गरी के नार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रित्याल को लिए बति देश को नहीं हैं बार बुक्के वह विश्वास करने का कारण हैं कि समाप्तिक संपत्ति का उचित वाचार नृक्त, असके क्रममान प्रतिक्रम से, होते अवकान प्रतिक्रम का पत्तक प्रतिकात अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) बीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा निमा प्रतिक्रम, निम्निलिसित उद्विक्य से उक्त अन्तरण निमालिस में नास्तिक्य क्ष से किश्त नहीं किया पता है है—

- (क) बन्धरण से हुए जिसी क्षण की बावकों. उनसे श्रीविषय में बचीव कर वोचे से कलरफ से स्वित्व में कभी करने या उससे बचने में सुचिवा के सिंह; श्रीट/सा
- (भ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह अभारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा वन्त अधिनियम, 1927 धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वार्थ प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में शिवधा के निए;

अतः अव, उक्त मिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियमं की भारा 269-म की उपश्रारा (1) के अभीर, निम्नतिचितं व्यक्तियों, सर्वात् क्ष---

1. मेसर्स पुष्पा बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री वाई० पी० पटेल ग्रांग अन्य।

(अन्तरिसी)

को वह स्थान पारी करके पृशीकर सम्मृतित के अर्थन के सिए कार्यवाियों गुरु करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई जी आहीप ए---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 रिक् की सर्वाच मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की सर्वाध, को भी द्र अवधि नाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी न्यक्तिय नुपारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र मां श्काशन की ताशीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्षि में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहरताक्षरी के पास किसित में किए का सकेंगे।

स्थण्डीकरणः ---इसमें प्रमृक्त इंग्लॉ और पर्वो का को उक्त किया 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया स्टा है।

बन्स् ची

दुकात तं० 7, जो, तन माना, पुष्मा असर्टमेंट, साईनाथ नगर, एनसार जिलेज, बोरिजली (प), अध्यई 92 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी क० सं० अई-4/37-ईई/20764/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, अध्यई द्वारा दिसांक 1-7 1985 को रिक्टिंड िया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिलांक 28-2-1986 मोहर: प्रकृत बार्ड हो । एन । एस - ---

नावकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन त्वना

भारत तरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाशक)

अर्जन रेंग-4, बम्बई बम्बई, दिनांश 23 फणवरी, 1986

निर्देश मं० अई-4/37ईहै/ $207 \in 2/85-86-$ -अतः मृज्ञे, लक्ष्मण द।स

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ल के संधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विशास करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000∕- रः. से मिधक **ह**ै

श्रीर जिसकी संबद्ध तम गंव 2, जो तल माला, पुष्पा अपार्ट-मेंट, एनव एचव नंव 15, एक्सार विलेश बोरियली (प), बम्बई 92 में स्थित हैं (बीट हमाने उपाबद तममूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित हैं)/बीट (एस मा एक्सपामा आयवर अधि-नियम 1961 की धारा 2091, ज हा प्रधीत बरबई स्थित सक्षम प्राधि गरी के जायतिय में एक्टिट्री हैं। सारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथन नहीं किया गया है :—~

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए।

अतः अकः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भी. मी. उक्रम अधिकिश्य औ भारा 269-य की जयधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- 1. श्रीः एष० सी० पटेसा।

(अस्त्राथकः)

2. श्री सुरेश सी० अजमेरा।

(अन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अस्क्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अपिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस सृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में यभा परिभाषिक ही, यही अर्थ होगा जो जक्त अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

दुःगान नं ० 2, जो, तल माला, पुण्या अपार्टमेंट सं ० नं ० 208 एच० नं ० 15, एक्सार विलेश, बोरिवली (४), बस्बई 92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाको ऋ० मं० अई-4/37-ईई/20762/85 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 1-7 1985 को किस्टर्ड क्या गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आगुक्त (करीक्षण) अजीन रेंज-4, बम्बई

दिनां छ : 38-2-1986

मोहरः

आध्यकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन स्वा

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण) धर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 28 फरवरी, 1986 निर्वेश सं० ग्रई-4/37-ईई/20888/85-86---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसमें प्रथमत् जनत अधिनियम' कहा गया हैं), की बाच 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूख्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

धौर जिसकी सं० पलट नं० 21, जो स्फूती को०-भ्राप० हाउ-पिंग सो गायटी लि०, गिम्पोली रोड़, कस्तूर पार्क, बोरियली (प), अम्बई-92 में स्थित हैं (भ्रीर इससे उपाबद प्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित हैं) भ्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम 1961 की घारा 260क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुशे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंबरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण किविश में शस्तियक एप से किथन नहीं किया गया है :~~

- (क) अन्तरम से हुई किसी बाब की वाबरा, उसर अधिविद्यन को भवीन कर दोने की अन्तरक भी श्रीवरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निष्ठ; बॉर/का
- (स) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को विनह भारतीय असकर सिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर सिभिनियम, या धव-अर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सिविधा से लिए।

भत: जब्द जिम्हा अन्तर जिम्हा की धारा 269-म की अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) के अधीन, निव्नतिस्ति व्यक्तियों जर्थात् :---

1. श्री बीके ठाकर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती पी०श्रार० मंडल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारिष्ट से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेश स्थितत्यों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (व) इस सूचना चै राजपत्र में प्रकासन की तारील ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर मंगरित में हिल्ब इथ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अक्षोहस्ताक्षरी है पास शिष्ति में किए आ सक्तें।

स्पट्टोकरण: ----इसमें प्रयुक्त कवां और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पीर-भाषित ही, यही अर्थ होगा, ओं जस अध्याध में दिया गया ही।

नन्स्ची

फ्लैंट नं० 21, जो, स्फूती को-भ्राप० हार्जीसग सोसायटी लि०, शिम्पोली रोड़, कस्तूर पार्क, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूत्री जैसाकी कं सं श्रई-4/37-ईई/20888/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनौंक : 28-2-1986

मोहरः

शक्य आहें<u>, दी. एवं, एक, ----</u>--------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सुमना

प्राप्तव चर्डकार

कार्याजय, तहायक वायगर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनौंक 28 फरवरी, 1986

निर्देण सं० ग्रर्श-4 $_{\parallel}$ 37-ईई $_{\parallel}$ 21284 $_{\parallel}$ 85-86—-यतः मुझे लक्ष्मण दास

भायकर बिर्मिशाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार; 'छदत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के बभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपरिता, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से बिधक है

गीर जिसकी सं प्लंट नं 104, जो, 1 ली मंजिल, एविंग, श्रिक्विती श्रपार्टमेंट्स, सर्वे नं 53/2, सी टी एम०
नं 360, विलेज बीरियली एक्सार रोड़, बोरिवली, वस्वई92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप
विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनयम
1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम
प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई 1985
की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मून्य से कम के ख्रयमान
प्रतिकल के लिप् बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथ्यप्रविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से एसे इश्यमान प्रतिकल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उपस अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 262-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 48—26 GI/86 1. में सर्स दिव्य शिल्प।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती ए० वी ० बर्वे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता। हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 विन की अविध या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उथत स्थादर सम्पत्ति में हितबष्ट किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकर्ग।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननस्वी

पलैंट नं० 104 जो 1ली मंजिल, ए-विंग, श्रिष्विनी प्रपार्टमेंटस, सर्वे नं० 53,2, सी० टी० एस० नं० 360, विलेज बोरिवली, एक्सार रोइ, बोरिवली, बम्बई-92 में स्थित है। श्रुनुसूची जैसाकि क० सं० श्रई-4/37-ईई/21284/85-86 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनौंक: 28-2-1986

प्ररूप आहाँ .टी .एन .एस . - -- ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयूत्रस (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-4, बम्बई बम्बई, दिनाँक 28 फरनरी, 1986

निर्देश सं० प्रई०-4/37-ईई/21148/85-86---प्रतः मझे लक्ष्मण दास्.

श्रायकार सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके प्रधात् 'बक्त श्रीधिनयम' कहा गया है"), की भारा 269-स के अवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजिय बाजार गुण्य 1,00 000/- रा. ये अधिक हैं

श्रीर जिपकी गं० फ्लैंट नं० 27, जो, 65ी गंजिल, 31/ए-एक्सार रोइ, बोरिवली (प), वस्बई-92 में श्यित हैं (ग्रीट जिसका गरारनामा प्रायहर्ं ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अर्धात, बम्बई स्थित तक्षण प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, सारीख 1 जुलाई 1985

को पूर्णेक्स सम्मित के उचित बाजार मूल्य में कम के क्यायान अतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूझ यह विद्यास करने का कारण है कि यभाप्योंक्स सम्मित का उचित बाजार बूख, उसके ध्रममान प्रतिफल से, एसे ध्रममान प्रतिफल का पन्सह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अत-रिखी (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उवत अंतरण लिखिर में गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बरवत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एपी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय लासकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किल या था या किया जारा लाहिए था, किलाने को व्यक्तिया के लिए,

भूत: अब. उक्त आधिनयम की धारा 209-ग के अनुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की एर्ट्यूका (1) के अधीन, निकालिखित व्यक्तियों, अथोंत :— मैं शर्स बोरिवली राजहंत की-ब्रांप० हाउसिंग सोसायटी । लि०।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती बी० एम० गोखले।

(श्रन्तरिती)

क्को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निद् भार्यभारत्वा कारता हुने।

उन्तु सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप 🦫

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास् शिक्ति में किये था बकेंगे।

स्यक्तिकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिशा यहा हैं।

मनसूची

फ्लैंट नं० 27, जो, 6ठी मंजिल, 31/ए-2, एक्सार रेड़ बोरिवली (q), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रन्स्ची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/21148/85-86 श्रीर जो नक्षम प्राधिकारी, त्रस्वई द्वारा दिनौत 1-7-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> तक्ष्मण दास चक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-4, बम्बई

दिनाँक: 28-2-1986

प्रका बार्ड . टी . रून . एस------

जायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीत सुमना भारत बहुकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंल-4, बम्बई **बम्बई**, दिनाँक 28 फरवरी, 1986 निर्देशसं० म्रई-4_/37-ईई,21205/85-86~--म्रतः

मुझे लक्ष्मण दाप

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धुसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बाज 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने आ कारण हैं कि स्थायर सम्बक्ति, जिसका उपित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० सी-53, जो, 3री मंजिल, सुमतो नाथ को-श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिं०, एस० वी० रोड़, काँदिश्वली (प), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इरमें उपावद्ध अनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन धम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्जिस्ट्री है तारीख 1 जुलाई 1985

को वृधीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिकान के लिए अन्दरित की गई है और मुके यह विकास करने का जारण है कि यथा वृदीवत संपत्ति का उचित विकार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिकान में, इद्यमान प्रतिकान में, इद्यमान प्रतिकान में, इद्यमान प्रतिकान के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिकान, निम्नितिखत उद्विध्य से उक्त मन्तरण सिचित में गस्तिबक क्या से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए; और/या
- (द्ध) एंसी मिसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियाँ का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्का अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, रा धन-कर नहीं किया गया भा ना किया बाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के शिए;

अतः ६ अ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन,, निस्ति शिक्ष व्यक्तियों, अर्थात् हु— 1. श्री नटवरलाल सी० पटेल।

(ग्रन्तरक)

2. श्री रमणिकलाल एम० मुनी श्रीर श्रन्य। (अन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राज्यन में प्रकाशन की तारीत में 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की सामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वान के राजपत्र में प्रकादन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित विद्यालय का किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधाहस्ताकारी के पास जिन्दित में किए जा सकेंगे।

स्मब्दीकरण: -- इसम प्रमुक्त शब्दां और पर्धों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हो, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

पर्लंड नं० सी-53, जी, उरी मंजिल, सुमतीनाथ को-आप० हाउसिंग सोसायटी, एत० वी० रोड़ कॉदिवली (प). बम्बई-67 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैमाकी ऋ० सं० भ्रई-4/37-ईई/21205/85-86 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि कारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनाँक: 28-2-1986

प्रकृत कार्यः दी . एव . एस , अन्यत्रक्षत्रकारमञ्ज

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के बचीन बुखना

नारत चरकार

शावीलयः बहायक धायकर धायुक्त (विरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं 2 मई-4/37-ईई/20822/85-86--- मतः मुझे, लक्ष्मण दास

वासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसंबें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, विसका उपित वाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलट नं० 30, जो 4थी मंजिल सुंदरम इमारत एम० बी० रोष्ट्र फते हवाग, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्त है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 1 जुलाई, 1985 को पूर्वोक्त बम्पिक के उचित बाजार मून्य से कम के ध्यक्तक शिक्षक के सिए जन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वन सक्षम करा के स्थाप जन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वन सक्षम करा के स्थाप विश्वक से स्थाप करा के स्थाप विश्वक से स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप स्थाप श्रीक श्रीक स्थाप के से स्थाप के स्थाप स्था

क्य निम्मतियात उद्दर्शन से उनत सन्दर्भ विश्वित में वास्त-

दिक रूप ने कपित सहीं किया क्या है है---

- (क) अन्तरण वे हुई किसी जाय की बावत बावस वाध-विवृद्ध से स्वीय कड़ दोने के क्यारक के दाजिस्त के क्यो क्याने मा बढ़ते न्यूने में नृतिका के पित्र; वाड़/या
- (क) एसी किसी जाम या किसी भन या जन्म आस्तिनों की, जिल्हों आएतीय जाब-कर जीवनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त जीवनियम, का बन कर अधिनियम, का बन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवोचनार्थ जन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया या किया चाना वाहिए था, किया में सिक्षा की किया

बतः सम्ब स्थतः अधिनिम्य की भारा 269-गं के बनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के स्थीन, निम्मतिबिक व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 1. मैसर्स विलोक कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती शारदाबेन लक्ष्मीदास मखेचा ।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी कर्यके पूर्णोक्त संपरित को नर्जन के जिल्ला कार्यनाहियां करता हुई।

उन्त सम्पत्ति के नर्बन के संबंध में कोई भी बाखेर ८--

- (क) इस स्थान के रावपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की जनिथ मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की जनिथ, को भी वनिथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थार;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवव्य किसी बन्य व्यक्ति वृक्त अधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकी।

स्थाबीकरणः -- इसमें प्रयुक्त खेळां जीर पर्वो का, को उत्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को उस जभ्याय में दिना गया है।

धनुसूची

पलट नं० 30, जो, 4थी मंजिल, सुंदरम पलेट नं० 30, जो 4थी मंजिल, सुंदरम, इमारत, एम० बी० रोड़ फते हुनाग, काँदिथली (प), बम्बई-67 में स्थित है। श्रनुसूची जैंसाकी ऋ० सं० श्रई-4,37-ईई/20822,85-86 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दान सक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

प्रकार बाहाँ, टी., एक्. एस्. ल-----

नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नभीम त्यमा

भारत बरकार

कार्यातय, सहायक वायकर वायका (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986

निर्धेश सं॰ ग्रई-4/37-ईई/20932/85-86—%त: मुक्के,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मति, जिसका उणित आजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 2, जो 1ली मंजिल, सन-ग्राई2 वी० ग्रपार्टमेंट, एम० जी० रोड़, कांदिवली (प), बम्बई-68 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है)/ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ज्यीन, बन्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्य में रजिस्ट्री है। तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, स के बृध्यमान प्रतिक ल से, एस वृश्यमान, प्रतिक ल का, पण्डल, प्रतिक संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, स के बृध्यमान प्रतिक ल से, एस वृश्यमान, प्रतिक का आप प्रतिक हैं। विश्व कि विश्व के विष् तय पाया वया प्रतिक हैं कि कि विश्व के विष् तय पाया वया प्रतिक से विश्व कि विश्व नहीं किया गया है: :--

- (क) गल्तरण से हुई किसी बाव की वाबदा, सबस वीधितवय के वधीन कुछ होने में बन्दाहुक, वो शायित्व में कमी कहने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; बाँह/वा
- (क) एंडी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर विभिनिदम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया नवा वा किया जाना वाहिए था, कियाने के सविभा के सिए; वार/शा

बत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बन्तरण भॅ, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. में मर्स रोझ बिल्डर्स ।

(प्रन्तरक)

2. श्री त्रीयान ट्रेवहोर जेम्स बिल्यम्स।

(ग्रन्तिरती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के वर्चन के किए कार्यवाहियां सूक करता हो।

जनत सम्यक्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बासरे है---

- (क) इस सुमा के यमपत्र में प्रकायन की तारीन के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति प्रवासः
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वहुभ किसी बन्य व्यक्ति खुवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए था सकेंगे।

स्वाकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विधिनियम, को सभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस सभ्याय में दिवा वश् है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 2, जो, 1ली मंजिल, सन-श्रायनी अपार्टमेंट, एम० जो० रोड बादिली (प), बम्बई-68 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी ऋ० मं० अई-4/37-ईई/20932/85 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 की रजिस्टई विया गया है।

तक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

THE STATE OF STATE OF SHEET

1. श्रीमती मिना विजय नावडे।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रभय हमीरभाई मोरी।

(ग्रन्तरिती)

बायकार वीपनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-७ (1) भी मधीन सुधना

भारत सरकार

कार्याक्रयः, सहायक आदकर नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बस्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/21320/85-86- श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास

अध्यक्तर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्मैं इक्षके परकात् 'वक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की पारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार भून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 203, जो, जिग्नेश श्रपार्टमेंट, किरनेश को-अप० हाउर्थिंग सोप्तायटी लि०, रविशंकर महाजन रोड़, डहाणुकर वाडी, कांदिवली (प), बब्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबस्थ श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) /फ्रौर जिस⊹ा इरारनामा क्रायक्तर क्रिधिनियम 1961 की धारा 2695, ख के श्रधीन, बन्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यातय में रिनरट्री है। नारीख 1 जुनाई 1985

कारे पूर्वोक्त संपरित को उपात बाजार मृत्य से कम को सक्यमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है। के यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित वाबार भूल्य, उसके कायमान प्रतिकल से एके कायमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्नुसि**चित उद्दे**षय से **उद्दा अन्त<u>र</u>ण** धिवित में वास्तविक रूप ते कर्णवत पहीं किया गुवा है है---

- (क) जन्तरण संहुदं किसी कार की वावता, उपरा विभिन्नियम के विभीन कर दोने के अन्तर्क वी वाहियत्य में कभी करने या क्यमें मचने में सुनिया क्षे गिरुष्: स्वीर/का
- (क्ष) ए ती किती जान या किनी घन या जन्म आसित्याँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 13/57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाद्धाः चाहिए था छिपाने में सुविधा

अत: अब, उक्त अधिनयम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसित व्यक्तिहाँ कप्रिष्ट :---

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पर्टित के वर्जन के सिक् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनस सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध भी वर्ष भी आक्षेप

- (क) क्षम स्थादा को राजपण में प्रकासन की साराम सं 45 विक् की अवधि या तुरसम्बन्धी स्थितितमें पद सुष्ता की उपयोज से 30 दिन की अधिक, नो भी व्यविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतन पृथीकत म्याजिसको में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (बा) इस सुमाना को राजधन में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास निसित्त में किए वा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:--इसमें प्रमुक्त शुक्ते और पर्वो का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ष होगा को उस अध्यास में ववा है।

नग्त्यी

फ्लैट नं० 203, जो, जिग्नेश ग्रपार्टमेंट, जिग्नेश को-ब्राप० हार्जीसम सोसायटी लि०, रिवशंकर महाजन रोड़, इहाणुकर बाड़ी कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है। ग्रनुभूची जैसाकी ऋ० मं० ग्रर्द्द- 4_{l} 37-ई $f{t}_{l}$ 21320 $_{l}$ 85-

86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांव: 28-2-1986

प्रस्प कार्दः दौ ् एकः, एकः, व्यवस्थान

आयकर जोधाँका 1961 (1961 का 43) की -भाष 269-व (1) के वधीन ध्यमा

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्तक)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/21228/85-86—म्प्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उकन अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पनि, जिसका अभित बाजार मृख्य 1,00,000/- रहा में अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 501, जो, साई छाया-ए, श्राकृति रोड़, जांदिवली (पूर्व), बब्बई-101 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्व धनुसूबी में श्रीर पूर्ण का में विणित हैं) श्रीर जिसका क्षारतामा पापकर पश्चितियम 1961 की घारा 269क, ख के खबीन, बब्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ही हैं, तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वितश मार्गाल को उणित बाजार मूल्य से कम के ब्रायमान अतिफल के लिए अन्तरित की गर्ब है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्विकत संपत्ति का उणित बाजार ग्रम्थ, उसके ब्रायमान प्रतिफल से पासे ब्रायमान प्रतिफल का ग्रम्थ प्रतिभात से अधिक ही और संसरफ (शंतरकों) और अंतरिही (अन्तरितिगों) के बीच एसे।अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से किथात नहीं किया गया है है—

- हैंक) नत्तरफ से हुई किसी नाव की नावत उक्त विधिनियम को अधीन कार वाने को अन्तरक थैं शास्त्रिक सों कभी करने वा उसके विधने में सुविधा के लिए; बौद्द/वा
- (स) एमी किसी आय मा किसी थत या अच्य आस्तियों कर्ष, रिक्ट शास्तिक आग्रान्तर मिलील्लाव, १९९० (१००५ के ११) ए। अवल किस्तिक १, १९० धन्न-अत क्रियेन्सिक, ११९७ (१०९० का १७) के प्रयोजनार्थ साल्चिति स्थान प्रकट महीं विद्या गया था या कियो प्रांता चाहिए था, क्रियाचे वां स्थिभा के लिए;

कला अब, ज़क्त विधितिसम की भारा 269-न की अभूकरण हैं. ही ज़क्त विधितियम की भारा 260-छ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसमों, अर्थात्:---

- मेसर्म ने शनल ले दरक्लोथ मैन्युफक्चरीग कपनी। (प्रत्तरक)
- 2. श्री पी० जे० बारे।

(ग्रन्तरिती)

सार्ट बहु बहुबार आही करुको पृथानित सञ्ज्यित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डवड सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में ओड़ों भी बाखेंप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना को राजपन मों प्रकाशन की सारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी लन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पाछ लिखित मों किए जा सकोगी।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, भी उकत **स्पिनियम, जो सभ्याय 20-क में प्रिभाषित** ह**ै, वहीं अर्थ हो**गा जो उस अध्याय में दिया स्वा है औ

प्रत्यूची

फ्लैट नं० 501, जो, सा**ई छाया-**ए, क्राकृति रोड़, कांदि-वली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है।

श्रत्मूची जैसाकी कि० मं० श्रई-4/37-ईई/21228/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनां 5/7-1985 को रिजस्टिई दिया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज,-4, बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

शक्य नार्धु टौ ् एन् ् एस्_{डिन्सननस्यत}

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, विनांक 28 फरवरी, 1986

निर्वेश सं० ग्रई-4/37-ईई/20922/85-86---- ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिमकी सं० श्रीशोगिक युनिट नं० डी-31 जो 2री मंजिल, श्रोनान्सा इंडस्ट्रियल इस्टेट, ग्रशोक चन्नवर्ती रोड़ कांदिवली (पूर्व) बम्बई-102 में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका वरार नामा ग्रायकर अतिनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 1985

को प्रवेषित संपरित के उधिन ग्रामण्य मृत्य सं कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित नाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (गंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण सिवित में कारितक रूप से किथत नहीं किया गमा है है—

- (का) जन्मरण संहूर्ड किसी जाव की वावत उपस् मिनियम के जभीत कर दोने के जन्मरक वं वाधित्य में कमी अरने या उससे दलने में सृतिभ के लिए; बॉर/या
- (क्ष) शेली किसी आब वा किसी पन या जन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत कीशीनयम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया एका फाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्षः अस, उनत अभिनियम की नाय 269-ग कं जनुसरण में, में', उनत अभिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)' के अभीन, निम्मसिणिय व्यक्तियों स्वामीत कमान

- श्रीमती बी० डी० कांचन। (श्रीमतरक)
- 2 मेसर्सं मेघा इंटरप्राईज।

(ग्रन्सरिती)

को यह स्वभा जारी करके पृत्रोंकत सभ्यत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपत्ति के जर्मन के संबंध में कोई भी आशीर क्र---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीं हैं 45 दिन की स्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर स्वना की तामील से 30 दिन की कविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से कियी स्थित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यक्ष
 किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
 जिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पछ्नीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ⁵, वहीं अर्थ अर्थेन जो उस अध्याय में दिया क्या है:

नप्त्या

ग्रीबोगिक पूनिट नं० डी-31 जो, 2री मंजिल, बोनान्सा इंडस्ट्रियल इस्टेट, ग्रामोक चकत्रनी रोड़, कांदीवली (पूर्व), बम्बर्ड-101 में स्थित है।

सनुपूची जैमाकी ऋ० मं० सई-4/37-ईई/20922/ 85-86 स्रीर जो मक्षप प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड कया गया है।

> लक्ष्मण साम सक्षम प्राधिकारी-महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-4, अम्बई

विनांक: 28-2-1986

नोहर :

प्रका नाइं.टी.एन.एस. -----

काथकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) को शारा 269-व (1) को अभीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्रजेंन रेंज-4, बम्बई
बम्बई. दिनांक 28 फरवरी, 1986
निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/20963/85-86—श्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें हनके विधान उक्त अधिनियम बहा गवा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उचित वाबार भूका 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 403, जो, 4थी मंजिल, कदमगिरी श्रपार्ट-मेंट चक्रवर्ती श्रशोक ग्राम व्हिलेज वाधवान, सी० ए० रोड़, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपा-बद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं । तारीख 1 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूका से काम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित् की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का करण है कि बधाप शिवस सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का क्ल्यह प्रतिखत से विधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरित (जन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के मिए तब पाया प्रवा प्रतिकल जिम्मिकत अव्वर्ध से अन्तर बन्तरण सिचित में शास्त्रीयक क्ष्य ते कथित वहीं किया यवा है है—

- (क) जनसरण से हुई किसी जाय की बावत उपत विभिन्नका से अधीन कर दोने के अध्यादक से वाध्यक्ष में कभी करने या उत्तमें प्रचने को सुविका के दिलका, सर्वेर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या भन या अन्य जास्तियों का तरन्ह भारतीय काड-कर र्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिम्मियम, मा धन-कर सिंभिनियम, मा धन-कर सिंभिनियम, १९६७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए दा. छिपाने में सिंभिन के सिंग्ह;

कतः अप्र, उक्त अ**धिनियम कौ धारा 269-न कै वन्सरक** मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्क*िण्ड व्यक्तियों, अर्थातः :---* 1. मेसर्स गुडविल बिरुडर्स।

(ग्रन्तरकः)

2. श्री एव० एच० गहा ग्रींग ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

भारे बहु सुभाना भारी कारके पृक्षांभक सम्परित है अर्थान के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्परित के नर्जन के सन्वरूप में कोई भी बाक्सप्र--

- (क) इस स्वर, के राज्यक मो प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की क्वीध वा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वाम की तामान से 30 दिन की क्वीध, को भी व्यक्ति वाद को तामान से 30 दिन की क्वीध, को भी व्यक्ति वाद को तमान्त होती हो, के बीतर प्रविक्त अधिकतमों में को किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (च) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन ने भीतर उक्त स्थावर सम्मतित में हितबबुव किसी अन्य व्यक्तित द्वारा क्यांट्रिताकरी के वास निक्तिया में क्या का सकीचे।

ल्पक्टीकरण:—-इसमें प्रयास्त धान्यों तीर पदों का, जो उपर अधिनियम क अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नवा ही:

अनुसूची

पलेट नं० 403, जो, 4थी मंजिल, कदमगिरी श्रपार्टमेंट चक्रवर्ती श्रमोक ग्राम, व्हिलेज वाधवान, सी० ए० रोड़, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी क० सं 2 ग्रई-4/37-ईई/20963/85- 86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7- 1985 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

मोहर :

49-26 GI/86

प्रस्तु वार्षे , डी. क्यू. क्यू. - व व - क

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 मा 43) की पाछा 269-प (1) के व्यीन सूचना

भारत सरकार

कार्यक्रम, बहायक शायकर नामुक्त (निरीक्षण) श्राजीन रेज-3 वस्वर्ष्ट

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986

निर्देस सं० श्रई-4/37-ईई/20964/85-86—-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

शायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० फ्लेट नं ० 205, जो, 2री मंजिल, हस्सगिरी अपार्टमेंट, सी० ए० ग्राम एस2 नं 2 7 (श्रंश), 12-ए/1 (श्रंण), 5 (श्रं), चक्रवर्ती ध्रशोक रोड़, कांदिवली (पूर्व), बभ्वई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)/श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधित्दम, 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बग्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के का लिय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जुलाई 1985

को पूर्वोक्क सम्मित के उचित बाजार मृस्य हे कम के दश्यमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्क सम्मित का सचित बाचार मृस्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ए ते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्क अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत उक्त क्षिनियम के बधीन कर दोने के बक्तरक के क्षिक्त में क्यी करणे वा मसर्च घषने में तृविधा के निए कौर/मा
- (ण) पंसी कियी बाव या किसी धन या अन्य बास्तियों को, विन्हीं भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (192? आ 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने किया;

कर्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे. में. उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निनिस्ति व्यक्तियों, अर्थातः 1. मेसर्स गुडविल बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्री जे० ए० मेहता श्रीप श्रीमती के० जे० मेहता। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्वन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्मत्ति की नर्धन के सम्बन्ध में कर्ष्ट्र भी नासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 भविध बाद वें सवाध्य होली हो, से भीतर प्रवेंकर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य स्थित द्यारा कथाहस्ताकरी के पाव लिखित में किए जा सकेंगे।

अन्डीकरण: ----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया दक्ष है।

मनुसुनी

फ्लोट नं 2 205 जो, 2री मंजिल हस्तगिरी श्रण्यार्ट-मैटस सी० ए० ग्राम, एस० नं० 7 (अंग), 12-ए/, (अंग), 5(ग्रंग), चक्रवर्ती श्रमोवः रोष्ट, कांदिबली (पूर्व), बम्बई 67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० मं० ग्राई-4/37-ईई/20964/85-. 86 ग्रीर जो मक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-7 1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> (लक्ष्मण दास) सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्ष्त निरीक्षण भ्रजन रेज-4, सुम्बई

दिनांक: 28-2-1986

प्रकल बाह्र टी.एन.एच.-----

वावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 2\$9-च (1) के बभीन स्चना

नारत तरकार

कार्यासय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986

सं० ग्रई-4/37-ईई/20834/85-86--- ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् 'दक्त निधीनयम' कहा गया हैं), की भारा 269- अ अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित नाजार मृत्य

1,00,000/- रु. से अभिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 40, जो 3री मंजिल, शिवम इमारत एस० बी० रोड़, बादिवली (प). बस्बई-67 में स्थित है (ग्रींग इससे उपावद्ध शन्सूची में ग्रींग पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसदा करारनामा श्रायवर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269व, आ के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1 जुलाई 1985

को पुर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्लात कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्न, जसके दक्यमान प्रतिफास से, एसे दक्यमान प्रतिफास के पन्तर प्रतिकृत से भृधिक हैं और जन्तरक (अन्तरकारें) और मन्द्रोरती (भन्तरितियों) के नीप एसे जन्तरण के सिक् इस्स **बाया गया प्रतिफल, निय्नसिवित उद्देश्य** *वे उस***त** *बाता***रण** लिपित में नास्तिक रूप से कृषित गड़ीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी नाय की नावस सक्त ज[घ-नियम के जभीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमीकाले या उससे बचने में सविचा के शिए: 建建/机
- (क) देशी किसी बाब या किसी धन या अन्य वास्तियो को, जिन्हें भारतीय नामकर मिशियम, 1922 (1922 को 11) वा उन्त विविन्त, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के निए;

बतः नव, उपत मधिनियम की धारा 269-ग वै अमुखर्फ में, में, उक्त मेभिनियम की भारा 269-च की जयभारा (1) के अधीन, निम्नलिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्री बी० एम० शहा।

(ग्रन्तरक)

2 श्री एच० के० दावड़ा

(अन्सरती)

की वह सूचना भारी करवें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- इंड ब्रुव्या के राज्यम् के प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अविध या तस्तम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचन की तामील वे 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद वें ब्याप्य होती हो, के बीतर पूर्वीक्ष न्युनिक्वों में से किसी न्युनिक कुतास;
- (व) इब स्वता के रायनत्र के प्रकावत की द्वारीक. हो 45 दिन को भीतर उपक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा बधोहस्ताक्षरी हे बात मिलित में किए वा सकते:

क्क्फ्रोक्करण:---इसमे प्रयुक्त सब्दों बीर पत्रों का, जो उक्क्ष विधिनियम् के वश्यायं 20-कं में परिभाषिक हैं., वहीं वर्ष होना को उस अध्याय में किया पना 🜓

वन्स्ची

फ्लट नं० 40, जो, 3री मंजिल, शिवम इमारत, एस० वी० रोड़ कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० ग्राई-4/37-ईई/20834/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दनांक 1-7-1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर **ग्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

मोहरः

प्ररूप नाइ. टी. एव. **एस**्=====

1. श्री एम० के० शहा।

(ग्रन्तरकः)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना 2. श्री एम० बी० णहा।

(भ्रन्तरिती

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनां त 28 फरवरी, 1986

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लेट नं० जे/4-1. जो तल माला, महाबीर नगर को-श्राप हाउसिंग सोसायटी लि०, उहाणूकर वाड़ी, कांदि-वली (प), बस्बई-67 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं)/श्रीर जिसका करारनामां श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई 1985

को पूर्वित सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कन के करमान प्रतिफक्ष के लिए क्ष्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, अस्के क्ष्यमान प्रतिफल से पूसे क्ष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पान गन। प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्तरण जिल्हित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आज की कावच, धक्क निवम को अभीन कर दोने को अंतरक को बाबित्य को कभी करने या उसते अचने में सुविधा को जिए। बीर/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्ध आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भनकर अधिनियम, बा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तृतिभा की जिए;

नेशः अत, उन्त अभिनियम की भारा 269-य के नमुन्तरण में, में, उन्त अभिनियम की भारा 269-न की उपभास (1) के सभीत, निस्तिलिक्षित स्थानितमों, नजीत्:— की यह त्वना जारी करके प्वॉक्त सम्मित के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के शर्वन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 36 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त स्मीनत्मों में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र मं अकाशन की तारीख सं 45 विक के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण:---इसमें प्रश्नुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त जो अनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं!

बनुसूची

प्लेट नं० जे/4-1, जो, नल माला, महाबीर नगर को-ग्राप० हार्जीनग मोसायटी लि०, डहाणू कर बाड़ी, कांदिवली प), बम्बई -67 में स्थित है।

श्रानुसूत्री जैसाकी कि सं प्रई-4/37-ईई/21053/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधितारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड विया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-4, वम्बई

दिनांक: 28-2-1986

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986

निर्देश मं० ग्रई-4/37-ईई/20876/85-86—-ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य

1,00,000/- का से अधिक हैं
और जिसकी संव फ्लेट नंव 33, जो, 3री मंजिल श्रीजी दर्शन,
फ्लॉट जिसका मीट टीव एसव नंव 100, एसव नव 96,
एसव बीव रोड़, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित हैं
(ग्रीर इससे उपाबद अनुभूवी में और पूर्ण रूप से बणित हैं)
/ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की
धारा 269 का के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी
के कार्यांत्य में रजिस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई 1985

को पूर्गोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूला से काम के दश्यमान प्रतिकार के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिया रूप से किया गया हैं :---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के कतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अप या किसी भन या कन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थित अर्थिय,

अतः अध, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनूसक्ण मी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अभीन को सम्बन्धिसत स्थितियों, अर्थात् :--- 1 श्रीमती के० वि० भाटीया।

(अन्तरक)

2. श्रीमती वी० के० टोलीया और श्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पायक्षित्रण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदो का, जो अवह अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुमुची

फ्लेट नं० 33, जो, 3री मंजिल, श्रीजी दर्शन, प्लॉट जिसका सी०टी० एस० नं० 100, एस० नं० 96, एस० बी० रोड, कांदिबली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी किं सं अई-4/37-ईई/20876/85-86 श्रीर जो सक्षत प्राधि हारी, बस्पई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-4, कम्बई

दिनांक: 28-2-1986

प्रकम बाह्ये हों एवं . एस . -------

नायकाह विधिनियम, 1961 ((1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत चडकाड

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, वम्बई

मम्बई, दिनां रु 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/21117/85-86—अत: मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर तम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संबद्धकान नंव 3, जो, नल माला, शिव तीर्थ इमारत गंकर लेल, कांदिवली (ए), अम्बई-67 में स्थित है (ब्राँर इसने उपावद्ध अनुसूची में ब्राँग पूर्ण का में विणित है) श्रोर जिसका कराणतामा आगकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिष्ट्री है शारीख 1 जुलाई, 1985

को गुर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृह्य से कम के ज्यमान प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित थाजार मृह्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूक्समान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रिफल, निम्निलिशत उस्वेष्य से उस्त बन्तरण निश्ति में अस्तिविक रूप से किया नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से तुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनिधम के अभीन कर दोने के अन्तरक वो दाधित्य में कमी करने मा तससे बचने में बुदैवभा से सिए; बद्धि/बा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनयम, भा भनकार लिधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयांजनार्थ जन रिती बुजारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना थाहिए था, कियाने में सुविभा ने जिक्दः

बराः अथ, उसर विभिन्तम की भारा 269-व की जनकर्ष में, में, उसर अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री प्रेमजी मुलजी डागा।

(अन्तर्क)

2. श्रीपी० बी० निसार।

(अन्तरितो)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पर्टित के अर्थन के जिल्ल कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की वविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निख्ति में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त विधिनियम, से अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विधा गया है।

ग्रनुसूची

दुकान नं ० 3, जो तल माला, शिव तियं इमारत, गंकर लेन, कादिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई-4/37-ईई/21117/ 85-86 ग्रींर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिकांक: 28-2-1986

प्रकार वार्षः, टी_ल पुत्_{यः} पुत्_{यः समयस}

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के बधीन स्चना

भारत सरकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986 निर्देण मं० अई-4/37-ईई/20754/85-86—-अतः मुझे, सम्म दा**स**.

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल, 'उर्वत अभिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-क को अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी मं० श्रौद्योगि म युगिट नं० डी-5, जो तल माला, बोतान्सा इंडिन्ट्रियल इस्टेट, अशोक चक्रवर्ती रोड़, कांदिवली (पूर्व), वम्बई-101 में स्थित हैं (श्रीर इसने उपावड अनुसूत्री में ख्रौर पूर्व का से विगत हैं) श्रीर जिस हा करारनामा, आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 में, ख के अधीन, बम्बई स्थित सञ्जन प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं तारीख 1 ज्लाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खिनत बाजार मून्य ते क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संपत्ति का उचित् बाजार गून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से विभिक्त है और बन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय शवा गया प्रतिफल निक्नितियत उद्योग से उन्त अन्तरण निवित्त में बाग्तिक कम से कियत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण संहुर्घ किसी बाय की बाबत उक्त विधिनियत के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/पा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को. जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती द्गारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

सतः भव, उक्त वीधीनयम की धारा 269-व के अनुसरक कें, ग्री, उक्त वीधीनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधीन निस्तिलिसित व्यक्तियाँ, अर्थात् :--- 1. श्री एफ० एम० खाल।

(अन्तर्क)

2. मे**स**र्स मं। ४ल' इंटरप्रायजेशा।

(अन्तिंग्ती)

को यह तुषना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिथ कार्यवाहियां कारता हुन्।

बनत् सम्मृतित के मर्जन के सम्बन्ध में काहि भी वासाय:----

- (क) इस न्वना के रावपत्र में प्रकावन की वारीच हैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील स २० दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में श्याप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस त्यना के राजपन में प्रकाशन की तारींच चे 45 दिन के भी पर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरण:---इराचे प्रमुक्त श्रव्दों मौद पदों का, वो जवत विभाष्यम के वश्याय 20-कं में परिभाषित हैं, नहीं वर्ष होगा को जत अध्याय में दिया मुदा हैं।

मन्सूची

स्रोबोगित गुनिट नं० डी-5, जो, नत माला, बोनान्सा इंडस्ट्रियल इस्टेट, अशोध सकवती रोड़, कोदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-4/37-ईई/20754/85-86 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बस्बई

दिनांक: 28-2-1986

प्रकप जाहै, टी, एन, एस.-----

मायकार मीधीनयम 1961 (1961 का 43) की धारा

२६९-ध (१) के अभीन स्थनः

मोरेक्स संबद्धिक

कार्यालय, नहायक कायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जग रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० आई-4/37-ईई/21009/85-86-**-**अनः

मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर आंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके धरकात् 'उक्त अधिनिम' कहा गा है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी नं० ग्रांशीगिक युनिट नं० सी-19, 2री मंजिल, बोनान्सा इंडस्ट्रियत इच्टेट, अणोड चक्कती रोड़, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित हैं (ग्रांर इसने उपावद अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप में विणत हैं) श्रांर जिसका जगरनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 हुख के अश्रीन, बम्बई स्थिन सक्तम प्राधिकारी के कार्यात्रम में रजिल्ही है, तारीख 1 जलाई, 1985

को प्वांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए जंतरित की नहीं है और मृत्ये यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और (चन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के बिए तब स्था महा प्रतिफल, निम्निसित उच्चचेय से समत बन्तरण जिसित वास्तिक स्था में करिया नहां ही स्था नहां है:—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी जान की बावत उक्त अधि-प्रियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के वायित्य में कमी करने या उसने बचने में सुनिभा के निए; भीर/मा
- (क) ऐसी किसी बाम या किसी धन या जन्म श्रीस्त्रयों की , जिन्हों भारतीय बासकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) मा उन्न अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किमा गया था वा किया बाना भाहिए था, जिपाने श्री श्रीवधा के निए; बार/मा

मतः अधः, उसतः अधिनियमः की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, हसतः विधिनियमः की धारा 269-ण की उपधारा (१) ए अधीतः निम्नीसिकत व्यक्तियोः वर्षातः :--- मेमर्स किका टेक्सटाईल्स और श्रीमती ए० आ४० अगरवाल।

(সলগৈ ম)

2. श्री एम० आर० शय।

(अन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित को कर्बन के किए कार्यवाहियां शुक्र करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्पन के संबंध में कर्श भी आक्षेप :----

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविभि या तत्मवंधी व्यक्तियों दा स्थान की तामील से 36 दिन की अर्थां न को की अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (क) इस सूचना को राज्यत्र में श्रकाशन की तारील सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध बब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा सभोहल्लाक्षरी जे गास निविद्य में किए वा सकोंगे।

वमसुची

चीदोगिक युनिट नं० सी-19, जो, 2री मंजिल, बोनान्का इंडस्ट्रियल इस्टेट, अशोक चक्रवर्ती रोइ, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है।

अनुसूची जासकी करु मंद्र राष्ट्र-4/3: नीर्ड /21009/85 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, भम्बई द्वारा दिनां र 1-7-1985 को रिजिस्टई िया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम वाश्विणारी सहाग्रह आयार आयुगत (किरीक्षण) अजेश रेज-1, बम्बई

दिनां म : 28-2-1986

में(हर 💠

प्रकल कार्य : द्रो : एवं : एवं : प्रव :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) से अधीन स्वना

बाह्रच चुड्रच्याड

कार्यालय, सहायक बावकर बायुक्त (निरीक्तग)

अर्जन रेंज-4 , बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/20910/85-86—अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लेट नं० 4, जो, निलकंठ इमारत, एस० बी० रोड़, फतेहबाग, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित हैं श्रोर इसने उपावद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित हैं)/ श्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क,-ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 ज्लाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उभित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नहाँ है और मृत्रे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का अभित बाजार मृत्य उतके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पावा गया प्रतिकृत, निम्निलिश्त उन्देश्य से उक्त अन्तरण तिकित में बास्तरिक रूप ने करिया गहीं किया गया है है—

- (क्क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एरेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट पहीं किया भया या वा विद्या आरोग भागिए था, कियाने में सुविभा औं विद्या

अतः अव, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्यरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 50—26 GI/86 मेसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रवणन कंपनी।

(अन्तरक)

2. श्री एन० आर० बारभाया।

(अन्तरिती)

की यह सूचना वाशी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्वराष्ट्रियां करती हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान करावपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की वर्गीय, को भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय व्यक्तिय स्थानिय स
- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थानर सम्पत्ति में दिस- नद्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए वा सकने।

स्वकाकिरणः - इसमें प्रयुक्त सन्दां और पदों का, जो उत्तर विभिन्नियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा, जो उस वध्याय में दिया गया है।

नन्त्यीं

पलेट नं० 4, जो, निलकंट इमारत, एस० बी० रोड़, फतेहबाग, कांदिवली (प.) अम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक ऋ० सं० अई-4/37-ईई/20910/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनां ह 1-7-1985 की रिजस्टिई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

मोहरः

प्रस्य बार्षः ठौः एवः एवः,--------

भाषकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की गारा 269-म (1) में मधीन सुमना

भारत तरकार

कार्यां संय, सहायक शायकर जायका (निरासिक)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरधरी 1986 निदेश सं० अई-4/7ईई/21008/85-86--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

क्षायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धादा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० औद्योगिक यूनिट सं० ए-40, जो, बोनान्सा औद्योगिक इस्टेट, अशोक चक्रवर्ती रोह, कर्नेदिगली पू), वस्वई—101, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-7-1985 को वृशेंकत सम्पत्ति के उचित बाबार मृल्य से कम के अधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वत करने का कारण है कि यथापूर्वेंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे अध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्विध्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिक रूप से स्तिशत नहीं किया गया है:----

- (क्य) अंतरण से हुन्दें किसी बाय की बावत, उक्त अधि-अधि-यिय के अधीन कर दोने के अस्तरक थे दावित्य में कभी करने वा उससे वचने में सुविधा के विद्या:
- (थ) ऐसी किसी जाग या किसी भन या जन्म श्रास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जीवनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीवनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में जुविधा के लिए; बीर/बा

करा अब, अबत अभिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, भी उसस अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अवीर निम्नीयिकित व्यक्तिकों. जनति ए— (1) श्री भरतकुमार ग्रमकरनदास

(अन्तरक)

(2) नेमिचन्द एन० जैन और के० एन० जैन । (धन्तरिता)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्बन्धि के नर्बन के संबंध में कोई भी नाक्ष्प ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा संकेंगे।

स्वकाकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का को अवस अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया भवा है।

अनुसूची

औद्योगिक यूनिट सं० ए-40, बोनान्झा औद्योगिक इस्टेट, प्रमोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है ।

ध्रमुस्ची जैसा कि क० सं० ध्रई-4/3कईई/21008/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1--7-85 को रजिस्टई किया गया है ।

नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरी**क्ष**ण) श्र**जैन** रेंज⊶4, बस्क€

दिनोस : 28-·2-·1986

प्रकृत बाइ . टडे. एन . एस . ------

जायकर कॅपिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-प (1) फें नपीन स्पना

HIST SERVE

कार्याचय , सहायक जानकर आयुक्त (निर्देशिक) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० अई- 4'37-ईई'21265'85-86-- प्रतः सुझै, लक्ष्मण दास,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० यूनिट सं० 2, जो, तल माला, डी--विंग, बोनान्झा इण्डस्ट्रियल इस्टेट, अगोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पू०), बम्बई-101 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विंगत हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रों हैं दिनांक 1-7-85,

को पृशंकत एपित्त के उशित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण से हुन्द किन्नी बाव की बावत, उपध अधिनियम के जभीन कार दोनें के अन्तरक के दावित्य में क्वी करने वा उचते वचने में सुविधा को लिए; बौर/मा
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या कृत्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय वाकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या जन्हें चित्रियम, या भन-कृत्र अधिनियम, 1957 (1957 की 27) की अधीजमार्थ अन्ति रित्री ह्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्

कतः अव, अकत विधिनियम की धारा 269-व की विभृतरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) बोनान्झा इण्डस्ट्रियल इस्टेट लि०। (अन्तरक)
- (2) श्रीमती श्रार० एन० गांधी और एन० बो० जलांधी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के क्रिए कार्यवाहियां करता हूँ। उक्त संपत्ति के वर्षन के तंत्रंथ में कोई भी वास्तेष :----

- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सनीध मा तत्त्वज्ञमधी व्यक्तितमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की संवधि, जो भी अपिथ बाद में तमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तार्राक्ष में 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पाल निचित में किए जा सकते।

त्यव्यक्रिकरणः - इसमें प्रयुक्त सम्बागित पदी का, को उक्त आयकर जीवीनयम के कथाय 20 का में परिभावित हैं. वहीं कर्य होगा को उस अध्याज में विया नवा है।

वन्ध्यी

यूनिट सं० 2, जो, तल माला, श्री०-विंग, बोनान्सा इण्डस्ट्रियल इस्टेट, श्रबोक चक्रवर्ती रोड, कॉबिंगली (पू०), बम्बर्य-101 में स्थित हैं।

प्रनुमूची जैसा कि कि के मं० धई-4/37/ईई/21265 85-86 औए जो सक्षान प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7--1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास **सक्ष**म प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायु**क्**स (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज–4, **बम्बई**

दिनांक : 28-2-86

१७५ सार्व हो. एन. एस_{.र}- - » त्रर--

नावकड अर्थितियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्थना

नारत चडन्तर

कर्मात्रम, बहुरक मायकर मायुव्य (विवीक्षण)

ग्रर्जन रेंज--4, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986 निर्वेश सं० श्राई--4/37-ईई/21055/85-86---श्रतः मुझें, लक्ष्मण दास,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269-क के बभीन सकान प्राधिकारी की यह विस्तास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से जिथक हैं

और जिसकी सं यूनिट सं 005, जो, तल माला सी ०-विंग, बोनान्सा इण्डल्ट्रियल इल्टेट प्रा० लि०, श्रगोन जकवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध धनुभूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित हैं), और जिसका करारनामा स्रायकर स्राधिन्यम 1961 की धारा 269 कल के प्रधीन, बम्बई स्थित मक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, दिनांक 1-7-1935,

क्ये पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के इसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मूल्स, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंबरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदियों से उक्त अन्तरण लिखित में बादतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुद्दै किली आंध की बाबरा, उक्त विधितियम के अधीत कर दोने के जन्तरक की वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाम या किसी धन या बन्य जास्तियों करें, जिन्हें भारतीय जायकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था का किया जाना वाहिए था, जियाने में बृविभा के लिए;

अत: अब, उन्ते अभिनियम की भारा 269-गं के नमूतरण मं, मंं, उसत अभिनियम की धारा 269-चं की अपभारा (1) कं अभीन, नियमतिष्ठि अधिकारों, जर्षात् ४—— 1. बोनान्सा इण्डस्ट्रियल इस्टेट प्रा० लि०

(मन्तरक)

2. श्री एस० ए० तावावाला ग्रीर ग्राय० ए० काथावाला । (ग्रन्सरिती)

को बहु तुलना चारी करके पूर्वेक्ति सक्योत्ति के वर्जन के तिहु कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्मारित की अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 विन की अवधि, जो भी नवीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी जन्म व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किये जा सकींगे।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिं-नियम के अध्याथ 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

यूनिट सं० 5, जो, दूसरी मंजिल, सी०-विंग, बोनान्झा इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, प्रा० लि०, श्रशोक चक्रवर्ती रोड, कॉदिगली (पू०), बम्बई-101 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि क० सं० भ्रई/4/37/ईई/21055 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज- 4, बम्बर्ष

दिनांक : 28-2-1986

क्ष्म बार्ष्_छ की_ल एम_ळ पुरं _{अन्यस्मानस्था}

बायकप वर्णप्रियम्, 1961 (1961 क्ष्म 43) की भारा 269-स (1) में स्थीन अजना

नारत बरकाड

कार्याक्यः सहायक नायकर नागुक्त (निर्दाक्तिक)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरकरो 1986

निर्देण सं० ग्रई-- 4/37--ईई/21326/85--86---- त्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उन्न विभिन्यम' नहां गया हैं), की भारा 269-ध के अभीन संबंध प्राधिकारी को,, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित विश्वका उपित वाबाद मुख्य ;

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं० जनाक सं० ए, फ्लैंट सं० 201/202, जो,
शितल समिर, विशास नगर, डहाणूकर बाडी, कांदिबली (५),
बम्बई-67 में स्थित हैं (ओर इससे उपावद्ध अनुसूर्ची में और
पूर्ण रूप से विशास हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधनिथम 1961 की घारा 269 केंब के अधीन बम्बई स्थित
सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, दिनांक 1-7-85,
की पूर्योक्त सम्बंद्धित की गई हैं, बोर मुखें यह विश्वास
हितक के बारण है कि वणायुर्वेक्त संगीत का उचित वाबार
कृत, उसके जमाद शिवक से ऐसे क्रममान प्रतिकत का पंच्य
शिवकत से अधिक हैं और बंदरक (संतरकाँ) बार अंतरियी
(बन्तरितयाँ) में बीच ऐसे बन्दरल के लिए उस पामा नवा
शिवकत, विश्वतिष्ठ स्थान वाही किया पर्चा है

- (क) नम्हरक से हुए जिसी बाद की बाव्छ उक्त वरिश-रिक्क के वरीय कर दोने के बन्दक के सर्वित्स में कभी करने या उससे दचते में सर्विता के निष्कृ बीद/या
- (ल) एसी किसी बाग या किसी धन या बम्ब बास्तियों कों, विश्व बारतीय आय-कर सीधनियम, 1922 (1922 का 11) दा अस्ट निधनियम वा धनकर गरिधनियम, 1957 (1957 का 27) के स्वोचनार्थ अस्तियों कृषा कृष्य पूर्व विश्व वा वा विश्वा सावा जाहिए या, कियाने में सुविका से जिन्;

जतः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-म को, अनुसरण हो, ही, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निस्तिवित स्पक्तियों, जवार ह— (1) मेसर्स आदर्श कला केन्द्र !

(अन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज उमाचिगी ।

(श्रन्तरिती)

नी यह सूचमा चारी करने पूर्वोक्त श्रम्मीत नी वर्षन ने कियु कार्यगाहिया जुरू करता हूं।

उक्क सम्परित के वर्षन के तम्बन्ध में कोई भी बाखेंप हुन्न

- किं मुख्या के राज्यम में प्रकादन की ताड़ीय हैं

 45 किन की सर्वीय या तत्संबंधी व्यक्तियों पृष्

 क्ष्मा की तामील से 30 दिन की अधिर, जो भी

 क्ष्मीय का में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त

 व्यक्तियों में ते किसी क्ष्मित दुशाहा;
- (क) इब सूचना के राजपण में प्रकाशन की धारीत की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास किसित में किए वा सकोंगे।
- श्रीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विश्व नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,। बहुी वर्ष होंगा, जो उस्थ अध्याय में दिया गवा है।

नन्स्ची

ब्लाक सं० ए, फ्लैंट सं० 201/202, जो, शितल समिर, विकास नगर, डहाणूकर थाडो, कांदिचली (प), -67 में स्थित है।

श्रमुमूची जैसा कि कि सं श्रई-37-ईई/21326/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

मोहरः

लक्ष्मण दास

प्रकथ मार्च. टी. एत एस. -----

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर नायुक्त निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्ब**ई** बम्बई दिभांक 28 फरवरी 1986 निर्देश सं० अ**ई**-4/37-ईई/20750/85-86--अतः मुझें,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० दुक्तम सं० 4, जो, तन मारा, कांदिवली धरमविर को०-आप० हाउसिंग सोसायटी जि.०, हेम्बलानी रोड, इराणीवाडी, कांदिवली (प), वस्पई-67 में स्थित है (ग्रीर इसमें उनाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूण कर ने विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कला के अधीन वस्बई स्थित मक्षम प्राधि जरी के लायांन्य, में रिजिस्ट्री है, दिलां व 1-7-1985,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान अितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पल्यू अविश्वत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरका) और अन्तिरिती (अन्तिरितियाँ) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया क्या प्रतिकास, मिन्नसिवित उद्विषय से उक्त अन्तरण सिवित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है

- (क) जन्मरण वे धुइ किसी जाय की वावस्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वामिरत के कभी कारतेया उससे असने के स्विधा के भिष्ण, और/मा
- (क) एसि किया पाय या किया पा जन्य आस्तियां की, जिन्हों भारतीय अध्य-कर अधिनियम, 1922 (1920 का 11) या उसन जियानियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जंतरिती क्यारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में मुनिशा के लिए;

अतः असः, उनतः अभिनियमं कौ भारा 260-ग के जनरारण मों, मीं, उनते अभिनियमं की भारा 269-ए ाँ उपभारः (१) को अभीन, निक्नीतिचित स्वितिसों, अभीतः (1) श्री हरजीवन भानजी गोहील।

(अन्तरक)

(2) श्री अणोककुमार मी० गुप्ता श्रीर अग्य । (अन्तरिती)

कां थह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सञ्चित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं !

हक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविध , को और अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितत्यों में से किसी स्थिनस द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर अकत स्थावर सम्मित्त में हितबव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड लिकित में किए जा सकींगे।

स्थळीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्रया हैं।

षमुसूची

दुक्तान सं० 4, जो, धल माला, कांदिवली धरमविर को०-आप० हाउसिंग मोसायटी लि०, हेमूकलानी रोड, इराणीवाडी, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाि क० स० अई-4/37ईई/20750/85-86 स्रोर जो सक्षम प्राधि हारी, अम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बस्क्ष

कितां र : 28-2-1986

एकप् आर्थ्टी . एन् . एस्

नायकर निभानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स्(1) के स्पीत सुभान

शांक वरकार

कार्याजय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/21253/85-86--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'सकत अधिनियम' कहा गया है।. की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट सं० सी०/3/आय/86, जो, तल माला, महाबिर जैन को०-आए० हाउसिंग सीसायटी लि०, शंजर लेन, कादिवली (प), बम्बई-67 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद अनुसुधी में श्रीर पूण रूप संवर्णित हैं), श्रीर जिसका यराजनामा आय जर अधिनियम 1961 की धारा 269 क्खा के अधीन, बम्बई, स्थित सक्षम श्राधि-गरी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, दिनांक 1-7-1985,

को प्रवेक्त सम्पत्ति के अभिन्न वाकार मुक्य से कम तो इत्यमाल प्रतिनाम के सिम् , अन्तरित की गई

हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुम्य, उसके दृश्यमान पति-कल हो, एवं क्यमान प्रतिकान का पंत्रह प्रतिकत्त से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के बिए तय पाया गया प्रतिकास, निकाधियाद खुबक्य से उक्त अंतरण जिल्लिक में बार्खिक कप से कवित कहीं रिकास नवा है:---

- (कां) वन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विभिन्निया के बधीन कर दोने के जन्तरक के वार्थित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; कीर/वा
- (स) एेसी किसी जाय या फिनी धन या अन्य अहस्तियों स्त्रों किसी जारतीय जातकर विधितयम, 1922 (1922 का 11) मा उसत अधिनियम, प्र धन- सर अधिनियम, प्र धन- सर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती बुगारा प्रकट नहीं तिमा भया या विभाग कामा भाक्तिए था, किगाने भी स्वित्रा के सिए:

कतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-५ % अनुमरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) जै अभीन, निम्ननिषित व्यक्तियों, वर्षात् क्र-- 1) श्री मोहननास वि० शहा।

अन्तरक)

(2) श्रीमती एस० पी० पारेख और अन्य ।

(ग्रन्तरिती)

शारी सह सुचना जारी करकं पूर्वीयत सम्पत्ति से स्वीय के निष्

उन्तर सम्पन्ति के क्रबंध के सम्बन्ध में कार्द भी बास्तंप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिय की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीक से 30 दिन की व्यक्ति, को भी वनीय नाय में सम्बन्ध होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी म्यक्ति बुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपण मों प्रकाशन की तादीय ने 45 विन के श्रीतर क्ष्मत स्थायर संपत्ति मों हित- बक्न किसी बन्च व्यक्ति कुषारा अंशोहरूकाकारी के साम स्थिति मों निका का स्थान ।

क्यां व्याप्त :---व्याप्त प्रमाण प्राप्त वर्ष का, को अवश् व्याप्तिवृत्त्व को अध्याष 20-क को परिभाष्टिक हाँ, नहीं अर्थ प्रोगा को तक वस्थाब को विका गुप्ता हाँ।

भन्स्ची

फ्लैट सं० ती०-3/ग्राय-86, जो, ताल माला, महाविर जैन को०-प्राप० हाउसिंग मोमायटी लि०, शंकर लेन, कांदिवली (प), बस्वर्ष-67 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/21253/ 85-86 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायक्त (िरीक्षण), स्रजैन रेंज-4, बम्बई

दिनां : 28-2-1986

प्रकृष् वाद्रौ, टी. एत. एव. ------

नागकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) जै सधीन सुचना

नारत तरकार

कार्याज्यः, सहायक जामकार जायुक्तः (निरीक्रण)

श्चर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986 निर्वेश सं० श्चई-4/37-ईई/20965/85-86-श्वत:1 मुझे, लक्ष्मण दास,

श्रीयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परणत् जिस्त अभिनियम कहा गया ही), की भारा 269-च के अभीन सक्षा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का जारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लैंट सं० 205, जो दूसरी मंजिल, कदमगिरी भ्रपार्टमेंट्स, बिलेज बाधवान, मर्वे नं० 7 (श्रंग), 12-ए/1 (ग्रंग) 5 (श्रंग), श्रयोक जकवर्ती रोड, कांदिबली (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-7-1985,

को पूर्वोक्त संपरित के खिला नाकार नृत्य से कल के वस्त्रमाय प्रतिकल के लिए अन्तरित हो गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्परित का खिला बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा प्रतिकल निम्निलिशित उद्योध्य से उक्त अन्तरण किवित में नास्तिक क्य से क्रिकत महीं पामा गया है है—

- (क) बन्तरण से हृद जिसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी जाय या बिसी पन था जन्य वास्तियों को जिन्हों अपनिशेष जात कर अधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया जाता चाहिए था, कियाने में सुविभा वे किया

बतः शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक को, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीत, निम्नीजीवत व्यक्तियों, वर्षात है— (1) मेसर्स गुडिवल बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० टी० शेठ।

(भ्रन्सरिती)

का बहु शृष्ता चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :----

- (क) इस स्वता के राजपन में प्रकाशन की तार्रीय भी 45 दिन की नविध मा तत्संबंधी व्यक्तिमों पर जूबना की तामील से 30 दिन की वविध, वो भी बचीच नाद में बनाय्त होती हो, के भीतर प्रमेक्त कावितमों में से किसी क्यन्ति ब्नारा;
- (क) इस स्वता के राजपन में प्रकाशक कर तारीय है 45 दिन के जीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में दितनकृष किसी जन्म स्थानत ब्याय, नभोहस्ताक्षरी ने पाड़ सिवित में किस का सकीगे।

स्वकाकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँद पदों का, वा उपय जीभीनयम को सभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, हिंदी शर्थ होगा थो उस सभ्याय में विमा यस है।

अनुसूची

फ्लैट सं० 205, जो दूसरी मंजिल, कदमगिरी श्रपार्टमैंट्स, विलेज वाधवान, सर्वे सं० 7 (श्रंण), 12-ए/1 (श्रंण) 5 (श्रंण), श्रणोक चक्रवर्ती रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है ।

श्रनुमूची जैमा कि कि सं० श्रई-4/37-ईई/20965/ 85-86 श्रीर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण वास-सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्राजैन रोज-4, वन्मई

दिनांक : 28-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-4/37ईई/20962/85-86--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे प्रथमें प्रश्नात 'उबत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- क. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सैं० पलैट सं० 405, जो. 4थी मंजिल, कदमगिरी श्रपार्टमैंटस, सर्वे मं० 7 (श्रंश), 12-ए (श्रंश), 5 (श्रंश), चऋवर्ती श्रशोक रोड , कांदिवली (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-7-1985,

को प्वेंकिश सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के श्रुषमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उभके श्रुषमान प्रतिफल से, ऐसे श्रुपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (इ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, धिपाने में सृविधा के लिए;

जरा: जब, उक्त अधिनियम की धाम 264 न के अनुसर्थ में, म¹, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 51—26 GI/86 (1) मेमर्स गुडविल बिल्डर्स ।

(भ्रन्सरक)

(2) श्री एन० जे० शहा ग्रीर अन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पर्दों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वयसची

फ्लैंट सं० 405, जो, 4थी मंजिल, कदमगिरी भ्रपार्टमेंटस, सर्वे सं० 7 (भ्रंग), 12-ए (भ्रंग), 5 (भ्रंग), चक्रवर्ती भ्रणोक रोड, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/20962/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रेंज−4, बम्बई

दिनांक : 28-2-1986

प्रस्प बार्ड . की . एन . एस

नायकर मिनियम 1961 (1961 का 43) कर्र प्रारा 269-म (1) के मधीन सुमना

नार्त सरकार

कार्यालय, बहायक वायकर नाम्बल (निरीक्षक)

श्चर्जन रेंज--4, बम्बई बम्बई, दिनांसः 28 फरवरी 1986 निर्देश सं० श्रई--4/37--ईई/21208/85--86---श्चतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाच र रने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाधार मृत्य 1,00,000/~ रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० 114, जो पहाली मंकिल, एफ-चिंग, कमला नगर, एम० जी० रोड, कॉदिवर्लः (प०) बस्वर्ध-67 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम 1961 के घारा 269 कला के श्रधान वस्वर्ध स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहवमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल, निम्निविचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण मिश्वित में वास्त-यिक कप मे कथिस नहीं किया गया है:---

- (का) जन्तरक संहुई किसी जाव की वाजतः, उवत जिमित्यम के जवीन कर दोने के चन्तरक के गणित्य में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए, और/या
- (च) ऐसी किसी नाम ना किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर स्विधिनियम, 1927 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) दे विभीनः जिल्लिका स्विकासों, अर्थातः (1) मसर्स अर्पणा कन्स्ट्रक्शन वस्पनी ।

(अन्तर्क)

(2) श्री ए० जे० सोलंकी

(श्रन्सरित)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोकत संपरित के अर्जन के निध् कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी के पास लिखिस में किए वा सकेंगे।

स्पट्टिक्करण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

पलेट मं० 114, जो पहली मंजिल, एफ० विंग, कमला नगर, एम० जी० रोड, कॉदिवली (प०) बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं अई-4/37-ईई/21208/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ढारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टिंड किया गया है ।

लक्षः य दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रोज-4 बम्बई

दिनांक : 28--2--198**6**

प्ररूप आर्ड्. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० अई--4/37ईई/21115/85--86----श्रत:, मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके अचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पर्नेट सं० 71 जो 7वीं मंजिल, दिनानाथ अपार्टमेंट, महात्मा गांधी रोड, कांदिमली (५०) बम्बई-67 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कब के प्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है दिनांक 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे छ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक छप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मेंसर्स दत्तानी श्रासोसिएट्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमतो वेरोनिका राज ।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सूची

फ्लैट सं० 71 जो, 7वीं मंजिल, दीनानाथ श्रपार्टमेंट, महात्मा गांधी रोड, कोदिचली (४०) बम्बई-67 में स्थित है।

श्रन्भूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-्र4/37-ईई/21115/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को र्राजस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 28--2-1986

RET ANT CLAY US . TRANSPORTER

बायकर व्यक्तियमः 1961 (१961 का 43) की भाष्ट्रा 269-च (1) जो वसीन क्षणा

MISS STATE

कार्यस्य, बहायक नायकर नायुक्त (निर्देखन)

ध्रजंन रेंज⊶4, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986 निर्देश सं० ध्रई-4/37⊶ईई/20773/85→86----श्रत: मुझे, क्षमण बास

आयंकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें प्रस्के परचात 'उसत विभिन्नियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आह्म हैं कि स्वायर संपत्ति, चित्रका उचित वाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से विभिन्न हैं

और जिसकी सं० पलेट सं० 501, जो गोकुल, प्लाट सं० 9, एस० वि० रोड, कॉदिवली (प०), बम्बई--67 में स्थित हैं और इससे उपाबद्ध प्रमुभूची में और पूर्ण रूप से विणत हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं दिनांक 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्थास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूक्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे असमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अब त जिल्ला को ब्योन कर दोने को अन्तरक को दावित्य में कवी कर्त या उत्तरे द्यने में सुविधा के जिए; कीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धम या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्दिरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, क्रियाने में स्विता के लिए।

ं बतः जन जन त जिथिनयम की धारा 269-न के जन्तरण मे, में, जक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कें जभीत, निस्तिविक्त व्यक्तियरें खर्थाल् ह—

- (1) श्री निलम एत० केवलानी और श्रन्य । (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमर्ती कुसुम चरलभ भाटिया । (ग्रन्तरिती)

को यह शृजना वादी करके पृथानित सम्मारित के सर्वम में खिक्षः कार्यशाहियां शृक्ष करता हूं।}

तकत कम्परित के मुर्थन के तक्कार में कोई भी मासोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारींच सं
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर्
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस सिचित में किए जा सकोंगे।

लाख्टीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्द, अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

पलेट सं० 501, जो गोकुल, प्लाट सं० 9, एस० वि० रोड, कॉदिबली (प०), बम्बई--67 में स्थित है ।

अनुसूची जैसा कि फ्र० सं० धर्द-4/37-र्ह्द्श $/20773/85 \cdot 86$ और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक : 28--2-1986

प्रथम काई ुटी. एव., युक्त, -----

मानका वाचिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269 (व) (1) के अचीन त्चना

भारत करकार

अविजय, बहाबक जायकार बाग्क्स (निर्देशक)

श्रर्जन रोज-4, वम्बई बम्बई, दिनांकः 28 फरवरी 1936 निदेश सं श्राई--4/37--ईई/20920/85--86 - श्रदाः, मुसे, लक्ष्मण दास

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके दरभात् 'उक्त अधिनिधमं काह्य गरा है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्वास करने का प्ररण है कि स्थावर अपसित, जिसका जीवत बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पलट सं० 1106 जो कस्तूरबाग स्थित् को०प्राप० हाउसिंग सीमायटी लि० प्लाट सं० 24वी०/1, टी०
टी०पी०एम० 1, बोरिवली (प०), यम्बई-92 में स्पित है (और
इसने उपाबव प्रतुसूत्री में और पूर्ण क्या ने विणत है) और जिसवा
करारतामा धायकर प्रधित्यिम 1961 की धारा 269 वाख के
प्रजी वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री
है दिनांक 1-7-1985

की पूर्वेक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य सं कह के ब्रह्महाम प्रतिकास के निए बंतरित की गई हैं और मूळे यह विश्वाद करने का कारण हैं कि क्याप्योंक्त कम्बत्ति का अधित आचार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकाल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकास का बन्द्रह प्रतिकाल से निधक हैं नीर बंतरक (बंतरकों) और बंत-रिती (जंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिकास निकासियत उद्देश्य से उस्त बंतरण निकासित में वास्तविका कम से कवित नहीं किया गया है हु--

- (नक्षे अंतरण से हुई किसी बाग की यायत, उक्त मिनियम के अधीन कर वोने के अंतरक को दासित्म में कभी करने या तसमं बचने में सुनिधा ने नित्तः और/गा
- (खं) एंसी किसी अप भा फिसी भन वा अन्य आफ्तशे को जिन्हों भारतीय आय कर अधितियम, 1902 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अधितियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने यो स्विभा की निष्

अतः अच, उक्त विभिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौं उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :-- (1) श्रीमती विनताबेन जे० पटेल ।

(श्रनरक)

(2) श्री दिनेशचन्द्र एत० गहा और ग्रन्थ।

(ग्रन्तरिती)

को स्य मुख्या जारी करके कृत्यीका राज्यतिस के जर्जन के सिव कार्यभाविकों करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी विक्तयों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लैंट सं० 1106, जो कस्तू-आग, स्मिन् को०-आप० हाउसिंग सोमायटी लि० प्लाट मं० 24बी/1, टी० पी० एस०-1, बोरिबली (प०), वस्बई-192 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं धई-4/37-ईई/20920/ 85-86 और जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाठ 1--7-1935 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण). श्रर्जन रेंज--4, बम्ब**ई**

दिनांक : 28·2-1986

अक्य नार्क, टी. एन्. एव . - - --

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-घ (1) के विभीन स्वाम

साउत सहकातः कार्यासयः सहयकः सामकर सामृक्तः (निरक्षिकः)

प्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं ० अई--4/37--ईई/20762/85-86----अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से मधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट सं० 303, जो समर्पण, रोकाडिया कास लेन, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित हैं), और जिसका करारनामा प्राथकर प्रधिनिधम, 1961 की धारा 269-राख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बायलिय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-7-1985,

को प्विक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास त्रेंने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार त्यें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार त्यें , अस्ये दृष्ट्यमान प्रतिफल का इंड्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और क्योरली (अन्तरिकों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तब पाया चया प्रतिफल, निम्में सिचित स्वृत्वेच्य से अक्त अन्तरण विश्विक तो वास्तरिक क्या से किए निम्में सिचत स्वृत्वेच्य से अक्त अन्तरण विश्विक तो वास्तरिक क्या से किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त जिथ-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पूनम बि॰ मिश्रा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री तिलक एल० लालानी और श्रन्य । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिलें कार्यवाहियां करता हुं।

उम्ल सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील तं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की ताजील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

अन<u>ु</u>सूची

फ्लेट सं० 303, जो समर्पण, रोकाडिया काम लेन, बोरिचली (प०), बम्बई-92 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37रईई/20762/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-4, वस्बई

दिनांक : 28·2-1986

प्ररूप् आई. टी. एन. एस. ------

गायुकर अभिनियम, 196.1 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-4, बम्बई
बम्बई, दिनांग 28 फरघरी 1986

निदेश सं० श्रई-4/37त्ईई/20918/85-86---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारि कों, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

और जिसकी मं० पलट सं० 1202, जो कस्तूरबाग स्मिन् को-श्राप० हाउसिंग सोसादटी लि०, प्लाट सं० 24-बी/1, टी० पी०
एस० 1, बोरिषली (प०), बम्बई- 92 में स्थित हैं (और इससे
उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं), और जिसका
करारतामा श्रापकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 रूख
के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम मक्षम श्रीधनारी के कार्यालय में
रिजस्ट्री हैं, दिनावा 1-7-1985,

को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्स अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——[

- (क) अन्तरण से हुर्क किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अम्सरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बजने मों स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वास प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग क अनूसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, क्यांत गुरू . (1) र्श्वा जितेन्द्र ए० गाहु और श्रन्थ ।

(अन्तर्क)

(2) श्री पी० एन० शाह और घन्य।

(श्रन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकी गे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन् सूची

फ्लेट सं० 1202, जो कस्तूरबाग, स्मिन् कीस्थ्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट सं० 24-बी/1, टी० पी० एस० 1, बोरिचली (प०), बम्बई-192 में स्थित हैं ।

यनुभूची जैमा हि कि० सं० गई--4/37त्रई/30918/85-86 और जी सक्षम प्राधिगारी, अम्बई द्वारा दिनाया 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सड़्यक आयकर आयुक्त (दिरीक्षण) प्रजंत रेंज--4, वस्बई

दिनांक : 28-12-1986

प्रकल कार्ष , टी., एन., एस., न्यान्यान्यान

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व् (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, महावक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

पर्जन रोज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरचरी 1986

निर्देश मं० श्रई--4/37%ईई/20980/85--86---भत:. मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वार करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आधार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० फ्लैट सं० 12, जो 4थी मंजिल, नेस्टल हमारत, आई० सी० कॉलनी रोड, धाई० मी० कॉलनी, बोरिवली (५०), बम्बई—103 में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के आयलिय में रिजिर्फ, हैं, दिनांचे 1--7-1985. को मुंबेंक्त संपरित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेक्त सम्मत्ति का उचित्त बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से ,,ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरका अंतरका आर वंतरिती (अंतरिता) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त बंतरण निकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) मन्सरण से हुई किसी बाव की बाबस, उक्त बिधि नियम से अभीन कर दोनें के अन्सरक के दासित्व में कभी करनें या उससे बचने में भृतिभा को लिए; मौर/या
- (क) एसी फिसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छा अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बत्र वय, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधरा (1) को कुफीर रिस्टिनिधिया व्यक्तियाँ, वर्धात क्रमा (1) श्रामती मोभाताई ए० हरपले ।

(भ्रन्तरक)

(2) जार्ज जे० मुन्दादन ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके गूर्वेक्त सम्मान्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ⊱

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन को सारीस सं 45 दिन की सर्वाध या तस्संबंधी स्पास्तरों पर सूचना की तामील से 30 दिन की क्वधि, जो भी अविध बाद को समाप्त होती हो, की भीतर प्रवेक्स स्पावस्यों में से किसी स्पाविद स्वाधा;
- (य) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त सम्भत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त लक्दों और पदों का, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वहीं अर्थ हंगा जो उस अध्याय में निया गया है।

श्रनुसूची

फ्लैंट सं० 12, जो 4थी मंजिल, नेस्टल इमारत, श्राई० सी० कॉलनी रोड, श्राई० सी० कॉलनी, बोरिचली (प०), बम्बई-103 में स्थित है ।

प्रमुखी जैसा कि कि के सं प्रई--4/37ईई/20980/85--86 और नो सक्षम पाधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1--7--1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 4, बम्बई

दिनांक : 28-2-1986

वस्य बाद् .टी. द्य .एस ------

मायकार निभिनित्तात, 1961 (1961 सन 43) की थाए। 269-म (1) के तथीन कुमना

मारत सरकार

कार्यालय, बह्नयक जानकर वायुक्त (विश्वीक्षक) अर्जन रेंज⊶4, बस्बई

श्रजन रज-4, बम्बई बम्बई; दिनांक 28 फरवरी 1986

निवेश सं० अई-4/37-ईई/21338/85-86---श्रतः. सुक्रे, सक्मण दास,

भावकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'त्रक्स अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाणार मुख्य 1.00,000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० फलेट सं० 12, जो, इमारत सं० डी/13, एस्टी प्रापार्टमेंट्स, साईबाबा नगर, बोरिवली (प०), बस्बई-92 में स्थित हैं और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारतामा आयकर प्रधितियम, 1961 की धारा 269 कुछ के प्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, विनांक 1-7-1985, की पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित गासार मूल्य में कम के क्षममाम मितफस से लिए बन्तरित की नई हैं और मूम यह विस्तास करने का कारण है कि समापर्वोक्त बन्नित का अविद्य बाकर मूल्य, जनके रक्यमान परिष्ठम है, एंचे क्यमान प्रतिष्ठम का पहुंच , तनके रक्यमान परिष्ठम है, एंचे क्यमान प्रतिष्ठम का पहुंच प्रसित्त से बीचक है और बंतरिक (वंदरका) और बंतरित (वन्यरितियाँ) के बीच एते जंतरण के बिए तम पाना नमा प्रतिष्ठम, निम्मितियत स्थानिक से विद्या जंतरण कि विद्या का प्रसार सित्तिय से कारण है विद्या वाच का प्रतिष्ठम, निम्मितियत स्थानिक से विद्या जंतरण कि विद्या का बन्निक स्था से कारण से विद्या जंतरण कि विद्या का बन्निक स्था से कारण से विद्या जंतरण कि विद्या का बन्निक स्था से कारण से विद्या जंतरण कि विद्या का बन्निक स्था से कारण से विद्या जंतरण की विद्या का बन्निक स्था से कारण से विद्या जंतरण से विद्या का बन्निक स्था से कारण से विद्या जंतरण से विद्या का बन्निक स्था से कारण से विद्या जंतरण से विद्या का बन्निक स्था से कारण से विद्या जंतरण से विद्या का बन्निक स्था से कारण से विद्या जंतरण से विद्या का बन्निक स्था से कारण से विद्या जंतरण से विद्या का बन्निक स्था से कारण से विद्या जंतरण से विद्या जंतरण से विद्या से विद्या का बन्निक स्था से कारण से विद्या का विद्या से वि

- (क्क) सम्भरण संशुद्ध किसीं वाय की बायक, सम्बद्ध बीधिमबस के अधीय कह दीने की अम्बरक के दावित्य में कसी कारने वा उत्तरी वधने में स्विधा के मिए: बरि/मा
- (का) एमेरी किस्ती काम मा किसी घन सा करण कास्सिधी को, जिन्ही भारतीय बायकर संधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उप्तत अभिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा विकास काना वाहिए था, जियाने में अधिका। भी सिए;

बता जब, उनस अधिनियम की बारा 269-न की समुबरण बो, जी, उनस अधिनियम की भारा 269-न की उपचारा (1) को अधीन जिल्लानिक काल्सियों ् समाद्य ह—— 52—26 GI/86 (1) श्री प्रविगचन्द्र जे० शाह ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री शिवाजी बी० देसाई।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जा<u>री करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के</u> लिए कर्मग्रीहर्मा करता हुँ।

संबंध इंपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी वालीप इ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की अविध, को भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की बार्टींच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- प्रदूध किसी बन्च व्यक्ति प्रवारा सभोहस्ताकारी के शस लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्वक्षक्रिक्य हम्म प्रमुक्त सन्दों और पर्यो का, को अवस् अभिनियम को कथ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिकः वदा हैं।

श्रनुसूची

पलेट सं० 12, जो इमारत नं० डी/13, एस्टी प्रपार्टमेंट्स, साईबाबा नगर, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं। प्रमुखी जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-4/372ईई/21338/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया हैं।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रोंज∸ 4, बस्बई

दिनाक . 23-2-1986 मोहर : प्रकृत हार्यु डी इ एम इ एक इ.स.स्ट

मायकर जीभनियन, 1961 (1961 का 43) जी भारा 269-न (1) के जभीन सचना

भारत तरकार

कार्याक्तय, तहायक बायकर बायकत (निराक्तिण) श्रजीन र्रेज-4, बस्बई

बम्बई, विनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० शई-4/37-ईई/20981/85-86---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दासः,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त विधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थानर सम्मत्ति जिसका उचित वाचार मृत्य

1,00,000/- कः सं अधिक हैं और जिसकी सं० फ्लेट सं० ए/10, ओ, 4थी मंजिल, मयांका, प्लाट सं० 13 और 14, हवेलों काम रोड, पायं० सो फालोनी, बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध धनमूचों में और पूर्ण रूप से विणित हैं)/ और जिसका करारनामा प्रायंकर ध्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ध्रधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, दिनांक 1-7-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वाम का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नतिवित उद्वरेष से उक्त अन्तरण जिलित में शास्तिकत, निम्नतिवित उद्वरेष से उक्त अन्तरण जिलित में शास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाथ की शावत, उक्त अधिनियम के सधीन कर दोने की जन्तरक के दायिक्ष में कमी करने वा उत्तते सचने भें सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों करो, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के स्वापना किया गया पा किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से बिए;

जतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग की जनुसरक की, मी, उक्त जिथिनियम की धारा 269-मुकी उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिसिक्त व्यक्तियों, अर्थीक् हिन्द्र- (1) पंद्रीक में डोंका।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री इलियास डिसोजा और अन्य ।

(भ्रन्तरितो)

का वह सूचना जारी करके प्रॉक्त सन्पत्ति के कर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

क्ष्मत सन्तरित के प्रचीन के सम्मान की कोई की बाक्षेप E---

- (क) इस मुचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच से 45 चिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिमों में से फिली व्यक्ति सुवारा;
- (ब) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किसे था सकती।

स्वक्टींकरणः -- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्तः विधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस् अध्याय में दिया गवा है।

पलट मं० ए/10, जो, 4थी मंजिल, मधांका, प्लाट सं० 13 और 14, होलो कास रोष्ठ, धाय० सी० कालोनी, बोरिबली (प), बम्बई-103 में स्थित हैं।

श्रनुसूर्च। जैसा कि क० सं० श्र**६**-4/37—ईई/20981/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक <math>1-7-1935 को रिकस्टर्ड किया गरा है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण), श्रजन रोज-4, बस्बर्ष

दिनांक: 28-2-1986

नायकर निभिन्नमा, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्वना

ब्राइव व्हकार

कार्यालय, सहायक **बायकर वायक्त (निरक्तिक)** र्जन रॅज----4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० प्रई-4/3755/27703/85-86---प्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उनत निभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के वधीन इक्स प्राभिकारी को यह निश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उधित बाधार मृत्य 1,00,000/-रा. से निभक हैं

और जिसकी सं० युनिट सं० 208, जो, 2र्ग मंजिल, बी०— विंग, मंडपेश्वर इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, प्लाट सं० 24ए/बी, टी० पी० एस० 1, सरदार घल्लभभाई पटेल रोड, बोरिषली (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनसूचों में और पूण रूप से घणित है), और जिसका करारनामा धायकर धिंधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रों है, दिनांक 1-7-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान इतिफाल के लिए जन्ति की गई हैं और मुक्ते मह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके स्थमान प्रतिफाल से, एसे स्थमान प्रतिफाल के पन्त्रह प्रतिशत से जिथक हैं और जंतरक (जंतरकों) जोर बंत-रिती (जंतरितियाँ) के बीच एसे जंतरक के लिए तय पाशा क्या प्रतिकृत निम्नुस्थित स्वृद्धिक से स्थत जंतरक जिल्हिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त समितियम् के अभीत कर दोने के अन्तरक को वादित्व में कमी करने वा उत्तर्ध वचने में सृत्यिका के निष्; सार/वा
- (व) एसे फिसी नाथ या किसी धन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय नायक र अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन- अहर अधिनियम, या धन- अहर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) वे धनोबनार्थ जन्तिरती ब्वाय प्रकार नहीं किया व्या या वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए 1.

बत: इव, उक्त जिपिनियम की धारा 269-ग के अनुवरण में, में, इक्त विधिनियम की धारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् क्ष-व्य (1) श्रीमती सुचिता एच० गहा।

ध्रन्तरक)

(2) श्री किरीटकुमार डी० गहा।

(ग्रन्तरिती)

को नह बचना वाडी ऋड़के पुर्वोत्तव सम्मुद्धित के वर्षत्र थे। देश्व कार्यनाहियां सुक कहता हुई।

उन्द हुन्स्ति से भूषीन में दश्यान्य में आदि हो बार्बाए हुन्स

- (क) इस ब्या के रावप्त में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की संवीच या तत्सम्बन्धि स्थानता पर स्वाम की सामीन से 30 दिन की बस्थि, वो बी अधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष स्थानता में से किसी स्थानत ह्वारा;
- (व) इत स्वा के एकपन में प्रकाशन की तार्धि है 45 दिन के भीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में हितबहुध किसी बन्य व्यक्ति इतास स्थाहस्ताकरी के पास निवित्त में किस का सकेंगे।

स्वयं करण ह— इसमें प्रयुक्त कर्षों और पदी का, जो अवक अधिनियम के कथ्याय 20-क में परिजाधित ही, वहीं कर्ष होगा जो उस कथ्याय में दिया पत्रा है।

अनुसूची

यूनिट सं० 208, जो, दूसरी मंजिल, बी०-विंग, मंडपेण्यर इण्डस्ट्रियल इस्टेट, प्लाट सं० 24ए/बी, टी० पो० एस० 1, सरदार चल्लभभाई पटेल रोड, बोरिचली (५), बम्बई में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि कल्संल श्रई-्र्य/37-ईई/27703/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-7-1985 को रिजस्टई किया गथा है।

> नक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरक्षण) श्रजेन रेज ----4 बम्बई

दिनांग : 28--2--1986

प्रकृष मार्चे द्वी द्वपन् प्रस्तु======

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-श (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजीत रेज--- 4 बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० श्रई--4/37ईई/20784/85--86----श्रतः मझे, सक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० यूनिट सं० 102, जो, पहली मंजिल, एब्लॉक, प्लाट सं० 24-ए/3, मंडपेश्वर इन्डस्ट्रियल इन्टेट,
एस० वि० पी० रोड, बोरिषली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं
(और इससे उपाबड़ प्रमुखी में और पूण क्य स विणित है),
और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 को धारा
269 फख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय
में रजिस्ट्री है, दिनाव 1-7-1985,

की प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त वेक रूप से कथित नहीं किया गया है ६——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय ही बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में पुविधां के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आंतियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 क 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकः नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अज, उसतं जिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त जिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) ﴿ अधीन, निम्मीली, खर्म व्यक्तियां अधीत् ध---- (1) श्री हिमतलान सी० चौधरी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती विजया जे० सोनी और श्रन्य। (श्रन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी सं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति इनारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

यूनिट म० 102, जो, पहली मिलल, ए-ब्लान्स, प्लाट सं ० 24-ग/3, मंडपेण्वर इंडस्ट्रियल इस्टेट, एम० थि० पी० रोड, बोरिकर्ला (प), बम्बई 92 में स्थित है ।

शनुभूवी जैसा कि कल संव ११६-4/37-६६/20784/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 के रजिस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षा प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-4, वस्त्र\$

दिनांक : 28-2-1986

गहिर :

वक्ष सार्वे दौँ सुम् पुष्ठ क्षा क्षा करणा

(1) श्री जयन्तीलान के० शहा और अन्य ।

(धन्तुरक्)

(2) श्री मनहर एस० गांधी और श्रन्य ।

(श्रन्तरिती)

नावकर निधानियत्त् 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सधीन जुला

धारत बद्धांड

कार्यासय, सहायक कायकर वाबुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रई--4/37--ईई/20813/85--86---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उच्चित्त वाजार मूक्स 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं फनैट मं 5, जो, दूसरी मंजिल, ए-विंग, मधु को ज-प्राप्त हाउसिंग सोसायटी लिंज, रोकाहिया लेन, बोरियली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण का ने विंगत है), /और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम 1961 को धारा 269 क्या के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में जिल्ही है, दिनांक 1--7-1985

की पृथींबत सम्पन्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान पतिफास के सिए जन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंकत सम्पत्ति का उणित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकत्त से, एते दश्यमान प्रतिकत का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (जन्तरितिकों) के बीच एते अन्तरण के निए तय पाया भवा प्रतिकत, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (का) भन्तरभ से हुई फिली आयु की बाबस, सक्त अधिनियस के अधीन कर दोन की अस्तरक की दामिल्य में कमी स्टरने से उद्यान बला में सिविधा के लिए: श्रीर/मा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनियम, या भनकर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना जाहिए था कियाने में स्वैभा के सिए;

वरः सम, उस्त अधिनियम की धारा 269-म औ अनुसरक मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सुभना जारी कारके प्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तकत सम्पत्ति के अर्थन के तंबंध में कोई भी वासेप हैं---

- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकायन की तारीय के 45 विश्व की अविधि वा तत्यक्वण्यी व्यक्तियों पर स्थान की बाबीस से 30 विन की वृद्धि, को सी जविथ वाद में स्वाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के जनपत्र में क्यायन की धारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास, जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --इसमी प्रवृक्त कव्यों और पर्यों का जो अवस्य वृधिनियम, के बध्याय 20-क मी परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होला को उस कथ्याव में रिया गया है।

जन सूची

पर्लंट सं० 5, जो, दूसरी मंजिल, ए-विंग, मधुको०-धाप० हाउसिंग सो सबटो लि०, रोवाडिया लेल, बोरिवर्ला (प), वम्बई-92 में स्थित हैं ।

श्रनुसुन: जैमा कि ऋ० सं० अई-4/37श्रः ई/20813/85-86 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

सक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारौ, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्रक्षण), श्रर्जन रेंदे-४, बस्**बई**

दिनांक : 28-2-1986

प्राक्त नाहै,दी, एन , एस , नार-≝---

नामकर नॉंधनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के मभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहाबक भावकार कायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज---4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० म्रई-4/37र--ईई/212220/85-86---भ्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकार अभिनियंत्र 1961 (1961 का 43) (जिले इसवें ध्रुवके प्रथमत् 'अक्त अभिनियंत्र' कहा गया हैं), की भारा १८६७-च के कभीन क्षाम प्राधिकारी को नह निक्नास कहने का आहम हैं कि स्थानर सम्बद्धि जिसका उचित नाभार मूक्त 1,00,000/- का से अभिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० ई-117, जो, नवराजहंस को० - आप० हाउसिंग सोसायटो लि०, रोकाडिया लेन, एस० वि० पी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष्प से बणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, दिनाक 1-7-1985 को

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से काम के स्वयान प्रतिकत्त के सिए अस्तरित की गई है और मृत्रें यह विकास करने का कारण है कि यथाप्यॉक्त सम्पत्ति का उचित बाक्तर मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण सिबित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) मन्तरम् से हुए किसी भाग की वास्ताः, उत्तक्ष वीधिनिष्यं में स्थीन कर दोने में स्वारक औ दार्थिता में करी करने या उत्तके व्यूचे में स्वीक्षा में सिष्: मुडि/मा
- (स) ऐंदी कियी बाब वा किसी भने वे बन्ध् भारित्वाँ की, चिन्ह् भारतीय वाय-कर वाभिनियम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम्, वा भनकर अभिनियम्, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्त्रिती द्वारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की सिष्धः

कतं क्रथं, अक्त विधितयम की धारा 269-ग की वनुसरण मं, मं-, उक्त विधितियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कुँ वर्धिन, निम्मितिथित व्यक्तियाँ वधाँत रू--- (1) श्री श्रीधर एस० वायंगणकर ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री कुंदनमल एस० जैन और ध्रन्य। (श्रन्तरितो)

न्त्रे सृष्ट् सृपाना जारी करवाँ पृथांकत सपरिए को अर्थन को सिए कार्यवाहियां भूष करता हुई।

ब क्या सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई बाधीय हन्न-

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तारीज से 45 दिन की बन्धि या तत्सम्बन्धी स्वीन्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्वीन्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त मायकर्र है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्भी

पत्नैट सं० ई-117, जो, नव-राजहंस को०-श्राप० हाउसिंग मोसायटी लि०, रोकाडिया लेन, एम० वि० पी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है ।

श्रनुमूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37ईई/21220/85- 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिवारीः सहायक श्रायवार श्रायुक्त (निर्राक्षण), श्रुजन रोज- 4, बम्बई

दिनांच : 28-2-1986

भोहर :

प्रकृष् वाद् ृदी दन . एस . -----

भावकर जीवनियम्, 1961 (1961 का 43) की भावा 269-म (1) में जमीन सुमान

शारत शरकाडु

कार्यांचय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जंन रेंज-4, बम्बई

वम्बई, दिनांक 28 फरघरी 1986

निदेश सं ० प्रई--4/37-ईई/21186/85--86---प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उनत अभिनियम' नहा गया हैं), की भारा 260-च के नभीन सभय प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित नामार मृज्य 1.00,000/-रा. से अभिक है

और जिसकी सं० पलैट सं० 301, जो, तीसरी मंजिल, भाग्य-सिद्धी प्रपार्टमेंट्स, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ध्रमुसूची में और पूर्ण रूप से व्यणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कक्ष के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रजिस्टी है, दिनांक 1~7~1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम की स्वयवाय प्रतिकास को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित् बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितार्ग) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकल भिम्नितिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ह——

- (क) जन्तरण वे हुद किसी लाग की नावत सकत विच-नियम के अभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसके बचने में सुविधा कें सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया बवा था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधिग, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षींस् ६—— (1) पितले विल्डर्स ।

(भ्रन्तर्क)

(2) श्री कमलाकर श्राए० शेणाय।

(ग्रन्धरिती)

ची वह सूचना चारी करने पूर्वोक्त स्म्यति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

वनक सन्तरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जालीय 2----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारींच सै 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) (क्ष सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धां करणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिन्यम, के बभ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया पदा है।

मन्सूची

फ्लैट सं० 301, जो तीसरी मंजिल, भाग्यसिद्धी श्रपार्ट-मेंट्स, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-\$\$/21186/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विनांक <math>1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निर्दाक्षण), श्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 28-2-1986

मोहर ।

त्रस्य आइ.टी.एन.एस-----

भाषकर विभिन्नयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्याचन, तहायक न्यायकर नाम्कत (रिनरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांश 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० प्रई · 4/37- ईई/21297/85-86----प्रतः मुझे, भण दाम,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उपस अधिनियम' कहा गया है), की धास 269-स के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को यह निश्चास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० 302, जो, तीरारी मंजिल, टी० पी० एस० 3, 5वां रास्ता विक्षरा नावा, बोरिचर्ली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयवार अधिनियम 1961 की धारा 269 कला के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांक 1-7-1985,

को पूर्वोक्स सम्पन्ति को उपनित्र बाजाद शुरुष से कम के उरवजान गर्द हैं ने सिए बन्बिएत की प्रविचान कारण व्यक्ते वह विक्यास करम न्द्रा कि यथा पूर्वोक्त कम्पीत का समिक बाबार कृत्व, जबके कर्मजान प्रतिकल से, दोते क्यमान् प्रतिकल को बन्द्रह प्रविक्रस से अधिक ही नरि अंतरक (अंबरकों) और अंतरिती (अंवरितिवर्षे) के बीक्स एरें बन्तरण के लिब् तय पाया गया प्रतिकत्त, निक्नलिखित उपविषय के उथत बन्दरण निषित में नास्तीयक अप से कीथत नहीं फियागमा 🗗 ६५---

- (स) अन्तरण ने हुन्द किसी आव नहीं नावता, उन्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्मका के वाधिका में क्सी करने ना उन्तने बचने में बूबिभा के लिका और/बा
- (व) एसी मिन्दी नाय या जिन्दी धन वा नत्य अप्रीक्सवीं करो, जिन्हीं भारतीय आवकार गणितिसम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर गणितिसम, वा धनकार गणितिसम, वा धनकार गणितिसम, 1957 (1957 का 27) के प्रधोककार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था यह किया कन्न जानिस्स् था, क्रियाने में स्विधा के सिद्ध;

कतः अब, उक्त अधितियमं की धाषा 269-ग को मन्त्ररण में, में, उक्त वर्षितियमं की पारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नितियसं काविसकों, वसीस् :-- (1) भेमर्भ के० ठाकर ।

(श्रन्तरमा)

(2) श्रीमर्ता मुक्ताबेन भी० सोधा और श्रन्य । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रक्त के वर्षत के लिख् कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति को मर्जन के संबंध में कोई भी वालीप प्र--

- (क) इस सूचना के राज्यज में प्रकाशन की हाशींस से 45 दिन की अविभ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविथ बाद में समान्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्ट व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस कृषमा के राज्यम में प्रकाशन की बारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संगीत में हित्यक्थ किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अवोक्स्साक्षरी के गास विविधा में सिए या बकोंगे।

स्यन्तिकारणः — इसने प्रमुक्त कर्यों और प्यांका, जो उन्त शीधनियम, के अध्याद 20-क में धीरशायिक ही, नहीं नर्य होगा जो उस अध्यान में दिना स्था ही श

अनुसूची

पर्नैट **सं०** 302, जो, तीसरी मंजिल, **टी**ं० पी० एस० 3. 5थां रास्ता, पक्षिरा नाका, बोरिचली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं ।

श्रनुसूर्वा जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/21297/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

> नक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज--4, बम्बई

दिनांक : 28-2-1986

मोहर ।

क्रमण बाह⁴, ठी., एम्., एसं.,- - × ×---

नायकर निधितव्य, 1961 (1981 का 43) की भारः 269-म (1) के ब्योग स्थमा

प्राची बहुन्तर

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) धर्जन रेंज--4, बम्बई।

बम्बई, दिनांक 28 फरघरी 1986

निवेश सं ० प्रई-4/37-ईई/21087/85-86--- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की -धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सभ्यति ,जिसका अधित बादार नृज्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट सं० 14, जो, इमारत सं० ए/2/1शांती भिम निकेतन को०-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बम्बई-103 में स्थित है (और इसने उपावत धनुमूची में और पूर्ण रूप से घर्णित है), ।और जिसका करारनामा आधकर प्रधि-नियम 1961 की धारा 269 कल के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है, दिनांक 1-- 7--1985,

को प्रवेकित सम्पत्ति को उचित वाजार मृस्य वे कव के *करयशा*न अतिकास को लिए अन्तरित की नई है और मभौ यह विस्वास कारचे का कारण ही कि यंशापनीकत संपत्ति का उत्तिक बाजार मुरुष, उसकी दश्यभान प्रतिपाल से, एसि काममान प्रतिपास का थेन्द्रह प्रक्रियम से अधिक है और अनामक (अन्त्रम**ा) औ**र बम्बरिती (जन्तरितियाँ) के भीच ए'से जम्बरण के लिए तय नावा गमा प्रतिकास, मिम्नीलिसिस अच्योच्य हो अक्त बन्तर्क निचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुक्के किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा खे सिए:

बसः। मच , समा अभिनियम भने धारा 259-व मां अनुसरण **गै, मै, उक्त अधिनियम की भारा 2,69-व क**ै उपभाष्ट (1) भे क्रफीन - निम्मेलि**सित व्यक्तियों, क्याँत ५---** -

53-26 GI/86

1. श्री श्रोसुन्नमणियम कृष्णास्वामी।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती ध्रमी प्रवीप मार्फातीया ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजैन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उच्च सभ्यत्ति को वर्णन के तस्वन्य में कोई भी सामीप र---

- (क) इस तुमना के शमपम में प्रकारण की तारीय से 45 विष की वकिए या तत्सम्बन्धी व्यक्तिवर्गे पर सचना की तामीस से 30 बिन की मनभि, जो भी वंदिक बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तिय हुनाय;
- (क) इस स्थान के रावपुत्र में प्रकारन की तारीक के 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववृध किती जन्म न्यक्ति दूबायः वभोहस्तासारी में पार जिवित में किए वा सकों ने ।

सम्बाधनयः--- इत्तर्भे प्रथमत सन्दों और वदी का, व्यथितियम के बभ्याय 20-क में परिधायित ड़ी, नड़ी क्षर्य होगा थी एस सभ्याय में विका मया है ∦

भनुसूची

फ्लैट सं० 14, जो, इमारत सं० ए/2/1, शांती भिम निकेतन को०-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बम्बई-103 में स्थित है।

ग्रनसुची जैसा कि ऋ० सं० ऋईं⊸4/37-ईई/21087/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायकत (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक : 28-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

नायकर जिमिनियन, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के वधीन स्वता

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई बस्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० माई०-4/37 ईई०/21187/85-86---मत: मझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'त्यक अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साचार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 12 को दूसरी मजिल, जिस्सका को० ध्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटो लि०, नाटकवाला लेन, बम्बई-400093 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूली में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ध्रायकर प्रधिनियम, 1981 की धारा 269 क ख प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालब में रिजस्ट्री है। सारीख 1 जुलाई, 1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य ते कम के क्यमान अधिक के तिए बन्तरिक की गई है बार नृज्ञें वह विस्वाद करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने हुई फिन्दी आम की नावस उपस विभिन्नियंत्र को स्थीन कर दोने को अन्तरक औ कपित्य में कमी करने या उससे अपने में स्विधः के सिष्; आडि/मा
- (ण) येथी किसी बाब वा किसी भूव दा बन्सू बास्तिकां का, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अभिनियम, या वंकुकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्तिरिती द्वार प्रकट नहीं किया बंदा वा या किया बाना बाहिए वा कियाने में सुविधा की लिए:

अतः अवस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जै. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीमती पुष्पा आई० फुर्सीजा ।

(अन्तरक)

(2) श्री कांति लाल बी० कामदार ग्रीर अन्य। (ग्रन्सन्ति)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हंु।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वासीय :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी स्थीस्तयों पर स्वता की तामील से 30 दिन की स्विधि, आंधी जविध साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थित्यों में से किसी स्थित ब्यारा;
- (व) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्यास 20-क में यथा परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में दिया गढ़ा हाँ।

मन्स्ची

पलैट नं० 12 जो दूसरी मंजिल, श्रस्सीका को० आपरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, माटकबासा लेन, बम्बई-92 में स्बित हैं।

अनुसूची जैसा कि क्रम भं० आई०-4/37 ईई०/21187/ 85-86 धीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई हारा दिनांक 1 जुलाई, 1985 को रजिस्टर्ज किया गया है।

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्द आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीखा : 28-2-1986

प्राक्य बार्च .टी . एन . एत . -----------

नायकार नीधीनयन, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 घ (1) में नधीन संचनः

भारत स्रकाह

कार्यात्व, रहार्क वारकर वार्यस (रियरीक्न)

अर्जन रेज-4, बम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 28 फरवरो 1985

निदेश सं अर्ध -4/37 ईई 0/21048/85-86-- अतः

म्झे, लक्ष्मण दास

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत निर्मितम' कहा नना हैं), की भारा 269-स के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निरमास करने का का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अजित नाचार मूच्च, 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 41 है तथा जो पहली मजिल बी विग, भोरीवली गांजीवाला मो० आपरेटिय हाजीसग सोसायटी बोरीवली बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर

इसा उराबद्ध अन्मुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के अध्यमन प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त संवत्ति का उचित बाजार सूख, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकास के प्रतिकात से बीधक है और अन्तरक (ब्लारका) जीर बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीध एते अन्तरण के किए तब पाया पवा प्रतिकात, निम्न्दिवित अञ्चलेकों से अस्य अन्तरण विशिष्ट के अस्तिनिक रूप हे कीधत नहीं किया श्वा है ह—

- (क) अन्तरंत्र वे शुद्ध विक्री जान की जानत्त्र, करत विभिनित्त के अधीन कर दोने के बन्तरंक के व्यक्तिक वी क्वी करते वा व्यक्त वचने वी वृष्टिमा के निद्द; वीर/वा
- (स) होते किसी बाब वा किसी पूज वा बाज वास्तिकों को जिन्हें भारतीय बाब-कर वीचिनवय, 1922 (1922 का 11) वा उन्त वीचिनवय, वा चय-कर वीचिनवय, वा चय-कर वीचिनवय, वा चय-कर वीचिनवय, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए वा, कियाने वें सुविवा के लिए।

जतः अब, उक्त प्रोधनियम की भारा 269-ण को, जनुसरण को, मं, धक्त वाधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात्:—

(1) श्रीमती एस० बी० पणक्रिकर।

(अन्तरक)

(2) श्री सुरेश एफ० खानी श्रीर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वच्छ बन्गरित की वर्षन को सन्धन्य में कोहाँ ही आहरेप हु----

- (क) इस सूचना के राजपूज में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की जनभि या तत्स्वस्वन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय बुवाय;
- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर क्वत स्थावर बन्गील में हितवहुन् किश्री बन्य स्थातित द्वारा बभोहत्ताकरी के पास विचित् में किश्र का क्वोंने ।

धनुसूची]

पनैट नं० 41 जो पह्नी मिणिल, बी बिंग, बोरीवली गौजावाला को० आपरेटिव हाउसिक सोसाइटी लि०, बोरीवली, बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि कम सं० आई०-4/37 ईई०/21048/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 1 जुलाई, 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

तारीख : 28-2-1986

मोद्वर:

प्रकथ हार्यु हो हो पुन , पुर , व - -

ब्रायकक्क विधिनयम् हो 1961 (1961 का 43) का पाछ भारा 269-व (1) के अधीन स्वामा

व्यवीयम् , बहारक मानकर मानूनतः (निद्धीयम्)

अर्जन रेंज-4, बम्बर्ड बम्बर्ड, विनाक 28 फरमरी 1986 निदेश सं० अर्ड०-4/37 र्ड्ड०/20855/85-86--अत: मुझे, सक्ष्मण दास

बायकर विधितियस 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत विधितियस' कहा गया है), की भारा 269-च के विधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं फ्लैट नं 13, जो प्रभु नियास प्लाट नं 166, आफ फैक्टरी लेम, बोरीवली (प), अम्बई-92 मैं स्थित हैं (भौर इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) भौर जिसका करारभामा आयकर मधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है सारीख 1 जुलाई, 1985 को पूर्वेक्स सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के इस्यमान प्रतिकत के लिए अस्तरित की गई हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है

िक वथा पूर्वोक्त सम्मित्त का उचित काजार मूक्य, उसके क्रयजान प्रतिफल से, एोसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-जिवित उद्वादेश से एक्स अंतरण जिवित में भास्त्र∰क कप चै किंचित नहीं किया ग्या है ध्—

- (क) बन्धरण में हुई किसी नाम की बाबत, उनक्ष वृहिष्टियन के अभीन कर दोने के श्नारक औ स्वित्य में कभी करने या उत्तरों वचने में स्विधा के विष्; बाँड/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें अयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा व विद्या;

मणः भव, उन्त अधिनियमं की भारा 269-ग में बन्सरण में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-ज की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीचित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) मैं ० हि शंशु इन्टरप्राइमेंस ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रसीलाबेन बी० चुडासमा ।

(अन्तरिती)

न्ये यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्थन भी हिन्छ। कार्यचाहियां करता हुं

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप ह--

- (क) इस सूचना कें र्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक स्वितायों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीड डे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकितरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पया है।

जन्सूची

फ्लैट नं० 13, जो प्रभु निवास, प्लाट नं० 166, आफ फैक्टरी लेन, बोरीवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋम सं० अई०-4/37 ईई०/20855/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिमांक 1

जुलाई, 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्क्षई

तारीख : 28-2-1996

प्रारूप आई.टी.एन.एस्.-----

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986 निदेश सं० अई०-4/37-ईई/21002/85-86-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

मानकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परनात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारन हैं कि स्थानर संपरित, जिसका उजित बाबाए मुख्य 1,00,000/-रु. से मिथक हैं

प्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6 है तथा जो एल प्लाजा, सी० टी० एस० नं० 1086, एस० नं० 155, आई० सी० क्लोनी, शोरीवली (प०), बम्बई-103 में स्थित है (प्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से विणित है) प्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीखा 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोवस बम्मिट्स को जीवत बाजार बृक्य से कव के सम्बाह्य प्रीतप्रका के लिए अन्तिरत की गई है और मुखे, वह विकास करने का कारण है कि वभाप्योंकत सम्माद्य का जीवस बाजार पूर्वा, उसके स्वमान प्रतिफल से, एसे स्ववाल प्रविक्रल का वैद्रह प्रतिकात से विभिन्न है और बंतरक (बंतरकों) और बंबिकी (अन्वरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया नवा वीक्रकन, निम्मिनियित उद्देश्य है स्वयं स्वाह्य हिल्ला में पास्क्रीयक रूप से कथित नहीं किया प्रवाह है स्---

- (क) बन्तरूज ते हुई किसी बाब की बाब्द, अपन विधिनियम के अभीन कर दोने वी बन्दरक वी बाहियल में कमी करने वा उत्तवे वसने की कृषिया के बिए; बीड/वा

क्छ कर, उपन विभिन्न की भारा 269-न से बन्दर्भ में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के वरीष, निम्नविधित व्यक्तिक्सों, बच्चेत् ■— (1) मैं कोरिया बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड।

(अम्तरक)

(2) श्रीमती स्नेहलता वर्मा।

(अन्तरिती)

को सह कृषणा बादी करके पूर्वोक्त स्वयक्ति के अर्जन के क्रिक् कार्यगाहियां सुक करता हुं।

बक्त कुल्हिस से वर्षय से बस्यन्य में कोई नी वासेप ह---

- (क) इस स्थान में राज्यन में प्रकार की तार्टीस है 45 किए की समाहित ना तरकानानी अवस्थित हैं इह स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी क्यों दह में दमान्य होती हो, के धीवर प्रकेश क्योंक्य में वे किसी क्योंक्य क्यांग्रह
- (क) इस क्लास के सम्बन्ध में प्रकाशन नहीं सारीन से 45 किए के बीसर करत स्थापर स्थापित में हित्यपुष क्रिक्त क्षापर क्षाप्त मान्यक्षिण क्षाप्त मान्यक्षिण क्षाप्त क्षाप्त

स्वक्रीकारणः---इसमें प्रयुक्त कन्यों और वर्ष का, वो उतर विविवयन, के वध्याव 20-क में परिभाषित हैं, दहीं वर्ष होता, को उस वध्याव में दिवा दक्ष हैं।

वन्स्वी

फ्लेंट नं 00, जो, एल ब्लाझा, सीटी एस नं 1086, एस० नं 155, भाय सी० कालोनी, (प०), बम्बई-103 मेस्थित है ।

अनुसूची जैसा कि क सं० आई-4/37 ईई/21002/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, धम्बई द्वारा दिनांक 1-7-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

प्ररूप आहें दी. एत. एस . ----- क्राप्त

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

भाषत बस्कार

कार्यालम, सहायक आयकर बाब्बत (निरीक्षण)

प्रजीन र्जेज-4, बस्बाई बस्बाई, दिनांक 28 फरचरो 1986 निर्वेस सं० प्राई-4/37-ईई-21001/85-86→-प्रातः मृहो लक्ष्मण दास,

भावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) िषते इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्चात कारने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका जिसते बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. ते अधिक हैं

और जिसकी सं. फ्लैंट मं० 6 जो, एल० प्लाझा सो० टी० एस० नं० 108, एच० नं० 155, श्राय० सी० कालनी, बोरिचली (प), बम्बई-103 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूण रूप मे चणित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिन्यम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

को प्रोंक्स सम्पर्ति के उपित बाजार मूख्य से काम के बह्यजान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गर्ब हैं और मुझे यह विश्वास करने को कारण है कि यथाप्रोंक्त सम्पर्ति का जिल बह्मार मूख, जतके बश्यजान प्रतिपाल से होते बश्यमान प्रतिपाल का पंक्र प्रतिकास से अधिक हैं और बंतरक (जंतरकों) और जंतरिती (जन्तरितिशों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिपाल, निम्नानिस्तित उद्योख से उपन जन्तरण लिखित में बल्लाबिक रूप से काथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अल्कारण से क्टूब कियों जाय को नामक कामत अभिनियम के अभीन कर वेने के अल्कारक के दाविका में कभी करने या उत्तसे अवने में तृविभा के लिए; और/या
- (ख) श्रेसी किसी नाम या किसी धन या अन्य नहिस्समों को, जिन्हों भाररतीय जाय-कर निधीनयम, 1922 (1922) को 11) वा उक्त निधीनयम, वा धन-कर निधीनयम, वा धन-कर निधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के विष्;

जतः जब उन्तर विभिनियम की भारा 269-ग के सन्तर्भरण में, में, उन्तर विभिनियम की भारा 269-म की उपभारार (1) के नभीत, निम्म्सियित व्यक्तियों, नम्सिक् (1) मैंसर्स कोरेश्रा बिल्डस प्रायवेट लि॰

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्रन्योनी ग्रार० बरेटटो।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कार के पूर्वीक्त सम्मित्ति के सर्जन के लिए कार्वमाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 बिन की अविधि ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 बिन की अविध, को अव विधी बाद ने समाप्त होती हो, के जीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा:
- (व) इ.स. स्वना की राजपत्र में प्रकाशन करें तारींच क्ष 45 दिन को भीतर उक्त स्थापर सांगीत्त में हितबह्थ किसी बन्य व्यक्ति हुनाररा अभोहस्ताक्षरी जो पास किवित में किए वा सक्तें।

ग्रन्सूची

फ्लैट नं० जो, एल० प्लाक्षा; सो०टो० एस० नं, 1086 एच० नं० 155, भाय० सी० कालनी, बोरिबली (प) बम्बई 103 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० प्रई-4/37-ईई/21001/85 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-7-85 को रजिस्टड किया गया है।

> लक्ष्मम वास सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त** (निरिक्षण) **ग्रजैन रेंज-४ वस्ब**र्ह

विमांस 28-2-1986 मोहर : प्रकथ बाह् ् टी. पुरु पुरु अन्वननननन

भायकर निपिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) के नधीन सूचना

बाह्य प्रदेशका

कार्यालय, सहायक शायकर नायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-4 बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरखरी 1986

निर्देस सं० प्रई-4/37 ईई/21000/85-86---- प्रतः मझे लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परभात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

अौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, जो, 1ली मंजिल, एल० प्लाझा, सी० टी० एस० नं० 1086, एष० नं०, 155, प्राय० सी० कालनी, बोरियली (प), बम्बई-103 में स्थित है (और इससे उपजब प्रनुसूची में और पूण रूप से यणित है) और जिसका करारनामा प्रायकर मिंधित्यम 1961 की धारा 26 क, ख के धधीन बम्बई हिंचत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय म रजीस्ट्री है, तारीख 1-7-1985 को प्रांकत सम्मित्त के उचित बाबार मुख्य से कम के अयवान प्रतिकत के सिए कन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि क्याप्योंकत सम्मित का उचित बाबार मृत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकत से, एसे स्थ्यमान प्रतिकत का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पावा गया वितकत, निम्मिनीयत ब्रुवेश्य से अन्तरण कि निए तय पावा गया वितकत, निम्मिनीयत ब्रुवेश्य से अन्तरण कि निए तम पावा गया वितकत, निम्मिनीयत ब्रुवेश्य से अन्तरण कि निए तम पावा गया वितकत, निम्मिनीयत ब्रुवेश्य से अन्तरण कि निए क्याप्य कि वितकत के वितकत के वितकत कर से किया गड़ी किया नवा है कि

- (क) अन्तरक से हुई कियाँ आज की बाबत, खक्त अधिनिजय के सभीन कर दोने की अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे क्वने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या अस्य वास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धत-कर अधिनियम, या धत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोचनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के लिए।

जतः वय, उक्त जींधीनयम की भारा 269-ग के जन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्येक्टियों, अधित क्र—

- (1) मेसर्स कोरीम्ना जिल्डर्स प्रायवेट लि०। (श्रन्तरक)
- (2) श्री ध्रन्थोनी फान्सोस एस० फर्नान्डीस। (ध्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त सम्बद्धि के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 地

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अबिध, के भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूत्रना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वध्वीकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, था उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होग्र को उस अध्याय में विया गया है।

वपृत्रुची

फ्लैंट नं० 1, जो, 1ली मंसिज, एल० प्लाझा,सी. टी० एस० नं० 1086, एच० नं० 155, श्राय० सी० कालनो, बोरियली (प), बम्बई-103 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37 ईई/21000/ 8 -86 और ब्रूँजो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक ं √-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-3 बस्द**ई**

दिनांक : 28-2-1986

मोहरः

प्ररूप बार्ड दी . एन . एस . -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्थान रेंज-4, अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 28 फरचरी 1986

निर्देस सं० श्रई-4/37-ईई/21042/85-86---- श्रतः मुझे; लक्ष्मण दास,

भावकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाए 'उक्त निधिनियम' कहा गता हैं), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका प्रचित बाबार मृश्व 1,00,000/- रंत से अधिक है

और जिसकी संव पलैंट नंव एक 2, जो 2री मंजिल, शरात भपाटमेन्ट, बोरिक्ली (प०), बम्बई-92 में स्थित है) (और इससे उपाबद्ध मन्सूची में और पूर्णरूप से विणत है) और जिसका करारनामा भायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारोख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिव बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूयमान प्रतिफल से, एसे स्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) जा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अराः अस्र , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :—- (1) मसर्स गरान इंटरप्राइजेज।

(प्रन्तरक)

(2) श्रीमती जो० एम० पी० परेरा।

(भ्रन्तरितो)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करसा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीच से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नन्स्या

फ्लैट नं० एच-2, जो 2री मंजिल, शरॉन श्रपार्टमेंट, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क० सं० पई-4/37-ईई/21042/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985को रिजस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरिक्षण) श्रजैन रेज-4, बम्बई

विनांक: 28-2-1986

मोसेर:

प्रकार मार्ड . ही . एस एस . वन्नवन्त्रकार

जायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) की सभीत स्वामा

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयव्यत अध्यक्त (निरीक्तण) धर्जा रोज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 28 फन्परी 1986

निर्देस सं० प्रई-4/37-ईई/20793/85-86------श्रत: मुझे लक्ष्मण दास,

नायकर निधित्तममः 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पण्यात् 'उसते निधित्तममं कहा तथा हाँ), की भारा 269- व के निधीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करणे का कारण हाँ कि स्थावर संपत्ति जिसका जिला जानार गुरू

1.00,000/- रा. से विधिक हैं

और जिमकी मंग पर्नेट नंग 005, जी तस्न मालाडोली
ध्रपार्टमेन्ट, एमण नंग 94, विहलेज पोईसर, बोरवली (पण्),
बम्बई 92 में स्थित हैं (और इस उपाबद्ध अनुसूर्ण में और
पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसकी यरारनामा आयकर
प्रधिनियम 1961 को धारा 269 का, ख के पश्चीन बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985
को पूर्वें के संपर्शित के बायां मां रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985
को पूर्वें के संपर्शित के बायां मां रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985
को पूर्वें के संपर्शित के विषय बाजार मुख्य से कम के क्यमान
बित्रक के सिए अन्तरित की गई हैं और माने यह बिश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वें कर सम्बद्धित का अचित पादार
क्या, असके व्ययमान प्रतिफल से, एसे व्ययमान प्रतिफल का
पंग्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (जंतरकों) और अंतरिती
बित्रियों) के बीच एसे अंतरित के जिए तय पाया पाया प्रविकर विश्वासित जून के विषय संबद्ध किया वा गाया है :----

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्कत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियां करं, 'जिन्ह्' भारतीय तायकार जीशनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करारितीं द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था वा किया जाना चाहिए था, जियाने में मुक्तिया को सिए;

च्चः शव, बद्धतं अधिनियमं की धारा 269-व की अल्ब्स्टिंश की, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधील, निक्तिविक्ति व्यक्तियों.. जर्थात् ३——
54—26 GI/86

(1) बिस्मील्लाह कन्स्ट्रकरान कंपनी।

(अन्तरक)

(2) शेख मोहम्मद याकुब ।

(धन्सरिती)

क्षी यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के किय कार्यगाहियां करता हो।

वक्त क्रमत्ति के वर्षय के क्रमत्य में कोई मी मार्क्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज के 45 दिन की संबंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की समील से 30 दिन की श्विष, की भी संवंधि दाद में समाप्त होती हो, की भीतर प्वीवंध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवादा;
- (क) इस सुवना के सम्बन में प्रकाशन की सारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिसवहरू किसी वन्य स्ववित इवारा वजाहरताकरी के पास विकास में किए का सकेंगे।

श्रनु सूची

फ्लेट नं० 005, जो तल माला, डोलो भ्रापार्टेमेंट, एस० नं० 94, विलेज पोईसर, बोरिवलो (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

धनुसूची जसाय कि कि सं प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विनांक 85-86 अं।र जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) प्रजीन रेंज-4, सम्बर्ष

विनोक: 28-3-1986

प्रकार जार थी , जुर . एवं . -----

नाथकर विधिनयस, 1961 (1961 का 43) नहीं पारा 269-म (1) में अभीन त्वाना

HIXE GRANT

कार्याल ४. महायक आयकार आयकाः (निश्चीका) धर्जन रेज-४, वस्वर्ष

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० शर्इ-4/37-दिश्/20949/85-86—-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पर्वात 'उद्धर अधितियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम पाधिकारी को एहं विञ्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित, जिसका अधित शाकार अस्य 1.00.000/- रूप से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 103 जो 1ली मंजिल, निहार मेरणन, मी० टी० एस० नं० 162(अंग), जीवन विमा नगर बोरिजली (प०), बम्बई-103 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध प्रनुमुची में और पर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधित्यम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्षय में रिजिस्ट्री हैं नारीख 1 जुलाई 1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के एपिए बाजार मत्य से क्रम के कारणान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है जोर मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके खबमान प्रतिफल से, ऐसे रुष्ट्यान प्रतिफल का चल्कह प्रतिकात से अधिक है और बंतरक अंतरकां) और बंत-चिती (अंतरितिस्तें) के बीच एसे अंतरण के सिए त्य वाया गया बित्याल, निम्मिचित उद्वेख्य से उक्त बंतरण विवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क)ं नंतरक से हुः किती आय की नावत, उक्त क्षिक नियम के अधीन कर दोने के जंतरक के कायित्व में कथी करने या उसने क्ष्मी में मृत्रिक्ष के स्थिए; वर्षिक्ष
- (क) होनी किसी बाज या किसी धन वा जस्त्र जास्तियाँ को जिल्ही भारतीय वाजकर जीवनियम, 1922 (1922 का 11) मा उपत जीवनियम, वा वज-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ वैसरिती क्षान्य प्रकट नहीं किया वया धा या जिला बाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के चित्र;

बल: अब. उक्त अधिनियम की भाषा 269-म के क्षणकरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. नक्षीर श्रब्दल्ला एण्ड सन्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रिचंद्र लोकू मोट्टी।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त तब्यक्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अधीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थता की तामील से 30 दित की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ते किती व्यक्ति व्यारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन को भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी जन्म क्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त की ध-निवस, के वध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बड़ी कर्य होगा को उस कथ्याय में हैवन कर्दा है।

ared)

फ्लेंट नं 103 जो 1ली मंजिल, निक्षर मेंशन मी टी एस नं 162(अंग) जीधन बीमा जार, बोरिप्रली (प०) बम्बई-103 में स्थित है।

श्रन्सुची जैसाकि कि सं एक्टि-4/37-ईई/20949/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिसके 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4 बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

प्रचल बाह्य हो एवं एवं

अग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा अक्षा (1) जी सभीत सुम्बरा

STATE STATE

कार्याक्षर, गृहायक जामकार काव्यतः (निर्दीक्रण)

प्रजीत रेंज-4, बम्बई

बमबर्ध, विनांक 28 फाएनरी 1986

निर्देश सं० %ई-4/37-ईई/21005/85-86----श्रतः मुझे, सक्ष्मण दास

्ए(कर अधित्यम . 1951 (1961 का 43) (विश्व इसमें श्रमक पश्चात अवस अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-स को अधीन सक्षम श्रीधकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला उचित बामार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लेट नं० 403 जा 4थी मंजिल, विभाल-धाय इमारत, गांफ एरा० वं१० रोड़, चिक्क विला रोड़, बोरिवली (५०) बम्बई-92 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध धनुभूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करार-गामा आवहर अधिनियम 1961 की धारा 269 कू ख के धवीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1 जुलाई 1985

का प्रांकित सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम क कर्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, ऐसे क्यमान प्रतिकल का क्ष्मित के व्यापन प्रतिकल का क्ष्मित से अधिक है और अन्तरक (अंतरकार) और अन्तरित (अंतरितिओं) से बीच ऐसे क्ष्मिरण के निष् तब पाना नवा प्रतिकल का किकितिस्थित उद्वापन से स्वत क्ष्मिरण कि विश्व के वाक्षिक के वाक्षिक के वाक्षिक के वाक्षिक के वाक्षिक के वाक्ष्मिक के वाक्ष्मिक

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाणित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

बत बच, उक्त जिमियम की धारा 269-ग को बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कभीत. निम्मतिवित व्यक्तियों, अर्थात ह—- 1. श्रीमर्ती एच० पहलाजानी ।

(अन्तरक)

2. श्री जीवराज भाई बी० जिवानी।

(भ्रन्तरिती)

भी नह त्यना बारी करके प्यापित सम्मरित के वर्णन के निक् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बासेच ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी।

स्पंद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम क अध्याय 23-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

यग प्राप्ती

प्लेट नं० 403, जो 4थी मंजिल विणाल-शाय इमारत श्राफ एम० वी० रोड, चिकत विला रोड, बोरिवली (प०) बम्बई-92 में स्थित है।

ानुसूची जैसाकि कि सं कि पई-4/37/ईई/21005/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टिङ किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज-4 बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

मोहरः

क्ष्म सार्च . बर्च . प्रच . ड-====

भारा 269-व (1) के अधीन स्वा

भारत सन्दर्भर

कार्याज्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4 वस्वर्ध

बम्बई विनांग 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/210798/5-86---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 104 जो 1ली मंजिल सागर वर्णन खंदाचरकर रोड़ हर्षा पार्क के धागे बंदिखर्ला (५०) बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधि-अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 1 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त तम्प्रीत के उपित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमार प्रतिकत को लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विक्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार कृत्य, उसके क्यमान प्रतिकत से, होसे क्यमान प्रतिकत के पंत्रह प्रतिकत से अभिक है

करेंर अंतरक (अंतरफों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एंसे अंतरिक के लिए तय पाया गया प्रतिकता, निम्ततिविक के कुरकेच के उक्त कन्तरण जिब्दित में वास्तिविक क्य से कथित वृद्धी क्या गया है:---

- (क) अन्तरण ने हुई किसी जाम की नावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने से उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (च) एसी किसी भाग या किसी भन या अस्य अस्तियों करे, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना काहिए था, छिपाने में स्विधा की कियः:

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण पं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्मितिबिट अविकास , बर्धाक ≾— श्री के० एच० सागर फैंभिली दुस्ट।

(भ्रन्तरक)

2. श्री चंपा जी० भाटीया और अन्य।

(भ्रन्तरिती)

न्त्रे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के सिद् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारी इसे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूबोंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबष्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिष्टिस में किए जा सकेंगे।

स्यक्तीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गन्स्ची

फ्लेट नं 104 जो 1ली मंजिल सागर दशन चंदा-षरकर रोड़ हवीं पार्क के धामे बोरिलली (प०) बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जमाकी ऋ० सं० धई-4/37-ईई/21079/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-4 बम्ब**ई**

दिनांक: 28-2-1986

प्ररूप आहें. टी. एन. एक., ------

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 42) की भारा 269-मृ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, तहाबक बायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-4 बम्बई बम्बई दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० प्रई-4/37-ईई/21090/85-86----श्रत। मुझे लक्षमन दास,

कायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें कहचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के के अधीन सक्षर धाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 202 जो 2नी मंजिल इमारत नं० 3 ए- विग पद्मा नगर जिकींग रोड़ बोरिवली बम्बई में स्थित हैं (और इससे उगाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विगा है) आर जिसका करारतामा आपकर प्रधिनियम 1961 की धारा 2698 ख के धर्धान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 1 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे वश्यमान प्रतिकल का बन्दर प्रतिकात से अधिक है जीर जन्तरक (जन्तरका) जी अध्यापित (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए वय बाया गया प्रतिकल, निम्मसिविक उद्देश से उच्छ अम्बरण सिवित में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है कि—

- (क) अंतरण से हुए किसी बाव की बावता, उनक अधि-श्वित्र के बधीन कर दीने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उन्नसे बचने में तृतिभा के मिए; और/या
- एसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आरिस्टर्ज को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन- फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ जंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उज्यान में सुविभा के लिए;

श्रद्धः स्था, करत सीधीनयम की धारा 269-ग को समुदरण मो, मी, उकत सीधीनयम की धारा 269-म को उपधारा (1) को सधीन, निस्तिलिया व्यक्तिमों, नधीत हैं 1. मेसर्स भूषन इंटरप्रायजेस।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती कारमाईन लोबो।

(भ्रन्तरिती)

का यह सृष्यना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता हुं।

ज्ञानत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति थों भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आर से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हरेगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

सन सन्ती

फ्लेट मं० 202 जो 2री मंजिल इमारत नं० 3 ए-विंग पद्मा तगर लिंकींग रोड़ बोरिजली बम्बई में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० हाई-4/37-ईई/321090/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ध्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

प्रकप बार्च, टी. एस, एड , म्हास

अभिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन स्थना

भारत तरकार

कामाजन, श्रामक मानकर मान्यत (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-4 बम्बई

वम्बई, दिलांक 28 फरमरी 1986

निर्देश सं० %ई-4/3%-ईई/20874/85-86---अतः मुझे; लक्ष्मण दास

नामकर निर्धानियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें प्रमात 'उन्स निर्धानियम' न्या गना है, की भारा 269-च को नभीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का आपन है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाचार मुख्य 1,00,000/- रु. से निधक है

और जिसकी संव फ्लंट नंव 105 जो साई धरा सोहायाला लेन नोविष्टली (प) राज्यों में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में और पूर्ण ६५ ने दर्णित है) और जिस्सा करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख़ के श्रधीन, बम्बइ स्थित सक्षम प्राधिकारी के दार्याक्य में रिजस्ट्री है तारीख 1 जुकाई 1985

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हो कि प्रवाप् कें कर एंगिरत का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के शब्ह प्रतिक्षत से विश्व है बीर वन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरक के निए तब दाया गता प्रतिकात, विश्व सिंहत उच्च हम से उच्च बन्तरण किवा के बार्थ के बार्य के बार्थ के बार्य के बार्थ के बार्य के बार्थ के बार्थ के बार्य के बार्थ के बार्थ के बार्य के

- (क) वंशरण चे हुई किसी जान की नावत, उपत विश्वियल के अभीत कर दोने के अन्तरक ध दारित्व को कथी एएश्रीवर उससे वसने की मृतिभा के जिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन वा जन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का)1) या उक्त अधिनियम, या भन-यार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ मन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना घाहिए था, स्थिपाने में सुजिधा के विदः

कतः भवः, कवत विधिनवन कौ भारा 269-व कौ वनुवर्ष को, को, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) क वर्धानः ज्ञिनिमित्तित व्यक्तिकों, वर्णता 🚈 1. मेसर्स गेईटी कन्स्ट्रकान कंपनी।

(अन्तरक)

2. श्री धेमरभाई पी० पटेल।

(अन्तरिर्ता)

को वह सूचना बारी करने पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के जिए कार्यनाहियां करता हुं।

क्षण्य संपत्ति हो वर्षन ही संबंध हो हाई भी बाहरें है---

- (क) इब सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारिश से 45 दिन की अविशे या तस्त्रें की व्यक्तियों पर्द सूचना की तामीन से 30 दिन कि वृद्धित, जो भी ब्राधित में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त का विश्व में से कि भी व्यक्ति हुएका
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपति मेक हिनबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी से पास निवित्त में किए या सकीन।

स्वक्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों भीर पर्यों का, को अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नवा हैं।

मन्स्यी

फ्लेट नं० 105, जा, भाई धाम, सोडावाला लेन, बोरि.दर्ली (प), बम्बई में स्थित है।

प्रनुसूची जैसाकी किं सं० शई-4/37-ईई/20314/85-. 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकार। सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्राक्षण) प्रार्जन रेंज-४, बस्बई

दिनांक: 28-2-1986

प्रकार कार्य व्हार एम । एस :,-----

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मानुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जनरेंज-4, ब**म्ब**र्ड

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० '१-१-4/37-ईई/20377/85-86---श्रता मुझे, लक्ष्मण दाम,

्भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िवसे इसमें इसके पश्चास् 'उबद अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ल के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000 / ा सं अधिक हैं

और जिसकी संव परेट नंव बी-12, जो 3री मंजिल, कविताप्राार्टनेंट, नाट प्रवाला लें।, बोरिजली (प), बम्बई-92 में
स्थित हैं (और इसरे) उपाबद्ध शनुस्वी, में और पूर्ण रूप में
प्रिता हैं) और जिसका करारतामा शायकर शिक्षित्यम 1961 की धारा 269 स, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्याला: में 'जिस्ट्री हैं। हारीका 1 जुलाई

को पर्वोक्त गरपित के टिचित बाजार मृन्य से कम के दृश्यज्ञान प्रतिकाल के निग्न संस्तरित की गई है और सुक्षे यह निश्वास कार के का कारपार है कि संपार से कि संपार से कि संपार के का उन्तिक का उन्तिक भाजार सहस्र असका दृश्यमान प्रतिकाल का पन्ति प्रतिकाल से एंगे श्रव्यमान प्रतिकाल का पन्ति प्रतिकाल से लिए के सिन्ति के सीच एसे सन्तरण के लिए तक पाया गया प्रतिकाल, निम्निसिस उद्वेष्य से उन्तर अन्तरण सिन्ति के स्पार से सिन्ति में नास्तिक रूप से सिन्ति नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुइ किसी आय की, बाबत, अक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दार्शित में कमी करने वा उससे बचने में सिवधा के जिए; और/या
- (का) एती किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अने प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

अत: अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण की अनुसरक भी, भ⁴, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीर निम्निनिस्त व्यक्तियाँ, अर्थात :--- 1. मेसर्स राविता रान्स्ट्रमणन ।

(अन्तरका)

2. श्री मोती लाल एउ० दशक और श्रन्य। (श्रन्सरिती)

को यह स्वका बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामीन सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितन्द्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पस सिसित में किए जा सकींगे।

•पव्योकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया समाही अ

अनुसुधी

पलेट नं वं नियं हो उर्र मंशित, धितित अपार्टमेंट, नाटकवाला लेन, बोरिवर्स (ए), सम्बर्ध-92 में स्थित है। शनुसूची जैसा की भाग सं अई-4/37-ईई/20877/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई हारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्यण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकः (नि**रीक्षण**) श्रजीत रेंज-4, ब**स्बई**

विनांक। 28-2-1986 मोहर:

and and out the little in the same

मेसर्स दिपवः सन्स्ट्रक्णन्स ।

(भ्रन्तरक)

2. श्री पर्दीक मेंडोंका।

(अन्तरिती)

वाधकार विधितिसम्भ, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) से अभीत सुचना

HIGH VENIE

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्तिक)

शर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986 निर्देण सं० अई-4/37-ईई/20775/85-86- - झत: मुझे, लक्ष्मण दास

रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसको अने परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- ग्र. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 10, जो, ए-धिंग, मयोक, प्लाट नं० 13, और 14, होली कास रोड, बोरिचली (प), बस्बर्ध-103 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्व श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा श्रायक्षर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उधित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह बिह्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरितीं (अंतरितयों) में बीच गेसे बंबरण के बिए तब बाबा गया होडि-स्म, बिक्निसित सक्तेका में बक्त बन्तरण निवित में बास्तिक स्म में क्रिका नहीं किया बक्त हैं

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाब की बाबवा; सबस अधिनिया के जबीन कर योचे के बन्तरक के कमित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा में सिक्ष; और/धा
- (व) एसी किसी नाम या किसी वन ना नस्य नहीं सकी को चिन्हें भागतीय नामकार निविधित्यन, 1922 (1922 का 11) या अवस निविधित्यन, या वल-कर स्विधितियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोगनार्थ नेस्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया आगा काश्रीहरू था, कियाने में सुविधा के लिए।

जत: जम, अमत विधिनियम की धारा 269-ए के अनूसरण की, जी, द्वरत विधिनियम की धारा 269-म की वपधारा (1) की अधीन, निम्निनिष्ठित व्यक्तिकी, जर्धात् क्र--- भार वह ब्याना जारी अवसे प्योंकत सम्पर्टेत के अर्थन के छिए कार्यवाहियों करता हुं।

बच्च करणील के कर्चन के संबंध में कोई भी जाबीप उ--

- (क) इस सुमना के राजपन में प्रकाशन की बारीस के 45 बिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुमना की तामीज से 30 बिन की जनिय, जो औं वनिथ नाथ में समाप्त होती हो, के मौतर कुर्वोचन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना की राजवन में जन्मका की शासीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध. चित्री अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताशाही के पाथ सिचित में किए वा सकीने।

रच्यां करणः ----इसमें प्रयुक्त सन्यों और पद्धें का, को सफ्त विभिन्नियम, को बच्चाय 20-क में परिवारिक ही, यही वर्ष होगा को उद्ध नक्ष्याय के विकास नक्षा हैं श

बनुसूयो

फ्लेट नं० 10, जो ए-चिंग, मयांक, प्लाट नं० 13 और 14, होली काम रोड, बोन्घिली (प), बम्बई-103 में स्थित है।

श्रनुसूर्चा जैसाकी कि सं० श्रई-4/37-ईई/20775/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दासं सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

प्रकार बार्ट हों हों प्रकार हर है ----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के नभीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्चर्जन रेंज-4 बम्बई बम्बई दिनांक 28 फरधरी 1986 निर्देण सं० श्रई 4/37 ईई/321163/85 86→मेंश्रत। मुझे लक्ष्मण दास,

गणकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल्हें इसमें इसमें प्रकाद 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. में अधिक है

और जिसको सं० फ्लेट नं० 12, जो, तल माला देना श्रपार्ट-मेंट, सोडाबाला खेन, खंदाधरकर रोड़, बोरिघलो (प) वस्बई 92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूचो में ऑर पूर्ण का ने पणित है) आर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ल के श्रधोन वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1 जुलाई

को पूर्वित सम्पत्ति के उणित बाजार मृस्य से कम के क्रयमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाजार मृस्य उनके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) से बीच एसे बंतरण के बिए तब बाबा बना प्रति-क्रस विश्वानितिय स्वार्थिक वे क्षय बन्दरम विश्वित के बाक्टरिक स्था से क्षित नहीं किया नया है क—

- (क) अन्तरण वे हुई किसी बाय की बायत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के सावित्य में कभी काइमें वा उससे व्यव में स्विध, के सिए; सौर/या
- (च) ऐसी किसी अगय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 कर 11) वा अवस अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ध्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में अविका के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को, अन्सरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :— 55—26 GI/86

1. श्रीमती पी० जों० सरसम्मा।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती गुणाल के० पागणिस और अन्य। (श्रन्तरिती)

भर्ग भू कृत्या झार्डी करके पूर्वोचन बन्दीत्व से वृत्रेक् में जिल्ला कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्ध राम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेपूर--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भौतर उस्त स्थानर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए वा सक्षेत्रे।

स्थलकिरणः --- इसमें प्रमुक्त सन्तों जीर पत्तों का, जो सकत अधिनियम के अध्याव 20-क जें परिशासिक्ष है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्राहै।

अनुमूची

फ्लेंट नं० 12, जो, तल माला, देना श्रपार्टमेंट, सोडा-वाला लेन चंदावरकर रोड़ बोरिचलोप) बम्बई 92 में स्थित है।

श्रनुसूचों जैसाको कर सं० श्रई 4/37 ईई/21163/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारों बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज 4, बस्बई

दिनांमः 28-2-1986

मोहर ।

क्षण बार्ष_ण दर्द_ा एवं , एक_{ा व न} - ----

बावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाज 269-म (1) के मधीन बुचना

साइव चहुकार्

श्रायमिय, सहायक जायकर जानुक्य (निरीक्षण) प्रजन रेंज-4 बम्बई

बम्बई दिनांक 28 फरवरो, 1986

निर्देश सं॰ मई 4/37 ईई/21255/85 86--- भ्रत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परभात् 'उक्त विभिनियन' कहा गया हैं), की भारा 269-च के वभीन सक्षान प्राधिकारी को, यह विष्णास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको सं० फ्लंट नं० 201, जी, 2री मंजिल, निक्षर इमारत, प्लाट सो० टी० एस० नं० 1329, एस० नं० 162 (अंग), जीवन बिमा नगर, बोस्टिली (५), बम्बई 103 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है)/और जिसका रकरारनामा आयदार प्रधिनिधम, 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई म्थित मक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं। तारीख 1 जुलाई, 1985

कां नुर्वोक्त सम्पत्ति के उत्वित वाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कार्युष्ट हैं कि स्थापुर्वोक्त संपर्तित का उचित्त वाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं हैं और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त बन्दरण निक्ति में वास्तिवक रूप से क्रिजत नहीं किया गया है हैं

- (क) जन्तरण वे हुई किसी नाम की नामत, समध अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में सभी करने या उत्तते बच्चे में मुनिधा के लिए करिं/या
- (च) एसी किसी जाय या किसी भन मा कत्य आस्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय जाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर विभिनियम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ कस्तिरिती इवाध प्रकट नहीं किया नमा था वा किया जाना वाहिए था क्रियाने में त्तिथा के सिक्टः

अतः अखः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में. मैं उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) में क्षीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- मेंसर्स निक्षर अब्दुल्ला एण्ड सन्न्यतः।

(भ्रन्तरक)

2 श्रो अं।समंड राड्रिग्ज।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना बाटी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षन के तिह कार्यनाहिक क्क करता हूँ।

उक्त सम्पृतित् के नवीन के संबंध में कोर्य भी मार्शय ८---

- (क) इस मुख्या के प्रकाश में प्रकाशन की तारीय र्थ 45 दिन की अवधि या तत्सक्तिभी व्यक्तियों वर्थ सूचना की तामील से 30 दिन की बक्षेप, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, ने भीतर पूर्वोक्स स्थितकारों में से किसी स्थिति द्वारा;
- (क) इस त्वना के रावपत्र में त्रकावन की तारीच के 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित्त-क्वृथ किसी बन्य स्थानित व्यास व्याहरताकारी के बाल किसिस में किस् का सकीने ।

स्वयानिकाण ----इसमें प्रमुक्त सकतें और पर्यों का, को उनक वीधिनिकास के बंध्याय 20-क में पीट्रशायित ही, बहुी वर्ष होगा, को उस अध्यास में दिया नमा ही।

बन्स्यी

फ्लेट नं० 201, जो, 2रो मंजिन, निझर इमारत, प्लॉट मों०टों. एस०नं० 1329, एस० नं० 162(अंश), जीधन बोसा नगर, बोरिखलों (प), बस्बई 103 में स्थित है।

प्रनुसूचों जैसाकि ऋ० सं० धई 4/37 ईई/21255/85-86 और जो मक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारो महायक द्रायकर आयुक्त (निरोक्षण) प्रजन रेज-4, बस्बई

दिनांक: 28-2-1936

प्रकार बार्ड, टी, एन. एस.

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

WITE STEELS

कार्यासन, सहायक नामकर नायुक्त (निरीक्रक)

प्रजीत रोज-4, बम्बई बम्बई, दिलांक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० प्रई-4/37-ईई/21030/85-36----श्रत: मुझे, लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें भारत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विस्त्रात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मूख्य. 100,000/- रा. से अधिक हैं

और जिमकी सं० पनेट नं० 302, जो 3रो मंजिल, चंदा-चरकर, लेन, सागर दर्शन, हर्षा पार्क के धागे, बोरिबलो (प), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इस्ते) उपाबद्ध धनुसूचों में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं)/और जिसका करारतामा धायकर प्रधितियम 1961 को धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रों हैं।हारोख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूक्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूक्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पृत्यह प्रतिक्षतः से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त् उच्चे देग से उच्त अन्तरण किंकित में बास्तिक रूप से कर्षित नहीं किया गया है

- (क) बन्तरण ते हुई किसी जान की गयत, उत्तत जीभ-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के वायित्व में कभी करने या उत्तसे दचने में सुविभा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा था किया भाना चाहिए था, डिज्याने में सुविधा के जिए;

क्षारू: अच, उपत आधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को बधीन, मिस्नसिचित, व्यक्तिचीं, अचित् द्व--- 1. के० एव० सागर फेमिलो ट्रस्ट।

(भ्रन्तरक)

2. श्रो महेण एल० सोपाराधाला और ग्रन्य। (ग्रन्तरितो)

को अह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई बाखेर :----

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीत धे 45 दिन की अविधि था तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के धीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी स्थित दुवारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी वस्थ व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित्र में से किए चा चकोंगे।

स्पथ्धिकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों बाँर पदाँ का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित इं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया इं।

वन्स्यी

फ्लेंट नं० 302, जो, 3री मंजिल, चंदावरकर लेन, सागर दर्शन हर्जा पार्क के श्रामे, बोरिवलो (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैमार्की कि सं धई-4/3, ईई/21080/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारो सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) प्रजेन रेंज-4, बम्बई

नारीख: 28-2-1986

माहर:

प्रस्यः बाह्री,टी.एन.एन.,-------

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुचना

भारत रूरकार

कार्यांसय, सहायक बायकर जायुक्त (निराक्षण) प्रजीन रीज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 28 फरवरी 1986

निवेंश सं० श्रई-4/37-ईई/21082,85-86--- श्रतः म्हा, लक्ष्मण वास.

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसने पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अभित बाजार मुक्क 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव पर्नंद नंव 9 जो ए-विंग, श्रहणा अपार्टमेंट हिन्ना नार के यो छे नंडो अन्द इंडिन्ट्रियन इस्टेट मंडपे श्वर रोड़ बोरिवली (प) बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपा-बद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधृनियम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मून्य से कम के अक्सान प्रतिपाल के लिए जन्तिरत की गई है और बुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिपक्षल से एसे एसे दश्यमान प्रतिपक्षल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपाल, निम्नलिखित उद्विषय से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाद की बादत उक्त जिथ-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बाबित्व में इसी करने या उससे बचने में बृबिया के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय का किसी धन या बन्य लास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त विधिनियम पा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः जब, उन्त विभिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेंसर्स पटेल, पटेल एण्ड कम्पनी।

(अन्तरक)

2. श्री गोर्धन एम० मयाडा।

(ग्रन्तरिती)

को यह त्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में काई भी बावाँद :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तार स से 3€ दिन की अविध, जो भी सविध से यें सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति हुन्। के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति हुन्। के भीतर पूर्वोक्त
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्य अदिकरण:---इसमें प्रयुक्त बाज्यों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

कर संची

पर्लंट मं० 9, जो ए-विंग, श्ररूणा श्रपार्टमेंट हिम्मत नगर के पीछे, मंडपेश्वर इंडस्ट्रियल इस्टेट, मंडपेश्वर रोड, बोरिवर्ल (प०), बस्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कि० सं० श्रर्श-4/37-ईई/21082/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ल्क्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बर्ष

दिनौंक: 28-2-1986

प्ररूप बार्ड .टी .एन .एस .----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भारीन क्षा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जाबकर नाम्बद (विद्रीक्षण)

श्चर्जन रेंज-4, बम्बई सम्बई, दिनौंक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/21081/85-86~--अत:, मुझे, लक्ष्मण दास

अगयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भ्रोर जिसकी सं० पलेंट नं० 10, जो ए-विंग, श्रहणा श्रपार्ट-मेंट, हिम्मत नगर के पीछे, मंडपेश्वर इंडस्ट्रियल, मंडपेश्वर रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (भ्रोर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिभिस्टी है तारीख 1 ज्लाई 1985

की पूर्वोक्त संगत्ति का उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमान व्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे एसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्सह प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय नाया नया प्रतिकाल, निकासिक उप्रकेश उक्त अन्तरण निमानिका प्रतिकाल में अस्तित में नास्तिक क्य से अधित बहुर किया गया है क्ष्तर क

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उन्तर अधिनियम को अधीन कर दोने को बन्तरक को बाबिस्क में कामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य कास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का अवत अधिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया स्वा था या किया जाना चाहिये था कियाने जें सुविधा के लिए; और/या

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. पटेल, पटेल एण्ड कम्पनी ।

(भन्तरक)

2. श्रीमती श्रमीताबेन जी० क्याडा श्रीर श्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्क संपरित के वर्णन संबंध में कोई भी बाक्षेप अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इत् सूचना की राज्यम् में प्रकासन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितनद्भ् किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए या सकतें।

स्थाकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों जीर पदों का, जो उपर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया

धनुसूची

फ्लैंट नं 10, जो, ए-जिंग, श्रमणा श्रपार्टमेंट, हिम्मत नगर के पीछे मंडपेश्वर इंडस्ट्रीयल इस्टेंट, मंडपेश्वर रोड, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

प्रनुसूचो जैमािक कि० मं० प्रई-4/37-ईई/21081/85-86 प्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास गक्षम प्राधिकारी सहायक **भा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

अभयकर विभिन्धिम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीत स्थान

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक शावकर भायक्त (निर्दाक्त)

म्रर्ज न रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 6 मार्च, 1986

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/21111/85-86--अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर कींधनियान, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकी इसकी पश्चात 'उकत कींधनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन नक्षम प्राधिकाणी की यह जिल्लास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूक्ब 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

ग्रौर जिसकी सं पलेट नं 112- बी, जो 11वीं मंजिल, दत्तानी टावर्स, कोरा केंद्र, एम० वी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिन्तियम 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 1985

कां पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफन के लिए बन्तरित की नहीं हैं और मुखे वह क्षित्रवाद करने का कारण हैं कि वधायुर्विक सम्पर्ति का कवित बाजार भूग्य, उसंकी दश्यमान प्रतिकास है, एवे दश्यनाम प्रदिष्क का नेत्रह प्रतिकार से विभिन्न हैं और संदर्ध (वंतरकों) और संव-रिती (वंतरितियों) के बीच एचे संवरण के निष्ट तब पाना क्या प्रतिकात, विम्नीनिक्ति उप्योग से उनत वंतरण विश्विक वें बास्त्यिक रूप से कर्षित मूली किया पना है हु---

- (क) अन्वरण ने शुर्द कियों वान की वानतः, वानतः वीधीनवय के अभीष कर दोने के वंधणक के दर्शिलय में कर्ती कारने वा वक्त क्यमें में सुविधा के किए? और/वा
- (च) एसी किसी बाव वा किसी थन वा कप्त जास्तियों की, जिल्हों भारतीय नाय-कर विभिन्नक्त, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, वा धनकर विभिन्नक्त, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया नया था या किया कान नाहिए था, जिल्हाने में सुविधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बचीन,, निम्निनिर्म्हत व्यवसार्गे, अर्थात् ा— 1. मैसर्स क्तानी कन्स्ट्रवशन्स।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जें बी बोरखेंटारीया (माइनर) द्वारा के व बी बोरखेंटारीया (माँ)।

(मन्तरिती)

को नह ब्यान बादी बाइके पूर्वोक्त क्रम्सीत्व के नहीन के सिक्ष कार्यनाहियां करता हो।

क्या कर्मात्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप ट--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाधन की तारीय से 45 विश्व की नवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता वर्ष वामीन से 30 विन की अविधि, जो भी अविध वाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में ते किसी स्वश्व व्यारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर संपत्ति में दित- वहुच किसी अन्य स्थावत क्षारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिविष् में सिक्ष का सकेचे।

रक्ष्यक्रिया:— इसमें प्रवृत्त क्यों नीय वर्षे का, थे। उथक वरिपत्तिक से क्यांव 20-क में वरिक्राधित हैं, बहुत क्यों क्यों को उस कथ्याव में दिवा क्या है।

अनुसूची

पलेट नं० 112-बी, जो, 11वीं मंजिल, दत्तानी टावर्स, कोरा कोंद्र, एस० वी० रोड, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कर सं श्र प्रई-4/37-ई\$/21111/85- 86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सक्ष्मण वाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनौंक: 6-3-1986

ryr my's sis yrs yrs -

बावकर वीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के क्वीन सुबना शास्त्र क्रम्बर

कार्यास्य , सहायस नामभर नामुका (निर्शासन)

श्रर्णन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986

निर्वेश सं० ग्रई-4/37-ईई/21006/85-86--म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आग्रकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतर्जे इसके प्रभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के ज्यीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार नृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, विशाल-ग्राय इमारत, श्रॉफ एस० वी० रोड, चिकन विलेण रोड, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावदा ,श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विशित है) ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर ग्रीधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के-ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिणस्ट्री है तारीख 1 ज्लाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित वाजार बूल्य, उसके क्याबान प्रतिकस से, एसे दृष्यमान प्रतिकस के पंक्स प्रतिकृत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और जंतरितों (अंत-रित्यों) के बीच एसे बंतरण के तिए तम पामा प्रतिकृत्व, निम्नीसिक्त उद्योध्य से उक्त अंतरण लिक्ति में बास्तिक्क रूप के कथित नहीं किया गया है:——

- (क) वन्तरफ से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बरि/बा
- (व) देशी किसी काम वा किसी भन या कर्म जास्तिका को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या एक्स राभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिरती एवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाग चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

अतः अब . उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों , की , खक्त आधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन . निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. श्रीमती पद्मा एच० पहलाजानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री प्रताप डी० मारीवाला श्रौर अन्य। (श्रन्तरिती)

का यह तृष्या पारी करके पृथेंकर सम्मत्ति के वर्षण के सिए कार्यविद्यां करता हुः।

बबत संपत्ति के नर्थन के संबंध के कोई नी बालांध 🖫

- (क) इत स्वता के राजधन में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की नविध ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर चुनता की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी व्यक्ति नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तिनों में से किसी व्यक्ति वृद्यार;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्क स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकों ने ।

स्वव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविद है, वही अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिका यश है।

वन्स्यी

फ्लेट नं० 401, जो 4थी मंजिल, विशाल-1 इमारत, भ्राफ एस० वी० रोड, चिकन विलेज रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि सं प्रई-4/37-ईई/21006/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनाँक: 28-2-1986

प्रस्य बाह्रीत टो, एवल एकत्राननाम्बन

नावकर बाँधनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 260-व (1) के सबीन सुचना

भारत बहुकार

कार्यांनय, तहायक नाथकर नाय्नत (निड्राक्षिन)

धर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० प्रई-4/37-ईई/20843/85-86— प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' बहु। गया हु"), की वाच 269-च के नशीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विश्वास करने का कारन है कि स्थानर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाचार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० फ्लेट नं 301, जो, 3री मंजिल, इमारत नं 013, केन जार, पोर्जिलो (प०), वस्वई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिन यम 1961 की धारा 260क, ख के श्रिधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के इस्पमान प्रतिकल के सिए अस्तरित को गई है और मुख्ये वह विस्थास करने का कारण है कि म्थानुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूका, उसके इस्पमान प्रतिफल से, ऐसे इस्पमान प्रतिफल का करका प्रतिकार प्रतिकार के स्वयं प्रतिकार से अधिक है और जंतरक (जंतरका) और अंतरिकार (जंतरिता) के बीच एसे जंतरण के लिए इस पाना वना बाहिकल निम्मोलिखित उद्वोच्य से सकत जंतरण जिल्ला जिल्ला के सारा कर कारतिका से कारतिका कर से कथित नहीं किया नवा है क्र-

- (क) सन्दरण में हुई फिली बाव की बावत क्या अधिक , निवस को समीप कर दोने की बन्तुरक को बाबिश्य की कबी कपूने मा उत्तक समने को जुनिभा की किए; बॉट/या
- (क) एसी किसी नाम ना किसी पन ना नन्न नास्तियीं को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या अबे कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूर्तिया थी किया;

स्तः धव उक्त विधिनियम की धारा 269-न के बनवरण वी, वी, जानत विधिनियम की धारा 269-न की उपधाता (1) के अधीन, निज्नीसमित व्यक्तिकों, अधीन क्ष-- श्री किशनचंद नरसूमल।

(ग्रन्तरक)

2. श्री गोकुल दास के बोगी और अन्य।

(भ्रन्तरिती)

को वह बुचना पारी कारके प्रॉक्त सम्परित के वर्षण के हिन्द कार्यगाहिमां करता हूं।

उच्छ चंपरित कें बुर्धन के संबंध में कोई भी नाक्षेत्र प्र⊸

- (क) बद एवना के समयन में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की नवीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्वना की तामील से 30 दिन की नवीं के भी नवीं नाम में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वाय;
- (क) इस ब्यान में सम्मानन की तारींस हैं

 45 दिन के भीतर उपत स्थानर सम्पत्ति में हितनव्ध किसी मन्य स्थानत व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पत्ति सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पन्नीकर्णः - इत्तमं प्रयुक्त कव्यां और पद्यों का, जो उक्त अधि -विसम के बच्चाय 20-क में परिभाषित ही, नहीं कर्ष होगा, जो उन्हें क्ष्ण्य में दिया क्या हो।

धनुसूची

फ्लेट नं० 301, जो, 3री मंजिल, इमारत नं० 13, प्रेम नगर, बोरिवली (५०), बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि क० सं० ग्रई-4/37-ईई/20843/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रिणस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दान सक्षम प्राविकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनाँक: 28-2-1986

मोहर।

प्रकृष , आई. टी., एन., एस/, - - - -

बायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत चरकार

कार्यभव , तहायक नामकर नागुक्त (निर्देशिक)

म्रर्जं न रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनौंक 28 फरवरी, 1986

निर्बेश सं० ग्रई-4/37-ईई/21269/85-86---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्से इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पसैट नं० 15, जो, 3री मंजिल, मेडोन्ना कालोनी, मंडपेश्वर रोड़, बीरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित र (भीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाखार बुक्य, उसके क्ष्यभान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण लिखिस में शास्त्रविक क्ष से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण वे हुइं किसी बाग की गायक, उनके बीधीनयण के अधीन कर दोने के जन्तरक के दाधित्व के अभी करने वा उवसे वचने के स्वीवण के सिए; बॉर/मा
- (क) ऐसी किसी अाथ या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपान म सिक्या के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-गं के बनुतरण वं, ग्रं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वं की उपभारा (1) टेबकीऽ निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् छ— 1. मैसर्स स्वाती विल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती वत्सला विश्व श्रीयान।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपन सम्पत्ति को अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस त्था के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर बृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकत व्यक्तियों में से किया व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाब विधित में किए वा सकते।

स्वध्यक्तिरणं :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उच्छ अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्यास में दिसा गया हैं।

बन्स्ची

पलैट नं० 15, जो, 3री मंजिल, मेंडोन्ना कालोनी, मंडपेश्वर रोड़, बोरिवली (प), बम्दई-92 में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/21269/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी के वम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दान सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-4, बम्बई

दिनाँक: 28-2-1986

प्ररूप आई¹.टी.एन.एस.-----

आयथभर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 28 फरवरी, 2986

निद्वींश सं० अई-4/37-ईई/21292/85-86---अतः मुझी, लक्ष्मण दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है श्रौर जिसकी सं ० फ्लट नं ० मी ०, 104, जो, 1वी मंजिल, सर्वे नं ० 110-सी (अश), सी ०टी ०एस०नं ०1128, प्लाट 14, व्हिलेज एक्सार, माउंट पोईसर, धाय०सी० वालोनी, बोन्विसी (प), बम्बई 103 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269%, ख के अधीन, अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है। तारीख 1 जुलाई 1985 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंदेह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाका गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैसर्स बी० ग्रार० इंटरप्रायजेस।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती एस० जे० शेट्टी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में भे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र हैं प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीदर हकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए आ हकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह1, यही अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया ह1।

अनुसूची

फ्लट नं सी ्र 104, जो 1लि मंजिल, सिल्बेरीन इमारत, सर्वे नं व 110 सी व (श्रंग). सी व टी व एसव नं व 1128, फ्लाट नं व 14, विलेज एक्यार माउंट पोईसर श्रायव सी व कालोनी, बोरिवलो (प), बम्बई-103 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमाकी कि० सं० ग्रई-4/37-ईई/21292/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिवारी , बम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनाँक: 28-2-1986

भोहर :

व्हर्य बाह् दी प्रमृत्यस्य न्यान्यन्यस्य

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), की कारा 269-श (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज-4, बम्बई श्रम्बई, दिनौंक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/20860/85-86---श्रतः मुझें, रूक्ष्मण रापः,

माथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. ही अधिक है

स्रौर जिनकी सं० फ्लाट नं० 186, जो, इमारत नं० 3, गांजा-वाला श्रपार्टमेंट, बीरिवली गाँजवाला को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, बीरिवली (प), वस्वई 400092 में स्थित हैं (स्रौर इमसे उपावद्ध श्रमुस्ची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) स्रौर जिसका करारनामा स्रायकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के धीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है:---

- (क) अभ्ययम से धुक् किसी वाय की बावस, अभ्य जीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बुकने में सुविधा के लिए; और/मः
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 के 13) या उनत अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

भरा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उस्त अधिनियम की आरा 269-व की उपभाग (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री हरिकशनदास श्रार० मिस्सी।

(श्रन्तरक)

2. श्री ईश्वरलाल पी० जनानी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्काः क मध्यन्य मां को**इ' भी नाक्षोप्** ह---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से से 45 दिन की अपूरित का तत्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ पर कुला का कामाल से 50 दिन की नविभ , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्मृत्कियों में से किसी व्यक्ति सुभारा;
- (ख) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपर्तित में द्वितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयूक्त गढ्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होंगा जो उस अध्याय में विशा स्था है।

मन्स्यी

फ्लॉट नं० 186, जो, इमारत नं० 3, गांजावाला ग्रपार्ट-मेंट, बोरिवली गांजावाला को-ऑप० हाउभिंग सोसायटी लि०, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

म्रनुसूची जैपाकी अ० सं० मर्द-4/37-ईई/20860/85-86 मौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रिजस्टिई किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनौंक: 28-2-1986

प्रकार का<u>र्य</u>े, ट<u>ी. एके. एक</u>ा × ० ×

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत संस्काड

कार्यासय, सहायक शायक र नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 28 फरवरी 1986

निर्देण सं० प्रई-4/37-ईई/20972/85-86---प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

कारकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इनको परवार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स को वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० पलाँट नं० डी/401, जो, प्रेम श्रपार्टमेंटस, साईबाबा नगर, बोरियली (प), वम्बई-92 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख वे श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जुलाई 1985

का प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्त्रींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिक्षत से बिधक है और अंतरक (बंतरका) और बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की बावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे व्यने में मृतिधा के लिए; आर/या
- (श) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियां को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया जाना चाहिए था छिपाने में मुविधा के लिए

बतः अब उसत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उसत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अधीत (2---

श्रीमती मधुकौता एम० वैद्य ग्रीर श्रन्य।

(ग्रन्तरक)

2. श्री भुपेंद्र के० उपाध्याय ।

(ग्रन्तरिती)

को वह सुभना थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विश्व कार्यवाहियां शुरु करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्पथ्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, -वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्या हैं ॥

प्रमुसूची

फ्लैंट नं० डी/401, जो प्रेम श्रपार्टमेंटस, साईबाबा नगर, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क० सं० श्रई-4/37-ईई/20972/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनाँक: 28-2-1986

प्रकल्य व नार्वं व ठी । एन , एस व -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

मारत वरकार

कार्याक्य, सहायक जायकर नायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनाँक 28 फरवरी, 1986 निर्देश सं० धर्ई-4/37-ईई21084/85-86---धतः मुझे,

लक्ष्मण दास भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य

श्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० 4, जो, सिह्णूता रोखाडिया लेन, एस० वी० पी० रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से बर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 1985

1,00,000/- रा. से अधिक है

क्तं पूर्वोक्त संपत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी शाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में संविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय बायकार बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनयम, या धन-कर बिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, जिपान में सुविधा वी सिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

1. श्री ललित एच० भाटीया।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती विजयाबेन एच० मेहता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्चन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उनक बंपति के नर्बन के संबंध में कोई भी बाक्षेप है----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति दवाराः
- (क) इ.स. स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीस है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-सब्ध किसी अन्य व्यक्ति इंगरा अभोहस्ताक्षरी के पास सिशिक्ष में किए जा सकते।

स्पाक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्त्रची

फ्लैंट नं० 4, जो, सहिष्णूसा, रोखाडिया लेन, एस० बी० पी० रोड़, बोरिवली (प०), बस्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कर सं श्रई-4/37-ईई/21084/85- 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनाँक: 28-2-1986

प्ररूप जाई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुखना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर आयुक्त (निज्ञीक्षण) अर्जात रेज-4, यमवर्ष

बम्बई, दिसं है 28 फन्दरी | 1986

ियों । सं० अई-4/37- प्रेंड/20333/85-86---पतः, मुझे, लक्ष्मण । दत्स,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक ह"

श्रीर जिसकी सं वार नं 1, जो, तल माला, इमारा नं कसी 1, माणे कामार, पं ताबी लें जे, बंधियली (५०), जम्बई-92 है, तथा जो पमबई में विया है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का ने बिणा है) श्रीर जिस ता उरारतामा आयकर अधिनियम 1931 ही आर 339 ज, ख के अधीन बमबई स्थित सजन प्राधि हारी के जयिष्य में रिजल्ट्री है, शारी खान-7-85 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के जयिष्य में रिजल्ट्री है, शारी खान-7-85 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे इर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निल्खित उत्वरेष से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं कया गया है :——

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आयं या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयन्त्र-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, जिपाने में सृथिक्ट के सिए;

जतः अत्र, उक्तः अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वी, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीतः, निम्नलिखित रुक्ति क्रिक्ति क्रिक्ति 1. मैसर्स साईबाबा डवेल्पमेंटस्

(अन्तर ह)

2. मैसर्स बेठ टीठ जन्स्ट्रकान्ल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भांत क अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित-बक्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकीये।

स्पच्छीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूर्जी

बना ह नं ० 1, जो, भाज माला, इनापत थी-1, माणे ८ नगर, पंजाबी लेन, बोरिबली (प), बमारई-92 में स्थित हैं।

अनुसूत्री जैसःकि ऋ० सं० अई- 1/37 ईई/2008 /85-86 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलाँ र 1-7-1985 को रिजस्टई किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षण प्राधिनारी सह्यक आयक्षण आयुक्त (किरीक्षण) प्रजीन रेज-4, बस्ब**र्द**

तारीख: 28-2-1986

एकप कार्ष, टी. एवं . एतं

श्रीमती विद्यालक्ष्मी पी० िणी

(अन्धर्क)

2. श्री महेंद्र एम० महा ग्रीर अन्य

(अन्:रिती)

भाषकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43**) की** थारा 269-थ (1) के बधीन ध्यना

मार्च स्रकार

कार्याभय, सहायक जायकर वायुक्त (निर्मालक)

हर्जांग रेज-4. बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० ४ई-4/37-ईई/20928/85-86---यत: मुझे; लक्ष्मण दास,

भागकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की भारा 259-म के अधीन मक्षप प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हाँ कि रशासर परवरिए, विश्वका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीप जिसकी पं० पर्नेष्ट गं० 33, जो, दूसरी मंजिल, ए-इमारल, चदावरकर कास रोह, बोरियली (४), वम्बई-92 है, तथाजो बम्बई में स्थित है (संश्रहसो उत्तबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण क्य ने वर्णित है) प्रीरिजिया करारतामा आया हर अधिनियम 1961 की धारा 269 है, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राविधारी के एवर्गलय, में रिकिस्ट्री है,तारीख 1 जुलाई, 1985

को प्रवित्त संपत्ति के उचित वाजार मृत्य वे कम के अवजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की भ**र्द है और मुझे यह विश्वास** धरने क्य करण है कि स्थापुर्योक्त सम्पत्ति का समित बाबार मृत्य असको स्वयनान प्रतिकल से, एसे स्वयनान प्रतिकल का क्लाह शतियत ये अधिक ही और **जंतरक (बन्दारकार) और** अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच एंसे अन्तरण के बिए सब पाचा गया प्रतिकल निम्निलिखित **उत्वेषय से उक्त संतरण** जिक्ति में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (५) अन्तरण से हुई किसी जाए की बाब्त, उक्त अधिनियभ को सभीन कर दोने के अन्तरक 🐐 वायित्व पें कयी करने या उससे वचने में तिवधा च ित्रण: बरिंग
- (थ) एकी फिल्के बाद वा किसी पर वा बन्द बास्तिकी की, जिन्ही भारतीय **वावकर विधिनयत्र, 1922** (19?2 का 11) या उच्त अधिनियम, या अनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) **को** प्रयोजनार्थ जन्मिरिली द्रवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया क्रमा जाहिए या कियाये ये सविका के जिल:

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क्षे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्त करता हूँ।

क्या बन्दरित के सर्वत के सम्बन्ध के कार्य के कार्य में नाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 विज की जनिय या तत्संबंधी व्यक्तियाँ बुचनाकी सामीज से 30 दिन की जबिंग, वो भी **अक्रीभ बाद** में इस्त्राप्त इसेती हो, को भीतार पू**र्वों क्स** म्यक्तियाँ यें हे किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इक कुल्या के टायपन में प्रकाशन की सारीय है 45 विव के मीतर उपत स्थावर सम्य त में हित-व्यक्ष किसी जन्य व्यक्ति युवारा, व्यक्ष स्ताक्षरी 📑 पास निवित में किए वा सकेंगे।

विकास ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदं श, को सकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं स्थें होगर को उस सध्यार में विया गया है ।

अम्स्ची

पर्नेट नं० 33 , जो, दूसरी संजिल, ए-इमाएत, चंदावर कर कास रोड़, बोरिवली (४), बम्बई-92 में स्थित है।

अन्सूची जैसा हि क० मं० आई-4/37- ईई/85-86 स्रीर जो सभन प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनां रु 1-7-1985 को रिजस्टई कियागया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारी**ख: 28-2-198**6

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्धालय, सहायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/21313/85-86—यत: मुझे, लक्ष्मण दास,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० सी-602, जो, छठी मंजिल, चित्रकोट इमारत, सी-विंग, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, कुलूपवाड़ी रोड, विलहेण कान्हेरी, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400092 है, तथा जो बम्बई में स्थित ई (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में क्रीर पूर्ण रूप से वर्णि। है) क्रीर जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि हारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है तारीख 1-7-1985 कां पूर्विक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को इध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल दरयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आर्सितंगों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अधीन, श्री सक्ति हाउसिंग एण्ड डेवल्पमेंट प्रा० लि०

(अन्तरकः)

2. श्री मूलचन्द केंडिया

(अन्तरिती)

ने दे यह सूचना बारी करके पूर्वों कर सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भगुसूची

फ्लैंट नं० सी-602, जो, छठी मंजिल, चित्रकोट इमारत, सी-विंग, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, कुलूपवाड़ी रोड, विहलेज कान्ह्रेरी, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसुनी जैसा कि कर सं० अई-4/37- ईई/21313/85-86 फ्रांप जो सक्षम प्राधिकारी , बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

लक्ष्मण धास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 28-2-1986

प्रकप नाइ, डी., एन., एड.

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत बदुकार

कार्यालय . सहायक शायकर वायुक्त (निरीकन)

अर्जन रेंज-1, वस्बई

बम्बई, दिलांक 28 फरवरी 1986

िर्देश मा० आई-4/37-ईई/21311/85:86—यत: मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारल हैं कि स्थावर कम्पत्ति, जिसका अचित वाचार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० बीट 104, जो, 1ठ जिल, चित्रकूट इमाटा, बी-बिंग, कुलूपवाडा गोड, विहलेज जान्हेरी, बेस्टनें एक्सप्रेस हायव वोश्विली (पूर्व), बस्बई-92 है, तथा जो बस्बई में स्थित है (ग्रीर इसने उपावद्ध अनुपूची में ग्रीर पूर्ण क्य में विणित है), ग्रीर जिसका करारामा अधार अधिनयम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन वस्बई स्थित सजस प्राधिकारी के जार्यालय में शिन्स्टी है, तारीख 1 ज्लाई, 1985

को पूर्वोक्त संस्थित के उचित बाजार मृत्य से कम के वच्यनाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई ही और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण ही

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सूच्य, उसके बचय-मान प्रतिफल से, ऐसे खब्दमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत से जाभक हो और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्च-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित भी बास्तिबक रूप हे कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण सं शुद्ध किसी जाय की बाबत, उक्छ अधिनियस के जधीन कार दोने के अन्तरक के शियत्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श्री किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या सिया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के निए:

च्काः अब, उक्त अभिनियम कौ भाग 269-ग कौ अनुसरण ग, मं तक्त अभिनियम की भारा 209-च की उपधारा (1) के अभीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :—~ 57---26 GI/86

- श्री अवती हाऊनिक एण्ड डेव्ह्लोपमेंट प्रा० लि०। (अन्।परा)
- ः श्रीमती श्री० डिगोज, श्री० श्री फान्गीस डिमोजा (अन्।रिती)

को बहु बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुएं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वालेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीक वें 45 विन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यविवयों कर, स्वना की वामील से 30 विन की जबिथ, जो में? जबिश बाद में समाप्त होती हो, के मीतर प्रविवश व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुशरा;
- (च) इस सुचना के राजपत्र भा प्रकाशन की तारांधा चं 45 दिन के शीसर उच्छ स्थावर सम्पत्ति में दिठवर्ष किसी नन्य व्यक्ति श्वारा अभोहण्याखरी के पांच

स्वच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त सम्बंधी और पर्धी का, जो सक्य किंधिनयभ के उभ्याय 20-क में परिशाधिक हैं वहीं अर्थ होगा, को उस अभ्याय में दिखा वया है।

सम्बद्ध

फ्लैट त० बी-104, जो, पहली मंजिल, चित्रक्ट इमारत, बी-पिंग, कुल्पकादी रोप, जिहले पानहेरी, वेस्टर्न एवं स्पेस हायवे, वोरिबली (पूर्व), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुमुनी जैसा विकल्पां आई-4/37-ई ई/21311/85-86 स्रीय जो सदाम प्राधि पारी, वस्वई ब्राया क्रिकेट १-७-1985 को रिक्टर्ड किया गया है ।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधि ारी महायण जायका धाय्यत (धिरीक्षण) धर्म ें ेंज-4, वस्वई

नारीख : 23-2-1986

मंहर:

शक्त बार्च द्वा . एव

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत बडका

काथलिय, सहायक बायकर शाबुक्त (निर्यक्तिक)

अर्जन रंज-4, बम्बर्द बम्बर्ड, दिनांक 28 फरवरी 1986 निर्देश सं० अई-4/37-ईई/20742/85-86-अतः मुझे, लक्ष्मण दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्तास कर्त का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 29, जो 3री, मंजिल, सी०— विन, अमीत अरार्टमेंट, 5वीं कस्तूरवा रोड, आफ कस्तूरवा मेन रोड, बोखिली (पूर्व), वस्वई—66 में स्थित है (श्रीर इस र उरावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण कर से विणित है), श्रीर जिस का करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269, क, ख के अधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधि— कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। दिनां 1—7—1985 को पूर्णकत सम्पत्ति के अधित बाजार मृस्य से कम के अस्यमान शिक्त के कार्यालय में रजिस्ट्री है। विनां 1 कम के अस्यमान शिक्त के कार्यालय में रजिस्ट्री है। विनां 1 कम के अस्यमान शिक्त के कार्यालय में रजिस्ट्री है। विनां कम के अस्यमान शिक्त के कार्यालय है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के क्यम प्रतिकत से अभिक है और बंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम बाबा गया प्रतिक कम निम्निलिखित उद्देष्य में उद्देश बन्तरण निचित में शास्तिवक कम से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) नंतरण सं धुर्द किसी बाब की बाबता, उक्त गीधिनयम के सधीन कर दोने के अम्बरक के दावित्व यो कामी कारने या प्रश्नवे बचने में स्विधा के विद्यु; वरि/वा
- ान) एमी किसी बान वा किसी धन वा सन्त वास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकार निधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त निधिनियम, वा धन-कार शिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्वोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया या या किना भाग वाहिए था, भियाने में हविधा स्वै जिस:

अत: सब, उक्त विभिनियम की धारा 269-न को बनुसरण को, मी, उक्त विभिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के बधीन, निस्तिविक्त स्मिक्त्यों, अवृद्धि १९ क (1) अरीहंत बिल्ड्सं।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती आए० एच० उत्तमथा

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेए:--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ब्यथा की दामील के 30 दिन की व्यक्ति, को की अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवारत;
- (क) इस स्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- किसी क्ष्य क्यक्ति इवारा नभीहत्ताकारी के वास किसित में किए का ककेंगे।

स्वकाकरण:—इतमें प्रयुक्त कन्यों और पर्यों का, वा उपत वाधिनियम, के व्याव 20-क में वीरभावित है वहीं धर्म होगा नो उस मध्याय व विया गया है।

वन्त्र्यी

फ्लैट नं० 29, जो, 3री, मजिल' मी०-धिंग अमीता अपार्टमेंट, 5वी कस्तूरबा रोड, आफ़ कस्तूरबा मेश रोड, बोखिली (पूर्व) बम्बई-66 में स्थित है।

अनुमूची जैसाकी कर मं० अई--4/37-ईई20742/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिसांक 1-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जंन रेंज्या सम्बर्ष

दिनां ह: 28-2-1986

मोहर 🛊

प्रकार वाही हार्टी । एक् एक 🗟 -----

(1) मेसर्स रागन इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

(2) आर० आर० देशपांडे।

(अन्तरिती)

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन श्वना

भारत तरकार

कार्यासय, बहायक मानकर बाव्क्ट (विर्वेशक)

अर्जेन रेज-४, जम्बर्द बम्बर्द, दिनांक 28 फल्बरी 1986 निर्दोण सं० अर्द-४/३७-**ईर्द**/2109**5**/85-86--अतः मुझे, लक्ष्मण दाम

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाष्ट्र मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी संज फ्लैट तज 404, जो, 4थी, मंजिल, इ-विंग, रोजल अपार्टमेंट 4था कार्टररोड, बोखिली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है). स्रोर जिसका करारनामा आयकर अधिन्यम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि गरी के कार्यालय में रजीरदी है दिनों र 1-7-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य सं कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ यह विश्वाक्ष करने का कारण है कि स्थापूर्विकत संपितित का उाचत नाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का चन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तम बाबा भवा प्रतिकान, निम्निसिश्त उद्देश से उच्त बन्तरक जिल्हा में वास्त्रिक रूप से कियत नहीं किया नया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी नाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कनी कड़नें या उक्त वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी बाव या किसी थन वा बन्य वास्तियों को, चिन्हें भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या वन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था स्थितने में सुनिधा के सिए;

सता संस , अपूर्व अधिनियम की भारा 269-म से सन्तरम में, मी, उपल अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अभीत् ्र—— को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सुक्ष करता हूं।

उक्त संपत्ति में वर्षन से संबंध में कोई भी बासेय :---

- (क) इस ब्यना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविश्व मा तत्संगंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविश्व, जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधन की तारीच क्षं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति च्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए वा सकीं।

स्वव्यक्तिरणः - इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में विका गमा ही।

मन्सूची

पलैंट न० 404, जो, 4थी, मंजिल, इ-विग रोशन अगर्टमेंट, 4था कार्टररोड, बोखिली (पूर्व) बम्बई-66 मे स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-4/37-ईई/21095/ 85-86 थाँर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1--7-1985 को रजिस्टिई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-4, बस्ब**ई**

दिनांक: 128-2-1986

मेहिर:

प्रकल नाइ . टी . एन . इस . -----

बायकर विश्वितयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन दुचना

ब्राय्य करकार

कार्यासय, सहायक बायकार बायका (निर्णक्रण)

अर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

बम्बई, दिशांक 28 फरवरी 1986

मिर्वेश सं > अई--4/37-ईई/21127/85--86---अत.

मुझे, लक्ष्मण टासं आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हुँ), की भारा 269-च के अभीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अभिक हुँ

और जिसकी संव पलैट नंव 9, जो, ए-विंग, 2री, मंजिल दि बोखिली राजदीय कोव - आपव हाजसिंग सोसायटी लिव कार्टर रोड, नव 1, बोरिबली (पूर्व) बम्बई-- 56 में स्थित हैं (और इसके उताबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप के बॉणिन हैं), और जिल्ला क्रांक्स के अधीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधि जारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं। दिशांक 1-7-1985

का पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूक्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे मह विकास करने का कारण है कि यजाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उतके क्यमान प्रतिफल से एंचे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हे और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलियित उद्देश्य से उक्त अन्तरण क्यत में नास्तिक कम ने किया महाँ किया करा है —

- (क) जन्तरण वं शूर्व जिली बाव की वावरा, उक्क मालिश्विक के अभीन कर दोने खें बम्बरण के वाजित्य में कवी करने या चत्रचे बज़ने में बृष्टिया के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा अन्य बास्तिकों क्ये, जिन्हें भारतीय बाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ बन्तरिती ह्यारा प्रकट नहीं किया नग्ना था वा किया जाना पाहिए था, कियाने के सुविधा के खिह;

भराः वय, उनर निधिनियम की धारा 269-ए को बनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के गुधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्री बीठ एच० बदलानी श्रीर अन्य। (अन्तरकः)
- (2) श्री पी० एन० मेहता ग्राँप एस० पी० मेहता। (अन्तरिती)

को कह त्थना चारी करके प्योंक्त सम्मत्ति के नर्पन के सिए कार्यनाहियां सुरू करता हूं।

उपत सम्मति के जर्बन के संबंध में कोई भी वालीय :----

- (क) इस स्थान के राजपण में अकाशन की तारीय वें 45 दिन की अविधि था तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (च) इस तुमना के रामपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकेंगे।

न्यक्षीकरणः ----इसमे प्रगुक्त चन्यों जीर पर्यों का, यो उक्त विध-नियम के निधाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

पलैट नं० 9, जो, ए—विंग 2री, मजिल, दि बोरिषली राजदीप को०--आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, कार्टर रोड, नं० 1, बोरियली (पूर्व) बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर संर अई-4/37-ईई/21127/ 85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वाण दिलांस 1-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षण आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज⊶4, बम्बई

दिमांक: 28-2-1986

प्रकृष : जाद : दर्ग : ध्या : : : : : : : : : :

बायकर निर्मितयन, 1961 (18७१ का 43) की बाड़ा 269-म (1) के बमीन सुचना

माइट इंड्रप्स

आर्यालयः, महासक आयकर नायुक्त (निरीक्तन)

अर्जभ रेंच-4, बम्बई

बन्धई, दिनांग 28 फरवरी 1986

निर्दोश मं० अई - 1/37--ईई/20950/85--86---अनः मुसे, लक्ष्मण दास

श्रायकार कै धनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा →69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य (100,000/-रु. में विधिक हैं

ग्रांग जिसकी सं० पलैंट नं० 301, ग्रांर 302, जो उरी, मंजिल मास्ती हनुमान कास लेन दल पाडा, बोरिवली (पूर्व), बम्बई--66 में स्थित हैं (ग्रींग इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांत पूर्व का में विणा है), ग्रांग जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं। दिनांक 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य ते कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सूबिधा के लिए; और/या
- (क) अन्तरक सं हुन्दी किसी आग की बाबत, जक्त को, जिन्ही भारतीय र यकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, या धन-क्षण अधिनियम, या धन-क्षण अधिनियम, र ५५५७ (1957 को 27) क र अधिनियम अधिन स्वारती स्वारत पक्ट नहीं विकास अधि या किया जानी चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: बब, जनत अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण भा, म³, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) क अधीन, निस्निविश्वित व्यक्तियाँ, वर्षांद्व क्र--- (1) देसर्स अवंती न्स्ट्रक्शन्स ।

(अन्तर्क)

(2) पी० रिवन्द्र नाथ।

(शन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके प्रशिक्त संपत्ति के अर्जन के क्रिएं कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्अव्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त जिमिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 301, श्रीर 302, जो उरी, मंजिल, मारूती हनुमान कास लेन दन पड़ा, बोरिबली (पूर्व) बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कर मंठ अई-4/37-ईई/20950/ 85-86 ग्रींर जो सक्षम प्राधिहारी बम्बई हारा दिनांक 1--7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दःसं सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4; बम्बई

दिनां ह : 28-2-1986

प्ररूप नार्षः ही. एनः एसः -----

नायकर ऑभनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वृथीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यासयः, सहायक कामकर नाम्बतः (निरक्षिण)

अर्जन रेजिन्य, बम्बई एई विश्वास २० फ्राइट्सरी

बम्बई, दिनां रु 28 फरवरी 1986 निदेश सं० अई-4/37-ईई/20946/85-86—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-कु के वभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्राँर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 302, जो 3री, मंजिल, ए-विंग, श्री नाथ नगर बोरिवली (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं (ग्रींर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्राँथ पूर्ण रुप से विजित्त हैं) ग्रींर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की 1961, की बारा 269 के, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं। दिनांक 1-7-1985

को पूर्णोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल का नम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- र्हेंक) बंधरण से हुई किसी बाय की बावत, उपस् बविनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के शायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविका के लिए; मीर∕या
- (क्) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियां को जिन्हों भारतीय जायकार बार्धानगम । १००० दें 922 का 11) या जक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंदरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा वे लिए;

बतः। बन, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग मी अन्तरण वॉ. बॉ., तक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) वं वभीत, निम्नसिधिट व्यक्तियमों⊯, समीद प्रच्य (1) मेसर्स निखिल बिल्डर्स।

(अन्तरक)

(2) श्री दर्णनलाल के० गुलाटी।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्क तुम्परितः के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाश्रंप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 विश की सविध या तत्संत्री व्यक्तियों नदुः
 चूचना की तामील से 30 विश की सविष्, जो भी
 वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच न 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा ववा है।

बनसर्वी

फ्लॅट नं० 302, जो, उरी, मंजिल, ए-विंग श्री नाथ नगर बोरियली (पूर्व), बस्बई में स्थित है।

अनुभुची जैसाकी करु संर अई-4/37-ईई/20946/ 85-86 ग्रींप जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को एजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिनारी हिंग्यक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनां कः 28-2-1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986 निदेश सं० अई-4/37-ईई/20945/85-86--अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है भ्रीर जिसकी सं० पर्लेट नं० 402 जो ए⊸विंग, श्री नाथ नगर बोखिली बम्बई में स्थित है (ग्रीर इसी उपाबब अनसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रांर जिसका करारपामा आयक्तर अधिनियम 1961की धारा 269, क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिशांक 1-7-1985 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे इष्ट्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिणत में अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उबदेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

(1) धेसमं भिष्वल थिल्डर्स।

(अन्तर्फ)

(2) अभूत कुमार झड़ा।

(अन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविध यासत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्नैट नं० 402, जो ए-विंग श्री नाथ नगर बो**रिव**ली बम्ब**ई में** स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई--4/37-ईई/20945/85-86 श्रीए जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 की एजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण धार सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्पई

दिनांक: 28-2-1986

प्ररूप नाहं. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई
बम्बई, दिनांक 28 फण्यरी 1986
निदेश मं० अई-4/37-ईई/21051/85-86-35:
मझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 क अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव पलैट तंव 205, जो 2री, मंजिल, बी-विंग श्री नाथ नगर णिव वल्लभ रोड, बोखिली बम्बई में स्थित है, (श्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विंगिर है), श्रीप जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 209 के, खें अश्रीप बम्बई विंथा सक्षम प्राधियरी के वार्यालय में रजीस्ट्री है

दिनांक 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) इ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेर्या निज्ञिल विल्डमं।

(প্ৰকল্প না

(2) श्री एम॰ एस॰ अग्रवाल ग्रौर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाध्य होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिक्सित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

पत्रैड तं० 295, जो 2री, मंजित, बी-विंग श्री नाथ नगर जिब बल्लम रोड, बोरियती बम्बई में स्थित है। अनुमुची जैसाकी क० मं० अई-1/37-ईई/21051/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बन्बई द्वारा दिनाइ 1-7-1985 को रजिस्टई ित्या गया है।

> लक्ष्मण दाय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बर्ध

दिनांक: 28-2-1980

प्ररूप कार्च .टी..एन.. एस .-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई धम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986 निदेण सं० अई-4/37-ईई/20729/85-86---अतः मझे, लक्ष्मण दास,

अग्रयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उक्ति बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी मं० फ्लैट नं० ए-10, जो बोरिवली गोदावरी को० आप० हार्जीसग सोसायटी लि०, कस्तुरबा रोड, न० 1, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है। (श्रीर इसके उपाधन्न अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिपका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धौरा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिसांक 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मृख्य से कन के इस्यसन प्रिसफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संकीत का उचित काजार मृस्य, उसके दस्यमान प्रतिकल से, एसे दस्यमान प्रतिकल से, एसे दस्यमान प्रतिकल से अधिक हो कीर अंतरित से अधिक हो कीर अंतरित से अधिक हो कीर अंतरित (अंतरित में) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निकालिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से किथत महीं किया गया है ;—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ब्रिथिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्थ में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए:

अत: अब, अक्त जीधनियम की धारा 269-ण को, अन्सरण गैं, मैं उदन अधिनियम की धारा 269-ण की गणधारा (1) णे कशीन निमन्तिनिवत अधिकारों, अधीत '—— 58—26GI/86 (1) बी० सी० ठक्कर।

(अन्तरक)

(2) एल० के० गाला।

(अम्तरिती)

को यह तूचना जारी करके पूर्वोक्स संपृत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्तं वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर संवित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए पा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उच्ल अधिनिवम, के अध्याव 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होग(जो उस अध्याय में दिवा गया है।

प्रमुस्ची

फ्लैट नं ए-10, जो बोरिवली गोवावरी को० आप० हाउसिंग मोसायटी लि०, बोरिवली (पूर्व), कस्तुरबा रोड, नं० 1, बम्बई 66 में स्थित है।

अनुसुची जैसाकी कि० सं० अई-4/37-ईई/20729/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिर्माक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंन रेंज-4, **बम्बई**

विनांक: 28-2-1986

एकन बाहै .ट√ .एन .एस

श्रावकर मीपीनएम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मंपीन सुचना

बारत सुरक्षा

भार्यालय , महायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 28 फरवरी 1996

निर्देश सं० घई-4/37-ईई/20847/8म-86--धतः मुझे, जक्ष्मण वास,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है"), की भारा 569-क को अधीन सक्षम प्राभिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं हुकान नं 4, जो, तल माला, बी-विग, सब प्लाट नं 14 श्रीर 19, देसाई एण्ड शेठ नगर, साई-वाबा धाम के पीछे, श्राफ एस० वी० रोड़, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यापय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

नी प्रांक्त कम्परित के उचित बाधार मृन्य से कम के क्याशाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पर्तित का उचित बाधार मृत्य, उसके द्रम्यान प्रतिकान से, एसे क्यामान प्रतिकान का नदह प्रतिकार में बिधक है बार अंतरक (अंतरकार) बार अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्थ के निए तम पाम गमा प्रतिक्त का निम्मनिचित स्ववस्थ से उक्त जंतरक मिल्य से बास्तियक कम निम्मनिचित स्ववस्थ से उक्त जंतरक मिल्य से बास्तियक कम में किया प्रति का स्वास्ति की स्वासिक की स्वास्ति की स्वासिक की स्वास्ति की स्वास्ति की स्वास्ति की स्वासिक की स्वासि

- (क) अन्तरण में हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक ले दाधित्व में कमी करने या उमले स्थाने में भृतिका के डिए; नार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विकास के लिए?

क्षतः अव, उक्त किंपिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (1) में अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— 1. मेसर्स श्रारीहंत इंटरप्रायजेस।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विमला वी० कोठारी श्रीर श्रन्य।

(ग्रन्तरित रे)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सूची

दुकान नं० 4, जो, तज माला, बी-विंग, सब प्लाट -नं० 14 भौर 19, देसाई एण्ड भेठ नगर, साईबाबा धाम के पीछे, स्नाफ एस० बी० रोड़, बोरिवली (प०), वम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं प्राई-4/37–ईई/2084785-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राधकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज⊶4, बम्बई

दिनाँक: 28 2-1986

म्ह्य बार्ड ः द्येश प्रमान स्टब्स्यान्यान्य

भागकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में बचीन बच्चा

शास्त्र बरकाव

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज~4, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई- 4/37-ईई/21295/85-86--ग्रतः मुझे लक्ष्मण धास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौरिजिसकीन . बुकान नं० 9, जो, तल माला, प्रजंठा साईड माणेक नगर, बोरियली (प०), वस्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद ग्रनुस्ची में ग्रौर पूण रूप से थिंणत है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को प्रविष्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का वृद्ध प्रतिकत से अधिक है जोड़ बंतरक (अंतरका) जोड़ बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पादा गया प्रतिकल जिल्ला निम्निलित उद्देश्य से उक्त मंतरण मिचित में वास्तिक कम् से किया गया है क्ष्म से किया नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) जन्तरण ते हुइ किसी नाम की बावस स्वयन विश्व नियम के बधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उसते वजने में सुविधा के लिए मार/या
- (ब) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य अस्तियों की, चिन्हें भारतीय जायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जॉक्शिनयम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, स्थिपने में स्विधा से बिस्;

शतः अतः, उत्तत विभिनियतं की भारा 269-न के अनुसरण में, में, उत्तत विभिनियमं की भारा 269--च की उपधारा (1), क् नभीतः, निम्नजितित व्यक्तिकार्तें, अर्थात् क्र--- 1. मेसर्स माणेक एण्ड श्रासोसिएटइस।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स क्वालिटी एग्ज सेंटर।

(भन्तरिती)

कां वह कृषना बारी कड़के पृक्षीनसः कुम्मरित के वर्षन से विधु कार्यवाहियां कुरु करता हूं।

उबद बुज़ारह के वर्षन के बुम्बुरूव में कोई भी आक्षेप उच्च

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 हैदन की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी व्यक्ति वाद वें समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विक्ती व्यक्तिय हुवारा;
- (ब) इस सूचना के राज्यम के प्रकासन की तारींस के 45 दिन के भीतर उपत स्थानर तपत्ति में हित-क्वभ किती जन्म स्थानत वृत्रारा अभोइस्ताक्षरी के पास मिनियत में किए का सकति।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, कही वर्ष होगा को उस अध्याय में विवा क्या हैं।

बन्स्ची

दुकान नं० 9, जो, तल माला, अजंटा साईड, माणेक नगर, बोरिवली (प०), अम्बई में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37-ईई/21295/ 85-86 थ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-4: सम्बद्ध

विनौक: 28-2-1986

प्ररूप **भार्ड**ु टी. एन. एस<u>.</u>-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-4, बम्बई बम्बई, विनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं ॰ ग्रई-4/37-ईई/20830/85-86--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रह. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं वृकान नं 6, जो, तल माला, मघुसूधन टेरेस, कस्तूर पार्क, टी० पी० एस० 3, श्रोरियली (प०), यम्बई—92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा सायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन सम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान श्रीतफल के लिए कन्तरित की यह है और मूझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूक्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूरयमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अिएक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अंतरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की आसत, उक्त अधिनयम के अधीन कर वोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के ट्रिल्ए; बौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः जन, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण क, क, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ज की उपधारा (1) ¶ अधीन ि निम्मिसिद्धित व्यक्तियों भ वर्षात् क— श्री दिलीप महाबीर जैन।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती उजामबेन बी० टांक।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🖫

- (क) इस ग्रचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्तिल ब्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुवंत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 6, जो, तल मात्रा, मधुसूदन टेरेस, बम्बई-कस्नुर पार्क, टी० पी० एस० 3, बोरियली (प०), बम्बई 92 में स्थित है।

श्रनुस्ची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37-ईई/20830/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिकस्टिंड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रैंज-4, बस्बई

दिनौंक: 28-2-1986

प्रकल बाह्युं डॉ., १२. २म. ------

बायकार विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वधीन क्षूचना

भारत वरकाड

कार्यांकव, सहायक शायकार माध्यत (निराक्तिक)

श्रजीन रेंज--4, बम्बई अम्बई, विनौंक 6 मार्च 1986

निर्वेश सं ० श्रई- 4/37-ईई/21017/85-86--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विचे इसमें ध्राके प्रस्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संबद्धकान नं 23, जो, गोयल्य शाँपिंग श्रार्केट, प्लाट सीव टीव एसव नं 2780, एसव बीव रोड़, बोरि- वली (पव), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प से विणत है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क.

ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1--7-1985

को पूर्वांकत संपरित को उचित बाजार मूक्य से कम के क्यामान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्व, उसके क्यामान प्रतिफल से एंडे क्यामान प्रतिफल का वन्द्रह भतिकत से विश्व है जीर बहु कि बंदरक (बंदरकों) और बंदरिती रिती (बन्दरितियों) के बीच एंडे बन्तरण के निए तम बाया नया प्रतिकल, निम्मिलिकत उद्देश्य है उन्त वन्तरण निम्मिलिकत स्थ से कीकत नहीं किया बया है हुन्ने

- (क) अन्तरक तं हुई किश्री जाय की बाबत, जक्त निधिनियम को सभीन कर दोने की अन्तरक को वायित्व में कमी करने मा उद्यस्ते वपने में सुविधा थी निष्; बाँद्र/वा
- (भ) या सी किसी आय का जिल्ली वन वा जन्य जारिसवाँ का, जिल्हें भारतीय आय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हर्स अधिनियम, या धनकर जिथिनियम, या धनकर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ 'अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना आहिए था कियाने में सुविधा के सिए;

लता क्या, शक्त व्यक्तिमध्य की भारा 269-न के अनुसरक वी, बी, उक्त विभिनियम की भारा 269-न की सपधारा (1) के सभीता, निम्निसियस व्यक्तियों, अंक्षि रू--- 1. श्रो डी० श्रार० हेमानी श्रीर श्रन्य।

(श्रन्तरक)

2. श्री वी० एल० शहा श्रीर ग्रन्य।

(म्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काकोप हु----

- (क) इस स्थान के राज्यम में प्रकाशन की वारील से 45 दिन की जबीभ या तत्सम्बन्धी स्थित्यों पर स्थान की वामील से 30 दिन की जबीभ, को भी अविध शह में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति ब्राय;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की दारिक है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध स्थावित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वां अक्तर श्रीधनियम के अध्याय 20-क में परिश्लीवत है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका मका है।

असूची

दुकान नं० 23, जो, गोयत्म गाँपिंग धार्केंड, प्लाट नं० सी० टी० एस० 2780, एस० नी० रोड़, बोरिवर्ली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रतुस्ची जैसा कि करु संरु श्रई- 4/37- हैई/21 $\approx 17/85$ -- 86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-- 7-- 198म को रिनस्टर्ड किया गया है।

ाक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायृक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनाँक: 6-3-1986

प्ररूप बार्ड . टी. एन्. एस्. -----

नायकर निधितिस्म, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-थ (1) के नधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकरु नायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

बम्बद्द, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रई०-4/37 ईई0/21167/85-86—ग्रतः, मझे. लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (धिस इसमें इसके पश्मात उक्त अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, खिसका अधित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० दुआन नं० 12 है तथा जो बोरीवली लवकुश प्रिमिसेस को-प्रापरेटिन सोसाइटी लि०, दत्तपाड़ा रोड. बोरीवली (पूर्न), बम्बई-66 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं), भीर जिसका करारनामा ग्रायक्षर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं सारीख 1-7-1985

करे पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उभके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्तृह प्रशिष्ठत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंसरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण जिस्ति में शास्त्रीयक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुर्म्म किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिये था, कियाने में सुविधा में बिका?

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, वर्षात् त— (1) श्री पी० चन्द्रशेखरन।

(₽न्तरक)

(2) श्री वेलजी नरशी श्रौर श्री ए० नरशी। (श्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त, संस्पत्ति के वर्जन के विष्ण कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह—

- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की वारीय थे 45 दिन की व्यप्ति यह एटसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राज्यंक में प्रकासन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उपच अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

वन्स्ची

बुकान नं० 12 है तथा जो बोरिवली लवकुण प्रिमायसेस को०-ग्रापरेटिव सोसाइटी लि०, दत्तपाड़ा रोड, बोरीवली (पूर्व), सम्बद्द-66 में स्थित है।

ग्रनुसूर्चः जैसा कि क्रम सं० श्रई०-4/37 ईई०/21167/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बग्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण). ग्रर्जन रेंज-4, बस्बई

तारीख: 28-2-1986

प्ररूप आहु .टी .एन .एस . -----

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण)

> ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रर्ছ०-4/37 ईई/20758/85-86--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० युकान नं० 9 है तथा जो तल माला, सुर्य दर्शन, बोरीवली (पूर्व), बग्बई-66 में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध रुनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणित है), धौर जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की घारा, 269 क, ख के श्रधीन बग्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के हर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके हर्यमान प्रतिफल से एसे हर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारत्तीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जत: अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्ट अधिनियम की भारा 269-म की उपभारार (1) के अभीन, निम्नीलिकित स्यक्तियों, कथित :—- (1) श्री के० एस० अग्वान भ्रौर भ्रन्य।

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स चौरसिया कारपोरेणन ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्स्त सम्पत्ति के अर्जाम के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्यष्टीकरण:---इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

नमृस्ची

दुकान नं० 9, जो नल माला, सुर्य दर्शन, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित हैं।

प्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई-4/37 ईई/20758/ 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षय प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ष

सारीख: 28-2-198**6**

सहिर 🎨

प्ररूप आह. टी. एन. एस.----

"प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निदेश सं० ग्रर्ছ०-4/37 ईई/21310/85-86—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- कि. से अभिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी-102 है तथा जो पहली मंजिज, चित्रकोट इमारत, बी विंग, कुल्पाड़ी रोड, विलेज कान्हेरी, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाई वे, बोरीधली (पूर्व), बग्वई-400092 में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खबमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या प्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) े अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री मक्ति हार्जीसग एण्ड डेवलपमेंट प्रा० लि०। '(ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती के० श्रोम प्रकाश श्रग्नवाल श्रीर श्रन्य। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि यातत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मनुस्ची

प्लैट नं० बी~102 है तथा जो पहली मंजिल, चित्रकोट इमारत बी विंग, कुलूपवाड़ी रोड, विलेज का हेरी, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाई वे, बोरीवली (पूर्व), बम्बई-92 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई०-4/37 ईई/21310/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक $\sim 1-7-85$ को रजिस्टड किया गया है ।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी ... सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

नारीखा : 28-2-1986

श्रारूप नाह^रंटी एन एएस _{ए स्टब्स्ट प्राप्तान}

जायकर जिथितियत, 1961 (1961 का 43 की भारा 269 घ (1) के अभीत त्वका

शारत तरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जेन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

निवेश सं० श्र**६**०-4/37 **६६**/21312/85-86--- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

श्राक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं पले नं सी-102 है तथा जो चौथी मंजिल, चित्रकोट इमारत, सी-विंग, कुल्पवाड़ी रोड, विलेज कान्हेरी, वोरी क्ली (पूर्व), बम्बई-92 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा आयकर श्रीविनयम, 1961 की धारा 269 क, छ के श्रीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में गजिस्ट्री है तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने कम कोरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार दृश्व, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से एसे दृश्यमान प्रतिकाल का गन्द्रह प्रतिशास में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब शया गया प्रतिकाल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त जन्तरण मिचित में वास्तविक कप से कथित नहीं कवा वया है है

- (क) बन्तरण हे हुई किसी बाब की वाबर, उपस् अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के यायिक्य में कभी करने या उत्तस वचने में सुविधा के सिद्ध; और/वा
- (ंक) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य नास्तियों को जिन्हों भारतीय नायक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, को भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचमार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना भाहिए था, स्थिपने में सुविधा से स्थिह:

जतः शब, उक्त अभिनियम की धारा 269-म के अनुतरण में,, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-म की उपभाग (१) श्रें अभीन, निम्निलिवित व्यक्तियों, अर्थात् ८—— 59—26 GI/86

- (1) मै॰ शक्ति हाउसिंग एण्ड डेंबलपमेंट प्रा० लि०। (भ्रस्तरक)
- (2) मैं । इण्डियन केमिकस्स । (ग्रन्सरिती)

को वह बुचना बारी करके पूर्वोक्त तस्पति के वर्षन के तिह्य कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनकः बज्जितः को वर्षन को संबंध में कोई भी वास्रोप ह—

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन की वर्षीं या तत्तम्बन्धी व्यक्तियाँ पर त्वना की तानीस से 30 दिन की वर्षीं, जो भी वर्षीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किशी व्यक्तिय ब्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सैं 45 विन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्यूथ किसी अन्य व्यक्ति युवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विवित्त में किए जा सकींगे।

स्वकासरणः इसमें प्रमुक्त कर्का और पर्वो का, यो उक्त वर्षिमुँतवम, के जध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, यो उस अध्याय में दिशा प्रवाह ।

नगुल्बी

ण्लैट नं० सी-402 है तथा जो चौथी मंजिल, चित्रकोट इमारत, सी विंग, कुलूपवाड़ी रोड, विरेज कान्हेरी, बोरीबली (पूर्व), बम्बई-400092 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्रम सं० ग्रई०-4/37 ईई/21312/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बन्बई द्वारा विनांक 1-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

सारीख: 28-2-1986

प्ररूप बाइ . टी . एन . एस . -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन संबना

भारत सरकार

कार्यासय, महायक कायकार वायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-4, सम्बई बम्बई, दिनौंक 28 फरवरी 1986 निर्देश सं० श्चई-4/37-ईई/21314/85-86--श्चतःमुझे,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य

1,00,000/- क. से अ**धिक ह**ै।

श्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं कि० 603, जो, 6ठी मंजिल, जिलकोट इमारल, बी-विंग, कुल्पवाडी रोड़, विलेज कान्हेरी, वेस्टर्न एक्मप्रेस हायवे, बोरिचली (पू०), बम्बई-92 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिनस्ट्री हैं, नारीख 1-7-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकर के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का खित बाजार मुख्य, उसके कश्यमान प्रतिकल से, एसे कश्यमान प्रतिकल से पन्द्रह प्रतिसत्त से जिल्कि है जार अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, मिम्निलियत उक्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबका, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दीने के अस्तरक के दायिएन में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी श्राय या किसी धन वा बन्य वास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय जावकर अधिनियम. 1022 (1922 का 11) या उनक अधिनियम, ग्रा धनकर अधिनियम, ग्रा धनकर अधिनियम, ग्रा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, कियाने में गविधा के लिए:

बतः अब. उक्त बीधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण बी. मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के बगीन निम्मनियित काकिनयी, क्यांतु १५--

- 1. श्री णक्ति हाउं िंग एण्ड डक्लोपमेट प्रा० लि०। (श्रन्तरक)
- श्री सुरेण भेडा ग्रौर ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्बक्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करता हुं।

जबत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति क्दारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पाब्दीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों स्था, जो उक्त अधिनियत, के अध्याय 20-क में परिभावित ह^क, बही अर्थ हाथेगा जो उस अध्याय में दिवा गवा ह^क।

अनुसूची

फ्लैंट नं बी०-603, जो, 65ी मंजिल, चित्रकोट इमारत, बी-विंग, कुलूपवाडी रोड़, विलेज कान्हेरी, बेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, बोरिवली (पू०), बम्बई-92 मे स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० स० श्रई-4/37-ईई121314/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गुगा है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन नेज-4, बम्बई

दिनाँक: 28-2-1986

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) को अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बस्बई, दिनौंक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई- 4/37-ईई/21309/85-86--- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसकें इसकें परकार 'उस्त अभिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित पाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्रलैट नं श्री से 604, जो, 65ी मंजिल, चिल्लकोट इमारत, सी-विंग, वेस्टर्न एक्पप्रेस हायवे, कुलूपवाडी रोड़, विलेज कान्हेरी, बोरिचली (पूर्व), बम्बई-92 में स्थित हैं (श्रीर इसस उपाबड़ प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत हैं), श्रीर जिंगका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, यम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिक्ट्री हैं, तारीख 1-7-1935 को पृथीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, एमे दृश्यमान प्रतिकत का गईह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए।

अते: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्धरण बँ, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नि**विषक स्थानतयों, अर्थात्** :---

- 1. श्री णितत हाउपिंग एण्ड **डेवेलोपमेट प्रा०** लि०। (श्रन्तरक)
- 2. श्री नरेन्दर केडिया।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों ने।

स्पब्दीकरण:---६समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

प्लैंट नं सी-604, जो, 65ी मंजिल, चित्रकोट , इसारत, सी-विंग, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, कुलूपवाडी रोड़ विलेज कान्हेरी, बोरिवली (पू०), बम्बई-82 में स्थित है। प्रनुसूची जैसा कि क० सं० प्रई-4/37~ईई/21309/ 85-86 ग्रीर और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज-4, बस्बई

दिनाँक: 28-2-1986

दश्य वार्षः सी ह्यस् , एस् , न्यन्यस्त्रात्रात्रा

जावकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-क (1) के ज्योद सूज्या

शारत बरकार

कार्यानय, सहायक शायकर शायुक्त (निरक्षिण)

ध्रजीन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रई०-4/37-ईई/21315/85-86--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावत संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं फ्लैंट नं सी-601, जो, 65ी मंजिल, चित्रकोट इमारत, सी-विंग, वेस्टर्न एक्सप्रेम हायवे, कुलूप-वाडी रोड़, विलेज कान्हेरी, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400 092 में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विंगत हैं), भीर जिसका करारनामा भ्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के भ्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-7-1985

का पूर्विक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के इर्यमान श्रांतफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्य सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके इर्यमान प्रतिफल से, एसे इर्यमान प्रतिफल के पंद्रह बंदह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रात्फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिडित में उस्तिक रूप से कर्षित नहीं किया ग्या है :—

- (क्र) बन्तारथ संबुद्ध दिख्यों नाम की नावस, उपस् अभिनित्य को स्पीय कर योगे की अध्यापक की सावित्य में क्ष्मी करने ना उससे नमने में सुनिया के लिए; और/या
- (क) एंती कसी बाब वा कियी भन वा बन्य बास्तियों को, विन्तृं भारतीय जाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अभिनियम वा भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविभा को जिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नति। खत व्यक्तियों, अधीत क्र-

- श्री शक्ति हार्जीसग एण्ड इपलोमेट प्रा० लि०। (श्रन्तरक)
- 2. श्री मुरलीलाल केश्विया।

(भन्तरिती)

का यह बुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आर्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्मिरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की दारीय है 45 दिन की जनिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबीस से 30 दिन की वदीय, जो भी अवधि वाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय दुवारा;
- (ज) इस स्वना के राध्यत्र में प्रकासन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उभत स्थावर संपत्ति में हितवब्ध किसी, जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास मिचित में किए वा सकोंगे।

स्वय्यक्षिरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदां का, जो उपल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्वयः हैं॥

असम्ब

फ्लैट नं० सी- 601, जो, 6टी मंशिल, चित्रकोट इमारत, सी-विंग, वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे, कुलूपवाडी रोड़, विलेश कान्हेरी, बोरिवली (पू०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूनी जैसा कि कि सं श्राष्ट्र 4/37- र्ह्ह/2131/585-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

प्ररूप नार्द् डॉ. इन पुर -----

श्रापंकर विभिनियम, 1961 (1961 का 48), अही भारा 269-म (1) के मंगीन कुन्नना

भारते सरकार कार्यासय, तहायक जायकर जावृक्त (निरोक्तण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्नई

बम्बई, दिनौंक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० म्रई- 4/37-ईई/21162/85-86- श्रतः मुके; लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन तक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति जिसका उचित् याजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
ग्रीर जिसकी सं पलैट नं सी 201, जो, 2री मंजिल चित्रकोट इमारत सी विग वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे ओरियली (पूर्व) वस्वर्ध-92 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुस्त्री में ग्रीर पूर्ण रूप से अणित हैं) श्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं। 1-7-1985

को पूर्विक्त तंस्पत्ति के उपित बाजार मूल्य ते कम के द्रवमान प्रतिकत्त के लिए अतरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उपित बाजार मूख, उसके द्रवमान प्रतिकत से, खोसे द्रवमान प्रतिपत्त का पंचा प्रतिकत में अधिक है और जंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे इन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रति-पत्त निम्निशिसत उद्देश्य से उपत अन्तरण सिचित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गुसा है क्ष्र--

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उचत अधिनियम के अभीन कर दोने को जंतरक को बाबित्य में कमी करने या उत्तसे अचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन वा बस्व आस्तियों करी, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते अधिनियम, या धन-वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं विश्वा गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में त्विभा के निए।

अर्थः अर, टक्ष्त अधिनियम की भारा 269-व की अनुप्रक्रण में, में, उक्षत अधिनियम की भारा 269-व की स्वधाया (1) के अभीन, निम्नलिखित स्वित्तवों, अन्ति :---

- 1. श्री शक्ति हार्जीसंग एण्ड डक्लोपमेंट प्रा० लि०। (धन्तरिक)
- 2. मेसस बजाज इलेक्ट्रिकल्स।

(मन्तरिती)

को बहु तुचना जार्थी करके पूर्वोक्त संपृत्ति को अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस त्या के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुमान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हित-यव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्सि में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

पलैट नं० सी 201, जो, 2री मंजिल, विवकोट इमारस, सी-विग; वेस्टर्ने एक्सप्रेस हागवे, बोरियली (पूर्व), बम्बई-92 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कि कि सई- 4/37-ईई/21162/85-86 और जो सक्सम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1~7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (तिरीक्षण) मजैंच रेंज-4; बस्बई

दिनाँक : 28-2-1986

प्रकृत बाहै, भी, सूच स्म,

बायकार विधितियम, 1961 (1961 मन, 43) की भारत 269-व (1) में बभीन सुभना

SIVE STREET

कार्यालग्न, सहामक आयकर आयुक्त (निराक्षण) धर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई; दिनांक 23 फर्ज़री, 1986 सं० निर्देश श्रई -4/37ईई/21161/85-86 --- श्रतः मुझे, संक्ष्मण दास.

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के नधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वाध करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित्त नालार मूल्य 1,06,000/- रु. से निधक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं वी-203, जो, उर्रो मंत्रिल, चिन्नकोट इमारत, वी विंग, वेस्टर्न एक्सप्रेस हार्थ, कुलूपपाई। रोष्ठ, विलेज कान्होरी वोजिक्ती (पुर्व), बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में जीर पूर्ण एम से विंगत है), जीर जिसका करारतामा आयकर पिधित्यम 1961 की धारा 269 क, हा के अधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीस 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मार के उचित बाबार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का अधित बाबार वृष्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का बिह्न प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितया) के बीच एसे अंतरण के लिए तय बाबा बचा प्रतिफल, निम्निसिवत उद्ववस्य से उक्त अन्तरण सिवित वे बास्त्विक रूप से किंग्त नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण थे हुई फिटी आप की बामस, उपसे वीपीनश्चम के अभीत कर घोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निष्; मेह/शा
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आसित्यों का किसी नार्शीय आध-कर अभिनयम 1922 (1922 की 17) या उपस अधितयम, या भनकर विभिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोगनार्थ जन्यारिती क्यारा प्रकट नहीं किया यवा था वा सिवा हिला अधिक्य था, जिना वे विवा

बत: श्रथ, उक्त भीभीनयम, की भारा 269-ए के अनुसरण में. में देशत ऑभीनयम की भारा 269-ए की उपधारा (1) हो असीन, निस्नासीयत आध्ययम, स्थीत अ—

- श्री अक्षी हाउसिंग एण्ड डेवलोपमेंट प्रा० लि०। (अन्तरक)
- 2. मैमर्स बजान इलैक्ट्रीकल्स।

(भ्रन्तरितः)

की युद्ध वृज्ञ्चा आहे. कार्य पूर्णका वृज्यक्ति से वर्णक से निए कार्यवाहियां कार्यवाहिता

उनत सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी काओर :---

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 किय की वयनि वा तरक्यन्यी व्यक्तियों पूष सुमा की ताबीन से 30 किन की वयथि, को भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर अवधि में से भिक्ति स्वाच्य इवारा;
- (क) धव सूचना के प्रायपन के मुकाबन की ताड़ीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य स्थानित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए या सकोंगे।

स्पर्काकरणः — प्रसमा प्रयूक्त शब्दों और पदों का, या उक्त विधिनिसस, के कथ्याय 20-क में परिभावित है, बही वर्ष होगा वो उस कथ्याय में दिवा नक्षः हो।

नप्त्यी

पलैट नं बी--203, जा, 2रो मंजिल, चित्रकोट इमारत, बो-चिंप, बेस्टर्न एक्सबैस हायब, युलूपवाड़ो रोड, चिलेज कान्हेरी, बो-खिली (पूर्व), बमबई--92 में स्थित है।

ानूमूर्चा जैसा कि क सं० ब्रई-4/37ईई/21161/85-86 आंं जा मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1--7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण), श्रर्जन रोज-4,बम्बई

ितंग: 28-2-1986 मोहर: प्ररूप बाई.टी.एन.एस.------

आविकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण)

अर्जन रेंज--4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० भ्रई-2/37/ईई/21160/85-86:- प्रत: मुझे, लक्ष्मण दास.

बॉयकर अधिनियंम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

कं िसक सं पलैट नं बं -202, जो, चित्रकोट इमारत, बां विंग, बेस्टर्न हायवे, कुलप्ताड़ों, विलेज कान्हेरी, बोरिवलां (पूर्व), बम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उप बढ़ अनुसूचों और पूर्ण रूप से विंगत हैं) और जिसक करारनामा भायकर अधिनियम 1961 की धारा 26 ज, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालट में रजिस्ट्री है तारीख ज1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतर्कों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — श्र्वः शक्तिः हाऽसिंग एण्ड उद्यक्त्यमेट प्रा० लि० । (श्रन्तरक)

2. मैंसर्स वजाज इलक्ट्रीवल्स।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थानर तस्पत्ति में दितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पत्त जिल्लात में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्स्ची

फ्लैंट नं० बीं--202 जो दिहकोट इमारत बी विग वेस्टर्न एउनकोत इताब अन्तराइं: निलेज कान्वेरी वोस्विली पूर्व बम्बई--92 में स्थित है।

श्रनुस्ची जैसा कि क स० ग्रई-4/37ईई/21160/85-89 और जो सक्षम प्राधिकारों बम्बई हारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गरा है।

लक्ष्मण दा**स** सक्षम प्राधिका**रो** सहायक आयकाः प्रायुक्त **निर्रःक्षण)** प्रर्जन **रोज-**4 बम्ब**ई**

टि≓कि: 28 ⋅?-1986

मोहर -

प्रकार नार्ड दी एवं एक नार्वन

जासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **की धारा**

मारत परका

269-व (1) वे वधीय स्वता

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वरमात् 'उक्त निर्मित्यम' महा नया हैं), की काख 269-स के नधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित काजार मूल्य 1,00,000/- रा. से निर्मिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं॰ सी-204, जो. 2री मंजिल. विस्तकोट इमारत सी विक्र मुलवाड़ी रोड वेस्टर्न एक्सप्रेस हायवे. विलेज कान्हेरी बोरिचली पू) बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बिणत है) और जिसका करारनमा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारोख 1-7-1985

को प्राेंचित सम्मित के जिया बाजार मृत्य ते कान के ज्यानान्त्र प्रिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लास करने का कारण है कि यथाप्तोंचत सम्मित का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकत से, इन्ते व्यवज्ञान प्रतिकत का पन्त्र प्रतिचत ते अभिक है और अंतरक (अंतरका) और जंबनिरतीं (अंतरितियाँ) के नीच एति बंतरण के जिल्लात प्रांच गंदा प्रतिच के जिल्लात में बास्तिवृक्त का निम्निसित उद्योदय से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्तिवृक्त क्या के सित्य से वहीं किया नवा है डिन्स

- हैंक) भन्तरण वे हुई कियी बाब की बावबा, बबस अधिनियश के जधीन कार दोने के बन्तरक के शाबित्य में कामी कारने या सससे बचने में सुविधा के लिए, जीर/धा
- (भ) भूती किसी नाम या किसी भन या अस्य बास्तियों ना, जिन्हों भारतीय अध्यानकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, पा भन-कार अधिनियम, पा भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तिरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गाया था या किया काना नाहिए था. किया में स्विका की किया;

बतः वन, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के बनुसरण हो, में, उक्त विधिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के विधिन, निस्मतिवित व्यक्तिकार्ते, वस्ति ——

- श्री णिक्त हाउसिंग एण्ड डेबलपमेट प्रा० लि०। (अन्तरक)
- 2. मैसर्स बजाज इलैक्ट्रीकरुस।

(अन्तरिती)

को यह सुवना वारी करने पूर्णेक्त सम्मत्ति के वर्षन के जिल् कार्यवाहियां करता हुई :

बच्च सन्पर्देश के अर्थन ने शंबंध में कोई भी नासीप :---

- (क) इस मुक्ता के राजपण में प्रकादन की तारीन से 45 दिन की जनीं ना तत्त्रवन्धी व्यक्तियों पर सूच्या की तानील से 30 दिन की जनींथ, को भी जनींथ बाद में समाच होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी ग्यक्ति वृत्रारा;
- (क) इंड क्लान के राजपन में प्रकाशन की तारीच ते 45 विश्व के नीतर अवस स्वावन कमारित में हितवव्य किसी क्ला क्लीका क्यारा, व्योहस्ताकरी के गाव विकित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रिकरण १.---इक्समें प्रयूक्त शब्दों जीर पदों का, को उक्त अधिनियम, को नध्याय 20-क में परिभावित हूँ, वहीं जर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हूँ।

वन्त्रजी

पलैट सं० सी॰ -204 जो 2री मंजिल विवकोट इमारत सी॰ विंग कुलपवाड़ी रोड वेस्टर्न एक्सप्रैस हाइवे विलेज फाम्डेरी, बोरिवली पू) बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क स० श्रई-4/3-ईई/211.59/85- 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजेन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

मोहर।

प्रकृप आहु⁸. टी. एन. एस.-----

आधफर लिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की कहा 269-म (1) के क्यीन ह्यूना

भारत त्तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986

सं० श्र**ई**-- 4₁ 3 7**ईई**₁ 2 1 1.5 7₁ 8 5-- 8 6--- श्रतः मुक्ते, लक्ष्मण दास,

बायकर निमिन्नन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इश्वने इश्वके प्रश्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की भारा 269-य के अभीन सक्षम इतिभक्तरी की यह निस्तास करने का स्करण है कि स्थापर सम्मत्ति, जिसका उपित बाबार अस्थ 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसको संख्या प्लैट नं० बो-601, जो, 6ठो मंजिल, चित्रकोट, कुलूपवाईं।, कान्हेरी निलेज, बोरियर्ली (पू), बम्बई-92 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 व, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

में व्यक्तित संज्ञ्यति से अभित बाबार मृत्य ए कर से स्वयंति शिक्षत के विद्य अन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का कारच है कि यथान्योंक्त सम्पत्ति का अभित बाबार रूख, उधाने क्यमान प्रतिकास से, एसे क्यमान प्रतिकास कर अग्रह प्रतिकास ने समिन है और नेस्ट्य (नंस्ट्या) और अंबरियी (बन्तरिता) के बीच एसे जन्तरम से निए तब बाबा क्या अन्तर्क, निक्यकिक्त क्यूबर्गों से उपन क्यारच विश्वति है स्वयंत्रिक क्या से समिन वहाँ जिल्ला क्या है है—

- (क) मन्तरण से हुई फिली नाम की बानव करत निधन किया के अधीन भर दोने के जनवरक के द्वारिक्य के जन्म के किया के विष्कृ भीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हों भारतीय आय-कर विधिनमझ, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीवनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कंचरिती द्वारा प्रकट नहीं किया दक्त था का विद्या वांग वाह्मित या, विद्यार्थ में तिवन के विद्यु;

करः क्वं, क्वर अधिनियम की धारा 269-व की ज्वलार (°) के अधीन, निम्निसित व्यक्तिलों , मर्जास् :---- 60-26 GI/86

- 1. श्रो गिव्रत हाउसिंग एण्ड डेवलोमेंट प्र० लि०। (अन्तरक)
- श्रो एन० सो० पुर्णनानी और श्रन्थ।
 (श्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करको पृवाँकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

क्ष्मत सुकाश्चि के अर्थन के सम्मान्य में कीए भी माओर :---

- (क) इस सूचना के रायणत में प्रकाशन की तारीय में 45 बिन की जमिश ना तत्वं मंधी अनिसनों पर सूचना की तानील से 30 बिन भी अनिश्च, को भी अविध नाम में समास्त होती हो, के नीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना से राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के बीतर उक्त स्थायर सम्बद्धि में हिल-नक्क कि.सी मन्य व्यक्ति इवारा मधोहस्ताकारी ने रास विकास में किए वा सकति।

श्रमक्रीक क्याः — इसमें प्रमुक्त कार्यों और पर्वों का, की उन्नर विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित **ही, वहीं वर्य होता.** को उस अध्याय में दिया क्या है.

बन्स्ची

फ्लैट न० बी-601 जो, 65ो मंजिल, चित्रकोट, कुलू पत्राडी, π । हेरी विलेज, बोरिवर्ला (पूर्व), बम्बर्ध-92 में स्थित र।

श्रनुभूची जैसाकि क सं० श्रई-्य/37ईई/21157/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्रधिवारी, सहायक जन्नायकर श्रायक्त निरीक्षण), श्रजीन रेज-4, **बस्बई**

दिनांक : 28-2-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.

भायकर स्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्वना

भारत संग्कार

क्यमंबर, तहारक बायकर बायक्त (भिरीक्रण) भर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986

निर्वेश ० ग्रई-4/37ईई/21156/85-86--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण बास,

ज्याकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इक्को क्रमको प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा वदा ही. वर्ष भाषा २०३ का को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने जो कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रत. से अभिक है भौर जिसकी संख्या फ्लैट नं० सी-304, जो, 3री मंजिल, चित्रकोट, सी विंग, कुलुपवाडी रोड, विलेज कान्हेरी, वेस्टर्न एक्सप्रेस हाइवे, बोरिवली (पू०), बम्बई-92 में स्थित है (भौर इससे उपायद्व श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भौर जिसका करारनामा स्नायवःर ग्रधिनियम 1961 की घारा 269 क, खा के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 1-7-1985 को पूर्वेभित सम्पत्ति के एधित। बाजार मन्य में कम के क्रायमान विज्ञान के लिए बंबरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि सभाप्योंक्ट सम्मृतिह का उचित बाबार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफास से, ऐसे दश्यमान प्रतिफास का वम्बद्ध प्रतिचत से अधिक ही और अस्तरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के मिए तब पाया गवा प**तिकास,** निय्मासिनित उद्योश्य से **उद्य सं**तरण निवित हो गरुविक रूप से गीपत नहीं किया भवा है हरू

- (क) बंकरण वं हुई कियाँ बाव की बावत , उपसं वीधीयतम के मधीन कर दोने के बन्तरक के शर्मगर्भ में कभी करने वा उबसे तकने में सुविधा के किए. बार/श
- (ख) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभीनयम या भनकर विभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा अंकट नहीं किया गना भा वा किया जाना वाहिए था कियाने में सरिका के जिला

अंतः अन्य उन्त विधिवयम की धारा 269-व के व्यवस्था हों, में उन्तर विधिवयम की धारा 269-च की धपधारा (1) के वधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात :----

- 1. श्री शक्ति हाउसिंग एण्ड डेबलपमेंट प्रा० लि०। (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती श्राशा साहू।

(ग्रन्सरिती)

को बहु भूषना पारी करके पृत्रों नत सम्परित के बर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तकत सम्बद्धित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इन स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जनमि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जनमि, वा भी अविच बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वें 45 विज्ञ के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवष्ट्रक किसी जन्म व्यक्ति द्वारा मधीहस्ताक्षरी के पात सिक्ति में किए वा सकते।

स्वच्चीकरणः----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीपविषय के अध्यान 20-क में परिभाविक ही, कही वर्ष होगा थां उक्त अध्याय में विका नया ही।

भनुसूची

फ्लैंट नं॰ सी-304, जो 3री मंजिल, चिन्नकोट, सी-विंग, कुलुपवाडी, रोड विलेज बान्हेरी, वेस्टर्न एक्सप्रैस हाइवे, बोरिवली (पू०), बम्बई-92 से स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-4/37ईई/21156/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रोज-4, बस्बई

दिनांबः: 28-2-1986

प्रकर्त नार्वं तदी , प्रता, प्रसार -----

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्चना

मारत स्थलाह

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 28 फरवरी 1986 ...

सं० श्रई--4/37ईई/21119/85-86:--- ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षक प्राधिकारी की यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 3, जो तल माला, जयतीर्थ को श्रीप हाउसिंग मोसायटी लि०, दौलत नगर प्लाट नं 189. रोड नं० 1 बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, सारीख 1-7-1985

का पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिकत्त के निए जन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कहने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार बृज्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का कन्म प्रतिकत से विभक्त है और बन्तरक (बन्तरक?) और अंदरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पामा क्या प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्बत म् बास्त्रिक रूप से कथिस नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने ला उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाम ना किसी भग गा प्रत्य जास्तायों करें, जिन्हों भारतीय जाय-कर सिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनयम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भया भा या किया जाना चाहिए या, खिपान में सुनियम के विद्युः

बद्ध: बब, उक्त विभिनयम की भारा 269-व के अनुसरक में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्री कांताबेन जीव जंगला।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० जै० वन्सारा।

(भ्रन्यरिती)

को यह तुमना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के निश् कार्यनाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध के कोई भी बाध्येप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए जा सकेंगे।

लाक्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त कान्यों और पदों का, वां अक्त अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिवर्शधक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं० 3, जो, तल माला. जय तीर्थ को-प्राप० हार्जीमग सोसायटी लि०, दौलत नगर प्लाट नं० 189, रोड नं० 1, बोरिवली (पू०), बस्बई-66 में स्थित है।

अनुसुची जैसाकि ऋ सं० ऋई-4/37ईई/21119/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजैन रोंज-4,वस्बर्ष

दिनांक: 28-2-1986

प्रकम बाहाँ, टी. एम. एस. - - -

नावंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर्र धारा 269-म (1) के अभीत सुमना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायक्त (निर्देशक) श्रर्जेन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 28 फरवरी 1986 सं० श्रई-4/37ईई/21088/85-86∵-श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्थात 'उक्त अधिनियम' कहा गयर हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, वह विक्रमांस करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उभित बासार मृज्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 20 जो 3री मंजिल, प्लाट नं० ए/28, रतन नगर, दौलत नगर, बोरिवली (पू०), बम्बई-66 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिमला करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को प्वेंशित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफन्न के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कराये का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल से पन्तर प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकल, निम्निसित्त उप्रकेश से स्वस्त अन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है...—

- (श) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबता, उक्त अधिनियंत्र के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में मृतिका के सिए; आर्√या
- (भ) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयनकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जकत अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में मुलिधा के सिए;

बतः वन, उक्त वर्षिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण मे. में, २४९ अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के जभीन निस्तिवित व्यक्तियों, अधीत्:-- 1, श्री ग्रशोक कुमार के० गोयल।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती ग्रार० बी० मिरही।

(ग्रन्तरिती)

को यह सृष्यमा जारी करके पृथींक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

बन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप . ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पत् सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी वविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितक्ष्य पिकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिसा में किए जा सकोंगे।

स्वादिकरणः.-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नी वा. को रक्ष विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक्ष कीं, बहुी अर्थ हारेगा को उस अन्याय में दिख गक्षा हो।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 20, जो, 3री मंजिल, फ्लाट नं० ए/28, रसन नगर, दौलस नगर, बोरियली (पू०), बम्बई-66 में स्थिस है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-4/37ईई/21088/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-न (1) के जधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 28 फरबरी, 1986

सं॰ घई-4/37ईई/20901/85-86:---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर मिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उपत अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करन का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित नाजार मुख्य

1,00,000/- रत. से अधिक है भीर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 30, जो 3री मंजिल, सर्वे नं॰ 26, एच० नं॰ 1 (प्रंश), घौर 2, सी॰ टी॰ एस॰ नं० 544, बी, मीजे लान्हेरी, तालुका बोरिवली (पूर्व) बम्बई 66 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रतुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985 को पूर्वीका संपत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रसिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकाँ) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एेसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण निखित में पास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्-या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

बतः कक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. ं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपनारा (१) के अधीनः निम्ननिवित व्यक्तिस्यों, वर्धांच :-- 1. श्रीमती टी॰ एस॰ पांगम।

(ग्रन्दरक)

2. श्रीमती एच० एच० बागवे।

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त बम्पित से अर्घन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बक्ति को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

पलैंट नं० 30, जो 2री मंजिल, सर्वे नं० 26, एच० नं० 1 (श्रंश), श्रौर 2, सी०टी० एस० नं० 544 बी, मौजे कान्ह्रेरी, तालुका बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-4/37ईई/20901/85-

श्रनुसूची जसा िक क स० श्रई-4/37ईई/20901/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-4, बम्बई

दिनांक: 28-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मुख्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनाँक 3 मार्च 1986

निदेश सं० ऋई- 2/37/ईई/22134/85-86-- स्रतः मुझे प्रशांत राय,

भौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 103, इमारत ए, रेलवे में त्स अपना घर को आप० हाउमिंग सोसायटी लिमिटेड, अन्धेरी (पू), बम्बई -69 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम को धारा 269 के, खे के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वेक्त रम्पाल क उत्तित बाजार मृद्य स अम ह इस्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ यह विद्यास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित अजार मूस्य मृत्य, उसके रह्यमान प्रतिफल सं, एसं दस्यमान प्रतिफल का क्लाह प्रतिसत्त से स्थिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष का निम्नतिचित उद्देष्य से उथ्य बंसरण विचित में बास्तिक स्थ से कथित नहीं किया गया है म्ला

- (क) बस्तरण एं हुई किसी काम की बाधका, उबर सिमिनियम के अभीन कार धीने के बन्तरफ अ दायित्व में करने या उससे सकते एं हां हा के लिए; बॉर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः नव, उक्त निभिनियम की भारा ं69-न औ जनसरण ने, में, अन्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के मंधीन, निस्निसिखिख व्यक्तियों, अर्थात ा— 1. श्री के० बी० जोशी

(घन्तरक)

2. श्री मधुकर के० साने।

(मन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके प्वोंक्स सम्पत्ति के वर्षन के विव कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पृत्ति के नर्जन के मम्बन्ध में कोई भी गासेद:--

- (क) इस सूचना से राजपन में प्रकाशन की तारीन हैं
 45 दिन की जनभि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों दर
 सूचना की रामीस से 30 दिन की अवधि, वो और
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड
 ध्यमितसों में से किसी व्यक्ति बुवाए।
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवपूर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिर्मण में किस कर सक्ति ।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

नन्स्या

पर्लंट नं ० 103, जो इमारत नं ० ए, रेखवे मेन्स अपना घर को आप हाउसिंग सोमायटी, लिमिटेड, मोग्रा विलेज, भ्रन्थेरी (पु), बस्वई~400069 में स्थित है।

श्रन् सूचो जैसा कि क सं० ग्रई~2,37ईई,22134,84~ 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय, मक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 3-3-1986

प्रकल कर् . डी, एस. एस. -----

भागकर निधितिषम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ने (1) के नधीन स्थना

मारत् सरकार

कार्यांसय, सहायक शायकर बायका (निरीक्षक) ग्रजैन रेंज⊶2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 28 फरवरी 1986

सं० श्रई-2/37**६**ई/22182/84-85:-- श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 263-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विस्तका अधित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० यूनिट नं० 13, दामजी शामजी इण्डस्ट्रियल काम्पलेक्स, श्रन्धेरी (पु), बम्बई 193 में स्थित है श्रीर इसमें उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 1-7-1985।

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान वृतिकत के लिए जन्तिरित को गई है और मूक्ते यह विश्वाम करने के कारण है कि यथापश्लीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य हसकी दृश्यमान प्रतिक न से ऐसे दृश्यमान प्रतिक न का पन्त्रश्ल प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) हो बंबरिती (जन्तिरितिकों) के बीच एसे अस्तरण के सिए तब पावा गका विकल विश्वानिविद्य उद्देश्य से उचत अस्तरण सिकल से गुम्बिक कम से कीचन नहीं किया गवा है है

- (क) अन्तरभा से हुई किसी बाय की बावत, अवस बाधिनियम के वधीन कर दोने में अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने के सृविधा भे तर्रा बारि/मा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन वा बन्ध वास्तिकों को. चिन्हों भारतीय आय-कर विधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उच्छ विधिनियन या धनकर विधिनियम रा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्ज बन्दीरती ब्वाय प्रकट नहीं किया यवा था या किया जाना वाहिए था. कियाने के समिशा की विक्रा

रत: अर्थ: अक्त अभिनियम की धारा 269-म की अनुसर्थ को, की, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) की अधीन, निम्नीनवित व्यक्तियों, अर्थीए :--- मेयर्रा फ्लेक्सर पेश्वा

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स प्लेमेयस इण्डस्ट्रियल।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चण के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्ट सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :----

- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारीय तें 45 दिन की जंगीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की जंगीं को औ बंगीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पंजींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाया;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बक्ष किसी अन्य श्यक्ति त्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्थळीकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, को स्वक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहां कर्य होगा, को उस अध्याय के दिया गया है।

धन् सूची

यूनिट नं० 13 / जो तल मंजिल, वामजी शामजी इण्डस्ट्रियल काम्पलेक्स, प्लाट नं० 28, महल इण्डस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केव्हज रोष्ठ, श्रन्भेरी (पु०), अम्बई 400093 में स्थित है।

श्रनुसुची जैमा कि क सं० श्रई-2/37ईई/22182/84-85 श्रीर जो पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रणीत राय, मक्षम प्राधिकारी, महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-2, **बम्बर्ष**

तारीख: 28-2-1986

प्रकृष् वाद् .ठी. एन. यास. ------

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्थान

भारत तरकार

क्षार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, अम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी 1986

मं० ग्रई -2/37ईई/22188/84-85:→-अतः मुझे, प्रशांत राग,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त वाजार मृत्य 1,00,000/- उ.से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 205, इमारत नं० बी, प्लाट नं० 18, भवानी नगर, ग्रन्धेरी (पु), बस्बई-59 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावद श्रनुमूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से बाब के अवस्थान लिए अन्तिरत गद्दै हैं प्रतिफल की जरि मभ्हे यह विश्वास करने का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे दरममान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है जौर अंतरक (अंतरकों) भौर अंतरिती (अंतरितियों) के पीच एंसे अन्तरण को ल्एि तय पाया गया प्रतिफल, निम्न**सिवित उद्दोरय से उद्देश अन्तरण लिक्कित में वास्तविक कप से काश्रिक** रही किया गया 💕 🖫 🛶

- (क) अन्तरण संहुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में अप्ती कारने या उसने बचने में सुविभः के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी, धन या बन्य आस्तियों का. जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सिविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) फे सधीन, नियनिमित स्वितियों, सम्बद्धाः.... 1. मैसर्स दीपक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

2. यसमीन मर्चेन्ट।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्मेंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील है 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 किन के भीतर उक्त स्थावर संपक्ति में हितबक्भ किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्ट लिखित में किए जा सकींगे।

स्पच्चीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

ara di

फ्लैट नठ० 205, जो, दूसरी मठय^जल, इमारत नठ० बी क्लाट नं० 18, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, मन्धेरी (q), बम्बई-400059 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क सं० धर्ष-2/37र्ष्ष्/22188/84- 85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ष द्वारा दिनौंक 1-7- 1985 को रजिस्टर्ष किया गया है।

प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2,बम्बई

तारीख: 28-2-1986

प्रकृप आहार.टी. एन. एस. ------

नायकर मधिनियम, 196:1 (1961 का 43) की थाद 269-म (1) के नधीन सुपना

तारत सरकार

कार्यांक्य, संक्षयक आवकर वायुक्त (निराक्षण) श्रुर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई दिनाँक 3 मार्च, 1986

निर्देश सं० ग्राई- 2/37ईई/22227/84-85:-- श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

भाषकर शिंतियम, 1961 (1961 का 43) (विको ध्रावी इसके पश्चात् 'उनत निभिनियम' कहा गया ही), की भारत 269-व के स्थीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, चितका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- ः से अधिक है

ष्रीर जिसकी संख्या ब्लाट नं० 87, शेरे पंजाब, श्रन्धेरी (पु), बम्बई-93 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद घनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 4-7-1985

को पूर्वोक्त संस्पत्ति को जीवत बाबार बुंब के कन के व्यवनान बितफर को लिए लंतरित की गई है और गुओ वह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य इसके अश्रमान प्रतिफान के, एते व्यवनान प्रतिफान का वन्न्य बतिकत से विश्व है औह जन्तरक (बंतरकों) बीर बंतरिती (बन्तरितकों) के बीच एचे बन्तरण के जिए कम बाबा वक प्रतिफान, निम्नलिखित उद्वेषयों से उन्त अन्तरण सिखित में बन्तरिक कर ने क्यित नहीं किया वक है :---

- (क) अन्तरण से हुद्दं किनो आय की बाबत, उक्त स्थितियम के संधीत कर दोन के बन्तरक के बायित्व में नेनी करने या उससे अभने में सुविधा के लिए; सौर/मा
- (क) एमी किसी शय टा किसी प्त या क्रम कारितसों को जिल्हों भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 को (1) ले उन्ने अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया मा वा किया जाना पाहिए था, छिपार में सविधा को लिए।

मा १व वस्त अधिनियम था भारा 269-ग के अनुसरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--61--26 GI/86

 श्री प्रीतम सिंग श्रौर कपूर सिंह धूमान

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स केडबरी कनस्ट्रक्शन कम्पनी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के लिए कार्यनाहियां करता हूँ।

उक्त सम्परित के अर्थान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के ट्रावपच में प्रकापन की तारीब वें 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी स्थितियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी बनीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्य स्वक्तियों में से किसी स्थित इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबस्य फिसी सन्य व्यक्ति स्वास्त संधोद्दस्ताक्षरी के पास सिवित मों किए भा सकोंने।

बनुसूची

प्लाट नं० 87, जो, भेरे पंजाब को, श्राप हाउसिंग सोजायटी लिमिटेड, महाकाली केवहण रोड, श्रन्धेरी (पु०), बम्बई-400093 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-2/37ईई/22227/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 4-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रणाति राय सक्षमप्रशिक्षारो, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-2, बस्बई

तारीख: 3-3-1986

राय,

प्रस्प नार्द् . टी . एन . एस 👝 -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन

भारत सरुकार

कार्यासय . वद्यावक जावकर वायुक्त (विद्रीकाण)

श्रजंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 28 क्रवरी, 1986 सं० श्रई-2/37ईई/22248/84-85:---अतः मुझे, प्रशांत

बावकर विभिन्नयम, 1961 (1961 का 43) (बिले इसके क्षके पश्चात् 'उक्त विभिन्नयम' कहा प्रवा ह"), की भारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, विसका उचित गाजार मून्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिनकी संख्या पलैट नं० एम-12अमि नाश्री श्रपार्टमेंट, अन्धेरी (पु), बम्बई-59 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुपूत्रों में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), ग्रीर जिनका नरार-नामा अधिकर श्रधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, नारीख 4→7-1985

को पृथिति सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य है का के दश्यमान अिक के लिए जन्ति ति की गए हैं जीर मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तंपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त समितिक के अंधीन कर दान के अन्तरक के बाधिक क्षेत्र कामी करने वा उससे वचने में सुविधा के निए; शक्ति ने
- (क) एसी किसी आग मा किसी धन क कर की सोनी की जिन्ही भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या जबत अधिनियम, या धन-कर कथिनियम, 1957 (1957 को 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा वी किए।

सतः वयः, उक्त विभिनियमं की भारा 269-म के बनुसरण हो में, उक्त विभिनियमं की भारा 269-ों की उपभारा (1) १ में पुत्र निम्न विभिन्न स्थानितमों, वर्भावृह मैं० विरात कन्स्ट्रमशन

MALANET ETTET TO ELECTED TO THE CONTRACT OF THE STANDARD AND THE CONTRACT OF T

(भ्रन्तरक)

श्रीमती ग्रेटा मिराँडा।

(भ्रन्तरिती)

ग्रन्तिर्तः

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बास्पेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 विभ की व्यविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जबिध, जो भी अविध यादिन में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (क) इस सूचना के उपजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितनव्ध किसी बन्ध व्यक्ति व्वास अधोहस्ताक्षरी के पाछ सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण:— इसमें प्रयुक्त सम्बा और पर्यों का, वा अवत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, बहा अर्थ होगा औ उप अध्याय में दिया गया हाँ।

अनुसूची

पलैंट नं ० एम- 12, जो पूसरी मंजिल, मिनाक्षी श्रपाट मेंट, सर्वे नं ० 16इ, हिस्सा नं ० 3, मरोज विकेण, मरोल भरोणी रोड, अन्धरी (पू), यम्बर्ध- 450009 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि क सं० श्रई-2/37ईई/22248/84-185 श्रीर जो पक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 4-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणौत राय, सक्षमप्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2,बस्बई

दिनाँक: 28-2-1986

प्रकृष्याद्रे ही. एन . एस . ------

भावकार विधिनियन, 1961 (1961 का 43) अर्थे भारा 269-म (1) के वधीन क्षता

भारत सरकार

कार्याक्रम, बहायक मायकर मामक्त (निरीक्षण)

ग्रज़ेंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 4 मार्च, 1986

निदेश सं० ऋई--2/37ईई/22250/84-85:--धतः मुझे, प्रशति राय,

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उसत निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निध्यास करमें का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार ग्रस्य 1,00,000/- रु. से जिथक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या यूनिट नं० एफ-41, नन्ध्धाम उद्योग प्रीमायसेस ग्रन्थेरी (पु), बम्बई-59 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपावड प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 4-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मित के जिया नाकार मूक्त से काम के कामान्व शीतका के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते वह निश्वास कारतें का कारत है कि स्थाप्नोंक्त सम्मित्त का उत्तित नावार मूक्त, उसके ध्रममान प्रतिकल से, एसे ध्रममान प्रतिकल का प्रमुख प्रतिकत से न्याक हैं और वंतरक (संसरकों) और बंतरिती (संतरितिकों) के बीच एसे बंतरन के सिए तम पाना नमा प्रतिक क्य जिल्लाजिकत उद्देश्य से स्थल बंदरण निकास में नास्त-

- (क) वंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उकत विधिमयम् के ब्रुपीन कार बोने के बंसहरू के दानित्व को कभी कारने मा उससे बचने में सुविध्य कालए; कोर/ मा
- (क) एसी किसी आय रा किसी धन या अन्य आस्सियों करों, जिन्हों भारतीय राजकार अभिनिष्टम, 1922 (1922 का १६) मेर उक्त अभिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा कि का वाना वाहिए ना, कियाओं में भूरेवधा की हिए;

बतः, सव, उपत विधिनियम की धारा 269-न के बनुसरण के, में सबत विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निकासिक व्यक्तियों, समृत्यि :--- 1. श्रीमती नसीमा उसमान सूर्ती।

(मन्तरक)

2. मैसर्स एरोपेक ।

(मन्तरिती)

को वह ब्यमा बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के बचन के l'क्ष्य कार्यवाहियां करता हूं!.

उक्त सम्परित के वृजन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की बदिशा, जो भी नदिश नार में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष स्थितियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बहुध किसी मन्य स्थावत इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविक में किय का बकेंगे।

स्यक्कीकारण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों आर नवों का, को उपन विकित्यम के वश्याव: 20-क में परिभाषित है, कही वर्ष क्षीगा, को उस वश्याप के दिवा नवा है।

वपुत्रुवी

यूनिट नं ० एफ-41, जो, दूसरी मंजिल, नन्दधाम उद्योग श्रीमायसेस को० आप० सोसायटी लिमिटेड, मरोल मरोशी रोड, श्रन्धेरी (पु), बम्बई-400059 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि क सं० प्राई-2/37ईई/22250/84-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 4-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंजें--2, बस्बाई

तारीख: 4-3-1986

प्रकार बाह्य हो है । एवं व पर्य :-----

माध्यस्य गोधीनवयः, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के मंत्रीय क्षूण्या

THE PERSON

कार्यालय, सहायक बावकर बाय्क्त (विर्याक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनीक 4 मार्च 1986

निदेश सं० मई-2/37ईई/22282/84-85:~-म्रहः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्मके प्रथात् 'उन्त् अधिनयम' कहा क्या हैं), की बाद्ध 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरल है कि स्थावर राम्पेटिंग, विश्वका विश्वत वासार मृज्य 1.,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या यूनिट नं० 73, भ्रापोलो इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, अन्धेरी (पु), बम्बई-93 में स्थित है (भीर इससे उपाबद श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 5-7-1985

को पूर्वींक्त सम्पत्ति को उचित बाबार भूल्य से कम को कायमान प्रतिकत की शिए बन्तरित की £, सरि म्भो यह विद्वास करने कारण कि यथापूर्वाचित संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और भन्तरक (भन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के कीच एसे अन्तरण के किए तब पाया गया प्रतिफन, निम्नसिचित अव्यक्ति से उक्त बन्तरण लिकित में वास्तविक रूप से क्रीवत वर्षी किया गया है ;—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर योने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बार्च वा किसी पून वा बम्ब बाहित्कों को, जिन्हों भारतीय भाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उपल वृध्विनयम, वा धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधवार्थ क्यारिती दुवाता प्रकट वृद्धी किया वा भा में, किया बाना भाषिए भा कियाने से बृद्धिया में विवाह

अतः अब . उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन , रिम्निटिशिक व्यक्तियों , अधीत :-- मैसर्स भारतीय देडसँ।

(श्रन्तरक)

2. मैससं एवरम्लो इण्डस्ट्रियल।

(भ्रन्तरिती)

को सह सूचना चारी कारके नृश्चोंकर संपरित से अर्थन के विश्व कार्यकाहियां कारता होते।

उक्त संपरित के अर्थन के तंत्रंथ में कोड़ भी बाज़रे ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की कविभ, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांकत ध्वित्यों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इब स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबब्ध किसी बन्य स्थित बुवारा अभोहस्ताक्षरी के शब सिवित में किए का बकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः-इतमे प्रयुक्त कव्यों और पदी का, का उनक्ष अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित इ⁴, वहीं वर्थ होगा, को उस कथ्यता में विधा मका

अनुसूची

यूनिट नं० 73, जो, पहली मंजिल, श्रयोलो इण्डस्ट्रियल इस्टेंट, श्राफ महाकाली केव्हज रोड, श्रन्धेरी (पु), बम्बई-400093 में स्थित है।

श्रनुमुक्ती जैमा कि क मं० श्रई- 2/37ईई/22282/84-85 श्रौर जो सक्ष प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनाँक 5-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रणात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनौक: 4-3-1986

णवा है :---

THE RIE OF STREET

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यासन, बहायक नायकर नायुक्त (निर्देशिक)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

मम्बर्ध, दिनाँक 4 मार्च 1986।

निदेश सं० प्रई- 2/37ईई/22283/54-85:-- अतः मुझे प्रशति राय,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43). (जिसे इसमें इसमें पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहां गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या यूनिट नं ० 11, नन्दघनश्याम इण्डस्ट्रियल इस्टेट, श्रन्धरी (पू), धम्बई-193 में स्थित हैं (शौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में शौर पूर्ण रूप से विणत है), शौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम की धारा 269 क, ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याख्य, तारीख 5-7-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के खरनमान प्रतिफल के निष् अन्तरित की गई और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण हैं कि यह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके खरमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से विश्व हैं और अंतरक (अंबरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गवा प्रतिफल, निम्नसिचित उद्ववेदय

से उक्त अंतरण लिखित में बात्सविक रूप से करियत नहीं किया

- (क) सन्तरम से दूरि कियों नाम की नामक, करव निर्मादन्त्र के स्पीम कर क्षेत्र के स्माहक की दावित्य में कनी करने ना जनसे नचने में सुविधा के लिए; जरि/या
- (क) एची किसी अाव या किसी धन वा बन्य जारितवाँ को जिन्हों भारतीय नाव-कर निधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ निधीनयम, वा अन-कर निधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचवार्थ जन्तरियी इनाय प्रकट नहीं किया ववा था वा विकास वाना चाहिए था, कियाने के स्थिया के सिक;

अतः अवः, उक्तः अधििःयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों, अर्थात् ः—

1. मैसर्स सौरभ ट्रेडिंग कं०

(म्रन्तरक)

श्रीमती प्रमिला बी० खुराना।

(भन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

क्ष्मक् बन्दाचि के बर्धन् के बंधम् में कोई भी नाक्षेप ह्र---

- (क) वह सूचना के हाक्यम में प्रकाशन की तारीय थें
 45 दिन की नवाम या तत्सम्बन्धी स्पन्तियों पर
 सूचना की तासीस से 30 दिन की श्रविभ, वो भी
 श्रविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विका
 व्यक्तियों में से किसी स्वतित दुवारा;
- (क) क्ष्म चून्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के शीवर उनव स्थानर संस्पत्ति में हित-सूत्रम् किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी ने नाम विद्या में किए वा क्केंगे।

क्ष्यां विषय है। प्रश्निक के कथाय 20-क में परिभाषिक है। वहाँ वर्ष होगर को उस कथाय में दिया क्षा है।

अनुसूची

यूनिट नं० 11, बेसमेंट के साथ, जो नन्दयनश्याम इस्टेट महाकाली केव्हज रोड, ध्रन्धेरी (पु०), बम्बई-400093 स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क सं० ग्रई-2/37ईई/22283/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 5-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, बस्बई

दिनौंक: 4-3~1986

मुझे,

प्रकृष् भाषी हो । एव । एक । क्रमा

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) जै वधीन बुधना

भारत सरकार

कायां क्या, अङ्गयक जायकर जायूक्त (मिर्याक्षण) अर्जन रेज, जम्बद्ध

बम्बई, दिनांक 4 मार्च, 1986

आई०-2/37-ई०ई०/22284/84-85---अतः

प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार नृस्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

भीर जिसकी संव युधिट नंव 56, आपोलो इंडस्ट्रियल इस्टेट, प्रधेरी (पु, बस्बई-93 में स्थित हैं । (भीर इसने उपाबद्ध अनुभुवी में भीर पूर्ण कर व विणित है) भीर जिस हा जगरनामा आयकर अधिनियम की धाना 209- है, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के जार्यालय, बस्बई में एजिस्ट्री है वार्राख 5-7-1985

को प्योक्त सम्पत्ति के अभित बाजार मून्य से कम के क्यमान प्रतिफर के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का अभित बाजार मून्य, उभके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिक्त का पन्तर प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के तिए तब बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण

- (क) अन्तरण से हुई फिसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के शामित्व में कमी करने या उससे अवने में सूर्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, जिपाने में सुविधा खे खिए?

जत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, कों, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- 1. मैसर्स द्वारकाम एसोसिएट्स

(अन्तरक)

2. मैंसर्स स्पेक्ट्रम कोंपूटण सर्वसीस प्रायब्हेट लिमिटेड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता॥ हुं।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विस की अवधि का तत्संबंधी क्यक्तियों वर सूजना की तामील से 30 दिस की अवधि, को की अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी क्यक्ति व्वारा;
- (स) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकी।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त धव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नम्सूभी

"यूनिट नं० 56, जो पहली मंजिल, आपोलो इंडस्ट्रियल इस्टेंट, महाकाली केन्हज रोड, श्रंधेरी (पु) बम्बई 400093 में स्थित है।

अनुमुची जैसा हि कम सं० आई०-2/37-ई०ई०/22284/ 84-85 ग्रीर जो अंक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-7-85 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

भारी**ख** : 4-3-1986

प्रकल आह^र.टी.एव.**एस**.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कर भारा 269 क (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

भार्यात्व, गहायक काम्कर काव्यत (विरामिण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 मार्च, 1986

निर्देश सं० अई०-2/37-ई०ई०/22301/84-85---अतः मुझे, प्रशांत राय

भावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनस विभिन्नियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन संज्ञन प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं ० यूचिट नं ० 42, एफ० विल्डिंग, मरोल नंद धाम उद्योग प्रोमायसेस, श्रंधेरी (पु०), वस्त्रई-59 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण करा रे विणि हैं) श्रीर जिस ता करारनामा आयक्तर अधिजियम की धारा 269-ए, ख के अधीन सक्षम प्राधि गरी के जयित्य, बस्बई में रिजिस्ट्री हैं तारीख 5-7-1985

भी पूर्वेक्त सम्मत्ति के अचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गर्ब है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उपिन वाजार ब्ल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल के ऐसे ख्यमान प्रतिफल का भन्नह प्रतिक्रत रे अभिक है और जंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरच के लिए तय पावा गया प्रतिक्ष्म कि निम्नतिवित्त उबदेश्य से उक्त अन्तरण निम्नतिवित्त से अस्तिविक्त क्या से कार्या मिनका से कार्या है किया गया है :--

- (क) अध्यक्ष्य से हुई किसी जान की नानता, उनका अधिकित्रमा को अधीन कर वाने को मन्तरक को दायिक मों काली करने गा रखले क्ष्यमें तो मुविका ते लिए। आदि/दा
- (ल) एंसी किसी बाय या किसी धन के लन्य ब्रास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिरिक्य 1922 (19% का 11) या उक्त अधिनियम, उप धनकर अधिनियम, विश्व (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अत: स्व उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हरूल 1. श्रीमती नसीमा उसमान मुर्ती

(अन्तरक)

 श्रीमती नीरंजना एम० जारीवाला,
 श्रीमती शोमा ब्हाय, जारीवाला भ्रांर श्रीमती जयश्री जै० जारीवाला

(अन्तरिती)

को वह स्थना थारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उन्त कम्मीता की बर्चन के कम्मान्य में फोर्ट भी मार्क्स :---

- (क) इस सूचना के प्रचान में प्रकाशन की तारीचा शे 45 दिन की सर्वीत सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी कारीय बाद में नमान्त होती हो, अ भीतर प्रवेशन व्यक्तियाची में ने किसी व्यक्ति स्वाराध
- हैंगी तर्व क्षमा के प्राप्त को अवस्था की कारीब के 48 किए के बीचर क्षमा स्थानर क्षमांता को दिस्तवूथ क्षिती कृष्य कार्यक द्वारा व्याहेस्टाकारी के नाम विश्वित को क्षित्र का क्षमी है।

न्यस्थित्यः --इसमें प्रमुक्त सन्धे भूरि क्यों का, की सम्बद्ध समितियम को संध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही सर्व होया को उस संध्याय में विका नवा ही।

प्रनुसूची

"यूनिट नं० 42, जो दूसरी मंजिल, एफ० बिल्डिंग, मरील नंद धाम उद्योग प्रीमायसेस को० आप० मोसायटी लिमिटेड, करेल मरोगी रोड, श्रंधेरी (पु०), बस्बई 400059 में ल्यित है।

अनुसुची जैसा घि क्रम सं० ऑई०-2/37-ई०ई०/22301/ 84-85 ग्रीर सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिलांक 5-7-1985 को रिक्टिड किया गया है।

> प्रभातः राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकार रायुका (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, बम्बई

नारीख: 4-3-1986

प्रकर बाह्"ु ही, एक, एक, न्यान

, . . .

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन तुक्ता

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक वावकर बायुक्त (निर्दोक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986

सं० आई०-2/37-ई०ई०/22326/84-85---अतः मुझे प्रशांत राय

नायकर ऑभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें इसमें पर्वात जिन्ही नियम कहा गया हैं), की भाषा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वान करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, इमारत नं० 4, प्लाट नं० 7, भवानी नगर, ग्रंधेरी (पु०) बम्बई 59 में स्थित हैं (भौर इसमे उपाबद अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं ग्रीर जिसका उरारनामा आय कर अधिनियम की धारा 269-क, ख के अधीन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, अम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 5-7-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान मिलक के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तके दृष्यमान प्रतिकल से एसे इष्टममान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिवाद से बिधक है बार जन्तरक (अन्तरकों) जौर बतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया विकास निम्मतिचित उद्देश्य से उक्त बंतरण जिक्कत में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) जन्तरण में हुई किसी जान की बाबत, अक्ट श्रीधीनयभ के जभीन कर दोने के जन्तरक के वाबित्व में कमी करने या उत्तरे वचने में स्विधा के सिए; बरि/या
- (का) एमी किसी जाय या किसी धन वा अन्य वास्तियों को, जिल्हा भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोध-नार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

बतः बब, उक्त अभिनियम की भाग 269-ग के बन्सरण के, में, उक्त अभिनियम की भाग 269-ग की उपधारा (1) के अभीन, निज्ञितिका स्विक्वों, वर्षात् क्र--- 1. दीय ह चिल्ड में प्रायवीट लिमिटेड

(अन्तरक)

2. एस० पी० चौहान

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्पन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविंध, जो भी वाधि वाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का सकेंचे।

जन्सूची

''फ्लैंट नं० 1, जो लल मंजिल, इमारत नं० 4, प्लोट नं० 7, भवानी पार, मनरोज मरोजी रोड, श्रंधेरी (पु), धम्दबई 400069 में स्थित हैं।

अनुमुची जैसा कि कम मं० आई०-2/37-ई०ई०/22326/ 84-85 फ्रींट जो मजन बाजि गरी, बम्बई द्वाटा दिलांक 5-8-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय मझम प्राधिकारी सहायह आयहर अध्युक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज~2, बम्बई

तारीख: 28-?-1986 I

प्रकृष् बाइ की. एन. एस. -----

बायकर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुकना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निर्दाक्षण)

ग्रजॅन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिशांक 3 मार्च 1986

स॰ आई०-2/37-ई०ई०/22405/84-85—-अत: मुझे प्रणांत राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं ० फ्लैट त ० 5' नोर्थ बीग, अलबू घर अपार्टमें ट, बम्बई (पु) ग्रंधेरी में स्थित हैं (ग्रीर इसमे उपाब अनुसुची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), ग्रीर जिसका करारभामा अध्यहर अधिमियम की धारा 266-क, ख के अधिम सक्षम प्रश्विमारी के कार्यालय, बम्बई में रिन्ट्री हैं तारीख 5-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान मित्रफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह भित्रकत से अभिक है और जैतरक (जैतरका) जौर जैतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा ववा प्रतिकल, जिम्मिसिक उद्योचय से उन्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविध्य के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीन :——
62—26 GI/86

1. श्री बी० जे० अलब्कर

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती जूले आनी एस० के० हब रून

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित को अर्जन को लिए काश्वाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की कविध, को भी अविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर अवत स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य क्याँक्त द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के बात लिखित में किये जा सकीं।

स्यच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अध होगा को उस अध्याय में दिया गयर है।

प्रनुसूषी

"पत्नैट नं० 5, जो दूसरी मंजित, नोर्थ विग, अलबूहर अहर्तिंट, सिटी एस० नं० 114, बामलवाडा विलेज, सहार श्रीवेरी, बम्बई में स्थित है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख: 3-3-1986

प्ररूप वार्ड,टी.एन.एस.------

कायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिमांक 4 मार्च, 1986

निर्देश सं० आई०-2/37-ई०ई०/22478/84-85---अतः मुर्झे, प्रशांत राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निष्यास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० यूमिट नं० 24, नंदधनश्याम इंडिन्ट्रियल इस्टेट, श्रंधेरी (पु), बम्बई 93 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसुची में और पूर्ण रूप से विणित है, श्रीर जिस का उरारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269-क. ख के अधीन नारीख सन्तम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 8-7-1986 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार रात्य से कम के दरमात प्रतिक के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्ध देय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के समित्य में कवी करने या असमें अच्चे में सृतिभा के लिए; और/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मितधा के लिए;

असतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 श्री रसीक लाल भौगीलाल शाह ।

(भ्रनारक)

2 मैसर्स इंडीया इंपेक्स

(ग्रन्सरितः

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहरताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा भी उस अध्याय भें दिया। गया है।

मन्सूची

यूपिए नं २ 2 ६, जो पहनी गंगिए, नं एषः ध्याम इंगरिखयन इस्टेट, आफ महाकाली के केव्हण रोड, ब्रोधेरी (पु), बस्पई 40009 3 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37-ई०ई०/22478 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्पर्क द्वारा दिनां क 8-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रकांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4-3-1986

मांहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्ब**ई** बम्बट्ट, दिनांत 4 मार्च, 1986

सं० आई०-2/37-ई०ई०/22506/85-85--अतः मुझे प्रणांत रायः,

भागकर भिषानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

स्रोंग जिसकी सं० फ्लैंट नं० सी०/17, सुखबायक सोसायटी, प्रांधेरी (पू), बम्बई 59 में लिया है (श्रीर इसार उनाबद्ध अनुसुची में स्रोर पूर्ण रूप ने विणित है स्रोर विस्तान कराष्ट्रनामा आयकर अधिविसम की धारा 269-1, ख के दिधीर सहस प्राधिवारी के बायालय, बम्बई में रिपस्टी है हारीख 11-7-1985

- "का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तिरत की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल सं, एसे स्वयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल, निम्निलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्रिक रूप से क्रियित मृहीं किया गया हैं:—
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बावता, स्वस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दामित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (स) एती किसी नाम या किसी धन या अन्य न्नास्तियाँ को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत निधिनयम, या धन- कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधर केंदिए;

अतः अवः, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में,, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, विस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—— 1 श्री मनजीत सिंग जे० चंधोज सौर अन्य

(अब्रहरक)

2 श्रीमती भागीरती देवी आए० दलमीया धौर श्री प्रकाश चन्द आए० दलमीया ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्ह सम्पत्ति से नर्पन ते संबंध में कोई भी साम्रोप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है। 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतृर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्पारत के भारपक तो प्रकारत की नारीक्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाउ निषित में किए का संकर्षि

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

प्लीट नं० सीं०/17, जो मुखदायक सोसायटी, जे० ी नगर,श्रंबेरी (पृ), बम्बई 400059 में स्थिए हैं।

अनुपुचो जैसा कि त्तम सं० आई०/2/37/ई०ई०/822506 84-85 श्रोर सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्ब**ई

भारीख: 4-3-1986

माहर

प्ररूप भार ें ही , एन , एस ..-----

सारकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के संधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, धम्बई बम्बई, दिनांक 4 मार्च, 1986

सं० आई०-2/37-ई०ई०/22512/84-85---अतः मुझे, प्रशांत गय

भायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसके प्रकार 'उसत् अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं ० यूनिट नं ० 6, लूथा इंडस्ट्रियल प्रीमायसेज, प्रधेरी (पु), बस्बई 72 में स्थित हैं (भौर इस से उपावड अनुसूची में भौर पूर्ण क्य में विश्वत हैं भौर जिस का करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्यई में राजिस्ट्री है सारीख 11-7-1985

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रम् मान प्रतिफल से एसे द्रम्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से प्रिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) व बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप में कामत करा है किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (ख) एके निकिसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिखा:

कतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों.. अर्थात्— 1 शानील दुस्ट

(अन्तरक)

2 जेल्डा प्रोमंसरस् ए॰ड प्रीटरस

(अन्तरिती)

3 अन्तरिती (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के रस्जपत्र में प्रकाशन की तारी सासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पार में हिताब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकी ।

स्यष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शावों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

श्र (मुच्

यूनिट न० 6 जो लूथा इंडिल्ड यल प्रीमायसस को० आप० सोसायटी लिभिटेड, सफेर पूत्र, थ्रंधेरी कुरला रोड, साकी भाका, बम्बई 400072 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम स० आई० 2/37-ई०ई०/22512/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-85 को रजिस्ट किया गया है।

> प्रणीत राय, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बम्बई

तारीख: 4-3-1986

शक्य बार्ड हो ब्राय एक ------

जामकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के क्यीन स्थना

प्रारक चडुकार

अर्थानय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, विभाग 28 फरवरी, 1986
सं० आई०-2/37-ई०ई०/22521/84-85---अतः मुझे

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्रीर जिस ही संव यूनिट नंव 215, एच बिल्डिंग, म्रमा इंडस्ट्रियल इल्डेट, मंधेरी (पु), बम्बई 72 में स्थित है) म्रीर इस ने उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से बिणित हैं) म्रीर जिस हा करारनामा आयक्तर अधिनियम की धारा 269 क, इन्ने अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 11-7-1985

का पूर्वेक्स संप्रित के जीवत बाजार मृत्य से कम के क्यमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संप्रति का जीवत बाजार मृत्य असके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के सिए तव पावा गया िएएस, निम्निक्सित जुव्देस से उक्त अन्तरक जिल्लिस में अप्रतिक रूप से कृषित नहीं किया गया है हू-

- (क) नृत्यस्य वे हुई किसी नाय की नायत उक्त निध-नियम के अधीन कर दीने के बन्तरक के शियला में सनी कड़ने ना उच्च वचने में बुविधा के सिय; शैर/या
- [क] एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तिथीं को, विन्हें भारतीय जायकर जिभिनेत्रम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जी प्रयोजनार्थ जन्तरिसी वृजारा प्रकट नहीं किया गया जा का किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा जै विद्या

स्तः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, का, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के व्यक्ति, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :— ा मैसर्स ग्रंसा बिल्डर्स

(अन्तरक)

 श्रीमती हरीस्मिता सुरेश पाठक श्रौर श्रीमती बीना एस० व्यास

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना चार् करके पूर्वोक्त सम्मरित को वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपक्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीब से 45 दिन की जबिंध या इत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुतारा;
- (क) इस स्वता के राजपम में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए आ सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्तों और पत्तों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया नवा है।

नपुराची

"गूनिट नं० 215, जो एन बिल्डिंग, दूसरी मंजिल, श्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी बिहार रोड, साकी भाषा, श्रंधेरी (पु), बिम्बई 400072 में स्थित है।

अनुमुची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37-ईई०/22521 84-85/ श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-85 को रिजस्टी किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख 28-2 1986। मोहर 🖫

प्रकर बार्ड ही एन पुर .-----

नायकर निर्मानयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के बभीन सूचना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बर्ष

बम्बई, दिनाँ ह 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/22522/84-85—न्मतः मुझे, प्रगाँत राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्प्रौर जिसकी सं युनिट नं 203, एच० बिल्डिंग, स्रंस इंडस्ट्रियल इस्टेट, अधेरी (प०), बम्बई-72 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में विणित है) स्रौर, जिसका करकारनामा श्रायकर स्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधितारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 11 जुलाई, 1985

का पृथांक्य सम्पत्ति के उदित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्के यह विश्वास करते का कारण हैं

कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के दिन एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के जिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, जिन्हों सारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनते अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-व की अन्मरण मी, भी, उक्त अधिरियम की धार 269-च की उपवास (1) के अभीता, तन्नीतिक्त व्यक्तिस्थी, अधीक अन्न 1. मैसर्स श्रंसा ब्लिडर्स।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स एडक्सन्स एन्टरप्रायसेस।

(श्रन्तरिती)

का यह सुषमा जारी करके पुर्वाक्त सम्परिष्यः अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को नर्जन को संबंध में कोई भी वाक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताथील में 30 दिन हो अविधि, को भी अविधि याद में समाहत होती हो, यो भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धूकररा;
- (य) इस सूपना के राजपत्र में प्रवाशन की तारीस ते 45 चित को भीतर उक्त स्थादर सम्बक्ति में हित्रवृष किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अन्तिहस्ताक्षरी के पास किश्विस में किए जा सकों।

स्मक्कीकरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दां और पंचां मा, मो उनस अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय मीं दिया गया है !

अनुसूची

युनिट नं 203, जो दूसरी मंजिल, एच विस्टिंग, ग्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी बिहार रोड़, साकी नाका ग्रंधेरी (पु), बम्बई-400072 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० अई-2/37-ईई/22522/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँ र 11-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणाँत राय लक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 28-2-1986

प्रकृष साह*ु टी. ए५७ एच. ≥ वर थ

भागक समिनियान, 1961 (1961 का 43) की धारा 259-व के अधीन सुचना

्1. मेसर्स सूपरीका फेमीली ट्रस्ट

(ग्रन्तरक)

2. मे अर्स भ्रंमा बिल्डर्मी।

(अन्यरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायकत (निरीक्क)

ध्रर्जन रॅज-2, बम्बई वम्बई, दिनाँक 4 मार्च, 1986

निर्देश सं० श्रई-2₁37-हेई₁22523₁84-85~-यतः मुझे, प्रणांन राय

आवक्त की धीनवम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशान (जनत अधिनियम कहा गया है), की धारा 263-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उपित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिल्लामं व यानिट गं 0102, ए 1 बिल्डिंग, श्रंसा इंड-स्ट्रियल इस्टेट, श्रंधेरी, (पु), बम्बई-72 में स्थित है (श्रौर इसमे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) श्रौर जिल्ला करारनामा आयकर श्रिधनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 11 ज्लाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण जो कि सभापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य करों का कारण जो कि सभापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य करों का कार्यमान प्रतिफल का मृल्य करामान प्रतिफल का मन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और जंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरिवीवयों) को की मृत्र मृत्रिक के लिए तम पामा नमा प्रतिक का निम्नलिकित उद्योग्य से उक्त अन्तरण शिवित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण ते हुए फिसी नाम की नामक उचत किन निम्म के मधीन कर दमें के अन्तरक के दायित्व में लामी जारने था प्रसार अचने में मृतिया के लिए: अफि/या
- (क) एकि किसी काय या किसी धन या बन्य जास्तियों करें. किस्सू माध्यीय जायकर जिनियन, 1922 (1922 का 11) या उपन जिन्नियन, या प्रवेश्वाप जाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का शांकिय जाता जातिए था, कियाने में सुनिधा के किया

स्थः प्रथः अधि अधिनियम की भारा 269-व की वनुष्ठरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निजिबित स्पक्तियों, अर्थात् :--- का नह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पोत्स को कर्णभ के किए कार्यनाहियां करता हुए।

स्वत सम्परित के अर्थन के राज्यन्थ में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की वाविध, वो भी वाविध बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर प्रविवद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बव्ध किसी बन्य व्यक्तित दवारा, अभोहस्ताक्षद्री के पास सिस्ति में किए था राजनें।

स्पष्टोकरणः —-इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

धनुसूची

''युनिट नं० 102, जो पहली मंजिल, ए-1 बिल्डिंग, श्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी गाका, भाकी विहार रोड़, श्रंधेरी (पु), बम्बई-400072 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/22523/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 11-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4-3-1986

व्यक्त बार्व हरे पुद , पुद , नामनावावावाव

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुवना

भारत सहस्रह

कार्यातव, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्ब**ई** बम्बई, दिनाँक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० म्रई-2/37-ईई/22524/85-86--यतः मुझे, प्रशांत राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-च के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावन सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ष्मीर जिनको संवयुनिट नं 0 229 एव० बिल्डिंग, श्रंसा-इंडिस्ट्रियल इस्टेट, श्रंधरी (पु), बम्बई-72 में स्थित हैं (श्रोर इससे उपाबद अनुभूची में श्रोर पूर्ण रूप से बिणत हैं) श्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थिन गक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 11 जुलाई 1985

को ब्वॉम्स सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) जीर अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथ बाबा जया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्वेश्य से उक्त बन्तरक लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया थया है है—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी बाब की बाबत, उक्त अधि-नियम की अधीन कर बोने के अन्तरक के बायित्व मों क्यी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (सं) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना भाहिए था, किया स्विधा के लिए;

अक्ष: **, इक्त विधिनियम की धारा 269-व की विवृद्ध में, में उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात :---

1. मैसर्स श्रंसा बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सोनल राजेन्द्र मेहता।

(श्रन्तरिती)

सी यह सूचना चारी करके पूर्वोक्श सन्यक्ति सै अर्थन के सिक् कार्यवाहियां कारता हुं।

डक्त सम्मृतित् के अनुर्मन के सम्मृत्य में कोई भी नासोप्र-

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जनभि मा तत्स ध्वन्थी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अव्धि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकींगे।

श्यक्तीक रण:--इसमें प्रयुक्त सम्बौधीर पदी का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

युनिट नं० 229, जो दूसरी मंजील, एच बिल्डिंग, असा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी बिहार रोड, साकी नाका, प्रधेरी (पु०), बम्बई-72 में स्थित है।

म्रनुसूची जैसा की कि० सं० अई-2/37-ईई/22524/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बंबई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2 बस्बई

तारीख: 28-2-86

प्रक्म बाईं.टी. इन. एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-2 बम्बई बम्बई दिनांक 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई,22525,85-86--यत: मुझे, प्रशांत राय

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें पर्वात् 'उन्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण हैं कि स्थानर संस्पत्ति, विसका उजित वाधार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संसें युनिट नं० 235 जे० बिल्डिंग श्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट श्रंधरी (पु) बम्बई-72 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 11 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाबार मूक्य से कम के दश्वनान् प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास क एने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित क्लाम मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्वभान जातिकल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और जंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के सिए तय पावा चया दितफल निम्नसिवित अध्योक्य से अक्य जंतरण विश्विक में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) धनारण चे हार्च किसी जान की वाल्च हा ककर भीषानियम के बचीन कर दोने के धनारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृत्विधा के लिए; और/या
- (व) एंडी किडी कार या किसी थन या अन्य शास्त्रकों को, चिन्हों भारतीय आय-कर निर्मानयंत्र, 1922 (1922 का 11) या उनते निर्मानयंत्र, या धन-कर विधिनायंत्र, या धन-कर विधिनायंत्र, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में जुनिधा सौक्या के विद्राः

अक्षर अवर, उक्त अधिनियम की भारा 269-न के नन्तरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत्:--- 1. मेसर्स प्रसा बिस्डर्स।

(भन्तरक)

2. श्री सुवेश एस० शेट्टी।

(अन्तरिती)

को बहु बूचना बारी करके पूर्वोक्त समाहित के वर्षन से जिए कार्यग्रहियां कुछ करता हुं।

बन्दा बन्दरित में नर्बन में संबंध ने कोई भी बाबीप :---

- हुँक) इस ब्रुवना के समयम में प्रकाशन की तारीय से
 4.5 विन की नवीं मा तत्सवंभी व्यक्तियाँ पर
 कुष्यम की सानीस से 30 विन की नवीं मा सो मी
 कवीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 क्वितयों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितनद्ध किसी बन्ध स्थित द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पाव सिक्ति में किए वा सकते।

स्वजीकरणः -- इत्तर्जे प्रमुक्त क्याँ और पर्धों का को स्ववस् विभिन्नियम के सभ्याय 20-कं में परिभाषित ह_{िल} वही अर्थ होता, को उत्त सभ्याय में दिशा नवा है।

अनुष्यी

्युनिट नं० 235 जो दूसरी मंजिल, जे बिल्डिंग श्रंसा इंडिस्ट्रियल इस्टेट साकी विहार रोड़, साकी नाका, श्रंधरी (प्), बम्बई-400072 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क० सं० श्रई-2,37-ईई,22525,85-85 और सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 11-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशाँत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन ्रेंज-2, बम्बई

तारीख: 28-2-1986

प्रका बार्च ही एवं एसं ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

शारत रहकाह

क्शयनिय, सहायक वायकर वाय्वत (निरीक्षण)

मर्जन रेज-2 सम्बद्ध

बम्बई दिनौक 28 फरवरी 1986 निर्देश सं० अई-2/37-ईई/22532/84-85---यतः मुझे, प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1 00.000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं इंडस्ट्रियल शेंड नं 40 फेज नं 3 शिव शक्सी इंडस्ट्रियल इस्टेंट श्रंधेरीं (पु) बम्बई-69 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है)। भीर जिससा करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 11 जुलाई 1985

ने पूर्वोक्त संपर्तित के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यधान लिए बन्तरित रतिफल की गड कारण है विष्वास करने क्य वधाप्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिचत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिसी (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दूरोग से उक्त जंतरण निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कियागया है:⊷–

- (फ) निष्यं वे हुई किनी बाय की बावत, उनक अभिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) इंसी किसी जाय या किसी वन वा अस्य जास्तियों कारे, विन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 15) वा उक्त अधिनियम, रा वय-कर अधिनियम, रा वय-कर अधिनियम, रा वय-कर अधिनियम, रा वय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना जाहिए था, छिपाने में युविधा के लिए;

वतः वयः, उवतः अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उवतः अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के व्यक्ति, निम्मलिखित व्यक्तियाँ, प्रथाति कु— 1. श्री सोपारकर सुरेश दत्तात्रय।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स प्रार० ए० इंजीनियर्स।

(भ्रन्तरिती)

की यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 किसिकार में किए का सकरें।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, को लक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा हैं।

अनुसूची

इंडस्ट्रियल शेंड न० 40, जो तल मंजिल, फेज न० 3, शिव शक्ती इंडस्ट्रियल इस्टेट मरोल विलेण श्राफ शंधेरी कूली रोड़, शंधेरी (पु) बम्बई-400069 में स्थित है।

भनुसूची जैसाकी कर सं अर्ध-2/37-ईई/22532/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 11-7 1985 को रजिस्टब किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 28-2-1986

प्रक्ष नाइं.टी. एन ,एस-------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत संदुकार

कार्यांचय , सहायक धायकर आयुक्त (गिरुक्तिक) प्रजीत रें-2, वस्बर्ध

बम्बर्ड, दिनाँक 4 मार्च, 1986 निवेंश सं० मर्ड-2, 37-ईई, 22760, 84-85---भतः मुझे,

प्रशांत राय आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भाष 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

1.00,000/- रा. से **अभिक है**

ग्रीर जिसकी सं० युनिट नं० 66, धापोलो इंडस्ट्रियल इस्टेट, ग्रंघरी(पु), बम्बई-93 में स्थित है (ग्रीर इतसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के भ्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 16 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्धाल करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दरसमान प्रतिफल से, ऐसे दरसमान प्रतिफल का पन्तह , प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) मौद अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुड्ड किसी आय की बावत, आयक्टर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उत्तसे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अच्य आस्तियाँ को, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना धाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अन्सरण जो, जो, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को आधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अभीत् :--- 1. मैसर्स सर्वोदया एन्टरप्रायस।

(भ्रन्तरक)

 श्री गणानन शाँताराम जाधव भौर श्री मध्कर शाँता राम जाधव।

(मग्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वांक्त सम्प्रति के अर्जन क त्सप् कार्यकाहियां करता हूं।

सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अविध, को भी अतिथ बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारन की तारील से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विधित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

मनत्त्री

युनिट नं ० ६६, जो पहली मंजिल, भाषोली इंडस्ट्रियल इस्टेंट, महाकाली केव्हज रोड़, श्रंधेरी (पु), बम्बई-400093 में स्थित है।

मनुसूची जैसाकी कि० सं० भई-2,37-ईई,22760,84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा निवनौंक 16-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीच: 4-3-1986

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

क्रायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 28 फर**व**री, 1986

निवेंश सं० मर्थ-2,37-ईई,22837,84-85---भतः मुझे; प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, इमारत नं० 3, प्लोट नं० 13, भवानी नगर, शंधेरी (पु), बम्बई-59 में स्थित है (स्रोर इससे उपावद्ध अनुसूची में धौर पूर्ण रूप से विणत है), स्रौर जिसका करारनामा बायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्टी है तारीख 19 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कभ के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयकी बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारार (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — 1. मैं सर्स दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटंड।

(ग्रन्तरक)

2. भी स्टेफन नेलसन सोग्ररस ग्रौर श्रीमती रूबी भाई० सोग्ररस।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्ची

फ्लैंट नं० 1, जो तल मंजिल, इमारत नं० 3, प्लोट नं० 13, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड़, श्रंधेरी (पु), बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क० सं० अई-2,37-ईई,22837,84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 19-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बस्बर्फ्

तारीच : 28-2-1986

प्रस्त्र आहे. दी. एन. एस.,--====

बायकर विधिनिसन, 1961 (1961 कर 43) की भारक 269-व के अधीन सूचना

भारत स्रकार

कार्यंतक, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनौंक 28 फरवरी, 1986

निर्वेश सं० अई-2,37-ईई,22839,84-85—अतः मुझे, प्रशांत राय

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्ट्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 7, इमारत नं० 1, प्लोट नं० 10, भवानी नगर, अंधेरी (पु), बम्बई-59 में स्थित है (और इससे ज्याबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा भायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्याकर में रजिस्ट्री है तारीख 19 जुलाई, 1985

की पूर्विका सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अस्तिरित की नई है और मूमो यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का केन्द्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतिकती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के स्निए तब बाबा गवा अतिफल निम्नसिवित उद्देश्य से उच्त कन्तरण किवात में बास्तिक हम से स्वित नहीं किवा गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किन्दी उत्तव की बाबत उक्त जीध-पियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वासित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कट अधिनियम, या धन्-कट अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में जूबिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुतरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् ध--- 1. मेसर्स दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रो सीमोन पी० डीसोजा।

(प्रन्तरितो)

कों यह सूचना जारी करके बुवोंक्त सम्बन्ति के अर्थन के जिए कार्वनाष्ट्रियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्वक्षियों में ते किसी स्वक्ति ब्वारा;
- (क) इस त्यता के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किशी जन्य व्यक्ति वृतारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम: के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्या

फ्लेंट नं० 7, जो दूसरो मंजिल, इमारत नं० 1, प्लोट नं० 10, भवानः नगर, मरोल मरोगः रोड़, अंधेरो (पु), बम्बई-400059 में स्थित हैं।

प्रनुसूचो जंसाकी कि सं० प्रई-2/37-ईई/22839/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 19-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 28-2-1986

प्ररूप बाईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांस 4 मार्च, 1986

निर्वेश सं० %ई-2/37-ईई/22845/84-85--- अतः मुझे, प्रणांत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रह. से अधिक है

जार जिसको संवयुक्तिट नंव 209, बीव ब्लाक, हिंस सौराष्ट्रा इंडिस्ट्रियल इस्टेट, अंधेरो (पु), बम्बई-59 में स्थित हैं (और इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं)/और जिसका करारनामा भ्रायकर प्रधिक्थिम 1961 की धारा 269क, ख के भ्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारोख 19 जुलाई. 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल निम्नलिश्वित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिश्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गमा है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

जत: जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जों, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) की अभीत, निम्मतिचित व्यक्तियों, अभीत् ह—

कुमारी कचिता कोट्रमल मिरथानो।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स ए ० के० कलर-केम भाफ इंडीया।

(मन्तरिती)

 यह सूचना आरौ करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के सर्चन के लिए कार्यवाहियां कपता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीं से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

युनिष्ट नं० 209. जो दूसरा मंजिल, बां० ब्लोक, हिंद सौराष्ट्र इंडस्ट्रियल इस्टेट अंधेरो कूलि रोड़, अंधेरा (पु), बम्बई-400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की कि कं सं भई-2/37-ईई/22845/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 19-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-2, बस्बई

तारोख: 4-3-1986

मोहर ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निर्देकक)

> धर्णेन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनोक 28फ रवरी, 1986

निर्वेश सं ० **मर्श-**2,37-**६ई**,22862,84-85--- भ्रतः सुझे, प्रशांत राय

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पश्चात 'उनत लिपिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 था के अधीन संक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्मति, जिसका उचित बाज़ार मृज्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं ० युनिट नं ० 204, एच० बिल्डिंग, श्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, श्रंधेरी (पु), बम्बई-72 में स्थित है (भौर इससे उपा- बद्ध श्रनुस्वी में भौर पूर्ण रूप से विणित है) शौर जिसका करार- नामा श्रायकर श्रविनियम, 1961 की श्रारा 269क, खं के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 19 जुलाई, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते बहु विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचितः बाजार मृज्य, उसके इक्यमान प्रतिफल से, एसे इक्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निशिवत उद्योक्य से उक्त अंतरण निम्नित में नास्त्रिक कप से कथित नहीं किया गया है हैं—

- हुँक) जंतरच से हुई किसी जान कई वानत, उनत अधिनिज्ञ के जधीन कर दोने के अंतरक ले बादित्व के कभी करने या उत्तसे वच्ने के बृहिशा में बिए; बहुंदु/वा
- (व) ऐसी किसी शाय वा किसी भग या तत्य जास्तियों को, विन्हीं भारतीय जायकार जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या सक्त जिभिनियम, या वन-कर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोगनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने यो स्विधा की जिद्दा

कतः कव, उकत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिशित व्यक्तियों, अर्थादाः— 1. मेसर्स ग्रंसा बिल्डर्स ।

(ग्रन्सरक)

2. मेसर्स प्रीन्टसेट।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अवत सम्पत्ति को वर्षन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में त्रकाशन की तारी छ सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्याग अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्वत्वीकरण: --- इसमें प्रयुक्त स्वयों और पर्वों का, जो स्वयं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस सध्याय में विया गया है।

अनुसूची

युनिट नं० 204, जो दूसरी मंजिल, एच० बिल्डिंग, श्रांसा इंडस्ट्रियल इस्टेट साकी विहार रोड, साकी नाका, श्रंधेरी (पु), बम्बई-400072 में स्थित है।

धनुसूची जैसाकी कि लंब गई-2,37-ईई,22862,84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 19-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जनरंज-ूकम्बर्ध

तारीख: 28-2-1986

प्रकृत वार्ष हो पुन् पुन् व्यान्तरम्

नामक र नीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-न (1) में स्थीन स्थान

प्राप्त बुरकार

कार्याचन, रङ्गायक वायकाड गान्यत (निद्धांकार्य)

ध्रर्जन रेंज-2, अम्बर्ह बम्बर्ड, दिनाँक 28 फ रवरी, 1986

निर्वेश सं० घई-2,37-ईई,22863,84- 5-- मतः मुझे, प्रशांत राय.

शायकार अधिरियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मध्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० यूनिट नं० 222, ए घ० बिल्डिंग, श्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, श्रंधेरी (पु), बम्बई-72 में स्थित है (भीर इससे उपायक भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है),भीर जिसका करारनामा सायकर भिधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है: तारीख 19 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाचार मृत्य से कम के अवमान श्रीतफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त जंपित का अधित बाजार मृत्य उसके असमान प्रतिकत से एखे असमान प्रतिकत का पल्छ प्रतिकृत से विश्व है जोर बंतरक (बंतरका) और बंदरिकी (बन्तरित्यों) के बीच एखे अन्तरक के निए तब पाया नवा श्रीतफल, निम्नजिसित उद्देश्य से उक्त बन्तरण मिसित में वास्तिक क्य से अधित यहाँ क्षिया गया है क्ष्य-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आक की बावस, बक्स जिस्तियम के अभीन कार दोने के जन्तरक की दामित्य में कमी करने या उत्तर्ध क्वने में सुविधः के सिए; बॉट/बा
- (क) एसी किसी जाब वा किसी अन या जन्य जास्त्यां को, जिन्हों भारतीय जासकर मिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थं जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

बत्तः पत्र, उत्तत् वीधीनवयं की धारा 269-गं के बनुस्रण यो, भीः कन्त अधिनियमं की धारा 269-मं की वर्षास् (1) को अधीय, निकाधिकीयतं व्यक्तियों अधीय क्र— 1. मैसर्स प्रसा बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स होम प्लास्टीकस्।

(भ्रन्सरिती)

को वह बुबना जाड़ी करके पुर्वाक्य स्म्मारित के व्यक्त के किस् कार्यनाहियां स्क करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की खारीख़ से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 विश के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा स्थाहरताक्षरी के वात निविद्य में किए या करेंगे।

श्यक्तीकारण:---इतमे प्रयुक्त शक्ती मीर पत्नी का, वो उत्तर विविन्त्रत के अध्याद 20-क ने परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा को अध्याद में दिवा क्या ही।

नन्यूची

"युनिट नं ० 222, जो दूसरी मंजिल, ए च ० बिस्डिंग, श्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट, साकी विहार रोड़, साकी नाका, श्रंघरी (पू), बम्बई-400072 में स्थित है।

भनुसूची जैसाकी कि सं श्र भई-2/37-ईई/22863/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 19-7-1985 को रिजस्टड किया गया है।

(प्रशांत राय) सक्षम प्राधिकारी तहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेन रेंज-2, बम्बई

|तारीख: 28-2-1986 <u>|</u>

प्रकम कार्यु हो ् एक 🚉 एस्. - जन्मकान्यकान

बायकार धरिपतिनाम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के बचीन सुमना

नारत चरकार

भागांजय; सङ्गयक जायकर आधुक्त (निरीक्तक)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/22864/84-85~-श्रनः मुझे, प्रशाँत राय,

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रसक्ते पश्चात् 'उक्ट अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के ब्रेसिन क्षांच प्राधिकारों को, वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संव्युनिट नंव 22, एचव बिल्डिंग, श्रंमा इंडिस्ट्रियल इस्टेंट, श्रंधेरी (पु), बम्बई-72 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 19 जुलाई, 1985

को प्रोंक्त सम्मित के उपक बाजार यूच्य से कम के वस्त्वान प्रांतफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अस्तरिती (अस्तरितिका) के बीच दसे अन्तरण के निए तक पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्वरिय से उक्त अन्तरण निश्वत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के अधिक में क्यी करने वा उक्स बचने में सृष्टिभा के सिछ; अधि/या
- (क) एती किसी नाम या किसी भन ना बन्ध नास्तियों की, विन्हें भारतीय नामकर लिभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर लिभिनयम, या धनकर लिभिनयम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ बन्नीरिटी द्वारा प्रकट नहीं किया भ्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मो स्विभा के निह;

नतः जन उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गे. में , उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन , जिस्तीलोकत व्यक्तियों , अर्थात :----

1. मेसर्स भंसा बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

2. में सर्स न्यू योर्क व्लास्टीक।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा क्त सम्परिस के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्नबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मगुजुर्ची

युनिट नं० 221, जो दूसरी मंजिल, एच० बिल्डिंग, ग्रंसा इंडस्ट्रियल इस्टेट माकी विहार रोड़, साकी नाका,ग्रंधेरी (पु), बम्बई-72 में स्थित है।

े प्रमुख्ना जैसाकी कि वार्च ग्राई-2/37-ईई/22864/84-85 की जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 19-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बस्बर्ष

तारीख: 28 = 2-1986

मोहरः

प्रक्ष वाह्री, बी., एन . एसं :-----

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-2; बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० ग्राई-2/37-ई%/22871/84-85--यतः मुझे, प्रशांत राय,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परवात: 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव पलटनंव 304, बीव विंग, हवा श्रपार्टमट, श्रंधरी (पु), बम्बई-93 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमु-सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ञ है) श्रीर पिरवा देशर-नामा श्रायकर श्रिश्चित्यम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 19 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान बितफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बधाप्वेक्ति सम्मित्ति का उचित बाजार ब्रूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और संतरक (अंतरकों) और अंतरिती बीच एसे अन्तरण के लिए एक पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत अब्वेश्य से उक्त बन्तरण लिखित में भास्तिबक रूप से कवित नहीं किया ज्या है:---

- (क) लन्तरण से हुं कि कि बाब की बाबत, उक्त अर्ग पियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उसमे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों स्ते, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

बतः नन, धवतः विधितिषयं की धारा 269-ए के कन्हरण में, में, उकत अधिनियमं की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसिक व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) जहांगीर बिल्डसें।

(ग्रन्तरक)

2. श्री राधेश्याम विश्व कर्मा।

(भ्रन्तर्रिती)

को यह सूचनः वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिण करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्कीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

वम्सूची

फ्लट नं 304, जो तिसरी मंजिल, बी० विंग, हथा श्रपार्टमट, महाकाली केव्हज रोड़, श्रंधरी (पु), बम्बई-400093 में स्थित है।

श्रनुसूची जसार्का ऋ० मं० श्रई-2/37-ईई/22871/84 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी के बम्बई द्वारा दिनाँक 19-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> (प्रशांत राय) सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 28-2-1986

प्रक्रमः बार्षः हो ,पन ार्यः

बानकर क[भिभिष्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के भूभीन सूचना

भारत सरकार

आर्थातय, बहायक मानकाह बायुक्त (निर्देशका)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाँक 4 मार्च, 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई, 22878, 84-85--श्रतः मुझे, प्रशांत राम

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषये इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' स्वहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उद्देशन वाकार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लंट नं० 9, णेर -ए-पंजाब को० आप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड अंधेरी (पु), बम्बई-93 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विणित है) ,और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 19 जुलाई, 1985

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बावत, उक्त शीधनियम को जभीन कर दोने के स्थाउक को कावित्य में कमी करने या उक्क संभव में स्विधा को निए; बांद्र/या
- (स) एथी किसी बाग ना किसी धन ना कर्य वास्तिनों को बिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम का प्रकृष अधिनियम का प्रकृष अधिनियम का प्रकृष अधिनियम का 27) से अधिकार्य अधिकार अधिकार प्रकृष का 27 से अधिकार वा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के बिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मॅ, मॅं., उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित क्यक्तिकों, अर्थात् :— श्रीमती मोहींदर कौर।

(भ्रन्तरक)

2 श्री देवेन्द्र नाथ नरूला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए क्यर्वनाहिया पुरू करता हूं।

उन्द रूपरिए के वर्षन के रूपरथ में कोई भी संस्थेप 🖦

- (क) इस सपना को राज्यम में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नवीं ना तत्वास्त्रन्थी का नित्यों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवींच, को भी क्यों क्यों की संस्था होती हो, के भीतर प्रॉक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इच स्था के राज्यम में प्रकाशन की तारीच हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपत्ति में हित्तबक्ध किसी सम्ब स्थावित इवारा सभोहस्ताक्षरी के बार सिचित में सिए वा सक्षेतें।

ननुसूची

फ्लेट नं० 2, जो तल मंजिल, इमारत नं० 9, शोर-ए-पंजाब को खाप० हार्जीय सोक्षायटी लिमिटेड, महाकाली रोड़, अधेरी (पु), बम्बई-400093 में स्थित है।

श्रनुभूची जैसाकी क० सं० श्रई-2/37-ईई/22878/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 19-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4-3-1986

प्ररूप आई..टी..एन..एस.,-----

भावकर व्यभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याक्तय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षय) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 मार्च 1986

निदश सं० ग्रई-2/37-ईई/22897/84-85---ग्रतः मुझे, प्रशांत राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- स्त. से अधिक है

भौर जिसकी सं० युनिट नं० 119, दामजी ध्यामजी इंडस्ट्रि-्यल इस्टेट, ग्रंधेरी, (पु), बम्बई-93 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद प्रनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है)/ग्रीर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में र्गजस्ट्री है। सारीख 19 जुलाई, 1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का गन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरिक्षियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रीतारल निम्नीलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, अरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधाके लिए।

वत: वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

श्री योगेश रामजीभाई रसानीया।

(ग्रस्तरक)

2 मेसर्स ख्याती आफसेट।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों स्वनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दौं और पदौं का जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

SCE.

युनिट नं 119, जो टामजी ध्यामजी इंडस्ट्रियल कोम्पलेक्स, 28 महल इंडस्ट्रियन इस्टेट, महाकाली केव्हज रोड़, ग्रंधेरी (पू), बम्बई 400093 में स्थित है।

भ्रनुसुची जैसाकि ऋ० सं० ग्रई-2/37-ईई/22897/84-85 भीर जो मक्षम प्राधिकारी , बम्बई द्वारा दिकांक 19-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर द्वायक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 4-3-1986

मोहर

मच्य मार्चं स्त्रीत पुरस्त पुरस्तानाम्या

नामकर स्थिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन स्चना

भारत संस्कार

कार्याचन, सहामक भाषकर प्रायुक्त (निहासिक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनां व 28 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/23024/84-85--ग्रतः मुझे, प्रशांत ्राय

बायकर निपनियम, 1961 (1961 का 43) (भिन्ते इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिश री की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति, जिसका उश्वित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 601 इमारत नं० ए०, प्लाट ्नं० 18, भवानी नगर श्रंधेरी (पू०) बम्बई - 59 में स्थित है (भौर इससे उराबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) ्रश्नौर जिस का करारतामा आयक्त अधिषयम 1961 की धा_र 2695, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री हैं। तारीख 25 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रविकल के लिए अंतरित जी गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाधार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिकल से, ऐसे रूपमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण द्विश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण वं हुवं किसी बाण की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिएए; कार/यः
- (य) एंडी किसी नाथ ना किसी धन मा क्ष्य वास्तियों को, चिन्हें भारतीय नायकर विधिनिक्स, 1.0-22 (1922 का 11) मा सकत विधिनिक्स, यह धन-कर विधिनियम, 1957 (∑57 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में कृषिका के किए;

जत: शब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धाः 269-ध की उपधारा (1) को अभीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, जभीत् ः—

- 1. मेसर्स दीपक बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री भ्रानंत लक्ष्मन काले।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स विकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-ब्लूथ किसी ब्यन्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास हितीकत में किए जा सकोंगे।

स्थक्कीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनिक्रमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थहोगा जो उस अध्याय में दिया भवा है।

भनुसूची

फ्लेंट नं० 601, जो छठवी मंजिल, इमारत नं० ए० फ्लाट नं० 18, भवानी नगर, गरोल मरोशी रोड, ब्रंधेरी (पू०), बम्बई-400059 में स्थित है।

प्रनुसूची जैपाकि कि संव प्रई-2/37-ईई/23024/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1985 को रिलस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भाय हर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रजैन रोज-2, **बम्बई**

दिनां ः 28-2-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रापुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांस 4 मार्च , 1986

निर्देश सं० ग्राई-2/37-ईई:23047/84-85--- प्रतः मुझे, प्रणांत राषः

अस्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्यकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 405, जो ई० बिल्डिंग, मिनश पार्क में , ग्रंधेरी में (पु), बम्बई-69 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुख्ती में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 25 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कि वा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के त्त्राः

बतः अब उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारार (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती भावना गौतम कपाडीया।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सुधाबेन क्रजलाल वोरा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त श्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपित्त में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वार्रा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनसुची

फ्लेट नं० 405, जो चौथी मंजिल, ई० बिल्डिंग, मनीक्ष पार्क, राजमाता जीजाबाई मार्ग, पंप हाउस, श्रंघेरी (पु), बम्बई-400069 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/23047/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1985 को रिजस्टिई किया गया है।

> (प्रणांत राय) सक्षम प्राधिकार्रे सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-2, बम्बई

सारीख: 4-3-1986

मक्ष बार्ष की एवं , कानानानान

शासकार माधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श (1) के मधीन मुचना

नारत चरुका

कार्याक्षयः, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दीक्रण)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 मार्च, 1985

निर्देश गं० ग्रई-2/37-ईई/23071/84-85—-यसः मुझे, प्रशांत राय;

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सन्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1.90,090/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संवयुनिट नंव 53, श्रीपोली इंडस्ट्रियल इस्टेट, ग्रंधेरी (पु), बस्बई-93 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है)/श्रीर जिसका बरार-नामा आयकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 25 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उपिक्ष बाजार मूक्य से कम को दक्षमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्दें हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दक्ष्ममान प्रतिफल से एसे दक्ष्ममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिति (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देष्य से उक्ष्स अन्तरण लिकित को अस्तिविक रूप में किथत नहीं किया गमा है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (घ) एसी किसी नाम या किसी धन या अस्य आस्तियों की, चिन्हों भारतीय नाम-चर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदल अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया नया या वा किया जारा नोइए था, क्याने प्रिया के किया

कराप्त कव जनत विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक को, मी, उक्स विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के वधीन, निम्मिकिया व्यक्तियों, वर्षांत है— 1. मेसर्स घनण्याम इंटरप्रायस।

(अन्तरक)

2 श्रीमती प्रभावेन भोगीलाल ग्रमीन।

(ग्रन्तरिती)

को अह सूचना चारी करको पूर्वोक्त संपृत्ति के वर्णन के विक् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्क सम्मारित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वास्त्रेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अपोहस्तादारी के पाउ मिकित में किए वा सकेंगे।

स्थलीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पश्चों का, जा उपस्य विभिनयम, के अध्याय 20-क में वरिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

''युनिट नं॰ 53, जो पहली मंजिल, श्रापोली इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केव्हज रोड़, धंधेरी (पु), बम्बई-400093 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा की ऋ० सं० श्रई?-37-ईई/23071/84-85 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनांक 26-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

(प्रगांत राय) सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 4-3-1986

and the control of th प्रकृष कार्षे . हो. एन्. एक्. -----

जायकार अधिनियम्, 1961 (1961 **का** 43) की गारा 269-म (1) से स्थीन स्मना

भारत सरकार

अध्यक्तियः, सहायक वायकार् वायक्तः (निर्देशका)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, विनांक 3 मार्च, 1986

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/23135/84-85--- प्रनः म्से, प्रशांत राथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इ.समें इसके परचात् 'उच्त अधिनियस' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 209, 210, श्रंधेरी (पू), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है। भ्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 ह, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है। लारीख 26 जुलाई 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार मृत्य से कोम के बच्यमान अतिकस के लिए संतरित की गड़ी ही और सभी यह निश्वाम करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित वाजार मुख्य, उसके करयमान प्रतिकास से, ऐसे क्यामान प्रतिकास का पासक प्रतिशत से मिथक है और मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाना गया पतिकल, निम्मलिकित जब्दिय सं अवस वन्तरण सिकित ्^र वास्तानिक रूप से कवित नहीं विकास नवा है ह----

- (क) अंतरण से हाई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-। त**रम वो बंधीन कर**, धीने के अन्तरफ के दायिए धी कारों करने का सकले मनामं हो सरिवधा क कीर/या
- (क्रं) एोसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिल्ही भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवोधनार्च बन्तरिती बुधारा प्रकट नहीं किया नया भाषा किया जाना नाहिए था. कियाने में गुटिशा के निए:

बक्ष: बब उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुतरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास :---

1. श्री अयोति शंकर नंदी।

(भ्रन्तरक)

2 मेसर्स मेनकोन इन्टरप्रायस।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कर्यवाहियां करता हूं।,

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चला की तारील से 30 दिन की जबिप, वो भी जबिप बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस स्थाना के राजवत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस सिवित में बिश जा एकोंने ।

स्पष्टीकरण ४----इसमं प्रयुवत सन्दों और घटों का, को उपस जिमिनियम के अभ्याम 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

मन्त्र वर

जमीन का हिस्सा जो मी० टी० एस० नं० 209, 210, अंधेरी कुली रोड़ और सूरेन रोड़ के कोने में अंधेरी (पू) बम्बई है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं ग्राई-2/37-ईई/23135/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-7-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

सारीख: 3-3-1986

श्रहण बाह्यें, ठी.. एग्.ं एखे..----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याचन, तहायक नायकर नायकर (निश्वीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० आई० 1/37ईई/23163/84-85---यत , मुझे, प्रशति राय

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृख्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लेट तं० 11 सूखदायक सोसायटी, अभेरी (प), बम्बई-59 स्थित है (भ्रार इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रार पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा भायकर श्रधितियम की धारा 269 ख के क भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रा है, ताराख 26 जुलाई, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूक्य, उसके कथमान प्रतिफल से एसे कथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीजा एसे बन्तरण के लिए तय पामा गया प्रविक्रक निम्नाबिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण दिल्लि में बास्तियक रूप से कथिश नहीं किया गया है दे—

- (क) जन्त्यस्थ से इन्द्रे किसी बाब की बाबत, अवल निजम के अधीन कर दोने से अन्तरक के बायित्य में समी करने या उससे बचने के सुविधा के निए; और/या
- ल) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1.श्रीमती देवींदर कौर।

(ग्रस्तरक)

2. श्रीमती सरोज गोत्रिंद ग्रगस्याल।

(भ्रन्तरक)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्बनाहियां करता हां।

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जबिध, को भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उकत जीभनियमः, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, दही अर्थ होगा जो उस अभ्याय में निया गया है।

प्र गुत्र वी

फ्लेट नं 11, जो सी० बिल्डिंग, सुखवायक सोसायटी, जे० बी० नगर, प्रंघेरी, (पु), बम्बई-400059 में स्थित है। धृतुसुबी जैसाकि क० सं० प्रई-2/37-ईई/23163 84-85 ओर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 26-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बस्बई**

मारीख: 4-3-1986

मोहर

प्रकल बाहाँ, डी. इस. इस. ५०००

बाथकर बिधिनियम, 196 %61 का 43) की धारा 269-भ (1) को अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालव, सहायक आवकर आयुक्त (निरॉक्सण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/23179/84-85—- ग्रतः मुझे, प्रशांत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्मके पहलान 'नकल अधिनियम' सहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करमें का कारण हैं कि स्थावर 'संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00.000/- रा. में अधिक हैं

का प्यांक्त संपत्ति के उचित वाचार मृत्य हे कम के करवाक प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का वन्तर प्रतिफल का वन्तर प्रतिफल से विश्व है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे का एण के सिए तय प्रया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चर है उच्चत अन्तरण विश्व में वास्तविक रूप से कथित नहीं वि. , गया है :---

- (क) बन्तरण से हूइ किसी बाब की बाबत, उससे अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्दारक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/बा
- ण) एंसी किनी नाम या किसी भन या नम्य नाम्तर्यों की, जिन्हों भारतीय नायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्न विभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा ने किया

अतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण ं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीत :---

- 1. मेसर्स दीप क बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड । (ग्रम्तरक
- 2. श्री मीरील मार्टीस श्रीर श्रीमती तेरेजा मार्टीस । (श्रन्तरिती)

को सह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मिरित के वर्जन के लिए कार्यशाहियां कुक करता हुं।

उपत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपण में ज्ञानन की तारी के 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थाव पंपत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिश्वत में किए वा सकीन।

स्पन्धिकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्द शौर पर्वो का, जो उक्त ठीधन्यिम के अध्याद 20-क में यथा परिमाणित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय भ दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 8, जो दूसरी मंजिल, इमारस नं० 4, प्लोट नं० 10, भवानी नगर, मरोल गरोशी रोड़, श्रंधेरी (पू), बम्बई 400059 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि॰ सं॰ अई-2/37-ईई/23179/84-85 और जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायक्षरे श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्ब।

तारीख: 28-2-1986

म्बन् बार्र , दी, प्रदूर एक ह

1. मेसर्स रोलीक्स इंडस्ट्रोज।

(भ्रन्तरक)

कामकार भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन स्मा 2. मेसर्स नीतेश टेक्सटाईस्स।

(प्रग्तरिती)

STOR THEFT

कार्यांचय , बहायक बायकर वायुक्त (र्रंगरीकप)

भ्रजीन रोंज-2, बग्बर्ड बम्बर्ड, विनांक 4 मार्च, 1986

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/23183/84-85—अत: मुझे, प्रशांत राय.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० गाता नं० बी०/30, नंद ज्योत इंडस्ट्रियल इस्टेट, श्रंधेरी (पु), बम्बई-72 में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद ग्रनुसूची मैं श्रोर पूर्ण रुप से वर्णित है)/श्रोर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिक्स्ट्री है सारीख 26 जलाई 1985

की प्रजीवत सम्मित के जीवत बाबार मूल्य से कब को स्वयंत्रमा शितक के निष् अंतरित की वर्ष है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वजापूर्वांकत सम्मित्त का जीवत बाबार मून्य, उसके स्थमान प्रतिफल की प्रश्नह शिवज से समिक है और वन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच हते अन्तरक से विद् तय वासा प्रशा करित्या, निम्मिक हिं स्थारण के विद तय वासा प्रशा करित्यक, निम्मिक सिंग तक्षी किया गया है है—

- (क) करतस्य वं हुवं कियी नाम की नामकः, अन्य कीपिनिष्य के क्यीप कर देने के वन्तरक के समित्य में क्यी करने मा क्युचे मचने में सुविधा के किए; और/मा
- (ण) एंसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर निर्मियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निर्मियम, या धन-कर निर्मियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविधा के दिन्छ।

्रकः, अव, जन्त जीभीनयम की भारा 269-त के अनुसरण २, में, उसत अभिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के वभीय, विकास किस काकितवों, अर्थास् ६—— को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के सिद्ध कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

रक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाबोप :---

- (ह) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हो 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अयक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीसर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी अयक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी जन्य व्यक्ति इंगर अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकेंगे।

स्वकारकारकार—प्रसमे प्रमुक्त शब्दों कीर पदों का, जो सकत विभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्यास से विका वजा हैं।

अमुस्ची

"गाला नं० बी/30. जो पहली मंजिल, नंद ज्योत इंडस्-द्रयल इसटेट कुर्ला ग्रंथेरी रोड़, बम्बई-400072 में स्थित है ग्रनुसूची जैसाकी क० सं० ग्रई-2/37-ईई/23183/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधि तारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-7-1985 के रजिस्टर्ड निया गया है।

> प्रणीत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रोज-2, बस्बई

तारीख: 4-3-1986

मोहरः

प्रकृष बार्षा की । पुरु पुरु -----

बाव्यक्ट मुर्गिन्यम् । 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-व (1) के मुनोद बुजदा

STATE STATE

काराधन, बहारक भारकार मानुक (दिरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० ग्राई-2/37-ईई/23228/84-85---श्रतः मुझे, र्ातात राय

भागकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावड संवरित जिल्हा जीवत वाजार कृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लोट नं० 134, महाकाली केव्हज रोड़ श्रंधेरी (पु), बम्बई-93 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269क, ख के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है। तारीख 29 जुलाई, 1985 है

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिक्त के सिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने गई विक्यात करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्षल निम्निलिस उद्योध्य से उक्त अन्तरण विवित्त में वास्तविक हप से कथित नहीं किया गया हैं :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जामकर जिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिमित्रम, या धनकर जिमित्रम, या धनकर जिमित्रम, या धनकर जिमित्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया कुछ या या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिचित् व्यक्ति हैं, इक्ष्म कु-- 1. श्री श्रोपिंदर सिंह श्रवतार सिंह।

(ग्रन्सरक)

2. मेसर्स मनसुखानी बिल्डर्स।

(भन्तरिती)

को यह तूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करसा हुं।

जनत सम्मत्ति के नर्जन के संबंध में कांद्र भी नासने ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच सं
 45 दिन की अविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
 जनित्र वाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं तें 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास किहित में किए का सकोंगे।

स्यक्टीकरण:--- इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ववा है।

अनुसूची

प्रशोट नं० 134, जो महाकाली केव्हज रोड़, ग्रंधेरी (पू), बम्बई-400093 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी कि० स० ग्रई-2/37-ईई/23228/84-85-ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 29-7-1985 को रजिस्टर्फ किया गया है।

> प्रशांत राय मक्षम प्राधिकारी सहायक क्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बाई

तारीख: 3-3-1986

मोहरः।

प्रकार आहोत् कीं प्रवाद एवं .-----

नायकर जिथिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सूचना

प्राच्य सरकार

कार्यांक्य, तहायक वायकर बाव्यत (निर्शासक)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देण सं० भ्रई-2/37-ईई/32415/**84-8**5----भ्रत: मुझे प्रशांत राय

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'जन्द निधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के निधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निध्नास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका सजित नाथार मूल्य 1,00,000/- रा. से निधिक है

और जिसकी संव युनिट नंव 107, अंसा ए-की इंडस्ट्रियल प्रोमायसेस, अंधेरो (पू) बम्बई-72 में स्थित हैं (और इससे उपाध्य अनुसूर्यों में और पूर्ण रूप में विणत हैं) और जिसका करारनामा प्राधकर प्रधिनियम को धारा 269क, ख के प्रयंत सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजर्ट्य हैं शारीख 11 जुलाई 19865

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृष्यमान मितिकस के निए जन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि वधापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाबार मूल्य, बसके दृष्यमान प्रतिकस से, ऐसे ध्रममान प्रतिकस का पन्त्रह् प्रतिवात से बिधक है और जन्तरिक (जन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिकस, निम्निविधित उद्योक्त से स्वत्य कन्तरण कि सिंध के स्वत्य कन्तरण कि सिंध के स्वत्य कन्तरण कि सिंध के स्वत्य कन्तर कि सिंध के स्वत्य कन्तर कि सिंधन के सास्त्रिक कम से कि बित नहीं किया गया है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अगस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था विकास आगा जाहिए था, कियाओं में सविभा चे सिहा:

ब्त अंब, उस्त वृधिनियन की भारा 260-ण की, वनुसरफ् व', बी, उस्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के कभीग, निव्नलिखित व्यक्तियाँ, वर्षात थ्र--- 1.श्री दिनेण भगवान दास पारीख।

(भ्रन्तरकः)

2. श्री हुनेद गूलामली कड़ी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त क्रमति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में अमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत ख्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विध-गमा है।

प्रमुसुची

गूजिट नं 107, जो पहली मंजिल, अंसा ए-बी इंडस्ट्रि-यन प्रोप्तायसेस की-प्राप्त हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, साकी विहार रोड़, अंबेरी (पु), बम्बई-400072 में स्थित है।

अनुसूचो जैसाकी कि० सं० ध्राई-2/37-ईई/32415/84-35 और जो सभाम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 11-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी स**हायक मायक**र श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-2, **बस्बई**

तारीख: 4-3-1986

प्रकृष बाह्य हो एवं .

नायकर जीपीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (4) के क्षीन सूचना

भाषा सम्बद्धार

नप्रभागन , तहामक मानकर अस्त्रुवस (रिकारिकन)

श्चर्णन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 मार्च 1986

निदेण सं० मई-3/37ईई/32418/85-86--- म्रतः, मुझे, ए० प्रसाद,

वानकार मधिनियम 1961 (1961 का 43) (विशे इचर्य इक्षके परमास् 'जनक मधिनियम' कहा नवा हो), की धारा 269-य के मधीन क्याम प्रतिपक्तकी की वह विकास करने का कारण हो कि स्थानर स्थानित, विकास धीनक बाजार जुन्य 1,00,000/- क. से मधिक हो

और जिसको सं० युनिट नं० 1.21, अंसा ए-वीं इंडस्ट्रियल प्रीमायसेस, अंधेरो (पू०), बम्बई 72 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विगत हैं), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रविधित्यम की धारा 269क, ख के प्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री हैं तारीख 29 जुलाई, 1985

को क्योंकत तम्पतित के उक्ति बाकार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिकास को बिक् अवस्थित की कई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारक है कि अभाष्यांकत सम्पत्ति का उचित बाकार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिकास से, एसे क्यमान प्रतिकास का क्लाह प्रतिकात से बाधक है और जंतरक अंतरकों; और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंबरन के निए तय पाया गंवा प्रतिकास, निम्निजिसित उन्हों किया नया है क

- (क) जंतरण से हुइ किसी भाव भी वावत , उभक्ष विभिन्नियम के अधीन कर दोने के अंक्षरक के द्यायल्य में कनी करने या उससे वजने में सुविधा के सिए; वरि/या
- (वा) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अस्य जास्तियों की, धिन्ही भारतीय जायकर जिमिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत जिमिनयम, या धन-धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रेकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा से सिए;

ब्तः वय, उस्त विधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, बी, इस्त विधिनियम की धारा 269-य उपधारा (1) के वधीत, निम्निधित व्यक्तित्त्रोंत कर्यात कर्या 1. सरदार करतार सिंह सभरचाल द्रस्ट।

(अन्तरक)

2. एम० बालसुषमन्य।

(भन्ति रती)

को सङ्ख्याका वासी करके कुर्मोक्त संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिकां, करुवा हुई [i]

उनत बन्धीरत के कर्मन के सम्मन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाबन की तारींच वे 45 दिन की जनकि या तत्सम्बन्धी स्पित्सों पर धूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्ख स्पित्सों में से किसी स्पतित दुवारा;
- (व) इंड क्ष्मा, में रामपण में प्रकाशन की बारीय में 45 क्ष्म में भीतर उन्तर स्थानर सम्पत्ति में हिए-बहुत क्षित्री नाम म्हानित क्ष्मार समोहत्ताकरी में शब सिवित में किए वा समोने।

स्वक्षां करते. — इक्यों प्रयुक्त क्ष्मां और पर्यों का, जो उन्तर विधिनवन के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं अही वर्ष होगा को उन्तर क्ष्मार वे दिना वक्षा हैं।

युनिट नं० 121-ए, जो अंसा ए-बो इंडस्ट्रियल श्रीमायसेस को-श्राप० सोसायटो साको विहार रोड, अंधेरी (पू०), बम्बई-400072 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37-ईई/32418/84-85 और जो सजम प्राधिकारों, बम्बई द्वारा दिनांक 29-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

विनांक: 4-3-1986

प्रारूप बाइ^१ टी . एन . एस<u>ं .</u> -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) को अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 मार्च 1986

िक्रमण कं प्रस्थितीय गामिसीय १००० गासिस १८८ — स्ट

निर्देश सं० ध**६-**2/3*7-*६६/22271/84-85,──श्रत: मुझे, प्रशांत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें दहनात 'उक्त मधिनियम' कहा गया ह"), की बारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेट नं० 4, औदूंबर सोसायटी, बिले पार्ले (पू०), बम्बई-57 में स्थित है (और इससे उपाधन्न प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारतामा धाय-कर प्रिंशियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 5 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकश के लिए बन्तरित की नह है बीर मुर्के यह विकास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूत्य, उसके स्थानान प्रतिकास के, एसे अध्यान प्रतिकास का पन्यह प्रतिचत से अधिक है और बंतरक (जंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरक के निए तब पाया गवा प्रति-क्ष्म, निश्वनिद्या स्वयंद्य वे स्वत्य वस्तरक हिविद्य वे सासा-जिक रूप से कर्षित नहीं किया पना है किया

- (क) बन्दाहण में हुए किसी बाय की बावस्, अनत बीधिवयन के बनीन कर दोने में बन्दरक के शरित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रीड/वा
- क) होती किसी जाव वा किसी थन वा जन्म जारितवीं को, जिन्हीं भारतीय जाय-कर जीवियय, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जीवियम, या अनुकर जीविनयम, 1957 (1957 का 27) के ह्योजनार्थ अन्तरितीं द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

कत् अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-म की अनुसर्ण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिरणों, स्वाह्य श्री सूधीर खांडेराष सहानी।

(श्रन्तरक)

2. श्रो श्रदन मोरेखर मंती।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्यन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोप ह-

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तार्रींश से 45 विष की वर्षींच मा तत्वाम्बन्धी स्थानितवों दस स्थान की तामीत से 30 दिन की नविष, भी भी अविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्वित्यों में से किसी स्थानत इवायाः
- (थ) इस त्यता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उकत स्थादर सम्पत्ति में हितवस्य किसी बन्य स्थानत स्थादर समाहरताकडी से शाद लिकित में किए या सकेंगे।

स्पब्दीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को जन्म िभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है

नग्स्ची

फ्लेट नं० 4, जो तल मंजिल, औदूंबर को० धाँप० हाउ-सिंग सोसायटी लिमिटेड, 19 तिलक मंदिर रोड, विले पार्ले (पू०), बम्बई-400057 में स्थित है।

श्रमुसूची जैसाकि कि सं श्राप्ट-2/37-ईई/2/22271/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 5-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4-3-1986

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सर्कार

कार्यालय सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 4 मार्च 1986

िर्देश सं० प्रई-2/37-ईई/22327/84-85---श्रतः म्रोुझे, प्रशांत राथ

आमकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वचात् 'उक्स अभिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का आरंग है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

और जिसकी सं० शाँप नं० 1, लक्ष्मी तिलयम, खिले पार्ले (पू), बम्बई-57 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिन्यम 1961 की धारा 269क, ख के श्रदोन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 5 जुलाई, 1985 को पृद्यों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण **है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का** शाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिपक्र इस्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से जोर बंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) को बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिषक्ष, निम्नीवित **उद्योग्य से उक्त अन्तरण जिल्लिक में बहुब विक रूप वे व्यक्तिक** न**हीं विक्रमा गया ड**ैं:----

- (का) अन्तरण वं हुर्इ किसी भाव की वावत, अवद अधिनियम के अधीत कर दोने के अन्तरक के धायित्य में अभी अवने या उसने बचने में सविभा के किए; और/वा
- (का) क्सी किसी अपन का किसी भग का अन्य आस्तियों को, जिन्ही कारतीय आध-कर अधिनियम, 10 (1922 का 11) का उनत अधिनियम, या धनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया काना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिन्ह;

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1. कुमारी ५ फोसा जेड खत्रा।

(भन्तरक)

 श्री जवाहरलाल दह्यालाल कारीया और श्रीमती कुसुम जवाहरलाल कारीया।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यपाहियां करका हूं।

जनत संपत्ति को वर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वोक्त कावितामों के से किसी व्यक्ति व्यक्ति;
- (थ) इस स्वान के राजवण में प्रकाशन की तारीत से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिनार से किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पच्चीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं के

वनुसूची

शाँप नं० 1, जो तल मंजिल, लक्ष्मी निलयम, नंदा पाटकर स्ट्रीट विले पार्ले (पू०), बम्बई-400057 में स्थित है।

अनुसूत्रो जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/22327/8-4-85 और जो सक्षम प्राधिकण्या, बम्बई द्वारा दिलांक 5-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 4-3-1986

मोहर

प्ररूप मार्ड, टी. एन, एस.-----

1. नेसर्ग जाश्री बिल्डर्स (इंडिया)

2. श्री विनोद गिरधरवास शाह।

(श्रन्त

(अन्तरिः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अभीन सम्बना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बम्बई, विरोग 28 फरवरी, 1986

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/22403/84-85--- प्रत: मृत्रे, प्रशांत राय

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1..00,000/- रु. से अधिक है

और शिसको सं० फलेट नं० 305, पुष्पवा प्रार्टमेंट, विले पार्ले, (पु०), बम्बई-57 में स्थित हैं (और इसने उपाबद प्रमुक्तों में और पूर्ण कर ने विणित हैं) और शिवका कराप्यामा घाएएर पिशियम 1961 को आरा 269 है, में के ध्रियों। में अम प्राधिवारी के कार्यालय, बम्बई में किस्ट्रों है धारी स 5 जुमाई, 1985 को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान शिरफल के लिए पंछीरत की गई है और मृभे यह विष्वास करमें कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य कृत्य, उसके रुप्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके रुप्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके रुप्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके रुप्यमान प्रतिफल को स्वरूप प्रतिकात से अधिक है और सन्तरक (अन्तरकों) और संतरिती (संतरितियाँ) के सीच एसे वंतरण के लिए तब वाया गया प्रतिफल निम्नीचित्तत स्वयं के से उसन रुप्यस्थ लिखत में अस्तिक निम्नीचित्तत स्वयं के लिए तब वाया गया प्रतिफल निम्नीचित्तत स्वयं के सिमा नवा है:----

- (क) जन्तरण से हुई किती आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के न्तिए;

अत: जब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिक्स व्यक्तियों, अर्थात है—— 66—26 GI/86 को यह स्थाना जारी करके प्रवेक्ति सम्पत्ति के अर्थन के कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप द---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा. 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी जिनतयों य सूचना की तामील से 30 दिन करी अवधि, जो के अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त शावर सम्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दृश्या अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकश्रं:---इसमें प्रयुक्त ग्रस्थी और पर्यो का, जो उन्तर निधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची...

पलेट नं० 305, जो पुष्पक प्रपार्टमेंट, 147, मला**विमा** रोड़, विले पार्ले (पू), बम्बई-400057 में स्थित है।

अनुसूचो जैसाकि कि सं प्रई-2/37-ईई/22403/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनोक 5-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारो सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, वस्वर्ष

तारीख: 28-2-1986

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

ायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक शायकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रें६-१, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 मार्च 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/22445/84-85---अतः मुझे, गांत राय,

. कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें के पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 39-स के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी की, यह विद्यास करने i कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार स्व्य . 00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 301, जाई अगार्टमेंट, विले पार्ने (पु), बम्बई-57 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिस का उपारकामा आया एक अधिकियम 1901 की धारा 269 कवा ये अधीत, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिक्स्ट्री हैं। तारीख 8-7-1985,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए जंसरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका)ं और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिएय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी काय या किसी थन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :---

- (1) श्रीनती साइकूबर रमजीत सिंह देवरा। (अनारक)
- (2) श्री हितेन्द्र पन्नालाल जवेरी ग्रांर श्री काँशिक पन्नालास जवेरी।

(अम्परिती)

को मह यूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ः----

- (क) इस स्त्रना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्रवेक्ति क्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्वध किसी अन्य व्यक्तिर द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त ग्रन्थों और पर्दों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में दिशावित हैं, बहुी अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

ग्रनुसूसी

फ्लेट नं० 301, जो 3री मंजिल, जाई अपार्टमेंट, दीक्षित-रोड, विले पार्ले (पू) बम्बई 57 में स्थित है।

अनुसुची जैमा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/22445/84-85 और जो सक्षम प्राधि जारी, चम्बई द्वारा दिनांक 8-7-1985 की रिजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणा राय सक्षम प्राधि गरी सहायक आयक्तर आयुक्तः (िर्द्राधणः) अर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 4-3-1986

इंक्स बाई . टी . एन् . एक .- - - -

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्ब**ई** बम्ब**ई**, दिनांक 28 फरवरी, 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/22528/84-85—- अतः मुझे, प्रशांत राथ

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रांर जिसकी सं० 402, पुष्पक अपार्टमेंट, विले पार्ले (पु), बम्बई-57 में स्थित है (श्रांर इसत उपाबद्ध अनुसुची में ग्रांर पूर्ण -रूप से विणित है), ग्रांर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ज्य के अबीच, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्य में रिजस्ट्री है। तारीख 11-7-1985

कां पूर्विभक्त सम्पत्ति के उभित बाबार मृत्य से कम के अधमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है जोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यश्चार्विकत सम्मत्ति का उभित वाबार मृत्य, उसके इस्ममान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पढ़ह प्रतिशास से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरिशियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तब पावा प्या प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की बाबता, उक्त विधितयम के वधीन कर देने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के भिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आर्थ या किसी धन या जन्य आस्तियों कर, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 है । ।) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाषा (1) को प्रधीन, निम्निसिश्चित व्यक्तियों। स्थित क्र—

(1) पंसर्स नयश्री बिल्डर्स (इण्डिया)।

(अन्तरक)

(2) श्री लाखा भा**ई** भानाभाई घोषारी। (अन्सरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के शिष् कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त सभ्यत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आहोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच हैं 4.5 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की क्योंप, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की धारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मों हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वति मों किए वा सकी।

स्पष्टिकिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितुं हैं, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्याय में विवा गया है।

अमुस्या

प्लेट नं० 402, जो 4थी मंजिल, पुष्पक अपार्टमेंट, 147, मालविया रोड, विले पार्ले (पु), बम्बई 57 में स्थित है। अनुभुवी जैसारित ऋ० सं० लई-2/37ईई/22528/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रिजस्टर्ड ़िया गरा है।

> प्रशांत राय संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, वस्बई

तारीख: 28-2-1986

प्रकप बाइ . टी . एन . एस . ------

भावकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन जूबना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, अस्थर्ष

बम्बई दिनांक 4 मार्च, 1986

निर्देश सं० अई-2/37ईई/22537/84-85——अतः मुझे, प्रशांत राय,

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा '269-व के जिमेग सक्तमं प्रीभिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से विधिक हैं

भीर जिसकी सं० शाप नं० 6, धन लक्ष्मी महल, विले पार्ले (पु), बम्बई-57 में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसुची में श्रीर पुर्ण -रूप से बर्णित है), श्रीराजिस का करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन, बम्बई स्थिद क्षिम श्राधितारी के कार्यालय में राजिस्ट्री है। तारीख 11-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उपित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकास सं, एसे व्ययमान प्रतिकास का प्रतिकास के प्रतिकास से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्निलिखित उप्योध्य से उक्त अन्तरण रैसिका में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण स क्ष्मं किसी आय की वायता, उक्त अधिनियमं के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचनें में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन जन्य जास्तियों भी जिन्हों आरतीय जायकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर जिधिनयम, या धन- केर जिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के जिथिनयम, 1957 (1957 का 27) के जिथिनयम जिस्ति ह्वाडा प्रकृष्ट नहीं किया गया भी वा किया जाना जाहिए भी कियाने में सुविधा के जिए;

नतः नव, वनतं निर्मानयमं की धारा 269-ग के अनुसरण तें, तें, उपत वांचीनवनं की धारा 269-म की उपधारा (1) हे नधीन, निम्नोनिकतं कान्कियों.. क्रथति ॥—— (2) मेसर्स धन लक्ष्मी बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

(1) श्रीनती रेखा बी० हमूद ग्री० श्री भूपेन्द्र हम्द । (अन्तरिी)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

अवस सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई जी वालोग हन्न

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पर्धाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, को उक्त की भिनियम के अध्याय 20-का में परिभागित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

मनुसूची

शाप नं ० ६, जो, धल्तलक्ष्मी महल, नंदा पाटकर रोजंड, <mark>विले</mark> पार्ले (पु०), बम्बई-400057 में स्थित है ।

अनुपुची जैसा ि कि कि पं अई-2/37ईई/22537/84-85 श्रोर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।.

> प्रशांध चाय सक्षम प्राधि गारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, **बम्बई**

तारीखा: 4-3-1986

मोहरः

प्रकृत बार्च . डी . एन . पुरा . ५-----

नायकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

भारा 269-म (1) में समीन चूनना

नारवं बरकार

कार्यांकन, सहायक नामकर वायुक्त (विकरिक्षेत्र)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

ेथम्बई दिनात 4 मार्च, 1986

िर्विंग तं० नई 2/37ईई/22551/84-85---अत. मुझेन प्रशांत राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (रिवर्ड इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास अद्दर्भ का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिल्ली सं ० ब्लाक नं ० 11, के ० बिल्डिंग, नव प्रभात, विले पार्ले (पु०) नम्बई 57 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुभुची श्रीर पूर्णका में विणा है), श्रीर जिला हा करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धाण 269 कख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 11-7-85 को पृशीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के दश्यमान शतिफल के निए बंतरित की गई है और मुक्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रीकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्यमान प्रतिफल का प्राप्त प्रतिकत का प्राप्त प्रतिकत का प्रतिकत क

- (क) अन्तरूप से हुए कियी बाय की बाबका, सक्त अधिनियम को अधीन कर दाने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने या अध्ये बचाने में सुविका को सिष्() और/वा
- ं(क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य अहिस्तयों को पिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन धनकर अधिनियम, या पन धनकर अधिनियम, या पन धनकर अधिनियम, विश्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा या भिन्या जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा की लिए;

जतः जब, उक्त गभिनियम की भारा 269-ग के अंनूसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन, निम्नलिकित व्यक्तिसों, अभीत्:— (1) श्री यी० वी० जोशी।

(अन्तरक)

(2) श्री रतनसी अगदीर शाह।

(अन्तरिती)

(3) अम्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पित है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त क्पिति की मंजीन को संबंध में कोई भी बाध्येप :--

- (क) इस सुचना के उचपन में प्रकाशन की सारीय क 45 दिन की जनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जनिंध, को भी जनिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाए;
- (क) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिराबद्ध किसी जन्म व्यक्ति इवारा मधोइस्ताक्षरी के पास तिवित में किए वा सकोंगे।

क्यव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त वकारें और पदों का, जो जक्त विधिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में क्लिस गया है।

वग्स्की

ब्लाक नं० 11, जो, के बिल्डिंग,नव प्रभान को०-आप० हार्ऊसिंग सोसायटी लि० हनुमान रोड, विले पार्ले (पु०), बम्बई 400057 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क॰ सं श्रई-2/37–ईई/22551/84-85 और जो ससक्ष प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां -11-7-1985 को रजिस्ट है किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जंम रेंज-2, बम्ब**ई**

तारीख: 4-3-1986

मोहर 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

बाबकर बॉभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यास्य, सङ्घायक मायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 मार्च, 1986

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/22847/84-85—श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लेट नं० ए/107, बद्रीधन सोसाइटी, विले पार्ले, (पू), बम्बई-57 में स्थित है (म्रीर इतसे उपाबद्ध म्रनुसूची मैं म्रीर पूर्ण रूप से विणत है), म्रीर जिसवा करारनामा भ्रायकर म्राधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के म्राधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 19-7-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाम प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकत से, एसं दश्यमान प्रतिकत का गन्द्र प्रतिशत से आधक है और मंतरक (अंतरकों) और मंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे मंतरण के लिए तम पाया गया वितकत, निम्निलिखत उद्यवश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त कींच-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कारी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) को प्रयोधनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा के लिए

शतः सन्, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-णं की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिश्चित व्यक्तियों, स्रथात् :— (1) श्रीमति निर्मला विनोद मांजरेकर।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमति रेखा मोहन करंदीकर।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्सरका

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

(2) ग्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रिथोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45;
 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसीं के सम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं॰ ए/107, जो बद्रीधन सोसाइटी, दीक्षित रोड, विले पार्से (पू), बम्बई-57 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० आई-2/37ईई/22847/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, सम्बई द्वारा दिनांक 19-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी। सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रें ज-2, बम्बई

दिनोक: 4-3-1986

मोहरः

प्ररूप आहें. टी. एन. एसा.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, अम्बर्ड

बम्बई, दिनांबः ४ मार्च 1986

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/22879/84-85-—श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1..00.000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं० फ्लेट नं० 302, संकल्पा को-श्राप० हार्जीसंग सोसाइटी लि०, बिले पार्ने (पू), बम्बई-57 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण क्य से विणित है), श्रौर जिसका जगरनामा श्रायार श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीख 19-7-1985,

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उधित बाजार मृल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मृझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से ऐसे इर्यान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आथ की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में अभी करने या उससे बचने में पृतिधा के लिए; और/या
- (का) एनी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

त्रतः त्रवः, उक्त अधिनियमं करे भारा 269-ग के अनुसरण ते, तें, उक्त अधिनियमं की धारा 289-व की उपापरा (1) के अकीरः निम्सील**वित व्यक्तियों, वर्धात्** उस् (1) श्री यंशवत यादवो जावले।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमति मनीबेन भांजीभाई पटेल।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना अरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं:

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 50 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूजना को राजपत्र माँ प्रकाशक की तारीच से 4.5 दिन को भीतर उक्त स्थावन सम्पत्ति माँ हिट बद्ध किसी लन्य व्यक्ति दुनाग, अधोहस्ताकारी को शास लिखित में शिल्प यांस्तीने।

क्षाक्रीकरणः -- इसमें प्रयक्त सक्ती और पत्नी का. को उक्क अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बही अर्थ होगा को उस अध्यय में दिया गया हो।

अनुसूची

फ्लेट नं० 302, जो 3री मंजिल, संकल्पा को-ग्राप० हाउपिंग सोपाइटी लि०, 23-बी/2, सुभाष रोड, विले पार्ले (पू०) बम्बई-57 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-2/37ईई/22879/84-85 श्रीर जो पक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 19-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राक्षिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज-2, **बम्बई**

तारीख: 4-3-1986

प्रकृपः नाद्दः टी. एन . एस . - प्----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मार्च, 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37ईई/23099/84-85— ग्रतः सुझे, प्रशांत राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लेट नं० 21, तल पंजिल विले पार्ले (पू), बम्बई 57 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण अप से विणित है), ग्रीर जिसका करानामा श्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रिधीन, सक्षम पाधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 26-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित क्लजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल के एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित में बास्तविक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्हें अधिनियम के अधीन कर वेने के बंदरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरित्तयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

नतः लयः, उत्कत समिनियमः, की धाराः 269⊬यःकं समूखरश में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपभाराः (1) कं प्रधीन, निरूपियिक स्थानितयों, सर्थात्ः— (1) विशान चन्य कालूमल नास्ता।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री मोहन माधव कुंलकर्णी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके प्वेक्त संपत्ति के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

बावत सम्पत्ति के वर्षन के तंबंध के कोई भी बाशेय ...

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र बद्ध किसी अन्य व्यक्तित व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उसह अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया। गया है।

नमृत्यूची

प्लेट नं० 21, जो, तल मंजिल, सी० एस० नं० 239, जोवन विकास मार्ग, विले पार्ले (पु), बम्बई 57 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई 2/37ईई/23099/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणातरायः सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज 2, बस्वई

तारीख: 3-3-1986

मोहर ।

मध्य बाह्य हो. १२ . इच . ----

बीवेंकरे बीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की वाडा 269-न (1) में ब्योन ध्या

बारद स्टब्स

भवित्रक, सहावक वायकर वाव्यत (विद्राक्षण) श्रुजंन रेंज-2, सम्बर्ध

बम्बई, विनांक 25 फरवरी 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37ईई/22171/84-85-- अतः मुझे, प्रशांत राय,

वानकर विधितियम्, 1961 (1961 का 43) विके इसके इसके परचात् 'उचत विधित्यम' कहा नवा ही, की भार 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका अचित् वाधार मून्य 1,00,000/-तः से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं गाला नं 31, सत्यम इन्डस्ट्रियल इस्टेट जोगेश्वरी (पू०), बम्बई 60 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्नौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 कख के ग्रिधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बबर्म्ड में रिजस्ट्री है। तारीख 1-7-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान इतिफल को सिए इंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाचार क्रूब, उचके क्ष्ममान इतिकस से, एवे क्ष्ममान इतिकस का पंच्य शहितकस से विभक्त है जोड़ बन्तरक (बन्तरका) जोड़ बन्तरिकी (बन्तरितिका) के बीच एसे अन्तरक को निष्ट तब पाया न्वा शितफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) बन्तरण तं हुई किसी बाव की वावत, उक्त वीधीनवन के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) देवी किसी नाम ना किसी धन वा अन्य शास्तिकों की, चिन्हें भारतीय भाग-कर विधिनियम, 1922 है1922 को 11) वा उनत विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अवोचनार्थ बन्तरिसी ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए भा क्रियाने में सुविधा के जिला;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा '1) के अधीन जिम्मिलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ह— 67—26 GI/86 (1) सत्यम बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं सर्स के के अलू फोयल।

(ग्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभीग में सम्पत्ति है)।

. को बह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिस् कार्यवाहियां करता हुं।

डक्त संपरित के वर्षन के सबंध में कोई भी वास्तेप :---

- (क) इस भूचना में राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबभिया तत्सक्तियों पर बूचना की तामीस से 30 दिन की अविभि, को भी बब्धि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदाय;
- (क) इस सूचना के राचपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितनदृष किसी अन्य अपनित द्वारा वभाइस्ताक्षरी के पाव विवित में किस्र का वर्षों ने।

स्वक्षी करणः --- इसमें प्रवृक्त कर्कों नीड पदों का, यो उसके अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होता, यो उस वध्याय में दिवा गवा हाँ।

बन्स्चीं

गाला नं० 31, जो सत्यम इन्डस्ट्रियल स्टेट, जोगेश्वरी (पू०) बन्बई-60 में स्थित है।

श्रतुसूची जैसा कि क० मं० ग्रई-2/37ईई/22171/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांदः 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रकांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 25-2-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 फरवरी 1986

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/22275/85 -86-अतः मुझें, प्रशांत राय.

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) हिंबसे इसकें इसकें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के वभीन सक्रम प्राधिकारी करें, वह मिरवात करने का कारम हैं कि स्थानर सम्पन्ति, जिनका जीवत बाजार मृस्य 1,00,000/-छ. से अधिक हैं

श्रीर, जिसकी सं० फ्लैंट नं० 501, इमारत नं० 6, जोगेश्वरी, (प०), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीण इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है), श्रीर जिसका करार-नामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 2697, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रेजिस्ट्री है, तारीख 5-7-1985

नरं वृशेंकत संपरित् से जीवत बाजार भून्य में कम के सम्यवाद बिछका के किए जम्हरित की गई हैं और गुर्के यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंकत सम्परित का उपिछ बाजार ब्रुच्च, उसके अवसान प्रतिकास से, एसे क्रायमान प्रतिकास का पंत्रह ब्रिडिंगत से विभिन्न हैं और बन्तरफ (बन्तरकों) और संतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के किए सब बाबा थवा प्रति-कस निम्मिनिक उपयोग्य से एक्स अम्तरण किया के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—-'

- (क) कम्तरक सं हुन् किती बाव की वावत, उक्त वीपनियम के बधीन कर देने के अंतरक के दावित्य में कभी कारने वा उससे क्यने में सुविधा के जिल्ह; बीह/वा
- (च) एंडी किसी बाब वा किसी धन या अन्त आस्तियी को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) था उक्ल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने भे स्विधा को जिहा;

बतः बव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीय. विस्तिसित व्यक्तियों, अधीत्:----

1. श्री झिया उद्दीन बुखारी।

(अन्भर्क)

2. श्री अहमद इक्राहीम गोधारी।

(अस्तिरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के नर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हुई।

उक्त कर्मात्त में वर्षन् में कस्मान में मोर्च भी नाजेन्:----

- (क) इस सूचना में ल्रम्पन में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की संपत्ति में ताराज्य किया विद्यालयों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्पनित स्थाप;
- (क) इस स्थान के राज्यन में इक्समन की तारीय से 45 दिव के भीतर उपन स्थान्त सम्पत्ति में हित-बहुव किसी जन्म स्थानत द्वारा जभोहस्ताक्षरी से पाद निविद्य में निम्म का करों ने ।

स्वक्रीकरकः:--इतमें प्रवृक्त शर्म और पदौं का को उक्त अधिनिकत, के अध्याय 20-क से परिभावित है, वहीं अर्थ द्वांगा को उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

पलैट नं० 501, जो, पांचवी मंजिल, इमारा नं० 6, सर्वे नं० 41 (पार्ट), श्रोशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछो, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/22275/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनां क 5-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत रास सक्षम प्राधिकारी **सहायक आय**कर **आयुक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज∽2, बस्बई

तारीख: 25-2-1986

मोहरः

इक्द बार्च .टी. एन. एस .----

बायकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बुधीन स्वा

नारत सुरकार

फायां क्या सहायक श्रायकर नायुक्त (निर्दीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-2/37-ईई/22402/85-86-अत: मुझें, प्रशांत राय.

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' अहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रांग जिसकी म० फ्लैंट नं० 201, इमारत नं० 20, ग्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रांग इांसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांग पूर्ण रूप में विणित है), ग्रांग जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्य में प्रजिस्ट्री है, नारीख 5-67-1985

को प्रशंक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मृत्य हे कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्ताँक्त संपत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रशंतिकत से अधिक है जीर अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिवत में बास्त-विक रूप से करियत नहीं किया गया है ह—

- (क) गम्परण ते हुई। किसी जान की शानता, उन्नर अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक औ वासित्य में कभी कहते या उत्तरते क्षेत्र स्मिन्धा के सिष्ट; बरि/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी धन या नत्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कए अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्स्तिरिती इवारा प्रकट महीं किया गया था विकास जाना चाहिए था, कियाओं में सुविधा के स्तिए।

अक्षात अज्ञा, रुप्त अविनियम की पास 269-ग के अनुसरण मं, मं, सब्द विभिनियम की भारा 269-**ग की प्र**थभारा (1) के बभीन, निम्नसिवित स्वित्वयों, व्यक्ति क— 1. श्री झीया उद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

2. श्री गोख हुरुन शेख जगल

(अन्यरिती)

को यह सूचना आरि करके पृथांभित सम्प्रातिः के वर्षन के विष्यु कार्यवाहियां करता हों।

क बदा संपत्ति के वर्षन के संबंध ने कोई भी वाक्षंप :----

- (क) इस उस्ता के स्पास्त्र में स्वाह्मन की सारीक से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ स्थान की तामीन से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक सिचित में किए का सकोंगे।

त्यक्षीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, तो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया तका है।

अनुस्ची

फ्लैंट नं० 201, जो, दूसरी मंजिल, इमारक्ष नं० 20, ांर्वे नं० 41 (पार्ट), श्रोणिवरा विलेश, श्रंधेरी (प०), बम्ब $\mathbf{\hat{t}}-400058$ में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-2/37-ईई/22402/ 84-85 और जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-7-1985 को रिवस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

नारी**ख**: 25—2—1986

प्रक्ष वार्<u>ड्,टी.स्थ.युव</u>्, =------

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीय सुचया

TIME STATE

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

ज्ञान रज-2, बस्बर बम्बर्स, दिनांक 25 फनवरी 1986 निदेश सं० अई-2/37-ईई/22591/85-86--अंतः सुझे, प्रशांत राय,

वायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (हैंक्से इसमें इसमें एक्से एक्से एक्से (चक्त विभिनियम) कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राध्मिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मुक्त 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संज माला नंज 14, सत्यम इंडस्ट्रियल इंट्टेर, जोगेश्वरी (पुज), बम्बई-60 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है, हारीख 11-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाबार बूम्य वे क्य के व्यवसान शिक्षण को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि समापूर्वोक्त कम्पत्ति का उचित बाबार कृष्य, इसके व्यवसान प्रतिकत्त वे, एवे व्यवसान प्रतिकत का पढ़ह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरम ये **हुई कियों बाव को बावछ, उस्त** विभिन्नियम **ये बचीन कर दोने से संबद्ध में** तायि<u>त्व में केली कर</u>्य का उसने बन्ते में सुद्धिया ये मिए; और/या
- (थ) एसी किसी नाम या किसी भन या क्या बासिस्यों की, जिन्ही भारतीय नामकार निभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उनका निभिन्नियम, या भनकार विभिन्नियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बंदरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था वस किया बाला चाहिए वा कियाने में सुविधा के लिए;

अतुः नय, उक्त कर्िभनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन, दिस्तिविक्त व्यक्तियों, अर्थाक् ध— 1. मै० सत्यम बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

- 2. मैं ॰ भेहता इनवेस्टमेंट्स एण्ड ट्रेडिंग कारफोरेगन। (अन्तरिती)
- 3. अन्तरक

(वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोंक्य क्रम्पत्ति के अर्थन के शिव् कर्मश्रीहर्म करता है।

उक्त वंदरित के वर्षन के बम्बन्थ में कोई भी नामोप:----

- (क) इस तुषता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी स्वक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो औं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्तयों में किसी स्वक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्तित व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

त्यव्यक्तिपत्रः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्राधित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

वग्युची

माला नं० 14, जो, तल मंजिल, सत्यम इंडस्ट्रियल इस्टेंट, जोगेश्वरी (पु०), बम्बई-400060 में स्थित है। अनुसुची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37—ईई/22591/84-85 फ्रांर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 25-2-1986

प्रकप कार्स. टी. एन. एस.-----

मान्कर निर्धानन, 1961 (1961 का 43) की पछा 269-म र्री) के स्थीन सूच्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (जिन्नीक्षण)

अजन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 25 फरवरी 1986 निर्देश सं० अई-2/37-ईई/22643/85-86-अतः मुझे, प्रशांत राय,

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विका इस्में इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है. की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित वाचार मूल्य 1,09,000/- रा. से विभिक्त है

म्रीर जिसकी मं० पर्नेट नं० 604, जो, इमारत नं० 22, म्रांघेरी (५०), बम्बई-58 में स्थित है (म्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से विणित है), म्रीर जिसका करारनामा आयक्य अधिनियम, 1961 की धारा 269 में, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 11-7-1985

को वृतोंका सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य ते क्षम के वश्यमान प्रतिष्यत के लिए बंतरित की गई है और मृत्ये वह विश्वास करने का शारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काचार मृल्ट, उराक्ते दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के बन्त्रह प्रतिकृत से सिथक है और बन्तरक (बन्तरका) और (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया प्रया कस जिल्लानिवात उद्देश्य से उच्त अन्तरण विधित में वास्त्रिक में बास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है द्वान

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की शबस , क्यब विभिन्निय के वधीन कर दोने के बन्दरक के दानित्य में कभी करने या उक्को वचने में कृष्टिका के निए; बॉट्र/या
- (अ) एंसे किसी नाय या किसी भन्या जन्य जास्तिकों को, विन्हें भारतीय कार्यकर जिभीवजन, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीभीनमन, या वन्-कर वृश्विवचन, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ बन्तिरित बुनारा प्रकट नहीं किया पंचा था या जिल्ला जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के जिल्हें;

नत् नथः, अन्त विधितियम की धारा 269-ग के अनुसरण नें, में उन्त विधितियम की धारा 269-च की स्पधारा (1) के वधीन, निम्मतिस्ति स्यक्तियों, वधीत् ⊩— 1. श्री झिया उद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

2. श्री अब्दुल् गफर महमद हुसैन गजाली।

(अन्तरिती)

की वह त्यना बारी करकें पूर्वीक्त सम्मतित के वर्षन के जिल् कार्यनाहियां गुरू करता हुं।

बक्त सम्मति के क्षान के संबंध में कीई भी बाओप ह---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की नज़ीय सा तत्सम्बन्धी स्थानतसों ५२ सूचना की तामील से 30 दिन की जनिया, जो भी अविध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 विन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित्यक्थ किसी बन्य स्थानत इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकीं।

स्वक्यीकरण:--इसमें प्रयुक्त खन्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम से बच्चाय 20-क में परिभाषित है, यहाँ जर्म होना, को उस बच्चाय में दिया गया है।

वन्सूची

फ्लैट न० 604, जो, 6ठी मंजिल, अल-मक्काह, इमारत नं० 22, सर्वे नं० 41 (पार्ट), भ्रोशिवरा विलेज, बम्बई— 400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा िक कल संल अई-2/37—ईई/22643/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशां राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) अजन रेंज~2, वस्ब**ई**

तारीख: 25-2-1986

प्रका नार्षं हो हर पर प्रकानन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के ब्योन स्पना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरक्षिण)

ार्जन रेंग-2, बम्बर्श बम्बर्झ, दिनां 7 25 फरवरी 1986 विदेश मं० अई-2/37-ईई/22644/85-86--आः मुझे, प्रणांत राय.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका अधित बाचार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मार जिसकी सं० पलैट नं० 603, इमारत न० 22, जोगेश्वरी (प०), बम्बई—58 में स्थित हैं (म्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्री है, तारीख 11-7~1985

को पूर्वोकत रम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान मितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह निद्धास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, सक्ष करवान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रीवशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित रिती (अंतरितियों) के नीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुसिचित उपूर्वेष्य से उच्छ बंतर्ज सिचित के बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया न्या है है—

- (भा) भनारण से हुन्दें किसी आय की गायत, उनके विभिन्न के स्थीत सह योगे के अन्यक्त के शाक्ति में कमी करमें या उन्ने में मृतिका के विष्ट; कड़िना
- (ख) एंडी किसी बाय वा किसी धन या बन्य वास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयंकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ज्ञारतिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, जिल्लाने के स्विधा के लिए;

नतः वय, अक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुतरक में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री जियाउद्दीन बुखारी

(अन्तरक)

2. श्री अहमद मियां हिसामुदीन धजाली

(जन्तिरिती)

करों नह सूचना चारी कड़के पूर्वोक्त संपक्ति के अर्थन के सिध कार्यवाहियां करता हूं।

बका बन्मील के वर्षन के शुम्बन्ध ही होता भी शाक्षीप

- (क) वह सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की जनभि का सरस्यानकी व्यक्तियाँ पर सूचना की तानील से 30 दिन की जनभि, को भी सन्धि नाम की क्षणाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (w) इस न्यना के रायपण में प्रकाशन की सारीस श 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिश्वसूथ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभाइस्ताक्षरी के पाइ सिस्तित में किए वा सकतें।

लाका करण: इसमें प्रयुक्त कार्यों और पर्यों का, को उक्त विधिनवा के अध्याय 20-के में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होता, को उस कथ्याय में दिया व्या है।

ग्रनुसुची

फ्लैंट नं० 603, जो, छठवी मंजिल, अल-मक्काह, इमारत नं० 22, सर्वों नं० 41 (पार्ट), बेहराम बाग के पीछे, मोशिवरा विलेज, जोंगेक्वरी (प०), यम्बई-400058 में स्थित है।

अनुमुची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/22644/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, यम्बई द्वारा विशोह 11-7-1985 को रिजस्टर्ड जिया गया है।

> प्रगति राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (जिरीक्षण) अर्जम रेजि–2, बम्बई

तारीख: 25-2-1986

प्रकप बाइ', टी., एन., एवं .-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्पना

शास्त्र अस्याप

कार्यात्रय, सहायक जायकर बाव्यक (निहासक)

अर्जन रेंज-2; बम्बई बम्बई, दिनांक 25 फरवरी 1986

निदेश सं० अई-2/37-ईई/22738/85-86-अत: मुझे, प्रशांत राय,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा क्या हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू. से बिधक हैं

और िसकी सं० फ्लैट नं० 503, इमारत नं० 9, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनु-सुची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यांक्य में, रिजस्ट्री है, तारीख 15-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयं का प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्वरयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) के जंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तुव क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- जित्रण सं हुई किसी नाय की नानत उप विका जिस्स के अधीन कर दोने के बन्तरक के बार्च कर कर्म कर जा उसस बचने में सुविध के फिए कर्म
- (वं) एसी किसी बाय या किसी धन या क्रम बाहित्यों की, धिवह भारतीय आयकर अधिकार में 1922 (1922 का किसी क्रम उन्न बाधिकार या उन्कर अधिकार का 1937 (1947 का 27) के प्रयोजनार्थ करवरिती हवास प्रश्नेट नहीं किया मधा थे। वा किया याना वाहित वार क्रिया में सुविधा के लिए:

जत: जब उच्चा अधिनियम की भारा 209-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्निसित व्यक्तियों क्यां 1. श्री जियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक्र)

2. शेख शरद्धीन शेख इस्माइल।

(अन्तरिती)

को सह सूचना आही करके पूनों कर सम्मृतित के नर्जन के निष् कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी वास्रेष 🎞---

- (क) इत ब्यांना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीब से 45 दिन की ब्राथि वा तत्त्वत्र्यन्ती व्यक्तियों पर स्थान की साथीब से 30 दिन की ब्राथि, का भी ब्राथि वाद में ब्रायि होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होता;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्बद्धि के हिस्स्वत्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहरहाकरी के कुछ विश्वत में किए जा सकेंगे।

हमक्कीक्ष्य: क्षेत्र प्रमुखं सम्बंधित का, को उनक क्षेत्र विषय, से स्थाह 20-क में परिभाषित हैं, यही वर्ष होना जो उस बध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

पलैट न० 503, जो, पाचवी मंजिल, इमारत नं० 9, सर्वे नं० 41 (पार्ट), बेहराम बाग के पीछे, स्रोशिवरा विलेज, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है। अनुसुची जैसा कि ऋ० सं०अ-ई2/37-ईई/22738/84-85 स्रोर जो सन्नम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-7-1985 को रजिस्टई जिया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2,बम्बई

तारीख: 25-2-1986

प्रकृष बाह¹ं टी. ऐंग्.। एस.

बायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यास्य, सहायक वायकर बावक्त (निर्णाक्त)

अर्जन रेंज-2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 25 फरवरी 1986
निर्देश सं० अई-2/37-ईई/22741/85-86--अतः मुझे,
प्रशांत राय,

बायकर बीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषते इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका खिषक बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 701, इमारत नं० 7, जो, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (स्रीर इसते ज्याबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), स्रीर जिसका करारनामा आयठर अधिरियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधिरिय, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, वारीख 15-7-85

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्यू से कम के इक्कमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुख्य यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का प्रत्यूह प्रतिखत से बिधक है और अन्तरक (अन्वरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रवा प्रतिकल, निम्मासीबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित वो बास्तिकल रूप से कीचत नहीं किया गया है "——

- (#) बंत्सरण वे हुई किसी बाब की बाबत उक्क बिध-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरंक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन वा बन्च बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अंड: अब, उथरा आधानयम की थारा 269-ग के बन्दर्भ कें, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) ऐ बधीन, निम्निलियत व्यक्तियों, अधार्त:— 1. श्री झीयाउद्दीन बुखारी।

(अनारक)

2. श्री अब्दुत अजीज हाजीभोय।

(अन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्बद्धि के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करखा हु ।

उक्त सम्पत्ति के क्वींन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस ब्राचन के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की नविभ ना तत्वम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीम से 30 दिन की ज्विभ, जो भी नविभ नाय में समान्य होती हैं।, के मीतर प्रविश्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (ड) इस स्वना के रावपत्र में प्रकावन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्च व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के सांस दिश्विस में किए वा सकोंने।

स्वक्षां करणः --- इसमें प्रवृक्त सन्दों बार पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिवा मवा है।

नन्सूची

पल्ट नं 201, जो, सातवी मंजिल, इमारत नं करी, अल-क्यू , सर्वे नं 241 (पार्ट), बेहराम बाग के पछि ग्रोशिवर। विलेज, जोगेस्वरी (प०), वन्पर्द 400058 में स्थित है।

अनुसूर् जैसा कि कि सं अई $-2/37-\frac{1}{2}$ 84-85 की शिक्ष प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15-7-19 की रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशास राय सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 25-2-1986

प्रकल बाड . टी . एन . एस . -----

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय यहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

अर्जंन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनाक 25 फरवरी 1986 क्रिदेश सं० अई-2/37-ईई/22749/85-86--अतः मुझें, प्रशांत राय,

मायकार अभिनियमं, 1961 (1961 का 43) (चिसे इचमें मसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षण शिक्षिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित वाचार सूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० माला नं० 41, सत्यम इंडस्ट्रियल इस्टेंट, जोगेश्वरी (पु०), बस्बई-60 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित हैं), श्रीर जिमका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 2695, ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 15-7-1985

की प्रबंक्ति सम्मिता के उत्तित बाजार मृत्य में कम के कारमान अतिफाल के सिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाक अस्ते का करण है कि मशापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच के एसे अन्तरक के लिए उच-पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरक किनिन भे बास्तिकार कर से किशत नहीं कि बा समा है ---

- ('६) अन्तरण संहुई किसी बाब की बाबत, अवस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सविधा जे निया; क्रॉर/मा
- (था) एसी किसी बाय या किसी घर या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ जन्तीरती बुवारा प्रकट नहीं किया बवा या किया जाना का दिए था, छिनाने में मुक्तिश की निर्मा

अतः अक्ष, उप्यत् अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-भ की उपधारा (६) चे सभीतः विक्रितिसन् कतिनयों अभीत् 69—26GI/86 1. मेसमें सत्यम बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स सन साइन एक्सपीर्ट

(अन्तरिती)

3. अन्तरका

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

का वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी शाक्षप:---

- (क) इव स्वका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ने 45 दिन की जबिंच या तत्संजंभी व्यक्तियों नर धूचना की दानीस से 30 दिन की बबिंच, को औं अविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेशिक स्वित्तयों में से किसी स्वित्त क्यारा:
- (च) इस स्वना के राजपव में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा खभाहम्ताश्चरी के शक्त सिचित में किए जा सकींगे।

स्वका करणः -- इसमें प्रयुवद शब्दों भीर पदी का, जो उत्तर विभिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा जो नस अध्याय में दिश

नगुत्त्वी

गाला नं० 41, जो, सत्यम इंडस्ट्रियल इस्टेंट, जोगेश्वरी (पू०), घम्बई-400060 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37-ईई/22749/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलांक 15-7-1985 को रिलस्टर्ड किया गया है।

प्रकार राय सजम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (शिरीक्षण) अर्जांग रोज-2, वस्बई

तारीख: 25-2-1986

क्रांटर :

प्रकथ नाहै . ही . एन . एन . -----

श्रायकर श्रीभीतयस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांग 25 फरवरी 1986

निवेश सं० श्रई-2/37-ईई/227€5/84-85--श्रतः मुझे,

प्रशांत राय, अध्यक्तर अधिनि

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, इमारत नं० 22, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में भीर पूर्ण रूप से बणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा आयकर धिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 16-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की नद्द हैं और भूकों यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिशत से आभक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतर रिसी (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नसिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर जिथिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

1. श्री जियाउद्दीन बुखारी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्रब्दुल हमीद ग्रब्दुल खालिक।

(ग्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

पर्लंट नं० 202, जो, दूसरी मंजिल, इमारत नं० 22, सर्वे नं० 41 (पार्ट), श्रोणिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रमूनुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/22765/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी , बम्बई द्वारा दिनांक 16-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक क्रायकर क्रायुक्त (निरीक्षण) क्रजेंन रेंज-2, **बस्बई**

तारीख 26-2-1986 मोहर: प्रस्य बार्ड. टी., एन., एस.,------

नान सर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजिन रेजि-2, बम्बई बम्बई, दिनांत 25 फरवरी 1986 निषेश सं० भ्रई-2/37-ईई/22766/84-85--भ्रतः मुझे, प्रशांत राय

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्थित, जिसका उजित बाबार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202 जो इमारत नं० 17, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (भौर इससे उपाबत भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है), भौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनाक 16-7-1985

को प्रवेक्श सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृथ्य, सबसे स्थमान प्रतिफल है, एस स्थमान प्राथमन का पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए हन पायण प्रवा शांक्यक, निम्मिजित स्मूचक में दश्य बंतरण सिर्वित में वास्तिक रूप से किश्त नहीं किया थ्या हैं:--

- (क) नेवारण संबुध जिल्ली बाय की बावक, उपर, ऑपनियम के अपीन कर दोने के बन्दारक के सामित्य में कभी करने ना उपने मध्यों में युनिया के जिए; बॉड/का
- (था) ऐसी किसी जाय था किसी धन या बन्य जास्तियों धनकार जीभीनजम, 1957 (1957 का 27) के प्रजोधनार्थ अंतरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया को, जिन्ही जारतीय अग्यकर विधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम या धना था वा किया प्रोक्ष पा किया में स्विधा की किया.

श्यक्त शव, उत्तर वांधीनवम की पारा 269-न के वनुसरण वां, वां, उत्तर विधिवयम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीत, निस्त्रसिद्धित व्यक्तियों हा अधीत् डिच्च 1. श्री जियाउद्दीन बुखारी।

(%न्तरक)

2. श्रीमती ग्रमिना ए० रजक

(भन्तरिती)

को यह सूचना बस्री करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिख कार्यवाहियां करता हुं।

वच्छ सम्मरित के नर्वत्र के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र :---

- (क) इस क्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 पिन की नयींथ ना तत्स्वन्यां न्यतिकों पद स्वामा की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी वयि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति मों हित-वहुंध किसी बन्य स्वीक्त द्वारा, वभोहस्ताकारी धी पाव विश्वित में किस का क्वींचे !

स्वयानित्य :---इतमें प्रयुक्त सन्दों और पद्यों का, जो उक्त विधि-निवम को वध्याय 20-क में परिभाहित हैं,, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस वध्याय में देशा गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 202, जो, दूसरी मंजिल, इमारत नं० 17, सर्वे नं० 41 (पार्ट), बेहराम बाग के पीछे, श्रोणिवरा विलेज, जोगेक्वरी (प०), बस्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/22766/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-7-1985 रजिस्टर्डको किया गया है।

> प्रशांद राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) व्यर्जन रेंज−2, बस्कई

तारीख: 25-2-1986

मोहर

प्रकार आहि की _य पुरु , एक , ० ० ० ० ०००

बावकर जीपनियम, 1961 (1961 का 43) की पार 269-म (1) जे संपीन क्यांग

बादव शहरार

कार्यातय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 25 फरवरी 1986 निवेश सं० ग्रई-2/37-ईई/22781/84-85--ग्रत मुझे, गंत राय,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूम्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पर्लंट नं० 404, इमारत नं० 22, हमारा घर, जोगेखरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबंद ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 16-7-1985

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के जिए बन्तरित की गई है बीर मुक्तें यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिचात से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देशिय से उच्त अन्तरण निविद्य में बास्तिभक अन्य से कीचत नहीं किया गया है कुल्ला के बास्तिभक अन्य से कीचत नहीं किया गया है कुल्ला

- (क) अन्तरम संहार कि की बाय की बावता, उपक आ भाषपत्र के अभीव कर को के अन्तरक के वामित्य में कभी करने मा जससे बचने में मिविधा के लिए की देना
- (क) एसी किसी नाव वा किसी थन वा बन्च आस्तियों की, जिन्हों भारतीय शाय-कर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्धानयम, या भनकर निर्धानयम, 1957 (1957 की 27) के प्रयाज-नाम बन्तरिती थुनारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना चाहिए था कियाने में सुविधा का सिस्तु

ं अतः अव, उपत अधिनियम की भाउ। 269-न से सन्धरथ में, में, उपत सधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के नभीर, निम्नसिवित स्मिन्सिय सभाद :--- श्री जिथाउद्दीन बुखारी ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बदरूल हक ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

क्या सम्मति के क्यांग के सम्बन्ध में कोई भी काकांप 🤄

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी वविध बाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थक्तियों में से किसी स्पन्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत छ 45 विन के भीतार उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-वद्दुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वार अभोहस्ताक्षरी के पात्र विश्वित में किए का सकेंगे।

स्वाहित्य -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उकत जीधीनयम, के जध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं वर्ष होया, जो उस अध्याय में विशा वस ही।

अनुसूची

पर्लंट नं० 404, जो, चौथी मंजिल, इमारत तं० 22, हमारा घर को-श्राप० हाउसिंग मोसायटी ति०. बेहराम बाग के पीछे, श्रोशिवरा, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400058 श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37-ईई/22781/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 25-2-1986

मोहर 🛭

बच्च बह्रां हो. ध्रा. क्रा -----

धावधार वीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नेपीन क्षमा

बाचा चंद्रकार

कार्यासय, सहायक भावकर वायुक्त (निहासिय)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांबः 25 फरवरी 1986 निदेश सं० ग्रई-2/37—ईई/22830/84-85—ग्रतः मुझे, प्रशांत राय,

वानकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसमें परवात् 'उनत विधिनयम' नहा गया हैं), की पाछ 269-व के वधीन क्रमण प्राधिकारी को, यह विश्वाद करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उष्टि वाचार मृज्य 1,00,000/~ रु. से विधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 202, इमारत नं० 21 जोगे स्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 18-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से ऐसे क्यमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिणित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के के जिंछ;

अत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अमृद्धरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निश्मिकिषिद व्यक्तियों, नमाद्धः 1. श्री जियाउद्दीन नुखारी

(ग्रन्तरक)

2. श्री शेहनाज खान श्रब्दुल हमीद बंदूकबाला। (भ्रन्तरिती)

करं व्यू बूचना बारी करके पृत्रानित बंगीता वे अर्थन के तिश् कार्यगाहियां करता हु"।

वक्छ बंगील के वर्णन के बंगंप में कोई भी बाजेप :---

- (क) इस ब्र्यना के रायपूत्र में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की नवींच या तत्स्यम्पी व्यक्तियों पर ब्रूयना की सामीय से 30 दिन की अवधि, यो भी बर्गीय बाद में स्वाच्य होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी म्यन्ति प्रवादा;
- (व) इस स्वना के रावपत्र में प्रकाधन की तारीख स 45 विन के भीतर उक्त स्भावर सम्मत्ति में हितबब्ध विक्षी बन्य व्यक्ति ब्वाय वभोहस्ताकरी के पान विविद्य में किए जा सकोंने।

स्यव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वो का, ओ उक्त व्यक्तिकन, के कथ्याय 20-क में परिभावित ही, वही वर्ष क्षेत्रा, वो उस मध्याय में दिया कथा ही

वन्त्यी

फ्लैंट नं० 202, जो, दूसरी मंजिल, इमारत नं० 21, सर्वे नं० 41 (पार्टे), श्रीशिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), वस्बई-400058 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि स० ग्रई-2/37-ईई/22 830/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-7-1985 को रिजस्टर्ड विया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज--2, बम्बई

तारीख: 2**5**-2-1986

मोहर 🖫

प्रक्ष वाह्यं हो. एव ,एच , -----

बायकर अभिनिक्स, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वता

भारत सरकार

कार्बासक, बहायक बायकर वाबुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई दिनांक 25 फरवरी 1986

निदेश सं ० प्रई~ 2/37-ईई/22854/85-86---- प्रतः मुझे, प्रशांत 'राय.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) (जिस् इसमें इसके पश्चाक् 'उन्त अधिनियम' कहा समा है), की भारा 269-स के अधीन सक्षत्र श्रीधकारी को वह विश्वास करने का जारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका जिसका जिसका स्थाप मृत्य 1,00,000/- रु. सं वर्षिक है

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 504, जो, इमारत नं० 22, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में दिनांक 19-7-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिन्स नाजार मूल्य से कम के बह्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके स्थ्यमान प्रतिफल से, पूर्व क्यसान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और संतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरित्तियों) के सीच एस संतरण से निए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिक्ति उच्चोय से ज्वत संतरण लिखित में वास्तिक कम में किथा नहीं किया गया है :—

- (क) बन्द्रारण से दूर्ण किसी बाग की बागवा, अवस मधिनियम के सभीन का साने के बन्तरक के समित्य में कमी करने वा उससे बचने में स्वीयक में सिंह; बॉर∕वा
- ्षः) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्ति कां कां , जिन्हें भन्यसीय आवकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजवार्थ अन्तरिकी क्यारा प्रकट नहीं किया गर्या था या किया जाना वाक्षिय था, क्यानों में सुविधा के सिष्

त्रदः सुत्र, **बत्नत् विभिनियम की भारा 269-ए के वन्तरण** मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की तपधारा (१) चे वभीन, निम्नीसिक्ति व्यक्तियों, वर्षात् प्रस्मा 1. श्री जियाउद्दीन बुखारी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती परवीन ग्रब्दुल रेहमान मारकर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर्रके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहिमां सूक करता हूं।

उनक सम्मत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी कार्योप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीस व 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, वांभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीबा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावित व्यवस्य अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ट ही. बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विश्वा गया ही।

ग्रन्सूची

पलैट नं० 504, जो पाँचकीं मंजिल, इमारत नं० 22, सर्वे नं० 41 (पार्ट), श्रोणिवरा विलेज, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा हि कि सं श्रई-2/37-ईई/22854/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 19-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय ,सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख: 25-2-1986

कार कर_{िय} स्त्री_त कर_ा प्रतः । - - - - - - - - -

भाषकर विधितिक्य, 1961 (1961 का 43) की क्छ 269-म (1) वे वर्गीय क्ष्मक

कार्याखन, सहानक जानकर नामन्त (निरीक्तन)

प्रर्जन रेंज-2. बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 25 फरवरी 1986

निदेश सं ० प्रई-- 2/37-ईई/22868/85-86- - श्रन: मझे,

भावकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस्ते इसर्वे इसके परचात् 'जनत जीधीनयन' कहा गया ही, करी भारा 269-व के वर्धीन सक्तम प्राचिकारी को यह विकास करने का **करण है कि** स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/-रा. से मधिक है

श्रीर जिसकी सं पर्लंट नं 0 402, इमारत नं 0 22, श्रंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद ग्रन्-सुवी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में प्रामस्द्री है, तारीख 19--7--1985

को पूर्वोच्छ तस्पत्ति के उचित बाबार मुध्य से कम के दृश्यमान प्रतिस्थल को लिए बन्तरिश की स्थू है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथस्पर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाबार भूज्य, उनके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिकत कर पंत्रह प्रतिकास अधिक है और मन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक्तियों) को मीच गास प्रस्तरण की लिए अय यागः गया प्रक्रियल, विक्तसिक्ति उद्यादय संख्यस अस्तरण जिल्लिक या बारवादिक रूप में कथित नहां किया गया है ए---

- (क) नर/रण से हुई कि:सी नाय की नार स, उक्त अभिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के विविद्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए,
- (म) एसी किसी आम या किसा धन या तन्त्र वास्त्रियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ग्रा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकार जाने जन, रिही दकारा उक्तट नहीं किया वका का या किया जाना आहिए का, फियाने में सुविवा के बिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

श्री जिया होत व्यक्तिया

(अन्सरक)

2. श्री बहुर प्रहासद शेखा

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी कार के पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लि कार्यवाहियां करताा हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविभि नाद में समाप्त होती हो, के भीसर प्यां**क्त** व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी स से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति देवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

प्लौट नं० 402, जो, चौथी मंजिल, इमारत नं० 22. पर्वे नं व 4!, (पार्ट), ओप्पिया विवेष, अंदेरी (ए०), बम्बई-400058 में स्थित है।

यनुसूची जैसा ि क० सं० म्राई 2/37-ईई/22868/ 85- ६६ अन्य जो सञ्जम प्राधि असी, बस्बई द्वारा दिन्ति : 19-7-1935 को सन्दिई विकासना है।

> प्रणांत राव मुख्य प्राधिकारी महायक काय अर भार्मा (दिसीसण) प्रजीत रेंज-2, बम्बई

हाक है: 25 % 1986

मी, "ः

प्रारूप जाई.टी.एन.एस.-----

अगयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज- 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 फरवरी 1986

िदेण सं० श्रई--2/37/ईई/23131/85--86---श्रत: मुझे, प्रशांत राथ,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भिसके पण्यात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 203, इमारत नं० 22, जोगेव्रवरी (प०), बम्बई--58 में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित है), और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम की धारा 269क, . ख के अर्थान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्ष्य में राजिस्ही है, तारीख 26--7-85

को पूर्वियत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में कास्तिक रूप से किथत महीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उक्कं नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिम्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण कें, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-क की उपकास (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अधीत :--- 1. श्रो जियाउद्देश बुखारी

(भ्रान्तरक)

2. श्री प्रमनुस्ला खान

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्षेशहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पदिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों को भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

पलैट नं० 208, जो, दूसरों मंजिल, इमारत नं० 22, सर्वे नं० 41 (पार्ट), ओजियरा विलेज, बहराज बाग के पीछे, जोगेण्यरो (प०), बम्बई-400053 में स्थित है।

प्रमुचा जैसा वि क० यं० मई 2/37 ईई/20131/ 34-35 और जो सक्षम प्राविकारी, बम्बई द्वारा दिलाए 26-7-1935 को रजिक्दर्ड िया गत है।

> त्र गांत राध सक्षम प्राधिवारी : सहायक प्रायकर पायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोंन-2, वस्वर्ष्ड

तारीख: 3 7-3-1986

मोहट्ट :

प्रस्व काई.टी.एन.एस.,-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 फरवरी 1986

निदेण सं० श्रई-2/37-ईई/22173/85-86→-श्रत: मुझे, प्रशांत राथ,

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उजित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ष्ठौर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-3, गुरु क्रमा प्रपार्ट मेंट, अंधरी (प), बम्मई .58 में स्थित है (और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा प्रायकर प्रिविनिधम, 1961 के धारा 269 ए, ख के प्रधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रं है, तारीख 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्र्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्र्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिघक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को , जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या धनकर अधिनियम , या धनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था , छिपाने में सृविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निय्निलिखित ध्यिक्तयों, अर्थात् :--- 69-26GI/86

1. मै० वैभव बिल्डर्स

(प्रनारक)

2. श्री भारत कुषातराच महाते

(अर्जारती)

3. श्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिष्टिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य<mark>नाह्रम करता ह</mark>ूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप र---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाक्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपृत्र में प्रकाशन की सारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाद निवित में किए या सकें ने ।।

स्थाधीकरणः - इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त जीधीनसम के जध्याय 20-क में परिमाणित ही, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नया है।

नगृत्यी

प्लैट नं० ए-3, जो, तल मंजिल, गुरुक्कुपा श्रपार्टमेंट, बीरा देसाई रोड, सी० टी० एस० नं० 80, अंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई--2/37--ईई/22173/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, बस्वई

सारीय: 25-2-1986

प्रारूप आर्दः .टी . एन . एस . -----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सुवना

8134 6349

कार्थालयः, सहायक कायकर वायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 फरचरी 1986

निदेश सं० प्रई-2/37-ईई/22183/85-86--- ग्रतः मुझे, प्रशांत रायः

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व अ अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिल्ला उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी म० माला नं० 3-पी०, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, अंघेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इमसे उपाबत अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है). और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्त्री है तारीख 1-17-1985

को प्रॉक्ट सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्रथमान बतिकल के लिए अफ्तरित की नहीं ही और मृजे वह विकास करने का कारण ही कि यथाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, अतके द्रायमान प्रतिकल से एसे क्रथमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकत से बधिक ही और जंतरक (जंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बौध एसे जन्तरण के लिए तब पाया नया प्रतिक कस निम्नसिखित उद्देश्य से उच्छ बन्तरण सिथित में बाला-देवतः रूप से कथित नहीं किया नया ही ह----

- (क) अन्तरण से हुई किसी अख की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कसी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--- 1. मैं० हेर्मा इंडस्ट्रीज।

(ग्रन्तरकः)

मै० भ्राणा टैक्सटाईल्स

(ग्रन्तरक)

3. श्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके क्राधभोगमें सम्पत्ति है)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्तः सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रोपं----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों बीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टि है, वहीं अर्थ हिलेगा को उस अध्याव में दिया गया है।

अनुसूची

गाला नं० 3-पी०, जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इंस्टेट, शाफ वोरा देमाई रोड, अंधेरो (प०), सम्बई-400058 में स्थिस है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के संव श्रई-2/37-ईई/22183/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिन्तिक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड विद्या गया है।

प्रणीत राय सक्षम प्राधिवारी सहायक आयकर श्रायुक्त (किरीक्षण) श्रर्जन रेंजस्ट, बस्बई

तारीख: 25-2-1986

मोहर।

प्रक्य बार्ड . दी . एन . एस . -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 फरघरी 1986

निदेश सं० 'प्रई--2|37-ईई|22273|85-86--प्रतः मुझे, प्रशांत राय,

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवाद 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के भभीन सक्षम प्रीधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- का से मिथक हैं

और जिसकी मं० फ्लैंट तं० 402, इमारत नं० 21, अधेरा (प०), बम्बई-53 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से घणित हैं), और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सजम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्द्री है, तारीख 5-7-1985

को पूर्वोक्स सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के हरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोस्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल से मन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और मन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच ऐसे अन्तरण के सिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्मिनिकत उद्वेश्य से जस्त अन्तरण जिलात में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ निसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (भ) ऐसी किही बाब या किसी थन या अस्य कास्तिवीं करें, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 / 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधान, निम्नितिश्वित व्यक्तियों, जुर्थात् :---

श्री जियाउद्दीन बुखारी ।

(प्रव्रतरक)

2. श्री महमूद सलीम ग्रब्दुल करीम ।

(भ्रन्तरिती)

को नह सूचना कारी करके पूर्वीनत सम्बक्ति के वर्षन के जिल्ल कार्यवाही शुरू करता हो।

बन्द राज्यित के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप 🎞 🖚

- (क) इब स्वतः के राजपन में प्रकाशन की तारींच हैं 45 दिन की मनीय मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामीन से 30 दिन की नवित्र, को और नवित्र वाद में समाप्त होती हो, ने भौतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वास्त्र;
- (व) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की बादीय की 45 दिन को बीएत उनक स्थायत संपत्ति में दिल-नव्य किसी मन्य व्यक्ति इनारा वशोहस्ताक्षरी की यात सिक्षित में किए वा बकोंने !

क्लक्कीकरण: --इतने प्रयुक्त कव्यों और पर्ध का, को खक्क विधिनियम के अध्याय 20-क में वीरभाषिक हैं, नहीं अर्थ होगी, को वस अध्याय में दिवार गया है।

बग्सकी

फ्लैंट नं० 402, जो, चौथी मंजिल, इमारत तं० 21 सर्वे नं० 41 (पार्टे), अशिवरा विलेज, अंधेरी (प०), वस्वई-400058 में स्थित है।

प्रानुमूची जैसा कि कि से प्राई - 2/37 - ईई/22273/ 84-85 और जो मक्षम प्राधिकारों बम्बई द्वारा दिनांक 5-7-1985 को रिजस्टड किवा गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-2 वस्बर्डे

तारीख: 25--2--1986

प्रकृत बाहित टी. पुरस्त पुरस्त व्यापन

णायकार विभिनियक, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के विभीन सूचना

BIST SETT

कार्यात्वय, सहायक कार्यकर कार्यक्त (निर्देक्क)

धर्जन रेंज-2. बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 फरघरी 1986

निदेश सं० भ्रई--2/37-ईई/22274/85--86---श्रतः मुझे, प्रशांत रायः,

बायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इब्से इसके पश्चाद 'उक्त लिभिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उष्णि बाबार मृज्य 1,00,000/- रु. से लिभिक है

और जिसको सं० फ्लैंट नं० 101, जो, इनमारत न० 10, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण कर में बणित है), और जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम, 1961 को धारा 269क, ख के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारों के कार्यालय में रिक्ट्री है, तारीख 5-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफाल से ऐसे दश्यमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिवक रूप में किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने मा उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कें अधीय, निस्निलिखित व्यक्तियों, अर्थीय ध---

1. श्रो जिवायदीन बुखगरी

(अन्तरक)

2. श्री सैयद जमीरुल्ला।

(ग्रन्तरिती)

की शह त्यता जारी करके पूर्वोक्त तम्मील के वर्जन के निए कार्यवादियां करता हो।

तथा कमित के पर्वत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची ।

पलैंट नं 101, जो, पहली मंजिल, इमारत नं 10, सर्वें नं 41 (पार्ट); ओणियरा बिलेज, अंधेरी (प०), बम्बई ~400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि अ० सं० श्रई-2/37-ईई/22274/ 85-86 और जी सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 5-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-2, बस्बर्ध

तारीख: 25~2~1986

मोहर।

प्ररूप आर्धः टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाक 25 फल्परी 1986

निदेश सं ० प्रई- 3|27-ईई०|22474|85- 86- - प्रत। मुझे, प्रशात राय,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके शचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव 32/जेव, लहमी इंडम्ट्रियल इस्टेट, अंबेरी (पव), बमबई -58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण इस से विणित), और जिसका करारनामा प्रायकर प्राधितियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीत, वमबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है, तारिख 9-7-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे दूर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य असितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मैं० लक्ष्मी। इंडस्ट्रियल इस्टेट।

(अन्तर्का)

2. मैंसर्स बाय-मेटालिक प्रोडम्ट्स ।

(भ्रन्तिःर्तः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स्व से 45 दिन की अविध यातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रय्वत शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं० जे, जं कोज नं० 32, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, श्राफ वोरा देमाई रोड़, बर्सावा, अंधेरी (प०), बम्बई-400058 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भई--2/37-ईई/22484/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 9-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> प्रणांत रा**य** नक्षम प्राधिकारी सहायक प्राप्तकर पायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज- 2, वस्ब**ई**

नारीख। 25-2-1986 मोहर: प्रक्ष आहें.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-म (1) से अभीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 फरवरी 1986

निर्देश मं० श्रई०-2/37 **ईई**०/22498/84-85--श्रत: मुझे, प्रशांत राय

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भादा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

स्रोर जिनकी संव गाला नंव ?, एच, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप सेवणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायवर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 वख के स्रधीन सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय, बस्बई में रिस्ट्री है तारीख 11 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्श सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के इस्प्रमान प्रतिफल के सिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके स्त्यमान प्रतिफल से, एसे स्त्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तर-रिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के सिए त्य पाया गवा प्रतिफल, निम्नसिक्त उद्वेष्य से उक्त बंतरण निचित्त में बास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की नावत, उक्त विध-वियम के अभीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; वरि/सा
- (ग) ्सी किसी अध मा फिसी धन या कन्य नास्तियों को, जिन्ही भारतीय नायकर निविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें अयोजनार्थ अस्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया प्रथा था या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविधा से सिहा;

कतः अब, उक्त ओधनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) मैं० हेमी इण्डस्ट्रिज ।

(प्रन्तरक)

(2) मै० ग्रल्फा प्लास्टिक इण्डस्ट्रीज।

(श्रन्तिगती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्धन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए का सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गाला नं० 3 एच, जो लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, श्राफ बीग देसाई रोड, अन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं० आई०-2/37 ईई/22498/ 84-85-श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजिस्टर्ड कियागया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बाई

तारीख 25-2-1986

भूक्य नार्च ,ही , एव , एव , -----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सूचना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 फरवरी 1986

निर्देश सं० ग्रई०-2/37 ईई०/22539/84-85--श्रतः

मुझे, प्रशांत राय आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मस्ति, जिसका उचित बाबार मुक्स

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० शाप नं० 3 सीलवर संड्स श्रपार्टमेंट,
ग्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 वख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्याल्य, बम्बई में रिजिस्ट्री हैं सारीख 11 जुलाई, 1985 है

को प्रेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, अनके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रहु प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखत में -वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी ज्या या किसी धन या जवा आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति औ द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

लतः व्यव, उक्त विधितयम की धारा 269-व के विवृत्तरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैं० हीरानन्दानी कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि०। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती रूक्मिणी बालकुष्णन मलाडकर। (ग्रन्तिरिती)
- (3) ग्रन्सरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) की वह ब्यमा कारी करके पूर्णका कम्मीय के कर्जन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति को नर्जन को संबंध को कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जनित्र या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नवित्र हो और विश्व में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुन, से भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुना सु
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्भ किदित में किए का सकींगे।

स्पन्नीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शृज्यों जीर पर्यों का, को उक्त विधितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जी उस कथ्याय में दिसा नवा ही।

यन्त्रची

शाप नं० 3 है तथा जो सीलवर सेंड्स श्रपार्टमेंट, यारी रोड, वर्सीवा, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० श्राई०-2/37 ईई०/22539/ 84-85-श्रौर जो मक्षत प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11 जुलाई, 1985 को रजिस्टर्ट किया गया है

> प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंच-2, बस्बर्फ

तारीख : 25-2-1986

प्रकप आहे. टी. एत. एस., ०००००

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43**) की** भारा 269-व (1) के बधीन सचना

मारत तरकार

कार्याक्षय , सहायक नायकर वाब्क्त (निहासक) में धर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 फरवरी 1986

निदेश मं० श्राई०-2/37 ईई०/23004/84-85 मतः मुझे, प्रशांत राय

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसं इसमें इसके पश्चाल 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ह्य :..। 0.00 (1955) में उधिक हो

म्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 32/125, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, ग्रन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है सारीख 22 जुलाई, 1985

को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तर-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्मलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिसित में बास्तिक रूप से स्थित नहीं किया गया है:---

- (म.) अन्तरण संहुद् भिन्नी आंव की वावस, उनक विधिनियम के अधीन कर दोने के वन्तरक के सायस्य में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/बा
- (क) शंसी रिक्रकी बाय वा किसी धन या जन्म आस्सियों करें, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अध्यारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वासा वाहिए था, किया के वृत्तिभा के निए;

बतः अव, उक्त विधिनियम का भाग 269-व के बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मै० लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट ।

(ग्रन्तरक)

(2) मैं० भ्राम्मी देक इंजीनियर्स।

(भ्रन्तरिती)

का वह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनहियां सूक करता है।

अवत बन्मित्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों घर मृजना की तामील में 30 दिन की अविभ , को भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाय;
- (क) इस ं 4ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्क स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाव निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 2) के में यथा गरि-भावित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उद कथ्याव में दिया गया है।

ग्रनुसूची

यूनिट नं० 32/125 है तथा जो पहली मंजिल, लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिंग रोड, श्रन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है।

श्रतुसूची जैसा कि क्रम सं० श्राई०-2/37 ईई०/23004/ 84-85 श्रीर जो अभग प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 22 जुलाई, 1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

तारीख : 25-2-1986

मोहरः

प्रकम् आर्ड् . टी. एन . एत . -------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक जायकर जायूवत (निराक्तिक) ग्रजन रेज~2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 25 फरवरी 1986

निर्देश मं ० ग्राई०-2/37 ईई०/23079/84-85---श्रतः मुक्ते, प्रशांत राय

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० गाला नं० 3 क्यू, इण्डस्ट्रियन इस्टेट अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 26 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्यक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वोक्त सम्यक्ति का उचित बाजार पृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे अयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और बंतरक (बंतरकों) और बंत-रिती (बंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के सिए सब पास नया प्रतिफल, निम्तिलित उद्देश्य से खक्त बंतरण निचित में धास्तिक रूप से कायत नहीं किया गया है इ—

- (क्क) जंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (ख) एंसी किसी भाग या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;

जतः अव, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभाश (1) के कभीग निम्निचित व्यक्तियों, वर्षात ——
70---26 GI/86

(1) मैं० हेमी इण्डस्द्रीज ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कीर्ति कुमार मोहन लाल जैनकः।

(ग्रसन्ती)

(3) अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्मत्ति हैं), को बहु स्वना जारी करने पूर्वोक्त ग्रन्मति के बर्णन के बिहु कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

उक्त तम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाबोद :--

- (क) इस सूचना के रावपण में प्रकाशन की ताराव से 45 दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के मौतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए का सकेंगे।

स्वकासरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीव-नियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्पी

गाला नं 3 क्यू० जो लक्ष्मी इण्डस्ट्रीज इस्टेट, बीरा भाई देसाई रोड, छन्धेरी (प), बम्बई-400058 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि कम सं० अई०-2/37 ईई०/23079/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 26-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बम्बई

तारीख ° 25-2-1986 मोहर ° प्रकृष बाह्यं , टी . एन . एस . -----------

नायकर लीभीनयन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के नभीन सूचना

नाइत तहकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 25 फरवरी 1986

निर्देश सं० प्रई-2/37-ईई, 23130, 84-85---श्रतः मुझे, प्रशांत राय

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त किथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 101, इमारत नं० 21, ग्रंधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 26-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मृत्य से कम के क्षयमान ।तिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बावार ब्रुग, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के किए क्षय क्षया गया प्रतिफल, निम्निविद्यत उद्देश्य से अक्त अन्तरण किया कर के किए क्षय क्षया गया प्रतिफल, निम्निविद्यत उद्देश्य से अक्त अन्तरण किया कर के किए क्षय क्षया गया प्रतिफल, निम्निविद्यत उद्देश्य से अक्त अन्तरण किया कर के कार्यक क्षया से कार्यक नहीं किया गया है उ

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के सभीन कर वेने के अन्तरक की बायित्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; बार/वा
- (क) ऐसी किसी जाय वा फिसी बन या अव्य बास्तियों की जिल्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) अर्थ प्रयोजनार्थ जन्तिक्ती द्वारा एकट नहीं किया गया था किया जाना काहिए था, छिपाने में स्थिश खें सिए।

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उथत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर. निरुप्तिवित व्यक्तिमें, सर्वाह क (1) श्री भीयाउद्दीन ब्लारी

(अन्तर्क)

(2) शेख महमद नजीर ग्रहमद

(श्रन्तिरती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाकीप :---

- (का) इस स्थान की राजपण में प्रकाशन की तारींच ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इन स्वना के राजदन में प्रकाशन को तारीक्ष में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताथरी के पाम रिप्तान में विष् दा सबोंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गैसा है।

नन्स्ची

"पलैट नं० 101, जो पहली मंजील, इमारत नं० 21 सर्वे नं० 41 (पार्ट), ओशिवरा विलेज, श्रंधेरी (प), बम्बई, 400058 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि फ्र॰ सं॰ श्रई-2/37-ईई/23130, 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाँक 26-7-1985 को रजीस्टई किया गया है।

> प्रणाँत राय सक्षम प्राधि जारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 25-2-1986

प्रसम नार्च , टी , एन : एक ::---

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घाडा 269-थ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० ग्रई-2/37-ईई/22508/84-85-~ग्रतः मुझे, प्रशांत राय

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसको सं अोरीजीनल प्लाट नं 147 ए, विले पार्ले (पू), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजर्स्ट्री है तारीख 11-7-1985

को पुर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुफ्ते यह विश्वास करने, का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 195/(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं., अक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेसर्स सुप्रीमो बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जेथालाल ग्रमृतलाल पूरोहीत श्रीर श्री करसनदास अमृतलाल पूरोहीत

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जाड़ी करके पूर्वों का सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

डक्द रम्पित् के वर्षन् के सम्बन्ध में कोइ भी बाधने ---

- (क) इस त्वना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 जिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किये वा सकोंगे

स्पष्टोफरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

''जमीन का हिस्सा जिसका श्रोरीजनल प्लाट नं० 147, ए, फायनल प्लाट नं० 343, टी० पी० एस० 2, नेहर रोड, त्रिले पार्ले (पू०), बम्बई है।

श्रनुसूची जैसािक क० सं० श्रई०-2/37-ईई/22508/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनाँक 11-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

प्रशात राय सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2**; बम्बई**

तारीख: 11-3-1986

वक्त नार्<u>देशे पुरस्कारण</u>

बायकर भौधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-व (1) के स्थीन सूत्रना

मारत स्ट्रामा

कारीकर, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रेंज-2 बम्बई

बम्बई, दिनाँक 11 मार्च 1986

निर्देश सं० श्रई-2/37-ईई/22509/84-85--श्रतः मुझे, प्रशांत राय,

नायकर नृधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इसमें इसमें प्रकात 'उस्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के मधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थान्द सम्परित, जिसका उजित वाचार नृज्य 1,00,000/-रा. से मधिक है

ग्रीर जिसकी सं अोरीजीनल प्लाप्ट नं 147, ए, विले पार्ले (पू०), बंबई, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रमुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसवा करारनामा आयकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 11-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकान के निए जन्तरित की नहीं है और मुक्ते वह विश्वास् करने का कारण है कि बचापूर्वोक्त सम्प्रतित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से एसे दश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिकात के मधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितिकों) के बीच एके जन्तरण के विश्व तब पाना स्था स्तिकात, विश्वविद्यास ने उच्च कच्चरण हैं सिक्स के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क्यूं जन्महरू हे हुए किसी बाव की वावचा, उनक श्रीपीत्वन के वशीय कर दोने के जन्मुरक के शावित्य को कर्ती कर्दा वा कहते व्यक्त के सुविधा के सिए; बॉर/वा
- (य) होती किसी बाद या दिन्दी प्रयोग सम्ब आहित्यू को, विक्ट बाइतीय बाद-बाद अपिनियम, 1922 (1942 को 11) या उत्तर अपिनियम, या अवृत्यू अपिनियम, या अवृत्यू अपिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तुरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना लोहियेथा. कियाने में तुरिशा के बिहुत्यू

वरः नव, उक्त विभिनियम की भाग 269-न के अनुसरण मं, मं, अक्त विश्वित्वम की भाग 269-न की उपभाक्ष (1) कृथभीय, निज्योग्धिक व्यक्तियों वर्षात् ह— (1) में सर्स सूत्रीमो बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जीवनदास अमृतसलाल पूरोहीत भौर श्री जीवनदास अमृतलाल पुरोहीत।

(भ्रन्तरिती)

को कह शुक्रमा बाही करके पृथानित तृज्यत्ति से वर्षम् से किए कार्यवाहियां कहता हूं ।)

क्ष्म् क्ष्मीत्व के वर्षन् के क्ष्मान् में कोई ही वाक्षः--

- (क) इस सूचना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की संगति वा तरवान्त्रभी न्यानित मों पर क्षान की तामील वे 30 दिन की नवित्र, को भी स्वाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त अधिकार मिलत हैं की न्यानित हैं की न्यानित हैं की न्यानित हैं वारा है
- (थ) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तार्राथ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबय्ध किया विश्व क्यांकर स्थावर संपरित में हिसबय्ध किया क्यांकर क्यां

ज्याकि रण:---इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, ओ उनक् ज्याभिनियम के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा को उस अध्यान में दिया ज्या हैं औ

अनुसूची

"जमीन का हिस्सा जिसका भ्रोरीजीनल प्लाट नं 147 ए, फायनल प्लाट नं 343, टी० पी० एस० 2, नेहरू रोड, बिले पार्ले (पू०), बंबई है।

भ्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-2/37 ईई/22509/84-85 भ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजिस्टर्भ किया गया है।

प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख:11-3-1986 मो**ह**र 🛭

- Kon ang'al alla grilla galamanaman

ायकार जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 2**69-न (1) के बनीन सूत्र**ना

HISE ESTE

कार्यांचर, सञ्चारक नायकार कार्युक्त (निर्देशिक)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बर्श बम्बर्ड, दिनाँक 11 मार्च 1985

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/22510/84-85→अतः मुझे, प्रशांत राय

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विषे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं अप्रोराजीतल प्लाट नं 147, ए, विले पार्ले (पू०) बम्बई, में स्थित हैं (ओर इसमें उपाबड़ ग्रन्, सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिनका करारतामा ग्रायकर श्रीधिनियम की धारा 269 के, ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख़ 11-7-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मृक्त से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्र्यमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक स्प से कथित नहीं किया गया है:——

- (क्क) जन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त विधिनियम के अभीन कर देने के जन्तरक के दायित्थ में कमी करने या उससे अचने में सुनिधा के शिष्ठ; जाँड/वा
- (क्ष) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

जतत वर्ष, वक्त वर्षिनियम की भारा 269-न वी वन्तरक में, में, उक्त विभिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, वर्धात् :--- ('1) मेसर्स सूत्रोमो बिल्डर्स ।

(यन्तरक)

(2) जयालक्ष्मो चंद्रलाल प्रोहीत श्रौर दहयालाल श्रमृतलाल प्रोहीत ।

(अन्तरिती)

को यह बुचना बाही करके पृत्रामित संपरित के कर्वन के जिल्ल कार्यवादियां कारता हों।

उन्त रामरित के वर्षन के राम्पन्य में कोई भी बार्ख्य :---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकारन की तारीय से 45 दिया की स्वद्भित का उत्स्वान्त्री क्षित्रकों पद स्थान की तानील से 30 दिन की नविभा, जो भी मध्यि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त क्षित्रकों में से किसी क्षानित स्वाराह
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिव के जीवर उक्त स्थान्द सम्मत्ति में हितनकृष्ट किसी बन्द स्थानित ब्वारा नभोहस्ताक्षारी से पास् सिसिक में निष्यु वा सकों में।

स्पष्किरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

"जभीन का हिस्सा जिसका ग्रौरीजीनल प्लाट नं० 147 ए, फायनल प्लाट नं० 343, टीज्पीज एसज, 2 नेहरू रोख, बिले पार्ले (पूज) बंबई है।

श्रनुसूची जैसा कि कि नं सई-2/37-ईई/22510/84-85 श्रींग जो सक्षम प्राधिकारी बंबई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

प्रमांत राय सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2 बम्बई

तारीख: 11-3-1986

भक्ष बाइं टी . एन . एस . ------

नाय हर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्तवः, सहायक भागकर नामृतः (निरक्षिक) धर्जन रोज-2, वस्वई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च, 1986

निर्देश सं० %ई-2/37-ईई/22602/84-85----श्रत: मुझे, अणाव राय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिते इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

जीर जिसकी संव फायाल प्लाट नंव 68, सीव टीव एसव नव 893, 893(1), 893(2), यमील का हिस्सा जी प्रार्थना समाज रोड़, जिले पार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है (और इसने उराबद यनुभूची में और पूर्ण कर से बिलत है)/जीर जिसका करारतामा आधवार अधिनियम की धारा 2690, ख के अवैत, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय , बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 11 जुनाई, 1985

A! पूर्वोक्त संपत्ति को जीवत बाबार कृत्य से कान के कावात प्रितिक्त को सिए बन्तिरित को नहें हैं और कृत्रों वह निश्वात करते का कारण है कि स्थाप्वों के बन्तिरित का दिवत कावार कृत्य, उनके कावाब प्रतिकृत के एसे कावान प्रतिकृत के प्रकार प्रतिकृत से क्षेत्र कावान प्रतिकृत के प्रकार प्रतिकृत से क्षेत्र कावार काव

- (क) अन्तर्भ से हुई किसी नाम की बाबत, उक्क वर्षित्वस के अभीव कर योगे के जन्तरण के वर्षित्व में कमी करने या उच्च वचने में कृतिशा और/मा
- (व) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा बन्य जास्तियों की फिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा वे विदाः

अतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण सें, में, अक्त मिधिनियम की भत्रा 269-ग की स्पभारा (1) के अभीन, निम्नतिगुवित स्वीक्तवों, जर्जात् क्र— 1. मेमर्स कला सिलक फैंक्टरी।

(अन्तरक)

2. मेमर्स होमलैन्डम कार्पीरेशन।

(प्रस्तिरिती)

3. भाडूत।

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 अन्तरितीयों और भाडूत।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिता बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिह्न कार्यशाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में अकाशन को तारोब सं 45 दिन की बनिभ या तरतस्वन्धी स्वित्यों प्र स्वना की तामीस से 30 दिन की अवृधि, जो भी अवृधि बाद में सवाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वित्यों में से किसी व्यक्ति इवास;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास -लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, भी उक्त आयकर आभागम के अभ्याय 20-क में परिभाजित ह⁴, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। वदा हैं।

जन्सूची

फायनल प्लाट नं० 68, सीठ टीठ एमठ नं० 393, 893(1), 893(2), जमीन का जि्ल्या, आ पार्यना समा । रोड़, बिले पार्ले (पूर्व), बम्बई-57 में स्थित है।

ानुसूर्व। जैसाको क० सं० प्रई-2/37-ईई/22602/34-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

प्रणांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-2, वम्बई

नारीख: 11-3-1986

मोहर । :

प्रकार बाह्ये दु दु पुरुष पुरुष प्रकार प्रकार

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

सारत बद्रमाय

कार्याबय, रहायक नायकर आयुक्त (निर्काल)

घर्जन रोज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 11 मार्च 1986

निदेश सं० ५६-2/37-ईई/22720/84-85----श्रतः मुझे, प्रशांन राय,

कायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्वें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण पे कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाकार वृश्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव पहली संजिल, 77ए, नेहरू रोड़, खिल पालें (पु), बस्बई में स्थित हैं (बीट इसमें उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप ने विजित हैं) और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीत, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजर्स्ट्री हैं। तारीख 12 ज्लाई, 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मून्य से कम के स्वकान श्रोतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मून्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिशत से विभक्त है बीर बन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पावा चया प्रतिफल, निम्नलिचित उद्देश्य से उच्त अन्तरण मिचिन वे शस्तविक रूप से कथित वहीं किया चया है ह—

- (क) बन्तरम से हुए किसी बाद की बावत , बच्च मिनियन के बचीन कर दोने के जन्तरक के शामित्व में कामी कारने या उक्क बच्च में सुविचा के लिए; शरि/या
- (ल) एंसी जिल्ली जाय या किसी धन या अन्य बास्तिबाँ की, जिल्हाँ भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना जाहिए था छिपान से शुप्तभा के लिए;

अत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्धात् :--- मेसर्स प्रासीमान प्रान्टन्स।

(भ्रन्तभक्)

2. मेरार्स लायका लेब्स प्राथवेट लिमिटेड।

(श्रकारिती)

क्षेत्र वृह बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के वर्षन क रिनए कार्यवाहियां चुक करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकरो।

स्पडिकारण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया ही।

सम्बन्ध

ध्रन्तरकका गृष्टविल और उनके मासिक-भाडूत -हक, जी पहली मंजिल, 77ए, सीठ टीठ एसठ नंठ 2086, नेहरू रोड, बम्बई-400099 में स्थित प्रापर्टी में हैं।

अनुमूर्चः जैसाकी करु संरु अई-2/37-ईई/22720/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिलाए 12-7-1985 को रजिस्टई किया भया है।

> प्रशांत राय सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकर आयुक्त (िर्राक्षण) शर्जन रोज-2, बसबई

नारीख: 11-3-1986

प्रकार बाह्ये हों.. १२ .. १४ ...----

भायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्रा 269-थ (1) के बंधीन सूचना

भारत सहस्रह

कार्यसम्, सहायक भागकर वायुक्त (निर्शासक)

ध्रर्जन रेज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निविष्य सं० अई-2/37-ईई/7233/84-85--भृत: मुझे, निसार श्रह्मद,

कामकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के वधीन सक्षम प्रीधिकारी की यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 1.00.000/-रा. से अधिक हैं

जी. जिन्न सं पलंट सं 24, जो, 2री मंजिल श्रारती इमारत, प्लॉट सी एम व नं 380, ताडदेव रोड़, बम्बई में स्थित है (और इममे उपायं प्रमुमूर्ची में और पूर्ण रूप ये विणत है) और जिसका करारनामा श्रायंकर श्रिष्ठिनयम 1961 की धारा 269फ, ख के श्रिष्ठीन वम्बई स्थित सक्षम श्रायंकारों के कार्यालय में रिजर्म्ट्री है। तारीख 9जुलाई 1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित नाजार मृत्य से कम के क्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृष्टे यह विपनास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपित वाचार मृत्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से, एसे दश्यमान श्रीतफल का चंद्रह श्रीतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और वंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया क्या श्रीतफल, निम्नितिचित उप्योच से उक्त अन्तरण निवित्व में अस्तिक, निम्नितिचित उप्योच से उक्त अन्तरण निवित्व में अस्तिक रूप से काम्बर में का स्वारण निवित्व में अस्तिक रूप से काम्बर में इक्त अन्तरण निवित्व में अस्तिक रूप से काम्बर महार सिवात में अस्तिक रूप से काम्बर महार सिवात में अस्तिक रूप से काम्बर महार सिवात में अस्तिक रूप से काम स्वारण सिवात से अस्तिक रूप से काम स्वारण स्वारण सिवात स्वारण सिवात से अस्तिक रूप से काम स्वारण स्वारण स्वारण सिवात स्वारण स्वारण

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाव की शावक, उस्क अधिनियम के अभीत कर बोने के अन्तरक के द्राविस्त में अभी करने या उससे बचने में हुविशा के लिए; और/वा
- ्वः एंसी किसी काय या किसी धन भा अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा चे सिए।

असः तथ, उसत अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरक में, में, उक्त जिभिनियम की धारा 269-व की लघधारा (1) के अधीन, जैनक्तिकित व्यक्तियों, अर्थात किस 1. मेसर्स मित्तल बल्स्ट्रक्षणन कंपनी।

(प्रनारका)

2 श्रीमती कुसूम पीठ जालन और रामकृष्ण बीठ जालन।

(अन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आ**क्षा**प ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की जर्नाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील सं 30 दिन की बनीध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसन्ध्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 शास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभुसुची

पर्नैट नं० 24, जो, 2री मंजिल, श्रारतो इमारत, प्लॉट सी० एम० नं० 380, ताडदेव रोड़, बम्बई में स्थित हैं।

प्रमुची जैसाकी कि० सं० प्रई-2/37-ईई/6797/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनीर 9-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> िन्मार घटमद संदम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (िर्राक्षण) अर्जन रोज-1, बस्बई**

दिनांक: 7-3-1986

प्रकल बाद . दी . एन . एस . ------

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

नारत तरकार

नार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निर्देण सं० प्रई-1/37-ईई/7118/85-86--प्रत: मुझे, निसार प्रहमद,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं)।, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी कार्यालय, नं० 13, जो, 5वीं मंजिल, ताड़देव एअरकंड़ी शन्ड मार्नीट, ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूत्रों श्रीर और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-7-

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) को मार अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखिठ उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबृक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायिस्व में कमी करने या उससे बजने में सुनिधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स हिंदुस्तान फत्रीकेटर्स।

(धन्तरक)

2 श्री विश्वताय भुवानिया।

(भ्रन्तरिर्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्थ्यन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबिंध या तरसंबंधीं व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविंध, ज्ये भी अविंध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों;
- (क) इस सूक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्थ किसी व्यक्ति व्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में ्दिया गया है।

मनुसूची

कार्याशय नं 13, जो , ताखदेश एप्ररकडिशन्ड मार्केट, 5वीं मंजिल, ताखदेश, बम्बई-34 में स्थित है।

प्रतुसूत्री जैसाकी कि० सं० प्रर्थ-1/37-ईई/6683/85-86 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांवा 1-7-1985 को रजिस्टडे किथा गया है।

> निसार प्रह्मद मक्षम प्राधिकारो महायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-1, बस्बई

विनोक: 7-3-1986

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनौक 7 मार्च, 1986

निर्वेश सं० ग्रई-1/37-ईई/7379/85-86--- ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद

बायकर मिशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिलत बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से मिथक हैं

मौर जिसकी सं कार्यालय नं 24, जो, ताडवेय एमरकंडि-शन्छ मार्केट इमारत, ताडवेथ मेन रोड़, बम्बई-34 में स्थित है (भौर इससे उपायब प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत और विसका कर।रनामा आयकर अधिनियम, 1961 की भारा 269क, ख के भधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 19 जुलाई, 1985

को प्राेंक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मृश्य से कम के क्यमान इतिफल के सिए कर्रारत की गई है और मुक्के वह विश्वास करने का कारण है कि प्रथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य' उसके क्ष्यमान प्रतिफल से ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच ऐसे अन्तरफ के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप के कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा ी किए; बौर/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों करों. चिन्ही भारतीय बाम-कर मिपिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत सिपिनियम, या धनकर सिपिनियम, या धनकर सिपिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तिरिती द्वारा पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपानी में सुविधा के सिक्ष;

अध्य अव, उस्त विधिनयम की धारा 269-न भी अनुसरम ", में उस्त विधिनयम की धारा 269-न भी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- फिल्म जर्नालिस्ट सोसायटी।

(भ्रन्तरक)

2. मैंसर्स पम्पी इंटरव्रायजेस।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचवा चादी करके पृथींक्त सम्पर्ति के वर्णन के जिए कार्यवाहियां कुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में अकाशन की तारीय से 45 विने की वविष या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की वविष, को भी क्षेत्र वाद में सवास्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवास ;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबच्य किकी बन्ध व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताकरी के पाश सिकित में किए जा क्कींगे।

स्थव्यक्तिस्य :- --इसमें प्रयुक्त कक्षों और पर्यो का, को उक्त अभिनियम के रूथ्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं क्षी कोना, जो उस कथ्याय में विधा क्षा ही अ

जन्त्यी

कार्यीलय नं० 24, जो , ताडदेव एग्नर-कंडिशन्ड मार्केट इमारत, ताडदेव मेन रोड़, बम्बई-34 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि सं० श्रई-1/37-ईई/6930/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 19-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

विनौक: 7-3-1986

मोहर : ੵ

प्रथम बार्ष: डी. एत. एस्.-----

बायकर अभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत परकारं

कार्याजय , महायक बायकर आध्वत (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, अम्बई
अम्बई, दिनौंक 7 मार्चे 1986

निर्वेश सं० ग्रई-1/37-ईई/7351/85-86--ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद

वायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'सकत मिनियम' कहा गता हैं), की भाषा 269-च को अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका स्त्रित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से मिथिक है

धौर जिसकी सं० पलैट नं० 503, जो, णिरीन श्रपार्टमेंट्स, ताडदेव रोड, बम्बई-7 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है)/ग्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम 1861 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 16 जुलाई, 1985

को एवोंक्त सम्पत्ति के उभित बाबार मृत्य से कम के ध्रयमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धे यह विकास करने का कारण है कि वभागुर्वोंक्त सम्पत्ति का उभित बाबार मृज्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिस्ति से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्ति-रितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया जवा प्रतिकत, निम्मनिचित उन्हों किया गया है है है न

- (क) नन्तरण सं हुई कियी आग की नावक, क्षेत्रक मृत्यिकक में बचीच काल करें के अध्यक्त की समित्य में काबी कहने या असूबी नुक्तें में सुनिध्य में सिन्; मीहर्/ना
- (थ) ऐसी किसी नाय या किसी धन या किसी नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाय-कर निधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधनियम, या धन-कर विधिनवृत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रवोद्याची धन्तुरिखी क्वास प्रकट वहीं किया गया था या जिन्हा चावा आहिए था, कियान में बूबिया में सिह्द;

वतः वयः, वयः अभागयः की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उक्त अिधनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) कों अधीन, निरुत्तिकिक व्यक्तियों, अर्थात् क्रिय-

- मैसर्स ताइदेव प्रापर्टीज प्रायवेट लिमिटेड। (भन्तरक)
- 2. श्री परेशकुमार आर० पारीख, श्रीमती कुसुमबेन आर० पारीख और श्रीमती प्रेरनाबेन पी० पारीख। (मन्तरिती)

को बहु बुक्का बारी करखें पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के जिल्ल कार्यवाहियां करका हुन्।

उन्त संपत्ति को वर्षन की संबंध में कोई भी बाक्षीय है---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की नविभ या तत्सवंभी व्यक्तियों पद सूचना की वामींस से 30 दिन की अविभ, को भी विषय माद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रवेतिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की रारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वार्य अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकति।

स्पष्टिकिश्ण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं वर्ध होगा, चो उस अध्याय में ववा है ॥

अनुसूची

प्लैंट नं० 503, जो, शिरीन श्रपार्टमेंट्स, सी० एस० नं० 315, ताडबेब डिविजन, गंगा जमूना सिनेमा के सामने, ताडबेब, बम्बई-7 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-1/37-ईई/6908/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 16-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार महमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनौंक: 7-3-1986

मोहरः

प्रारूप बार्ड.टी.एन.एस्.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अभीन स्वका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुंबतं (निरक्षिण)

भर्जन रेंज-1, बम्बई

बॅम्बई, दिनाँक 7 मार्च, 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/7464/85-86-- ग्रतः मुझे निसार ग्रहमव

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) ही अर्थ क्राज्ये इसके वश्यात् 'क्षप्त अधिविषयं का क्षा वृत्त हों), की धारत 269-ए के वशीय वसक मार्थिकारी को सह विकास कामे का कारण हां कि स्थानर वस्मीक, विकास क्षित्त वासार मृत्य 1,00,000/- स. से अधिक हो

भौर जिसकी सं कार्यालय नं 24, जो, 4थी मंजिल, ताडवेब एभर-कंडिशन्ड मार्केट, ताडवेब, बम्बई-34 में स्थित है (भौर इससे उपायब भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है) भौर जिसका करारनामा भ्रायकर भिधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 26 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त संबंधित के उधिक वाकार कृष्य के का के कावान प्रतिश्वन के निष् अंतरित की नव है और मुखे यह विकास करने का कारण है कि स्वापूर्वोक्त कंजित का जीवत वाचार जुरुव उसके उस्थमान प्रतिश्वन के, श्रेष कावान महिक्का का वालह प्रतिवत से निषक है बार बन्ताएक (जन्तरका) बीर बन्तरिती (बन्तरिधियाँ) के बीच श्रेष क्ष्महन के जिए सन्व बाना नवा प्रतिश्वन, निक्नतिविक्त उहुवरेश के उसक बन्तरिय जिल्लिक में हास्यनिक कम के क्षिक मुखी किया बना है के

- (क) बन्दाय में हुई कियों कार की शासन, उसक् निप्तित्व में अधीय केंद्र दोने के शासरक की वादित में कही करने ना वसके नमने में वृतिभा के विद्यु: श्रीप्र/ना
- (क) वृत्ती किन्नी भाग का किन्ती कर वा कृत्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आग्रकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा प्रयोजनार्थ अंतरिसी कृतारा प्रकट नहीं किया अया था या किया जाना चाहिए था, किमाने में त्रिका में किया

वतः अव, अवः विधिनियमं की धारा 269-गं के वन्सरण में में. अवल विधिनियमं की भारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--- मेसर्म पम्पी इंटरप्रायजेस।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती मिना श्रार० काको इकर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनन सम्बद्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- हैंकी हार क्ष्मपं में बागपंत्र में प्रयादन की तादीय ने 45 दिए की करीय या तत्वंत्रपः न्यांकलों पर क्षमपं की वादीय में 30 दिन की वर्णांत्र, में की करीय कर में क्षमप्त होती हों, में बीजर पूर्वंक न्यांकशों में से निक्की क्षायह कुक्स;
- (क) दक श्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्क किसी बन्य के किए जा सकेंगे।

क्लब्दिकडान : -- इसने प्रमुक्त कन्दों की पर्या का, की उनके विभिन्नका, की नश्लाय 20-क में परिशालित हो, बहुदे अर्थ होगा को उस सध्याय में किया क्या हो।

मन्स्ची

कार्यालय नं० 24, जो. 4थी मंजिल, ताडदेव एम्रर-कंडिशन्ड सार्केट ताडदेव मेन रोड़, ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि० से० श्रई-1/37-ईई/701//85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा धिनाँक 26-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनौंक: 7-3-1986

प्रकल मार्च , टी , एवं , **एवं** , भ त - ----

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन कुचना

भाइत बहुकार

कार्यालय, सहायक नायकर कार्यको (निर्देशक)

प्रजीन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनौंक 7 मार्च 1986

निर्देश सं ० मई-1/37-ईई/7308/85-86-- मतः मुझे, निसार महमद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया हैं) कर्ज धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कार्यालय नं० 517, जो, श्रदण कर्माशयल को-श्राप० सोसायटी, ताडदेव मेन रोड़, ताडदेव, अम्बई-34 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)/श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ज्ब के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रिधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 11 जुलाई

को पूर्वित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथमपूर्विकत तंपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिकल का पन्तुह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरिका) और जन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिष् तय पाया गया प्रतिकल, निक्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिक में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण ने हुएं किसी बाव की बावक, संबद्ध अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के खासिक में कमी फरने वा उन्नवें बचने हैं सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ जन्मदिती इवास प्रकट नहीं किया गया था वा किसी आगा चाहिए था, किसी के लिए?

शत: जब, उक्त किश्वियम की भारा 269-मृ मी अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1); में सभीन, निम्मकिखिक व्यक्तियों क्रांचिक— 1. श्रीमती फातिमा कुर्वान हुसेन।

(श्रन्तरक)

2. श्री इश्राहीम मुल्ला ताहेरभाई श्रोर मोहमद मुल्ला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सञ्यक्ति के कर्चन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

ब बच ब न्यांचि के नर्जन के बंगंध में काहि की गामीप ह----

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्त व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकाँगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुषुची

कार्यालय नं० 517, जो, श्ररूण कर्माशयल को०-श्राप क सोसायटी लि०, ताडदेव मेन रोड़, ताडदेव, अम्बई-34 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० भ्रई-1/37-ईई/6866/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 11-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार घहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनौंक: 7-3-1986

प्रकप बाइ . टी. एन . एत ..-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बावकर आयुक्त (विद्राक्षण)

ध्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 7 मार्च, 1986

निर्देश सं ० श्रई-1/37-ईई/7208/85- $86 \rightarrow -$ श्रतः; मुझे, निसार श्रहमद

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभित वाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं कार्यालय, नं बी-17, जो, एवरेस्ट इमारत, ताडदेव, बम्बई-34 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा प्राय-कर ग्रीधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्राधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 5 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान श्रांतफल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और बन्द्रिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के निए तब श्रांता नया प्रतिफल, निम्ननिवित ज्यूबोस्य से उन्तर बन्तरण किश्वत में बास्टविक कम से क्षीचन नहीं किया ग्या है है—

- (क) बन्तरण से हुई फिसी बाम की बावत, अवत विधिनयम के बधीन कर दोने के बंतरक के दायित्य में कमी करने का प्रस्ता बचने में सुनिधा के बिए; धीर/वा
- (च) एती किसी बाय या किसी धन या बन्य जालिसयों को, चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंबरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के किए;

नतः नव, अवस नायानयम की यादा 209-न के जन्दरन के, जे, उक्त नीयनियम की यादा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- मेसर्स झोडियाक इन्वेस्टमेंट्स -- मालक।
 (ग्रन्तरक)
- 2. मेसर्स झोडियाक इन्वेस्टमेंट्स—भागीदारी। (श्रन्तरिती)

को वह स्थान वारी करके प्रोंक्त सम्यक्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बासीप :---

- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीण चै 45 विन की श्विध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त झेडी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार जिकित में किह जा सकेंगे।

स्वयद्गीकरणः ----इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, वा उक्त विधिनियम, के अभ्यात 20-क में परिभाषिष है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्वी

कार्यालय नं० डी-17, जो एघरेस्ट इमारत, ताडदेव बम्बई-34 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक कि सं श्रई-1/37-ईई/6772/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 5-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बाई

दिनाँक: 7-3-1986

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 7 मार्च 1986

निर्वेश सं० श्रई-1/37-ईई/7292/85-86--श्रतः मुझे,

निसार ग्रहमद

बायकर अधिनियम, 19'6'1 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाकार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 3, जो, 1ली मंजिल इंटरप्राईण अपार्टमेंट, कपाशी को०-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, फोर्जेट स्ट्रीट, बम्बई-36 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबब अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर ग्रीधितियम 1961 की धारा 269क, ख के साधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 11 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान मितकल के लिए अन्तिरत की गई है और कृष्णे यह विश्वास करने का कारण है कि सभा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बौच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नचितित सक्वास से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की आयत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/मा
- (क) एंसी किसी आय गा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति रती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में लक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हं उभी निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अचित हु---- श्री वसंतलाल आर० शहा भौर श्रीमती रम्भीका वी० शहा।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती कांचनखेन श्रार० शहा श्रीर श्री परेशकमार श्रार० शहा।

(ग्रन्तरिती)

- 3. भ्रन्तरितीयों।
 - (वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 विन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि काद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इव सूचना क्रि-नावरन में प्रकाशन की ठारीक से 45 विन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हिट-क्यूथ किसी वस्य स्थित इवारा मधोहस्ताक्षणी के वास विवित में किए वा सकींचे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

नग्स्च

पर्लैट नं० 3, जो, 1ली मंजिल, इंटरप्राईज घपार्टमेंट, कपाणी को-भाप० हाउसिंग सोसायटी लि०, फोर्जेट स्ट्रीट, सम्बई-36 में स्थित है।

धनुसूची जैसाकि कि० सं० म्रई-1/37-ईई/6850/85-86 भ्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 11-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार म्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 7-3-1986

प्रकल जाद् , वर्षे , सुक , एक , ------

वाषकार विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-न (1) के सबीन बुक्का

REST TOWNS

कार्यासय, तहायक नायकर नाम्भ्य (निर्मातक)

वायकर निर्धानसम्, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इक्कों इसके प्रथमत् 'उक्त अधिनियम' कहा पदा हैं), की धादा 269-व के नधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्मत्ति विश्वका उचित वाबाद जुल्ब 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं ० कमरा मं० 7, जो, 1 ली मंजिल, नवयुग निवास, 167, लैमिंग्टन रोड, बम्बई-7 में स्थित है (भीर इससे उपा- वर्स अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका व रारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के मधीन, बम्बई स्थित सद्यम प्राधिकारी के कार्यास्थ में रजिस्दी है, तारीख 9 जलाई 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के उपमान प्रतिफल के निए बन्तरित की गई है बौर मृश्वे वह विश्वाध करने का कारण है कि वंधापूर्वोंक्त सम्परित का उचित्त वाबार नृत्य, उसके स्वयान प्रतिफल से एंडे अवसान प्रतिफल का वृत्य, उसके स्वयान प्रतिफल से एंडे अवसान प्रतिफल का वृत्य प्रतिस्त से विश्व हैं और वंदारक (बंदादकों) की वीच एंडे वन्तर्य के जिए तब पावा च्या मृतिफल निम्मृतिबित स्वृत्ये व व्यक्त वृत्यय विश्व के वाबर कार्य के कार्य कार्य के विश्व के वाबर कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के कार्य के वाबर कर से कार्य कार कार्य क

- (क) जन्तरण संहुई किसी बाय क) वावत, इन्कत नियम के अभीन कर दोने के अम्तरक के दानित्य में अभी करने या उत्तरों क्याने में सुविधा को फिए; अल्लेख,
- (न) एंसी कियी नान ना किसी वन ना नान्य नास्तिकों को, जिन्हें भारतीय नानकर निर्माणकर, 1922 (1922 का 11) ना उपत नीधीनवन, ना धन-कर मीधीनवन, 1957 (1957 का 27) के "बोधनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट वहीं किया गन। वा या किया नाना नाहिए था, किनाने में धुनिधा ने सिक्त

जतः जब अक्त जीभीनयम की भारा 269-ए के अक्करन वं जै. उक्त अभिनियम की भा<u>रा 269-च की अवभारा (1)</u> क अव¹⁶ रिस्सीमीका व्यक्तिकों_{सः} क्रकीह क्रकर 1. श्रीमती प्राणा शंकर चव्हाण।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती शैला शेवकरामाणी।

(भ्रन्तरिती)

को बहु बुचना चारी करके पृत्रों कर संपत्ति के अर्थन के किए कार्यनाहियां कारता हो।

अवत बल्गीत्व के मुर्चन के बल्जन्य वो कांद्रों भी अलांद्र :----

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीज से 45 विश्व की जनभि ना तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तानीज से 30 दिन की जनभि, जो भी नन्धि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थानक्रयों में से किसी स्थीवत् बुनारा;
- (क) इत तूमना के राजपण में प्रकाशन की तारीय के 45 बिन के औतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के राज मिन्दित में किए वा सकेंचे ।

स्वाधीकरणः -- इस्त्रों प्रमुक्त वालों और पदों का, को उनस् विश्विष्य के अध्याय 20-क में परिभाषिते ही, वहीं कर्ष होगा को उस अध्याय में दिया

प्रनुसूची

कमरा नं० 7, जो, 1ली मंजिल, नवयुग निवास, 167, लैंमिंग्टन रोड, बम्बई-7 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि कि० सं० श्रई-1,37-ईई/6804/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ढाग दिनाँक 9-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार महमद सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राजन रेंज-1, बम्बे

विनांक: 7-3-1986

प्रका नार् .टी. दन . एक .: -------

बावकर मृथिनियुव, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के ब्योज सुवना

ALTA STAIN

कार्यासय, सहायक जायकर जावूक्त (जि.स.ज.)

अर्जन रंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निदर्श सं. अई-1/37-ईई/7352/85-86--अतः मुभ्ते, निसार अहमद,

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इस्वें इसके परपात् 'उनत अभिनियम' कहा नवा है), की भारा 269-व के अभीन समस प्राहिषकारों को नह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्त सम्बद्धिः. विस्का स्वित् बाबाद भूक्ष् 1,00,000/रु. में अधिक ही

और जिसको सं. परोट नं. 303, जो, इमारत नं. 1, शिरीन अपार्टमंन्ट, ताडवंब, बम्बइं-7 में स्थित हैं (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, च के अधीन, बम्बइं स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारींख 16 जुनाई, 1985

को पूर्वोक्त संप्रित के उचित बाजार मूज्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिमों) को बीच एसे अन्तरण के निए तम पाना बमा प्रति-क्या विभागित तहीं किया गया हैं।——

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव का वाबस, उक्त श्रीविभव के बनीन कार दोने के बन्तरक के श्रीयरूप में जामी कारने वा उन्हर्स नवने में सुविधा
- (क) एसि किसी बाव वा किसी वय वा नन्य वास्तियों को, विकार नारतीय नाव-कर विभिन्नक, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. खिपाने में स्विधा के लिए;

असः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, री, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के के जमीर जिल्हा क्षितियम का धारा 269-ग की उपधारा (1) के नियमित का जिल्हा का जिल्

1. ताडदेव प्रापर्टीज प्राइवेट लि०।

(भ्रन्तरकः)

 मेसर्स इंडियन श्रारगितक के मिकल्स लिमिटें । (श्रन्तरिती)

की यह सुबना आ<u>रों कर्</u>षी पृत्रीक्त मन्यरित के वर्षन के जिए कार्यनाहियां करता हूं ।

उपत राज्यक्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कार्य भी बाधार ह---

- (क) इस सूचना के समयम में प्रकाशन की ताड़ीश है 45 दिन की भवित या तत्संबंधीं व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सनिध, को भी जुबीध बाद में तजारत होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से सिसी न्यांक्ल बुदारत

स्वयांकरण:--इतने प्रयुक्त वक्तें और वक्ते का, जो क्ष्यक्ष व्यक्तिवन, के बच्चान 20-क में वृरिजावित हैं। वहीं वर्ष होना वो उस बच्चान में दिया नवा हैं।

भनसंची

फ्लेट नं० 303, जो, इमारत नं० 1, णिरीन अपार्टमें ट्स,
 सी० एम० नं० 315, ताडदेव डिविजन, ताडदेव, बम्बई-7
 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० स० सई-1/37-ईई/6909/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनौंक 16-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निपार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंत रॅंन-1, बस्वई

तारीख**्ः 7-3-198**6 मोहरः

प्रकम् जार्षः टी. एत. एष. --------

अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 सा 43) सी भारा 269-ध (1) के क्रभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्तण)

श्रर्जन रोज-1. बम्बई

बस्बई, दिनांद: 7 मार्च 1986

निर्देश मं० ग्रई-1/37-ईई/7240/85-86--धन मुझे, निसार अहमद

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उवत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के रूपीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1.00 069/- क. मे अधिक है

भौर जिसकी में० फ्लेट नं० 6, जो, 1ली मंजिल, नवय्ग निवास, 167. लॉमिंग्टन रोड़, बस्बई-7 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अन्सूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है),श्रीर जिसका ज्यारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 , ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के ार्याप में रजिस्ट्री है। नारीख । अ जुलाई, 1985

कारे पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के बरवनान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास **भरने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार** वस्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल सं, ऐसे दृष्यमान प्रतिपक्ष का अन्तर प्रतियत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के निए तक पाग गंगा पनिष्यल, निम्नलिसिस उद्देश्य से उस्त अन्तरण रिवरित्रम का कान्तविक रूप से **कथित नहीं किया गया हैं:---**

- (क) अलपण मं हुए किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के क्रांचीन कर वांचे के संतरक की वासिस्य की कभी करने या उसम बमने में स्विधा में तिए; और/या
- (लं) एमी किसी आप या किसी धन या **अन्य वास्तियाँ** को जिन्हें भारतीय आयकर अधिकियम, 1922 ा १९७२ का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-वर अधिनियम, 1957 (1957 का ५४) 🦠 प्रशांजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट न**हीं किया गया था** या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा की िलए:

मा (ब. एक्न अभितियम की भारा 269-र भी अनुसरण ैं, मैं, उक्त अधिनियम को भारा 269-म की स्पेभारा (1) के अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्षात् ६---

1. श्री ग्रामा मंदर चह्नाण।

(ग्रन्तरकः)

2. श्रीमती मिना शेवकरामाणी।

(ग्रन्मिंग्ती)

को यह मुखना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में सं किए का सर्वेगे।

क्लब्बीकरणः--इसमें प्रयुक्त सम्बद्धे और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ अर्थ होता जो उस अध्याय में दिवा यया है।

श्रनभूषी

कमरा नं० 6, जो, 1ली मंजिल, नवयुग निवास, 167, लिंगरन रोड, बम्बई-7 में स्थित है।

भ्रनसूची जैमाकी ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/6803/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-7-1985 को रिकस्टर्ड किया गया है।

> निमार ग्रहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायका (निरीक्षण) यर्जन रेज-1,बम्बई

मारीख: 7-3-1986 मोहर:

प्रकल बाह् .टी. एन .एस .-----

कायकर लिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर भाग्वत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निर्देण सं० श्रई-1/37-ईई/7122/85-86—श्र π मुझे, निसार श्रहमद

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें सके पश्चात् 'जक्त आंधिनियम' कहा गया है), का धारा !69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्याल करने ज कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित आजार मून्य ,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० ार्यातय नं० 408-सी०, जो, निरंजन, 99, मरीन द्राइबह, बन्बई-2 में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) स्रौर जिसका करारानामा स्रायकर स्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के स्रिधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजिस्ट्री है। तारीख 1 जलाई, 1985

की प्वॉब्स सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के करमकान प्रितिफल के लिए जन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिकात सं अधिक है और अंतरिक (बंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे जन्तरण के सिए तय पासा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुर्इ किसी बाय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- एसी किसी बाय या किसी थन या बन्च नास्तियों करें, जिन्हें भारतीय नायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के तिव्यः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ वी उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित्रत व्यक्तियों, सर्थात् — 1. श्री कुमार कृष्णलाल।

(अन्तरकः)

 श्री खुबीलाल जी० राथोरे श्रीप श्रीमती पवन क० राथोरे।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

डन्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की द्रि. शोख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र सं प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मं हित-मत्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

भ्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभारित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

मन् सूची

कायित्य प्रिमायसेस नं० 408/सी०. जो तिरंजन, 99, मरीन ड्राइव्ह बम्बई-2 में स्थित है।

श्रनुसुची जैमाकी कि० मं० श्रई-1/37-ईई/6687/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रोज-1, बस्**बई**

दिनांक: 7-3-1986 मोहर: प्ररूप बाइं.टी.एन्.एस्.-=-----

बायकर अधिनियंस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुवना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/7123/85-86---श्रत मुझे, निसार श्रहमद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्थल परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के संधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 100,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कार्यालय नं० 408-ए०, जो, निरंजन, 99 मरीन ड्राइय, बम्बई-2 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रिशीत बन्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है नारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

करि मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मात्त का उचित बाजार मृत्य उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उकत अन्त-एण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर वने जी अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे मचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाव या जिली धण या जन्य जास्तियों कां, जिला भाउनीय कांच-कर सीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्ती रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में अधिशा में सिद्ध;

अतः सब उत्तर समितियम की भारा 269-म के समुकरम बी, मी, उत्तर अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में अभीत, ज़िम्मीनिसित व्यक्तिकों, अभीत है— 1. श्री समल ऋशिनलाल।

(ग्रन्सरक)

2. श्री मुरेश एस० गुरनानी।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगिहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पृति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप है—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (म) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो नस अध्याय कें दिया गया है।

ग्रनुभूची

कार्यालय प्रिमायसेम नं० 408-ए०, निरंजन, 99, मरीन इाइह्व, बम्बई-2 में स्थित है।

म्रनुसुची जैमाकी क० सं० म्रई-1/37-ईई/6688/85-86 म्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 7-3-1986

शक्य वाइं.टी.प्न.एक.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

नारत तरुकार

कार्यालय, सहायक आयकर जाव्क्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निदीण म'० अई-1/37-ईई/7340/85-86—→अतः मुझे, निसार अहमद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसफे पश्चान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अभिक है

श्रौर जिसकी सं क ार्याचियानं के 408, जो, मेरार भवनान 3, बीक ठा उरणी रोड़, बम्बई-20में स्थित है (श्रौर इसमें उपा-बद्ध अनुसूची में श्रीर उर्ण नप के बणित है) श्रौर जिसका कार्यकामा आयकर अधिक्यम 1961 की धार 269क, अब के अबीव बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्याव्य में अभिन्दी है तरोब 15 ज्वाई 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित भाषार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिकल के लिए अंतरित की भई है और मृश्वे यह विध्वास करने धरने का कारण हो कि यथापृष्विक संपत्ति का उचित बाजार भृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिकल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिशत में अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) जौर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिक का निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अंतरण जिचित में बास्तिक ध्रय के स्थित नहीं किया यथा है :--

- (क) अन्तरक स हुई किमी आय की बाबत, उक्त बिनियम की अधीन कर दीने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे अकने में मुविधा के तिए; बॉर/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी भन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः संग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरम सें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसिस स्पन्तिसमें, अर्थास :---

 श्री अशोक बी० मोदी श्रीच श्रीमती कॉकीला ए० मोदी।

(अन्दर्ग र क

- मेससं चत्वेदी कन्सल्टेन्सी सर्विस प्रायवेट लि०। (अन्तरिता)
- 3. अन्धरका।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पुरित के अर्थन के सबंध में कोई भी बाखंग :---

- (क) इस स्वान के रावपन में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की नवींच ना तरएक्ट्निंधी व्यक्तिमों पर स्कान की तामील से 30 विन की सविध, जो भी सवींच नाव में सजाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ट व्यक्तिमों में से किसी स्पेरिक द्वारा;
- (न) इस सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मारत में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निः वित को किए का सकति।

रचस्त्रीकरणः ----- इसमें प्रयुक्त वस्तों और धवों का, को स्वयुक्त विधिनियम दो अध्याय 20 लक्ष में परिभाविश्व है, वहीं वर्ध होगा. शो उस वध्यास में दिया गवा है।

अनुसुची

हार्यात्रय नं० 408, जो, 4थी मंत्रिल, मेत्रर मवनवं० 3 कमिश्रियल प्रिमायलेस को०-आप० मोमायटी लि०, 21, सर विठ्ठलदास ठाकरणी मार्ग, वस्वर्ष-20 में स्थित है।

अनुमुची जैसाकी कर सर अई-1/37-ईई/6898/85-86 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलांक 15-7-1985 को रिजस्टई िया गया है।

> निमार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहाय । आयक्त आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रोज-1, बम्ब**ई**

विनांक: 7-3-1986

प्रारत्व बार्डं. टी. एव. एस. -----

सायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में संधीन तुल्ला

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षक)

क्रजीत रोंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निर्देण सं० %ई-1/37-ईई/7325/85-86--- प्रतः मुझे, निसार घटमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिस इससे तक प्रकार (उक्त अधिनियम) कहा नया है), की भारा :69-ख के अधीन सक्स प्रधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर संपति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसके संवालेट नंव 5ए, अए और 6बी, जो, श्रन्टह्य इमारत , अल्टामाउंट रोड़, बम्बई-26 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं)/और जिसका करारनामा श्राप्तकर श्रिष्टिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्रधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 13 जुलाई, 1985

का पूर्विक्त संपत्ति के उोचत बाजार मृत्य से कम के द्वयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि सथाप्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे एसे एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उन्तर नियम के कथीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिभा के लिए; बॉर/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की थारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसित व्यक्तियों अर्थात :--- 1. श्री जगदीय देवजी सीलंकी।

(अन्तरक)

2 श्रीमती आणा वी० हरलालका, मास्टर गीनम वी० हरलालका, और मास्टर मनिण वी० हरलालका । (श्रन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के निधः कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त तम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ निश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया एक हैं।

मन्स्ची

फ्लेट नं० 5ए, 6ए और 6बी, जो ग्रल्टब्ह्यू इमारत, ग्रल्टामाउंट रोड़, बम्बई-26 में स्थित है।

प्रमुखो जैमाकी कि सं० श्रई-1/37-ईई/6882/85-86 ऑए जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निमार ब्रहमंद सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेज-1, बस्वर्ध

दिनांक: 7-3-1986

प्रकप बाइ .टी. एन. एस . -----

बायकर ब्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भा (1) के ब्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० 'यई-1/37-ईई/7324/85-86----- प्रतः मुझे, निसार प्रहम्द,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रुट. से अधिक हैं

और जिसकी मं० एटोश्नर का रुमरा जो, 7वीं मंजिल पर टेरेम, श्रल्ट व्ह्यू इमारत, श्रल्टामाउंट रोड़, बम्बई-26 में स्थित .है (और इससे उपाबद्ध श्रनुमुचो में और पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधितियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रवीत, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार के कार्यालय में रिजर्म्ट्र है, तारीख 12 जुलाई, 1985

को पूर्वों क्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथाप्रवेक्ति सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ययमान श्रीतफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्क्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरितयों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किया किया गया है:----

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; कोर/या
- (स) एमी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था रा जिला अना सहिए था, छिलाने में स्विधा के निए;

अतः जयः, उक्त अधिनियमं की धारा 26%-सं के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की लपधारा (1) **हैं अधी**न, निम्निक्षित्र **स्वीक्त**यों, अर्थात ;---- 1. श्री अगर्दीण डी० मालका।

(भ्रन्तर्क)

- 2. श्रीमती भागा यो० हरलालका, मास्टर गीतम वी० हरलालका, और मास्टर मिश्य वी० हरलालका। (श्रन्तरिती)
- 3. স্বৰণ্ডা

(बहु व्यक्ति, जिसके प्रधिकांग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्न-बद्ध किसी व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण '---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कां, जो उन्ते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

नन्गु औ

स्टोधर कमरा जो 7वीं मंजिल गर, टेरेस, श्रस्टब्हयू इमारत, अल्टामांउट रोड, बम्बई-26 में स्थित है।

जनुसूची जैसाकी कर्ण संर्थ अई-1/37-ईई/6881/85-86 और जो सजम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 12-7-1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक शायकाः श्रामुक्त (निरीक्षण) श्रजीत रोज-1, **बस्बई**

दिनांक: 7-3-1986

प्रस्य भाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रोंद-!, बम्बई बम्बई, दिलांक 7 मार्च 1986

निर्देण सं० प्राई-1/37-ईई/7244/85-86---प्रान्तः मुझे, निसार श्रहमद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम गाँधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर प्रमाति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- घर से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लेट नं० 9-ए, जो, जीखन, एल० डो० क्यारेल रोड़, बम्बई-6 में स्थित हैं (और इसमें उपायद्ध प्रमुखों में और पूर्ण क्य ने बणित हैं), और विस्था कर्नार-नामा प्रायकर प्रधित्यम 1961 की बाज 2690, ख है प्रधीत बमबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याकर में रिकस्ट्रीर है, तारीख 9 जुलाई, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इहसमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बुल्यह प्रतिचारत से अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के क्यियित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एनी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में मृतिधा औ लिए;

नतः अव, उक्त विभिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण , में, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात :---

া, श्री प्रॉजीय गु॰जी া া মুদ্রজী।

(::::::4:)

2 श्रीमती निर्देश नाभ्यानीत

(१ स्टान्ति)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सम्राप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी बन्य स्थावित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त कच्चों और पदों का, जो उक्त जीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

पतेष्ट नाव अन्तु, जो जीवारा, एएए टीव करारेल मार्ग, बम्बई-6 में स्थित है।

प्रतुभूची जैसाकी करू मंद्र पर्द-1/37-ईई/6807/85-86 और जा नजन प्राधिकारी वस्प्रई व्यस दिसंक 9-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> िसार अहमद सक्षम प्राधिकारी सहायम भाषार जात्रकः (विरीक्षण) भागेन रोज-1, वस्वर्ध

दिन्तीय: 7-3-1986

मोहर

प्रकप बाह् दी पुन एस ,-----

भावकार मिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-म (1) में ब्बीय सूचना

भारत सरकार

कार्याचय , सहायक आवकर बायुक्त (निरीक्षक)

श्रजैन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/7186/85-86---श्रतः मुक्षे, निसार श्रहमदः,

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करमें का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित वाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

और जिसकी सं० पलेट नं० 1407 सब हिषाय-डेड प्रज 1407ए, पंचरत्न, मामा पी० रोड़, ध्रापेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारतामा ध्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रो है, तारीख 4 जुलाई, 1985

को प्राेंचत संपत्ति के जीवत बाबार बुध्य से कह के असवाय प्रतिकत के लिए अम्तरित की वह है जोर बुध्ने यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थाप्योंकर कम्पति का जीवत वाबार बुख्य, उसके अस्वान प्रतिकत है, एवे अस्वान प्रतिकत का पंद्र प्रतिकत से विश्व है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एके बन्तरण के सिए तस वाबा गया प्रति-कृष निम्नसिवित उद्देश्य से अस्य अन्तरण जिल्लित में बास्त-विक कृष्य से कथित नहीं किया गया है है-

- (क) बन्धरण से हुई जिल्ली शास कर बायता, उपक बाधिनियम के बधीन कर दोने के बन्दर्क में बादित्व में कभी करने या उनसे वचने में सुनिधा में सिए; बार्/ना
- (स) एंसी किसी बाब या किसी धन या बन्य आरितयों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 922 के 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृंबारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाता वाहिए भा स्थिनों में सुविधा के सिंह;

गत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः——
73—26 GI/86

1 श्री नानजो जे० करानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री चंद्रकांत एम० झवेरी, श्री घनश्याम एम० झवेरी, और श्री विनोद एम० झवेरी। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति को वर्षन को सम्बन्ध को कोई भी आक्षोप ::---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब तें 45 विश्व की अवधि का तत्वंत्रीयें व्यक्तियों वर्ष कृषमा की तानील से 30 विश्व की व्यक्ति, को मी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतत पूर्वोंक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवाहा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन श्री भीतर सक्त स्वावद सम्पत्ति में दितववृष किसी बन्न व्यक्ति वृषाच अभोत्स्ताकारी श्री शब्द सिवित में किए वा स्कोंगे।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रमृक्त सम्बं और पदौ का, भी स्वच अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, हाँ, सही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया हाँ।

अनुसूची

पनेट का हिस्सा, फ्लेट नं० 1407, जो सब **डियायडेड** अंज 1407ए, पंचरतन, मामा पी० रोड़, श्रांपेरा हाउस, बम्बई-4 में स्थित है।

श्रनुमूची जैसाकी क० सं० श्रई-1/37-ईई/6752/85-86 और जो पाप गिप्तिहारी बस्बई द्वारा दिनांक 4-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> िसार श्रह्मद गक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-1, बस्बई

दिनांक। 7-3-1986 मोहर।

शास्त्र वाह्य हो . एवं .व्या , सन्तर्यक्रमण्डल

शासकार नेथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के नेथीन स्थान

भारत प्रस्कार

कार्याजय, तहायक नायक र नायुक्त (निर्धीक्रण)

धर्जन रेंज-1 बम्बई क्रिकेट सम्बंधित स्टार्क 100

बम्बई दिनौंक 7 मार्च 1986

निर्वेश सं० श्रई-1/37-ईई/7108/85-86---श्रनः मुझे निसार श्रहमद,

बावकर निर्धानियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसके इसके प्रथात 'उन्नत अधिनियम' कहा नवा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपीत्त, विश्वमा अधित बाजार नुस्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० कार्यालय प्रिमायसेम नं० 3, जो वेंकटेश चेंबर्स प्रेकोट रोड़ फोर्ट बम्बई-1 में स्थित है (भौर इसमे उपावत प्रमुखी में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1 जुलाई 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाचार मृत्य से कम के क्रयभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित कातार कृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्न्य प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नीलिश्ति उद्देश्य से सक्त अन्तरण कि सिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्नीलिश्ति उद्देश्य से सक्त अन्तरण कि सिए तथ

- (क) अन्तरण चे हुन्दे किसी आय की बाबत क्वच अधिनियम के अधीग कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कनी कड़ने वा उत्तरी बचने में सुविधा चे किए; और/या
- (थ) ऐसी किसी जाय वा किसी भन या जन्य जारितकों को, जिन्हें भारतीय जाज-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत जाभिनियम, या भनेकर अधिनियम, या भनेकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट वहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के जिल्हे

जतः अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सभीनम् निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- कुमारी निरूपा एम० पंडया श्रीमती निला के० सेमलानी, श्रौर कुमारी सुषमा के० सेमलानी। (श्रन्तरक)
- 2. श्री गौतमचंद गुलाबचंद उर्फ गौतम जी० पारेख। (ग्रन्तरिती)
- 3. ग्रन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह ब्यान चारी कारके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्तन के निव् कार्यवाहिया चुक्र करता हुं।

इक्त हुज्यत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हुन्न

- (क) क्ष स्वा के स्वापन में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की जबीभ या तत्त्वकाणी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी जबीध बाद में समास्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं
 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी कम्य ज्यक्ति इवारा अभेहस्ताकरी के वास जिस्ता में किए जा मकोंगे।

स्वाचित्रकाः -- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों भीर पदी का, जो उपने कि शिवियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिमा गया है।

धनुसूची

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 3, जो, 3री मंजिल, वेंकटेश चैंबर्स, प्रेसकोष्ट रोड़, फोर्ट, बम्बई-1 में स्थित है।

श्रनुस्ची जैसाकी कि० सं० श्रई-1,37-ईई,6673/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निपार महमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनाँक: 7-3-1986

प्रकृष् वार्ष**्टी_पन**्पर्यः

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के वर्धीन चूचना

भारत सरकार

व्यार्थाजय, तहायक आयकर आयुक्त (प्रिरीक्रज)

स्रजंन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 7 मार्च, 1986

निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई $_{1}7434$ $_{1}85$ -86----श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

नावकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त निभिन्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा से निभक्त हैं

और जिसकी सं फ्लेट नं 3, जो, मार्डन फलटन प्रायवेट लिं०, पेट्रोल पंप के पीछे (एन० पारीख मार्ग), कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (ध्रीर इससे उपावद धनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका जरारनामा श्रायकर श्रधिन्तम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 25 जुलाई 1985

की पूर्वोकत सम्मतित के उपिट बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिकत्त के लिए जन्दिरत की गई है जीर मुक्के वह विश्वाद कारत का कारण है कि यथापूर्वोकत संपरित का उपित वाचाई भून्य, उसके द्रायमान प्रतिकास है एसे द्रायमान प्रतिकास का वन्त्रह प्रतिकास से व्यक्तिक है जीर अन्तर्क (अन्तर्कों) जीर अन्तर्व रिती (जन्तिरितिकों) के बीच एसे अन्तर्क के विए त्व पाना गया प्रतिकास, निम्नितिकों के बीच एसे अन्तर्क करें वन्तर वन्तर्क विविद्ध में वास्तर्कक कम वे बहुबा कहाँ विश्वा नवा है क्

- (क) अंशरण से हुई किसी शाय की बाबत, उनसे अधिप्रियम के स्थीद कड़ दोने के स्थाउल क राजिस्स में कवी करने या उनसे सक्ते में बृदिया के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाद वा किसी वन वा अस्य वास्तिकों को, विन्हें भारतीय बावकर विधिन्यय, 1922 (1922 का 11) या खन्त विधिन्यय, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विधा वाना चाहिए था, क्रियाने में तृतिथा के सिए;

बढ: वय, उन्त विभिन्यम की भारा 269-व के बहुसरक वे, व, उन्त विभिन्यम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन विम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्रीसिथारामामुद् शेट्टी।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती यश्मिन के० नाईक।

(श्रन्ति (सी)

3. श्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्य सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस त्यना के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी सम्य स्पन्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निवित में किए जा सकरेंगे।

अनुसूची

पलैट नं 23, जो गार्डन फलैटन प्रायेवेट लि , पेट्रोल पंप के पीछे , 128, बुडहाउस रोड़ (एन० पारीख मार्ग), कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है:

श्रनुसूची जैयाकी किं सं० श्रई-1,37-ईई,6988,85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 25-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निशार श्रहमद यक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनाँक: 7-3-1986

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- ज (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनाँक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/7358/85-86--यतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० फ्लैंट नं ० 101, जो, 1ली मंजिल, श्रभिपेक इमारत, 315, मौलाना शौकतश्रली रोड, धम्बई-7 में स्थित है (श्रौर इससे उपबाद श्रनुसूची में श्रौर हुण रूप से विणित है)।श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिन्यम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 16 जुनाई 1985

को पृशंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के र स्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वें कित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्ति (तियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्ति के स्प से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के तायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को . जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या धनकर अधिनियम , या धनकर अधिनियम , या धनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट हीं किया गया था या किया जाना चाहिए था , जिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अने, उक्त अधिनियम की धारा 26)-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधिन, निम्मलिसित व्यक्तियों. अर्थात् :--- 1. कुमारी सी० जे० नरोन्हा।

(ग्रन्तरक)

2. श्री अशोक जे० पटनी और श्री बिपीन जे० पटनी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निभित्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयूक्त पब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

फलेट नं० 101, जो, 1ली मंजिल, श्रिभिषेक इमारस, 315, मौलाना शांकतश्रली रोड, बम्बई-7 में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकि क्र० सं० श्रई-1/37-ईई/6915/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 16-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निगार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बस्बई

दिनाँक: 7-3-1986

प्रकप बाह्य हो प्रतः प्रवः

मायकः माधिनवर्गः, 1961 (1961 का 43) की वाडा 269-व (1) के बधीन त्वना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रजन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनाँक 7 मार्च, 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/7239/85-86---यतः मुझे, निमार श्रहमद,

नामकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (निसं इसमें इसके पुरुषात् 'उस्त विभिन्नियम' कहा गया है कि धारा 269-स के नभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काड़ण है कि स्थानर सम्मित्त, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी सं कमरा नं 2, जो 1ली मंजिल, नवयुग निवास, 167, लिंगटन रोड, बम्बई-7 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिमका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की श्रीरा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 9 जुलाई, 1985

को पर्नोक्त सम्पत्ति के उप्तित वाकार मन्य से कम के जनमान की गक् जौर प्रतिकस के लिए **अ**न्सरित विक्यास करन का कारण भूगोंकत सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके व्ययमान प्रतिपन्न से, एसे व्ययमान प्रतिकास के पन्त्रह प्रतिशत से अभिक हैं और बृन्तरक (अन्तरकां) और वन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे मन्तरण के शिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नसिवित उद्वेश्य ते अक्त बन्दरण सिवित में वास्त्विक रूप से कविद वहीं किया गवा है ६---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, उक्त मियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करणे या उससे बचने में सुविधा के लिए बॉर/गा
- (थ) एसी किसी भाग या किसी भग या कत्य जास्तिकों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर श्रीभिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उक्त अभिन्तियम या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिभा के जिया

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं. उच्न अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निणिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 宜) श्रीमती श्राणा चह्वाण।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विजय एम० रामानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके वृथेक्ति सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सभ्योत के अर्थन में सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेत्र 🗫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की ब्रह्मिध को भी जविध बाद में समाप्त होती हा, के शीवर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

ल्पस्तीकरणः -----भ्रसमे प्रयूक्त कथ्यों और पर्वो का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित इन, वहीं वर्थ होंगा, जो उस अध्यार में दिशा जया है।

प्रमुषुषी

कमरा नं० 2, जो, 1ली मंजिल, नवयुग निदास, 167, समिग्न रोड, बम्बई-7 में स्थित है।

श्रनुस्ची जैगा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/३802/85-86 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 9-7-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> निनार श्रह्मद सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** <mark>श्रर्जन रेज-^I, वस्बई</mark>

दिनाँक: 7-3-1986

प्र**क्ष्य वार्ष**्टी । एन_ः एव_{ा वर्}यान

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

तारत जुड्जाड

कार्याचन, यहानक नामकर नायुक्त (रिनरीक्क)

श्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 मार्च, 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/7238/85-86→~श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आम्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पंचात 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के वभीन सभम प्राधिकारी को यह विस्ताय करणे का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्रित वाकार मृख्य १,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिमकी सं० कमरा नं० 1, जो, 1ली मंजिल, नवयुग निवास, 167, र्लामण्टन रोड़, बम्बई 7 में स्थित है (श्रौर इससे उपाव द्व अनुसूची में ग्रीर पूण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, में रिजस्ट्री है, तारीख 9 जुलाई, 1985

को पूर्वों वर संपरित को उचित बाजार मूल्य हो कम को स्वयमान प्रतिकास को सिए बन्तरित की गई है और मुक्ते वह जिल्लास बुधी यह जिल्लास करने का कारण है कि बधा पूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मूल्या, उसके स्वयमान प्रतिकास से, ऐसे स्वयमान प्रतिकास का पन्नह प्रतिकास से बुधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण को सिए तय पाया गया प्रतिकास, निक्नी जिल्ल डब्दे चेय से उस्त अन्तरण निचत में बास्त विकास क्य से कियत नहीं सिका गया है —

(क) जन्तक से हुई शिक्षकी बाद की बादत , रायक विभिन्नियम के नुशीन कुछ दोने की अन्तुरक के बाहित्य में कनी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; बीर/वा

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीस्थित व्यक्तियों अर्थात् :— ा श्रोमती ग्रासा चह्नाण।

(अन्तरक)

2. श्री घनश्याम एस० रामाणी।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्वनाहिन्स करता हूं।

उक्त तम्मित्त को कर्बन के तुम्बन्ध में कोई भी जातीय ह—

- (क) इस त्यना के रायपन में प्रकाशन की तारीय कें
 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामीन से 30 दिन की अविभ, वो खी
 अविभ बाद में तज़ास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स
 व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस ब्याना के रायपत्र में प्रकाशित की तारीक के 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भें हित-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए का सकेंगे।

स्वक्योकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उत्तक किंपिनिया, के अध्याय 20-क में परिधायित है, नहीं कर्ष होगा जो उस कथ्याय में दिया नया है।

वनुस्ची

कमरा नं ० 1, जो, 1ती मंजिल, नवयुग निवास-167, लिमिग्टन रोड़, बम्बई-7 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्रई-1,37-ईई,6801,85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 9-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निनार ग्रहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनोक: 7-3-1986

भोहिंदः

क्ष्मन बाहुँ हो, एन, एव । ००००

नावकर नीधीनयस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के संचीत सुधना

MICH WINE

कार्यांबच, सहावक वावकर नाव्कर (निर्याजन) श्रजीन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनौंक 7. मार्च 1986

आयंकार अपिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया हैं), की भारा 269 व में अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाकार मृत्य 1,00,000 / - रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं गाला नं 124, जो, 1ली मंजिल ए-2 शहा एण्ड नाहर इंडस्ट्रियल इस्टेट, सिताराम जाधव मार्ग, लोग्नर परेल, धम्बई-13 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबढ़ धनुमूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), भ्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1 जुलाई 1985

को वृबेनित सम्मेरित को उचित बाजार मृश्य से कम के अस्यमान प्रविश्वल की निए बन्दरित की नहीं है जीर मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि संजाप्योंनित सम्मेरित का उचित बाजार मिल्ल, उसके अस्यमान प्रतिफल से ए'से अस्पमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिस्ति से निषक है जीर नंतरक (नंतरकों) और नंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ए'से जन्तरण के सिए तय पाया गया अतिफल, निम्निलिस्त उब्देश्य से उच्छ जन्तरण सिवित में शस्तिकक अप से कथित नहीं किया नया है :---

- (क) बन्तरण हे हुई जिली बाग की बाबत, उन्तर अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विष्; बीर/वा
- (क) ऐसी फिसी बाब या फिसी धन या जन्म आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या स्टब्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा किया बाना बाहिए था, स्थिपने में खिका के सिका

बतः 'जब, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग को जन्तरण हो, हो, उन्त अधिनियम की भारा 269-ग को उपचारा (1) को अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, अधीत् हो—— श्री हेमचंद जैन, श्रीमती सुचिता विनोद कुमार,
 श्रीर मास्टर श्रिपितकुमार बोवा।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स घटोघलामं इंडस्ट्रिज।

(मन्तरिती)

को बहु सुचना जारी काएके पूर्वोक्क सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां सुक करता हो।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवधि मा तत्संवंधी व्यक्तियों पर क्षत्रना की तानीक के 30 दिन की नवधि, को भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनातः;
- [वि] ह्व ब्रुप्ता के राज्यक के ब्रव्यक्त की वारीय के 45 वित् के भीवर क्या स्थावर सम्मत्ति में हिस्स्वकृष किया कर्म क्यांकर ब्राया, अभोहस्ताकरों के पाक जिल्हा में किया में किया वा वकी है।

रनव्यक्तिपुरः :---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्यों का, वो उपस सिन-निवंश के सभ्याय 20-क में परिशासित है, वहीं सर्थ होगा, को उस सभ्याय में दिया गया है।

मनुसूची

गाला नं० 124, जो, 1ली मंि , ए-2 इमारत, गहा एण्ड नाहर इंडस्ट्रियल इस्टेट, सिताराम जाधव मार्ग, लोग्नर परेन, बम्बई-13 में स्थित है।

प्रनुसूचो जैसाकी कि० सं० ग्रई-1/37-ईई, 6685,85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-7~ 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-1, बस्बई

दिनाँक: 7-3-1986

प्रकल आहें हरी, एनं, प्रस्तानगण्यान

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक कायकर नागुक्त (निरुध्धिक)

श्रजीन रेंज-1, बम्बई बम्बई, विनांक 7 मार्च 1986

निर्वेश सं० श्रई-1/37-ईई/7116/85-86--- श्रतः मुझे निसार श्रहमद,

कालकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 21-ए, जो, 2री मंजिल सोमन नगर को-श्राप० हाउसिंग सोमायटी लि०, 36, के० बी० बाल मकूंद मार्ग, बम्बई-12 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं),श्रीर जिमका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 1 जुलाई, 1985

को पूर्वांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का नारण हैं कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बक्नार मूख्य, उसके दश्यकान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकास से बिधक हैं और संतरक (अंतरकों) और संतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाम बना प्रतिकास निक्निसित उद्योध से उक्त अंतरण निवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- ्रिक्श बंतरण ते हुए किया आप का लावत , उपल जीवनियम की अभीन कार दोने औं वंतरक वी बामित्य में ७ थी कारने या उसते वधने में स्विचा के जिए, जीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या बन्य बास्तियों को बिन्हें भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्र्यांक्तार्थ कन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना बाहिए था, कियानं में स्विभा वे किहा

कतः अव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक भों, भी, उक्त विधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के बक्षीन विध्यतिस्थित स्थितियों, अर्थात के श्री ग्रल्फ असोदर, श्रीमती मेरी सी० सोदर ग्रीर श्री श्ररताल्ड सोदर।

(श्रन्तरक)

2. श्री गोपीनाथ विठ्ठल लोटलीकर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सूक करता हूं।

क्यत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कीड़ी भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा ह
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर एक्त न्थावर सम्बन्ध में दिसल्क्ष किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पद्धिक रणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्का अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नगर है।

वनसर्व

फ्लेट नं० 21-ए, जो, 2री मंजिल, सोमन नगर को -ग्राप० हार्डीसग सोसायटी लि०, 36, के० बी० वाल मक्रूंद मार्ग, बम्बई-12 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि सं श्रई-1/37-ईई/6681/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ं निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनोंक: 7-3-1986

वक्त बार्ड ३ है ३ हर्स्, हर्स ३ न - ---

अरवच्या विभिन्नयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म ((1) के क्यीन चूलमा

मारत बहुका

कार्यांचय , सङ्घायक भावकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रॅज-1, बम्बई बम्बई, दिनौंक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/7149/85-86---- प्रतः मुझे, निसार अहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात जिसे अधिनियम कहा प्रधा है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को, यह विकश्न कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, चिकका उणित बाजार मृत्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 14, जो, 3री मंदिल 169, मंदनवन, सायन (प), बम्बई-22 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 3 जुलाई, 1985

को प्रोक्त सम्मणि के उचित माजार मुस्य से कम के क्रममान अतिकम के सिए अन्तरिस की गर्व है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंक्त सम्मण्ति का उचित शकार भूका, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के जिल् तब पाया गया प्रतिकल, निम्निभिति उन्तरेक्ष के उसत अन्तर्थ सिक्ति वें गस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुड़ किसी बाय की बाबत उक्त श्रीधिमचझ के अभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व मीं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। श्रीय/मा
- (क) एरंडी किसी जाय या किसी धन वा अन्य जास्तियों की विष्टू जारतीय आसकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) वे प्रकेशनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में बुनिधा की लिए;

बतः भव, उक्त कविनियम की भारा 269-व के अपूबरण में, बें, उक्त अभिनिष्टम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 74—26 GI/86 1. श्री जयंती लाल शिवलाल वासानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमतो चंद्रोका हसमुखराय शहा भीर श्री हसमुख राय भिखालाल शहा। (अन्तरिती)

को वह सूचवा पारी करके पूर्वोक्ड सम्बद्धि के वर्षन के सिए । कार्यवाहियां शुरू करता हो।।

बस्त बन्दीत के सर्वय के बन्दर के कार्य से सार्व्य प्र

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि वा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की सर्वीय, को बी जनीय नाम में स्वास्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से पित्री व्यक्ति द्वास;
- (क) इस सूचना के राजपन के प्रकासन की तारीस से 45 दियं के धीतर उक्त स्थापर संस्थित में दित-बद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा संधाहस्ताक्षरी के शास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्थब्दोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विधिनियम के वध्याय 20-क में परिशावित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस वध्याय में दिया वदा है।

अनुसूची

फ्लैंट नं ० 14, जो, 3री मंजिल, 269, नंदनवन, सायन (प), बम्बई-22 में स्थित है।

ग्रनुसूचो जैसाकी ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/6714/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनौँक 3-7-1985 को रिजस्टड किया गया है।

> निसार **भहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक **मायकर म्रायुक्त** (निरीक्षण) **मर्जन रेंज-1, वस्बई**

दिनौंक: 7-3-1986

प्रकप आहें. डी. एन. एक. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा **269-ण (1) के बभीन स्**चना

भारत शहकाड

क्रामांक्रम, सहायक भागकर आय्क्त (शिकीक्रमा)

म्रजंन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० म्रई-।/37-ईई/7541/85-86--म्रतः मुझे सार महमद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चात् 'उनत अभिनियम' कहा गंगा हैं), की बारा 269 के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मुख्य

1,00 000 /- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० पल ट सं० 401, जो, उद्यान दशंन, सब डिवायडेड प्लाट बी, एफ० पी० सं० 911, टी० पी० एस० 44 महीम, सयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई—28 में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है विनांक 5-8-1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से ऐसे रहयमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और उन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिकत उच्चेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित वहीं किया गया है है—

- (फ) अन्तरभ में हुई किसी साम की शबत, उपक विधिनियम की संधीत कर बाने की क्षतरक को नचिरक में कमी करन या उससे व्यन में सुनिधा के जिए, बीर/या
- (क) इंदी कि वी क्षाप या किली अब वा काय कास्तिक। की, विक् भारतीय नायकार निश्वित्वम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया नमा वा वा किया नामा वाहिए था, छिपाने अं सुविधा के किए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ➡े अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— मेमर्स फेरानी डेव्हलोपर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) डा॰ सुरेश एस॰ वाघ और डा॰ (श्रीमती) उषा एस॰ वाघ।

(भ्रन्सरिती)

को वह सुवना बादी कातुने पूर्वोत्तव सन्मति से नर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

अवस सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध के काई भी आहरेग :---

- (क) इस सूरका के राज्यमा में प्रकाशन की टारीय से 45 दिन की जबनि का तत्संबंधी स्थितियाँ पर क्षण की ताबीज के 30 दिन की जबिब को भी जबिब बाद में सबारत होती हो के मीतर पूर्वों कर स्थापताओं में से किसी स्थित द्वारा.
- (व) इस ब्रावन के राजपत्र में प्रकाशन की लाली । 45 विष् वे शीसर उक्त स्थायर सम्बद्धि में हिस्सब्ध किसी बन्द व्यक्ति वृद्याय, नशोहस्ताक्षरी के पार विविध्त में किस् वा सकेंचे।

स्पक्तीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया

बमृस्ची

फ्लैंट सं० 401, जो, उद्यान दशंन, सब-डिवायडेड प्लाट बी०, एफ० पी० सं० 911, टी० पी० एस० 4, माहीम, सयानी रोड, प्रभादेवी, बम्बई-28 में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37-ईई/7090/85~ 86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 5-8-1985 को रजिस्टर्ड किया नया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक : 7-3-1986

प्रकार वाही, ही, एवं , एवं , -----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) स्वी भाष 269-॥ (1) के नभीन स्वना

शाहर, स्रक्त

कार्यालय, सहायक भावकर बाय्क्त (विद्रोधक)

श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिलांक 7 मार्च 1986

निदेश सं० प्रई-- 1/37--ईई/7080/85--86----प्रतः

मुझे, निसार भ्रहमद

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (रिक्ये इसमें इसके परवाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह किस्ताब करने का आरण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका अभिक वाचार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं जपलेट नं क ए 1, जो 1ली, मंजिल, इन हाल डा अ जी बेसंट रोड, जरली, बम्बई-18 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध जनुसूनी में और पूर्ण छप से बणित है), जीर जिसका करारनामा ब्रायकर प्रधितियम 1961 की धारा 269 के, खे के अवीन बम्बई स्थित-सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजीएट्री है। दिनांक 27-6-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य ते कर के खंबाण शिक्य के सिए जंतरित की गई है और मुखे पह निश्चा करने के कारण है कि संभापमंदित सम्पत्ति कर उचित बाजार मृत्य, उसके खंबमान प्रतिकत्त सं, एसे जरमान प्रतिकत का पन्न प्रतिकत को पाइ है और मुखे पह निश्चा कर पन्न प्रतिकत से अधिक है और बन्तरक (जन्तरकों) और अतिरती (भन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के किए तम पाम गया प्रतिकत, निम्नलिक्ति उद्वर्ष से उसत जन्तरण सिचिड के बारण के कारण है किस पाम सिचड के बारण के कारण है कारण कर सिचड के बारण के कारण है कारण कर सिचड के बारण सिचड के बारण सिचड के बारण से कारण कर सिचड के बारण सिचड के बा

- (क) सम्बद्धिय से हुई कियों नाम की बान्त, धमक समितियन के मधीन कर दोने के नन्तह्या के सामित्य में कनी करने या उत्तरे क्याने में नृष्यिता के जिद; नीर/ना
- (च) ऐसी किसी नाव वा किसी क्षत्र कर कर्म नास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ नलादिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया वाहा वाहिए वा, कियाने में सुविधा के किए,

अतः तथ, उनतं विभिन्निम् की भारा 269-ग के नमुदरण वं, नं, वनतं वर्षपितिवभ की भारा 269-ग की उपभाराः (१) के अभीनः निम्निसिंदा व्यक्तियों, वर्षात् :—

- (1) श्री देशन्द्र प्रहुशा और श्रीमिती म र्लेन पहुजा। (अन्तरक)
- (2) ब्रिटानिया इंडस्ट्रिज लिमिटेड । (अन्तरिता)
- (3) श्रन्तिरतीयों। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सुचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल्ला

क्यत बम्परित के वर्षन के तंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीचा वें 45 दिन करी सनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वद सूचना की तामील से 30 दिन की अनिथि, यो भी सनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट ज्यक्तियों में से कसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना कं राजपण में प्रकाशन की सारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद- बच्च किती जन्य व्यक्ति द्वारा, मुधोहस्ताक्षरी के पास विविक्त में किए वा सकोंगे।

स्पष्किरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविष्ट ही, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका नया ही।

मन्स्ची

फलैट नं० ए० जो, 1ली, मंजिल, इडन हॉल, डा० अनी बेसंट रोड, वरली, वस्वई-18 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाको कि सं० श्रई-1/37-ईई/6645/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनांक 27--6-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रैंज-1, बम्बई

दिनांक्ष: ज 7- 43- 1986

भागकर मिनियंत्र, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) में मधीन दुषना

STATE WATER

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निवेश सं० प्रई--2/37-ईई/7285/85--86---ध्रतः मुझे, निसार, ग्रहमद

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त सिधीनयम' कहा गया है'), की भाग 769-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को , यह विद्यास करने का क्षरक है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्का जित्व बादार नृख्य 1,00,000/- दः से विधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 102,-ए, जो 1ली, न जिल सुख सागर एन० एस० पाटकर मार्ग, बम्बई-7 में स्थित (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित और जिसका करारतामा जायकर 'प्राधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं तथा विजंक 10-7-1985

की पूर्वोक्त राम्पति के उचित बाबार मृश्य से कम के व्यवस्थ प्रतिकान के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार पूर्व, उसके व्यवसान प्रतिकास से एसे व्यवसान प्रतिकास का बन्द्रह शिवस से विश्व है और बन्दरक (बन्दरकों) और अन्तरिती अन्तरितियों) के बीच होते बन्दरन के सिए एवं बाबा क्या शिवस्य, निम्निविद्य सब्दर्भ से अन्य बन्दर्भ विश्वस वो शस्तविक रूप से क्यान नहीं किया बना है कु---

- (क) बन्दाइन से बुद्ध किसी नाम की मानता, उन्तर मिन-निवन के अभीन कर को के समारक के दायित्व को कभी काइने वा उन्तर नचने में सुविधा के लिए; भौदि/का
- (था) एंडी कियी जाब या किसी भन या बन्य आस्तियीं करें, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, मा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) अभियोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गर्या था वा किया जाना चाहिए था, क्याने में सुनिध वे किया

शतः वन, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त व्यधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के विधीन, निम्निटिवित व्यक्तिस्कों, अर्थात् क्र-ल-

- (1) श्रीमतो प्रमरीत एस० इमरानी। (अन्तरक)
- (2) डा॰ मुकूल पो॰ परमार। (श्रन्तरिती)
- (3) वाको रेशियो इलैक्द्वानिक इंडस्ट्रोज। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिय कार्यकाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🦫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी वासे 45 दिन की जनिए था सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील स' 30 दिन की जनिए, जो भी अनिध बाद में संसाप्त होती हो, के जीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क विभिनयम, के अभीन अभ्याय 20-क में परि-शावित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अभ्याय में दिया क्या हैं।

श्रनुसूची

फ्लैंट नं ० 103, , जो 1लो, मंजिल, सुख सागर एन० एस० पाटकर मार्ग, बम्बई-7 में स्थित है।

प्रमुक्ती जैसाको क० सं० प्रर्हे-1/37—हेर्ह्/6844/85--86 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 10:7--85 को र्जिस्टई किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षमं प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षणं) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनोक: 7-3-1986

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

क्षात्रकर स्थितिस्त, 1961 (1961 का 43) की गारा 269-व (1) के संधीय सूचना

भारत सरकार

कार्शतम, सहायक वायकर नायुक्त (निरक्तिक) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निवेश सं० श्रई-1/37-ईई/7126/85-86--श्रतः मृक्ते, निसार श्रहमद,

नायकर निभिनियन, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसनें इसके पश्चात 'उन्ते विभिनियन' कहा नवा हैं), की पारा 269-क के अभीन तक्षम् प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्नावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृस्य, 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-4, जो तल माला शालीमार श्रपार्टमेंटस्, हंजर को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, सोउटर स्ट्रीट श्राग्रीपाडा, बम्बई-8 में स्थित है। (श्रीर इससे इससे उपाबद्ध ध्यनुसुची में श्रीर पूर्ण एप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षन प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है तथा दिनांक 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रथमान इतिकास के सिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त संपरित का उचित शाजार नृस्य, उसके ध्रयमान प्रतिकास से, ऐसे स्वमान प्रतिकास का पन्नह प्रतिसात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिय तय पाया प्या प्रतिकास निम्मितियत अध्योक से बच्च बन्तरक मियात में वास्त्यिक कर है कीच्छ नहीं किया पदा हैंड-

- किं अन्तरम् संहुद्दं स्थिती साथ की वास्त्य, अन्य कपिनियम के सभीन कर दोने के बन्तरण के श्रीवस्थ को कर्जा करने या उसके वचने की हिस्सा का क्षित्र; बीक्ट/मेंड
- (क्ष) एसी किली बाब वा किसी भन वा अन्य बास्तिकों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवादनार्थ अन्यरिती ब्वारा अकट नहीं किया बवा वा वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षतः क्षतः, उक्त विभिनियम की भारा 269-म के अनुसरक थे, मी, उक्त विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती झुलेखाबी ग्राय० किलेदार है। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मोहमदहुसेन हाजी टी॰ लादीवाला। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कंरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हुए।

उन्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई बाओप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबिंध मा तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स स्वित्वारों में से किसी व्यक्ति वकार :
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पाड शिक्षित में किए या सकेंग्रे ।

अनुसूची

प्लैंट नं बी-4, जो तलमाला, शालीमार श्रपार्टमेंटस् हंजर को० श्राप० हार्जीसम्सोसायटी लि०, 41, सोउटर स्ट्रीट शाग्रीपाडा, बम्बई-8 मे स्थित है।

अनुसुची जैसाकी ऋ० मं० अई-1/37-ईई/6691 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-7-1985को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1; बस्बई

दिनांक: 7--3--1986

त्रसम् नाहा . टी. एन . एव . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन सुचना

भारत बरकार

कार्यासय, सहायक आयकर बाब्क्स (निरीक्स)

धर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/7329/85-86--- ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

भायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्कें इसके परजात् 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्याच करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं यूनिट नं 123, जो, 1 ली मंजिल, जय गोपाल इंडिल्ट्रियल प्रिमायसेस को-श्रॉप सोमायटी, 510, भवानी शंकर कॉन रोड, दादर, बम्बई-28 में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिथिनियम 1961 की धारा 269 ज,ख के श्रधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक कारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, नारीख 15-7~1985

को पूर्वोवित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुस्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-पल, निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथिस नहीं किया गया है :—

- (क) बन्धहल वे हुइ किली बाव की वावह , उनक बहुविधमन के ब्योन कर दोने के बन्दरक के दादित्य वो क्षणी करने मा उन्हें वाइने में सुदिशा के लिए; बहुर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य 'आस्तियों की, जिन्ही भारतीय नायकर नीधिनियन, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनियन, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् ∷— (1) श्रीमती शिला पी० पालकर।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स मोहन सेरामिन्स।

(श्रन्तरिती)

को बहु भूजना बारी करने पृत्रों कर सम्मतित् से नर्थन् के विक् कार्यवाहियां करता हो।

वक्त बन्गरित के बर्बन के बन्नरम के काहे भी बाखेप:----

- (क) इस मुख्या के राज्यम में प्रकारन की तारींच से 45 दिय की समीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानींस से 30 दिन की वनिष, यो भी तनिष, बार में समाध्य होती हो, से भीतर प्रवासत जारिकता में ने विकरी स्वर्थित कृत्या
- (क) इक सूचना के राज्यक को प्रकाशन को शारीक है 45 दिन के भीतर उन्हां स्थावर सम्पत्ति में हिंस-बहुध किसी जन्म व्यक्ति बुवारा, बाबोहरनाक्षरी के पास निर्मित में किसे वा सकीने।

स्थानकरणः इतने प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो अक्स अधिनियम के अध्यात 20-क ने परिशाक्ति ही, कही कर्ष होता को उस अध्यास में दिशा गमर ही।

बन्त्जी

यूनिट नं० 123, जो, 1 ली भिष्तिल, जय गोपाल इंडस्ट्रियल इस्टेट, 510, भवानी शंकर कॉम रोड, टादर, बम्बई-28 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क॰ मं॰ श्रई-1/37-ईई/6886/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 15-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निनार जहमद पक्षम जाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंग-1 बम्बई

तारीख: 7-3-1986

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 249 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः चक्कथक भाषकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1 अम्बर्ध अम्बर्ध, दिनाँक 7 मार्च 1986

ं निर्वेश सं० श्रई-1/37-ईई_। 7133/85-86—श्रतः मुक्षे, ∵निसार श्रहमद,

कायकार अधितियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसके परवात् 'उथक समिनियम' कहा वया ही, की भारा 269-म के अधीन सक्षत्र प्रमिक्तरी को, यह विश्वास करते का स्वरण है कि स्थापर सम्पत्ति विश्वका उचित बाबार मूल्य 00.000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव दुकान नंव 1, जो, तल माला, घरली हिमालय इमारत, श्रारवजीव धडानी मार्ग, घरली, धम्बई-18 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपात्रद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269 क.ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 2-7-1985

को प्रॉक्ष सम्मित्त के उभित बाजार मृत्य में कम के ध्यमान इतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान्वॉक्त संपत्ति का अभित बाजार मृत्य, उशके इंण्यवान प्रतिकास से, एसे वश्यमान प्रतिकास का अन्तर्ह प्रतिकात से विभिन्न है और अन्तर्क (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तर्क वे अन्तर्क गया गया प्रतिकात निम्नितिकत उद्यक्त से उनता अन्तर्क निम्नितिकत उद्यक्त से उनता अन्तर्क निम्नितिकत उद्यक्त से उनता अन्तर्क निम्नितिकत ज्ञान से किया करा है अन्तर्का की स्थापन निम्नितिक

- (क) बन्दर्भ स शुद्ध किसी बाव की बावत उक्त वांध-मियक औं अधीत बहु की में अन्तुहुक में दायित्व में फमी करने या उसमें अकर्त में गृतिभा के लिए; बीय/वा
- (क) एसी किली बाथ का किसी धन या अस्य बास्तियों की, विन्हें भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इकारा प्रकट वहीं किया गया था किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के किए;

श्रत: श्रव, उक्त विभिनियम की धारा 269-व क जम्मरण में, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उन्यास (1) के बधीन, निम्मलिकित व्यक्तिसमें. वर्षात्र क्र--- (1) गोपालकृष्ण ग्रार० कामथ।

(ग्रन्तरक)

(2) चंद्र हसानंद बेलानी ग्रौर डॉ० (श्रीमती) बिना सी० बेलानी।

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्सरक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग

में सम्पत्ति है)

(4) भ्रन्तरक।

(बह व्यक्ति, जिसके घारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह गम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पृत्रीवर अञ्यक्ति के आर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की समिष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अर्वाध, जो भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- क्यां किसी अन्य स्थित द्वारा अभेहरताक्षरी के शक्त सिसित में लिए आ सकेंगे।

लिक्क किरण: -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पर्दों का, वा अवस अभिनियम, से अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, शही अर्थ हुए। जे: उल् अध्याय में विका पदा है।

मन्**स्**वी

बुकान नं० 1, जो, तल माला, बरली हिमालय इमरत आर०जी० थडानी मार्ग, धरली, बम्बई-18 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी फ०सं० अई-1/37-ईई/6698/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 2⊱7-1985 को रजीस्टई किया गया है।

निसार म्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-1 **बस्बई**

दिनाँक 7-3-1986 मोहरः

प्रकम **बाह**्न, टौ_ल पुर_ि पुरु_{ि वार}क्ता

आयकर वर्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सूचना

साउस सरकार

कार्यासय, तहायक भायकर वायुक्त (निर्णक्रक)

ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई, दिनौंक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/7128/85-86--- श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात 'उमत जिभीनमम' कहा पया हैं), की भाष 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का काल्य है कि स्थानर सम्पत्ति, चित्रका स्थित बाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमजान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरममान प्रतिफल ते, ऐसे दरममान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) और अन्तरिशी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उत्विदेश से उचत कन्तरण किसिस में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है द—

- (क) अन्तरण से हुड़ा किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी काम मा धन मा अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, वः धनकर अधिनियम, वः धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) छ प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा अकट नहीं किन। वजा था वा किया वाना पाहिए था, किया वे प्रियम के स्वाद्धः

बतः थवः, शक्त विधिनियमं की भारा 269-व भी बन्दरण भी, भी, उक्त विधिनियमं की भारा 269-व की उपभारा (1) की मधीन, निम्निविचित व्यक्तियों,, वर्षात् डा—

- (1) मेसर्स जयवंत नेव्हलोपमेंट कार्पोरेशन। (श्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रमोक बी० ठक्कर ग्रौर बकुला बी० ठक्कर।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन् के लिए कार्जवाहियां करता हं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 फिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयिक्तमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबीं भ, जो भी अविधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ग) इस सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए जा सकोंगे।

स्पच्चीकरणः - इसमें प्रय्क्त शब्दों और पर्यों का, जो उच्त जीभीनयम, के बभ्यान 20-क में परिभाषित है. यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया प्या हैं।

अनुसूची

फ्लेट नं० 2, जो, 15वीं मंजिल, जयबंत भ्रपार्टमेंटस्, दादरकर कपाउंड, तुलसीघाडी, ताडडेव रोड, बम्बाई-34 में स्थित है।

धनुसूची जैसाकी कब्संब श्रई-1/37-ईई, 6693, 85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमस्र् सक्षम प्राथिकारी सञ्चायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1 बस्बई

तारीख: 7-3-1986

एक्स कार्ष, हो, एस, ध्रां, क्रान्य कार

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा १६० व (1) के अधीन सम्बन्ध

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक भायकार नायकत (निरोक्षण)

ध्रर्जन रेंज-1 अम्बई बम्बई दिनाँक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० अई-1/37-ईई/7375/85-86~-अतः मुझे, निसार श्रहमद,

आप्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसमें उपनाह जाप कोधिनियम कहा गया है), की धारा 269-का के अर्थन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- र. सं अधिक हा

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 104, जो, 13वीं मंजिल, जयवंत अपार्टमेंट, दादरकर कंपाउंड, तुलमीवाडी, ताडदेव रोड, बम्बई-34 ने स्थित है (और इससे उपाबब अनुसूची में भौर पूर्ण कर से बिजत है) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के अधीन बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कायदेलय में रजीस्ट्री है, तारीख 19~7~1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए जंगरित की गई है और मुक्ते यह निश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल हो, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वृद्धह प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (अन्तर्कों) और जन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण कि जिला में वास्त्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या इससे बचने मों सूबिधा के लिए, कॉर/धा
- (अ) ामी किसी अत्य या किसी धन या अन्य आस्तियाँ ा, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिशती द्वारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में महिन्या के लिए।

गा कन, इस्त लिनियम की भारा 269-म को अनुसरण मी, मी, अल अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को किलीत जिल्लिकित व्यक्तियों, संभति ;—— 75—26 GI/86 (1) मेमर्स जयवंत नेव्हलापमेंट कार्पोरेशन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रस्पी विनाँय।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त गरंपील के वर्षन के संबंध में कीई भी बाक्षेप ::----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्र किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्टिक ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदा गया है।

अनुसूची

पलेट नं ० 104, जो, 13वीं मंजिल, जयवंत भ्रपार्ट-मेंटस्, दादरकर कंपाउंड, तुलसीयाडी, ताउदेव रोड, बम्बई-34 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क०मं० श्रई-1,37-ईई,6932/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 18-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1 बम्बई

तारीख: 7 ⋅ 3 - 1986

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आपकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरौक्षण)

ग्रर्जन रेंज_{€1} बम्बई बम्बई, दिनाँक 7 मार्च 1986

निर्देण सं ० श्रई-1/37-ईई/7315/85-86--श्रतः मुसे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 48, जो, बी-खिंग, 3री मंजिल, गिंता स्मृति प्रिमायसेस को-श्रीप० सोसायटी लि०, पंडित रमाबाई रोड, गामदेवी कौनेंग, बम्बई-7 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 12-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रदयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ददयमान प्रतिफल से एसे ददयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्निविश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन्न में बास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्ही भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारार (1) के अधिक निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

(1) श्रीमती धिरज के० वोरा।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रजीतकुमार एन० पटेल।

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति व्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकर्गे।

स्वच्दिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया यवा हैं।

वन्स्ची

पर्लंट नं० 48, जो, बी-विंग, 3री मंजिल, गिला स्मृति प्रिमायसेय को-प्रॉप० सो अथटी लि०, पंडित रमाबाई रोड, गामदेवी कार्नर, बम्बई-7 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० स० श्रर्ष-1/37-र्र्ष्ड/6872/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधि हारो, बम्बई द्वारा दिनाँक 12-7-1985 को रजिस्टडं किया गया है।

> ्निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I बम्बई

तारीख: 7-3-1986

प्रकार कार्य । स्रीत प्रवाह पुरस्कार जनसम्बद्ध

नावकर विधितिषमा, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में नभीन बुचना

प्राप्त प्रस्कार

कार्याक्षयः, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई सम्बई, दिनाँक 7 मार्चे ेे 1966

निर्वेश सं० अई-1/37-ईई/7429/85-86—म्बतः, मुझे, निसार ब्रह्मव,

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके परचात् चित्रत निभिनियम' कहा नवा ही), की धारा 269-च के अभीन तक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण ही कि विकास समित का उपना वाचार मूल्य 100,000/- रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० प्लैंट नं० 901, जो, जेंमुना सागर, कुलाबा रोड, कुलाबा, बम्बई-5 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रीयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के उस्तमान श्रीतफल के निए वंतरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे उत्यमान प्रतिफल का बन्दह प्रतिक्षत विभक है और बन्तरुक (वंतरकों) और वंतरिकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरुक के निए तब पामा पया प्रतिफल निम्ननिवित उद्देश्य ने उनत बन्तरण निवित के बास्तविक रूप से कीयत नहीं किया नवा है ——

- (क) अन्तरण वे हुई किसी भाग की भावत, उक्त अभावतम वो अजीत कर देवें के अन्तरक ओ वायत्व में कनी करने या उसके क्याने में सुविधा में सिक्ष् कोंड/या
- (च) एसी किसी बाब या किसी धन या बन्ध जास्तियों को, चिन्हें भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सुविधा के सिक्;

वतः जन, उन्त विधिनियमं की भारा 269-न के बन्दरन में, में, उन्त अभिनियमं की भारा 269-गं की उपभारा (1) के अभीन, निम्निविचित व्यक्तियों, जन्ति :--- (1) जे०एम०सी० कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री सिथाराम मुद्दू शेट्टी ग्रौर श्रीमती काँती ए० शेट्टी।

(भ्रन्तरिती)

को वह बुझना जा<u>डी कुडके</u> पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किए कार्यवाहियां कारता हुई ।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस कुष्या के प्राचित्र के प्रकारत की तारीक के 45 दिन की जनकि का तत्वक्त की कादिताओं कु सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्ति के विदार होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्ति हैं।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविधा में किए वा सकोंगे।

स्वाकरण: ---इसमें (युक्त शब्दों को पार्वों का, आ शब्दा की पार्वें का, आ शब्दा की पार्वें का किया किया की अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय औं वियो गया है।

प्रनुस्ची

प्लैट न'० 901, जो, जमुना सागर, कुलाबा रोड, कुलाबा; बम्बई-5 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37-ईई/6983/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 25-7-1985 को रजीस्टई किया गया है।

> निसार महमद सक्षम प्राधि कारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षणः सर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीखाः 7→3-1986

मोहर 🛚

अक्त वार्ष्: द्वै. एव , एव हाल्लानना क

नावकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के नेभीन सुमना

श्रापक्ष करकार

कार्वाजन, तहानक भागकर नामुक्त (निर्देशक)

श्चर्जन रेंज-1 बम्बर्ष बम्बर्ष दिनौंक 7 मार्च 1986

निर्वेश सं० अई-1,37-ईई,7414,85-86---अतः मुझे, निसार श्रहमद,

भावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परवात् 'उक्त जिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269--च के अधीन-सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थायर समिति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-छः से अधिक है

म्रोर जिसकी सं० फ्लेट नं० 1 श्रीर 2, गरेजेस नं० 2 श्रीर 3, जो, कैलाश निकेतन, 322, नेपियन रोड, मलबार हिज, बम्बई-6 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका जरारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन सम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्रो है, तारीख 24-7-1985

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाबार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिकास के निए कम्बरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वश्यपूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार जून्य, उनके स्वयमान प्रतिकास से एसे स्वयमान प्रतिकान का बन्द्रह प्रतिकात से क्षित्रक हैं और वन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितिका) के बीच एसे अन्तरक के किए तब बाबा गया प्रतिकात, विस्कृतिका ज्युवेषय से उच्च अन्तरक किश्वास में बास्त्रीयक कुन से किश्वास नहीं किया गया है क्ष्र

- (क) त्रन्तरण वे हुई फिली बान की बावतः, उनक लिखिनवन में सभीन कर दोने के जन्तरक में दाविस्त में कमी करने वा उत्तसे बखने में सुविधः में सिष्धः प्रिटिशः
- (ख) एंकी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों के जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकद अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बद्ध वर्ष, क्या वर्षिनियम की भारा 269-ग के अनुसरक में में, उपल मौधिनियम की भाष 269-म की उपधाय (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) श्री नागिनभाई एम० पटेल। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बिरीट ए० शहा श्रीर श्रीमती चंद्रा के० शहा)।

(ग्रन्तरिती)

(3) ग्रन्तरक।

(बहु व्यक्ति जिसके अधिको ग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारो करके प्नाक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के कर्चन के संबंध में कीई भी नाक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाधन को तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्साखननी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 बिन की अवधि, जो भी कवि जो जा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारिक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थापर सम्मित में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति सुवारा अधोहस्ताक्षरी की पास दिस्ति मों किए का सकीती।

स्यक्षीकरण:-----शममं प्रश्नुकत शब्दों बार पदी का, का उनत जीधीनयमा, ने जन्याम 20-क में परिभाषित ही, वही वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

प्रनुसूची

फ्लेंट नं० 1 श्रीर दो गरेज नं० 2 श्रीर 3, जो, कैलाण निकेतन, 322, नेपियन रोड, मलबार हिल, बम्बई-6 में स्थित है।

श्रनुपूची जैसाकी ऋ०सं० ग्रई-1,37-ईई,6969,85-86 श्रीर जी सक्षम प्राधिकारी ब्रम्बई द्वारा दिनाँक 24-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निशार श्रहमद., यक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1 बम्बर्ष

तारीख: 7-3-1986

मुक्ष्य भाष्ट्री, शी. एन्.. एक्. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकात

अर्र्यालय, सहामक **आयकर जायुक्त (निस्नीक्ष**फ) श्रर्जन रेंज-। बस्बर्ष

बम्बई, दिनाँ र 7 मार्च 1986

निर्वेश सं० प्रर्द-1,37-ईई,7313,85-86---- ग्रतः गुझं, निसार ग्रहमद,

श्रीर जिमकी सं० फ्लेट नं० 402, जो, 4थो मंजिन, देव क्रीपा इमारत, 140,145, नायगांव स्थिम, जिल्हें र रोड, बम्बई-14, में स्थिम है (श्रीप इस्ते उपावड श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण का से विणा है) श्रीर जिल्हा करायनामा श्रायकण श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 क्ष.ख के श्रधीन वम्बई स्थित अक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 12-7-1985।

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्विकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य कार ब्रथमान प्रतिकल से, एसे द्रग्यमान प्रतिकल का पत्थक प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में एस्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) करारण से हुई किसी काम की बाबत , उथल गभिनियम के बचीन कर दोने के अन्सप्तक के श्रीवत्य की कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; मीर/मा
- (क) एसी किनी बाज था किसी बर वा अन्य आरिश्वा को जिन्हों भारतीय आय-कर विभिन्निया, 1922 (1922 का 11) या तक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एवांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा का किया जाना बाहिए था, कियाने में स्वित्य के विस्तृत

बर्ट क्व. इक्स अधिनियम की धारा 269-व की क्वूबरभ में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपपास्य (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) मेशमें बोनी इंटरप्रायजेस।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रं चंद्रकांत एल० गाला।

(ग्रन्तरिती)

को यह मुखना धारी करके पृथाक्त सम्पत्ति के वर्षन् से हिन्य जानेगाहियां करता हो।

वनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में अकाशन की तारीब खें 45 दिन की बनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जनिध बाद में समाप्त होती हो. की भीतर पूर्वीक्त स्विक्तों में से किसी करित द्वारा;
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीध है 45 दिन के भीतर उद्यत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यवित द्वारा वजहरूताक्षरी के पास निस्त में वित्र का सकींगे।

प्यव्यक्तिकरण:---इसभे प्रयुक्त सन्दर्श और पर्यो का, को स्थल अधिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही कभी होगा जो उस कभ्याय भे दिसा भेगा हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, देव कीपा इमारत 140/ 145 नया गाँव गोविंद जी के० रोड, बम्बई-14 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमाकि क०सं० श्रई- 1_{l} 37-ईर्घ $_{l}$ 6870 $_{l}$ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रह्मद यक्षम प्राधिकारी ाहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 बम्बई

नारीखा: 7→3-1986

शक्त जाद<u>ी हो एम एक .----</u>--

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाउर 269-मं (1) के मेमीन सूचना

बारक बर्द्धा

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्तण)

श्रर्जन रेंज-1 बम्बई बम्बई दिनांक 7 मार्च 1986

निदेश सं० प्रई-1/37-ईई/7312/85-86--प्रतः मुझ, निसार प्रहमद,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव पलट नंव "11, जो, 1ली मंजिल, बी-श्राय, कर्मक्षेत्र, काँग्रेड हरवं सलाल मार्ग, षण्मुखानंद हाल के पास, सायन (पूर्व), बम्बई-37 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क,ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 12-7-1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफाल के लिए जन्ति ति गर्वे हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पांगा गुवा प्रतिफाल निम्निलियत उद्वर्ष से उक्त बंतरण लिखित के बास्तविक कम से किंचित गर्हीं किया नवा है।——

- (क) बन्तरण ते हुई किसी शाय की शायत उपक शीपनियम के श्रीन कर दोने के शंतरक के दावित्य में क्षामी करणे या उत्तते वजने में तृतिथा के लिए; श्रीर/या
- (कं) एंली किसी बाय या किसी धन या जन्य वास्तियों को, धिन्ह भारतीय अवकर विधिनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आगा जाहिए था छिपामे जें स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्मीलिक्त क्यक्तियों, नुर्यात ध— (1) कल्पतरू (इंडो सायगन) कन्स्ट्रक्शन्स प्रायवट स्थि०।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रचनी लिलिप थांमस ग्रौर श्रो फिलिप पी० थॉमस।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्थन के निष्ध कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त संप्रित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई श्री दाक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूजना की वामील से 30 दिन की नविध, जो भी वविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन को भीता उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पर्यों का, वो उद्यक्त अधिनियम के अध्यार 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वन्प्रची

फ्लैट नं० 11; जो, 1ली मंजिल, बी-ग्राय, कमंक्षेत्र, काँग्रड हरबंसलाल मार्ग, पण्मुखानन्द हाल के पास, सायन पूर्व), बम्बईन्37 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क०सं० म्रई-1/37-ईई/6869/85-86 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 12-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> ्रनिसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-1 बम्बई

तारीख: 7~3~1986

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 बस्बई बम्बई दिनाँक 4 मार्च 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/7341/85-86→म्प्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० मिठवाला कंपाउंड, जो, सयानी रोड, सी०एस०नं० 1169, लोश्रर परेल श्रीर एफ०पी० नं० 1006, टीपीएस 4, माहीम, अम्बई में स्थित हैं) श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनयम 1961 की धारो 269 क,ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 15~7~1985।

क नायालय म राजस्ट्रा ह, ताराख 15-7-1985।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकृत, निभ्नसिखत उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में
बास्तयिक रूप से किथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भाररसीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के निए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधाराए (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, खर्थात्।—

(1) अफझल कापम मियां, इक्की अबूबकर के०एम० इंग्की, श्रीमती श्रायशाबी एम० हनीफ शेख, श्रीमती जुबदा बानू ए० कोटवाला, श्रीमती रझीया। बानू, मियाँ जान शख, श्रीमती, सहीदा मोहम्मद अली शेख, श्रीमती सलमा बानू एम०

(ग्रन्तरक)

(2) मेमर्स हंपी होम इस्टेटस्।

(ग्रन्तरिती)

(3) भाडूत।

(वह व्यक्ति जितके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यों क्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तिकों में से किसी क्यों कित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हित्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरों।

स्वव्यक्तिरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त अधिन नियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिठवाला कंपाउन्ड जो सयानी रोड, सी॰एस॰नं॰ 1169, लोग्रर परेल, ग्रौर एफ॰पी॰नं॰ 1006, टी॰पी॰ एस॰ 4, माहीम, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क०सं० श्रई-1/37-ईई/6899/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 15-7-1985 को रजीस्टर्न किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर त्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

तारीख: 4-3-1986

प्रकृप आहें.ही.एन.एस.------

भग्यकर लिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायकत (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज- I, बम्बर्श बम्बर्ध, दिनौंक 4 मार्च 1986

निर्देण सं० श्रई-1/37-ईई/7382/85-86- \sim यतः, मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'त्यत अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- ह के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० श्रीद्योगिक यूनिट नं० 174, जो, 1ली मंजिल, शहा एण्ड नाहर इंडस्ट्रियल इस्टेट ए-2, धनराज मिल कंपाउंड, लोग्नर परेल, वम्बई-13 में स्थित है (श्रीर इससे उपावक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वर्णि तसे हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 19-7-1985

का पूर्विकत उपनित के उपकर बाकार मृत्य सा काम को स्वयमान मितिकत को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वात करने का कारण है कि सभापृथित सम्मत्ति का उपित वाजार अन्य, ताना करवान जी कि प्राप्त की मितिकत का वाजार अन्य, ताना करवान जी कि प्राप्त की करवान विश्वात की वास्तिक का वास्तिक की वास्तिक की वास्तिक की वास्तिक की वास्तिक की वास्तिक की वास्तिक का वास्तिक की वास्

- (क) अध्यारण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त धाधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्त में कमी करने या उससे बचने में सृतिभा के निगः; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्िश्य के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की खपधार (1) के अधीन, निम्नीसित व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) मेसर्म निमिण वुक डिपो।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स दुष्पा पब्लीशर्म प्रायवेट लि०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उसत सम्मितित के कर्जन के संबंध में कांग्रें भी बासी :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण: ---इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मन्त्रचीं

श्रौद्योगिक यूनिट नं० 174, जो, 1ली मंजिल, शहा एण्ड नाहर इंडस्ट्रियल इस्टेट (ए-2), धनराज मिल कंपाउंड, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि अर्क सर्व श्रई-1/37-ईई/69939/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधि हारो, बम्बई द्वारा दिनौँक 19-7-1985 को रिजम्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रह्मद मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रा युक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग- बम्बई

तारीख: 4−3-1986

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.,------

भागकर मिपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1; बस्बई

बम्बई: दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० प्रई-1/37-ईई/7388/85-86-~यतः, मुझे, निसार श्रहमद,

कल्पकर कांभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त धिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उज्जित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० यूनिट नं० 255, जो, 2री मंजिल कालियनदास उद्योग भवन, सेंचुरी बझार के पास, बम्बई-25 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बॉणित हैं) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कला के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 19-7-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उभित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से एसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुइं किसी नाय की नावत, उक्त वॉभीनयम के अभीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे वचने में सूर्विधा के सिए; बॉर/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किरी भन या बन्य बास्तयों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सियः

जत: जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् हिन्न 76—26 GI/86 (1) मेसर्स रिजेंट इंडस्ट्रिज लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स मेट्रो एक्सपोर्टिंग कंपनी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में काई भी नाक्षेप हिल्ल

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारका की तारीख से 45 विन की जनींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अनींच, जो भी अनींच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचभा के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हाँ, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

यूनिट नं० 255, जो, 2री मंजिल, कालियनदास उद्योग भवन, सेंग्ररी सम्नार के पास, बम्बई-25 में स्थित है।

श्रनुसुनो जैसाकि कि सं श्रई-1/37-ईई/6945/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 19-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 अस्बर्ध

तारीख: 4-3-1986

प्रसम् भा<u>ष्</u> <u>ती. एन . एस . -----</u>

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क (1) के अधीन सुधना

न्त्रस्य न्यन्त्र

कार्यासन, सहायक भायकर आनुक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज-1 बम्बई
बम्बई, दिनांक 4 मार्च 1986

निदेश सं० ग्रई 1/37-ईई/7381/85-86---ग्रतः मुझे, निसार शहसद,

नायकर मिशिनयम, 196१ (1961 का 43) (विसं इसमें इसके परवात 'उन्त मिशिनयम' कहा गया हैं), की पारा 269- के अभीन सक्षम मिश्कारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं और जिसकी सं० यूनिट नं० 109, जो, 1लीं मंजिल, यहां अंण्ड नाहर इंडस्ट्रियल इस्टेट (ए-1), धनराज मिल कंपाउंड, लोग्नर परेल, बम्बई-13, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) /और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के ग्रधीन बम्बई में स्थित स्थाम प्राधिकारों के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 19-7-1985।

को प्रोंक्त सम्मित्त के उपित बाजार मृत्व से कव के क्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विस्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिक्व कि निम्निलिसित उद्देश्य से उकत जंतरण लिखित में वास्तिबक क्य से किथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण ते हुइ किस्ती नाय की शायत उथल गरिंश-निवस के न्यीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में अपनी कारणे वा समये अचले में सविधा के लिए;
- (क) ऐसी किसी बाव या किसी भन या अभ्य आस्तियों कां, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा सकत विधिनयम, पा भयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रवीवनार्थ कर्तरीति हुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा न्दे लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) फाल्गुनी द्रस्ट।

(भ्रन्तरक)

(2) मेमर्स प्रिमियर केमिकल्य इंडस्ट्रिज । (श्रन्तरिर्ता)

को बहु धूक्ता बाडी करने दुवांक्त सम्मत्ति के अर्थन के विष कार्यमाहियां करता हैं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थिकतयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुमूची

यूनिट नं० 109, जो, 1ली मंजिल, शहा नाहर इंड-स्ट्रियल इस्टेट (ए 1), धनराज मिल्स कंपाउंड, सन मिल रोड, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ०सं० श्रई-1/37-ईई/6938/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-1 1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 बम्बई

तारीख: 4-3-1986

प्रथम बार्डुं हो हो एक प्रथा अस्तर

बावकर वॉपॉबवन, 1961 (1961 का 43) की धणा 269-व (1) से बधीन सुचना

HAT CHAP

कार्यासम्, स्कृतसः नातकर बायुनस् (निर्द्रीय ु

ग्रर्जन रेंज-1ृ बस्बई बस्बई, दिनांक 4 मार्च 1986 निर्देश सं० ग्रई 1/37-ईई/7380/85-86---ग्रतः मझे, निसार ग्रहमद,

बायफर वींपनियम, 1961 (1961 का 43) (विषे इक्नें इक्नें परवास् 'उन्त अपिनियम' कहा गया हैं), की पाड़ा 269-व के नपीन, तक्षत प्रापिकारों को, यह विश्वास करने का कारम हैं कि स्थानर दम्मीत, जिसका वींचत वांचाड मुख्य 1,00,000/- रा. से अपिक हैं

और जिसकी सं० औद्योगिक यूनिट नं० 104, जो, 1ली मंजिल, सन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सन मिल कंपाउंड, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 का धारा 269 के, ख के श्रश्चीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारंख 19-7-1985

को पूर्वेदित सम्परित के बिश्त बाबार मुख्य से कम के अध्यमन बिद्धित के बिए क्रतीरत की पद्दे हैं और मूझे वह विश्वाद करने का कारण है कि प्रथाप्कॉन्स संवीत्य का अधिक का बंदा बूक्य, उसके अध्यमन प्रतिफल से, एंसे क्रवमन प्रतिफल का बंदा प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अध्यादिती (बन्दरिक्जि) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब् पाना बना बृद्धिकन, विश्वितिकत उन्दर्भन से क्षत ब्रुक्ष विविद्ध से शास्त्रीविक स्प से क्षित नहीं किया बना है ——

- (क) एंसी किसी माय या किसी भन या जन्य जास्तिकों को, विन्हें भारतीय भाग-भर जीभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छा जीभिनियम, दा धन-कर जीभिनियम, 1957 (1957 का 27) के ह्योधनार्थ जन्तीरती द्वारा जच्छ नहीं किया प्या ना वा किया आभा आहिए था कियाने में सुविधा की दिवद;

बत्तः क्षत्र, प्रश्त विधितिक्य की भाषा 269-म के अनुसरण क्षेत्र मी उत्तर विधित्रकत की भाषा 269-म की क्ष्यभाषा (1) के क्षयीत्र, तिक्तिविक्त व्यक्तिकती, क्ष्योंक् क्ष्यम (1) मेसर्स व्यास ब्रदर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रा ग्रमीत ताराचंद संगवी और श्रीमती सुषमा ग्रमीत संघवी।

(श्रन्तरिती)

को यह सुकता बारी कारके पुत्रॉक्ट सम्बद्धि के वर्षन के िक्स् कार्यवाहिना एक करता हुई।

वक्त क्रम्बरित के सर्वन के क्रम्बन्य में कोई भी मालेर र----

- (क) इब स्थान के राज्यन में प्रकाशन की ताड़ीय वे 45 दिन की जबदि वा तत्त्वज्ञान्यी व्यक्तियों पर क्ष्म की ताबीय से 30 दिन की नवधि, यो भी जब्दि बाद में स्वान्त होती हो, के भीतर प्रविद्य ज्ञानिया में से सिसी व्यक्तिय द्वातः;
- (क) इच् स्थान के जनपन में जनपन की तारीज सं 45 दिन के धीवार उक्त स्थानर सम्पत्ति के दितवद्ध किसी नन्द स्थानन स्थान न्योहस्ताकारी के दाव लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क विभिनियम, के वश्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष द्वीगा को उस वश्याय में दिया गया है ।

पनृसूची

औद्योगिक यूनिट नं० 104, जो, 1ली मंजिल, सन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सन मिल कंपाउंड, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क॰सं॰ श्रई-1/37-ईई/6937/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 19-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज-1 बम्बई

लारीख: 4-3-1986

शक्त आहें हो हो एक ह एक हुए----

बावकुष जीभीनवभ , 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-छ (1) के सभीन कुमना

TOTAL STATE

कार्याक्षय , सहायक कायकर वायुक्त (गिर्याक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/7343/85-86--यतः, मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का भारत है कि स्थावर सम्बत्ति, विश्वका उचित वाचार मूक्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट नं० 30, जो, रामेश्वर भवन, फ्लाट नं० 284, सायन (पूर्व), बम्बई 22 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 16-7-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार गूल्य से कम के स्थमाव पितफल के मिए अंतरिस की गई है और मुझे वह विश्वास धरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गूल्य, उसके अयमाव प्रतिफल हे, एवे स्थमाव प्रतिफल का ग्रीतफल का ग्रीतफल

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त बिधिनियम के बधीन कर देवे के अन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उद्धरी बचने में सुविधा के लिए; बरि/बा
- (क) ऐसी किसी आब या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उनत निधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) औ प्रयोजनार्थ बंदरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के सिए;

जतः जयं, उक्त जिथानियम की भारा 269-ग के जमुसरण कों, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) ऐ अभीन, निम्नुलिश्वित व्यक्तियों, जभाति च—— (1) श्री नवलराय एल० तहीलियानी और श्री एन०एल० तहिलीयानी।

(भ्रन्तरक)

- (2) नवनीतलाल एम० शहा और दिपक एन० शहा। (भ्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तरकों।

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्मिटित के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हूं।

क्यत् बन्दरित् ने वर्षान् ने बन्दर्भ में बोर्च ही मार्थाप्त--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच है 45 विन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की बविध, को भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से, 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्धं जिल्ली अस्य व्यक्ति इवारा बधोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकाँगे।

स्थानियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वहीं वर्ष होंगा वो उस बध्याय में विवा नवा है।

धनुसूची

फ्लैंट नं० 30, जो, रामेण्वर भवन को-ऑप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्लाट नं० 284, सायन(पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है।

श्रानुसूची जसा कि कि० सं० श्रई-1/37-ईई/6901/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारा दिनांक 16-7-1985 को र जिस्ट इंकिया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I बम्बई

तारीख: 4-3-1986

बर्फ्स मार्च व्यक्ति प्रदेश हर्षा क्रमान

भागकः सिंभिनियमः, 1961 (1961 का 43) की पछा 269-च (1) के स्पीतं वृष्णा

कार्यासय, सहाज्ञ गायकर गापुत्रत (निर्द्योक्स)

श्रजन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/7335/85-86----यतः मुझे, निसार श्रहमद,

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इतमें इतके पश्चात् 'उक्त निर्मित्यम' कहा नया हैं), की भारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूस्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव पर्नेट नंव 1, जो, 2री मंजिल इमारत, नंव 4, पीएसबी श्रपार्टमेंट्स, बीवजीव खेर रोड, बरली, बम्बई-18 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कथा के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री हैं, तारीख

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उपित काबाद ब्रस्य से कम के अवनाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूक्य उसके अवसान प्रतिफल का पन्छह प्रतिवात से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे क्लपुण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीचित उद्देशय से उसत कन्तरण सिवित में बास्तिक रूप से कथित मुद्दी किया गया है है—

- (क) अन्तर में हुई कि जी बाय की बावत स्वतः विश्वीयम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के स्वीयक में करी करने वा उत्तने वचने में स्विधा के सिए; धीर/या
- (क) एसी किसी नाम ना किसी पन ना सम्ब नासिसनी की, विन्हें भारतीय नामकर विभिन्नक, 1922 (1922 का 11) ना उक्त निभिन्नक, ना धनकर सिधिनयम, ना धनकर सिधिनयम 1957 (1957 का 27) के जनीवनाय नृत्तियो द्वारा प्रकट नहीं किया नृता ना वा किया वाना चाहिए था, कियान में बृदिधा में किए;

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, सबत अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों, अथिषु ड—

- (1) 20वीं सेन्चुरी फायनान्स एंण्ड कन्सल्टेर्सी सर्विसेस लि०।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

(3) म्रन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिथिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंकत सञ्गतित के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

वन्य बन्ग्रित् के वर्षन के बन्दरभ भें कांद्र' भी वाक्षेप :---

- (क) इस क्या के राज्यन के म्कार्य की साही है 45 विन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवनरा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रीत में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विभिन्नियम के वश्याय 20 का में परिभाषित हैं, बही वर्ष होना को उस कश्याय में दिया नवा है।

यनुसूची

फ्लैंट नं 1; जो, 2री मंशिल, इमारस नं 4; पि एस् कि अपार्टमेंटस बी जी खेर मार्ग, वरली, बम्बई-18 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि क०सं० श्रई-1/37-ईई/68,93/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 15-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राथिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

तारी**ख :** 4—3—198,6

मोहरः

प्रथम बार्च छ र्यो । प्रवा प्ररा

भागकर स्रीपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भागकर स्रीपिनियम, 1961 (19 के स्थीन क्यान

शास्त्र सुरुक्तान

कार्यासम, सहायक शायकर आयुक्त (निराक्षिम)

ग्रर्जन रेंज-1, बन्बई

बस्बई, दिनांद 7 मार्च 1986

निदेश नं० प्रई-1/37-ईई/7132/85-86--श्रत मुझे, निसार ग्रहमद,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' व्हा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

पष्पकुंज, सायन (प०), बम्बई-22 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रीयक्षर श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 का,ख के श्रीधीन बन्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याज्य में रजीस्ट्री है, तारीख 2-7-1985

को नुभावत सम्पत्ति के उचित नाकार मून्य सं कम के दश्यमान प्रतिपक्ष को निए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि बधापुर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उसक इध्यमान प्रतिपक्ष को एसे दश्यमान प्रतिपक्ष का पन्द्रक्ष प्रतिपक्ष से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया बृतिक से निम्नुसिक्त उद्देश्य से अव्य अन्तरण कि बिस वे बास्तियन रूप से कथित नहीं किया गया है क्ष्य

- (क) बन्तरक सं हुई किसी बाय की बायत, उक्त बिशिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के खिनत्य में कमी करने या उत्तरे क्याने में बुविधा क (लग्) प्रोर/क।
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उत्था अधिनियम, बा अब-क्कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अभेजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा वा विका वावा वाहिए वा, कियाने में बृदिका जे किया जे किया

कराः जस, उक्त विधिनियम, कौ भारा 269-म औं अमृतर्थ र्, बौं, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की तण्यारा (1) अधीन ज्यानिसिस व्यक्तियों, अधीत् ॥—— (1) श्रीमती इंदीरादेवी जी० नायर।

(भ्रन्तरक)

(2) चंद्रकांत मलजी भाई शहा, इर्ता फ्रांफ सी० एम० शहा, (हि॰ग्र॰कु०) ग्रौर जसवंतीबेन रमाकांत शहा।

(अन्तरिती)

की यह स्वाम जारी कारके प्रतिक संपृत्ति के कर्यन अ किस् कार्यनाहियां करता हो।

क्का सम्मृतिस् वी महीन के सम्बन्ध में कांद्र श्री साक्षाप्त--

- (क) इस स्थान के राज्यमा में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अविध्या तत्स्वें के क्षिप्रां पर ब्यान की समील से 30 दिन की अविध्या भी कर्षित कर के सकत होती हो, के बीटर पूर्वों कर व्यक्ति के से किसी स्थानक इंसाफ;
- (ज) इस स्वता के राजपूत्र में प्रकाशन की कारोध सं 45 किन के भीतर उथल स्थानर संपत्ति में हिस्तवस्य किनी बन्य स्थानत द्वारा, अभोहरकाक्षरी के कार विविद्य में किस जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मा परिशाणित हैं, वहीं अर्थ होगा जो इस अध्याय माँ दिया क्या हैं।

जन्स्यो

फ्लेंट नं० 50/2, जो, तल माला, न्यू पुष्प कुंज, सायन (प०) बस्ब ξ -22 में स्थित है।

श्चतुसुची जैसाकी ऋ०सं० श्रई-1/37-ईई/6697/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांः 2-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार भ्रहभद सक्षम प्राधिारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई

तारी**ख ! 7**—3—1986 मोहर । प्रभव नार्षे ही, एवं. एवं,------

थायर विधितियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन स्वता

शाहत तरकार

कार्यास्त्र, बहाएक वायकाड वायुक्त (निर्द्रीक्ष्ण)

ग्रार्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 मार्च 1986

निदेश यं० शई-1/37-ईई/7332/85-86----ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

नायकर मोधनियम, 1961 (961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत निधनियम' कहा गया है), की भारा 269-च को निधीन सकाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हं कि स्थापन संध्यति, जिसका अचित बाबार मृस्य 1,00,000/-क से अधिक है

ग्रीर जियकी मं० दुकान नं० 1ए, जो, कल्पक इस्टेट, सीक्एमक नं० 85 श्रीर 93, णेख मिश्री रोड, वडाला, बस्बई-37 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) /श्रीर जिसका करारनामा ग्रामकर क्षितियम 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रधी है, नारीख 15-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित याकार नूल्य से कत को व्यवसान प्रियमल को लिए अन्तरित की गृद्दे हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्वांक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसको दश्यमान प्रतिकत से, एसे व्ययमान प्रतिकत का पेन्नह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) को बीच एसे अंतरण को निए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निलिखित उद्वोदय से उसत असरण सिवित में बास्तिबक रूप में किथा नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी काय की वावत, उक्त अभिनियत्र को अधीन कार दोने से वंतरक से वासिक्ट को कामी कारने या उसने वचने में हिविधा र स्मार्ट केरिया
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अभ्य आस्तियों का, पिन्हीं भारतीय आवकर अभिनियम, 1922 माना का 11) या उन्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिज्ञान के असिनियम असिनियम स्वाप्त का या किया जाना काहिए था, छिपान में सुविधा की सिदा।

बतः स्वा, उक्त अभिनियम की भारा 269-म के जन्तरण मों, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) अर्थ अभीय, निम्नीलीखत व्यक्तियों, सभीत्:— (1) कल्पक डेव्हलोपमैंट कार्योगेशन ।

अन्तरक)

(2) श्री सुणील कुमार बगाडिया।

(भ्रन्तरिती)

को वह क्षाना आही कारके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के निय कार्यवाहियां कुक करता हैं।

उनका सम्मति को नर्जन को सम्बन्ध हो कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं
 45 दिन की अवधि या तत्सक्तरथी व्यक्तियों पर
 स्वना की ताशील से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि कृष्ट में समाध्य होती हो, के भीतर पृत्रीकर
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाक;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बृह्भ किसी व्यक्ति ब्यारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वध्यक्ति रण: --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पर्यों का, जो उन्नर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा, जो जम अध्याय से दिया गया है।

अनुसूची

दुष्टान नं० 1ए, जो, कल्पक इस्टेट (नियोजित प्रोजेक्ट), सी०एस०नं० 85 और 93, शेख मिश्री रोड, बडाला, बम्बई-37 में स्थित है।

श्रतुसुकी जैसाकी ऋन्तं० श्रई-1/37-ईई/6890/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिनारी बन्बई द्वारा दिनांक 15-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार घ्रहमद सक्षम प्राधिकारी महासक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

दिनांक: 7-3-1986

इस्य आहो_ं टी_ं एन्_ं प्रशु_{क्रमानस}न्त्र

आसकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के क्षील त्यना

नाइस् क्षेत्रकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दोक्सण)

ग्रर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई दिनांक 4 मार्च 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/7310/85-86-—ग्रनः मुझे, निसार ग्रहमद,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे रचनें रचनें रचनें एक्से पश्पास् 'उन्त अभिनियम' कहा पना हैं), की पारा 269-ख के अधीन सक्ष्म कि कानी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर अमित जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जिसका सी॰एस॰नं॰ 2बी/1169, जो, लोग्नर परेल डिविजन, शंकर घाणेकर मार्ग, वादर, कुमारवाडा, बम्बई में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क,ख के भ्रधीन बंबई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, तारीख 12-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उपित बाबार मून्य से कम के बस्तमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार बूक्य, उसके बस्यमान प्रतिकल से, एसे बस्यमान प्रतिकल का बन्द्रह प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय खका क्या प्रतिकल, निम्मितिया उहुवेदय से उसके अन्तरण किविस में बास्तविक कप से कचित मुद्दी किया ग्या है है—

- (क) बंतरण है हुई किसी बाव की बावस श हवत विश्वित्व के वंधीन कर दोने के बंदरक के शियरत में कमी करने या उससे बच्ने में सुविधा के लिए; बरि√या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी थ्र वा बन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकार किसीनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिद्ध

बतः शव, उन्त वॉभनियमं की भारा 269-म के बनुवरण वो, मी, उनत विभिन्नव की भारा 269-म की वर्ष्यारा (†) वी सभीनः निम्न्सिक्कि व्यविवर्धेः समीत् ह—-

- (1) श्रीमती ग्रत्यना श्रशोक परूलेकर, श्रीमती भारती ए नाईक, श्रीमती राजशी श्रार० चेंबूल-कर, गजानन ए० साने, शशिकांत ग्रार० साने, प्रकाश रामराव साने, केशव जी० सानें। (ग्रन्तरक)
- (2) किशीनचंद कालूमल नास्ता।

(ग्रन्तरिती)

 को यह सूचना आही करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के किए कार्यनाहियां करता हुं।

समय क्रम्याच्य के बर्जन से सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीच के 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीम से 30 दिन की वन्धि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (च) इंड सूचभा के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हित-बहुव किसी जन्य स्थावत द्वारा भशोहस्ताक्षरी के पास निवित में दिये जा सकते।

स्वच्छीक रूप: — इसमें प्रयुक्त खर्कों शीर पदों का, जो उक्क शीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया क्या हैंगी

ग्रनुसूची

जमीन का हिस्सा, जिसका सी०एस० नं० 2बी/1162, जो, लोग्रर परेल डिविजन, फायनल प्लांट नं० 957, टी० पी०एस० 4, माहीमसबी स्ट्रक्चर्स के साथ, शंकर घाणेकर मार्ग, दादर, कुंमारवाडा, बस्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० धर्ध-1,37-ईई,6867,85-86 स्रोर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 12-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर धाक्युत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीच : 4-3-1986 मोहर : प्ररूप आईं, टी. एन. एस :-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्चना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अध्यक्त जायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1 बम्बई
बम्बई; दिनांक 4 मार्च 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/7374/85-86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव प्लांट नंव 448, टीव्पीवण्सव नंव 4 माहीम, बयू सर्वेव नंव 1ए1,1858 श्रीर सीव्एसवनंव 1410, लोगर परेल डिविजन, जूना मकान, माला श्रीर उपरी मंजिल के साथ, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क. ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 18-7-1985।

को प्रविक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मृस्य से कम के ध्यमाण प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मृझे यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मृह्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरका) और बंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के किए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण हिल्बित में बाल्यविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आक की बाजत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दावित्स में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (श) प्रोप्ती किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या अनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए यो, कियाने में कृषिधा के लिए;

अत: अब, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त आधीनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिखित अयिक्तयों, अर्थात् :---77----26 GI/86

- (1) विजय कुमार एन० ग्राचार्य, स्वयंम ग्रीर कर्रा ग्रांफ (हि०ग्र०कु०) भामिनी बी० ग्राचार्य। (श्रन्सरक)
- 2) मेसर्स बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरिती)

- (3) सुरेंद्र नी० नवलकर और अन्तरकों। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) एच०ग्रार० ग्राचार्य (हि०ग्र०कु०) के दूसरे सबस्य।

(बह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति मैं हिसबढ़ है)

की बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन का अवाध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पर्काकरणः -- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अगुसूची

प्लांट तं० 448, जो, टीं पी०एम०नं० 4, माहीम, सर्बे० नं० 1ए1,1858 और सी०एस०नं० 1410, लोग्रंप परेल डिविजन, पुराना मकान तल माला श्रीर एक ऊपरी मंजिल के साथ बम्बई में स्थित है।

श्रनुमूची जैसाकी फल्पं० शर्द-1/37-ईई/6930/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नि**रीक्षण**) **श्र**र्जन रेंज-1, **वस्बई**

नारी**ख**: 4-3-1986

प्ररूप बार्ड, टी. एन , एस . ⊹-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1 बंबई बम्बई, दिनौंक 4 मार्च 1986

निर्देश मं० ग्रही 1/37-ईई-1/337/85- 86- - श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० यूनिट नं० 208, जो, 2री मंजिल, भ्रमीन इंडिस्ट्रियन इस्टेट, 61, एस०एस० राव रोड, परेल, वस्वई-12 में स्थित हैं (ग्रौर इनमें उराबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रापकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ब के ग्रिधीन ग्रमवई स्थिन पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं नारीख 15-7-1985।

को प्रवेक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को क्यमान प्रतिफन को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्ति संपत्ति का उधित गजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित गहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की आसत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; बौद्/बां
- (थ) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

लतः क्रेन, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ज. मी, नवन अधिजिल्ल की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्मालिकत व्यक्तियों, अर्थातः :---- (1) श्रमीत इंटरप्रायजेस।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लिलाबर्ता प्रेमजी भहा और श्री दिलेश पाठ गहा।

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ए-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (का) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अध्याय 20-क में परिभाषितं हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रतृमूची

युनिट नं० 208, जो, 2री मंजिल, श्रमीत इंडस्ट्रियल इस्टेट, 61 एम०एम० राव रोड, परेल, बम्बई-12 में स्थित है।

स्रतुमूची जैसाकी कल्संल सर्द-1/37-ईई/6895/85-86 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारों बम्बई द्वारा दिताँक 15-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमध् सक्षम प्राधिकारीक्र महासङ श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रंज-1, वस्बई

नारीख: 4-3-1986

प्रकाल नार्यं होत् सुर्वत् सुर्वत्तान्यम् व्यवस्था

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के अभीन स्भनः

बाह्य ब्रद्धाः

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (हिनरीक्स)

ग्रर्जन रेज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निर्देश मं० ग्रई-1/37-ईई/7145/85-86---यतः मुझे, निसार श्रहमद,

शायकर अभिनियम ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अभिक्ष हैं

श्रीर जिसकी संव यूचिट नंव 4, जो, तल माला, श्रमीत इंडस्ट्रियल इस्टेंट, 61, एसवएसव राव रोड, परेल, बस्बई-12 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिनका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 को श्रारा 269 कंख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 2-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान श्रीतफल सं, एसे दश्यमान श्रीतफल का बन्द्रद् श्रीतकत से बिधक है जीर जन्तरक (जन्तरकों) और बंदरिती (अंदरितियों) के बीच एसे अंदरण के लिए तय पाया श्रीतकम, निम्नानिचित उद्देश्य से उसत बम्बरण सिचित बें रास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबस, उक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय गायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

मत्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिचित व्यक्तिवों, अर्थात्

(1) अमीत इंटरप्रायजेस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री चद्रशेखर काशिनाथ पतंगे ग्रीर श्रीमती शाँता बाई काशिनाथ पतंगे।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षात के निए कार्यवाहियां सुरु करता हुई।

उक्त तज्यक्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है है 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठित स्विसी स्वित्यों में से किसी स्वित्य द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हिल बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकोकरण: ----इसमें प्रयुक्त धारों और तर्थे ... अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हैं।

पनुसूची

यूनिट नं 4; जो, नल माला, प्रमीत उंडिस्ट्रियल इस्टेट, 61, एम०एम० राव रोड, परेल, बम्बई-12 में स्थित है।

श्रनुत्रो जैसाकि कि रां० ग्रई-1/37-ईई/6710/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 12-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निसार श्रहमद संक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रुप्रेन रंज-रू. बस्बई

तारीख : 7−3-1986

नोहर 🛭

प्ररूप नार्षः, टी., प्र., एस.,------

असकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 269-म (1) के अभीन स्थान

श्रारत प्ररकार

कायां नय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज-1, बम्बई

बम्बई दिनाँक 4 मार्च 1986

निर्देश मं० ग्रर्थ-1/37-ईई/7357/85-86--ग्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी मंं यूनिट नं 204, जो, 2री मंजिल, भ्रमीत इंग्रेस्ट्रियल इंग्रेटेंट, 61. एस अप्तुष्य राष्ट्र, परेल, बम्बई-12 में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) भ्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिथिनियम 1961 की थारा 269 क, ख के भ्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यां में रजीस्ट्री हैं, तारीख 16-7-1985

को पूर्वोक्त सम्मित के जीकत नाबार मूम्ब से कम के संस्थान प्रतिफल के किए अन्तरित की गई बार मूझे वह निकास करने का आरण है कि स्थाप्योंकत सम्मित का जीवत नाबार मूम्ब, उसके क्रमान प्रतिफल से एंग्रे क्रमान प्रतिकल का प्रतिकल के प्रतिक्र से क्रमान प्रतिकल का प्रतिकल के प्रतिक्र से क्रमान प्रतिकल के प्रतिक्र के क्रमान प्रतिकल के क्रमान के किए स्थापित (जन्तरित्यों) के बीच एंग्रे क्रमारण के किए स्थापित प्रतिकल में जिल्लाम के क्रमान क्रमान के क्रमान के

- (फ) मन्तरण से हुए जिन्दी बाव का बावल, उस्स मिनियम में वधीन कुए दोने भी अन्तर्क से दायित्व में कमी करने था उससे अवने में सुविधा के लिए, औष्/या
- (भ) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिर्दा द्वारा प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था खियाने में सुविधा के जिए;

भतः वद उदत अधिनियम की भारा 269-म के बनुतरण मा, मी, उवत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा /1) (1) श्रमीत इंटरप्रायजेस।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री हिरजी नानजी सन्ना ग्रीर श्री कानजी वि० गाला।

(श्रन्तरिक्रीः)

को वह स्थान वारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के अधन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हन्स

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच थे 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी क्यक्तियाँ दक्ष सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-म्ह्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाह्यस्ताक्षरी के सस निवित में किए वा सकींगे।

स्पच्छीक,रण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त विभिन्तम् के सभ्याय 20-क में परिभाषित इ, वहीं सर्व होगा. वो उस सभ्याय में दिया दिवा नवा हैं की

धनुसूची

यूनिट नं० 204, जो, 2री मंजिल; श्रमीत इम्डस्ट्रियल इस्टेट, 61, एस०एस० राव रोड, परेल, बम्बई-12 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसाकी ऋ०सं० ग्रई-1/37-ईई/6913/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक .16-7-1985 को रजीस्ट**ड** किया गया है।

निसार श्रहमद्दी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बर्फ्स

तारीख : 4~3~1986

प्रसम्ब मार्चे ही, स्व. एस. -------

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के निधीन सुन्ता

भारत सहकार

कार्यासम, सहायक नायकर नायक (निर्माण)

भ्रर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निर्वेश नं० श्रई-1/37-ईई/7304/85-86~-श्रतः मुझे, निमार श्रहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० इ-4, जो, 5वीं मंजिन, न्यू णिव कुटीर, को-श्राँप० हाउसिंग सोसायटी लि०, विर सावरकर मार्ग, बम्बर्ड में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 को धारा 269 क,ख के श्रयीन बम्बर्ड स्थित तक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्टी है, तारीख 11-7-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के निए अंतरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्र्यमान प्रतिफल सं, ऐसं ध्र्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है ।——

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; बरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिमिनयम, या धन-कार जिमिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुनारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना काहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए;

बत्तः भवः उक्त विधिनियमः औ धारा 269-म को वनुसरम माँ, माँ, उक् जिधिनियम की धार 269-म की रमधारा है) को अधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अभित् :--- (1) डां० लालचन्द जे० गजारीया।

(भ्रन्त

(2) इंजिनियारीं ग एक्सपोर्टस् प्रमोशन काँन्सील । (यन्ति

को यह सुचना चारी कारके पूर्वीक्य सम्पत्ति के वर्णन के कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों द सुधना की तामील से 30 दिन की अविध, जो के सर्वीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वन) के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है के 45 दिन के भीतर उत्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्ध स्थावत द्वारा अथाहस्ताक्षरों के पास निस्ति में किए या सकोंगे ।

स्पर्धांकरण:---इसमें प्रयुक्त कर्का और पर्दों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं कर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिवा गया है!

भन्स्ची

फलट नं इ-4, जो, 5वीं मंजिल, न्यू शिव कुटीर को-ग्रांप हाउसिंग मोसायटी लि०, विर सावरकर मार्ग, बम्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी कर्पां श्रई-1/37-ईई/6862/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनाँक 11-7-1985 की रजीस्टर्ज किया गया है।

> निसार भ्रहमव सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 बम्बई

तारीख: 7~3~1986

बक्य बाह् .टी. एन .एक .------

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनोक 7 मार्च 1986

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/7301/85-86--यतः, मुझे, सार श्रहमद,

यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्के प्रधात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 69--च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का उरण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य .00,000/- रा. से अधिक है

त्रीर जिसकी संव पर्लंट नंव 13, जो, 2री मंजिल, राम शर्म इमारत, प्लाट नंव 45, सायन (पव), बम्बई-22 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूचा में और पूर्ण हम संविध्यत हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 के, खें के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रीधनार्दा के कार्यालय में र्रजिस्ट्री हैं, नारीख 11-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बह्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बम्बह प्रतिशत से अधिक हो जोर जन्तरक (अन्तरकों) और बन्दरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाबा गवा प्रतिफल, निम्निजिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित्त में वास्तिक रूप में कचित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण सं हुइं िक सी नाय की बाबल, उपल बाधिनयन के अधीन कार दोने के जन्तरक के बाधिस्य में कमी कारने या अससे बचने में मृतिपा के तिहा; बाँट/वा
- (ख) एसी किसी आय या फिसी धन पा अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 '1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा से निष्:

कतः वक, उकत अभिनियम की धारा 269-ए को अनुसरण को, भी, उकत अधिनियम की धारा 269-ए की खपधारा (1) ➡ कृभीत् भियतो लीसत अधिकथों, वर्षात् क्र— (1) श्री निहालचंद एष० घावला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रां किर्ति एच० दोशी और श्री सुर्यकांत एच० दोशी।

(भ्रन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में काई भी आक्षंप :---

- (क) इस स्थना के राजपण में प्रकाशन की तारी व के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधीहस्पाक्षरी के पास निचित में किये जा सकर्गी।

स्पट्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विशा गया हैं।

प्रनुपुत्रो

ण्लैंट नं 13, जो, 2री मंजिल, राम शरन इमारत ज्लाट नं 45, सायन (प०), बम्बई-22 में स्थित है। श्रनुसूची जैंसा कि ऋ० सं श्रई-1/37-ईई/6859/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजिस्टई किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-I, बस्बई

दिनांक: 7-3-1986

प्रकृत । प्राप्त । प्राप्

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निदेश मं० श्रर्ट-1/37-ईई/7300/85-86--यतः, मुझे. निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परेचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लैंट नं० 14. जो, 2री मंजिल; राम गरन इमारत. सायन (प०), वस्बई-22 में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूचा में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिियम, 1961 की धारा 269क ख के अधीन, वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तार्राश्व 11-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझी यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रष्ठ प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बान्तियिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कामी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भाररतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारः प्रकट नहीं किया गया था में किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के निद्

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-भ भ अमूधरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारार (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) श्री निहालचंद एघ० चायला।

(अन्तरक)

(2) श्रे: हाताचंद के० दोणं और श्रीकृमुदचंद ए**ष०** दोणाः।

(अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्ति
 व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हि तबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास विस्ति में किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची:

फ्लैंट नं. 14, जो, दूसरी मंजिल, राम शरत इमारत, प्लाट नं० 45, सायन (प०), त्रम्बई-22 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-1/37-ईई/6858/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को र्यानस्टई किया गया है।

निसार श्र**हमद** नक्षम प्राधिकारी सह।यक श्रायकर श्रायुक्त (नि**रीक्षण**) श्रर्जन रेंज**ा, बस्ब**ई

दिनांक: 7-3-1986

प्रकल कार्ष. टी एत. एस.

बार्यकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुवना

भारत तरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ्य्रजंन रेज-1, बस्बई बस्बई, दिनांक 7 मार्च 1986 निर्देश मं० ग्रई-1/37-ईई/7316/85-86--ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमदः,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात जिस्ते अधिनियम कहा गया हों), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उनित बाजार मूक 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० पलैट नं० 3, जो, 1ली मंजिल, संकेत प्रिमायसेम को-स्राप० मोमायटा, 84, भवानी णंकर रोड़, दादर, अस्बई—28 में स्थित है (और इससे उपाबद्द अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप सेवणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधान, वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्रा है, तारीख 12-7-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भून्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पवा प्रतिफल, निम्नीसिवित उद्वेष्य है उनत अन्तरण सिक्ति में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरम् ते हुई फिसी बाब की बावत, उपन अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने मा उससे अपने में स्विभा क लिए, और/या
- (प) एसे किसी बाय या किसी भन या कृत्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हां कोधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं दित्या गया था मिल्या जाना नाहिए था, छिपाने में गिलिया की सिए;

कतः वयः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-म को कन्सरक मा, मी, अवत अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों। अर्थात् :--- 1. श्री जे० ভী০ दुर्वे।

(भ्रन्तरकः)

2. श्रामतं। अस्ताबाई मा० जैन।

(मृन्तिंग्ता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हुं।

वक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तासील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर स्थिकता में से किसी स्थिकत द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध भिसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनें।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रय्यत शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय कि दिया गया हैं।

जन्सूची

प्लैंट नं० 5, जो, 1वीं मंजिल, संकेत प्रिमायसेम को-श्राप० मोसायटी, 84, भवानी गॉकर रोड़, दादर, बम्बई— 28 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि क० सं० श्रई $-1/37-\xi\xi/6873/85-86$ और जो सक्षम प्राधिकार्रा, बम्बई द्वारा दिशंक 12-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निपार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारः महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) प्रजेन रैंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-3-1986

प्रक्रम साहै . टी. एन एस . -----

बाधकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/87323/85-86--श्रतः भुष्ते, निसार श्रहमद,

बायकर जिभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गवा है), की भारा १69-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से बिधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट "सीं।" 2रा मंजिल, प्रतूर हाउस, 87-ए, डा० ऐनी बेसेंट रोड़, वरला, बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबद्व प्रनुसूच, में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालग में रजिस्ट्रा है, तारीख 12-7-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वाँक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुक्त, उसके रहयमान प्रतिफल ते ऐसे रहयमान प्रतिफल क्ष्म पन्ति प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा अतिफल निम्नितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा अतिफल निम्नितियों के स्थाप नहीं किया नमा है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अंतक के दारिस्च कें कभी करने या उससे बचने कें तृविभा के सिए; और/या
- (का) शभी किसी बाय या किसी पन या बन्स असी ताली का विमर्ख बारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1927 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के काए;

जतः जन, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 78—26 GI/86

- मंसर्स देवो ध्याल मेटल इन्डस्ट्रीण प्रा० लि०। (ग्रन्तरक)
- 2. मेसर्स प्रिमलाक्स (इंडिया) प्रा० लि०। (श्रन्तरिता)

कारे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की बनीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की बनीध, जो भी बनीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थान के सजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्थ किसी जन्म व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला के पे किए जा सकेंगे।

स्पर्वाकरण :---इसमें प्रयोक्त भव्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्यागया ही।

बन संची

प्लीट न० मं;, जो, 2रों मंजिल, श्रतूर हाउस, 87—ए डा० ऐनी बेसेंट रोड़, वरली, तस्बर्ध में स्थित है।

ग्रनुसूच। जैसा कि कि के सं ग्रई-2/37-ईई/6880/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 12-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार **श्रहमद** सक्षम श्राधिकारी पहायक श्रायकर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बस्**ब**ई

धिनांक: 7-3-1986

दुक्त बार्च ही युन युक .-----

हाब्कर व्यक्तियम, 1961 (1961 की 43) की भाडा 269-च (1) की मधीन त्याना

THE STATE

कार्याबंध, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 मार्चे 1986

निर्देश सं ० अई- 1/37-ईई/7328/85-86--अनः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 के अधीन संक्षत प्राधिकारी को, शह विश्टाए एउने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य

1.00,000/- रु. से अभिक हैं
और जिसकी संव फ्लैट नंव 402, जी, जिसीटा कुटी
प्लाट नंव 675, अनंत पाठील रोड़, सुरी वाडी, दादरर
बम्बई-28 में स्थित है (और इसमे उपाबढ़ अनुमूची।
में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनाम
आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन,
बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है
तारीख 15-7-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के इश्यमान प्रिम्फिल के लिए अन्सरित की गई है और मूम्से यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्स संप्रतित का उचित बाजार शृक्य, उसके दृष्यमान प्रतिकाल से, एसे दृष्यमान प्रतिकास का गम्ह प्रतिकात से अभिक है जौर अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय गया गया प्रतिकाल, निम्निशिखत उद्योगय से उद्या अंतरिया लिखित में वास्तु विकास से किया में किया गया है किया से किया में किया गया है किया से किया से किया में वास्तु विकास से किया में किया गया है किया से किया में किया गया है किया से कि

- (क) अल्पारण में हुन्दें किसी बाब की बाबत, अक्स बाध-निवास के बाधीन कर दोने के अल्पारक के दारियन में कामी करने या उससे बचने में सुविधर के लिए बार/बा
- (स) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नही विया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा वे शिवह:

अक्ष: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 259-क की उपधारा (1) के सधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. मेसर्स जी० खबचंदानी भासीसिएट।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मधुसदन मिल्ला ग्राँर श्रीमती मिरा मिला (ग्रन्तिरती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहिया करता हु।

नत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस सुवना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी के 45 दिन की बनिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की ताबी के 30 दिन की बन्धि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति इतारा;
- (क) इस स्वक के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पाल चिकित में किए चा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

ater d

पलैंद नं० 402, जो, जिसोदा कुटीर, ब्लाट सं० 675 मनत पाटिल रोड़, सुरी वाडी, बादर, बम्बई-28 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० ग्राई-2/37- ईई/6885 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनौक 15-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त \(निरीक्षण) श्रजन रोज-1, बम्बई

दिनौक: 7-3-1986

प्रकथ बाह् . टी. एव . एवं न ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 मार्च 1986

निदेश सं० ऋई- 1/37-ईई/7314/85-86-- अतः मुझे निमार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें इसमें (उन्हें महीनियम) मही निया हैं), की गारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह निरुवास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहे से अधिक हैं

श्रीर जिनको सं० फ्लैट नं० 401, जो, 4थी मंजिल, देव किपा इमारत, 140-145, नायगाँव स्कीम, जी०के० रोड़, बम्बई-14 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर श्रीधितियम, 1961 को धारा 269क, ख के श्रधीन, वश्यई थिया । अस प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिस्ट्री है,

का प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिपास के लिए जन्तिरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अस्ते का कारण है कि सभाप्योंका तम्प्रीति का उचित याचार पुन्त, उसके स्थमान प्रतिपत्त से ऐसे स्थमान प्रतिपत्त का राज्य गिरुवार से विश्व है और बंदरक (बंदरका) और बंदरिती (बंदिरितों) से बीच एसे अन्तरण से तिए तब शाबा गया प्रति-क्य रिक्निसिवार स्वयंक्त से उस्त बंदरन विश्वत से वास्त्रीयक स्थ से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) कन्छरण सं हुन्द्र भिन्नी भाष की बामच सन्तर सणि-निमम के अभीन कर दने के अंतरक के दायित्व में कामी करने या उसस बचन में स्थिका के लिए बीद/या
- हिंदी किसी बाप मा विश्वी वय वा सम्ब आरिएसें को, विज्वी आपतीय नावकार वीगीनवन, 1922 (1922 का 11) वा अवस् वीगीनवन, दा वन-कर वीगीनवन, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अक्टीरती स्वास प्रकट नहीं किसा नवा वा वा किसा बाना चाहिए ना, किमार वें नुविधा को निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् ६—

मेसर्स बोनी इंटरप्राईजस

(अन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मी बेन एल० माला

(ग्रन्तरिती)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के निस्र कार्यशाहिया शुरू करता हु: ।

उक्त संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बालोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पटिशोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

पर्लंट नं ० 401, जो, 4थी मंजिल, देव किया इमारत 140-145, नायगाँव स्कीम, गोविंदजी केणी रोड़, बम्बई-14 में स्थित है।

ं अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-1/37आईई/6871/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनी उ 12-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रह्मद मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,-1 बस्बई

दिनौंक: 7-3-1986

HOT HIN'S ALS STE SECTIONS

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) भी वर्षीय ग्रह्मपा

HIER GERM

कार्यालय, तहायक आयकार आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 3 मार्च 1986

निदेश सं ० ग्राई – 1/37 प्रईई/7441/85-86-- प्रतः सुझे, निसार श्रहमव,

आयकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उन्त वृधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-क के अभीन संस्कृत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार स्मार 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो, 1ली मंजिल, फ्संराम निवास, प्लाट नं० 234-ए, सायन (पूर्ष), बम्बई-22 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुस्ची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिनका करारनामा भ्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-7-1985

कां पूर्वोक्स सम्पत्ति के जीवत बाजार बृब्य से कम के क्यामान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरितों (अन्तरितयाँ) के बीच एसे बंतरण के सिए तय पाया नया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्देश्य से उचत वंतरण निवित्त में बास्तिबक रूप से कथिल नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त वीधनियन के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के चिए; स्ट्रीट/था
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय जायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या जन्म निधिनयम, या धनकर वृद्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ अन्यरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता चाहिए था कियाने में बृदिया में निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत्:— 1. श्री राधाकिशन एस० जयसिंबानी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री बी० सुन्दरेसन

(भ्रन्तरिती)

3. श्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना वारी कारने पृथानत सम्पत्ति ने वर्षन से विस् कार्यवाहियां करता हों।

बन्द बन्दित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई मी नामोप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख छै 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 विन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकी

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा वो उस अध्याय में विभा गथा हैं।

मम्स्यी

पलैट नं० 2, जो, 1ली मंजिल, पर्सराम निवास, प्लाट नं० 234-ए, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है। ग्रानुसूची जैसा कि क० मं० श्रई-1/37श्रईई,695 85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौं 25-7~1985 को रजिस्टई किया गया है।

> निमार श्रहमदः मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बस्बाई

दिनौक: 3-3-1986

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के सभीन स्थना भारत सरकार

कार्यांचय , तहायक मायकर बाव्यत (विद्वीक्रण) प्रजन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 3 मार्च 1986

निवेश सं० अई- 1, 37भईई, 7467, 85-86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त अधिनियम' कहा गया ह″), की भारा ु69-ख के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारम है कि स्थावर सम्मति, विसका उचित वाचार मृत्य

1,00,060/- फ. से **अधिक ह**ै ग्नीर जिसकी सठ० यूनिटनं० 334, जो, 3री मंजिल, शह एण्ड नाहर इण्डस्ट्रियन इस्टट, (ए-2), धनराज मिल्सत कम्पाउंड, सनमिल चन, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है (ग्रौर इसने उराबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूण रूप से वर्णित है), स्रौर जिपका करारनामा श्रायकर ऋधिनियम, 1961 को धारा 269 ह, ख के प्रयोग, वस्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 26-7-1985 को पर्वोक्त सम्परित को उचित बाधार मस्य से कम के स्थामान वितिफ[े]ल के लिए जन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार ्यस्य उसके दश्यमान प्रतिफाल रं. से दश्यमान प्रतिफाल का प्रनाह प्रतिशत से अधिक है और ्क (अन्तरका) और अन्त-रिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया परिफल निम्ननिकित उद्देश्य से उन्त बन्तरण लिखित में

शस्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्हरण सं हुन्दं किसी बाग की बाबत, उक्त निधित्तिक के बर्धान कर दोने के वंतरक के वाबित्न में कमी करने वा उक्कों वचने में बृहिन्धा अम् लिए, झौर या
- (क) एंसी किली बाब मा किसी धन मा अन्य वास्सिय! का, जिन्ही भारतीय अध्यक्तर सिंधनियम, 1922 (1922 का 11) मा उबस विधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अंतरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया ना या किया काना चाहिए चा, क्रिपाल में सुनिधा वे लिए:

এছ: এল, उक्त অधिनियस की भाग 269-ग के जनुसरण 🖈, 🗗, शक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ्रे बभीन , र्यनम्मसिचित स्यक्तिवा, वर्षात ४——

1. श्री खादीमल जुम्मा लालानी

(भ्रन्तरक)

2. श्री बिठ्ठल पोपटलास दरजी

(श्रन्तरिती)

को यह स्थाना पार्टी कारके पूर्वीक्ट सम्मरित को वर्षन की विद् कार्ववाहियां करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बालंप ह---

- (क) इस सूचमा के स्वयम में प्रकारन की तारीय है 4.5 दिन की नवींच वा तत्सम्बन्धी न्यांक्समां पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्विधि, सो भी व्यक्ति बाद में समान्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस श्वना में रावपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर धम्पृति में हितबबुध् किसी अन्य व्यक्ति हुवारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए का सकें ने।

त्यव्यक्तिरूकः :--इसमें प्रभुक्त कन्यों नींदु पद्यों का, को उक्क निधिनियम, के नध्याय 20-क में परिभाषित 🚛, बहुरी बर्च हारेश औं उस अध्यास भें दिका वया है।

अनुसूची

युनिट नं० 334, जो, 3री मंजिल, शहा एण्ड नहार इंडस्ट्रियल इस्टट, (ए-2), धनराज मिल्म कम्पाउन्ड, सनमिल लेन, लोग्नर परेल, बम्बई-13 में स्थित है।

भ्रन्मुकी जैसा कि ऋ० सं०ग्नई-1,37-ईई,7021, 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 26-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निगार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रंज-1, बम्बई

दिनाँक 3-3-1986 भोहर 🥲

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर बायुक्त (विशेषक)

श्रर्जन रेंज⊸1, बम्**बर्द**

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश मं० प्रई-1/37-ईई $/7424/85-86\rightarrow$ -प्रत: मुझे, निमार ग्रहमद,

णायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसका फ्लैंट न ० 11, जो, से ग्लोम्पस, 69, पंति के छत्ने पार्ग, बरलो, बस्वई-18 में भ्यत है (और और जिसका के पराामा अ कि प्रतिया, 1961 की धाट्टा 269व, ख के घड़ीत, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में एजिस्ट्रीं है, तारीख 25-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके छ्रयमान प्रतिकल से, ऐसे द्रयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) उन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व भें कमी करने या उससे अचने में सुविभा के सिए; और/या
- (वं) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के सिए;

स्ति जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अस्मिन, निम्नसिकित व्यक्तिकों अर्थात क्— 1. दो धतल धरण कसबेकर।

(मन्तरक)

 श्रीमती भाषना महेन्द्र दोशी ऑर श्री योगेण वसंतराय दोशी।

(ब्रन्तरितं∶)∞

3. अन रक।

(बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्यत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्भाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्भाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यान्त हाता;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं का 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किया जन्म जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पप्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ आ:, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सची

नैट नं ा।, जो, सी स्लिम्स ,69 पी० ० म्रते मार्ग, वरली, ब वर्ष-18 में स्थित है।

श्रनुपूर्वा जैसाज कि कि० सं० ई $\sim 13^{\circ}7 - \xi\xi/6 \cdot 78_{\text{N}}$ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारो, बस्ब ξ द्वारा दिनां $\sim 2 \sim 7 - 1986$ को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारो महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, न**र्द** दिल्ली

दिनांक : 3-3-1986 मोहर : प्ररूप आहू. टी. एन. एस. -----

मसर्म पूरत इन्बेस्टमेंट कार्पेरिशत।

(न्तरक)

2. मसर्स मैटिया इडिया।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) फ्रजैन रेंज-1, बम्बई

बम्बर्ध, दिनांक 3 मार्च 1986

निर्देण सं० श्रई-1/37--ईई/7373/85--86---श्रतः मुझ निसार श्रहभद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० औद्योगिक यूनिट सं० 524, जो, 5वीं मंजि ल, भारत इंडस्ट्रियल इस्टेट, टी० जे रोड़, सिक्रीं, बस्बद्ध-15 में स्थित है (और इससे उपाबड़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसता करारतामा श्राध- कर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन बस्बद्ध स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिन्द्रीं, तारीख 18-7-1985

को प्रवेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्थ, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का गंग्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया गतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—-इनामे प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

औद्योगिक यूनिट नं० 524, जो, 5वीं मंजिल, भारत इंडस्ट्रियल इस्टेट, टो० जे० रोड़, सिचरो, गम्बर्ड-15 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क० सं० अई-1/37 ईई/6931 85-86 अंश्र जो सक्षय प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनांक 1.8-7-1985 को विश्वई विका गया है।

> निसार श्रह्मद गक्षम प्राधिकारी सहाबक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) 'पर्जन रोज-1, बम्बद्

दिनांक: 3-3-1986

परूप बार्ड .टी.एन.एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बचीन सूचक

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रें*ज*⊸1, बम्ब**ई**

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1936

निर्देश सं० श्र $\xi - 1/37 - \xi \xi / 7426/35 \cdot 86 - - श्रत: मुझे. निसार श्रहगद,$

मासकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधातः 'उन्नत अधिनियस' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्ष्य प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका रानित साजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसका पं क पर्नेट रं के 2, जो, तल माला, इमारत उद्यान दर्शन, मब डिवायडेड प्लाट बीक, एफ पी कं 911, टीक पं एप 4, माहीम, स्थानो रोड, प्रभादेनी वस्वई-23 में स्थित है (और इससे उपायद प्रमुद्धनी में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयक्षर प्रधित्यम, 1961 की धारा 269क ख के प्रधीन, बमाई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय रिजर्टी र, तारीख 25-7-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उिषत वाजार मृत्य से कम के दश्यमाल प्रिफल के जिए अंतरित की गई है और म्भो यह विश्वास करने का कारण है कि यभापवांक्त सम्पत्ति का उिषत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ए'से दश्यमान प्रतिफल का पन्सू प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्थ (अन्तरकों) और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरक (अन्तरकों) को निए तक प्रतिकत प्रतिकत, निम्निचित्त उद्दोश्य से उक्त अन्तरण के निए तक प्रतिकत में वास्तविक रूप से कथित नहीं कथा गया है है

- (क) अन्तरण वे हुई किती बाब की बाबत, उनत जिल्लाम के जभीन कर वेने के जन्तरक के दानित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- ्रीच) एसी किसी आय या किसी धन या बन्ध वास्तियों के जिन्हों भारतीय आयान्तर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियस, का धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निक्;

आवा थाव, उपल ऑपनियम की भारा 269-म को अनुसरम यों, भी उपर ऑपनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) क अभीन निम्सिसित, स्योक्तियों, संबंदि :--- 1. भे० फेरानी डेन्हलोर्स

(গ্ৰহাণ্যা)

2. श्री र्श्वाराम मोरेक्बर भडकमकर और श्रीमतो उषा श्रीराम भडकमकर।

(भ्रन्तरितो)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवार
- (ब) इस सूचन, के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 किं। के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्वब्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविद हैं वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है।

वपुष्यी

पर्लैट तं० 2, जो, तल माला, हमारत---उद्यान दर्शन, सब डिचायडेड प्लॉट बी०, एफ० पो० तं० 911, टो० पी० एम० 4, माहीम सरानी रोड़,प्रभावेबी, बम्बई--28 में स्थित है।

श्रन्भूची जैसा कि ऋ० सं० आई-1/37-ईई/6980/ 85-96 और जो सक्षम प्रधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 25-7-1985 को रिजस्टिं दिया गया है।

> निसार श्रह्मदः सक्षम प्राधिकारी सहायकः श्रायकः श्रायकत (तिरीक्षण) श्रजेन रेज--1, बस्बई

दिनांक: 3-3 1986

शस्य बाह् .दी ,युव , एक , जनन-प्रजन्म----

नावकर निधीनवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासन, सहायक जायकर जायुक्त ([नरीकक)

ध्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/7107/85-86---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

मायकर मिमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिमिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269--च के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थायर सम्बन्धि, जिसका उचित बाधार मृज्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी मं० यूनिट नं० 213, ,जो चंपकलाल उद्योग, भवन यूनिट होल्डसँ को०-द्याप० सोसारटी लि०, 105, सायन कोलीवाडा रोड़, बस्दर्ध-22 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रशी।, बस्त्रई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1--7-1985

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रौतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बुस्ब, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एमे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात में जिथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के सिए तब पापा गया प्रतिफल, निम्नलिजित उद्देष्य में उसते अन्तरण निम्नलिज में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया प्या है ह—

- (क) जन्तरक में हुड़ी किसी बाय भी वाबत, अवस जीवित्यम के जभीन कर बोने के जन्तरक में वाक्तिय में अभी करने या उससे क्याने में सुविधा जे निस्ह भीट/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन क अन्य क जिल्ला का जिन्ही भारतीय आयक र जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क अधोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा है निष्

अतः अबः. उक्त अधिनियम की भारा 269-च के, अनुसरण में. यें. उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीतः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः ॥——
19—26 GI/86

1. श्रीमती सुनीता राम पुनधानी (संजय सेल्स एण्ड सर्विस)

(ग्रन्तरक)

 श्री ग्रशोक जी० पारेख (श्रशोक पोलीमसं इण्ड-स्ट्रीज)।

(भ्रन्तरिती)

3. घन्तरितियों

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रन्तरितियों।

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में <mark>घघो</mark>= हस्ताक्षरी जानता है कि **वह** सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को बहु बुधना चारी करके पूर्वोक्त तम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

अक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्रेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की रारीण के 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की रामील से 30 दिन की अवधि, को भी बनीथ बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी सन्य व्यक्ति बुवारा अभोहस्ताक्षरी के पाव सिस्थित में किए जा सकरें।

धनसूची

यूनिट नं 213, जो, चंपकलाल उद्योग भवन यूनिट होल्डर्स को-प्राप सोसायटी लिं , 105, सायन कोलीचाडा रोड़, बम्बई-22 में स्थित है।

ध्रनुसूची जैसा कि कि सं० ध्रई-1/37-ईई/6672/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा विनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण श्रजेन रेंज-1, बस्वर्ष

दिनांक: 3-3-1986

मोहर

प्रकृप आई.टी.एन.एस. -----

म्मथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाडा भारा 260-व (१) में अभीत सबगा

STEEL STREET

कार्याक्य, तहायक व्यायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंथ-1, बम्बर्ध बम्बर्**ड, दिनां**क 3 मार्च 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/7114/85-86--श्रतः मुझे निसार श्रहमद,

नाधकर निधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा अया हैं), की भारा 269-स के अधीन सहार प्राणिकारी को उह निश्नाद कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाबार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 306, जो, 3री मंजिल, प्रिषि-बंदन को-भाप० हार्जीमा मोक्षायटी लि०, एन० एम० जोशी मार्ग, बम्बई-13 में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है), श्रौर जिसका फरारनाम भायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के भ्राठीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-7~1985

को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नक्ष है और मूक्षे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे जन्तरण के जिए वय बाबा गया प्रतिफच, निस्तिजिक उच्चेष्ट मे अच्छ बानारण कि कि से वस्तरिक कप से कि कहीं किया गया है है

- (क) जन्तरण से हुई किसी नाय की शासत, उक्त शीर्वानश्य से संघीत कर दोने की साल्याका औ वासित्व से कानी आपने से उक्क असने से शिविका के सिक्; स्वीप/वा
- (वा). एती किन्दी अध्य था किन्दी धन या अन्य आस्तिका की, जिन्दू भारतीय साथ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उच्छ अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किन्या मका का ठा किन्दा कामा काहिए था, कियाने के प्रतिराह के सिक्स मका का ठा किन्दा कामा काहिए था, कियाने के प्रतिराह के निवाद;

गतः वच. उचत अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपघारा (1) कंअभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—— 1. डा० एस० बी० कसर्डे

(अन्तरक)

2. श्री रघुनाथ राघोबा शिगटे।

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

वार्ष बृचना कारी कारके पूर्वोचन संपत्ति के अर्थन के विनय कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उन्तर संगीतर के नर्गन के संबंध में कोई भी वाक्षेप '---

- (क) इंत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीथ के 45 दिन की बर्बीय था तत्संबंधी व्यक्तियों पर कूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, को भी बर्बीय दाद में बमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किसित में किए वा सकति।

स्थव्योकरण:--- इतमें प्रयुक्त कव्यों और वर्षों का, यो उपके अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, कही वर्ष होया जो उस अध्याय में दिशा गथा है।

भ्रनुसूची

फ्लैट नं बी-306, जो, 3री मंजिल, प्रिथिवंदन को-आप हाउसिंग सोसायटी लि०, एन० एम० जोशी मार्ग, बम्बई-13 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई~1/37~ईई/6679/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निक्षार श्रहमद⁴ सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-1, **बम्बई**

दिनांक: 3-3-19:6

प्रकर बार्ष , हो. पुर. पुर. ,-----

भायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-च (1) के संधीन सूचना

साहत बहुकाड

फार्मातन, सहायक नायकर वानुवर (निडीकन)

धर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनाँक 3 मार्च 1986

निर्वेश सं० ऋई-1/37-ईई/7439/85-86---ऋतः मुझे, निसार भ्रहमद,

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्ते पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 605, जो, 65ी मंजिल, इमारत नं० बी-4, पूनम पार्क, प्लाट नं० 6, सी० एस० नं० 7/50, लालबाग इंडस्ट्रियल इस्टेट, लालबाग, बम्बई-12 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 25-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विदेखों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क जन्मरण में, ः,, उक्त अधिनियम की धारा 209-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नुर्शात् ध--- 1. मै० पूनम बिल्डर्स प्रा० लि०।

(ग्रन्तरक)

2. श्री पुकराज एन० परमार

3 अन्तरक

(भन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सूचना जारी करकों पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को सिए कार्यवाहियां शरू करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबत्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो जस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लैट नं० 605, जो, 6ठी मंजिल, इमारत नं०/ पूनम पार्क, प्लाट नं० 6, सी० एन० नं० 7/50, लालबाग इंडस्ट्रियल इस्टेट, लालबाग, बम्बई- 12 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० भई- 1/37-ईई/6993/85- 86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 25- 7- 1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार हमद मक्षम प्राधि कारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंजे-1, बस्बई

दिनांक: 3-3-1986

मोहर

मुक्त बाही. दी. एर. एस्. ----

बायकर बाधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

बारक सरकाह

कार्यानव, सञ्चयक बावकर नायुक्त (जि.सीक्षक) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

बम्बई, दिनौंक 3 मार्च 1986

निर्देश सं० आई- 1,37-ईई,7471,85-86--- अत: मुसे हैं निसार श्रहमव,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विचे इसमें इसके परचास् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की वारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० माला नं० 409, जो, प्रभादेवी युनिक इंडस्ट्रियल प्रिमायसिस को-प्राप० सोसायटी, ग्राफ वीर सायरकर रोड, प्रभादेवी, बम्बई-25 में स्थित है (मौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधिनियम, 1961 की घारा 269क, ख के ग्रीधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 26-7~1985

कां पूर्वों बत संपति के उचित बाधार मूल्य से कम के क्रयमान्
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास
करन का कारण है कि यथा पूर्वों क्त सम्पत्ति का
अचित बाजार मूल्य, उसके बच्यमान प्रतिफल से,
इते बच्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिचत से अधिक
है और बंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच
अंतरक के सिष् तय पाया गया प्रतिफल निक्निलित उद्देश्य
से उन्तर अंबरक सिबित में नास्विक रूप से किमत नहीं किया
गया है:——

- (क) बल्डाय वे हुइ किसी नाम की नाम्यु, उत्तर वीयानिया के नयीन कर दोने की नंतरक के नायित्व में कभी अपने वा बब्दों बचने में न्यूया के लिए; बीर/मा
- (व) ब्रेसी किसी आव वा किसी भव वा श्रम्य जास्तिका का, विन्हें भारतीय वायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्ता अधिविवय, वा भन-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविश्रा की जिहा;

बतः वय, उसत विधिनियम की भारा 269-न में अनुसरस में, जैं, उसत विधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) में स्थीप, निज्नितिक्त व्यक्तियमों, अर्थाद प्र— 1. श्री लीला किशन चेल्लानी

(भ्रन्तरक)

2. श्रीवी० एस० जाभव और श्रीमती एम० एस० जाघव।

(भन्तरिती

कार्र वह स्थाना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के क्रिए कार्यवाहियां करता हुं।

अन्तर सम्मतित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई वी वासंद :---

- (क) इस सूचना के प्रवेषत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिभ या तत्त्वं मंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविभ, वो भी जनिभ नाय में समाप्त होती हो, के मीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवायः;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी मन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा धर्कों ने।

स्माक्षीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियन के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, जहीं कर्ष होगा जो उस अभ्याय में दिया गया हैं।

अनस्चा

माला नं० 409, जो, प्रभावेवी यूनिक इंडस्ट्रियल प्रमायसिस को-प्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, श्राफ बीर सावरकर रोड, प्रभावेवी, बम्बई-25 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क० सं० ष्रई-1, 37~ईई,7025/85-86 थ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा विनाँक 26~7~1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निनार ग्रहमः सक्षम प्राधिकारं सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण ग्रर्जन रेंज-1, बम्ब

निौक 1~398 6 मोहर: प्ररूप आर्द्दे.टी.एन.एस.'-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज- 1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 3 मार्च 1986

निर्वेश सं० अर्ध-1,37-ईई,7264,85-86--अतः मुझे, निसार अहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

1,00,000/- रु. से अभिक है भ्रौर जिसकी सं० ब्लाक नं० 8-ए, 5, जो, न्यू सायन को-आप ० हउसिंग सोसायटी लि०, एम० आय० ई० एस० कालेज के सामने, सायन (५०), बम्बई-22 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, खा के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रिजस्ट्रों है, तारीख 9-7-1985 को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिषिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उचत अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् —

- 1. श्रीमती वेलाबेन मूलजी श्रौर कुमारी मंजुला मूलजी। (श्रन्तरक)
- 2. श्री प्रेम टिकमदास छटपार भ्रौर श्रो भ्राणोक टिकम-दास छटपार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्धारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि। नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, दहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अम्सूची

ब्लाक नं 8-ए। 5, जो, न्यूं सायन को-म्राप० हार्जीसग सोमायटी लि०, एस० भ्राय० ई० एस० कालेज के साममे, सायन (प०), बम्बई~22 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैंसा कि ऋ० सं० ग्रई-1/37—ईई/68.26, 85→86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनौंक 9-7-1985 की रजिस्टई किया गया है।

निनार ग्रहमध सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर ग्रा**युक्त (निरीक्षण) **ग्रर्ज**न रेंज-1, बम्बई

दिनाँक: 3-3-1986

प्ररूप बार्द . टी. एन्. एव . ----

বাৰক্ত অপিনিয়স, 1961 (1961 **আ 43) আ** দায় 269-ব (1) **से समीन स्प**र्श

भारत सरकार

कार्याजय, सङ्ग्रमक आरूपर बाब्यस शिवरीक्यो

ार्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निदेग सं० ग्रई- 1/37- ईई/7427/85-86--- प्रतः मुझे, निसार प्रहमद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० पलेंट नं० 4, जो, तल माला, इमारत उद्यान वर्शन, सब पाट बींक, एफ० पीं० नं० 911, टीं० पीं० एस० ---4, माहीम, न्यानी रोड़, प्रजादेवी, बम्बई--28 में रिन्ता है (और इसी क्राजह जनुभूनी में और पूर्ण रूप ने विणित है), और जिसका कर। रतामा आयकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के धार्याकर में किस्टी है, तारीख 25--7--1985 को पृथीबल तम्पत्ति के उपति बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के किए क्राज्व का पूर्ण का जीवत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के किए क्राज्व का पूर्ण का जीवत बाजार मूल्य सक्षम प्राधिकार के किए क्राण्य का कारण और कि यभापूर्णीक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य सक्ष क्राज्व के प्रथान प्रतिकत से पूर्ण का कारण और कि यभापूर्णीक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य प्रस्ति के बीचक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिकी (अंतरितिवा) के भीच एसे अंतरण के तिए तब पाया गया प्रीक्त फल, निम्नीलिखत उद्वरेग से उक्त अन्तरण लिखित में बारितिवा का के बीचक वहाँ किया प्रसाद का कारण लिखित में बारितिवा का के बीचक वहाँ का प्रसाद का कारण लिखित में बारितिवा का की कारण का बीचक वहाँ का प्रतिकत का कारण लिखित में बारितिवा का की कारण वहाँ किया प्रसाद का कारण लिखित में बारितिवा का की कारण वहाँ किया प्रसाद का कारण लिखित में बारणीका की कारणीका की कारणीका की कारणीका की कारणीका का कारणीका का कारणीका की कारणीका का

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के छाँ थरन यें कनी कहने वा उन्नते वसने यें सुविधा के विष्यु की श्र/वा
- (स) इंधी किसी आय या किसी थन या अन्य अस्तिकां को, जिन्हें नारतीय जायकर निर्धानयन, 1922 (1922 कि)। या उपल निर्धानयम, या अन्नकार निर्धानयम, 1957 (1957 का 27) अं प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया यवा था या किया जाना शोहिए था, कियाने में क्षिया थे विद्य;

बतः सब, उक्त सिंधितयमं की धारा 269-ग के अनुसरण कें, कें, उक्त सिंधितयमं की वारा 269-म की उपधारा (1) हे कक्षम निम्मितिस्थ ज्यामनका अंशिक्ष— 1. मेसर्स फेरानी डेबल५र्स

(धन्दरका)

2. ए० टी० सी० (क्लोनिंग एण्ड शिक्षण प्रा० लि०)। श्रन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके पृथींक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में त्रकावन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्वम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविचित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के त्राजपन में प्रकाशन की ारोस क 45 दिन के और एक्स स्थायर सम्प्रीत में हित्यक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्याबिक्षिक्ष - इस्तो प्रवृक्त शब्दों और पर्वो का. अ अरु अधिनिक्षा, के बच्चाव 20-क में परिभाविक्ष हैं, बहुी बच्चें होता सो उस बच्छाए थें दिशा समा हैं।

वम्सूची

फ्लैंट नं० 4, जो, तल भाला, इमाहा उद्यान दर्णन, सब डियायडेंड प्लाट नं० बी०, एफ० पी० नं० 911, टी०पी० एस० 4, माहीम, संयानी रोड़, प्रशादेशी, यम्प्रई--28 में स्थित हैं।

धनुमूची जैसा कि कि सं प्रई-1/37-ईई/6981/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> निसार प्रत्मः सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) प्रजीन रोज-1, बम्बई

विनांक: 3--3--1986

प्रस्य **नाइं**, टी. एन. एस. ॰॰----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्थालयः, सहायक जायकर आयुक्क (निरीक्षण)

शर्जन रेंज⊶1, वम्बई बम्बई, दिनांक 3 मार्च 1986

निवेण सं० श्रई-1/37-ईई/7470/85-86---श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

जायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रह. से अधिक है

और निसकी सं० फ्लैंट न० 11, जो, 2री मंजिल, इमाल क्यू०" एपाडर्ड को-प्राप० ड्राउरिंग मोसायटी लि०, स्कीम 2, इस्टर्न एक्सप्रेस, हायवे, सायत, बम्बई-22 में रिया है (और इसमे प्रपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण क्य ने व्यक्ति है), और जिसका करारनामा श्रायकर राधिनियम, 1961 को धारा 269क, ख़ के श्रधीन, बम्बई स्थित स म प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 26-7-1985

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के करमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मृझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से एसे दृश्यभान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उन्त अन्तरण कि बिस्त में बास्सिक रूप से किथत नहीं किया गया है .—

- (क) अन्तरण संबुध किसी बाय की बानत, उचत नियम के बभीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी वाय या किसी धन या जन्य बास्तिकों की जिन्हों भारतीय आयकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जत: कव, उक्त अभिनियम की भारा 269-म को बनुसरण , मैं, उपत अभिनियम की भारा 269-म की अपभारत (1) है अभीन, निम्निसिवात अभिन्यों, अर्जात् ह—

श्रीमती देवकी महादेव परवानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री सिवा बामणनाच पाटकर।

(भ्रन्तरिती)

को सहस्यना धारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीस से 30 दिन की श्रविध , को भी श्रविध थाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 4.5 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती अन्य स्यक्ति इनारा कथे हस्ताक्षरी के पाझ मिलिस में किए जा सकेंगे।

स्वक्षीकरण:---क्समों प्रयक्तां जल्दों और पटों का, जो उक्स जीधनियम, ले जध्याय 20-क में परिभाषिक हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वचा है।

नवस्त्री

फ्लैट नं० 11, जो, 2री मंजिल, इमारत "क्यू", एक्टर्ड को-धाप० हाउसिंग सोसायटी लि०, स्कीम 2, स्टिनं एक्सप्रेस हायवे, सायन, बम्बई--22 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० मं० श्रई- $\cdot 1/37$ -ईई/7024/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 26-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार शहमद सक्षम प्राधिकारो साथल आयलर शायुक्त (निरीक्षण) शर्जंग रेंज⊶1, वस्बई

दिलांक: 3-3-1986

प्रकर बार्च हो पन् पन् ।

भावकार जो भौतिनम्, 1961 (1961 का 43) की गारा 269-वु (1) के मधीन क्ष्मा

मारक प्रदर्भाड

कार्यासय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षक)

ध्रर्जन रेंज-1, **बम्बई** बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/7331/85-86---- प्रतः मुक्षे, निसार श्रहमद,

शायकार निर्मानयम्, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसमें इस

और जिसको सं० दुकान नं० 2ए, जो कल्पक इस्टेट, (नियोजित प्रोजेक्ट), सी० एस० नं० 85, मोख मिश्री रोड़, चडाला, बम्बई-37 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध प्रनुभूचो में और पूर्ण रूप से चिंगत हैं), और जिसका करारतामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 260क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 15-7-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम बे कम क्यमाम ग्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने कारण ही यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके छ्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिदात्त से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेश्य से उसत अंतरण सिस्तित में गस्तिक रूप में किया नहीं किया गया है:—

- (को अभाषण के हुन्हों विश्वारी भाष की बायक, उपय नीपीनश्च के अपरित कार गाँन के अम्बारक के बाधिरक मी कामी कारमें या उसके अपने मी सुविधा से (सहर) और/भा
- (भ) ए'ती किसी जाव या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाव-केर विभिन्यम, 1922 र्1922 का 11) वा उच्त विभिन्यम, वा वन-कर अविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए:

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मै० कल्पक डेबलपभेंट कारपे(रेशन।

(ग्रन्तरक)

2. श्री सुशील कुमार बगाडिया

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुई ॥

उनत सम्बन्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यपत्र में प्रकादन की हारीच वें 45 दिन की जनिभ या तत्संत्री व्यक्तिमां पर मूचना की तामीस से 30 दिन की जनिभ, को भी जनिभ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तबस्थ किसी बन्ध व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड किचित में किए था सकींचे।

स्थव्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा औं उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्या

दुकान नं० 2-ए, जो, करूपक इस्टेट, (नियोजित प्रो-जेक्ट), सी० एस० नं० 85, और 93, शेख मिश्रो रोड़, बडाला, बम्बई-37 में स्थित है।

धनुभूची जैमा कि ऋ० मं० भई-1/37—ईई/6388/85–86 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 15–7–1985 को रजिस्टई किया गया है।

िसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी) सहायक श्रायकर 'तयुक्त (िरीक्षण') श्रजैन रेंज-1, बस्बर्ध

दिनांक: 7-3-1986

प्रारूप आर्डी.टी.एन.एएस. 🗸

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन र्जेज-1, बमाई ्डम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

िदेश मं श्र**ई** · 1/37--ईई 7 30/85--86---श्रत: मझे. िसार शहाद,

नामकर वीपनिक्य, 1961 (1961 का 43) दिवर्ष द्वार्थ इक्क परवात् 'बनत विश्वविदय' वहा यया ही, की शक 269-य के नवीन समाव प्रशीपकारी को यह विश्वाद करने कर कारण है कि स्थाप्र इंपरितृ, विचन्ना विपेत वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिस े सं पर्ले नं ० 401, जो, 4थी मंजिल, मारहार मेत्मन पारसी कालोनी, दादर, बम्बई-1' में स्थित है (अंर इसे प्रपाद अनुमूची में ओ: पूर्ण रूप से वर्णित है), औ जिसका करारनामा श्रायकर प्रविक्तिम, 1961 की धारा ::60क ख के प्रधीन, स्वर्द्ध स्थित सक्षम प्राधि-ारा के कार्यालय में रजिस्ट है, ारीख 5--7--1985

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मध्य से कम के क्रयनाह विकास में लिए क्यादिश की नहीं ही बीड मुझे यह विकास कारने का कारण है कि वधन्योंका चंपरित का जीपत कामार मन्त्र, इक्ष्में कारभाग प्रक्रिका है, एंडे कारभाग प्रक्रिका का क्लाह प्रतिकत से मिथ्य हो बीर सम्बद्ध (मंडएकों) मीर संतरिकी (बन्दरिक्यों) से सैन एवे नन्तरण के किए वर शवा नक प्रति-क्रम विकासिक क्रमुक्त से उत्तर मन्तरण मिनित में बाला-निक कर वे कथिय नहीं किया गया है उ---

- चित्र विकास की वास्त्र की वास्त्र , अवक वीधनियम के वधीय कर दोने की वन्तरक की धारित्य में अभी करने या अवने क्याने में वृषिता के विष्: बीर/या
- (क) एको किसी नागया किसी धनया मध्य वास्तियों खो, चिन्ही जारतीय जाव-कर विधिययम, 1922 (1922 का 11) वा उन्नेत विधिनयम, यर पंतकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) चे प्रयोजनार्थवस्तरिती वृत्ताराप्रकट गृहीं किया नदा भाषा किया बाना बाह्यिए वा क्रियाने में प्रिया वे खिए।

बे अधीम भिम्मलियित व्यक्तियों वर्षात हु---

जितः क्षत्रं, वक्तं विधिन्तिक की पारा 269-म के, बन्तरण क्रा, भी, उक्त विभिन्निम की भाव 269-थ की उपभाग (1) 1. मेनसं सूपर इंजीनियसं

(ध क्रक्क)

2. श्री एक है । अंदलेसारिया और श्रीमती शेरन म एफ० अंकलसारिया।

(अन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के शिष् कार्यवाहियां शुरू करता हो ।

उक्क सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धार्रोप :---

- (त) इस सचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपनाकी तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बकुभ किसी व्यक्ति द्वारा, अओहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्प**ट्टीकरण**:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फ्लैंट नं० 401, जो, 4धी मंजिल, प्लाट नं० 623, दादर मांट्रंगा इस्टेन्ट, मरकर मैन्शन, पारसो कालोनी, दादर, बम्बई-14 में स्थित है।

श्रनस्चीं जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/6887/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-7-1985 को रजिस्टर्ड दिया गया है।

> निसार शहमध सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) प्रजीन रेज-1, बम्बई

दिनांक: 7--3-1986

मोहर:

80-26 GI/86

मुख्य बाहु त दर्शन सुन्ता सुन्ता कार्यान

नामकार वृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) जे वंभीन सुज्ञा

TIME STATE

कार्याजय, बहायक बायकर बायुक्त (विद्वक्षिक)

श्चर्णन रेंज⊸1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निवेश सं० श्र**६**-1/37—ई**६**/7260/85-86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ राज से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 9, जो, सोनावाला श्रापार्टमेंट 13/15 श्ररज स्ट्रीट, बाप्टी रोड़, बम्बई-400009 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 9-7-1985

को प्रोंक्त सम्बंति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अदिकास के सिए अन्तरित की गई है कि मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित शकार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण में जिए। उच गया गया प्रतिकास, निम्नसिवित उच्चेष्य से उच्च अन्तरण सिवित में वास्तविक कन से क्रियन नहीं किया बना है 2—

- (क) बन्तरण वं हुई किसी बाव की शबस्त, उक्त विधियव के अधीन कर दोने के बन्तरक के दामित्व के कमी करने वा उससे वजने के बुविधा के बिद्; बोट्/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त विभिनियम, या अन्-कर विभिनियम, या अन्-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दिती ब्वारा प्रकट नहीं किया जवा था वा किया जाना था, जिनाने में स्विचा के विष्;

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों₁ः अर्थात ६—— 1. मैं० जोगानी बिल्डर्स ।

(भ्रान्सरक)

2. श्री जलालूदीन सद्दीन लाखानी।

(भ्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के कि कार्यवाहियां क<u>रता हुई</u>।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप ८---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीय है 45 विन की सर्वीध या तत्सं कंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पात विविक्त में किए या सकेंगे।

स्वच्यीकरणः इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्स वृधिनियम्, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं वृधे होगा को उस वृध्याय में दिया क्या हूँ॥

नगसची

बुकान नं० 9, जो, सोनावाला, श्रपार्ट मेंट्स, 13/15, श्रप्त स्ट्रीट, बाप्टी रोड़, बम्बई-8 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि कि ग्रंह 1/37-ईई/7822/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज-1, बाक्क्स

दिनांक: 7-3-1986

क्ष्म आहें हु दो_ल पुत्र हुन्द्र _{स्वर}्चन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के ब्रोन बुच्चा

STEEL SECTION

कार्यालय सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37—ईई/7442/85-86—ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके प्रकात (उक्त मिथिनियम कहा नया है), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उज्जित बाजार मृत्व 1,00,000/- रु. से मुधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लैंट नं० 1002, जो, 10वीं मंजिल, अब्बुल हुसैन पोटिया अपार्टमेंट, 292, बेलासिस रोड़, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मैं रिजस्ट्री है, तारीख 25-7-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उणित नावार मूल्य से कम के दश्यकान तिफल के सिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उणित नावार क्या, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बिह प्रतिस्ति से अधिक है और संतरक (अंतरकों) और संवरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण को स्थि एस पाथा पदा गितफल, निम्नुनिस्ति अदुर्धेस से उपत सन्तर्ज जिल्ला में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हम्म

- (थ) बन्तर्भ ने हुई किसी बाद की बादर_ा व कर करि-दिवय के अभीत कर देने के अन्तरक की वादित्य में करी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; बरि/बा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी भग वा बन्स जास्तियों को जिन्हों भारतीय भागकर जिन्हों भारतीय भागकर जिन्हों भारतीय भागकर जिन्हों भारतीय भागकर जिन्हों नियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया बाग था या किया बाग खाहिए था, स्थितने में सुविधा के स्विद्

सत:, जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के बन्दरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वे वधीन, निम्नकिटिय व्यक्तियों, नविर में— 1 श्रीमती जरीना यूसुफ ग्रत्तरवाला।

(भ्रन्तरक)

2. श्री गेख सुल्तान ग्रख्तार दाउद हुसैन

(अन्तरिती)

3. मेसर्स स्टर्लिंग इन्टरप्राईजेस ।

(वह व्यक्ति, जिसके क्रिधिमोग में सम्पत्ति है)

4. मेर्स स्टलिंग इन्टरप्राईजेस।

(वह व्यक्ति, जिसके **बारे में ग्रधी-**हास्तक्षरी जानता **है कि वह** सम्पत्ति में हितबद्ध **है**)

को नह सूचना वारी कारके पृथींकत संपति से अर्थन के जिल्ला कार्यग्रहियां युक्त करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के ग्रावपण में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी वृतिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त का जिल्हा में से किसी व्यक्ति इवाह;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीब के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-विष किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वाल सिहिवत में किए वा सवींगें।

स्वक्यीक इन :---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, वो उनके विभिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं जर्थ होया जो उस कथ्याय में दिया वन हैं।

ननुसूची

फ्लैट नं० 1002, जो, 10वीं मंजिल, ब्रब्दुल हुसैन पोटिया श्रपार्टमेंट्स, 292, बेलासिस रोड़, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-1/37—ईई/6996/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमच सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-3-1986

प्रकार बाहु 😅 हाँ । प्रकार प्रकार

नायकर नीभीतयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) से नभीत सुभवा

भारत सरकार कार्याच्य, सहायक वायकार नायुक्त (निर्देशका)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986 निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/7254/85-86--ग्रत मुझे, निसार ग्रहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्राप्त सम्मत्ति, विश्वका स्रिष्ठ वासार क्रव 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० यूनिट नं० 241, जो, टोडी इंडस्ट्रियल इस्टेट, एन० एम० जोशी मार्ग, बम्बई-11 में रिथत हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनु}ची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961की घारा 269क, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, सारीख 9-7-1985

भी पृष्टिकत संपत्ति के उपित बाधार मूस्य से कम के सम्बद्धांत्र मिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुओ मह विश्वास का को का कारण है कि सभापूर्विकत संपरित का उपित बाधार मूस्य, उसके रस्ममान प्रतिकास से एसे रस्ममान प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-दिवद में भ्यान कर दर्व में मृत्युक के शादित से कर्ना करने वा उससे वचने में सुदिया के हिस्से; साह/सा
- (थ) एसी किसी बान वा किसी वन वा अन्य वास्तियी की, विन्हें भारतीय बायकर सीपीनयन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त वीपीनवन, वा धनकर वीपीनवन, वा धनकर वीपीनवन, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्दरिती व्वारा प्रकट वहीं किया ववा ना वा किया वाना वाहिए था, कियाने में बुविधा वे किया।

अतः अबः, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उप्धारा (1) के अधीन, निम्मतिखित व्यक्तियों, अर्थात् — 1. मेसर्स विजय इंडस्ट्रीज।

(भ्रन्तरक)

 श्री विजय नारायण भिडे ग्रौर श्री चन्द्रकांत एन० भिडे।

(ग्रन्तरिती)

3. ग्रन्तरक ।

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचवा चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के बिय कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्ष्मत कम्पूरित के वर्षन के सम्भूत्व में केंद्र' भी बाओप ह---

- (क) इस स्थान के रावपत्र में प्रकारन की तारीक से 45 दिन की बन्धि ना तत्सम्बन्धी क्षेत्रियों पर क्षाना की दावीज से 30 दिन की नगिष, को भी अवस्थि बाद में सभाष्त्र होती हो, के भीतर प्रोंक्स क्षित्रयों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (व) इस बुधना के सम्बन्ध को प्रश्नावन की तारीच के 45 दिश के भीतर उनत स्थावर संपरित में द्वित-वस्थ किसी अन्य स्थित द्वारा अभोहस्ताक्षरी के वास सिचित में किस्स का वकेंगे।

स्वक्षरकाः — इसमें प्रयुक्त सन्दां और पदां का, को उक्त विधिनियम के अभ्याम 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अन्स्ची

यूनिट नं० 241, जो, टोडी इंडस्ट्रियल यूनिट इस्टेट, एन० एम० जोशी, मार्ग, बम्बई-11 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्राई-1/37-ईई/6816/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-3-1986

प्रकृत आहु<u>ी हो . एन . एक . ------</u>

वावकर अरोधनियवः 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक नायकर नायकर (दिन्द्रांशक)

श्चर्णन रेंज-1, बम्बर्द बम्बर्द, दिनांक 7 मार्च 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई $_{|}7453/85$ -86--श्रत मुझे, निसार श्रहमद,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाण 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्धास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं दुकान नं 3, जो, सल माला, सोनावाला, श्रापटमेंटस, 13/15, श्ररब स्ट्रीट, बाप्टी रोड़, बम्बई-8 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, ब बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 25-7-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पाण क्या प्रतिफल, निम्न्सिखत उद्देश से उक्त अन्तरण विश्वत सं स्थान का पन्तर से स्थान का स्थान का पन्तर से स्थान से स्थान से स्थान का पन्तर से स्थान से स्थान से स्थान का स्थान का स्थान से स्थान से स्थान से स्थान से स्थान स्थान से स्थान से स्थान स्थान से स्थान स्थान स्थान से स्थान से स्थान से स्थान स्थ

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अभिनियत के सभीत कर दोने के वितरक के दावित्व वों कमी करने वा उससे बलने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

वतः वन, उत्तर विभिनियम की भारा 269-व के वमुसरक वो, मी, शक्त विभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) वो वभीन, हिम्मितिविक व्यक्तिवर्ग, वर्षात ५--- ा. मेसर्स जोगानी बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स मेट्रो टायर्स प्रा० लि०।

(भ्रन्तिरती)

3. मेसर्स जोगानी बिल्डर्स (बहु व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

दक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाश्रेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त मानितमों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बद्धभ किसी अन्य विकत द्वारा अभोड्स्ट्याक्षरी के पास जिचित में किए जा तकोंगे।

रचका किरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त निर्माणित के अध्याय 20-क में परिभाषित दै, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया दै।

न्यूरी

दुकान नं० 3, जो, तल माला, सोनावाला ग्रयार्टमैंटस, 13/15, ग्ररव (द्वीट, बाण्डी रोड़, बस्बई-8 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि कि नं ग्रई-1/37-ईई/7007/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-7~1985 को रजिस्टर्ड िया गया है।

निमार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-3-1986

प्रकल भाइ_{क्षि} टी.; एव., एस. -----

भाषकर विश्वित्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्वता

शारह परकार

कार्यासय, सहायक कायकर बायकर (निर्दाशक)

प्रजन रेंज-1 बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निर्वेश सं० श्राई-1/37-ईई/7153/85-86--श्रतः मुझे निसार श्रहमद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मति, जिसका सचित बाजार मस्ब 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० युनिट नं० 19, जो, बेसमेंट में, क्रीएटी वह इंडस्ट्रियल सेंटर, प्लाट नं० 12, सी० एम० नं० 72 एन० एम० जोशी मार्ग, श्राफ लोग्नर परेल, बम्बई-11 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारम 269 के ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। तारीख 3-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित अखार मृत्य हे कम की अस्यजान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द

हैं और मुक्ते यह पिश्वास करने का कारण है कि यथापूनीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरक के निए तय पाया गया प्रतिफन, निम्निसिशत उद्वरेश वें अक्त अंतरण मिचित में बास्तिबक रूप से किच्छ नहीं किया नया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (च) एसी किसी आय या कसी धन या अन्य आस्तियों को, फिन्हें शारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-त्र अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में सुनिधा चै लिए:

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, कें, कें, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीग, गिब्निलिखित व्यक्तियों अर्थीय ■——

1. मैसर्स यस्मिन कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

2. मैंसर्स एस० के० प्रगति प्रायवेट लि।

(ग्रनरिती)

को यह सूचना नारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्मति के धर्मन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप 🖙

- (क) इस सूचना को राजधन्न मों प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, को भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में किले के बक्स किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के वास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गमा है।

ग्रनुसूची

यूनिट नं० 19, जो, बेसमेंट में, ऋीएटिव इंडस्ट्रियल सेंटर ब्लाट नं० 12, सी० एस० नं० 72, एन०एम० जोमी मार्ग ऑफ लोअर परेल डिविजन, बम्बई-11 में स्थित है।

अनुसूची जैंसाकी कि सं० श्रई-1/37-ईई/671/885-86 और जो सक्षम श्राधिकारी बम्बई द्वारा दिन।क 3-7-1985 को रजीस्टर्ड दिया गया है।

निसार ग्रहमूद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंजे−1, सम्बई

तारीखा: 7--3--1986

प्रस्य बाइ", टॉ _य प्रया प्रस्_य

भाषकटु क्रिंपनियम्, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यौलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रजैन रेंज-1, बम्बई
बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० प्रई-I/37-ईई/7477/85-86—-श्रतः मुझे, निसार श्रहमद,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० लैपट नं० 17/6, जो, नवजीवन को-श्रांप० है। जिसकी सोसागटी लि०, लैमिग्टन रोड, बम्बई-8 में स्थित है (और इससे उपाबड श्रन्भूची में और पूर्ण रूप से विणित है), कौर जिसका करारतामा आयकर ग्राधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। नारीख 26-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और बंतरक (वंतरकों) और बंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया स्प्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से इ.इ. किसी जाय की वावत उक्त जिथ-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/या
- ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, दा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया वाना चाहिए था, छिपाने में मृतिभा के लिए;

जतः अब, उक्त जीधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलियित व्यक्तिगों, अवस्ति म्र—— (1) श्रीमती पदमा पी० भावनानी।

(अन्तरक)

(2) श्री महेंद्र वि० शहा और श्रीमती डी० एम० शह (श्रन्तरिती)

को यह स्वना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षांत के निवद् कार्यशाहियां करता हुं।

ब क्य संपरित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु---

- (क) इस सुकला के राजपण में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की नविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुकला की तामील से 30 दिन की नविध, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (च) इत भूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीवर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्री के पास निवित्त में किए जा सकती।

भवक्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का. को स्थल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यहीं अर्थ होया को उस सध्याय में विशा वृद्ध हैं॥

नन्स्थी

"फ्लैंट नं० 17/6, जो, नवजीनव कोन्म्रांप० हाउसिंग सोसायटी लि०, लैमिस्टन रोड, बम्बई-8 में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकि क० सं० ग्रई-1/37 ईई/7031/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-7-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसा**र श्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ब्रायुक्त (निरिक्षण) श्रर्जन रेंज-1 **बम्बई**

दिनांक : 7-3-1986

प्रकप् आह्र . टी. एन. एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक वायकर नायुक्त (निरासन)

श्वर्जन रेंज-I, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० म्रई-1/37-ईई/7152/85-86—म्रतः मुझे, निसार म्रहमद

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संव युनिट नंव 17 जो बेसमेंट क्रीएटीव्ह इंडस्ट्रियल सेंटरप्लाट नंव 12 सीव एसव नंव 72, एनव एमव जोणी मार्ग, बम्बई-11, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में और ूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। तारीख 3-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाणर मूल्य से कम के द्रवसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई बार मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाणर बन्द्र, उसके द्रवसमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है बार अन्तरक (अन्तरका) बार अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शया गया प्रतिफल, निम्निविधित उद्योच्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ। फितीं जाने की वावता, खचत जाह्मीनयम के जभीन कर योगे के जन्तरण के शायरण में कमी करने या उत्तते बचने में सुविधा के निए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाव या किसी पन या जन्म जास्तियों को, जिल्हों भारतीय आय-कर जीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया दवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा को निहर;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,, में, उक्तः अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— (1) मेसर्स यस्मिन कार्पोरेशन।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स एस० के० प्रगति प्रायवेट लिमिटेड । (ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सुमाति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाभेप हन्स

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की व्यक्ति या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ स्वना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिए;
- (क) इस तुकान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति इताय, अभोहस्ताक्षरी के पाव विविद्य में किए का सकोंने।

स्पष्टीकरणः — इतमे प्रयुक्त सम्यां भौर पवां का, जो उक्त सिध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं सर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है कि

ग्रनुसूची

"युनिट नं० 17, जो, बेसमेंट क्रीएटीव्ह इंडस्ट्रियल सेंटर- प्लाट नं० 12 सी० एस० न० 72 श्राफ लोग्नर परेल डिविजन एन० एम० जोशी मार्ग बम्बई-11 में स्थित है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारीः सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-, बस्बई

विनांक 7-3-1986 मोहरः

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1 सम्बद्ध सम्बद्ध पदनांक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० म्राई-1/37-ईई/5966/85-86--म्रतः मुझे निसार महमद

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1 जो 1ली मंजिल जय महल फ़ेंच श्रीज, चौपाटी, बम्बई-7, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधियम 1961 की धारा 269 क, खा के प्रधीन बण्बई हिथत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में जीस्ट्री है। तारीख 26-7-1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित भी गई है और मूक्षे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिसी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्तित में बास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बाबत, उक्त जिथीनयम के अधीन कर देने के जन्तरक के वारित्व में कमी करले या उत्तले बचने में सुविधा के लिए; जीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अस्य आसितां को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में समिधा के सिए;

मतः व्यवः, उच्यतः अधिनियमः की धारा 269-गः के अनुसरणः में, मैं, उक्यतः अधिनियमः की धारा 269-व की उपधारः (१) के अधीनः निम्नलिखितः व्यक्तियों, अर्थात् :---81 —26 GI/86

- (1) श्रीमती सुशिला, एम० दिवान, कुमारी किर्ती एम० दिवान और श्री० सुधिर एम० दिवान। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती राजेश्वरी एन० कपाडिया और श्री हमीर के० कपाया।

(भ्रन्तरिती)

(2) भन्तरकों और उनके परीवार सदस्य। (वह व्वक्ति, जिसके भ्रधिभोग में सम्पति है)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि यातस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक् से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाकिरणः — इसमें प्रयुक्त शेष्ट्रों और पर्दों का, जो उक्त मधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिः है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्ची

"क्लॅंट नं० 1, जो, 1 मंजिल, जय महल, फ़ेंच बीज, शोपाटी, बम्बई-7 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्र॰ सं॰ ग्रई-1/37-ईई/7020/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्धारा दिनांक 26-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार अहमद स्क्षम प्राधिकारी स**हायक ध्रा**यकर घ्रायुक्त (निश्क्षिण) प्रर्जन रेंज-1 बम्बई

दिनांक 7-3-1986 मोहर:

क्ष्य आहुं दो पुन् पुन् क्षा

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के कभीन सुचना

1134 4240

कार्यासम, सहायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986 निदेश स० मई-1/37-ईई/7390/85-86--- म्रासः मुझे निसार महमद

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जबत विधिनियम' कहा गया है) को भारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विक्वात करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खोंचत बाबार मूल्य 1,00,000/- रह. से विधिक हैं

और जिल्ला सं० यूनिट नं० 5, जो बेसमेंट में की एटाव्ह इंडस्ट्रियल सेंटर प्लाट नं० 12, सी० एस० नं० 72, एन० एम० जोशो माग, ग्राफ लोग्नर परेल डिविजन बम्बई—11, में स्थित है (और इससे उपाबद्व श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधि-नियम 1961 को धारा 269 क, ख के ग्रधीन बम्बई स्थिग सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। दिनांक 19-7-1985

का पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रयमान प्रतिफल से, एसे प्रसमान प्रतिफल का पन्डह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बौच एसे अन्तरम् से किए त्व पावा गया प्रतिफच, निम्निविषित प्रमुखेस से उपल अंतरम् मिवित में वास्त्रिक स्प ने कीजत नहीं किया गया है है——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय को वासस, उसस जीभनियम के अभीन कर बार्च के अन्तरक के बाबिएक में कभी करने वा उससे वचने में स्किन्त के सिए; ग्रीर/वा
- (क) एसी किसी जाम या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त आधानयम, मा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण के, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैसर्स यस्मिन कार्पीरेशन।

(भ्रन्सरक)

(2) मैसर्स जय हिंद प्रलाशन।

(भ्रन्तरितीः)

को वह सूचना जारी करके पूर्णेक्त सम्परित के अर्जन के लिएं कार्यवाहियां करता हूं।

उन्दा सम्मन्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाकोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां वर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा:
- (ब) इस सूचना की राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन को भीतर उक्त (शावर सम्माति मा जिल ब्युष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी क रास सिवित में किए आ सकीत।

स्मार्थेकरण :— इसमें प्रयोक्त सम्बों और पदा का, सो उन्ह अधिनियम, की आताब (2) की विकास की सीनियम ही, बहीं अथि हाला? विकास विकास विकास विकास स्मा ही

यनुसुची

युनिट नं० 5, जो बेसमेंट में ऋं एटीव्ह इंडस्ट्रियल सेंटर प्लाट नं० 12, सी० एस० नं० 72, एन० एम० जोगी मार्ग आफ लोग्रर परेल, डिविजन, बम्बई-11 में स्थित है।

श्रनुसूचो जैसाकी क० सं० ग्रर्ह-1/37—ईर्ह/6947/85-86 और जो सक्षम प्राधिकार; बम्बई द्वारा दिनांक 19-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद ंक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षक्र) ग्रजन रेंज-1, बम्बई

, **दि**नांक: 7-3-1986

प्रकप बाह्र .टी . एन . एस . ------

आयकार मधिनिजन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीय मुख्या

बारव वरकार

कार्वाजय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निदेश सं० ग्राई-1/37-ईई/7261/85+86--ग्रतः भूभो निसार ग्रहमद

कारकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियस' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारल है कि स्थावर संपत्ति, विश्वका उचित वाबार भूका 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिनका सं० पलट नं० 6, जो 2री, मंजिल, सेंट्रल कोर्ट इमारत 18, मोताबाई स्ट्रिट बम्बई-11 में स्थित है (और इससे उनाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रुप से विणित है), और जिसका करारकामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 के, खेक अधान बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारा के कार्यालय में रजिस्ट्रा है। दिनांक 9-7-1985

को पूर्वोक्त सञ्चिति के उभित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकल के लिए बन्दरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्वित बाजार मूक्य, स्वकं स्थयमान प्रतिकल से, एसे स्थयमान प्रतिकल सा नंद्र प्रतिकल से, एसे स्थयमान प्रतिकल सा नंद्र प्रतिकल से नंद्र प्रतिकल

- ्का अन्तरण से शुद्ध किसी थान की बाबद स्वयस् स्थितियन के समीप कर दोने के बन्दाह्क की शिवरण में कमी करने वा उनसे बजने में सुविशा के सिए; और/वा
- (क) ध्रेसी किसी काय का किसी धन या बन्य जातकार्यों कार किहा कार कि वाघ-ना र आधिनयन, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जिथिनियम, वा धनकर जीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती क्षारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए चा, कियाने में सुविधा के जिस्;

जतः जनं, उक्त मिनियम की धारा 269-म के, जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीव निकादिक्षित स्वीवतयाँ, प्रति :--- (1) श्री इक्बाल प्रब्दुल गनी मकलाय।

(भ्रन्सरक)

- (2) श्रीमती सारीया मोहमद हुसैंन मर्चेन्ट। (श्रन्तरिती)
- (3) घन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वास्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की जनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जनिभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच ते 45 चिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंने।

स्पष्टिशिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अन्सची

पनट नं० 6, जो 2रा, मंजिल, सेंट्रल कोर्ट इमारत 18, मोतीबाई स्ट्रीट, बम्बई-11 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रई-1/37शईई/6823/ 85-86 और जो स्थाम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-7-1985 को रऑस्टर्ड किया है।

> निसार भ्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-3-1986

प्रकथ बाद्धै, टी. एन. एस.------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करी धारा 269-म (1) के जजीन स्वना

भारत वहकार

कार्याज्य, सहायक नायकर बाबुक्त (विरीक्षण)

ग्रजन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/7151/85-86--- मसः मुझे, निसार श्रहमद

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें बनके परवाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- या स अधिक ही

और जिसका संव गोडाउन दूकान नंव 1, तस माला स्टिल चेंबर्स, बोच स्ट्राट, वम्बई-9 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूच में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करावनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजस्ट्रा है दियांक 3-7-1985

का प्राणित सम्पत्ति को उचित बाजार जुन्य व कम के व्यवभान प्रतिकास को लिए जन्तरित की गई है और मुक्तें यह विकास करने का कारण ही कि यथाप्जोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्यः जसका राज्यकान प्रतिकान से, एकि राज्यमान प्रतिकान का पन्द्रह प्रतिकात से प्रधिक है और अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (अन्तरोरितियों) को बीच एसे बन्तरण के निए तब पावा बजा के तिकल, निम्निलिसित उद्वरिय में उपह अन्तर

बास्तविक रूप से कवित नहीं किया वया है ए---

- (क) कन्तरण से हुई किसी बाव की आवत उपत अंजिनियम के अधीन भर दाने के अन्तरक के बावित्व में कमी करने वा उत्तर वचने में सुविधा के निर्मा और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या बन्ध वास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर संधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उक्त संधिनियम, या धन-कार नधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोधनार्थ जन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया बना था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा को सिक्;

बतः अथ, उक्त विधिनियम की भारा 269-न के बन्धरन वं, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-न की वन्धारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तिकों, अवितः— (1) मेसर्स पोदार बादर्स।

(ग्रन्तरक)

(2) इस्टर्न रोड करोग्नर्स प्रायमिट लि०। (ग्रन्तरिती)

को क्ष्मृ बुचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्मति के अजन के लिए कार्यवाहियां कारता हूं।

उपन सम्मत्ति के वर्णय के संबंध में कोई वी बार्सप ---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तार्थिश था 45 दिन की अमिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अमिथ, जो भी समीथ बाद में समान्य होती हो, के मीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी स्पन्ति श्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र भी प्रकादन की सारींस भी 4/5 किन के बीक्षर उक्त स्थावर सम्बद्धि भी विद्यान स्थावर सम्बद्धि भी विद्यान स्थावर स्थावर अवस्थित है। कि विद्यान स्थावित स्थावर स्थावत स्थावर स्था स्थावर स

स्वकाधिकरण:--इसमें प्रयुक्त क्षव्यों कोर पदों का, जा उक्त अधिनियम, के जन्माय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होंगा को उस मन्याय में विका गया हैं।

वपुषुची

गोडाउन दूकान प्रिमायसेस नं∘ा, जो लल माला स्टिल चेंबर्स क्रोच स्ट्रीट, बम्बई-9 में स्थित है।

ग्रनुस्वा जैसाकी क० सं० ग्रई-1/37-ईई/6716/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 3-7-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

नितार प्रहमदः सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-1, बम्बाई

दिनांक : 7-3-1986

क्षा सार्थं हो हा हुत हुन

बावकर बीचनित्रमम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन सुच्या

site senit

कार्याजन, बहायक जानकर जानुनव (निर्देशका)

अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निदेश स० श्र**ई**-1,37-ईई,7318/85-86---श्रतः

मुझे निसार ग्रहमद

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें इसमें क्यान (उनस अभिनियम' कहा गर्य ही), की वास्त 269-च को अभीन तक्षम प्राचिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिस-आ उचित बाजार गर्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैट नं० 1, जो, ए-विंग सिद्धचेल दर्शन मोतीशा कास लेन, भारखला बर्ब्य -27 में स्थित हैं। (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रीन बस्बर्य स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं दिनांक 12-7-1985 का पूर्वीयल समाप्ति के उपात शाजार में कर क्षम के स्वयमान प्रतिफस के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक सम्भित का उचित बाबार कृत्य, उसके बश्यमान प्रतिफल के एने स्वयमान प्रतिफल का बन्तर शितास से ब्रिक्त हैं और अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्वरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाना गवा प्रतिफल, निम्नित उप्योग से उन्त अन्तरण निस्ति में वासायिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उसने अकाने में सुनिया के सिष्ट; और/या
- (थ) एकी किकी बाम या किसी अन या बन्य आस्तियों कारे, किसी आम या किसी जामकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सीधीनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (19/ / का 27) के प्रवोधनार्थ अन्तिरती ब्वाच प्रकट नहीं किया गया वा किया काना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिहा;

काः सन, उसत विभिन्नम की शत्य 269-न में बन्धरण थे. में उसत मांधीनयन की धाय 269-म मनी उपचास (1) के नभीन निम्निसिंशत व्यक्तियों, सभीत् ह—-

- (1) श्रीमती भारती बेन एम० फाफा**डि**या। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती मंजू एस० बाफना।

(भ्रन्तिरती)

(3) श्रन्सरकः।

(बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल्लावियाहियां सूक करका हुई।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस तृष्या के राजपत्र में अवध्यान की तारीख स 45 विन की भगीय ना अस्तस्मानी स्पन्तियों पर सृष्या की ताथील से 30 दिन की अवधि, जो भी नविध नाय में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (व) इस सूचना के रावपत्र में प्रवक्षशन की तारीवा के 45 दिन के भीतर उत्तर स्थव्यर सम्प्रीता में हिराबब्ध किसी मन्य व्यक्ति व्याप माहिस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सके

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

फ्लैंट नं॰ 1, जो ए-विंग, सिद्धचेत्र दर्शन मोतीशा कास लेन भायखला, बस्बई-27 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० भ्रई-1/37-ईई/6875/ 85-86 भीरजो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 12-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रैंज-1, बस्बई

चिनांक: 7-3-1986

शस्य बार्ड . दी. एन , एस . ------

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन स्चना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बग्बई बग्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निदेश सं० अई-1/37-ईई/7472/85-86--श्रतः मुझे निसार ग्रहमद

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त किंधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से निधक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1102, जो, 11वीं, मंजिल, इमारत ए, भागनारी को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, उंकन कॉजबे रोड, चुनाभट्टी, बस्बई-22 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबंद श्रनुसूची मैं श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन बस्बई ग्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनांक 26-7-1985

को पृथिनित सम्पत्ति के उचित बाबार बृज्य से कम के क्समतन प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और बृग्धें वह विस्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाबार मृख्य उसके दश्यमान प्रतिफक्ष से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और बंतियती (अम्बरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया ज्या प्रतिफल, निम्नलिक्ति उश्वदेश से उन्दर कंतरण किवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया पदा है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-दिवस के अधीव कर दोने के बंदाइक के वादित्व के अभी करने या उक्को ब्ल्वे में सृदिधा को विष्ठु; लोकानः
- (क) एसी किसी आय या किसी भने ना बन्य नास्तिनी को, पिन्ह नास्तीय वासकड व्याप्तिवन, 1922 (1922 का 11) वा अवक व्याप्तिवन, ना भन-कर व्याप्तिवन, 1957 (1957 का 27) वे व्यापनार्थ बन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या का ना किया बाबा वाहिए था, क्रियाने में सुनिवा क सिए;

भ्तः। जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ए के वनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखत व्यक्तियों, जर्थात् ः— (1) श्री भगवान टी० बजाज

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रीमती जयश्री बन्सीलाल भाटीया।

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

अक्त सम्पत्ति के वर्षम के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तरसम्बन्धी व्यक्तिमाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों या से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (क) इस सूचमा के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतए उक्त स्थावर संपत्ति मों हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित्त मों किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शन्धों और पर्वो का, भी उच्च अधिनियम के अध्याय 20-क को परिभाषित हुँ, बहु वर्ध होगा, यो उस क्ष्याय में विका सवा हुँ।

नप्स्य

पर्लंट नं० 1102, जो 11वीं, मंजिल, इमारस ए, भागनारी को० ग्राप० हार्जिसग सोसायटी लि० डंकन कॉजवे चूनाभट्टी बम्बई—22 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी कि० सं० ग्रई-1/37-ईई/7026/ 85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-3-1986

्रक्ष हार्षे . टॉ. यून , यून .----

बाबकर बिधिनियस, 1961 (1961 का 43) की पार 269-व (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

शायां लिय, सहायक जायकर जायुक्त (निर्दाक्षिण) धर्जन रेंज−1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीए जिसकी संव श्रीद्योगिक गाला नव 505 ए जो इसा स नव ए, भायखाला सर्विस इंडस्ट्रियल प्रिमायसेस कोव-शापव सोसायटी लिव ससेक्स रोड, भायखला, बन्बई—27 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध शनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है दिनाक 24—7—1985

को वृबंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के करवान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विकास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्राह्म प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और जंदरिती (अन्तरित्यों) के बीध एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निजनिक्ति उद्योक्त से अधित नहीं किया गया हैं :---

- (क) ब्लारण से हुई किसी नाम की शावत, उथत निविद्यम को शकीन कार दोने के कालरक औ सामित्य में कभी करने या उक्त सम्बर्ध में कृषिका के लिए; नौर/या
- (ण) एसं किसी वाय या किसी धन वा अन्य आस्तिको को, जिन्हों भारतीय अध्यक्षार अधिकियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिकियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या का जिल्ला वाना चाहिए था, कियाने में सुविधा वी विश्व

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की रणभारा (1) के अधीर, निमासिनित **अधितयों**का व्याप्त ---- (1) श्री राम जेठानंद गंगेरीया।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरोज मूलचन्द मोखानी ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त संपरित के अर्जन के लिय कार्यवाहियां करता हुं।

धवत शुन्दिक् के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बूचना की राजील से 30 दिन की अविधि, जो भी बदीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-ब्रुथ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पर जिखित में किस आ सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जा उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होया जो सम अध्याप के निध राजा है।

नन्स् ची

श्रीद्योगिक गाला नं० 505ए, इमारत नं० ए, भायखना सर्विस इंडस्ट्रियंल प्रिमायसेस को० श्राप० सोसायटी लि०, ससेक्स रोड, भायखला, बम्बई-27में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि क० सं० ग्रई-1/37-ईई/6976/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांस 24-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> निसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

विनांक: 7-3-1986

मोहर

अक्ष वाह्^र. **टी**् **१व. १व**् अञ्चलकारमञ्ज्ञा

बावकर स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269--म (1) भी भाषीन स्थाना भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज~1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निदेश सं० ग्रर्ड-1/37-ईई/5723/85-86---ग्रतः मसे, निसार ग्रहमद,

प्रायकार मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवर्ध इसकी इसकी पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा नवा हैं), को बारा 269-स से मधीन समय प्राधिकारी को, वह विकास कार्य का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उपित बाबार सूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० फ्लैंट नं० 12, जो 4थी, मंजिल, न्यू रे रोड, को० ऑप हाउसिंग सोसायटी लि० 265, रे रोड, बम्बई-10 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण दप से बणित हैं), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 का धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री हैं। दिनांक 18-7-1985

े पूर्विक्स संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतफास के लिए अम्बरित की गई है और बुक्कें जनमें का कारण है कि संवाप्तिंत्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूज्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का राज्य प्रतिशत से विभक्त है और दानारक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिका) से बीच एरे बन्तरक के जिए इव वाचा गया प्रतिकाद निम्मतिकित उद्देश्य है उच्छ अन्तरक जिवार में बारविका क्या से अधिक मुद्दी किया क्या है:----

- (क) नम्प्रम वं हुई किवी बाग की नावक अवन नांध-रिवरण भी क्यांग कार वांगे में ब्रम्प्यक के व्यक्तिय के कवी करने ना कहावे नवले में ब्रमिया के निय; प्रति/वा
- (क) ऐसी किसी नाम वा किटी पम वा अन्य वास्तियाँ को, फिक्टू पायतीन वापकर विधिनियस, 1922 (1922 का 11) वा उपत विधिनियस वा पद कर अभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-वार्ष क्-वरिती कुमार प्रकट कहीं किया पदा था ता किया वाना चाहिए था कियाने या स्विध्या

अत: जब: उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भे, भे, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) से अधीत: निम्नांबिका केक्किन, बर्जीत के (1) सुबेर खुर्शेष बिडीं, उर्फ सुबेर जाल कन्स्ट्रेक्टरें और दिनीयार बीठ कॉन्ट्रेक्टर।

(भ्रन्तरक)

(2) इम्राहीम हयात शरीफ।

(ग्रन्तरितः)

(3) ग्रन्तरकों। (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है),

को यह सुचना चारी करफे पृथाँक्य सम्मन्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुँ:।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कार्य भी बालांग ५---

- (क) इस स्वा के स्थापन में प्रकारन की तारीस ते 45 दिन की नवींच दा तत्स्व करणी व्यक्तियों पर स्वान। की तानीस से 30 दिन की संविष्, को भी अविष् साम में समाप्त होती हों., के भीतर प्रकेंस्थ व्यक्तियों में से किसी स्विमत ब्लाध;
- (क) इक सूचना के राजवन में अकावन की तारीक भं 45 दिन के मीचर उक्त स्वावर सम्पर्तित में हिदानक्ष किसी मन्य व्यक्ति वृक्तय अकोहस्साक्षरी के धास विश्वित में किस् वा क्योंने।

स्वकाकरणः भूतमे प्रमृत्त कव्यों और वर्ष का, जी क्षणः विशिवित्य के वध्यान 20-क में विशिधिक हैं, नहीं वर्ष होना, जो उस अध्यान में विकास क्षण हैं ॥

ग्रन्मुची

पर्नंट नं० 12 जो 4थी मंजिल, न्यू रे रोड, को० ऑप॰ हाउसिंग सोसायटी लि०, रे रोड, बम्बई-10 में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकी क० सं० श्रई-1/37-ईई/6935/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई खारा दिनांक 18-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-3-1986

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

शारत सहयत्त्र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निदेश सं० श्रई-1/37-ईई/7125/85-86--श्रतः मुझ्री, निसार श्रहमद,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 26!)-स के अधीर सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रा से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 1, जो 15वी, मंजिल, इंटरप्राईज प्रपार्टमेंट कपासा को०ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, फोर्जोट हिल रोड, ताउदेव बम्बई-36 में स्थित है (और इससे उपाबद्व ग्रनुभूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम 1961 की धारा 269, क, ख के श्रघीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनकारों के कार्यालय में रजिस्ट्र है

दिनांक 1-7-1985

कते पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य संकम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि सथापूर्विक्त सम्मिका उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एमे दश्यमान प्रतिफल क पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिकी (अंतरितियों) के पीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिख उद्देश्य सं उसते अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किनी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उन्तमें बचने मी सुविधा के लिए; कंप्र/या
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्दारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा विष्हा;

लतः भवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण मा, भी, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के कवीलः, निम्मलिणित व्यक्तित्यों, अर्थातः — 82—26 GI/86 (1) श्रीमता पदमा एस० शहा और श्री मुकेश एस० शहा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रामता कांचन बेन सा० मेहता और श्रामत। मुजाता ए० मेहता।

(भ्रन्तरिती)

(3) अन्तरितीयों। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

भा यह अभा जारी करके पृबोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुख

फ्लैंट नं० 1, जो 15वीं, मंजिल, इंटरप्रईज श्रपार्टमेंट, कपासी को० श्राप० हाउसिंग सोसायरी लि०, फोर्जेंट हिल रोड, ताडदेव बम्बई-400036 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाक। क्र० सं० श्र $\frac{1}{37}$ —ईई/669085—86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1—7—1985 को रर्जास्टर्ड किया गया है।

निसार **ग्रहमय** सक्षम प्राधिकारो महायक प्रायकर ग्रायुक्त (नि**रीक्षण)** ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-3-1986

मोहरः

प्ररूप बाह् .टी.एन.एस. ------

बाधकर बाधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन तमना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर जायक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निदेश सं० ग्रई-1/37-ईई/7147/85-86--- ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद,

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भार 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मुस्य । ((1), (100/- रा. **से अधिक ह**ै

और जिसकी संव कार्यालय प्रिमायमेस नंव 603, जो मुरलीधर चेंबर्स प्रिमायसेस को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि॰, 352, जे॰ एस॰ एस॰ रोड, बम्बई-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्व प्रनुसूर्चा में और पूर्ण रूप से वर्णित और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 का धारा 269 का खाके ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में र्राजस्ट्रा है, दिनांक 3-7-1985 को युवर्षिक्त संपक्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के प्रथमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथावधार सर्मिका का लाउन यातार मन्या, उसके सम्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पम्बह बतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिसी (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के किए तय पादा गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में माम्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-**जॉभि**नियम के **अभीन** कर बाने के अन्सरक के दाविश्य में कमी करने या उससे बचने में शृविभा के लिए; # (T/U)
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन वा बन्य आस्तिहाँ का, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-ग्तर **जिभ्**नियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में श्विधा र्वे सिए।

क्स: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरभा दे. मैं, तक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) कं अधीर, 🔻 अखित ध्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) विजय वामण कोर्केओर जसवंत चंद्रलाल रावली (ग्रन्तरक)
 - (2) किणोरा विजय कोर्के और हंसा जसवंत रावल I (भ्रन्तरिती)
 - (3) कोरके एण्ड रावल, चार्टर्ड ग्राकांजटस । (बहु व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (4) रिगल कमिशयल सर्विसेस। (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरा जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्व है)

को बहु सूचना भारी करके पृथानस सम्पास के अजन के जिल् कार्यवाहियां करता हो।

अक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :----

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख स 45 दिन की अवीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील में 30 दिन की अविधि, आरा औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोबत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्वाय:
- (स) इस स्थाना के राज्यन में त्रकाशन की तारीच से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवब्ध किसी मृत्य व्यक्ति इवारा अधिहस्ताकारी के पास सिश्चित में किए जा सकेंगे।

म्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सम्बां और पदां का, जो उक्त जिभिनियम को जध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गवा है।

ग्रनुभूची

कार्यालय प्रिमायसेस नं० 603, जो, मुरलं।धर चेंबर्स प्रिमायसेस को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, एस० एस० रोड, बम्बई-2 में स्थित है।

म्रनमुची जैसाकी क० सं० म्रई-1/37-ईई/6712/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक . 3-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारा सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरंक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

तारीख: 7-3 1986

प्रकल बाद्दै ही दुल दुक्त -----

जाबधर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) को अधीन स्वान

भारत शरकात्र

कार्यासय, क्षहायक वायकार वायुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० प्रई-1/37-**ईई**/7127/85-86--प्रतः

मुझे निसार श्रहमद,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके प्रकाश (उन्नेत अभिनिवम किस्स गया है), की भारा 269-च के नवीन सक्षम प्राधिकारों को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लांक नं० 96, जो प्रशांती मंगलधाम को० श्राप० हाउसिंग सोपायटी, सायन द्राम्बे रोड, चुनाभट्टी सायन बम्बई-22, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 1-7-1985

करें पूर्वेक्ट सम्मित के उचित बावार मूक्य से कन के बक्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूफ्ते यह निक्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्ट संपरित का उचित बाजार मूक्य, उसके बक्यमान प्रतिफल से, एसे बक्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक हैं और जंतरक (अंतरकों) जार अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम सामा पूरा प्रतिकास निम्नितित उन्नवेस्य से बक्त अन्तरण जिलाइ के वास्तिक कम से कायुत नहीं किया स्था है हैं—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाम की वाबत., उक्त अधिनियंश के अधीन कार क्षेत्रे के अतरक के दावित्य में क्यी करने या उछडे वच्ये के सुविधा के किए; आर/वा
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन वा अस्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नामकर निधीनवन, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसंचनार्थ अंदरिती दूसार्थ प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना जाहिए था, छिपानं में स्थिया के किए;

बत: वब, स्वत विधिनियम की धारा 269-न के बन्सरण बैं, बैं, रुक्त विधिनियम की धारा 269-न की उपभारा (1) के बधीन, निम्मुलिखित स्थानतमों, वर्षात् ः— (1 मा गलाबंत दलवी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती उषा बनवंत दलवी।

(श्रन्तरिती)

(3) म्रन्तरक।

(बह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त संपरित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकासन की शारीच धं 45 दिन की वर्णीय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृजांक्त व्यक्तियों में में किसी स्थित द्वारा;
- (रा) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के गस विधित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण :----- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, वो जनक गिकियम के अध्याव 20-क में पहिशासिक हाँ, वहां अर्थ होंगा का उस अध्याय में दिया गुना हैं।

यनुसूची

ब्लाँक नं० 96, जो, प्रशांती मंगलधाम को० श्राप० हार्जिमग सोसायटी, सायन ट्राम्बे रोड, चुनाभट्टी सायन, बम्बई-22 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क० सं० श्र $\hat{\mathbf{z}} = 1/37 - \hat{\mathbf{z}}\hat{\mathbf{z}}/6692/85 - 86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्धारा दिनांक <math>1 - 7 - 1985$ को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-3-1986

प्रकार कार्य, की, हर , हथ , ------

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बचीन क्षवा

वारत शरकार

कर्माशन, बहुत्वक बावकर वायुक्त (विरोधक)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986 निर्देश सं० ग्रई-1/37-ईई/7440/85-86--ग्रतः मुझे, निसार ग्रहमद

मानकर मिणिननन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्रकार 'अस्स भीभीननन' कहा चना ही, की कारा 269-स से नभीन तक्षन प्राणिकारों को, यह निश्नास करने का स्मरण हो कि स्वापर सम्मरित, विश्वका उपित नाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से जीभक ही

और जिसकी सं० फ्लेट नं० 23, जो 3री, मंजिल, णंकर सदन प्लॉट नं० 240 सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर आधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 25-7-1985

की पूर्वोक्स संपरित के उपित बाबार मूल्य से कम के स्वयमान विकल के सिए कन्तरित की नई है बार मुखे वह दिवसाय करने का कारण है कि वभापुर्वोक्त संपरित का उपित बाबार मूस्य, उद्देश क्रयमान प्रतिकत से, एसे क्षयमान प्रतिकत का नंद्र प्रतिकत से सिक्क है और अन्तरक (मृन्तरका) जीए क्षयतिकी (अन्तरिका) से बीच एसे बन्तरण के सिए तब नामा बचा प्रति-कृत किन्नानिकत उद्देश्य से उन्हा क्षयान च्याकत में बाह्यनिक कर ते स्वित नहीं जिला क्या है है—

- (क) अन्त्रपण वं कृषं जिल्ली बाय की नलाह, जबल अधिनियुव के अधीन कर बेने के अलारक के दाजित्व में कनी करने वा उन्नवं नचने में वृतिका के किए; खरि/मा
- (थ) एखे कियी बाव या किसी थन वा कम नास्तियों का, विवृद्ध कारतीय जावकर विश्वित्वस, 1922 (1922 का 11) या उक्त वृद्धिवयम, का थन-कर विधित्वम, 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनाथ जन्तीरती बुबारा प्रकट नहीं किया गुमा वा वा किया जाना वाहिए था, क्रिपाने से स्वित्या के क्रिए:

चबत नम उपने नामिनियम की पारा 269-म के अनुसरण मों, मीं, उपने अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) है अभीन, निकासिक्ड कविल्लों, बर्यात (1) वीं० सुंदरेसन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती राधाबाई एम० महेश्वरी।

(ग्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के नर्थन के तस्वत्थ में कोई वाक्षेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत अविकाश में से किसी व्यक्तित इचाता;
- (क) इब बुचना के राज्यम में प्रकाशन की तालीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबबुध किसी जन्म व्यक्ति युवारा मधोहस्ताक्षरों के पास जिसित में किए का सकरेंगे।

स्थव्यक्तिकरणः — ५ समें प्रमुक्त सम्बां और पदां का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-५5 में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस बध्याय में दिवा केश हैं।

अनुसूची

पलेट नं० 23, जो 3री, मंजिल, शंकर सदन, प्लाट नं० 240, सायन (पूर्व), बम्बई-22 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० भ्रई-1/37-ईई/6994/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-7-1985 को रुजिस्टर्ड िया, किया है।

> निसार **प्रहमद**् सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर म्रायुक्त (निरा**क्षण)** स्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-3-1986

प्रारूप बाह्रं.टी. एन. एस्. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

निर्देश सं० श्र $\xi-1/37-\xi\xi/7356/85-86--$ श्रतः मृक्षे, निसार श्रहमद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० फ्लेट नं० 14, जो, खुला टेरेस के साथ 3रो, मंजिल, रिव विला, प्लाट नं० 217, श्रार० ए, किडवाई रोड, वडाला बम्बई—31 में स्थित है। (और इसने जपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय

में रिजिस्ट्री हैं। दिनांक 16-7-1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य मे कभी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

- (1) श्री केवल क्रीशेण गुरसरनदास कपूर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री माणेकचंद एन० मारू।

(भ्रन्तरिता)

(3) अन्तरिती। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को नह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पृतित के वर्जन के विष्णे कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लट नं॰ 14, जो खुला टेरेस के साथ 3री मंजिल, रिव विला प्लाट नं॰ 217, ग्रार॰ ए, किडवाई रोड, वडाला बम्बई-31 में स्थित है।

श्रनुसूषा जसाकी क० सं० ग्रई-1/37-ईई/6914/ 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> नियार ग्रहमद, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-3-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.---- -

आप्रकर **अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

शास्त्र करवाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बद्दी, दिनांक 7 मार्च 1986

निदेश सं० ग्राई-1/37-ईई/7303/85-86-ग्रातः मुझे, निसार ग्रहमद,

रेश्यकर श्राधित्यम. 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसके परचात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का धारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित नाभार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० दूकान नं० 3, जो, नितीन इमारत, श्रनंत गणपत पवार लेन श्रार० चिंचपोकली कास रोड का जंक्शन भायखला बम्बई-27 में स्थित है! (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख, अश्रीत, बम्बई स्थित सक्षम श्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है तारीख 11-7-1985

ा पूर्वोक्त रूम्परित के उचित बाबार मृत्य वे कम के समजान अतिफंत के सिए बंतरित की नई है और मुख्ये यह निष्यांश करने का कारण है कि समाप्रवेश्य सम्मत्ति का उचित बाबार भूत्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफंत से एसे स्थ्यमान प्रतिफंत का सन्दर्भ प्रतिकत ने बिधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बन्तरितियों) के भीष एसे बन्तरण के निष्ए तय पाया स्था अतिकस, विस्तिविद्य उन्हर्षिय के स्वत्य बन्तरण विद्वित्य में बास्कृतिक स्त्र से क्षित्य वहीं किया क्या है है

- (क) बंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, छक्त कर्षि-विवस में अभीन कर दोने के बंतरक के बायिएन को क्वी करने या उससे बचने में सुविधा की जिए; खरि/का
- (थ) एसी किसी बाव या किसी धन या बच्च बास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर आंधनियम, 1972 (1922 को 11) वा उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ वंतरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया या तिक्या गया वाहिए वा, कियाने में बृष्टिया के लिए।

बंतः अब, उत्पत्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अं अधीनः, निम्नतिश्वित व्यक्तिः, अर्थात् अ—

- 1) श्रार० टी० मेहता कन्स्ट्रवशन कंपनी। (ग्रन्तरक)
- (2) शरद एल० जाधव।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थान के हाजवन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की नविभ या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की नविभ, को भी मविभ नाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त भाक्तियों में हैं किसी नगरित दुवारा
- (च) ध्व क्ष्मना के राथपन में श्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए वा वकी ने 1

नग्व्य

दूकान नं० 3, जो, नितीन इमारत, ग्रनंत गणकत पवार लेन ग्रीर चिचपोकली कास रोड का जंक्शन, भायखला, बम्बई—27 में स्थित है।

चनुसूची जैसाकी करु सं० अई-1/37-ईई/6861 85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 11-7-1985 को रजीस्टर्ड कियागया है।

> निसार **ग्रहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, **बम्बई**

दिनांक: 7-3-1986

प्ररूप आई .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, बम्बई बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० प्रार्ह-1/37-हिर्द्श/7302/85-86--प्रासः मुझे निसार प्राहमद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित्त बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिसकी संव दूकान नंव 5 ए, जो नितीन इमारस भ्रानंत गणपत पवार लेन भीर चिवपोकली काम रोड, का जंक्शन भायखला बम्बई—27 म स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भ्रानुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, खें के भ्रिधीन बम्बई स्थित भूसक्षम प्राधिकारी के कार्यालय म रजीस्ट्री है। दिनांक 11-7-1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिपत्त निग्नलिसित उद्देश्य से उत्ता अन्तरण लिसित में तास्तिक हथा में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिथा के लिए।

अतः अकः, उक्त विभिनिक्षमं की धारा 269-ग के अनुसरंश तं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) कः लधीरा, निभनलि**स्ति व्यक्तियों, वर्णल ड---**

- (1) ग्राप्त टी० मेहता कन्स्ट्रक्शन कंपनी। (ग्रन्तरक)
- (2) बंदू रामचन्द्र पाटील। (भ्रान्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सृष्यना के शाजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ सं 45 दिन की जविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजएत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

रपाटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

दुनान नं० 5ए, जो नितीन इमारत, धनंत पवार लेन श्रीर चिचपोकली कास रोड, का जंक्शन भायखला हैं बम्बई-27 में स्थित है।

> ृतिसार श्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–1, बम्बई

दिनांक: 7-3-1986

प्रकम आहे. टी. एन. एस-=====

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

क्यपंतिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 मार्च 1986

निर्वेश सं० श्रई-1/37-ईई/7478/85-86--श्रतः मुझे निसार श्रहमद

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाष 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 2, जो श्ली, मंजिल, नागिनदास मॅन्शन को० ग्राप० हार्जीसग सोसायटी 59/61, जे० एस० एस० रोड, गिरगांव रोड, बस्बई-4 में स्थित है। (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रिधीन बस्बई स्थित सक्षम

प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है। दिनांक 26-7-85 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है बौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का जन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिसित उच्चक्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण संहुइं किसी बाय की बाबत उक्त जिथितियम के अभीन कर दीने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी जिसी आय या किसी धन या अन्द आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) वा उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्ति दिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था, प्रक्रपाने में सुविधा की किए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती कीर्तीका पी० झवेरी ग्रौर प्रफुल्ल एस० झवेरी।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पंकज एस० झवेरी श्रीर श्रीमती भारती ए० झवेरी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्परित के अर्थन के थिए कार्यवाहयां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित• क्ष्मि कसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंग।

स्भव्यक्तिरण: -- इसमा प्रयुक्त अन्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

मनुष्ची

पर्लंट नं० 2, जो 1ली, मंजिल, नागिनदास मॅन्शन को-ग्राप० सोसायटी, 59/61, जे० एस० एस० रोड, गिरगांव रोड, बम्बई-4 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० ग्रर्द-1/37—ईई/7032/85–86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 26-7–1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

निसार ग्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बम्बई

दिनांक: 7-3-1986

: ४अ 🚓

प्ररूप बार्च, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनयम, 1801 (1961 का 43) की आरा 269-म (1) को अधीम धुम्मा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-1, वम्बई

बम्बई, विनाँक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० श्रई—1/37-ईई/7468/85~86~~श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० कार्यालय कमरा नं० 14/एल, जो, इसारत नं० 3, लॅमिंग्टन रोड, स्किम नवजीवन को०— श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, लॅमिंग्टन रोड, बम्बई—8 में स्थित हैं। (श्रौर इसमे उपाबद्ध अनुसूचो में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269, क, ख के श्रधीन बम्बई . स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है दिनाँक 26-7-1985

करें प्रवेदित सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्याबान प्रतिफल के जिए बन्तरित की नई है और मुक्ते वह विश्वाध करने का कारण है कि यथाप्योंकत संपत्ति का उचित बाजार अस्य, उसके क्यायमान प्रतिफल से, ऐसे क्यायमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिकत से विभक्त है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (बंतरितीनयों) के बीच एने बंदरित के विम्हत प्रवास प्रयो प्रविक्त फल निम्नितिसित उद्विध्य से उक्त अन्तरण निविद्यत में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबव, कन्त जिथिनियम के नमीन कर दोने के बन्तरक के दावित्थ में कसी करने बा उत्तसे बचने में सुविधा के सिइ; बॉर/मा
- (क) एसी किसी बार वा किसी थन या बच्च जास्तिकों स्था, जिन्हें आरंतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या खन्त वीधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम गा धनकर अधिनियम का धनकर अधिनियम विद्या धनकर अधिन के प्रयोधनार्थ अन्तिरिती ध्वारा प्रकट अधी किया चया था या किया धाना चाहिए था, कियाने में श्रीवधा के विद्या

बत: व्यव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्धरण में, मैं, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीर जिस्तीचिक्त स्थानितयों, विधात है—— 83—26 GI/86 (1) श्री मणिभाई कें० पटेल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री तिधपूरवाला एत० तैयवश्रली।

(भन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती। (वह व्यक्ति जिनके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

की नह स्थान वारी करफे पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 हिन की बनीच या तत्सम्बन्धी न्याक्तिया कर एकता की सामीन से 30 हिन की जनीच, आं भी क्रविष वाच में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांत वाच से समाप्त होती हो, के भीतर प्रांत वाच से समाप्त होती हो, के भीतर प्रांत वाच से समाप्त होती हो।
- (क) इस सूचना को राजपन मों प्रकाशन की तारीब से त्45 किन को भीतर उक्त स्थावर सम्प्रित है है। बहुध किसी कस्य स्थानत द्वारा, अध्यहस्ताक्षरी की गांत किस्तिह को निकार का सकता ।

स्पच्छीकरण :--इसमें प्रयुक्त पथ्यों और पदों का, जो उनत विधिनियम, के अध्याध 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हमेगा जो उस अध्याध भी दिया गमा है ।

नग्लुची

कार्यालय कमरा नं 0 14/एल, जो, 9त्रीं, मंजिल, इमारत नं 0 3, लॅमिंग्टन रोड, स्किम को 0 — श्राप ० हाउतिग सोमायटी लि 0, लॅमिंग्टन रोड, बम्बई 8 में स्थित है। श्रनुसूची जैपाकि ऋ० सं० श्रई 1/37 —ईई/7022/ 85 86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनाँ ह 26 ~ 7 ~ 1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार ग्रह्मद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, बस्बई

धिनाँक: 7-3-1986

इक्ष्य वार्डे.टी.एड्.एड.,------

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सूचना

भारत दरका

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रें 3 -1, बम्ब 4 बम्ब 4 , दिनौंक 7 मार्च 1986

निर्देश सं० श्रई-1/37-ईई/7378/85-86--श्रतः मुझे, निसार श्रहमद

नामकर मिपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्क मिपिनयम' कहा गया हैं) की धारा 269-क के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं गोडाउन नं डी जो -1, जो, तल माला, रशधारा को - ग्राप हाउनिंग सोतायटी लि, 385, सरदार बी जो पो रोड, बम्बई - 4 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण ध्य से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 को धारा 269 ख के श्रीधीन प्रमंद स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय रजीस्ट्री है। दिनौंक 19-7-1985

को पृथित सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य से कम को क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्तांकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक कन्तरण लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में इन्तिवक्ष रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण वं कृदं किसी नाम की बाबत, उक्त बीधीनयम के बधीन कर दोने के बन्तरक के बासित्व में कमी करने या उसस बचने में सृत्रिधा के मिए; भीर/याः
- णेशी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर आधानयम. 1957 (1957 की 27) के प्रवोक्तार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण कें, में, उक्त अभिनियम को भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री विमल वी० गहा श्रीमती सुलोचना वी० गहा, श्रीमती छाया जे०, मृख्यार, श्रीमती ग्रंजली एम० खिमानी, कानुनी वारस वैक्ठलात एल० गहा। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीविठ्ठत एस० झवेरी।

(भ्रन्तरिता)

(3) भ्रन्तरिती।

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है),

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के स्थिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्क सम्पत्ति के अञ्चन के सम्बन्ध मी कोई भी आक्षप :----

(क) इस क्षमा के राज्यन में प्रकारन की तारीच के
45 दिए की भगीय ना रत्तामांगी क्षमित्यों पर
क्षमा की तामीम से 30 दिन की नगीय, वो भी
अविध बाद में समाप्त होता हो, क भीतर पूर्वाक क्षितायों में दे किसी क्षमित हवारा;

ं एस सूचना के रोपपा मो प्रकाशन की तारीय नं 45 दिन के भीतर तक्त स्थापर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसित मा किए जा सकेंग ।

स्पष्टीकरण: - इसमें श्रयंत्रत शब्दों और पदों का जो अवस अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्यास . देश गया है।

अन्त्यी

गोडाउन नं० डी० जी०-1, जो तल माला, रशधारा को० भ्राप० हार्डीसग सीसायटी लि०, सरदार बो० पी० रोड, बम्बई-4 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ मं० श्रर्श्-1/37-ईई/6934/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनाँक 19-7-1985 को र्जिस्टई स्थि गया है ।

नि∵ार म्रहमद सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षऋ) ग्रर्जन रेंज⊸1, बम्बई

दिनौंक: 7-3-1986

प्ररूप बार्च .टी .एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 मार्च 1986

निर्वेश सं० श्रई- 1/37-ईई/7183/85-86--अत:

मुझे निसार श्रह्मद अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-ख के अधीर सक्षम प्राधिकारी की यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकि सं० फ्लैट नं० 707, जो 7वीं, मंजिल, विमलाचंल बी-विंग मोतीणा लेन, भायखंला, बम्बई-27 में स्थित है। श्रीर इसे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण एवं से विंगत है), (श्रीर जिसका करारनामा स्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 के, खे के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रशिस्ट्री है दिनाँक 4-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एमे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिन्रम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के उधीन, निम्नीखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) ग्ररूण कुमार ग्रो० जैन।

(श्रन्तरक)

(2) श्रारीत कुमार पी० परमार श्रौर श्री मती उर्मिला ए० परमार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचमा कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्चन के शिष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाबीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण :— इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का,, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

फ्लैट नं० 707, जो 7वीं मंजिल, विमलाचंल, बी-विंग मोतीशा लेन भायखला, अम्बई-27 में स्थित है।

श्रनुसूची जैताकि ऋ० सं० श्रई-1/37-ईई/6749/ 85-86 धौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 4-7-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> निसार **भहमद** सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, बम्ब**ई**

दिनाँक: 7-3-1986

मोहरः

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 6th March 1986

No. A.12025(ii)/1/84-Admn.HI.—Shri A. K. Sharma, colliciating Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission who was officiating as Accounts Officer on deputation basis in the same office stands reverted as Section Officer with effect from 10-1-86 (AN).

2. In supersession of this office Order No. A.12025(ii)/1/84-Admn.III date. 10th Jan., 1986 consequent on his nomination by the Department of Personnel and Training vide their O.M. No. 5/11/85-CS.I, dated 9-9-1985, for inclusion in the Select List of Section Officers' Grade for the year 1984 (Seniority Quota) in the CSS cadre of the Ministry of Information and Broadcasting, Shri A. K. Sharma, an officiating Section Officer in the CSS cadre of the UPSC is relieved of his duties in this office on the forenoon of the 7-3-86.

M. P. JAIN
Under Secy (Per. Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 11th March 1986

No. 1-20/82-CFSL.—The President is pleased to appoint Shri N. K. Ptasad, Senior Scientific Assistant, Central Ferensic Econece Laboratory, C.B.I., New Delhi as Senior Scientific Officer Gr.II, Chemistry Division, Central Forensic Econece Laboratory, Central Bureau of Investigation, New Delhi with effect from 22-1-1986 (Forenoon) on ad-hoc basis for a period of six months or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

The 21st March 1986

No. A-19020/8/83-AD.V.—The services of Shri S. P. Mishra. IPS (UP-SPS) Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, Lucknow Branch are placed at the disposal of Govt. of Uttar Pradesh with effect from the afternoon of 3rd February, 1986, on repatriation.

K. CHAKRAVARTHI Dy. Director (Admn.) CBI

CFNTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 21st March 1986

No. 1/2/85-Admn,—The Central Vigilance Commission hereby appoints Shri Kanwal Nain, a permanent Assistant of this Commission, as Section Officer in this Commission on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-1200 with effect from the forenoon of 18-3-1986 for a period of three months or until further orders whichever is earlier.

MANOHAR LAL
Under Secretary (Admn.)
for Central Vigilance Commissioner

DIRECTOR GENERAL C.R.P.F.

New Delhi-110003, the 21st March 1986

No. O.II-1320 76-Estt-1.—Consequent upon his retirement from Government service under rule(c) of CRPF Rules, Shri G. S. Rawat has relinquished charge of the post of DYSP, Group Centre CRPF, Rampur on 6-2-1986 (AN).

No. O.II-1485/80-Fstt-I.—Consequent upon his retirement from Govt, Service, Shri Gurmukh Singh has relinquished charge of the post of Dy. S.P. 30th Bn CRPF on 28-2-1986 (AN).

No. D.1-29/85-Estt-I—The date of placing services of Shri A. S. Sidhu. Asstt. Commandant 4/43 Bn. CRPF to Govt. of Puniab is amended to read as 10-9-85 (FN) instead of 12-9-85 (FN).

No. O.II-2130/86-Estt.I.—The President is pleased to appoint Dr. Jitendra Vatsyayan as General Duty Officer Grade-II (Dy SP/Coy. Commander) in a temporary capacity in the CRPF with effect from the forenoon of 3rd March, 1986 till further orders.

No. O.11-2135/86-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Ajit G. Wandre as General Duty Officer, Grades II(Dy. Supdt of Police/Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 13/3/1986 till further orders.

The 25th March 1986

No. O.II-2137/86-Est.—The President is pleased to appoint Dr. Nirmal Kumar as General Duty Officer, Grade-II (Dv. Supdt, of Police/Coy. Commander) in the CRPF in a temporary capacity with effect from the forenoon of 17/3/1986 till further orders.

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Asstt. Director (Estt.)

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-11, the 25th March 1986

No. 11/10/84-Ad. I—On the recommendation of the Selection Committee, the President is pleased to appoint the following officers to the post of Deputy Director of Census Operations, by transfer on deputation with effect from the date mentioned against their names in column 3 below, with their headquarters mentioned in column 4 below.

The officers will be on deputation for 3 years or until further orders whichever period is shorter.

Sl. No.	Name & Designation	Date of appointment	Office where posted (Headquarter)
1	2	3	4
S	hri S. Rajagopalan, ection Officer MSS cadre of MHA)		Office of the Registrar General, India, New Delhi.
A (0	hri Prem Nariani, dministrative Office Grade I Officer of SS cadre)	11-2-1986 r	Directorate of Census Operations, Maharashtra, Bombay.

The 27th March 1986

No. 13/12/85-Ad.I.—On attaining the age of superannuation, Shri E. Ramaswamy, Research Officer in the office of the Registrar General, India, New Delhi, relinquished the charge of the post of Research Officer in the same office, with effect from the afternoon of the 28th February, 1986.

V. S. VERMA, Registrar General, India

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

SAME ELEGICAL TO THE WITCHIS AND A STORY

ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 20th March 1986

No. Admn.I/8-132/85-86/211.—Sri V. Somala, Audit Officer, Office of the Accountant General (Audit)I, Andhra Pradesh, Hyderabad expired on 7-3-1986.

Sd./- ILLEGIBLE. Sr. Dy. Accountant General (Adm.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) I. BIHAR

Patna, the 20th March 1986

No. Admn.I(Au)-I-20-5-2002.—The Accountant General (Audit)-I, Bihar, Patna has been pleased to promote the following Section officers to officiate until further orders as Assistant Audit officers (Gr. B) Gazetted in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 with effect from 14-3-86

(F.N.) or from the date of their taking over charge whichever is later.

- 1. Shri Ram Chandra Choudhary No. I
- 2. Shri Janardan Dubey
- 3. Shri Dilip Kumar Moitra
- 4 Md. Daud
- 5. Shri Syed Ahmed Khan
- 6. Shri Lok Nath Das

Sd/- ILLEGIBLE

Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) J&K

Simagar, the 14th March 1986

No. Admn.1/A&E/60(25)-85-86/62174.—The Accountant General (J&K) has been pleased to appoint Smt. Basanti Dalal; officiating Section Officer to the post of Accounts Officer in the pay scale of (Rs. 840-40-1000-EB-40-1200) in an officiating capacity w.e.f. 17-2-1986 (FN): till further orders Smt. Basanti Dalal will rank next to Sh. M. L. Razdan (A.O.) in the officiating Accounts Officer Cadre.

Sd/- JLLEGIBLE Dy. Accountant General (AIE)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT) KERALA

Trivandium, the 20th March 1986

No. Est: & Cash/1/10-3/85-86/784.—Shri V. J. Joseph, Audit Officer of the Office of the Accountant General (Audit) Kerala, Trivandrum retired from Government service on superannuation on 28-2-1986 A.N.

V. LAKSHMINARAYANAN Accountant General

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A & E) 1 MAIDHYA PRADESH

Gwalior, the 19th March 1986

No. Admn.1/PF.Jl.A/2982.—Shri Jawahar Lal Agrawal (01/388) an officiating Accounts Officer of the office of the Accountant General (Λ & E) I, M. P. Gwalior will retire from Govt. service with effect from 31st March 1986 After-noon on attaining the age of superannuation,

Sd/- ILLEGIBLE Sr. Deputy Accountant General (A).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (AUDIT)

GUJARAT

Ahmedabad-38017, the March 1986

The Accountant General (Audit) I, Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint the following Section Officers (Audit) to officiate as Asstt. Audit Officers in the Office of the Accountant General (Audit), Gujarat, at Ahmedabad/Rajkot with effect from the dates shown against each until further orders.

S/Shri

1. A. Sitaram · · · 13-2-86 FN Ahmedabad 2. A. B. Nair · · · 13-2-86 FN Ahmedabad 3. K. Sashidharan · · 12-2-86 FN Ahmedabad 4. V. K. Aghara · · 12-2-86 FN Rajkot.

The above is provisional and subject to the outcome in Liv Special Civil Application No. 388 of 1984 in Honourable High Court of Gujarat.

Sd./ ILLEGIBL SR. DY. ACCOUNTANT GENERAL (ADMN

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&E) WEST BENGAL

Calcutta-700 001, the 7th March 1986

No. Admn.I/1038-XXI/3363.—The Accountant General (A & E), West Bengal has been pleased to appoint on adhoc and provisional basis the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary and officiating capacity with effect from the 7th March 1986 (A.N.) or the date/dates on which they actually take over charge thereafter as Accounts Officer in this office whichever is later and until further orders.

SI. No. S/Shri Name

- Ashis Kumar Choudhury II— fon deputation to Government of West Bengal, Home 'PAR' Department.
- 2. Debabrata Bose
- 3. Anil Kumar Saha-II
- 4. Shyamapada Pramanik

It shall be clearly understood that the aforesaid promotion in the cadre of Accounts Officer are purely provisional during pendency of the Rule in the Calcutta High Court case and will subject to the final decision of the court case filed against the Union of India and others under C. R. Case No. 14818 (W) of 1979.

The newly promoted Accounts Officers will have to exercise option within one month. On their promotion their pay shall be first fixed under FR 22-C and in case they exercise option in terms of para 2(h) of OM dated 26-9-1981 within the prescribed period of one month, their pay should be fixed under FR 22(n)(i) with effect from the date of their 'Promotion and then under FR-3 only with effect from the date of next increment in the feeder post.

D. MISHRA

Sr. Dy. Accountant General (Admn)

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF

IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 17th March 1986 IMPORTS & EXPORTS TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6.708/63-Admn(G).—On attaining the age of superormulation Shri G. B. Srivastava, Dy. Chief Controller of Imports & Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports. Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 28th February, 1986.

SHANKAR CHAND

Dy. Chief Controller of Imports & Exports for Chief Controller of Imports & Exports

The state of the s

MINISTRY OF TEXTILES

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 18th March 1986

No. 27(5)/86/EST-I/1175.—The President of India is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 3rd March, 1986 and until further orders Shri T. G. Sonawale, as Assistant Enforcement Officer Gr. II in the office of Textile Commissioner, Bombay.

ARUN KUMAR Textile Commissioner

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 18th March 1986

No. 19001/29/83-DCH/Admn.I.—Consequent on his appointment as Development Commissioner for Handicrafts, Shri P. K. Datta, IAS (AM: 67) has relinquished charge of the post of Additional Development Commissioner for Handlooms with effect from the forenoon of 18th March, 1986.

RANJANA SINHA

Jt. Development Commissioner for Handlooms

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA KHAN VIBHAG

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 19th March 1986

No. 1918B/A-19011 (1-NSR)/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri Natendra Singh Rana to the post of Geologist (1r.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 26-12-1985, until further orders.

The 20th March 1986

No. 1934B, A-19012 (5-KC)/85-19B.—Shri Krishan Chandra, Foreman (Senior), GSI has been appointed on promotion to the post of Asstt. Mech. Engineer in the Geological Survey of India by the Director General, GSI on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 18-11-85, until further orders.

No. 1946B/A-32014 (2-AG)/79-19B.—The following Sr. Tech. Assistants (Geophysics), Geological Survey of India, have been appointed on promotion to the post of Assistant Geophysicist in the same Department by the Director General, Geological Survey of India, on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in officiating capacities with effect from the dates mentioned against each, until further orders.

- 1. Shri R. Satyanarayana w.e.f. 31-12-85 (F/N).
- 2. Shri B. Hari Rao, w.e.f. 31-12-85 (F/N).
- 3. Shri S. Siddaiah w.c.f. 31-12-85 (F/N).
- 4. Shri R. S. Acharya w.e.f. 1-1-86 (F/N).
- 5. Dr. M. K. Chauhan, w.e.f. 1-1-86 (F/N).
- 6. Shri J. A. Nagabhusana Rao w.e.f. 1-1-86 (F/N).
- 7. Shri Vijay Narayan Singh w.e.f. 2-1-86 (F/N).

A. KUSHARI Director (Personnel)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 19th March 1986

No. A-19011(48) /70-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri K. L. Jangida, permanent Deputy Controller of Mines to the post of Regional Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on regular basis with effect from the forenoon of 13th February, 1986, until further orders.

No. A-19011(49) /80-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri M. P. Kusum, permanent Deputy Controller of Mines to the post of Regional Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines on regular basis with effect from the forenoon of 12-2-86, until further orders.

G. C. SHARMA Asstt. Administrative Officer for Controller General

DIRECTORATE GENERAL: DOORDARSHAN

New Delhi, the 14th March 1986

No. 6/23/86-S II.—Consequent on his transfer from All India Radio, Ranchi, on promotion Director General: Doordarshan is pleased to appoint Shri A. Dey Purkayastha as Administrative Officer at Doordarshan Kendra, Guwahati with effect from 27-2-1986 (F.N.).

T. S. SUNDARESWARAN Dy. Director of Admn.

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 25th March 1986

No. PA/73(18)/85/R-IV/432.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. Garde Vinayak Venkatesh as Resident Medical Officer in Medical Division of Bhabha Atomic Research Centre in a temporary capacity with effect from the afternoon of 14-3-1986 for a period of three years.

N. L. VENKITESWARAN Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF SPACE SHAR CENTRE

Nellore (A.P.), the 12th February 1986

No. SCF. PGA. Estt.II.15.—The Director, Shar Centre hereby appoints on promotion Shri K. Kameswara Rao to the post of Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960/- in the Shar Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the forenoon of 06-02-1986.

P. S. NAIR
Head, Personnel & General Admn. Division
for Director

CENTRAL WATER COMMISSION

New Dolhi-110 066, the 21st March 1986

No. A-19012/1123/85-Esit.V.—Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Shevendu Pathak, Supervisor to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- for a period of one year or till the post is filled on regular basis whichever is earlier with effect from the forenoon of 10-10-1985.

The 24th March 1986

No. A-19012/1120/85-Estt.V.—Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri G. C. Mani, Senior Research Assisant to the post of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and ad-hoc basis with effect from the forenoon of 7th November, 1985 for a period of six months or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

MEENAKSHI ARORA
Under Secretary
Central Water Commission

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 19th March 1986

No. 3-740/86-CH(Estt).—Shri Devakaran Rai is appointed to the post of Assistant Hydrogeologist, G.C.S. Group-B (Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on temporary basis in the Central Ground Water Board w.e.f. 22-1-1986 (FN) till further orders.

B. P. C. SINHA, Chief Hydrogeologist and Member

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110 066, the 17th March 1986

2/86.F. No. 22/2/85-Adm.I(B).—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the under-mentioned Technical Assistants/Supervisors to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer to the Central Power Engineering (Group 'B') Service in the Central Electricity Authority in an officiating capacity with effect from the dates noted against each, until further orders:—

- (1) Shri S. C. Mittal ___ 30-1-1986
- (2) Shri Ramesh Batra—31-1-1986
 (3) Shri A. K. Saha—31-1-1986
 (4) Shri P. Choudhury—31-1-1986

R. SESHADRI Under Secretary for Chairman

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT New Delhi, the 29th January 1986

No. 33/2/83-EC IX.- The President is pleased to appoint No. 33/2/83-EC 1X.—The President is picascu to appoint the following nominees of the U.P.S.C. against the temporary posts of Deputy Architect (G.C.S. Group 'A') in the Central Public Works Department in the scale of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300 (plus usual allowance) with effect from the dates shown against each on the usual terms and conditions:

Shri P. K. Verma—31-12-1985 (AN) Shri Ravindra Kumar Thathu—2-1-1986 Kumari Madhu Sharma—13-1-1986 Sh. Vinod Kumar Tiwari—14-1-1986

2. They are placed on probation for a period of two years with effect from the date of their appointments.

PRITHVI PAL SINGH Dy. Director of Administration

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT DIRECTORATE GENERAL OF WORKS

New Delhi, the 17th March 1986

No. 5/4/82-ECI.—On the basis of the results of Combined Engineering Services Examination held in 1983, the President is pleased to appoint the following persons on probatio n against temporary posts of Assistant Fxecutive Engineer (Civil/ Elect./Mech.) under the Central Engineering Services and Central Electrical & Mechanical Engineering Services Group 'A' in the Central Public Works Department with effect from the dates mentioned against their names:

S. No.	Name (S/Shri)			Date	of appointme
 (Civil)			· · · -	
1. 1	Harbhajan Singh Chugh,		-	•	16-1-86 (FN)
2	. Shailendra Sharma	•	-	•	17-9-85 (FN(

2				3
sh K. Pathak		-		5-6-85(AN)
Kumar Sharma	ı .		•	13-9-85 (FN)
n Kumar Verm	a			14-8-85 (FN)
ikrishna Panic	ker		•	9-5-85 (FN)
umar Garg				16-5-85 (FN)
lumar Jha		•	•	31-7-85 (FN)
han Khateek (SC)		•	10-5-85 (FN)
Ram Patil (SC)	· (30-10-85 (FN)
an Prasad Mee	na (S	T)	•	11-9-85 (FN)
ai Meena (ST)	•			16-8-85 (FN)
Deori (ST)	•	•	•	10-5-85 (FN)
RICAL				
umar Ahuia				31-5-85 (FN)
-	٠		•	29-10-85 (FN)
ANICAL				
Lai (SC)	•			8-7-85 (FN)
	sh K. Pathak Kumar Sharma n Kumar Verm tikrishna Panic umar Garg Tumar Jha Dhan Khateek (Ram Patil (SC)	sh K. Pathak Kumar Sharma n Kumar Verma nikrishna Panicker umar Garg (umar Jha bhan Khateek (SC) Ram Patil (SC) nan Prasad Meena (S' aj Meena (ST) Deori (ST) RICAL umar Ahuja Chandra	sh K. Pathak Kumar Sharma n Kumar Verma nikrishna Panicker umar Garg (umar Jha bhan Khateck (SC) Ram Patil (SC) nan Prasad Meena (ST) nai Meena (ST) Peori (ST) RICAL umar Ahuja Chandra	sh K. Pathak Kumar Sharma n Kumar Verma nikrishna Panicker umar Garg (umar Jha bhan Khateek (SC) Ram Patil (SC) nan Prasad Meena (ST) aj Meena (ST) Peori (ST) RICAL umar Ahuja Chandra

K. C. DEHURY, Dy. Director of Admn.

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. B. Columbia Textile Manufacturing Company Private

Chandigarh, the 24th March 1986

No. G/Stat/560/10438.—Notice is hereby given rursuant to sub-section the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. B. Columbia Textile Manufacturing Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. R. G. Rubbers & Fans Private Limited.

Chandigarh, the 26th March 1986

No. G/Stat//512.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. R. G. Rubbers & Fans Private Limited, has this day been struck off the register and the company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Sun Shoes Private Limited.

Chandigarh, the 26th March 1986

No. G/Stat/3652/10514.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Sun Shoes Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Popli Chit Fund Private Limited.

Chandigarh, the 26th March 1986

No. G/Stat/3052/10516.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956

that the name of M/s. Popli Chit Fund Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Chandi Production Private Limited.

Chandigarh, the 26th March 1986

No. G/Stat/3127/10518. - Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Chandi Production Private Limited, has this day been struck of the register and the said company is disolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Crown Paper Mills Private Limited.

Chandigarh, the 26th March 1986

No. G/Stat/4149/10520.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Crown Paper Mills Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of M/s. Super Tico Foods Private Limited.

Chandigarh, the 26th March 1986

No. G/Stat/3955/10522.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Super Tico Foods Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M's. M. M. Bhaskar (North India) Traders Private Limited.

Chandigarh, the 26th March 1986

No. G/Stat/4141/10524.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. M. M. Bhaskar (North India) Traders Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Standard Impex Private Limited.

Chandigarh, the 26th March 1986

No. G/Stat/560/3760/10526.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the expiration of three months from the date hereof

the name of M/s. Standard Impex Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the regirt, and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Apex Bearing Private Limited.

Chandigarh, the 26th March 1986

No. G/Stat/4080/10528.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s Apex Bearing Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Pradeep Limited.

Chandigarh, the 26th March 1986

No. G/Stat/2338/10530.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Pradeep Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Punjcan Fastness Limited.

Chandigarh, the 26th March 1986

No. G/Stat/5302/10532.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Punjcan Fastness Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

B. M. JAIN Registrar of Companies, Punjab, H.P. & Chandigarh

INCOME-TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-400 020, the 20th March 1986

No. F. 48-Ad(AT)/1986.—On attaining the age of superannuation, Shri T. K. Genguly, Assistant Registrar, Incometax Appellate Tribunal, Cuttack Bench, Cuttack with head-quarters at Calcutta retired from Government service with effect form the afternoon of 28th February, 1986.

T. D. SUGLA President

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AMRITSAR

Amritsar, the 12th March 1986

Ref. No. ASR/85-86/70.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Vill. Tapala, Teh. Batala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R. Dera Baba Nanak on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; under

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

84-26G1|86

 Shri Bawa Singh S/o. Shri Asa Singh, Vill. Tapala, Dera Baba Nanak, Teh. Batala, Distt. Gurdaspur.

(Transferor)

(2) Shri Bachitter Singh S/o. S. Kirpal Singh, Shri Amrik Singh S/o Shri Vasakha Singh, Vill: & PO. Kalanaur, Dera Baba Nanak, Teh. Batala, Distt. Gurdaspur.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 91 K-2, M, situated in Vill. Tapala, Dera Baba Nanak, Teh. Batala, as mentioned in sale deed No. 592 dated 25-7-85 of registering authority, Dera Baba Nanak. Distt, Gurdaspur.

J. PRASAD, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Amritaar

Date: 12-3-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-*AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 11th March 1986

C.R. No. 62/47780/85-86/ACQ[B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 28/1, situated at Hutchins Road, II Cross, St. Thomas

Town, B'lore-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at Shivajingar on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ed 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Shrimati M. Mathyavathy, No. 28/1, Hutchius Road, II Cross, St. Thomas Town, B'lore-84.

(Transeror)

(2) Shrimati A. Eliayabeth, No. 7/1, Sabapathy Lane, Cavelry Road Cross, B'lore-1,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1124/85-86 dated 11-7-85).

Property bearinfg No. 28/1, at Hutchius Road, II Cross, St. Thomas Town, Blore.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Ranke
Bangalore

Date: 11-3-1986.

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th March 1986

C.R. No. 62,47825,85-86|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 192, situated at VI Block, Koramangala Extn., B'lore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer B'lore South Tq. on 8-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pergent, namely:—

 Shri G. P. Durairaj, S/o. Late Sri G. Ponnuswamy, No. 14, Cubbon Road, B'lore-1.

(Transferor)

(2) İndira Anand, W/o. Sri A. V. Anand, C/o Sri C. V. Ramachandran, No. 32/1, Ramakrishnappa Road, Cox Town, B'lore-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1169/85-86 dated 8-7-85.)

Property bearing No. 192, at VIth Block, Koramangala Extension, Bangalore.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 12-3-1986.

Scal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th March 1986

C.R. No. 62/47787/85-86|ACQ|B.—Whereas, 1, R. BHARDWAJ

the Inco ne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 10(26), (Southern Porlion), situated at Hospital Road, R'lore

(and more fully described in the Schedule a moxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar on July 1985

for an i pparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the p operty as afaresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparen consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the ac uisition of the aforesaid property by the issue of this not ce under subsection (.) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Shri Ali Mohammed Sait, (2) Fyaz Sait (3) Mrs. Fatima Jastar, No. 1 & 2, residing at No. 10, Blore & No. 3, at 52/A, Infantry Road, B'lore.

(Transferor)

(2) Shrimati Surekha, No. 100, Main Bazaar, Ootacamund.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein asare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1158/85-86 dated July85).

Property bearing No. 10(26), at Hospital Road, Bangalore, (Southern Porlion).

> R. BHARDWAJ Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 12-3-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th March 1986

C.R. No. 62/47786/85-86|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 10(26), (Northern Porlion) situated at Hospital Road, Papacology

Bangalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shivajinagar on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Ali Mohammed Sait, (2) Sri Fyaz Sait,
(3) Mrs. Fatima JaJffer,
No. 1 & 2 residing at No. 10,
Hospital Road, B'lore, &
No. 3 at 52/A, Infantry Road, B'lore.

(Transferor)

(2) Saroja Umesh Nahar, No. 100, Main Bazaar, Ootacamund.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1157/85-86 dated July, 1985).

Property bearing No. 10/26), at Hospital Road, Bangalore (Northern Portion).

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of I come-tax Acquisition Range Bangalore

Date: 12-3-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 6th March 1986

Ref. No. AC-36/Acq.R-IV/Cal[85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN being the Competent Authority under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 14/5 situated at A.B. Chakraborty Lane, Uttarpara, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hooghly on 3-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/o=
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 26%C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Gita Basu, 14/B,
 A. B. Chakravorty Lane, Uttarpara, Hooghly.

(Transferor)

(2) Smt. Mridula Mukherjee, P.S. Chinsurah, Hooghly. Sri Prataditya Mukherjee, 22, Subhas Nagar, Dum Dum Cantonment, P.S. Dum Dum, Dist. 24-Parganas.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: .052 acre land with building.

Address: 14/B, A. B. Chakravorty Lane, P.S. Uttarpara,

Hooghly.

Deed No.: 4658 of 1985.

SHAIRH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
Calcutta

Date: 6-3-1986.

(1) Sri Santi Kumar Sana, 1, Broja Chandra Gali, Kamarpara, P.S. Chinsurah, Hooghly.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1261)

(2) Smt. Mira Bandhopadhaya, 1, Braja Chandra Gali, Kamarpara, P.S. Chinsurah, Hooghly.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 6th March 1986

Ref. No. AC-37/Acq.R-IV/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
73/71 situated at Braja Chandra Gali 1st Lane, Uttarpara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hooghly on 8-7-1985

Hooghly on 8-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANAT.ON: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

- (a) facilitating the redunction or evasion of the liability
- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land: 4 cottahs 1 chittaks 12 sq. ft. with building. Adldress: 73/71, Braja Chandra Gali 1st Lane. P.S. Chinsurah, Hooghly.

Deed No. 4780 of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700-016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 6-3-1986

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd March 1986

Ref. No. 2/July/85.—Whereas, I,

Ref. No. 2/3my/83.—whereas, 1, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 2690 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 77, 68.3, 80-2, 74-3 situated at Murungaikalathur

Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Kattuputhur (Doc. No. 667/85) in Junly, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the such instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any inecess arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. C. Nallammal and Others, Sandaipettai Puthur, Namakkal Town.

(Transferor)

(2) Shri R. Palayandi Gounder and others, V. Naikkenpatty, Namakkal Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be sends in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the data of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period days hater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands. (Murungaikallathur Village). S. No. 77, 68-3, 80-2, 84-3, (9.63 acres).

> S. S. N. MOORTHY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madural-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 3-3-1986

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd March 1986

Ref. No. 5/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 669, situatedat Pudupatty Village (and more 'ully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Ponnamarayathy (Doc. No. 20/85) in July,

at Sub-Registrar, Ponnamaravathy (Doc. No. 20/85) in July,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefort, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:— 85—26GI/86

(1) Shri R. Subbiah Thevar and Others, P. Pudupatty, Ponnamaraythy Tk.

(Transferor)

15427

(Transferor)

(2) Shri S. Raju Achari, P. Pudupatty, Ponnamaravthy Tk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afcresald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said knowledge. able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building. S. No. 669, Pudupatty.

S. S. N. MOORTHY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madurai-625 002

Date: 3-3-1986

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. M. Vallimayil Ammal, Vanakkara Street, Ramnad.

(Transferor)

(2)Smt. M. S. Abdul Fareeda, Vanakkara Street, Ramnad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd March 1986

Raf, No. 7/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 49A, Vanakara Street situated at JSR.II, Ramnad (and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ranmad in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Biulding 49A, Vanakkara Street, Ramnad. (Doc. No. 646/85).

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madurai-625 002

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 3-3-1986

Scal:

(1) The Jesuit Madurai Province, Dindigul.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Vijayashree Finan & Investment (P) Ltd., 36, Archbishop Mathias Avenue, Madras-28.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd March 1986

Ref. No. 8/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 25 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

S. No. 264 situated at Kodaikannal (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Suh-Registrar, Kodaikanal (Doc. No. 598/85) in July, 85

1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Kodaikanal (Doc. No. 598/85) in July, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site, One acre, S. No. 264, Kodalaknal,

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madural-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following lug persons, namely:—

Date: 3-3-1986

FORM ITNS———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd March 1986

Ref. No. 10/July/85.—Whereas, 1, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 2698 of the Iscome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing TS No. 361 situated at Alangudi Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alangudi (Doc. No. 907/85) in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in tempera of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the commentment of any income or any message or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1927 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under resection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri S. Mubarak Ali and other, Alangudi, Pudukottai Dt.

(Transferec)

 Smt. Alamelu, W/o Shri S. Govindarajan, Alangudi, Pudukottai Dt.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gusette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building (T.S. No. 361).

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madural-625 002

Date: 3-3-1986

(1) Smt. M. Chinnammal, Kakkalapatty,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. Karuppannan, S/o Shri M. Muthusamy Gounder, Kakkalapatty, Kakur Taluk.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-III, ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002 NEW DELHI

Madurai-625 002, the 3rd March 1986

Ref. No. 11/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vellanai Village situated at S. No. 426 B and 452 (and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Sub-Registrar, Vellanai (Doc. 508/85) in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant Site. S. No. 426B and 452 (Kakkalapady),

9. S. N. MOORTHY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madural-625-002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely : ---

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd March 1986

Ref. No. 13/July/85.-Whereas, I,

S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 766/2c (Block No. 18) situated at Srirangani

Municipality

Municipality
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the registering Officer at
Sub-Registrar, Spirangam (Doc. No. 1481/85) in July, 1985
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the tair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
interefor by tauge than tiffeen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the perties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the cransfer; and or

(b) facilitating the concealcent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri K. Padmanabhan & others, 6, Butterworth Road, Trichy.

(Transferor)

(2) Smt. Sakunthala Ammal, W/o Perumal Chettir,
Paramasivapuram Colony, 2nd Cross St., Lalgudi, Trichy Dt. Karur Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Biulding (TS. No. 766/20) Block No. 18.

S. S. N. MOORTHY Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai-625-002

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd March 1986

Ref. No. 16/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. S. No. 22, 23 & 24 situated at Mathur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (15 of 1908) in the office of the registering Officer at Sub-Registrar, Kulathur. (Dec. No. 1600/85) in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andler
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other users which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Weslith-ter Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Smt. Amrithammal, & others, South St., Mathur Village, Kulathur Tk, Pudukottai Dt.

(Transferor)

(2) M/s High Energy Batteries (India) Ltd., 109, N. H. Road, Madras-34,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

lands at Mathur Village, S. No. 22, 23 and 24.

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madural-625-002

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1 of Section 269D of the said Act to the following marsons, namely:—

Date: 3-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. D. Kathrin, Pallivilai, Vadasery,

(Transferor)

(2) Shri Josudoss,-K. Ground St., Vathiyarvilai, Vadasery, K.K. Dt.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd March 1986

Ref. No. 17/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 2042 A situated at Vadasery (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Vadasery. (Doc. No. 560/85) in July, 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Land.. S. No. 2042 A 7 Cents.

S. S. N. MOORTHY/
Competent Authority
'nspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madurai-625-002

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformatid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-3-1986

(1) Shri A. Balakrishnan, Trichy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Richard Arokiaraj, 32, Bishop Road, Puthur, Trichy.

('!ransferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd March 1986

Ref. No. 18/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Puthur Village situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at ISR II, Trichy, (Doc. No. 601/85) in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to blove that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said natrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said properts may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the gaid Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

THE SCHEDULE

Land (Doc. No. 601/85),

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Walth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. S. N. MOORTHY Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai-625-002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-86-26GI/86

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd March 1986

Ref. No. 21/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing RS No. 20/1 situated at Sivagiri Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR I Palani (Doc. No. 994/85) in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri V. S. Durairaj, Velloor Chathrapatty, Palani Tk.

(Transferor)

(2) Dr. R. Ramanathan, Periyar Road, Shanmugapuram Building Society Colony, Palani.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building, (R.S. No. 20/1) Sivagiripatty village.

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Mudural-625-002

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-3-1986

Seal

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

7, South Sunnambukara St., Trichy.

(1) Shri M. A. Mohamed Hussain,

(Transeror)

(2) Shri M. Mahendra Kumar M. Vora & Others, 46, 9A Cross Road, Thillainagar, Trichy.

(Transeree)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai, the 3rd March 1986

Ref. No. 26/July/85.—Whereas, I
S. S. N. MOORTHY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'anid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value
exceeding 1,00,000 and bearing No.
T. S. No. 70, situated at Thillai Nagar, Trichy
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registration Act 1906, (10 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Woraiyur (Doc. No. 2296/85) on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebiect of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building. (TS: No. 232/1B2).

S. S. MOORTHY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai-625 002

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 3-3-86

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISTION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai, the 3rd March 1986

Ref. No. 27/July/85.—Whereas, I, S. N. MOORTHY,

being the Compstent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,'- and bearing S. No. 31, 8th Cross, Thillainagar, situated at Trichy

S. No. 31, 8th Cross, Thillainagar, situated at Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfeared under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Woraiyur, (Doc. No. 2332/85) on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferox to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri V. Srinivasan,
 D 70 (N), 8th Cross,
 Thillai Nagar, Trichy-18.

(Transeror)

Smt. R. Dhanalakshmi,
 Vadambokki Agraharam,
 Thuraiyur, Trichy.

(Transeree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immereable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building, S. No. 31, Thillainagar, Trichy.

S. S. N. MOORTHY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid preservy by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-3-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625 002

Madurai, the 3rd March 1986

Ref. No. 28/July/85.—Whereas, I S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 185 situated at Woraiyur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Woraiyur, (Doc. No. 2352/85) on July 1985 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I nave reason to believe that the fair market value of scoparty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers mad/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. R. Meenambal, 7, Andal Nagar, Purasawalkam, Madras.

(Tranfseror)

(2) Shri C. B. Emin, 33, Gandhi Nagar, Yogendra Niwas, Dindigul Road, Trichy.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from e service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as 2./en in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building T. S. No. 185 (Woralyur).

S. S. N. MOORTHY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Madurai-625 002

Date: 3-3-86 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. K. Kailammai Ammal, 25, North East Extension, Thillai Nagar, Trichy-18.

(Transferor)

(2) Smt. A. Emelda, 1/61, Banar Agraharam, Thathampettai, Palur, Jeyangondam TK.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 3rd March 1986

Ref. No. 29/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
TS. No. 58 situated at Trichy
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Sub-Registrar, Woraiyur (Doc. No. 2388/85) in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building. T.S. No. 58. Trichy.

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 3rd March 1986

Ref. No. 32/July/85.--Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

D 83, 8th Cross St., situated at Thilli Nagar, Trichy

1908) in the office of the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registraring Officer at Sub-Registrar, Woraiyur, (Doc. No. 2352/85) in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

 Shri S. Arunachalam Pillai, 18, 8th Cross, Thillai Nagar, Trichy.

(Transferor)

 Shri R. Manavalan, D 83, 8th Cross, Thillai Nagar, Trichy.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immersable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which aught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—

THE SCHEDULE

Land and Building. (TS. No. 21) Trichy.

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madurai-625 002

Date: 3-3-1986

(1) Smt. S. Eswari Ammal, Trichy.

(Transferor)

HOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. V. Selmany, Ward 'C, Block 30, Puthur, Trichy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 3rd March 1986

Ref. No. 33/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
T.S. No. 17 Block No. 30 situated at Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Sub-Registrar, Woraiyur (Doc. No. 2632/85) on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect of the aforesaid of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective n persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er

THE SCHEDULE

Land. Ward 'C'-Block 30 TS. No. 17.

(b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-I, Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-3-86.

FORM ITN9-

(1)Shri V. M. Subramani Moopanar, Pudupatty. Post, Tethupatty Village, Dindigul Tk.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) T. Ganasewaran, No. 6, Naickar New St., Dindigul.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 3rd March 1986

kef. No. 22/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
T.S. No. 320/1, situated at Dindigul (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

(and more fully described in the Schedule annexed netero), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Dindigul (Doc. No. 936/85) on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for stansfer as agreed to between the parties has not been truby stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid pursons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustie or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or thbe said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

I and and Building. T.S. No. 320/1.

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-3-86.

Scal:

87-26GI/86

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAT-625002

Madurai-625002, the 3rd March 1986

Ref. No. 34/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, Ref. No. 34/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the tncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Porulur Village situated at Palani Taluk, Madurai Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Keeranur (Doc. No. 594/85) on July 1985 for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of:—

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for which ought to be disclosed by the transferre for which ought to be disclosed by the transferre for the factor of the the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

(1) Shri K. Nachimuthu Gounder and others, Porulur Village, Palani Tk.

(Transferor)

(2) St. Soosaiappar Church, Poralur, Palani Tk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land (S. No. 597, 592/1 B).

S. S. N. MOORTHY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said A.*; I hereby initiate proceedings for the acquisition of the acquisition of the acquisition of the said reperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-3-86,

 Smt. Saraswathy Bai, 12, Krishnarayar Teppakula St., Madural.

(Transferor)

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. Mahalingam & others, 11.3.24, Sıvakasi Nadar St., Aruppukottai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 3rd March 1986

Ref. No. 35/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

12. Krishnarayar Teppkula St., situated at Madurai (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Madurai (Doc. No. 3785/85) on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or

b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the uncersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building. 12, Krishnarayar Teppakulam St., Madurai.

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-3-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MADURAL-625 002

Madurai-625 002, the 3rd March 1986

Ref. No. 37/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 240 situated at K. K. Nagar, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act. 1961 in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Tallakulam (Doc. No. 2635/85) on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument.

of trunsfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- to) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1932 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Shri M. Sivaraman, Mahibalan patty, Thirupathur Tk.

(Transferor)

(2) Smt. V. Sitha, 62, Besant Nagar, Madras-90.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underviewed:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site—one Ground plot No. 240, K. K. Nagar, Madurai.

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Madurai-625 002

Date: 3-3-86.

FORM ITHE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri G. Muthusamy Naiker, Ettimavathupatty, Chintapatty, Palani Tk.

(Transferce)

(2) Shri M. Karuppagounder and others, Navakanni Village, Palani 8k.

whichever period expires later;

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd March 1986

Ref. No. 42/July/85.—Whereas, I. S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rev. 100.000/a and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
S. No. 34/2, 35/2 & 266/2B situated at Chintalpatty Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar (Doc. No. 575/85) Oddanchathiram on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immoable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Lards, Chinthalpatty (S. No. 34/2, 35/2) Navakkani (S. No. 266/2 B).

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, passely:—

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd March 1986

Ref. No. 43/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000.—and bearing No.
T.S. No. 4/IC situated at Railway Feeder Road, Palani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908. (4a) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1) of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Palani (Doc. No. 861 & 845/85) on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better the such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to better the such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to better the such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to be the such apparent. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said metro ment of transfer with the object of :--

- (w) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Chellammal, W/o Chinna Gounder, Annanagar St., Palani.

(Transferor)

[PART II]---BEC 1

(2) Shri T. A. Kamaludeen, Dr. Gopalan St., Palani.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garatte.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building (T.S. No. 4/1C).

S. S. N. MOORTHY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madural-625 002

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Jayaram Theatre, Ranway Feeder Road, Palani.

(Transferor)

(2) M/s Siva Complex, C/o Jayaram Theatre, Railway Feeder Road, Palani.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd March 1986

Ref. No. 44/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. TS. No. 57/1B & 13 situated at Palani Town (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR II, Palani (Doc. No. 855/85) on July 1985 for an apparent consideration which is less than the (air market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration in therefor hy more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building (TS No. 57/1B & TS. No. 13,

THE SCHEDULE

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-3-86.

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd March 1986

Ref. No. 46/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the annu vable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing TS. No. 8663/2 situated at Pudukottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR I, Pudukottai (Doc. No. 1670/85) on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to gay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri R. M. M. Meenakshi Sundaram, T.S. No. 3134, East 2nd St., Pudukottai.

(Transferor)

(2) Shri P. U. Shanmugam, General Secretary, A.I.A.D.M.K., Madros-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site. T.S. No. 8663.

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-3-86,

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd March 1986

Ref. No. 48/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 205/1 & 206/1 situated at Trichy

S. No. 205/1 & 206/1 situated at Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in hte office of the Registering Officer at JSR 111, Trichy (Doc. No. 1096/85)

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

88-26G1/86

 Shri V. V. Venkitusamy, 87, Melapuli Ward Road, Trichy.

(Transferor)

 Shri R. Gunasekaran, 51/1, Main Road, Thiruvanaikal, Trichy.

(Transferce)

(4) —Do—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building. T.S. No. 205/1 & 206/1.

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Madurai-625 002

Date: 3-3-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd March 1986

Ref. No. 51/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. (Doc. No. 1234/85) situated at Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR III, Trichy in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri R. Sivakami,
 South Thaiyalkara St.,
 Trichy.

(Transferor)

(2) Smt. M. Abcetha Bivi, 40 Jeenath St., Trichy-8.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this action in the Official Gaussia.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building. (Doc. No. 1234/85).

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Madural-625 002

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 3rd March 1986

Ref. No. 52/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Patta No. 1891. S. No. 3/3B situated at Singampunari. (Doc. No. 626/853 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Singampunari. (Doc. No. 626/85), in July for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the comideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); M/s Pandiyan Auto Products, Pr. M. Subramaniam & others, Singampunari.

(Transferor)

(2) Smt. K. Selvakumari, 125, West I St., Mannargudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site, 131/4 Cents-S. No. 3/3B.

S. S. N. MOORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of SectionD of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 5th March 1986

Ref. No. 53/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incorre-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 165 situated at Gandhi Nagar Madurai

Plot No. 165 situated at Gandhi Nagar Madurai (and more fully described in the Schedule amexed hereto), has been transferred under the Registration /.ct 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Tallakulam. (Doc. No. 2426/85) in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising free; he transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any in some or any sacrosys or other assets which have set been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. Chandra Daisy Ammal, 11, Sangeetha Vinayagar Koil St., Madurai.

(Transferor)

(2) Shri Edith Kirubakaram Victor, 17, Chathiram St., Dindigul.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whishever period expires laters
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building, Plot No. 165 Gandhinagar, Madurai.

S. S. N. MCORTHY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madural-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 26! C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section () of Section 269D of the said Act, o the fellowing persons, namely:—

Date: 5-3-1986

(1) Smt. Edithkirubakaran Victor, 17, Chathiram St., Dindigul.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. Raji Nadar, 11, Sangeetha Vinayegar Koil St., Madurai.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX COMMIS

ACOUISITION RANGE, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 5th March 1986

Ref. No. 54/July/85.—Whereas, I, S. S. N. MOORTHY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and be tring No Plot No. 165, situated at Gandhinagar, Madurai. (Doc. No. 2475/85)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Tallakulam in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Fuilding, Plot No. 165.

> S. S. N. MOORTHY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of II come-tax Acquisition Range, Madur i-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MADURAI-625 002

Madurai-625 002, the 5th March 1986

Ref. No. 55/July/85.—Whereas, I. S. S. N. MOORTHY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

1065/55, Millarpuram, situated at Tuticorin. (Doc. No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at JSR, Tuticorin in 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which htave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. D. Kamala Devarajan, No. 1065/55, Millarpuram, Tuticorin.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Viswanathan, No. 1065/55, Millarpuram, Tuticorin.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building. 1065/36, Millapuram, Tuticorin.

S. S. N. MOORTHY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai-625 002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Ref. No. 42/July/85.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immevable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 328/7/2 situated at Thottipalayam village Tiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tiruppur Doc. No. 1982/85 in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Smt. B. Saraswathy, W/o Palanisamy Gr., 108, Lakshmi Nagar, Tiruppur Town.

(Transferor)

(2) Shri S. Periasamy,B. S. S. Nagar,No. 8(1) Devangapuram, Tiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Thottiapalyam Tiruppur. (Tiruppur Doc. No. 1982/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madras-600 006

Date: 12-3-1986

 Sri S. Sridharan, 16/5, Tijagaraya New Street, No. 1, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. N. Vijayalakshmi, 12 B Vivekananda Road, Ram Nagar, Coimbatore.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 46/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G.S. No. 2/2, Vadavalli Village situated at Coimbatore T.K. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 3015 in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preserty may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of listing off the suspective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respec of any income arising from the transfer; under the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building in Coimbatore T.K. Vadavalli village. (Coimbatore Doc. No. 3015/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Ref. No. 48/July/85,---Whereas, I, Ref. No. 48/July/05.—When the Samuel, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the instance of the said Act'), have reason to believe that the instance of the said Act'). Rs. 1,00,000/- and bearing No.

R.S. No. 426/1 499 situated at Coimbatore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gandhipuram Doc. No. 3544/85 in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the felr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

(1) Sri S. G. Gengusamy, 83, Barathi Colony, Peclamedu, Coimbatore.

(Transferor)

(2) M/s. Crest Land Holdings (P) Ltd., 1044, Cross Cut Road, Coimbatore-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta;

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at R.S. No. R.S. No. 462/1, 449 Coimbatore. (Gandhipuram Doc. No. 3544/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madras-600 006

Date: 12-3-1986

NUTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Ref. No. 80/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 466/1 Alagumalai situated at Palladam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Palladam Doc. No. 1331/85 in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1! of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Sitammal, W/o Chinnakrishna Iyer, D. 103, Neyveli Town.

(Transferor)

(2) Smt. Ponnammal, W/o Muthusamy Gr. Ramampalayam, Alagumalai village,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, wolchever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Alagumalai village. (Palladam Doc. No. 1331/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madras-600 006

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Ref. No. 93/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 468/3 situated at Meenkarai Road, Pollachi Town ford area fully described in the Schedule approved hereto.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Pollachi Doc. No. 1549/85 in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/ex

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Sri V. Ratinam and another, Palaniappa Gounder Street, Pollachi Town.

(Transferor)

(2) Smt. Balkis, W/o A. Bava. 61 Palaniappa Gounder Street, Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Biulding Meenakarai Road, Pollachi Town, (Pollachi Doc. No. 1549/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Ref. No. 106/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
T.S. No. 14/2A/1/1 situated at Avanashi Road, Thottipalature Reladem T.K.

yam Paladam T.K.

situated at Rajinder Nagar Community Centre New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Offica of the Registering Officer at Truppur Doc. No. 2396/85 in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Age, in respect of any income arising from the grander; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '---

(1) Smt. T. S. B. Dhanalakshmi Ammal and others, Duraisampuram 2nd Street, Tiruppur Town.

(Transferor)

(2) Smt. N. Parvathavarthni, W/o Sri Natarajan, Ramnagar 3rd Street, Tiruppur.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested ha the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. EXPLANATION:—The terms and expressions used harein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Avanashi Road, Thottipalam Palladam TK. (Tiruppur Doc. No. 2396/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IL, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Ref. No. 107/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 705/Avanashi Road situated at Thottipalayam village, Tiruppur Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Tiruppur Doc. No. 2411/85 in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Snrt. T. S. B. Drhanalakshmi Ammal and others, Duraiswamy Road 2nd street, Tiruppur.

(Transferor)

(2) Shri C. Natchimuthu, Thiruvallurvar Nagar, Tiruppur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Thottipalayam Avanashi Road, Tiruppur Town.
(Tiruppur Doc. No. 2411/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Dhanalakshmi Ammal and others, 2nd St, Duraisamipuram, Thiruppur Town.

(Transferor)

(2) Smt. E. Devi, W/o Shri P. Easwaran, Velampalayam, Thiruppur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-11 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Ref. No. 110/July 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have resson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10th Ward, Avanashi Road, Thottipalayam situated at Thiruppur Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirupur/Doc. No. 2397/85 in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reuson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 10th Ward, Avanashi Road, Thottipalayam, Thirup-DHT.

Thiruppur/Doc. No., 2397/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Ref. No. 111/July 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 10th Ward, Avanashi Road, Thottipalayam
situated at Thiruppur Town
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has bten transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Thiruppur/Doc. No. 2399/85 in July 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said Instrument of
Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Smt. Dhanalakshmi and others, 2nd St, Duraisamipuram, Thiruppur Town.

(Transferor)

(2) Smt. K. Kuppusamy, W/o Sri Kandasamygounder, Lakshminagar, Thiruppur.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noites in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land: 10th ward, Avanashi Road, Thottipalayam, Village, Thiruppur Town, Thiruppur—Doc. No. 2399/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Ref. No 112/July 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 705 situated at Thottipalayam Avanashi Road, Tiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur Doc. No 2400/85 (2400/85) in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Smt. T. S. B. Dhanalakshmi and others, Duraisamypuram, 2nd St., Thiruppur Town.

(Transferor)

(2) Smt. K. Palaniathal, 1-E(4) Lakshmi Nagar, 50 Feet, Tiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Thottipalayam Avanashi Road, Tiruppur. (Tiruppur, Doc. No. 2400/85).

MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

Date: 12-3-1986

(1) Smt. T. S. B. Dhanalakshmi Ammal and 2 others, 2nd St, Duraisamipuram, Thiruppur Town,

(Transferor)

(2) Smt. P. Renukadevi, W/o Sri Palanichamy Ramnagar, III St., Thiruppur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Ref. No. 114/July 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aaid Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value offending

Rs. 1,00,000 /- and bearing No. 10th Ward, Avanashi Road, Thottipalayam situated at Palladam Taluk Thiruppur

situated at Palladam Taluk Thiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thiruppur/Doc. No. 2401/85 in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration therefore by more than fifteen per cont of such apparent consideration the parties has not been truly stated in the said immunicant of transfer with the object of f—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect fo any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any breems or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1997 (27 of 1997);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 10th ward, Avinashi Road, Thottipalayam Village, Palladam, Thiruppur Town.

Thiruppur/Doc. No. 2401/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afercanid property by the lasse of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 12-3-1986

Seal:

90-26GI/86

FORM ITNS-

(1) Smt. Dhanalakshmi Ammal and others, 2nd St, Duraisamipuram, Thiruppur Town.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferor)

(2) Sri Badrinarayanan, S/o Sri Chinnasamy, Duraisamypuram, Tiruppur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Ref. No. 116/July 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Incomp. 1051. Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 10th Ward, Avanashi Road, Thottipalayam

the situated at Village Thiruppur own (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Truppur/Doc. No. 2404/85 in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of nunsfer with the object of :-

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ׿d /στ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moncys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 10th ward, Avanashi Road, Thottipalayam Village, Thiruppur Town.

Tiruppur/Doc. No. 2404/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manely :--

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II WENT - S GUO 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Rcf. No. 115/July 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immerable

ment of transfer with the object of :-

property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. 10th Ward, Avanashi Road, Thottipalayam situated at Thupur Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur/Doc. No. 2403/85 in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Habitty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Dhanlakshmi Ammal, and others. 2nd St, Duraisamipuram, Thiruppur Town.

(Transferor)

(2) Smt. E. Saraswathl, W/o Sri Easwaran, Avanashi Road, Thiruppur Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undetained:—

- of the aforesid persons within a period of e dute of publication e of this notice tto or a period of 30 days from on the respective persons, while
- (b) by any other person interested in the said immovable cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as

THE SCHEDULE

Land: 10th ward, Avanshi Road, Thottipalayam, Thirup-Tiruppur/Doc. No. 2403/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Ref. No. 117/July-85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10th Ward, Avanashi Road, Thottipalayam situated at Tiruppur Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thiruppur Doc. No. 2405/85 in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and i have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been touly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the kiability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. T.S.B. Dhanalakshmi Ammal, and 2 others W/o Shri T. S. Balasubramaniam. 2nd St, Duraisamipuram, Thiruppur Town,

(Transferor)

(2) Smt. J. Lalitha Manil W/o Sri Jiyanandam, Garuvampalayam, Thiruppur Town.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of setice on the respective personn. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 10th ward, Avanashi Road, Thottipalayam Village, T.S. No. 14 Thiruppur Town.
Tiruppur/Doc. No. 2405/85

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras-600 006

New therefore, in pursuance of Section : 69°C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the s quisition of the aforesaid property by the issue of this noti e under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 12-3-1986

FORM ITNS----

(1) Shii Rataa Singh, No. 32/2 Gautam Nagar, New Dolhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Amrit Kaur, W/o S. Bhagat Singh, F-94, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-L'37EF/7-85/1939 --- Whereas, t, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing No. Shop No. G-5, Vis'al Bhawan, No. 95, situated at Nehru Place, New Dellin

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the 14. Act, 1951 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I, at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

(a) facilitating the reduction or evanon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. G-5, Vishal Bhawan, No. 95, Nehru Place, New Delhi, Approv. Area 172 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commussioner of Income-tax
> Acquisition Range-I, Aggarwal House
> 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceeding, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-1/37EE/7-85/1940.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 310, measuring 1500 Sq. ft. on I(Ird Floor situated at Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

(1) M/s Rawindera Properties Pvt. I.td., 2, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Amar Chand Arora, Sint. Sushila Devi, 1109 Patel Nagar, Jagron District, Tudhiana (Punjab).

(Transferet)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 310, measuring 1500 Sq. ft. on IIIrd Floor in proposed Group Housing Complex 2 Tilak Marg, New Delbi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date - . - " " " 106 Se.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EF/7-85/1941.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 309, [Group Housing Complex situated at 2 Tilak

Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the L.A.C. Acg. Range-1 at New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-116-26GI/86

(1) M/s Ravindera Properties Pvt. I.td., 2, Tilak Marg, New Delhi,

(Transferor) (Transferor)

(2) M/s Patiala Distillers & Manufacturers (P) Ltd., Village Main Distt, Patiala (Punjab).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said improve able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 309, measuring 1500 Sq. ft. on III rd floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Ravindera Properties Pvt. Ltd., 2, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Narinder Pall Sehgal, 84, Jorbagh. New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SINER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/7-85/1942,-Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Hat No. 308, Group Housing Complex situated at 2 Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred the I.T. Act, 1961 in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I at New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair markket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property sy be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 308, measuring 1500 sq. ft. on 3rd floor in proposed Group Housing Complex. 2 Tilak Marg, New Delhi,

R. P. RAIFSH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely :--

Onte: 28-2-1986

(1) M/s Ravindera Properties Pvt. Ltd., 2, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor) (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ADDISTANT

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAL ALI ROAD, NEW DELHI New Delhi, the 28th February 1986

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/7-85/1943.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 307 situated at Group Housing Complex 2 Tilak

Marg, New Delhi

Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the L. T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I was New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believe and that the consideration for such transfer as agreed to beiween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

(2) Smt. Sudha Goel and Anita Goel, C/o M/s Krishna Engg. Ind., Jagadhari.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or;

THE SCHEDULE

Flat No. 307 measuring 1500 sq. ft. on IIIrd floor in proposed Group Housing Complex Tilak Marg. New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Aggarwal House 4/14-A. Asaf Ali Rood, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 28-2-1986

Sent 1

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/7-85/1944.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Flat No. 305, Group Housing Complex, situated at 2 Tilak Marg, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT. Act. 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-1, at New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the names has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay use under the said Art, in respect of any income arising from the transfer no/bear
- (b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Ravindera Properties (P) Ltd. 2, Tilak Marg., New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mahander Sahai, T-34, Green Park Main. New Dolhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305, measuring 1500 sq. ft. on Hird floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi,

R P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 28-2-1986

(1) M/s. Ravindera Properties (P) Ltd. 2, Tilak Marg., New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Rajender Dangson, 404, Durgiana Mandir, Kucha Ram Bhawan, Amritsar (Punjab).

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-85/1945.---Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 304, Group Housing Complex situated at 2 Tilak Marg, New Delhi

tand more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the LT. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-1, at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires litery
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the late of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as siven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, measuring 1500 sq. ft. on 111rd floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH Competen Authority Acquisition Range-L Agga wal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

Date: 28-2-1986

(1) M/s. Ravindera Properties (P) Ltd. 2, Tilak Marg,, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Kuldip Sangha & D. Sangha C/o Shri Harish Khullar, 3/31 Ramesh Nagar, New Delhi

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELIH

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/7-85/1946.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00,000/- and bearing No. Plat No. 302, Group Housing Complex situated at 2 Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I, at New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to balieve that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, measuring 1500 sq. ft. IIIId floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi. Date: 28-2-1986

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the afores in property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 21-2-1986

FORM ITNS-

(1) M/s. Ravindera Properties (P) Ltd. 2. Tilak Marg., New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Shardha Nayak, D-41 Sujan Singh Park, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/7-85/1947.—Whereas, !, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000'- and bearing Flat No. 508, measuring 1500 sq. ft. situated at the fact in the property of the said Act').

5th floor in proposed Group Housing Complex

2 Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Range-I, New Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in teh said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evision of the Hability of the transferor to pay tax under the sald Act is respect of any income arbing from eđ/cz
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the follow ing persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 508 measuring 1500 sq. ft. on 5th floor in proposed Group Housing Complex. 2 Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 28-2-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1948.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No. Flat No. 601, Group Housing Complex, situated at 2, Tilak Marg, New Delhi.

tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforebelieve that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— M/s. Ravindera Properties (P) Ltd. 2, Tilak Marg., New Delhi.

(Transferee)

Shri B. K. Sanyal, F-303, Pragati Vhiar, Lodi Road, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

Flat No. 601 measuring 1500 sq. ft. on 6th floor, in proposed Group Housing Complex. 2 Tilak Marg, New Delhi. Date: 28-2-1986

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 21-2-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No JAC/Acq-I/37EE/7-85/1949.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 603, Group Housing Complex situated at 2 Tilak Marg, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under I.T. Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

IAC. Acq. Range-I, N. Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

117—26GI/86

(1) Ravindra Properties Pvt. Ltd., 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Gauri Nath Sondhi, 27, Sondhi Tolla Chowk, Lucknow (U.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte-

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, measuring 1500 sq. ft. on 6th floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A. Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 28-2-86

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Ravindra Properties Pvt. Ltd. 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Harish Kumar Arora, C-105, Greater Kailash-I. New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAI. HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1950.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the, said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

Flut No. 611, 2 Tilak Marg situated at New Delhi (and thore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under I.T. Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, N. Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to Delieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trensfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to us disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1922) or the mid Act, or the Weeks as Act. 1957 (27 of 1957)) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestic persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 611 measuring 1500 Sq. ft. on 6th Floor in the proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road New room

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 28-2-86

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Ravindra Properties Pvt. Ltd. 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Bishamber Nath Bajaj, 6 Babbar Lane,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EF/7-85/1951.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property baving a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No, Flat No. 613, 2 Tilak Mark situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under 1.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

has been transferred under 1.1. Act, 1901 in the Office of the Registering Officer at JAC. Acq. Range-I, N. Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration. consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gamette.

BxFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 613, measuring 1500 sq. ft. on 6th floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg. New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asuf Ali Road, New Delhi

Date: 28-2-86

Beal :

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Ravindra Properties Pvt. Ltd. 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1952.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ax Act, 1961 (43 of 1961) (herein fter referred to a the '(aid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 503, Group Housing Complex situated at 2 Tilak

Marg, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under 1 T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Range-I, N. Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the act uisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Sh. Saran Singh Sethi, B-37, Kailash Apartments, Lala Lajpat Rai Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503, measuring 1500 sq. ft. on 5th floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 28-2-86

(1) Ravindra Properties Pvt, Ltd. 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Sh. Kumar Khub Chand Jagtiani, Mrs. Rita Kumar Jagtiani, Unic of House, 73, Lodi Estate, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

may be made in writing to the undersigned :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1953.—Whereas, I, R, P, RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 1.00 (000/- and hearing No.

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Flat No. 501, 2 Tilak Marg situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under I.T. Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I. N. Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid the armanate consideration therefor by more than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) by any of the stokesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The 3-rms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 501, measuring sq. ft. on 5th floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Instructing Assistant Commissioner of Ircome-tax
Acquisition Range-I
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi
Aggarwal House

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-86

Senl.

(1) M.s. Ravindra Properties Pvt. Ltd. 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THB INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mrs. Veena Gupta, 88, Poorvi Marg, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1953.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 501, 2 Tilak Marg situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC. Acq. Range-I,

at New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the taken Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to say tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 411, measuring 1500 sq. ft. on 4th floor in proposed Group Housing Complex 2 Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-V. Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-86

Scal:

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd. 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. Palvinder Singh BA/ IA, Ashok Vihar Phase-II, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. IAC/Acq-L/37EE/7-85/1955.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 301 Group Housing Complex situated at 2 Tilak

Marg, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act1961

in the Office of the Registering Officer at Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration. ransfer with the object of:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in resnect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 301, measuring 1500 sq. ft. on 3rd floor in the proposed Group Housing Complex 2 Tilak Marg, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the wid Act. to the following ngraces transfy:--

Date: 28-2-86

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1956.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 103 2, Tilak Marg situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. Acq. Range J.

of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi on July 1985

New Deini on July 1763 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd. 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferof)

(2) Mrs. Radhika Kapoor, Nutan Lamba, M-23, Panchsheel Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, measuring 1500 sq. ft. on Ist floor in proposed Group Housing Complex 2 Tilak Marg, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Au prity Inspecting Assistant Commissioner of Incontactax, Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ravindera Properties Pvt. Ltd. Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sn. Sandeep Saluja, C-591, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. 1AC/Acq-I/37EE/7-85/1957.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 107, 2 Tilak Marg situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Fe Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 107, measuring 1500 sq. ft. on Ist floor in proposed Group Housing Complex 2 Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—118—26GI/86

Date: 28-2-86

Scal:

(1) Ravindra Properties Pvt. Ltd. 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Amarjeet S. Khurana, Ch. Charanjeet S. Khurana, 32/57, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUNICATION SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1958.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 509 situated at 2 Tilak Marg, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. A.cq. Range-I, New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more gran fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 509, measuring 1500 sq. on 5th floor in proposed Group Housing Complex 2 Tilak Marg, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under spection (1) of Section 269D of the said Act, to the full-wing persons, namely :---

Onte: 28-2-86

Scal:

(1) M/s. Ravindera Properties Pvt. Ltd. 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. V. Sagar & Smt. Suraj Sagar, K-46, Jungpura Extn., New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. 1ΛC/Acq-1/37EE/7-85/1959.—Whereas 1.

R. P. RAJESH,

tensor to believe that the immovable property, having a fact market value exceeding

fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 111, 2 Tilak Marg, situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the J.T. Act 1961 in the Office
of the Registering Officer at
IAC, Acq. Range-1, N. Delhi, on July 1985
for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent consideraof the property as aforesaid exceeds the apparent considera-uon therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as igreed to betwen the parties has not been truly stated in the caid instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, M respect of any income arming from the transfer; and los

Flat No. 111, measuring 1500 sq. 1t. on 1st Floor in Proposed Group Housing Complex 2 Tilak Marg, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1924 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-141 Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAIESU Competent Auhority Inspecting Assistant Commissioner of Incone-tax Acquisition, Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 28-2-86

(1) M/s. Ravindera Properties Pvt. Ltd. 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Taru Singh, C/o Satpal Pandit & Co, Chahar Bagh, Jullunder City (Punjab).

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1960.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and hearing No.

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 214, 2 Tilak Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, IAC. Acq. Range-I, N. Delhi, on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, IAC. Acq. Range-I, N. Delhi. on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 214, measuring 1500 Sq. ft. On 2nd floor in Proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ix Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Acquisition Range-I
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I he eby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, 1 amely:—

Date: 28-2-86

Scal:

(1) M/s. Ravindera Properties Pvt. Ltd. 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Nutan Gupta, K-27A, Haus Khas, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1961.—Whereas 1. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the isamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 210. Group Housing Complex, situated at 2 Tilak

Marg, New Delbi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at JAC. Acq. Range-I,

New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tix Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 210, measuring 1500 sq. ft. on 2nd floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tlak Marg, New Delhi.

R. P. RAIFSH Connectent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwil House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 3-3-86

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Ravindera Properties Pvt. Ltd. 2 Tilak Marg, New Oclhi.

(Transferor)

(2) M/s. Subash Chand Dinesh Chand, Katha & Allied Industries (P.) Ltd., Kothwali Road, Najibabad (U.P.).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1962.—Whereas 1,

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1962.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 107, Group Housing Complex, situated at 2 Tilak Marg. New Delbi

Marg, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 207, measuring 1500 sq. ft. on 2nd floor in proposed Group Housing Complex 2, Tilak Marg, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Autority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-3-86 Scal:

FORM TINE-

(1) M/s. Ravindera Properties Pvt. Ltd. 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Jasbir Manchanda, 1539, Church Road, Kashmeri Gate, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85-1963.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 205, Group Housing Complex, situated at 2 Tilak Marg, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. Acq. Range-1, New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, measuring 1500 sq. ft. on 2nd floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Auhority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-3-86

(1) M/s. Rayindera Properties Pvt. Ltd. 2 Tilak Marg. New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. P. S. Bedi S/o B. Darkara Singh & Harpal S. Chawla S/o Sh. P. S. Chawla, 95 Golf Links, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/7-85/1964.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 104, Group Housing Complex, situated at Tilak Marg,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I,

of the registering Officer at IAC. Acq. Range-I,
New Delhi on July 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mose
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truely stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the efercently persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104 measuring 1500 Sq. ft. on 1st Floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Autority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this motion under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mons, namely :-

Date: 3-3-86

(1) Rayindera Properties Pvt. Ltd. 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nirmal Bansal, B-336, New Friends Colony, New Delhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq I/37EE/7-85/1965.—Whereas I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Flat No. 614 Group Housing Complex, situated at 2 Tilak Marg, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961

in the Office of the Registering

Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, يو/ آهڌ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the afore-aid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. (b) by any

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 614, measuring 1500 sq. ft. on 6th floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJFSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Regge-1 Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 4xt, I hereby initiat: proceeding for the acquisition of the afortsaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. Tamely *— 119-26 GI86

Date: 3-3-1986

(1) Ravinderta Properties Pvt. Ltd. 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF I'HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Usha Bhawan Dass, 32/27, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1966.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 607 Group Housing Complex, situated at 2 Tilak Marg, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more whan fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evarion of the Habitat of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end for
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the wild Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 607, measuring 1500 sq. ft. on 6th floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House, 4/14A. Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 3-3-1986 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85-1968.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. 606, Group Housing Complex, situated at 2 Tilak Marg, New Delhi, and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer or consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers andlor

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd. 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Rajesh Malhotra, Rukesh Malhotra, B-3/2, (G.F.) Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 606 measuring 1500 sq. ft. on 6th floor in proposed Group Housing Complex 2, Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-l Aggarwal House. 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1969.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herelnafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding No. Flat No. 507. Group Housing Complex, situated at 2 Tilak Marg, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd. 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. (Mrs.) Rita Prasad, Sh. P. C. Prasad, Shangri-LA, 4/285A, Vishnupuri, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flut No. 507, measuring 1500 sq. ft. on 5th floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Aggarwal House,
4/14A, Assaf Ali Road, New Delhi

Date: 3-3-1986

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd. 2 Tilak Marg, New Delhi,

(Transferot)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1970.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. 405 Group Housing Complex, situated at 2 Tilak Marg, New Delhi, (and more fully described in the schedule annexed hereto), in the Office of the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or évasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following per one, namely:—

(2) Mrs. Harpal Kaur, Mrs. Jagjiwan Kaur Manjeet Inder Pal Singh, Sukbvinder Pal Singh 303, Ansal Bhawan, 16 K.G. Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405, measuring 1500 sq. ft. on 4h floor in proposed Group Housing Complex 2, Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Aset Ali Road, New Delhi

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ravinderta Properties Pvt. Ltd. Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Tirupati Services Ltd. 84/105, G.T. Road, Kanpur (UP).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-Į AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EEffl7-85/1970.-Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 314 Group Housing Complex, situated at 2 Tilak Marg, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the I.T. Act 1961

of the Office of the Registering
Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in July 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and]or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 314, measuring 1500 sq. ft, on 3rd floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14A, Astaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely :--

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd., 2, Tilak Marg, New Delhi.

(2) Miss Shivani Aggarwal & Shri H. K. Aggarwal 42, Japath, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX.

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1971.--Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 312, Group Housing Complex situated at 2 Tilak Marg, New Delhi

fand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq Range-I New Delhi in July 1985

for an argaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 312. measuring 1500 Sq. ft. 3rd floor in proposed Group Housing Complex. 2, Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 3-3-1986

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-85/1972.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 311. Group Housing Complex, situated at 2 Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq Range-I New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :--

- (*) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concenhment of any income or any mentating the concentration of any income or any menuses or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, pamely:-

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd., 2, Tilak Marg. New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Manohar Shukla, R-3, Greater Kailash-I New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 311, measuring 1500 sq. ft. on third floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 3-3-1986

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALL ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EF/7-85/1973.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 209, Group Housing Complex, situated at 2 Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the J.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq Range-I New Delhi in July 1985

New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
120—26 G/86

Ravindera Properties Pvt. Ltd.,
 Tilak Marg,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Capil Vaish S/o Shri O. P. Vaish & Smt. Madhulika Vaish W/o Shri Capil Vaish 25 Hanuman Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 209 measuring 1500 Sq. ft. on 2nd floor in proposed Group Housing Complex, 2, 'tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 3-3-1995

Seal ;

 Ravindera Properties Pvt. Ltd., 2, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri R. D. Mathur & Sons (HUF) 3/5 Rani Ihansi Road, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-85/1974.—Whereas, I, R. P. RAJFSH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 203, Group Housing Complex, situated at 2 Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq Range-I New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

in) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

Flat No. 203, measuring 1500 sq. ft. on Hnd floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, New Delhi.

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely:—

Date: 3-3-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALL ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/7-85/1975.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immor-able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 201, Group Housing Complex, situated at 2. Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq Range-I New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the said exceeds the apparent consideration undertains the fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd., 2, Tilak Marg, New Delhi.

(2) Dr. Vinod Verma & Dr. (Mrs) Asha Verma C-372, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, measuring 1500 sq. ft. on Hnd floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/7-85/1976,---Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 113, Group Housing Complex,

situated at 2 Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under the I.T. Act 1961 n the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of z--

- (a) incilitating the reduction or evenon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by be issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- -

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd., 2. Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Rajan C-4 Lajpat Nagar-III, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 113, measuring 1500 sq. ft. on 1st floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road New Delai

Date: 3-3-1986

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

being the Competent Authority under Section 269B of the R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 109 Group Housing Complex,

situated at 2 Tilak Marg, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq Range-1 New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Ravindera Proporties Pvt. 1.td.,
 Tilak Marg,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Anuradha Dutta, C-11, 29/31, Probyn Road, Delhi University Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 109, measuring 1500 sq. ft. on 1st floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 3-3-1986

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HUUSF 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. 1AC/Acq.1/37EE/7-85/1978.--Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 109, Group Housing Complex, situated at 2 Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act 1961 in the Office of the registering Office; at IAC Acq Range-I New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and or

- (1) Ravindera Properties Pvt. Ltd., Tilak Marg. New Delhi.
- (2) Shri Sunil Pasricha, 13, Alipur Road, Delhi-6;

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property army be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aferestaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by my other person interested in the said immer-able preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said Act have the same meaning as given in is that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 108 measuring 1500 sq. ft. on 1st floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-3-1986 -

Control of the contro

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NLW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-85/1979. -- Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Anthority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 - and bearing No. Flat No. 106, Group Housing Complex, situated at 2 Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC Acq Range-I New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the serties has not been truly stated in the said instrument of

remarker with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, if respect of any income arising from the transfer. and for

(b) facilitating the concealment of any income or any recogys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax net, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd., 2, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ritu Kuckreia. C/o Maharaja Hotel, 1483 S.P. Mukherjee Marg, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:

a. . .

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are dened in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, measuring 1500 sq. ft. on 1st Floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Ravindera Properties Pvt. Ltd.,
 Tilak Marg,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar Sethi, G-18, Jangpra Ext. New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-85/1980.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a far market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No.105, Group Housing Complex,
situated at 2 Tilak Marg. New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act 1961 in the
Office of the registering Officer at JAC Acq Range-I
New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which outght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957); Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) ', y any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(1) M/s. S. R. Enterprises.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, measuring 1500 sq. ft. on 1st floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Competent Authority
Acquisition Range-1
Aggarwal Heuse
4/14 \ ASAF ALI ROAD
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DEUIII

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1981.--Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 - end bearing Flat No. 102. Group Housing Complex situated at 2, Tilak

Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.F. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC., Acq. Range-I, New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); 1922

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-121—26 GI86

(1) M/s. Ravindera Properties Pvt. td. 2, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kumud Garg, W/o V. K. Garg, Kishore House Assanda Road, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

FXPLANAT.ON: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, measuring 1500 sq. ft, on 1st floor on proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 4-3-1986

(1) M/s. Ravindra Properties Pvt. Ltd.. 2, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Urvashi Prakash Jha. Ruchira Maneka, Jha, L-7-A, Green Park, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/7-85/1982.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 101, Group Housing Complex situated at 2, Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC., Acq. Range-I, New Delhi in Inly 1985

Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said propery may be made in wriing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of this publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, measuring 1500 sq. ft. o n1st floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said. Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the eaid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons namely :--

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Rcf. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1983.--Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 602, Group Housing Complex situate dat 2, Tilak

Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC., Acq. Range-I, New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilities of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195' (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, name?' :--

(1) M/s. Ravindra Properties Pvt. Ltd., 2, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri O. P. Mehra & Shri Sunit Mehra, 6, Kanta Little Girlbs Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 602, measuring 1500 sq. ft. on 6th floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Defhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 4-3-1986

Seai:

FORM ITNS ---

(1) M/s. Ravindra Properties Pvt. Ltd., 2, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Esther Akthar. 2557, Baradari, Balimaran, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAP ALI ROAD NEW DELHI

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

New Delhi, the 4th March 1986

(b) by any other person interested in the said immovshie property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1984.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 604, Group Housing Complex situated at 2, Tilak Marg, New Delhi (and more fully described in the complex situated at 2.)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC., Acq. Range-I, New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 604, measuring 1500 sq. ft. on 6th floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income oor any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :---

Date: 4-3-1986

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th Marca 1986

Ref. No. IAC-Acq-I/37i:E/7-85/1985. - Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing Flat No. 609, Group Housing Complex situated at 2, Tilak

Marg, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Act 1961 I.T. Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/se

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, in the following. persons, namely :---

(1) M/s. Ravindera Properties Pvt. td. 2, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. M. K. Sarada & Shri A. R. Shankaranarayanan, 155, Panampilly Magar, Cohin-16, Kerala,

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102, measuring 1500 sq ft, on Ist floor on proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi.

Authority, Bondated 1-7-1985. Bombay under No. AR-III/37EE/22472/85/86

> R. P. RAJESH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 4-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF DIDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANG-1 ACQUISITION RANGE-I 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1986.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 514, Group Housing Complex situated at 2 Tilak

Marg, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any manage or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Ravindera Properties Pvt. Ltd.,
 Tilak Marg,
 New Delhi.

(2) Smt. Nirmala Jain, 18, Mela Ram Market, Chawri Bazar, Delhi. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 514, measuring 1500 sq. ft, 5th floor in proposed Group Housing Complex. 2 Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-k
Aggarwal House
4/14-A, Assaf Ali Road
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELIII

New Delhi, the 4th March 1986

Ref No. IAC/Acq-I/37EE/7-85, 1987.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 (000), and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 513 Group Housing Complex situated at 2 Tilak
Marg, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afodesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Ravindera Properties Pvt. Ltd., 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Rattan J. Bhatia, Room No. 8-100, 700 19th Street, N. W. Washington D. C. 20431 (U.SA) (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 513, measuring 1500 sq. ft. on 5th floor in proposed Group Housing Comuplex 2 Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 4-3-1986

The state of the s

FORM ITNS---

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd., 2 Tilak Marg, New Delhi.

(2) Miss Leena Sanghavi, Mrs. Yamini Shah, F-11, East of Kailash, Mr. Sailesh Kumar S/O Shanti Lal, New Delhi. (Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANG-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref No. IAC/Acq-I/37EE/7-85 1988.—Whereas, J. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 '43 of 1961) (hereinafter enforced to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 511 Group Housing Complex situated at 2 Tilak
Mass, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at JAC. Acq. Range-I, New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapters.

THE SCHEDULE

Flat No. 511, measuring 1500 sq. ft. on 5th floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date : 4-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I

AGGARWAL HOUSE 4 14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. [AC/Acq. I/37FE/7-85/1989. --Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under section 2698 of the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immorable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 504 Group Housing Complex situated at 2, Tilak Marg, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) have been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or twhich ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under small configuration (1) of Section 260D of the said Act the following section (1) of Section 269D of the said Act, the following nersons, namely :---122-26 G/86

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd., 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. K. A. Gidwani, Vinay Gidwani, Dr. (Mrs.) S. K. Gidwani, S-77, Panchsheel Part, New Delhi.

('Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days non, the service of notice on the respective persons, which eve. period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Thanter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 504, measuring sq. ft. on 5th floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref No. IAC/Acq-I/37EE/7-85|/1990.--Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-

Flat No. 404, Group Housing Complex situated at 2 Tilak

Marg, New Delhi

fund more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd., 2 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Krishana Vijay, C-614, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imm? vable property, within 45 days from the dute of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and a expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, measuring 1500 sq. ft. on 4th floor in proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 4-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/7-85/1991.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,009/- and bearing No Flat No. 505, Group Housing Scheme situated at 2, Tilak Marg. New Delbi

Marg, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC, Acq. Range-1, New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly wated in the said instrument of transfer with the abdout of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferred to gave tax under the said Act. In respect of any insense arising trees the transfer,
- (ii) tacilitating the concentment of any income or any purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wouldis-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under exsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd. 2, Tilak Marg, New Delbi.

(Transferor)

(2) Shri G, R. Simon Salima Begum Nazil Ahmed & Nelofar Dalgate. Srinagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said properts may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 505, measuring 1500 sq. ft. on 5th floor in proposed Group Housing Scheme 2, Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiion Range-I 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 4-3-1986

Seni:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ravindere Properties Pvt. Ltd. 2, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Parminder Pal Singh Brar Jasminder Pal Singh Brar B-1/41, Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

IAC /Acq-I/37EE /7-85/1992 -- Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 502, Group Housing Complex situated at 2, Tilak

15726

Marg, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office

has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi on July, 1985
Bangulore vide Registration No. 1530/85-86 dated 29-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the raid instrument of transfer with the object of aid instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this noice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used actom as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, measuring 1500 sq. ft. on 5th floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquision Range-I 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-3-1986

eminant of the section of the sectio

FORM ITNS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/7-85/1993.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

he in the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred in as the 'said Act'), have reason to believe that the introvable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 406, Group Housing Complex situated at 2. Tilak Mare, New Palls.

Marg, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the 1.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the apparent consideration therefore by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd. 2, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) M./s. Hindustan Motors Ltd. UCO Bank Building, Parliament Street, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 406, measuring 1500 sq. ft. on 4th floor in pro-posed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiion Range_I 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 4-3-1986

Seai:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/7-85/1994.-Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
Flat No. 402, Group Housing Complex situated at 2, Tilak

Marg. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) The other the concealment of any income or any money or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Ravindera Properties Pvt. Ltd. 2, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

 M/s. G. S. Kashyap & Sons (P) Ltd.
 Eastern Avenue, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, measuring 1500 sq. ft. on 4th floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiion Range_I 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi/

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the toresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/7-85/1995.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the rand Net 7, have least to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 213, situated at 2 Tilak Marg, New Delhi (and more fully t' scribed in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office

of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Ravindra Properties Pvt. Ltd., Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. Jasbir Singh Narender Pal Singh Daljit Singh, Savinder Singh H-3/12, Model Town, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whishever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 213, measuring 1500 sq. ft. on 2nd floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiion Range_I 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 4-3-1986

FORM NO. I.T.N.S.—

(1) Ravindra Properties Pvt. Ltd. 2, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Jiwan Singh Bedi, C-6, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, AĞGARWAL HOUSE 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/7-85/1996,--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to and one first description of the first state and the said Act'), have resent to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 211, Group Housing Complex situated at 2, Tilak Marg, New Dolhi description of the form of the description of the des

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC. Acquisition Range-1, at New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for

(5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ran Act, 195" (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property wihtin 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 211, measuring 1500 sq. ft. on 2nd floor, in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-3-1986

FORM NO. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 4th March 1986

Ref No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1997.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horsinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
E-558, Greater Kailash-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC. Acquisition Range-I, at New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 123-26 GI/86

(1) Sh. Mohan Lal Sawhney S O Sujan Mal Sawhney, for himself and as natural guardian of his minor daughter Miss Ponam Sawhney, R/O E-558, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Yellow Hut Properties Pvt. Ltd. 26H, Connaught Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the retice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Single Storey building, at E-558, Greater Kallash-II, New Delhi, measuring 550 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A. Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 4-3-1986

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AĞGARWAL HOUSE 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-85/1997A.—Whereas, I. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property No. 5, Babar Road, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC. Acquisition Range-I, at New Delhi in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end/or
- (b) factilitating the cooncealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Raj Bhalla w/o Shri D. N. Bhalla, 5, Babar Road, New Delhi and M/S Satlja Builders & Financiers Pvt. Ltd., Satija House, Dr. Mukherjee Nagar, Commercial Complex, Near Batra Cinema. Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kavita Chanana w/o Shri Kanwai Chanana, B-137, Gujranwala Town, N. Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

700 Sq. ft. of Lower Ground portion in property No. 5, Babar Roda, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 4-3-1986

(1) Ravindra Properties Pvt. Ltd. FORM NO. I.T.N.S.---2, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ajay Jain, Mrs. Rita Jain, Ajaya Association (Delite Clnema, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

> > New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/7-85/1997B.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 208, Group Housing Complex situated at 2, Tilak

Marg, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC. Acquisition Range-I, at New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and i have reason to believe that the fair market value of the property as value of the property as usideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gagette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 208, measuring 1500 sq. ft. on 2nd floor in proposed Group Housing Complex, 2, Tilak Marg, New Delhi.

R. P. RAJĖSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House 4/14A, Asuf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-3-1986

Seul:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Parimal Kumar Mukherjee and Sh. Prasanta Kumar Mukherjee, 779, Nicholson Road, Kashmere Gate, Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Mahesh Chandra Dass & Mrs. Manju Dass, 3759, Pahari Dhiraj, Delhi.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/7-85/1997C.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable proporty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. I-1638, Chittaranjan Park, situated at Delhi

(and more fully described in the Schedulo annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the IAC. Acquisition Range-I, at New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of to-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein is are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or he Wealth-tax Act,

1957 (27 of 1957);

I-1638. Chittaranjan Park, New Delhi, Area 246 sq. yds.

THE SCHEDULE

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Agg: rwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delbi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this no ice under sub-section (1) of Section 269D of the said Ac, to the following persons, namely :---

Date: 4-3-1986

FORM ITNS----

(1) Gagangiri Development Corporation.

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(Transferor)

(2) Mrs. Shubhangi S. Hadkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21154/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. I,00,000/- and bearing No. Flat No. 004, C Bldg., Gagangiri Nagar, Behind Laxmi Narayan Temple, Eksar Road, Borivli (W), Bombay situated at Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 004, C Bldg., Gagangiri, Gagangiri Nagar, behind Laxmi Nagayan Temple, Eksar Road, Borivli (V'), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/21154/85-86 on 1-7-1985.

> LAYMAN DAS Competer t Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-V, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforosaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persor namely :---

Date : 28-2-1986

Scal:

(1) Raghukul Developerst

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S. D. Maduskar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-TV/37EE/20967/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3 & 4, first floor, in Sita Smriti S. No. 261, H. No. 3/A-4, C.T.S. No. 919 1 to 5, Dahisar (W),

Bombay-68, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires leter:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat Nos. 3 & 4 first floor in Sita Smriti S. No. 261, Hissa No. 3/A-2 pt Hs. No. 3/A-4, C.T.S. No. 919/1 to 5, Hahisar The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/20967/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-2-1986

Scul.

- (1) M/s, Jai-Vliav Builders.
- (Transferor)
- (2) Smt. Shyam Sundri Kalanl.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/20893/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Shop No. 3B on ground floor Jaishree Ranochhoddam Bldg., C.T.S. No. 850/A-AI, Dahisar, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule appeared herefo).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to selieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- THE SCHEDULE
- (a) facilitating the reduction or evalon of the liability of the transferor to pay tax under the said Agt, in respect of any income arising from the trainfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 3-B on ground floor Jaishree Ranochhoddam Bldg, C.T.S. No. 850/A-A1, Dahlsar, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/375E/20893/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-rald property by the issue of his notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following -mons, namely :--

Date : 28-2-1986

Seal :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

- (1) M/s. Atul Constructions.
- (Transferor)
- (2) Smt. Suvarny S. Nayak.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/20825/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Bldg., Anant Apartment, Flat No. No. 35, 3rd floor C.T.S.
No. 791 at Dahisar (W), Bombay-68,

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent ionsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Aci, in espect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The textus and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shalf have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Anant Apartment, Flat No. 35, 3rd floor C.T.S. No. 791 at Dahisar (W), Bombay-68,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/20825/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

(1) M.'s. Gopal Das Estates and Housing Pvt. Ltd. 28 Barakhamba Road, New Delhi.

(2) 1. Mr. Rajiv Kapoor S/o Mr.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 27th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/7-85/1913.-Whereas. I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immove as the said Act), having a fair market value Rs.1,00,000/- and bearing Space No. 70-A on Lower Ground Floor in Dr. situated at Gopal Das Bhawan, 28 B. K. Road, exceeding

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-1, New Delhi Act 1961 on July 1985 has been transferred under the 1.T. Act, 1908 (16 of 1908)

for an apparent consideration which is les than the fair for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, ir. respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :---

V. D. Kapoor and 2. Mr. Brij Bhushan S/o Mr. D. P. Gupta, 1134 Prem Gali, Barra Bazar, Kashmere Gate, Delhi, and 2. 1138 Prem Gali K. Gate, Delhi-6. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 70-A on Lower Ground Floor in Dr. Gopal Das Bhawan, 28 Barakhamba Road, New Delhi, (Area: 96.32 Sq. ft.

R. P. RAJESH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated: 27-2-1986 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGES, NEW DELHI

New Delhi, the 27th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I 37FE/7-85/1914.—Wheras, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No. has been transferred under the Registration Act, 1961

situated at Devika Tower, 6 Nehru Place,

New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the 1.7. Act 1961 in the Office of registering Officer at

IAC Acq. Range-I, New Delhi in July, 1285

on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following Dersons, namely :---

(1) Pragati Construction Co. (Devika Tower) 4th Floor, Sheetla House, 73-74 Nebru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri A, C. Sama and Mis, Veena Sarna, B-3/27 Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booked Flat No. 1201 A in Multi Storage Building, Devika Fower 6 Nehru Place, New Delhi.

Area: 580 Sq. ft.

R. P. RAJESH, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Dated: 27-2-1986

Scal:

_____ FORM ITNS-

(1) Sh. K. V. S. Gupta, F-9/10, Model Town, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Neclam Sharda, E-21, N.D.S.E. Part-J, New Delhi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 27th Febtuary 1986

Ref. No. IAC|Acq-I/37EE/7-85|1915.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 481 SFS Mandakini Enclave,

situated at West of Community Centre, Kalkuji (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the LT, Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range-I, New Delhi on July 1985

on July 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the aforesaid persons within a period of able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 481 SFS, Mandakini Enclave, West of Community Centre, Kalkaji New Delhi.

R. P. RAJESH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. persons namely :--

Dated: 27-2-1986

Scal:

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 27th February 1986

Ref. No. AC/Acq.-I/37EF/7-85/1916.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing Flat No. 409, fourth Floor in building No. 89

situated at Nehru Place, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

LAC Acq Range-I, New Delhi

on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer **mi/er**
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Yashitsungba A.O. S/o Late Shri Taka AO Kher Mohal, Dimapui, (Nagaland).

(Transferor)

(2) Mr. Rajiv Chai S/o Mr. K. P. Ghai W-77, Greater Kailosh-, New Delhi

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Flat No. 409 measuring 530 Sq. ft. on fourth Floor in building No. 89, Nehru Place, New Delhi. (Under Construction).

> R, P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 27-2-1986

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 27th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-J/37EE/7-85/1917.—Whereas, I,

R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Space No. 68 on Lower Ground Floor in Dr. Gopal Das
Bhawan, 28 Barakhamba Road situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following nemona namely ... 113--26GI/86

(1) M/s. Gopal Das Estates & Housing Pvt. Ltd., 28, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Shiv Kumari
W/O Mr. Durga Prasad and
2. Mr. Durga Prasad
S/O Mr. Tika Ram,
1238, Prem Gali,
Bara Bazar, Kashmere Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 68 on Lower Ground Floor in Dr. Gopal Das Bhawan, 28 Barakhamba Road, New Delhi. (Super) approximate: 103.12 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 27-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 27th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1918.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 1209 A in Multi Storeyed Building situated at Devika Tower, 6 Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office

of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the link@ity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and for
- (b) facilitating the concealment of any income moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/S Pragati Construction Co., (Devika Tower), 4th Floor Shectla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Master Brijesh Bansal U/G of Sh. R. B. Bansal, B-60 East of Kailash, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booked Flat No. 1209A in multi storeyed building Devika Tower, 6 Nehru Place, New Delhi, Area 180 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L^ Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 27-2-1986

Seal ;

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 27th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1919.—Whereas, I.

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1106 on 11th Floor at 22 Kasturba Gandhi Marg, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range-I, New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than interests the apparent consideration interestor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, respect of any income arising from the transf and/er

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Inderjit Walia & Sanjiv Walia, E-44, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Adarsh Kapur and Master Anil Kapur, B-21/94. Safdarjung Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1106 on 11th floor at 22 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi. Area 542 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I Aggarwai House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 27-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 27th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/7-85/1920.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 18, First Floor, Deepak 13 situated at Nehru Place, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mose than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay inx under the said Act, in respect of any income unleing from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Mrs. Madhu Tondon,
 Kailash Apartments,
 Lala Lajpat Rai Road,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Vanelsh Kumar Malik and Mrs. Savitri Devi Malik, S-370 Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 18, First Floor, Deepak, 13, Nehru Place, New Delhi, Area 218 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-J
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—-

Date: 27-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 27th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE¹⁷-85|1921.--Whetens, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 409 in 98 Hemkuat Tower situated at Nehru Place,

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office

of the Registering Officer at 1AC Acq. Range-I, New Delhi New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealeent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. B. L. Sabbo S/O Shri Shanker Lal Saboo, R/O Room No. 221, 25A Park Street, Calcutta.

(Transferor)

(2) Sh. Shalander Singh Sahni and Sh. Surinder Pal Singh S/D Sh. Daya Singh Sahni, R/O Cottage No. 4 Oberio Apartments Civil Lince, Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-Cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 409 in 98 Hemkunt Tower measuring 511 qq. ft. Nehru Place, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 4/14-A, Asaf Ali Road Aggarwal House New Delhi

Date: 27-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. 1AC/Acq-1/37EE/7-85/1922.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1.00,000/- and bearing Plot No. 24, Block N, situated at Greater Kailash-I, New North.

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Range-I, New Delhi New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under th esald Act in respect of any income arising from the transfer: und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or only moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Shanta J. Patel, 55. Hanuman Road. New Delhi.
- (2) M/S Bali Bullders Private Ltd., 1.B/56, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actice on the respective is, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 24, Block N, Greater Kailash-I, New Delhi. Measuring 530.93 Sq mtr.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-3 Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 3-3-1986

FORM: ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Santosh Verma, 54-A, Vasant Marg, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Rajya Vardhan Kanoria and Mrs. Madhu Vanti Kanoria, 23-C, Ashutosh Chowdhary Avenue, Calcutta.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI**

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1923.—Whereas, I,

R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 45-A Vasant Marg, Vasant Vihar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC Acq. Ran New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 45-A, Vasant Marg, Vasant Vihar, New Delhi. Area 1008 Sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-3-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 27th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1924.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 2, on 7th Floor in Vijaya Building situated 17

Barakhamba Road, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I, New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration, for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/S Gujral Estates Pvt. Ltd., 17, Barakhamba Road, New Delhi,

(Transferor)

(2) M/S Kapur Metal and Allied Industries, 47, Babar Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Space No. 2 on 7th Floor in 'Vijaya' Building 17 Barak-hamba Road, New Delhi. (Super) 498.59 Sq. ft. subject to adjustment at the time of completion of the building.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 27-2-1986

· . Command and the second of the contract of the

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 27th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1925.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Space No. 68 on lower Ground Floor, situated at in Vijaya

Space No. 30 of lower control Pilot, studied at it vijaya Building, 17 Barakhamba Road, New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC. Acq. Range-I, New Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tur Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--- 114-26GI/86

(1) M S Gujral Estates Pvi. Ltd., 17, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Jasjit Singh S/O Col. Swaranjit Singh and Mr. Narjit Singh No. 9, Ring Road, Lajpat Nagar-IV, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:The terms and expressions used become as defined in Chapter XXA of the said Ast, shell have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 68 on Lower Ground Floor in Vijaya Building 17. Barakhamba Road, New Delhi. (Super) 329.08 Sq. ft. subject to adjustment at the time of completion of the building.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 27-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85, 1926.—Whereas, I,

R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 13, Gauri Apartments 3 & 4 South End Lane situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC. Acq. Range-I. New Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforciaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of r

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, perrons namely:-

(1) M S Kailash Nath and Associates, 1006 Kanchenjunga, 18 Barakbamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Manender Mann, 76, Sunder Nagar, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One residential Flat No. 13, area 1580 Sq. ft. one terrace area 290 sq. ft. on second floor, and one open Car parking space in proposed Group Housing Scheme Gauri Apartments on 3 & 4 South End Lane, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi.

Date: 3-3-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD **NEW DELHI**

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1927.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 817, 14th Kasturba Gandhi Marg situated at New

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC Acq. Range-I, at New Delhi in July, 1985

at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said fastration of transfer with the object of trans

ment of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Miss Ritika Arora and Miss Meeta Arora
U/G of Sh. R. K. Arora,
C-85, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Swaraj Kaushal Advocate S/O Sh. Pandit Madan Lal and Mrs Sushma Swaraj W/o Mr. Swaraj Kaushal, R/o P-35 Tara Apartment Kalkaji, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 817 Area 345 Sq. ft. in 14 Kasturba Gandhi Marg

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Dated: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

IAC/Acq-I/37EE/7-85/1928.--Whereas, I, Ref. No. R. P. RAJESH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Upper Basement No. UB 10 C in situated at 22 Barakhamba

Road, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC Acq. Range-I, at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evacion of the link of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer يد/ إنظ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/S Amarson Agencies, R-907, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Kusum Suckand and Sh. Harinder Singh Sickond, 158, Munirka Vihar, Opp. JNU Staff Ors. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servic e of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested m the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Upper Basement No. UB 10C in 22 Barakhamba Road, New Delhi. Area 200 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 28-2-1986

FORM NO. I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Sat Pal Singh S o Late Shri Bhagat Singh, R/o A-135, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Verinder Sawhney, S/o Shri Chander Bhan Sawhney, R/o Q-30, Vijay Nagar, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1929.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. GF-5, Building No. 60 Skylark situated at Nehru Pales.

Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the

office of the IAC Acq. Range-I, at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. GF-5, on Ground Floor, measuring 305 Sq. ft. in building No. 60, Skylark, Nehru Place, New Delhi.

P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 28-2-1986

15664

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE-7-85/1930.--Whereas. I.

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. GF-1 on Ground Floor situated at Guru Angad Bhawan, 71, Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the office of the IAC Acq. Range-I, New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; endlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Doon Apartments Private Limited, D-370, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Roshan Lal Sone S/o Lala Chandhu Mal Sore and Sarvshri Ashok Kumar Sone & Satish Kumar Sone both sons of Shri Roshun Lal Sone, 9A/48 W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said in an able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. GF-1 on Ground floor, measuring 722 Sq. ft. in the multisoreyed building known as Guru Angad Bhawan, 71, Nehru Place, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-Λ, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 28-2-1986

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Sunita Ghai, D-371, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Devi Choudhary, Asok Choudhary and Shri R. P. Choudhary, J-4/23 Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAI, HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE, 7-85/1931.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

No. 89 Skipper Tower 622A Nehru Place situated at New Delhi

fand more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the LT, Act. 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range I.

New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the seid Act, or the Wealth-ing Lot, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

89 Skipper Tower, 622 A Nehru Place, New Delhi. Area 500 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 28-2-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/7-85/1932.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Computent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing. Flat No. 1201 B in multistoreyed Building situated at 6 Nehru Place, New Delhi. (Devika Tower) (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I. T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weshit-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) M/s Pragati Construction Co. 4th Floor Sheetla House, (Devika Tower), 73-74 Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

Shri Jag Jeet Singh and Smt. Phupinder K. Bajaj, 4-305, Defence Colony, New Delhi.

(Transferece)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servcie of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publiention of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booked Flat No. 1201 B in multistoreyed building, 6 Nehru Place, New Delhi. (Devika Tower). Area 500 Sq. ft. (Approx.),

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road New Delhi

Date: 28-2-1986

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1933.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing
Flat No. 715 Super Bilt Area 500 Sq. ft. situated at in
Devika Tower No. 6 Nehru Place, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I. T. Act 1961 (43 of 1961)
in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I
at New Delhi in July, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per coat of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

115--26GI/86

 Rajinder Krishan Mehta. Vill. & P.O. Radaur, Distt. Kurckshetra (Haryana).

(Transferor)

(2) M/s Tandon Magnetics Indiat Pvt. Ltd., Unit-9SDF-1 Scep , 2 Andheri (E), Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 715 Super build Area 500 Sq. ft. in Devika Tower No. 6 Nehru Ulace, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road New Delhi

Date: 28-2-1986

Scal:

PORM ITES

(1) M/s Reliance Apartments Pvt. Ltd., A-1/149, Inderpuri, New Delhi .

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ganga Singh, D-59, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAS/Acq.-I/37EE/7-85/1934.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Intermedia Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act') have reason to believe that the immovable

the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 4 on Lower/Upper ground floor situated at B/27 Kailash Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the LT Act, 1961 in the Office in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, had or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Unit No. 4 on lower/upper ground floor consisting of 3 bed Room D/Dining and attached bath room approx. 1700 Sq. ft. Kailash Colony, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269t) of the said Act to the following persons namely :-

Tito: 28-2-1986

FORM ITNS ----

(1) M/s D. S. Agencies, 70, Uday Park, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Lakhotta Brothers, 412, Arihant, 64, Ahmedabad-84, Bombay-9.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC / Acq-I/37EE /7-85/1935.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

First Floor Hansalaya, 15-Barakhamba Road situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I,

at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the carties has not been truly stated in the said instrument of raister with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposer of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-193 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ef 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

181 Sq. ft. on the First Floor, Bansalava, 15 Barakhamba Road, New Delhi.

> R. P. RAJESH Comperent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Agga wa! House 4/14-A Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

Scal:

R. P. RAJESH,

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THB INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Mehta Foods Pvt. Ltd., 804, Rohit House, 3 Tolstoy Marg, New Delhi,

(Transferor)

(2) M/s Uttam Singh Dugal & Co. Pvt., 11, Marine Arcade, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. 1AC/Acq-I/37EE/7-85/1936.—Whereas, I.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1201, 13 Tolstoy Marg, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. Acq. Range-I at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as

at New Delhi in July. 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the
aforesaid exceeds the apparent consideration property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) Incilitating the reduction of evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Hat No. 1201 measuring 820 Sq. ft. on 12th Floor in the Multistoreyed Building (Under Construction) at 13, Tolstoy Marg, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest id property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ---

Date : 28 3-1986

beatt

PORM ITHE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGF-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-J/37EE/7-85/1937.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heromatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing UB-5 in Skipper Bhawan, 22 B. K. Road, situated at N. Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act. 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Act. Range-I, at New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Incilitating the reduction or evolute of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S. Gurcharan Singh, 1 E/13, Jhandewalan, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Manjula Gupta, Miss Tanu Gupta, Miss Sonu Chimnani, Vinay Chimnai and Mrs. Mamta Wadhwa, C/o Alidass Nibomal 3525, Qulab Road, Delhi-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be unedo in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

UB-5 in Skipper Bhawan, 22 B. K. Road, New Delhi, Area 1100 bq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-L, Aggrawal House
4/14-A Asaf Ali Road New Delhi

D.8e 28-2-1986 Scal ;

FURM I'NS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME

ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAI HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 28th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I;37EE/7-85/1938.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 1606 on 16th Floor situated at 14 Kasturba Gandhi

Marg. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act. 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. Range-I,

at New Delhi in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) tacilitating the reduction or eventon of the linkuity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely . -

(1) M/s Nanak A. Bhatia (HUF). M/s Arnand Bros. (HUF), Mr. Madam Batra, c to M/s Shaloo Agencies, 105, Mathuban, 15 Nenru Place, New Delhi. (fransferer)

> (2) Mrs. Foonam Dhawan, w/o Mr. L. K. Dhawan, D-79. Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

that No. 1606 on 16th Ploor in 14. Fastucha Gandhi Mare, New Delhi, Area 300 Sq. ft.

> R. F. RAHESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 1. Argument House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

1 ab 1 8 1986

Send:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III|7-85|1133.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding New Delhi on July 1985 No. 10097, on plot No. 8/17, WEA, Karol Bagh, New Delhi

at New Delhi on Jul y1985

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer New Delhi on 1-7-1985

for an apparent chosideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri J. C. Adya s/o late Dwarka Dass r/o Sint J. C. Adya s/o late Dwarka Dass 1/o
B-6/106, Safdarjang Enclave, New Delhi,
Smt. Kailash Narain wd/o Prem Narain Warden
Girls Hostel, III Campus, New Delhi, Smt. Ram
Dulari W/o Sh. R. N. Sabharwal, r/o D-28,
Anand Niketan, New Delhi and Smt. Sushila Devi
W/o Shrl D. P. Chopra r/o C-1/59, Safdarjang
Development Avan New Delhi Development Area, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Murli Mani s/o Late Shri C. S. Mani r/o 16/ 10, WEA Karol Bugh, New Delhi, and Shri Kuldip Sobti (HUF), 2105, D.B. Gupta Road, Karol Bagh, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovator property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LEPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 10097, on plot No. 8/1,7 mg, 280 sq. vds. Kh. No. 1974/1164, WFA, Karol Bagh, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Bombay, the 10th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/SR-JII/7-85/1134.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

C-48 situated at NDSE Part-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Brij Mohan Lal Uppal s/o late Sh. S. L. Uppal for self and through attorney; 2. Mrs. Lajwanti Uppal w/o late Sh. S. L. Uppal r/o 272, Laxmibai Nagar, New Delhi, 3. Sudesh Lal w/o late C. R. Capt. M. M. Lal and her son and daughter Mohit Lal and Ashima Lal, 53, Princes Park Officers Hostel, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Ravinder Alag w/o S. Ravinder Singh r/o C-577, Defence Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

HEPLANATION:—The terms and expressions used berein so are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. C-48, mg. 500 sq. yds. situated at NDSE Part-II, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-JII
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-2-1986

Scal:

(1) Shri Dayal Chand so Kishan Lal, r/o M-56-B, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Baldev Parkash Kapoor, s/o Moti Ram Kapoor r/o M-72-A, Malviya Nagar, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/7-85/1135.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No, M-56A situated at Malviya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on July 1985

New Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(h) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Property No. M-56A, mg. 100 sq. yds. Malviya Nagar, New Delhi.

(v) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957):

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1986

Seal -

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II/ AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/7-85/1136.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 1/10th undivided share in situated at land in Property No.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

incultating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (b) facilitating the concealment

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Svs. N. K. Bhatia, P. K. Bhatia Anil Bhatia and Sunil Bhatia through their general attorney Smt. Raj Kumari Bhati R/o W-41, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Mala Narain
D/o Smt. Savita Narain
R/o 37, Arongieh Road,
New Delhi.

(Transferue)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- the terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the read Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two bedrooms drawing dinning two bathroom, one kitchen on the first floor alongwith 1/-10th undivided chare in land in property No. K-62, Hauz Khas, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Delhi: 3-3-1986 Seal 1

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II/ AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-JII/7-85/1137.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. XV/931 (1/2) and 932 (new) situated at mg, 119 sq. yds.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at we Delhi on July, 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ismowfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Manohar Lal Chopra S/o Shri Narsingh Dass R/o XV/931½-32 (new) Kucha Allauddin, Pahargani. New Delhi.

المراجعة والمراجعة
(Transferor)

(2) Smt. Krishna Wanti W/o Shri Depty Lal R/o Chow Ghee Mandi, Pahargani. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Offician Gazette or a period o 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. XV/931 (1/2) and 932 (new), mg. 119 sq. yds. situated at Kuncha Allauddin Paharganj, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 6-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

15626

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II/

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/7-85/1139.—Whereas, f. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair narket value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. P-39 situated at NDSE-II, New Delhi, (Garrace Block) (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the egistering Officer at New Delhi on July,1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sertice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) DLF Universal Ltd. 21-22, Narindra Place, Parliament Street, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Maj. Suveer Sharma 2, New Flats, Modern School, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. P-39, NDSE-II, Garrage Block, New Delhi,

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-ITIDelhi/New Delhi

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II/

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/7-85/1143.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/ and bearing No.

No. 13 Block No. P situated at NDSF Part-II, New Delhi (and more fully described in the Schedulc annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at F-3 situated at NDSE, Part-II, New Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or not moneys or other assets which have not been of which engit to be disclosed by the transferre for the purposes of the rindian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—110—26GI/86

Shri Ram Lal Sharma
 S/o late Sh. Gauri Shanker
 R/o P-13, NDSF-II,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Anil Kumar S/o Shri Sukh Dev R/o 4/54, Subhash Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

No. 13, Block No. P. 179, 253 sq. yds. NDSF Scheme Part-II situated at Mubarakpur Kotia, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 7-3-1986

PORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/7-85/1146.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B-7 situated at Ext/65. Safdarjang Res. Scheme, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the egistering Officer at New Delhi on July,1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice mader subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Paramjit Singh S/o Shri S. P. Sachdev through attorney S. P. Sachdev and Smt. Prem Prabha W/o S. P. Sachdev R/o 34, Housing Society, South Extension, Part-I, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sahender Pal Sachdeva S/o Shri Kharaiti Lal Sachdeva R/o 1307, Flazguuj, Bahadurgarh Road, Dehi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expirer later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat on first floor (front portion) of property No. F-3, measuring 950 sq. ft., NDSE Part-II, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 11-3-1986

NOVICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II/ AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/7-85/1147.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. B-7 situated at Ext/65, Safdarjjang Res. Scheme, New

Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the egistering Officer at New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the porties has not been truly stated in the said instrument. the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mid/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Paramjijt Singh Piara Singh Ranvir Singh Kamaljit Singh Sa/o late Sarwan Singh R/o K-18, Greek Park, New Delhi. through attorney Brij Kishore, Smt. Madhu Gupta W/o Naresh Kumar Gupta R/o 3102, Mohalla Dassan, Charkenowalan, Hauz Qazi, Delhi.

(Transferor)

(2) Mahesh Chand Gupta s/ late Krishan, r/o A-82/1, Gautam Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Beplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

B-7, Ex t/85, measuring 70 sq. mtrs. Safdarjang Res. Scheme, New Delhi.

> AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 4-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/7-85/1148.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
House No. 1009, on plot No. 18/2, situated at WEA, Karol Bagh, New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the conscalment of any income or any measure or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

New therefore, in purchase of Section 269°C of the silk Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sushil Kumar Sachdeva Rajeev Sachdeva S/oMan Mohan Lal R/o H. No. 3470, Nicholson Road, Delhi. Harjinder Pal Singh Surinder Pal Singh Sylo S. Gurbux Singh R/o 38/43, Punjabi Sagh New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri A. Venkataswara Rao S/o A. Venkateppaiał and A Krishna Mohan S/o A. V. Rao R/o Block I-103, Ashok Niketan, DDA Colony, Naraina, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 10009 on plot No. 18/2, measuring 240 sq. yds. Khasra No. 769/767, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/7-85/1152.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House No. 315, Ward No. 16 situated at Block 'AC', Khazoor Road, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the

New Delhi on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(1) Lt. Col. Dalpat Singh Shri Rangi Ram R/o Village Khora Kheri, Distt. Karnal (Hr.).

(Transferor)

(2) Shri Sudershan Kumar S/o Shri Prithi Raj and Smt. Saroj Kanta W/o Shri Sudershan Kumar R/o 315, Khajoor Road Karol Bagh New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Double storey house bearing No. 315, in Ward No. 15, Block 'AC', Khasra No. 626/451 at Khajoor Road, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:-

Date: 13-3-1986

Scal:

FORM I.T.N.S.-

 Shri Ramesh Chander R/o 9/3, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Surinder Kumar 4/28, Old Rajinder Nagar, New Delhi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-Λ, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/7-85/1151.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9/3 situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understance :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

9/3, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tas Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the fellowing persons, namely:

Date: 12-3-1986

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE. 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th March 1986

Ref. No. IACAcq,-III/SR-III|7-85|1153.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-72 situated at NDSE Part-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed herelo), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration as the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Gian Parkash Mohindra 19, Chamin François Lehmann, 1218, Grand Sacoonex, Geneva (Switzerland).

(Transferor)

(2) Shri Sandeep Chowdhry S/o Shri S. C. Chowdhry 4/104, Sona Apartments, Kaushalaya Park, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C-72, NDSE II (447.77/100 sq. vds.) single storeved house.

> **SUNIL CHOPRA** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
>
> Acquisition Range-III
>
> Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-3-1986

Scal:

FORM TOW-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri Jhabarmal Chakhani 61/10, Ramjas Road. Karol Gagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Parkash Anthony 3A/60, WEA, Karol Bagh,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, New Delhi

New Delhi, the 3rd March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/7-85/1154.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 100,000/, and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
7-A/51 situated at WEA, Karol Bagh, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on July, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the pa ties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Counts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;

THE SCHEDULE

7b) facilitating the concealment of any income or any mesteys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

7A/51, WEA, Karol Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. AGGARWAL HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD. New Delhi

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acg-III/SR-III/7-85/1149.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
K-62 situated at Hauz Khas Enclave, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on July, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of: transfer with the object of ;---

- (a) facilitating the reduction or evaden of the Mibility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 111-26GI/86

(1) Svs. N. K. Bhatia P. K. Bhatia Sunil Bhatia & Anil Bhatia through G A.
Smt Raj Kumari Bhatia
R/o W-41, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. P. S. Kailasam R/o Kasturi Ranga Road, Madras-600 018.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Two Beds, two baths, drawing-dining, one kitchen on second floor at K-62, Hauz Khas Enclave, New Delhi alongwith 1/10th undivided share in land.

> SUNIL CHOPRA
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Dato: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, New Delhi

New Delhi, the 13th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-IV/7-85/1453-A.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
E-2/2, Krishan Nagar situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on July, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Λct, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I' of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Bansi Lal Sikka S/o Shri Girdhari Lal Sikka R/o B-2/B, 165, Janak Puri, New Delhi.
 Shri Ganga Dhar R/o D-108, Rishi Nagar, Near Shakur Basti, New Delhi.

کیا 1977 تا 1977 میں دور میں بندن کی مربی ہی کے <u>جینی رہ جونی دی کی برائی میں میں میں میں میں میں میں میں میں م</u>

(Transferors)

(2) Smt. Bhagwanti W/o Shri Dhanna Ram R/o N-44, Sheikh Petti Bedaun, Disttt, Bedun (U.P.).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. E-2/2, Krishan Nagar, Delhi-51. Area 272, 2/9 sq. yds.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 13-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, New Delhi

New Delhi, the 11th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-IV/7-85/1454.--Whereas I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 496[5-B], Kh. No. 636[613]2[2]2[2]3] Khewat situa-

No. 496[5-B]1, Kh. No. 636[613]2[2]2[2]3[3] Khewat situated at No. 190, Khatauni No. 386, situated in Patel Chowk, Delhi

(and more fully described in the Schedule argumed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-'71 Ast, 1937 (27 of 1987);

(1) Smt. Bhagwanti
W/o Shri Wazir Chand
R/o 496/5, B/1,
Near Post Office,
Subhash Road,
Gandhi Nagar,
Delhi.
through her GeneralAttornew
Shri Prem Chand
S/o late Shri Shital Ptasad Jain
R/o 496-5-B,
Subhash Road,
Gandhi Nagar,
Delhi.

(Transferors)

(2) Shri Parkash Chand Jain S/o Shri Shital Pershad Jain & 2. Smt. Pushpa Jain W/o Shri Parkash Chand Jain, R/o 496-5-B/1, Near Post Office, Gandhi Nagar, Delhi-31.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable preserty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up property bearing property No. 496|5-B|1. area measuring 228 sq. yds., Khasra Nos. 636/613|2|2|2|2|3|3 Khewat No. 190, Khatauni No. 386 situated at Patel Chowk, Near Post Office, Subhash Road, Gandhi Nagar Delhi-31.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/Ncw Delbi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 11-3-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/7-85/2657.—Whereas, I, SUNII. CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269% of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'anid Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

A-38, Colony Krishana Park situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) Sacilitating the concealment of any income or any meness or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wentil-(x1 Act, 1967 (37 of 1967))

Now, therefore, a narrannee of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcrenatal preparty by the innee of this notice waster subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pressus, namely:—

(1) Smt. Raj Rani Chopra W/o late Sunder Das Chopra R/o 2/82, Ramcsh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dalip Singh Manchanda S/o late Ganga Ram Ro DA-45-C, G-8, Area, Rajouri Garden,

(Transferee)

Objections, if gay, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-38, area 200 sq. yds. in free held colony Krishna Park, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 11-3-1986

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1951)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sh. Dig. Ram & Raghbir, S/o. Sh. Mai Ram alian Maya Ram, R.o. Viltage Mundhela Khurd, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Janardan Banerjee, S/o. Sh. H. C. Banerjee, R/o 9A, Humyunpur, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/7-85/2659.—Whereas, 1, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Village Mundhela Kburd, situated at Delhi State, Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Iffice of the registering Ifficer at New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the faiar market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any become or any moneys or other assets which have not seen or which ought to be disclosed by the transferae for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land mg. 22 bighas 4½ biswas, part of khasra nos. 16/17 (4-16), 16(2-03), 18(3-2), 25(4-16), 24(4-12), 16/14 Min. (2-1), 27(0-1½), 30(0-4), situated Village Mundhela Khurd, Delhi State, Delhi,

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASALALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1907.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Plot No. M-114, Greater Kailash Park-II, situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1993 (16 o. 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said enstrument of transfer with the object at :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax Ast, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Can Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Major Gurcharan Singh Rishi Rai, M-114, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. M. K. Bhargava, N-121 Greater Kailash-I, New Delhi,

(Transferect)

Objections, if any, to the acquisition of the said properly may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st floor of Plot No. M-114, Greater Kailash Part-II, New Delbi. Area 505 Sq. yards,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range A. Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 27-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 27th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/7-85/1908.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 413 in 89 Nehru Place, situated at New Delhi.

Flat No. 413 in 89 Nehru Place, situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I.T. IAC. Acq. Range-I, New Delhi, Act 1961 in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Master Rajat Ghai U/G of Mrs. Sunita Ghai, D-371 Defence Colony, Dew Delhi.

(Transferor)

(2) Simplex Concrete Piles (India) P. Ltd. Varkunth, 2nd floor 82-83 Nehru Place, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 413 in 89 Nehru Place, New Delhi, Area 465 Sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-I
Aggarwal House,
4/14A, Asaf Ali Road,
New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 27-2-1986

(1) Sh. Brij Mohan Sachdev, 130 Golf Link, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Necraj Khemka. 4727, Cloth Market, Delhi.

(Transferca)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HÖUSE, 4/14-A, ASAFALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE|7-85|1909.—Whereas, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1323, Skippor Tower, situated at 89, Nchru Place.

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the I.T. IAC. Acq. Range-I, New Delhi. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at registering Officer at New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- Flat No. 1323, Skipper Tower 89, Nchru Place, New Delhi. Area 385 Sq. ft.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Date: 27-2-1986

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

 M/S Skipper Sales Pvt. Ltd.
 Bara Khamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Manorama Jalan, 4259/3, Ansari Road, New Delhi.

('Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HÖUSE, 4/14A, ASAFALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 27th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/7-85/1910.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. UB/7-22 Bara Khamba Road, situated at New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the J.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at

1AC Acq. Range-I, New Delhi in July, 1985 New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922), or said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. UB-7/22 Bara Khamba Road, New elhi. Area 687 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House, 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 112-26GI/86

Date: 27-2-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAFALI ROAD, NEW DFLHI

New Delhi, the 27th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1911.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

he in the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 706 A at 22 Bara Khamba Road, situated at New Parking

Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at

1AC, Acq. Range-I, New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) M/S Skipper Sales Pvt. Ltd. 22 Bara Khamba Road,

(Transferor)

(2) Master Rajat Ghai U/G of Sh.B. K. Ghai, D-371, Defance Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 706 A at 22 Bara Khamba Road, New Delhi. Area 500 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House. 4/14A. Asaf Ali Road. New Delhi.

Date: 27-2-1986

(1) M/s. J. S. R. Family Trust, C-39, Connaught Circus, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Sh. Y. Guglani and V. Guglani, B-22, Moti Nagar, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 27th February 1986

Ref. No. IAC/Acq.1/37FF, 7-85/1911A,—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00,000/- and bearing No. G-39 Connaught Pircus, New Delhi

OT

istuated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC Acq. Range-I, New Delhi Act 1961 on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid.

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

First Floor (Front Flat) in Pawan House, Middle Circle, Behind G-39, Connaught Circus, New Delhi, Blat Measuring 434.48 Sq. ft.

> R. P. RAIESH. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2500 of the said Act, to the following persons, nantaky ----

Dated: 27-2-1986

Scal :

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 27th February 1986

Ref. No. IAC/Acq-I/37EE/7-85/1912.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'raid Act') have reason to believe that the immovable Rs. 1.00,000/- and bearing
UB-10 B/22 Bara Khamba Road, 200 Sq ft.
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the J.T. Act, in the Office of the

Registering Officer at

Acq. Range-I, New Delhi in July 1985 on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid experience that the consideration, therefore by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sail instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asculisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Skipper Sales Pvt. Ltd. 22 Barakhamba Road, New Delhi,

(Transferor)

(2) Major B. M. Singh, AC-131/C. Shalimar Bagh. Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. Upper Basement 10-B at 22 Bara Khamba Road, New Delhi. Area 200 Sq. ft,

R. P. RAJESH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Dated: 27-2-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Suketu Ratilal, V.K., Ratilal Ujamshi, Killol Bunglow. Navrangpura, Ahmedabad,

(Transferor)

(2) Dhirajlal Babulal Shah, Pir Illaji Sheri, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABED-380009

Ahmedabed-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4096 Acq-23/I/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDEI WAL,

P. D. KHANDEI WAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and hearing No.

Bldg. at Bhavnagar City.
(an I more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhavnagar on 15-7-85.

value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid ex-ceeds the apparent consideration therefor by more than Fitz-in percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respace tive persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which english to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 2. r. 1957 (27 of 1957):

The document was regd. at S. R. Bhavnagar vide No. 2189 Dt. 15-7-85.

> P. D. KHANDEI WAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ax Acquirition Parent 2nd Floor, Handloom House, Ashram Read Ahmedabed-380 009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—103—26GI/86

Date: 28-2-1986

PORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4097 Acq. 23/I/85-86,—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Secion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the tramovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land and Bldg. at Laxmiwadi Sheri No. 14 Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Rajkot on 18-7-85 for an apparent consideration which is the second of the second of the registering of the second of the registering of the second
for an apparent consideration which is murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the secion (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Girdharlal Ranchhodbhai Prahlad Plot Sheri No. 6/16 Rajkot.

Transferor(s)

(2) Damjibhai Ranchhodbhai Makwana Chamunda Nivas-Laxmiwadi-Opp: Sheri No. 14 Rajkot.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S.R. Rajkot on 18-7-85 for A.C. Rs. 75,000/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authori Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Jaswantrai Anopchand Pujani Bhaktinagar Rajkot.

Transferor(s)

(2) Smt. Hiraben Chhaganlal Kaucha, Station Plot—Gondal.

Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4098 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Building at Station Plot Gondal Wd. No. 7, Dist: Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Gondal on 8-7-85 for an apparent consideration which is less than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the taid instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wriing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Gondal vide No. 3166 July, 85—Bldg. at Station Plot Gondal Wd. No. 7. Ahmedabad

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Dt.:28-2-86

Scal:

FORM ITNS ---- --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Jayantllal Tapubhai P.O. Maleyesan Tal. Rajkot.

Transferor(s)

(2) Natvarlal Dayabhai Ukani & Ors. 'Pushkar' 15-B Panchvati Socy. Rajkot.

Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Augustion range-i, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

 $M_{\rm H,P}$ ashad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4099 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the incompetence Act. 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000_f- and bearing No. Prop. o. land bearing S. No. 208 of sim of Tal. Kaysen of

Raikot

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bus been margined under the Registration Act 1908 (16 of 1998) in the office of the registering officer at

Rajkot on 15-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the names has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, in respect of any income aris'to from the transferand/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personal whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used here to an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given m that Chapter

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Rajkot on 15-7-85 for A.C. Rs. 72,000/- Ahmedabad.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I **Ahmedaba**d

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said of oresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Chandubhai Gulabsinhji Zala Jairaj Plot--Shakti Niwas Rajkot.

Transferor(s)

(2) Mohanlal Tribhovandas Jadwani Kotharia Road Colony, No. 199—Rajkot.

Transferee(s)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4100 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269P of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land and Bldg. 42A Uchhrangnagar Socy. Rajkot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Rajkot on 17-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/o.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which pught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Rajkot on 17-7-85 for A.C. Rs. 1,95,000/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate prescribing for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMFDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4101 Acq. 23/I/85-86,—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bldg. in Vasana seem E.B. TPS, 22 FP 133 to 140

Bldg. in Vasana seem E.B. TPS. 22 FP 133 to 140 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 30-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (1) recultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Arvindaben B. Bhatt 44-A, Shadranagar Co-op. Hsg. Socy. Nr. Nava Shardamandir— Ahmedabad.

Transferor(s)

 Jayshriben Deepakbhai Mashruwala 44A—Sharda Co-op. Hsg. Socy. Nr. Nava Sharda Mandir Ahmedabad.

Transferee(s)

THE SCHEDULE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. in Vasana Seem TPS. 22 E.B. FP 133 to 140, Ahmedabad

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dt.: 28-2-86

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4102 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land Geratpur Tal. Daskroi S. No. 242-1 Block No. 259 Adm. 4148 sq. mtr.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 18-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/ar

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulds-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the soid Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Jadiben Jivabhai Amrabarm Village: Garatpura Tal. Daskroi.

Transferor(s)

(2) Vaikunt Lal Chaturlal Trivedi Payal Park Geratpur Coop, Idiyal Colony Maninagar, Ahmedabad.

Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any ether person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meating as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. Ahmedabad vide No. 16547 Dt: 18-7-85.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Chetana Agencies Partner: J. G. Ghadia beside S.T. Depot—Anandpura Naroda Road—Ahmedabad.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(2) Harshikaben Ratilal Balkrishna Nagar—Sejpura Naroda Road-Ahmedabad.

(Transferec)

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, IIANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4103 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Shop No. 2 at A'bad Railwaypura Wd. F.P. 29 paiki (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

(u) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The document was regd. at S.R. A'bad vide No. 4446 Dt.: 29-7-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I **Ahmedab**ad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Popatlal Jeshinghbhai Shah Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hilton Rubbles Ltd. New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4104 Acq. 23/1/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bldg. at Madalpur sim TP No. 3 FP No. 558 paiki Sub Plot

No. 1 Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Ahmedabad on 31-7-85

Annecation of 31-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The document was regd. at S.R. A'bad vide No. 7772 Dt.: 31-7-85.

THE SCHEDULE

Ahmedabad

P. D. KHANDELWAI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:— 104-26GI/86

FORM ITNS-

(1) Mafathhai Somabhai-HUF Garatpur Tal. Daskroi-Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Suchit Payap Park Garatpur Coop, Hag. Sucy, Prayojak Vaikunthlal Chaturlal Trivedi Ideal Colony-Maninagar-Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4106 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Piece of land bearing S. No. 237-1 Block No. 256 moje gam Garatpur Tal Daskroi Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 18-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Ahmedabad on 18-7-85 for A.C. Rs. 1,16,160/-.

Ahmedabad

P. D. KHANDELWAI. Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dt.: 28-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Re. No. P. R. No. 4106 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing

Piece of land bearing S. No. 243-2 Block No. 257 of Garatpur

Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 18-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evision of the limbility of the transferor to pay tax under the said Ast, in spect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-test Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. Shantaben w/o Amrutlal Maganlal Geratpur Tal. Daskroi Dist.: Ahmedabad. (Transferor)

(2) Suchit Payal Park Geratpur Co.op Hsg. Socy. Vaikunthlal Chaturlal Trivedi Ideal Colony—Maninagar Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Ahmedabad on 18-7-85 for

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Ahmedabad

Dt.: 28-2-86

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4107 Acq. 23/I/85-86,—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 605/2 Chinaibag Coop. Hsg. Socy. Opp: Law College E.B. TPS No. 3 & 6 FP No. 605/2 Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proverty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the frankferor to pay tax under the pull Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1997).

Ushaben Manubhai Mehta
 Limda Pole Bala Hanuman
 Gandhi Chowk Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Rohiniben Suketu Parekh Ist Floor—C/5/11 Chinai Bag Socy. Behind Law College, E.B. Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are definde in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. A'bad during July, 85.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dt.: 28-2-86

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Jashaji Babaji Thakor Chandlodia Ahmedabad.

(Transferor)

(2) N. P. Park Coop. Hsg. Socy. 28, O Ilnd Floor, Ajanta Commercial Centre, Ashram Road—Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4108 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Iucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece of land bearing S. 172.7 of Moje Chandlodiya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at S.A. Ahmedabad on 11-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inspiratorax Act, 1922, 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S.R. Ahmedabad on 11-7-85 for A.C. Rs. 2,11,915/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preparty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dt.: 28-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-L 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4109 Acq.23/1/85-86.—Whereas, I, P D KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. piece of land bearing S No. 172.2 of Chandlodia, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afteresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons namely :-

(1) Vishnubhai Natvarlal Patel 596-Motovas, Nava Vadaj, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) New N. P. Park Co.op Hsg Socy. 28A Hnd floor, Ajanta Commercial Centre, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was registered by S.R. Ahmedabad on 11-7-85 for A.C. Rs. 2,04,613/-.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 28-2-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R No. 4110 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, P D KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Two storey building G.F. F.F. and S.G. in Vijaynagar Hosp. Road, Bhuj (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bhuj on 9-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fine market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that some ideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

ta) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in suspect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1987);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this effice notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Nathalal Karsan Halai Kulmukhtyar Patel Nathalal Ravji Surajpur, Distt. Bhuj, Kutch.

(Transferor)

(2) Madhav Ullas Navalkar L/H Dr. Ullas Shrikant Navalkar Vijaynagar. Hospital Road, Bhuj, Kutch.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sales. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storcyed building G.F. F.F. Q S.F. in Vijaynagar, Hospital Road, Bhub, Kutch. R. No. 1251/85 Dt. 9-7-85.

P. D. KHANDELWAI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 28-2-1986

Sex!:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4111 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, P D KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

No. 5/4 Himalaya Park, Ashram Road, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 15-7-1985

Annicianal Oil 15-7-1965 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the censideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evanion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Prabhaben Shantilal Shah 4/3, Himalaya Park, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Gayatridevi K. Kapil 5/4 Himalaya Park, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was registered by SR Ahmedabad on 15-7-85 for A.C. Rs. 1,40,000/-.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Ahmedabad

Date: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Nareshkumar Fakirchand Shah & 3 ors. Mandvi's Pole, Surdas Sheth's Pole, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Maheshkumar Lalbhai Soni Ratan Pole, Shethni Pole, Ahmedabad,

(Transferce)

FFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMFDABAD-380 009

Ahmedabad 380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4112 Acq.23/1/85-36.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Jamalpur Wd. 2 S. No. 3015, 3017, 3018 & 3019

Bldg. on F.F. S.F. & Lard on G.F. Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 15-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to be appuisition of the said property may be made in writing to the undersimmed to-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give: in that Chapter.

THE SCHEDULE

Brilding G.F., F.F. & S.F. in Jamalpur Wd. 2 S. Nos. 3015, 3017, 3018 & 3019, R. Nos. 7307 and 7308 dt. 15-7-1985.

P. D. KHANDFLWAL Competent Authority Inspecting Assistan' Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ction 69D of the said Act, to the following persons, namely: -

105--26/31/86

Date: 28-2-1986

(1) Smt. Shaileshben Anubhai Gandhibag Socy.
 Nr. Gajjar Hall Law Garden E.B., Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Samyuktøben Jashvantlal Shah, 263, Manekbag Socy. Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4113/1/85-86.—Whereas, I, P D KHANDELWAL,

tenn to: Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 16. Sudhiti Co.op. Hsg. Socy. S. No. 74 of the Village Vejalpur, Ahmedabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 15-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was registered by S.R. Ahmedabed on 19-7-85 for $\Lambda.C.$ Rs. 1,00,000/-.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said et. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

SIONER OF INCOME-TAX

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4114 Acq.23/1/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot 41A Karmachari Nagar Co. op. Hsg. Socy. of Moje Ghatlodiya, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any faccine (b) moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee fet the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Rajnikant Kundanlal Mice A-II-1 Colony Opp. Polytechnic & Sahajanand College, Ahmedabad-15.

(Transferor)

(2) Dr. Rambhai Harjivandas Patel L.11-1 Colony, Nr. Polytechnic, Ahmedabad-15.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A sale deed was registered by S.R. Ahmedabad 12-7-1985 for A.C. Rs. 90,000 f-.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 28-2-1986

(1) Shri M. A. Shrichandani SDB 159, Adipur,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri J. J. Kotni, B-13C N4 10-B, Pratap Nagar, Gandhidham.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4115/Acq.23/1/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 132-B N4-10-B, Gandhidham (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cene of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested n he sad immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall base the same meaning as given in !hat Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd. by S. R. A'bad on 7/85 For A.C. Rs. 60,000/-.

> P. D. KHADELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 28-2-1986

Scal:

-OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACOUSTTION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4116/Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, using the Competent Authority under Section 269B of the Incomestax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to it the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Bildg. Plot No. 543, Ward No. 12-C, Gandhidham, Kutch (and more fully disembiling the Schedule annexed hereto). va; been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhidham on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the ar market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the e insideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ax under the said Act in respect of any income arising from the transferee; BINGTON
- (b) facilitating the concealment of any income or any mostlys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mahendra Mohanbhai D.B.Z. N. 125-126, Gandhi Dham, Kutch

(Transferor)

(2) M/s. Piyush Transport Co. 21 A 15 Vaju Kotak Road, Contractor Bldg.-Ist Floor, Kerawar Estate, Ballard Estate, Bombay-38,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A sale deed was regd, by S. R. Gandhidham on 26-7-85 for A.C. Rs. 75,000/-,

> P. D. KHADELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHKAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4117, Acq. 23/I/85-86.—Whereas, P. D. KHANDELWAL.

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Godown in Veraval Wd. No. I Krishnanagar Khadkhad area (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at Veraval on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the encealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wanth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Maheshkumar Govindlal Sanghví Khadkhad, Krushnanagar, Veraval.

(Transferor)

(2) Rajendra Mohanlal Mehta Veraval Khadkhad, Krushnangar, Veraval.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown in Veraval Wd. No. 1, Krushnanagar, Khadkhad area R. Nos. 1656 & 1655/1-7-1985.

> P. D. KHADELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date : 28-2-1986

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Prafulchandra Maganlal Maganlal Mohanlal Mangalaben Maganlal BH Rambag Porbandar,

(Transferor)

(2) Bhagwandas Maturdas Wageshwani Plot, Porbandar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4118/Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land in Porbandar Adm. 607.2 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Porbandar on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Odd is a forzett or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Land in Potbandar adm. 607.2 sq. yds. R. Nos. 1897, 1986 & 1989 Dt. 19-7-1985.

P. D. KHADELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Ahemedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---Seal:

Date: 28-2-1986

- The second of
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vejalpur S. No. 474-A. 474-2, FP 89, 90-1, 90-2, etc. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferorto pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

 Shri Bharat Namadarhankar Dave B-5, Shreyas Aptt., Nr. Shreyas Foundation, Ahmedabad-15,

(Transfer

--- ;

(2) Shri Chandulal Amratial Nagadia 39, Dipawali Socy., Nanayan Nagar Road, Nr. Vishyakuni Char Rasta Paldi, A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property tany be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the more said persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period extrice. is for
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice of the Comba

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Vehalpur S. No. 474-1, 474-2, F.P. 89, 90-91, 90-2, etc.

P. D. KHADELWAI Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahemedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1986

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4119/Acq.23/I/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Valva Bldg., Materials Merchant & Ware Housing Co.op. Hsg. Socy., S. No. 1550, 511, 494, 509 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registraing Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 17-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of hte transferor to pay tax under the said Act, in resped of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

106—26GI/86

 Shri Mahesh S. Desai Partner of Shri Ambica Chemicals Co. 279/1, Gorwala Bldg., Nr. Navrangpura, A'bad-380 009.

(Transferor)

(2) Shri A. V. Mahadevia Partner of Ambuca Trading Corp. 279/1, Gorvala Bldg., Navrangpura, A'bad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vatva Bldg., Materials Merchant & Ware Hsg. Corp. Ho. S. No. 1550, 531, 494, 509, R. No. 4177 Dt. 17-7-85.

P. D. KHADELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Ahemedabad

Dtc : 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMESSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 28th February 1986

Rof. No. P. R. No. 4121 Acq 23/I/85-86,-Whereas, I P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Solve Tansferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Wedbyen on 22-7-85.

Wadhwan on 22-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Sh. Sankalchand Vrajlal Vora, Hoerji Narshi Chali, 51—Turel Pakhad Road, Malad West, Bombay.

(Transferor)

(2) Sh. Neeleshkumar Fulchandbhai Sanghvi, leentan Road-Nr. Mahavir Park, Surendranagar,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period oxpires later;
- (b) by any other person inverseled in the said immovsible property, within 45 days from the data of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. in Sanskar Co. op. Hsg. Socy. Wd. No. 1 Block No. 5 S. No. 5285 Surendrakumar Wadhwan R. No. 2593/22-7-85.

P. D. KHANDELWAT Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ahmedaba\

Date: 28-2-86

(1) Sh. Zaverbhai Raghavbhai Vartej, Dist: Bhavnagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Munshiram Hansraj, Shri Ramkishan Hansraj, Khanna Dist: Ludhiana, (Punjab).

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I. 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4122 Acq 23/I/85-86.—Whereas, 1 P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land 3 Acres 39GS=19239 sq. yds. in Vartej Dist :

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhavnagar on 4-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever reriod expires later;
- (b) by any other person interested in the said monovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 3A 39GS=10239 sq. yds. in Vartej B.R. No. 2081/, 4-7-85.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-86

5 4!

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Bhogilal Trambaklal Shah Mahajan Pal, Surendranagar.

(Transferor)

(2) Motiben Jayantilal, 33, Jai Hind Socy., Surendranagar.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 1, 2ND FLOOR, HANDLOOM_HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4123 Acq 23/I/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the lincome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Surendranagar Wd. 2 S. Nos. 5427 to 5432 Jayhind Co. op.

Hsg. Socy. Plot No. 33 & Addl. land Shops etc.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Wadhwan on 12-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concomment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Surendranagar Wd. 2 S. Nos. 5427 to 5432 Jayhind Co. op. Hsg. Socy. Plot No. 33 & Addl. land Shops etc. Wadhwan R. No. 2505 Dt.: 12-7-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Ahmedabad

Date: 28-2-86

(1) Sharmishthaben Thakorbhai Parckh. Saraspur Moti Savlivad, Ahmedabad.

(2) Ramnikbhai Mahadevbhai Patel, 98-Giriraj Socy. No. 2,

Chandlodiya, Nr. Rly. Crossing, (Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Ahmedabad. GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009.

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4124 Acq 23/I/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imme vable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ghatlodiya seem S. No. 307, 312 etc. FP. 131. 132 paiki Plot No. 54 Land adm. 402 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

A'bad on 16-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the suspeess of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Weekth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ghatlodiya Seem S. No. 307, 312 etc. F.P. 131, 132 palki plot No. 54 land adm. 402 sq yds.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I Ahmedabad

Date : 28-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Vidya Vati Chopra, W/o Sh. Dev Raj, r/o 52/38, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Hans Raj Gulati s/o Late Sh. Des Raj Gulati, r/o A-112, Wazirpur, Industrial Area,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/7-85/2638.--Whereas 1 , SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proporty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20-H, Shivaji Park, Vill. Madipur situated at Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under tre said Act in respect of any income arising from the transfer andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the ateresaid persons within a port of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period experse later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 pays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 20, Block H, mg. 373 sq. yds. situated at Shivaji Park Area of vill. Madipur Delhi State, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Delhi/New Delhi

Date: 10-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMU-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

NEW DELHI New Delhi, the 4th March 1986

Re. No. IAC/Acq III/SR-II/7-85/2639. -Whereas I, SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

C-72, Shivaji Park, New Delhi situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the propery as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- , facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Pritam Singh s/o Sh. Gian Singh, r/o. 24/52, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Subhash Chand Bansal s/o Sh. Baru Ram Bansal, r/o C-72, Shivaji Park, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mmovable present, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

One half undivided share of half share of ground floor of the property No. C-72, Shivaji Park, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rereon, namely :-

Date: 4-1-1986

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/7-85ffl2640.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. C-72. Shivaji Park, situated at Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, bu respect of any income asising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Pritam Singh s/o Gian Singh, 1/0 24/32, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prem Chand Bansal s/o Buru Ram Bansal, r/o C-72, Shivaji Park, Delhi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

One half undivided share of the half share of Ground Floor of property No. C-72, Shivaji Park, Delhi,

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Delhi/New D-1-ti

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the m Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 4-3-1986

(1) Smt. Pushpa Devi r/o Tolstoy Marg. New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kaushalya Khurana, Sudesh Khurana, r/o H-56, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSF, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DFLHI

New Delhi, the 10th March 1986

Ref. No. IAC/Acq IIIffiSR-II/7-85/2642.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

No. 51/3, Punjabi Bagh, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July 1985

'or an apparent consideration which is less than the fair market value of theaforcsnid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

107-26GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 51, Road No. 3, Punjabi Bagh, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 10-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-II/7-85/2643.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. 3/B, Shanker Garden situated ut New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) S/Sh, Prit Pal Singh and Surinder Pal Singh Nirmal Singh, and Kuldeep Singh sons of Shri. Thakar Singh, all r/o BL-15, Jail Road, Hari Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt, Nimual Devi Gupta w/o Shri Siri Niwas Gupta, Shri Ram Chander Gupta, both residence of 178/6, Hari Singh Nalwa Street, Abdul Rehaman Road, New Delhi (Karol Bagh).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Ganette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 3, block B. measuring 425.2/9, sq. yds. situated at Shanker Garden area of vill. Possangipur, Delhi State, Delhi, vide Rect. No. 9, Killa No. 6, 7, 14.

SUNII CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi: New Delhi

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.IIIfffSR-II/7-85ff2644.—Whereus I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. C-35, out of Kh. No. 4/18, Vill. Jawala Heri.

situated at Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delbi in July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 ner cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Ram Lal s/o Shri Magat Rai alias Gungu Ram r/o 4, Malka Ganj, Delhi, 2. Shri Umesh Kumar Relan, sfflo Shri Neki Ram Relan, r/o 82, East Park Area, Karol Bagh, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Shagun Chand Gupta, s/o Shri Munshi, r/o C-4 New Multan Nagar, Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period et 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 206-2 3 sq. yds. bearing Plot No. C-35, situated in New Multan Nagar, Delhi, cvf of Khasia No. 4/18, Vill, Jawala Heri, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi New Delhi

Date: 4-3-1986

FORM ITHE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUIS)TION RANGE-IJI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th March 1986

Ref. No. IAC/Acq III/SR-IIIfff7-85/2645.--Whereas I, SUNIL CHOPRA,

SUNIL CHOPRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. WZ-448, Plot No. MS-38, Kb. No. 2124, 2125, situated at Vill. Tihar, Delbi Hari Nagar, and more fully described in the Schedule appeared hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delh in July 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consicoration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Smt. Bhagwan Devi wfflo Shri Manga Ram, F-2/260, Shastri Nagar, Delhi-52.

(Transferors)

(2) Shii Babu Ram Gupta, S/o Shri Ram Saroop Gupta, r/o 828, Section No. 1, R.K. Puram, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. WZ-448, plot No. MS-39 land measuring 150 sq. yds. out of Khasra No. 2124, 2125, situated at village Tihar, Delhi State Shadi Known as Hari Nagar, Extension, New Delhi.

SUNIL CHOPKA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 11-4-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 14th March 1986

Ref. No. 1AC/Acq. 111/SR-II[7-85]2646.--Whereas, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. A-95, Jail Road Fotch Nagar,

situated at New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in July 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2691) of the said Act to the following persons, namely :--

(1) M. L. Gosain s/o Shii R. D. Gosain, r/o A-95, Fateh Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Agya Kaur w/o Shri Jagjit Singh, r/o 4806 Gali No. 44, Block E, Basti Reghar, Karol Bagh, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interestd in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One house No. A-95, Jail Road, Fatch Nagar, New Delhi, with the land measuring 150 sq. yds. ender the said House.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquision Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 11-4-1986

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DEI HI

New Delhi, the 12th March 1986

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II[7-85]2651.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. WZ-33. Plot No. G-2/34. Shiv Nagar situated at New Delki.

Delhi

(and more fully described in the schedulo annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of granufor with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

(1) Smt. Jaswant Kaur w/o. late Shri Harbans Singh, r/o WZ-33, Shiv Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Vishwa Dutt Sharma, S/o. Shri Kishan Lal r.o WZ-22B, Shiv Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from e service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. WZ-33, Plot No. G-2/34, 100 sq. yds. at Shiv Nagar, New Delhi Village Tihar.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III

Date: 12-3-1986.

FURM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/SR-II|7-85|2656.-Whereas, I, SUNIL CHOPRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. J-3/205, Rajouri Garden, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets whicht have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Jagjit Singh S/o, Smt. Ram Kaur w/o. Shri Hardayal Singh, r o 1-3/205, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sardari Lal Mahajan S/o, Shri Gitto Mal Mahajan and Smt. Janak Mahajan w/o, Shri Sardari Lal Mahajan, r/o J-3 205, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. J-3/205, mg. 160 sq. yds. situated at Rajouri Garden, area of vill. Rajouri Garden, New Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 11-3-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Pritum Singh Gulati S/o. S. Gian Singh, 1/0 24/52, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ishwar Chand Bansal, S/o. Shri Baru Mal, r/o C-72, Shivaji Park, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Rcf. No. IAC/Acq-III/SR-II]7-85[2641.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/2 and hearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. C-72, Shivaji Park, situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi on July 1985

of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the fability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1st floor one half undivided share of property No. C-72, Shivaji Park, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 4-3-1986,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/SR-II|7-85|2648.---Whereas, I, SUNIL CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Pr. 100 000 and beging No.

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 65, Block-D, Vill. Tihar, Delhi, situated at Dethi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July 1985 for an appearant consideration, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——
108—26CI/86

(1) Shri S. D. Narang S/o Shri S. L. Narang, 1 o Plot No. 70, Vithal Nagar Housing Society, 12, North side road, Juhu, Bombay at present staying at K-111, Hauz Khaz Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Raj Dulari w/o. Late Dr. A. L. Wahi, r/o N-34, Rajouri Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 65, Block 'D', area measuring 200 sq. yds. situated in the colony. known as Ajay Enclave on Najafgarh Road, Area of Vill, Tihar, Delhi State, Delhi.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
New Delhi

Date: 4-3-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.-III/SR-II[7-85]2650.—Whereas, I. SUNIL CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Ch. No. 31/20, 32/25|2, 31|21 & 32|16, situated at Vill.
Nangloi Jat, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trunsfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Sant Kumati Aggarwal

w.o. Shri Bharat Bhus han and Shri Vijay Bhushan

S/o. Shri Bharat Bhushan both r/o 1 12, West Patel Nagar,

New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Ganesh Plastics at 469-D, Lawrance Road, Rampura, New Delhi.

through its partner Shri Shiv Kumar Gupta.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 1 bigha and 8 biswas out of (2-16) situated in the area of village Nangloi Jat Delhi State, Delhi vide Khasra Nos. 31/20, 32/25'2, 31/21 & 32/16.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Date: 12-3-1986,

Seal 7

FORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th March 1986

Ref. No. IAC Acq. 111/SR-1117-85/2652,—Whereas, 1, SUNIL CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

No. 11, Block No. E, Bhagwan Das Nagar, situated at Rohtak

Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent counideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evapon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-time Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Satya Prakash Aggarwal, Slo. Sadhu Ram, rlo. 72 46. Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ved Parkash Aggarwal S/o. Shri Joti Pershad (2) Smt. Prem Lata w/o. Shri Ved Parkash, both residents of D.C.M. Qr. No. 33, Ganesh Lines, Kishan Ganj, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immen able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meening as given me that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storey building built on plot No. 11, Block No. F(F-11) situated in the colony known as Bhagwan Das Nagar. Rohtak Road. Delhi area of Vill. Shakurpur, Delhi State, Delhi, area measuring 220 sq yds,

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Range-III New Delhi

Date: 4-3-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 6th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.ll1/SR-II/7-85/2649.--Whereas, I, SUNIL CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Kh. No. 31/20, 32/25/2, 31/21 & 32/16, situated at Vill. Nangloi-lat, Delhi State, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Rogistration Act, 1903 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Sant Kumari Aggarwal, w/o Sh. Bharat Bhushna and Sh. Vijay Bhushan s/o Sh. Bharat Bhushan, both r/o 1/12, West Nagar, New Delhi

(Transferor)

(2) Smt. Om Kumarı w.'o Sh. Hans Raj, 2. Smt. Kavita w/o Sh. Vinod Kumar Arora and 3. Smt. Suman, w/o Sh. Parmod Kumar Arora, all r/o B 1/75, Ashok Vihar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha and 8 biswas our of (2-16) situated in the area of vill. Nangloi Jat. Delhi State. Delhi, vide Khasra No. 31/20, 32[25]2, 31[21 & 32/16.

SUNIL CHOPRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Ill, New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 2000 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest's property by the issue of this not ce under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 6-3-1986

FORM ITNE-

(1) Smt. Bimla Rani w o Sh. Hans Raj Bagga, r/o J-8/83, Rajouri Garden, New Delhi

(Transferor)

(2) S.G.S. Bawa s/o S.I.S. Bawa 1/o 1/60, Punjabi Bagh, New Delhi

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. 4, 14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th Marhe 1986

Ret. No. IAC/Acq.III/SR-11/7-85/2653.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269% of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to sa the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 83,/J-8, Rajouri Garden, Vill. Tatarpur, Delhi State

situated at New Delhi

and for

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at New Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be a second to the second

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrume transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

14 storeyed, built on freehold plot of land bearing plot No. 83, in block J-8, mg. 160 sq. yds. situated in the colony, known as Rajouri Garden, area of Vill. Tatarpur, Delhi State, Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Ficome-tax Acquisition Range-III, N:w Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-3-1986 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Bhagat Singh Rupra s/. Sadhu Singh, FA-112. Interpuri, Extn., New Dlhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Suchitra Maskara W. o Lalit Kumar Maskara r/o 26-A Hanuman Lane, New Delhi .

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1986

Rcf. No. IAC Acq.III/S-II/7-85/2654.—Whereas I, SUNIL CHOPRA

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'maid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No. EG-42, Indrepuri Extr. New Delhi situated at New Delhi (and wave follow described in the Schedule converse I hearts)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforewill exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument f transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any rnoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Free hold property No. EG-42, Inderpuri Extn., New Delhi, area [28] sq.yds.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. New Delta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ; --

Date: 13-3-1986

بالمستحيد والمستحدث

<mark>erente des saras entre la comparta de la comparta de la comparta de la comparta de la c</mark>

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III. 4/ L4-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1986

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-IJ/7-85/2655.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,- and bearing No. 7-C. Block J-3, Vill. Tatarpur, Delhi State situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) Availitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of may income or any aroneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Sint. Darshan aKur w o Sh. Narain Singh, J-3/70-C, Rajpuri Garden, New Delhi.
- (2) Sh. Roshan Lal s/o Dhirt Ram, & Smt. Swaina Kanta w/o Sh. Roshan Lal, 1 o 1-5/6. Rajouri Garden, New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. S. House No. 70-C. Block No. J-3, mg. 160 sq.yds, situated at Rajouri Garden, New Delhi area of iVII. Tatarpur, Delhi state.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 13th March 1986

Ref. No. AC/Acq.III/SR-II/7-85/2658.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceedinfi Rs. 1,00.000/- and bearing No. Khasra Nos. 523, 527 and 528 Vill. Mundka situated at Delhi (and proper fully described in the Schedule approved hereta)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on July 1985

New Delhi on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Jatinder Singh S/o Sh. Gurbachan Singh, 1/0 3/6, Jai Dev Park, New Delhi,

(Transferor)

(2) Sh. Hari Krishan s/o Sh. Mange Ram, 2. Master Amit Agaiwal (Minor) s/o Sh. Nand Kishore under the guardianship of Sh. Nand Kishore, both r-o (2/22, East Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up property, built on land measuring 1 bigha and 12 bigwas, vide khasta Nos. 523, 527 and 528, Village Mundka, Delhi State, Delhi.

SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 13-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 11th March 1986

Ref. No. 1AC/Acq.III/SR-III/7-85/1131.—Whereas I, SUNIL CHOPRA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 2324 Khasra No. 806/519 Plot No. 41 and 43 mg. 202

sq.yds. at Chuna Mandi, Paharganj, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any nioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

109-26GI/86

(1) Shri Ved Parkash Khosla son of late Dr. Amar Nath Khosla r/o 2324, Chuna mandi, Paharganj, New Delhi and Shri Vijay Khosla and Shri Somendra Khosla both s/o Sh'i Dharma Parkash Khosla both r/o D-984, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor) (2) Shri Darshan Kumar s/o Shri Daulat Ram r/o 8944, Gali No. 1, Multani Dhanda, Paharganj. New Delhi, Rajan s/o Shri Darshan Rumar ganj. New Delni, Kajan 8/0 Shir Datshan Kumar r/o 8944, Gali No. 1, Multani Dhanda, Paharganj, Smt. Shukla Kumari w/o Darshan Kumar r/o 8944, Paharganj, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this restor in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing House No. 2324, Khasra No. 806/519, Plot No. 41 and 43, measuring 202 sq.yds. at Chuna Mandi, Paharganj, New Delhi.

> SUNIL CHOPRA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Date: 11-3-1986

(1) Smt. Jamna Devi w/o Shri Jessa Ram r/o A-71, Inderpuri, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jagdeep Singh s/o Shri Devinder Singh Suri r/o B-263, Okhla Indl. Area, Phase-I, New Delhi.

Transferee V

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th March 1986

Rcf. No. IAC/Acq-III/SR-III/7-85/1132.—Whereas, I, SUNIL CHOPRA

SUNIL CHOPRA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. C-9 situated at Malviya Nagar, New Delhi
New Delhi on Ind. 1985

New Delhi on July 1985

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the lair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Property No. C-9, mg. 288 sq.yds, Malviya Nagar, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUNIL CHOPRA Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-3-1986

(1) Sri T. K. Kandaswamy Grounder Thondanuthur, Pollachi T.K.

(2) Sri R. Muthusamy Grounder,

may be made in writing to the undersigned.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 11th March 1986

Ref. No. 94/July 85.—Whereas, I

MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

S. No. 194, 195, 195, 185 situated at Thondamuthur

Tiruppur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi Doc. No. 1553/85 on July 1985 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or avasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

K. Vallagundapuram Udumalai T. K.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein some defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Thondamuthur village. (Pollachi Doc. No. 1553/85).

MRS. M. SAMUER Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11
Madras-600 006

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 11th March 1986

Ref. No. 95/July 85,-Whereas, I LRS. M. SAMUEL,

heing the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing T.S. No. 10/1854-1A—10/185/3/2, situated at Sawripalayam,

Coimbatore

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbators/Doc. No. 2865/85 on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilităting the reduction or evillon of the M of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the tree ent/er
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Bagyam, w/o Late M. Ponnusamy, Site No. 3, Thiruvalluvar Nagar, R. N. Puram, Coimbatore-45.

(Transferor)

Sri V. Jagadeswaran, s/o S. T. Velusamy, 6/40, Hallow Block, Trichy Road, R. N. Puram, Coimbatore-45.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: T.S. No. 10/1853-1A-10/185-3/2. Sewripalayam, Coimbatore. Coimbatore/Doc. No. 2865/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 11th March 1986

Ref. No. 96/July 85.--Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Site No. 19 Rajammal layout situated at Annupparpalayam

Coimbatore

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 2876/85 on July 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Dr. James J. Nayagam, 50, Bharath Road, Ramnagar, Coimbatore.

(Transferor)

2) M/s. Pecyces Traders, 36-E Patel Road, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette the date of

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Rajammallayout Annupparpalayam Coimbatore. (Coimbatore Doc. No. 2876/85).

> MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sri N. Murgasan,
 S/o. Natesan,
 SA Sundakamuthur village,
 Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri R. Maarannan, S/o Ramasamy Gr. Madhampatti village, Coimbatore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 11th March 1986

Ref. No. 97/July 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the fincome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), bave reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 483 Melachitrachavadi village situated at Coimbatore

S. No. 483 Melachittrachavadi village situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 2903/85 on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given-in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Mellachittraichavadi Coimbatore. (Coimbatore Doc. No. 2903/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Sri A. M. Ramasubramaniam, s/o Muthusamy Iyer,
 Govind Singh Road,
 R.S. Puram, Coimbatore.

(Transferor);

(2) Sci Thambinathan, s/o Nagarajan, 162, T.B. Road, Coimbatore.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTTION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 11th March 1986

Ref. No. 100/July 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Res. 100.000/m and bearing No.

ble property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 345678—Ward 8, situated at R.S. Puram Colmbatore (and more fully described in the Schedule, annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Colmbatore/Doc. No. 3003/85 on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfers and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Land and Building; R.S. Puram, (ward 8) Coimbatore. Coimbatore/Doc. No. 3003-85.

THE SCHEDULE

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-il Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri A. N. Lakshmanan, 38, Sivaswamy Road, Aarunagar, Coimbatore-9.

(Transferor)

(2) Smt. Nandini Rajendran, 6, G. D. Naidu Street, Race Course Coimbatore-18.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 102/July 85.-Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value executing Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 1816/5 part 1815 & 1822/1 situated at Sowripalayam Colmbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

tand more runy described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 3021/85 on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more referred to the property and there were then fifteen per control of such apparent consideration and there than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afercial persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Vacant land at Sowripalayam village Coimbatore. (Coimbatore Doc. No. 3021/85).

> MRS, M. SAMUEI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 11th March 1986

Ref. No. 103/July 85.--Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a feir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 8/1422/1, 1423/1 situated at Krishnaswamy Mudaliar Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Coimbatore Doc. No. 3040/85 on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of 'ransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iscome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ed 1967);

(1) M/s. Devi Builders. 31, Krishnaswamy Medaliar Road, Coimbatore-1.

(Transferor)

(2) M/s. Petrofils Co-operative Ltd., Multi-unit Co-operative Society 27, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said issumovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as so defined in Chapter XXA of the said L chall have the same meaning as given in Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building at Krishnaswamy Mudaliar Road, Coimbatore. (Coimbatore Doc. No. 3040/85).

> MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

95—26GI/86

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 11th March 1986

Ref. No. 104/July 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Old T.S. 6/1299 New T.S. No. 6/1415

situated at Coimbatore

situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 3086 & 3087/85 on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; int/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Rukmani, 23/144/1, Oppanakara Street, Coimbatore-641 001.

(Transferor)

(2) Mr. T. Pondurangan, 248 Edayar Street, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Coimbatore T.S. No. 6/1299 New T.S. No. 6/1415. (Coimbatore Doc. No. 3086/85),

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 11-3-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri M. Jaganuathan, s/o Sri R. Muthukrishnan,

2nd St., Duraisamypuram, Thiruppur Town.

(1) Smt. T. B. Dhanalakshmiammal,

may be made in writing to the undersigned :--

Kandasamy Chettiar, and another,

w/o Balasubramaniam, Smt. Sundarammal, w/o

Devalingapuram, Thiruppur,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(Transferee)

(Transferor)

DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 11th March 1986

Ref. No. 105/July 85.-Whereas, I

MRS. M. SAMÚEĽ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinfaler referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing No. 10th ward, Avanasi Road, Thottipalayam Village, situated at Thiruppur Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thiruppur/Doc. No. 2408 85 in July 1985 for an apparent consideration which is less that

- than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which quark to be disclosed by the transferee for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(o) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building: 10th ward, Avanasi Road, Thettipa-, Jayam, Thiruppur Town. Thiruppur/Doc. No. 2408/85.

> MRS, M. SAMUE! Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date : 11-3-1936 Seal :

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 11th March 1986

Ref. No. 108/July 85.-Whereas, 1

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here:nafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10thward, Avinashi Road, Thettipalayam s.tuated at Thirup-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur/Doc. No. 2412/85 on July 1985

for at apparent consideration which is less than the fair marke, value of the aforesaid property and I have reason to boliev that the fair market value of the preperty as aforesaid executes the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) fasilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Smt. T. S. B. Dhanalakshmi Ammal, Sundarammal and Meenakshisundaram, Duraisamipuram Thiruppur Town.

(Transferor)

 Smt. E. Rukmani, w/o Easwaran, T. S. K. Thottam, Avinashi, Road, Thiruppur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferencid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: 10th ward- Avinashi Road, Thottipalayanı village, Thiruppur Town. Tiruppur/Doc. No. 2412/85.

> MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-11, MADRAS-600 006

Madras, the 11th March 1986

Ref. No. 109/July/85.-Whereas, I, MRS. M. SAMÚEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

10th ward, Avinashi Road, Thottipalayam, situated at

more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur, Doc. No. 2413/85 on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the cocnealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. T. S. B. Dhanalakshmi Ammal and others, 2nd St., Avinashipuram, Thiruppur Town.

(Transferor)

(2) Sri A. C. Arunachalam, s/o Chinnayagounder, Thiruppur Town, Avinashi Road, Tiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agrl. land: 10th ward, Avinashi Road, Thottipalayam village, (T. S. No. 14/2--T.S. No. 148) Thiruppur Town. Tiruppur/Doc. No. 2413/85.

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 113/July 85,—Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 705/Thottipalayam situated at Avanashi Road Tiennaus Town

situated at Avanashi Road, Tiruppur Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur Doc. No. 2406/85 on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties bas not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Smt. T. S. Dhanalakshmi Duraisamy puram 2nd Street, Tiruppur Town.

(Transferor)

(2) Sri S. Durasimay, S/o Subba gounder, Veerapandi A(ha) Thootam, Tiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacat land at Thottipolayam T.S. No. 14/29/1/1 Truppur Doc. No. 2406/85)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons. namely '--

Date: 113-1986 Seal:

(1) Sri V. Rangayya 6/2, B.V.R. Nagar, Adyar,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE-II. MADRAS

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 124/July 85.-Whereas J, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing T.S. No. 16 & 17. Teachers Colony, Adyar,

situated of Madras-20

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adavar/ Doc. No. 1923/85 on July 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; **建图**()(数

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(2) Sr K. Balaji, 43, Ranganathan St.,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

T. Nagar, Madras-17. (Pallipattu village, T.S. No. 16417, Block No. 12, Teachers Colony.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

THE SCHEDULE

Vacant land at T.S. No. 16 and 17, Teachers Colony, Adyar, Madras-20. Adayar/Doc. No. 1923/85

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date: 11-3-1986

(1) Sri K. Shanmughasundaram, No. 52, 2nd St., Pon Pettai, Madras-35. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shehanas Begum, No. 68, 2nd St., Pon Pettal, Madras-35.

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Madras-600 006, the 11th March 1986

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. 153/July 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 18/27, Block No. 10, T.S. No. 24, situated at Saidapet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South/IDoc. No. 2021/85 on July 1985 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

said exceeds the apparent consideration therefor by more man fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 52, II St., Penpettai, Nandanam, Madras-35, Madras South/Doc. No. 2021/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) Sri Kaliaperumal and another Khilvenniyer Veedhi, Villupuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 178/July 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedig Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 45 situated at Punthottam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Villupuram Doc. No. 1475/85 on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Villupuram. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(2) Sci Arumugham, 11A Renganathan Road,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Villupuram Doc. No. 1475/85 Land at Punthottam.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
96—26GI/86

Date: 11-3-1986

(1) Sri S. V. Dhachinamurthy, 22, Kamaraj Nagar Villupuram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri E. S. Chandrasekar Rao, 18A, Iyanarkulam North St., Villupuram,

(Transferet)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the madersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 11th March 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 179/July 1985.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 189 V. Muthur situated at Villuparam (and more fully described in the schedule approved bareto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Villupuram Doc. No. 1610/85 on July 1985 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

Land and Building at V. Muthur T.S. No. 189 (Villupuram Doc. No. 1610/85).

(b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-3-1986

S. No. 156/4-Kallakkurichi

PORM ITHS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 197/July 85.-Whereas, I MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

S. No. 156/4-Kallakkurichi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cuddalore Doc. No. 625/85 on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforegald property and I have reason to believe that the fair market value of the property

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tag Act, 1923 (11 of 1922) or the maid Act. or the Wealth-tag Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Sri Sundararajan, S/o Rajasekaran, Gurunatha Mudaliar Vellalatheru, Kallakkurichi.

(Transferor)

(2) Sri Saminatha Mudaliar, s/o V. R. Angappa Mudaliar, Chinna Salem, Kadaitheru Kallakkurichi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Property: -S. No. 156/4-2.64 South 0.66 Cent, Kallakkurichi/Doc. No. 625/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras

Date: 11-3-1986

Scal:

FURM ITNS

(1) Ramanlal Chhotalal Shah 4, Gautambag Hsg. Socy. E.B.—Ahmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rameshchandra Kantilal Shah-Ramji Mandir's Pole, House No. 788, Haja Patel's Pole, Relief Road, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 12th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4042 Acq. 23/I/85-86,—Whereas, I P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Bldg. in TPS.3 FP No. 959, 962, SP No. 5 Gautambag
Co.op. Hsg. Socy. Ltd. E.B. A'bad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the registering Officer at A'bad on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable prescrty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta-

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. in TPS, 3 F.P. No. 959, 962 SP No. 5 Gautambag Co-.op. Hsg. Socy. Ltd. E.B. A'bad R. No. 7169 Dt. 12-7-85

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby isitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isame of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 14th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4043 Acq.23/1/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL

P. D. KHANDELWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Bldg. in Kochrab seem FP No. 300 SP No. TPS. 20 Culbai Takra. Abmedabed

Gulbai Tekra, Ahmedabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the registering officer at A'bad on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shri Chandubhai Kalidas Patel 10, Chandravihar Socy. Behind Jahanvi Restaurant & L.D. Engg. College, Nr. Gulbai Tekra, Ahmedabad-380 015. (Transferor)

(2) Shri Girishbhai Somchand Shah and Smt. Bhavnaben Girishbhai 'Unnati' Sanskarbharti Socy. Ankur, Naranpura-Ahmedabad-13.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building in Kochrab seem SPS. 20 F.P. 300 SP 10 behind L.D. Engg. College & Jahanvi Restaurant, Nr. Gulbai Tekra Ahmedabad.15 R. No. 7180 dt. 12-7-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-2-1986

12-7-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 13th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4044 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, haing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Kochrab seem TPS No. 20 FP No. 300+305 SP No. 10 Nr. Gulbai Tekra Ahmedabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the cald Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri Chandubhai Kalidas Patel
 Chandra Vihar Socy.,
 Behind Janhavi Restaurant and L.D. Engg.
 College, Ahmedabad-15.

(Transferor)
(2) Shri Ashokbhai Omchand Shah 'Unnati'
Sanskar Bharti Soçyi Naranpura—Ahmedabad-13
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building in Kochrab Seem TPS. No. 20 FP No. 300+305 SP No. 10 nr. Gulbai Tekra, A'bad R. No. 7179 Dt. 12-7-85

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 13-3-1986

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE,

Ahmedabad-380 009, the 13th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4045 Acq.23/I/85-86,--Whereas, I P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tur Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Open Flat adm. 340.30 sq.mtrs.=408 sq.yds. in Vasana Seem S. No. 157 TPS No. 21 FP No. 618
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on

for an apparent consideration which is less than the fair market viaue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) (acilitating the reduction or evasion of the fini of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer and our
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tus A M, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Mayaben Devdatta Dave 6-Vallabhacharya Socy. Jivraj Park-Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Surbhiben Pradeepkumar Shah Dadasaheb Fla No. C-11 Opp. Gujarat University, Ahmedabad. Flat (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Open plot in Malaya Co.op. Hsq. Socy. Ltd. S. No. 157 TPS No. 21 FP No. 618 adm, 340.30 sq.mtrs, construction upto plinth level R. No. 6432/4 dt. 10-7-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 13-3-1986

FORM ITNS

(1) Laxmiben Hasmatray & Gordhandas Hundraj 6-D -Ushakiran -Khanpur - Ahmedabad-380 001.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bharat L. Sheth and Janak L. Sheth Flat No. B-1, Dalai Aptt. Dhumketu Road—Paldi Ahmedabad-380 007

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4046 Acq.23/I/85-86.—Whereas, 1 P. D. KHANDELWAL

P. D. KHANDELWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Building in Bhanuchandra Co-op. Hsg Soc. Ltd., Block Nos. 9 & 10 Opp. Jivraj Park Post Office Vejalpur—Ahmedahad

Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Buildings Block No. 59 & 10 in Bhanuchandra Co.op Hsg. Socy. Ltd. Opp. Jivraj Park Post Office, Vejalpur, Ahmedabad R. No. 6729 Dt 4-7-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessia property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 17-2-86

FORM I.T.N.S.-

(1) Rajesh Shantilal Parikh
Partner of Amita Corporation
Opp. High Court—F.F. Ameebela—Ahmedabad.
(Transferor)

(2) Father Patel Vergese Truste eof— Catholic Information Service Socy, 'Amm.ebela' B/H Deepavali Centre, Opp. High Court, Ahmedabad.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE,

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4047 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00.000/- and bearing
No. G.F. Flat in TPS.3 FP 154 in 'Ameebela' Ahmedabad-9
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16
of 1908) in the office of the registering officer at A'bad on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said historical of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Moresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
97—26GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expirer later,
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publicution of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G.F. Flat in TPS 3 FP 154 in "Ameebela' adm. 753 sq.ft Opp. High Court Ahmedabad R. No. 5263 Dt. 7-85 reed. reed. from Registrar.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 17-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 CF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4048/Acq.-23/I/85-86.—Whereas, J. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Dariapur-Kazipur seem S. No. 121-A-1 paiki FP No. 541 paiki SP No. 4 land adm. 895 sq. yds. of a plot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 4-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any woneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

- (1) Gajceben Himmatlal Shah & Shantaben Vanechand, 45, Dhanaji Street, Silver Mansion, Bombay-3, (Transferor)
- Dharmishthaben Urfe, Dharmiben Bharatkumar Shah and Ratanben Vikramkumar Shah, 17. Girdharnagar, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dariapur Kazipur seem S. No. 121-A-1 paiki FP No. 541 paiki SP No. 4 land adm. 895 sq. yds. R. No. 6750 Dt.; 4-7-85.

P. D. KHANDFLWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commussioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 17-2-1986

Scal:

(1) S/Shri Jayantibhai Balubhai Parikh and 4 others, Tokalshah ni pole, Jamalpur, Abmedabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shantaben Jayantilal Patel & 4 others, 18, Krushna Hsg. Socy. Station Road, Anand, Dist. Kaira,

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,

AllMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4049, Acq.-23/1, 85-86,—Whereas, J. P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Wadaj seem 1PS. 28 PP No. 718 S. No. 511 SP No. 2 Plot adm. 997.39 sq. yds.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 21-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) incilitating the reduction of evacion of the linking of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westh-tan Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Wadaj seem TPS, 28 FP No. 718 S. No. 511 SP No. 2 Open plot with plinth level construction adm. 997.39 sq. yds. R. No. 7594 dt. 24-7-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 17-2-1986

Scal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM, HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4050/Acq.-23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Building in Kalupur Wd. No. 3 S. Nos. 2654-A, 2658, 2659 and 2660 in Pankore naka Pandaniya's Khanchu, Ahmedabad

Building in Kalupur Wd. No. 3 S. Nos. 2654-A, 2658, 2659 and 2660 in Pankore naka Pandaniya's Khancha, Ahmedabad (and more fully described in the Schedule ar neved hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad or, 7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more then fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between he parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any noome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

(1) Shri Ranchhodlal Mohanlal Kharadi, Ni. Goldren Market & Swastik High School Pandaniya's Khancha, Pankore Naka, Ahmedabad.

(Transferor)

 Shri Chunilal Gomaji Modi & Anilbhai Gemaji Modi, Foowara, Nr. Pratap Talkies, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as, are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. in Kalupur Wd. No. 3 S. Nos. 2654-A, 2558, 2659 and 2660 Panltore Naka, Panda niyass Khuncha A'bad R. No. 581 Dt.: 7-85 reed. from Registrar, A'bad.

P. D. KHANDELWAI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date + 17-2-1986 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-L 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4051, Acq.-23/1/85-86,—Whereas, I, P. D. KHANDFLWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovas the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Asarwa Seem S. Nos. 516, 652 & 519 FP No. 6 Land adm. 12280 sq. yds. with shed etc. adm. 628.55 sq. yds. and morefully described in the Schedule annexed hercto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1008) in the order of the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 22-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-lieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sheth Anandji Kalyanji, Public Charitable Trust, Trustee--Shri Chandrakant Chhotalal Gandhi and two others—Darshan Bunglow Nr. Parimal Rly. Crossing—F.B., Ahmedabad. (Transferor)

(2) Shri Lallubhai Khushalbhai Makwana, Trustee of-Vrajvallabhpura Co-op. Hsg. Socy., Sheth Anandji Kalyanji Naroda charli-l Opp.: Arvind Mill, Naroda, Ahmedabad-380 025.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Asarwa seen: S. No. 516, 652 & 519 FP No. 6 adm. 12,280 sq. yds. with shed etc. 628,55 sq. yds. situated at Sheth Anandji Kalyanji Chali No. 1 Opp.: Arvind Mil Naroda, Ahmedabad R. No. 7692 Dt.: 22-7-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Alimedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons provedy ing persons, namely :-

Date , 17-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4052/Acq-23/J/85-86.—Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

G.F. Flat No. E-1 in Beerju Co-op. Hsg. Socy, Ltd., TPS. 21 FP No. 51 Ambawadi, A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 25-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Deepakbhai Sumantlal Shah, Geeta Nivas, Kailas Socy., Opp.: Chitrakut Flat, Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Beepinbhai Ramanlal Shah, 3, Navyng Society, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transletce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—'The terms and expressions used herem as are defined in Chapter XXA of the said Act, shab have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G.F. Flat No. E-1 in Bectju Co-op, Hag. Slev. Itd. TPS, 21 FP No. 51, Ambawadi Ahmedabad R. No. 7599 Di.: 25-7-85.

> P. D. KHANDELWALA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Ahmedabad

Date: 17-2-1986

Seaf :

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4053/Acq.-23/I/85-8.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinarter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing G.F. filat No. E.2 in Beerju Co-op. Hsg. Socy. Ltd. 1PS. 21

FP No. 51, Ambawadi, A'bad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 25-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Kailashben daughter of Kantilal Balabhai Shah Geeta Nivas, Kailash Socy.

Opp. ; Chitrakut Flat, \Shram Road, Ahmedabad,

(Transferor)

(1) Shri Romanlal Dholidas Shah, Ashta Mangal, 3, Navyng Society, Ambawadi, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immrovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G.F. Flat No. E-2 in Beerju Co-op. Hsg.Socy. Ltd. TPS. 21 FP No. 51 Ambawadi Ahmedabad R. No. 76000 Dt. 25-7-1985.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Ahmedabad

Scal:

Date: 17-2-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 17th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4054/Acq.-23/I/85-86—Whereas, J, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Chandwada Seem TPS, 3 FP 559/4-B land adm. 813 sq. mtrs. contruction upto Plinth Nr. Sangrile Store BH Town Hall, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

A'bad on 11-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Devendra Zaverbhai Patel, Promotor of Proposed Prabhu Chambers Asson. Payal Park Socy. Jodhpur Tekra, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shashibahen Beeshambardayal Gupta Chairman of Moti Apartment Owners Asson. Parshottam Nagar, Nawa Wadaj, Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Chhadawada seem TPS No. 3 FP No. 559/4-B Land adm. 873 sq. mtrs. upto plinth level construction Nr. Sangrile Store B/H Town Hall, E.B. A'bad—R. No. 7365 Dt., 11-7-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 17-2-1986

PORM ITNS....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Ravindra, H. Maheta & Mahesh, H. Mehta, 5-C-S.H. Parelkan Marg, Sheevji Park, Dadar, West, Bombay-28.

(Transferor)

(2) Mahesh, B. Patel, 11, Narsinha Nagar Sucy., Naranpuia, Ahmedabad-13.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 19th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4056/Acq.-23/1/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have remon to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Bunglow No. 80-B in Swastik Co-op. Hsg. Socy. Navrangpura.

Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at A'bad on 9-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

.HE SCHEDULE

Banglow No. 80-B in Swastik Co-op. Hsg. Socy. Navrangpura, Ahmedabad R. No. 4156 Dt.: 9-7-85.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely:—98—26GI/86

Date: 19-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF PROLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4057/Acq.-23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair reason to be a second to be a s

as the said Act), have feason to believe that the hindwale property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.S. No. 1-G-4 Shriketan Aptt. Co-op. Hsg. Socy. Ltd., 115 Blocks in Jampuri Estate, Jamangar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 22-7-1985

for an agrarent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income orising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Amba Vijay P. Ltd., Palace Road, Succex Lodge, Jamnagar,

(Transferor)

(2) Shri Ketan Aptt. Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Jamnagar, C/o Shri M. B. Varia, Advocate, Nr. Ratanbal Masjid, Jamnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shri Kwian Aptt. Co-op. Hsg. Socy. Ltd. open plot in Jam-puri Estate C.S. No. 1-4-4 Motor House, Law Cester House, Muncester House and Bagminton House, 115 Blocks Jamnagar.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J Ahmedabad

Date : 27-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Ambavijay Private Ltd., (Palace Road, Succez Lodge, Jamnagar.

(Transferor)

(2) Shri Paras Aptt. Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Jampuri Estate, Jamnagar, C/o Shri M. B. Varia, Advocate, Nr. Ratanbai Masjid, Jamnagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4058/Acq.-23/1/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shri Paras Aptt. Co-op. Hsg. Ltd., Jamnagar, Jampuri Estate, Jamnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 22-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shri Paras Aptt. Co-op. Hsg. Socy. Ltd., Open land adm. 10,800/- sq. mtrs. situated in Jampuri Estate C.S. No. 1-G-4 Plan No. 7 & 10, Jamnagar R. No. 2139 Dt.: 22-7-1985.

P. D. KHANDELWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-f
Ahmedabad

Date : 27-2-1986

(1) Shri Sauashtra Oild Industries. Prop. B. Gordhandas & Coy. Partner: Shri Babulal Gordhandas Vadera, Porbandar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Ansuyaben Pravinchandra Thakar, Prop. of Kiran Prakashan, 4. Patel Colony, Jamnagar.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 27th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4059/Acq.-23/1/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (he elastic referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Prop. nr. Rly. Stn. Village: Balva Distt.; Jamnagar Bidg. with land

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned: \longrightarrow

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ast, it respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Bldg. Nr. Rly. Stn. village Balwa Tal. Jamjodhpur, Dist.: Jamnagar R. No. 783 Dt.: 12-7-1985.

(h) facilitating the concealment of ary income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trinsferse for the purposes of the Indian Income-tix Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisi ion Range-1 Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the afores and preperty by the issue of this totice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act to the following persons, namely '-

Date: 27-2-1986

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAY
ACQUISITION RANGE-I
2ND FLOOR, ITANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Rcf. No. P. R. No. 4060/Acq.-23/1/85-86.—Whereas, J. P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Building in Raiya S. No. 91—F. P. No. 130-B Saurashtra Kala Kendra Socy., Rajkot

and more fully described in the Schedule annexed hereto), s been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 16-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !---

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any racintaining the concentration of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Lax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Bharatkumar Maganlal, P.O. & at Bhatia, Dist. ; Jamnagar,

(Transferor)

(2) Smt. Chandrakalaben Rasiklal, Raghuvir Park, 21, Mill Para, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this period in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defrest in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building in Raiya S. No. 91 F.P. No. 130-B Saurashtia Kalakendra Socy. Rajkot (Guj) R. No. 5059 Dt. 16-7-1985.

P. D. KHANDELWAI Ompeter t Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisit on Range-J Ahmedabad

Date : 28-2-1986

Scal .

FORM TINE-

 Smt. Vinodini B. Mehta, Plot No. 2204-A 'Vatt rik' Waghawadi Road, Bhavnagar,

(Transferor)-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. R. R. Viradia, 'Badrish' Building, Nr. Chandra Bhuvan, Krishnanagar, Bhavnagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4061 Acq. 23/1/85-86.—Whereas, J, P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 2204-B Bidg. adm. 978 sq. mtrs. and Land 1078 sq. mtrs. Wd. No. 7 Sheet No. 304 S. No. 2844-B Krishna-(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at nagar Waghawadi—Bhavnagar

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objection, if any, to the acquisition of the soid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the struce of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts

FARLANTION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2204-B Building adm. 978 sq. mtrs. & Land adm. 1078 sq. mtrs. Wd. No. 7 Sheet No. 204. S. No. 2844-B, Krishuanagar, Bhavnagar, R. No. 2130, dated 9-7-85.

P. D. KHANDELLY VI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 28-2-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4062 Acq. 23/1/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Land & Bldg. in Krishbanagar Deri Road, Bhaynagar Plot Ro. 685

Bal Rajeshwar Rd, Mulund (W), Bombay-80 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Bombay on 26-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fucilizating the reduction or evacion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferment for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

(1) Shri Jamnadas Tribhovandas Soni, Sagarnivas, Nr. Varsha Socy., Subhashnagar, Bhavnagar,

(Fransferor)

(2) Shri B. N. Anovadia. Satnam Co-operative Hsg. Socy. Ltd., Plot No. 685, Deri Road, Bhavnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of thins notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Bldg. in Krishnanagar, Deri Road, Plot No. 685 adm. 959.45 sq. mtrs, and Bldg. adm. G.F. & F.F. 141.26 sq. mtrs. R. No. 2296 dated 26-7-85.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Ahmedabad: 28-2-1986,

Soal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4063 Acq. 23/1/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Bldg. in Bhilwada Chowk Krishnanagar C.S. Wd. No. 5
Sheet No. 111 San and No. 4568
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavnagar or 16-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the leave of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following zersons, namely :-

(1) Padmavati Mandal Maheta & two / Mukhtiyar Shri Manilal Jivrajbhai Maheld, Room No. 34, Amarwadi C.P. Tank Road, Bombay-400 004.

(Transferor)

(2) Halubaben Hayatbhai Kureshi, Vadava, Sidivad, Bhavnagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXFLANATION:—The terms and expressions used hereing an are defined in Chapter XXA of the aid A.t., shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building in Bhillvada Chowk, Krishnanagar C.S. Wd. No. 5 Sheet No. 111 sanad No. 4568, Bhavnagar, R. No. 2223, dated 16-7-85.

P. D. KHANDELWA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tan Acquisition Range-Ahmedabar

Date: 28-2-1986. Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-1 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4064 Acq. 23/I/85-86.-Whereas, I, P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Office on F.F. in Ushakiran Aptt. Dr. Yagnik Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 1-7-85 to 15-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following the said act, and the said Act, to the following the said act of the said Act, to the following the said act of the said Act, to the following the said act of the said Act, to the following the said act of the said Act, to the following the said act of the said Act, to the following the said act of the said Act, to the following the said Act, the said A 99---26GI/86

(1) Shri Nathalal Muljibhai Kalania, Jyoti Guest House, Kanak Road, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Birjubhai Muljibhai, 17-C, Usha Kiran Aptt., Sardarnagar & Yagnik Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office No. 17-C, F.F. in Usha Kiran Aptt. Sardar Nagar & Dr. Yagnik Roda, Rajkot.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4065 Acq. 23/I/85-86,--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Incine-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 454/1-2 SP No. 2-C Building in Krishnanagar,

Kalavad Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajkot on 18-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/on

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Ramniklal Chhaganlal Patel, Kirtinagar Socy. 2-C, Kalavad Road, Rajkot (Gujarat).

(Transferor)

(2) M/s. Sayona Corporation, Partners, Ghanshyambhai Trambaklal Parikh & ors., Gondal Road, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Building in Krishnagar Socy. Kalavad Road, Rajkot S. No 454/1-2 SP No. 2-C. R. No. 5137/85 dated 18-7-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Sardar Nagar,
Bhavnagar.

(2) Shri Valjibhai Naranbhai Patel,
Plot No. 1904-A,
Atabhai Road,

Bhavnagar.

(1) Smt. Shantagauri Ratilal Patel,

and Smt. Shantagauri Narandas Patel, Plot No. 76, Municipal Arogya Socy.,

(Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMB-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4066 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bldg. in Wd. No. 6, Sheet No. 290, S. No. 3158, B. Paiki Plot No. 1904-A, in Atabhai Road, Bhavnagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Bhavnagar on 12-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building in Wd. No. 6 Sheet No. 290, S. No. 3158-B, Paiki Plot No. 1904-A, Atabhal Road, Bhavnagar.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 28-2-1986

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4067 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Land adm. 885.42 sq. mtrs. on Gondal Road North side Malaviyanagar, Rajkot

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 6-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen parcent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Vasantray Mohanlal Sangahina, Kulmukhtiyar Shri Mansukhlal Bhagwanji Valdya, Shrinaka Road, Nr. Darbargadh, Rajkot.

(Transferor)

(2) Shri Maheshkumar Khushalchand Malviya, Mahavir Apartment, Nr. Moti Tanki, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land adm. 885.42 sq. mtrs. on Gondal Road, North Side of Malaviya Nagar, Rajkot R. No. 4755 dated 6-7-85.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Ahmedabad

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4068 Acq. 23/1, 85-86, -Whereas, I, P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. WW 8, Flat in Kamaldeep Aptt. FP No. 386-C-1, Navrangpura, A'bad-9

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 2-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilities the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (lb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Anil Jashvantlal Shah, 6-1, Shreejibag Flat, Navrangpura, A'bad-9.

(Transferor)

(2) Smt. Hansaben Shantilal Shah, A'bad-9. WW8, Kamaldeep Aptt., Navrangpura, A'bad-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition o tfhe said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

FP No. 386. C-1 WW-8, Kamaldeep Aptt., Navrangpura, Ahmedabad-9.

> P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 28-2-1986

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4069 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL

P. D. KHANDELWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Wadaj S. Nos. 19|1|2 & 20|1|2 FP No. 38 TPS 15 Bldg. Block No. 'C' B & D Super built up 17266.15 sq. ft. & Plot adm. 296.18 sq. mtrs. & 684.18 sq. mtrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

of 1908) in the office of the Registering Officer at 7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforceaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Scotion 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

 Kankuben W/o. Ganpatlal Patel & 3 ors., Ganpatlal and M/s. Gopi Corporation, 10, Nehru Park, Nr. High Court, Navrangpura, Ahmedabad-9.

(Transferor)

(2) Shri S. P. Gupta, Asstt. General Manager of Industrial Finance Corpp. of India, I.F.C. Bhavan, E.B., Ahmedabad-380 009.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Buildings Super built area 17266.15 sq. ft. on the plot adm. 1177 sq. yds. in Wadaj Tps. 15 FP 38 S. Nos. 19|1|2 & 20|1|2 Block Nos. 'C' 'B' & 'D' Armedabad R. No. 6556 Dated 7-85 recd. from Registrar.

> P. D. KHANDELWAŁN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Date: 28-2-1986

FORM ITNS-

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4070 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. Kalupur Nr. Rly. Stn. C.S. No. 1346, Land adm. bldg. adm. 846.99, 97 sq. mtrs. with two air conditioned plants &

Machineries

And more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at A'bad on 18-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arcresald property and I have reason to oclieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Ambalal Lalbhai Zaveri & 2 ors, Partners of Alankar Enterprises, Shahibag, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Prerna Shops & Aptt., Owners Asson, Ashirvad Market, Kalupur, Ahmedabad-380 001.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shalf have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. in Kalupur Nr. Rly. Station Rly. pura C.S. No. 1346, Land & Bldg. adm. 846.99.97 sq. mtrs. with two air conditioned plant & Machineries.

P. D. KHANDELWAL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 28-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Prakashchandra Bhogilal Chudgar,
 7A, Jaweri Park Co -op. Hsg. Socy. Nr. Bhatta, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Rajaram Bhaichandbhai Shah, 23, Vishvabhandhu Socy. Paldi Bhatta, Ahmedabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4071 Acq. 23/I/85-86,—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL

being the Competent Authority under Section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Paldi seem Tps.3 FP 805 806, Flat No. B-6, 3rd Floor, Sujcepkunj Aptt., A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the fair that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore have a superior consideration the fair market walls are the fair market walls are the fair market walls of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the fair was a fair that the fair market walls are the fair marke said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tarnsfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment or any moone of moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act, 1922 (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons, respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE.

Paldi seem TPS.3 FP 805 806, Flat No. B-6, 3rd Floor in Sujeepkunj Aptt., Ahmedabad, R. No. 7280 dated 15-7-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby inithte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4072 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Paldi TPS.22 FP No. 190 SP No. 52 Narayan Nagar, Co-op, Hsg. Socy. Bungalow No. 52-A (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

A'bad on 2-7-85 exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay this under the said Act, if respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

100—26GI/86

 Shantagauri Wd. of Shankarlal Laxmichand Panchal, U-6, Arnath Socy. Behind Narayannagar, Paldi, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Natwarial Chhotalai Maheta, Pankajkumar Natwarial Maheta, Pradipkumar Natwarial Maheta, Shri Hemantkumar Natwarial Mehta, Tagure Theatres, Paldi, Ahmedabad, Bhavnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Paldi TPS. 22 FP No. 190 SP No. 52, Narayannagar Coop. Hsg. Socy. Bunglow No. 52-A amd. land 507 sq. yds. and Bldg. 85 sq. yds. R. No. 7689 dated 21-7-85.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Ahmedabad

Date: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-II. AHMEDABAD Ahmedabad, the 28th February 1986

OF INCOME-TAX

Ref. No. P.S. No. 4073 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Open land Adm, 1A 18GS=7018 sq. yds.

=5868.04 sq. mtrs. in Rameshwarnagar Co.op. Hsg. Socy. Sanand.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Snand on 24-7-1985

said on 24-1-1963 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the comideration for such transfer at agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or eventee of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Kantilal Harilal Jani. Self and Kulmukhtyar of others-Sanund-Dist: A had.

(Transferor)

(2) Sh. Shailesh Vadilal Shah--Promotor of Rameshwarnagar Co.op. Hsg. Socy. Sanand—Dist: A'bad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Open land adm. 1A 18GS=5868-04 sq. mtrs. =7018 sq. in Rameshwarnagor Co.op. Hsg. Socy. Sanand R. No. 62/85 Dated 24-7-85.

> P. D. KHANDELWALN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 28-2-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 28th February 1986

Rof. No. P.R. No. 4074 Acq.23/1/85-86,-Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sait Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bhuderpura Seem TPS No. 21, FP No. 520—2-25—Flat No. B-5 2nd Floor in Anauta Co-op. Hsg. Socy. A'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at A'bad on 12-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; pad/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

(1) Sumitaben Manubhai Desar B-5 Ananta Aptt, Ambawadi Ahmedabad-15.

(Transferor)

(2) Induben Ishwarlal Desai Rajesh Ishwarlal Desai B-11, Sarad Socy. Gulbai Tekra-A'bad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein , as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bhuderpura Seem TPS No. 21 FP No. 520-2-5 Flat No. B-5 2nd Floor in Ananta Co.op. Hsg. Socy. 7229 dated 12-7-1985.

> P. D. KHANDELWAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomotax
> Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4075 Acq.23/I/85-86.—Whereas, 1, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. D-20 Manali Aptt. Co.op. Hsg. Socy. Ltd.
Vastrapur TPS 21 FP 22, 23 & 24
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registration of Color of 1908) in the office of the registering Officer at A'bad on 12-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; mui/or

(b) facilitating the concealment of any income or any manneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax ACC, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nathely:-

(1) Sh. Virendra Shantilal Dalal Manali Aptt. Vastrapur— Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sh. Bharatkumar Bansilal Pandya D-20, Mani Aptt, Vastrapur—Ahmedabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-20 Manali Aptt. Vastrapur Ahmedabad.

P. D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 28-2-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4076 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 1 on First Floor
In Madhavbag Shopping Centre
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the registering Officer at
A'bad, on 23-7-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the amparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more officers per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay the under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purposes of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Sh. Mukesh Brijmohan Bansal Flat No. 1 First Floor— Brijbasant Hospital Madhavbag Shopping Centre, Opp: Police Commissioner's Office-Shahibag—Ahmedabad-380 004.

(Transferor)

(2) Prafulchandra Ishwarlal Panchal 4-A Kamdhenu Bldg. Bhavanipur, Calcutta-700 020.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazzatie.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on First Floor in Madhavbag Shopping Centre Ahmedabad-380 004 R. No. 7581 dated 23-7-85.

P. D. KHANDELWAL, Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Smt. Hasumati, J. Amin Ashwinkumar J. Patel C/o Harikrishna Shroff & Co. E.B. Shopping Centre, A'bad.

(Transferor)

(2) Sh. Brijalal Fatechand Shah Shop No. 5-6 Ground Floor Ashram Road, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4077 Acq.23/I/85-86.—Whoreas, I. P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. S-6 GF in Capital Commercial Centre, Asham Road, A'bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at A'bad on 30-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid referred.

Abad on 30-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiftuen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the consideration the consideration and that the consideration are consideration and the consideration are consideration and that the consideration are consideration and consideration are consideration and consideration are consideration.

(a) facilitating the reduction or evarion of the liability of the transferer to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No 5-6 Ground Floor in Capital Commercial Centre, Asharam Road A'bad. R.B. 7760/85 dated 30-7-85.

P. D. KHANDELWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4078 Acq.23 I/85-86.—Whereas, I, P. D. KIIANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aaid Act') have reason to believe that the movable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Open Plot Adm. 764 sq. yds. in Kauchi Co.op, Hsg. Socy.
Plot No. 1 Bodakdev Seem Tal Daskroi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at A'bad on 5-7-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/orn
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid troperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, rumely ...

(1) Sh. Gaurang Jashvantbhai Kastia 'Saryunivas'—Belind Circuit House, Shahibag -- Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Sh. Hemendrabhui Narandas Patel 13, Dhaval Socy, No. 1 St. Xavier's High School Road, Navrangpura-Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot Adm. 764 sq. yds, in Kanchi Co.op, Hsg. Socy. Plot No. 1 Bodakdev Scem Tal Daskroi R. No. 7178 dated 3-7-85.

> P. D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4079 Acq.23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reseen to believe that the immovable property, having a fair market value encoding Rs. 100,000/- and bearing No.

Open Plot adm. 847 sq. yds. in Kanchi Co.op. Hsg. Socy. Plot No. 8—Bodakdev Seem Tal. Daskroï.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at A'bad on 5-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ted/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sadhanaben Vinubhai Patel 17—Dershan Socy. Navrangpura—Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Deeliphai Naranbhai Patel 13, Dhaval Socy. No. 2 St. Xavier's High School Road, Ahmedabad-9,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot adm. 847 sq. yds. in Kanchi Co.op. Hsg. Socy. Plot No. 8 Bodakdev seem Tal. Daskroi R. No. 6809/85 dated 5-7-1985.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 28-2-1986

FORM ITNS- ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMMISSIONER.

ACQUISITION RANGE-II. AHMEDABAD

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4080 Acq. 23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing No.
Flat No. 5 F.F. in Sh. Parshwanath Co.op. Hsg. Socy.
Ltd. Bldg. A Jamnager.

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at (and more fully described in the Schedule sunstand hereto), Jamuagar on 4-7-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thankful as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-fing persons, namely:—
101—26GI/86

(1) Smt. Neena, V. Panchamatiya ehnid D. K. V. College Opp: Mahavir Socy. Jamnagar.

(Transferor)

(2) Sh. Sureshbharthi Laxmanbharthi Gosai Flat No. 5 Bldg. No. A Sh. Parshwanath Co.op, Hsg. Socy. Ltd. Nr. Dattatray Temple Opp. DKV College, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, F.F. in Shri Parshwanath Co.op, Hsg. Socy. Ltd. Bldg. No. A. Jamnagar R, No. 1666 dated 4-7-1985.

P. D. KHANDELWAL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4081 Acq.23/II/85-86.—Whereas, I. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Bidg. in S. No. 15 F.1 out side Bedi Gate,

lamnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at

Jamnagar on 4-7-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); (1) Sh. Bhupendra Krushnalal Zala Opp: Anupam Talkies— Jamuagar.

(Transferor)

(2) Sh. Yusufali Salmanji Gandhi Kalawad Gate Kalawad Gate Modi Wad, Jampagar,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. in S. No. 15/2 F. 1 outside Bdc Gate Jamanagar R. No. 2038 dated 4-7-1985.

P. D. KHANDELWAL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Dated: 28-2-1986

with the object of :---

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4082 Acq23/1/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Bidg. in S. No. 443 plot No. 5 G.F. & F.F. Nr. Kalawad Road, Rajkot. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Rajkot on 10-7-1985 tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

 Sh. Rajan Dhanraj Jethani Sardarnagar behind Mahila College—Rajkot.

(Transferor)

 Sh. Mohanlal Premjibhai Solanki 21-A Kalyannaga Socy. Jamnagar.

(Transferee)

- Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to be undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg, G.F. & F.F. Nr. Kalawad Road S, No. 443 Plot No. 5, Rajkot R. No. 4899 dated 10-7-1985.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4083 Acq. 23/1/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing No.

Land at Nana Mava S. No. 81

Plot No. 18—Sq. mtrs. 666=792 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16

of 1908) in the office of the registering Officer at
Rajkot on 4-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than iffteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or swaton of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; MEG/OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shantaben Shantilal Joshi Udasi Ashram Ram Tekri Road-Porbandar.

(Transferor)

(2) Gajurbhai Kanjibhai Bharad President-Rajghor Brahman Ghanti Seva Sangh Samastha Rajkot 15-Vijya Plot-Rajkot,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motice on the respective persons, whichever period expires letter;
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Nana Mava S. No. 81 plot No. 18 sq. mts, 666=792 sq. yds. R. No. 4681 dated 4-7-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in parameter or section 2000 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 28-2-1986

FORM ITNS----

 Sh. Shivendrasinhji Bhadversinhji Gohil Hava Mahal Palace— Palitana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shardaben Chimanlal Paras Socy. Palitana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 28th February 1986

Ref. No. P.R. No. 4084 Acq. 23/1/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Immovable property in old Darbargadh Palitana Bldg. on land adm. 2539.39 sq. mtrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Palitana on 25-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

gransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-aax Act, 1937 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any ether person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

İmmovable property in old Darbargadh Palitana bldg, on land adm. 2539.39 sq. mtrs. R. No. 705 dated 25-7-85.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 28-2-1986

FORM I.T.N.S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUSITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABED-380009

Ahmedabed-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4085 Acq-23/J/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Immovable property in old Darbargadh Palitana bldg. on land adm. 1685.10 sq. mtrs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Palitana on 15-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereton by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Shri Shivendrasinhji Bahadvrsinhji Gohil, Hava Mahal Palace, Palitana.

(Transferor)

 Shri Jaysukhlal Gordhandas Ghami, Behind Dirbargadh. Palitana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the afercuald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

i XPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property in old Darbargadh Palitana Bldg. on land adm. 1658.10 sq. mtrs. R. No. 703 Dt. 15-7-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income has
Acquisition Range-I
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road Ahmedabed-380 009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subjection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 28-2-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABED-380009

Ahmedabed-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4086 Acq-23/I/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Immovable oroperty in old Darbargadh Palitana Bldg. on land adm. 2526.78 sq. mtrs. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Palitana on 15-7-85

Palitana on 15-7-85

Palitana on 15-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the first of the transferor to pay tax under the unrespect of any income arking from the

(b) facilitating the concealment of any income or pay moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Sha Chlandrasinhji Bahadyrsinhji Gohil, Hava Mahal Palace, Palitana.

(Transfero)

(2) Shei Bharatkumar Venilal Doshi, Opp. Behind Darbargadh, Palitana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property in old Darbargadh Palitana bldg, on land adm. 2526.78 sq. mtrs, R. No. 701 Dt. 15-7-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 2nd Floor, Handlooni House, Ashram Road Ahmedabed-380 009,

Date : 28-2-1986

(1) Shri Shivendrasinhji Bahadvrsinhji Gohil, Hava Mahal Palace. Palitana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kantilal Hiralal Sukhadiya Bazar, Palitana.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACOUSITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABED-380009

Ahmedabed-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4087 Acq-23/I/85-86.--Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Immovable property in old Darbargadh Palitana Bldg, on the land adm. 1484,13 sq. mtrs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Palitana on 15-7-85

Palitana on 15-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein asare defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:
- iid/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Immovable propety in old Darbagadh Palitana Bldg. on the land adm. 1484.13 sq. mtrs. R. No. 704 Dt. 15-7-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L 2nd Floor, Handloom House, Ashram Road Ahmedabed-380 009.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 28-2-1986

Scal

(1) Shri Shivendrasinhji Bahadvrsinhji Gohil, Hava Mahal Palace, Palitana,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rajeshkumar Anantrai Doshi, Paras Socy., Palitana,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABED-380009

may be made in writing to the undersigned:

Objections if any to the acquisition of the said property

Ahmedabed-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4088 Acq-23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Immovable property in old Darbargadh Palitana Bldg, on the land adm. 2642.39 sq. mtrs. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Palitana on 25-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.
- Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Immovable property in old Darbargadh Palitana Bldg. of the land adm. 2642,39 sq. mtrs. R. No. 706 Dt. 25-7-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 2nd Floor, Handloom House, Ashram Road Ahmedabed-380 009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-102-26GI/86

Date: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABED-380009

Ahmedabed-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4089/Acq-23/I/85-86.—Whereas, I. P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No. Immovable Property in old Darbargadh Palitana bldg. on the land adm. 2550.39 sq. mtrs. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Palitana on 15-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Endrasinhji Bahadursinhaji Gohil Hava Mahal Palace-Palitana.

(Transferor)

(2) Vrajilal Nanchand Shah, Paras Socy.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property in old Darbargadh Palitana bldg. on the land adm. 2550,30 sq. mtrs. R. No. 707 Dt. 15-7-85.

> P. D. KHANDFLWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 2nd Floor, Handloom House, Ashram Road Ahmedabed-380 009.

Date: 28-2-1986 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUSITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABED-380009

Ahmedabed-380 009, the 28th February 1986

Rcf. No. P. R. No. 4090 Acq-23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovimmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Immovable Property in old Darbargadh Palitana on land

adm. 2387 sq. mtr.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Palitana on 15-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/de
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937));

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Shivendrasinbji Bahadursinbji Gohil, Hava Mahal Palace, Palitana

(Transferor)

 Shri Ramniklal Popatlal Doshi, Kapad Bazar, Palitana.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any cf the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property in old Darbargadh Palitana on land 2387 sq. mtrs. R. No. 702 Dt. 15-7-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax Acquisition Range-I 2nd Floor, Handloom House, Ashram Road Ahmedabed-380 009,

Date: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUSITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABED-380009

Ahmedabed-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4091 Acq-23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

TPS. I Memnagar S. Nos. 86,89,87 paiki 98,47 SP 29 land and 720 sq. yds.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer

at Ahmedabad on 17-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Bhargav J. Trivedi, Karunasagar, D.O. Par Road, 3rd Floor C. R. Bombay-400 019,

(Transferee)

(2) Shankarbhai Bholidas Patel, President of Sejal Aptt. Owners Asson. 35, Mahesana Socy. Nawa Wadaj, Ahmedabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot No. 211 in TPS, 1 Memnagar S. No. 86,81,89 Paiki 98, 217 SP 29 Land adm. 720 sq. yds.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 2nd Floor, Handloom House, Ashram Road Ahmedabed-380 009.

Date: 28-2-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Vasant Bhagwandas Mehta, 60/360 Vijaynagar Hsg. Colony, Ahmedabad 380 013.

(Transferor)

(2) Dr. Vipin. B. Shah, No. 205, 2nd Floor Relief Shopping Centre, Salapose Cross Road, Ahmedabad-380 001.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABED-380009

Ahmedabed-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4092 Acq-23/1/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 205 adm. 328 sq. ft. Relief Shopping Centre-A'bad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Ahmedabad on 15-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 205 adm. 328 sq. ft, in Relief Shopping Centre Ahmedabad R. No. 905 Dt. 15-7-85.

P. D. KHANDELWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
2nd Floor, Handloom House, Ashram Road
Ahmedabed-380 009.

Date: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Ahemdabad.

(Transferor)

(2) Shri Ravji Heerji Patel, Flat No. 3/2/A, Nr. Law Garden E. B., Ahmedabad-380 006.

(1) Shri Bharatkumar Havilal Shah.

C-15, Samarthkrupa Flat Law Gadden, BH Samartheshwar Mahadev,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUSITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABED-380009

Ahmedabed-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4093 Acq-23/I/85-86.—Whereas, I,

P. D. KHANDELWAL, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3:2: A in TPS. 3 FP 423 SP 4 in Samarthkrupa

Co. op. Shsg. Socy. A bad. (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer A'bad on 4-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid persecty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay that under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, sad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been to which ought to be disclosed by the beautieres for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Would-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid-Act, I hereby initiate proceedings for the angulation of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-mection (1) of Section 269D of the said Act, to the following рогоова, пальну :--

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the services of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION 1—The tarms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3/2/A in Samarthkrupa Co. op., Hsg. Socy. A'bad BH Law Garden R. No. 6727 Dt. 4-7-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 2nd Floor, Handloom House, Ashram Road Ahmedabed-380 009.

Date: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABED-380009

Ahmedabed-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4094 Acq-23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Rs. 1,00,000/- and bearing No. 127 sq. yds. in TPS. 3 FP No. 386-B-Sonali Co. op. Socy. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at A'bad, on 6-7-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mg∖or
- (b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Kaushikprasad Manilal Jani. D—4 Navdeep Aptt., Navrangpura-Opp. Telephone Exchange, Ellis Bridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Premlataben Padmsing Dugar, C-3 Navdeep Appartment, Front of Navrangura Telephone Exchange, Ellis Bridge-Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. D-4 on 2nd Floor adm. 127 sq. yds. in TPS 3 FP No. 386-B Sonali Co. op. Hsg. Socy. know as Navdeep Aptt. R. No. 6854 Dt. 6-7-85.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 2nd Floor, Handloom House, Ashram Road Ahmedabed-380 009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 28-2-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUSITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD AHMEDABED-380009

Ahmedabed-380 009, the 28th February 1986

Ref. No. P. R. No. 4095 Acq-23/I/85-86.—Whereas, I, P. D. KHANDELWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot Nos. 24 & 25 adm. 3220 sq. ft. at Rajani oil Mills S. No. 102/2 Keshod (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Keshod on 25-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kanaiyalal Mohanlal Makhecha Daul Bazar, Keshod Dist. Junagadh. (Transferor)

(2) Shri Jadavji Kunyarji, Managing Diretor,
The Veraval Peoples Co. op. Bank Ltd.
Veraval 362 265, Dist. Junagadh,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Plot Nos. 24 & 25 adm. 3220 sq. ft. at Rajani oil Mills S. No. 102/2 Keshod.

P. D. KHANDELWAL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 2nd Floor, Handloom House, Ashram Road Ahmedabed-380 009.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under ambsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:---

Date: 28-2-1986

PORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 50/July/85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hertilitétier réferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing S. No. 67/8, Krishnan Karonai, Village situated at Tirupo-

curu, Chinglsput Dist (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirupporur/Doc. No. 1626/85 on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor for more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

(1) Sri M. Jayaraman No. 108, Krishnan Karnai, Tirupporur, Chongalpattu Dist.

(Transferor)

(2) M/s. M. M. Trust represented by Sri S. Maran Trustee, 93, Kodumbakkam High Road, Madras-34.

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: S. No. 67, Krishnan Karanai Village, Tiruporur, Chingleout.

Tirupporur/Doc. No. 1626/85,

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1986

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 56/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the sucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 409.24 Kalkattu Door No. 4—Property as specified in schedule to Doc. No. 886/85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Sirkeli/ Doc. No. 886/85 in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evador of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consvalment of any income or any assences or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforegaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Ramanatha Iyer, and another, S/o Vaidyanatha Iyer, No. 4, Gnanasambandar St., Sirkali.

(Transferor)

(2) Sri Ranganathan,
 S/o Srinivasa Iyer,
 13, 5th Cross St.,
 Dr. Thirumurthi Nagar, Nungambakkam, Madras.
 (Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires letter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Garatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 886/85 Sirkali/Doc. No. 886/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Runge-II, Madras-600 006

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 58/July 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Dharapuram, Udumalai Main Road, situated at Erode Dharapuram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dharapuram/Doc. No. 1974/85 in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Efteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wanafer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the litterary of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-ta: Ac 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri Arangasamy, S/o. Polanisamy Gounder. Chennakkal palayam, Dharapuram, (Transferor)

(2) M/s Hindustan Cocoa Co. Ltd., Branch office at Chundale represented by K. A. Muthanna son of Appachoo. Head office at Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning on given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Dharapuram, Dhalavaiatptanam, No. 272A, Erode, Dharapuram/Doc. No. 1974/85,

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11-3-1986

.......

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

garan en margia en marine en la lacación de la calegra de acel

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 64/July 85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Pr. 1.00,000/- and bearing
No. Property as specified in schedule situated at Doc. No. 568/85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Puduchatram/Doc. No. 568/85 in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Sri Chengodagounder and sons Kandasamy Gounder, K. Manickam, Reddipudur, Navani.

(Transferor)

(2) Sri Kandasamy gounder and sons K. Sundararajan, K. Palanisamy, Reddipudur, Navani.

(Transferce) ·

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 568/85, Puduchatram/Doc. No. 568/85.

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11-3-1986

r degree e war in ee war in 1990 in 19

PORM TINE

(1) Smt. Dhanam Ammal, W/o Thirunavalar, No. 23, Vandikkaratheru, Mayiladuthurai. (Transferor)

(2) Smt. Kulyani Ammal, W/o Ramalinga Bathar, 27. Vandikkaratheru, Mayiladuthurui.

The state of the s

(Transferee)

HOTICI, UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 68/July-85.-Whereas I.

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. III Ward, Vandikkuratheru,

situated at Vadamangalam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Myiladuthurai/Doc. No. 741/85 in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (u) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

93 -- 26GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of
 45 days from the date of publication of this motion
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons. whichever period suppres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used hereiz as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building 3rd ward, Padamangalam, Vondikkaratheru, Mayiladuthurai.

Mayiladuthurai/Doc. No. 741/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Impecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 005

Date: 11-3-1986

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 70/July-85.---Whereas I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 44, Santhakudi Agharahuram eitheted at Myklanduhrai

No. 1.1, Santhakudi Agharaharam situated at Mylaluduthrai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Myladuthurai Doc. No. 717/85 in July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay mx under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and)or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri S. G. Krishnamurthy Iyer, Santhakudi Agharaharam, Myladuthurai,

(Transletor)

(2) Sri M. Jayaraman, Rujagopalapuram, Kuttalam.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and building at Myladuthurai. (Myladuthurai Doc. No. 717/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, he pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follows itie normone, namely :---

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-U MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 73/July-85.--Whereas I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Avanashi Taluk. Naranapuram village
situated at Agrl. land (G.S. No. 364, 365, 366),
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Coimbatore/Doc. No. 3229/85 in July 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Itability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri S. V. Kandasamy, S/o Velappa Gounder Chelakkathipalayam, Mopripalayam village, Palladam Taluk, Minor Dharmalingam, Palladam Taluk, (Transferor)

M/s. Udumalpat Textiles Ltd.,
 D. No. 8/87, A.T. Devaraja Mudaliar St.,
 Race Course, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Assumball have the same meaning as given in these Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land: Avanashi Taluk, Naranapuram, village G.S. No. 364, 365, 366.

Coimbatore/Doc. No. 3229/85,

MRS. M. SAMUEI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11-3-1986

FORM PINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF DODA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-6 MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 74, July /85.--Whereas 1,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. New T.S. No. 932 situated at Puliyakulam village Avanashi Road. Coimbatore.

Avanashi Road, Coimbatore, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration 1st. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 3317/85 in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt. B. Anuradha, 128, 129 Dr. Balasundaram Chettiar Road, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri R. Rajini, 310 Avanashi Road, Coimbatore,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- period (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at puliyakulam village Avanashi Road, CBE T.K. (Coimbatore Doc. No. 3357/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 11-3-1986

FORM 1.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF-THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri P. S. Madhavan, Ashram Road, Ahmedahad-9.

(Transferor)

(2) Sri R. Veeraswamy, 15/16 Jawahar Nagar Coimbatore-43.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 81/July/85 -- Whereas I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G.S. No. 355 & 356

situated at Sanganur village Coimbatore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Candhipuram Doc. No. 3196.85 in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than officers network of such apparent consideration and the than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

may be made in writing to the undersigned ;--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at Sanganur village, Jawabar Nagar Coimbatore,

(Gandhipuram Doc. No. 3196/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-3-1986

Seal •

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONE OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 82/July/85,--Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing
No. T.S. No. 11/1086 situated at Ganapathy
Coimbatore T.K.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

(and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Gandhipuram Doc. No. 3223/85 in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to betieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Sri K. Srinivasan, S/o Kumaraswamy Achari 104 to 160 Sathi Main Road, Gandhipuram. Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sti T. R. Nanjappan, 6/5, Thenumanallur Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Ganapathy Coimbatore. (Gandhipuram Doc, No. 3223/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 11-3-1986

FORM NO. 1.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri S. R. Balasundoram 1/5, Chinnasamy Naidu Street, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri Varadaraj, 44, Balaji Nagai Coimbatore.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 85/July 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUFI.,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. S. No. 442.2, 443/2, 444/2
situated at Chinnayadampatti Coimbatore Taluk,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Gandhipuram Doc, No. 3373/85 in July 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at Chinnavadampatti village coimbatore. (Gandhipuiam Doc. No. 3373/85).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUFI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax
Acquisition Runge-II. Madias-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1986

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt, V. S. Maragadasivam 21, Elango Veedhi, Mahalingapuram Pollachi TK.

(Transferor)

(2) Smt. K. P. Maragadam, Karumapuram. Ayyampalayam, Pollachi.

(Transferee)

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 89/July 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 28

situated at Pollachi Town,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Pollachi Doc. No. 1486/85 in July 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(1) Incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

Objections, if any, to the acquisition of the mid proper's may be made in writing to the undersigned ...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as aredefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any saoneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building at Pollachi Town T.S. No. 28. (Pollachi Doc. No. 1486/85).

> MRS. M. SAMULL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 90/July 85.—Whereas I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Gaspa Pollachi S. Ward 4, situated at Pollachi, Thiruppur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi/Doc. No. 1487/85 in July 1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Smt. Ayichati
 w/o Late S. Syed Mohd. Rowther,
 S. M. Ancefa,
 S/o Syed Mohd. Rowther and others,
 Palaniappa Housing Board,
 Colony, Nathaji Road, Pollachi.

(Transferor)

(2) Sri V. Ganapathisamy,
 s/o Krishnasamy Chettiar,
 2, Azhagapuri, St., Pollachi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and building Pollachi, Gaspa Pollachi S. Ward 4, Thiruppur.
Pollachi Doc. No. 1487/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

94-26GI/86

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras, the 11th March 1986

Ref. No. 91/July 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 687 chittaram veedhi situated at Pollachi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Pollachi Doc. No. 1509/85 on July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestaide exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri P. V. Venkannan and another, 27, Chittaram Veedhi, Pollachi.

(Transferor)

(2) Sri S. Ramalinga, 6, Sambamurthy Street, Pollachi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Caratte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building T.S. No. 687 Chittaram Street, Pollachi. (Polachi Doc. No. 1509/85).

MRS, M. SAMUEL, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 11-3-1986

Seal;

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Ref. No. 118/July-85.-Whereas, I.

Ref. No. 118/July-85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

T. S. No. 148 Thottipalayam situated at Avinashi Road, Tiruppur Town (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur Doc. No. 2419/85 in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have rull been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following per us, namely :--

(1) Smt. T. B. Dhanlakshmi Ammal 2nd St. Duraisamipuram, Thirappur Town.

(Transferor)

(2) Sri R. Subbarayan, S/o Sri Ramaswamy Gounder, Tiru,pur Town.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Thottipalayam Avanashi Road Tiruppur.

(Tiruppur Doc. No. 2410/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of ncome-tax
Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 12-3-1986

Senl:

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. T. S. B. Dhanalakshmi, and others 2nd St., Duraisamypuram Palladam T.K. Thiruppur Town,

(Transferor)

(2) Sri M. Subbrayan, 12, Valayankadu, Tiruppur,

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Ref. No. 119/July 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T. No. 80 Thottipalayam situated at Avanshi Road, Tiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur Doc. No. 2409/85 in July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any mome or they much or other needs which have not here or which ought to be disclosed by the transferve for the purposes of the Ind an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Thottipulayam Palladam T.K., Tiruppur, (Tiruppur Doc. No. 2409/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons—namely:—

Date: 12-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Ref No. 120/July 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No. Avanashi Thottam Tiruppur Town situated at Tiruppur

Avanashi Thottam Tiruppur Town situated at Tiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur Doc. No. 2414/85 in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. T. S. Dhanalakshmi Ammal W/o Shri Balasubramaniam, Duraisamypuram 2nd Street, 2nd St. Duraisamipuram, Thiruppur Town,

(Transferor)

 Sri Yogabalakrishnan, S/o Sri Muthukrishnan, Devangapuram 1st Street, Tiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Avanashi Road, Thottaipalayam. (Tiruppur Doc. No. 2414/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Seal: Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Ref. No. 140/July-85,-Whereas, I.

Ref. No. 140/July-85,—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. 2, 1 Cross St., Vijayaraghavachari Road, situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar/Doc. No. 905/85 in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lightity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri M. V. Jagannatha Rao, 7, Manonmani Ammal, Kilpauk, Madras-10. Mrs. S. Atana, IC. West Pakkam, Wirgate Garden, 2, Schools Road, Mandavelli, Madras-28.

(Transferor)

(2) Sri G. Varadarajan and Mrs. Ramani Varadarajan, C.1, Sommnath Apartments, 2, Boomanna Mudali St., Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

HE SCHEDULE

Vacant land: 1960 sq. ft. 1/6th share in 2310 sq. ft. 2nd Cross St., Vijayaraghayachariar Road, T. Nagar, Madras-17. T. Nagar/Doc. No. 905/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, nimely :-

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sri V Jaganathan Rao & another , Manonmani Ammal Street, Madras-10.

(Transferor)

(2) Sri V. V. Rajendra Prasad & another, 11, Nattupilliar Koil Street, Madras-1.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Ref. No. 141/July 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable research business for the content of the content o property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, 1st Cross Street, situated at

2, 1st Cross Street, situated at Vijayaragavachari Road, T. Nagar, Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 904/85 in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D at the said Act, to the following persons, namely :--

91-26GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Vijayaraghavachari Road, T. Nagar Madras-17.

(T. Nagar Doc. No. 904/85 (2 Nos.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 12-3-1986

(1) Shri V. Chandrasekaran
(2) S/o K. Varadarajulu
No. 4, Masudi St., Puduppalayam, Cuddalore-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Ref. No. 180/July/85.--Whereas, I. MRS M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
T.S. No. 1068, Ward 6, situated at Cuddalore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Cuddalore/Doc. No. 1012/85 on July, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income acising from the transfer end/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1921 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957); (2) Sri N. Somaskandan

S/o Sri Natasapillai No. 20-A/2, Main Road, Vanna Rapalayam, Cuddalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Property as specified in schedule to Doc. No. 1012/85. Cuddalore/Doc. No. 1012/85.

> MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely .-

Date: 12-3-1986

FORM ITNS----

(1) Sri Thangavelpillai and Others Eravur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Manager, Sri G. Kasinathan M/s. Aruna Sugars Pennadam.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPETCING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS 600 006

Mudras-600 006, the 12th March 1986

Ref. No. 198/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ponadam, S. No. 175/2A, 1.62 acres situated at Eraiyur, Chilambaram

Chidambaram .

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pennadam/Doc. No. 781/85 on July, 1985

Muzaffar Nagar under Registration No. 8490 dated 3-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a second to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land: Pennadam, Erayur village No. 175/2A, 1.62 acres, Chidambaram. Pennadam/Doc. No. 781/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Ref. No. 190/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding No. 917|2, Palanipuram, 4th Road, Door Nos, 6|28, 6|29, 6|30, 6|31, 6|32, 6|32E, 6|34, 6|35, 6|36, 6|37, Bhavani village

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhavani/Doc. No. 1289/85 on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Thangammal W/o Late Gurusagounder Palanipuram, Bhavani (PO), Periar Mavattam,

(Transferor)

(2) Smt. P. Rasammal W/o C. Perumal Door No. 40, Pottery Workers I St., Bhavani (PO), Periar Mayattam,

(Transferce)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: Door Nos. 6|28, 6|29, 6|30, 6|31, 6|32, 6|32, 6|34, 6|35, 6|36, 6|37, 816|2, Palanipuram, 4th Road, Bhavani Village.

Bhavani/Doc. No. 1289/85.

MRS. M. SAMUET Competent Author Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-H Madras-600 006

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Ref. No. 193/July/85.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Anthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Erode, Brahmins Big Agraharam, situated at Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Erode/Doc. No. 3508/85 on July, 1985 for an upparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri A. C. Chinnusamy S/o E. K. Appachigounder Ellappalayam Village, Erodo Taluk.
- (2) Smt. Hamsa Subramaviam W/o Subramaniam 159, Brup Road, Erode.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Brahmins' Big Agraharam, Erode. Erode/Doc. No. 3508/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 12-3-1986

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Ref. No. 199/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 249B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing No

Gomangalam, Kodingiyam situated at Udumalai, Thiruppur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Gomangalam/Doc. No. 640/85 on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any manages or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) at 1922) or the said Act, or the Wealth-bax Act 1957 (27 of 1957).

 Sri Ramasami Gounder S/o Kaliappa Gounder Kodingiyam, Udumalai

(Transferor)

 Sri Shamugavel Gounder S/o Chollamuthu Gounder Urukkampalalayam, Udumalai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Unsette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same neaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land : Gomangalam, Udumalai, Kodingiyam Village, Thiruppur.
Gomangalam/640/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1 \text{ \text{N} ACT, 1961 (43 OF 1961)}

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri S. V. Dhachinamurthy 22, Main Road, Karamaraj Nagar, Villupuram.

(Transferor)

(2) Sri E. S. Chandrasekar Rao 18-A, Iyanar Kulam North Street, Villupuram.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS 600 006

Madras-600 006, the 12th March 1986

Ref. No. 207/July/85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 189, V. Maruthut situated at Villupuram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Villupuram Doc. No. 1610/85 on July, 1985-for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which englit to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1932) or the end Act, or the Wearth-ter Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of potice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at V. Maruthur, Villupuram. Villupura/Doc. No. 1016/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 12-3-1986

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 10/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 14,. Khader Nawazkhan Road, Nungambakkam situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights/Doc. No. 349/85 on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. Holiday Spots P. Ltd. By Managing Director
 J. A. Tajudeen
 Khander Nawazkhan Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) Sri Thaseen Johan Ahamed and another by Power Agent, Syed Akhtar Basha, No. 2, Gopalapuram, II St., Madras-6.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building: 14, Khader Nawazkhan Road, Nungambakkam, Madras.

Thousandlights/Doc. No. 349/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 11-3-1986

FORM ITNS.~

(1) M/s. G. L. Investments 815-A. Shivalaya, 219, Commander-in-chief Road. Madras-600 105.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri J. Santhanam 8, Horizen Pali Hill, Bombay-400 050,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 13/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 10, Pycrofts Garden Road situated at Nungambakkam, Madras kam, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Doc. No. 361/85 Thousandlights on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as asseted to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of runsfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfor; and/or
- to facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are deemed in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Pycrofts Garden Road, Nungambakkam, Madras. Thousandlights/Doc No. 361/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 11-3-1986

Seal:

92-26/86

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri R. Kesavraj No. 42, Aziz Nagar, II St., Kodambakkam, Madras-24.

(Transferor)

 Sri R. Balaji and Mrs, Vasanthi Vasudevan No. 49, Janakiraman St., Madras-33.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 3Q/July/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 42, Azeez Nagar, II St., Kodambakkam situated at T.S.
No. 18, Madras-24
(and more fully described in the schedule annexed hereto).

No. 18, Madras-24 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc, No. 2211/85 on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :---

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same mouning as in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Land and building No. 42, Azecz Nagar, II St., Kodambakkam, Madras-24, Kodambakkam/Doc. No. 2211/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-3-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) Sri Abdul Hakeem 11, Vandikkara Street, Puliyur, Madras-24,

(Transferor)

NOTIGE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri S. Abdul Jaffar 26, Chockalingagramanigarden Tondiarpet. Madras-81.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 36/July/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 409/2 situated at Gangai Amman Koil Street, Puliyur Village Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 2295/85 on July, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-sole property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building S. No. 409/2, Block 2 Gangai Amman Koil Street, Puliyur Village, Madras. Kodambakkam/Doc. No. 2295/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2600 of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 11-3-1986

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 11th March 1986

Ref. No. 49/July/85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

T.S. No. 12/212/4 situated at Sanganur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram Doc. No. 3524/85 on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I neceby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Chandra Chandralayamperummuttanpudupadi Post Moovattuyza, Kerala State.

(Transferor)

(2) Sree Ranisati Trust 24/25A, K. Ramadoss Ramalingam, Layout, Coimbators-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 das from the dae of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of natice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site at Sanganur Village. Gandhipuram/Doc. No. 3524/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Dato: 11-3-1986

Seal .

FORM I.T.N.S.--

(1) M/s. Silverline Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. M. Agnes Lobo & Shri B. Lobo. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21181/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

heing the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flet No. 10, Nishalle Apartment, I.M. Mhatre Road.

Dahisar, Bombay-68, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority of Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-raid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the said instrument of transfer with the said instrument of transfer with the said instrument with the said instrument with the said instrumen

- (a) socilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income seising from the transfer; and ter
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely :--124---26 G1/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, Nishalle Apartment, L.M. Mhatre Road, Dahisar, Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/21181/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 28-2-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) Jalan Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) A. N. Malde, D. K. Nanji Malde.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21091/85-86.---Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, 1st floor Shive Om on plot bearing S. No. 52, H. No. 4 at Junction of Ramkumar Thakur Road, & S. V. Road, Dahisar (E), Bombay, situated at Rombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that he fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor Shiv Om on plot bearing S. No. 52, H. No. 4 at junction of Ramkumar Thakur Road, & S. V. Road, Dahisar (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-IV/37EE/21091/85-86 Authority, on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 28 2-1986

(1) Smt. G. B. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri T. K.Pasad, Shri K. T. Pasad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21032/85-86.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 12, Shantinath Darshan Co-op. Hsg. Soty. Ltd. Lokmanaya Tilar Roed, Dahisar (E), Bombay-68.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instancement of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evenion of the Rability of the transferor to pay test under the said Act, in compact of any income unking from the termsfor; mad/or

(b) incititating the constalment of any become or any spays or other seems which have not been or which ought to be dissisted by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Woolds-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2000 of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the eforesaid property by the mens of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used kerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Shantinath Darshan Co-op. Hsg. Scty. Ltd. Lokmanya Tilar Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-LV/37EE/21032/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 28-2-1986

FORM ITMS-

(1) Goyal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Shri H. S. Patel & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMME SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21022/85-86.--Whereas, I,

Ref. No. AR-IV/3/EE/21022/85-86.—Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 206, 2nd floor A-Wing Aditya Park, C.S. Road, Dahisar, (E), Bombay-68, situated at Rombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Bt Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tex under the s respect of any income arising from and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Insome-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property:

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206, 2nd floor Λ -Wing Aditya Park, C.S. Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/21022/8586 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-taw Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under valuesction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 28-2-1986

FORM TINS-

(1) Kum. Kumud. C. Chabalia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Avtar Singh Kalsi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/20952/85-86.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 407, 4th floor, C-Wing Sai Niketan plot No. 142, H. No. 1, C.S. No. 803, Village Eksar, Kanderpada, Dahisar (W), Bombay-68, eitherted at Rombay

(w), Bomoay-68, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for each treatment of the consideration of the considerati said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE **SCHEDULE**

Flat No. 407, 4th floor, C-Wing Sai Niketan plot No. 142, H. No. 1, C.S. No. 803, Village Eksar, Kanderpada, Dahisar (W), Bombay-68,

coment has been registered by the Competent Bombay under No. AR-IV/37EE/20952/85-86 The agreement Authority, on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-2-1986

Soal:

FORM ITNS...

(1) Shri Manohar R. Bhatte.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. M. K. Builders.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21016/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot Bearing CTS No. 680, 680/1 to 3, village Dahisar, Taluka Borivili

Taluka Borivli,

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Bearing CTS No. 680, 680/1 to 3, village Dahisar, Taluka Borivli,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/21016/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:---

Date: 28-2-1986

FORM ITNS...

(1) Amit Associate.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrìdhar Yadav Dalvi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-IV

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/20732/85.86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 33, 4th floor B-Wing Aakruti Bldg., plot 'B' at Linking Road. Off Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-66 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trally stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 33, 4th floor, B-Wing, Aakruti Bldg., Plot 'B' at Linking Road, Off Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37 \pm E/20732/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 28-2-1986

Soal:

FORM ITNS-

(1) Mr. C. K. Gogri.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. K. T. Dharmshi, Mrs. K. K. Dharmshi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF BREAKA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/20791/85-86.—Whereas, I, IAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'snid Act'), have reason to believe that the immercial property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 9, in Nirmala Niketan Maratha Colony, Dahisar (E), Bombay-68.

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for au apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcasid preparty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the finishing of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which eaght to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act or the Wealth-ta. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi cation of this notice in the Official Gazatte

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 9, in Nirmala Niketan Maratha Colony, Dahisar (F), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authoraty, Bombay under No. AR-IV/57EE/20791/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-2-1986

FORM ITNS———

(1) Pragati Construction Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) H. R. Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37 Γ E/20995/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Flat No. 308, 3rd floor. Shreenath Apartment, Sr. No. 132/5, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afroesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 308, 3rd floor, Shreenath Apartment, Sr. No. 132/5, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/20995/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--125-26 GI86

Date: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE 1NCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/20996/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202 Shreenath Apartment, Kander pada, next to Veera Hanuman Nagar Dahisar (W), Bombay-68,

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the parties with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (15 of 1922) or the said Act, or the Wealth-max Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:—

(1) Pragati Construction Corpn.

(Transferor)

(2) H. M. Kasam & Y. H. Kasam.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 Shreenath Apartment, Kander Pada, next to Veera Hanuman Nagar, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ΛR -IV/37FE/20996/35-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-JV Bombay

Date : 28-2-1986

Bombay on 1-7-1985

transfer with the object of :-

FORM ITNS-

(1) M/s. Pragati Construction Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) J. D. Tanna,

(Transferce)

HULLRYMENT OF INDLA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Rcf. No. AR-IV/37EE/20800/85-86.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 205, Shree Nath Apartment, Kandarpada Vecra Hanuman Nagar, Dahisar (W), Bombay-68 (and more fully described in the Schedule appeared hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the rain market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the processic persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, Shree Nath Apartment Kandar Pada next to Veera Hanuman Nagar, Dahisar (W), Bombay-68.
The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/20800/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-2-1986

(1) M/s. Pragati Construction Corpn.

(Transferor)

(2) Girish Kantilal Bros. & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:.....

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONES OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/20801/85-86.—

Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 107, 1st floor, Shree-nath Apartment, Kander Pada next to Veera Hanuman Nagar, Dabisar (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 107, 1st floor, Shreenath Apartment, Kandar-Pada, next to Veera Hanuman Nagar, Dabisar (W), Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/20801/85-86 on 1-7-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lasue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 28-2-1986

FORM I.T.N.S.—

(1) Mr. Pannalal D. Joshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2)Mr. Maganbhai Λ. Solanki & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21166/85-86.-

Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 15 ground floor. Nand Oham, Bhausaheb Parab,

Shop No. 15, ground floor, Nand Dham, Bhausaheb Parab. Road, Dashisar (W), Bombay-68

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 15, ground floor, Nand Dham. Bhausaheb Parab Road, Dashisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No . AR-IV/37EE/21116/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Acc. to the following termons, namely :---

Date: 28-2-1986

(1) Thakorbhai Desai & Sons.

(Transferor)

(2) Bipin Vrajlal Soni. NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21192/85-86.--

Whereas J. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 3, Dhiraj Apartment, Wamanrao Sawant Road,

Dahisar (E), Bombay-68

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Dhiraj Apartment, Wamanrao Sawant Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/21192/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date : 28-2-1986 Seal :

(1) M/s. M. K. Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Rajeshwar Ragiturnj Singh,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21199/85-86.... Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,009/- and bearing No. Shop No. 6, ground floor, Bidg. No. 1, CTS No. 673, Mantri Tower, opp. Vital Tample, L. H. Road, Dahisar (W), Bombay-68

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, ground floor, Bidg, No. 1, Mantri Tower, CTS. No. 673, I. T. Road, opp. Vital Tample, Dahísar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/21199/85-86 on 1-7-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21252/85-86.-

Ref. No. AR-IV/3/EE/21232/85-80.—Whereas I, LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 5, gr. floor, Bldg. No. A, Veer Hanuman Nagar, village Eksar, S. No. 132, H. No. CTS No. 829, Dahisar (W), Rombay-68

Bombay-68

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) M./s. Super Builders & Developers Pvt. Ltd. (Transferor)
- (2) Hiri Hari Gandhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from a service of notice on the respective pornous, sishever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5, ground floor, Bldg No A, Veer Hanuman Nagar, village Eksar, S. No. 132, H. No. 2, 6A & 7, S. No. 136, H. No. 1, CTS No. 829, 830 & 875, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No AR-IV/37EE/21252/85-86 on

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 28-2-1986

(1) Peer Mohommed Balam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 DF 1961)

(2) Mr. Zaverchand Jesa Shah.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21134/85-86.—
Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herelanter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Shop No. 8. Avadhoot Nagar, Plot No. A-1, Chhatrapati Shivaji Road, Dahicar (E), Barbay-68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the sa

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andier
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferve for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immoreable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 8, Avadhoot Nagar, Plot No. A-1, Chhatrapati Shivaji Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/21134/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
126—26 GI/86

Date: 28-2-1986

(1) M/s. Arkay Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. S. S. Jain & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-IV/37FE/21077/85-86.—
Whereas I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Iscome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 2, Murari Nandanwaa, CTS No. 1664-B (part) &
1665-B (part), S. V. Road, Dahisar (E), Bombay-68
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at Ref. No. AR-IV/37FE/21077/85-86.-

the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(b) facilitating the concealment of any income or any

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Murari Nandanvan, CTS No. 1664-B (part) & 1665-B (part) S. V. Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/21077/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 28-2-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Vardhman Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Viresh C. Mehta & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

JEFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No AR-IV/37EE/21038/85-86.--Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 12, ground floor, Vardhman Indl. Estate, Dahisar, Bombay-68

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bolieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 12, ground floor, Vardhman Indl. Estate, Dahisar, Bombay-68.

The agreement has been registered by the Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/21038/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so the following persons, namely:—

Date: 28-2-1986

FORM ITNE-

(1) M/s. Arkay Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Dhirajial D. Joshi & Ors.

(Transferce)

VICINI NO INDIMINATION

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/20844/85-86.—
Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 2, Mohan Bldg., CTS No. 1664-B (part), & 1665-B (part), Nandanvan, S. V. Road, Dahisar (E), Bombay-68 has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of Euch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the follow-

ing persons, namely :-

(b) incilitating the concentenant or any income moneys or other amous which have not be

which ought to be dischased by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforced persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, Mohan Eldg , CTS No. 1664-B (part) & 1665-B (part) Nandanyan, S. V. Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competern Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/20844/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 28-2-1986

(1) Shri Ramkotaiya L. Mora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Beghbai D. Dedhia.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/20873/85-86.—

Ref. No. AR-IV/3/EE/20873/85-86.—
Whereas I, LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 4, ground floor, Neelkanth, Dahisar (E), Bombay-68
(and more tully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used horein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that charter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 4, ground floor, Neelkanth, Dahlsar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/20873/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

FORM I.T.N.S.———

(1) M/s. M. K. Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Hira Stores.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/20903/85-86. —

Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 5, ground floor, Mantri Tower, CTS No. 673, L. T. Road, Opp., Vithal Tample, Dahisar (W), Bombay-68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the tair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C o the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesair property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 5, ground floor, Mantri Tower, CTS No. 673, L. T. Road, Opp. Vithal Tample, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/20903/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 28-2-1986

(1) M/s. Delite Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mr. Yashwant G. Joshi & Ors.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21266/85-86.-

Whereas I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1.00.000/- and bearing No.
Shop No. 2, Plot No. 18, CTS No. 897, Amber, L. T. Road, Dabiear (W). Rombay 68

Dahisar (W), Bombay-68
(and more fully described in the Schedulo annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aci, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mod/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 2, Plot No. 18, CTS No. 897, Amber, L. T. Road, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement tas been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/21266/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-2-1986

(1) M/s. Bala Ji Investment Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Chhaya R. Doctor.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21232/85-86.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 7, Girnar Eldg., Y. R. Tawde Marg, Dabísar (E),

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shop No. 7, Girnar Bldg., Y. R. Tawde Marg, Dahisar (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/21232/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 28-2-1986

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Nikeeta Unique.

(Transferor)

(2) Girish Subrai Pai.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21328/85-86.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immer-

able property, having a fair market value exceeding Rs, 1.00,000/- and bearing No.
Flat No. 1, ground floor Sumangal Apartment, S. No. 62, T. S. 1720, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tux Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the mid Act, to the following persons, namely :---127—26 GI86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personswhichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground floor, Sumangal Apartment S. No. 62, T. S. 1720 Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/21328/85-86 on

> LAXMAN DAS Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 28-2-1986

FORM ITNS----

(1) M/s. Sumer Developments.

(Transferor)

STICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jagjivandas M. Javeri & Smt. R. J. Javeri.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE O FTHE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21015/85-86.---Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the lummovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 28, ground floor Bldg. No. 3. Sumer Nagar, S. V. Road, Opp. Kora Kendra Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Rombay on 1-7-1985 Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: iil/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which might to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow. ing persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of-the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the raspective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 28, ground floor Bldg. No. 3, Sumer Nagar, S. V. Road, opposite Kora Kendta, Berivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/21015/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Pange-IV, Bombay

Date: 28-2-1986

(1) M/s. Ramesh Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Elizebeth Thomas & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Ref. No. AR-IV, 37EE/21210/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 311, 3rd floor, Ramesh Apartment, Kastur Park.
Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the Office of the competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly sated in the and instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of tth yibaileil of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-fax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property ay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given 'n that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 311, 3rd floor, Ramesh Apartment, Kastur Park, Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Comp. ent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/21210/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 28-2-1986 1-7-1985.

FORM NO. I.T.N.S.--

(1) Mrs. P. H. Bhatia.

(Transferor)

(2) Mr. G. J. Thakkar. Mrs. M. G. Thakkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV 37EE/20774/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authorty under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing
Hat No. 702, 7th floor, Sumer Nagar, S. V. Road, Opp. Kora Kendra & Gokul Dham, Borivli (W), Bombay-92.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the penties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or easion of the liabilty of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any nome or any other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whishever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the And Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor, Sumer Nagar, S. V. Road, Opp. Kora Kendra & Gokul Dham, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-[V/37EE/20774/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

(1) Darshan Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Sujata B. Karkera & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 28th February 1986

AR-IV/37EE/21224/85-86.—Whereas LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 104, 1st floor, Darshan, F.P. No. 723 of T.P.S.
Scheme III, S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, Darshan, F.P. No. 723 of T.P.S. Scheme III, S.V. Road, Borivli (W), Bombay-92,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/21224/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the fellowing persons, namely :--

Date: 28-2-1986

and the state of the second and the FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

AR-IV/37EE/20884/85-86.—Whereas Ref. No.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 601, 6th floor, Parasnath Apartment, S. V. Road,
Borivli (W), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid axceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) (acilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri M. D. Mistry Attorney of K. D. Mistry.

(Transferor)

(2) Shri P. P. Mehta & D. K. Meghani.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aformaid powons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given w that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, Parasnath Apartment, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/20884/85-86 on 1-7-1985.

L'AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 28-2-1986

- (1) ABN Construction Company.
- (Transferor)

(2) D. N. Sheth.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37FE, 20849/85-86.—Whereas LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 101, Shivam, F.P. No. 646, T.P.S. III Survey No. 17,
Hissa No. 6-A (pt), C.T.S. No. 40 (pt) Shimpoli Rd, Borivli (W), Bombay-92.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair fiarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the services of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any inserne or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 101, Shivam, F.P. No. 646, T.P.S. III Survey No. 17, H. No. 6-A (pt), C. T. S. No. 40 (pt) Shimpoli Road, Borivli (W). Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR-IV/37EE/20849/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

FORM ITNS-

(1) M/s. Akanksha Enterprises.

(Transferor)

(2) M/s, Jagruti Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THP INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21129/85-86.—Whereas, I, I AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing S. No. 128, H. No. 1 (part), C.T.S. No. 536, Village Eksar, Borivli BSD, Bombay-1030

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Rombay on 1-7-1985

the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not occur truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) mellitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter,

THE SCHEDULE

S. No. 128, H. No. 1 (part), C.T.S. No. 536, Village Eksar, Borivli BSD, Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/21129/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, 10 parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initial proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1986

(1) M/s. Arti Builders.

(Transferor)

WITICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. s. Rose Builders.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-TV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37f E/20741/85-86.—Whereas I LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 2, C.T.S. No. 1301/13, Village Kandivli, Kandivli (W), Bombay-67.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and ot.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gadette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 2, C.T.S. No. 1301:13, Village Kandivli, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE on 1-7-1985. on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforestial property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1986 Seal:

128-26 GI/86

(1) Raghvanshi Developers.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) G. P. Navalkar.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20841/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 5 on ground floor, Makrupa, shop No. 5, Roghani Park, Shimpoli Road, Borivli (W). Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Shop No. 5, ground floor Ma Krupa, Roghani Park, Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20841/85-86 on 1-7-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Dt.: 28 Feb. 1986.

FORM LT.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE 21184/85-86,--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 2, ground floor, Surya Darshan Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been fransferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than nifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Surya Builders.

(Transferor)

(2) Hemant Almaram Rayt.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions med been in as are defined in Chapter XXA of the sold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, ground floor Surya Darshan, Eksar Rd., Boriyli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21184/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons thereby persons, namely :--

Date: 28/2/1986

FORM I.T.N.S.--

(1) M/s. M. J. Ganatra & Co.

(Transferor)

(2) Mr. T. S. Siva Rama Krishnan.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21025/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Flat No. A-3, ground floor, S. No. 99, Hissa No. 3, C.T.S. No. 1509 & 1512 Lucky Star Apartment, Shanti Ashram Eksar, Rogicti (W). Rombay-103

Borivli (W), Bombay-103

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, (11 of 1922) or the said Act, or the Wea Act, 1957 (27 of 1957); 1922

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-3, ground floor Bldg. No. 2, S. No. 99, H. No. 3, CTS No. 1509 & 1512, Lucky Star Apartment, Shanti Ashram, Eksar, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21025/85-86 on

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dt.: 28 Feb. 1986,

(1) Shri L. L. Soni & Ors,

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. H. Soni.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE, 20925, 485-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,0007- and bearing Flat No. 104, 4th floor, Bldg. No. 1, at Sumer Nagar, S. V. Road, Borivii (V), Bombay-22

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bomb & on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reducion or evenion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, Bldg. No. 1 Sumer Nagar S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92,

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20925/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Dt. . 28 Feb. 1986. Seal:

FORM ITNS———

(1) M/s. Vikas Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. D. K. Vajaria.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV,

BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Bombay, the 28th February 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV/37EE-21151/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, 2nd floor, Vandana, Eksar Road, Borivli (W), Pombay 22

Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exseeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object ofExplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 201, 2nd floor, Vandana, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21151/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dt.: 28 Feb. 1986.

(1) Mr. Narondra &, Sodhi & Ors.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Manju Chakravarty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37FF-21094/85-86,---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000 - and bearing
Flat No. 101, 1st floor, E-Wing, Bldg, Sumer Nagar, at S. V.
Road, onp Fora Kendra, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

First Land Tion:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, F-Wing Sumer Nagar Bldg. S. V. Road, Opp. Kora Kendra, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority_Bombay under No. ARIV/37EE/21094/85-85 on Dt.: 28 Feb. 1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date : 28-2-1986

(1) Shri A. P. Nadkaini.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(?) Shri G. D. Ahuja & Shri P. D. Ahuja

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE I'. BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20030/85-86,---Whereas, f. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 3, ground floor Sunil, 653, Shimpoli Road, Borivli (W), Bembay-92

(and more fully assembed in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for each transfer so agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of t-

- in version the resolved of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is report of any income arising from the transfer, millor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seems which have not been or which sught to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1932 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-ta: 644, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property near be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that THE SEC.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, ground floor Sunil, 653, Shimpoli Road, Borivli

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20930/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tage Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 260D or the said Act, to the rollowing persons, namely :--

Dt.: 28 Feb. 1986.

(1) Mr. Nari Matai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Clare D'cunha.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Rcf. No. ARIV/37EE/20853/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. C-7, 2nd floor, Rosario Apartments, I. C. Colony, Fksar, Borivli (W), Bombay-103 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfr with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereto as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-7, 2nd floor, Rosario Apartments. I. C. Colony, Eksar, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EF/20853/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: → 129—26 G/86

Dt.: 28 Feb. 1986.

(1) Dr. B. K. Jain

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. J. J. Kadam

/ Transferee /

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

ARIV/37EE/21147/85-86.--Whereas, I, Ref. No LAXMAN DAS,

Long the Competent Authority under Section 269B of the accommental Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to ha the 'said Act'), have reason to believe that the mmovable property having a fair market value. Rs. 1,00,000/- and hearing No.

in No. 003, D-29, Yogi Nagar Eksar Rold Dorivli (W), Bombay-92

from 194-92 (and more fully described in the Schodule annexed here'o'), has been transferred and 6 to agreement is registered under Section 2.9AB of the In one tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-85

for an arparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to aforesaid exceeds the apparent consideration (herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such the apparent consideration and that the consideration for such theorem as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned be-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of taus notice in the Official Gazetto of a period of 30 days from the service of notice of the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given n that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been to make been the facility of the lindian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Shop No. D-29, Yogi Nagar, Eksar Rd., Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21147/85-85 on

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in recommended Section 1690 of the enter Act. I beteny inviste reconding, for the sequence of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dt.: 28 Feb. 1986. Seal:

the state of the s

(1) Mr. F. A. Boomala

(Transferor)

(2) Mr. B. J. Tarapore

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACOUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37/21130/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinatics referred to as the 'said Act') have reason to believe that the

inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000./- and bearing No. Flat No. 78 & 79, Building No. 3, 5th floor, Borivli, Kailash Coop. Hsg. Socy. Ltd. S. V. Rd., Borivli (W), Bombay-9?

(and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to wellive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wanter with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 78 & 79, Building No. 3, 5th floor, Borivli Kailash Co-op. Hsg. Scty. Ltd., S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21130/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (** Section 2001) of the said Act, to the following persons, namely:-

Di.: 28 Feb. 1986,

FORM DINS-

(1) Smt, J. P. Purohit

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. D. Shroff & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period at 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personal whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

> (b) by any other person interested in the said immeable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazente

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21276/85-86,-Whereas, I,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as

LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401, B-Wing 4th floor Sumer Nagar at S. V. Road, Paristic (W) Beacher 92

Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration or such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said

instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 ,27 of 1957);

are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, B-Wing, 4th floor, Sumer Nagar at S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21276/85-86 on

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dt.: 28 Feb. 1986.

(1) M/s. Harsha Enterprises

(Transferor)

(2) Shri V. P. Vaidya & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONLY OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20732/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. D 202 2nd floor 256/257, Shiv Chhaya, Eksar Nizamuddin Road, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 260 AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the line like of the transfer to pay tax and the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Westlin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inamorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ine terms and expressions used herein as any defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D/202, 2nd floor Shiv Chhaya 256/257, Eksar Nizamuddin Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20732/85-86 on 1-7-85.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-esction (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1986

FORM I.T.N.S.—

(1) Pushpa Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Y. P. Patel & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACOUISITION RANGE-IV, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20764/85-86.--Whereas, f. Ref. No. ARIV/3/EE/20/04/85-80.—whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Shop No. 7, ground floor, Pushpa Apartment, Saineth Nagar, Eksar Village Porivl; (W), Bombay-92, tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair modelet value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect of the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the content of the co the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shop No. 7, ground floor Pushpa Apartment, Sainath Nagar, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92,

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20764/85-86 on 1-7-1985.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 28-2-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

arawaaraanaaaraa .s...

(2) Suresh C, Ajmera,

(1) Sh. N. C. Patel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20762/85-86.-Whereas, 1,

1.AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 2, ground floor Pushpa Apartment, S. No. 208, H. No. 15, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned : --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- person interested at the cald (b) by any other immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2, ground floor Pushpa Apartment, S. No. 208, H. No. 15, Sainath Magar, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20762/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 28-2-1986.

(1) Mr. B. K. Thaker,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. P. R. Mandad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20888/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No. Flat No. 21, Sphurti Co.op. Hsg. Sety. Ltd. Shipoli Road, Kastur Park, Borivli (W), Bombay-92. (and more tutly described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the parties has not been truly stated in the said instrument of the parties has not been truly stated in the said instrument of the parties has not been truly stated in the said instrument of the parties has not been truly stated in the said instrument of the parties has not been truly stated in the said instrument of the parties has not been truly stated in the said instrument of the parties has not been truly stated in the said instrument of the parties has not been truly stated in the said instrument of the parties that the consideration therefor the parties has not been truly stated in the said instrument of the parties of the parties to the parties

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 21, Sphurti Co.op. Hsg. Scty. Ltd. Shimpoli Rd. Kastur Park, Borivli (W. Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20888/85-86 on 1-7 1985.

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tage Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid proper'y by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 28-2-1986.

1) M/s. Divya Shilp.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. V. Barve.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21284/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 104 Survey No. 53/2, C.T.S. No. 360 Village Borivli, Eskar Road, Borivli, Bombay-92. (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument

transfer with the object of ;--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; endic:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the wansferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in paramance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the raid Act to the following persons, namely :---130-26 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetto or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, Survey No. 53/2, C.T. No. 360, Village Borivli, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21284/85-86 on

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 28-2-1986.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21148/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 27, 6th floor at 31/A-2, Fksar Rond, Borivli (W), Bombay-92. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(1) Borivli Raajhaune Co.op. Hsg. Scty. Ltd.

(Transferor)

(2) Mrs. V. M. Gokhale,

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 27, 6th floor 31/A-2, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21148/85-86 on 1-7-85

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax-Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 28-2-1986.

(1) Natwarlal Chinunubhai Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Raminklal M. Muni & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21205/85-86,-Whereas, I,

Ref. No. Arrivation and LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable of the market value exceeding property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. C-53, 3rd floor, Sumainath Co.op. Hsg. Soc., S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid.

so believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by nitore than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the trans

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislossed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. C-53, 3rd floor, Sumainath CHS., S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/21205/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 28-2-1986.

(1) M/s, Trilok Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 26PD(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Shardaben Laxmidas Makhecha.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20822/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

and/or

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 30, 4th floor Dunderam Bldg., S.V. Road, Fatth-Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 30, 4th floor Dunderam Bldg., S. V. Road, Fatchbaug Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20822/85-86 on 1-7-85

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 28-2-1986.

(1) Rose Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Brian Trevor James Williams,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20932/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, 1st floor, Sun-Ivy Apartment, M. G. Road Kandivli (W), Bombay-68. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said. Ast, in respect of any income arising from the transfer; in respect of any ince d/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Scome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st sloor, Suun-Ivy Apartment, M.G. Road, Kandivli (W), Bombay-68,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/20932/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 28-2-1986.

FORM TINS

(1) Smt, Meena Vijay Tawde.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Abhay Hamirbhai Mori.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21320/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 203, Jignesh Apartment, Jignesh CHSL., Ravishankar Mahajan Road, Dahankukarwaid, Kandivli (W), Bombay-67

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

nas occn transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more effects agree of such expectation therefor by more effects agree of such expectation therefor by more effects agree of such expectation therefore. than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Welath-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Flat No. 203, Jignesh Apt., Jignesh CHSL., R.M. Road, Dahanukarwaid, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/21320/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

New, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, namely :-

Dated: 28-2-1986.

(1) National Leathercloth Mfg. Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. P. J. Ware.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21228/85-86.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 501, Sai Chhaya A, Akruli Road, Kandivli (E, Bombay-101.

Kandivli (E. Bombay-101.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid effects the imparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferenaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 501, Sai Chhaya-A, Akruli Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21228/85-86 1-7-85.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 28-2-1986.

(1) Smt. V. D. Kenchand D. D. Kanchan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Medha Enterprise.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20922/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Industrial unit No. D-31, 2nd floor Beneza Industrial

Estate, Ashok Chakravarty Road, Kandivli (E),

Bombay-101.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-7-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenkin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 day from the date of the publication of the notice in the Official

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. D-31, 2nd floor, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chaknavarti Road, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20922/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acqusition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 28-2-1986.

(1) M/s. Goodwill Builders,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMES TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. L. H. Shah & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be enade in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette

Bombay, the 28th February 1986

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Ref. No. ARIV/37EE/20963/85-86.--Whereas, I. LAXMAN DAS.

property, having a fair market value

Fig. 1,00,000/- and bearing
Fiat No. 403, 4th floor, Kadamgiri Apartment
Chokravarty Ashok Gram Village Wadhwan, C.A.
Road, Kandivli (E), Bombay-67.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been semifarred and the correspond to registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85.

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or eventon of the liability of the trainferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /ora

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income any messys or other teests which have not or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Flat No. 403, 4th floor Kadamgiri Apt. in Chakravarty Ashok Gram, S. No. 7 pt 12-A/1 pt 5, 6 C.A. Rd., Kandivli (E), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20963/85-86 on 1-7-1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely2:--

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 28-2-1986.

Scal:

131--26 GI/86

FORM I.T.N.S.——

(1) Messers Goodwill Builders.

(Transferor)

(2) Mr. J. A. Mehta & Mrs. K. J. Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20964/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Flat No. 205, 2nd floor, Hastagiri Apartments C. A. Gram S. Nos. 7 pt. 12-A/1 pt., 5 pt. at Chakravarty Ashok Rd., Kandivli (E), Bombay-67 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 61 in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have resaon to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-to-Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection ('1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely ;--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Country or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, 2nd floor in Hastagiri Apartments in C.A. Gram at S. No. 7 pt. 12-A/I pt. 5 pt., Village Wadhwan, C.A. Road, Kandivli (E), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. ARIV/37EE/20964/85-86 Authority, on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-2-1986

(1) B. M. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri H. K. Dawda,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20834/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the maid Act) have reason to balleys that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing Flat No. 40, 3rd floor, Shivam Bldg., S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority Bombay on 1-7-85 Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the elejest of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1920 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 40, 3rd floor, Shivam Bldg., S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20834/85-86 on 1-7-85. The agreement has been registered by the Competent

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-2-1986

FORM ITHE

(1) Shri M. K. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 GF_1961)

(2) Shri M. V. Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21053/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that insmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. J/4-1, ground floor in Mahavir Nagar Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Dahanukar Wadi, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of the Competent Authority at

situated at Bombay Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated is the said instrument of transfer with the object of : --

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of netice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. J/4-1 ground floor, Mahavir Nagar Co-op. Hsg. Scty. Ltd., Dahanukar Wadi, Kandivli (W), Bombay-67.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21053/85-86 on 1-7-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 28-2-1986

(1) Mrs. K. V. Bhatia.

(Transferor)

(2) Mrs. V. K. Tolia & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JV. BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20876/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 33, 3rd floor, Shreeji Darshan on plot bearing C.T.S. No. 100 S. No. 96 of S. V. Rd., Kandivli (W), Rombays 67 situated at Rombay.

C.T.S. No. 100 S. No. 96 of Bombay-67 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the refluction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceamlent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1997);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same speaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 33, 3rd floor Shreeji Darshan on C.T.S. No. 100, S. No. 96 of S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20876/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 28-2-1986

(1) Mr. Premii Mulii Daga.

(Transferor)

(2) Mr. P. B. Nishar.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF DIDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21117/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 3, ground floor Shiv Tirth Bldg., at Shankar Lane,
Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the of the transferor to pay tax under the said A respect of any income arising from the
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been es which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1962 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property sy so made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the anid immovable progesty, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gagette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Shop No. 3, ground floor, Shiv Tirth Bldg., at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21117/85-86 on 1-7-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-2-1986

Scal:

(1) F. M. Khan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Morale Enterprises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20754/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Industrial Unit No. D-5, ground floor, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarti Rd., Kandivli (E), Bombay-101 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition o fthe said property may be made in writing to the undersigned: —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial unit No. D-5, ground floor, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakrayarti Rd., Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20754/85-86 on 1-7-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 28-2-1986

Scal :

FORM ITNS (1) M/s. Kapil Tex

(1) M/s. Kapil Textiles & Mrs. A. R. Agarwal

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri M. R. Rui

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21009/85-86.—Whereas, I, LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00 000/- and bearing
No. Industrial Unit No. C-19, 2nd floor, Bonaza Industrial Estate Ashok Chakravarti Rd, Kandivli (E), Bombay-101

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; said/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11. of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the asseniation of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aformula persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immevable preparty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. C-19, 2nd floor Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarti Rd., Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/21009/85-86 on 1-7-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1986

(1) M/s, Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri N. R. Barbhaya

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20910/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

No. Flat No. 4, Nilkanth Bldg. S.V. Road, Fatehbaug,

Kandivli (W), Bombay-67

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Nilkanth Bldg, S.V. Road, Fatebbaug, Kan-

divii (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20910/85-86 on 1-7-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate groceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 25°D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-2-1986

Seal:

132-26 GI/86

(1) Shri Bharatkumar Askarandas

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Nemichand 2. N. Jain 3. K. N. Jain (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21008/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act., 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Industrial Unit No. A-40, Bonaza Industrial
Ashok Chakravarti Rd, Kandivli (E), Bombay 101

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that said excertes the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferss for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property amy be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

FXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Industrial Unit A-40. Bonaza Industrial Estat,e, Ashok Chakrayarti Rd., Kanabii (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV 21008/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 28-2-1986

(1) Bonaza Industrial Estate Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. R. N. Gandhi & N. B. Gandhi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. ARIV/37EE/21265/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovas the said Act), have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 26, ground floor D-Wing, Bonaza Industrial Estate, Ashok Chakravarthy Rd, Kandivli (E), Bombay-101

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to selieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21265/85-86 on 1-7-85

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

FORM ITNS-

(1) Shri Bonaza Industrial Estate Pvt. Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri S. A. Kathawalla & I. A. Kathawala (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE, 21055/84-85.--Whereas, 1. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to sa the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Unit No. 5, second floor of C-Wing in Bonaza Industrial Estate Pvt. Ltd. at Ashok Chakravarthi Road, Kandivli (E), Bombay-101

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfero for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 5, on second floor C-Wing Bonaza Industrial Estate, P. Utd., Ashok Chakravarthi Rd, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/21055/85-86 on 1-7-85.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said isci, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under cabeco tion (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :--

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 28-2-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Adarsh Kala Kendra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Saroi Umachigi

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. 140. ARIV. 37EE/21326/85-86,-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Block too. A-1-lat No. 201/202, Sheetal Sameer Vikas Nagar Dahanukarwadi, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 209AB of the Income tax Act 1961 in the office of

the Computent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair tracket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen ner cond of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) Incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Block A Flat 201/202, 2nd floor Sheetal Sameer, Vikar Nagar Dahanukarwadi, Kandivli (W), Bombay-67. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/85-86 on 1-7-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: --

Date: 28-2-1986

FORM ITNE

(1) Harjivan Bhanji Gohil

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961) (2) Ashok kumar C. Gupta & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV₁/37EE/20750/85-86.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Shop No. 4, ground floor, Kandivli Dharamvir Co.op Hsg. Soc. Ltd., Hemukalani Road, Jraniwadi, Kandivli (W),

Bombay6-7.

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair mark t value of the afor said property and I have reason to believe that the fair mark t value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than 15% of such apparent consideration and and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, ground floor, Kandivli Dharamvir CHSL, Hemukalani Road, Iraniwadi, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/20750/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 28-2-1986 Seal:

(2) Shri Mohan Lal V. Shab.

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferor)

(2) Smt. S.P. Parekh & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Rcf. No. ARIV/37EE/21253/85-86.—Whereas, 1, 1 AXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. C-3/1-86 ground floor, Mahavir Jain Co. op. Hsg.
Socy. 1td. Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at
Eombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the vertice has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the manafer; and/or
- (b) facilitating the consessiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Washing Act 1957, (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(a) by any of the oforesaid persons within a period as

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said improvable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-3/1-86 ground floor Mahavir Jain Co. op. Hsg. Scty Ltd. Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the competent

Authority Bombay under No. ARIV/37EF/21253/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date 28-2-1986 Seal: FORM NO. I.T.N.S.---

M/s. Goodwill Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S.T. Sheth,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref: ARIV/37EE/20965/85-86.--Whereas, I, JAXMAN DAS,

JAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter immovable to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 - and bearing No. Flat No. 205, 2nd floor in Kadamgiri Apartments, Village Wadhwan. S. No 7 pt 12-A/1 pt 5 pt Ashok Chakravarty Rd, Kandivli (F), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule approved hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to or disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of er person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, 2nd floor Dadamgiri Apartments Village Wadhwan S. Nos. 7 pt 12-A/1 pt and 5 pt and Chakravarty Ashok Rd, Kandivli (E). Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No ARIV/37EI-/20965/85-86 on 17 100.

> LAXMAN DAST Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sare Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 28-2-1986 Seal:

1-7-1985.

FORM ITNS —

(1) M/s, Goodwill Builders.

(Transferor)

(2) Mr. N. J. Shah & Ors.

(Transfer

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20962/85-86.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 405, 4th floor Kadamgiri Apartments S. No. 7 pt 12-A/pt 5 pt at Chakravarty Ashok Road, Kandivli (E), Rombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

At Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

and/or

.133—26GI/86

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offical Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor Kadamgiri Apartments S. No. 7 pt 12-A/pt 5 pt at Chakravarty Ashok Road, Kandivli (E), Bombay-67.

The agreement has been registered by the competent Authority Bomeay, under No. ARIV/37EE/20962/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authori y
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Date 28-2-1986 Seal :

(1) M/s. Arpanna Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri A. J. Solanki.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21208/85-86.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competen Atuthority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 114, 1st floor, F-wing Kamla Nagar, M. G. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 114, 1st floor, F-wing Kamla Nagar, M. G. Road, Kandivli (W), Bombay-67.,

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/21208/85-86 on 1-7-1986.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date 28-2-1986 Seal:

(1) M/s, Dattáni Associates

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Veronica Raj.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21115/85-86.—Whereas. I. LAXMANDAS.

being the Competen Atuthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 71, 7th floor Dinanath Apartment at Mahatma

Gandh Road, Kundivli (W), Bombay-67.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 71, 7th floor Dinanath Apartment at Mahatma Gandhi road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay, under No. ARIV/37EE/21115/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 28-2-1986 Scal:

PORM ITNS-

(1) Neelam N. Kewlani & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kusum Vallabh Bhatia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

EFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20773/85-86.—Whereas I, LAMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 501, Gokul, Plot No. 9, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Ast, in respect of any income strains from the transfers and/or
- (b) tacilliating the conceilment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501, Gokul, Plot No. 9, S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV37EE/20773/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1986

Scal:

(1) Smt. Vinantaben J. Patel.

(Transferor)

(2) Shri Dineshchandra N. Shah & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. A.RIV/37EE/20920/85-86.—Whereas I, LAMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1106, Kasturbag, Co.op. Soc. Plot No. 24-B/1, TPS I, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1106, Kasturbag, Sminu Co-op. Soc., Plot No. 24-B/1, T.P.S.I, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/20920/85--86 on 1-7-1985.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Incommetax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-2-1986

Scal:

(1) Smt. Poonam V. Mishra.

(Transferor)

(2) Shri Tilak L. Lalani & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.IV/37EE/20762/85-86.--Whereas, I,

Ref. No. AR.IV/3/EE/20/02/85-80.—vinctean, a, LAMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 303, Samarpan, Rokadia X Lane, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; iii/e
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, Samarpan, Rokadia X Lane, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authoriay, Bombay under No. AR.IV/37EE/20762/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

(1) Shri Jitendra A. Shah & Ors.

(Transferor)

(2) Shri P. N. Shah & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/20918/85-86.—Whereas I, LAMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1202, Kasturbag, Sminu Co.op. Hsg. Soc. Plot No. 24-B/1, TPS 1, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect and the property and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIOM:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfero

THE SCHEDULE

Flat No. 1202, Kasturbag, Sminu Co.op. Hsg. Soc., Plot No. 24-B/1, TPS I, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/20918/85-86 on 1-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

Scal;

FORM I.T.N.S.---

(1) Smt. Shobhatai Harpale.

(Transferor)

(2) George J. Mundadan Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCCME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.IV/37EE/20980/85-86.--Whereas, I, LAMAN DAS,

LAMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereianter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12, 4th floor, Nestle Bldg., I.C. Colony Road, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(c) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE
Flat No. 12, 4th floor, Nestle Bldg., J.C. Colony Road,
I.C. Colony, Borivli (W), Pembay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/20980/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax-Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-2-1986

Scal:

FORM ITNS----

(1) Shri Pravinchandra J. Shah.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shivaji B. Desai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.IV_37EE/21338/85-86.—Whereas, I, LAMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 12, Bldg. No. D/13, Estee Apartments, Saibaba
Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pusheses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---134-26GI/86

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Que

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, Bldg. No. D/13, Estee Apartments, Saibaba Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/21338/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-2-1986

Scal:

(1) Patrick Mendonca.

(2) Mr. Elias D'Souza & Ors.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20981/85-86.—Whereas, I, AXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. A/10, 4th floor, Mayank, Plot No. 13 & 14, Holly Cross

Road

I. C. Colony, Borivli (West), Bombay-103

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under embedding (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A/10, 4th floor, Mayank, Plot No. 13 & 14, Holly Cross Road, I. C. Colony, Borivli (West), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20981/85-86 on 1-7-1985,

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 28-2-1986

(1) Smt. Suchita H. Shah.

(Transferor)

(2) Shri Kirtikumar D. Shah.

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/27703/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. ARIV/37EE/2T/03/85-80.—wnereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 208, 2nd floor, B-Wing at Mandpeshwar Industrial Estate, Plot No. 24A/B of T.P.S. No. 1 Sardar Vallabhbhai Patel Road, Borivli (W), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office

the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are degned in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 208, B-Wing 2nd floor, Mandpeshwar Industrial Estate, Plot No. 24/AB of T.P.S. No. 1 of Sardar Vallabhbhai Petel Road, Borryli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/27703/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hreby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following purposes numbers. persons numely :-

Date: 28-2-1986

FORM ITNS-

(1) Shri Himatlal C. Chaudhari,

(2) Mrs. Vijaya J. Soni & Ors.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20784/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 102, 1st floor, A block, Plot No. 24-A/3, Mandpeshwar Indl. Estate, S. V. P. Road, Borivli (W), Bombay-92 and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in the Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferr to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transferr and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Unit No. 102, 1st floor, A Block, Plot No. 24-A/3, Mandpeshwar Indl. Estate, S. V. P. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/20784/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inidate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1986

Scal:

(1) Shri Jayantilal K. Shah & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Manhar S. Gandhi & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20813/85-86.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 5, 2nd floor, A Wing, Madhu C.H.S.L., Rokadia Lane, Borivli (W), Bomay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Component Authority the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immev-uble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evaluon of the liabhing of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 5, A. Wing, 2nd floor, Madhu C.H.S.L., Rokadia Lane, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20813/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-2-1986

(1) Shri Shridhar S. Waingankar,

(Transferor)

(2) Shri Kundanmal S. Jain & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21220/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. E-117, Nav-Rajhans C.H.S.L., Rokadia Lanc, S.V.P.

Flat No. E-117, Nav-Rajhans C.H.S.L., Rokadia Lanc, S.V.P., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. E-117, Nav-Rajhans C.H.S.L., Rokadia Lane, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No ARIV/37EE/21220/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :--

Seal:

Date: 28-2-1986

(1) M/s Pitale Builders.

(Transferor)

(2) Shri Kamlakar R. Shenoy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21186/85-86.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovas the sale fact, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301, 3rd floor, Bhagyasiddhi Apartments, Borivli West, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is les than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the seld Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Bhagyasiddhi Apartments, Borlvli West, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/22186/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Date: 28-2-1986

(1) M/s K. Thaker.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Muktaben C. Sodha & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property to may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-IV/37EE/21297/85-86.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 302, 3rd floor, T.P.S. III, 5th Road, Vazira Naka, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, Mrugesh Apartment, Vazira Naka, 5th Road, Borivli (W), Bombay-92.

Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/21297/85-86 on Authority Bombay under No. ARIV/37EE/2129785-86/ on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority,
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

(1) Mr. Subramaniyam Krishnaswami.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Mrs. Ami Pradip Marfatia.

(Transferee)

NOTICE NDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21087/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersianfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Flat No. 14, Bldg. No. A/2/1, Shanti Bhoomi Niketan Coop. Hsg. Soc. Ltd., Bombay-103 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any inserne or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, Bldg. No. A/2/1, Shanti Bhoomi Niketan, Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No ARIV/37EE/21087/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—
135—26GI/86

Date: 28-2-1986

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Pushpa I, Kursija,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kantilal V. Kamdar & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21187/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. ARIV/37EE/21187/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heerinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 12, 2nd floor, Jassika Co-op, Hsg. Soc. Ltd., Natakwala Lane, Bombay-92. situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under ection 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair martet value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; 河/4
- (b) facilitating the conceament of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immor able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 12, 2nd floor, Jassika Co-op Hsg. Soc. Ltd., Natakwala Lane, Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21187/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Datc: 28-2-1986

(1) Smt. S. V. Panshikar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Suresh F. Ravani & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respec-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

tive persons, whichever period expires later.

Bombay, the 28th February 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publieation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV/37EE/21048/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horsinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 41, 1st floor, B wing, Borivli Ganjawala Co-op. Hsg.

Soc. Ltd., Borivli, Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of

section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent-Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aut, shall have the same meaning as given in that Charger.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 41, 1st floor, B wing, Borivli Ganjawala Co-op, Hsg. Soc. Ltd., Borivli, Bombay-92. The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/21048/85-86 on

1-7-1985

LAXMAN DAS Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-2-1986

(1) M/s. Himanshu Enterprises. (2) Mrs. Rasilaben B. Chudasme.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20855/85-86.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 13, Prabhu Niwas, Plot No. 166, off. Factory Lane, Borivli (W), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Scatter 260AB of the Insert to Act 10(4) in the office of Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, Prabhu Niwas, Plot No. 166, off. Factory Lane, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/20855/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

FORM 1.T.N.S.-

- (1) M/s, Correa Builders Pvt. Ltd.
- (Transferor)
- (2) Mrs. Snehlata Verma.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21002/85-86.—Whereas I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6, E1 Plaza, CTS No. 1086, S. No. 155, I. C. Colony Borivli (W), Bombay-103 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, El Plaza, C.T.S. No. 1086, S. No. 155, I. C.

Colony, Borivli (W), Bombay-103
The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No ARIV/37EE/21002/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons samely :--

Date: 28-2-1986

(1) M/s C.orrea Builders Pvt. Ltd.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Antony R. Barretto

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 28th February 1986

Ref. ARIV/37EE, 21001/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competen Atuthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 6, El Plaza, CTS. No. 1086, H. No. 155, l.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

formary on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and J have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the fransfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 6, El Plaza, CTS No. 1086, H. No. 155, I.C., Colony, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/21001/85-86 on 1-7-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1986

(1) M/s C.orrea Builders Pvt. Ltd.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. A. F. S. Fernandes

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

Ref. No. ARIV/37EE/2100/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competen Atuthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, 1st floor, EL Plaza, CTS No. 1086, H. No. 155, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Scotton, 260AB, of the Incompetax Act, 104 in the office Section 269AB of the Incomof the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor. El Plaza, CTS No. 1086, H. No. 155, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/21000/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

(1) M/s. Sharon Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. G. M. P. Pereira.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. ARIV/37EE/21042/85-86.--Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competen Atuthority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. H-2, II floor, Sharon Apartment, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market, value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. H-2, II floor, Sharon Apartment, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Aothority, Bombay under No. ARIV/37EE/21042/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 28-2-1986

(1) Bismillah Construction Co.

(Transferor)

(2) Shaikh Mohammed Yaqoob.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV, 37FF/20793/85-86. --Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competen Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable to the control of the con

as the said Act), have reason to believe that the infinovacry property, hoving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Flat No. 005, ground floor, Doli Apartment, S. No. 94, village Poisar, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -136-26GI/86

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 005, ground floor, Doli Apartment, S. No. 94, village Poisar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/20793/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Date: 28-2-1986

(1) Nazir Abdulla & Sens.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ravindra Loku Shetty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTATION OF INCOME-TAX ASSISTANT COMMIS-

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. ARIV/37EE/20949/85-86.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competen Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 103, 1st noor, Nazir Mansion, CTS No. 162 (part) Jeevan Bima Nagar, Borivli (W), Bembay-103 situated at

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor, Nazir Mansion, CTS No. 1329, S. No. 162 (part), Jeevan Bima Nagar, Borivli (W), Bombay-103.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/20949/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

(1) Smt. Padma H. Pahlajani.

(Transferee)

ICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vivraj Bhai B. Jiyani.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX CE OF

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 28th February 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

Ref. No. ARIV/37EE/21005/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

publication of this natice in the Official Gazette.

being the Competen Atuthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

that Chapter,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (nerematic) referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 403, 4th floor, Vishal-I Bldg., off, S. V. Road, Chikan Villa Road, Porivi (W), Bombay-92 situated at Bombay that the respective the schedule among table the schedule among table. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid resperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Vishal-l Bldg., off. S. V. Road, Chikan Villa Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/21005/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date: 28-2-1986

Seal:

persons, namely :-

26 GI/86 8x8x20 FRESH M. P. SONKER

11-4-1986

(1) K. H. Sagar 1 amily Trust.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Champa G. 3hatia & Ois.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21079/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

property, having a fair market value as the said Act'), have reason to believe that he immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 104, 1st floor, Sagar Darshan, Chandavarkar Road, next to Harsha Park, Borivli (W), Bobay-92 situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than liteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

s has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed biffy the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the eaforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, Sagar Darshan, Chandavarkar Road, next to Harsha Park, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay unde, No ARIV/37EE/21079/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

Seal

----(1) M/s. Bhushan Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Carmine Lobo.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF InDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV 37EF/21090/85 86.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Composent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinaver referred to

property, having a fair market value as the said Act'), have reason to believe that the immovance exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202, 2nd floor, Linking Road, Borryli, Bombay situated at Bombay

tand more fully described in the Schedule annexed here; has been transferred and the agreement is resistered under Section 269AB of the Income tax Act, (90) in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less that the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefor by many than lifteen per cent of such apparent consideration and that be consideration for such transfer as agreed to be one the parties has not been truly stated in the said in trumen of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property nay be made is writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of an the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- TOTALANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaptor.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Bldg. No. 3, Linking Road, Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/21090/85-86 on 1-7-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have no been or which ought to be disclosed billy the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weal.h-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissione, of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 28-2-1986

Scal

- (1) Gaicty Construction Co.
- (Transferor)
- (2) Shri Ghemarbhai P. Patel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARJV. 37EE/20814/85-86.—Whoreas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to property, having a fair market value as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 105, Sai Dham, Sodawala Lane, Borivli (W), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 61 in the Office of Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have no, been or which ought to be disclosed bffiv the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of th eaforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sold Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105, Sai Dham, Sadawala Lane, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/20814/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-2-1986

(1) M/s. Kavita Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. Motilal S. Daraak & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV, 37FE/20877/85-86,--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to property, having a fair market value

as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. B/12, 3rd floor, Kavita Apartment, Natakwala Lane, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay

twi, homograp 2 situated in the Schedule annexed herefol, has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1.7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be ween the parties has not been truly stated in the said in trument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed bffly the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :---

- (a) by any of th eaforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the soid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. B/12, 3rd floor, Kavita Apartment, Natakawala Lane, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/20877/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Ircome-tex Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 28-2-1986

(1) M/s. Deepak Constructions

(Transferor)

(2) Mr. Patric Mendonca.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 28th Lebeuary 1986

Ref. No. ARIV/37(E)/20775/85-86 -- Whiteas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to property, having a fair market value as the 'said Act'), have reason to believe that he immovable exceeding Rs. 1,00,000% and bearing No. Plat No. 10, A wing, Mayank, Plot No. 13 & 14, Holfy Cross Road, Boilvili (W), Bembay-103 satuated at Fombay (and more fully described in the Schedule annexed nervio), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that die consideration for such transfer as agreed to be veen the parties has not been truly stated in the said in trument the transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have no been or which ought to be disclosed bflig the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weal h-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of th eaforesaid persons within a period of by any of the defeated or a period of 30 days from 45 days from the date of publication of this notice the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10. A wing Mayanb, Plot No. 13 & 14, Holly Cross Road, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AkIV/37EE/20775/85-86 on

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

(1) Mrs. P. G. Sarasamma.

(2) Smt. Mrinal K. Paginis & Ors.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21163/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the stid Act,), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Ds. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 12, ground floor, Denn Apartment, Sodawala Lane, Chandavarkar Road, Barivli (W), Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (p) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, ground floor, Dena Apartment, Sodawala Lane, Chandavaskar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/21163/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-137—26GI/86

Date: 28-2-1986

FORM ITNS ---

(1) Nazir Abdulla & Sons.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Osmond Rodrigues.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SUONER OF INCOME-TAX

> **ACQUISITION RANGE-IV** BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. Λ RIV/37EE/21255/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Compount Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 201, 2nd floor, Nazir Bldg., Plot CTS No. 1329,
S. No. 162 (part), Jeevan Bima Nagar, Borivli (W) Bombay-193

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitaing is reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax trader the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any conceys or other assets which have not been or which night to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein 2 are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Nazir Bldg., CTS No. 1329, S. No. 162 (part), Jeevan Vima Nagar, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV/37EE/21255/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C on the wird act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-MY TOTAL MARKET !-

Date: 28-2-1986

FORM I.T.N.S.

(1) K. H. Sagar Family Trust.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mahesh L. Soparawala & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21080/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 302, 3rd floor, Chandavarkar Lane, Sagar Darshan Next to Harsha Park, Borivli (W), Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been ick ought to be disclosed by the transferse for s of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Washin-tex Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on he respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Sagar Darshan Flat No. 302, 3rd floor, Road, Next to Harsha Park, Borivli (W), Bombay-92,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/21080/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 28-2-1986

(1) Patel Patel & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Gordhan M. Kyada.

(Transferee)[★]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21082/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 9, A wing, Aruna Apt., behind Himat Nagar, Mandpeshwar Indl. Estate, Mandpeshwar Road, Borivli (W), Rombay-92.

Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, A wing, Aruna Apartment, behind Himat Nagar, Mandpeshwar Indl. Estate Mandpeshwar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/21082/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-2-1986

(1) Patel Patel & Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Rcf. No. ARIV/37EE/21081/85-86,—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 10, A wing, Aruna Apat., behind Himat Nagar, Mandpeshwar Indl. Estate, Madpeshwar Road, Borivli (W), Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Amitaben G. Kyada & Ors,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 10, A wing, Aruna Apartment, behind Himat Nagar, Mandpeshwar Indi, Estate, Mandpeshwar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/21081/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1986

(1) M/s. Dattani Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. J. B. Borkhetaria minor through K. B. Borkhetaria (Mother). (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

Bombay, the 28th February 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV/37EE/2111/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

publication of this notice in the Official Gazette.

being the Competen Atuthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

as the said Act), have reason to believe that the miniovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 112-B, 11th floor Dattani Towers at Kora Kendra, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat ...o. 112-B, 11th floor, Dattani Towers at Kora Kendra, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/100118/85-86 on 1-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1986

(1) Smt. Padma H. Pahlajani,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pratap D. Mariwala & Ors.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIY/37EE/21006/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competen Atuthority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 401, 4th floor, Vishal-I Bldg., off. S. V. Road, Chikan Village Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period of

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 401, 4th floor, Vishal-I Bldg., off. S. V. Road, Chikan Village Road, Borivli (W), Bombay-92.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/21006/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

(1) Mr. Kishchand Narsumal.

(Taansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Gokuldash K. Doshi Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37FE/20843/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 301, 3rd floor, Bldg, 13, Prem Nagar, Borivli (W),

Bombay-92

situated on Bombay

u more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office
of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid extracts the apparent consideration therefor by more than officen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of the parties with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpose of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, Bldg, No. 13, Prem Nagar, Borivli (W), Bombay-92,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/20843/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this no ice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 28-2-1986

(1) M/s. Swati Builders.

(2) Mrs. Vatsala Vishwa Shriyan.

may be made is writing to the undersigned :-

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIY/37EE21269/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000 /- and bearing No. Flat No. 15, 3rd floor, Medonna Colony. Mandpeshwar Road Borivii (W), Bombay-92

situated on Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 15, 3rd floor, Medonna Colony, Mandpeshwar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/21269/85-86 on 1-7-1985,

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV nompay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

138-26GI/86

Date: 28-2-1986

FORM JTNS---

(1) M/s. B. R. Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. S. J. Shetty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21292/85-86—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. House No. C/104 S. No. 110C (pt) C.T.S. No. 1128, plot No. Village Eksar, Mt. Poinsur I. C. Colony, Borivliy (W), Bombay, 103

Bombay-103 situated on Bombay

situated on Bombay

of more fully described in the Schedule annexed here(o), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid and the apparent consideration therefor by more than

Is the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later; (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C/104, S. No. 110 (pt) C.T.S. No. 1128, plot No. 14, Village Eksar, Mt. Poinsur, I. C. Colony Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE21292/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

FORM ITNS—

(1) Harkishandas R. Mistry.

(Transferor)

(2) Ishwarlal P. Janani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20860/85-86.—Whereas, I,

Ref. No. ARIV/37EE/20860/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 186, Bldg. No. 3, Ganjawala Apartment, Borivli Ganjawala CHSL, Borivli (W), Bombay-92 situated on Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 186, Bldg. No. 3, Ganjawala Apartment, Borivli Ganjawal CHSL., Borivli (W), Bombay-92,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/20860/85-86 on 1-7-1985,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this no ice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

Seal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(1) Madhukanta M. Vaidya & Ors.

(Transferee)

(2) Bhupendra K. Updhyay.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EL/20972/85-86.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, have a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. D/401, Prem Apts., Saibaba Nagar, Borivli (W),

Bombay-92

situated on Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D/401, Prem Apts. Saibaba Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV/37EE/20972/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-2-1986

(1) Lalit H. Bhatia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vijayaben H. Mehta.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay the 28th February 1986

Rof. No. ARIV/37EE/21084/85-86.--Whereas, J. LAXMAN DAS,

'ocnig the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Ds. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 4, Sahishnuta, Rokhadia Lane, S. V. Road, Borivli

(W), Bombay

situated on Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fuffcen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Sahishnuta, Rokhadia Lane, S. V. Road, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by "the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/21084/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 28-2-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNS———

(1) M/s. Saibaba Developments.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. K. T. Constructions.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned . --

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20866/85-86.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ds. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 1, ground floor, Bldg. C1, Manck Nagar, Punjabi Lane, Borivli (W), Bombay situated on Bombay

situated on Bombay (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Block No. 1, ground floor, Bldg. C1, Manck Nag. Punjabi Lane, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/20866/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 28-2-1986

- (1) Smt. Vidyalaxmi P. Kin.
- (Transferor)

(2) Shri Mahendra M. Shah & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE 20928/85-86.--Wherens, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the stid Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ds. 1.00.000/- and bearing No. Flat No. 33, 2nd floor, A Bldg., Chandavarkar X Road, Borivli (W), Bombay-92 situated on Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than flifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION;—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 33, 2nd floor, A Bldg., Borivli Tulsibaug CHSL., Chandavarkar X-Road, Borivli (W), Bombay-92.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/20928/85-86.on 1-7-1985,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-enid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

(1) Shree Shakti Hsg. & Development Pvt. Ltd. (Transferee)

(Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made is writing to the undersigned :-

(2) Mulchand Kedia,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986 Ref. No. ARIV/37EE/21313/85-86.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the stid Act,), have reason to believe that the immovable

as the stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ds. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. C-602, 6th floor Chitrakot Bldg. C-Wing, Western Express Highway Kulupwadi Rd. Village Kanheri Borivli (E), Bombay-92

situated on Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the 'publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-602, 6th floor, Chitrakoot Bldg., C-Wing, Western Express Highway Kulupwadi Rd, Village Kanheri, Boriyli (E), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/21313/85-86 on 1-7-1985,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

Seal;

(1) Shree Shakti Hsg. I Development Pvt. Ltd. (Transferce)

(Objections, if any, to the acquisition of the said property

<u>...:---. _ . . __</u>

(2) Mrs. Olive D'souza & Mr. Francis L'souza,

may be made is writing to the undersigned :-

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21311/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

oenig the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the stid Act,), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Ds. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-104, 1st floor, Chitrakoot Bldg., B-Wing, Kulupwadi Rd., Village Kanheri, Western Express Highway, Bor-

ivli (E) Bombay-92 situated on Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act, to the following perons, namely:-139-26GI/86

THE SCHEDULE

Flat No. B-104. Ist floor, Chitrakoot Bldg., B-Wing, Kulupwadi Rd., Village Kanheri on Western Express Highway, Borivli (E), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37FE/21311/85-86 on

1-7-1985

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-2-1986

(1) Arihat Builders.

(2) Mrs. R. H. Kamath,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

(Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:-

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/20742/85-86.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

oenig the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ds. 1,00,000/- and bearing No.

Officer at

Flat No. 29, 3rd floor, C-Wing, Amita Apartment, 6th Kasturba Rd., Off. Kasturba Main Rd., Borivli (E), Bombay-66

situated on Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income fax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as %75 defined in Chapter XXA of the said Actshall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 29, 3rd floor, Amita Apartment, 5th Kasturba Rd., Off. Kasturba Main Rd., Borvli (E), Bombay-66

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/20742/85-86 on 1-7-1985.

IAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely in

Date: 28-2-1986

(1) M/s. Roshan Enterprises.

may be made is writing to the undersigned:-

(Transferor)

(2) R. R. Deshpande.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21095/85-86.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ds. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 404, 4th floor, E-Wing, Roshan Apartment, 4th Carter Road, Borivli (E), Bombay-66

situated on Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiiftgen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the entering and ui action sign 10 succeptable of the

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, E-Wing. Roshan Apartment, 4th Carter Road, Borivli (E), Bombay-66

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/21095/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

FORM ITNS-

(1) Mr. V. H. Badlani & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri P. N. Mehta & Shri S. P. Mehta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONEROF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.IV/37EE/21127/85 86 .-- Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 9, A-Wing. 2nd floor, The Borivli Rajdeep Co-op. Sety. Ltd., Catter Road No. 1, Borivli (E), Bombay-66 situated at Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9, A-Wing, 2nd floor The Borivli Rajdcep Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Carter Road No. 1, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR.IV/37EE/21127/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Combay

Date: 28 2 1986

(1) M/s. Avanti Constructions.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. Ravindranath.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONEROF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Rel. No. AR-IV/37EE/20950/85-86.--Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301 & 302, 3rd floot, Maruti, Hanuman Cross Lane, Datta Pada, Borivli (E), Bombay-66 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 209AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction of evasion of tht liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1:xplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

301 and 302, Maruti, 3rd floor, Hanuman Cross Lane, Datta Pada, Borivli (E), Bombay-66.

agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/20950/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-2-1986

(1) M/s. Nikhil Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Darshanlal K. Gulati

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.IV/37EE/20946/85-86.-Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable as the said Act), have reason to ben property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No. 302, 3rd floor, A Wing, Shrinath Nagar, Bonvli (ii), Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the Jair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor A-Wing Shreenath Nagar, Horivli (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, ombay under No. AR-IV/37EE/20946/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DASC Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-2-1986

(1) M/s. Nikhil Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Achal Kumar Jhatta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONEROF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.IV/37FE/30945/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 402 in A-Wing Shreenath Nagar. Botivli Bombav (and more fully described in the Schedule angeved hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Flat No. 402, A-Wing Shreenath Nagar, Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE20945/85-86 on 1-7-1985.

I.AXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 28-2-1986

(1) M/s. Nikhil Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. S. Agrawal & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONEROF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.IV/37E) /21051/86-86.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 205, 2nd floor, B-Wing at Shreenath Nagar Shiv Vallabh Road. Borivli, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of tht liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, 2nd floor, B-Wing Shreenath Nagar Chiv Vallabh Road, Borivli

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AP.IV/371 F/21051/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o fthis notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Scal:

Date: 28-2-1986

persons, namely :-

(1) Shri V. C. Thakkar.

(Transferor)

(2) Shri L. K. Gala.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.IV/37EE/20729/85-86.--Whereas, I. LAXMAN DAS.

bonig the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act.), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-10, Borivii Codavari Co.op. Hsg. Sety. Ltd., Posityi (41) Borrhuy 66

Borivli (E), Bombay-66 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under nas been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 140--26GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-10, Boriyli Godavari Co.op. Hsg. Sety. Ltd., Borivli (E) Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No ARAV/2712-/20729/85-86 Authority, on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-2-1986

FORM LT.N.S

(1) M/s. Arihant Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. Vimla V. Kothari & Ors.

may be made in writing to the undersigned :---

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Acf. No. AR.IV/37EE/20847/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immov-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1987);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLAMATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 14, ground floor, B Wing, Plot Nos. 14 & 19 Desai & Sheth Nagar, behind Saibaba Dham, off. S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-iV/37EE/20847/85-86

on 1-7-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1036

FORM ITNS...

(1) B/s, Manek & Associates.

(Transferor)

(2) M/s. Kwality Egg Centre.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21295/85-86.—Whereas I, LAXMAN DAS. being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred income-ux Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referre to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 9, Ground floor, Ajanta side, Manek Nagar, Borivli (W), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesai exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Worlth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said * Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, ground floor, Ajanta side, Manket Nagar, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR.IV/37EE/21295/85-86 Authority, J on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-2-1986

FORM I.T.N.S .--

(1) Mr. Dilip Mahavir Jain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Ujamben B. Tank.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.IV/37EE/20830/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding.

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 6, ground floor, Madhusudan Terrace, Kastur Park, TPS III, Berivli (W), Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1977):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, ground floor, Madhusudan Terrace, Kastur park, TPC III, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, 3 on 1-7-1985. Bombay under No. AR.IV/37EE/20830/85-86

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay Acquisition Runge-IV Bombay

Date: 28-2-1986

(1) D. R. Hemani & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) V. L. Shah & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARIV/37EE/21017/85-86.--Whereas, I.

Ref. No. AR.IV/3/EE/21017/85-80.—whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 23, Goyals Shopping Areade, plot No CTS 2780 S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92 situated at Rombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the particular transfer are agreed to between the particular transfer are the particular transfer. ween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 23, Goyals Shopping Arcade, plot No. CTS 2780, S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/21017/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-2-1986

Scal:

FORM ITNS----

(1) P. P. Chaudrasekharan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Velji Narchi & Shri A. Narshi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. ARAV/37EE/2t167/85-86, -- Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 12, Borivli Katikush Premises Co-op. Society Itd., Dattapada Road, Borivli (12), Bombay-66

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority of Rombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(A) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 12, Borivli Laukush Premises Co.op. Society Ltd., Dattapada Road, Borivli (12), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Authoriey, Bombay under No. AR.IV/37EE/21167/85-86 on 1-7-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Hombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely .-

Date: 28-2-1986

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri K. S. Agwan & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.IV/37EE/20758/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 9, ground floor, Surya Darshan, Borivli (E),

Bombay-66

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-

(b) facilitating the conceaument of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ing persons, namely :-

(2) M/s. Chaursia Corporation.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the rame meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, ground floor, Surya Darshan, Borivli (E),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.IV/37EE/20758/85-86 on 1-7-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-2-1986

Seal ·

(1) Shri Shakti Hsg. & Development Pvt. Ltd. (Transferor)

(Objections, if any, to the acquisition of the said property

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. Omprakash Agarwal & Ors.

may be made is writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Rombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV₁'37EE/21310/85-86.--Whereas, I. I.AXMAN DAS,

benig the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'stid Act,), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ds. 1,00,000/- and bearing No. Rs. 1,00,000/- and bearing

Ry. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-102, 1st floor Chitrakoot Bldg. B-Wing, Kulupwadi Rd., Village Kandheri Western Express Highway Borivli (F), Bombay-92.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which i less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concetlment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the sate of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the saute meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDUL

Flat No. B-102, 1st floor Chitrakoot Bldg. B-Wing, Kulupwadi Rd., Village Kandheri Western Express Highway Borivli (E), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority under No. AR-IV/37EE/21310x85-86 on 1-7-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 28-2-1986

(1) Shri Shakti Hsg. & Development Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Indicon Chemicals.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21312/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said 'ect', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. C-402, 4th floor Chitrakoot Bldg. C-Wing Kulupwadi Rd., Village Kanheri Borivli (E), Bombay-92, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

(and more fully described in the Schedule annexed nereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely '-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45. days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-402 4th floor, Chitrakoot Bldg. C Wing Kulupwadi Rd., Village Kanheri Borivli (E), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/21312/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 28-2-1986

Seal:

141-26GI/86

FORM ITNE.

(1) Shree Shakti Hag. & Development Pvt. Ltd. (Transferoi)

(2) Mr. Suresh Bheda & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21314/85-86.---Whereas, 1. LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-603, 6th floor Chitrakoot Bldg., B-Wing, Kulupwadi Rd., Village Kanheri Borivli (E), Western Express Highway, Bombay-92.

way, Bombay-92.

way, Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income prising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chester.

THE SCHEDULE

Flat No. B-603, 6th floor Chitrakoot Bldg., B-Wing, Kulupwadi Rd., Village Kanheri Borivli (F), Western Express Highway, Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/21314/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons.

Pate : 28-2-1986

FORM ITNS----

(1) Shree Shaktı Hsg. & Development Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) Narender Kedia.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21309/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 hody and bearing No.

rlat No. C-604, 6th floor, Chitrakoot Bldg. C-Wing, Western Extress Highway, Kulupwadi Rd., Village Kanhert, Bortvir Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the effice of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor

Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Hat No. C-604, 6th floor, Chitrakoot Bldg. C-Wing, Western Express Highway, Kulupwadi Rd., Village Kanheri, Borivli (F), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority under No. AR-IV/37EE/21309/85-86 on 1-7-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid properly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date : 28-2-1986

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE (NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21315/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

as the said Act) have least to believe that the said Res. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. C-601, 6th floor Chitrakoot Bldg., C-Wing, Western Express Highway, Kulupwadi Rd., Village Kanheri, Borivli

(E), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shree Shakti Hsg. & Development Pvt. Ltd.
 (Transferor)
- (2) Muralilal Kedia,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-601, 6th floor Chitrakoo! Bldg., C-Wing, Western langus Highway, Kulupwadi Rd., Village Kufneri, Borivli (E) Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, under No. AR-IV/37EE/21315/85-86 on 1-7-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

· · · · : 28-2-1986

Scal:

FORM TINS

(1) Shri Shakti Hsg. & Development Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDL:R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, Bajaj Electricals.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, SOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21162/85-86.---Whereas, 1, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Compet it Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. 19a. No. C-201, 2nd floor, Chitrakoot Bldg., C Wing, Viewern Narcas Highway Borivli (E), Bombay-92. (and taore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to felieve that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than affecting per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. - The terms and expressions used herein as are delired in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the weathness Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

190 No. C-201, 2nd floor, Chitrakoot Bldg., C-Wing, Western Copiess, Highway Borivli (E), Bombay-92.

the agreement has been registered by the Competent Authority, under No. AR-IV/37EE/21162/85-86 on 1-7-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, the efore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Title : 28-2-1986

_. -= --=-

FORM ITNS-

(1) Shree Shakti Hsg. & Development Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) M/s. Bajaj Electricals,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV, 37EE, 21161/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- are bearing No. Plat No. B-201, 2nd floor Chitrakoot Bldg. B-Wing, Western Express Highway, Kulupwadi Road, Village Kanheri,

Rorivii (E), Bombay-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-203, 2nd floor Chitrakoot Bldg. B-Wing, Western Express Highway, Kulupwadi, Road, Village Kanhert, Borivli, Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EF/21161/85-86 on

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-2-1986.

FORM ITNS----

(1) Shree Shakti Hsg. & Development Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) M/s. Bajaj Electricals.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE AV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV 37EE 21160 85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000.'- and bearing No. Flat No. 8-202, Chitrakoot Bidg., B-Wing, Western Express Highway, Reiupwelli, Village Kanheri Borivii (E), Rombay 92

Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and the agreement is registered under Section 269AB of the Jacome-tax Act 1961i n the office of the Competent Authority at

- for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-202, Chitrakoto Bldg. B-Wing Wesern Express Highway, Kulupwadi Koad, Village Kanheri Borivli (E), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/21160/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition: Range-IV Bombay

Date: 28-2-1976.

FORM I.T.N.S.----

(1) Shice Shakti Hsg. & Development Pvt. Ltd. (Transferor)

(2) M/s. Bajaj Electricals.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV ВОМВЛҮ

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/21159/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, become a fair market value as receding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Flat No. C-204, 2nd floor Chi, akout Bidg, C-Wing, Kulupwadi Road, Eas eth Express Highway Villagt Kanheri. Bogivil (E) Rombay-92

Borivli (E), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Ac shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. C-204, 2nd floor, Chitrakoot Bldg. Kulupwadi Road, Western Express Highway Village Kanheri, Borivli (E), Hombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/21159/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in purmanee of Section 269C of the must Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:---

Date: 28-2-1986.

Seai :

(1) Shree Shakti Hsg. & Development Pvt. Ltd. (Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(2) H. C. Purshnani & Ors.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. ARIV/37EE/21157/85-86.—Whereas, 1, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-601, 6th floor Chitrakoot, Kulupwadi, Kankeri Village, Borivli (E), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of hte transferor to pay tax under the said Act, in resped of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-601. 6th floor, Chitrakoot Bldg., Kulupwadi Kanheri Village, Borivli (E), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21157/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the raid Act, to the following persons, namely :-142-26GI/86

Date: 28-2-1986.

- (1) Shree Shakti Hsg. & Development Pvt. Ltd. (Transferor)
- (2) Mrs. Asha Sabu.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 28th February 1986

Ref. ARIV/37EE/21156/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. C-304, 3rd floor, Chitrakoot C Wing, Kulupwadi Pood Village Kanhori Wastern Express Highway Poolidi

Road, Village Kanheri, Western Express Highway, Borivli (E), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afercaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afercasid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Objections, if any, to the acquisition of the said property - may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-304, 3rd floor, Chitrakoot C-Wing, Kulupwadi Road, Village Kanheri Western Express Highway, Borivli (E), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21156/85-86 on

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-2-1986,

FORM ITN

(1) Kantaben G. Jangla.

(Transferor)

(2) S. J. Vansara,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. ARIV/37FE/21119/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 3, ground floor, Jaitirth Co-operative Hsg. Socy. Ltd. Daulat Nagar, Plot No. 189, Road No. 1, Borivli (E), Pombay 66

Bombay-66. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the caid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, ground floor, Jaitirth Co-operative Hsg. Scty. Ltd., Daulat Nagar, Plot No. 189, Road No. 1, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21119/85-86 on 1-7-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 28-2-1986.

(1) Shri Ashok Kumar K. Goel.

(Transferor)

(2) Smt. R. B. Mistry,

(Transferee)

WOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. ARIV/37EE/21088/85-86.—Whereas, I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 20, 3rd floor, A-28 Building, Daulat Nagar, Parith (F). Parthey (F).

Borivli (E), Bombay-66

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesall exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Persons, mamely -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as herein as ure defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 20, 3rd floor, A-28 Building, Daulat Nagar, Borivli (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/21088/85-86 on 1-7-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 28-2-1986.

Scal:

- (1) Smt. T. S. Pangam.
- (Transferor) (2) Smt. H. H. Bagwe

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-IV/37EE/20901/85-86.—Whereas I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the sate Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 30, Hud floor Survey No. 26, Hissa No. 1 (pt) & 2, C.T.S. No. 544, B. Mauje Kanheri, Tal Borivli (E),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said insucovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 30, IIIIrd floor, Survey No. 26, Hissa No. 1 (pt.) & 2 (pt.) C.T.S. No. 544-B, Mauje Kanheri, Taluka Borivli, (E), Bombay-66.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/37EE/29901/85-86 on

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986.

Scal •

(1) Mr. K. B. Joshi.

(Transferor)

(2) Mr. Madhukar K. Sanc.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22134/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAÝ,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 103, A bldg., Railwaymen's Apna Ghar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Mogra village, Andheri (E), Bombay-69 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, A bldg., Railwaymen's Apna Ghar Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Mogra village, Andheri (E), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22134/85-86 Authority, on 1-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-3-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Flexi Pack.

- (Transferor)
- (2) M/s. Flamex Industries

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22182/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Auhority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit 13, ground floor, Damji Shamji Indl. Complex, Mahal Indl. Estate, Mahakali Caves Rd., Andheri (E), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act, in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evanion of the limbility of the transferor to pay tex under the said Act, is respect of any iscome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immewable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 13, ground floor, Damji Shamji Indl. Complex, Plot No. 28, Muhal Indl. Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22182/85-86 on 1-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 28-2-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Yasmin Merchant.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22188/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Anthority under Section 249B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 205, 2nd floor, Bldg. No. B, Plot No. 18, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Rd., Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at the Competent Authority at Bombay on 1-7-85

nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fuir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and/en
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforced persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gaustie.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205, 2nd floor, Bldg. No. B, Plot No. 18, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22188/85-86 on 1-7-1985.

PRASANTA RAY-Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1986

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. Pritam Singh & Mr. Kapoor Singh Ghuman.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Cadbury Construction Co.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22227/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 87, Shere Punjab Co-op. Hsg. Society Ltd., Andheri (East), Bombay-93

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the said Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 87, Shere-Punjab Co-op. Housing Society Ltd., Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22227/85-86 on 4-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
143—26GI/86

Date: 3-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Virat Constructions.

(Transcror)

(2) Mrs. Greta Miranda.

(Transcree)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22248/85-86 —Whereas, I,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Hlat No. M-12, Marol Village, Bombay-59.
(and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 4-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to better than the parties has not been truly clearly in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. M-12, Minakshi Apartments, S. No. 160 H. No. 3, Marol Village, Bombay-59,
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22248/85-86 on 4-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 28-2-1986 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the coresaid preserty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersons, namely :-

15893

FORM ITNE-

(1) Naseema Usman Surty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Auropack.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th March 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22250/85-86.—Whereas I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 41, Nand Dham Industrial Estate, Andheri (E), Bombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preparty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from he service of metics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as 21ven in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liabilty of the transferor to pay tax under the Sad Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other arests which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax

Act, 1957 (27 of 1957).

Unit No. 41 & 42 of 'F' building, Nand Dam Industrial Estate at Marol-Maroshi Road, Off Kurla-Andheri Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22250/85-86 on 4-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-3-1986

(1) M/s. Bhartiya Traders.

(Transferor)

(2) M/s. Everglow Industries.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th March 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22282/85-86.--Whereas, I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 73 1st floor, Apollo Indl. Estate, off. Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the structure of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 73. 1st floor, Apollo Indl. Estate, off. Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22282/85-86 on Competent 5-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance or Section 209°C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-3-1986

Scal;

(1) M/s. Saurabh Tradng Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mrs. Pramla B. Khurana.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-IL BOMBAY

Bombay, the 4th March 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22283/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 11 with basement, Nandghanshyam Ind. Estate, Andheri (E), Bombay-93.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-7-1985

Competent Authority at Bombay on 5-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 11 with basement Nandghanshyam Ind. Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22283/85-86 on 5-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following narrops namely:—

Date: 4-3-1986

Scal :

(1) M/s. Dwarkesh Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Spectrum Computer Services Pvt, Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 4th March 1986

Rcf. No. AR-II/37E/22284/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 56, 1st floor, Apollo Indl. Estate, Mahakali Caves
Road, Andheri (E), Bombay-93.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the said Act, 1961 in the office of the
Competent Authority at Bombay on 5-7-1985
for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 56, 1st floor, Apollo Indl. Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22284/85-86 en 5-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following mersons, namely :-

Date: 4-3-1986

Seal

(1) Mrs. Nazeema Usman Surty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961) (2) Mrs. Niranjana M. Jariwala, Mrs. Jayshree J. Jariwala.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMB-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th March 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22301/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Co.op. Society Ltd Bombay-59.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), b.s been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) insilitating the reduction or evasion of the limitity of the transferor to pay tax under the sold Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (21 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tax Act, 1957 (27 of 1937)?

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby hittiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Gala, Unit No. 42 Marol Nand-Dham Industrial Estate, Marol Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22301/85-86 on 5-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-3-1986

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2 Shrl S. P. Chauhan

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22326/85-86.--Whereas, I, PRASATNA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reseon to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Flat No. 1, Bhawani Nagar, Andheri East, Bombay-59,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income wrising from the transfer und/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Building No. 4, Bhawani Nagar, Plot No. 7 Marol Maroshi Road, Andheri (east), Bombay-59. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22326/85-86,

on 5-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the followpersons, namely :-

Date: 28-2-1986

- (1) Mr. B. J. Albuquer
- (Transferor)
- (2) Smt. Sulckhabee S. K. Haroon,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22405/85-86.—Whereas, I PRASANTA RAY

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5, 2nd floor, Albuquer Apts., CST No. 114 Bomanwada, Bombay-99 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the falt market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days m the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, 2nd floor, Albuquer Apts., CTS No. 114, Bomanwada, Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22405/85-86, on 5-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 3-3-1986

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely :---144-26GJ/86

(1) Shri Rasiklal Bhogilal Shah

(Transferor)

(2) M/s. India Impex

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP.TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th March 1986

Ref. No. AR-II/37EF/22478/85-86.—Whereas I. PRASANTA RAÝ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act"), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Unit No. 24, Nandghanshyam Industrial Estate

Andheri (F) Bombay-93

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 8-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Extranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 24, 1st floor, Nandghanshyam Industrial Estate Off. Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombuy-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR.II/37EE/22478/85-86, on 8-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-take Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-3-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY Bombay, the 4th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22506/58-86.--Whereas, I PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immersible property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 17, Bldg. No. 7, Sukhdayak Co.op. Hsg. Society Ltd. Andheri (East), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Manjit Singh Jagat Singh Chandhok Shri Bhupinder Singh Jagat Singh Chandhok Shri Harsharan Singh Jagat Singh Chandhok

Shri Paramjit Singh Jagat Singh Chandhok.

(Transferor)

(2) Smt. Bhagirathidevi Ramnath Dalmia Shri Prakashchand Ramnath Dalmia

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesild persons within a period of 45 ditty from the date of publication of this notice hi the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever peoled employe latest
- (b) by any other person interested in the said immovable in 46 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as into defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as Act. gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17, Building 'C', Sukhdayak Co.op. Housing Society Ltd., J.B. Nagar, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22506/85-86 on 11-7-1985,

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-3-86

FORM ITNS----

(1) Shanil Trust

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jesta Processors & Printers.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th March 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22512/85-86.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under lncomc-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 6, Luthra Indl. Premises Co-op. Hsg. Soc.

No. Unit No. 6, Luthra Indl. Premiscs Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Safaid Pool, Andheri-Kurla Road, Sakinaka, Bombay-72.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985

at Bombay on 11-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 6, Luthura Indl. Premises Co.op. Hsg. Soc. Ltd., Safaid Pool, Andheri-Kurla Road, Sakinaka, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22512/85-86, on 11-7-1985.

PRASANTA RAY

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-3-86

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22521/85-86.—Whereas, I PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 215, Ansa Industrial Estate, Saki Vihar, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Ansa Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Harismita Suresh Pathak Mrs. Veena S. Vyas

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Unit No. 215, H-Building, 2nd floor, in Ansa Industrial Estate, Saki Vihar, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22521/85-86, on 11-7-1985

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 28-2-1986

- (1) M/s. Ansa Builders.
- (Transferor)
- (2) Smt. Snoal Rajendra Mehta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22522/85-86.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the imbeing the Competent movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 203, H-Building, Ansa Industrial Estate, Andheri (East), Bombay-69

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have resson to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evalen of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, is respect of any income arising from (be and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

HE SCHEDULE

Unit No. 203, on 2nd floor in 'H' Building in Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Chandivali Road, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22522/85-86, on 11/7/1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestian property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, In mely :-

Date: 28-2-1986

Scal:

FORM ITNS----

(1) M/s. Suparix Family Trust.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Ansa Builders.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th March 1986

Ref. No. AR.II/37EF/22523/85-86.—Whereas, L. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Unit No. 102, 1st floor, A1 Bldg., Ansa Indl. Estate,

Saki Naka, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

Objections, if any, to the acquisition of the said property

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

may be made in writing to the undersigned :-

(o) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 102, 1st floor, A1 Bldg., Indl. Estate, Saki Naka,

The agreement has been registered by the Authority, Hombay under No. AR.II/37EE/22523/85-86, on 11-7-1985 Competent

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-3-86

(1) M/s. Ansa Builders

(Transferor)

(2) Smt. Sonal Rajendra Mehta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

ef. No. AR.II/37EE/22524/85-86,—Whereas, I, RASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 229, H-Building, Ansa Industril Estate, Saki Naka

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Unit No. 102, 1st floor, A1 Bldg., Ansa Indl. Estate, Estate, Saki Naka, Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22524/85-86, on Saki Naka, ombay.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax-Acquisition Range-II. Bombay

Dated: 28-2-86.

(1) M/s. Ansa Builders.

(Transferor)

(2) Mr. Sudesh S. Shetty

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22525/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Unit No. 235, 2nd floor m 'I' Bldg. in Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Andheri (East), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Unit No. 235, 2nd floor in 'J' Building in Ansa Industrial Estate, Eaki Naka, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11/37EE/22525/85-86, on 11-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afo esaid proceety by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followin persons namely:—

145---26GI/86

Dated: 28-2-86.

(1) Shri Soparkar Suresh Dattatraya

(Transferor)

(2) M/s. R. A. Engineers.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22532/85-86.—Whereas. I. PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Industrial Shed No. 40, Shivshakti Industrial Estate, Off
Andheri Kurla Rd. Andheri (East) Bombay-69

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Sald Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saturated Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Charter XXA of the said Act, shall have the sam, meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Shed No. 40, Ground floor, Phase III Shiv Shakti Industrial Estate, Andheri Kuvla Road, Andheri (East), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37FE/22532/85-86, on 11-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 28-2-86,

(1) M/s. Sarvodaya Enterprise

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gajanan Shantaram Jadhav & Shri Madhukar Shantaram Jadhav

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22760/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 66, 1st floor Apollo Industrial Estate, Andheri (E),

Bombay-93

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at ombay on 16-7-1985

for an apparent consideration which is less than the feir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the state of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 66, Apollo Industrial Estate Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22760/85-86, on 16-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate a occording for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 28-2-86.

FORM ITNS----

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Stephen Nelson Soares & Mrs. Ruby I Soares

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

R.J. No. AR.H/37EE/22837/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Composent Authority under Section 269B of the income tax. Act, 1961 (43 of 1961) therematter telerred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, Bldg. No. 3, Bhawani Nagar, Andheri (W),

Bombay-59

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par-ties has not been truly stated in the said instrument of trans-fer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the add axes able property, within 45 days from the date of the publication of this motice in the Official Guzzette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as vi that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. Building No. 3, Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22837/85-86, on 19-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Juspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 28-2-86.

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Simon P. D'Souza.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22839/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
16th No. 7, Bldg. No. 1, Bhawani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later: whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said mmovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor of Building No. 1, Plot No. 10 in Bhawani Nagar, at Moral Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22839/85-86 on 19-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I he cby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following erson, namely:--

Dated: 28-2-86.

(1) Miss Kavita Kotumal Mirwani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME.

(2) M/s. Emkay Colour-Chem of India.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22845/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 209, 2nd floor, B block, Hind Saurashtra Indl. Estate, Andheri-Kurla Road, Andheri (E) Bombay-59 (cm.), move fully described in the Schedule approved becate)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transforred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair coarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 209, 2nd floor, B block, Hind Saurashtra Indl. Estate, Andheri-Kurla Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. U/37EE/22845/85-86, on

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; 340 /44
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Bombay

Acquisition Range-II,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Dated: 4-3-1986

Seal:

19-7-1985.

(1) M/s Ansa Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) M/s Printset

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22862/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 249B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and boaring Unit No. 204, H-Building, Ansa Industrial Estate, Saki Vihar, Andheri (East), Bombay-59

(and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believ that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, hi respect of any income arising from the transfer; sad/ev
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used Lerein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 204 on 2nd floor in 'H' Building, in Ansa Industrial Estate, Saki Vihar, Andheri (Fast), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22862/85-86 on 19-7-1985

> PRASANTA RAY Cmpetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 28-2-1986

(1) M/s. Ansa Builders.

(Transferor)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Hem Plastics

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR,11/37EE/22863/85-86,—Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 222 in 'ff' Bldg. Ansa Industrial Estate, Saki Naka,
Andheri (East), Bombay

Andheri (East), Bombay

Andheri (East), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 222 'H' Building on 2nd floor in Ansa Industrial Estate, Saki Naka, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22863/85-86 on 19-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Date: 28-2-1986

(1) M/s. Ansa Builders.

(Transferor)

(2) M/s New York Plastic

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR,II/37EE/22864/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

rkasanta Ray, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 221, 'H' Building Ansa Industrial Estate, Andheri (East), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; endlor
- (b) facilitating the conscelment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now: therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follow-Ine persons, namely :--146-26GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immunable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used, herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 221, 2nd floor in 'H' Building, in Ansa Industrial Estate, Saki Vihar, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22864/85-86, on 19-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 28-2-1986

(1) Jehangir Builders

(Transferor)

(2) Radheyshyam Vishwa Karma

(Transferee)

HOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **BOMBAY**

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22871/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 304, Hawa Apartments Mahakali Caves Road,
Andheri (B), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 19-7-1985

40

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent enosideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income ariting from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this totice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective n persons, whichever period expires later (
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304, B-Wing, Hawa Apartments, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22871/85-86 on 19-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-rax Acquisition Range-H, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ing persons, namely :---

Date: 28-2-1986

(1) Mohinder Kaur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Devendra Nath Narula

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22878/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Flat No. 2, Sher-E-Punjab Co-operative Hsg. Society Ltd., Andheri (Past), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the paragraph is registered under

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the

Competent Authority at Bombay on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by proper than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 2, Sher-E-Punjab Coop. Housing Society Ltd., Mahakali caves Road, Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22878/85-86, on 19-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Whalth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 4-3-1986

FORM ITNS----

(1) Shri Yogesh Ramjibhai Rasania.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Khyati Offset.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22897/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 119, Damji Shamji Indl. Complex, 28 Mahal Indl.

Unit No. 119, Damji Shamji Indl. Complex, 28 Mahhl Indl. Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genetic or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in seepest of any income arising from the transfers and cor.
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 119, Damji Shamji Indl. Complex, 28 Mahal Indl. Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/22897/85-86 on

19-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 4-3-1986

Scal:

(1) Deepak Builders Pvt. Ltd.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anant Laxman Kale

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR. II/37EE/23024/85-86.--Wherens, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 601, Bhawani Nagar, Andheri (East), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly strend in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealeent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor of Building No. A, Plot No. 18 in Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East) Bombay-400 059.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/23024/85-86 on 25-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 28-2-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/23047/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 405 4th floor in 'E' Bldg. Pump House, Anheri (East),

Bombay-69

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair tharket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid saceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

va) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act., 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following nersons, namely :-

(1) Mrs. Bhavna Gautam Kapadia

(Transferor)

(2) Mrs. Sudhaben Vrajlal Vora

(Transferce)

(3) Transferor

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 405, 4th floor in E Bldg, at Manish Park Rajmata Jijabai Marg, Pump House, Andheri (East), Bombay-400 009.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/23047/85-86 on 25-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 4-3-1986

FORM I.T.N.S.-

The Control of the Co (1) M/s. Ghanshyam Enterprise

(Transferor)

**OTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Prabhaben Bhogilal Amin

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/23071/85-86.--Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Unit No. 53, Apollo Industrial Estate, Andheri (E) Bombay-93 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in corporate of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any were or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following PKT9 'IS, namely :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 53, Apollo Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/23071/85-86, on 26-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 4-3-1986

Scal;

(1) Mr. Jyoti Shankar Nandi.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mancon Enterprise,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR II/37EE/23135/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
CTS No. 209 & 210, S. No. 134, H. No. 1, Nandini, Corner
of Andheri Kurla Road & Suren Road, Andheri (E), Bombay
(and more fully described in the Scheduled annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of
the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeseid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infinen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ranafer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tay Act, 1957 (27 of 1957). Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land, C.T.S. No. 209 & 210, S. No. 134, H. No. 1, Nandini Corner of Andheri Kurla Road, & Suren Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/23135/85-86, on 26-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-3-1986

Scal:

(1) Devinder Kaur

(Transferor)

(2) Smt. Saroi G. Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/23163/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 11, C Bldg., Sukhdayak Society, J. B. Nagar, Andheri (E), Bombay-59,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely : -147-26GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Sukhdayak Society, J.B. Nagar, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/23163/85-86, on 26-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 4-3-1986

Scal:

(1) Deepak Builders Pvt, Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Cyril Martis & Mrs. Theresa Martis

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR. II/37E/23179/85-86.—Whoreas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 8, Building No. 4, Bhawani Nagar, Andheri (East),

Bombay-59,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sectin 269AB of the Said Act, in the office of

the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which htave not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd floor Building No. 4, Plot No. 10 Bhawani Nagar at Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/23179/85-86, on 26-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 28-2-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the jame of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Rollicks Industries

(Transferor)

(2) M/s. Nitesh Textiles

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIGNER OF INCOME-TAX COMMES

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/23183/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Gala No. B/30, Nand Jyoai Industrial Estate, Kurla-Andheri

Road, Bombay-400072

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the office of

the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Gala No. B/30, 1st floor, Nand Jyot Industrial Estate,

Kurla-Andheri Road, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/23183/85-86, on 26-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 4-3-1986

Scal:

FORM ITNS-

(1) Opindersingh Avtar Singh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(2) M/s. Mansukhani Builders.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/23228/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 134, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Rombay-93

Bombay-93

(and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred and the agreement is registered under Sectin 269AB of the Said Act, in the office of

the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Flat No. 134, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay-93.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/23228/85-86, on 29-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 3-3-1986

(1) Shri Dinesh Bhagwandas Parikh

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Huned Gulmali Kadri

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/32415/85-86.—Whereas, 1, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 107, 1st floor of Ansa AB. Industrial Premises Co. op. Housing Society Ltd., Ski Vihar Road, Audheri (East).

Bombay-72

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sectin 269AB of the Said Act, in the office of

the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 107, 1st floor of 'Ansa A-B Industrial premises Co. op. Housing Society Ltd. Saki Vihar Road, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/32415/85-86, on 11-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 4-3-1986

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

(1) Sardar Kartar Singh Sabharwal Trust

(Transferor)

(2) M. Balasubramanya

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/32418/85-86.--Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and btaring No.
121A Ansa A-B Industrial Premises Co. op. Housing Society

Andheri (East), Bombay-72

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruppur has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property a may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flot No. 121-A Ansa A-B Industrial Premises Co. op. Housing Society Ltd., Saki Vihar Road, Bombay-72.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 11/37EE/32418/85-86, on 29-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Dated: 4-3-1986

(1) Sudhir Khanderao Sahuni

(Transferor)

NATICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Arun Moreshwar Mantri

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22271/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 4, Abdumber Co. op. Housing Society Ltd., Vilr Parle (E), Bombay-57

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sectin 269AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mare than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Audumber Co. op. Housing Society Ltd., 19, Tilak Mandir Road, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 11/37EE/22271/85-86, on 5-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bembay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 4-3-1986

FORM I.T.N.S.--

(1) Miss Nafisa Z. Khapra.

(Transferor)

'(2) Shri Jawaharlal Dahyalal Karia & Ors

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 4th March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22327/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and btaring No.

Shop No. 1, ground floor, Laxmi Nilayam, Nanda Patkar Street, Vile Parle (E), Bombay-57

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sectin 269AB of the Said Act, in the office of

the Competent Authority at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evacion of the link of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income artifact from the transfers and/er

(b) facilitating the constalment of any ince moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afercaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, ground floor, Laxmi Nilayam, Nanda Patkar Street, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/22327/85-86, on 5-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Dated: 4-3-1986

(1) M/s. Jayshree Builders (India).

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Vinod Girdhardas Shah.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No AR. 11/37EE/22403/85-86.--Whereas, I PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 305, Pushpak Apartment, 147 Malviya Road, Vile Purle Rombay. 57

Parle, Bombay-57

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under Sectin 269AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the coenealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 305, Pushpak Apartment, 147 Malviya Road, Vile

THE SCHEDULE

Parle, Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/22403/85-86, on 5-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-148-26GI/86

Date: 28-2-86

(1) Smt. Sairkunwar R. Deora.

(Transferor)

(2) Shri Hitendra P. Zaveri & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22445/85-86.-Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301, 3rd floor, Jai Apartment, Dixit Road, Vile

Parle (E), Bombay-55

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sectin 269AB of the Said Act, in the office of

the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrumen; of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this moitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the traveler; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 301, Jai Apartment, 3rd floor, Dixit Road, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/22445/85-86, on 8-7-1985,

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 4-3-1986

FORM ITNS ---

(1) M/s. Jayshree Builders (India).

(Transferor)

(2) Mr. Lakhabhai Bhanabhai Ghogharl,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 28th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22528/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and btaring No. Flat No. 402, 4th floor,

Pushpak Apartment, 147 Malaiya Road, Vile Parle (E),

Bombay-57.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, 4th floor, Pushpak Apartment, 147 Malaiya Road, Vile Parle (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22528/85-86 on 11-7-1985.

> PRASANTA RAY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 169D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 28-2-86.

Scal:

(1) M/s. Dhanlaxmi Builders.

(Transferor)

(2) Smt. Rekha B. Humad & Sh. Bhupendra Humad

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bomboy, the 4th March 1986

Ref. No. ΔR.Π/37EE/22537/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and btaring No. Shop No. 6, Dhanlaxm; Mahal, Nanda Patkar Road, Vile Parle (East), Bombay-57. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under being the Competent Authority under Section 269B of the

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any ruoneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Dhanlaxmi Mahal, F.P. No. 218/219 Nanda Patkar Road, Vile Parle (East), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22537/85-86,-4 on 11-7-1985.

PRASANTA RAY. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-3-1986

(1) Mr. V. V. Joshi,

(Transferor)

(2) Ratanshi Ashdir Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22551/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block No. 11, 'K' Bldg.

Nav-Prabhat Co.op. Hsg. Society

Ltd. Vile Parle (E),

Bombay-57.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Authority at Bombay on 11-7-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration to the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by these than fifteen part const of the property as and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlog

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The forms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 11, 'K' Building Nav-Prabhat Co.op. Hsg. Society Ltd., Hanuman Road, Vile Parle (East), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent, Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22551/85-86 on 11-7-1985.

> PRASANTA RAY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 4-3-86.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22847/85-86.---Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing No Flat No. A/107, 'Badridham' Vile Parle (E)

Bombay-57.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respest of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Nirmala Vinod Mania Rekar.

(Transferor)

(2) Mrs, Rekha Mohan Karandikar.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property) -

(4) Transferee.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same n eaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A/107, Bardidhan Society, Dixit Road, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22847/85-86 on 19-7-1985

> PRASANTA RAY, Competent Authority ← Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Date: 4-3-1986

(1) Mr. Yashwant Y. Jawale.

(Transferor)

(2) Mrs. Maniben Bhanjibhai Patel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wrising to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPETCING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 4th March 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22879/85-86.—Whereas I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the imto as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 302, 3rd floor, Sankalpa Co.
Op. Hsg. Society Ltd.,
Vile Parle (E), Bombay-57.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the convergent in the schedule.

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

Flat No. 302, 3rd floor, Sankalpa Co.op. Hsg. Society Ltd. 23-B/2, Subhash Road, Vile Parle (East) Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22879/85-86, on 19-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 4-3-86.

Scal:

(1) Kishanchand Kalumal Nasta.

(Transferor)

(2) Sh. Mohan Madhay Kulkarni.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR.II/37EE/23099/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY. bein_{is} the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 21, ground floor, Plot No. C.S. 239, Jeevan Vikas Marg, Vilc Parle (E), Bombay-57.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-7-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21, ground floor, Plot No. C.S. 239, Jcevan Vikas Marg, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/23099/85-86, on 26-7-1985.

> PRASANTA RAY. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 3-3-86, Scal:

(1) Satyam Builders.

(Transferor)

(2) M/s. KK Alu Foil.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22171/85-86.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 31 in Satyam Industrial

Estate, at Jogeshwari (E),

Bombay-60.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer und for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weal:h-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 2600 of the said Act, to the following persons, namely;— 149—26G186

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Gala No. 31 in Satyam Industrial Estate at Jogeshwari (East), Bombay-60,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22171, 85-86, on 1-7-1985.

> PRASANTA RAY. Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Rombay.

Dated: 25-2-86.

FORM ITNS—

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Ahmed A Ibrahim Goghari.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR.II/37FE/22275/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. Flat No. 501, Building No. 6 Oshiwara, Jogeshwari (West),

Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-7-1985

tor at apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respec of any income arising from the transfer; andlor

(b) (acting the concentment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metice oil the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used breein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 501 Building No. 6, Oshiwara Behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22275/85-86, on 5-7-1985.

> PRASANTA RAY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D o fthe said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 25-2-86.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Ziauddin Bukhari,

(Transeror)

(2) Shaikh Haroon Shaikh Jamal.

(Transcree)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR.11/37EE/22402/85-86.—Whereas, J, PRASANTA RAY,

PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 201, Building No. 20 Oshivara, Jogeshwari, Bombay-58

Rombay-58.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more then fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- is a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any inoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incone-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesas; persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovements purports, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 201, building No. 20, floor No. 2 Othivara, Andher; (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22402/85-86, on 5-7-1985.

> PRASANTA RAY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Dated: 25-2-86,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22591/85-86.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.)

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Gala No. 14, Satyam Industrial

Estate, Jogeshwari (East)

Bombay-60,

11-7-1985

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and / or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Satyam Builders.

(Transferor)

- (2) Mehta Investment & Trading Corporation. (Transferee)
- (3) Transferor. (Person in occupaton of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 14, in Satyam Industrial Estate Ground floor at Jogeshwari (East), Bombay-60,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE, 22591/85-86, on 11-7-1985.

> PRASANTA RAY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 25-2-86.

FORM ITNS-

(1) Ziaudd'in Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Abdul Ghaffar Mohd, Husain Ghazali, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 25th February 1986

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR.II/37EE 22643. 85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 604, Building No. 22, Oshivata, Bombay-58.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 604, Almakkah, Bldg. No. 22, forming part of S. No. 41 of village Osbivara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37Eft 22643 85-86, on 11-7-1985.

> PRASANTA RAY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of SectionD of the said Act, to the following persons, namely:--

Dated: 25-2-86,

(1) Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ahmedmiyan Hisamuddin Ghazali.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR.II/37EE/22644, 85-86,---Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 603, Al-Makkah (Bulding No. 22), Behind Behind Behram Baug, Jogeshwari (W)

Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of '--

(a) lacilitating the reduction or evasion of the liability at the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecive persons, whichever period expires latery
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 603, A1-Makkah (Building No. 22), Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22644/85-86 on 11-7-1985.

> PRASANTA RAY, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 25-2 86.

(1) Mr. Ziauddin Bukhari,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shaikh Sharfuddin Shaikh Ismail.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR, II/37EE/22738/85-86.— Whereas, I, PRASANTA RAY.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Hs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 503, building No. 9, Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sectin 269AB of the Said A.t. in the office of

the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afcresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ritteen per cens of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of jublication of this notice in the Official Cazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or:

it, in infer

Flat No. 503, 5th floor of building No. 9, forming part of the S. No. 41 of Village Oshivara, Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-58.

THE SCHEDULE

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II/37EE/22738/85-86, on 15-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, (1) 20Howing persons, namely

Date : 25-2-1986

FORM ITNS----

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mr. Abdulaziz Hajeebhoy,

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-JJ BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22741/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 701, 7th Floor, Bldg. No. 7, Oshivara, Jogeshwari (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sectin 269AB of the Said Act, in the office of

the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givenin that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 701, Building No. 7, Al-Quba, Oshivara, Village behind Behram Baug, Jogeshwari West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 11/37EE/22741/85-86, on 15-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 25-2-1986

(1) M/s, Satyam Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sun Shine Export.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Ref. No. AR. II/37EE/22749/85-86.—Whereas, I. PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 ef 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding.

value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Gala No. 41, Satyam Industrial Estate, Jogeshwari (East)

Bombay-60

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sectin 269AB of the Said Act, in the office of

the Competent Authority

transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the prestion of this motion in the Official Grantin.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evarion of the Hability of the transferor to pay that under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-lax Act, 1957 (27 of 1957);

Gala No. 41, in Satyam Industrial Estate, 2nd floor at Jogcshwari (East). Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/22749/85-86, on 15-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-2-1986

Scal:

150-26GI/86

(1) Mr. Ziauddin Bukharl.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Abdul Hamid Abdul Khalique.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22765/85-86.—Whereas ,I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 202, Bldg. No.22, Oshiwara, Jogehwari (W),

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sectin 269AB of the Said Act, in the office of

the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Building No. 22, S. No. 41 of Village Oshlwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. H/37EE/22765/85-86, on 16-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date: 25-2-1986

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Amina A. Razak.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR. 11/37EE/22766/85-86.—Whereas, 1, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Flat No. 202, Biulding No. 17, Jogeshwari (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sectin 269AB of the Said Act, in the office of

the Competent Authority for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of:

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the conceanment of any mooneys or other essets which have not been or moneys or other essets which have not been or distinguished by the transferoe for (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ilat No. 202, 2nd floor of building No. 17, forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay-58.

Authority, Bornbay under No. AR. 11/37EE/22766/85-86, on 16-7-1985. The agreement has been registered by the Competent

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 25-2-1986

Sea!:

(1) Mr. Ziauddin Bukhan,

(Transferor)

(2) Badrul Haque,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22781/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Sect on 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 404, Bldg. No. 22, Hamara Ghar Co-op. Housing Society Ltd., Jogeshwari (West), Bombay-58. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Soid Act in the office of

Sectin 269AB of the Said Act, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than Aftern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under tre said Act in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the equisition of the afores iid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person a manaely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, Building No. 22, Hamara Ghat Co-op. Housing Society I.td. Behind Behram Baug, Oshivara. Jogeshwari, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/22781/85-86, on 16-7-1985,

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 25-2-1986

(1) Mr. Ziuuddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shahnez Khan Abdul Hamid Bandookwala. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II BGMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 25th February 1986

(b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-II/37EE/22830/85-86.—Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202, Building No. 21, Jogeshwari (West), Bombay-

(and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Sectin 269AB of the Said Act, in the office of

the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the lightlity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

flat No. 202, 2nd floor of building No. 21, S. No. 41 of Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshvari (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR. 11/2283)/85-86, on Authority, 18-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 25-2-1986

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Parveen Akbar Rehaman Markar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22854/85-86.--Whereas I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 504, Building No. 22, Oshiwara, Jogeshwari (W), Bombay 48

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 19-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration property as aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 304, Building No. 22, forming part of S. No. 41 of Village Oshiwara Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Rombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. 11/37EE/22854/85-86, 19-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

Oale : 23 2-1986

(1) Mr. Ziauddin Bukharl.

(Transferor)

(2) Mr. Zahoor Ahmed Shaikh .

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22868/85-86.—Whereas, I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'add Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 402, Building No. 22. Oshivara, Andheri (W),

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

the Competent Authority at Bombay on 19-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noites in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used barels as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 402, Building No. 22, forming part of S. No. 41 of Village, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/22868/85-86 on 19-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-II, Bomaby

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 25-2-1986

(1) Mr. Ziauddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Amanullah Khan,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR. II/37EE/23131/85-86.-Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvement property beginning a fair to be the second of the improvement of the second of the improvement of the second of the s movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 203, Building No. 22, Oshivara, Jogeshwar (West),

Bombay-58

and /or

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

the Competent Authority at Bombay on 26-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of tensely. of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1947). Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, waichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd floor of building No. 22, forming part of survey No. 41 of village Oshivara, Jogeshwari Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR, II/37EE/23131/85-86 on 26-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bomaby.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons namely:-

Date: 25-2-1986

(1) M/s. Vaibhay Builders .

(Transferor)

(2) Shri Bharat Krishanarao Mhatre,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR. 11/37EE/22173/85-86,--Whereas, I. RASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. A-3, Gurukripa Apartment, Andheri (W), Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ha respect of any income arising from the transfer, andler
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-3, Gurukhripa Apartment, S. No. 19, H. No. 1, CTS No. 80, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/22174/85-86 on 1-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bornaby.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following ersons, namely :-

Date: 25-2-1986

Seal:

151-26GI/86

(1) M/s. Hami Industries.

(Transferor)

(2) M/s. Asha Textiles.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR. 3I/37EE/22183/85-86.---Whereas, I, PRASANTA RAY,

prasantia RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the (noome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable reperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Gala No. 3-P. Laxmi Industrial Estate, Andheri (West).

Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

the Competent Authority

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the resposes of the Indian Income-tax Act, 1922 :11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195; (27 of 1957);

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 3-P. Laxmi Industrial Estate Off Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. JI/37EE/22183/85-86 on 1-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bomaby.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saki Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 25-2-1986

(1) Mr. Zlauddin Bukhari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohammed Salim Abdul Karim,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

Bombay, the 25th February 1986

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

nomeny, the 25th Teornary 1700

Vest),

Ref. No. AR. II/37EE/22273/85-86.—Whereas, I PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 402, Bidg. No. 21, Oshiwara, Andheri (West), Rombays 58

Bombay-58 (and more ully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

the Competent Authority at Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

Flat No. 402, 4th floor of building No. 21, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-11/37EE/22273/85-86 on 5-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indown Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefort, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 25-2-1986 Seal :

(1) Mr. Ziauddin Bukhari,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sayed Zamirulla,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22274/85-86.—Whereas I, PRASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 101, Oshivara, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, is
 respect of any income arising from the transfer;
 andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Art. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor of building No. 10, Oshivara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/22274/85-86 on 5-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
'nspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 25-2-1986

(1) Mr. Laxmi Industrial Estate.

(Transferor)

(2) M/s. Bi-Metallic Products.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1261)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR. 11/37EE/22484/85-86.--Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 32/J, Laxmi Indl. Estate, Off.Vira Desai Road, Versova, Andheri (W), Bombay 58

Andrers (w), Bombay-38 (and more fully described in the Schedule annexed hereo), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority

at Bombay on 9-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

32/J, Laxmi Industrial Estate, Off. Vira Desai Raod, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/22484/85-86 on 9-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely '--

Date: 25-2-1986

FORM IINS...

(1) M/s. Hami Industries.

(Transeror)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

and any or the last transfer to the last transfer transfer to the last transfer transfer transfer to the last transfer transfe

(2) M/s. Alpha Plastic Industries.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22498/85-86.—Whereas I. PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Av. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), hat a reason to believe that the immovable property having a thic market value exceeding Rs. 1,00,000/ - and bearing No.

Gala No. 3-H, Laxmi Industrial Estate, Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for ing purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the suid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Gala No. 3-H at Laxmi Industrial Estate, Off Vecra Desai Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/22498/85-86 on 11-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authoray Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bomaby.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 25-2-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR. II/37EE/22539/85-86.--Whereas, I, RASANTA RAY,

RASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.60,000/- and bearing No.

Shop No. 3 Silver Sands Apts., Andheri (West), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985

For an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market alue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than hitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tal Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the asquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :- -

- (1) M/s. Hiranandani Constructions Pvt. Ltd. Transferor(s)
- (2) Smt. Rukhmini Balkrishna Maladkar. Transferee(s)
- (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 3 in Silver Sands Apartments at Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR II/37EE/22539/85-86 on 11-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bornbay.

Date: 25-2-1986

FORM ITNS------

- (1) M/s. Laxmi Industrial Estate.
- Transferor(s)
- (2) M/s. Omni Tec Engineers.

Transferee(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR-II/37EE/23004/85-86.—Whereas I, RASANTA RAY, being the Competent Authority under Secion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Unit No. 32/125, Laxmi Industrial Estate, Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

the Competent Authority at Bombay on 22-7-1985

for an apparent consideration which is less market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as we defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 32/125, 1st floor, Laxmi Industrial Estate, New Link Road, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/23004/85-86 on 22-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under the secion (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 25-2-1986

(1) M/s, Hami Industries.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kirtikumar Mohanlal Jain.

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR-II/37EE/23079/85-86.—Whereas I, RASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Gala No. 3-Q, Laxmi Industrial Estate, Andheri (West), Bombay-58

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

the Competent Authority at Bombay on 26-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to been the parties has not been truly stated in the said instru between of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under in respect of any income arising from the tran
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from hte date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Gala No. 3-Q at Laxmi Industrial Estate, Off Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. II/37EE/23079/85-86 on 26-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 152—26GI/86

Date: 25-2-1986

(1) Mr. Zaiuddin Bukhari.

(Transferor)

(2) Mr. Shaikh Mohd. Nazir Ahmed.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 25th February 1986

Ref. No. AR. II/37EE/23130/85-86.—Whereas, I, RASANTA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, Oshivara, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 26-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Ast, is respect of any mesons arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moregy or other exacts which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor of building No. 21, S. No. 41 Oshivara, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. AR. II/37EE/23130/85-86, on 26-7-1985.

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lamb of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following corsons, namely '-

Date: 25-2-1986

--- ._---- .----

(1) M/s. Supreme Builders.

(Transferor)

(2) Shri Jethalal Amritlal Purohit & Shri Karsandas Amritlal Purohit.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22508/85-86.--Whereas I, PRASANIA RAY,

Whereas I, PRASANIA RAY, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing. Original Plot No. 147A and final Plot No. 343 of TPS II, Vile Parle (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

Section 269AB of the Said Act in the office of

the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, raid/or

Original Plot No. 147A & Final Plot No. 343 of TPS. II, Nehru Road, Vile Parle (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22508/85-86 on 11-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-3-1986

(1) M/s. Supreme Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rameshchandra Amritlal Purohit Shri Jivandas Amritlal Purohit.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II ROMBAY

Bombay, the 11th March 1986

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

Ref. No. AR-II/37EE/22509/85-86.—

Ref. No. AR-II/37EE/22309/85-80.—
Whereas I, PRASANTA RAY,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'aid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Original Plot No. 147A & Final Plot No. 343 of TPS II,
Vile Parle (E) Bombay
situated at Rajinder Nagar Community Centre New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration by and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said inamevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. EXPLANATION: -The terms and expressions used become are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given be that Chapter.

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the reduction or evenion of the Hability
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax A.t, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Original Plot No. 147A & Final Plot No. 343 of TPS II Nehru Road, Vile Parle (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22509/85-86 on 11-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commisssioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Date: 11-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref, No. AR-II/37FE/22510/85-86.--Whereas I, PRASANTA RAY. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Original Plot No. 147A, TPS. II, Vie Parle (E), Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985

for an spl-stent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I haveby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

- (1) M/s. Supremo Builders.
- (2) Smt. Jayalaxmi Chandulal Purohit & Shri Dahylal Amritlal Purohit.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wriing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Original Plot No. 147A & Final Plot No. 343 of TPS II Municipal Nos. 519(1) & (2) St. No. 45 & 46 Nehru Road, Vilc Parle (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22510/85-86, on 11-7-1985.

> PRASANTA RAY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay

Date: 11-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION PANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Ref. No. AR-II/37EE/22602.85-86.—Whereas I, PRASANTA RAY,

transfer with the object of :--

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 196' (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Final Plot No. 68, CTS No. 893, 893(1), '93(II) Plot of land, at Prathana Samaj Rd., Vile Pade (E), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) incilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be divided by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1997);

(1) M/s. Kala Silk Factory.

(Transferor)

(2) M/s. Homelands Corporation.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

(4) Transferec & tenants.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Final Plot No. 68, Prathana Samaj Road, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22602/85-86, on 11-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1986

(1) Precision Printer.

(Transferor)

Y (2) Jyka Labs Private Limited.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-11
BOMBAY

Bombay, the 11th March 1986

Whereas I, PRASANTA RAY,
Ref. No. AR-II/37EE/22720/85-86.—
being the Competent Authority under Section 2699 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Goodwill of Transferor alongwith Transferor's monthly tenancy rights of 77A Nohru Road, Bombay-99. CTS 2086 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 12-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid axceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per coast of such apparent consideration and

that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of ;-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/o
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the maid Act, or the Wealth for Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any orner person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Goodwill of Transferor alongwith the Transferor's monthly tenancy rights on a part of the 1st floor of 77A Nehru Road, Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/22720/85-86, on 12-7-1985.

PRASANTA RAY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 11-3-1986

(1) M/s. Mittal Construction Company.

(Transferor)

(2) Mrs. Kusum B Jalan & Ramkrishan B Jalan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7233/85-86.---Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 24, 2nd floor, Aarti Bldg. Plot C. S. No. 380, Tar-

deo Road, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

the Competent Authority at Bombay on 9-7-1983

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferr vad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Set, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under substantian (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 24, 2nd floor, Aarti Building, Plot N. S. No.380 at Tardeo Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6797/85-86 on 9-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-3-1986

FORM ITNE

(1) M/s. Hindustan Fabricators.

(Transferor)

(2) Shri Vishwanath Bhuwania.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7118/85-86.--Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office No. 13, 5th floor, Tardeo Airconditioned Market, Tardeo Rombay-34

Tardeo, Bombay-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly ented in the said instrument. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

153-26GJ/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 45 days from the date of poblication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

used here EXPLANATION:--The terms and expressions es are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 13, Tardeo Airconditioned Market 5th floor, Tardeo, Bombay-400 034.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bomaby, under S. No. AR-I/37EE/6683/85-86 on 1-7-1985

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Bombay

Date 7-3-1986 Seal:

(1) Film Journalists Society.

(Transferor)

(2) Pammi Enterprises.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OL INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7379/85-86.—Whereas, I, Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Office No. 24, Tardeo Airconditioned Market, Tardeo Main

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

the Competent Authority at Bombay on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 24, Tardeo Airconditioned Market Bldg, Tardeo Main Rd. Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6936/85-86 on 19-7-1985,

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date 7-3-1986 Scal:

(1) M/s. Tardeo Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pareshkumar R Parikh, Smt. Kusumben R Parikh & Smt. Prarnaben P Parikh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7351/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Property having a fair market value exceeding ks. 1.00,000/- and bearing Flat No. 503, Shirin Apartments, Tardeo Road, Bombay-7 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

the Competent Authority at Bombay on 16/7/1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 -(27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inamovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: ---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 503, Shirin Apartments, C. S. No. 315 of Tardeo Divn. Opp. Ganga Jamuna Cinema, Tardeo, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6908/85-86 on 16-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I be to be initiate proceedings for the acquisition of the aforess property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:—

Date 7-3-1986 Seal :

FORM ITNS----

(1) M/s. Pammi Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Meena R Kokadkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7464/85-86.— Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 24, 4th floor, Tardeo Air-Conditioned Market,

Tardeo, Bombay-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Competent Authority at

Bombay on 26-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evadon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 24, 4th floor, Tardeo Air-conditioned Market, Tardeo Main Road, Tardeo, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7017/75-86 on 26-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay,

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 7-3-1986 Scal :

(1) Mrs. Fatima Kurban Hussain.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ebrahim Mulla Taherbhai & Mohamed Mulia Taherbhai.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7308/85-86.— Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable

as the Sati Act), have reason to believe that the himlovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Office No. 517, Arun Commercial Co-op. Soc. Tardeo Main Road, Tardeo, Bombay-34

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :---

- (a) facilitating his reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in arising from the transfer; respect of any income andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of tals notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. 517, Arun Commercial Co-op. Soc. Ltd., Tardeo Main Road, Tardeo, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6866/85-86 on 11-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7208/85-86.-

Whereas I, NISAR AHMED, bing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

Rs 1,00,000/- and bearing
Office No. D-17, Everest Building, Tardeo, Bombay-34
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

the Competent Authority at Bombay on 5-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers क्टर्स / ज
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)!

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Zodiac Investments-Proprietor.

(Transferor)

(2) M/s. Zodiac Investments—Partnership.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressons used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office No. D-17, Everest Building, Tardeo. Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6772/85-86 on 5-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-3-1986

FORM ITNS-

(1) Shri Vasantlal R Shah & Smt. Rashmika V Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kanchanben R Shah & Shri Pareshkumar R Shah.

(Transferce)

(3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7292/85-86.— Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'eaid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Flat No. 3, 1st floor, Enterprise Apartment Kapashi CHSL,

Forjet Street, Bombay-36

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

the Competent Authority at

Bombay on 11-7-1985

for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as sgreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Garette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, 1st floor, Enterprise Apartment Kapashil CHSL, Forjet Street, Bombay-36.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6850/85-86 on 11-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 7-3-1986 Scal:

(1) Mrs. Asha Shankar Chavan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shaila Shawakramani.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7241/85-86.-Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Room No. 7, 1st floor, Navyug Niwas, 167, Lamington Road,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

the Competent Authority at Bombay on 9-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motion on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 7, 1st floor, Navyug Niwas, 167, Lamington Road, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6804/85-86 on 4 9-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-3-1986

(1) M/s. Tardeo Properties Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Indian Organic Chemicals Limited (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961) ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7352/85-86.—
Whereas I, NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 303, Bldg. No. 1, Shirin Apartment, Tardeo Road, Bombay-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

the Competent Authority at Bombay on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evacion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 303, Bldg. No. 1, Shirin Apartments, C. S. No. 315 of Tardeo Division, Tardeo. Bombay-400 007.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6909/85-86 on 16-7-1985.

THE SCHEDULE

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-- 154-26GI/86

Date: 7-3-1986

FORM ITNS ---

(1) Asha hankar Chavan.

(Transferor)

(2) Smt. Meena Shewakiamani.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7240/85-86.-Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Room No. 6, 1st floor, Navyug Niwas, 167, Lamington

Road, Bombay-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

the Competent Authority at Bombay on 9-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer on such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- the aferentid persons within a period of om the date of publication of this notice old Gaustie or a period of 30 days from (a) by any of the afere 45 days from the de in the Offic of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 6, 1st floor, Navyug Niwas, 167, Lamington Road, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6803/85-86 on 9-7-1985.

> NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-3-1986

FORM MINS-

(1) Shri Kumar Krishanlal.

(Transferor)

(2) Shri Khubilal G Rathore Smt. Pavan K Rathore.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7122/85-86.--

Whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Office No. 408-C, Niranjan, 99, Marine Drive, Bombay-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of

the Competent Authority nt Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proprty as afortsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chater.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

Office Premises No. 408-C. Nitanjan, 99, Marine Drive,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6687/85-86 on 1-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-3-1986

Seal;

(1) Shri Kamal Krishanlal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Suresh S Gurnani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7123/85-86.--

Whereas 1, NISAR AHMED. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Office No. 408-A, Niranjan, 99, Marine Drive, Bombay-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the office of the Countent Authority at

the Comprent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 408-A, Niranjan, 99, Marine Drive. Bombay-2.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6688/85-86 on 1-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7340/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Office No. 408, Maker Chamber III, V Thackersey Rd. Bombay-20 .

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 15-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shri Ashok B. Modi & Smt. Kokila A. Modi.

(Transferor)

- (2) M/s. Chaturvedł Consultancy Services Pvt. Ltd. (Transferee)
- (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office No. 408, 4th floor Maker Bhavan No. III Commercial Premises Co-op. Soc. Ltd., 21, Sir Vithaldas Thackersey Marg, Bombay-20.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-J/37EE/6898/85-86 on 15-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-3-1986

FORM TIME

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Jagdish Devii Solanki.

(Transferor)

(2) Smt. Asha V. Harlalka, Master Gautam V. Harlalka Master Manish V. Harlalka.

(Transferee)

(3) Transferor. (Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7325/85-86.—Whereas I, NISAR AHMED,

whereas I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat Nos. 5A, 6A & 6B, Alt View Building, Altamount Road, Bonday 26

Road, Bombay-26

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property of aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat Nos. 5A, 6A & 6B, ALT VIEW Bldg. Altamount Road, Bombay-26.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6882/85-86 on 12-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-3-1986

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITIO RANGE-I, BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7324/85-86.—Wherens, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-269B of able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Store-room on 7th floor Terrace, Alt View Building, Alta-

mount Road, Bombay-26

(and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 12-7-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any facilitating the conceanment of any moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Jagdish D. Solanki.

(Transferor)

(2) Smt. Asha V, Harlalka, Master Gautam V. Harlalka Master Manish V. Harlalka

(Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Store-room on 7th koor, Terrace, Alt View Building Altamount Road, Bombay-26,

Authority, Bombay under S. No. AR-I/37EE/6881/85-86 on 12-7-1985. The agreement has been registered by the Competent

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, I, Bombay

Date: 7-3-1986

(1) Saneev Mukheree & Sharda Mukherjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Nandini Nathwani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th March 1986

Ref. No. AR.I/37EE/7244/85-86.—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 9-A, Jirean, L.D. Ruparel Marg, Bombay-6
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent
Authority at

Bombay on 9-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Flat No. 9-A, Jirean, L.D. Ruparel Marg, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6807/85-86 on 9-7-1985.

NISAR AHMED—Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range, I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the lasue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-3-1986

Scal:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(1) Mr. Nanji J. Karani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mr. Chandrakant M. Zaveri, Mr. Ghanshyam M. Zaveri, & Mr. Vinod M. Zaveri.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7186/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred so as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Part of flat No. 1407 sub-divided as 1407A, Panchratna, Mama P. Road, Opera House, Bombay-4. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the recommendation resistance and the recommendation of the resistance of the resistanc

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 4-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

155—26GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of flat No. 1407 sub-divided as 1407A, Panchratna, Mama P. Road, Opera House, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6752/85-86 on 4-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, I, Bombay

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, ВОМВЛУ-400038

Bombay-400038, the 7th March 1986

Ref. No. AR.I/37EE/7108/85-86.-Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, haing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Office Premises No. 3, Venkatesh Chambers, Prescot Road,

Fort. Bombay-1.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Miss Nirupa M. Pandya, Mrs. Nila K. Semlani, Miss Sushma K. Semlani.

(Transferor) (2) Mr. Gautamchand Gulabchand & alias Gautam G.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 3, Venkatesh Chambers, Prescot Road, Fort. Bombay-1.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6673/85-86 on 1-7-1985

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, I, Bombay

Date: 7-3-1986

(1) Mr. Seetharama Muddu Shetty.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Yashmin K. Naik.

(Transferee)

(3) Transferee,

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th March 1986

Ref. No. AR, I/37EE/7434/85-86, -Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 23, Modern Flats Pvt. I.td. Behind Petrol Pump,

(N. Parikh Marg), Colaba, Bombay-5.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by and of the aforegaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23, Modern Flats Pvt. Ltd, behind Petrol Pump, Wodehouse Road, (N. Parikh Marg), Colaba, Bombay-5,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6988/85-88 on 25-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, I, Bombay

Date: 7-3-1986

FORM TINS

(1) Miss Cathrina J. Naronha,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Ashok J. Patni & Mr. Bipin J. Patni.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th March 1986

Ref. No. AR.I/37EE/7358/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 101, 1st floor, Abhishek Building, 315 Maulana Shaukatali Road, Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority, etc. Authority at

Bombay on 16-7-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, Abhishek Building, 315 Maulana

Shaukatali Road, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6915/85-86 on 16-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, I, Bombay

Date: 7-3-1986

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shrì Asha Chavan.

(Transferor)

(2) Shri Vijay S. Ramani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7239/85-86.--Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tur Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Room No. 2, First floor, Navyug Niwas, 167, Lamington Road, Bombay-7.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vlaue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) (solitating the reduction or evasion of the finhility of the transferor to pay tax under the mid Act, is respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee hor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ant, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 2, First floor, Navyug Niwas, 167, Lamington Road, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR.1/37EE/6802/85-86 on 9-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 7-3-1986

(1) Mrs. Asha Chavan.

(Transferor)

(2) Shri Ghansham S. Ramani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th March 1986

Ref. No. AR.I/37EE/7238/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Room No. 1, 1st floor, Navyug Niwas, 167. Lamington

Road, Bombay-7.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9-7-1985

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 1, 1st floor, Navyug Niwas, 167. Lamington Road, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR.1/37EE/6801/85-86 on 9-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range, I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-3-1986

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th March 1986

Ref. No. AR.1/37EF/7120/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Gala No. 124, 1st floor, A-2 Building of Shah & Nahar Mukund Marg, Bombay-12.

Industrial Estate, S.I. Marg. Lower Parel, Bombay-13.
and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred and the agreement is registered under Letion 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair maket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acr, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Hemchand Jain, Smt. Sushila Vinodkumar Master Arpit Kumar Bothra,

(Transferor)

(2) M/s. Autoalarm Industries.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the anid property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Gala No. 124, 1st floor, A-2 Building of Shah & Nahar Industrial Estate, S.J. Marg, Lower Parel, Bombay-13.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6685/85-86 on 1-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bureby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-3-1986

FORM ITNS-

(1) Shri Alfred Soddar, Smt. Mary C. Soddar, Shri Arnold Soddar.

(Transferor)

(2) Shri Gopinath V. Lotlikar.

(Transferee.)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7116/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 21A, 2nd floor, Suman Nagar CHSL, K. B. Bal Mukund Marg, Bombay-2.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-7-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21A, 2nd floor, Sumen Nagar CHSL, K. B. Bal Mukund Marg, Bombay-2.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6681/85-86 on 1-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons, namely:—

Date: 7-3-1986

(1) Shri Jayantilal S. Vasani,

(Transferor)

(2) Smt. Chandrika H. Shah & Shri Mansukhlal B, Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF PUBLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7149/85-86.--Whereas, J. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'arid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exercising Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 14, 3rd floor, 269 Nandanvan, Sion West, Bombay-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3rd July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cont of such apparent consideration and first the consideration for such apparent consideration and first the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said implement of transfer with the chiral of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect to any income arising from the transfer; and/or
- 'b, facilitating the concenhment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1969);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

156--26GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the sa. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 3rd floor, 269 Nandanvan, Sion West, Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6714/85-86 on 3-7-1985

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, I, Bombay

Date: 7-3-1986

(1) M/s. Ferani Developers.

(Transferor)

(2) Dr. Suresh S. Wagh & Dr. (Mrs.) Usha S. Wagh.

ALTERNATION TO STATE OF THE STA

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400038

Bombay-400038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7541/85-86,-Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 401, Udyan Darshan, Sub-Divided Plot B of F.P. No. 911 of TPS IV, Mahim Sayani Road, Prabhadevi Bombay-28

Bombay-28.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at

Combay on 5-8-1985

formbay on 5-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, Udyan Darshan, SubDivided Plot B of F.P. No. 911 of TPS IV, Mahim Sayani Road, Prabhadevi Rombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-1/37EE/7090/85-86 on 5-8-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesale property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7080/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-1. First floor, Eden Hall, Dr. Annie Besant Road,

Worli, Bombay-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office the Competent Authority

at Bombay on 27-6-1985

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than 15 pc₁ cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Davendra Ahuja, Mrs. Marlene Ahuja,

(Transferor)

(2) M/s Britannia Industries Limited.

(Transcree)

(3) Transferce

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforcasid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-1, First floor, Eden Hall, Dr. Annie Besant Road, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6645/85-86 on 27-6-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-3-1986

FORM I.T.N.S .---

(1) Smt. Amrit S. Israni.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Dr. Mukul C. Parmar.

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

(3) M/s Waco Radio Flectronic Industries (Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE UF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX COMMIS

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY-400 038

New Delhi, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1 /37EE/7285/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 102A, 1st floor Sukh-Sagar, N. S. Patkar Marg Bombay-7

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office the Competent Authority

at Bombay on 10-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the understaned...

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Oficial Gazette or a period of 30 days from e service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovemble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 102-A, 1st floor, Sukh-Sagar, N. S. Patkar Marg, Bombay-7.

agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6844/85-86 on 10-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :-

Date: 7-3-1986

(1) Smt. Zulekhabi I Kiledar.

(Transferor)

(2) Shri Mohamadhusain Haji T. Ladiwala.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7126/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-4, Gr. floor. Shalimar Apartments, Hanjar CHSL, Souter Street. Agreeada, Bombay-8

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office the Competent Authority

at Bombay 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub? cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ask. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-4, Ground floor, Shalimar Apartments, Hanjar CHSL, 41, Souter Street, Agrupada, Bombay-8.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-J/37EE/6691/85-86 on 1-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7329/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 123, 1st floor, Jay Gopal Indl. Premises Co-op. Soc., 510 Bhawani Shankar X Road, Dadar, Bombay-28.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office the Competent

Authority at Bombay on 15-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Sheela P. Palkar.

(2) M/s. Mohan Ceramics.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 123 on 1st floor of Jai Gopal Industrial Estate, 510, Bhawani Shanker Cross Road, Dadar, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6886/85-86 on 15-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, he pursuance of Section 269C of the seat Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

Date: 7-3-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1/37FE/7133/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceedig Rs. 1,00,000/- and bearing Shop No. 1, Ground floor, Worli Himala R. G. Thadani Marg, Worli, Bombay-18

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office the Competent Authority

at Bombay on 2-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afcresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Gopalkrishna R. Kamath,

(Transferor)

(2) Chandru Hassanand Bellani and Dr. (Mrs.) Bitta C. Bellani,

(Transcree)

(3) Transferor. (Person in occupation of the property).

(4) Transferor. (Person whom the undersigned knows to

be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 1, Ground floor, Worli Himalaya Building, R. G. Thadani Marg, Worli, Bombay-18.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under S No. AR-1/37FE/6698/85-86 on

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-3-1986

Scal:

2-7-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1/37EF/7128/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 2, 15th floor, Jaywant Apts., Dadatkar Compound, Tulsiwadi, Tardeo Road, Bombsy-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office the Competent Authority

at Bombay on 1-7-1985

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby inlitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Jaywant Development Corporation.

(2) Mr. Ashok B. Thacker and Bakula B. Thacker. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 15th floor, Jaywant Apts., Dadarkar K. Compound, Tulsiwadi, Tardeo Road, Bombay-34,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6693/85-86 on 1-7-1 85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Bombay

Date: 7-3-1986

(1) M/s Jaywant Development Corporation.

(Transferor)

(2) Mr Aspi Chinoy.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7375/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 104, 13th floor Jaywant Apartment Dadarkar Compound, Tulsiwadi, Tardeo Road, Bombay-34 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under

has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office the Competent

at Bombay on 18-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have rait been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section -1) of Section 269D of the said Act, to the following per no, namely :---

157-26GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, 13th floor, Jaywant Apartments, Dadarkar Compound, Tulsiwadi, Tardeo Road, Bombay-34.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6932/85-86 on 18-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I. Rombay

Date: 7-3-1986

(1) Mrs. Dhiraj K. Vora.

(Transferor)

(2) Shri Ajitkumar N. Patel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7315/85-86 -- Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Computent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 48, B Wing, 3rd floor, Geeta Smruti Premises CSL.
Pandit Ramabai Road Gamdevi Corner, Bombay-7

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office the Competent Authority

at Bombay on 12-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforeasid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 48 in B Wing on third floor, Gita Smruti Premises Co-op. Society Ltd., Paudit Ramabai Road, Gamdevi Corner, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6872/85 86 on 12-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Non-incretore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereto initiate proceedings for the acquisition of the arcreaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-3-1986

Seal;

(1) J. M. C. Construction C.o.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Seetharam Muddu Shetty and Smt. Kanti S. Shetty.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-1. BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7429/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 901, in Jamuna Sagar, Colaba Road, Bombay-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office the Competent Authority

at Bombay on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) finding the reduction or evenion of the limbility of the transferor to pay tax under the sold Act in respect of any income arising from the transfers and /or

(b) facilitating the concentment of any income moneys or other assets which have not DOT po which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underlighted.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person laterested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein ... are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 901 in Jamuna Sagar, Colababa Road, Colaba, Bombay-5.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6983/85-86 on 25-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-3-1986

FORM ITHE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF EVOLA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMES-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7414/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 1 & 2, garages No. 2 & 3, Kailash Niketan, 322,
Napean Road, Malabar Hill, Bombay-6
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
Section 269.\B of the Said Act in the Office the Competent Authority

at Bombay on 24-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifthen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; md|er;
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for, purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Ast. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Naginbhai M. Patel.

(Transferor)

(2) Shri Kirit A. Shah & Smt. Chandra K. Shah.

(Transferce) (3) Transferor.

(Person in occupation of the property).

justions, if any, to the acquaintion of the said property be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective paraons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1 & Two garages No. 2 & 3, Kailash Niketan, 322, Napean Rd., Malabar Hill, Bombay-6.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-I/37EE/6969/85-86 on 24/7/85.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-3-1986

(1) M/s Bonny Enterprises

(Transferor)

(2) Mr. Chandrakant L Gala

(Franscree)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7313/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 402, 4th floor, Dev Kripa Building, (40/145 Naigaum Scheme, G K Road, Bombay-14
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office the Competent Authority at

Bombay on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the presenty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said hastrament of transfer with the object of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the afercaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chanter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer poot of any income arising from and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 402 on 4th floor, Dev Kripa Bldg., Naigaum Scheme, Govindji Keni Road, Bombay-14.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S.No. AR-I/37EE/6870/85-86 on 12-7-85

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the followpersons, namely :-

Date: 7-3-1986

- (1) Kalpataru (Indo Saigon) Constructions P. Ltd. (Transferor)
- (2) Mrs. Rajani Philip Thomas Mr Philip Purayat Thomas

(Transeree)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ABUSTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, BOMEAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7312/85-86.—Whereas, J, NISAR ATIMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 1, 1st floor in Blat Karmakshetra, Comrade Harbanslal Marg, near Shanmukhanada Hall, Sion, Bombay-37 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office the Competent Authority at

Bombay on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair canket value of the aforesaid property and I have reason to selieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the particle has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

(a) freelinging the reduction of everion of the limitity of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) faculitating the concesiment of any income or any messeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937); Flat No. 1, 1st floor in B-I at KARMAKSHETRA, Comrade Harbanslal Marg, Near Shanmukhananda Hall, Sion East, Bombay-37

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6869/85-86 on 12-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomptant
Acquisition Range-I, Bombay

New therefore, in previous of Section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-L BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 4th March 1986

Ref. No. AR.I/37EE 7341/85-86, -Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immov-

to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Mithwala Compound, Sayoni Read, C.S. No. 1169 at Lower Parel & F.P. No. 1006 at TPS IV Mahim (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15.7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the propery as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Secuen 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

(1) Afzal Kasam Miya Ishkey, Aboobakar K. M. Ishkey, Mrs. Aishabi M. Hanif Shaikh, Mrs. Zubeda Banoo A Kotwala, Mrs. Razia Bnaoo Miyan Jan Shaikh, Mrs. Sayceda Md. Ali Shaikh, Mrs. Salma Banoo N Shaikh,

Mrs. Salma Banoo in Shirkh, Miss Sabira Banoo Kasam Miya Ishkey. (Transferor)

(2) M/s. Happy Home Estates.

(Transferee)

(Person in occupation of the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chamter.

THE SCHEDULE

Mithwala Compound, Sayani Road, C.S. No. 1169 at lower Parel & F.P. No. 1006 at TPS IV Mahim.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S No. AR-I/37FF/6899/85-86 on 15-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Bombay

Date: 4-3-1986

(1) M/s, Nimish Book Depot.

(Transferor)

(2) M/s. Dua Publishers Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 938, the 4th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7382/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

NISAR AHMED, heing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Industrial Unit No. 174, 1st floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-2, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel Bombay-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the shiect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 174 on first floor, Shah & Nahar Industrial Estate A-2, Dhanraj Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400 013.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-I/37EE/6939/85-86 on 19-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-& Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following, perrons namely :-

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Regent Industries Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Metro Exporting Compound.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 4th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7388/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/ and bearing No. Unit No. 255, 2nd floor, Kaliandas Udyog Bhavan, near Century Bazar, Bombay-25

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officie? Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the tenneters and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or war moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Unit No. 255 on the 2nd floor, 'Kaliandas Udyog Bhavan' near Century Bazar, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-I/37EE/6945/85-86 on 19-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-1 Bombay

Now, therefore, in purenance of Soction 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following rersons, namely :-158-26GI/86

Date: 4-3-1986

ACLUMENT TRACTORS FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Falguni Trust.

(Transferor)

(2) M/s. Premier Chemicals Industries.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 4th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7381/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Unit No. 109 on the first floor, Shah & Nahar Industrial Extens (Act). Dhannal Mills Compound Lower Recal

Estate (A-1), Dhanraj Mills Compound, Lower Parel,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the schedule annexed nereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-7-1985 for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid to the constant of the property as aforesaid to the constant of the property as aforesaid to the constant of the property as a foresaid to the constant of the property as aforesaid to the constant of the property as a foresaid to the constant of the property as a foresaid to the constant of the constant of the property as a foresaid to the constant of th said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;---

THE SCHEDULE

Unit No. 109 on the first floor of Shah & Nahar Industrial Estate (A-1) Dhanraj Mills Compound, Sun Mill Road, Lower Parel, Bombay-400 013.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EF/6938/85-86 on 19-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombny

Date: 4-3-1986

(1) M/s. Vyas Brothers,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Amit Tarachand Sanghvi & Smt Sushma Amit Sanghvi

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 4th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7380/85 86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immova-

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Industrial Unit No. 104, 1st floor, Sun Industrial Estate,
Sun Mill Compound, Lower Parel, Bombay-13
(and more fully described in the Schedule, annexed hereto),
has been transferred and the Agreement is registered under
section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent
Authority at Bombay on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any iscome arising from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 104 on 1st floor of Sun Industrial Estate, Sun Mill Compound, Lower Parel, Bombay-400 013.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6937/85-86 on 19-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Bombay

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 4th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7943/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. 30, Rameshwar Bhawan, Plot No. 284,

Sion East, Bombay-22 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(1) Mr. Navalraj L. Tahiliani & Mr. N. L. Tahiliani,

(Transferor)

(2) Navnitlal M. Shah & Decpak N. Shah.

(Transferee)

Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as ere defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 30, Rameshwar Bhavan CHSL, Plot No. 284, Sion East, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6901/85-86 on 16-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the in Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4-3-1986

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 4th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7335/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

rand bearing No.
Flat No. 1, 2nd floor, Building No. 4,
I'SB Apartments B.G. Kher Road, Worli, Bombay-18
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narries has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-193 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- (1) 20th Century Finance & Consultancy Services Ltd. (Transferor)
- (2) Britannia Industries Limited.

(Transferce)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined n Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 2nd floor, Building No. 4, PSB Apartments, B.G. Kher Road, Worli, Bombay-18

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6893/85-86 on 15-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bembay

Date: 4-3-1986

FORM IT'NS

(1) Mrs. Indiradevi G. Nayar.

Jaswantiben R. Shah.

Karta of C. H. Shah, HUF,

(Transferor)

(2) Chandrakant M. Shah

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-J/37EE/7132/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, Gr. floor, New Pushpakunj, Sion West, Bombay-22

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 7-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, its respect of any income arising from the andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of 'notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, ground floor, Plot No. 50, New Pushpa Kunj, Sion West, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6697/85-86 on 7-7-1984.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 7-3-1986

FORM ITHE

(1) Kalpak Development Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. Sushil Kumar Bagadia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 4th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7337/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing Shop No. 1A, Kalpak Estate, CS Nos. 85 & 93 Sheikh Misri Road, Wadala, Bombay-37

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 15-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:

- (a) by any of the aferenald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamets or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1A in the proposed project known as Kalpak Estate, CS Nos. 85 & 93, Sheikh Misri Road, Wadala, Bombay-400 037.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6890/85-86 on 15-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-3-1986

Scal;

FORM ITNS:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt.Alpana Ashok Parulekar, Smt. Bharati A. Naik, Smt. Rajashi R. Chembulkar, Sri Gajanan A. Sane, Sri Shashikant R. Sane Sri Prakash Ramnao Sane, Sri Keshav G. Sane.

(Transferor)

(2) Sri Kishinchand Kalumal Nasta.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 4th March 1986

Rer. No. AR-I/37EE/7310/85-86,--Whereas, I, NISAR AHMED,

the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'asid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Land bearing CS No. 2B/1169 of Lower Parel Division

situated at Shankar Ghanekar Marg, Dadar,

Kumbhai wada, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said A t in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land bearing CS No. 2B/1162 of Lower Parel Division, Final Plot No. 957 of TPS IV of Mahim together with all structures, standing thereon situated at Shankar Ghanekar Marg, Dadar, Kumbharwada, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay under S. No. AR-1/37EE/6867/85-86 Authority,

on 12-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-b Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely --

Date: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMDAY-400 038

Bombay-400 038, the 4th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7374/85-86. –Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 448, TPS IV Makin, New S. No. 1A1/1858
CS No. 1410 of Lower Parct Division, together with old

house with ground & one upper floor

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Az., 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate processing, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
159—26 GI/86

 Vijaykumar N. Acharya for self & as karta of HUF Bhamini B. Acharya.

(2) Buildarch.

(Transferor)

(Transferee)

(3) Surendra D. Navalkar & Transferor.
 (Person in occupation of the property)

 (4) Other members of HUF of H. R. Acharya

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 448, TPS IV, Mahim, Survey No. 1A1/1858 and CS No. 1410 of Lower Parel Division, together with old house with ground and one upper floor.

house with ground and one upper floor.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6930/85-86 on 18-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Bombay

Date: 4-3-1986

MYRA TINS

(1) Amit Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. Lilavati Premji Shah & Mr. Dinesh P Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITIO | RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 4th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

reason to believe that the inimovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 208, 2nd floor, Amit Industrial Estate, 61, S.S. Rao Road, Parel, Bombay-12
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 15-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubention of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 208, 2nd floor, Amit Industrial Estate, 61, S. S. Rao Road, Parel, Bombay-12.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6895/85-86 * Authority, B on 15-7-1985.

> NISAR AHMFD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex, Acquisition Range-I Bombay

Datc: 4-3-1986

FORM 1.T.N.S.———

(1) Amit Enterprises,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(2) Chandrasekhar K Patange and Mrs Shantibai K Patange.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1 **BOMBAY**

Bombay-400038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I, 37EE/7145, 85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 100,000/- and bearing No. Unit No. 4, Gr. floor, Ami: Industrial Estate, 61, S. S. Rao

Road Parel, Bombay-12. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-7-1985

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- the facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; rad/ov
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Unit No. 4, Gr. floor, Amit Industrial Estate, 61, S. S. Rao Road Parel, Bombay-12.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-I/37EE/6710/85-86 on 2-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 7-3-1986

FORM I.T.N.S.-

(1) Amit Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hirji Nanji Satra and Shri Kanji V Gala,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-400038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7357/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

bearing No.

Unit No. 204, 2nd floor, Amit Industrial Estate, 61, S. S. Rao Road, Parel, Bombay-12.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16/7/1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 204, 2nd floor, Amit Industrial Estate, 61, S. S. Rao Road, Parel, Bombay-12.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-I/37EE/6913₁/85-86 on 16/7/1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 4-3-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-400038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE, 7304/85-86.—Whereas, 1, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. E-4, 5th floor, New Shiv Kutir CHSL, Veer Savar-

kar Marg, Bombay.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hall of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Dr. Lalchand J Gajaria.

(Transferor)

(2) Engineering Exports Promotion Council. (Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nmy be made in writing to the undersigned ;--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. E-4, 5th floor, New Shiv Kutir CHSL, Veer Savarkar Marg, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-I/37EE/6862/85-86 on 11-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 7-3-1986

(1) Shri Nihalchand H Chawla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kirti H Doshi Shri Suryakant H Doshi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I EOMBAY

Bombay-400038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7301/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 13, 2nd floor Ram Sharan Building, Plot No. 45, Sion (West), Bombay-22.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—'The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 13, 2nd floor Ram Sharan Buildng, Plot No. 45, Sion (West), Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-1/37EE/6859/85-86 on 11-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-1,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 7-3-1986

FORM ITNS——

(1) Shri Nihalchand H Chawla.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hathichand K Doshi, Shri Kamudchandra H Doshi,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-400038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE 7300/85-86.—Whereas, J. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (kereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable preperly, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plat No. 14, 2nd floor, Ram Sharan Building, Sion West,

Bombay-22.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 11-7-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers ساراها
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-mx Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 14, 2nd floor, Ram Sharan Building, Sion West, Вотрау-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-I/37EE/6858, 85-86 on Seal:

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269G of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 7-3-1986

FORM LONG....

(1) Mr. J.D. Durve.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jagtabai C. Jain.

(Transferee)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMEN SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-400038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE /7316/85-86.--Where, L NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000 /- and bearing Flat No. 3, 1st floor, Sanket Premises Co-op. Soc. 84, Bhavani Shankar Foad, Dadar, Bombay-28

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-7-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the annarent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other seests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 1st floor, Sanket Premises Co-op. Society, 84, Bhavani Shankar Road, Dadar, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6873, 85-86

on 12-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 3-3-1986

FORM ITNS-

(1) M/s Devi Dayan Metal Industries Pvt. Ltd. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Primlaks (India) Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-400038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7323/85-86,---Whercas, J. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat C, 2nd floor, Atur House, 87-A, Dr. Annie Basant Road,

Wirli, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-7-1985.

ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
160—26 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat C, 2nd floor, Atur House, 87-A, Dr. Annie Besant Road Worli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay, under S. No. AR-I 37EE/6880/85-86 Authority, Bo on 12-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J, Bombay

Date: 7-3-1986

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay-400038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7328/85-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 402, Jasota Kutir, Plot No. 675, Anant Patil Road,
Churi Wadi, Dadar, Bombay-28.

and more fully described in the Schedule annexed hereto),

nas been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the cold between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: iai/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tau Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M. 's. G Khubchandani Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Madhusudan Mitra and Mrs. Mira Mitra.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property within 45 days from the date of tao publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 402, Jasota Kutir, Plot No. 675, Anant Patil Road, Churi Wadi, Dadar, Bombay-28.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-I/37EE/6885/85-86 on 5-7-198**5**.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I,

Dated: 7-3-1986

Scal:

(1) M/s Bony Enterprises.

(Transferor)

(2) Mrs. Laxmiben L Gala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7314/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred o as the 'said Act'). have reason to believe that the im-

o as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Fla. No. 401, 4th floor, Dev Kripa Bldg., 140-145, Naigaum Scheme, G K Road, Bombay-14.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12.7-1985 12-7-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; end fin
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chaper.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Dev Kripa Bldg., 140-145, Naigaum Scheme, G K Road, Bombay-14.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under S. No. AR-I/37EE/6871/85-86 on 12-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 7-3-1986

(1) Radhakrishain S Jaisinghani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) V Sundaresan.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7441/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 2, 1st floor, Parsram Niwas, Plot No. 234-A, Sion

East, Bombay-22.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any increase or any moneys or other assets which have now been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Parsram Niwas, Plot No. 234-A, Sion East, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-I/37EE/6995/85-86 on 25-7-1985.

NISAR AHM Competent Authoriting Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-I,

Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269°D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 7-3-1986

Seal

(1) Shri Khadimali J Lalani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE, 7467/85-86,-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 334, 3rd flor, Shah & Nahar Indl. Estate A-2, Lower Parel, Bombay-400 013.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-7-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and /er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 el 1957);

(2) Shri Vithal P Darji.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as ire defined in Chapter XXA of the said st, shall have the same meaning as given et Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 334, 3rd flor, Shah & Nahar Indl. Estate A-2, Lower Parel, Bombay-400 013.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-1/37EE/7021/85-86 on 26-7-1985,

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 3-3-1986

Scal:

(1) Shri Atul Arun Kasbekar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Bhavana M. Doshi and Shri Yogesh V Doshi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE 7424/85-86.--Whereas. I.

Ref. No. AR-1/3/EE (12-7/5).

NISAR AHMED,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 11, Sea Glimpse, 69, P. K. Atre Marg, Worli,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-7-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property an aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforestid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Sea Glimpse, 69, P. K. Atre Marg, Worli, Bombay-400 018.
The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under S. No. AR-I/37EE/6978/85-86 on

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse fer the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Dated: 3-3-1986

FORM ITNS-

(1) M/s Fooran Investment Corporation

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M. s. Matic India.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. BOMBAY

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/6474/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Indl. Unit No. 524, 5th floor, Bharat Industrial Estate, T.J. Road, Sewrec, Bombay-400 015

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Unit No. 524, 5th floor, Bharat Industrial Estate,

T.J. Road Severe, Bombay-400 015.
The eggs met has been registered by the Competent Author: Bombay, undre S. No. AR-I/37EE/6931/85-86 on 18-7-1085.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 3-3-1986

Seal -

(1) M/s. Freani Developers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Shriram M Bhadkamkar & Mrs. Usha S. Bhadkamkar

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Rcf. No. AR-1/37EE/7426/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the theometax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Fo. 1.00 000/- and bearing No. Flat No. 2, Gr. floor in Udyan Darshan Bldg. Sayani Rd. Prabhadevi, Bombay-28 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on ground floor, Udyan Darshan, Sub-divided Plo tB of F.P. No. 911 of T.P.S. IV, Mahim, Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-28,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6980/85-86 on 25-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A t. I terchy initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-3-1986

Scal:

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7107/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0007- and bearing No.

Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Unit No. 213, Champaklal Udyog Bhavan Unit Holders'
Co-or. Soc. Ltd., 105, Sino-Koliwada Road, Bombay-22
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority
situated at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper v by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely --161—26GI/86

- (1) Sunita Ram Punwani/Sanjay Sales & Service (Transferor)
- (2) Ashok G. Parekh/Ashok Polemers Industry (Transferee)
- (3) M/s. Ashok Polemers Industry
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 213, Champaklal Udyog Bhavan Unit Holders' Co-op. Society Ltd., 105, Sion-Koliwada Road, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6672/85-86 on 1-7-1985.

NISAR AHMED
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-3-1986

Seal;

FORM I.T.N.S.-

(1) Dr. S. B. Kasurde

(Transferor)

(2) Shri Raghunath R. Shingte

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferee

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7114/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-306, 3rd floor, Prithivandan CHSL, N.M. Joshi Marg, Bombay-400 013 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority

(1) Dr. S. B. Kasurde for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income avising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. B-306, third floor, Prithivandan Co-op.

Society I.Id., N.M. Joshi Marg, Bombay-400 013.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-I/37EI'/6679/85-86 on 1-7-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:

Date: 3-3-1986

(1) Poonam Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Pukhraj N. Parmar

(Transferee)

(3) Poonam Builders Pvt. Ltd. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7439/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 605, 6th floor, Bldg. No. B-4, Poonam Park, Lalbaug Indl. Estate, Lalbaug, Bombay-12 situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considreation therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property ay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 605 on, 6th floor, Bldg. No. B-4 of Poonam Park, Plot No. 5, C.S. No. 7/50, Lalbaug Indl. Estate, Lalbaug, Bombay-12.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6993/85-86 on 25-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, threefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following percone, namely :--

Date: 3-3-1986

Scal:

(1) Shri Leela K. Challani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri V. S. Jadhav & Mrs. M. S. Jadhav. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Objections, if any, to the acquisition of the said wreperty may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation :-- The terms and expressions us. d being or defined in Chapter XXA of the said Act. have the same meaning as given in shail that Chapter

Ref. No. AR-I/3/EE/7471/85-86.-Whereas, I. NISAR AIIMED

being the Competent Authority under Section 269B of the the the transfer to the transfer to the transfer to the transfer to the transfer to the transfer to the transfer to the transfer transfer to the transfer transfer to the transfer transfer to the transfer transf

Rs. 1,60,000/- and bearing No. Gal., No. 409, Prabhadevi Unique Ind. Premises Co-op. Society, Oil Veer Savariar Road, Prabhadevi, Bombay 25

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereio), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Combetont Authority at Bomboy on 26-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent, of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Gala No. 409, Prabhadevi Unique Ind Premises Co-op. Society, Off. Vecr Savarkat Road, Prabhadevi, Bombay-25.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/7025/85-86 on 26-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 3-3-1986

(1) Sm., velmoch Malji & Miss Manjula Mulji (Transleton)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prem Tikandas Chhatpar & Shri Ashok T. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-400 038, the 3rd Murch 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7264/85-86.—Whereas, I, INDIAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding iss. 1.00,000/- and bearing iso. Block 8A/5, New Sion CHSL, Opp. S.I.E.S. College,

Sion (E) Bombay-22

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Com-

petent Authority at Bombay on 9-7-1985

at Bombay on 9-7-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; andlos

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-max Ant. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block 8A/5, New Sion Co-op. Hsg. Ltd. Opp. S.I.E.S. College, Sion West, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under S. No. AR-I/37EE/6826/85-86 on 9-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the mo end property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 3-3-1986

Scal:

FORM NO. I.T.N.S.

(1) M/s. Ferani Developers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

16040

(2) ATC (Cleaingring & Shipping Pvt. Ltd.). (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No.AR-I/37EE/7427/85-86.—Whereas, I NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. A-38, Colony Krishana Park situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority
New Delhi on July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the tree the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wesleb-ter Act, 1957 (27 of 1967);

Objections, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4 on Ground floor, Udyan Darshan, Sub-Divided Plot B of F.P. No. 911 of T.P.S. IV, Mahim, Sayani Road, Prabhadevi, Bombay-400 028.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6981/85-86 on 25-7-198.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, a remance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the adorescul property by the ignue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pe soes, namely:-

Date: 3-3-1986

FORM ITNS-----

(1) Mrs. Devki M. Parwani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Satish W. Patkar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-400 038, the 3rd March 1986

Ref. No. AR-I. 37EE/7470/83-86.-Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 11, 2nd floor, Bldg., Q. Everard CHSL, Scheme-II, Wastern Express Highway, Sion; Bombay-22

situated at Bombay (and more fully described in the Scheduled annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of transfer with the consideration. ment of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the finbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concentment of any income or any (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mamely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, n2d floor, Bldg. Q, Everaid Co-op, Hsg. Ltd. Schmee II, aEstern Express Highway, Sion, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7024/85-86 on 26-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 3-3-1986

(1) Kal Development Corporation,

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sushil Kumar Bagadia

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7331/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Shop No. 2A in the proposed project known as 'Kalpak Estate' CS No. 85 & 93. Sheikh Misry Road, Wadala, Bombay 37

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority

situated at Bombay

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following petaons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pursuration of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2A in the proposed project known as 'Kalpak Estate, C.S. No. 85 & 93, Sheikh Misri Road, Wadala. Bombay-37.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6888/85-86 on 15-7-1985.

> NISAR AHMF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-3-1986

(1) M/s. Super Engineers

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref.: No. AR-I/37EE/7330/85-86,---Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Flat No. 401, 4th floor, Markar Mansion Parsi Colony, Dadar, Bombay-14

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 15-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(2) Mr. Faredeoon K Anklesaria & Mrs. Sheernaz F Anklesaria. (Transferce)

Objections, if any; to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 401, 4th floor, Plot No. 623 of Dadar manuaga Estate, Markar Mansion, Parsi Colony, Dadar, Bombay-14.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. S. No. AR-1/37EE/6878/85-86 on 10-7-1985.

> NISAR AHME: Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 162—26GI/86

Date: 7-3-1986

FORM TING-

(1) M/s. Jogani Builders

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jalaluddin Sadruddin Lakhani (3) M/s, Jogani Builders

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37E/7260/85-86.--Whereas, I.

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the baid Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No Shop No. 9, Soonawalla Apts. 13/15, Arab Street,

Banti Road, Bombay-8 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Com-

petent Authority at Bombay on 9-7-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than iffeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 9, Sonawalla Apartments, 13/15, Arab Street, Bapti Road, Bombay 8.

The agreement has been registered by the Competent Authorty. Bombay, under S. No. AR-1/37FE/6822/85-86 on 9-7-1985

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 7-3-1986

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7442/85-86.—Whereas, I, NIŞAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1002, 10th floor,

Abdulhusein Potia Apartment, 292, Bellasis Road, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Incorporate Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Zarina Yusuf Attarwalla.

(Transferor)

(2) Shaikh Sultan Akhtar Dawood Husain.

(Transferce)

(3) M/s. Sterling Enterprises. (Person in occupation of the property)

(4) M/s. Sterling Enterprises.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid sersons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1002, 10th floor Abdulhusein Potia Apartments, Bellasis Road, Bombay.

The agreement has been regitered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6996/85-86 on 25-7-1985.

> NISAR AHMED, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Dated: 7-3-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th March 1986

Rcf. No. AR-I/37EE/7254/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Unit No. 241, Todi Industrial Estate, N. M. Joshi Marg, Bombay-11. than lifteen per cent of such apparent consideration and that has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on

9-7-1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) M/s. Vijay Industries.

(Transferor)

(2) Mr. Vijay Narayan Bhide & Mr. Chandrakant N. Bhide.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustie or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 241, Todi Industrial Estate, N. M. Joshi Marg, Bombay-400 011.

The agreement has been regitered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6816/85-86 on 9-7-1985.

NISAR AHMED, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-taxe Acquisition Range-1. Bombay,

Dated: 7-3-1986.

(1) M/s. Jogani Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M.'s, Metro Tyres Pvt, Ltd,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) M/s, Jogani Builder, (Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE 7453/85-86.—Whereas, 1, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 3, ground floor, Soonawalla Apartments, 13/15, Arab Street, Bapti Road,

Bombay-8. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reases to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferen for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tast Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Ground floor, Soonawalla Apartments, 13/15, Arab Street, Bapti Road, Bombay-8.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7007/85-86 on 25-7-1985.

NISAR AHMED, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 7-3-1986.

(1) M/s, Yasmin Corporation.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. S. K. Pragati Pvt. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th March 1986

Rcf. No. AR-1/37EE/7153/85-86,-Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Unit No. 19, Basement,
Creative Indl. Centre, Plot No. 12,
C.S. No. 72, N. M. Joshi Marg, Off
Lower Parel Divn. Bombay-11.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proverty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Ast, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are definde in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 19 in the basement, Creative Industrial Centre. Plot No. 12, C.S. No. 72, N. M. Joshi Marg, Off Power Parel Division, Bombay-11.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-1/37EL/6718/85-86 on 3-7-1985.

> NISAR AHMED, Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 7-3-1986.

Scal:

(1) Smt. Padma P. Bhawnani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Mahendra V. Shah & Smt. Dezaben M. Shah.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7477/85-86,—Whereas. J. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 100.000/- and bearing No. Flat No. 17/6, Navjivan Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Lamington Road,

Bombay-8.

(and more fully described in the Schedule assessed herete), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17/6 in Navjivan Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Laming-

The agreement has been regitered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7031/85-86 cm 26-7-1985.

NISAR AHMED. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Dated: 7-3-1986.

FORM ITNS-

(1) M/s. Yasmin Corporation.

(Transferor)

(2) M.'s. S. K. Pragati Private Limited.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7152/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

nd bearing No.
Unit No. 17, Basement,
Creative Indl. Centre, Plot No. 12,
C.S. No. 72, N. M. Joshi Marg,
N. M. Joshi Marg, Bombay-11.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 17, Basement, Creative Industrial Centre, Plot No. 12, C.S. No. 72, Off Lower Parel Division, N. M. Joshi Marg, Bombay-11.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-1/37EE/6717/85-86. on 3-7-1985.

> NISAR AHMFD. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Bombay

Dated 7-3-1986. Seal:

FURM I'THE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/5966/85-86,—Whereas, I. NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, 1st floor, Jay Mahal, French Bridge,

Chowpatty, Bombay-7, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act. in the Office of the Competent Authority
Bombay on 26-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the first market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

val) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this effice notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersous, namely :-163—26GI/86

(1) Smt. Sushila M. Divan, Miss Kirty M. Divan Shri Sudhir M. Divan.

(Transferor)

(2) Smt. Racshwari N. Kapadia, Shri Hamir K. Kapadia.

(Transferce)

(3) Transferors and their family members. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same message as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, Jay Mahal, French Bridge, Chowpatty, Bombay-7.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under S. No. AR-I/37FE/7020/85-86 on 26-7-85,

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-3-1986

Seel:

FORM ITNS----

(1) M/s. Yasmin Corporation.

(Transferor)

(2) M/s. Jay Hind Prakashan,

(Transferce) (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7390/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Unit No. 5 in the basement, Creative Industrial Centre, Plot No. 12, C.S. No. 72, N.M. Joshi Marg, Off. Lower

Parel Division, Bombay-11, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Com-

petent Authority at Bombay on 19-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair markket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 5 in the basement, Creative Industrial Centre, Plot No. 12, C.S. No. 72 N. M. Joshi Marg, Off Lower Parel Division, Bombay-11.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6947/85-86 on 19-7-1985,

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection () of Section 269°D of the said Act, to the following person namely :-

Date: 7-3-1986

(3) Transferor.

FORM ITNS-

(1) Mr. Iqbal Abdul Gani Maklai.

(Transferor)

(2) Mrs. Sariya Mohamed Hussain Merchant.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/7261/85-86.--Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aaid Act'), have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Flat No. 6, 2nd floor, Central Court Building, 18, Motlibai Street, Bombay-11,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Com-

petent Authority at Bombay on 9-7-1985,

at Bombay on 9-7-1985, for an apparent consideration which is less than the fair merket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(Person in occupation of the property)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 6, 2nd floor, Central Court Building, 18, Mtlibal Street, Bombay-11.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6823/85-86 on 9-7-1985.

> **NISAR AHMED** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in sursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-3-1986

(1) M/s. Poddar Brothers

(Transferce)

(2) Eastern Road Carriers Pvt. Ltd.

(Transferor) (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7151/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Godown-dum-shop No. 1, Gr. floor, Steel Chambers,

Broach St., Bombay-9, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown-cum-shop premises No. 1, Ground floor, Steel Chambers, Broach Street, Bombay-9.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6716/85-86 on 3-7-19R T

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-3-1986

FORM I.T.N.S.---

(1) Smt. Bhartiben M. Papadia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1951)

(2) Smt. Manju S. Barna.

(3) Transferor.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7318/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. Flat No. 1, A Wing, Sidhachal Darshan, Motisha Cross Lane, Byculla, Bombay-27, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Cometent Authority

Bombay on 12-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the faiar market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest ed-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tex. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Obsotur.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, A Wing, Sidhachel Darshan, Motisha Cross Lane, Byculla, Bombay-400 027.

The agreement has been registered by Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6875/85-86 on 12-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 7-3-1986

(1) Mr. Bhagwan T. Bajaj.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Jayshree Bansilal Bhatia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7472/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1102 on 11th floor, Bldg. A, Bhagnari CHSL, Duncan Causeway Road, Chunabhatti, Bombay-22,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1102, 11th floor, Building A, Bhagnari Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Duncan Causeway Road, Chunabhotti, Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7026/85-86 on 26-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Date: 7-3-1986

Sch

FORM TINS---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7421/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Indl. Gala No. 505A, Bldg. No. A. Byculla Service Industrial Premises Co-op. Society Ltd., Sussex Road,

Byculla, Bombay-27, (and more fully described in the Schedule 2570676d hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties 'me not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Whalth-tro Apt, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Ram Jethanand Cangeria.

(Transferors)

(2) Smt. Saroj Mulchand Motwani.

(Transferees) (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Gala No. 505A, Building No. Λ of Byculla Service Industrial Premises Co-op. Society Ltd., Sussex Road, Byculla, Bombay-400 027.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EE/6976/85-86 on 24-7-1985

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Date: 7-3-1986

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Suber Khurshad Birdy alias Suber Jal Contractor and Diniyar B. Contractor.

(Transferor)

(2) Ibrahim Hayat Sharif.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-1/37EE/5723/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Flat No. 12, 4th floor, New Reay Road CHSL,
265, Retay Road, Bombay-10,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred and the Agreement is registered under
Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 18-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aformald exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 4th floor, New Reay Road CHSL, 265, Reay Road, Bombay-400 010.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6935/85-86 on 18-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Date: 7-3-1986

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtion (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mrs. Padma S. Shah. and Mr. Mukesh S. Shah.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Kanchanben C. Mehta tend Mrs. Sujata A. Mehta

(3) Transferees.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7125/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Flat No. 1, 15th floor, Enterprise Apartment, Kapasi CHSL, Forjett Hill Road, Tardeo, Bombay-34, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforeanid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) by any of the ancesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-- Inc : wine and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Acr, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been a which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or

1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Flat No. 1 on the 15th floor, Enterprise Apartment, Kapasi Co-op Hsg. Soc. Ltd., Forjett Hill Road, Tardep, Bombay-36.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under s. No. AR-I/37EE/6690/85-86 on 1-7-1985,

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: 164-26GI/86

Date: 7-3-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7147/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the, said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

No. Office Premises No. 63,0 Murlidhar Chambers Premises

CHSL, 352, J.S.S. Road, Bombay-2, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- facilitating the recrection or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) fucilitating the concealment of any income or a which ought to se disclosed by the true the purposes of the Indian Income-tax (11 of 1922) on the second se of 1922) or the said Ast, or 1957 (27 of 1957)/

(1) Vijay Waman Korke and Jashwant Chandulal Raval.

(Transferor)

(2) Kishori Vijay Korke and Hansa Jashwant Raval.

(Transferee)

(3) Korke and Raval, Chartered Accountants,

(Person in occupation of the property) (4) Regal Commercial Services.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Office Premises No. 603, Murlidhar Chambers Premises CHSL, 352, J.S.S. Road, Bombay-400 002.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6712/85-86 on 3-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following Persons, manualy :--

Date: 7-3-1986

(1) Satish Balwant Dalvi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Usha Balwant Dalvi.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

*OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7127/85-86.—Whereas, I,

NISAR AHMED, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o. 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Block No. 96, Prashanti Mangaldham CHS, Sion-Trombay Road, Chunabhatti, Sion, Bombay-22, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; ADM / DA

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the res-

pective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned:-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 96, Prashanti Mangaldham Co-o. Hsg. Soc. Sion-Trombay Road Chunabhatti, Sion, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6692/85-86 on 1-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following mersens, namely :-

Date: 7-3-1986

FORM NO. I.T.N.S.---

(1) V. Sundaresan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7440/85-86.—Whereas, I. NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 3 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing
Flat No. 23, 3rd floor, Shankar Sadan, Plot No. 240,

Sion East, Bombay-22

Z

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Com-

petent Authority at Bombay 25-7-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfers 100 ben

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(2) Smt. Radhabai M. Maheshwari.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property-may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 23, 3rd floor, Shankar Sadan, Plot No. 240, Sion-East, Bombay-22.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6994/85-86 on 25-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Dated: 7-3-1986.

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th March 1986.

Ref. No. AR-I/37EE/7355/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/4 and bearing Flat No. 14 with attached open terrace on the 3rd floor, Ravi Villa, Plot No. 217, R.A. Kidwai Road, Wadala, Bombay-31

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 16-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of rransfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following nemons, namelv:---165-26GI/86

(1) Mr. Kewalkrishen Gursarndas Kapur.

(Transferor)

(2) Mr. Maneckchand N. Maru.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 14 with open terrace on 3rd floor of Ravi Villa, Plot No. 217, R.A. Kidwai Road, Wadala, Bombay-31.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6914/85-86 on 16-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Dated: 7-3-1986.

(1) R.T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

(2) Sharad L. Jadhav.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7303/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable No. Shop No. 3, Nitin Bldg. Anant Gancat Pawar Lane and Chinchpokli X Road, Byculla, Bombay-27

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority

at Bombay on 11-7-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has able to be the parties has a successful the children of the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay ax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Iudian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable prpoerty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Nitin Building, Anant Ganpat Pawar Lane & Chinchpokli X Road, Byculla, Bombay-27.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-1/37EP/6861/85-86 on 11-7-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Dated: 7-3-1986.

FORM ITNS ---

(1) R.T. Mehta Construction Co.

(Transferor)

(2) Bandu Ramchandra Patil.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/374E/7302/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 5A, Nitin Bidg. Junction of Anant Ganpat Pawar Lane & Chinchpolis X Road, Byculla, Bombay-27 (und more fully described in the schedule appeared hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Com-

petent Authority at Bombay on 11-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen put cent of asks apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of aux isonmo acising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

Objections, if any, to the requisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the aervice of notice on the respective nerrous. whichever period empires interp
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 5A, Nitin Building, Anant Pawar Lane & Chinchpokali Cross Road, Byculla, Bombay-400 027. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6860/85-86 on 11-7-85.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Dated: 7-3-1986.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7478/85-86.—Whereas, I, NISAR AHMED

the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. Flat No. 2, 1st floor, Nagmuas Mansion Co-op. Society, 59/61, J.S.S. Road, Girgaum Road, Bombay-4

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 26-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair arract value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent o f such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the seduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, und/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Mrs. Kircika P Jhaveri & Praful S Jhaveri.
- (Transferor) (2) Shri Pankai S Jhaveri & Smi. Bharati A. Jhaveri. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servic e of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st floor, Nagindas Mansion Co-op. Society, 59/61, J.S.S. Road, Girgaum Road, Bombay-4.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-J/37EE/7032/85-86 on 26-7-1985.

NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Dated: 7-3-1986.

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Shil Manionai K. Patel.

(Tipps Citer)

(2) Shri Sidhpurwala N. Taiyebally.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7468/85-86.—Whereas, 1, NISAR AHMED

NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 1s. 1,00,000/- and bearing No. Office Room No. 14/L, Bldg. No. 3 of Lamington Road Scheme of Navjivan CHSL, Lamington Road, Bombay-8 and more fully described in the Schedule annexed hereto), as been transferred and the Agreement is registered under cetion 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority metent Authority

at Bombay on 26-7-1985,

to, an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office Room No. 14/L, 9th floor, Bldg. No. 3 of the Lamington Road Scheme of Navjivan CHSL, Lamington Road, Bombay-8.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/7022/85-86 on 26-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Da'e: 28-2-1986

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EE/7378/85-86,---Whereas, 1. NISAR AHMED

NISAR AHMED being the Competent Authority under Section 269-B of the incorne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Godown No. DG.1, Gr. floor, Rashdhara Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 385, Sardar V. P. Road, Bombay-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 19-7-1985

at Bombay on 19-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fail market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (41 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby instante proceedings for the acquisit, n of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Vimal V. Shah, Smt. Sulochana V. Shah, Mrs. Chhaya J. Mukhtyar, Mrs. Anjali M. Khimani, Legal heirs of Vaikunthlal L. Shah.

(Transferor)

(2) Shri Vithal S. Jhaveri.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servcie of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Godown No. DG1, Ground floor, Rashdhata Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 385, Sardar V.P. Road, Bombay-400 004.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6934/85-86 on 19-7-1985.

> NISAR AHMED Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range-Bombay

Dated: 7-3-1986.

(1) Arunkumar O. Jain.

(Transferor)

- (2) Amritkumar P. Parmar, Smt. Urmila A. Parmar. (Transferce)
- (3) Transferor. (Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY-400 038

Bombay, the 7th March 1986

Ref. No. AR-I/37EF/7183/85-86,—Whereas, I, NISAR AHMED

being the Competent Authority under Section 269B of the the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 707, 7th floor, Vimlachal, B Wing, Motisha Lan, Byculla, Bombay-27

'a'ad more fully described in the Schedule annexed hereto), Las been transferre and the Agreement is registered under Section 269AB of the Said Act, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-7-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the convideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

so the acquisition of the said property ing to the undersigned.... may be made in writ

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ... The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in the Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 707, 7th floor, Vimlachal, B. Wing, Motish Lane, Byculla, Bombay-27.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under S. No. AR-I/37EE/6749/85-86 on 4-7-1985

> NISAR AHMED Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Dated: 7-3-1986.